खण्ड–509, अंक–01
बुधवार–गुरुवार, 10–11 आश्विन, शक संवत् 1941
(02–03 अक्टूबर, 2019 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)

(सत्रहवीं विधान सभा, तृतीय सत्र, 2019)

(खण्ड 509 में 01 अंक 03 भाग में हैं)

भाग–3

(पृष्ठ संख्या-771 से 1148 तक)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2019

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
सत्रहहवीं विधान सभा सदस्यों की सूची, मा0 राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल की सूची	1-14
उपस्थिति सदस्य	15-20
वन्दे मातरम्।	21
कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव	21-22
संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्य हेतु माननीय मुख्य मंत्री के उद्देश्यों से श्री अध्यक्ष द्वारा सदन को अवगत कराना	22-24
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य पर नियम 103 के अन्तर्गत सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये जाने विषयक प्रस्ताव	24
नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रस्ताव पर अनवरत चर्चा (जारी)	24-56
मा0 सदस्यों के लिये चर्चा हेतु 05 मिनट के समय का निर्धारण एवं कैन्टीन में उनके लिये भोजन एवं फलाहार की व्यवस्था	56
नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रस्ताव पर अनवरत चर्चा (जारी)	56-374

भाग-2

सदस्यों द्वारा सदन में न बोल पाने के कारण उनके भाषण 300 शब्दों में लिख कर दिये जाने की सूचना	375-482
संसदीय कार्य मंत्री द्वारा चर्चा हेतु मंत्रीगण के लिए 7-8 मिनट व सदस्यों के लिये 3-4 मिनट के समय निर्धारण हेतु पीठ से अनुरोध	482-483
नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रस्ताव पर अनवरत चर्चा (जारी)	483-556
नियम-205 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश विधान परिषद् से पारित सतत विकास के लक्ष्य जैसे लोकमहत्व के विषय पर दोनों सदनों का संयुक्त सम्मेलन विषयक प्रस्ताव	556-557
नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रस्ताव पर अनवरत चर्चा (जारी)	557-568
समवेत् सदन हेतु सभापति विधान परिषद् व सदस्यगण के आगमन तक सदन की कार्यवाही कुछ मिनट रोकने का प्रस्ताव	569

विषय	पृष्ठ-संख्या
माननीय मुख्य मंत्री द्वारा आभार. .	569-594
पीठ द्वारा विधान परिषद् सदस्यों को उनके सदन में जाने की सूचना	594
माननीय मुख्य मंत्री द्वारा आभार (जारी)	594-595
नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये जाने विषयक प्रस्ताव का पारण	595
सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित किये जाने का प्रस्ताव	595
राष्ट्रगान	596
नत्थियां	597-770

भाग-3

नत्थियां	771-1148

उत्तर प्रदेश विधान सभा
सत्रहवीं विधान सभा के
सदस्यों की सूची

1. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
2. अजय कुमार, डॉ0 — इलाहाबाद
3. अजय कुमार लल्लू, श्री — कुशीनगर
4. अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह'', श्री — बस्ती
5. अजय प्रताप सिंह, ''लल्ला भइया'' कुंवर — गोण्डा
6. अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, श्री — सम्भल
7. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
8. अजीत पाल सिंह, श्री — कानपुर देहात
9. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
10. अदिति सिंह, सुश्री — रायबरेली
11. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
12. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
13. अनिल कुमार मौर्य, डा0 — सोनभद्र
14. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
15. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
16. अनिल सिंह, श्री — उन्नाव
17. अनीता, श्रीमती — अम्बेडकर नगर
18. अनीता लोधी राजपूत, डॉ0 — बुलन्दशहर
19. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
20. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
21. अनूप प्रधान, श्री — अलीगढ़
22. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
23. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री — प्रतापगढ़
24. अभिजीत सिंह सांगा, श्री — कानपुर नगर
25. अमन मणि त्रिपाठी, श्री — महाराजगंज
26. अमर सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
27. अमर सिंह चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
28. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
29. अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
30. अरविन्द गिरि, श्री — खीरी
31. अरूण कुमार, डॉ0 — बरेली
32. अरूण कुमार यादव, श्री — आजमगढ़
33. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
34. अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
35. अवतार सिंह भडाना, श्री — मुजफ्फरनगर
36. अवधेश सिंह, प्रो0 (डा0) — वाराणसी
37. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — खीरी
38. अविनाश त्रिवेदी, श्री — लखनऊ
39. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर
40. असलम अली, श्री — हापुड़
41. आजाद अरिमर्दन, श्री — आजमगढ़
42. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री — बलिया
43. आर0 के वर्मा, डॉ0 — प्रतापगढ़
44. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
45. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
46. आशीष कुमार सिंह ''आशू'', श्री — हरदोई
47. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
48. आशुतोष टण्डन ''गोपाल जी'', श्री — लखनऊ
49. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
50. इकराम कुरैशी, हाजी — मुरादाबाद
51. इन्द्र प्रताप उर्फ खब्बू तिवारी, श्री — फैजाबाद
52. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
53. उज्जवल रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
54. उदयभान सिंह, चौ0 — आगरा
55. उपेन्द्र तिवारी, श्री — बलिया
56. उमाशंकर सिंह, श्री — बलिया
57. उमेश मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
58. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं
59. ओमकुमार, श्री — बिजनौर

60. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
61. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
62. कमल रानी, श्रीमती कानपुर नगर
63. कमल सिंह मलिक, श्री हापुड़
64. कमलेश शुक्ल, श्री देवरिया
65. कमलेश सैनी, श्रीमती बिजनौर
66. करण सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
67. कल्पनाथ पासवान, श्री आजमगढ़
68. कारिन्दा सिंह, श्री मथुरा
69. काली प्रसाद, श्री देवरिया
70. किशन लाल राजपूत, श्री पीलीभीत
71. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
72. कुशाग्र सागर, श्री बदायूं
73. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
74. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
75. केसर सिंह, श्री बरेली
76. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री बलरामपुर
77. कैलाश नाथ सोनकर, श्री वाराणसी
78. कैलाश सिंह राजपूत, श्री कन्नौज
79. गंगा, श्री कुशीनगर
80. गरिमा सिंह, श्रीमती अमेठी
81. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
82. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
83. गौरी शंकर, श्री जालौन
84. चन्द्रपाल कुशवाहा, श्री बांदा
85. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री बस्ती
86. चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, श्री चित्रकूट
87. चेतन चौहान, श्री अमरोहा
88. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
89. छत्र पाल सिंह गंगवार, श्री बरेली
90. जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
91. जटाशंकर त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
92. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
93. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 इलाहाबाद
94. जय कुमार सिंह (जैकी), श्री फतेहपुर
95. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
96. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
97. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
98. जयमंगल, श्री महाराजगंज
99. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
100. जितेन्द्र पाल सिंह उर्फ बिल्लू, श्री मेरठ
101. जितेन्द्र वर्मा, श्री आगरा
102. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
103. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
104. ज्ञानेन्द्र, श्री महराजगंज
105. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
106. डेनजिल जे0 गोडिन, डा0 नाम-निर्देशित
107. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
108. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्ध नगर
109. तेजेन्द्र निर्वाल, श्री शामली
110. त्रिवेणी राम, श्री गाजीपुर
111. दयाराम चौधरी, श्री बस्ती
112. दल बहादुर, श्री रायबरेली
113. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
114. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
115. दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, श्री सन्तकबीर नगर
116. दिनेश खटिक, श्री मेरठ
117. दिनेश चौधरी, श्री जौनपुर
118. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
119. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
120. देवमणि द्विवेदी, श्री सुल्तानपुर
121. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
122. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री कासगंज
123. देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री कासगंज
124. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री बुलन्दशहर
125. धनन्जय कन्नौजिया, श्री बलिया

126. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
127. धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव, श्री बाराबंकी
128. धर्म सिंह सैनी, डॉ0 सहारनपुर
129. धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य उर्फ पप्पू भइया, श्री बदायूं
130. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री रायबरेली
131. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
132. नईम उल हसन, श्री बिजनौर
133. नन्द किशोर गुर्जर, श्री गाजियाबाद
134. नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', श्री इलाहाबाद
135. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
136. नरेन्द्र पाल सिंह, कुं0 जालौन
137. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
138. नरेश सैनी, श्री सहारनपुर
139. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
140. नसीर अहमद खाँ, श्री रामपुर
141. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
142. नाहिद हसन, श्री शामली
143. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
144. निर्मला संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
145. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
146. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
147. नीलम करवरिया, श्रीमती इलाहाबाद
148. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री वाराणसी
149. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
150. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
151. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
152. पक्षालिका सिंह, रानी आगरा
153. पवन कुमार उर्फ पवन केडिया,श्री कुशीनगर
154. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
155. पारसनाथ यादव, श्री जौनपुर
156. पिंकी सिंह यादव, श्री सम्भल
157. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
158. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
159. प्रकाश चन्द्र द्विवेदी, श्री बांदा
160. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
161. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
162. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
163. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
164. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
165. प्रमोद उटवाल, श्री मुजफ्फरनगर
166. प्रवीण कुमार सिंह, श्री इलाहाबाद
167. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री गोण्डा
168. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
169. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
170. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महाराजगंज
171. बन्दना सिंह, श्रीमती आजमगढ़
172. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
173. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
174. बहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
175. बाबा गोरखनाथ, श्री फैजाबाद
176. बाबू राम पासवान, श्री पीलीभीत
177. बावन सिंह, श्री गोण्डा
178. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
179. बिहारीलाल आर्य, श्री झांसी
180. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
181. बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, श्री महोबा
182. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
183. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
184. बृजेश कुमार प्रजापति, श्री बांदा
185. बैजनाथ रावत, श्री बाराबंकी
186. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
187. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
188. भगवती प्रसाद सागर, श्री कानपुर नगर

189. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
190. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
191. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
192. मनीषा अनुरागी, श्रीमती हमीरपुर
193. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
194. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
195. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
196. मन्जू शिवाज, डॉ0 गाजियाबाद
197. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
198. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री रायबरेली
199. मसूद अख्तर, श्री सहारनपुर
200. महबूब अली, श्री अमरोहा
201. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
202. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सीतापुर
203. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री अमरोहा
204. महेश कुमार गोयल, श्री आगरा
205. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
206. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
207. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर हरदोई
208. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
209. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
210. मुकुट बिहारी, श्री बहराइच
211. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री फिरोजाबाद
212. मुख्तार अन्सारी, श्री मऊ
213. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
214. मो0 मुजतबा सिद्दीकी, श्री इलाहाबाद
215. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री श्रावस्ती
216. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
217. मौ0 फईम इरफान, श्री मुरादाबाद
218. मौहम्मद अब्दुल्ला आजम खां, श्री रामपुर
219. याशर शाह, श्री बहराइच
220. युवराज सिंह, श्री हमीरपुर
221. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
222. योगेश धामा, श्री बागपत
223. योगेश वर्मा, श्री खीरी
224. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
225. रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
226. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
227. रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया, श्री फतेहपुर
228. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
229. रफीक अन्सारी, श्री मेरठ
230. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
231. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
232. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री औरेया
233. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
234. रवि कुमार सोनकर, श्री बस्ती
235. रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री भदोही
236. रवि शर्मा, श्री झांसी
237. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
238. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
239. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
240. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
241. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
242. राकेश सिंह, श्री रायबरेली
243. राकेश सिंह बघेल, श्री सन्तकबीर नगर
244. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
245. राज करन कबीर, श्री बांदा
246. राजकुमार अग्रवाल, श्री हरदोई
247. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
248. राजबाला, श्रीमती रामपुर
249. राजमणि कोल, श्री इलाहाबाद
250. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
251. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भइया, श्री बदायूं
252. राजीव सिंह ''पारीछा'', श्री झांसी
253. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, श्री प्रतापगढ़

254. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
255. राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, श्री बरेली
256. राजेश कुमार सिंह (चुन्नू), श्री मुरादाबाद
257. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
258. राधा कृष्ण शर्मा, पं0 बदायूं
259. राधा मोहन दास अग्रवाल, डॉ0 गोरखपुर
260. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकर नगर
261. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
262. राम गोपाल पप्पु लोधी, श्री फिरोजाबाद
263. राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
264. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
265. राम नरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
266. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
267. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
268. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
269. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा, श्री बलरामपुर
270. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
271. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
272. रामवीर उपाध्याय, श्री हाथरस
273. रामानन्द बौद्ध, श्री कुशीनगर
274. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
275. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
276. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
277. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
278. लाखन सिंह, श्री औरैया
279. लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
280. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
281. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
282. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
283. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
284. विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
285. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
286. विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
287. विजय कुमार कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
288. विजय पाल (आढ़ती), श्री हापुड़
289. विजय मिश्र, श्री भदोही
290. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
291. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
292. विनय शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
293. विनय शाक्य, श्री औरैया
294. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
295. विनोद कुमार कटियार, श्री कानपुर देहात
296. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
297. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
298. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
299. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
300. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस शाहजहांपुर
301. वीरेन्द्र, श्री एटा
302. वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री बुलन्दशहर
303. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री फैजाबाद
304. शरद कुमार अवस्थी, श्री बाराबंकी
305. शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
306. शशांक वर्मा, श्री खीरी
307. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
308. शारदा प्रसाद, श्री चन्दौली
309. शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, श्री आजमगढ़
310. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
311. शीतल पाण्डेय, श्री गोरखपुर
312. शीतला प्रसाद ''पप्पु पटेल'', श्री कौशाम्बी
313. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती मिर्जापुर
314. शैलेन्द्र यादव ललई, श्री जौनपुर
315. शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', श्री बलरामपुर
316. शोभा सिंह चौहान, श्रीमती फैजाबाद
317. श्याम धनी, श्री सिद्धार्थनगर
318. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
319. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 बरेली
320. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा

321. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
322. श्री राम चौहान, श्री सन्तकबीर नगर
323. श्रीराम सोनकर, श्री मऊ
324. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
325. संगीत सिंह सोम, श्री मेरठ
326. संगीता बलवन्त, डॉ0 गाजीपुर
327. संगीता यादव, श्रीमती गोरखपुर
328. संजय, श्री बुलन्दशहर
329. संजय कुमार, श्री कौशाम्बी
330. संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
331. संजय प्रताप जायसवाल, श्री बस्ती
332. संजय यादव, श्री बलिया
333. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
334. संजीव कुमार, श्री सोनभद्र
335. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
336. संजीव राजा, श्री अलीगढ़
337. संजू देवी, श्रीमती अम्बेडकर नगर
338. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
339. सतीश चंद्र शर्मा, श्री बाराबंकी
340. सतीश चन्द्र द्विवेदी, डॉ0 सिद्धार्थनगर
341. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
342. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
343. सत्य प्रकाश अग्रवाल, ''कैलाश डेरी वाले'', श्री मेरठ
344. सत्यवीर त्यागी, श्री मेरठ
345. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
346. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
347. सहेन्द्र सिंह चौहान, श्री बागपत
348. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
349. साधना सिंह, श्रीमती चन्दौली
350. सावित्री कठेरिया, श्रीमती इटावा
351. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री इलाहाबाद
352. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
353. सुखदेव राजभर, श्री आजमगढ़
354. सुचि, श्रीमती बिजनौर
355. सुनीता, श्रीमती गाजीपुर
356. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
357. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
358. सुनील वर्मा, श्री सीतापुर
359. सुभाष त्रिपाठी एडवोकेट, श्री बहराइच
360. सुभाष पासी, श्री गाजीपुर
361. सुरेन्द्र नाथ सिंह, श्री बलिया
362. सुरेन्द्र नारायण सिंह, श्री वाराणसी
363. सुरेश कुमार, श्री शामली
364. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
365. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
366. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
367. सुरेश तिवारी, श्री देवरिया
368. सुरेश राही, श्री सीतापुर
369. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
370. सुशान्त कुमार सिंह, कुं0 बिजनौर
371. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
372. सुशील सिंह, कुँ0 चन्दौली
373. सुषमा पटेल, श्रीमती जौनपुर
374. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
375. सूर्यभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
376. सोमेन्द्र तोमर, डॉ0 मेरठ
377. सोवरन सिंह यादव, श्री मैनपुरी
378. सोहिल अख्तर अंसारी, श्री कानपुर नगर
379. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
380. सौरभ सिंह, श्री खीरी
381. स्वाती सिंह, श्रीमती लखनऊ
382. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
383. हरगोविन्द भार्गव, श्री सीतापुर
384. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
385. हरिओम यादव, श्री फिरोजाबाद
386. हरिशंकर माहौर, श्री हाथरस
387. हरीराम, श्री सोनभद्र
388. हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 जौनपुर

389. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री इलाहाबाद
390. हाकिम लाल बिन्द, श्री इलाहाबाद
391. हेमलता दिवाकर कुशवाहा, श्रीमती आगरा
392. हृदय नारायण दीक्षित, श्री उन्नाव
393. रिक्त
394. रिक्त
395. रिक्त
396. रिक्त
397. रिक्त
398. रिक्त
399. रिक्त
400. रिक्त
401. रिक्त
402. रिक्त
403. रिक्त
404. रिक्त

माननीय राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल
मंत्रि-परिषद्

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
1	श्री योगी आदित्यनाथ, मुख्य मंत्री	गृह, आवास एवं शहरी नियोजन, राजस्व, खाद्य एवं रसद, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, अर्थ एवं संख्या, भू-तत्व एवं खनिकर्म, बाढ़ नियंत्रण, कर निबन्धन, कारागार, सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, गोपन, सतक्रता, नियुक्ति, कार्मिक, सूचना, निर्वाचन, संस्थागत वित्त, नियोजन, राज्य सम्पत्ति, नगर भूमि, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन समन्वय, प्रशासनिक सुधार, कार्यक्रम कार्यान्वयन, राष्ट्रीय एकीकरण, अवस्थापना, भाषा, वाह्य सहायतित परियोजना, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास, लोक सेवा प्रबन्धन, किराया नियंत्रण, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट-माप तथा प्रोटोकाल।
2	श्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्य मंत्री	लोक निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, मनोरंजन कर तथा सार्वजनिक उद्यम।
3	डा0 दिनेश शर्मा, उप मुख्य मंत्री	माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रानिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
4	श्री सूर्य प्रताप शाही	कृषि, कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान
5	श्री सुरेश कुमार खन्ना	वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा
6	श्री स्वामी प्रसाद मौर्य	श्रम, सेवायोजन, समन्वय
7	श्री सतीश महाना	औद्योगिक विकास
8	श्री दारा सिंह चौहान	वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान
9	श्री रमापति शास्त्री	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण
10	श्री जय प्रताप सिंह	चिकित्सा एवं स्वास्त्य, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण
11	श्री बृजेश पाठक	विधायी, न्याय, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा

1	2	3
12-श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी		दुग्ध विकास, पशुधन, मत्स्य
13-श्री चेतन चौहान		सैनिक कल्याण, होमगार्ड्स, प्रांतीय रक्षक दल, नागरिक सुरक्षा
14-श्री श्रीकान्त शर्मा		ऊर्जा, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत
15-श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह (मोती सिंह)		ग्राम्य विकास, समग्र ग्राम विकास
16-श्री सिद्धार्थनाथ सिंह		खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, वस्त्र उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0, निवेश प्रोत्साहन
17-श्री मुकुट बिहारी वर्मा		सहकारिता
18-श्री आशुतोष टंडन 'गोपाल जी'		नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नरगीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन
19-श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी'		नागरिक उड्डयन, राजनैतिक पेंशन, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज
20-डा0 महेन्द्र सिंह		जल शक्ति
21-श्री सुरेश राणा		गन्ना विकास, चीनी मिलें
22-श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी		पंचायती राज
23-श्री अनिल राजभर		पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण
24-श्री राम नरेश अग्निहोत्री		आबकारी, मद्यनिषेध
25-श्रीमती कमल रानी		प्राविधिक शिक्षा

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
1	श्री उपेन्द्र तिवारी	- खेल, युवा कल्याण, पंचायतीराज (MOS)
2	डा0 धरम सिंह सैनी	- आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (MOS)
3	श्रीमती स्वाती सिंह	- महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार (MOS)
4	डॉ0 नीलकंठ तिवारी	- पर्यटन, संस्कृति, धमार्थ कार्य, प्रोटोकॉल (MOS)
5	श्री कपिल देव अग्रवाल	- व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास
6	श्री सतीश चन्द्र द्विवेदी	- बेसिक शिक्षा
7	श्री अशोक कटारिया	- परिवहन, संसदीय कार्य (MOS)
8	श्री श्रीराम चौहान	- उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार, कृषि निर्यात
9	श्री रवीन्द्र जायसवाल	- स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क, पंजीयन
राज्य मंत्री-		
1	श्रीमती गुलाब देवी	- माध्यमिक शिक्षा
2	श्री जय प्रकाश निषाद	- पशुधन, मत्स्य एवं दुग्ध विकास
3	श्री जय कुमार सिंह (जैकी)	- कारागार, लोक सेवा प्रबंधन
4	श्री अतुल गर्ग	- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण
5	श्री रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया	- खाद्य एवं रसद, नागरिक आपूर्ति
6	श्री मोहसिन रजा	- अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ, हज
7	श्री गिरीश चन्द्र यादव	- आवास एवं शहरी नियोजन
8	श्री बल्देव सिंह औलख	- जल शक्ति
9	श्री मनोहरलाल	- श्रम, सेवायोजन

1	2	3
10	श्री संदीप कुमार सिंह	- वित्त, प्राविधिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा
11	श्री सुरेश कुमार	- गन्ना विकास, चीनी मिलें
12	श्री अनिल कुमार	- वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान
13	श्री महेश चन्द्र गुप्ता	- नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन
14	श्री आनन्द स्वरूप शुक्ल	- संसदीय कार्य, ग्राम्य विकास, समग्र ग्राम विकास
15	श्री विजय कुमार कश्यप	- राजस्व, बाढ़ नियंत्रण
16	डा0 जी0 एस0 धर्मेश	- समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण
17	श्री लाखन सिंह	- कृषि, कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान
18	श्रीमती नीलिमा कटियार	- उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
19	श्री चौधरी उदयभान सिंह	- खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, बस्त्र उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, निर्यात प्रोत्साहन
20	श्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय	- लोक निर्माण
21	श्री रमा शंकर सिंह	- ऊर्जा, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत
22	श्री अजीत पाल सिंह	- इलेक्ट्रानिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी

नेता विरोधी दल

श्री राम गोविन्द चौधरी

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री हृदय नारायण दीक्षित

उपाध्यक्ष

रिक्त

प्रमुख सचिव

श्री प्रदीप कुमार दुबे

अधिष्ठाता मण्डल

1-श्री सुखदेव राजभर, सदस्य, विधान सभा (आजमगढ़),
2-श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव, सदस्य, विधान सभा (लखनऊ),
3-डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल, सदस्य, विधान सभा (गोरखपुर),
4-श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही, सदस्य, विधान सभा (बुलन्दशहर),
5-श्री श्याम सुन्दर शर्मा, सदस्य, विधान सभा (मथुरा),
6-श्री फतेह बहादुर, सदस्य, विधान सभा (गोरखपुर),
7-श्री अरविन्द गिरि, सदस्य, विधान सभा (खीरी),
8-श्री संजय गर्ग, सदस्य, विधान सभा (सहारनपुर),
9-रिक्त,
10-रिक्त,

उत्तर प्रदेश विधान सभा
सत्रहवीं विधान सभा

बुधवार, दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-304

1. अगयश राम सरन वर्मा, श्री पीलीभीत
2. अजय कुमार, डॉ0 इलाहाबाद
3. अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह'', श्री बस्ती
4. अजीत पाल त्यागी, श्री गाजियाबाद
5. अजीत पाल सिंह, श्री कानपुर देहात
6. अतुल गर्ग, श्री गाजियाबाद
7. अदिति सिंह, सुश्री रायबरेली
8. अनिल कुमार, श्री बुलन्दशहर
9. अनिल कुमार मौर्य, डॉ0 सोनभद्र
10. अनिल पाराशर, श्री अलीगढ़
11. अनिल राजभर, श्री वाराणसी
12. अनिल सिंह, श्री उन्नाव
13. अनीता, श्रीमती अम्बेडकर नगर
14. अनीता लोधी राजपूत, डॉ0 बुलन्दशहर
15. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती बहराइच
16. अनुराग सिंह, श्री मिर्जापुर
17. अनूप प्रधान, श्री अलीगढ़
18. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री प्रतापगढ़
19. अभिजीत सिंह सांगा, श्री कानपुर नगर
20. अमन मणि त्रिपाठी, श्री महाराजगंज
21. अमर सिंह, श्री फर्रुखाबाद
22. अमर सिंह चौधरी, श्री सिद्धार्थनगर
23. अरविन्द गिरि, श्री खीरी
24. अरूण कुमार, डॉ0 बरेली
25. अरूण कुमार यादव, श्री आजमगढ़
26. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती कन्नौज
27. अलका राय, श्रीमती गाजीपुर
28. अवधेश सिंह, प्रो0 (डा0) वाराणसी
29. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री खीरी
30. अविनाश त्रिवेदी, श्री लखनऊ
31. अशोक कुमार राणा, श्री बिजनौर
32. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री बलिया
33. आर0 के वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
34. आशीष कुमार सिंह ''आशू'', श्री हरदोई
35. आशुतोष टण्डन ''गोपाल जी'', श्री लखनऊ
36. इन्द्र प्रताप उर्फ खब्बू तिवारी, श्री फैजाबाद
37. उदयभान सिंह, चौ0 आगरा
38. उपेन्द्र तिवारी, श्री बलिया
39. उमेश मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
40. ओमकुमार, श्री बिजनौर
41. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
42. कमल रानी, श्रीमती कानपुर नगर
43. कमल सिंह मलिक, श्री हापुड़
44. कमलेश सैनी, श्रीमती बिजनौर
45. करण सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
46. कारिन्दा सिंह, श्री मथुरा
47. काली प्रसाद, श्री देवरिया
48. किशन लाल राजपूत, श्री पीलीभीत
49. कुशाग्र सागर, श्री बदायूं
50. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
51. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
52. केसर सिंह, श्री बरेली
53. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री बलरामपुर
54. कैलाश सिंह राजपूत, श्री कन्नौज

55. गंगा, श्री कुशीनगर
56. गरिमा सिंह, श्रीमती अमेठी
57. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
58. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
59. गौरी शंकर, श्री जालौन
60. चन्द्रपाल कुशवाहा, श्री बांदा
61. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री बस्ती
62. चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, श्री चित्रकूट
63. चेतन चौहान, श्री अमरोहा
64. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
65. छत्र पाल सिंह गंगवार, श्री बरेली
66. जटाशंकर त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
67. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
68. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 इलाहाबाद
69. जय कुमार सिंह (जैकी), श्री फतेहपुर
70. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
71. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
72. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
73. जयमंगल, श्री महाराजगंज
74. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
75. जितेन्द्र पाल सिंह उर्फ बिल्लू, श्री मेरठ
76. जितेन्द्र वर्मा, श्री आगरा
77. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
78. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
79. ज्ञानेन्द्र, श्री महाराजगंज
80. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
81. डेनजिल जे0 गोडिन, डॉ0 नाम-निर्देशित
82. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्ध नगर
83. तेजेन्द्र निर्वाल, श्री शामली
84. दयाराम चौधरी, श्री बस्ती
85. दल बहादुर, श्री रायबरेली
86. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
87. दारा सिंह चौहान, श्री मऊ
88. दिनेश खटिक, श्री मेरठ
89. दिनेश चौधरी, श्री जौनपुर
90. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
91. देवमणि द्विवेदी, श्री सुल्तानपुर
92. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
93. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री कासगंज
94. देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री कासगंज
95. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री बुलन्दशहर
96. धनन्जय कन्नौजिया, श्री बलिया
97. धर्म सिंह सैनी, डॉ0 सहारनपुर
98. धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य उर्फ पप्पू भइया, श्री बदायूं
99. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री रायबरेली
100. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
101. नन्द किशोर गुर्जर, श्री गाजियाबाद
102. नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', श्री इलाहाबाद
103. नरेन्द्र पाल सिंह, कुं0 जालौन
104. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
105. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
106. निर्मला संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
107. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
108. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
109. नीलम करवरिया, श्रीमती इलाहाबाद
110. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री वाराणसी
111. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
112. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
113. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
114. पवन कुमार उर्फ पवन केडिया,श्री कुशीनगर
115. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
116. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
117. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
118. प्रकाश चन्द्र द्विवेदी, श्री बांदा
119. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात

120. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
121. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
122. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
123. प्रमोद उटवाल, श्री मुजफ्फरनगर
124. प्रवीण कुमार सिंह, श्री इलाहाबाद
125. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री गोण्डा
126. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
127. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
128. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महाराजगंज
129. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
130. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
131. बहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
132. बाबा गोरखनाथ, श्री फैजाबाद
133. बाबू राम पासवान, श्री पीलीभीत
134. बावन सिंह, श्री गोण्डा
135. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
136. बिहारीलाल आर्य, श्री झांसी
137. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
138. बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, श्री महोबा
139. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
140. बृजेश कुमार प्रजापति, श्री बांदा
141. बैजनाथ रावत, श्री बाराबंकी
142. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
143. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
144. भगवती प्रसाद सागर, श्री कानपुर नगर
145. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
146. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
147. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
148. मनीषा अनुरागी, श्रीमती हमीरपुर
149. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
150. मन्जू शिवाज, डॉ0 गाजियाबाद
151. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
152. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री रायबरेली
153. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
154. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सीतापुर
155. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री अमरोहा
156. महेश कुमार गोयल, श्री आगरा
157. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
158. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
159. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर हरदोई
160. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
161. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
162. मुकुट बिहारी, श्री बहराइच
163. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री फिरोजाबाद
164. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
165. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री श्रावस्ती
166. युवराज सिंह, श्री हमीरपुर
167. योगेश धामा, श्री बागपत
168. योगेश वर्मा, श्री खीरी
169. रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
170. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
171. रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया, श्री फतेहपुर
172. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
173. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
174. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
175. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री औरैया
176. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
177. रवि कुमार सोनकर, श्री बस्ती
178. रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री भदोही
179. रवि शर्मा, श्री झांसी
180. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
181. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
182. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
183. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
184. राकेश सिंह, श्री रायबरेली

185. राकेश सिंह बघेल, श्री सन्तकबीर नगर
186. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
187. राज करन कबीर, श्री बांदा
188. राजकुमार अग्रवाल, श्री हरदोई
189. राजबाला, श्रीमती रामपुर
190. राजमणि कोल, श्री इलाहाबाद
191. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
192. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भइया, श्री बदायूं
193. राजीव सिंह ''पारीछा'', श्री झांसी
194. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, श्री प्रतापगढ़
195. राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, श्री बरेली
196. राजेश कुमार सिंह (चुन्नू), श्री मुरादाबाद
197. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
198. राधा कृष्ण शर्मा, पं0 बदायूं
199. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
200. राम गोपाल पप्पु लोधी, श्री फिरोजाबाद
201. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
202. राम नरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
203. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
204. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
205. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
206. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा,श्री बलरामपुर
207. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
208. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
209. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
210. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
211. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
212. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
213. लाखन सिंह, श्री औरैया
214. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
215. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
216. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
217. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
218. विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
219. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
220. विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
221. विजय कुमार कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
222. विजय पाल (आढ़ती), श्री हापुड़
223. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
224. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
225. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
226. विनोद कुमार कटियार, श्री कानपुर देहात
227. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
228. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
229. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस शाहजहांपुर
230. वीरेन्द्र, श्री एटा
231. वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री बुलन्दशहर
232. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री फैजाबाद
233. शरद कुमार अवस्थी, श्री बाराबंकी
234. शशांक वर्मा, श्री खीरी
235. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
236. शारदा प्रसाद, श्री चन्दौली
237. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
238. शीतल पाण्डेय, श्री गोरखपुर
239. शीतला प्रसाद ''पप्पु पटेल'' श्री कौशाम्बी
240. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती मिर्जापुर
241. शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', श्री बलरामपुर
242. शोभा सिंह चौहान, श्रीमती फैजाबाद
243. श्याम धनी, श्री सिद्धार्थनगर
244. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 बरेली
245. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
246. श्रीराम चौहान, श्री सन्तकबीर नगर
247. श्रीराम सोनकर, श्री मऊ
248. संगीत सिंह सोम, श्री मेरठ
249. संगीता बलवन्त, डॉ0 गाजीपुर
250. संगीता यादव, श्रीमती गोरखपुर
251. संजय, श्री बुलन्दशहर
252. संजय कुमार, श्री कौशाम्बी
253. संजय प्रताप जायसवाल, श्री बस्ती
254. संजय यादव, श्री बलिया
255. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत

256. संजीव कुमार, श्री सोनभद्र
257. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
258. संजीव राजा, श्री अलीगढ़
259. संजू देवी, श्रीमती अम्बेडकर नगर
260. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
261. सतीश चंद्र शर्मा, श्री बाराबंकी
262. सतीश चन्द्र द्विवेदी, डॉ0 सिद्धार्थनगर
263. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
264. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
265. सत्य प्रकाश अग्रवाल, ''कैलाश डेरी वाले'', श्री मेरठ
266. सत्यवीर त्यागी, श्री मेरठ
267. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
268. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
269. सहेन्द्र सिंह चौहान, श्री बागपत
270. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
271. सावित्री कठेरिया, श्रीमती इटावा
272. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री इलाहाबाद
273. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
274. सुचि, श्रीमती बिजनौर
275. सुनीता, श्रीमती गाजीपुर
276. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
277. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
278. सुनील वर्मा, श्री सीतापुर
279. सुभाष त्रिपाठी एडवोकेट, श्री बहराइच
280. सुरेन्द्र नाथ सिंह, श्री बलिया
281. सुरेन्द्र नारायण सिंह, श्री वाराणसी
282. सुरेश कुमार, श्री शामली
283. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
284. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
285. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
286. सुरेश तिवारी, श्री देवरिया
287. सुरेश राही, श्री सीतापुर
288. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
289. सुशान्त कुमार सिंह, कुं0 बिजनौर
290. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
291. सुशील सिंह, कुँ0 चन्दौली
292. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
293. सूर्यभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
294. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
295. सौरभ सिंह, श्री खीरी
296. स्वाती सिंह, श्रीमती लखनऊ
297. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
298. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
299. हरिशंकर माहौर, श्री हाथरस
300. हरीराम, श्री सोनभद्र
301. हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 जौनपुर
302. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री इलाहाबाद
303. हेमलता दिवाकर कुशवाहा, श्रीमती आगरा
304. हृदय नारायण दीक्षित, श्री उन्नाव

नोट :-मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ), उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य), उप मुख्य मंत्री (डा0 दिनेश शर्मा), जल शक्ति मंत्री (डा0 महेन्द्र सिंह), पंचायती राजमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी), परिवन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री अशोक कटारिया) तथा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री (श्री मोहसिन रजा) भी सदन में उपस्थित थे।

[11:00] वन्दे मातरम्

श्री अध्यक्ष- 'वन्दे मातरम्' के लिए हम सब खड़े हो जाये।

वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम।।
सुजलाम् ।
सुफलाम ।
मलयज शीतलाम् ।
शस्य श्यामलाम् ।
मातरम्। वन्दे मातरम।।
शुभ्र-ज्योत्सना-पुलकित-यामिनीम्
फुल्ल-कुसुमित-द्रुमदल-शोभिनीम्
सुहासिनीम्
सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम्
वरदाम्
मातरम्। वन्दे मातरम।।

[11:03] कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 01 अक्टूबर, 2019 की बैठक में विधान सभा के दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 से प्रारम्भ होने वाले सत्र का कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में रखे जाने की सिफारिश की है :-

दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 को संसदीय कार्य मंत्री द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वें जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में नियम-103 के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रस्ताव को प्रस्तुत किया जाना एवं उस पर अनवरत् चर्चा :-

''यह सदन प्रस्ताव करता है कि राष्ट्रपिता के उच्च आदर्शों का पालन करते हुये संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाए जाएं।''

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से मैं प्रस्ताव करता हूं कि ''यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश से, जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गयी है, सहमत है।''

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने यहां पर प्रस्तुत किया है, यह सदन उससे सहमत है।

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्व-सम्मति से स्वीकृत हुआ।)

[11:04] संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्य हेतु माननीय मुख्य मंत्री के उद्देश्यों से श्री अध्यक्ष द्वारा सदन को अवगत कराया जाना

*** श्री अध्यक्ष-**

आज हम सब इस विशेष सत्र के माध्यम से ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित हुये हैं। जहां तक हम लोगों का अध्ययन है वहां तक, इस प्रकार की बैठक, इस प्रकार का सत्र संसदीय इतिहास में दूसरा नहीं दिखायी पड़ता है। प्राचीन इतिहास में निःसन्देह नैमिषारण्य में एक गोष्ठी का उल्लेख मिलता है जो कुछ शास्त्रों के अनुसार 4-5 व 6 महीने तक चली, कुछ के अनुसार 3 साल तक चली। राष्ट्र जीवन के अनिष्ट को दूर करने, इष्ट को प्राप्त करने की दृष्टि से बड़े विषयों पर, भारत को सारी दुनिया में प्रतिष्ठित कराने वाले विषयों पर ऐसी गोष्ठियों की परम्परा रही है। हमारे सदन के लिए यह पहला अवसर है और कदाचित देश के सभी सदनों के लिए भी। जब हमारे पास सांस्कृतिक अधिष्ठान और उसके लिए समर्पित भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और संविधान और उसको मजबूत करने वाला नेतृत्व है, माननीय योगी जी के नेतृत्व में, उनके विचार, उनके सुझाव के आधार पर हम लोगों ने इस प्रकार का विशेष सत्र बुलाया है। मैं अध्यक्ष, विधान सभा के रूप में आप सबका स्वागत करता हूं कि आप सबने इस विचार गोष्ठी में हिस्सा लिया।

(सदस्यों द्वारा मेजें थपथपायी गयी)

इस प्रकार के विशेष सत्र का विचार मा0 मुख्य मंत्री जी ने प्रस्तुत किया था। इसके पहले संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलेपमेण्ट के लक्ष्यों को पाने की दृष्टि से देश के विधान सभाओं के अध्यक्षों के सम्मेलन में भी यह बात आयी थी लेकिन अपने यहां विधान सभा में इस प्रकार की गोष्ठी सस्टेनेबल डेवलेपमेण्ट गोल्स पर, यह हम लोगों के विचार का विषय तो रही है लेकिन अबकी बार माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस विचार में सतत विकास के लक्ष्य और सतत गोष्ठी, सतत विचार, ऐसा एक प्रस्ताव दिया जो बड़ा आनन्दवर्धक था। उसके लिए मैंने स्वयं सभी दलीय नेताओं की बैठक आहूत की, उस बैठक में मैंने विचार रखा, माननीय मुख्य मंत्री जी ने विचार रखा, सम्पूर्ण प्रतिपक्ष ने भी इसका स्वागत किया था। हमारे दलीय नेताओं के बैठक की कार्यवाही लिखी जाती है उस कार्यवाही में सबके द्वारा इस बैठक के आहूत किये जाने का समर्थन है। लेकिन कतिपय कारणों से हमारे इस आदरणीय सदन के अविभाज्य अंग, विपक्ष के मित्र आज उपस्थित नहीं हैं। कदाचित उन्हें अपने उस सहमति प्रस्ताव का भी ध्यान नहीं है

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जो जाने-अनजाने में उन्होंने अपना ही विचार तोड़ा है। भारत के राष्ट्रीय जीवन में सारी दुनिया को प्रेमपूर्ण बनाने की लालसा, अभीप्सा रही है।

भारत दुनिया का ऐसा देश है जहां हमारे पूर्वजों ने लगातार विश्व चिन्तन किया है, विश्व कल्याण ध्येय और इष्ट रहा है। राम कथा में भरत की प्रशंसा में एक छोटी सी चौपाई है- 'विश्व भरण पोषण कर जेई, ताकर नाम भरत अस होई।' भरत ऐसा प्रतीक कि केवल अयोध्या नहीं, केवल भारत नहीं, 'विश्व भरण पोषण कर जेई, ताकर नाम भरत अस होई।' एक तो भरत हमारे प्राचीन इतिहास के नायक और यही भरत या दूसरे नाम के, भरतजन ऋग्वेद में भी मिलते हैं। तो हमारा तात्पर्य विश्व दृष्टि से जुड़ना और महात्मा गांधी जी उस विश्व दृष्टि के महानायक हैं। गांधी जी ने भारतीय संस्कृति, दर्शन, परम्परा, इतिहास, संघर्ष, आदर्श सबको मिलाकर सारी दुनिया में भारत के मन का चित्रण रखा और ब्रिटिश सत्ता को ठीक उसके मैदान में ही घुसकर उन्होंने चुनौती दी और सीधे उन्होंने लिखकर, हिन्द- स्वराज एक छोटी सी पुस्तक है उसमें उल्लेख करते हुए गांधी जी ने कहा कि तुम्हारी सभ्यता अनीति की सभ्यता है, यह हिन्द-स्वराज में लिखा हुआ है। उनकी संसदीय प्रणाली को भी उन्होंने चुनौती दी और इस आदरणीय सदन के हम सब मा0 सदस्य संसदीय प्रणाली के अंग हैं। उन्होंने कहा कि तुम्हारी संसद बेकार की है, इसमें लोग चिल्लाते हैं, ऊंघते हैं, शोर मचाते हैं और यह संसद कभी कोई अच्छा काम नहीं कर पायी है। गांधी जी के ऐसे विचार को लेकर वहां की संसद भी उस समय बहुत दुःखी थी, व्यथित थी। मैं अभी 5-6 दिन पूर्व लन्दन में था, वहां ब्रिटिश संसद के सामने, जिस ब्रिटिश संसद की गांधी जी ने आलोचना की थी वहां उसी संसद के सामने गांधी जी की विशाल मूर्ति लगी हुई है। मैं अभिभूत हुआ कि कहां ब्रिटिश संसद के द्वारा गांधी जी को हेय माने जाने का और ब्रिटिश संसद के बारे में गांधी जी का दृष्टिकोण, उनकी संस्कृति की आलोचना, भारतीय संस्कृति की स्थापना, उनकी संसद की आलोचना, संसद की कार्यवाही की आलोचना और उस समय जबकि आधी दुनिया में उसी संसद के द्वारा शासन होता था। तो यह गौरव का विषय है। पूरा देश महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती मना रहा है और हम देश की सबसे बड़ी विधान सभा, देश के सबसे बड़े राज्य के निवासी, इस आदरणीय सदन के सदस्य और प्रतिनिधि, हमारा सौभाग्य है कि हम राष्ट्रपिता गांधी जी की जयन्ती पर विशेष-सत्र के रूप में समवेत् हैं और जो प्रस्ताव आया है 36 घण्टे तक लगातार व उससे ज्यादा सदन चलाने का, तो हम लोग इस पर चर्चा करेंगे। संयुक्त राष्ट्र में सस्टेनेबुल डेवलेपमेण्ट लक्ष्यों पर एक प्रस्ताव पारित किया था, भारत ने भी उस पर हस्ताक्षर किये थे। उस प्रस्ताव पर और उन लक्ष्यों पर देश के प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी द्वारा लगातार काम किया जा रहा है और मैं कह सकता हूं एक विद्यार्थी के रूप में कि दुनिया के किसी भी देश द्वारा उन लक्ष्यों पर जैसा काम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है, ऐसा काम दुनिया के अन्य देशों में प्रायः नहीं हुआ है। (सदस्यों द्वारा मेजें थपथपायी गयी।) हम अपने इस भारत में उत्तर प्रदेश राज्य के निवासी, हमने कितना काम किया है यह मा0 मुख्य

मंत्री आदरणीय योगी जी ने इस पर अपना वक्तव्य देने और इस पर एक-एक बिन्दु पर हमने क्या किया है और क्या करना है उसके लिए ऐसा एक यहां आयोजन कर इसका उपयोग करने का निश्चय किया है। तो दो तरह की विश्व दृष्टि से जुड़ना, पहला गांधी जी की जयन्ती और दूसरा संयुक्त राष्ट्र विश्व संस्था, उसके लक्ष्यों से स्वयं को प्रतिबद्ध करना। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि यह हमारे लिए सौभाग्य का विषय है, रात में जागना, बैठना तकलीफदेह होगा लेकिन अपने यहां कहा गया है कि जब साधारण लोग सोते हैं तो संयमी जागता है। कृष्ण ने अर्जुन को बताया कि-

'' या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी।
यस्यां जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतो मुने।।''

संयमी जागता है और हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी उसी धारा के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता हैं। (सदस्यों द्वारा मेजें थपथपायी गयी।) मैं आप सबका आह्वान करता हूं कि इस चर्चा में संयम, अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ हिस्सा लेंगे। अब मैं विषय परिवर्तन के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी का नाम लेता हूं।

[11:14] राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य पर नियम-103 के अन्तर्गत सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये जाने विषयक प्रस्ताव

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आज के इस विषय वस्तु पर एक प्रस्ताव रखता हूं-

''यह सदन प्रस्ताव करता है कि राष्ट्रपिता के उच्च आदर्शों का पालन करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाए जाये।''

[11:15] नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रस्ताव पर अनवरत चर्चा

***माननीय मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं सबसे पहले आपका आभार व्यक्त करता हूं कि इस युग के महानायक और देश के स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में सर्व समावेशी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपने सदन को आहूत किया और इस सदन के सम्मुख माननीय सदस्यों और सरकार को भी अपनी बात रखने का एक अवसर प्रदान किया है। सचमुच आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। भारतमाता के दो महान सपूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के द्वितीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

की जयन्ती का दिन है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने इस देश के स्वाधीनता आंदोलन को उस समय नेतृत्व प्रदान किया था जब देश के अन्दर एक हताशा थी, एक निराशा थी। लोग इस बात को मान चुके थे कि पराधीनता हम सबके साथ अब सदियों के लिए जुड़ चुकी है और इसलिए इसे अपनी नियति का हिस्सा मानकर जब इस देश ने विदेशी दासता की उस पराधीनता को स्वीकार-सा कर लिया था, उस कालखण्ड में एक यशस्वी नेतृत्व महात्मा गांधी जी का इस देश को प्राप्त हुआ था। जिन्होंने सादगी, स्वच्छता, स्वदेशी, ग्राम स्वराज और स्वावलम्बन के माध्यम से देश की आजादी की इस लड़ाई में एक नयी जान फूंकी थी और देखते ही देखते जिन अंग्रेजों के बारे में यह कहा जाता था कि इनके काल में सूर्यास्त नहीं होता है। गांधी जी के नेतृत्व में चले स्वाधीनता के उस आंदोलन के कारण न केवल अंग्रेजों के शासन का सूर्यास्त हुआ बल्कि भारत स्वाधीन भी हुआ। गांधी जी के नेतृत्व में चले इस पूरे आंदोलन ने दुनिया को कौतूहल और आश्चर्य में भरकर रख दिया कि वास्तव में विचारों की क्रांति के माध्यम से भी लोगों के मन में एक व्यापक भावना जाग्रत की जा सकती है और उसके माध्यम से भी लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों का पालन करते हुए शान्तिपूर्ण तरीके से भी दुश्मन के दांत खट्टे किए जा सकते हैं और उस अभियान से दुनिया के तमाम देशों ने प्रेरणा प्राप्त की है। हमें याद है जब दक्षिण अफ्रीका अपनी स्वाधीनता की लड़ाई लड़ रहा था और रंग-भेद के खिलाफ अपनी लड़ाई लड़ रहा था तो उन्होंने अपने आदर्श के रूप में महात्मा गांधी को रखा और भारत को इस बात पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए कि महात्मा गांधी जैसा महामानव इस धरती ने पैदा किया और दुनिया के अन्दर जब भी सत्य और अहिंसा की बात होगी, जब भी सादगी और स्वच्छता की बात होगी, जब भी स्वदेशी और स्वावलम्बन की बात होगी, महात्मा गांधी जी का स्मरण न केवल भारतीय मानस अपितु दुनिया का मानव सदैव इसके प्रेरणापुंज के रूप में महात्मा गांधी और भारत की ओर देखेगा।

इस दृष्टि से आज का दिन हम सबके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। जहां महात्मा गांधी जी ने देश के स्वाधीनता आंदोलन के माध्यम से भारत की सुप्त चेतना को जाग्रत करते हुए भारत की स्वाधीनता की लौ को आगे बढ़ाने के लिए एक यशस्वी नेतृत्व देश को दिया, वहीं साथ-ही-साथ आजादी के बाद भारत माता के महान सपूत एवं महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और इस देश के द्वितीय प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी ने भी आजादी के बाद एक यशस्वी नेतृत्व दिया। प्रधानमंत्री के रूप में भले ही उनका कालखण्ड बहुत छोटा रहा हो लेकिन विशुद्ध गांधीवादी मूल्यों के प्रति समर्पित उस दर्शन को अपने जीवन का हिस्सा बनाने वाले और इस देश के अन्दर शान्ति और क्रांति दोनों के प्रेरणा-पुंज लालबहादुर शास्त्री जी की भी जयन्ती आज है। भारत अपने इन दो महान सपूतों को, जो एक युगदृष्टा महामनीषी थे, जिन्होंने युग की धारा को बदल दिया था, आज याद कर रहा है। लालबहादुर शास्त्री जी के बारे में कहा जाता है कि वे जितने सहज और सरल थे उतने ही कठोर भी थे। इस देश में खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए आज भी लालबहादुर शास्त्री जी को याद किया जाता है। सन् 1962

के चीन युद्ध के बाद, जब देश के अन्दर निराशा थी, उसके तीन वर्ष के अन्दर ही भारत पर थोपे गये पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान को करारी हार देकर लालबहादुर शास्त्री जी का यशस्वी नेतृत्व इस देश ने उस रूप में अंगीकार करते हुए देखा है। आज इन दो महापुरुषों की जयन्ती के अवसर पर मैं सर्वप्रथम इन दोनों महापुरुषों के चरणों में कोटि-कोटि नमन करता हूं और उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित करता हूं। महोदय, महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा वर्ष 2015 में सस्टेनेबल डेवलेपमेण्ट्स गोल्स यानी सतत विकास लक्ष्य को लेकर जो 17 गोल्स तय किए गये थे और जिनमें से उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में 16 गोल्स के 169 लक्ष्यों को लेकर कार्य किया जाना है, इसलिए इन सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपने विशेष रूप से सदन को आहूत किया है और सदन को इन पर विचार करने और 2030 तक जो लक्ष्य सस्टेनेबल डेवलेपमेण्ट्स गोल्स को ले करके प्राप्त करने के लिए यू0एन0 ने निर्धारित किए हैं, उस पर चर्चा करने और समयबद्ध ढंग से कार्य-योजना बनाने तथा उसे क्रियान्वित करने के लिए जो एक महती जिम्मेदारी इस हाउस को दी है और इस हाउस के माध्यम से सरकार को प्राप्त होगी, मैं इसके लिए आपका आभारी हूं। ये अत्यंत महत्वपूर्ण गोल्स हैं और इन महत्वपूर्ण सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आज जब यह सदन चर्चा कर रहा है। जो ये 17 गोल्स हैं उन पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक विस्तृत चर्चा करने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणादायी नेतृत्व से 2015 के बाद वर्ष 2016 में भारत सरकार ने इन्हें अंगीकार और इसके अनुरूप अपनी कार्य-योजना बनाकर इसे लागू भी किया। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि जब हम इन पर चर्चा करेंगे तो ये जो 16 गोल्स उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में लागू होने हैं इनमें से ज्यादातर पर कार्य भारत सरकार वर्ष 2014 में आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कार्य प्रारम्भ कर चुकी है और मार्च, 2017 में उत्तर प्रदेश में हम लोगों की सरकार आने के बाद सरकार ने इस पर जो कार्य किए हैं उसके बारे में भी मैं अपने विचारों को सदन में रखूंगा। लेकिन उत्तर प्रदेश में जो 16 गोल्स तय होने हैं उनमें मुख्य रूप से सबसे पहला गोल है, गरीबी की पूर्णता समाप्ति। दुनिया के हर देश में अत्यधिक गरीबी को समाप्त करना और उन लोगों को अत्यधिक गरीब माना जाता है यानी अमेरिकन डॉलर के हिसाब से माना जाए तो 1.25 डॉलर से कम की आय जिन लोगों की प्रतिदिन है, उन लोगों को गरीबी रेखा के अन्दर जीवन-यापन करने वाला मान करके इस दृष्टि से गरीबी की पूर्णता समाप्ति की दिशा में क्या कार्य-योजना बन सकती है, इस पर चर्चा करने के लिए यह पहला विषय है। दूसरा विषय है, भुखमरी की समाप्ति। जिसमें खाद्य सुरक्षा की गारण्टी अन्तर्गत रखा गया है। तीसरा है, अच्छा स्वास्थ्य और बेहतर जीवन स्तर। चौथा है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। पांचवा है, लैंगिक समानता। छठा है, स्वच्छ पानी एवं स्वच्छता के मिशन को पूर्ण करना। सातवां है, सस्ती एवं स्वस्थ ऊर्जा। आठवां है, अच्छा काम और आर्थिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त करना। नौवां है, उद्योग और नवोन्मेष बुनियादी ढांचे के विकास की दृष्टि से

कार्य करना। दसवां है, असामनता में कमी। ग्याहरवां है, टिकाऊ शहरी और सामुदायिक विकास के लिए ठोस कार्य-योजना बनाना। बारहवां है, जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन के लक्ष्यों को प्राप्त करना। तेरहवां है, जलवायु परिवर्तन। चौदहवां है, भूमि पर जीवन एवं सतत उपभोग को बढ़ावा देने वाले स्थलीय पारिस्थिकी प्रणालियों, सुरक्षित जंगलों, भूमि संरक्षण और जीव विविधता के बढ़ते नुकसान को रोकने के लिए निरंतर प्रयास और उसके लिए ठोस कार्य-योजना बनाना। पन्द्रहवां है, शान्ति एवं न्याय की स्थापना और सोलहवां है, लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी।

महोदय, जो ये 16 गोल्स उत्तर प्रदेश जैसे राज्य की दृष्टि से यहां पर लिए गये हैं। वर्ष 2014 में जब युग-परिवर्तन का समय आया था, जब प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश की कमान अपने हाथों में ली थी तब उन्होंने इस बारे में कहा था कि देश के अन्दर विकास का एजेण्डा किसी व्यक्ति, किसी परिवार, किसी जाति, किसी मत, किसी क्षेत्र और भाषा तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि इस देश के अन्दर, इस देश के गांवों के लिए, गरीब के लिए, किसान के लिए, नौजवान के लिए, महिलाओं के लिए और समाज के प्रत्येक तबके तक हम इसे समान रूप से ले जाने का कार्य करेंगे। किसी के साथ भेद-भाव नहीं, विकास सबका लेकिन तुष्टीकरण किसी का नहीं। यह भाव वर्ष 2014 में जो व्यक्त किया गया आज हम सस्टेनेबल गोल्स के माध्यम से देख सकते हैं कि सस्टेनेबल गोल्स में जो गोल्स तय किए गए हैं वे सभी वहीं है जिन पर सतत विकास के लक्ष्य निर्धारित करते हुए भारत सरकार ने और प्रदेश की सरकार ने भी पिछले ढाई वर्ष के अन्दर प्रदेश में जिन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी ठोस कार्य-योजना बनाई है और कार्य प्रारम्भ किया है ये सभी उन्हीं के इर्द-गिर्द या उन्हीं लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में किये जा रहे प्रयास हैं लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि जब सस्टेनेबुल गोल्स की बात हुई, मुझे याद है जब भी सदन की कार्यवाही प्रारम्भ होती है तो सदन की कार्यवाही होने के पहले अक्सर हमारे विपक्ष के मित्र एक बात को लेकर चर्चा करते थे और कहते थे कि कुछ मुद्दे ऐसे होने चाहिए जिसमें हम गरीबों के मुद्दे पर चर्चा कर सकें उन मुद्दों पर पार्टी लाइन से ऊपर उठकर कार्य कर सकें तो मैंने उनके सामने एक ही सुझाव रखा था कि गांधी जी की 150वीं जयन्ती है और गांधी जी की 150वीं जयन्ती से अच्छा अवसर कोई दूसरा नहीं हो सकता कि गांधी जी ने जिन मूल्यों, आदर्शों के लिए जो कहा था और जैसा जीवन जिया था, जिसके कारण वह महात्मा कहलाये गये और पूरे देश और दुनिया ने उन्हें हाथों-हाथ ले करके उन्हें अपने आदर्श के रूप में स्वीकारा। गांधी जी के उन्हीं मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करके अगर हम सतत ऊपर उठकर कार्य कर सकें तो मैंने उनके सामने एक ही सुझाव रखा था कि गांधी जी की 150वीं जयन्ती है और गांधी जी की 150 वीं जयन्ती से अच्छा अवसर कोई दूसरा नहीं हो सकता कि गांधी जी ने जिन मूल्यों, आदर्शों के लिए जो

कहा था और जैसा जीवन जिया था, जिसके कारण वे महात्मा कहलाये गये और पूरे देश और दुनिया ने उन्हें हाथों-हाथ लेकर के उन्हें अपने आदर्श के रूप में स्वीकारा।

गांधी जी के उन्हीं मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करके अगर हम सतत विकास के लक्ष्यों के लेकर सदन में चर्चा करें फिर उसके लिए ठोस कार्य योजना बनाए और उस कार्य योजना को फिर हम वास्तविक धरातल पर उतारने की दिशा में प्रयास करेंगे तो यह प्रदेश के अन्दर बिना भेद-भाव के प्रत्येक व्यक्ति के विकास में बहुत बड़ी भूमिका सदन की हो सकती है। मुझे आश्चर्य होता है कि सबने अपनी सहमति भरी और सहमति भरने के बाद जब इन मुद्दों पर चर्चा कराने की बात आई तो सबने कहा कि इस पर खूब चर्चा होनी चाहिए और हम चाहते हैं कि इस पर चर्चा होने के बाद कोई ठोस प्रस्ताव भी तैयार हो और जब आज इस पर ठोस प्रस्ताव के साथ सरकार यहां पर आई है। यहां पर तीन-चौथाई से अधिक माननीय सदस्य भी अपनी पूरी तैयारी के साथ आये हैं, उन स्थितियों में विपक्ष का इस प्रकार गरीबों के लिए, प्रदेश के विकास के लिए, विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में किये जाने वाले किसी भी सार्थक चर्चा से अपने आपको अलग करना न केवल सदन की अवमानना है अपितु बापू का भी अपमान है और गरीबों का भी, प्रदेश के किसानों का भी और आमजन का भी अपमान इसको कहा जा सकता है। महोदय, मुझे आश्चर्य होता है और मुझे यही बात लगती है कि जो चीज आज यहां पर हम लोग देख रहे हैं महाभारत में भी यह बात सामने आई थी और महाभारत में किस रूप में आई थी मैं उसी से इस चर्चा को प्रारम्भ करूंगा। महाभारत में दुर्योधन ने एक बात कही थी। उन्होंने कहा था कि **''जानामि धर्मं न च मेंं प्रवृर्तिः।। जानाम्यधर्म न च मेंं निवृत्तिः''** उन्होंने कहा था कि ''मैं जानता हूं धर्म और अधर्म को, ऐसा नहीं है कि मैं नहीं जानता लेकिन मेरी मजबूरी है कि धर्म को जानते हुए भी मेरी प्रवृत्ति ऐसी नहीं कि मैं उसको स्वीकार कर सकूं और अधर्म को जानते हुए भी मेरी प्रवृत्ति ऐसी नहीं है कि मैं उससे मुक्त हो सकूँ और दुर्भाग्य है कि हमारा विपक्ष उत्तर प्रदेश का विपक्ष दुर्योधन की इस उक्ति को ही सार्थक कर रहा है, उससे अपने आपको अलग नहीं कर पाया है (मेजों की थपथपाहट)। महोदय, वह इससे तनिक भी अलग नहीं हट पाया है, क्योंकि जिन लोगों ने प्रदेश में 14-15 वर्षों तक जंगलराज स्थापित किया, अराजकता पैदा की, गुण्डागर्दी पैदा की, प्रदेश के संसाधनों को लूट-खसोट का जरिया बनाया आखिर उनको गरीबों के प्रदेश की 23 करोड़ जनता के हितों के बारे में चर्चा करना कहां अच्छा लगता है, कैसे उन्हें अच्छा लग सकता है कि वास्तव में प्रदेश के अन्दर विकास होना चाहिए, किसी गरीब का हित होना चाहिए, क्योंकि यह उनकी प्रवृत्ति नहीं है। विकास उनकी प्रवृत्ति नहीं है और वंशवाद और जातिवाद से वह निवृत्त नहीं हो सकते हैं। यह भी दुर्योधन पहले ही कह चुके हैं कि स्वभाविक रूप से उससे वह अपने आपको अलग नहीं कर सकते थे। इसलिए मुझे लगता है कि उनका आपके सामने और दलीय नेताओं की बैठक में कही गई बातों से अपने आपको मुक्त करते हुए

बिना कुछ कहे इस सदन से वाकआउट कर जाना या सदन की कार्यवाही का हिस्सा न बनना यह इस बात को प्रमाणित करता है और दूसरा जिन लोगों ने गांधी जी के नाम पर देश की सत्ता में सर्वाधिक दिनों तक शासन किया उन लोगों का यह कहना कि हम सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर रहे हैं, मुझे आश्चर्य होता है कि गांधी जी का इससे बड़ा अपमान, गांधी जी के नाम पर सत्ता हथियाने वाले लोगों के द्वारा हो यह तो अपने आपमें बहुत ही अशोभनीय कार्य है। महोदय में आश्चर्यचकित हूं कि गांधी जी ने जीवन पर्यन्त जिन मूल्यों और जिन आदर्शों को देश और दुनिया के सामने रखा जो देश की स्वाधीनता का मंत्र बना आज कांग्रेस पार्टी उसका बहिष्कार कर रही है। उन्हें सादगी से मतलब नहीं है, क्योंकि हम स्वदेशी की बात करते हैं तो कांग्रेस विदेशी की बात करती है। हम राष्ट्रीयता की बात करते हैं तो वह आतंकवाद की बात करते हैं। हम लोग भारत के अन्दर स्वावलंबन की बात करते हैं तो वह देश को परावलंबी बनाना चाहते हैं। हम प्रदेश के अन्दर विकास की बात करते हैं तो विपक्ष में बैठे हुए समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के हमारे मित्रगण जातिवाद की बात करते हैं। हम प्रदेश के गरीबों के उत्थान और उन तक शासन की योजनाओं का लाभ मिले इसकी चर्चा करते हैं तो इन्हें लगता है कि जैसे इनके व्यक्तिगत हितों पर कुठाराघात हो रहा हो और इन्हें यह भी बुरा लगता है वे लोग इससे तिलमिला उठते हैं कि कहीं ऐसा न हो कि अगर किसी गरीब को शासन की योजनाओं का हिस्सा बना दिया जाए तो कहीं ऐसा न हो जाए कि इनका वोट बैंक समाप्त हो जाए और मुझे लगता है कि इनकी जो आशंका थी उसे वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव ने साबित भी कर दिया है कि जातिवाद वोट बैंक का हिस्सा नहीं है अब जातियां वोट बैंक का हिस्सा नहीं रहीं। प्रदेश के गरीब ने, प्रदेश के किसान ने, प्रदेश के मजदूर ने और प्रदेश के नौजवान ने और प्रदेश के प्रत्येक तबके ने विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए इस बात को सुनिश्चित किया है कि आजादी के बाद श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत जिन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ा है, इसमें भारत की 130 करोड़ की आबादी की सहभागिता सुनिश्चित है और उत्तर प्रदेश की 23 करोड़ जनता ने भी उसी के साथ अपने आपको सम्बद्ध किया है। इस दृष्टि से मुझे लगता है कि विपक्ष के मित्रों का तिलमिलाना उनके स्वयं के स्वभाव का हिस्सा हो सकता है, यह वास्तविक नहीं है और उन्हें जनता इसका समय-समय पर सबक भी सिखाती रही है और आगे भी सबक सिखाएगी।

महोदय, एक जर्मन दार्शनिक ने इस बात को बहुत अच्छे ढंग से कहा था उन्होंने कहा था कि जिस दिन हम सच्चाई से मुंह मोड़ लेते हैं, वह दिन हमारे अंत की शुरूआत होती है और हमारे विपक्ष के मित्रों ने उस सच्चाई से मुंह मोड़ा है। विकास से मुंह मोड़ा है। सतत विकास के लक्ष्यों को जो प्रदेश के गरीबों के लिए, किसानों के लिए, नौजवानों के लिए, महिलाओं के लिए और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए जिन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में ठोस प्रयास किये जाने चाहिए उनसे अपने आपको अलग किया है और इसीलिए सब कुछ

गठजोड़ करने के बावजूद तमाम अन्य प्रयासों के बावजूद वे आज जनता की नजरों में पूरी तरह ओझल हो चुके हैं। जनता उन्हें पूरी तरह बेनकाब कर चुकी है और इसका उदाहरण जर्मन दार्शनिक की यह उक्ति भी अक्षरशः साबित करती है। आज जब हम सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं तो महोदय मैं इसकी शुरूआत स्वच्छता के इस अभियान से ही करना चाहूंगा और मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि जब हम लोग यहां पर सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तब देश के आदरणीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा उत्तर प्रदेश को स्वच्छ भारत मिशन में सर्वाधिक जनसहभागिता के लिए प्रथम पुरस्कार भी प्रदान किया जा रहा होगा। इसके लिए मैं उत्तर प्रदेश की 23 करोड़ जनता को हृदय से बधाई देता हूं उनका अभिनंदन करता हूं। आदरणीय प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन इस बात के लिए करता हूं कि आज से ठीक 5 वर्ष पहले 2 अक्टूबर, 2014 को उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की घोषणा की थी, वह स्वच्छ भारत मिशन आज इस देश में जनान्दोलन बन गया है। महोदय, यह स्वच्छ भारत मिशन आज इस देश के अन्दर स्वस्थ भारत की आधारशिला बन गयी है। यह स्वच्छ भारत मिशन आज प्रत्येक बच्चे का एक अभियान बन गया है। उसके जीवन का हिस्सा बन गया है। हर नागरिक के अपने अभियान का हिस्सा बन गया है और आज जब हम इस अभियान को लेकर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं तो मुझे सदन को बताते हुए प्रसन्नता है कि यहां पर हमारे जितने भी माननीय सदस्यगण हैं आज इन सबने स्वच्छ भारत मिशन की अगली कड़ी में यानि अभी तक हमने ओ0डी0एफ0 किया था, खुले में शौच से प्रदेश को मुक्त किया था उससे ओ0डी0एफ0 प्लस की दिशा में बढ़ रहे हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सभी 110 वार्डों में हमारे सभी माननीय सदस्य ग्रुप बनाकर तीन-तीन, चार-चार माननीय विधायकों का ग्रुप हरेक वार्ड में गया और प्लास्टिक मुक्त उत्तर प्रदेश के संकल्प के साथ सब जुड़े हैं, मैं इन सभी माननीय सदस्यों का भी हृदय से अभिनंदन करता हूं। एक मंत्री, एक विधायक जिसे आजादी के बाद एक स्टेट्स दे दिया गया था, जिसे मान लिया गया था कि जनप्रतिनिधि होने का मतलब केवल ऊपर ताकना है, जमीन से सम्बन्ध तोड़ देना लेकिन पिछले पांच वर्षों के दौरान आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से इस देश का हर नागरिक, हर जनप्रतिनिधि, हर मंत्री, हर ब्यूरोक्रेट, समाज के हर तबके का व्यक्ति, हर जागरूक व्यक्ति, जिसने समाज के जीवन के साथ अपने जीवन को जोड़ा है, उस व्यक्ति ने स्वच्छ भारत मिशन को अपने जीवन का हिस्सा बनाया है। अपनी आदत का हिस्सा बनाया है, अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया है और अपनी आदत और दिनचर्या का हिस्सा बनाने के क्रम में वह इस अभियान के साथ जुड़ा है और आज लखनऊ में प्लास्टिक मुक्त उत्तर प्रदेश हो, प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सभी 110 वार्डों में हमारे माननीय विधायकों ने जो अभियान चलाया है, मैं उनका अभिनंदन करता हूं और प्लास्टिक मुक्ति के लिए अभियान केवल राजधानी तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। अपनी-अपनी विधान सभाओं के क्षेत्रों में जाकर भी एक प्रतिस्पर्धा

खड़ी की जानी चाहिए और स्वच्छ सर्वेक्षण में जब यह कार्यक्रम आगे बढ़े तो माननीय विधायक के नेतृत्व में उनकी विधान सभा क्षेत्र में स्वच्छता के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कितना सार्थक प्रयास हुआ है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि विधान सभा क्षेत्र स्तर पर पूरे प्रदेश के अन्दर इसका भी सर्वे कराकर उस विधायक को भी सम्मानित किया जाना चाहिए जो विधायक अपनी विधान सभा क्षेत्र को स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत अग्रणी स्थान पर खड़ा करता है उस माननीय विधायक को भी सम्मानित करने की दिशा में एक प्रयास किया जाना चाहिए, क्योंकि यह प्रयास केवल यहीं तक सीमित नहीं है यह एक बड़ा कार्यक्रम है। महोदय, मैं कुछ आंकड़ें सदन के सम्मुख रखूंगा कि स्वच्छ भारत मिशन का प्रभाव कैसे स्वास्थ्य पर पड़ा है। स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का असर किस रूप में रहा है, स्वच्छ भारत मिशन का इसमें क्या योगदान रहा है। हम इन कार्यों को इसके साथ जोड़कर भी देख सकते हैं लेकिन स्वच्छ भारत मिशन में उत्तर प्रदेश के अन्दर जो सहभागिता सुनिश्चित हुई उस सहभागिता का परिणाम किस रूप में हम सबके सामने है। यह आज किसी से छुपा हुआ नहीं है। महोदय विगत पांच वर्ष के दौरान स्वच्छ भारत मिशन में जो कार्यक्रम तय हुये वह कार्यक्रम जिन परिवारों के पास अपने शौचालय नहीं थे। उन परिवारों को शौचालय उपलब्ध कराने की दिशा में किये गये बहुत सार्थक प्रयास थे। लोगों को लगता था कि शौचालय देने से क्या होगा ? पहले लोगों को रू0 8,000/- मिलते थे, हमारी सरकार आने के बाद उसे रू0 12,000/- किया गया। शहरी क्षेत्र में रू0 12,000/- थे, उसे रू0 20,000/- किया गया और देखते-ही-देखते मुझे बहुत प्रसन्नता है कि ग्रामीण क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के अन्दर 2 करोड़ 61 लाख गरीबों को एक-एक शौचालय उपलब्ध कराये गये और 2 करोड़ 61 लाख परिवार पहले ढाई वर्ष में 02 अक्टूबर, 2014 से 31 मार्च, 2017 तक प्रदेश के अन्दर कुल 43 लाख शौचालय बने थे।

महोदय, मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि आगामी ढाई वर्ष के दौरान प्रदेश में उत्तर प्रदेश के अन्दर हम लोग 2 करोड़ 60 लाख से अधिक शौचालय बनाने में सफल हुये हैं। ये स्पीड है हमारी सरकार की। समाजवादी पार्टी की सरकार की क्या स्पीड थी और उसके बाद जब भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व की जब सरकार आती है तो उस सरकार की क्या स्पीड थी। आज स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत पूरा प्रदेश और पूरा देश ओ0डी0एफ0 घोषित हो रहा है और सर्वाधिक जन सहभागिता के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश का पहला पुरस्कार प्राप्त कर रहा है, उस अवसर पर मैं आप सभी मा0 सदस्यों का भी, सभी स्वेच्छाग्रहियों का भी, सभी अन्य जन प्रतिनिधियों का भी, निगरानी समितियों का भी और निर्माण करने वाले राजमिस्त्रियों का भी मैं अभिनन्दन करता हूं उन सबको बधाई देता हूं। महोदय शहरी क्षेत्र में साढ़े 8 लाख से अधिक शौचालय इस दौरान बने। केवल शौचालय ही नहीं बने इसके माध्यम से रोजगार का भी सृजन हुआ और रोजगार सृजन के माध्यम से लोगों को स्वच्छ जीवन जीने और खुले में शौच के माध्यम से स्वच्छता की ओर अग्रसर करने की दिशा में एक बहुत सार्थक

प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इस सार्थक प्रयास का परिणाम किस रूप में हम सबके सामने आया है उसकी एक छोटी सी झलक मैं आपके सामने इसके बारे में अगर मैं दूं तो मुझे लगता है कि बहुत सारी चीजें ऐसी होंगी कि वह हम सबके लिये चौकानें वाली होंगी। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि अगर अगल-बगल के राज्यों में आप देखेंगे कहीं पर इंसेफ्लाइटिस है, कहीं डेंगू है, कहीं मलेरिया है, कहीं कालाजार है, कहीं पर फाइलेरिया है, कहीं पर कोई-न-कोई विषाणुजनित बीमारी है। वैक्टर बार्न डिजीज किसी-न-किसी राज्य में आस-पास के क्षेत्रों में है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। सबसे अधिक आबादी उत्तर प्रदेश के अन्दर है और ईश्वर की कृपा है, आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी की प्रेरणा है और एक टीम वर्क है, उस टीम वर्क का परिणाम है। मैं इस बात को कह सकता हूं कि उत्तर प्रदेश में न इंसेफ्लाइटिस है, न डेंगू है, न मलेरिया है, न फाइलेरिया है, न चिकनगुनिया है और न ही कोई इस प्रकार की विषाणुजनित बीमारी है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका अगर किसी अभियान की है तो वह स्वच्छ भारत मिशन की है। महोदय, स्वच्छ भारत मिशन में, मैं एक अभियान के साथ जुड़ा रहा हूं। मैंने वर्ष, 1997-98 से गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफ्लाइटिस से मरते हुए बच्चों को देखा है। हमारे विपक्ष के जिन मित्रों ने जाति को आधार बनाकर अपना वोट बैंक बनाया था, मत और मजहब के आधार पर सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया था। इन लोगों ने उन गरीबों के हितों को कितना संरक्षण दिया है ? इंसेफ्लाटिस के खिलाफ लड़ी गयी लड़ाई में इन सबके शून्य योगदान के महत्व से हम समझ सकते हैं। महोदय इंसेफ्लाटिस से मरने वाली 75 से 90 फीसदी आबादी या तो अल्पसंख्यक समुदाय से थी या फिर दलित समुदाय से थी। इतनी बड़ी आबादी प्रतिवर्ष इंसेफ्लाइटिस से मरती थी। वर्ष, 1977-78 में पहली बार गोरखपुर में मस्तिष्क ज्वर के मरीज देखे गये थे और 1977-78 से लेकर 1997-98 तक सरकार के स्तर पर कोई भी प्रयास गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीर नगर, बलरामपुर, गोण्डा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत या फिर रायबरेली जो वी0आई0पी0 क्षेत्र है उसमें भी या फिर आगे बढ़ते-बढ़ते आप सहारनपुर तक चले जाईये 38 जनपदों में सरकार के स्तर पर कोई भी कार्यवाही नहीं हो पायी है। वर्ष, 1977 से लेकर 1997-98 तक इस अभियान और कार्यक्रम का कोई संज्ञान भी नहीं लेता था, कोई पुरसाहाल नहीं था, कोई पूंछना नहीं चाहता था। वर्ष, 1998 में मैं सांसद बना था और सांसद बनने के बाद मेरे संज्ञान में जब यह बात आयी थी मैंने बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज गोरखपुर का दौरा किया। एक-एक बेड पर चार-चार, पांच-पांच मरीज थे। तीसरी मंजिल पर इस बीमारी से जुड़े हुये मरीजों का वार्ड था। तीसरी मंजिल का वार्ड और उसका टॉयलेट चोक हो तो वहां की दुर्व्यवस्था का आप सहज अनुमान लगा सकते हैं। इंसेफ्लाइटिस और विषाणुजनित बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में राज्य और केन्द्र की सरकारों की यह स्थिति उस समय थी। महोदय इसके बाद इस मुद्दे को मैंने समय-समय पर उठाना शुरू किया। पहले

गोरखपुर स्तर पर, फिर पूर्वी उत्तर प्रदेश के स्तर पर, देश की संसद में, सड़क से संसद तक निरन्तर लड़ाई लड़ी गयी और यह लड़ाई मैं वर्ष, 2017 तक, तब तक लड़ता रहा, जब तक मैं सांसद था। मार्च, 2017 में जब मुझे उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री का दायित्व हमारी पार्टी और आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने सौंपा तो उसके बाद प्रदेश के अन्दर उसकी व्यापक कार्य योजना क्या हो सकती है, इसको लेकर हम लोगों ने कार्य प्रारम्भ किया लेकिन वर्ष 1977-78 से लेकर वर्ष 2017 तक इन 40 वर्षों में गोरखपुर के बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के 38 जनपदों में लगभग 50 हजार बच्चे इस बीमारी से काल के गाल में समाये हैं। 1 से 15 वर्ष तक के 50 हजार बच्चों की इतनी बड़ी संख्या में मौत हुई। सरकारों की संवेदना तब भी नहीं पिघली थी, क्योंकि इन्होंने जाति के नाम पर समाज को बांटा था। क्योंकि ये इतने संवेदनहीन हो चुके थे जिन्होंने अपने वोट बैंक के लिए सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया था। इन्होंने जाति के नाम पर समाज को बांटा था और जाति के नाम पर समाज को बांटने के बाद स्वयं के परिवार का एक दबदबा सत्ता पर बना करके, सत्ता को लूट-खसोट का जरिया बना दिया था। ये इतने संवेदनहीन हो गये थे कि इंसेफ्लाइटिस जैसी बीमारी पर इनके मुँह से एक भी शब्द संवेदना के कभी भी नहीं निकले थे।

महोदय, अगर मैं उत्तर प्रदेश के अन्दर के इंसेफ्लाइटिस के आँकड़े आपको दूं तो मुझे लगता है कि यह चौंकाने वाले आँकड़े होंगे और यह आँकड़े सदन में रखना इसलिए भी आवश्यक है कि जब आज उत्तर प्रदेश को स्वच्छ भारत मिशन का पहला पुरस्कार प्राप्त हो रहा है तो मैं समझता हूं कि उसके साथ हम इन आँकड़ों को जोड़कर देखेंगे क्योंकि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसलिए महत्वपूर्ण है कि जो गरीब बच्चे जब हम कुपोषण की बात करते हैं, जब हम भुखमरी को सर्वथा समाप्त करने की बात करते हैं तो इंसेफ्लाइटिस से मर रहे बच्चे भी कुपोषण के शिकार थे, गन्दगी के शिकार थे, इनका जीवन किन गलियों में और किस स्तर पर व्यतीत होता था यह देखने लायक स्थिति है, समझने लायक स्थिति है और मैं कह सकता हूं कि अगर मैं आँकड़े आपको बताऊँ कि वर्ष, 2015, 2016, 2017, 2018 और 2019 इन वर्षों के मौत के आँकड़े अगर मैं आपके सामने रखूँ तो आप देखेंगे कि कितनी बड़ी मात्रा में इंसेफ्लाइटिस से प्रदेश के अन्दर मौते होती थीं और सरकारें उस संबंध में क्या कर रही थीं। आप देखेंगे कि वर्ष 2015 में एक्यूट इंसेफ्लाइटिस से ग्रसित बच्चे थे-2900, मौत होती है-491 की, वर्ष, 2016 में इंसेफ्लाइटिस से प्रभावित बच्चे हैं-3911, मौत होती है-641 की, वर्ष, 2019 में आज जब हम इस विषय पर चर्चा कर रहे हैं। यह आँकड़ा बताना मैं आवश्यक समझता हूं कि 30 अगस्त तक के जो आँकड़े मेरे पास हैं। जहां वर्ष, 2016 में 3911 मरीज भर्ती होते हैं उनमें से 641 की मौत होती है वहीं वर्ष 2019 में मरीजों की संख्या होती है-938 और मौत होती है कुल-35, यह आँकड़े चौंकाने वाले हैं और जापानी इंसेफ्लाइटिस के मुद्दे को भी मैं आपके सामने रखता हूं। जापानी इंसेफ्लाइटिस से वर्ष 2015 में रोगियों की संख्या

थी-355, मृतक थे-47, वर्ष 2016 में मरीजों की संख्या थी-442, मौत होती है-74 की और अगर वर्ष, 2019 में आप देखेंगे तो मरीजों की संख्या है वर्ष, 2016 में-442 तो वर्ष 2019 में है-18 और मौत वर्ष, 2016 में होती है 74 बच्चों की और वर्ष, 2019 में होती है-4 बच्चों की। महोदय, ये आँकड़े हैं जो हम सबको सोचने के लिए मजबूर करते हैं कि आखिर इन बच्चों के हक पर डकैती कौन डालता था ? इनको स्वस्थ जीवन जीने से वंचित किसने किया ? असमय काल के गाल में जाने के लिए कौन-सी अव्यवस्था थी जिसने उन्हें मजबूर किया होगा। अगर हम इस पर चर्चा करेंगे तो विवशता कोई और नहीं थी यही वंशवाद और जातिवाद की राजनीति करने वाले गरीबों के हक पर डकैती डालना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझने वाले लोग थे जो इस प्रकार की चर्चा से वॉक-आउट करके भागना चाहते हैं, क्योंकि कहीं सच्चाई सामने न आ जाये और सच्चाई छुपी रहे इसलिए सीधी-सी बात है कि वे सदन की पूरी चर्चा से अपने आपको बाहर कर लें। पूरी चर्चा से अपने आपको बाहर कर देना उसके पीछे का कारण यह है कि सच्चाई सामने न आने पाये इस दृष्टि से उन्होंने वॉक-आउट का सहारा लिया।

महोदय, इस दिशा में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत बहुत बड़ा कार्य हुआ है और आज उसी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का ही हिस्सा रहा है कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने पूरे देश के अन्दर प्लास्टिक मुक्त भारत हो, उस प्लास्टिक मुक्त उत्तर प्रदेश की दिशा में भी हम सब आगे बढ़कर कार्य कर सकें, यह उसी का हिस्सा है कि आज हमारे सभी माननीय सदस्य उसका हिस्सा बने हैं, मैं इसके लिए हर एक माननीय सदस्य का हृदय से अभिनन्दन करता हूँ, उनका स्वागत करता हूँ। महोदय, गाँधी जी ने स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बनाया था और उन्होंने कहा था कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता आवश्यक है और मुझे आश्चर्य होता है कि वर्ष, 1916 में गाँधी जी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के उदघाट्न में वाराणसी आये थे और वाराणसी में उस समय भगवान काशी विश्वनाथ जी के मन्दिर में दर्शन करने के लिए गये थे। मन्दिर में जब दर्शन करने के लिए गये थे तो वहां पर मन्दिर के बाहर और गली को देखकर उन्होंने तीखी टिप्पणियाँ की थीं। उन्होंने कहा कि कैसा समाज है, मन्दिर के बाहर गन्दगी है, सकरी गलियाँ हैं, भगदड़ से जन-हानि हो सकती है, कुछ किया जाना चाहिए, समाज को जागरूक होना चाहिए। महोदय, वर्ष 1916 में बापू ने यह बात कही थी। वर्ष 1916 से ले करके यह देश वर्ष, 1947 में आजाद हुआ। वर्ष 1947 से ले करके वर्ष 2014 तक बीच में 12, 15 वर्षों के कालखण्ड को छोड़ दें तो शेष में कांग्रेस ने देश के अन्दर शासन किया था। कभी उनको गांधी जी की बात याद नहीं आयी। आज मेरा सौभाग्य है कि आज उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार है। आज काशी विश्वनाथ धाम आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा और उनकी अनुकम्पा से काशी में भगवान विश्वनाथ जी के मन्दिर में जाने के लिए 05 फुट का रास्ता नहीं बल्कि 50 फुट का चौड़ा रास्ता प्रत्येक श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। आज वहां पर गंदगी नहीं है।

आज वहां पर बापू के सपने को साकार करने के लिए काशी विश्वनाथ धाम के रूप में आदरणीय प्रधानमंत्री जी की अनुकंपा से, उनकी प्रेरणा से एक वृहद कार्य योजना बनी है कि काशी दुनिया की सबसे प्राचीन नगरी है और काशी की पहचान काशी विश्वनाथ मंदिर से है। भगवान काशी विश्वनाथ का मंदिर उस भव्य रूप में देश और दुनिया के सामने एक बार पुनः सबसे प्राचीन नगरी की गौरव गाथा को लेकर अपने-आप को स्थापित कर सके उस भाव के साथ सरकार ने कार्य योजना को आगे बढ़ाया है और मुझे प्रसन्नता है कि कल ही हमारी कैबिनेट ने उसे अपनी मंजूरी भी दी है कि उस पूरी कार्य-योजना को आगे बढ़ाया जा सके।

महोदय, गांधी जी के नाम पर सत्ता में काबिज बहुत लोग रहे होंगे, गांधी जी के नाम को भुनाया होगा लेकिन गांधी जी की आत्मा को और गांधी जी के दर्शन को जितनी क्षति इन लोगों ने पहुंचायी होगी मुझे लगता है कि इनके कृत्यों से सबसे अधिक आहत कोई हुआ होगा तो गांधी जी हुए होंगे। जिन्होंने गांधी जी के नाम पर देश के अन्दर शासन किया हो उन्होंने कितना गांधी जी को आहत किया होगा। जब कांग्रेस कहती है कि हम बहिष्कार करेंगे क्योंकि गरीबों के पक्ष में सरकार क्यों चिन्ता कर रही है, सदन में गरीबों की सम्पूर्ण भुखमरी समाप्त हो, गरीबी का सर्वथा अंत हो, सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके, गुणवत्ता युक्त शिक्षा दी जा सके, बेरोजगारों को रोजगार और इंफ्रास्ट्रक्चर की बेहतर कार्य योजना बन सके इसके लिए सदन में क्यों चर्चा हो रही है। दुर्भाग्य है कि कांग्रेस इस बात को कहती है और मुझे लगता है कि इसीलिए कहते हैं कि बापू बहुत दूरदर्शी थे। उन्होंने आजादी के बाद कहा था कि कांग्रेस को विसर्जन कर देना चाहिए था क्योंकि उनको मालूम था कि आगामी नेतृत्व ऐसा निकलने वाला है कि वह गांधी जी के विचारों की हत्या कर देगा इसलिए अच्छा है कि इससे पहले कि विचारों की हत्या करे इसे ही विसर्जन कर डालो लेकिन इस देश की जनता ने वह कार्य किया है और उसको करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सचमुच इस देश की जनता महान लोकतांत्रिक है और हम उनका भी अभिनंदन करते हैं जो गांधी जी के इन विचारों को अंगीकार करते हुए इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे है। सादगी किस प्रकार की होनी चाहिए और स्वदेशी किस रूप में होना चाहिए। महोदय, इस बार बहुत अच्छी कार्य योजना हमारे खादी ग्रामोद्योग सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग ने इसकी ठोस कार्य योजना बनायी है। खादी के व्यापक प्रचार-प्रसार और उसको अपने जीवन का हिस्सा हम बना सकें इसके लिए व्यापक रूप से उस कार्य योजना को लेकर विभाग आगे बढ़ रहा है। खादी की ब्रॉन्डिंग कैसे होनी चाहिए, खादी हम सबके जीवन का हिस्सा कैसे बन सके हम उसे एक टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ करके लोगों को स्वालंबन की ओर अग्रसर कैसे कर सकेंगे, इस पर व्यापक कार्य योजना के साथ यह विभाग आगे बढ़ रहा है। कल भी अवध शिल्प ग्राम में जो कार्यक्रम आयोजित हुआ बहुत अच्छे ढंग से उसकी कार्य योजना बनाकर उसको आगे बढ़ाने का काम हुआ है लेकिन इन कार्यक्रमों के माध्यम से इस अभियान को आगे बढ़ाना यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। गांधी जी के इन सपनों

को साकार करने और उनके इन मंत्रों को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर के आज सरकार जिस अभियान को लेकर काम कर रही है सचमुच वह कार्य योजनाएं जब प्रदेश के अन्दर लागू हुई हैं तो एक बड़ा तबका स्वालंबन की ओर अग्रसर होता हुआ भी दिखायी दे रहा है। गांधी जी ने ग्राम स्वराज की बात की थी। महोदय, मुझे लोक सभा चुनाव के पहले 2 जगह जाने का अवसर प्राप्त हुआ था। कैसे हर एक योजना स्वालंबन का आधार बन सकती है और गांधी जी की ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार कर सकती है। एक तरफ एम0एस0एम0ई0 यानि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के द्वारा चाहे वह वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की एक जनपद एक उत्पाद की अपनी अभिनव योजना हो और चाहे वह विश्वकर्मा श्रम सम्मान के माध्यम से परम्परागत उन उद्यमी और कारीगरों को प्रोत्साहित करने का हो। जहां वह कार्य योजना ठोस रूप से आगे बढ़ी है जिसमें प्रशिक्षण, टूल किट्स उपलब्ध कराना, उन्हें बैंकों के साथ द्वितीय समावेशन के साथ जोड़ने की कार्यवाही के साथ आगे बढ़ना, जहां यह कार्य योजना ठोस रूप से आगे बढ़ी है वहीं साथ ही साथ हर एक योजना कैसे स्वालंबन का आधार बन सकती है। महोदय, मुझे दो ऐसे लोगों के पास जाने का अवसर प्राप्त हुआ था जो आजादी के बाद वोट बैंक तो बने थे लेकिन शासन की योजनाओं में कहीं भागीदार नहीं बन पाए थे, उन्हें बनाया ही नहीं गया। शहरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना की जब हम बात करते हैं उसमें मैं धन्यवाद दूंगा अपने नगर विकास मंत्री को वर्तमान को भी और पूर्व में भी जिन्होंने इसका नेतृत्व किया था। जो शहरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रदेश को पूरे देश के अन्दर नम्बर एक पर लेकर गये और आज लगभग 13 लाख गरीबों को शहरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित किया गया है। महोदय, यह पिछले ढाई वर्ष के अन्दर हमारी सरकार ने किया है और यदि वर्ष 2014 से 2017 के बीच में अगर मैं आंकड़ा दूं तो 13 लाख तो हमारी सरकार ने किया है और पिछली सरकार ने 10 हजार 2 सौ 62 किया है। अब 13 लाख और 10 हजार में आप अंतर करिए। उनके पास ढाई वर्ष का कार्यकाल था उन्होंने ढाई वर्ष के अन्दर केवल 10 हजार 2 सौ 62 परिवारों को दिए और हमारी सरकार के पास भी ढाई वर्ष का समय था परंतु हमने 13 लाख लोगों को दिया है। शहरी क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ कैसे हो सकता है।

मैं अयोध्या में एक गरीब हरिजन के घर गया था। महोदय, उस परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला था तो उसने मुझे अपने घर में आमंत्रित किया था। मैं उनके घर में अकेले ही गया था। जब मैं गया था तो पूरा परिवार स्वागत के लिए खड़ा था। मैंने इस परिवार से पूछा कि मेरा स्वागत क्यों कर रहे हैं ? उन्होंने कहा कि साहब यह मकान आपने दिया है। मैंने कहा कि मैंने कहां से दे दिया है। उसने अपने घर के बाहर लिखा था 'प्रधानमंत्री आवास योजना' उसने कहा कि यह आवास मुझे आपकी योजना से मिला है। मैं उसके घर में गया जहां मैंने देखा कि उन्होंने घर में चार कमरे बनाए थे। मैंने कहा कि भइया यह बताओ

कि कितना पैसा मिला है ? उसने कहा दो लाख मिल गये हैं और पचास हजार की किस्त आने वाली है, ढाई लाख रुपये मुझे शहरी क्षेत्र में आवास के लिए मिल रहे हैं तो मैंने कहा कि तुमने चार कमरे कैसे बना दिये ? उसने कहा मैं राजमिस्त्री भी हूं। जब स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत प्रशिक्षण हुआ था उसमें मैंने भी प्रशिक्षण लिया था और मैं राजमिस्त्री बन गया। राजमिस्त्री होने के नाते अपना मकान मैंने स्वयं बनाया है। मैंने कहा यह चार कमरे है, उसने कहा देखिए साहब यह चार कमरे मैंने बनाएं हैं दो लाख रुपये में, यह प्लास्टर करना बाकी है यह प्लास्टर जब पचास हजार की किस्त मिलेगी तो मैं उससे प्लास्टर भी कर दूंगा। अब कोई समस्या मेरे पास नहीं है और देखिए मुझे सौभाग्य योजना में यह विद्युत का निःशुल्क कनेक्शन भी मिल गया है। मैंने आपको इसलिए बुलाया है कि आप मेरे घर में आएंगे तो देखिए मुझे उज्जवला योजना में रसोई गैस का कनेक्शन भी मिला है और मैं चाहता हूं कि जब मेरे घर में यह घर भोज हो रहा है तो इसमें आप भोजन पाएं। उसने फिर मुझे कहा कि मैंने अपनी दो लड़कियों को बुलाया है जिनकी मैंने शादी कर दी थी। जब मैंने शादी की थी तब मेरे पास पक्का मकान नहीं था तब मेरे पास झोपड़ी थी लेकिन मेरे सामने मेरे चार बच्चे 3 लड़कियां और 1 लड़का था। मेरे सामने एक चैलेन्ज था कि मैं कैसे लड़कियों की पढ़ाई कराऊं, बच्चों की पढ़ाई कराऊं कि मकान बनाऊं ? मैं सामान्य मजदूर था। सरकार की योजनाएं कैसे एक-एक व्यक्ति को स्वालंबन की ओर अग्रसर कर सकती हैं। उसने कहा कि साहब राजमिस्त्री का प्रशिक्षण लिया तो मैं राजमिस्त्री हो गया हूँ। प्रधानमंत्री आवास योजना में मैंने फार्म भरा तो मुझे बिना किसी सिफारिश के आवास मिल गया। मैंने अपना आवास भी बना दिया और आवास बनाने के बाद जब मुझे जानकारी मिली कि आप अयोध्या आ रहे हैं तो मैंने आपको आमंत्रित किया। आपकी स्वीकृति मिली तो मैंने अपनी इन दोनों लड़कियों को बुलाया जिनकी शादी मैंने झोपड़ी रहते हुए की थी, उनकी पढ़ाई करवायी थी, उनको भी मैंने आज बुलाया है। मैंने उनसे पूछा कि यह बताओ कि आपके मन में कभी इच्छा नहीं हुई थी कि आप भी अपना पक्का मकान बना लें। उसने कहा कि मकान बनाने की इच्छा तो हमेशा होती थी लेकिन मेरे सामने यह था कि मैं बच्चों की पढ़ाई कराऊं या लड़कियों की शादी कराऊं या मकान बनाऊं। लड़कियों की शादी हुई तो मैंने पैसा इकट्ठा करना प्रारम्भ किया। डेढ़ लाख रुपये इकट्ठा भी कर लिया था लेकिन मैं जानता था कि डेढ़ लाख में मकान नहीं बन सकता परंतु जब यह योजना आयी तो उससे मेरा आज मकान बन गया है। मेरा मकान बन चुका है तो मैंने कहा कि डेढ़ लाख रुपये का क्या किया है तो उसने कहा मेरा लड़का जो जवान हो गया है इसके लिए मैंने ई-रिक्शा खरीदा है। अब ई-रिक्शा से प्रतिदिन एक हजार रुपये मेरे घर में आता है। अब तीस हजार रुपये प्रत्येक महीने मेरा परिवार कमा रहा है और मेरा परिवार अब गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुका है। मुझे सरकार ने बहुत कुछ दिया है और अब मैं सरकार से कुछ नहीं मांगता हूं मैं इस सरकार को धन्यवाद देता हूं और जैसे मुझे आत्मनिर्भर किया है वैसे ही

अन्य गरीबों को भी आत्मनिर्भर करने की दिशा में सरकार की इन योजनाओं का अभिनंदन करने के लिए ही मैंने अपने घर में आपको बुलाया है। कैसे शासन की योजनाएं एक-एक परिवार को आत्मनिर्भर बना सकती हैं। मैं ऐसे ही सोनभद्र गया था। पहली बार ऐसा हुआ था कि प्रधानमंत्री आवास योजना में जो परिवार वंचित थे उनके लिए सरकार ने चाहे वह प्राकृतिक आपदा से ग्रसित लोग रहे हों, चाहे वह मुसहर हैं, कोल हैं, थारू हैं या फिर वह अन्य जनजातिय परिवार जो शासन की किसी योजना से, वनटांगिया गांव हैं ऐसे परिवारों को हम लोगों ने मुख्य मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत भी आच्छादित करने की कार्य योजना बनायी थी और सोनभद्र में जब मैं गया था तो मुख्य मंत्री आवास योजना के एक लाभार्थी के यहां मैं गया था। उस लाभार्थी के यहां भी मुझे यही सब देखने को मिला कि शासन की योजनाएं कैसे आत्मनिर्भरता की ओर लोगों को अग्रसर कर रही हैं। वह मुसहर जाति का परिवार था। हम सब जानते हैं कि मुसहर उत्तर प्रदेश और बिहार में सबसे गरीब यानि गरीबी रेखा के सबसे निचले पायदान पर बैठा हुआ कोई परिवार है तो उस जाति से जुड़े हुए परिवार हैं। एकदम हैण्ड टू माउथ कुछ भी उनके पास नहीं है। हम लोगों ने उनके लिए एक योजना बनायी थी 'मुख्य मंत्री आवास योजना'।

आवास देने के बाद जब आवास बन गये थे और मैं निरीक्षण पर निकला था तो मैं उस आवास के पास पहुंचा। महिला अपने आवास के सामने खड़ी थी। मैंने उससे पूछा तो उसने कहा साहब मेरा घर है आप मेरे घर में आइए। मैं घर में गया। उसने दो कमरे बनाये थे। मैंने उनसे कहा कि पैसा तो हमने कम दिया है, आपको कितना पैसा मिला है? उसने कहा साहब 1 लाख 30 हजार रुपये मुझे मिला है क्योंकि मुख्य मंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में नक्सल प्रभावी क्षेत्रों में 1 लाख 30 हजार रुपये देते हैं और सामान्य ग्रामीण क्षेत्रों में 1 लाख 20 हजार रुपये हैं। शौचालय के लिए 12 हजार रुपये अतिरिक्त हैं और 90 दिन की मनरेगा की मजदूरी। उसने बताया कि हमको पैसा इस-इस क्रम में मिला है। मैंने कहा कि कुल मिलाकर डेढ़ लाख तो होता है, यदि बहुत होगा तो 1 लाख 60 हजार के आस-पास बैठता है लेकिन आपने दो कमरे कैसे बना लिये ? उसने कहा कि मेरा पति सब्जी का ठेला लगाता है। ठेला लगाकर प्रतिदिन जो पहले कमाता था प्रतिदिन पैसा भी उसी के अनुसार खर्च हो जाता था लेकिन जब से प्रधानमंत्री मोदी जी ने जनधन योजना चलायी है प्रत्येक गरीब के बैंक में खाते खुले हैं। मैंने भी अपना एक खाता, जो प्रशासन के द्वारा खोला गया था, उस खाते में जितना पैसा वह प्रतिदिन कमाता है उस पैसे में से एक राशि मैं बैंक में जमा कर देती हूं। और बैंक में जमा करने का परिणाम यह रहा कि मेरे पास एक जमा पूंजी हो गई। इधर स्कीम आई आवास की, तो मैंने जो पैसा सरकार से मिला था उस पैसे से मकान भी बनवा लिया, शौचालय भी बनवा लिया और पूंजी जो मेरे पास थी उसको भी इसमें लगाया। अब मेरे पास एक पक्का मकान हो गया है। मैंने कहा कि इसके बाद भी तो पैसा बचेगा।

उसने कहा कि हां पैसा बचेगा, अब मैं एक काम और करूंगी। अभी तो मेरा पति जगह-जगह ठेला लगाकर सब्जी बेचता है लेकिन अब जो पैसा बचेगा उससे मैं एक पक्की दुकान अपने पति के लिये बनाऊंगी। (मेजों की थपथपाहट) एक ग्रामीण महिला के इस अर्थशास्त्र को देख करके, आर्थिक ज्ञान को देख करके मुझे अच्छा भी लगा। वास्तव में भारत की गृहणी कितनी बड़ी अर्थशास्त्री होती है, कैसे वह परिवार को स्वावलम्बन की ओर अग्रसर कर सकती है। महोदय अयोध्या का महावीर हरिजन हो या सोनभद्र का वह मुसहर जाति का जुड़ा हुआ परिवार, आजादी के बाद कुछ राजनैतिक दलों ने इनका उपयोग वोट बैंक के रूप में किया लेकिन इनके आर्थिक स्वावलम्बन के लिये कोई कार्य नहीं किया, कोई कार्यक्रम नहीं बनाया, कोई कार्य योजना नहीं बनाई। इन गरीबों के पास भी अपने सिर को ढकने के लिये छत होनी चाहिए कभी इस कार्य योजना को आगे नहीं बढ़ाया। नारी गरिमा का भी सम्मान होना चाहिए, उनके घरों में भी शौचालय होना चाहिए, कोई कार्य योजना नहीं, कोई कार्यक्रम नहीं। इसलिये जाति के नाम पर, वंश और परिवार के नाम पर जिन लोगों ने राजनीति की उनको कैसे अच्छा लग सकता है। जब आप गरीबों के हितों के लिये किसी मुद्दे पर चर्चा करेंगे तो सबसे अधिक मिर्ची तो उन्हीं को लगेगी और सबसे ज्यादा पीड़ा उनको हो रही होगी कि आखिर उन लोगों को जिनका इन्होंने शोषण किया है, जिनको उनके हकों से वंचित किया है उनके बारे में चर्चा सदन में कैसे हो सकती है इसलिये उनका वॉक आउट करना उस दृष्टि से जायज भी लगता है क्योंकि मुंह छिपाने के लिये कोई जगह तो मिलनी चाहिए। उस दृष्टि से अगर कोई जगह मिले तो इससे वह लोग सदन से ही वॉक आउट कर गये। एक-एक योजना प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस देश के अन्दर सस्टेनेबिल डेवलेपमेंट बेस को प्राप्त करने की दिशा में उन सभी 169 लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये देश के अन्दर लागू किया है और उस एक-एक कार्य योजना को लागू करने की दिशा में जो प्रयास प्रारम्भ हुए हैं। यू0एन0 ने 2030 का लक्ष्य प्राप्त करने के लिये कहा लेकिन भारत के अन्दर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के कारण स्वच्छ भारत मिशन में आज पूरा भारत ओ0डी0एफ0 घोषित हो रहा है। मुझे लगता है कि भारत में दुनिया के अन्दर सबसे बड़ी आबादी का लोकतांत्रिक देश होने के नाते सबसे पहले यह लक्ष्य भी प्राप्त कर लिया है।

सचमुच मैं प्रधानमंत्री मोदी जी का अभिनंदन करता हूं जिनके कारण स्वच्छ भारत मिशन का यह लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में सफलता प्राप्त हुई। 2022 तक हर गरीब के पास सिर ढंकने के लिये छत हो, इस दृष्टि से प्रधानमंत्री आवास निर्माण की योजना वृहत् पैमाने पर हो रही है। आश्चर्य होता है, उत्तर प्रदेश के अन्दर 2014-2017 के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति न्यूनतम थी लगभग जीरो थी और 2017 से लेकर अब तक ग्रामीण क्षेत्र में भी लगभग 13 लाख गरीबों को एक-एक आवास प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत उपलब्ध कराया गया है यह भी एक अभिनंदनीय कार्य हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि 2022 तक हर गरीब

को अपने सिर को ढांकने के लिये हम छत उपलब्ध करायेंगे। इस अभियान के क्रम में ही मुख्य मंत्री आवास योजना भी प्रदेश के अन्दर हम लोगों ने लागू की। स्वास्थ्य के क्षेत्र में ही हम चर्चा करते हैं। महोदय कितना बड़ा कार्य, क्या कर रही थीं पिछली सरकारें। प्रदेश के संसाधन कहां जा रहे थे ? क्या हो रहा था ? 108 और 102 के रिस्पांस टाइम को कम करने की बात रही हो या फिर लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस प्रदेश के अन्दर उपलब्ध कराने की। लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस भारत सरकार देना चाहती थी लेकिन पिछली सरकार लेना ही नहीं चाहती थी। जैसे ही स्वास्थ्य मंत्री के रूप में यहां सिद्धार्थ नाथ जी ने अपना कार्यभार सम्भाला एक महीने के अन्दर इन्होंने मुझे यह बताया कि भारत सरकार यह देना चाहती है क्या हम ले लें। हमने कहा अरे लीजिये ही नहीं बिल्कुल लपक लीजिये उसको। 150 लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस एक महीने के अन्दर इन्होंने प्रदेश के अन्दर मंगायी और 150 लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस को मंगाकर इन्होंने हर जनपद को दो-दो लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस दी और ढाई वर्ष के अन्दर लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस ने एक लाख लोगों को जो किसी दुर्घटना में, या कार्डियक अटैक में जो उसके लिये गोल्डेन ऑवर होता है पहला एक घंटे का समय, ऐसे लगभग एक लाख लोगों की जान इससे बची है। (मेजों की थपथपाहट) आज हमारे पास 250 लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस हैं जिनमें से बड़े जनपदों में चार और छोटे जनपदों में दो लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस दी हैं। पिछली सरकार क्यों नहीं लेना चाहती थी ? इन एम्बुलेंस में तो किसी का नाम नहीं है। हमने तो उस पर नाम नहीं लिखवाया कि भाजपा लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस। हमने तो उस पर नहीं लिखवाया कि मोदी लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस। हमने तो उस पर कोई नाम नहीं लिखवाया कि योगी लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस। हमने तो नाम नहीं लिखवाया। हमने तो उसका नाम लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस रखा। पूरे प्रदेश को दिया है। हमारे लिये प्रदेश का हर एक नागरिक हमारा मतदाता है। प्रदेश की हर जनता हमारे लिये जनार्दन के रूप में है। हम उसको उस रूप में सम्मान देते हैं लेकिन जिनके लिये जनता जनार्दन नहीं वोट बैंक है उन्होंने इन योजनाओं के साथ अपनी पार्टी का नाम जरूर जोड़ने का काम किया। किसी ने समाजवादी नाम लिखा दिया किसी ने और कोई दूसरा नाम लिखा दिया। हमने तो नहीं लिखवाया लेकिन हां कार्य हुआ है। एक लाख उन लोगों को नया जीवन मिला है जिन्हें अगर पहले एक घंटे में यह सुविधा नहीं मिलती तो हो सकता है कि उनका जीवन जा सकता था। लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने उस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है, तेजी के साथ उसको किया है। आज सी0एच0सी0, पी0एच0सी0, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल की स्ट्रैन्थनिंग की कार्यवाही हो या प्रदेश के अन्दर जो भी कार्य योजनाएं आगे बढ़ीं किस रूप में हम उन कार्य योजनाओं को आगे बढ़ाने में सफल हुए हैं। हमें आश्चर्य होता है कि पिछली सरकारें कर क्या रही थीं। आज 108 की क्षमता को इन्होंने बढ़ाया है, 102 की क्षमता को इन्होंने बढ़ाया है। सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 नये बने हैं। मेडिकल मोबाइल यूनिट्स, प्रदेश के अन्दर 170 ऐसी मोबाइल यूनिट प्रदेश के अन्दर विभिन्न जनपदों में भेजी गईं और महोदय टीकाकरण की स्थिति क्या है ? 2014 तक

61 फीसदी थी और आज हम 86 फीसदी को क्रास कर रहे हैं टीकाकरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये। क्या हम यह चाहते हैं कि हमारा कोई नवजात शिशु पैदा हो वह किसी ऐसी बीमारी का शिकार हो जाय कि पूरा जीवन उसका रेंगते हुए बीते। नहीं, कोई विश्वस्त समाज इस बात को नहीं देख सकता और इसके लिये मिशन इन्द्रधनुष के तहत सात प्रकार की बीमरियों से बचाव के लिये टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया था। पिछली सरकार रूचि नहीं लेती थी। उन्होंने इसको 61 से ऊपर बढ़ने ही नहीं दिया। कहीं गरीब का बेटा स्वस्थ हो जायेगा तो फिर वोट बैंक के नाम पर जिन्होंने पूरे समाज को रेंगने पर मजबूर किया है कहीं इनकी सत्ता न कोई हथिया ले इस दृष्टि से यह लोग नहीं चाहते थे कि टीकाकरण का लक्ष्य आगे बढ़े लेकिन आज स्वास्थ्य विभाग ने सभी विभागों के साथ मिलकर अंतर्विभागीय समन्वय के माध्यम से इस लक्ष्य को 86 फीसदी से ऊपर तय करने में सफलता हासिल की है। यही नहीं मातृ मृत्यु दर उत्तर प्रदेश के अन्दर सर्वाधिक है। यानि हमारे यहां मातृ मृत्यु दर 285 थी प्रति लाख। हम इसे घटाते हुए 2019 में 201 तक लाने में सफल हुए। हमारा प्रयास है इसको न्यूनतम स्तर पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मानक पर इसे ला सकें। इस दिशा में प्रयास हो रहे हैं।

शिशु मृत्यु दर जो पिछली सरकारों के समय 48 तक था आज इसे न्यूनतम स्तर पर लाने का हम प्रयास कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि एक न्यूनतम स्तर पर हो। हम 40 के आस-पास आ चुके हैं लेकिन इससे और न्यूनतम् स्तर पर लाने की दिशा में यह कार्यक्रम आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश के अन्दर 6 करोड़ 47 लाख लोगों को आयुष्मान भारत में 5 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा का कवर भारत सरकार के साथ मिलकर प्रदेश सरकार उपलब्ध करा रही है। लेकिन 56 लाख से अधिक लोग ऐसे थे जो इससे वंचित हो गये थे उसके लिये भी प्रदेश सरकार ने मुख्य मंत्री जन-आरोग्य योजना प्रारम्भ की है और उस योजना से उन्हें भी आच्छादित कर रही है। 5 लाख रुपये उन लोगों को भी हम देंगे जो इन योजनाओं से वंचित हो गये थे और उसके लिये भी एक वृहत कार्य योजना पूरे प्रदेश के अन्दर बनाई गई है। स्वास्थ्य के लिये अच्छी दवा मिले। हर व्यक्ति को स्वस्थ जीवन जीने के लिये अधिकार मिलना चाहिए। जहां इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये प्रदेश ने कुछ अच्छे कार्यक्रम किये। स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार इसी को आप कह सकते हैं प्रदेश के अन्दर हम लोगों ने जो अभियान प्रारम्भ किया उस अभियान के अन्तर्गत ही प्रदेश के अन्दर आज दवाओं की आपूर्ति मेडिकल कारपोरेशन के माध्यम से इसको आगे बढ़ाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया और उसी का परिणाम है महोदय कि पहले जो प्रदेश के अन्दर दवा की उपलब्धता थी 2017 के पहले वह किसी से छिपी हुई नहीं हैं। सत्ताधारी दल का एम0एल0ए0 या एम0पी0 जाता था उनके परिवार के लोग जाते थे, उनके सहयोगी जाते थे, उनके साथ के लोग जाते थे उनको दवा मिलती थी। लोकल परचेज के नाम पर करोड़ों रुपये वारे-न्यारे होते थे लेकिन किसी कॉमन मैन को दवा नहीं मिलती थी। आज हम कह सकते हैं कि दवा की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में हुई है। दूसरा दवा

की उपलब्धता के साथ-साथ जो कारपोरेशन के द्वारा दवा की खरीद हो रही है 51 ऐसी दवाइयां हैं जो बाजार दर से 75 से लेकर 97 फीसदी कम दर पर खरीदी गई हैं। 25 दवाइयां ऐसी हैं जो 50 से लेकर 75 परसेन्ट कम दाम पर खरीदी गई हैं और 19 दवाइयां ऐसी हैं जो 25 से लेकर 50 फीसदी कम दर पर खरीदी गई हैं। 5 औषधियां ऐसी हैं जिनको 10 से लेकर 22 फीसदी तक कम दाम में खरीदना पड़ा है। पहले बाजार से कई मंहगे दाम पर यह दवाइयां खरीदी जाती थीं। यानि अगर पहले दवा के नाम पर किसी गरीब को एक दवा मिलती थी उतने ही पैसे से आज हम 4 मरीजों को अच्छी ब्रांडिंग कम्पनी की दवा उपलब्ध कराते हैं। यह कारपोरेशन के माध्यम से संभव हो पाया है और इस अभियान को आगे बढ़ाने की दिशा में जो कार्यक्रम प्रारम्भ हुए हैं यह स्वास्थ्य के बेहतर लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बहुत अच्छे कार्य हुए हैं। यही नहीं यू0एन0 ने ट्यूबरक्लोसिस को 2020 तक समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 2025 तक पूरे देश से ट्यूबर क्लौसिस यानि टी0बी0 को समाप्त करने का लक्ष्य रखा है और मुझे लगता है कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में हर एक व्यक्ति को जैसा कि जो हमारे प्रदेश की आदरणीया राज्यपाल महोदया हैं उन्होंने एक अभियान चलाया है कि हर स्वस्थ व्यक्ति एक टी0बी0 ग्रसित बच्चे को गोद ले और फिर उसे सुपोषित करते हुए टी0बी0 से मुक्त करने के इस लक्ष्य को आगे बढ़ाये। मैं भी इस हाउस का आह्वान करूंगा कि हाउस के हमारे प्रत्येक सदस्य अपनी-अपनी विधान सभा क्षेत्र में 5-10 बच्चों को गोद ले करके निःशुल्क दवा है। हमें केवल दवा के लिये जागरूक करना और उसे प्रेरित करना है। अगर हम इस कार्य का हिस्सा बन सकेंगें तो सचमुच 2025 से पहले जैसे स्वस्थ भारत मिशन में उत्तर प्रदेश ने एक वर्ष पहले लक्ष्य प्राप्त कर लिया था ऐसे ही उत्तर प्रदेश को ट्यूबरक्लोसिस मुक्त बनाने के इस लक्ष्य को भी हम पहले प्राप्त कर सकते हैं। हर एक व्यक्ति जनसहभागिता के साथ उसे जन आंदोलन का रूप दे दे, यह संभव है और इसे संभव बनाने की दिशा में एक प्रयास हम सबको सामयिक रूप से आगे बढ़ाना होगा। मान्यवर, स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति क्या थी ? वर्ष 1947 से ले करके 2016 तक प्रदेश के अन्दर कितने मेडिकल कॉलेज बने थे ? सन् 1947 से लेकर वर्ष 2016 तक 12 मेडिकल कॉलेज बने थे। आज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2019 के बीच हम लोग 15 मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं और 15 में से 7 में इस सत्र में नये प्रवेश प्रारम्भ हुए हैं जिसमें प्रति मेडिकल कॉलेज में सौ-सौ छात्रों ने प्रवेश लिया है। यह केवल सरकार नहीं करती है। इन कॉलेज में प्रवेश के लिए भारत सरकार और मेडिकल काउन्सिल ऑफ इण्डिया के रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है, जब इनकी संस्तुति, इनकी सहमति और इनकी सम्बद्धता मिलती है तब जाकर हम यह मेडिकल कॉलेज संचालित कर सकते हैं और मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश ने इस वर्ष 7 नये मेडिकल कॉलेज में 700 नये बच्चों को प्रवेश दिलाया है। साथ ही प्रदेश के अन्दर दो नये एम्स में भी प्रवेश प्रारम्भ हुए हैं। एक गोरखपुर एम्स में प्रवेश के साथ ओ0पी0डी0 प्रारम्भ हुई है

तथा रायबरेली एम्स में भी ओ0पी0डी0 और प्रवेश प्रारम्भ हुआ है। 8 नये मेडिकल कॉलेज में अगले सत्र तक हम लोग पढ़ाई के लक्ष्य को ले करके कार्य कर रहे हैं कि अगले सत्र में उनमें भी प्रवेश कराया जा सके। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि 14 नये मेडिकल कालेज के प्रस्ताव प्रदेश सरकार ने भारत सरकार को भेजा है, जिनमें 11 तो कल ही हमारी कैबिनेट ने स्वीकृत किये है और तीन अन्य को ले करके कुल 14 नये मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव हम लोग भेज रहे हैं। सन् 1947 से ले करके वर्ष 2016 तक कुल 12 गवर्नमेन्ट मेडिकल कॉलेज और 2016 से ले करके वर्ष 2019 तक 15 नये मेडिकल कॉलेज तथा दो एम्स के साथ-साथ 14 नये मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव यह अपने आप में स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी अभियान को आगे बढ़ाने और स्वास्थ्य की गुणवत्ता को भी आगे बढ़ाने की दिशा में उठाये जा रहे कदम का हिस्सा है। यह उसी का हिस्सा है जिस सच्चाई को हमारे विपक्ष के लोग सुनना नहीं चाहते हैं, उनमें सुनने का सामर्थ्य नहीं है और इतना धैर्य भी नहीं है तथा इतना नैतिक साहस भी नहीं है कि वह सुन सकें। उस दिशा में जो प्रयास प्रारम्भ हुए हैं उन प्रयासों को आगे बढ़ाने की ही दिशा में प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस कार्य को आगे बढ़ाने का काम प्रारम्भ किया है।

मान्यवर, भुखमरी की समस्या का सर्वथा समाधान हो इस दिशा में प्रदेश के अन्दर एक बड़ी कार्य योजना के साथ सरकार ने कार्य प्रारम्भ किया है। जब मार्च, 2017 में हमारी सरकार आई थी तो ठीक उससे पहले दिसम्बर, 2016 में और जनवरी 2017 में प्रदेश के अन्दर कुछ जनपदों में भूख से मौतें हुई थीं, मैं उस दौरान उन क्षेत्रों में गया था। मैं सांसद था इसलिए देखने के लिए गया था और पूछने के लिए भी गया था कि किस लिए मौतें हो रही हैं ? हम लोगों ने उसके बाद सर्वे कराया था, जिसमें 60 लाख परिवार ऐसे थे जिनके पास कहीं से भी राशन कार्ड नहीं था, लेकिन रिकॉर्ड में उनके पास राशन कार्ड बने हुए थे और उन 60 लाख परिवारों के लिए हमने राशन कार्ड की व्यवस्था के साथ-साथ जब हमने नया सर्वे प्रारम्भ किया तो प्रदेश के अन्दर लगभग 67 लाख परिवारों को राशन कार्ड प्रदेश सरकार ने अतिरिक्त उपलब्ध करवाये। आज मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि 3 करोड़ 55 लाख परिवारों को जिसमें 15 करोड़ यूनिट हैं इन्हें अन्त्योदय और पात्र गृहस्थी के राशन कार्ड हमने उपलब्ध करवाया है। अन्त्योदय और पात्र गृहस्थी इन राशन कार्डों में 2 रुपये किलो गेंहू और 3 रुपये किलो चावल की उपलब्धता उन गरीब परिवारों को उपलब्ध कराने की दिशा में जो कार्य प्रारम्भ हुआ है, यह भुखमरी का सर्वथा अंत तो है ही, लेकिन साथ-साथ सुपोषण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश का पहला राज्य उत्तर प्रदेश है जिसने प्रदेश के अन्दर सुपोषण मेले की शुरुआत की है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय को बढ़ाया है। आशा वर्कर के मानदेय को बढ़ाया है और इन सभी को इन योजनाओं के साथ जोड़कर के जगह-जगह इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बेहतर प्रयास किया है और इस बेहतर प्रयास के क्रम में ही हम

इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भुखमरी का भी अंत हो, साथ-साथ हम लोग हर हाल में किसी भी स्थिति में प्रदेश के अन्दर कुपोषण से भी प्रदेश को मुक्त कर सकें इस दिशा में भी जो प्रयास प्रारम्भ हुए हैं यह उसी का हिस्सा है। प्रदेश के अन्दर किसानों के लिए सरकार ने इसीलिए इतनी योजनाएं प्रारम्भ की हैं। बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से रिवाइव करना और उन्हें संचालित करने की दिशा में कार्यवाही हो, गन्ना किसानों का वर्षों के गन्ना मूल्य पर कार्यवाही हो, बंद पड़ी चीनी मिलों को चला करके आधुनिक तकनीक के साथ उन्हें जोड़ने और चीनी की उपलब्धता के बावजूद चीनी की मांग नहीं तो चीनी नहीं बनाएंगे बल्कि सुगरकेन से हम सीधे इथिनॉल बना करके किसान के चेहरे पर खुशहाली लाने का कार्य करें इस दिशा में भी बेहतर प्रयास हुए हैं। सम्बंधित मंत्री जी इसके बारे में विस्तार से बोलेंगे। प्रदेश के अन्दर ऋण माफी की कार्यवाही हो। कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से किसानों के खेत तक पानी पहुंचाने की कार्यवाही हो या फिर प्रदेश के अन्दर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के जीवन में खुशहाली लाने या प्रिक्योरमेंट के माध्यम से किसान को लागत का डेढ़ गुना दाम देने की कार्यवाही हो। मण्डियों को ई-नाम से जोड़ने की कार्यवाही हो। यह प्रदेश की सरकार ने प्रदेश के किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के साथ-साथ भुखमरी को सर्वथा अंत करने की दिशा में सुपोषण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भी यह प्रयास प्रारम्भ किया है। हमारे जो सहयोगी मंत्रीगण हैं वह इस पर विस्तार से चर्चा भी करेंगे तथा विस्तार से इस बात को यहां पर रखेंगे। साथ ही प्रदेश के अन्दर लैंगिक असमानता को समाप्त करने के लिए जो प्रयास प्रारम्भ हुए हैं इसके लिए हमारी सरकार ने शुरुआत में ही कार्य योजना बनाई थी इस योजना में एंटी रोमियो स्क्वॉयड के माध्यम से बालिका सुरक्षा को सुनिश्चित करने की एक कार्यवाही थी जो आज भी सक्रिय है तथा इसमें कार्य कर रहा है। बड़े पैमाने पर इस कार्य योजना को आगे किया गया है।

सरकार ने इस दिशा में बेहतर प्रयास करते हुए स्नातक तक बालिकाओं की शिक्षा को मुफ्त करने की व्यवस्था रही हो या फिर भेद-भाव को समाप्त करके हर बालिका को स्कूल तक पहुंचाने की कार्यवाही रही हो, स्कूल चलो अभियान में बालिकाओं की संख्या अब बालकों से ज्यादा है क्योंकि बालक तो पहले भी स्कूल जाते थे, लेकिन बालिकाएं स्कूल नहीं जा पाती थीं, जिसमें कुछ परिवार की कुछ मान्यताएं होती थीं, कुछ परिवार की अपनी समस्याएं होती थीं। प्रदेश को लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए हमारे दो जनपद इटावा को और फर्रुखाबाद को भारत सरकार के दो पुरस्कार अभी पिछले महीने प्राप्त हुए हैं, जिसमें लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए इन दो जनपदों ने जो बेहतर प्रयास प्रारम्भ किये हैं वह प्रदेश सरकार की लैंगिक असमानता को दूर करने के दिशा में किये गये प्रयास का हिस्सा है। इसके साथ-साथ महिलाओं का प्रतिनिधित्व हर क्षेत्र में हो, इसमें हमने पुलिस की कुल भर्तियों में 20 प्रतिशत महिला कांस्टेबल भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ की है। हम यहीं पर नहीं रूके हैं। हमने पी0ए0सी0

की तीन महिला बटालियन के गठन की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया है और प्रदेश के अन्दर कन्या प्रोत्साहन के लिए प्रदेश सरकार मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना पर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि दीपावली के आसपास हम लोग जब इस योजना को लांच करेंगे जिसमें कन्या की जन्म से लेकर के कन्या की स्नातक तक की पढ़ाई के लिए एक पैकेज, कन्या जन्म ली तो एक पैकेज उसके परिवार को नकद धनराशि के रूप में मिल जाएगा। जब कन्या एक वर्ष की होगी तो मिशन इंद्रधनुष के अन्तर्गत जब वह सभी प्रकार के टीकों से आच्छादित होगी तो एक निश्चित धनराशि उसके परिवार को कन्या के नाम पर मिलेगी। जब कन्या पहली क्लॉस में जाएगी तो भी उस परिवार को नकद धनराशि मिलेगी। जब कन्या छठी क्लॉस में जाएगी तो भी उसके परिवार को नकद धनराशि मिलेगी। जब कन्या नौवीं क्लॉस में जाएगी तो भी उसके परिवार को नकद धनराशि मिलेगी। जब कन्या स्नातक में जाएगी तो भी उसके परिवार को नकद धनराशि मिलेगी। कन्या को जन्म से लेकर स्नातक तक के प्रवेश के लिए सरकार 15 हजार रुपये की धनराशि प्रत्येक कन्या को उपलब्ध कराने जा रही है और कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से कन्याओं को प्रोत्साहित करने तथा कन्याओं को समाज की मुख्य धारा के साथ उनके योगदान को और अच्छे ढंग से परिभाषित करने की दिशा में भी यह प्रयास आगे बढ़ा है। स्वच्छ जल आपूर्ति की दिशा में भी जल संरक्षण के लिए एक बृहद् कार्य योजना बनी है। प्रदेश के अन्दर बड़े-बड़े कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में बड़े-बड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की कार्य योजना भी बनी है। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने हर घर नल की योजना प्रारम्भ की है। यानी शुद्ध जल की आपूर्ति हर एक परिवार तक हम उपलब्ध करा सकें इसके लिए प्रदेश की सरकार ने बुंदेलखण्ड को और विन्ध्य क्षेत्र को पहले चरण में लिया है। हमने बुंदेलखण्ड की पाइप पेयजल योजना के लिए 9 हजार करोड़ रुपये की कार्य योजना पहले स्वीकृत कर दी है और बजट में इसके लिए धनराशि की व्यवस्था भी कर दी है। 9 हजार करोड़ रुपये की लागत से बुंदेलखण्ड के सभी सातों जनपदों में शुद्व पेयजल की आपूर्ति कराने के लक्ष्य के साथ जहां यह कार्य योजना बन रही है, इसमें जहां पर सरफेस वाटर होगा हम उसका उपयोग करेंगे और जहां ग्राउण्ड वाटर होगा हम वहां पर भी उसका उपयोग करेंगे, लेकिन हर घर नल की योजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल के साथ-साथ जल संरक्षण की कार्यवाही को भी बृहद् योजना के रूप में प्रदेश सरकार आगे बढ़ा रही हैं क्योंकि भू-गर्भीय जल हमारी एक अक्षय निधि है। इस अक्षय निधि को भी हमें संरक्षित करना है। इसके लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था, चेकडैम की व्यवस्था इसकी कार्यवाही भी प्रदेश सरकार आगे बढ़ा रही है और स्वच्छता के मिशन को अब ओ0डी0एफ0 से ओ0डी0एफ0 प्लस और ओ0डी0एफ0 प्लस-प्लस की ओर बढ़ाने की दिशा में एक नया कार्य प्रदेश ने प्रारम्भ किया है। प्रदेश के अन्दर सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी बेहतर कार्य ऊर्जा विभाग ने प्रारम्भ किया है। लोगों को पहली बार लगा है कि प्रदेश के अन्दर बिजली भी होती है।

24 घण्टे, 20 घण्टे और 18 घण्टे की विद्युत की आपूर्ति प्रदेश के अन्दर प्रारम्भ हुई है। पिछले 70 वर्षों के इंफ्रास्ट्रक्चर के बावजूद विद्युत विभाग इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रहा है क्योंकि हम नये मजरों तक विद्युतीकरण की योजना लेकर जाते हैं तो पता लगता है कि पुराने मजरे का तार दग गया है, ट्रांसफार्मर फुंक गया है। जिस-जिस प्रकार की धांधलेबाजी होती थी। जिस प्रकार की हरकतें इस मामले में पिछली सरकारों ने पॉवर परचेस एग्रीमेंट के माध्यम से प्रदेश की जनता के हितों के साथ कुठाराघात करके किया है इससे बड़ा दूसरा अन्याय हो ही नहीं सकता है, लेकिन विगत ढाई वर्ष के दौरान एक लाख 67 हजार से अधिक मजरों में विद्युतीकरण पहुंचाना तथा 1 करोड़ 10 लाख परिवारों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन उपलब्ध करवाना, पर्याप्त मात्रा में फीडर और सब-स्टेशन की स्थापना करना नये पावर स्टेशन की स्थापना करने की दिशा में कार्य योजना बना करके उस पर इम्पलीमेंट करना। पूरे देश के अन्दर सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होने के बावजूद उस कार्य योजना को मजबूती के साथ लागू करने के साथ ही सस्ती और सस्टनेबल जो पावर की उपलब्धता है इसको उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करना इस सम्बंध में सराहनीय प्रयास हुए हैं।

70 वर्षों का पाप एक झटके में नहीं हट सकता लेकिन इसमें जो कार्य योजना जिस तरीके से आगे बढ़ी है उसको और मजबूती के साथ आगे बढ़ाने की दिशा में, जिससे हम लोगों को अच्छी पावर की योजना की उपलब्धता कर सकें इसके साथ-साथ ग्रीन एनर्जी के लिए हम लोगों ने प्रदेश के अन्दर एक कार्य योजना तैयार की है कि कैसे हम दस हजार मेगावॉट की ग्रीन एनर्जी को उपलब्ध कराने की, सोलर एनर्जी को उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास कर सकते हैं। इस पर कार्य योजना चल रही है और बहुत सारे कार्य आगे बढ़े भी हैं। नई टेक्नोलॉजी आई है और उसको बहुत अच्छे ढंग से उपलब्ध करा रहे हैं। शुगर केन से इथोनॉल बनाने में भी विदेशी मुद्रा की बचत भी हमारी ग्रीन एनर्जी की दिशा में किए जाने वाले प्रयास का हिस्सा है। बायोफ्यूल की यूनिट प्रदेश के अन्दर लगाने की दिशा में किए जाने वाले प्रयास भी उसी का हिस्सा है। बायोफ्यूल किसानों की आमदनी को भी बढ़ाएगा, गौवंश के संरक्षण की दिशा में भी कार्य करेगा और साथ-साथ विदेशी मुद्रा की बचत के माध्यम से लोगों के घरों में ग्रीन ऊर्जा की आपूर्ति की व्यवस्था को भी सुनिश्चित करेगा। जगह-जगह गैस पाइप लाइन, पी0एन0जी0 के माध्यम से उपलब्ध कराना सी0एन0जी0 के माध्यम से उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य योजना बनना, यह सारे कार्य उसी दिशा में प्रारम्भ हुए हैं और मेरे सहयोगी मंत्री विस्तार से इस बार सदन का ध्यान भी आकर्षित करेंगे और विस्तार से न केवल उन मुद्दों को रखेंगे, बल्कि इस पर व्यापक कार्य योजना और व्यापक चर्चा भी इस बारे में यहां पर इस कार्य को ले करके रखेंगे। महोदय, इसके साथ ही अच्छा काम और आर्थिक विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भी जो प्रयास प्रारम्भ हुए हैं या फिर उद्योगों के साथ ही नवाचार और बुनियादी ढांचा के विकास के लिए भी जो प्रयास प्रारम्भ हुए आजादी के बाद, इसमें उत्तर प्रदेश

के अन्दर प्रति व्यक्ति आय, देश के प्रति व्यक्ति आय से ज्यादा है। आज जब प्रदेश के अन्दर हम आजादी के सात दशक पूरे कर चुके हैं। मुझे आश्चर्य होता है कि आज देश की प्रति व्यक्ति आय से आधी हमारे उत्तर प्रदेश के प्रति व्यक्ति आय का है। हमारे लिए सबसे बड़ा चैलेंज है कि हम प्रदेश के प्रति व्यक्ति आय को देश के एवरेज आय के बराबर कैसे लेकर जाएं और फिर देश की प्रति व्यक्ति आय की एवरेज आय से अधिक हम कैसे इसको आगे बढ़ा सकते हैं। यह हमारे सामने चैलेंज है इसके लिए हमें हर एक क्षेत्र में कार्य करना है मेरे मंत्रि-मण्डल के सभी सहयोगी, सभी प्रशासनिक अधिकारीगण आएं, लखनऊ के साथ मिल करके ठोस कार्य योजना बनाएं। कार्य योजना को लागू करने के लिए भी हम लोगों ने निश्चित समय सीमा तय की है और उसको आगे बढ़ाने की दिशा में ही प्रदेश में निवेश की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए उन संबंधित फोकस सेक्टर की अपनी पॉलिसी तैयार की। व्यापक निवेश की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाया और निवेश की इन सम्भावनाओं को ध्यान में रखकर के विगत ढाई वर्ष के दौरान बड़े पैमाने पर निवेश की सम्भावनाएं, निवेश से रोजगार की सम्भावनाएं, और उससे विकास की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में किए गए प्रयास, एक सार्थक दिशा लेते हुए दिखाई दे तो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए भी प्रदेश के अन्दर व्यापक कार्य हुए। महोदय, प्रदेश के अन्दर सत्तर वर्षों में दो एक्सप्रेस-वे पर कार्य हुआ है और पिछले ढाई वर्ष के अन्दर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का कार्य काफी आगे बढ़ चुका है। अगस्त 2019 और 2030 में हम मुख्य पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के मुख्य हाई-वे एक्सप्रेस वे को यातायात के लिए खोलेंगे उसकी सर्विस लेन को बनाने में कुछ समय और लगेगा, लेकिन मुख्य एक्सप्रेस वे बनकर के तैयार होगी। बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस वे पर हम दो महीने के अन्दर कार्य प्रारम्भ करने जा रहे हैं और साथ-साथ देश के सबसे बड़े एक्सप्रेस वे जो मेरठ से प्रयागराज के बीच में जोड़ेगा। छः सौ चालीस किलोमीटर लम्बे इस एक्सप्रेस वे पर भी सरकार कार्य कर रही है। वृहद् कार्य योजना कर रही है।

प्रदेश की इंफ्रास्ट्रचर डेवलेपमेंट के साथ ही यहां की अर्थ व्यवस्था को एक नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में चाहे वह इंस्फ्रास्ट्रक्चर में एक्सप्रेस वे का हो, इण्टर स्टेट कनेक्टिविटी का हो जिला तहसील और ब्लॉक मुख्यालय को जोड़ने का अभियान हो, ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों का हो या फिर एअर कनेक्टिविटी के लिए किए जाने वाले प्रयास। सत्तर वर्षों में दो शहर हमारे जुड़ पाए थे वायु सेवा से और ढ़ाई वर्ष में हमारे जुड़े हैं छः सिटी हमारी आज देश और दुनिया की 55 शहरों से जुड़े हुए ग्यारह नए एयरपोर्ट पर प्रदेश सरकार कार्य कर रही है और दो इण्टरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का निर्माण प्रदेश सरकार प्रदेश के अन्दर कुशीनगर और नोएडा के अन्दर बना रही है। नोएडा में जेवर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है यह दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने जा रहा है और मुझे लगता है यह कार्य उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार भारत सरकार के सहयोग से कर रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का ही

परिणाम है कि आज हमारे पास परिवहन का पब्लिक ट्रांसपोर्ट का जो सबसे अच्छा माध्यम माना जा सकता है उसमें मैट्रो है। आज प्रदेश के अन्दर हमारे तीन शहर मैट्रों से जुड़ चुके हैं और आगामी दो शहरों में हमने अपने बजट में कानपुर और आगरा के लिए मैट्रो का प्राविधान कर दिया है, लेकिन साथ ही साथ अन्य शहरों के अन्दर भी मैट्रो का संचालन हो, इसकी एक व्यापक कार्य योजना के साथ प्रदेश सरकार कार्य कर रही है। प्रदेश के अन्दर फ्रेड कॉरिडोर इस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेड कॉरिडोर उत्तर प्रदेश से होकर के जाता है और दोनों का जंक्शन भी उत्तर प्रदेश के दादरी में हो रहा है। एक लॉजस्टिक हब के रूप में उस क्षेत्र को विकसित करना और उसके माध्यम से रोजगार और विकास के सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में किया जाने वाला कार्य हो। डिफेंस कॉरिडोर का कार्य हो। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट का हो या फिर इस दिशा में किए जाने वाले जितने भी प्रयास हों रोजगार और व्यापक सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में यह कार्य हमने तेजी के साथ आगे बढाएं हैं तो प्रदेश के अन्दर हमने क्षेत्रीय आर्थिक विषमता को दूर करने की दिशा में भी बेहतर प्रयास प्रारम्भ किए हैं टिकाऊ शहरी और सामुदायिक विकास की योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए। हमें प्रसन्नता है कि देश के अन्दर दस सिटी हमारी स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हुई हैं। भारत सरकार के सहयोग से विकसित हो रही थी। हमारी सरकार में सात अन्य शहर जो नगर निगम हैं उन्हें प्रदेश सरकार के संसाधन से और नगर निकाय के संसाधन से स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा है और उस कार्य योजना को आगे बढ़ाया है। दीन दयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के अन्तर्गत कुछ टाउन एरिया को आदर्श टाउन एरिया के रूप में विकसित करने या अमृत योजना के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं के स्टैण्टनिंग का कार्य हो या फिर अन्य बुनियादी सुविधाओं को तेज करने की दिशा में किए जाने वाले प्रयास या शहरी जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में सरकार के स्तर पर किए जाने वाले प्रयास का ही हिस्सा है और उस अभियान को आगे बढ़ाने की दिशा में एक नया प्रयास सरकार के द्वारा प्रारम्भ हुआ है तो जलवायु परिवर्तन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बेहतर प्रयास हुए हैं। महोदय, मैं धन्यवाद दूंगा पूरे सदन को और वन विभाग को खासतौर पर वन विभाग ने नौ अगस्त को अगस्त क्रान्ति दिवस के अवसर पर प्रदेश के अन्दर 22 करोड़ 59 लाख वृक्षारोपण के वृहद कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया, बहुत बड़ा कार्य था। चैलेंज था हम लोगों के लिए और उसके कुछ तत्काल बाद मैं 9 अगस्त को यह कार्यक्रम था और 10, 11 अगस्त को मुझे रूस के भ्रमण में जाना था। जब मैं रूस गया तो रूस के डिप्टी प्राईम मिनिस्टर के साथ जब मेरी बातचीत हो रही थी तो उन्होंने सबसे पहला प्रश्न मुझ से यही किया, उन्होंने कहा कि आपके स्टेट ने 22 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण एक दिन में कैसे कर दिए। मैंने कहा कि एक कार्य योजना बना करके। टीम वर्क का परिणाम है सभी विभागों के नाम वन विभाग का था नेतृत्व वन विभाग का था, लेकिन इसमें सहयोग सभी विभागों का था।

प्रदेश की हमारी सभी 23 करोड़ जनता का सहयोग था तो मैंने कहा हमारे लिए तो 22 करोड़ तो बहुत छोटी राशि है। हम एक साथ प्रदेश के अन्दर इससे कहीं ज्यादा वृक्षारोपण करने की क्षमता रखते हैं और इसीलिए हम लोगों ने प्रदेश के अन्दर अगले वर्ष के लिए 25 करोड़ वृक्षारोपण के लक्ष्य को प्रदेश के अन्दर रखा है। हम प्रदेश के अन्दर जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जलवायु परिवर्तन न हो, जैव विविधता पर हमारा नियंत्रण हो और प्रदेश के अन्दर चाहे वह भारी पैमाने पर वृक्षारोपण की कार्यवाही हो, प्लास्टिक के खिलाफ चल रहे अभियान का हो, जल संचयन के लिए जगह-जगह चैक डैम, तालाब बनाने की कार्य योजना हो या नदियों के ड्रेजिंग के माध्यम से उनको चैनलाईज करने की प्रक्रिया का हिस्सा हो। नदियों की अविरल और निर्मलता का कार्यक्रम हो इन सभी को हमने इसके साथ जोड़ करके इस कार्य योजना को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने का कार्य किया। भूमि पर जीवन और इन सभी को इसके साथ जोड़ने के साथ ही शान्ति और न्याय की स्थापना के लिए भी प्रदेश ने बेहत्तर दिशा में प्रयास प्रारम्भ किए हैं। वेहत्तर प्रयास इस रूप में हैं कि न्याय हर एक को सबल हो, सरल हो और सुलभ हो मुझे बताते हुए प्रसन्नता है। महोदय, कुछ घटनाएं बहुत दुखद होती हैं, लेकिन सरकार की मंशा सही हो और सरकार अगर उन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हो तो फिर हर एक व्यक्ति न्याय पा सकता है और खासतौर पर हम लोग अबोध बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों के बारे में सदैव चिन्तित होते रहे हैं। सदन चिन्तित होता रहा है, प्रदेश और देश चिंतित होता रहा है, लेकिन पास्को एक्ट बनने के बाद उसका प्रभावी क्रियान्वयन हो, इसके बारे में जब ठोस कार्य योजना बनाने की बात आती थी तो लोगों के बयान किस-किस प्रकार के आते थे और मुझे बताते हुए, इस बात को कि पास्को एक्ट के अन्तर्गत प्रदेश के अन्दर दो त्वरित कार्यवाही हुई है इसमें औरैया में पहली ऐसी घटना थी जिसमें अगस्त प्रथम सप्ताह में एक अबोध बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना घटित होती है और अपराधी पकड़ा जाता है। अपराधी के पकड़े जाने पर बीस दिन के अन्दर चार्जशीट दाखिल होती है और फिर फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से सात दिन के अन्दर अपराधी को आजीवन कारावास की सजा भी सुनाई जाती है। दूसरे मामले में एक बालिका की हत्या एक ऐसे ही दरिंदे के द्वारा जब की जाती है तो उस मामले में एक महीने के अन्दर उसे फांसी की सजा सुनाई जाती है। प्रदेश के अन्दर न्याय सरल भी है, सस्ता भी है और इस दिशा में जो कार्यवाही प्रारम्भ हुई है अपराधी के मन में अगर कानून का भय नहीं है तो वह स्वच्छन्द होगा और अपराधी के मन में कानून का भय हो न्याय की सहजता, सरलता जहां इसको हमने लागू किया है वहीं तमाम ऐसे राजनीतिक मामले थे। विगत वर्ष हमने इसी सदन में बीस हजार ऐसे मामले थे जो छोटी-छोटी घटनाएं थीं धरना प्रदर्शन की पाबन्दी की, इससे जुड़े हुए मामले थे, जनप्रतिनिधियों से जुड़े हुए थे, सामान्य राजनीतिक कार्यकर्ताओं से जुड़े हुए थे हाईकोर्ट की सहमति से एक ही दिन में सदन में लाकर के उन सभी को एक

साथ समाप्त करने की कार्यवाही भी आगे बढ़ाई। वह कानून जो अब तक जिनका कोई वजूद नहीं रह गया था जो अनावश्यक बोझ बने हुए थे उन्हें समाप्त करने की दिशा में भी न्याय विभाग ने वेहत्तर दिशा में कार्य प्रारम्भ किया है और साथ-साथ कानून का राज हो इसके लिए आधुनिक और प्रशिक्षित पुलिस बल भी उतना ही आवश्यक है। पुलिस की भर्ती की प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ाने की प्रक्रिया वही हो, पुलिस की बेहतरीन ट्रेनिंग हो ट्रेनिंग की क्षमता को हम लोगों ने इस दौरान दोगुनी किया। प्रदेश के अन्दर अपराधी के मन में कानून का भय हो। जहां प्रभावी कार्यवाही प्रदेश के अन्दर हुई है। ढाई वर्ष में कोई दंगा न होना प्रदेश के अन्दर किसी भी प्रकार का भय का माहौल न पैदा होना।

हर जाति मजहब से जुड़े हुए पर्व और त्योहारों को शान्तिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न होना और साथ ही साथ पूरे प्रदेश के अन्दर हम लोगों के द्वारा एक ठोस कार्य योजना बनाना, अक्सर एक समस्या होती थी कि कहीं भी कोई जहरखुरानी की घटना होती थी या कोई ऐसी घटना होती थी जिसने हमें फॉरेंसिक लैब की सहायता लेनी होती थी तो उसकी रिपोर्ट आने में छः-छः महीने एक-एक साल और दो-दो साल लग जाते थे। हमारी सरकार ने तय किया है हम लोग पहले चरण में जो फॉरेंसिक लैब है इस वित्तीय वर्ष में उन्हें पूरा करेंगे और साथ-साथ हर रेंज स्तर पर यानि कि हर कमिश्नरी स्तर पर हम एक-एक फॉरेंसिक लैब को स्थापित करेंगे। जिससे फॉरेंसिक लैब से जुड़े हुए जो भी मामले होंगे उन सब में तत्काल उसकी रिपोर्ट उपलब्ध हो सके और अपराधी के खिलाफ हम कार्यवाही भी कर सकें। साथ-साथ समय के बदलते स्वरूप के अनुरूप अपराध की प्रकृति बदली है। हर रेंज स्तर पर भी सरकार ने तय किया है कि हम एक-एक साईबर थाना स्थापित करेंगे। अभी हमारी सरकार ने प्रदेश में दो साईबर थाने एक लखनऊ में एक नोयडा में स्थापित किया है। लेकिन सरकार इस बात को मानती है कि साईबर थाने रेंज स्तर पर होने चाहिए और रेंज स्तर पर साईबर थाने स्थापित करके हम इस प्रकार के अपराध में संलिप्त तत्वों पर भी प्रभावी अंकुश लगा सकें। पुलिस के आधुनिकीकरण के साथ-साथ हम प्रदेश के पुलिस बल को जो देश का सबसे बड़ा पुलिस बल है इसके आधुनिकीकरण की दिशा में कार्य कर सकें। हमने प्रयागराज कुम्भ में इसका वेहत्तर उदाहरण प्रस्तुत किया था। वहां पर हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हो, कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से प्रभावी रूप से पूरे आयोजन को कुशलतापूर्वक सम्पन्न करने की योजना रही हो। प्रदेश सरकार ने सफलतापूर्वक इस कार्य योजना को लागू किया। साथ ही साथ हमने इसी कार्य योजना को बृहद् रूप से आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश में राजधानी लखनऊ में हमने एक निर्णय लिया है कि यहां पर पुलिस आधुनिकीकरण और फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी की भी हम स्थापना करेंगे जिससे प्रदेश के नौजवानों को एक नई डिग्री के साथ आधुनिक अपराध विज्ञान से अवगत कराने के साथ-साथ इस पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में भी हम कार्य कर सकें। इस दिशा में एक प्रयास शान्ति और न्याय की स्थापना की दिशा में इस सरकार के द्वारा किये

गये प्रयास का एक हिस्सा है। और लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी के साथ जो कार्यक्रम प्रारम्भ हुये हैं उसमें एक लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में आमजन की सहभागिता है। हमने हर कार्यक्रम के साथ आमजन को जोड़ा है। आज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान में हमारे मा0 जनप्रतिनिधि भी गये और साथ-साथ आम जनता भी उसके साथ जुड़ी। स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आमजन की सहभागिता उसी का एक परिणाम है। आमजन की सहभागिता का ही परिणाम है कि हम लोग इस मिशन में देश के अन्दर अग्रणी स्थान प्राप्त कर पाये। आमजन सहभागिता का ही परिणाम है कि हमने इस दिशा में वेहत्तर लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में और अच्छे कदम बढ़ाये हैं और आमजन जब किसी एक कार्यक्रम के साथ जुड़ता है तो उसकी ताकत कई गुना बढ़ जाती है। वह एक जनान्दोलन बन जाता है। लेकिन साथ-साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में पी0पी0पी0 मोड को भी आगे बढ़ाने की यह वेहत्तर कार्य योजना हो सकती है। स्वाभाविक रूप से सरकार के पास अपने सीमित साधन होते हैं। सरकार को भी अपने एफ0आर0बी0एम0 की लिमिट को नियंत्रित करना है। और इसको नियंत्रित करने के लिए वह एक सीमा के अन्दर ही कर्ज भी ले सकती है। लेकिन अगर आप कर्ज की सीमा के बाहर गये तो प्रदेश डिफाल्टर होगा। प्रदेश के लिए अपमानजनक स्थिति होगी और इस दिशा में हम पी0पी0पी0 मोड को भी अपनाकर प्रदेश के अन्दर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ-साथ आमजन की सुविधाओं को विकसित करने की दिशा में कार्य योजना बना सकें। इस दिशा में प्रदेश ने वेहत्तर प्रयास प्रारम्भ किये हैं। इस सम्बन्ध में बहुत अच्छे प्रस्ताव आये हैं और आ रहे हैं। और मुझे लगता है कि आज हमने रोड के सेक्टर में हमने इस कार्य योजना को आगे बढ़ाया है। हमने इंडस्ट्री के क्षेत्र में इस कार्य योजना को आगे बढ़ाने में काफी हद तक हमें मदद मिली है। मेट्रो आदि की दिशा में भी हम इस क्षेत्र में प्रयास कर रहे हैं। अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए भी प्रदेश ने जो विश्वसनीयता पिछले ढाई वर्ष के अन्दर अर्जित की है इसमें यह सम्भावना काफी आगे बढ़ी है कि प्रदेश सरकार इस दिशा में जो कार्य करेगी उसके साथ आमजन का विश्वास जुड़ा है, निवेशकों का विश्वास उसके साथ जुड़ा है। और निवेशकों के विश्वास के माध्यम से हम इस कार्य योजना को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने में सफल हो सकते हैं।

महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भारत सरकार ने यू0एन0 के साथ मिलकर जो कार्य योजना पूरे देश के लिए लागू की है उस दिशा में ही आगे बढ़ते हुए हम लोगों ने यहां पर अपने साथ विभिन्न योजनाओं के साथ, सिंचाई की योजनायें जो बहुत लम्बे समय से लम्बित थीं उन योजनाओं के साथ हमने कहीं पर विश्व बैंक को जोड़ा है कहीं पर एशियन डेवलपमेंट बैंक को जोड़ा है। कहीं पर अन्य अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं को भी हमने अपने साथ जोड़ा है और जो हमारे प्रदेश के अन्दर सिविल सोसायटी है स्वैच्छिक संगठन हैं और साथ-साथ सी0एस0आर0 के माध्यम से भी हमने

बृहद स्तर पर इस कार्य योजना को भी आगे बढ़ाने के लिए कार्य किया है। मुझे विश्वास है कि सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में जो वेहत्तर कार्य योजना प्रदेश सरकार जो आज इस सदन के माध्यम से तय करेगी सरकार उसको इम्प्लीमेंट करेगी और जो लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं चाहे वह स्वास्थ्य के क्षेत्र में हों, चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हों, चाहे वह उद्योग के क्षेत्र में हों, चाहे वह इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हों, चाहे वह आमजन के जीवन में खुशहाली के लिए हों। इन सभी 16 गोल्स से जुड़े हुये 169 उन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रदेश सरकार समयबद्ध ढंग से एक कार्य योजना बनाकर इन्हें लागू भी करेगी। प्रदेश की 23 करोड़ जनता के जीवन में खुशहाली लाने के साथ ही प्रदेश को देश के अन्दर बेहतरीन अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करके प्रदेश की प्रतिव्यक्ति आय को भी पहले चरण में नेशनल एवरेज के समकक्ष लाना और दूसरे चरण में नेशनल एवरेज से आगे बढ़ाकर प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली लाने की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए यह चर्चा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी। प्रदेश के आम नागरिक के जीवन में वेहत्तर परिवर्तन लाने में सफल होगी। मुझे विश्वास है कि हमारे सभी सहयोगी मंत्रिगण और मा0 विधायकगण भी अपनी विधान सभा को लेकर विभाग को लेकर और अपनी-अपनी कार्य योजना को यहां पर रखकर इसे वेहत्तर दिशा में आगे बढ़ाने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। मैं एक बार पुनः सतत विकास लक्ष्य पर सदन में चर्चा कराने के लिए आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। भारत माता के उन दो महान सपूतों को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती जो इस युग के एक महामानव थे। जिन्होंने एक दृष्टा के रूप में पूरे देश और पूरी दुनिया को एक दृष्टि दी है। उन्हें इस अवसर पर कोटि-कोटि नमन करता हूं। उनकी स्मृतियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं। उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। प्रदेश की 23 करोड़ जनता की ओर से मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की स्मृतियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं। इन महामानवों के श्रीचरणों में प्रदेश की 23 करोड़ जनता की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आपका आभार व्यक्त करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(मेजें थपथपाई गयीं।)

*** [13:07] श्री नील रतन सिंह पटेल 'नीलू'-**

धन्यवाद, माननीय अध्यक्ष जी। आपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष्य में इस उत्तर प्रदेश के विशेष सत्र में मुझे बोलने का अवसर दिया है। इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। सबसे पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए एवं इस देश के द्वितीय प्रधानमंत्री बनारस के लाल परम् सम्मानित लाल बहादुर शास्त्री जी के कदमों में अपने श्रद्धा के सुमन अर्पित करता हूं। सम्मानित अध्यक्ष जी, यह भारत देश जब

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अंग्रेजों के हाथों गुलाम था तो उस गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए हमारे भारत मां के न जाने कितने लाल बिछड़ गये, न जाने कितने बुजुर्गों के हाथों से उनके सहारे की लाठी छिन गयी। न जाने कितने बहनों के भाई बिछुड़ गये, न जाने कितने मासूमों के सिर से उनके मां-बाप का साया छिन गया। तब जाकर यह आजादी मिली और यह आजादी इस देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में 15 अगस्त, सन् 1947 को इस देश को आजादी मिली। और आजादी के बाद जो महात्मा गांधी का सपना था जो टुकड़ो-टुकड़ों में बंटे इस देश को अखण्ड भारत बनाने का काम जिस महापुरुष ने किया था। सरदार बल्लभ भाई पटेल उनका भी यह सपना था कि हमारा देश आजाद होगा और देश समृद्धशाली होगा, विश्वगुरू होगा। इस देश को सोने की चिड़िया बनाने का हम फिर से काम करेंगे और इस देश के अन्दर कोई भी भारत की बेटी गहनों से लदी हुयी अगर अकेले कश्मीर से चले तो कन्याकुमारी तक सुरक्षित पहुंच जाये, उसके जानमाल इज्जत को कोई खतरा न पहुंचे, ऐसे भारत का सपना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने देखा था। लेकिन विरासत में जिन लोगों के हाथों में आजादी के बाद इस देश की शासन सत्ता आयी उन लोगों ने कैसा भारत बनाकर देने का काम किया यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। एक ऐसा भारत जहां का किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर, जहां का नौजवान आत्महत्या करने के लिए मजबूर, जातिपाति के भेद-भाव के नाम पर देश को टुकड़ों-टुकड़ों में बांटने का प्रयास किया गया। कई तरह का भारत बनाने का काम किया गया लेकिन पहली बार इस देश में नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व में इस देश को समृद्धशाली बनाने का सपना नरेन्द्र भाई मोदी ने देखा है और उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने के लिए सरदार बल्लभ भाई पटेल के सपनों को साकार करने के लिए इस देश को विश्वगुरू बनाने के लिए सोने की चिड़िया बनाने के लिए 2014 से लगातार इस देश को कैसे समृद्धशाली बनाया जाये। इस देश को कैसे विश्वगुरू बनाया जाये। इस देश को कैसे सोने की चिड़िया बनाया जाये। उस पर लगातार वह काम करने का काम कर रहे हैं। आज देश की तस्वीर बदल रही है। इस देश के अन्दर गांव में रहने वाला, झुग्गी झोपड़ी में रहने वाला, बूढ़े मां-बाप और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाला नौजवान वह कोई सपना देखता था तो उस सपने को पूरा नहीं कर पाता था। उसके सपने वहीं गांव में उसी झुग्गी-झोपड़ी में मर जाते थे। वह नौजवान अगर किसी तरह से पढ़ लिखकर, अगर कोई सपना लेकर बड़े शहरों की तरफ जाता था। उसका सपना होता था कि मैं फलां शहर को जाउंगा वहां से कमाकर लौटूंगा तो अपनी बहन के हाथ पीले करने का काम करूंगा। अपने बच्चों को पढ़ाने लिखाने का काम करूंगा। अपनी घरवाली के लिए सुहाग की बिंदिया लेकर आने का काम करूंगा। अपने पिता के पैरों के लिए अच्छा जूता लाने का काम करूंगा। अपनी मां के तन के लिए एक अच्छी साड़ी लाने का काम करूंगा। ऐसे सपने लेकर तमाम नौजवान दिल्ली, मुम्बई, कलकत्ता को जाने का काम करते थे। वहां गन्दी नाली के किनारे झुग्गी-झोपड़ी में जीवन बसर करने के लिए मजबूर होता था।

और वहां तमाम लाइलाज बीमारियों से ग्रसित होकर वह नौजवान वहीं मर जाता था। उसके सपने मर जाते थे। और गांव में यह चर्चा होती थी कि फलां का बेटा शहर को कमाने के लिए गया था लापता हो गया। उसका कहीं अतापता नहीं चला। लेकिन दूसरी तरफ हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री महोदय हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री महोदय, आप लोगों के नेतृत्व में आज इस देश और प्रदेश की दशा और दिशा दोनों बदली है। आज किसान खुशहाल है। आज नौजवान खुशहाल है। मां-बेटियों की इज्जत सुरक्षित है। गरीब अपने घरों में आज खुशहाली की जिन्दगी व्यतीत कर रहा है।

जो गरीब खुले आसमान के नीचे जिन्दगी बिताने के लिए मजबूर था। आज उसको हमारी सरकार आवास देने का काम कर रही है। वृद्धा पेंशन देने का काम कर रही है। विधवा पेंशन देने का काम कर रही है। विकलांग पेंशन देने का काम कर रही है। जो गरीब छात्र पढ़ने का काम नहीं कर पाता था, गरीबी की वजह से पैसे के अभाव में शिक्षा नहीं ग्रहण कर पाता था, लेकिन आज हमारी सरकार उनको शिक्षा ग्रहण करने के लिए उनको सही समय पर छात्रवृत्ति की व्यवस्था हमारी सरकार द्वारा की जा रही है। आज गांव की महिलायें शहर की महिलायें जो झुग्गी-झोपड़ी में रहती हैं उनके पास शौचालय नहीं था, शौचालय जाने के लिए उनको रात का इन्तजार करना पड़ता था, अंधेरे का इन्तजार करना पड़ता था लेकिन आज हमारी सरकार ने कई लाख शौचालय बनाकर गांव के गरीबों को, शहर के गरीबों को खुशहाली देने का काम किया है, आज हम सब लोग जब गरीबों के बीच में जाते हैं उनसे पूछते हैं तो वे कहते हैं कि इसके पहले की सरकारों ने हमारी कोई चिन्ता नहीं की लेकिन इस उत्तर प्रदेश की सरकार ने, केन्द्र की सरकार ने हमारी चिन्ता की है। आज हम भी महसूस कर रहे हैं कि हम इस देश के नागरिक हैं, हम भी भारत मां के बेटे हैं, बेटी हैं। माननीय अध्यक्ष जी, आज इस देश के अन्दर जो कि महात्मा गांधी जी का सपना था जो सरदार बल्लभ भाई पटेल का सपना था जो लाल बहादुर शास्त्री जी का सपना था कि किसी भी देश के विकास के लिए तीन चीजें जरूरी होती हैं। एक बहता हुआ जल, दौड़ता हुआ ट्रान्सपोर्ट और अंकुरित बीज, इस पर पूर्ववर्ती सरकारों ने कोई काम नहीं किया। इन महापुरुषों के नाम पर वोट बैंक बनाकर लम्बे समय तक देश और प्रदेश पर भले ही राज किया लेकिन इन महापुरुषों की विचारधारा को लेकर चलने का काम नहीं किया लेकिन आज हमारी सरकार ने दौड़ता हुआ ट्रान्सपोर्ट देश के अन्दर चौड़ी-चौड़ी सड़कें, लम्बी-लम्बी सड़के चाहे नेशनल सड़कें हों चाहे प्रदेश की सड़कें हों ढेर सारी सड़कों को पूरे देश-प्रदेश में बनाकर यह दिखाने का काम किया है कि हम सच्चे मायने में महात्मा गांधी को मानने वाले लोग हैं, सरदार बल्लभ भाई पटेल को मानने वाले लोग हैं, लाल बहादुर शास्त्री जी को मानने वाले लोग हैं। उनका सपना था कि दौड़ता हुआ ट्रान्सपोर्ट हो, उस सपने को साकार बनाने का काम आज हमारी सरकार कर रही है। बहता हुआ पानी, आज देश की समस्त नदियों की चिन्ता अगर किसी सरकार ने की है तो वह हमारी

एन0डी0ए0 की सरकार है आज देश की समस्त नदियों के वजूद को बचाने के लिए नदियों को स्वच्छ रखने के लिए आज बड़े पैमाने पर हमारी सरकार काम कर रही है, चाहे छोटी नदियां हों, चाहे बड़ी नदियां हों, उन नदियों के अस्तित्व को लम्बे समय से खतरा बना हुआ था, लेकिन आज चाहे गंगा नदी हो, चाहे यमुना नदी हो चाहे देश की प्रसिद्ध नदियां हों, चाहे छोटी नदियां हों हर नदियों की चिन्ता हमारी सरकार द्वारा की जा रही है। आज जल संरक्षण के लिए चाहे नदी हो चाहे पोखरे हों चाहे तालाब हों चाहे कुण्ड हों सबकी चिन्ता हमारी सरकार कर रही है। बड़े पैमाने पर आज हमारी सरकार द्वारा जल संरक्षण किया जा रहा है। आज देश के अन्दर जलवायु परिवर्तन बहुत तेजी से हो रहा था। पूरे देश के अन्दर बड़े पैमाने पर पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा पेड़ों को काटने का काम किया गया लेकिन पेड़ों को लगाने का काम नहीं किया गया।

हमारे प्रदेश की सरकार ने, केन्द्र की सरकार ने इसकी चिन्ता की और हमारे वन विभाग के मंत्री महोदय जी ने उत्तर प्रदेश में बहुत बड़ी चिन्ता की और उनके नेतृत्व में माननीय योगी जी के नेतृत्व में आज प्रदेश के कोने-कोने में एक अभियान चलाकर उस अभियान में सभी जन-प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में लग करके पौध-रोपण का काम किया है। पहले हमारी देश की सीमायें सुरक्षित नहीं थीं हमारे आन्तरिक सुरक्षा में लगे हुए सुरक्षा कर्मी वे देश के अन्दर देश को सुरक्षित रखने का काम नहीं कर पा रहे थे, प्रदेश को सुरक्षित रखने का काम नहीं कर पा रहे थे, कहीं भी आतंकवादी हमले हो जाते थे, हमारे मन्दिर सुरक्षित नहीं थे, हमारे रेलवे स्टेशन सुरक्षित नहीं थे, हमारे बाजार सुरक्षित नहीं थे, हमारी कचहरी सुरक्षित नहीं थी, लेकिन आज हमारे आन्तरिक सुरक्षा में लगे हुए सुरक्षाकर्मियों द्वारा और इस प्रदेश में जो सुशासन है उसकी देन है कि आज हमारे मन्दिर सुरक्षित हैं, हमारे मठ सुरक्षित हैं, हमारे रेलवे स्टेशन सुरक्षित हैं, हमारे बाजार सुरक्षित है, हमारी कचहरी सुरक्षित है। पहले क्या था, पहले हमारा संसद भवन ही सुरक्षित नहीं था, वहां आतंकवादी हमला करके चले जाते थे लेकिन हम धन्यवाद देना चाहेंगे इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी को इस उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को जिनके नेतृत्व में आज हमारी आन्तरिक सुरक्षा में लगे हुए जो सुरक्षाकर्मी हैं वे चुस्त-दुरूस्त होकर देश की हिफाजत करने का काम कर रहे हैं, देश की जनता की हिफाजत करने का काम कर रहे हैं। आज हमारे देश की सीमायें जहां कश्मीर का मुद्दा लम्बे समय से आजादी से लेकर पूरे विश्व में छाया हुआ था लेकिन यह दृढ़ इच्छा शक्ति की देन है कि कश्मीर में धारा-370 को हटाकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने यह दिखाने का काम किया है कि आज भारत जिसकी तस्वीर बदल रही है, आज इस भारत वर्ष का हर नागरिक कन्धे से कन्धा मिलाकर इस देश के लिए काम करेगा, इस देश को विश्व गुरू बनाने का काम करेगा इस देश को सोने की चिड़िया बनाने का काम करेगा। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

[13:22] माननीय सदस्यों के लिए चर्चा हेतु 05 मिनट के समय का निर्धारण एवं कैन्टीन में उनके लिए भोजन एवं फलाहार की व्यवस्था

श्री अध्यक्ष-

माननीय विधायकों को 5 मिनट बोलना पर्याप्त रहेगा।

(सदन में उपस्थित विधायकों द्वारा 10 मिनट बोलने का आग्रह करने पर)

श्री अध्यक्ष-

प्रयास कीजिए कि सब बोल लें। माननीय सत्यवीर त्यागी जी को हम बुला रहे हैं उसके पहले छोटी सी सूचना है कि सभी माननीय सदस्यों के भोजन की और यदि व्रत हों तो फलाहार की व्यवस्था कैन्टीन में है।

नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रस्ताव पर अनवरत चर्चा (क्रमागत)

[13:23] श्री सत्यवीर त्यागी-

माननीय अध्यक्ष जी, परम आदरणीय यशस्वी मुख्य मंत्री जी एवं आप को बधाई देता हूं कि आपने बापू जी के जन्म दिन के अवसर पर इस ऐतिहासिक सत्र में मुझे बोलने का अवसर दिया है। मैं आपको हृदय की गहराइयों से बधाई देता हूं और मुझे आपने इस सत्र में सबसे पहले बुलवाने का काम किया है, इसलिए भी आप बधाई के पात्र हैं। आदरणीय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के ऐतिहासिक दिवस पर ऐतिहासिक सत्र में आपने विधानसभा को गौरवान्वित तो किया ही है एवं अविस्मरणीय भी बनाया है। गांधी जीवन दर्शन को स्वच्छता, सादगी, स्वावलम्बी, स्वदेशी, ग्राम स्वराज, गरीबी उन्मूलन, खादी से बने कपड़ों का उत्पादन एवं उपयोग करने एवं रोजगार से जोड़ने जैसे विषयों को हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी द्वारा अमली जामा पहना कर गांधी जी के सपनो को, गांधी जी की सोच को, गांधी जी के सिद्धांत को, गांधी जी के आदर्शों पर चलकर उनके विचारों को जमीन पर उतार कर केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेकों योजनाओं को गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी को समर्पित करते हुए चरितार्थ किया है। लैंगिक समानता की बात करें तो बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ ऐसे कार्यक्रम गरीब परिवारों की बेटियों की शादी के लिए 51 हजार रुपये गरीब बहन बेटियों को देने की योजना चलाकर उन्हें सम्मानित किया गया। गरीब कन्याओं को सामूहिक शादियों में 35 हजार रुपये नकद तथा उनको अन्य सामान देकर जो उनको सम्मानित करके उनकी शादियां कराई जा रही है उसके लिए आदरणीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं। भ्रूण परीक्षण पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाकर तथा परीक्षण करने पर कड़ी सजा का प्राविधान और उसका पालन उसको लागू कराने का काम हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार ने किया है जिसके लिए मैं यशस्वी मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं। उज्जवला योजना जैसी गरीब चूल्हा जलाने वाली

महिलाओं ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उन्हें कभी गैस का कनेक्शन मुफ्त मुहैया होगा। इसके लिए भी मैं यशस्वी मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं जिन्होंने गरीब परिवारों तक गैस पहुंचाने का काम किया है। मैं उन योजनाओं के बारे में भी जिक्र करना चाहूंगा, कस्तूरबा गांधी आवास बालिका विद्यालय को सुचारु रूप से सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। गरीब कन्याओं को उसमें निःशुल्क शिक्षा एवं आवास देकर हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार ने बहुत सराहनीय कार्य किया है। सबला योजना, सुकन्या योजना, महिलाओं व लड़कियों को स्थानीय निकाय पंचायतों में आरक्षण देकर महिलाओं को सम्मान देने का काम माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा किया गया है। रोमियो स्कवायड की स्थापना सफलतापूर्वक अपना काम कर रही है इसके लिए भी मैं उत्तर प्रदेश की सरकार को बधाई देता हूं। लैंगिक समानता के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे अन्य कार्यक्रमों में आकड़ों की बात करूं तो सभी क्षेत्रों में कमी आई है। उत्तर प्रदेश की पुलिस कानून व्यवस्था अपना काम बहुत ही मुस्तैदी से कर रही है और अपराधों में कमी आई है उसमें मैं दो-तीन उदाहरण अपने जिले के देना चाहता हूं। मेरी विधान सभा में अपराधों का ग्राफ आसमान छू रहा था जबसे आदरणीय योगी जी की सरकार आई है कहीं भी स्टारटर चोरी की सूचना नहीं है, पशुओं के चोरी की एक-दो घटना को छोड़कर कोई सूचना नहीं है। पशुओं का कटान जो खेतों में काट दिये जाते थे। खेतों में कमेले चलते थे, उस पर रोक लगाने का काम उत्तर प्रदेश सरकार ने किया है। मैंने पहले एक विषय उठाया था, आदरणीय मुख्य मंत्री जी मौजूद हैं पहले उत्तर प्रदेश जो 24 साल से डार्क जोन से ग्रसित था और किसानों को पानी मुहैया नहीं होता था, उनकी फसलें सूख जाती थीं, आदरणीय मुख्य मंत्री जी आप बधाई के पात्र हैं मुझे तो केवल अपने जिले की समस्या पता थी लेकिन मेरे विषय को उठाने के दो महीने बाद ही पूरे उत्तर प्रदेश को इसका लाभ मिला है। सैकड़ों हजारों लाखों किसानों को इसका लाभ मिला है, इसलिए आप बधाई के पात्र हैं, खेलों में भी कई लड़कियों को सम्मानित करने का काम सरकार ने किया है, उसमें अल्का तोमर, पूजा तोमर जिन्हें ओलम्पिक में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है, ऐसी बहनों को आपने सम्मान करने का काम किया है इसलिए भी आप बधाई के पात्र हैं। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र में लागू की गयी योजनाओं के बारे में जिक्र करना चाहता हूं विधायक निधि के द्वारा पी0डब्ल्यू0डी0 के द्वारा, गन्ना विभाग के द्वारा और अन्य योजनाओं के द्वारा 148 सड़कें और 05 पुल का निर्माण आपने कराया है इसके लिए भी आप बधाई के पात्र हैं। मेरे क्षेत्र में 18 घण्टे बिजली और पूरा विद्युतीकरण करने का काम हमारी सरकार ने किया है।

तालाबों की सफाई-अगर मैं तालाबों की गिनती बताऊं तो 48 से लेकर 52 तालाब हमारे विधान सभा क्षेत्र में सराकर द्वारा सफाई योजना चलाकर सुचारु रूप से उनमें दोबारा से स्वच्छ जल की व्यवस्था की गयी है। अगर मैं नगर पंचायत की बात करूं तो मेरे क्षेत्र में खरखौंदा को आदर्श नगर पंचायत बना करके बहुत सराहनीय कार्य किया गया है, मैं इसके लिए

आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। दूसरे, हमारे क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा तमाम योजनायें चलायी जा रही हैं-चाहे बच्चों की किताबों व बैग का सवाल हो, चाहे उनके ड्रेस व जूते-मोजे बांटने का सवाल हो, मेरे क्षेत्र में ये योजना सुचारु रूप से चलायी जा रही है। विद्युत कनेक्शन से ले करके तमाम योजनाओं के बारे में जो जिक्र आया है उसमें भी दीन दयाल उपाध्याय योजना के तहत हमारे क्षेत्र में नगर पंचायत और दूसरे जो गांव गोद लिये हैं उनमें भी विकास के काम हुये हैं। तालाबों की सफाई का जिक्र पहले आ चुका है। अभी आपने हमारे क्षेत्र में जो नहरें और जो छोटे नाले हैं उनमें भी सफाई का काम हुआ है। मैं सिंचाई विभाग को और आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। गन्ना विभाग द्वारा हमारे क्षेत्र में काफी सड़कों का निर्माण हुआ है व हो रहा है, इसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं। हमारे किठोर विधान सभा क्षेत्र में फल मंडी मंजूर करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। यह क्षेत्र फल क्षेत्र है और यहां पर बागान काफी हैं, यहां पर फल मंडी बन जाने से काफी लोगों को रोजगार मिलेगा और जो आम के बाग वाले किसान हैं वह भी लाभान्वित होकर आपका धन्यवाद ज्ञापित करेंगे। दूसरा मेरा सरकार से एक ही निवेदन है, माननीय मुख्य मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, हमारे क्षेत्र में काली नदी का बहुत बड़ा एक मामला है। काली नदी के बारे में सवाल विधान सभा के प्रथम सत्र में ही उठाया था। माननीय मुख्य मंत्री जी से मेरा निवेदन है कि काली नदी की सफाई और उसमें शुद्ध पानी छुडवाने का काम करेंगे तो आपका पूरा क्षेत्र ऋणी रहेगा और मैं तो खासतौर से आपका ऋणी रहूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

एक सूचना पत्रकार मित्रों के लिए है चूंकि लगातार उनको यहां रहना है इसलिए प्रथम तल पर कल्याण निगम द्वारा संचालित कैन्टीन में चाय और भोजन की व्यवस्था है। इसलिए जब आपको लगे कि वहां जाना प्राथमिकता में है तो आप वहां जा सकते हैं।

***[13:32] श्री कैलाश नाथ शुक्ल-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपना बहुत बड़ा सौभाग्य मानता हूं कि राष्ट्रीय महत्व के अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय 'अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर' पर मुझे विचार रखने का कृपापूर्वक आपने अवसर प्रदान किया। मान्यवर, आज जब महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती न केवल भारतवर्ष अपितु सम्पूर्ण विश्व बड़े उत्साह के साथ मना रहा है। साथ ही एक दूसरे महापुरुष श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी की भी जयन्ती है। ऐसे अवसर पर हमारी केन्द्र और प्रदेश की सरकार ने सतत विकास के जो 17 लक्ष्य निर्धारित किये हैं उसी क्रम में 'अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन' एक महत्वपूर्ण विषय है। पूर्व में हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा है ''शरीर माद्यं खलु धर्म साधनम्।'' अंग्रेजी के विद्वानों ने कहा है कि Health is wealth. दूसरे लोगों ने सरल भाषा में

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कहा कि 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है' इसलिए स्वास्थ्य हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं मानता हूं कि जिस व्यक्ति के स्वास्थ्य का अच्छा विकास नहीं होगा उसका सर्वांगीड़ विकास सम्भव नहीं है और जिस परिवार में अच्छा स्वास्थ्य नहीं होगा उस परिवार का विकास सम्भव नहीं है, जिस परिवार और व्यक्ति का स्वास्थ्य व अच्छा विकास न हो व देश और प्रदेश के विकास में अपनी भूमिका अदा नहीं कर सकता है। माननीय अध्यक्ष जी, आज की जो परिस्थिति है उसमें हमारे चारों ओर बहुत से ऐसे कारण हैं जो हमारे स्वास्थ्य पर अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। आज हम देख रहे हैं कि हमारी खेती रसायनिक उर्वरक पर आधारित होने के कारण हमारा खाद्यान्न दूषित हो रहा है, प्रभावित हो रहा है। हम सभी महसूस करते हैं कि पहले जो आलू का व गेहूं की रोटी का जो स्वाद हुआ करता था आज वह नहीं है। इसके पीछे कहीं न कहीं अधिकाधिक रसायनिक उर्वरक का उपयोग ही मुख्य कारण है। आज हम पशुपालन की तरफ अपेक्षित प्रयास नहीं कर रहे हैं। हमारी खेती का मशीनीकरण होने के कारण आज सारे लोग ट्रैक्टर का अधिकाधिक उपयोग करते हैं। हम अधिक पैदावार के लिए देशी खाद व जैविक खाद का उपयोग नहीं कर पाते हैं इस कारण हमारा खान-पान प्रदूषित होता है।

माननीय अध्यक्ष जी, हम ग्रामीण परिवेश से आते हैं कहीं न कहीं अपने खान-पान व स्वास्थ्य को प्रभावित करने के लिए हम भी जिम्मेदार हैं। हमने प्रत्यक्ष अनुभव किया है कि आज हमारे गांववासियों की स्थिति यह है कि यदि किसी ग्रामीण के घर के सामने कोई सरकारी खाली जमीन पड़ी है, कोई ग्राम सभा की जमीन पड़ी है तो व्यक्ति क्या करता है कि सबसे पहले घर के सामने घूर लगा लेता है और पूरा कूड़ा-कचरा घर के सामने केवल इस उद्देश्य से उसमें डालता है कि यह जमीन मेरी हो जाये और मैं यह कह सकूं कि वर्षों से मेरा घूर है। सारे कीटाणु उसके घर में, परिवार में प्रवेश कर जा रहे हैं और तरह-तरह की बीमारियां जन्म लेती जा रही हैं। हमारे घर के पीछे जमीन खाली पड़ी रहेगी और हाता-बारी खाली पड़े रहेंगे लेकिन उसमें हम वृक्ष लगाकर अपना पर्यावरण/वातावरण स्वच्छ करने का प्रयास नहीं कर पाते हैं। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे स्वास्थ्य पर हम लोगों की दिनचर्या का भी बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। आज हमारी जो दिनचर्या है, हम लोग जाने-अनजाने या परिस्थितिवश ऐसा कोई कार्य नहीं करते हैं जिससे हम अपना पसीना बहा सकें, इस कारण हम लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं दो मिनट में अपनी निजी दिनचर्या बताकर अपनी बात समाप्त कर दूंगा। इसके पहले मैं वकालत करता था, हर शनिवार को गांव जाता था। गांव पर जाकर मैं पूरा गली-मोहल्ला, अपना दरवाजा साफ करता था व अपना बरामदा स्वयं धोता था। तब मुझसे जब रविवार को लोग मिलने के लिए आते थे तो कहते थे कि अगर वकील साहब का दरवाजा साफ है, बरामदा धुला हुआ है, गली और सड़क साफ है तो बिना जानकारी किये मान लें कि वकील साहब आये हुये हैं। तो मैं स्वयं चाहता था कि हमारा घर साफ-सुथरा रहे। लेकिन आज

हम सब सुविधाभोगी हो गये हैं। हम आज आपके माध्यम से निवेदन करना चाहेंगे कि हम लोगों के जीवन में व्यस्तता होने के बावजूद घण्टे, दो घण्टे का समय योग और प्राणायाम में देना चाहिए। माननीय अध्यक्ष जी, आज हम सबका खान-पान दूषित हो रहा है। जो फास्ट-फूड की प्रवृत्ति बढ़ी है वह भी कहीं न कहीं हम सबके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। हम सबको अपने खान-पान और दिनचर्या को भी बदलना चाहिए।

अध्यक्ष जी, आज के इस अवसर पर मैं अपने यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं कि वह आज भारत को विश्व गुरू के स्थान पर ले जाने की दिशा में न केवल प्रयत्नशील हैं अपितु लगभग उस स्थान पर पहुँचा दिये हैं। हम बहुत ही आभारी हैं अपने मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी का कि सन् 2017 में सरकार बनने के बाद एक पार्टी विद् डिफरेन्स का जो हमारा नारा था उसको साकार कर रहे हैं। आज हमारे केन्द्र सरकार के जितने भी कार्यक्रम हैं, चाहे वह स्वच्छ भारत मिशन हो, योग दिवस हो, चाहे वृक्षारोपण का महाअभियान हो, चाहे सिंगिल यूज प्लास्टिक को विदा करने का कार्यक्रम हो, आज ही हम लोगों ने यह कार्यक्रम किया है, चाहे ओ0डी0एफ0 का अभियान चल रहा हो, ये सब हमारे स्वास्थ्य के ऊपर निश्चित रूप से अनुकूल प्रभाव डालेंगे और इनकी वजह से जहां हमारे स्वास्थ्य में सुधार होगा, परिवार के स्वास्थ्य में सुधार होगा तो वहीं हमारा देश विश्व गुरू बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। मा0 अध्यक्ष जी, इसी संदर्भ में मैं अपनी विधान सभा की बात रखते हुए निवेदन करना चाहूंगा कि हमारा विधान सभा क्षेत्र तुलसीपुर तराई क्षेत्र में स्थित होने के कारण पेयजल की गम्भीर समस्या है। हमारे यहां का पानी बहुत दूषित है। मैं आपके माध्यम से अपने लोकप्रिय सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में पानी भी लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित करने का एक महत्वपूर्ण कारण है, इसलिए पेयजल की उचित व्यवस्था पूरे विधान सभा क्षेत्र में की जाए। दूसरी बात, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे यहां देवीपाटन शक्तिपीठ 51 शक्तिपीठों में से एक है लेकिन उस शक्तिपीठ के विकास की जितनी चिंता होनी चाहिए, कहीं न कहीं उसमें भी कमी दिखायी दे रही है। तुलसीपुर जैसा स्थान और देवीपाटन जैसा शक्तिपीठ हो वहां पर आज तक एक बस-स्टेशन नहीं है। हम अपने लोकप्रिय सरकार से निवेदन करना चाहेंगे कि तुलसीपुर स्थित देवीपाटन मंदिर में न केवल देश बल्कि विदेश से भी तीर्थ यात्री वहां दर्शन करने के लिए प्रतिवर्ष आते हैं। आवागमन की सुविधा की दृष्टि से वहां एक बस स्टैण्ड की व्यवस्था की जाए। अंतिम बात कहकर मैं अपनी बात समाप्त करूंगा। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे तुलसीपुर विधान सभा क्षेत्र में हर्रैया-सतघरवा एक ऐसा ब्लाक है जहां एक भी विद्युत उपकेन्द्र नहीं है। जब पूर्व में मा0 कल्याण सिंह जी मुख्य मंत्री थे तो शिवपुरा में एक विद्युत उपकेन्द्र बनाया गया था जो तत्कालीन भारत सरकार के अधिकारियों/कर्मचारियों की चूक के कारण वह सफेद हाथी बनकर खड़ा हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करिये।

श्री कैलाश नाथ शुक्ल-

मान्यवर, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे तुलसीपुर विधान सभा क्षेत्र में शिवपुरा व मथुरा इन दो स्थानों पर विद्युत उपकेन्द्र स्थापित करने की कृपा करें जिससे हमारा विधान सभा क्षेत्र लो-वोल्टेज की समस्या से मुक्ति पा सके। आज के इस ऐतिहासिक महत्व के विषय पर मुझे बोलने के लिए कृपापूर्वक अवसर दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

[13:43] श्री अनिल सिंह-

मैं बापूजी को कोटि-कोटि नमन करता हूं। मैं बताना चाहता हूं कि उस महाविभूति का जन्म 02 अक्टूबर, 1869 में पोरबन्दर अथवा सुदामापुरी में हुआ था। उनके पिता करमचंद गांधी और माता पुतलीबाई थीं। इस भारतवर्ष को दो अक्टूबर को एक ऐसा रत्न प्राप्त हुआ जिस पर आप सभी लोग यहां पर बैठकर उनको नमन कर रहे हैं। उनकी कुछ बातें अपने जीवन में उतारने लायक हैं। जो व्यक्ति सार्वजनिक जीवन में है उनको अपने ऊपर ले सकता है। पहला जिम्मेदारी लेना, दूसरा, लोगों के दुःख-दर्द सुनते-समझते रहना, तीसरा, सबका साथ-सबका विकास और सबसे लास्ट में जो सबसे महत्वपूर्ण है वह है माफ करना। यह मजबूत व्यक्ति के गुण के बराबर होता है। आज उनकी याद में हम लोग अनवरत् 36 घंटे यहां बैठेंगे, चर्चा करेंगे और अपने जीवन में उन सभी चीजों को उतारने की कोशिश लगातार करते रहेंगे। अध्यक्ष जी, सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि उनकी सोच बहुत अलग थी। वे कभी लड़ाई-झगड़ा, हिंसा संबंधी बातों पर विश्वास नहीं करते थे। उनका कहना था कि शान्तिपूर्वक अपनी बात कहते रहना और उस पर हमेशा अमल करना। इसलिए मैं माननीय अध्यक्ष जी को बहुत-बहुत धन्यवाद दूंगा कि आज उन्होंने मुझे इस विषय पर बोलने का अवसर दिया है और मैं कुछ चीजें आज के दिन बताना चाहूंगा कि हमने भी अपना सार्वजनिक जीवन पकड़ लिया तो उसके तहत ये सब चीजें अपने ऊपर उतारना एक राजनीतिक व्यक्ति को सार्वजनिक जीवन में रहते हुए उसे जरूर एडॉप्ट कर लेना चाहिए। अध्यक्ष जी, मेरा जन्म वहां हुआ है जहां से हम लोगों ने आप सबको देखा हुआ है आप जब उस पुरवा विधान सभा क्षेत्र का नेतृत्व करते थे तो जैसे गांधी जी का जो विचार था, उस पर आपने कई पुस्तकें लिखी हैं। हम लोग भी उससे सीखते थे कि हमारे क्षेत्र में कोई ऐसा महान व्यक्ति पैदा हुआ है जो पूरे क्षेत्र में अमन चैन, सुख-शान्ति के लिए लड़ाई लड़ता है। बहुत-सी चीजें ऐसी हैं जो कि आपकी भी एडॉप्ट की हैं। पहला संघर्ष करते रहना, जोकि मुझे लगता है कि राजनीतिक व्यक्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। दूसरा, लोगों को जागरूक करते रहना। माननीय अध्यक्ष जी, ये सब चीजें हम लोगों ने अपने जीवन में उतार ली हैं और उसी तरीके से निरन्तर मैं सार्वजनिक जीवन में लगा रहता हूं। सार्वजनिक जीवन के साथ-साथ हमारे क्षेत्र में कैसे विकास हो, कैसी व्यवस्था हो, बहुत सी

चीजें हैं उन्हें निरन्तर शान्तिपूर्वक उठाते रहना। मुझे तो इस देश पर और इस देश के प्रधानमंत्री जी पर गर्व होता है जिन्होंने आज पूरे हिंदुस्तान में एक ऐसी अलख जगा दी है, मुझे लगता है कि जल्द ही हम लोग उन ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे जिनपर अगले कई वर्षों से हमारा देश पीछे चल रहा था। अध्यक्ष जी, हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, जो कि हमेशा, हर समय, हर क्षण, हर वक्त सिर्फ ये सोचते रहते हैं कि हमारे देश का विकास कैसे हो। हमारा वह व्यक्ति जो अंतिम पायदान पर बैठा है उसका किस तरीके से उत्थान हो सके। आज तमाम नई-नई योजनाएं, तमाम चीजें हमारे गांव-क्षेत्र और पूरे देश में चल रही हैं जिनको मुझे लगता है कि गिनाते-गिनाते घंटों लग जाएगा इसलिए मैं कुछ बहुत जरूरी चीजें बताना चाहता हूं। सबसे जो अहम एक योजना है वह है आयुष्मान योजना। आयुष्मान योजना वह है जो एक गरीब व्यक्ति को वह ताकत देती है जिससे वह अपनी गरीबी व्यवस्था से लड़ सकता है। मुझे लगता है कि सबसे ज्यादा इस उत्तर प्रदेश में अगर कोई व्यक्ति परेशान होता है तो आर्थिक स्थिति से। इस देश और प्रदेश में मुझे लगता है कि गरीब व्यक्ति हमेशा पीछे इसलिए हो जाता है क्योंकि वह आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बीमारियों से जूझता रहता है और उस बीमारी को ठीक कराने के लिए कर्जा लेकर, जेवर बेचकर अपने व्यक्ति को बचाने का जो काम करता है उससे कई साल पीछे चला जाता है। आज यह कहने में बिल्कुल भी संकोच नहीं है कि जो आयुष्मान योजना है, वह बहुत लाभप्रद है। अध्यक्ष जी, मैं अपना छोटा-सा उदाहरण दूंगा कि मेरे पिताजी का एक्सीडेंट वर्ष 2001 में हुआ और मेरे पास 1000 रुपए नहीं था। एक्सीडेंट हैदरगढ़ में हुआ और वहां से लोगों ने लाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। अब मेरी मां को जब खबर मिली तो उनके पास एक रुपया भी न था। एक रुपया न होने के कारण बिल्कुल भी दिमाग काम नहीं कर रहा था और मेरे पिताजी को एडमिट करने का जो काम राहगीरों ने किया था उसके बाद से संघर्ष का समय शुरू हुआ।

मान्यवर, मुझे दुःख इस बात का है कि पूर्ववर्ती कुछ सरकारें थीं उनमें से किसी ने भी स्वास्थ्य के प्रति कुछ नहीं सोचा था। फिर मेरे पास एक पैसा नहीं था, मेरे पिता का एक ऑपरेशन होने में कुल चार हजार रुपए का खर्च होना था। मेरे पास चार हजार रुपए न होने के कारण मेरे पिताजी का ऑपरेशन नहीं हो सका जिससे मेरे पिताजी का पैर आज भी खराब है। आज सबकुछ करा सकता हूं लेकिन आज भी वह ठीक से नहीं चल पाते हैं। मैंने अपने खेत गिरवी रख दिए, हमारी मां ने जेवर बेच दिए, मेरे पिताजी की जो भी चीज थी वह बिक गयी लेकिन मेरे पिताजी ठीक नहीं हो पाए क्योंकि ऐसा दुःख प्रायः उत्तर प्रदेश में ही नहीं पूरे भारतवर्ष में हर व्यक्ति पर अक्सर पड़ा करता था। लेकिन आज जब मैं अस्पताल जाता हूं तो पांच लाख रुपए का कार्ड पूरे परिवार का, माननीय नरेंद्र भाई मोदी जी ने दिया है। वह कार्ड दिखाते ही वहां के सारे कर्मचारी-डॉक्टर्स एक्टिव हो जाते हैं क्योंकि अब चिंता नहीं है मुझे पैसा रिश्तेदारों से लेना है, पैसा की व्यवस्था करनी है, घर गिरवी रखना है, खेत गिरवी रखना

है। ऐसा अगर किसी से पूरे भारत वर्ष की जनता के लिए किसी ने सोचा तो मुझे लगता है कि वह गांधी जी से ही प्रेरित हो सकता है और मैं बताना चाहूंगा कि जो आयुष्मान कार्ड है वह हमारे देश की आर्थिक स्थिति में मजबूत करने का काम कर रहा है। शायद मेरे जैसे बहुत-सारे लोग हैं जिनके पास उस समय पैसा नहीं रहा होगा लेकिन इस पीड़ा को किसी ने समझा, इसी को कहते हैं देश के बारे में सोचना। राजनीति करना, राजनीति में अपने लिए सोचना, राजनीति में अपने स्वार्थों को सिद्ध करना, मुझे लगता है कि बहुत-सारे लोगों को आता है लेकिन शायद हमारे देश के लिए, इस प्रदेश के लिए, इस जिले के लिए, इस विधान सभा के लिए सोचना उस व्यक्ति का काम हो सकता है जो गांधीजी से प्रेरित हो सकता है। मुझे कोई फक्र नहीं पड़ता है कि मेरे बारे में कौन क्या सोचता है, मैं सुनता ही नहीं हूं। मैं एक धुन में लगा रहता हूं कि मुझे सिर्फ क्षेत्र का विकास करना है और उस क्षेत्र को उस ऊंचाई पर ले जाना है जो कई वर्षों से पीछे चला गया है। दूसरा, एक बहुत बढ़िया योजना, अगर माननीय अध्यक्ष जी आप मुझे थोड़ा-सा समय दें तो मैं अपने ऊपर ही बताना चाहता हूं कि मैं चार भाई-बहन था। मैं एक झोपड़ी में रहा करता था, झोपड़ी के साथ-साथ एक कच्ची मिट्टी का घर हुआ करता था, सभी लोग जानते भी होंगे, अब तो बहुत पक्के बन गये हैं। जब बारिश हुआ करती थी तो पानी जब मां नहीं रोक पाती थी तो कहती थी कि तुम लोग खाट के नीचे चले जाओ उसके ऊपर मैं बोरी की पन्नी डाल देती हूं, जिसमें हम लोग रातभर छुप बारिश का इंतजार करते थे कि रूक जाए तब मैं सुबह अच्छे से सो सकूं। हमारे मां बोरे को छत पर सीढ़ी से चढ़कर डालती थी तो हम लोग नीचे से इंगित करते थे कि यहां-यहां से पानी चू रहा है लेकिन लगातार जब बारिश होती थी तो चूने की कोई जगह नहीं होती थी, हर जगह से पानी चूता रहता था। मेरे पिताजी को एक पक्का घर सरकार द्वारा दिया गया था तो मुझे लगता था कि इसी तरीके से अगर हर गरीब को घर मिल जाए तो आज इस उत्तर प्रदेश में ही नहीं पूरे भारतवर्ष में जो लोग इकोनॉमी का ढ़िंढोरा पीट रहे हैं कि गिर गई-गिर गई। यह उन लोगों की गिरी है तो अपने बच्चों के लिए अरबों-खरबों रुपया पिज्जा-बर्गर में खर्च कर देते हैं, उनके लिए टेंशन है। उस गरीब के लिए टेंशन नहीं है कि इकोनॉमी गिर गई या क्या हुआ, वह अपने जीवन को चलाने के लिए ही लगा रहता है उसी में उसकी जिन्दगी बूढ़ी हो जाती है।

(इसी मध्य 13 बजकर 54 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पीठासीन हुए)

शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने उस दर्द को सहा, झेला और देखा फिर उसके बाद पूरे भारतवर्ष में प्रधानमंत्री आवास देने का जो काम निरन्तर चल रहा है वह शायद ऐतिहासिक है। (मेजे थपथपाई गयी) उसके बाद आप गांवों में चले जाइए महामारी, कच्ची सड़कें, पेयजल की व्यवस्था नहीं थी मुझे लगता है कि ऐसी सोच रखने वाला व्यक्ति पहली बार इस भारत की कमान को संभाल रहा है जिसको आगे ले जाने के लिए आज हम लोग निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। आज कोई और सरकार होती तो मुझे लगता है कि गांधी जी पर इस तरीके से निरंतर

बोलने का अवसर हम लोगों को प्राप्त नहीं हुआ होता। घर में लेटे रहते और बच्चे से कहते आज छुट्टी है मौज करो पिज्जा बर्गर मंगाओ और खाओ लेकिन मुझे आज इस बात का गर्व है कि आज के दिन उत्तर प्रदेश का जो सदन है जिसको मंदिर का रूप दिया गया है वह 2 तारीख के दिन जगमगा रहा है। यही होती है सोच और यही होती है करने की क्षमता (मेजों की थपथपाहट)। इसके साथ-साथ मैं जब चुनाव जीता था तो मुझे लगता था कि क्या सिस्टम बदलेगा ? वही बाबूजी पान खाकर डब्बे में थूक रहे होते थे, कहते थे कल आना, वही अधिकारी/कर्मचारी कहते थे कि परसो आना आज बड़े बाबू नहीं हैं और आज वही राइट टाइम 9:00 बजे बैठ जाते हैं। हम लोगों को फोन करने की आवश्यकता नहीं है कि बिजली नहीं आ रही है। 19/12 चालू है। पिछली कोठरी से आदमी फोन कर रहा है कि बाबू जी लाइट नहीं आ रही है, कोई विधायक जी को फोन नहीं कर रहा है। यह होती है काम करने की इच्छा शक्ति। मुझे लगता है कि इस उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए जो पूरी तरीके से एक भौगोलिक स्थिति पर काम करने का काम जो माननीय योगी आदित्यनाथ जी कर रहे है वह ऐतिहासिक है। मैंने अभी बताया है कि काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काम करने की क्षमता उस व्यक्ति में होती है जो निष्ठावान होता है और ईमानदार होता है और कर्मठ होता है वरना तो कुछ सालों से राजनीति का कुछ लोगों ने भोग का और पैसे कमाने का एक जरिया बना लिया था। उनके तमाम ठेके और पट्टे हुआ करते थे। तमाम लोगों की ऐसी व्यवस्थायें थीं कि रुपया रख नहीं पा रहे हैं।

मैं अपने क्षेत्र की बात बताना चाहता हूं कि 20 वर्षों से हमारे यहां नहर में पानी नहीं आ रहा था। उस नहर में बबूल जम गये थे और पीपल के पेड़ खड़े हो गए थे। हम लोग जब गांव क्षेत्र में घूमते थे तो लोगों से पूछना पड़ता था, क्योंकि हम लोग राजनीति में पहली बार आये थे। गांव के लोगों से पूछना पड़ता था कि भैय्या यह है क्या, वे बोलते थे कि भैय्या नहर है जो पट गई है। आज उस नहर में इतना पानी आ गया है कि हमारे क्षेत्र से लोग फोन करते हैं कि पानी बंद करा दें भैय्या अब नहीं चाहिये। अब अगली बार जब गेहूं बोयेंगे तब भेजिएगा, तो ये होती है इच्छाशक्ति आखिर यह 20 साल तक क्यों नहीं आया, क्यों नहीं उस पर काम हुआ, क्या किसी ने उसे देखा नहीं। सबने देखा लेकिन वह काम नहीं किया जो जनता के हित में है। वही काम के चक्कर में रहते थे जो अपने हित में हो। बहुत जल्द मैं अपनी बात समाप्त करूँगा। मेरे मन में और भी कहने की इच्छा है। हमने सोचा था कि 36 घंटा सत्र चलेगा तो हमें एक-आध घंटे बोलने का समय मिलेगा।

श्री अधिष्ठाता-

सबको समय मिलना है।

श्री अनिल सिंह-

मैं पूरे 36 घंटे लगातार अकेले बोल सकता हूं। इतना मैटेरियल है और इतना काम हुआ है इस केन्द्र सरकार के पांच साल में और राज्य सरकार के ढाई साल में। सबका साथ सबका विकास वाली बात मैं कर रहा हूं।

श्री अधिष्ठाता-

अभी और लोगों को भी बोलना है।

श्री अनिल सिंह-

दो मिनट और चाहूंगा। बहुत इच्छा थी बोलने की। हम सोच रहे थे कि तैयार होकर जाएंगे और फटाफट बोलेंगे और इतना बोलेंगे कि आज जितनी भड़ास है वह सब निकल जाएगी।

श्री अधिष्ठाता-

सभी लोग ऐसा ही सोच कर आये हैं।

श्री अनिल सिंह-

इसलिए माननीय अधिष्ठाता महोदय, जब वर्ष 2019 का चुनाव था तो मुझे बड़ा अफसोस हो रहा था कि कहीं ऐसा न हो कि ऐसे व्यक्ति देश के प्रधानमंत्री बनने से चूक जायें। मैं जब मीटिंग में था तो मैंने कहा कि जैसे किसी बच्चे की आवश्कता होती है लालन-पालन के लिए, वैसे ही इस भारत वर्ष को नरेन्द्र मोदी की आवश्यकता है। किस पार्टी से हैं, किस जाति से हैं, किस धर्म से हैं, मैं नहीं जानता। इस देश के हैं। इस देश के लिए सोचते हैं, गरीब के लिए सोचते हैं, गरीब के लिए काम करते हैं। 24 घंटे में से 18 घंटे वह व्यक्ति काम करता है तो मुझे लगता है कि ऐसा कोई व्यक्ति सर्व समाज का और सर्व दल का हो सकता है जिसके बारे में कोई कुछ नहीं बोलता है। ऐसा देश है कि पहली बार देश में 60 प्रतिशत वोट यदि जनता ने किसी को दिया है तो वह नरेन्द्र भाई मोदी जी को दिया है। हम लोग वोट मांगने गये तो लोग कहे कि अरे जाओ, जाओ यहां कोई का वोट न मिली, मोदी जी को ही वोट मिलेगा। ऐसा समय था तो मुझे लगता है कि जब वह चुनाव जीत गये अन्यथा मैंने तो विचार बना लिया था कि मैं इस्तीफा दे दूंगा। अपनी इस सदस्यता से, मुझे दुख होता कि मैं इतना बड़ा व्यवसाय छोड़कर मैं इस क्षेत्र में आ गया और यहां कोई जनता की सुनने वाला नहीं है। आज पता नहीं ऐसी कितनी योजनायें चल रही हैं जिनके लिए जनता को चक्कर नहीं लगाना पड़ता।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त कर दीजिए अन्य सदस्यों को भी बोलने दीजिए।

श्री अनिल सिंह-

जैसी आपकी आज्ञा मैं पुरवा विधान सभा क्षेत्र की 2-3 बातें कहना चाहूंगा क्योंकि वह पुरवा विधान सभा के माननीय अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित जी, हम लोगों की सोच हैं, हम लोगों की क्षमता हैं। हम लोगों की ताकत हैं कोई भी कार्य होता है तो मैं उनको घेरता रहता हूं कि यह करा दें, वह करा दें, क्योंकि उनको पुरवा विधान सभा क्षेत्र के किसी गांव, मोहल्ले के बारे में नहीं बताना पड़ता है। नाम लो बस वह उनके सामने हाजिर हो जाता है, क्योंकि वह रात-रात भर वहां बैठकर पंचायत किये हैं। इसी के साथ बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय अधिष्ठाता महोदय आपने बोलने का अवसर दिया।

[14:05] श्री नरेन्द्र पाल सिंह-

मान्यवर, आज 150 वर्ष हमारे माननीय राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी जी के जन्म के हुये हैं हम लोग उनकी जयन्ती मना रहे हैं और इस अवसर पर सरकार ने एक अजूबा काम किया है कि 2 अक्टूबर के दिन पूरे सदन को एक विशेष सत्र के रूप में यहां बैठाया है और इस विषय से सम्बन्धित 16 बिन्दु दिये गये हैं और अलग-अलग विधायकों को अपना अलग-अलग विषय दिया गया है बोलने के लिए। मैं सतत विकास के लक्ष्य बिन्दु-6 पर सतत विकास के मुख्य लक्ष्यों में से एक लक्ष्य सभी के लिए जल और स्वच्छता की उपलब्धता और उसका टिकाऊ प्रबन्धन है इस पर मैं अपने विचार रखना चाहता हूं। वर्ष 2020 तक राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत 8985 करोड़ लागत की 1954 ग्रामीण पेयजल योजनायें स्थापित की गई हैं। प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड में सात जनपदों और विन्ध्य क्षेत्र के दो जनपदों अर्थात् 9 जनपदों की गुणवत्ता प्रभावित ग्रामों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु पाइप पेयजल की योजना प्रारम्भ की गई है जिसमें बुन्देलखण्ड में 9 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध करा दिया गया है जिससे पूरे बुन्देलखण्ड के सातों जिलों में पाईप पेयजल से प्रति घर को पानी देने की योजना है। हर वर्ष लाखों लोग और अधिकतर बच्चे अपर्याप्त जल आपूर्ति, स्वच्छता और सफाई न होने के कारण उत्पन्न बीमारियों से मरते हैं। विश्व में 1990 से ढाई अरब लोगों को बेहतर पेयजल की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। 1990 से 2015 के बीच दुनिया में पेयजल के बेहतर स्रोत्र का इस्तेमाल करने वाली आबादी का अनुपात 76 प्रतिशत से बढ़कर 91 प्रतिशत हो गया है। हमारा लक्ष्य सब के लिए सुरक्षित किफायती पेयजल समान रूप से उपलब्ध कराना है। स्वच्छता और सफाई की सुविधायें विशेषतः महिलाओं और लड़कियों और लाचारी की हालत में जीते हुए लोगों की जरूरतों का ध्यान रखना है। जल एवं प्रबन्धन सुधारने में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को समर्थन और मजबूती देना है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा ग्रामीण पेयजल योजना को समाहित करते हुए ''जल जीवन मिशन'' प्रारम्भ किया गया है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में माननीय योगी जी की सरकार के जल शक्ति मंत्रालय का महत्वाकांक्षी लक्ष्य वर्ष 2022 तक सभी घरों में पाईप लाइन से पानी पहुंचाना है। इसके लिए जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया गया है जो माननीय महेन्द्र सिंह जी के नेतृत्व में सुचारू रूप से काम कर रहा है।

माननीय योगी आदित्यनाथ जी के आर्शीवाद से सदन को पूर्ण विश्वास है कि उत्तर प्रदेश में जल शक्ति अभियान में अवश्य सफलता मिलेगी। मान्यवर, अपनी कालपी विधान सभा क्षेत्र के विषय में कुछ निवेदन करना चाहता हूं। कालपी विधान सभा क्षेत्र एक ऐतिहासिक विधान सभा क्षेत्र है, धार्मिक और पौराणिक नगरी है और पर्याप्त स्रोत्र पर्यटन के लिए हमारी विधान सभा क्षेत्र में हैं। पूरे हिन्दुस्तान में केवल दो सूर्य मंदिर हैं जिसमें एक कालपी और दूसरा कोर्णाक का सूर्य मंदिर है। कालपी के सूर्य मंदिर का पुराणों में वर्णन है और वह आज विलुप्त होने की कगार पर है। मैं चाहता हूं कि कालपी का सूर्य मन्दिर पर्यटक स्थल के रूप में घोषित किया जाए और सरकार उसको संरक्षण दें। वहां व्यास मंदिर है, महर्षि व्यास जी का जन्मस्थान कालपी ही है, हिन्दुस्तान में उनका दूसरा कोई जन्मस्थान नहीं है। व्यास जी का जन्मस्थान यमुना नदी के किनारे है वहां पर तटबंध बनाने की जरूरत है क्योंकि वह भी गिरने की कगार पर है। वेदव्यास के पिता ऋषि पाराशर थे। वहां परासन गांव में बेतवा नदी के किनारे उनका मंदिर है। उसको भी सरकार के संरक्षण की आवश्यकता है। लंका मिनार कालपी में बनी है जो मैं समझता हूं कि पूरे हिन्दुस्तान में इस तरह की मिनार और कहीं नहीं है, उसको भी सरकार के संरक्षण की आवश्यकता है।

महारानी लक्ष्मीबाई का मंत्रणा कक्ष कालपी में यमुना किनारे बना हुआ है जो सीधे 100 फीट की कगार पर बना है, किसी भी समय वह ढ़ह सकता है और उसे सरकार ने असुरक्षित घोषित कर दिया है। इसलिए वहां पर भी तटबंध बनाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त वनखण्डी देवी मंदिर, काली हवेली, बिहारी जी का मंदिर, किला घाट, बटाऊ मंदिर खानका शरीफ तथा इटौरा का रोपन गुरू का मंदिर आदि ऐसे स्थान हैं, जो कालपी को पौराणिक और धार्मिक दर्शाते हैं और इसको पर्यटन स्थल घोषित करने के लिए पर्याप्त स्रोत कालपी को मिल रहे हैं। कालपी का कागज उद्योग बहुत पुराना उद्योग है जिसको सरकार ने ''एक जिला एक उत्पाद'' में रखा है आज स्थिति यह है कि 105 फैक्ट्रियों के स्थान पर मात्र 48 फैक्ट्रियां कालपी में रह गई हैं उसका कारण यह है कि बिजली के दामों में बढ़ोत्तरी, जी0एस0टी0 और प्रदूषण की एक तलवार उनके ऊपर लटक रही है। मान्यवर, हाथ कागज उद्योग है, जिसमें हाथ से कागज बनाया जाता है, जिसमें 10 हजार श्रमिक काम करते हैं। वहां पॉवरलूम लगी हैं, वहां कपड़ा बनता है। कपड़े में हमको छूट दी गई है लेकिन ये हाथ से बनने वाला कागज उद्योग है इसमें भी छूट दी जाए यही हमारी मांग है। बिजली के बिल में आधी छूट दी जाए। जी0एस0टी0 5 प्रतिशत की जाए इस बात की मांग माननीय मुख्य मंत्री जी से उनके कालपी प्रवास के समय की गयी थी और मैं चाहता हूं कि इस उद्योग को स्थायी बनाने और पनपने के लिए सरकार के संरक्षण की आवश्यकता है। बिजली के बिल और जी0एस0टी0 में इसे छूट देने की कृपा करें। मान्यवर, माननीय राजनाथ सिंह जी जब मुख्य मंत्री थे, तब हमारे क्षेत्र सरैनी में यमुना नदी पर पुल स्वीकृत हुआ था और लगभग 5 साल से वह अधूरा

पड़ा है। किसी सरकार ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया। 5-6 साल से अधूरा पड़ा है और उसमें मात्र 3 कोठी बननी है और उसे बनाने के लिए यहां से केन्द्र को प्रस्ताव भी गया है और मैं चाहता हूं कि आपके स्तर से उसमें थोड़ा शीघ्रता हो जाए तो एक बहुत बड़ा काम हो जाएगा। कालपी विधान सभा क्षेत्र सीधे कानपुर देहात से जुड़ जायेगी इस पर भी सरकार विचार करे। मदारीपुर और जोल्हूपुर रोड मात्र 40 किलोमीटर है, जिसमें से 12 किलोमीटर मात्र बना है बाकी सब अधूरा पड़ा है उसका पैसा भी स्वीकृत नहीं हुआ है। जब सरकार से बताया गया तो पता यह लगा है कि केन्द्र सरकार को भेज दिया गया है। मैं इसको भी पूरा करने के लिए सरकार से अनुरोध करता हूं। बरही बम्बा से चदंरसी परिबम्बा से कनौसी यह मान्यवर, 24 किलोमीटर की रोड है, जो सीधे हमीरपुर से जुड़ती है। लेकिन यह मौरंग घाट का रोड है जो पूरी तरह से ध्वस्त हो गयी है, उसको सी0सी0 रोड बनाने की हमने सरकार से मांग की है। जब तक सी0सी0 रोड वहां नहीं बनती है, तब तक वहां से निकलना दुभर है। क्योंकि वह मौरंग घाट का रोड है और मौरंग के ट्रक चलते हैं, इसलिए वह रोड ध्वस्त हो जायेगी।

मान्यवर, बहुत बड़ी समस्या है, छोटे और बड़े गाँवों की जो रोडें है उनमें से कुछ रोडें ऐसी हैं जो वन विभाग के क्षेत्र से निकलती हैं। वन विभाग में 1 कि0मी0 है, 800 मीटर है, 500 मीटर है या 2 किलोमीटर है अगर 20 किलोमीटर की रोड है तो 1 किलोमीटर की रोड वन विभाग से निकलती है, दोनों तरफ रोड बनी है बीच में हम वन विभाग के क्षेत्र से भी जाते हैं, रोड नहीं है लेकिन कच्चा रास्ता है। मैं यह चाहता हूं कि शासनादेश के मुताबिक जिसमें यह कहा गया है कि वन विभाग से रोड बन सकती है लेकिन उसमें कहीं कोई हम लोगों को सफलता नहीं मिल रही है और पूरी रोड बेकार हो रही है, बरसात में वहां पहुंच नहीं सकते हैं इसलिए कोई ऐसा शासनादेश निर्गत हो जाये जिसमें 500 मीटर, 200 मीटर, 1 कि0मी0, 2 कि0मी0 की रोड वन क्षेत्र में बनाने की अनुमति दी जाय। डामर रोड न बने तो सी0सी0 या इण्टरलाकिंग बने। इसमें जब-जब भी पूछा जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी लिखकर भेज देते हैं कि वह वन क्षेत्र में आता है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट दे दी कि यह वन क्षेत्र में आता है, अब उनका काम खत्म। हमारा पूरा प्रश्न गड़बड़-सड़बड़ हो गया। हमने जो प्रश्न किया कि वन क्षेत्र में रोड बनाने की क्या व्यवस्था है तो उन्होंने कह दिया कि यह वन क्षेत्र में आता है इसलिए नहीं बन सकता। 12 किलोमीटर, 24 किलोमीटर या 13 किलोमीटर की रोड केवल 500 मीटर वन क्षेत्र की वजह से पूरा नहीं हो पा रही है। मान्यवर, मेरा अनुरोध है कि जहां-जहां ऐसी रोड हैं पूरे प्रदेश में। मैं अभी अपनी विधान सभा क्षेत्र की बात कर रहा हूं लेकिन ऐसी समस्या मैं समझता हूं कि पूरे प्रदेश में होगी। जहां-जहां बीच में वन क्षेत्र पड़ता है, उस वन क्षेत्र में रोड चालू है इसलिए उसको बनाये जाने की अनुमति दी जाय। मान्यवर, काल्पी बुन्देलखण्ड का प्रवेश द्वार है और सिंचाई की बहुत बड़ी जरूरत है। काल्पी में मदरालालपुर के पास सूर्यकुण्ड पर पम्प कैनाल बनाये जाने के लिए मैंने अनुरोध किया है और उसकी पत्रावली भी भेजी गयी

है। मैं चाहता हूं कि अगर पम्प कैनाल यहां बन जाती है तो बदौरा ब्लाक खण्ड जो आधा असिंचित है वह पूरी तरह से सिंचित हो जायेगा। महेवा ब्लाक में जीतामऊ गांव, जो जमुना के किनारे है, वहां से भी पम्प कैनाल निकाली जा सकती है जिससे महेवा ब्लाक का आधा क्षेत्र सिंचित हो सकता है। चंदरसी कदौरा ब्लाक में बेतवा में पम्प कैनाल है, उसके विस्तार की जरूरत है, मात्र 500 मीटर विस्तार हो जाय तो मैं समझता हूं कि बदौरा ब्लाक का शेष बचा हुआ भाग पूरी तरह से सिंचित हो सकता है। मान्यवर, मेरी काल्पी विधान सभा क्षेत्र की प्रमुख मांगे ये हैं और छोटी-मोटी रोड और चूंकि विधान सभा क्षेत्र पिछड़ी विधान सभा क्षेत्र है, बुन्देलखण्ड का प्रवेश द्वार है। बुन्देलखण्ड के प्रवेश द्वार काल्पी में दीनदयाल उपवन के नाम से एक डी0पी0आर0 भेजी गयी है। मान्यवर, मैं चाहता हूं कि प्रवेश द्वार में दीन दयाल उपवन के नाम से एक उपवन बनवाने की अनुमति दी जाय। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(श्री योगेश वर्मा के अनुपस्थित होने पर)

[14:17] श्री ज्ञानेन्द्र-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, इस सम्मानित सदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर चर्चा में भाग लेने का आपने अवसर प्रदान किया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मान्यवर, दो बिन्दु पर कुछ कहने का अवसर प्राप्त हुआ है। पहला विषय है-अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर। विवरण में दिया है कि सभी को स्वस्थ जीवन देना और सभी के जीवन स्तर में सुधार लाना। मान्यवर, हम जानते हैं कि चाहे प्रदेश में हो या केन्द्र में हो जो भी सरकार आती है, उस सरकार की पहली जिम्मेदारी सफाई, दवाई और पढ़ाई की होती है। सरकार प्रदेश की जनता को या देश की जनता को यह सब सुविधायें उपलब्ध कराये। पूर्ववर्ती सरकारों को हम लोगों ने देखा है मान्यवर। सौभाग्य से इस सम्मानित सदन में 4 बार आने का अवसर प्राप्त हुआ है। कई माननीय मुख्य मंत्रियों को और कई लोगों को हमने देखा है लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में मान्यवर, आज वर्तमान सरकार के यशस्वी मुख्य मंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व में जो प्रदेश के विकास के लिए तमाम योजनायें चलायी जा रही है जैसाकि राज्य पुरोनिधानित पर चर्चा मुझे करना था आज जिला स्तर के सभी जिला चिकित्सालय उच्चीकृत किये जा रहे हैं। सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 में तब्दील हो रहे हैं और मैं कह सकता हूं कि आज 1 रुपये के पर्चे की दवा पर चाहे वह पी0एच0सी0 हो, या सी0एच0सी0 हो, उपचार हो रहा है। पहले 2-3 दिन की दवा जो मरीज को मिला करती थी आज पी0एच0सी0 और सी0एच0सी0 पर 5 दिन की दवा उस मरीज को उपलब्ध होती है और यह भी कहा जा सकता है कि किसी भी बीमारी का चाहे पी0एच0सी0 हो, सी0एच0सी0 हो, जिला चिकित्सालय हो, मेडिकल कालेज हो, जहां तक मुझे जानकारी है हर पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 पर पूरा पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध है। ऐसा हम लोगों को भी देखने को मिलता है क्योंकि बगल में सी0एच0सी0 है, पी0एच0सी0 है, विभाग के बारे में जो कार्यक्रम कराये जाते

हैं, चलाये जाते हैं उसको जानने का अवसर प्राप्त होता है, इसलिए पूरी जानकारी मुझे भी रहती है और हमारी सरकार चूंकि स्वास्थ के विषय में चर्चा करती है तो मान्यवर, आज से 30, 35, 40 साल पहले प्राथमिक विद्यालयों में जब हम लोग पढ़ा करते थे। उस समय के जो शिक्षक हुआ करते थे, प्रार्थना होने के बाद हाथ में एक छड़ी लेकर लाइन से वह बच्चों के नाखून देखा करते थे, बाल देखा करते थे, कपड़ा देखा करते थे। यह एक कारण था उसका क्योंकि हम सभी लोग जानते हैं कि अगर साफ-सफाई से स्वस्थ शरीर होता है, स्वास्थ्य सही रहता है, मन भी स्वस्थ होता है, मन स्वस्थ होता है, तो पढ़ने में मन लगता है।

हम सब यह भी जानते है कि हिन्दुस्तान में साफ-सफाई के नाते जो रोगों में कमी आयी है, बीमारी में जो कमी आई है। जैसे माननीय मुख्य मंत्री जी का जो अभी सम्बोधन, उदबोधन हो रहा था। हमारे बगल में गोरखपुर मेडिकल कालेज है, पूववर्ती सरकारों ने कई वर्षों पूर्व, क्योंकि मेरा भी क्षेत्र जनपद-महाराजगंज, पिछड़ा हुआ क्षेत्र पूर्वांचल का क्षेत्र है, इंसेफ्लाइटिस की बीमारी से प्रभावित रहता है मेरा जिला। छोटे-छोटे बच्चे एक महीना, दो महीना, दस साल, बारह साल, 15 साल के बच्चे, जब हम मेडिकल कालेज में मरीज को देखने जाते थे तो एक-एक बेड पर 3-3, 4-4 बच्चे सुलाये जाते थे, बेड का अभाव था, दवा का अभाव था और यह सही है क्योंकि मेरा विधान सभा क्षेत्र वर्तमान समय के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी के लोकसभा क्षेत्र में ही पड़ता था, हमेशा आना-जाना रहता था और मुलाकात होती रहती थी। आदरणीय मुख्य मंत्री जी जब संसद सदस्य हुआ करते थे तो एक नई बीमारी जिसे इंसेफ्लाइटिस कहा जाता था उसे सड़क से लेकर के सदन तक हमेशा चर्चा किया करते थे क्योंकि उनके साथ हम लोगों को भी धरना-प्रदर्शन में भाग लेने का अवसर प्राप्त होता था। आज कहा जा सकता है कि मेडिकल कालेज में इंसेफ्लाटिस की बीमारी से मौतों में बहुत कमी आयी है। मान्यवर, सरकार की व्यवस्था के नाते ऐसा संभव हुआ और हमारी जो केन्द्र की सरकार ने जो आयुष्मान भारत का गोल्डन कार्ड जारी किया है यह गरीब के लिए वरदान साबित हुआ है और हम जान सकते हैं कि किसी भी गरीब परिवार के लिए दो-तीन चीजों की आवश्यकता होती है, अगर वह गरीब है तो उसे दो वक्त की रोटी मुहैया हो जाय, सोने के लिए उसके छत हो जाय, उसे मकान मिल जाय, गरीब है और अगर बीमार होता है तो उसके लिए दवा की व्यवस्था हो जाय तो उसकी गरीबी पर मरहम की पट्टी लगायी जा सकती है। यह हमारी सरकार गरीबों को निःशुल्क उपलब्ध करायेगी गरीबों को और यह कहा जा सकता है कि वर्तमान सरकार केन्द्र की सरकार और उत्तर प्रदेश की सरकार गरीबों की हितैषी सरकार है। मान्यवर, शरीर स्वस्थ रहे, योगा के माध्यम से भी शरीर स्वस्थ होता है बहुत-से लोग आज योगाभ्यास करते रहते हैं, मैं करता हूं तो जानता हूं कि बहुत-से लोग करते होंगे, उससे अपना शरीर स्वस्थ रहता है और प्रधानमंत्री जी ने जो केन्द्र की सरकार और प्रदेश की सरकार ने साफ-सफाई, प्रदेश और देश में जगह-जगह शौचालय का निर्माण कराया गया है

और वातावरण शुद्ध हो उसके लिए वन विभाग के द्वारा सभी संबंधित विभागों को लेकर के 21 करोड़ 56 लाख वृक्षारोपण अभी उत्तर प्रदेश में हुआ है। हम लोग उसमें भाग लिये है।

मान्यवर हम जानते हैं कि वृक्ष ही वातावरण को शुद्ध करता है, इससे ही जीवन है,जल ही जीवन है। आज एक जगह भाषण में वक्ता के द्वारा सुना गया एक वृक्ष, जिसकी उम्र 50 साल पूरी हो गयी हो उस वृक्ष से जो आक्सीजन मिलती है और जो कार्बन-डाइ-आक्साइड वह शोषित करता है या उससे 50 वर्ष में जो फल मिलता है या 50 वर्ष में वह जो ईंधन दे देता है या 50 वर्ष में वह वृक्ष वातावरण में बारिश होने में भी सहायक सिद्ध होता है और 50 वर्ष में उसकी पत्ती से जो उर्वरक तैयार होता है, 50 वर्ष में एक वृक्ष 30 लाख रुपये इस समाज में हर व्यक्ति को वह प्रदान करता है, भाषण के माध्यम से एक जगह ऐसा मुझे सुनने को मिला था और मुझे प्रतीत भी होता है कि 50 साल का समय बहुत होता है। जो-जो फीगर आये हैं चाहे उर्वरक के मामले में, चाहे ईंधन के मामले में, चाहे फल के मामले में, चाहे वातावरण के मामले में, चाहे पर्यावरण के मामले में, ऐसा लगता है कि यह सही होगा ऐसा मुझे महसूस होता है, मान्यवर। हम जानते हैं कि गांव में हम लोगों के जो बुजुर्ग कहा करते थे कि ''एक वृक्ष लगाना, सौ पुत्र समाना।'' एक वृक्ष लगाने का मतलब हुआ सौ पुत्र के बराबर, ऐसा समाज की मान्यता हैं हमारे पूवर्जों ने कहा है, ऐसा फल हम लोगों को मिलता है ऐसा अपना वेद शास्त्र भी कहता है, समाज भी कहता है। मान्यवर, दूसरा बिन्दु मेरा है, अच्छा काम और आर्थिक विकास। दो बिन्दु पर आपने निर्देश किया था, दूसरा है अच्छा काम और आर्थिक विकास। विवरण में है-निरन्तर समावेशी और टिकाऊ आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ उत्पादक रोजगार और सभी के लिए अच्छे कार्य को बढ़ावा देना। आर्थिक स्थिति सम्पन्न हो, अच्छा काम हो, हम सभी जानते हैं कि आर्थिक विकास के लिए शिक्षा में पढ़ने वाले बच्चे, गुणवत्तापरक शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के बाद नौकरी पेशा में चले जाते हैं। जो नौकरी पेशा में नहीं जा पाते, जिनकी आर्थिक स्थिति कुछ कमजोर होती है तो सरकार की जिम्मेदारी होती है रोजगारपरक शिक्षा पर बल दिया जाय। पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में वर्तमान की सरकार जो हमारी है, रोजगारपरक शिक्षा पर पूर्णतया बल दे रही है।

कौशल विकास योजना के माध्यम से तमाम प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं और उस योजना में हमारे नौजवान विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले उसका लाभ ले रहे हैं। मान्यवर, नयी-नयी टेक्नालॉजी की आवश्यकता है कि उसे बढ़ावा दिया जाय क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में आज से बहुत साल पूर्व गांव में जो कुटीर उद्योग चला करते थे, जो लघु उद्योग चला करते थे, जो छोटे-छोटे रोजगार, गांव में रहने वाले लोग उसे करके अपने परिवार का जीवकोपार्जन करते थे। वह सब धीरे-धीरे विलुप्त होता जा रहा है। हमारी सरकार, केन्द्र की सरकार और प्रदेश की सरकार पुनः उस पर चिन्ता कर रही है। कौशल विकास योजना के माध्यम से उसमें बढ़ोत्तरी किया

जा रहा है बच्चों को, नौजवानों को प्रशिक्षण दे करके उनको रोजगार उपलब्ध कराने का काम हो रहा है। कृषि मंत्री जी हैं एक बार एक चर्चा में आया था कि मनरेगा को कृषि से जोड़ने की योजना बन रही है। हमारी सोच है, हमारी सरकार की सोच है कि इस समाज में रहने वाले लोग, नौकरी पेशा वाले लोग, आर्थिक स्थिति जिनकी मजबूत है, रोजगार करने वाले भी, उनकी आर्थिक स्थिति भी धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। हमारी सरकार की यह सोच है प्रदेश और देश का जो 75 प्रतिशत किसान जो खेती पर आधारित है, खेती करता है उनकी आय कैसे बढ़ेगी, उनकी आय को हम दोगुना कैसे करेंगे, हमारी सरकार इस योजना पर काम कर रही है और सफल भी हो रही है तो हमने देखा है और सुना भी था, इस पर चर्चा भी हुई थी कि मनरेगा को कृषि से जोड़ना, मनरेगा के पैसे से किसान को ही उनकी खेती में मजदूरी के रूप में कुछ पैसा देने का काम जिससे उनकी खेती की आय बढ़े ऐसी योजना चलाने की आवश्यकता है। मान्यवर, इतने बिंदु प्रदेश में है। पूजनीय योगी आदित्यनाथ महाराज जी की सरकार और उनकी कैबिनेट सभी क्षेत्रों में अच्छा काम कर रही है सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। माननीय मुख्य मंत्री जी जब विधानसभा के चुनाव हो रहे थे तो कर्ज माफी की घोषणा के लिए ऐलान हुआ था और यह पार्टी ने कहा था कि अगर हमारी पार्टी की सरकार बनती है तो पहला काम हमारी सरकार करेगी कि पहली कैबिनेट की बैठक में किसानों की कर्ज माफी का जो पार्टी ने वायदा किया है उसको पूरा किया जायेगा। कदाचित् यह सदन इससे सहमत होगा। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, कैबिनेट की बैठक में थोड़ा विलंब हुआ यह सही है, समयांतर कैबिनेट की बैठक नहीं हो पायी, थोड़ा विलंब हुआ लेकिन पहली कैबिनेट की बैठक में कैबिनेट ने पास किया, मा0 मुख्य मंत्री जी ने पास किया, 36 हजार करोड़ जो ऋण मोचन के नाम से 86 लाख किसानों को देना था ऐसा पहली कैबिनेट की बैठक में पास हुआ उसमें हमको लगता है कि 92, 93 या 95 प्रतिशत कुछ न कुछ अवशेष टेक्निकल दिक्कत के होने से रह गया होगा लेकिन अच्छी योजना, अच्छा काम हमारी सरकार ने किया है।

एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स के गठन के बारे में हम सभी जानते हैं चूंकि आप भी कई बार इस सदन के सदस्य रहे हैं और पूर्ववर्ती सरकारों ने सरकारी जमीनों या किसी अन्य कमजोर व्यक्ति की जमीन हो, कब्जा करने में लोगों को देर नहीं लगती थी लेकिन आज जो तमाम अवैध कब्जेदार लोग जिन्होंने अवैध कब्जा किया है, उनसे काफी लोगों को जमीन वापस दिलायी जा रही है, ऐसी हमारी सरकार की योजना है और सरकार की मंशा है। मृदा स्वाइल टेस्ट किसानों के संबंध में कहना चाहूंगा कि माननीय कृषि मंत्री जी बैठे हैं इसमें मेरा निवेदन है कि मृदा स्वाइल टेस्ट तमाम किसानों का हुआ है और यह बड़ी उपयोगी चीज है। किसान कम्पटीशन में चूंकि मैं भी किसान हूं एक एकड़ में हम लोग दो बोरा, तीन बोरा यूरिया आदि डालते थे, कम्पटीशन में वह खाद बढ़ता जा रहा है लेकिन स्वाइल टेस्ट हो जाने से किसान को

यह जानकारी हो रही है कि एक एकड़ के खेत में कितनी मात्रा में खाद डालनी चाहिए, लेकिन मान्यवर, कृषिमंत्री जी इसको और गंभीरता से लेने की आवश्यकता है, विभाग इस पर थोड़ा-सा और प्रमाणित कार्यवाही करे ऐसी अपेक्षा है। हमारी सरकार ने लड़कियों के लिए अहिल्याबाई योजना में कक्षा 1 से लेकर ग्रेजुऐट तक निःशुल्क शिक्षा देने की योजना बनायी है और दिव्यांग पेंशन को जो 3 सौ रुपये मासिक था उसको भी बढ़ाकर पांच सौ रुपये करने की योजना की गयी है, थोड़ा-सा पेंशन में कार्यवाही बढ़नी चाहिए और विधवा पेंशन में और वृद्धा पेंशन में भी तीव्रता आनी चाहिए। सबसे अच्छा उपयोगी विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में चाहे शहरी क्षेत्र हो वह बिजली विभाग है। सचमुच जनता के बीच में इसकी प्रशंसा है। चाहे 18 घण्टे हो, 20 घण्टे हो, 24 घण्टें हों। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना भी उपयोगी है। गरीब माता-पिता को चिंता है कि उनकी बेटी की शादी कैसे हो पाएगी। बहुत-से ऐसे परिवार हैं क्योंकि कई सामूहिक विवाह योजना में हम लोग भाग लेते हैं। अभी अगले नवम्बर माह में जो महराजगंज में भी योजना बनी हुई है अच्छी संख्या में सामूहिक विवाह योजना का कार्य सम्पन्न होना है। बड़ी खुशहाली इनके चेहरे पर दिखायी देती है, उनके चेहरों को देखकर स्वयं को संतुष्टि लगती है। सरकार की योजना से यह लगता है कि हमारी सरकार की योजना उपयोगी है। अंत में यह कहना चाहूंगा कि चूंकि आप मुझे कहने वाले होंगे चूंकि यह निर्देश है कि अपने विधान सभा क्षेत्र की बातें भी सदन में आनी चाहिए इसलिए मैं बताना चाहूंगा कि वर्ष 2017 जब से यह विधान सभा शुरू हुआ है, लोक निर्माण विभाग द्वारा 152 किलोमीटर की सड़क का नवीनीकरण मेरे क्षेत्र में हुआ है। 29 किलोमीटर नवनिर्माण सड़क बनी है, 1 हजार 955 लाख 83 हजार, सिंचाई विभाग द्वारा सिंचाई खण्ड 2 महराजगंज में बंधों का काम हुआ है 883 लाख 56 हजार, सिंचाई खण्ड गोरखपुर द्वारा 3 सौ लाख रुपये का काम मेरे क्षेत्र में बंधों का हुआ है। आई0एस0 द्वारा 19 अदद आंगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण हुआ है 154 लाख, 5 करोड़ का जो मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष से मिला है उससे भी विकास का ही काम क्षेत्र में हुआ है। पर्यटन विभाग के द्वारा 66 लाख 59 हजार रुपये हरपुरमहंत एक गांव है मेरे क्षेत्र में शिव मंदिर पर पर्यटन विभाग ने उसमें माननीय रीता बहुगुणा जोशी जी उस समय पर्यटन मंत्री थी, वहां विकास का काम हुआ है। जिला पंचायत के द्वारा गड्ढामुक्ति का काम 20 किलोमीटर 4 सौ मीटर लागत 6 करोड़ 30 लाख । इंटरलॉकिंग जिला पंचायत के द्वारा हुआ है 9 किलोमीटर लागत 4 करोड़ 40 लाख । पुलिया बनायी गयी है 25 लागत 2 करोड़ 30 लाख मण्डी समिति से माननीय मण्डी समिति मंत्री जो हैं उनको मैं धन्यवाद देना चाहूंगा कि 32 किलोमीटर मेरे क्षेत्र में मण्डी विभाग की सड़क का जो गड्ढामुक्ति हुआ है वह लाख 40 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना, मेरे विधान सभा क्षेत्र में 2152 अदद् प्रधानमंत्री आवास

बने हैं 25 करोड़ 82 लाख 40 हजार। मुख्य मंत्री आवास जो मेरे क्षेत्र वनटांगियां है जो नर्सरी में लोग रहते हैं 718 आवास बने हैं जिसकी लागत हैं 8 करोड़ 54 लाख 40 हजार। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर 76201 अदद शौचालय बने हैं 9 करोड़ 14 लाख 41 हजार। वनटांगियां क्षेत्र में जो शौचालय बना है 956 हैं जिनकी लागत 1 करोड़ 14 लाख 72 हजार है। किसान सम्मान निधि में जो लाभार्थी पाएं हैं 61 हजार 8 सौ व्यक्तियों को लाभ अब तक मिल चुका है बाकी शेष हैं जिनको अभी मिलना है। कुछ टेक्निकल दिक्कत होने से जिसमें बैंक के आधार कार्ड की कुछ दिक्कत है उसमें अभी कुछ किसान रह गये हैं। निःशुल्क गैस कनेक्शन 25930 व्यक्तियों को मिला है। विद्युत विभाग द्वारा दीन दयाल उपाध्याय योजना में मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर दो नए सबस्टेशन बने हैं जिसका उद्घाटन हुआ है। यह 33/11 के0वी0 का है मुजरी और चम्पा में है जिसकी लागत 4 करोड़ 20 लाख है। 14339 परिवार को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन दिया गया है। 291 अदद् नए ट्रांसफार्मर लगे हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर 7291 अदद् पोल और तार लगाये गये हैं। स्वास्थ्य विभाग के संबंध में कहना चाहूंगा कि महिला अस्पताल मेरे क्षेत्र में बना है जिसमें माननीय सिद्धार्थनाथ सिंह जी थे और इसका उद्घाटन कराया गया था। 2 करोड़ 75 लाख 50 हजार से सी0एच0सी0 के बाउंड्रीवाल के लिए इन्होंने पैसा दिया था। माननीय सिद्धार्थनाथ जी जब स्वास्थ्य मंत्री थे तो 54 लाख 17 हजार की बांउड्रीवाल वगैरह के लिए इन्होंने पैसा दिया था। अभी अल्ट्रासाउंड मशीन के लिए भी उसी सी0एच0सी0 पर गया हुआ है 6 लाख 75 हजार रुपये । पशु अस्पताल मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक बना है परंतु 2 की डिमाण्ड है। एक बना 40 लाख 28 हजार उसकी लागत है। विधायक निधि से भी 5 करोड़ के लगभग विकास का काम हुआ है। नांगड़ा में व्यवस्था के तहत इंटरलॉकिंग, गेट तथा प्लास्टर का काम कराया गया है। कुछ मेरे क्षेत्र की डिमाण्ड हैं।

माननीय वर्तमान मुख्य मंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज मैंने जैसे पहले भी कहा मेरा विधान सभा क्षेत्र आपकी लोकसभा में पड़ता था इसमें पॉलिटीकल इश्यू बना हुआ है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक भी टाउन एरिया नहीं है शायद पूरे उत्तर प्रदेश में एक-आध विधान सभा क्षेत्र ऐसे हो सकते हैं कि उस विधान सभा क्षेत्र में एक भी टाउन एरिया न हो उसमें मेरा भी विधान सभा क्षेत्र है जिसमें कोई टाउन एरिया नहीं है न कोई तहसील है। मेरा निवेदन है कि माननीय मुख्य मंत्री जी उस समय सांसद थे तो बार-बार वह भी अपनी डिमाण्ड उस समय की सरकारों से करते थे। मांग की गयी है और आश्वासन भी मिला है, देखिए घोषणा क्या होता है, मैं अपेक्षा करूंगा कि परतावल बाजार को नगर पंचायत, पंजेरा को नगर पंचायत सभी प्रोसेस पूरा करके पत्रावली शासन में विचाराधीन है। तहसील के लिए भी प्रस्ताव आया हुआ है माननीय मुख्य मंत्री जी ने आश्वासन दिया है और जो सड़क परतावल

कैम्पीयरगंज बस्ती मार्ग वह चलने योग्य नहीं है। परतावल पुरना एक मार्ग है इन दोनों का निर्माण होना चाहिए। मैं हृदय से आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे इस चर्चा में भाग लेने का अवसर प्रदान किया। धन्यवाद ।

[14:41] श्री तेजपाल सिंह नागर-

मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। साफ पानी और स्वच्छता के ऊपर मुझे बोलना है। मान्यवर, एक कहावत चली आ रही है कि 'जल ही जीवन है' लेकिन नये संदर्भों में अब यह कहावत बदल गयी है। अब कहावत है 'जल है तो कल है, जल नहीं तो कल नहीं' । यह भी कहा जाता है कि यदि तीसरा विश्वयुद्ध हुआ तो वह पानी के लिए होगा । आजादी के 72 साल के बाद देश के सभी लोगों को साफ पानी नहीं मिल पा रहा है यह बहुत गंभीर समस्या है। यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने इस ओर पहल की । पहली बार केन्द्र में जल शक्ति मंत्रालय बनाया गया। गैर एन0डी0ए0 सरकारों ने इस ओर कोई ठोस पहल नहीं की। गैर एन0डी0ए0 सरकार असल में भ्रष्टाचार में डूबी रही ऐसी सोच के लिए इन्हें चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए। केन्द्र की माननीय मोदी जी की सरकार और राज्य की माननीय योगी जी की सरकार इस ओर ठोस पहल कर रही है, लेकिन हालत पूरी तरह से सुधारने के लिए और इस समस्या को खत्म करने के लिए जनता की भागीदारी बहुत आवश्यक है। हम घर बनाते हैं तो बारिश के जल को संग्रहीत करने का इंतजाम क्यों नहीं करते ? जब तक जन जागरण नहीं होगा तब तक हमें साफ पानी नहीं मिलेगा। हम नदियों को गंदा करते रहते हैं वह हमें साफ पानी कैसे दे सकती हैं। आज हम टी0वी0 चैनलों पर देख रहे हैं कि बारिश के पानी से ही शहरों में बाढ़ आ रही है। कहीं इतनी बारिश है तो कहीं बारिश के लिए लोग तरस रहे हैं। पर्यावरण संतुलन के लिए पूरी दुनिया काम कर रही है लेकिन विकसित देशों को इस ओर अधिक ध्यान देना चाहिए। ज्यादा पानी की आवश्यकता वाले दिनों में यानि गर्मी के दिनों में नागरिक यदि सावधानी से काम लें तो साफ पेयजल की समस्या हल हो सकती है। पीने के साथ-साथ हम दूसरे कामों के लिए भी साफ पेयजल का इस्तेमाल करते हैं। गर्मी में कूलरों में साफ पानी डाला जाता है, कार वालों को अक्सर साफ पानी से ही कार साफ करते देखा जाता है, बगीचों में भी साफ पानी से ही सिंचाई की जाती है। अगर प्रत्येक परिवार एक दिन कूलर में पानी न डाले, एक दिन कार न धोएं, ऐसे ही कपड़े साफ कर लें और एक दिन बगीचे में छिड़काव नहीं करें तो बड़ी मात्रा में साफ पानी बचाया जा सकता है। इसके लिए जल जागरण का अभियान करना होगा। यह बात हमारे अन्दर से उठनी चाहिए।

जहां तक स्वच्छता की बात है हाल ही के दिनों में हमारे देश में इस ओर जागरूकता बढ़ी है। पशुओं में भी स्वच्छता बोध होता है। बहुत से पशु-पक्षी अपने आस-पास की जगह को साफ करके बसेरा करते हैं, इंसानों में यह प्रवृत्ति जन्मजात होती है लेकिन हमारी सामाजिक

चेतना का दायरा इतना सिकुड़ गया है कि सिवाय अपने और नहीं दिखाई देता। प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने इस ओर समाज को सफलतापूर्वक जागृत किया है। उन्होंने स्वयं अपने हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान शुरू किया तो पूरा देश इस ओर जागरूक होता चला जा रहा है। हमारे माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी स्वच्छता के प्रति बहुत गम्भीर हैं। सरकार बनते ही उन्होंने अवैध बूचड़खानों को बंद कर दिया। हर घर में शौचालय की पहल को हमारी सरकार ने मनोयोग से आगे बढ़ाया है। जिले खुले में शौच से मुक्त हो गये। माननीय योगी जी ने लगातार काम पर पैनी नजर रखी इसका नतीजा यह है कि उत्तर प्रदेश में 2,50,29,038 शौचालयों का निर्माण कराया गया है। हालांकि ऐसी शिकायत भी मिल रही है कि कुछ लोगों ने जो सरकार की मदद से शौचालय बनाये हैं उनका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं हो रहा है। इसके लिये उन्हें समझाया गया तो हालत में सुधार आया और लगातार आ रहा है। आज हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती मना रहे हैं। हमे यह भी याद रखना होगा कि स्वच्छता के प्रति उनका अटूट आग्रह था। गांधी जी से प्रेरणा लेकर माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छता अभियान की शुरूआत उनके जन्मदिन 2 अक्टूबर को ही की थी। गांधी जी के आश्रम में हर किसी को सफाई का पालन कड़ाई से करना होता था। यहां तक कि अपने शौचालय की सफाई स्वंय करनी होती थी। कहा जाता है कि जब महात्मा गांधी जी स्वयं सफाई करने की बात कही तो उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कस्तूरबा जी ने उसका विरोध किया। इस पर गांधी जी क्रोधित हो गये और अंत में गांधी जी की जिद के आगे श्रीमती कस्तूरबा जी को झुकना पड़ा और अपना शौचालय खुद साफ करने लगीं। संदेश साफ है कि अगर हमें किसी बुराई को दूर करना है तो अभियान अपने घर से शुरू करना होगा। त्यौहारों का समय चल रहा है। नवरात्रि का पर्व पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। 8 अक्टूबर को विजयदशमी पर पूरे देश भर में असत्य के रावण के पुतले जलाये जायेंगें। मैंने इस बार रावण के 10 सिरों के रूप में देश में व्याप्त 10 बुराइयों का चयन किया है। आज के रावण के दस सिर हैं जिसमें नम्बर एक है गंदगी, दूसरा है वायु प्रदूषण, तीसरा है जल प्रदूषण, चौथा है ध्वनि प्रदूषण, पांचवा है सिंग्ल यूज प्लास्टिक, छठवां है आतंकवाद, नम्बर सात है भ्रष्टाचार, नम्बर आठ अशिक्षा, नम्बर नौ है कुपोषण और नम्बर दस है गरीबी। मैंने तय किया है कि अपने क्षेत्र में मैं इस बार इन्हीं दस सिर वाले रावण का दहन करने के लिये समाज को मनाऊंगा। मैं तो पूरे सदन से, माननीय विधायक जी से यह अपील करूंगा कि इस बार इन्हीं दस सिरों वाले रावण के पुतले को अपने-अपने क्षेत्र में दहन करें।

माननीय अध्यक्ष जी, ढाई वर्ष माननीय योगी आदित्य नाथ जी के नेतृत्व में सरकार बने हुआ है। माननीय योगी आदित्यनाथ जी ने पूरे प्रदेश में बहुत विकास कार्य किये हैं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं गौतमबुद्ध नगर की दादरी विधान सभा क्षेत्र से आता हूं। मैंने भी ढाई साल में काफी कार्य किये हैं। माननीय योगी जी के नेतृत्व में विश्वास करते हुए मैंने ग्रेटर

नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से 1 अरब, 60 करोड़, 53 लाख 70 हजार रुपये के कार्य कराये और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 73 करोड़ 73 लाख 48 हजार के कार्य प्रस्तावित हैं। नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण से 38 करोड़ 63 लाख 63 हजार रुपये के कार्य कराये। क्योंकि हमारे जनपद गौतमबुद्ध नगर में दादरी से मैं विधायक हूँ जिला पंचायत नहीं है, जिला पंचायत का गठन नहीं हुआ है। जिला पंचायत के कार्य भी विधायकों के प्रस्ताव पर होते हैं। जिला पंचायत से 26 करोड़ 2 लाख 27 हजार 890 रुपये के कार्य कराये। माननीय अध्यक्ष जी, विधायक निधि द्वारा साढ़े तीन करोड़ रुपये के कार्य हो चुके हैं एक करोड़ के काम प्रस्तावित हैं। पी0डब्ल्यू0डी0 के द्वारा माननीय अध्यक्ष जी जो विकास कार्य कराये गये हैं वह 17 करोड़ 73 लाख 26 हजार के हैं। माननीय अध्यक्ष जी, केन्द्रीय सड़क निधि से ग्राम खटौना, गुजा नारबलपुर पूरा, एन0टी0पी0सी0 तक मार्ग के चौड़ीकरण और सुन्दरीकरण के लिये 24 करोड़ 97 लाख रुपये दिये हैं। इस तरह से माननीय अध्यक्ष जी दादरी विधान सभा क्षेत्र में 293 करोड़ 13 लाख 21 हजार 890 रुपये के कार्य हुए हैं। माननीय अध्यक्ष जी, गौतमबुद्ध नगर दादरी विधान सभा की कुछ समस्याएं है मैं आपका ध्यान उस ओर भी दिलाना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, गौतमबुद्ध नगर में तीन ऍथारिटी हैं गौतमबुद्ध नगर ऍथारिटी, ग्रेटर नोएडा ऍथारिटी और यमुना ऍथारिटी। माननीय अध्यक्ष जी, किसानों की जमीनों का अधिग्रहण हो रहा है। जो किसानों के बच्चे जमीन में भूमि में कार्य करते थे वह बेरोजगार होते जा रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, उसमें औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं। औद्योगिक इकाइयां स्थापित हों, यह मैं चाहता हूं लेकिन आपसे आग्रह करता हूं कि किसान के बच्चों को जो बेरोजगार हो रहे हैं, जो टैक्नीकल बच्चे हैं, योग्य बच्चे हैं उनको रोजगार दिलाने की माननीय अध्यक्ष जी एक कोटा फिक्स हो। जो टैक्नीकल बच्चे हैं कम से कम 50 परसेन्ट बच्चे स्थानीय लिये जायं ताकि उनकी बेरोजगारी की समस्या न रहे। दूसरा माननीय अध्यक्ष जी, किसानों की समस्या, वहां पर शिफ्टिंग पॉलिसी नहीं है। शिफ्टिंग पॉलिसी जब बहिन मायावती जी ने भ्रष्टाचार किया था तो रोक दी गई। किसान उससे बहुत परेशान है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि शिफ्टिंग पॉलिसी जो शासन में लम्बित है उसको जल्दी कराया जाय। माननीय अध्यक्ष जी जो सपा सरकार में, बसपा सरकार में जो ग्रेटर नोएडा में 6 परसेन्ट के प्लाट और नोएडा में 5 परसेन्ट के प्लाट मिले हैं बहुत दिनों से वह नहीं लगे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, उनको भी जल्दी लगवाया जाय। माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्य मंत्री जी जो 5 करोड़ की घोषणा हुई थी उससे प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में बहुत कार्य हुए हैं। उनसे जो महात्मा गांधी जी की जो विकास की सतत प्रक्रिया है, वह फलीभूत हुई है। माननीय अध्यक्ष जी, मेरा आपसे आग्रह है कि पांच करोड़ रुपये प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र को जिस तरह से पहले दिये गये थे यह क्रम लगातार जारी रखा जाय, जिससे महात्मा गांधी जी का सतत विकास का जो अभियान है वह पूरा किया जाय।

(मेजों की थपथपाहट)

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

[14:52] कृषि एवं कृषि शिक्षा मंत्री (श्री सूर्य प्रताप शाही)-

माननीय अध्यक्ष जी, आज एक ऐतिहासिक अवसर पर जब हमारे देश के महान नेता पूज्य महात्मा गांधी जी का 150वां जन्मदिन है और हमारे पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्मदिवस है जिन्होंने जय जवान और जय किसान के संकल्प से किसानों के भीतर एक आत्म गौरव बढ़ाये जाने का कार्य किया था। महात्मा गांधी जी ने गरीबी उन्मूलन के लिये, स्वच्छता सत्य, अहिंसा के लिये जीवनपर्यन्त संघर्ष किया। आज ऐसे दोनों महापुरुषों को मैं अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे इस अवसर पर बोलने का अवसर दिया। प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी की और उत्तर प्रदेश में मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी दोनों सरकारों का गरीबी उन्मूलन, स्वच्छता और सेवा का जो संकल्प है, उसको सर्वोपरि मानते हुए केन्द्र में मोदी जी की सरकार और उत्तर प्रदेश में योगी जी की सरकार निरन्तर कार्य कर रही है। आज जो आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है राष्ट्रसंघ द्वारा निर्धारित जो दूसरा लक्ष्य है, सतत विकास और गरीबी की पूर्णतया समाप्ति, के विषय पर मैं इस सदन के भीतर चर्चा करना चाहता हूं। इस चर्चा को शुरू करने के पहले मुझे याद आता है जब 2014 में 20 मई को जब आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बनने के बाद संसद के सेन्ट्रल हाल में गये थे और उस समय सांसदों को उन्होंने सम्बोधित किया था। केन्द्रीय कक्ष में सम्बोधन करते हुए उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार वह है जो गरीबों के लिये सोचे, गरीबों की सुने, गरीबों के लिये जिये इसलिये मेरी नई सरकार गरीबों को समर्पित है। और स्वाभाविक रूप से उनकी सरकार गरीबों, शोषितों और वंचितों के लिये समर्पित रही है और पिछले 5 साल से उन्होंने प्रयास किये हैं और उन प्रयासों का परिणाम है जब संयुक्त राष्ट्रसंघ की अध्यक्षा मारिया फर्निडा इस्पिनोसा पिछले वर्ष भारत आई थीं तो उन्होंने भारतवर्ष के भीतर गरीबी के उन्मूलन का जो कार्यक्रम देखा उससे अभिभूत होकर उन्होंने कहा और इस बात का जिक्र किया था कि भारत में जिस तरीके से जिस स्तर पर विकास कार्यक्रमों को मूर्त स्वरूप दिया जा रहा है निश्चित रूप से भारत गरीबी उन्मूलन की सफलता में दुनिया की तस्वीर बदल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया में सबसे तेजी से खत्म हो रही है भारत के भीतर गरीबी। उन्होंने सारे कार्यक्रमों की चर्चा की थी जन धन से लेकर उज्जवला प्रधानमंत्री योजना, फसली बीमा से लेकर स्वच्छता शौचालय योजना तक। मैं उसका उल्लेख इसलिये नहीं करूँगा क्योंकि आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने उसकी भी चर्चा की है। इस सन्दर्भ में जब अमेरिकी शोध संस्था ब्रूकिंग्स ने अपनी रिपोर्ट रि-थिंकिंग ग्लोबल पावर्टी 2019 में इस बात की चर्चा की है कि 2011 में भारत के भीतर 26.8 करोड़ गरीबी थी उस

पांच साल के भीतर यह संख्या 5 करोड़ के भीतर आई है। उन्होंने यह भी कहा है कि 2019 के अंत तक यह गरीबी 8 परसेन्ट से नीचे चली जायेगी। और 2022 में जब भारत अपनी आजादी का 75वां वर्ष मना रहा होगा उस समय यह गरीबी घट करके 3 परसेन्ट तक आ जायेगी। उन्होनें जो मूल्यांकन किया उस मूल्यांकन के भीतर इस बात का उल्लेख किया है कि प्रति मिनट 24 व्यक्ति गरीबी रेखा के बाहर इन लोक कल्याण कार्यक्रमों से आ रहे हैं। मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में 2017 में आने के पश्चात् लगातार निरन्तर गरीबी उन्मूलन के कार्यक्रमों, जो भारत सरकार द्वारा चलाये गये हैं उनको प्राथमिकता से उत्तर प्रदेश के भीतर संचालित कर रही है और उसके माध्यम से 2 कार्य शुरू किये गये हैं उनकी चर्चा अभी मैं आपके बीच में शुरू करूंगा। लेकिन जैसा मैंने आपसे कहा शास्त्री जी ने जय जवान जय किसान का संकल्प लिया था 1965 में पाकिस्तान की लड़ाई के समय में। उन्होंने कहा कि मोर्चे पर जवान लड़ेगा और खेतों में किसान काम करके देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनायेगा। शास्त्री जी का वह सपना साकार हुआ और उस सपने को साकार करने की दृष्टि से हमारे पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी बाजपेयी जी ने जय जवान जय किसान के साथ उन्होंने जय विज्ञान का भी नारा दिया था और 2014 के पश्चात् माननीय मोदी जी ने उसके भीतर अनुसन्धान को जोड़ दिया। यह चारों जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान ने देश की खाद्य सुरक्षा की एक तस्वीर बदल दी है और आज हमारा देश आत्मनिर्भर ही नहीं है बल्कि अपना खाद्यान्न अन्य देशों को निर्यात कर रहा है और उसमें उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका है और उस भूमिका के भीतर दो कार्यक्रम आदरणीय प्रधानमंत्री जी और आदरणीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा उत्तर प्रदेश में चलाये गये हैं। उसमें मैं आपको एक जानकारी देना चाहता हूं कि जो लक्ष्य दो है उसके भीतर 2030 तक सभी व्यक्तियों को विशेषकर गरीब, निःशक्त व्यक्तियों और शिशुओं को सुरक्षित पोषण मात्रा में उपलब्ध कराना और प्रदेश को ग्रेनरी नेशन अर्थात् राष्ट्र के खाद्य भण्डार के रूप में विकसित किया जाना है। मैं आपके माध्यम से इस बात का उल्लेख करना चाहता हूं कि इस साल उत्तर प्रदेश का वर्ष 2018-19 में खाद्यान्न उत्पादन 608 लाख मीट्रिक टन हुआ है जो 1947 में देश की आजादी के समय पूरे भारत का खाद्यान्न उत्पादन 508 मीट्रिक टन था। उससे अधिक है और अपने में यह रिकार्ड है। उस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए अकेले उत्तर प्रदेश ने 604 लाख मीट्रिक टन अपने खाद्यान्न उत्पादन को हासिल किया है और यह इसलिए सम्भव हो सका है कि हमारे मा0 योगी आदित्यनाथ जी का संकल्प है कि हम उत्तर प्रदेश के अन्दर किसी को भूख से मरने नहीं देंगे। यह उनका संकल्प है कि कृषि उत्पादन को बढ़ाकर उसके साथ-साथ उसे पौष्टिक बनाते हुए हम पोषाहार को भी उपलब्ध कराएंगे इस दृष्टि से इस विषय में आज चर्चा होने जा रही है।

आज इस अवसर पर मैं उल्लेख करना चाहता हूं कि महात्मा गांधी जी वर्ष 1916 में लखनऊ में पधारे थे और उस समय कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय महाधिवेशन था और उस राष्ट्रीय महाधिवेशन के भीतर विशेष चर्चाएं हुईं। उस समय चंपारण के किसान भी यहां आये थे और उसमें कुछ किसान आए उन्होंने चंपारण के किसानों की दुर्दशा के बारे में उल्लेख करते हुए गांधी जी से अनुरोध किया था कि आप हमारे इस आंदोलन में चलकर मार्गदर्शन करिए। आप जानते हैं कि कुछ समय पश्चात गांधी जी चंपारण में गये थे। मैं यह इसलिए कह रहा हूं कि ब्रिटिश काल के भीतर कितनी दुर्दशा रही ? उस दुर्दशा के बाद पिछले 15 साल के भीतर उत्तर प्रदेश का कृषि क्षेत्र का जो पिछड़ापन रहा वही कारण बुंदेलखण्ड के भीतर भुखमरी से मौत का रहा है। योगी आदित्यनाथ जी के आने के पश्चात सबसे पहली प्राथमिकता के आधार पर उनकी सरकार ने इस बात का निर्णय किया कि हम ऐसे किसानों को जो आर्थिक झंझावातों से झूझ रहे हैं, हम ऐसे सभी सीमांत और लघु किसान जिनकी संख्या उत्तर प्रदेश में 93 प्रतिशत के करीब है, उन 93 प्रतिशत किसानों को राहत दिलाने के लिए इस बात का फैसला किया कि हम उत्तर प्रदेश के उन किसानों का 1 लाख रुपये तक का फसली ऋण का अवमोचन करते हैं। यह कहने के लिए छोटी बात हो सकती है, लेकिन इसके परिणाम बहुत बड़े थे और उस परिणाम का असर यह आया है कि आज उत्तर प्रदेश के भीतर आत्महत्याओं का दौर रुका है, भुखमरी का दौर रुका है। किसान निश्चिंत होकर जो अपनी खेती कर रहा है उसी की वजह से उसके श्रम और परिश्रम के कारण और वैज्ञानिकों के अनुसंधान के कारण आज कृषि क्षेत्र का उत्पादन बढ़ा है। महात्मा गांधी जी कहते थे कि जो लोग भूखे मर रहे हैं, जो बेकार हैं उनके सामने परमेश्वर योग्य काम और उसकी मजदूरी से मिलने वाले अन्न के रूप में प्रकट हो सकता है। गरीबों के लिए रोटी ही आध्यात्म है। भूख से पीड़ित उन लाखों करोड़ों लोगों पर किसी और चीज का प्रभाव नहीं पड़ सकता है। कोई दूसरी बात उनके हृदय को छू नहीं सकती है, लेकिन उनके पास रोटी लेकर जाइए तो वह अपने भगवान की तरह पूजेंगे। वह रोटी के सिवा और किसी बात पर विचार नहीं कर सकते हैं। जब मैं आगे आऊंगा तो मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराऊंगा कि किस तरह से इस रोटी की सुनिश्चिता हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश के भीतर किया है। आदरणीय योगी जी ने महात्मा गांधी जी का जो प्रसिद्ध भजन था-

वैष्णव जन तो तेने कहिए, जे पीर पराई जाणे रे।
परा दुःखे उपकार करे तोये, मन अभिमान न आणे रे।।

योगी जी बिना अभिमान के उत्तर प्रदेश की जनता के कष्ट का निवारण करने के लिए दिन-रात अनवरत् सेवा में जुटे हुए हैं। वह स्वयं एक साधक और तपस्वी हैं और

इसीलिए उनका निरंतर यह प्रयत्न होता है कि हम उत्तर प्रदेश में किसानों को जितना भी हो सकता है उतनी सुविधा दें। साथ-साथ उत्तर प्रदेश के भीतर किसी को भी भूख से मरने न दें।

मान्यवर, मैं आपसे जो चर्चा कर रहा था कि वर्ष 2019 में 604 लाख मीट्रिक टन कुल खाद्यान्न का उत्पादन हुआ है और 1950-51 में देश का सम्पूर्ण खाद्यान्न 508 लाख मीट्रिक टन था। 2030 तक अभी जो आंकलन है उस आंकलन के मुताबिक प्रदेश की आबादी 27 करोड़ 35 लाख पहुंचने का अनुमान है। यानी आज से लगभग 5 करोड़ से ज्यादा हमारी उत्तर प्रदेश की आबादी 2030 तक पहुंच जाएगी और उस बढ़ती हुई आबादी के लिए उत्पादन के स्तर को बढ़ाया जाना और साथ-साथ में हमें उत्तर प्रदेश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाते हुए फूड बास्केट के भीतर हमको अपना सहयोग दिया जाना और इस संदर्भ में मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इस साल हमारा जो खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है, उसमें 36 लाख मीट्रिक टन पिछले दो साल के भीतर 46 लाख मीट्रिक टन बढ़ा है। 46 लाख मीट्रिक टन का मतलब यह होता है कि 10 हजार करोड़ से अधिक वैल्यू में यदि हम उसको परिवर्तित करें तो 10 हजार करोड़ रुपये की आर्थिक व्यवस्था योगी जी की सरकार के द्वारा खाद, बीज, पानी को समय से मुहैया कराकर के उत्पादन बढ़ाये जाने के साथ-साथ हमारी उत्पादकता भी बढ़ी है। हमारे खाद्यान्न की उत्पादकता लगभग इन ढाई वर्षों के भीतर तीन क्विंटल प्रति हेक्टेयर के करीब बढ़ी है। आज हम साढ़े 38 क्विंटल प्रति हेक्टेअर से भी ज्यादा गेहूं की उत्पादकता उत्तर प्रदेश की है। आज उत्तर प्रदेश गेहूं के उत्पादन में देश के भीतर नम्बर एक का राज्य है। मान्यवर, मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां पर हम लोगों ने खाद्यान्न के उत्पादन को बढ़ाया है वहीं मोटे आनाजों पर भी बल दिया है आज खासतौर पर ज्वार, बाजरा, मक्का, मूंग, उड़द, कोदो, सावाँ, मड़वा की खेती करने की पहल की है, यह बंद हो गया था, जो पोषाहार की चर्चा हो रही है उसमें जो मोटे अनाज हैं उसकी जो पौष्टिकता है वह किसी और अनाज में नहीं है। प्रोटीन के लिए दाल बहुत आवश्यक है इसलिए दाल का उत्पादन बढ़ाया जाए तथा मोटे अनाजों का भी उत्पादन बढ़ाया जाए इस दृष्टि से हमारी सरकार ने काम किया है। मैं आपको अवगत कराना चाहता हूं कि सीकूको सीरियल में 2016 में जो उत्पादन 34.6 लाख मीट्रिक टन था आज बढ़कर 40 लाख 20 हजार मीट्रिक टन के करीब हो गया है। इसी प्रकार से दाल का उत्पादन जो 11 लाख मीट्रिक टन था वह भी ढाई वर्ष में बढ़कर 22 लाख मीट्रिक टन हो गया है। आप अवगत हैं कि वर्ष 2017 तक दाल विदेश से इम्पोर्ट होती रही है और हमारी बहुत बड़ी फारेन एक्सचेंज दाल के आयात पर खर्च होता रहा है। इसी तरीके से अभी भी 75 हजार करोड़ रुपये तेल का आयात विदेशों से होता है और इसीलिए योगी आदित्यनाथ जी की सरकार इस बात को फोकस कर रही है कि हम उत्तर प्रदेश में तेल के उत्पादन को कैसे बढ़ाए ? इस बारे में मैं आपको अवगत कराना चाहता हूं कि जब 2017 में हम लोगों की सरकार बनी थी उस समय 10 लाख 1 हजार मीट्रिक टन तिलहन का उत्पादन था जो आज बढ़कर के

13 लाख 60 हजार मीट्रिक टन के करीब पहुंचा है। इस प्रकार तिलहन के उत्पादन में भी हमारा उत्पादन बढ़ा है और उत्पादकता भी बढ़ी है, हमको इसे आगे और भी बढ़ाना है। पिछले दो सालों से लगभग दो लाख निःशुल्क मिनीकिट हम किसानों को उपलब्ध करा रहे हैं जिसकी वजह से तिलहन का उत्पादन आगे बढ़ाया जा सके। अभी हमारे गौतमबुद्ध नगर के सदस्य चिंता व्यक्त कर रहे थे, शहरीकरण के कारण, औद्योगिकीकरण के कारण जो कृषि योग्य भूमि है वह हर साल करीब 25 हजार हेक्टेएर भूमि घट रही है। हम लोगों ने इस बात को पं0 दीनदयाल योजना के माध्यम से कोशिश किया है कि हम ऊष्ण, बीहड़ और बंजर जंगल को सुधार करके खेती योग्य भूमि में जो कमी आ रही है हम उसे उत्पादन की दृष्टि से आगे बढ़ा सकें। मैं अभी इटावा गया था और मुझे देखकर के प्रसन्नता हुई कि जो कृषि यंत्र हमने अभी इन सीड कार्यक्रम के भीतर किसानों को 80% अनुदान पर दिये थे, उसके अन्तर्गत किसान स्वयं बीहड़ को नीचे की ओर बराबर करके उसके भीतर रवि की फसल की तैयारी कर रहे हैं। हमारी यह प्राथमिकता है कि कृषि योग्य भूमि को हम आगे की ओर बढ़ाएं और उसके लिए इन कार्यक्रमों को और प्राथमिकता के आधार पर चूंकि यह मंशा यू0एन0 की भी है कि इसको और आगे बढ़ाएं। मैं इस बात का भी उल्लेख करना चाहता हूं कि दशकों से तीस-तीस साल से सिंचाई परियोजनाएं उत्तर प्रदेश के भीतर बंद थीं तथा लम्बित थीं। पूर्व की सरकारें उसके लिए धनराशि उपलब्ध नहीं कराती थीं। योगी आदित्यनाथ जी की सरकार आने के पश्चात उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर प्रदेश की चार परियोजनाओं को बजटीय व्यवस्था करके नाबार्ड के सहयोग से उसको आगे बढ़ाने का निर्णय किया जिसके भीतर मध्य गंगा नहर, सरयू परियोजना, बाण सागर अर्जुन बांध परियोजना के माध्यम से हम अपनी सिंचन क्षमता को आगे बढ़ा सकेंगे और उससे 20 लाख हेक्टेअर जो जमीन हमें अतिरिक्त प्राप्त होगी उससे हम सिंचाई कर सकेंगे। मान्यवर, मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस लक्ष्य का अगला जो पार्ट है वह गैर कृषि रोजगार के लिए भूमि और अन्य उत्पादक संसाधनों और निवेशों को आगे बढ़ाना है। साथ-साथ में खाद्य उत्पादन प्रणाली में रोग-प्रतिरोधी कृषि प्रणाली का प्रयोग किया जाना जिससे उत्पादन और उत्पादकता की वृद्धि की जा सके।

पारिस्थितिकीय तंत्र को बनाए रखने और सहायता मिल सके इसके लिए जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न मौसम आपदाओं तथा सूखा बाढ़ तथा अन्य आपदाओं के लिए अनुकूलता को स्थापित किया जा सके और मृदा की उर्वरता को निरंतर आगे की ओर बढ़ाया जा सके। इस संदर्भ में मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने जो प्रयास किये हैं उन प्रयासों के माध्यम से पहली प्राथमिकता अच्छे उन्नतशील बीज उपलब्ध कराए जाने की दृष्टि से हम लोगों ने विचार किया और विचार करने के पश्चात हम लोग किसानों को उन्नतिशील बीज उपलब्ध करा रहे हैं। मैं इस संदर्भ में उल्लेख करना चाहूंगा कि 2016-17 में कुल बीज 5 लाख 47 हजार क्विंटल वितरित किये जाते थे। उस समय यह व्यवस्था थी कि

तीन साल के पश्चात ही एक किसान यदि इस साल ले लेता है तो वह तीन साल बाद ही जाकर के बीज को ले सकेगा। हम लोगों ने उस तीन साल की अवधि को घटाकर के दो साल किया है और हमने कहा कि जो भी किसान आना चाहते हैं जिसमें सामान्य किसान को भी इस बात की अनुमति दी कि दो हेक्टेअर तक जो किसान अपनी खेती के लिए अनुमानित बीज लेना चाहता है वह कृषि विभाग से अनुदान पर बीज प्राप्त कर सकता है। मान्यवर, इसका परिणाम यह हुआ कि इस साल हमारा 8 लाख 18 हजार क्विंटल बीज 2018-19 में कृषि गोदामों से उठा है। जो किसान कृषि गोदाम को भूल गये थे वह दोबारा कृषि गोदामों के बीच लौटकर आये हैं। गुणवत्ता युक्त बीज लगाने से तो 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, उस दिशा में हमारी सरकार ने प्रयास किया है। इस साल हम लोगों ने 11 लाख 25 हजार क्विंटल बीज बांटने का लक्ष्य रखा है जिसके माध्यम से हम किसानों को और ढाई गुना से ज्यादा बीज किसानों के बीच पहुंचाने जा रहे हैं और उसके माध्यम से हम किसानों को सहूलियत देने जा रहे हैं। इसी प्रकार से कृषि यंत्रों के बारे में हम लोगों ने एक प्रयास किया है और व्यापक पैमाने पर उत्तर प्रदेश के भीतर हमने कृषि यंत्र उपलब्ध कराए हैं। हमने तीन प्रकार से उनको कृषि यंत्र उपलब्ध कराया है, एक जो सामूहिक किसान लेना चाहता है, फार्म मशीनरी बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराया है जिसमें हमने 80 प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्र दिये हैं जिसमें ट्रैक्टर भी शामिल हैं। आपको ध्यान होगा कि लखनऊ के भीतर एक ऐतिहासिक कृषि कुम्भ उत्तर प्रदेश में लगाया गया था, जिसमें लाखों किसानों ने हिस्सेदारी बटाई और वह आकर नई तकनीक की कैसे जानकारी कर सकें उसके लिए आठ सेशन हम लोगों ने तीन दिन तक चलाए उसमें लाखों किसानों को टेक्नोलॉजी की जानकारी के लिए और वैज्ञानिक तरीके से कैसे खेती कर सकें साथ-साथ विविधीकरण और बहुफसलीय कैसे लगा सकें यह उसका एक जीवंत प्रदर्शन हम लोगों ने लखनऊ के गन्ना संस्थान में करवाया था और जिसमें लाखों किसानों ने पार्टीसिपेट किया। उसी समय हमने कहा कि 80 प्रतिशत अनुदान पर ''इन सीटू'' कार्यक्रम के भीतर जो किसान तीन कृषि यंत्र लेना चाहेगा उस किसान को हम 80% अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध करवाएंगे। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि 2016-17 में कुल 103 करोड़ 88 लाख रुपये यंत्रों पर अनुदान के रूप में दिये गये थे। गत वर्ष हम लोगों ने कृषि यंत्रों पर 195 करोड़ 25 लाख रुपये किसानों को अनुदान दिया हैं और उसके पात्रों की संख्या बढ़कर 51 हजार 858 हो गयी। यह 2019-20 के भीतर हम लोगों ने 421 करोड़ रुपये के कृषि यंत्र अनुदान के रूप में किसानों को उपलब्ध कराए जाने का निर्णय किया है और जिसके भीतर 2 लाख 2 हजार कृषि यंत्र किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। प्रक्रिया चल रही है लगभग 2700 किसानों ने अपने ड्राफ्ट जमा किए हैं जिसको हम ट्रैक्टर के साथ अन्य कृषि यंत्र हम उनको देंगे इस पर ट्रैक्टर पर चालीस प्रतिशत का अनुदान और शेष कृषि यंत्रों पर 80 प्रतिशत का अनुदान हम उनको देने जा रहे हैं। जो हमारी मंशा है उसको साकार करने के

लिए किस तरह से किसान सामूहिक और क्लेक्टिव कृषि यंत्रों का इस्तेमाल करके और अपनी खेती पर कम लागत के हिसाब से वह अपनी खेती को कैसे कर सकता है और उत्पादन को कैसे बढ़ा सकता है उस दिशा में हम लोगों ने इस बात की पहल की है।

मान्यवर मैं प्रधानमंत्री फसली बीमा योजना की चर्चा करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री जी ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रधानमंत्री फसली बीमा योजना उत्तर प्रदेश नहीं बल्कि देश के भीतर उन्होंने रखा और उसके अन्तर्गत उन लोगों ने अपने प्रदेश के भीतर अब तक हमने 21 लाख और 22 लाख किसानों को 1325 करोड़ रुपये के फसल की क्षति का हम लोगों ने बीमा के माध्यम से उनको अनुदान दिलाया है। मैं यह आपके माध्यम से अवगत कराना चाहता हूं कि इसका सबसे बड़ा फायदा अगर किसी को मिला है तो वह बुंदेलखण्ड के किसानों को मिला है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 21 जनपदों के किसानों को मिला है, जिनकी फसल दैवीय आपदाओं की वजह से या तो बाढ़ की वजह से, या सूखे की वजह से, या लगातार कई साल से सूखा होने के नाते जो बुंदेलखण्ड में सिंचाई की समस्या थी, जिसकी वजह से उत्पादन नहीं होता था या खेत खाली रह जाते थे और किसान आत्महत्या को मजबूर होता था। हमारे इन प्रयासों से 1325 करोड़ रुपये का उनको बीमा की धनराशि प्राप्त हुई है। मान्यवर, वर्ष 2016-17 तक 8 सौ के करीब सोलर पम्प प्रदेश के भीतर लगे हुए थे। 2017-18 से हम लोगों ने जो प्रयास किया और उस प्रयास के परिणामस्वरूप एक वर्ष में 10 हजार सोलर पम्प दिए जाने का लक्ष्य रखा और उसके अन्तर्गत 9562 सोलर पम्प जो किसानों के खेतों में या तो लग गए हैं या उनके दरवाजे पर पहुंच गए हैं। इस प्रकार से हम लोगों ने 110 करोड़ 28 लाख का सोलर पम्प पर, जिससे किसान की लागत घटे डीजल का मूल्य उसका हटे, बिना खर्चे के अपने खेत की सिंचाई करेगा। जब भी चाहेगा उसकी सिंचाई हो सकती है और जो 50 हजार रुपये के करीब सोलर पम्प हैं वह तीन हॉर्स पॉवर के सोलर पम्प पर 50 हजार रुपये लगते थे, उसको भी घटाकर के हमने 33 हजार रुपये कर दिए थे और साथ-साथ में दो-तीन हॉर्स पॉवर पर 80 हजार रुपये लगते थे, उसे हटाकर के हम लोगों ने 50 हजार के करीब दिए और जिस पर 2 लाख रुपये किसान शुल्क देना पड़ता था उसको घटाकर के एक लाख से नीचे कर दिया और इस प्रकार से उत्तर प्रदेश के किसानों को हमने व्यापक राहत प्रदान करने का प्रयास किया।

मान्यवर, इसी तरीके से मृदा हेल्थ कार्ड को हम लोगों ने देश के भीतर जब हम आए थे तो लगभग 23 लाख सैम्पल का परीक्षण नहीं हुआ था। वह पहला सैम्पल था जिसको 31 मार्च, 2017 के पहले पूरा होना था, लेकिन जो हमारे पूर्व की सरकार थी वह उदासीन थी। हमारे मुख्य मंत्री जी ने आग्रह किया कि मृदा हेल्थ कार्ड किसानों के हाथों में पहुंचना चाहिए और हम लोगों ने प्रयास पूरा करके दिसम्बर, 2017 तक 1 करोड़ 70 लाख किसानों को मृदा हेल्थ कार्ड पहुंचाने का काम किया और इस प्रकार से यह प्रयास किया गया कि किसान को

अपनी भूमि के सेहत की जानकारी हो और उसी के अनुपात में वह फर्टीलाईजर का इस्तेमाल करें। मैं यह अनुरोध करना चाहता हूं कि दूसरे शेड्यूल के उत्तर में लगभग 1 करोड़ 68 लाख किसानों को हम लोगों ने अपने स्वायल हेल्थ कार्ड उन तक पहुंचाए हैं और जो किसानों के लिए हमने ''किसान पाठशाला'' चलाए हैं उसके माध्यम से यह प्रयास हुआ कि पाठशालाओं के भीतर स्वायल हेल्थ के बारे में उनको जानकारी दें और यह बताएं कि वह रासायनिक खादों का कम इस्तेमाल करें पेस्टिसाइड और इंसेक्टिसाइड का कम इस्तेमाल करें, यह एक प्रयास हुआ है कि उत्तर प्रदेश के किसान को उसके मिट्टी के अनुरूप, संतुलित और संयमित प्रयोग के लिए जागरूक किया जा रहा है। आप जानते हैं कि जितना रासायनिक खादों का इस्तेमाल करके और जो उत्पादकता हम बढ़ाते हैं वह उत्पादन गुणवत्तायुक्त और स्वास्थ्यवर्धक नहीं होता। वह अनेक बीमारियों को जन्म दे रहा है और इसीलिए भुखमरी की समाप्ति के साथ-साथ पोषाहार पौष्टिक आहार उपलब्ध हो उसमें भी कृषि विभाग की एक महत्वपूर्ण भूमिका है और इसलिए उस दृष्टि से तो प्रयास किए जा रहे हैं, मैं उसकी चर्चा आगे करूंगा, लेकिन अभी मैं इस बात को कहना चाहता हूं कि किसान बायोफर्टिलाइजर इस्तेमाल करें इसके लिए हम लोगों ने एक प्रयास किया है और प्रयास करके यह कोशिश किया है कि हर गांव के भीतर एक वर्मी कम्पोस्ट हम किसान से तैयार करवाएं। वर्ष 2017-18 में एक 2018-19 में जिस प्रकार से लगभग दो लाख से ज्यादा वर्मी कम्पोस्ट के गड्ढे हम लोगों ने तैयार कराए और लगभग 150 करोड़ रुपया अनुदान के रूप में उनको दिया है। 8 हजार के वर्मी कम्पोस्ट पर छः हजार का अनुदान सरकार दे रही है। यह एक प्रयास हम लोगों का हुआ है। इसी तरीके से उत्तर प्रदेश के अन्दर जमीन उर्वरक बढ़ाए जाने के लिए हरी खाद बंद हो गई थी। ढेंचे का बीज भ्रष्टाचार और घोटालों के नाम पर नहीं आता था। हमने कोशिश किया वर्ष 2017-18 का और जब वर्ष 2017-18 में प्रयास किए तो पूरे देश भर में हमने ढेंचे के बीज को तलाश करवाया और कहीं भी नहीं मिल पाया। बहुत प्रयास करने के बाद नेशनल सीड कॉरपोरेशन से हमें ढाई हजार कुन्तल बीज मिल पाए थे। वह भी हमारे साथ के साथी लोगों ने लिखा कि कृषि विभाग ने बहुत बड़ा घोटाला किया है, अब भारत सरकार उत्तर प्रदेश बीज निगम चेक के माध्यम से भारत सरकार की संस्था एन0एस0सी0 को देती है तो ढेंचे के बीज का घोटाला कहां से हो जाएगा। लेकिन हम लोगों ने प्रयास किया कि यह बहुत महंगी कीमत है और महंगी कीमत को कम किए जाने के लिए उत्तर प्रदेश में हमने मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद के आस-पास के इलाकों में और राजस्थान के किसानों के साथ हमारे बीज निगम ने एम0ओ0यू0 किया और एम0ओ0यू0 करके उन किसानों के यहां हम लोगों ने बीज पैदा कराया और मुझे खुशी है कि 72 रुपये 50 पैसे का बीज हम इस साल 52 रुपये 50 पैसे में किसान को भेजने में सक्षम हुए हैं। सभी जनपदों के भीतर 4 सौ कुन्तल से लेकर के 500 कुन्तल का बीज हर जगह हमने पहुंचाया है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि यदि पौष्टिकता बढ़ाई जानी गुणवत्तायुक्त यदि उत्पादन हमको दिया

जाना है तो हमको हरी खाद का इस्तेमाल करना ही पड़ेगा, जिससे कि हम तमाम प्रकार के जो हमारे न्यूट्रिएण्ट्स हैं उनको उपलब्ध करा दें और इसलिए दो सालों के प्रयासों के बाद इस साल जिप्सम भी हमने हर जनपद को उपलब्ध कराएं हैं। जो किसान की जरूरत थी वह देने के लिए न उस समय की 15 वर्षों के भीतर जो सरकार प्रदेश में रही है उसमें से किसी भी सरकार ने उस हिसाब से प्रयास नहीं किया कि हम किसान तक उसको पहुंचा सकें। इस साल हम लोगों ने 24 हजार मैट्रिक टन जिप्सम उत्तर प्रदेश में मंगाई और मंगाकर के सभी जनपदों को भेज रहे हैं।

अभी खरीफ में भी हमने पहुंचाया था और रबी में भी पहुंचा रहे हैं। मैं चाहूंगा कि यू0एन0 ने जो सतत विकास के जो दो बिन्दु रखे हैं उसके भीतर ग्रीन मेडोज को भी डाला था उसके भीतर स्वायल कंडीशन और हेल्थ भी है। इसके ऊपर भी कहा है कि गुणवत्तायुक्त भोजन मिलना चाहिए और वह तभी हो पाएगा जब हम बायो हेल्थ की ओर ध्यान देंगे। आप से मेरा अनुरोध होगा कि अभी हम अगले महीने दि मिलियन फॉमर्स स्कूल ''किसान पाठशाला'' लगाने वाले हैं, हर न्याय पंचायत के दो गाँवों में। आप में से यदि हमारे जनप्रतिनिधि गए और हमारे आदरणीय मंत्री जी और आदरणीय विधायक जी गए तो निश्चित रूप से जो किसानों के भीतर जागरूकता का कार्यक्रम किया जाना है, जिन योजनाओं की चर्चा मैनें आपके बीच में की है, वह बहुत आसानी से उन तक पहुंचायी जा सकेगी और इसलिए आपसे प्रार्थना करना चाहता हूं और मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि आप इसमें अपनी भागीदारी दें। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने ''प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना'' द्वारा किसानों को सीधा सपोर्ट किया है और इसको भी यू0एन0 के लोगों ने बहुत सराहा है। उन्होंने जो आंकलन किया है कि गरीबी को दूर किए जाने में यह एक सार्थक कदम होगा। हर किसान को 6 हजार सलाना पहुंचेगा और उस दिशा में उत्तर प्रदेश के भीतर जो 1 करोड़ 92 लाख किसानों का डाटा अपलोड हुआ है। जिन्होंने अपने आधार कार्ड के लिए, अपने खाते के लिए, अपने डॉक्यूमेंट दिए हैं 1 करोड़ 92 लाख सही पाए गए हैं। और उसमें से मुझे प्रसन्नता है कि प्रथम किश्त के रूप में एक करोड़ बासठ लाख किसानों के खाते में दो-दो हजार रुपये गये है। एक करोड़ 41 लाख किसानों के खातों में दूसरी किश्त पहुंच गई और 44 लाख किसानों के खाते में तीसरी भी किश्त पहुंच रही है और इस तरह से मा0 योगी आदित्यनाथ जी की सरकार पूरे देश भर के भीतर किसान सम्माननिधि के भीतर अकेले उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत से अधिक है और सबसे ज्यादा किसानों की संख्या को हमने कवर किया है।

मैं निवेदन करना चाहता हूं मान्यवर, कि बुंदेलखण्ड में हम लोग जल संसाधन, जल संरक्षण भी इस कार्यक्रम का एक हिस्सा है। मैंने सिंचाई पर चर्चा की है, लेकिन मैं एक महत्वाकांक्षी योजना बुंदेलखण्ड के भीतर सभी जनपदों में जिन जनपदों के भीतर पानी का स्तर

नीचे चला गया है, वह या तो क्रिटिकल हैं या सेमी क्रिटिकल हैं। डार्क जोन में आ गए हैं, जहां पर अनेक वर्षों से बोरिंग लगाए जाने पर पाबंदी थी। ऐसे जनपदों के भीतर किसानों के सहयोग से पचास प्रतिशत अनुदान पर देकर ''खेत तालाब'' स्कीम चला रहे हैं और उसमें किसान को पचास प्रतिशत अनुदान दे दिए हैं। पिछले ढाई साल के भीतर सात हजार से ज्यादा हम लोगों ने खेत तालाब उत्तर प्रदेश के भीतर किसानों के खेत में खोद दिए और किसानों ने उसके भीतर जो हमारे बुंदेलखण्ड के साथी हैं या जो मिर्जापुर और सोनभद्र या क्रिटिकल जनपदों के साथी हैं वहां के किसानों ने इस कार्यक्रम को बहुत ही लोकप्रिय माना है। इस साल वर्ष 2019-20 के बजट में हमने 7 हजार खेत तालाब उसके भीतर रखें हैं। इसमें ढाई हजार से ज्यादा खेत तालाब बरसात से पहले खोद दिए गए हैं। यह पानी का संचय कर रहा है, यह जो प्रधानमंत्री का सपना है कि किसान की आय को दोगुना कर सके उस दृष्टि से भी यह बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इन सात हजार तालाबों के माध्यम से रबी का उत्पादन बुंदेलखण्ड के भीतर बढ़ा है। सात हजार खेत तालाबों के माध्यम से किसान उसके ऊपर जो हैं फलदार पेड़ लगा रहे हैं और साथ-साथ में जब पोषाहार की मैं चर्चा करूंगा तो उत्तर प्रदेश में जो मानक है, उस मानक के नीचे अगर कोई चीज है तो दो चीजें उत्तर प्रदेश में हैं, एक मछली का उत्पादन पर कैपिटा और दूसरा है तिलहन का उपभोग यानि कि जितना तेल हमको चाहिए थोड़ा सा कम है, लेकिन मछली जितनी चाहिए एक व्यक्ति को उससे हमारा काफी नीचे है।

अब यह खेत तालाब के माध्यम से मैंने फतेहपुर जनपद के भीतर देखा मैंने ललितपुर के भीतर देखा एक किसान अपने खेत की सिंचाई कर रहा है दूसरे खेत को भी उसी से पानी दे रहा है उसी के साथ-साथ उसने मछली उत्पादन करके 34 हजार रुपये का बीज डालकर के उसने हमें बताया की ढाई लाख रुपये की आमदनी है। तो उसका मल्टीपरपज इस्तेमाल हो रहा है। जहां हम जल के गिरते हुए स्तर को ऊपर उठा रहे हैं। जहां हम सिंचाई के साधनों को बढ़ा रहे हैं वहीं पर वृक्षारोपण में फलदार वृक्ष लगाकर आने वाले दिनों में अपने परिवार को फल खिलाकर उससे पोषणयुक्त करेंगे। और साथ-साथ मछली उत्पादन करके अपने जीवन की उन्नति करने के साथ-साथ हम अन्य लोगों को भी उसको उपलब्ध करा सकेंगे। यह हमारी इसके अन्तर्गत व्यवस्था है। हम लोगों ने इस साल उसको इंटरलिंक किया है। स्प्रिंकलर और ड्रिप एरीगेशन में भी हम इस साल 80 और 90 प्रतिशत अनुदान देने की व्यवस्था कर रहे हैं। जो हमारे क्रिटिकल और सेमीक्रिटिकल ब्लाक्स हैं। उसमें भी लागू है। पहले इस पर 50 प्रतिशत का अनुदान भारत सरकार देती थी। श्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने प्रधानमंत्री जी के वन ड्राप मोर क्राप के सिद्धांत को लागू किये जाने की दृष्टि से इस योजना के अन्तर्गत 50 प्रतिशत अनुदान को बढ़ाकर सामान्य कृषकों के लिए 80 प्रतिशत और जो अनुसूचित या सीमान्त और लघु किसान हैं, उनके लिए 90 प्रतिशत अनुदान पर हम लोगों ने यह व्यवस्था करके प्रदेश के अन्दर स्प्रिंकलर सेट उपलब्ध कराया है।

मैं आपसे पोषाहार की चर्चा कर रहा था। वह लक्ष्य संख्या दो है। भूख की समस्या का अंत, विशेषकर गरीब, असहाय, नवजात शिशुओं को स्वच्छ पोषण और वर्षभर भोजन उपलब्ध कराया जाना। इसमें हम जानते हैं कि भूख से होने वाली मौत को रोके जाने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने एक पात्र गृहस्थी योजना प्रारम्भ की, जिसकी चर्चा मा0 मुख्य मंत्री जी ने भी किया है। उस योजना के माध्यम से हम लोग उत्तर प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र के 75.44 प्रतिशत यानी साढ़े 75 प्रतिशत लोगों को प्रतिव्यक्ति को दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल उपलब्ध करा रहे हैं। और शहरी क्षेत्र के भीतर 57.20 प्रतिशत लोगों को और महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से महिलाओं को मुखिया के रूप में उस राशन कार्ड पर उनका नाम अंकित किया गया है। आपको याद होगा कि पूर्ववर्ती दोनों सरकारों में चाहे वह समाजवादी पार्टी की सरकार रही हो या बहुजन समाज पार्टी की सरकार रही हो लगभग 30 जनपदों में कई हजार करोड़ रुपये के खाद्यान्न घोटाले हुए, जिसकी सी0बी0आई0 जांच कर रही हैं। मैं आज उस पर विस्तार से चर्चा में नहीं जाऊंगा। लेकिन योगी जी की सरकार ने यह तय किया कि हम इसको आधार कार्ड से लिंक करेंगे और इसकी फीडिंग भी करेंगे। मुझे खुशी है और मैं उस बैठक में गया था। पूरे देश के खाद्य एवं रसद मंत्रियों की बैठक भारत सरकार में आदरणीय श्री राम विलास पासवान जी की अध्यक्षता में हुयी थी। उसमें उत्तर प्रदेश में जो आधार कार्ड से लिंकिंग हो गयी है, वह 95 प्रतिशत से ऊपर है और कार्ड की फीडिंग भी 98 प्रतिशत के करीब है। इसका परिणाम यह है कि जो राशन बाजार में बेचा जाता था, जो जरूरतमंद लोगों को नहीं मिल पाता था आज उनको वह राशन ठीक प्रकार से उपलब्ध हो रहा है। दो रुपये किलो के हिसाब से गेहूं। तीन रुपये किलो के हिसाब से चावल मिल रहा है। दूसरी चीज यह कि उत्तर प्रदेश में शहरी क्षेत्र में इसमें इंटरपोर्टेबिलिटी लागू कर दी गयी है। कोई भी राशन की दुकान में कोई भी राशन कार्ड होल्डर जिस दुकान से चाहे जिस शहर में वह निवास करता है वह वहां से उसको ले सकता है। और इस योजना का लाभ 1 लाख 32 हजार परिवारों ने इस सितम्बर महीने में उठाया है। अब इस योजना को हमको प्रचारित करने की जरूरत है। इससे ब्लेक मार्केटिंग पर भी रोक लगेगी। साथ में प्रदेश में यह भी व्यवस्था हो गयी है कि एफ0सी0आई0 गोदाम से लेकर और ब्लाक लेवल तक उसको जी0पी0एस0 से जोड़ दिया गया है। इसलिए कोई रास्ते में उतारकर राशन को ब्लेक नहीं कर सकेगा। और राशन की दुकानों को ई-पास से जोड़कर भूख की समस्या का अंत कैसे किया जाये उस दृष्टि से निर्धन गरीब परिवारों को यह व्यवस्था की गयी है। और इसमें उत्तर प्रदेश को उल्लेखनीय सफलता मिली है। जो दूसरा प्वाइंट है कि 2025 तक 05 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बौनापन की समस्या है वह उचित पोषाहार नहीं मिलने के कारण है। इसे 2030 तक समाप्त किये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। उस दृष्टि से भी उस विभाग के मंत्री इस पर चर्चा करेंगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों में लगभग 1 लाख 80 हजार आंगनबाड़ी केंद्र चलाकर 8-9 परियोजनाओं के माध्यम से उनको अतिरिक्त पोषाहार देकर कैसे उनका कुपोषण समाप्त हो उस दृष्टि से यह प्रयास किया गया है। और यह पोषण अभियान भी जिसमें सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशियन प्रोग्राम के माध्यम से उन्हें पोषाहार दिया जा रहा है। और उनकी किशोरियों, बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जा रहा है और इस बात की भी चर्चा किया जाना कि माता का दूध यदि वह बच्चा तीन घण्टे के भीतर पीता है और आगे के दिनों में अगर वह 80-100 दिनों तक चलता है तो उसके भीतर रोग प्रतिरोधक क्षमता जो पैदा हो जायेगी, वह कोई भी दवा या पोषाहार नहीं दे सकता है। माता के दूध के बारे में भी हमें अपने-अपने क्षेत्र में चर्चा करना चाहिए। पोषाहार से युक्त भोजन दिये जाने के लिए विशेष रूप से एक विशेष अभियान चलाया गया है। जिसमें सहजन के बारे में माना गया है कि जो दूध में गुणवत्ता है, वही गुणवत्ता सहजन में है। उसकी पत्तियों और डण्ठल में और उसके फली में है। मैं अभी लगभग दो-ढाई महीना पहले कृष्णानगर आन्ध्र प्रदेश में गया था। मैंने देखा कि वहां की मण्डी समिति में क्रय केंद्र डण्ठल और पत्तियों को भी पांच रुपये प्रतिकिलो के हिसाब से खरीदा जा रहा है। अगर हमने सहजन के पौधों को घर-घर पहुंचा दिया तो निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में जो पोषण की समस्या है वह तो समाप्त होगी ही साथ ही जो सहजन के पेड़ का मेडिकल गुण है उसमें कई तरह की कम्पनियां आकर एक आर्थिक अवसर भी उपलब्ध करा सकती हैं। एक व्यक्ति के लिए जो प्रेस्क्राइब खाद्यान है वह 480 ग्राम है। उत्तर प्रदेश में 568 ग्राम उपलब्ध हो रहा है। और 2018-19 में यह 726 ग्राम हो गया है। सब्जियों के उत्पादन में भी 334 ग्राम सब्जी आज उपलब्ध हो रही है। देश में सब्जी उत्पादन में उत्तर प्रदेश एक नम्बर पर है। वह चर्चा श्री दारा सिंह चौहान जी और उनके सहयोगी मंत्री करेंगे। इसी तरह से फल का उत्पादन। आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि इस साल उत्तर प्रदेश से 11 हजार कुन्तल के करीब आम एक्सपोर्ट हुआ है। लखनऊ और सहारनपुर का मैंगो पैक हाउस दोनों ने अपनी-अपनी जगहों से एक्सपोर्ट किया है। मैं सहारनपुर गया था तो मैंने उनको कहा है कि मैंगो पैक हाउस के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के माध्यम से जो बागवानी है, उसको कम्पनी गार्डन कहते हैं, साढ़े छः करोड़ की योजना से और सुसज्जित किया जायेगा।

मैं मछली की चर्चा कर रहा था। 15 किलो प्रतिव्यक्ति मछली चाहिए। और हमारे पास वह 5 किलो 600 ग्राम उपलब्ध है। उत्तर प्रदेश में आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना से मछली आती है। मा0 मोदी जी की सरकार नील क्रांति योजना चला रही है। और इस योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश में हम लोग उसको आगे की ओर क्रियान्वित कर रहे हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 2017 के कृषि समृद्ध मेला में हमारे कई किसानों से बातचीत किया था। उत्तर प्रदेश में इसकी बहुत संभावना है। हमारे आगरा और अलीगढ़ के लोग यहां पर बैठे हुए हैं। जहां पर खारे पानी की समस्या है। खारे पानी में हम बहुत अच्छे तरीके से मछली का उत्पादन कर

सकते हैं। रिसाइक्लिंग एक्वा सिस्टम पर 33 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है। यदि हम अपने क्षेत्रों में उस कार्यक्रम को चालू करते हैं तो निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में जो मछली की कमी है और जो हजारो करोड़ रुपया अन्य राज्यों को जा रहा है। अपने प्रदेश में मछली उत्पादन से किसानों को इसका लाभ होगा और साथ-साथ पोषाहार को भी हम पूर्ण कर सकेंगे। पोषाहार की दृष्टि से जरूरी है कि हम पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध करायें। इसके लिए कृषि क्षेत्र में भी बहुत प्रयास किये गये हैं। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा है कि कुपोषण को यदि समाप्त किया जा सकता है तो सबसे उचित माध्यम कृषि का उत्पादन होगा। मैं अपने प्रदेश के वैज्ञानिकों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस दिशा में भी प्रयास किया है। उन्होंने प्रयास करके चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का, अरहर और मसूर में बायोफर्टिफाइड प्रजाति डेवलप किये जाने में सफलता पायी है। जो जिंक प्रोटीन और आयरन की कमी रहती है। जैसे किसी वैरायटी में ऐसे तत्वों की कमी है तो ऐसे तत्वों को दूसरे फसल से लेकर उसके जीन को उसमें डेवलप करके उसमें उस कमी को पूरा करना है। जो अलग से विटीमिन ए, बी, सी दिया जाता है या आयरन के टेबलेट दिये जा रहे हैं, प्रोटीन के लिए दिये जा रहे हैं, उसकी जगह पर हम इस माध्यम से उसको आगे की ओर बढ़ा सकते हैं। इस दिशा में भी हमारे वैज्ञानिकों ने प्रयास करके सरसों सोयाबीन में भी और जो मैंने आपसे चर्चा किया और गोभी, शकरकंद और अनार के अन्दर भी इस प्रकार की प्रजातियों को प्रारम्भ किया है। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इस बात की जरूरत है कि हम कृषि उत्पादन की लागत को घटायें।

प्रधानमंत्री जी ने जो एक संकल्प रखा है कि किसानों की आमदनी 2022 तक दोगुना किया जाना है। जो प्रयास भारत सरकार की ओर से हुये हैं और जिसको योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किया है, उसकी मैंने पूर्व में चर्चा किया है। उसके साथ कुछ चीजों को और जोड़ना चाहता हूं। हमारा सबसे बड़ा काम इस बात का है कि हम कृषि लागत को घटायें। इस दृष्टि से योगी जी की सरकार ने उत्तर प्रदेश में यूरिया पर लगने वाला कृषि केन टेक्स जो रॉ-मेटेरियल पर 5 प्रतिशत लगा करता था, उस कृषि केन टेक्स को अक्टूबर, 2018 में समाप्त कर दिया गया है। उसका परिणाम यह हुआ कि जो 336 रुपये यूरिया की बोरी आती थी वह 299 रुपये की हो गयी। जो 298 रुपये की यूरिया की बोरी आती थी वह 266 रुपये में हो गयी। मैं इस सदन के माध्यम से आपको यह भी अवगत करा दूं कि मोदी जी ने 100 दिन के भीतर जो अपने एजेंडे को रखा उसमें डी0ए0पी0 की भी कीमत सवा सौ दिनों के भीतर 100-100 रुपये घटाकर दो सौ रुपये उसकी कीमतें घटा दी। 1450 रुपये की डी0ए0पी0 आज 1250 रुपये के हिसाब से जा रही है। उत्तर प्रदेश का कृषि विभाग पिछले ढाई वर्षों से इस बात की सुनिश्चितता बनाये हुये है कि हम समय से आपको खाद उपलब्ध करायें और किसी भी प्रकार से किसान को लाइन न लगने दें। जो पूर्व की सरकारों का इतिहास रहा है। किसानों

को जब आने वाले सीजन में यूरिया और डी0ए0पी0 की जरूरत पड़ती थी तो एक-एक सप्ताह, दस-दस दिन इंतजार करना पड़ता था और कभी-कभी तो किसान को लाठियां भी खाकर खाली हाथ घर को लौट जाना पड़ता था। लेकिन ढाई साल के इतिहास में योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में खाद के लिए कहीं पर भी न तो किसान को लाइन लगानी पड़ी और न कहीं पर किसान को डण्डे खाने पड़े हैं। यही लोक कल्याणकारी राज्य और महात्मा गांधी जी के ग्राम्य स्वराज्य का जो सपना है उसको हमने साकार करने का प्रयास किया है।

मान्यवर, मैंने मृदा सुधार की चर्चा की है। उस सुधार के क्रम में एक और निवेदन आपसे करना चाहता हूं। हमारी परम्परा रही है कि देश के भीतर फसली चक्र का रहा है। कभी आपने देखा होगा कि खेतों में खरीब की फसल खड़ी है, हम लोगों ने उन खेतों को अपने आंखों से देखा है, जिसके भीतर मक्का भी लगा रहता था, ज्वार भी लगा रहता था, बाजरा भी लगा रहता था, अरहर भी लगा रहता था। यदि कहीं कोई दैवीय आपदा आई तो एक फसल मे नुकसान हुआ तो तीन फसलें बच जाती थीं और किसान को आर्थिक तकलीफ से नहीं गुजरना पड़ता था। आज धान, गेंहू, गन्ना और मक्का मुझे गन्ना मंत्री जी क्षमा कीजिएगा पर गन्ना जहां किसान को आमदनी दे रहा है वहीं पर हमारे पोषाहार को खत्म भी कर रहा है। मैं इसलिए चर्चा कर रहा हूं कि अभी विन्टर सेशन का गन्ना लगाया जा रहा है उसे गन्ने में हमने यदि इन्टरक्रापिंग कर दी, आप सभी भाइयों से कहना चाहता हूं खास तौर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के माननीय सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं कि हमको गन्ने के साथ इण्टरक्रापिंग शुरू करनी चाहिए। उसमें हम दो प्रकार की फसलों को लगा सकते हैं हम साग-सब्जियों को भी लगा सकते हैं और साथ-साथ तिलहन को भी लगा सकते हैं और दलहन को भी लगा सकते हैं दाल ही एक ऐसी फसल होती है, चाहे वह खरीफ में लगे या रवि में लगे वह हमारी मिट्टी की उवर्रा शक्ति को बढ़ाने का काम करती है जो नाईट्रोजन हम यूरिया के माध्यम से देते हैं, दाल दलहन की जड़ें उस नाइट्रोजन को इकट्ठा करती हैं और जुताई होती है, तो नाइट्रोजन की जरूरत कम हो जाती है, यूरिया की खपत कम करनी है तो हमको इण्टरक्रापिंग से दलहन का प्रयोग करना चाहिए। दलहन का प्रयोग करने का मतलब यह है कि पोषाहार से लोगों को युक्त करने जा रहे हैं, प्रोटीन युक्त करने जा रहे हैं, हम अपने खेत की उवर्रा शक्ति भी बढ़ायेंगे और साथ-साथ में मानव शरीर में प्रोटीन की जरूरत है वह भी उपलब्ध करा पायेंगे और इसलिए इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाना है।

मैंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के भीतर देखे हैं कि उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि हमारे दो किसानों को आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने पुरस्कारों से सम्मानित किया है जिसमें से एक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान पदम श्री भरत भूषण त्यागी और दूसरे पड़ोस के बाराबंकी के किसान पदम श्री राम संत वर्मा जी इन दोनों किसानों ने किसानों के लिए एक माडल खड़ा किया है। बिहार की एक महिला किसान जो किसान चाची के रूप में किसानों के बीच में प्रसिद्ध

है, को भी सम्मानित किया गया, जो बिहार में किसान काकी के नाम से प्रचलित हैं, जो लगभग मेरी ही उम्र की हैं और साइकिल पर बैठकर गांव-गांव जाकर यह बताने का काम करती हैं कि जो हमारी पारम्परिक खेती रही है इण्टरक्रापिंग की, बहु फसलों को लगाये जाने की वह लगाया जाना चाहिए और खेती की उन्नति तकनीकि बताकर जैविक खेती कैसे की जाये उसका प्रयास करना है। मैं इन तीन किसानों को आज गांधी जी के इस 150वीं जयन्ती के अवसर पर जो कि गांधी जी ऐसे स्वावलंबी, आत्मनिर्भर किसान को बनाना चाहते थे। उस दिशा में जो प्रयास हुए हैं और उन प्रयासों के जो परिणाम आये हैं, जो मैं चर्चा कर रहा था कि गांधी जी चम्पारन के भीतर गये थे 2016 में श्री राज कुमार शुक्ला जी के बुलाने पर वहीं से किसान आन्दोलन की शुरूआत हुई। वहां से पहुंच कर गुजरात गये और वहां से चलते-चलते आजादी की एक बहुत बड़ी बुनियाद रख दिया था जन-जागरण का और उसी किसानों के आन्दोलन के कारण देश के स्वतंत्रता आन्दोलन को जो शक्ति मिली उससे हम 1947 में आजाद हुए, उन महात्मा गांधी जी को मैं श्रद्धांजलि देता हूं और यह आगृह करता हूं कि यदि 3-4-5 किसान यह सिर्फ 3-4-5 किसान नहीं हैं ऐसे लाखों किसान हैं, जो अपने-अपने खेतों पर नये तकनीकि का इस्तेमाल करके, वैज्ञानिक तरीके से खेती करके उवर्रा शक्ति को बढ़ा रहे हैं और पोषहार से पोषण भी कर रहे हैं ।

मैनें निवेदन किया कि फसली चक्र को अपनाया जाये जिसमें मोटे अनाज भी शामिल हैं जहां बरसात कम होती है। मैं अभी इटावा में डेढ़ दिन रहा, ज्वार की फसल देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई और मैं वहां के किसानों को धन्यवाद देना चाहता हूं। लगभग 50000 हैक्टैयर जमीन में उन्होंने ज्वार की फसल लगा रखी है, मैं कभी-कभी जाकर देखता हूं कि पूरे उत्तर प्रदेश के खेत खरीब के मौसम में खाली रहते हैं, जब हम प्राइमरी स्कूल में पढ़ते थे तो हमारे बाप-दादाओं ने हमको पढ़ाया था कि हमारे देश में तीन फसलें होती हैं, खरीब, रवि और जायद की। पिछले 20-25 सालों के भीतर गेहूं, धान, गन्ना ने जायद की फसल को भूल गये, खरीब की फसल को भूल गये हम 135-136 लाख हैक्टेयर में हम रवि की फसल को लगा रहे हैं, खरीब में आते-आते 98 लाख हैक्टेयर हो जाता है और जायद में सिकुड़ कर साढ़े तीन लाख हो जाता है। यदि हमें किसान की आमदनी दूना करनी है तो हमें उस जमीन का विविध इस्तेमाल करके, इन तीनों फसलों का प्रयोग करके, अपनी आमदनी बढ़ानी होगी तभी मोदी जी का संकल्प 2022 तक पूरा होने वाला है इसलिए मेरी विनती है कि जो मैंने बरमी कम्पोज की चर्चा की, मल्टीक्रापिंग की चर्चा की, सीमित फर्टिलाइजर के यूज की चर्चा की है, दाम घटा दिया तो इसका मतलब नहीं कि बिल्कुल जाकर डाल दें। मैं समीक्षा कर रहा था कि कितनी यूरिया की खपत बढ़ गयी मैंने पाया कि गत वर्ष की तुलना में इस साल साढ़े पांच लाख मीट्रिक टन यूरिया की खपत बढ़ गयी। हमने छूट दिया था 280 करोड़ रुपये का और 360 करोड़ रुपये का यूरिया किसान भाइयों ने खरीद लिया तो यदि हमने उनको जागरूक नहीं

किया तो जो मन्शा है कि लागत को कम किया जाना उस मंशा को साकार नहीं कर सकेंगे। इसलिए इस सदन के माननीय सदस्यों की एक जिम्मेदारी है कि इस चर्चा को हम गांव-गांव पहुंचायें, लोगों को जागरूक करें और जागरूक करके महात्मा गांधी जी का सपना, आदरणीय मोदी जी का संकल्प जो योगी जी की कर्मनिष्ठा है, उसको साकार करने की दृष्टि से आगे बढ़े।

मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि लागत घटाने की चर्चा की है, उत्पादकता बढ़ाने की चर्चा की है अब किसान के उत्पाद की उचित कीमतें कैसे मिले और उस दृष्टि से योगी आदित्य नाथ जी की सरकार ने बहुत अच्छा किया है और मुझे खुशी है कि योगी जी की सरकार ने पहला फैसला किया था, सीमांत और लघु किसानों को एक लाख रुपये तथा किसानों के कर्ज मुक्त करने का था वहीं पर दूसरा फैसला किया था जो था उत्तर प्रदेश के किसान भाई चूंकि हमारी सरकार 19 मार्च को बनी थी, 1 अप्रैल से गेंहूं की खरीदारी होनी थी और उस समय उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि हम बहुत व्यापक पैमाने पर उत्तर प्रदेश में गेंहूं की खरीदारी करायेंगे, 50 लाख मीट्रिक टन गेंहूं खरीदने का लक्ष्य निर्धारित हुआ और जो एम0एस0पी0 थी उस पर 20 रुपये प्रति कुंटल बढ़ाकर हम देंगे मण्डी समिति के माध्यम से जो उनकी मजदूरी का खर्चा था और इस प्रकार से बढ़ाया और मुझे खुशी है इस सदन को बताने में कि 2015-16 में जो 07 लाख मीट्रिक टन गेंहू खरीदा था, योगी आदित्यनाथ की सरकार ने वह 47 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदारी की। सात गुना से ज्यादा यानी किसान के परिश्रम का सम्मान किया गया उस समय आप सब चुनाव के भीतर थे, जनवरी में खरीद की हालत क्या थी आज कई भाई आकर पूछते हैं कि आपने खरीदा 47 लाख जबकि 50 लाख का लक्ष्य था। जब हम उस समय वोट के लिए गांव-गांव घूम रहे थे तो उस समय धान की कीमत 850 या 900 रुपये थी यह याद दिलाना चाहता हूं और इस साल उत्तर प्रदेश में धान की कीमत कहीं पर भी 1800 रुपये कुंतल से कम नहीं रही है, एम0एस0पी 1750 रुपये था लेकिन 1800 से 2000 रुपये रहा। मक्के पर 1700 रुपये की एम0एस0पी0 थी और आज भी मक्के का रेट रुपये 2100 और रुपये 2200 चल रहा है। यदि योगी आदित्य नाथ की सरकार ने मक्के की खरीददारी न कराई होती, यदि गेहूं और धान की खरीददारी न करायी होती तो बिचौलियों के माध्यम से किसान लूटा जा रहा था, अब भी लूटता और अब भी आत्महत्या के लिए मजबूर होता लेकिन मोदी जी ने एम0एस0पी0 को डेढ़ गुना किया और योगी जी ने प्रदेश के भीतर 6 गुना से 7 गुना खरीददारी करायी और मैं आपको बताना चाहता हूं कि 2017-18 में हम लोगों ने 47 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 53 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीददारी किया और 48 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदारी किया और लगभग 25 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा उर्द, मूंग की भी खरीददारी किया, चने की भी खरीददारी किया। उत्तर प्रदेश में पहली बार योगी आदित्य नाथ जी की सरकार ने दलहन और मक्के की खरीददारी करने का फैसला किया और इस खरीददारी के माध्यम से 2016-17 के पहले 2015-16 में गन्ने की कुल अर्थ

नीति 17 हजार करोड़ रुपये की थी। माननीय गन्ना मंत्री जी आज 17 हजार करोड़ रुपये का खाद्यान्न उत्तर प्रदेश सरकार खरीद कर गरीब किसानों को अन्त्योदय कार्ड के माध्यम से घर-घर पहुंचा रही है, हम किसी को भी भूख से नहीं मरने देंगे। यह एक बदलाव आया है और इस बदलाव के कारण राष्ट्र जन ने इस बात को कहा है कि यदि ये प्रयास चलते रहे तो 2022 तक आते-आते 5 प्रतिशत से नीचे गरीबी रह जायेगी, जो कि मोदी और योगी सरकार का सबसे बड़ा संकल्प होगा और गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मैं अपनी बात को समाप्त करते हुए इतना आग्रह करना चाहता हूं कि प्रदेश के भीतर पशु-पालन का भी बहुत बड़ा स्कोप है, दूध की मात्रा भी बढ़ाये जाने की जरूरत है। एक क्लाईमेट, जलवायु की दृष्टि से विकास की चर्चा भी किया है, उसकी चर्चा करते हुए मैं अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा कि जो जलवायु परिवर्तन हो रहा है, इस जलवायु परिवर्तन का क्या असर पड़ेगा फसलों के ऊपर, क्या असर पड़ेगा जैव सम्पदा के ऊपर क्या असर पड़ेगा पशुओ के ऊपर। योगी आदित्यनाथ जी की सरकार इस दृष्टि से सजग और सतर्क हुई हैं और हम लोगों ने यह प्रयास किया कि पशुओं पर जो प्रभाव पड़ रहा है। योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने 42 करोड़ रुपये मथुरा के वेटनरी के चिकित्सालय को उत्तर प्रदेश के कृषि विभाग से दिलाये। मैं इसलिए आपको बता रहा हूं कि मैं पिछले हफ्ते मथुरा गया था और वहां के वी0सी0 से जानकारी कर रहा था कि इसके पहले उत्तर प्रदेश की सरकार ने कब इस तरीके की धनराशि दिया तो उन्होंने कहा कि 2004 से योगी जी की सरकार आने तक किसी योजना के माध्यम से एक रुपये का भी अनुदान हमें प्राप्त नहीं हुआ। मैं इसलिए इसकी चर्चा कर रहा हूं कि उसमें हम क्या कर रहे हैं ? मैं आपको बताना चाहता हूं कि तीन प्रकार की टेक्नालाजी को हम डेवलेप कर रहे हैं। यू0एन0 ने कहा है कि टेक्नालाजी के इण्टरवेंशन से भी पोषाहार को बढ़ाया जाना। मैं लम्बा खींच रहा हूं कि आपको जानकारी हो जाये और अपने क्षेत्र में आप अवगत हो जायें। एक परियोजना है एम्ब्रियू, जैसे आप जानते हैं कि बांझ गर्भ लेकर आज बच्चे पैदा किये जा रहे हैं, परखनली के माध्यम से। इसी तरीके से गोवंश निराश्रय की समस्या पैदा हो गयी है उस समस्या का समाधान यह है। गांधी जी भी इस बात को कहते थे पशुओं को अपने घर पर रखा जाना चाहिए, दूध दही का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, पौष्टिकता को बढ़ाया जाना चाहिए। इसलिए उस समय उन्होंने आगृह किया था कि पशुओं की नस्ल का सुधार होना चाहिए जिससे किसान को पशु लाभकारी हो सके। पिछले 15-20 सालों में प्रदेश में इस पर कोई काम नहीं हुआ। वह काम हमारी सरकार ने शुरू किया और हम लोगों ने एम्ब्रयो टेक्नीक पर उनको लगभग 8 करोड़ रुपया दिया है जिसके माध्यम से वह देशी वैरायटी की सीमेन को ले करके जो बांझ पशु हैं उन बांझ पशुओं के भीतर इंडल्ग करके हम उसकी जो दूध उत्पादन की क्षमता है उसको बढ़ा करके, उस माध्यम से अच्छा दूध और ज्यादा दूध कैसे उत्पन्न हो सके उसकी व्यवस्था की दृष्टि से एक कार्यक्रम है। दूसरा कार्यक्रम सेक्सेड सीमेन का

है, उसके भीतर सार्टेड सीमेन की तकनीक पर हमने 22 करोड़ रुपया काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश के कृषि विभाग की ओर से दिया है। 10.5 करोड़ रुपया जारी कर चुके हैं और उसके भीतर काम चल रहा है। इसलिए उल्लेख कर रहा हूं कि वहां पर सार्टेड सीमेन के माध्यम से हम लोग इस बात का प्रयास कर रहे हैं कि जिससे 90 प्रतिशत बछिया ही पैदा हो। अभी तक सेक्सेड सीमेन तकनीक अमेरिका से आयातित कम्पनी करती थी। हमने उत्तर प्रदेश के भीतर 2 संस्थाओं को और भारत सरकार ने बाबूगढ़ में इस साल लगभग 30 हजार बाइलें तैयार की गयी हैं।

(इसी मध्य 16 बजकर 05 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

जब हम लोग सरकार में आये थे तो अमेरिका से एक बाइल 1100 रुपये की मिलती थी। लखीमपुर खीरी और इटावा इन दो जिलों में इसका पॉयलट प्रोजेक्ट चल रहा था। आज सेक्सेड सीमेन हर जिले के भीतर हमने उपलब्ध कराया है और 300 रुपये में उपलब्ध करा दिया है। आने वाले दिनों में मथुरा में दो साल के भीतर उसकी कैपासिटी दो लाख से ऊपर हो जायेगी। नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय के भीतर सेक्सेड सीमेन का हमने इस्तेमाल किया है। पहले बकरियां 3-4 बच्चे पैदा करती थीं अभी मुझे जानकारी हुई कि अब बकरियों ने भी बच्चा देना कम कर दिया है। पिछले साल जब मैं मथुरा गया था तो उन्होंने कहा कि बकरी पर मुझको स्कीम दे दीजिए तो मैंने उनको बकरी पर स्कीम दी। मुझे खुशी है कि उन्होंने एक साल के भीतर इस काम को शुरू कर दिया है। एक या दो बच्चे से 4 बच्चे बकरी का कैसे पैदा हो जाये साथ ही साथ में दूध का उत्पादन कैसे बढ़ जाये उस पर भी हमारा वेटेनरी विश्वविद्यालय काम कर रहा है। (मा0 सदस्यों ने मेजें थपथपायीं।) यह काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है, यह काम आदरणीय योगी जी की और माननीय मोदी जी की सरकार ही कर सकती है। दूसरे के पास दृष्टि नहीं थी, अच्छा होता कि वे लोग आज आये होते। हम लोगों ने अत्यन्त कम समय में, ढ़ाई साल की अवधि के भीतर काम किया है। अभी तक 15 साल का गठबन्धन था लोक सभा के चुनाव में, 10 साल इनका, 05 साल उनका। अब सब सीटें खाली हैं। खाली इसलिए हैं कि ये सुनना नहीं चाहते, जानकारी नहीं करना चाहते कि हम लोगों ने ढाई साल के भीतर क्या परिवर्तन किये हैं। मैं आपको बता दूं कि दो एक्सीलेंट सेण्टर हॉर्टीकल्चर डिपार्टमेंट में है, हमारे मंत्री श्री दारा सिंह जी उस पर चर्चा करेंगे।

हमारे मा0 स्वास्थ्य मंत्री जी के बगल में बस्ती जनपद और कन्नौज के भीतर इजराइल के सौजन्य से हम लोगों ने समयबद्ध तरीके से कृषि कुम्भ के भीतर उसको प्रारम्भ करा दिया था और आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने वीडियो-कांफ्रेंसिंग से उसका उद्घाटन किया था। आज प्रदेश के भीतर हम 06 एक्सीलेंस सेंटर और बना रहे हैं। इस 06 एक्सीलेंस सेंटर में लखनऊ के भीतर हॉर्टीकल्चर डिपार्टमेंट के भीतर एक एक्सीलेंस सेंटर, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या के भीतर दूसरा धान के ऊपर एक्सीलेंट सेण्टर, कानपुर के भीतर गेहूं और सब्जियों

की खेती पर एक्सीलेंस सेंटर, मेरठ के भीतर आर्गेनिक माध्यम से कैसे हम बासमती चावल का उत्पादन करें उसके लिए एक्सीलेंट सेंटर और जो लोग सक्षम नहीं है लघु और छोटे व सस्ते यंत्र कैसे खरीद सकें इस पर एक एक्सीलेंट सेंटर इलाहाबाद के सुभाष विश्वविद्यालय के द्वारा किया जा रहा है। तकनीक की लोगों की अपेक्षा थी, तकनीक का इस्तेमाल कैसे हो इस दृष्टि से हम लोगों ने प्रयास किया है। अभी थोड़ी देर पहले आपसे यह चर्चा कर रहा था कि साग, सब्जी और फलों के उत्पादन में उत्तर प्रदेश आज देश में नम्बर एक पर है। इसमें और अपार सम्भावनायें हैं और ये संभावनायें इसलिए हैं कि हमारे पास बहुत बड़े-बड़े शहर हैं। अर्बन एग्रीकल्चर को हम डेवलप कर सकते हैं, हम सब्जियों की खेती इण्टरक्रापिंग के माध्यम से कर सकते हैं। गन्ने के भीतर गर्मियों में हम लौकी लगा सकते हैं, हम तरोई और नेनुआ भी लगा सकते हैं। हम इसी खरीफ के सीजन में आलू भी लगा सकते हैं और इसके माध्यम से हम किसान की आमदनी बढ़ा सकते हैं। इस दृष्टि से इस काम को आगे बढ़ाना इन सब चीजों पर समेकित चर्चा हो इसके लिए हम लोगों ने दि मिलियन फार्मर्स स्कूल शुरू किया है, 10 लाख किसानों की पाठशाला 05 दिसम्बर, 2017 को विश्व मृदा दिवस के दिन हमने प्रारम्भ किया था यह अपने में एक अनूठा कार्यक्रम है। जिसके माध्यम से कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, मधुमक्खी उत्पादन, रेशम इन सारे विभागों की योजना किसान तक पहुंचाना, जो विभागों की योजनायें हैं, उन योजनाओं के माध्यम से इनको अनुदान जा रहा है, कब कौन सी फसल लगायी जानी चाहिए, किस प्रकार से लगायी जानी चाहिए, लाइन में बोने से कितना लाभ होगा। हम जो नये कृषि यंत्र दे रहे हैं उन कृषि यंत्रों के माध्यम से हम जो हैप्पी सीडर, एल्चिंग दे रहे हैं उसके माध्यम से धान को जीरो प्रिल थ्री ड्रिल के माध्यम से धान हम लागते हैं तो बिना काटे हुए भी अपने खेत के भीतर अच्छा रबी का उत्पादन कर सकते हैं और उस अवशेष को हम आर्गेनिक कार्बन में बदल सकते हैं। उस दृष्टि से दि मिलियन फार्मर्स स्कूल नाम की योजना हमने चलायी है।

अध्यक्ष महोदय, मुझे खुशी है कि आप आ गये। खेती के प्रति आपकी भी बहुत रूचि रही है। आपको बता दूं कि छोटे से अभिनव कार्यक्रम के माध्यम से अब तक 40 लाख किसानों को कृषि विभाग प्रशिक्षित कर चुका है। सबसे प्रसन्नता की बात यह है कि एक अमेरिका की संस्था जिसका साउथ एशिया कैम्पस दिल्ली में है, उन लोगों ने हमारे कार्यक्रम का मूल्यांकन किया और कहा कि यह कार्यक्रम किसानों की आमदनी को दोगुना किये जाने की दृष्टि से बहुत कारगर कार्यक्रम है इसके माध्यम से किसान को तकनीकी और वैज्ञानिक तरीके से खेती की जानकारी दिये जाने में सफलता प्राप्त होगी और वह कार्यक्रम इसी अक्टूबर महीने में हम फिर शुरू करने वाले हैं। मैं चाहूंगा कि उन्नाव में आप भी कुछ कार्यक्रमों के भीतर चलें, हमारे अन्य साथी भी कुछ कार्यक्रमों के भीतर चलें और चल करके यह एक छोटा सा स्वरूप हमने कृषि का रखा है। लेकिन इसके आयाम बहुत बड़े हैं और इसीलिए महात्मा गांधी जी का

यह मानना था कि गरीबी का परिणाम भुखमरी है और भुखमरी अन्न व अर्थ के अभाव से पैदा होती है और उसे तीनों को समेकित करके हम उसको कारगर ढंग से लागू कर दिये तो यह जो यू0एन0 का मिशन है, गरीबी को पूर्णतया मुक्ति और पोषाहार से युक्त किया जाना इस कार्यक्रम को हम सम्पादित कर सकेंगे और यदि ऐसा हो गया तो यह सबसे बड़ी श्रद्धांजलि महात्मा गांधी और स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी के लिए होगी। मैं उनको पुनः श्रद्धा के साथ नमन करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

उन्नाव में आपका कार्यक्रम कब से शुरू होने वाला है?

श्री सूर्य प्रताप शाही-

मान्यवर, 21 अक्टूबर, 2019 को आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने उसके लिए समय दे दिया है।

[16:10] डा0 डी0सी0 वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, आज बड़े सौभाग्य की बात है कि यह देश की पहली ऐसी विधान सभा होगी जो हम लोगों को 36 घण्टे यहां बैठने, सुनने का मौका मिलेगा। परमपूज्य बापू जी के 150वीं जयन्ती के शुभ अवसर पर आज जो यहां कार्यक्रम रखा गया और उसमें मुझे यहां पर बोलने का मौका मिला। परमपूज्य महात्मा गांधी जी के चरणों में शत-शत नमन करता हूं। हमारा आज का जो विषय है 'सस्ती व स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करना।' यह हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। कोई भी देश, प्रदेश या घर आज के परिवेश में बिना बिजली के आगे नहीं बढ़ सकता है। मा0 अध्यक्ष जी, मैंने वह समय देखा है जब मैं गांव में प्राइमरी व जूनियर हाईस्कूल में पढ़ता था तो उस समय हमारे गांवों में बिजली नहीं हुआ करती थी मिट्टी के तेल की ढेबरी में पढ़ा करते थे। पूरे कमरे में धुंआ भर जाता था, जब सुबह उठते थे, तो नाक व मुंह से कालिख निकलती थी और कपड़े भी काले हो जाते थे। अभी हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने, मा0 प्रधानमंत्री जी ने एक वृहद् कार्यक्रम चलाया। हमारी मीरगंज विधान सभा क्षेत्र में भी 38 ऐसे गांव थे जिनमें विद्युतीकरण नहीं हुआ था और 71 साल के बाद उनका विद्युतीकरण हुआ। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र में एक चौधरी साहब के गांव में पहुंचा, चारपाई पर बैठा था तो चौधरी साहब बोले, लल्ला तूने तो कमाल कर दियो, यह तो बहुत बढ़िया काम हुआ, हमारे गांव में 71 साल बाद बिजली आ गयी। तो मैंने कहा कि ताऊ इससे क्या हो गया। तो बोले कि इससे मालूम है कितने फायदे हो गये ? हमारे गांव में जो गाय खुल जाती थी, चोर भैंस खोल ले जाते थे, चोरियां होती थी, लोग जल्दी सो जाते थे, बहुत सारी प्रशासनिक दिक्कतें आती थी और उन्होंने सबसे बड़ी बात यह कही कि जो जनसंख्या नियंत्रण नहीं हो रहा है इस पर भी नियंत्रण होगा। बच्चे तो पढ़ेंगें ही और अधिकारी भी बनेंगे। मुझे ताऊ जी की बात आज भी याद आती है।

आज हमारी सरकार ने इतनी बढ़िया व्यवस्था की है। शहरों के लिए 24 घंटे बिजली, नगरपालिकाओं के लिए 20 घंटे बिजली और जो गांव हैं उनके लिए भी 18 घंटे बिजली हमारी सरकार दे रही है इसके लिए मैं अपनी सरकार को व मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। निश्चित तौर पर सबके लिए सस्ती, टिकाऊ, भरोसेमंद एवं आधुनिक ऊर्जा की पहुंच सुनिश्चित करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। विद्युत एक अति महत्वपूर्ण एवं समाज के प्रत्येक व्यक्ति को टच करती है। कृषि, उद्योग सहित अर्थ-व्यवस्था के सभी अंगों के विकास के लिए विश्वसनीय, गुणवत्तापरक एवं सस्ती बिजली की आवश्यकता है इसके लिए भी हमारी सरकार का संकल्प है। केन्द्र सरकार की जो सौभाग्य योजना चल रही है उसके अन्तर्गत हमारे प्रदेश में 1,0900000 घरों को बिजली कनेक्शन से आच्छादित किया गया है। बिजली का कनेक्शन एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। शिक्षा का स्तर गिर रहा था वह निश्चित तौर पर आज देहात में भी हमारी शिक्षा बहुत अच्छी तरीके से फल-फूल रही है। बच्चे पढ़ने लगे हैं। हमारी सरकार पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों के साथ ही नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों का उपयोग कर सस्ती, स्वच्छ, आधुनिक ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। हमारी सरकार जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करके वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ाकर प्रति व्यक्ति खपत को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। हमारी सरकार ने इस समय 6 प्रतिशत वैकल्पिक ऊर्जा की आपूर्ति कर रही है और हमारी सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक हम इसको बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जायें जिससे हमारी वैकल्पिक ऊर्जा जो 20 प्रतिशत मिलेगी तो निश्चित तौर पर हमारे प्रदेश को उसका सीधा लाभ मिलेगा। सामाजिक, आर्थिक विकास के कारण हमारी जो हर साल 10 प्रतिशत मांग बढ़ रही है। उसकी आपूर्ति भी हमारी सरकार सुनिश्चित कर रही है। आज हमारे प्रदेश में 22 हजार मेगावाट बिजली की आवश्यकता है जिसको हमारी सरकार अपने संसाधनों से और आयातित बिजली देकर उसको पूरा करने का काम कर रही है। हमारी सरकार जब बनी उससे पहले इस प्रदेश में केवल पांच वी0आई0पी0 जिले हुआ करते थे, आज हमारे 75 जिले वी0आई0पी0 हैं। हम सबको बिजली उपलब्ध करा रहे हैं और हमारी सरकार ने सबसे बड़ा काम किया जो बिजली में क्षति होती थी उसको रोका और चोरी को रोक कर निर्बाध बिजली सुचारु रूप से देने का काम कर रही है। हमारी सरकार ने वर्ष 2017 में राज्य की सौर ऊर्जा नीति स्थापित की। उत्तर प्रदेश के सभी सरकारी भवनों पर रूफटॉप सोलर प्लांट लगाये जा रहे हैं।

हमारी सरकार सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोत्साहन कार्यक्रम भी चला रही है जिससे 2022 तक 275 लाख लीटर प्रति दिन एथनॉल उत्पादन हो सकता है। जब एथनॉल का उत्पादन बढ़ जाएगा उससे भी हमारी ग्रीन एनर्जी बहुत बड़ी मात्रा में उपलब्ध होगी। माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा गोरखपुर के धूरिया पार्क में इण्डियन ऑयल कारपोरेशन की सहायता से 50 हेक्टेयर की भूमि पर एथनॉल प्लांट का शिलान्यास किया जा चुका है। हमारी सरकार द्वारा 2030 तक सस्ती, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा सेवाओं के लिए सार्वभौमिक

पहुंच सुनिश्चित कराएगी और हमारे जो उपाय हैं कि आगे ऊर्जा कैसे बढ़ाई जाए, इसके लिए पारेषण और वितरण हानि की रोकथाम के लिए नई तकनीक का विकास हमारी सरकार कर रही है। ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए एल0ई0डी0 लाइटों का प्रयोग उज्जवला की तर्ज पर किया जा रहा है। ग्रामीण परिवारों में रूफटॉप सोलर सिस्टम को बढ़ावा देने का काम किया जा रहा है। ग्रामीण सड़को के किनारे सोलर स्ट्रीट लाइट लगाना एवं सरकारी भवनों पर सोलर रूफटॉप प्लांट लगाना, महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर वैकल्पिक ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग करना इसमें शामिल है। नई सौर ऊर्जा नीति-2017 के तहत 2022 तक दस हजार सात सौ मेगावाट सोलर लाइट उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। 2014 में केवल 12 मेगावाट सोलर लाइट का उत्पादन होता है जो आज बढ़कर 894 मेगावाट हो गया है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्ट्रीट लाइट की स्थापना से गांव के बाजारों में लगभग 23 हजार सोलर लाइटें अब तक लगायी जा चुकी हैं। हमारी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से किसानों को समुचित बिजली देने एवं सोलर पंप की स्थापना हेतु सब्सिडी भी दे रही है। मान्यवर, हमारी मीरगंज विधान सभा क्षेत्र बहुत ही पिछड़ी विधान सभा क्षेत्र है और हमारी विधान सभा क्षेत्र में रामगंगा जैसी कई बड़ी नदियां हैं उसके साथ ही अन्य सहायक नदियां उसमें आकर मिलती हैं और क्षेत्र में जब बरसात होती है तो बड़े पैमाने पर कटान होती है। हमारे यहां बहिगुल नदी द्वारा कई गांवों का कटान हो गया है।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं कि बहिगुल नदी द्वारा जो बहुत से गांवों का कटान हो गया है उसकी रोकथाम के उपाय कराए जाए। इसी प्रकार हमारे यहां किच्छा नदी के किनारे सुल्तानपुर और शाही मीरजापुर एक पुल है वह पिछले साल बाढ़ में कट गया था लेकिन अभी तक उसका मरम्मत कार्य नहीं हो पाया है वह पुल आज भी बंद है। इसी प्रकार रामगंगा नदी द्वारा हमारे क्षेत्र में कपूरपुर, समस्तपुर, करौरा गौवारा और मोहम्मदगंज आदि कई गांवों में कटान हुआ है उसकी भी रोकथाम की जाए। बिजौरा नदी द्वारा मोहम्मदगंज का काफी हिस्सा कट गया है उस पर भी रोकथाम की जाए। मान्यवर, चूंकि हमारे यहां नदियां ज्यादा हैं तो आवागमन की भी बड़ी दिक्कत है। हम सरकार को धन्यवाद देते हैं कि पिछली बार माननीय मुख्य मंत्री जी ने हमारे क्षेत्र में कई घोषणाएं कीं। 08 वर्षों से गोलाघाट का रामगंगा का पुल बंद पड़ा था जिसका काम अधूरा था, माननीय मुख्य मंत्री जी ने उसमें साढ़े बयालिस करोड़ रुपए देकर उसका काम शुरू करा दिया, इसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद देता हूं और साथ ही मांग करता हूं कि हमारे यहां बाबा कैलाशमढ़ी पर रामगंगा का जो पुल है, वहां पर कई बार नाव दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और वह पुल आंवला, बदायूं और मीरगंज को जोड़ने का काम करता है उस पुल का निर्माण कार्य कराया जाए। इसी प्रकार हमारे यहां दिवना और पश्चिमी फतेहगंज के बीच में बिजौरा नदी पर एक पुल का निर्माण कराया जाए। साथ ही हमारे यहां कुल्ली नदी पर बसई और धरमपुरा गौटिया के बीच एक पुल का

निर्माण आवश्यक है और नवोदय विद्यालय तक जाने के लिए बहुत लम्बा रास्ता पड़ता है तो ग्रा0 हिरिया ठकुरम व नवोदय के बीच शाखा नदी पर एक पुल का निर्माण कराया जाए। हमारे यहां कई परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं जिसमें हमारे यहां टेक्सटाइल पार्क बनना था, भारत सरकार की एक महत्वपूण योजना थी लेकिन उसका लैण्ड यूज अब तक चेंज नहीं हो पाया है इसलिए वह प्रोजेक्ट अधूरा पड़ा है, उसका लैण्ड यूज चेंज हो जाए और उसके संपर्क मार्ग का भी चौड़ीकरण हो जाए, हमारा टेक्सटाइल पार्क शुरू हो जाए। उसके साथ ही वहां पर सिन्थैटिक रबर फैक्ट्री के लिए जो जमीन है वह उत्तर प्रदेश सरकार ने फैक्ट्री को लीज पर दी थी लेकिन आज वह फैक्ट्री के पास ही है और फैक्ट्री 1998 से बांद हो गयी है लेकिन अभी वह जमीन सरकार के पास नहीं आई है अगर लगभग 1400 एकड़ जमीन सरकार के पास आ जाए तो उस जमीन पर रूहेलखण्ड में कोई कृषि विश्वविद्यालय नहीं है तो रूहेलखण्ड क्षेत्र में एक कृषि विश्वविद्यालय बनाया जा सकता है और हमारा बरेली जनपद दिल्ली और लखनऊ के बीच में पड़ता है, कोई भी हमारे यहां एम्स स्तर का मेडिकल कॉलेज नहीं है, अगर बरेली में एम्स स्तर का मेडिकल कॉलेज बन जाए तो निश्चित रूप से हमारे यहां के मरीजों को ढाई सौ किलोमीटर दिल्ली या ढाई सौ किलोमीटर लखनऊ नहीं जाना पड़ेगा। मान्यवर, इसी प्रकार हमारे क्षेत्र में दो-तीन और सड़कें हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका हो गया है।

डा0 डी0सी0 वर्मा-

मान्यवर, थोड़ा समय और दे दीजिए। हमारे यहां एन0एच0-24 पर सिन्धौली चौराहे से लेकर बाया हल्दीकला सीसगढ़ रोड तक 18 किमी0 का रोड है जिसकी स्थिति बहुत खराब है अगर उसकी मरम्मत और चौड़ीकरण हो जाए तो निश्चित तौर पर हमारे क्षेत्र का विकास होगा। इसी प्रकार एन0एच0-24 दिल्ली हाइ-वे पर शाखा पुल के पास नैनीताल रोड तक एक हमारी रोड है उसकी भी स्थिति खराब है अगर उसमें भी कुछ पैसा मिल जाए उसकी भी मरम्मत हो जाए तो निश्चित तौर पर उससे भी हमारे क्षेत्र का विकास होगा।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, अब हो गया।

डा0 डी0सी0 वर्मा-

मान्यवर, इसी प्रकार हमारे क्षेत्र में मीरगंज नगर में दोनों रोड बिल्कुल तालाब बने हुए हैं जबकि वे नगर पंचायत क्षेत्र है। पीडब्लूडी ने अभी तक कोई उसमें कार्य नहीं किया है और वहां पर पैसा मिल जाए तो नगरीय क्षेत्र का रोड सुधर जाए।

श्री अध्यक्ष-

आप अपने मांग-पत्र को संक्षेप में कहिए।

डा0 डी0सी0 वर्मा-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से ही ध्यानाकर्षण करना चाहूंगा कि जैसा कि माननीय कृषि मंत्री जी ने कहा है वे सेक्सेड सीमेन पूरे प्रदेश में उपलब्ध करा रहे हैं उससे निश्चित तौर पर हमारी गौशालाओं पर लोड कम होगा। मैं सरकार को धन्यवाद देता हूं कि हमारे क्षेत्र में एक बड़ी गौशाला पहले बनी और अब चार गौशालाएं हमारी चारों नगर पंचायतों में बन रही हैं उसका सीधा लाभ आवारा घूमने वाले पशुओं को मिलने वाला है। मान्यवर, इसी प्रकार मैंने आपके माध्यम से पहले रखा था कि हमारे गांव की जो शारदा नहर है उसकी खुदाई 28 साल बाद हुई और अब सफाई हो गयी है लेकिन उसमें छोटी सी दिक्कत यह हो गयी है कि गहरी खुदाई होने के कारण पानी नहीं निकल पा रहा है और झाल के फाटक थे वह नहीं है इसलिए पानी पूरा नदी में चला जा रहा है और जो माइनर है उसमें रजवाहा निकले तो उसके भी फाटक लग जाए तो पानी रुक जाएगा, डैम बन जाने से कुलाबों से पानी निकलने लगेगा और सिंचाई का लाभ लोगों को मिलने लगेगा। आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं और अपनी बात समाप्त करता हूं। जय हिंद-जय भारत।

[16:24] श्री रत्नाकर मिश्र-

मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार। महात्मा गांधी का सपना रामराज्य कायम करने का था और उसी के तहत उसमें रोटी, कपड़ा और मकान का लक्ष्य भी था और आप जानते हैं कि भारत कृषि प्रधान देश है। विटामिन, पोषक तत्व और ऊर्जा आदि तत्वों की कमी ही कुपोषण का चरम रूप भुखमरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्लू0एच0ओ0 की रिपोर्ट के अनुसार अभी तक जितने भी शिशुओं की मृत्यु होती है उसमें से आधे से ज्यादा शिशुओं की मृत्यु का उत्तरदायी कुपोषण है और प्रति 06 व्यक्तियों पर एक व्यक्ति कुपोषण के कारण भुखमरी का शिकार है। भारतीय संविधान की धारा-43 में यह प्रावधान है कि सरकार लोगों का जीवनस्तर उठाने और पौष्टिक आहारों की व्यवस्था करने तथा स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु प्राथमिकता के आधार पर कार्य करेगी और पौष्टिक खाद्य की व्यवस्था कराएगी। प्रसंगवश अवगत कराना चाहूंगा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लालबहादुर शास्त्री ने जब जय जवान के साथ जय किसान का नारा दिया तो उसके परिणामस्वरूप हमारे देश के किसानों ने कड़ी मेहनत करके जिस अनुपात में जनसंख्या बढ़ गयी थी उस अनुपात में खाद्यान्न भी पैदा किया। देश अन्न के मामले में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन भुखमरी समाप्त नहीं हुई। इसको समाप्त करने के लिए पूर्ववर्ती सरकारों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, अंत्योदय योजना, अन्नपूर्णा योजना आदि लागू की। इसके अतिरिक्त काम के बदले अनाज कार्यक्रम के माध्यम से गरीबों को राहत देने का प्रयास हुआ फिर भी भुखमरी बनी रही।

इस भुखमरी के संबंध में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जो व्यक्ति अपना पेट भरने के लिए जूझ रहा हो उसे दर्शनवाद नहीं समझाया जा सकता तथा इसी को गांव की भाषा में लोगों ने कहा, ''भूखे भजन न होई गोपाला, ले लो अपनी कंठी माला।'' भुखमरी को दूर करने का जो प्रयास हुआ उसके फेल होने का मुख्य कारण उसमें जो कमियां थीं, उस पर तत्कालीन सरकारें अवगत नहीं थीं। परिणामस्वरूप देश में भुखमरी समाप्त होने की जगह खाद्यान्नों में घोटाले की भरमार हुई। इस प्रकार जहां बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप खाद्यान्न उत्पादन तो बढ़ा परंतु भुखमरी को मिटाने हेतु खाद्यान्न को लोगों तक ठीक से पहुंचाना एक बड़ी चुनौती थी जिस दिशा में वर्ष 2014 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन को इसकी जिम्मेदारी दी गयी और 2010 राष्ट्रीय सलाहकार परिषद् ने खाद्य सुरक्षा विधेयक प्रस्ताव पेश किया जिसमें सर्वप्रथम गरीबी रेखा के नीचे परिवार को 25 किलो चावल तीन रुपए किलो और 35 किलो गेंहू दो रुपए किलो की दर से सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा देने का प्रावधान हुआ। इसके अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा संबंधी अन्य योजनाएं जैसे मध्याह्न भोजन योजना, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना आदि योजनाएं चलाई गयीं। साथ ही विधवाओं और वरिष्ठ नागरिकों व दिव्यांग व्यक्तियों को 400 रुपए प्रतिमाह तथा गर्भवती महिलाओं को गर्भ के सातवें महीने से प्रसव होने तक एक हजार प्रतिमाह की दर से मातृत्व लाभ दिया जाना सुनिश्चित किया गया। वर्ष 2004-05 में सर्वप्रथम पच्चीस हजार सात सौ छियालिस करोड़ रुपए से योजना आरंभ हुई जिस पर लाखों करोड़ रुपए व्यय हो चुके हैं परंतु यथोचित परिणाम नहीं मिल पाया है। वास्तव में, इस संबंध में बहुत शोध करने की आवश्यकता है, बहुत-सी चीजें प्रयोग की जाती है, कुछ चीजें जैसा सोचा जाता है वैसा परिणाम भी देती है लेकिन कुछ चीजें नहीं भी दे पाती हैं लेकिन इनमें निरंतर विकास की आवश्यकता बनी रहती है। इस हेतु सबसे पहली आवश्यकता जो हमारी पुरानी नींव कृषि पर आधारित है जिस पर आज भी 70 प्रतिशत आबादी निर्भर है। चूंकि पहले गांव आधारित शहर रहता था तो गांव भी बसा रहता था और शहर भी बसा रहता था। इसलिए पूर्ववर्ती सरकार जब शहर आधारित गांव बनाने लगी तो उसकी वजह से गांव भी उजड़ने लगे और शहर भी उजड़ने लगे उस दिशा में व्यापक सोच बढ़ाई जाए।

हमारे यहां आज भी 70 प्रतिशत आबादी की तरफ कम और 20 प्रतिशत आबादी की तरफ ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है आज 70 प्रतिशत आबादी से जुड़ा व्यक्ति अपने पारम्परिक खेती के क्षेत्र में मेड़ छोड़कर सड़क पर आ गया है इसलिए हमें यहां इस भुखमरी के समाप्ति हेतु उसे फिर से उसके पारम्परिक खेती-बाड़ी के धंधे में लाभकारी योजनाएं लाकर उसे उस धंधे में वापस भेजना होगा। दलहनी, तिलहनी और सब्जी की खेती को बढ़ावा देना होगा। पुरानी नींव पर हमें नये निर्माण का युग लाना है युग निर्माण के इस भाव को ध्यान में रखते हुए हमारी जो कृषि देश की प्रधानता रही है उसे हमें बरकरार रखना होगा। इसी से भुखमरी भी

जाने वाली है और पौष्टिक आहार भी मिलने वाला है। इसके अतिरिक्त यह भी सुझाव है कि जो सब्सिडी उपभोक्ता को दी जाती है वह सब्सिडी की राशि उपभोक्ता के खाते में भेजी जाए। उपभोक्ता उस सब्सिडी की राशि से बाजार से खाद्यान्न खरीदे इससे गांव की पुरातत्व व्यवस्था काम के बदले अनाज की श्रेष्ठ व्यवस्था लागू होगी। वही पैसा जो खाद्यान्न व्यवस्था में अधिकारियों और कर्मचारियों पर खर्च होता है वह पैसा किसान की जेब में जायेगा और किसान की आय बढ़ जायेगी। इसके अतिरिक्त जहां तक टिकाऊ खेती का प्रश्न है इस विषय में भी यही सुझाव है कि जो हमारे देश की जैविक खाद आधारित खेती थी उसको बढ़ावा दिया जाना चाहिए आज केमिकल खाद और कीटनाशक दवाइयों के कारण जहां खेत की उत्पादन क्षमता कम हुई है वहीं खेतों की स्थिति ऊसर भूमि की तरह होती जा रही है। खाद्यान्नों में तमाम प्रकार की बीमारियां इसके साइड इफेक्ट से बढ़ रही हैं जिसमें कैन्सर इत्यादि इस कारण हो रहा है और हमारे माननीय नरेन्द्र मोदी जी इसके लिए विश्व मंच से भी बोले हैं और हमारे माननीय योगी जी और माननीय नरेन्द्र मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास का नारा है। अधिकांश का तो परिवार है लेकिन माननीय नरेन्द्र मोदी जी के तो 130 करोड़ सभी देशवासी परिवार ही हैं। उनका कोई बबुआ नहीं है। उनका पूरा देश बबुआ है इसलिए श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी हमेशा इस देश के लिए चिन्तित रहते हैं। माननीय अध्यक्ष जी, हम आपसे मांग करते हैं कि हमारे यहां गंगा के किनारे मां भगवती का विश्व विख्यात मंदिर है और तीनों तरफ से गंगा में आई बाढ़ से घिरा रहता है अभी आपने देखा होगा कि हम खुद गंगा के बीच में घिर गये थे। यदि मेरे मोबाइल में नेटवर्क न होता तो हम उस बाढ़ से बचकर नहीं आ पाते।

श्री अध्यक्ष-

फिर भी आप आज वहीं जा रहे हैं।

श्री रत्नाकर मिश्र-

हमारा अकोही और बुबुआवाला जो पुल 2 साल पहले बाढ़ में बह गया था उसके कारण यह नौबत आई है। उसको जल्द से जल्द बनाना चाहिए और रामपुर के लिए हमारी यही मांग है कि दोनों गंगा पर और एक कनौती नदी पर एक ब्रिज का निर्माण हो। इसी के साथ आपने हमें बोलने का मौका दिया इसके लिए हम आपके बहुत-बहुत आभारी हैं।

[16:33] पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (डॉ नीलकण्ठ तिवारी)-

आदरणीय अध्यक्ष जी, इस अति पवित्र सदन में इस अवसर पर बोलने का आपने हमें अवसर प्रदान किया इसके लिए हृदय से आभार पूज्य बापू एवं पूज्य शास्त्री जी को नमन करते हुए। सस्टेनेबुल डेवलपमेंट, सतत विकास के सम्बन्ध में जो वर्ष 2005 में यू0एन0 ने 17 ऑब्जेक्टिव प्वाइंट दिये, जिसमें से 16 बिन्दुओं को उत्तर प्रदेश में हम लोग लेकर चल रहे हैं यह कोई नया विषय नहीं है। आदरणीय अध्यक्ष जी, वैदिक काल से, पौराणिक काल से, महाभारत में यक्ष प्रश्नों के माध्यम से राज्य व्यवस्था के संचालन में या जब हम आगे आते हैं

तो पूज्य बापू के आंदोलन की रूपरेखा में भी स्वाभाविक रूप से सतत विकास की परिकल्पना, सतत विकास का स्वरूप हमें देखने को मिलता है। आदरणीय अध्यक्ष जी, जब बापू स्वतंत्रता आंदोलन के लिए निकलते थे तो उनके हाथ में एक गीता की पुस्तक होती है और रामराज की परिकल्पना होती है और यह भाव लेकर वह समाज में निकलते हैं और समाज में काम करते हैं। हमारी संस्कृति पत्थर को भी, पहाड़ को भी, काष्ठ को भी, वृक्षों को भी ईश्वर का स्वरूप मानकर पूजा करने की है, हमारी संस्कृति संरक्षण का भाव रखती है इसीलिए कहती है कि ''पत्रे-पत्रे देवानामं वृक्षराज नमस्तुते'' चूंकि यह भाव लेकर पीपल के वृक्ष के बारे में यह जो कहा गया उस पीपल के बारे में यह मान्यता है कि एक पीपल के वृक्ष में एक तालाब का जल संरक्षित होता है। यह भाव है इससे जल संरक्षण का बहुत बड़ा काम होता है और इसी भाव को लेकर हमारी संस्कृति चलती है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ। प्रत्येक देश के विकास की जो परिकल्पना होती है तो वह विकास की परिकल्पना हमेशा देशानुकूल, युगानुकूल की जाती है लेकिन देशानुकूल, युगानुकूल के भाव को ही भुला दिया गया और जो विकास की कल्पना ली गयी उसमें कहीं से छोटा और कहीं से बड़ा अंश ले करके विकास का तंत्र खड़ा कर दिया गया। हमारा क्या देश था ? हमारी क्या संस्कृति थी। हमारी क्या परम्परायें थीं, हमारे क्या भाव थे, हमारे क्या विकास के क्रम थे सब भूल गये। इसका परिणाम क्या हुआ वही भौतिकता की दौड़ में आगे निकलते गए और अब 2014 में आदरणीय मोदी जी के सामने जो समस्यायें आईं, वह किसी से छुपी नहीं हैं जो सरकारी आंकड़े थे। ये आंकड़े आए कि 125 करोड़ की आबादी, 25 करोड़ परिवारों में रहती है जिसमें 10-15 करोड़ परिवार ऐसे हैं जिनमें से किसी के पास गैस नहीं है किसी के पास शौचालय नहीं है, किसी के पास आवास नहीं है और कोई इलाज न मिलने के कारण और इलाज कराने के क्रम में गरीब से गरीब होता जा रहा है। यह सब चीजें 2014 में आईं। इन सभी प्रक्रियाओं को लेते हुए। इन सभी समस्याओं को लेते हुए आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने और उत्तर प्रदेश में आदरणीय योगी जी ने विभिन्न योजनाओं को चलाकर आज हम यह कह सकते हैं कि 16 करोड़ से ज्यादा शौचालय हमने बनवाये। हम कह सकते हैं कि ढाई करोड़-तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवास हमने बनवा दिये। हम यह भी कह सकते हैं कि 8 करोड़ लोगों को निशुल्क गैस कनेक्शन दे दिये। हम यह भी कह सकते हैं कि करोड़ों लोगों को हमने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बिजली का कनेक्शन दे दिया। 10 करोड़ 7 लाख परिवारों को केन्द्र सरकार ने और उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदरणीय योगी जी की प्रेरणा से और उनके नेतृत्व में करोड़ों परिवारों को हम लोगों ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से उनके इलाज की व्यवस्था की, यह हम कह सकते हैं।

हमारे पास उद्योग धंधे यहीं हमारे प्रदेश में थे। हमको बहुत चिंता करने की जरूरत नहीं थी, जैसा कि आदरणीय शाही जी ने कहा कि कृषि के सम्बन्ध में बहुत ही विस्तृत इन्होंने

एक-एक चीज बताई कि उत्तर प्रदेश कहां है और कहां था और क्या हो सकता था लेकिन काम नहीं हुये। ढ़ाई साल का जो इन्होंने चित्रण दिया, उस ढाई साल के चित्रण में कृषि के रूप में यदि हम देखते हैं तो सतत विकास के एक-एक गोल को हम लोगों ने एचीव करने का बहुत उच्च स्तरीय प्रयत्न किया है और बहुत आगे तक निकल गए है और आने वाले वर्ष 2030 तक जो लक्ष्य रखा गया है उसको निश्चित रूप से पूर्ण करेंगे यह दृश्यमान होता है जैसाकि आदरणीय शाही जी ने अभी बताया है। हमारे यहां आज पर्यटन एक उद्योग है और सबसे बड़ी चीज यह है कि इस उद्योग में बहुत प्रदूषण और बहुत सामाजिक समस्या और प्राकृतिक समस्या नहीं होनी है। सतत विकास यही है कि हम उपलब्ध स्रोतों का उतना ही उपयोग करें जितना आने वाली पीढ़ी के हित को न प्रभावित करे। पर्यटन उद्योग में हमारे पास वृहद् संभावनायें है जिसमें हम आने वाली पीढ़ी के एक सिंगल इंटरेस्ट को भी हिट नहीं करते हैं। उनके एक सिंगल इंटरेस्ट को भी नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। उनके हित को संरक्षित करते हुए हम बहुत बड़े उद्योग का संचालन कर सकते हैं लेकिन स्वतंत्रता के बाद इस विषय में किसी ने सोचा ही नहीं किसी ने विचार भी नहीं किया कि उत्तर प्रदेश राम की जन्मभूमि है, कृष्ण की जन्मभूमि है, बाबा विश्वनाथ यहां हैं, यहां मां विन्धवासिनी रहती हैं, नैमिष भी यहीं है और चित्रकूट भी यहीं है, ऐसे विभिन्न स्थान हैं। प्रयाग भी यहां है, कुंभ भी यहां लगता है, अर्धकुंभ भी यहां लगता है और महाकुम्भ भी लगता है। विभिन्न प्रकार के मेले होते हैं। दीपोत्सव होते हैं, रंगोत्सव होते हैं, कृष्ण जन्मोत्सव होते हैं, देव-दीपावली होती है, बहुत से मेले होते हैं। अभी यहां आने से पहले चर्चा हो रही थी कि हमारे यहां मौनी बाबा का लक्खा मेला लगता है। भरत-मिलाप का बनारस में मेला लगता है। विभिन्न प्रकार के हर जिलों में बड़े-बड़े मेले होते हैं जिसमें लाखों की संख्या में लोग आते हैं। हजारों को रोजगार मिलते हैं, हजारों लोग लाभान्वित होते हैं, उनकी रोजी-रोटी चलती है लेकिन इस पर किसी ने चिंता नहीं की। एक स्पेशल कॉज के कारण, एक गलत फहमी अपने मन में क्रियेट करके और एक वर्ग विशेष को संतुष्ट करने के कारण अपनी संस्कृतियों को तिरस्कृत करने का काम किया गया। परिणाम क्या हुआ कि हमारा पर्यटन घटने लगा। एक आंकड़ा आपके सामने प्रस्तुत करूंगा।

माननीय अध्यक्ष जी बड़ी हास्यास्पद स्थिति रही है, वर्ष 2014-15 में पर्यटन हेतु उत्तर प्रदेश से केन्द्र सरकार से जो मदद मांगी गई वह मात्र एक करोड़ रुपये की मांगी गई। वर्ष 2015-2016 में चार करोड़ रुपया मांगा गया पर्यटन को विकसित करने के लिए यह मांगा गया लेकिन आदरणीय अध्यक्ष जी, अति प्रसन्नता है कि आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में वर्ष 2018-19 में 190 करोड़ रुपया हम लोगों ने केन्द्र सरकार से मांगा है। 4 करोड़ से बढ़ाकर 190 करोड़ हमने केन्द्र से मांगा है और इसमें सभी योजनाएं हमें मिल भी गई हैं। इस पर पैसा भी मिला और काम भी चल रहे हैं और काम पूर्ण भी हो रहे हैं और उस काम को पूर्ण करने का परिणाम यह हुआ कि हम आज अपनी संस्कृति और परम्पराओं को संरक्षित करते हुए

पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं। हम रामायण सर्किट भी बना रहे हैं, हम आध्यात्मिक सर्किट भी बना रहे हैं, हम बौध सर्किट भी बना रहे हैं। आध्यात्मिक सर्किट के कई प्रकार बना रहे हैं। हेरीटेज सर्किट बना रहे हैं। हम साहित्य तीर्थ पर काम कर रहे है, संगीत तीर्थ पर काम कर रहे हैं। इन सभी तीर्थों को हम डेवलप करने गए हैं। केवल काशी की बात करता हूं 56 घराने संगीत के हैं। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र उसी काशी के हैं जिन्होंने आधुनिक हिन्दी खड़ी बोली को एक नया आयाम दिया, श्री श्याम सुन्दर दास, आचार्य राम चन्द्र शुक्ल, जय शंकर प्रसाद, प्रेमचन्द्र, कबीर, तुलसी, महादेवी वर्मा उत्तर प्रदेश में तो पूरी खान है। मैं प्रतापगढ़ गया था प्रभारी होने के नाते वहां हरिवंशराय बच्चन जी का निवास है। पूज्य कृपात्री जी का वहां पर जन्म स्थल है। कहीं कोई पर्यटन के क्षेत्र में काम नहीं हुये। बहुत से लोग इनको जानने वाले और मानने वाले यहीं हैं। अयोध्या को एक विवाद का स्थल मानकर विकास से वंचित कर दिया गया लेकिन हम विकास कर रहे हैं। हमने मथुरा में रंगोत्सव को एक वर्ल्ड वाइड स्टैण्डर का कार्यक्रम बनाया। हमने कृष्णोत्सव को वर्ल्ड स्तरीय कार्यक्रम बनाया। हमने अयोध्या में दीपोत्सव शुरू कराया और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में पिछली बार एक साथ 3.50 लाख से ज्यादा दीपक जलाकर एक वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। (मेजों की थपथपाहट) यही नहीं आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय योगी जी के मार्गदर्शन में हर की पैड़ी की तर्ज पर अयोध्या में राम की पैड़ी का निर्माण हो चुका है और इस दीपोत्सव पर अति सुन्दर छटा वहां पर देखने को मिलेगी। (मेजों की थपथपाहट)

सब आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में हो रहा है और पर्यटकों की संख्या, कुम्भ, अद्भुत कुम्भ, 24 करोड़ से ज्यादा लोग आये। 10 लाख से ज्यादा विदेशी सैलानी आये। आ करके वहां रुके, कुछ ने धार्मिक कार्य किया, मोक्ष की कामना से स्नान किया गंगा, यमुना, सरस्वती के संगम पर और कुछ ने आकर उस दृश्य को देखा। आदरणीय अध्यक्ष जी, एक पाकेटमारी की भी घटना नहीं हुई, एक भी चोरी की घटना नहीं हुई एक भी पुलिसवाले ने किसी भी दर्शनार्थी से कोई बदतमीजी नहीं की, पूरे विश्व में यह मैसेज गया कि अद्भुत कुम्भ, अद्वितीय कुम्भ, आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में यह किया गया। आदरणीय अध्यक्ष जी, बापू जब 1916 में बी0एच0यू0 के उदघाट्न समारोह में जब काशी आये थे तो उन्होंने जिस सुबह कार्यक्रम था उसकी शाम को बाबा विश्वनाथ जी के दर्शन किये। बाबा विश्वनाथ जी के दर्शन के बाद अपनी स्पीच में जो बात उन्होंने कही थी आपकी अनुमति से मैं रि-प्रडयूस करना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि-

"I have the pleasure, I have the privilege of going through the Vishwanath temple last evening and as I was walking through those lanes these were the thoughts that touched me. If a stranger dropped from above on the this great temple and he had to consider what we as Hindus were, will he not be justified in considering us, in judging us after having seen the temple? Is not this great temple a reflection of our own character? What is it? To me who am no

stranger, to me who claims to be a Hindu among Hindus what were the thoughts that possessed me? Is it right that the lanes of our sacred temple should be as dirty as they were? Is it right? In going through that temple is it not possible for us to go with the most perfect freedom? The temple, I do not know how ancient it is, but I was able to see the surroundings. They are by no means so ancient. But I saw the houses round about built anyhow. If we cannot build a straight road, if we cannot have room enough to extend in our own temple, if our own temple is not in a mode of perfect physical cleanliness at least, what are we, how shall we govern ourseleves?"

उन्होंने भाषण में कहा कि-मैं कल विश्वनाथ मंदिर गया था वहां सकरी गलियों को देखा हम प्रेम करते हैं कि हम हिन्दू हैं। हमारा बहुत भाव है, विश्वनाथ मन्दिर के प्रति, बाबा के प्रति, नो डाउट, हम गये, लेकिन स्वत्रंता से नहीं जा सकते थे। गन्दी गलियों को देखा मैंने। मैं यह नहीं कहता कि वहां बहुत चौड़ी सड़क बना दीजिये लेकिन आप इतना तो कर सकते हैं कि आप मन्दिर तक स्वत्रंता से जा सकें। बापू ने वर्ष, 1916 में किसी ने नहीं सोचा, किसी ने उस पर काम नहीं किया लेकिन आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने और आदरणीय योगी जी ने उस पर काम किया। सभी आदरणीय सदस्यों से आग्रह करूंगा कि एक बार जरूर बाबा विश्वनाथ जी के दर्शन करें। उत्तर प्रदेश की सरकार और केन्द्र की सरकार ने यह काम किया, और वहां पर 01 लाख सैलानियों की संख्या जो साल भर में होती थी वहीं 11 लाख की संख्या एक साल में एयरपोर्ट पर होती है, इतने विदेशी सैलानी वहां पर आ रहे हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, हमने कुम्भ किया, ब्रज का स्रोत बनाया, ब्रज के स्रोत द्वारा वृंदावन को, मथुरा को दोनों को मिलाकर के, गोवर्धन पर्वत को भी उसके विभिन्न पवित्र स्थलों को विकसित करने की योजना बनायी। हम श्रीराम जी की 252 फीट ऊँची प्रतिमा लगाने का काम भी आगे बढ़ा दिया है, प्रगति पर हैं। विश्व की बहुत बड़ी उपलब्धि होगी, पर्यटन की दृष्टि से भी, अध्यात्म की दृष्टि से भी, संस्कृति की दृष्टि से भी, हमने वह काम किया है, जो नहीं किया गया 70 सालों में। यदि लोगों ने किया होता तो आज हमारा उत्तर प्रदेश का पर्यटन शायद विश्व में बहुत आगे निकल गया होता।

हमारी संस्कृतियों को विदेश के लोग मानते हैं, सम्मान करते हैं। अभी हमारे यहां पर आदरणीय मंत्री परिषद् के लोग हैं, पिछले दिनों 07 देशों की रामलीला कमेटियां यहां आयी थीं। संस्कृति विभाग ने लखनऊ में उनका कार्यक्रम कराया था। अन्तिम दिवस गये थे लोग जिसमें श्रीलंका की, रूस की, मॉरीशस की 07 देशों की कमेटियां आयी थी और सबसे अद्भुत बात यह थी कि जो 07 देश की कमेटियां आयी थीं किसी ने फोन करके प्रदर्शन नहीं किया, रामलीला का मंचन नहीं किया। श्रीराम लीला के एक-एक काण्ड का, किसी ने लवकुश काण्ड का मंचन किया, किसी ने किशकिन्धा काण्ड का मंचन किया, किसी ने सुन्दरकाण्ड का किया, अलग-अलग काण्डों का मंचन किया। सभी ने वहां पर मौन मंचन किया इससे एक बात जो

सबसे महत्वपूर्ण थी, मुझे समझ में आयी सबको समझ में आयी होगी। मौन मंचन वहां सीखते, वो जो वस्त्र पहनते हैं, उन वस्त्रों का उनके यहां पर उद्योग है, बड़े-बड़े उद्योग हैं और वो जो मौन मंचन करते हैं यह मान लीजिये अध्यक्ष जी कि वहां जब वह मौन मंचन करते होंगे तो सामने दर्शक दीर्घा के जो लोग हैं वह हमारे श्रीरामचरित मानस को, रामायण को, श्री राम के चरित्र को, मां सीता के चरित्र को, श्री हनुमान के चरित्र को, रावण के चरित्र को, सभी के चरित्रों को वहां के लोग जानते होंगे, पढ़े होंगे, समझते होंगे, यानी हमारी परम्पराओं को ठीक से जानते होंगे तभी वह श्री राम चरित मानस के मौन मंचन करते हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, लेकिन हमने इसे करने दिया। आदरणीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2018 में एक पर्यटन नीति भी बनायी गई थी और निवेश को बढ़ावा देने के लिए उसमें विभिन्न योजनाओं को लिया, और काफी निवेश हो गये। पर्याप्त संख्या में निवेशक आये और काम कर रहे हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, इसी सदन में माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में एक पर्यटन स्थल को विकसित करने की योजना का एलान किया था, पर्यटन संवर्धन नीति के माध्यम से हम वह भी कर रहे हैं और साथ-साथ वन डेस्टीनेशन का संकल्प लेकर पर्यटन नीति में आ रहे हैं। एक जिले में एक डेस्टीनेशन इसका होगा, उसको हम वेबसाइट पर लायेंगे, विश्व के मानचित्र पर लायेंगे, ताकि वहां पर जायेंगे, वहां जो फील होगा वह हमारे हृदय को छूने वाले, हमारी संस्कृति को पाने वाले, हमारी परंपराओं से जुड़ा हुआ होगा।

आदरणीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में अनेक घटनायें हुयी हैं, बड़ी-बड़ी घटनायें हुई हैं, स्वत्रंता से जुड़ी हुई, स्वत्रंता से पूर्व की घटनायें, मध्यकालीन भारत, पुरातन भारत, आधुनिक भारत, विभिन्न घटनायें हुयी हैं, एक-एक जिले में। हम भूल गये आल्हा-ऊदल को। बुन्देलखण्ड में हम लोगों को याद है कि जब हम छोटे-छोटे थे तो स्टेशन पर जाते थे, कक्षा-8, 9, 10 में पढ़ते थे, वहां एक-आध बड़े घर के लोग, यह नहीं कि उन्हें रोजी-रोजगार चाहिए, एक ढोलक लेकर स्टेशन पर बैठे रहते थे, रूचि थी, उनकी और जब आल्हा का सुर शुरू करते थे रोंगटे खड़े हो जाते थे और वीर रस की भावना एकदम शरीर में जागृत हो जाती थी, उस आल्हा-ऊदल को हमने भुला दिया। जयपुर में विदेशी सैलानियों के लिए पर्यटन स्थल बना हुआ है, लेकिन हम ललितपुर और आस-पास के जुड़े हुए जिलों की धरोहरों पर हम नहीं काम करते टूरिज्म पर। टूरिज्म पर लोग विभिन्न प्रदेशों में-देशों में लोग जाते हैं, स्विटजरलैण्ड जाकर घूमते हैं, कहीं चले जाइये पूर्वांचल में देवगली, राजगली, लखनियागली, विजयगढ़ का किला, चुनार का किला, सोनभद्र की पहाड़ियां, एक से एक अद्भुत चीज, इस पर काम नहीं हुआ, पिछली सरकारों ने नहीं किया, जबकि बहुत बड़ा उद्योग है, सबसे बड़ा रोजगार है और रोजगार जब मिलेगा तो जो गोल्स हैं हमारे, गरीबी उन्मूलन स्वाभाविक रूप से अपने आप समाप्त हो जायेगा। गरीबी उन्मूलन समाप्त हो जायेगा तो भुखमरी भी समाप्त हो जायेगी। पैसा रहेगा, स्वस्थ रहेंगे, अच्छा खायेंगे, तो स्वास्थ्य भी आपका ठीक रहेगा। ये सभी गोल्स हम केवल एक

उद्योग को पर्यटन उद्योग को ठीक करने के लिए करें और संस्कृतियों को संरक्षित करते हुए और यह सत्य भूल जायें हमारा जो गौरवान्वित पक्ष है उसको हम दबाते जा रहे हैं। दबाने का काम किया है लोगों ने। लेकिन आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में सभी चीजों को हम लोग उकेर रहे हैं, चित्रकूट का भी विकास कर रहे हैं। आपके यहां भी कहीं-कहीं उन्नाव में भी चल रहे पर्यटन के काम, संस्कृति के काम, हर जगह चल रहे हैं और इसे हम लेकर आगे बढ़ रहे हैं। आने वाले दिनों में हमारा लक्ष्य है अभी तो हमने 21.6 प्रतिशत की वृद्धि केवल 2 साल में की है, पर्यटन यात्रियों के आगमन पर पूरे प्रदेश में। इतनी वृद्धि कर दी है एवं आने वाले दिनों में हम और भी करने वाले हैं। उद्योग में हजारों की संख्या में लोगों को रोजगार मिलने वाला है। अध्यक्ष जी, एक छोटा-सा विषय रह गया है, वह भी आपके सामने रख दूं। मैं एक टी0एफ0सी0 का कंसेप्ट लेकर आया हूं। हमारे सम्मानित माननीय मंत्री जी और विधायक जब गाड़ी से गुजरते हैं तो कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो नेचुरल हैं हमको टॉयलेट जाना है, शौच जाना हैं, कहीं रुकना है, कोई ढंग की जगह नहीं मिलती, खराब गंदी जगह मिलती है। इसमें पर्यटन विभाग ने कह दिया है कि हर जिले में जहां उस जिले का एन0एच0 जुड़ता है, वहां पर एक टूरिस्ट रिलेक्शेसन सेन्टर खोलेगा। वह टूरिस्ट रिलेक्शेसन सेन्टर आस-पास के 100 मीटर के सराउण्डिंग के जितने पर्यटन स्थल रहेंगे वहां पर वह चिन्हित होंगे। वहां पर चिन्हित पर्यटन स्थलों पर एक पर्यटन मित्र भी रहेगा जो आस-पास के एरिया को घुमाकर दिखायेगा भी, यदि आपके पास घण्टे, 2 घण्टे का समय है तो। वहां अच्छी चाय की व्यवस्था रहेगी, शौचालय भी रहेगा और यात्रियों को सभी चिन्हित स्थल वहां के बताये जायेंगे। यह ले करके हम लोग काम कर रहे हैं। बहुत आघात हुये अपने ऊपर, लेकिन उस आघात के बाद भी वर्ष 1857 तक बहुत सी हमारी सांस्कृतिक सम्पदा, धार्मिक सम्पदा, अध्यात्मिक सम्पदा, संरक्षित रही। वर्ष 1857 के समय जो भी स्थिति में हमारे पास रहा है, हमारे अध्यात्मिक मन्दिर हों, मठ हों, तीर्थस्थल हों, उसको हम लोग सूचीबद्ध कराकर पूरे प्रदेश में ऐसे 10 हजार से ऊपर स्थल हैं जिसको लेकर के हम कुछ कार्य योजना बनाने जा रहे हैं ताकि हमारे जो यात्री आयें, हमारे जो पर्यटक आयें उनको अपने पुरातन चीजों की जानकारी मिले, पुरातन चीजों में आकर रहें। काशी के बारे में, मेरी विधान सभा क्षेत्र भी है, उसके बारे में दो शब्द जरूर बताऊंगा। आदरणीय अध्यक्ष जी, जगत न्यारी काशी आदरणीय प्रधानमंत्री जी का संसदीय क्षेत्र है। काशी में बाबा विराजित हैं, माँ अन्नपूर्णा विराजित हैं, गणेश जी विराजित हैं लेकिन इसके साथ-साथ इकलौता काशी ऐसा है जिसको पूर्ण तीर्थ का दर्जा दिया गया है। इसीलिए कहा गया है कि वहां रहने पर, वहां मरने पर मोक्ष प्राप्त है। उसका कारण हैं, कंप्लीट तीर्थ। आदरणीय अध्यक्ष जी, वहां द्वादश ज्योतिर्लिंग के भी प्रतीक हैं, मन्दिर हैं, वहां अष्ट भैरव के भी मन्दिर हैं, अष्ट विनायक भी हैं, अष्ट प्रधान विनायक भी हैं, छप्पन विनायक भी हैं, द्वादश विष्णु हैं, एकादश विष्णु भी हैं, 16 विष्णु हैं, 24 विष्णु हैं, दसों महापीठ हैं, चारों धाम है, चौंसठ योगिनी का मन्दिर है। सभी

देवी भी हैं, 9 देवी भी हैं, 9 गौरी भी हैं। इन सभी का प्रतिष्ठित मंदिर है, लाखों लोग दर्शन करते हैं लेकिन इस पर किसी ने विचार नहीं किया। पंचकोष परिक्रमा है जो टूटी-फूटी पड़ी थी, इसके लिए मैं आदरणीय केशव जी को धन्यवाद देना चाहूंगा। आदरणीय योगी जी एक बार वहां गये और पंचकोष परिक्रमा की यात्रा की। आदरणीय केशव जी से हमने आग्रह किया उन्होंने सौ करोड़ रुपये दिये। आज पंचकोष परिक्रमा चमचमा रहा है आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने आकर वहां पर वृक्षारोपण भी किया और नवग्रह वाटिका लगायी। अध्यक्ष जी, इन मंदिरों के साथ-साथ कुछ पौराणिक मंदिर भी हैं, इसके अतिरिक्त भी हैं। उन पर अवस्थापना सुविधाओं में विकास नहीं किया गया था। पर्यटक आता था मां गंगा का स्नान करता था, गंगा आरती देखता था, बाबा विश्वनाथ का दर्शन करता था एक दिन में उसका कार्यक्रम खत्म हो जाता था।

हम चाहते हैं कि पर्यटक तीन दिन रुके, चार दिन रुके, और जब तीन-चार दिन वहां रुकेगा तो निश्चित तौर पर वहां उद्योगों का विकास होगा, दुकानें बढ़ेंगी, रोजगार मिलेगा, विभिन्न प्रकार की अर्थव्यवस्था ठीक होगी इसलिए आदरणीय योगी जी की सरकार ने वहां पावन पथ योजना की घोषणा की है और पावन पथ पर भी काम हो रहा है, विकास का काम हो रहा है। अभी मैं आगरा गया था और पर्यटन मंत्री होने के नाते कुछ लोगों के साथ बैठा था उन्होंने कहा और विदेश के लोगों ने भी कहा कि हम लोग चाहते हैं बनारस की गलियों को देखना, वेनिस की तुलना विभिन्न जगहों की तुलना करते हुए कि हम देखना चाहते हैं, बनारस मतलब गलियां। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने स्मार्ट सिटी योजना के तहत सभी राज्यों की गलियों को एक अद्भुत नए तरीके से, नये सिरे से बनाने का संकल्प लिया है और उसका काम भी शुरू हो गया है। छः महीने या साल भर बाद जब आप वहां जाएंगे तो आपको लोग कहेंगे कि एक बार गलियों में जरूर घूमिए और आप वहां घण्टों घूमेंगे और देखेंगे। अध्यक्ष जी, साड़ी का मतलब बनारसी साड़ी। कुंज गली बनारसी साड़ी की गली है, थोक का व्यापार होता था लेकिन किसी ने उसके बारे में सोचा नहीं कुंज गली को पर्यटन में नहीं डाला। कुंज गली यदि पर्यटन की वेबसाइट पर आ जाये तो बनारसी साड़ी का वह मार्केट जो विश्व का सबसे प्रसिद्ध मार्केट साड़ी के मामले में हैं, वहां लोग जरूर जायें। यह नहीं हुआ था परंतु हम इसे भी ले रहे हैं और कुंज गली का विकास कर रहे हैं उसके लिए एक अलग से योजना बनाकर कुंज गली के विकास की कार्य योजना तैयार हो चुकी है। मान्यवर, 108 कुण्ड काशी में हैं। उस 108 कुण्डों पर विभिन्न प्रकार का कब्जा था। लोग शौच करते थे, गंदगी थी मैं सबसे आग्रह करूंगा कि कभी काशी आप जाइए, दुर्वा कुण्ड देखिए, ईश्वर गंगे कुण्ड, पितृ कुण्ड देखिए, पिशाच मोचन कुण्ड देखिए, मातृ कुण्ड देखिए, लक्ष्मी कुण्ड देखिए, जितने कुण्ड हैं आप जाकर देखिए। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने हृदय योजना के तहत विकसित कराया है और आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने उनके मार्गदर्शन में काम किया है वह अद्भुत हो गया है। इससे पर्यटन विकास हो रहा है। मान्यवर, इन्हीं शब्दों के साथ इससे पहले कि आप

बोलने के लिए मना करें मैं स्वयं समझ रहा हूं और आपको प्रणाम करते हुए अंत में यही कहूंगा कि सतत विकास की परिकल्पना हमारी रग-रग में है उसको केवल भूल गये थे लेकिन केन्द्र की मोदी जी की सरकार, प्रदेश की योगी जी की सरकार उस पर गंभीरता से काम कर रही है, विचार कर रही है और निश्चित रूप से 2030 तक हम सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट के सभी 16 के 16 गोल को एचीव करने में सफल होंगे, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

[17:04] श्री जितेन्द्र पाल सिंह उर्फ "बिल्लू"-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं। मान्यवर, मैं अपने तथा अपने विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास, मेरठ की ओर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री सादगी और सरलता के प्रतीक, ईमानदारी की प्रतिमूर्ति आदरणीय लाल बहादुर शास्त्री जी को भी उनकी जयन्ती पर भावभीनी श्रृद्धांजलि ज्ञापित करते हुए अपने श्रृद्धा सुमन अर्पित करता हूं। आज परम आदरणीय महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के शुभ अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाकर जो ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय पहल की गयी है और हम सभी सदस्यों को गांधी जीवन दर्शन के विभिन्न बिंदुओं जैसे स्वच्छता, सादगी, स्वावलंबन, सत्य और अहिंसा, स्वदेशी ग्राम स्वराज, गरीबी उन्मूलन पर चर्चा करते हुए देश को सतत विकास के लक्ष्य की ओर ले जाने और इस पुनीत कार्य के लिए मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं प्रदेश के ओजस्वी, कर्मठ और ईमानदार मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज का हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त करता हूं एवं अभिनंदन करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं प्रदेश की 23 करोड़ जनता एवं वरिष्ठ नागरिकों को यह विश्वास दिलाता हूं कि जो कार्य देश और प्रदेश की सरकारों द्वारा किये जा रहे हैं वह गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान, व्यापारी और युवा पीढ़ी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। गांव के विकास में चाहे सड़क की बात हो, चाहे सुलभ शौचालय की बात हो, चाहे स्वच्छ पेयजल की बात हो, विद्युत कनेक्शन की बात हो, आयुष्मान भारत की योजना हो, किसान सम्मान निधि की योजना हो, किसान बीमा योजना हो, उज्जवला गैस हो, लघु उद्योग एवं विकास के लिए अनेकों कार्यक्रम चलाकर गांधी जी के स्वच्छता अभियान एवं ग्राम स्वराज के सपनों को साकार करने का कार्य आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं आदरणीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने साकार किया है।

माननीय अध्यक्ष जी, आज आपने मुझे सदन में अपने विचार रखने का मौका दिया मैं आपका भी आभार व्यक्त करता हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के मौके पर देश और प्रदेश की सरकार द्वारा चलायी जा रही जल एवं स्वच्छता एवं उद्योग, नवाचार और बुनियादी सुविधाओं के अभियान से सम्बन्धित कार्यक्रमों पर सरकार के दृष्टिकोण प्रगति, उपलब्धियां एवं आगामी योजनाओं पर मैं चर्चा करना चाहूंगा। माननीय अध्यक्ष जी, राज्य में

उपलब्ध प्राकृतिक जल संसाधनों तथा नदियों में प्रवाहित सतही जल एवं भू-गर्भ जल का प्रयोग पेयजल, सिंचाई, उर्जा उत्पादन एवं औद्योगिक इकाईयों में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के संचालन में होता है। स्वच्छ जल की पर्याप्त उपलब्धता न होने पर न सिर्फ आर्थिक गतिविधियां रूकती हैं, अपितु राज्य के विभिन्न सांस्कृतिक पर्वों एवं धार्मिक आस्थाओं का मूल तत्व भी है। उपलब्ध जल संसाधनों का प्रदेश की जनता के हित में उपयोग सुनिश्चित करने हेतु पंद्रह विभाग संयुक्त रूप से हमारी सरकार द्वारा लक्ष्यों की प्रगति हेतु कार्यरत हैं। माननीय अध्यक्ष जी, जो लक्ष्य हमारी सरकार ने, माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने निर्धारित किये हैं उनमें 2020 तक राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत 1954 ग्रामीण पेयजल परियोजना स्थापित कर 9,887 बस्तियों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करना भी मुख्य रूप से शामिल है। जापानी इंसेफ्लाइट्रिस तथा एक्यूट इंसेफ्लाइटिस सिंड्रोम से प्रभावित क्षेत्रों, आर्सेनिक तथा फ्लोराइड से प्रभावित 3,830 बस्तियों में, 2,105 बस्तियों में पाइप पेयजल की परियोजना माननीय योगी जी की सरकार द्वारा स्थापित की गयी है। 1384 नग पाइप पेयजल परियोजनाओं पर 3,260 करोड़ रुपये व्यय करके हमारी सरकार ने इस कार्य को पूर्ण किया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्य मंत्री जी की सरकार आने के बाद, हमारी पार्टी की सरकार आने के बाद ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 2 लाख 61 हजार करोड़ परिवारों को हमारी सरकार ने सुलभ शौचालय उपलब्ध कराकर ओ0डी0एफ0 राज्य का दर्जा समय सीमा से एक वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर लिया है। माननीय अध्यक्ष जी, शौचालय निर्माण में राष्ट्रीय स्तर पर हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार ने प्रथम स्थान प्राप्त करके पूरे देश में अपना नाम ऊपर स्थान पर रखा है। स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2018 सिटीजन फीडबैक में भी हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार का प्रथम स्थान आया है।

माननीय अध्यक्ष जी, आगामी जो हमारी सरकार की योजनाएं हैं उनमें राष्ट्रीय नदी संरक्षण कार्यक्रम, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी मिशन, गांव में तालाबों की सफाई और निकासी की सुविधाएं जो हमारी सरकार की योजनाओं में प्राथमिकता पर हैं। अध्यक्ष जी, मैं यह भी कहना चाहूंगा चूंकि मेरा विधान सभा क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा है इसलिए गांव में बड़ी भारी समस्या तालाबों की सफाई और उनकी जल निकासी की है। इसलिए जरूरी है कि स्वच्छ जल की उपलब्धता के लिए हमारी सरकार को इस पर और ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। मैं लघु उद्योग एवं अन्य उद्यमों की अभिगम्यता विशेष रूप से विकासशील देशों में किफायती क्रेडिट सहित वित्त सेवा में वृद्धि करना, लघु औद्योगिक एवं अन्य उद्यमों की मूल श्रृंखला का बाजार में एकीकरण करना भी हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। हथकरघा, शिल्प एवं सम्बन्धित क्षेत्रों की ब्रान्डिंग एवं वितरण करने में भी हमारी सरकार आगे बढ़कर काम कर रही है। मान्यवर, मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं के बारे में भी आपको अवगत कराना चाहूंगा। मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक पौराणिक शिव मंदिर जो पुरामहादेव के नाम से विश्व विख्यात है, वहां पर श्रावण

मास में कांवड़ मेला लगता है और वहां पर जो शिव भक्त होते हैं वह हरिद्वार से जल लेकर पुरामहादेव तक आते हैं। हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक मार्ग जो पौड मार्ग के नाम से है, नावला मुजफ्फरनगर से होकर पुरामहादेव तक जाता है। अध्यक्ष जी, हमारी सरकार का विभाग सिंचाई विभाग है, जिसके द्वारा इस मार्ग का निर्माण कांवड़ मार्ग के रूप में विकसित किया जा रहा है। मैं यह भी आग्रह करना चाहूंगा चूंकि हमारे माननीय उप मुख्य मंत्री जी माननीय केशव प्रसाद मौर्या जी भी यहां हैं मैं उनसे भी आग्रह करूंगा कि इस मार्ग का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराकर इसको विस्तृत रूप देकर बड़ा मार्ग बनवाया जाये जिससे आने वाले समय में शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मान्यवर, मैं विशेष आग्रह और भी आपसे करना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र में गन्ना किसान बहुत हैं और मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और गन्ना मंत्री जी का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों की जो नीतियां थीं उनसे अलग हटकर किसान हितों को ध्यान में रखकर जो गन्ने के भुगतान का प्रतिशत बढ़ाया है और खेतों में जब तक गन्ना रहा है, मिलों को चलवाने का काम किया है इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री और गन्नामंत्री जी को बधाई देता हूं और उनका आभार भी व्यक्त करता हूं लेकिन मेरे क्षेत्र की जो चीनी मिल है, बजाज शुगर मिल किनौनी उसका भुगतान अभी लम्बित है। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय गन्ना मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि जो बजाज हिन्दुस्तान की शुगर मिल किनौनी है, उसका भुगतान आगामी सत्र शुरू होने से पहले कराया जाना यदि वह सुनिश्चित करेंगे तो हमारे क्षेत्र के किसान और जनता हमारी सरकार और माननीय मुख्य मंत्री जी और गन्ना मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करेंगे। मैं अंत में अपनी ओर से पुनः राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और ऐसे हमारे पूर्व प्रधानमंत्री जिन्होंने जय जवान और जय किसान के नारे को बुलन्दी पर पहुंचाया माननीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को पुनः हृदय की गहराईयों से नमन करता हूं, वंदन करता हूं और उनको श्रद्धांजलि ज्ञापित करते हुए अपनी ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं, धन्यवाद। जय श्री राम।

***[17:14] श्री राम फेरन पाण्डेय-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे सदन में बोलने का अवसर दिया इसके लिए धन्यवाद। हमको विषय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर मिला है। शिक्षा मनुष्य के जीवन का एक अभिन्न अंग है। अगर आदमी शिक्षा ग्रहण कर लेता है, तो वह कभी भूखा नहीं मर सकता। हमारा श्रावस्ती जनपद उत्तर प्रदेश के 8 पिछड़े जिलों में शुमार किया जाता है। लेकिन मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ माननीय मुख्य मंत्री जी को और माननीय शिक्षामंत्री जी को कि कठोर अभियान चलाकर जनपद श्रावस्ती में 34 इंग्लिश मीडियम स्कूल बनाये गये हैं, जिसमें गरीब के बच्चे इंग्लिश मीडियम के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। गुणवत्ता में हमारी सरकार बहुत आगे

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हैं। अन्य सरकारों में पूरे साल ड्रेस का वितरण होता था, खाकी रंग का ड्रेस बांटा जाता था। सीजन समाप्त हो जाता था लेकिन कागज में कोरम पूरा कर दिया जाता था लेकिन योगी सरकार में यह निर्देश हुआ कि 15 जुलाई तक सभी बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण अच्छे ढंग के ड्रेस, सूट, मोजे, जूते, और कापी किताब देने का काम हो। मैं उस जनपद से आता हूं जहां भगवान बुद्ध की तपोस्थली हैं। हमारे जनपद में दो तरह के किसान पाये जाते हैं एक तो धान गेहूं के और दूसरे गन्ना के। गन्ना की जनपद श्रावस्ती में कोई मिल नहीं है लेकिन मैं धन्यवाद ज्ञापित करूंगा माननीय गन्ना मंत्री जी को कि हमारे जनपद में 4 चीनी मिलों को सम्बद्ध करके और जिस तरीके से बलरामपुर और बहराइच में चीनी मिलों से गन्ना किसानों को भुगतान हो रहा है उस तरीके से हमारे श्रावस्ती में चीनी मिल न होने के कारण जिस तरीके से यह सौगात माननीय गन्ना मंत्री जी ने दिया है, हर सेन्टरों पर कांटे का निर्माण किया गया। गन्ना किसान यह नहीं समझता है कि हम किसी परेशानी में हैं, बड़ा खुशहाल नजर आ रहा है। यह योगी सरकार की प्राथमिकता है।

मैं धन्यवाद देना चाहूंगा अपने उप मुख्य मंत्री माननीय केशव प्रसाद मौर्य जी को कि हमारे यहां की जितनी मुख्य सड़कें थीं उन्होंने पूरी नजर डालकर लम्बी-लम्बी सड़कों को बनाने का कार्य किया। जिन सड़कों पर ट्रैक्टर नहीं जा पाते थे उन पर आज मारूति कार दौड़ रही हैं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। भगवान उनको शतायु करें, दीर्घायु करें, बुद्धिमान करें और उनकी आस्था जिस तरीके से श्रावस्ती पिछड़े जिलों में आता है, उस तरीके से उसके विकास के अग्रसर हैं। हमारी सरकार बिजली के मामले में हम लोग समझते थे पहले कि बिजली कभी आती थी कि जाती थी हमको नहीं पता था। अन्य सरकारों में देखते थे 4 से 5 घंटा बिजली मिलती थी। रात में एक बजे के बाद आती थी और आंख खुलती तो बिजली चली जाती थी। आज 18 घंटा देहाती क्षेत्र में बिजली दे करके और हमारे प्रधानमंत्री जी ने सौभाग्य योजना के तहत और हमारे मुख्य मंत्री जी ने तमाम योजनाओं के तहत एक अमीर क्या एक गरीब के बेटे को बिजली में पढ़ने का अवसर दिया इसके लिये मैं बिजली के मामले में अपने ऊर्जा मंत्री जी को बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी आज महात्मा गांधी जी के इस पावन जयन्ती पर भगवान उनको शतायु करे उन्होंने भारत देश के उत्तर प्रदेश के उस गरीब दिल को समझा। बड़े लोग के बेटे या घर में कोई बीमार होता था तो वह इलाज करा लेते थे लेकिन गरीब का बेटा तड़प-तड़प कर मर जाता था लेकिन आज उस पीड़ित आत्मा को पहचानते हुए सबका साथ और सबका विकास का नारा देते हुए अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख रुपये तक दवा करने का आयुष्मान कार्ड देने का कार्य किया है। भगवान इनको शतायु करे और हमेशा ही योगी जी और मोदी जी की जोड़ी देश और प्रदेश में बनी रहे जिससे हमारे देश और प्रदेशवासियों को खुशहाली आती रहे। कानून व्यवस्था, हम लोग जब बचपने में पढ़ते थे कि चोरियां होती थीं, डकैतियां होती थीं लेकिन आज

की तारीख में उत्तर प्रदेश का सबसे पिछड़ा हुआ जिला और सबसे छोटा जिला 5 ब्लाक और 6 थानों का जिला हमारा श्रावस्ती है। नेपाल बार्डर से सटा होने के बावजूद उसकी कानून व्यवस्था ऐसी बनी है कि एक परिन्दा पर नहीं मार सकता। गाजियाबाद, नोएडा और श्रावस्ती कानून की व्यवस्था में एक हैं। किसी की बहिन बेटी या किसी के साथ दुर्व्यवहार नहीं हो सकता है। किसी की बहिन बेटी को छेड़ने की किसी की हिम्मत नहीं पड़ती है।

मैं धन्यवाद देना चाहता हूं माननीय उप मुख्य मंत्री जी को कि जो कठोर अंकुश लगाया है, जिससे अपराधी या तो नेपाल भाग गये हैं या फिर जेल में पड़े हुए हैं। माननीय अध्यक्ष जी, इसी से सम्बद्ध करते हुए कहना चाहता हूं कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में तीन नदी के पुल ऐसे हैं जिससे काफी परेशानी हो रही है और माननीय उप मुख्य मंत्री जी उसके आगणन के लिये भी आदेश कर चुके हैं। एक पुल तो ऐसा है कटरा से मथुरा घाट जो जनपद बलरामपुर और श्रावस्ती दोनों को जोड़ते हुए बलरामपुर विधान सभा क्षेत्र, तुलसीपुर विधान सभा क्षेत्र और श्रावस्ती विधान सभा क्षेत्र को जोड़ता है। पचासों हजार आदमी रोज आते हैं। अगर वह पुल बनवा दिया जाय तो लोगों को बहुत सुविधा होगी, 150 किमी0 का चक्कर लगाना पड़ता है। इसी तरीके से हमारे श्रावस्ती विधान सभा क्षेत्र में इकौना से कटवाघाट मार्ग है, जो लोग 60 किमी0 दूरी तय करके श्रावस्ती मुख्यालय पर जाते हैं और अगर पुल बन जायेगा तो आधा किमी0 दूरी में वह श्रावस्ती का नजारा देखेंगें। तीसरा पुल है गिलौला से सुसवारा मार्ग गिलौला से भिनगा मुख्यालय की दूरी मान्यवर, 50 किमी0 है अगर पुल बन जाता है तो 14 किमी0 में बिबया मुख्यालय को जोड़ता है।

श्री अध्यक्ष-

यह सूची केशव जी को दे दीजिये।

श्री राम फेरन पाण्डेय-

दूसरा मान्यवर, मैं याचिका के माध्यम से आपसे अनुरोध भी कर चुका हूं कि हमारा गिलौला ऐसा कस्बा है जो नेशनल हाई वे पर स्थित है कई हजार आदमी रोज उस पर से निकलता है। ट्रकों, बसों की उस पर भरमार रहती है। घंटों-घंटों उस पर जाम लगा रहता है। एक बाई पास मात्र तीन किमी0 का अगर मिल जाय तो हमारी यह समस्या समाप्त हो जायेगी। कोई माननीय मंत्री जी अगर जाते हैं तो वह भी उस जाम में फंसते हैं। उस जाम से निजात पाने के लिये यह बहुत ही आवश्यक है। मान्यवर, आखिरी बिन्दु कह करके अपनी बात समाप्त करता हूं। हमारा इकौना कस्बा जो बहुत ही घना और सघन आबादी में बसा हुआ नगर पंचायत है उस इकौना कस्बा के अन्दर सब्जी मंडी है। अगर सुबह के टाइम या शाम के टाइम किसी को निकलना होता है तो वह नहीं निकल सकता। इसलिये उस सब्जी मंडी को अगर कहीं कस्बा से बाहर कर दिया जाय तो बहुत अच्छा होगा। लोगों को आने जाने में बड़ी सुविधा होगी। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है, इस पावन अवसर पर महात्मा गांधी

जयन्ती और लाल बहादुर शास्त्री जी को शत-शत नमन करने के बाद मैं आपके पावन चरणों में प्रणाम करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय हिन्द जय भारत।

***[17:22] श्री अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा-**

माननीय अध्यक्ष जी, आज गांधी जी की 150वीं जयन्ती के इस शुभ अवसर पर आपने बोलने का अवसर दिया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मुझको जो विषय दिया गया है, वह है अच्छा स्वास्थ्य और जीवन स्तर। अच्छा स्वास्थ्य एक व्यक्ति के जीवन स्तर का आधार और स्तम्भ हुआ करता है। जिसको व्यक्ति उचित खान-पान को स्वीकार करके प्राप्त कर सकता है। अच्छा स्वास्थ्य, तन-मन से ही हम अच्छे समाज का निर्माण भी कर सकते हैं। फिट इंडिया ही बैटर इंडिया का निर्माण कर सकते हैं जिसके लिये प्रातःकाल जल्दी सुबह सोकर उठने के तत्पश्चात् आवश्यक दैनिक क्रिया करके मॉर्निंग वॉक करना चाहिये तत्पश्चात् वापस लौटने पर हल्का नाश्ता करने के बाद जनता जर्नादन से मेल मिलाप करना चाहिए। दोपहर का भोजन और शाम की चाय और रात्रि का भोजन निश्चित रूप से पोषण के अनुसार होना चाहिए। अब जब नियमित दिनचर्या के माध्यम से हमने अच्छा स्वास्थ्य अर्जित कर लिया है तो अपने को भरपूर दौलतमंद समझते हैं। क्योंकि यदि हम स्वस्थ हैं तो अपनी काफी पूंजी बचा लिया करते हैं अन्यथा हम डाक्टर साहब और पैथोलॉजी के चक्कर में पड़ सकते हैं और भारी कर्ज लेना पड़ सकता है। यदि स्वास्थ्य हमारा खराब है तो हम मानसिक रूप और शारीरिक दोनों रूप से बीमार हो जाया करते हैं। लगभग 50 परसेन्ट बीमारियां शारीरिक होती हैं और उतनी ही मानसिक होती हैं। व्यक्ति बाहरी देख-रेख में फिटफाट होता है लेकिन अन्दर से वह टेंशन, शुगर, ब्लड प्रेशर, सिजोफ्रेनिया, गुस्सा आदि से पीड़ित होता है। मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्ति उदास, चिन्ताग्रस्त और भयग्रस्त होता है। आम तौर पर जीवन यापन करने में भी परेशानियों का अनुभव करता है। यदि व्यक्ति किसी भी मानसिक या शारीरिक रोग से अस्वस्थ है तो वह असहाय और गरीब है। हमारी रोजमर्रा की जिन्दगी का संचालन अच्छे स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। और तन मन से जैसा महसूस करते हैं, सोचते हैं, वैसी ही हमारी दिनचर्या बीतती है। यदि हम मानसिक रूप से उदासी से ग्रस्त हैं तो पहलवानी रास्ते को अधिक तरजीह देगा। अच्छे स्वास्थ्य से हम हर संघर्ष में कुन्दन की तरह खरे उतर सकते हैं। हम शरीर को जितना तपायेंगें उतना ही स्वस्थ बनायेंगें। सेना के जवान और सैन्य अधिकारी प्रतिदिन अभ्यास करते हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप किस विषय पर बोल रहे हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा-

कहा जाता है कि प्रशिक्षण के दौरान हम जितना पसीना बहायेंगें उतना ही हम युद्धभूमि में खून बहायेंगें। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने स्वास्थ्य के लिये हमारे क्षेत्र में हमारे प्रतापगढ़ में मेडिकल कालेज देने का काम किया। दूसरी बात ट्रामा सेन्टर का भी निर्माण हमारे यहां हमारे मुख्य मंत्री जी और हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी ने देने का काम किया। आज सामुदायिक केन्द्र में भी डिजिटल एक्स-रे होता है। जन औषधि केन्द्र से गरीबों को सस्ती दवाएं भी देते हैं। गांव में सफाई की भी व्यवस्था रहती है और शौचालयों का भी निर्माण बहुत अच्छी तरीके से किया गया है। हमारी सरकार ने बहुत अच्छे-अच्छे कार्य किये हैं। हमारी विधान सभा क्षेत्र में कभी गरीबों को आवास नहीं मिलते थे। मुझको याद है इंदिरा आवास में 70 हजार रुपये मिलते थे लेकिन वह भी एक आध लोगों को मिलता था। लेकिन आज हमारी सरकार ने हमारे क्षेत्र में 5009 प्रधानमंत्री आवास देने का काम किया और हमारी शहरी जो नगर पंचायत है उसमें 1100 आवास देने का काम किया। आज शौचालय, हमारे मुख्य मंत्री हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में आज 70 हजार शौचालय बनाने का काम किया गया। किसान सामान्य निधि जो 65 हजार किसानों को हमने दिया। विधवा पेंशन 41 को हमारे दिव्यांग पेंशन 3000 देने का काम किया गया। हमारी विधान सभा क्षेत्र रानीगंज में प्रतापगढ़ में। विधवा पेंशन 9600, मॉडल प्राथमिक स्कूल अंग्रेजी के 24 हमारे यहां बनाये गये, बॉयो कलेक्ट योजना जो 6 स्कूलों में हो रहा है। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह 35 जोड़े हमारे यहां हुए। आंगनबाडी 20 बनाये गये। शवदाह गृह दो बनाये गये। मैं आज आपसे कहना चाहता हूं हमारे माननीय उप मुख्य मंत्री केशव मौर्य जी ने भी हमारे रानीगंज विधान सभा में कई सड़कों का चाहे पूर्वांचल की सड़क हो चाहे राज्य सड़क निधि से सड़कों का निर्माण किया। एक बड़े पुल जिसकी लागत 10 करोड़ है, उसको देने का काम किया। हमारे मुख्य मंत्री जी ने भी एक और बड़ा काम जुगनीपुर की जो बहुत दिनों से मांग थी चौड़ीकरण का कार्य उसके लिये 28 करोड़ रुपये देने का काम किया। ओवरटैंक भी बनाने का कार्य किया। एक मिनी स्टेडियम 5 करोड़ रुपये की घोषणा माननीय मुख्य मंत्री जी ने की थी वह भी हमारे यहां बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन विकास से एक आई0टी0आई0 राजकीय बालिका इन्टर कालेज 5 करोड़ की लागत से बन रहा है। हमारे मुख्य मंत्री जी ने थाने की भी घोषणा की थी कानून व्यवस्था की स्थिति बड़ी खराब रहती थी। हमारा कनही थाना बहुत दूर पड़ता था दिलीपपुर से और मानधाता का थाना 25 किमी0 दूर पड़ता था, वहां देहलीपुर का थाना देकर 20 करोड़ रुपये की योजना हमको दी इसके लिये मंत्री जी को बहुत बधाई देता हूं। हमारे यहां प्रतापगढ़ में कोई इंजीनियरिंग कालेज नहीं था हम लोगों ने काफी मांग की थी और आज मुझको बहुत खुशी हो रही है कि हमारे क्षेत्र में भी 50 करोड़ रुपये का इंजीनियरिंग कालेज बन रहा है उसमें अब बाहर के भी बच्चे पढ़ने के लिये आयेंगें। जो हमारा बच्चा प्रयागराज, लखनऊ या मेरठ में

पढ़ने के लिये जाता है लेकिन अब रानीगंज प्रतापगढ़ में जो इंजीनियरिंग कालेज बन रहा है उसमें पढ़ने आयेगा। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आदर्श नगर पंचायत जो दीनदयाल योजना से 4 करोड़ रुपया हमारे नगर विकास मंत्री खन्ना जी ने देने का काम किया है, उनको मैं बधाई देता हूं। आज हमारी नगर पंचायत संवर जायेगी। मैंने अपनी निधि से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और जो हमारे शहीद सेनानी थे उनके नाम पर प्रवेश द्वार बनाने का काम किया है। 75 इन्टर लॉकिंग अपने निधि से बनाने का काम किया। सोलर लाइट भी दिया। शौचालय बनाने का काम किया। बरहाई धाम हमारे यहां है जिसके दर्शन करने के लिये दूर दूर से लोग आते हैं, दुर्गासप्तशती में वर्णन भी है। उसके लिये 5 लाख रुपये देने का काम किया है। पर्यटन में भी इसके लिये हमारी योगी जी की सरकार ने देने का काम किया। जिससे वहां पर विकास हो रहा है। मैं आपसे कहना चाहता हूं। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि बिजली के क्षेत्र में भी बहुत से काम हुए हैं। आज गांधी जयन्ती के सु-अवसर पर हम लोगों को विचार रखने का जो समय आपने दिया है, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आज हमारे क्षेत्र में 18 घण्टे ग्रामीण में तथा 20 घण्टे तहसील में बिजली आती है। सौभाग्य योजना से विद्युतीकरण 1800 मजरों में किया गया है। मैं आपसे आज कहना चाहता हूं कि 3311 का पावर हाउस जो पूरे हिरावन में बन रहा है, 132 का पावर हाउस हमारे ऊर्जा मंत्री जी ने दिया है। हमारे यहां रोज पावर हाउस पर ट्रांसफार्मर फुंकता रहता था। मान्यवर, वहां पर पांच एम0बी0 का ट्रांसफार्मर लग गया है। दूसरी बात हमारे जो ट्रांसफार्मर जल जाते थे वहां पर हमने 27 ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि करवाया, जिसमें 25 से 63, 63 से 100 और 100 से 250 कराया गया है। यह हमारी सरकार ने किया है। मान्यवर, मैं आपसे एक और विषय कहना चाहता हूं कि 21वीं शताब्दी में बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए आवश्यकता है कि युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार पैदा करना।

अगर हम प्रदेश में ऐसे व्यापार और व्यवसाय चलाने की अनुमति देते हैं जो हमारे लोक कल्याण राज्य की समस्याओं को हल करते हैं। जैसे कानून और नियमों की शर्तों को मानते हुए धन पैदा करते हैं तथा मुनाफा देने वाली नौकरियां पैदा करते हैं जिससे किसी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। भारतवर्ष की पहली संयुक्त राष्ट्र महासभा में हमारे भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व की तारीफ के लिए 50 हजार अनुवासी भारतीयों के बीच में ह्यूस्टन में अमेरिकी राष्ट्रपति ने विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय राष्ट्र का अध्यक्ष फादर ऑफ न्यू इण्डिया विभूषित किया यह हमारे भारतवर्ष तथा उत्तर प्रदेश के लिए गौरान्वित होने का दिन हैं। मान्यवर, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि यह हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में विस्तृत राष्ट्र की नीतियों के कारण ही सम्भव हो पाया है। पर्यावरण के क्षेत्र में गम्भीरता बढ़ती जा रही है। सबका साथ सबका विकास सबसे बड़े लोकतंत्र वाले इस देश में सबकी आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बनता है कि अपने उपयोग

और उत्पादन के दर पर संतुलन बनाए रखें। मान्यवर, हमारे मुख्य मंत्री जी उत्तर प्रदेश में नित नये विकास के कार्य कर रहे हैं। हमारे पास ज्ञान की शक्ति है। वैश्वीकरण की ताकत है तकनीक की सुविधा है। उत्तर प्रदेश और भारत भूमि की नई शताब्दी के 2020 के लिए आशाओं से भरा है जिसमें प्रत्येक समाज में सामाजिक और बौद्धिक विकास के नये मोर्चों की तलाश में जीवन की चिंताओं से मुक्त होकर सिर्फ और सिर्फ विकसित भारत के निर्माण के बारे में व्यस्त होगा। मान्यवर, हमारे क्षेत्र में और भी कुछ काम बाकी हैं और हमारे डिप्टी सी0एम0 हमारे बारघाट का पुल जो शहर को जोड़ता है अगर वहां पुल बन जाएगा तो शहर की दूरी कम हो जाएगी। हमारा एक 56 एकड़ का तालाब है जिसका हम लोग सौंदर्यीकरण करा रहे हैं उसमें और भी सौंदर्यीकरण हो जाए तो लोग तालाब देखने आएंगे। मान्यवर, आपने आज मुझे 150वीं राष्ट्रपिता की जयन्ती पर विचार व्यक्त करने का अवसर दिया है। मैं एक चीज और कहना चाहता हूं कि हमारे प्रतापगढ़ में भी एक स्वदेशी आंदोलन हुआ था उसमें महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई गई थी, जिसमें हजारों ग्रामीण भी शामिल हुए थे। इसी प्रकार सन् 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो के दौरान शहर के कम्पनी बाग में 30 हजार नागरिकों की सभा को सम्बोधित किया गया था। मान्यवर, 150वीं जयन्ती की ऐतिहासिक सुअवसर पर मैं क्षेत्र की जनता की ओर से आपका आभार ज्ञापित करता हूं। जय-हिंद, वंदे-मातरम्।

***[17:35] श्री अनूप प्रधान-**

मान्यवर, मैं बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती एवं भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के सुअवसर पर इस विशेष-सत्र में बोलने का अवसर दिया है। साथ ही साथ मैं आभारी हूं बाबा साहेब डा0 भीमराव आम्बेडकर जी का कि जिन्होंने संविधान के अन्दर आरक्षण की व्यवस्था दी उसकी खातिर मेरे जैसा अनुसूचित वर्ग का व्यक्ति भी यहां विधान सभा में चुनकर आया है। साथ ही साथ मैं भारतीय जनता पार्टी का आभारी हूं और अपने क्षेत्र का कि जिन्होंने मुझे चुनकर भेजा है। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं सीधे-सीधे अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करना चाहूंगा। मेरे यहां सड़कों की स्थिति पूर्व की सरकारों में अगर 2017 के पहले की बात करूं तो बड़ी दयनीय थी। मगर 2017 के बाद जैसे ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, मैं धन्यवाद देना चाहता हूं हमारे मुख्य मंत्री जी का और श्री केशव प्रसाद मौर्य जी का कि जिन्होंने मेरे क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत सड़कें गढ्ढा मुक्त कीं और उन पर लगभग 81 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से मेरे क्षेत्र की सड़कें बनी हैं। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से बिजली के क्षेत्र में बात करना चाहूंगा। अगर बिजली के क्षेत्र की बात करूं तो लगभग 6 वी.आई.पी. जिलों को ही वर्ष

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

2017 के पूर्व में बिजली मिल पाती थी। जैसे ही 2017 में प्रदेश में योगी जी की सरकार आई तो जिला मुख्यालयों पर 24 घण्टे बिजली तथा तहसील मुख्यालयों पर 20 घण्टे बिजली और ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घण्टे बिजली देने का काम हमारी सरकार ने किया है। साथ ही साथ हमारा किसान भाई दिन में भी खेती सिंचाई कर सके उसके लिए अलग-अलग बिजली घर बनाने की व्यवस्था हमारी सरकार ने की है। हमारी विधान सभा क्षेत्र के सभी बिजली घरों की क्षमता वृद्धि भी हमारी सरकार में हुई है। 33/11 के0वी0 के दो उपकेन्द्र हमारी विधान सभा क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा बनाये गये हैं। मेरी विधान सभा क्षेत्र के 300 ग्राम व मजरों का विद्युतीकरण किया जाना प्रस्तावित था जिसके सापेक्ष एल0एन0टी0 कम्पनी द्वारा 285 गांव के माजरों में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण किया गया तथा बकाया 24 ग्राम मजरों का कार्य प्रगति पर चल रहा है जिससे किसानों को पर्याप्त बिजली गांवों के अन्दर मिल रही है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन की बात करना चाहूंगा। हमारी विधान सभा क्षेत्र के अन्दर 2011 बेसलाइन सर्वे के आधार पर गरीब व्यक्ति को शौचालय देने का काम हमारी सरकार ने किया है। प्रत्येक शौचालय के लिए 12 हजार रुपये की धनराशि हमारी सरकार ने दी है जिससे किसी भी गरीब परिवार को शौच के लिए बाहर न जाना पड़े। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्दर 36 हजार 784 शौचालय बनाने का काम आदरणीय योगी जी की सरकार ने किया है मैं आपके माध्यम से उनको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं।

मान्यवर, मैं आयुष्मान भारत की बात करना चाहूंगा मेरे क्षेत्र में इस योजना से गरीबों को काफी खुशहाली मिली है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में लगभग 27 हजार 500 आयुष्मान कार्ड बने हैं जिससे गरीबों में काफी खुशहाली आई है क्योंकि इलाज के लिए गरीब व्यक्ति को या तो किसी से पैसा उधार लेना पड़ता था या उसे अपनी भूमि बेचनी पड़ती थी। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना हुई है। उसका कार्य प्रगति पर चल रहा है। मैं अंत में एक निवेदन करना चाहूंगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में जो चीनी मिल है वह काफी जर्जर स्थिति में है। मैं आदरणीय गन्ना मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि जो जर्जर मिल है उसकी क्षमता वृद्धि की जाए और उसे बनवाने का काम किया जाए। अंत में मैं सदन के माध्यम से समस्त वाल्मीकी समाज की ओर से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने कुम्भ के अन्दर हमारे जो वाल्मीकी समाज के भाई-बहन वहां सफाई कर रहे थे उनके पैर पखारने का जो काम अकल्पनीय था, कभी हमारे समाज ने कल्पना भी नहीं की थी कि भारत के प्रधानमंत्री जी ऐसा काम करेंगे ? उसके लिए मैं समस्त वाल्मीकी समाज की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा।

*[17:41] **श्री मूलचन्द्र सिंह**-

मान्यवर, आपने 150वीं गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर मुझे बोलने का अवसर दिया है इसके लिए मैं बहुत-बहुत आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मान्यवर, यू0एन0 के द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों के लिए मुझे आज जो विषय दिया है, सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा। मैं समझता हूं कि उत्तर प्रदेश में आदरणीय योगी जी और केंद्र में मा0 मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकारों ने काफी आगे बढ़कर काम किया है। उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले बिजली की जो दुर्दशा थी, मैं समझता हूं कि उस दुर्दशा से पूरे सदन के सभी लोग अवगत हैं। उत्तर प्रदेश के अन्दर चार-पांच जिलों को छोड़कर पूरे प्रदेश के अन्दर मुश्किल से 8 घण्टे से लेकर 10 घण्टे बिजली मिलती थी और हम लोग खासतौर से पिछड़े हुए क्षेत्र बुंदेलखण्ड जालौन से आते हैं। जालौन जनपद का तो यह हाल था कि यदि वहां बिजली खराब हो जाती थी तो महीनों ठीक नहीं होती थी। मैं उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय योगी जी और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के अन्दर और जनपद जालौन व बुंदेलखण्ड के अन्दर जो काम किया है वह निश्चित रूप से प्रशंसनीय है।

(इसी मध्य 17 बजकर 45 मिनट पर अधिष्ठाता श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही पीठासीन हुए)

एक समय था जब गांव में ट्रांसफॉर्मर फुक जाते थे तो महीनों नहीं बदलते थे। हमारे यहां बुंदेलखण्ड में जालौन जिले में यह हाल था कि गांव के लोग ट्रांसफॉर्मर बदलवाने के लिए चंदा एकत्रित करते थे और जाकर जब वह पैसा देते थे तो ट्रांसफॉर्मर बदलता था, लेकिन आज मैं दावे के साथ कहना चाहता हूं कि ट्रांसफॉर्मर खराब होता है और जैसे ही सूचना मिलती है 24 घण्टे और 48 घण्टे के अन्दर ट्रांसफॉर्मर बदल जाते हैं। इस क्षेत्र में जो हमारी सरकारों ने काम किया है वह निश्चित रूप से सराहनीय है, बिजली के क्षेत्र में यशस्वी मा0 प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा जो गरीब लोग गांव में रहते थे उनको कनेक्शन नहीं मिलते थे प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना के अन्तर्गत निःशुल्क कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। पहले लोग पैसा देके कनेक्शन लेने के लिए चक्कर काटते रहते थे और उनको कनेक्शन नहीं मिलते थे। मैं इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने सौभाग्य योजना के अन्तर्गत निःशुल्क कनेक्शन गांव-गांव में गरीबों को प्रदान कराए हैं और आज मैं समझता हूं कि बुंदेलखण्ड जैसे पिछड़े क्षेत्रों में 15 से लेकर 20 घण्टे बिजली मिल रही है।

आदणीय अधिष्ठाता महोदय, शक्ति ऊर्जा जो विषय मेरा है, मैं दो से चार मिनट में अपने विचार रखना चाहता हूं, ऊर्जा मैं समझता हूं कि आज मानव जीवन की अपरिहार्य अवश्यकता हो गई है। ऊर्जा के बिना मैं समझता हूं कि न तो प्रगति संभव है न मूलभूत

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। औद्योगिक क्रांति के बाद से जीवाश्म ईंधन के व्यापक रूप से दोहन के कारण कार्बन संलयन से पर्यावरणीय गिरावट और भयावह रूप लेने के लिए अग्रसर है, यदि इस क्रम में अंकुश नहीं लगाया गया तो निश्चय ही पर्यावरणीय असंतुलन एवं ग्लोबल वार्मिंग के कारण अगले तीस-चालीस सालों में विश्व के पटल से कई रास्तों का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। दुनिया के संकट को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी ने पहले ही पढ़ लिया, जिसके क्रम में मा0 प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2022 तक 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता का अकल्पनीय लक्ष्य निर्धारित किया। पूरे विश्व ने भारत के इस लक्ष्य को असाधारण कहा था। आज 121 देशों के अंतराष्ट्रीय सोलर एलांइस की स्थापना कर पूरे विश्व को भारत ने एक मजबूत संकल्प दिया साथ ही वर्ष 2022 के निर्धारित अकल्पनीय लक्ष्य सौर ऊर्जा निर्धारित समय अवधि में प्राप्त करने के लिए एक ऐसा रोड मैप तैयार किया जहां एक ओर हम स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं, विश्व समुदाय को पर्यावरणीय चिंता के प्रति अपना मत स्पष्ट करेंगे साथ ही लागत के क्षेत्र में सबसे सस्ती ऊर्जा के मार्ग को और प्रशस्त करेंगे। आज हम अकल्पनीय 100 गीगावॉट के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयार हैं यही नहीं वर्ष 2020 तक 40 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल करने की दिशा में भी असाधारण रूप से आगे आ रहे हैं। नवीकरण ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों के व्यापक दोहन करने के लिए भारत सरकार की सूचीबद्धता स्पष्ट है। जिसके अनुरूप कई सफल प्रभावशाली नीतियां क्रियान्वित की गई हैं। इसी कड़ी में आज मुख्य रूप से चर्चा का विषय सौर ऊर्जा नीति है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सरकार की प्रशस्त पहल पर संचालित कार्यक्रम वृहद् संयोजित सोलर रूट का पॉवर प्लाण्ट जिसे लगाने पर भारत सरकार और राज्य सरकार दोनों स्तर से विशेष अनुदान दिया जा रहा है। सामान रूप से देखें तो योजना के द्वारा कई क्रांतिकारी प्रवर्तक समक्ष आए हैं जैसा कि पूर्व में हमारे कृषि मंत्री जी ने कहा कि किसानों को जो सिंचाई के लिए तमाम सोलर प्लाण्ट योजना दी जा रही है, पिछली सरकारों की तुलना में बहुत अधिक संख्या में पूरे प्रदेश में और हमारे जिले में भी किसानों को सोलर की व्यवस्था की गई है। मा0 अध्यक्ष जी, अब मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के संदर्भ में कुछ बातें कहना चाहता हूं, मैं बुंदेलखण्ड के पिछड़े जिले जनपद जालौन से हूं और मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी को और अपने मुख्य मंत्री मा0 योगी जी को मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने बुंदेलखण्ड को तीन बहुत प्रभावी योजना दी है। जिनके द्वारा बुंदेलखण्ड का विकास और वहां के नौजवानों को रोजगार मिलेगा। बुंदेलखण्ड को मा0 योगी जी के द्वारा मा0 मोदी जी के द्वारा डिफेंन्स कॉरिडोर बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस-वे एवं बुंदेलखण्ड में जो भी समस्या है उसके समाधान के लिए 9 हजार करोड़ रुपये जो दिया है, मैं दोनों सरकारों को धन्यवाद देना चाहता हूं।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपनी एक पिछड़ी विधान सभा माधवगण क्षेत्र के संबंध में कुछ बातें रखना चाहता हूं, हमारे क्षेत्र में पांच ऐसे संगम स्थल हैं जो ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि

से बहुत महत्वपूर्ण माने जाते है। कहा जाता है कि वहां गोस्वामी तुलसीदास जी स्वयं पहुंचे और उनका दिया हुआ शंख आज भी विद्यमान है मंदिर में और पंचनाद स्थल को अभी तक किसी ने विकसित करने का किसी सरकार ने योजना नहीं बनाई थी, लेकिन मा0 योगी जी की सरकार द्वारा उसे पंचनाद पर्यटन स्थल घोषित करके वहां पर कार्य शुरू करवाया है, जिसके लिये मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। उस क्षेत्र में पानी की पांच नदियों का संगम है पानी का अथाह भण्डार है। मैं आज आपके माध्यम से यह मांग करना चाहता हूं कि यदि वहां बैराज बना दिया जाए तो जालौन शहर जालौन, औरैया, इटावा और हमीरपुर शहर तमाम जिले ऐसे हैं जहां किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकता है। मुझे जानकारी जो मिली है मा0 मुख्य मंत्री जी ने इसका सर्वे प्रारम्भ करा दिया है। इसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। मा0 अध्यक्ष जी मेरे क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण सड़कें हैं जिनका बनाया जाना जनहित में बहुत आवश्यक है। मेरे ओरई से पांच और बहुत से नदी गांव और तहसील और ब्लॉक मुख्यालय है जहां की सड़क का अभी तक चौड़ीकरण नहीं हुआ है। डबल सड़क नहीं बनाई गई है, कुछ भाग उसका प्रधानमंत्री सड़क योजना द्वारा बनवा दिया गया है, लेकिन मेरी मांग है कि जो शेष हिस्सा वहां का रह गया है उसका चौड़ीकरण ब्लॉक मुख्यालय से जोड़ने के कारण से उसका चौड़ीकरण होना आवश्यक है और दूसरी एक सड़क हाई-वे से बंगरा, माध्वगण से होते हुए औरैया और इटावा को मिलाने वाली मुख्य सड़क है। इसको भी स्टेट हाई-वे में लेकर इसका चौड़ीकरण होना बहुत आवश्यक है। आज इस अवसर पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। जय हिंद, जय भारत।

***[17:54] माननीय उप मुख्यमंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य)**-

मान्यवर, आज गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मैं पूरे प्रदेशवासियों को और देशवासियों को गांधी जी की जयन्ती की दृष्टि से भी और आज पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर जी की भी जयन्ती है, उसके अवसर पर मैं बधाई देना चाहता हूं। आज का दिन बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ने का दिन है और जिनके विचारों को ले करके हमने स्वतंत्रता संग्राम की बड़ी लड़ाई लड़ी। जिसके नेतृत्व में लड़ी अंग्रेजों की पराधीनता से देश को मुक्त कराने का काम हुआ। आज जब 150वीं जयन्ती उनकी है देश के अन्दर एक मात्र उत्तर प्रदेश की विधान सभा है जहां पर उस विशेष सत्र का आयोजन करके 150वीं जयन्ती के अवसर पर पूरा सदन अपना विचार रखने का काम कर रहा है। अच्छा होता हमारे सामने जो साथी लोग थे वह भी बैठते, लेकिन वह यहां पर नहीं है। गांधी जी का जीवन मैं समझता हूं कि पूरी खुली किताब की तरह है जिससे कि पूरा देश ही

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नहीं पूरी दुनिया अवगत है। अभी तुरंत की अगर मैं बात करूं तो अमेरिकी दौरे पर हमारे भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेंद्र मोदी जी का वहां जाना हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने अमेरिका के अन्दर गांधी जी के नाम से सोलर पैनल का वहां पर उद्घाटन भी किया। जिस प्रकार से वर्ष 2014 में भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद लाल किले से हमारे देश के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि मैं कह सकता हूं कि विश्व के सबसे शक्तिशाली नेता, सबसे लोकप्रिय नेता मा0 श्री नरेंद्र मोदी जी ने गांधी जी के स्वप्नों का भारत बनाने के लिए एक ऐसी घोषणा की जो हमारे तमाम विपक्ष के मित्र थे उनको लगा होगा कि गांधी जी के विचार ठीक ही रहे होंगे, लेकिन स्वच्छ भारत यह विषय देश के लाल किले से मोदी जी क्यों कह रहे हैं, लेकिन मैं जानता हूं, मैं गांव से आता हूं और ऐसे परिवार से निकलकर के आता हूं जहां पर मैं कह सकता हूं कि किसी गरीब के घर में एक शौचालय का निर्माण होना उसके लिए एक राजमहल से कम नहीं होता है, क्योंकि गरीब आदमी यह कभी सोच भी नहीं सकता था कि उसके घर के अन्दर भी शौचालय का निर्माण हो। पहले भी बनते थे छोटी मात्रा में, लेकिन हमारे सारे साथी सदन में बैठे हुए हैं। जो पहले बनते थे वह मुर्गीवाड़ा बन जाता था तो कोई बकरीवाड़ा बन जाता था, लेकिन मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आवाहन किया देश का तो पूरा देश स्वच्छता के पथ पर चल पड़ा और स्वच्छता केवल मा0 नरेंद्र मोदी जी का देश के लाल किले से संबोधन ही नहीं रहा, केवल सरकारी कार्यक्रम का हिस्सा ही नहीं रहा, बल्कि यह राष्ट्रीय आंदोलन बन गया है, जिसमें सब लोगों ने सहभागिता की, क्योंकि उस पर बहुत चर्चा हो चुकी होगी। मैं बहुत चर्चा उस पर ले नहीं जाना चाहता।

आज मैं यहां पर यह विषय जरूर रखना चाहूंगा गांधी जी से पहले वह गुजरात से आते हैं पोरबंदर से आते हैं। उत्तर प्रदेश और गुजरात का नाता भी रहा। भगवान श्री कृष्ण मथुरा से जब द्वारिका गए थे, हमारा द्वापर चला गया और द्वापर से लेकर के जब भगवान श्री कृष्ण यहां से वहां गए और उसके बाद जो गीता है गीता को विशेष तौर से गांधी जी ने अपने जीवन में उतारने का काम किया है और अपने जीवन में गीता के आधार पर जीने का भी काम किया है। मैं गांधी जी का एक प्रसंग पढ़ रहा था उन्होंने कहा था कि इस ईश्वर की यह सत्य की प्रार्थिनी तथा अनुभव का आधार है। प्रेम एवं हिंसा, लेकिन इसमें एक बात उन्होंने आगे भी कही थी। इसके कई पक्ष हम लोग सुनते हैं हिंसा और कायरता की लड़ाई में मैं कायरता के बजाए हिंसा को पसंद करूंगा।यह एक बहुत बड़ी बात है। चूंकि आज आजादी के इतने बड़े महापुरुष जिनका देश की आजादी में इतना महत्वपूर्ण योगदान रहा हो उनकी 150वीं जयन्ती के अवसर पर विशेष सत्र में यहां पर खड़े हैं। तो मुझे लगता है कि आज हम डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी स्मरण करना चाहेंगे। जिन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे का नारा देते हुए अपना बलिदान दिया था और कश्मीर के अन्दर जिस धारा 370 के कारण देश में आतंकवाद, अलगाववाद के बीज जो बोये गये थे वह 2019 के

लोक सभा चुनाव के पश्चात जो देश ने प्रचण्ड जनादेश भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में दिया उसके कारण मा0 नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार में हमारे भारत के गृह मंत्री के रूप में आदरणीय श्री अमित शाह जी ने जिस प्रकार से देश का पक्ष रखते हुए दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा में धारा 370 और 35 ए को खत्म करने का एक बहुत बड़ा निर्णय हुआ है उसके कारण से पूरा देश निश्चित रूप से आज खुशी से झूम रहा है। मैं अभी महाराष्ट्र के अन्दर पार्टी के निर्देश के क्रम में चुनाव के लिए गया था। वहां पर जब गया तो वहां पर मैं बाबा साहब डा0 भीम राव आम्बेडकर जी जो भारत रत्न हैं, उनकी दीक्षा भूमि पर गया। नागपुर में वह दीक्षा भूमि है और नागपुर में ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का मुख्यालय भी है और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक के नाते जो हमारे प्रथम पूज्य सरसंघ संचालक डा0 हेडगेवार जी की भी वहीं पर समाधि है वहां पर भी मुझे जाने का अवसर मिला। तो देश की आजादी के आन्दोलन में अलग-अलग प्रकार से जिन-जिन लोगों ने भूमिका निभाई उन सब महापुरुषों को मैं जिनमें अगर आज के दिन मैं पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की चर्चा नहीं करूंगा 'एकात्म मानववाद' तो मुझे लगेगा कि कुछ छूट रहा है। गांधी जी से लेकर, डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी से लेकर, पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी से लेकर संविधान निर्माता बाबा साहब डा0 भीम राव आम्बेडकर जी से लेकर भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल से लेकर हमारे अब नहीं हैं इस दुनिया में, लेकिन जिनके निर्देशन में हम इस देश को आगे बढ़ाने का अवसर पाये हैं, ऐसे देश के पूर्व प्रधानमंत्री पूज्य अटल बिहारी बाजपेयी जी का भी हमे आज के दिन नाम लेना इसलिए चाहेंगे कि जो भारतीय जनता पार्टी का संविधान है उसमें भी हमने गांधी जी के विचारों और संस्कारों को अपनाने का काम किया है। 02 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है और 02 अक्टूबर को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाने का संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वारा 2007 में यह जो निर्णय हुआ इससे यह पता चलता है कि गांधी जी की पूरे विश्व में लोकप्रियता क्या थी। जिस प्रकार से नेल्सन मण्डेला जी ने गांधी जी के रास्ते पर चलकर जिस प्रकार से अफ्रीका के अन्दर उन्होंने लड़ाई लड़ी और उस लड़ाई में उन्होंने सफलता प्राप्त की तो इससे यह पता चलता है कि गांधी जी के विचार कितने प्रासंगिक थे। उनके रास्ते पर चलकर जिस प्रकार से रंगभेद की समाप्ति के लिए एक लड़ाई लड़ी और उसमें सफलता प्राप्त करके उन्होंने यह साबित किया कि गांधी जी का विचार उस समय भी जब भारत के अन्दर अंग्रेजों से लड़ाई चल रही थी उस समय भी और जब अफ्रीका के अन्दर चल रही थी तो उस समय भी यह दोनों समय में अत्यधिक महत्वपूर्ण रहा है। और दोनों लड़ाईयों में सफलता मिली और दोनों के प्रति आज पूरा विश्व एक आदर का भाव रखता है। मैं आज के दिन चूंकि 150वीं जयन्ती का यह अवसर है, पूरा देश आज गांधी जी को याद कर रहा है शास्त्री जी को याद कर रहा है। उनके द्वारा दिखाये गये रास्ते पर चलने का अलग-अलग प्रकार से लोग अपने आयोजन कर रहे हैं। सरकार ने भी एक संकल्प लिया था। हम सदन के

माध्यम से अपने विचारों के माध्यम से प्रदेश को और देश को यह संदेश देने का काम कर रहे हैं कि गांधी जी के सपनों का भारत जब तक हम गांव का विकास नहीं करेंगे जब तक हम गरीब का विकास नहीं करेंगे तब तक इस देश का सही मायने में विकास नहीं हो सकता। लेकिन केंद्र में आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार के माध्यम से तो वहीं प्रदेश में आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली सरकार के माध्यम से हम दोनों सरकारों के माध्यम से गांव के लिए भी और गरीब के लिए भी सरकार के सभी विभागों के माध्यम से लगातार अच्छे काम करने का प्रयास किया गया है। मैं आपके माध्यम से आज एक महत्वपूर्ण जानकारी सदन को देना चाहूंगा कि चूंकि जो प्लास्टिक से मुक्ति की दृष्टि से मा0 प्रधानमंत्री जी ने आज से एक अभियान की शुरूआत की है। देश में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी और हमारी सरकार के सभी मा0 मंत्रीगण भी, हमारी विधान सभा के सभी सदस्यगण भी आज प्लास्टिक मुक्त भारत के अभियान का हिस्सा बने और मैं सदन को यह जानकारी देना चाहूंगा कि जो इस प्रकार के प्लास्टिक का उपयोग अभी तक होता रहा है जिसके कारण से तमाम प्रकार के रोग, पर्यावरण को संकट का सामना करना पड़ता था। उसके लिए लोक निर्माण विभाग यह मेरे पास है और लोक निर्माण विभाग के माध्यम से आज 02 अक्टूबर को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी के आहवान के क्रम में हम 09 स्थानों पर, 09 मुख्यालयों पर आज प्लास्टिक से सड़कों के बनाने की शुरूआत कर रहे हैं। इसमें आगरा के अन्दर एक सिदौली नहर पुलिया से बाईखेड़ा होते हुए कटरा गांव तक, प्रयागराज हमारे यहॉ निर्माण खण्ड-4 है वहां पर बरौत सदरेपुर मार्ग और बरेली में हमारे जो वहां के सम्मानित सदस्य होंगे, मैं जरूर चाहूंगा कि आप जब यहां से सदन से अपने क्षेत्र में जायेंगे तो जरूर जाकर देखियेगा हमने एक अच्छा प्रयास शुरू किया है और इस प्रयास को हम सबको मिलकर सफल बनाने का काम करना है। बरेली में एन0एच0-24 से मीरापुर गौतारा पिथुपुरा मार्ग है, उसको हम बनाने का काम कर रहे हैं। गोरखपुर में निर्माण खण्ड भवन के एन0एच-28 तक छूटा शहरी भाग कालेश्वर से जगदीशपुर मार्ग के बांई तरफ 07 मीटर चौड़ाई में इसका निर्माण कर रहे हैं। झांसी में एक भरारी सम्पर्क मार्ग है, इसका कानपुर में निर्माण खण्ड भवन जिसमें रूद्रपुरबै से शुक्लापुर मार्ग और लखनऊ के अन्दर बटलर मार्ग पर किमी0 1.69 से 2.94 तक और इसी प्रकार से मेरठ में भी दौराला मंसूरी मार्ग और वाराणसी में हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी का संसदीय क्षेत्र है और वहां के कई हमारे जनप्रतिनिधि यहां पर हैं। लखनऊ मार्ग में सातोमहुआ से सतपइयत पब्लिक स्कूल होते हुये किनघरवा तक का जो मार्ग है इसको जो प्लास्टिक वेस्ट है उसको हमने इस्तेमाल करके सड़कों के निर्माण का एक बड़ा काम उत्तर प्रदेश के अन्दर प्रारम्भ करने का काम किया है। और इसका परिणाम आने वाले समय में मैं मानता हूं कि इस प्रकार का जो अनुपयोगी प्लास्टिक है, इसको एकत्र करके इसका अगर हम सड़क

निर्माण में उपयोग करेंगे तो मुझे लगता है कि बहुत बड़ी मात्रा में हम यहां पर इसकी खपत कर पायेंगे।

मैं एक बात और मा0 अधिष्ठाता महोदय सदन को बताना चाहता हूं कि जब हम लोग सरकार में आये थे तो उस समय जो पूरे प्रदेश की स्थिति थी सबसे पहले तो जो हमारे सामने विषय आया था, वह था गढ्ढायुक्त सड़कें। अब गढ्ढायुक्त सड़कें हैं तो गढढ्ायुक्त सड़कों को हम कैसे गढ्ढामुक्त कर सकें। इसका एक विशेष अभियान लिया गया था और उस विशेष अभियान में हम लोगो ने प्रयास किया और उस प्रयास के परिणामस्वरूप लगभग 85 हजार किमी0 ऐसी सड़कें रहीं जो गढ्ढायुक्त थीं और एक निर्धारित समयसीमा में उसको गढ्ढामुक्त करने का काम हम लोगों ने किया। उसके कारण जिन सड़कों पर पिछले 15 साल तक कभी किसी ने देखने का काम नहीं किया था, उनको चलने लायक बनाने का काम किया। एक और महत्वपूर्ण जानकारी आज गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर मैं सदन को देना चाहूंगा कि जब तक गांव में रहने वाला गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान अपने घर से निकलकर मुख्य मार्ग तक नहीं पहुंचेगा, मुख्य मार्ग से निकलकर अपने आसपास के जो शहर हैं वहां तक नहीं पहुंचेगा जो पढ़ाई या व्यापार के स्थान हैं, रोजगार के स्थान हैं, वहां तक नहीं पहुंच पायेगा तो निश्चित तौर से हमें लगेगा कि जो आजादी है वह अधूरी है। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जिस गांव की आबादी 250 थी जब हम लोग सरकार में आये तो उस समय 1557 ऐसे गांव थे जो उस समय मुख्य मार्ग से नहीं जुड़े थे। तो हमने तत्काल 1557 गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के लिए 1114 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत किया और आज मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि 2001 की गणना में जिस गांव की आबादी 250 थी अब ऐसा कोई भी गांव प्रदेश में शेष नहीं है जो मुख्य मार्ग से नहीं जोड़े गये हों।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, एक जानकारी और देना चाहूंगा। हम भी एक्सप्रेस-वे बना रहे हैं। पहले भी एक्सप्रेस-वे बने हैं। सरकार में पहली बार जब दायित्व आया तो एक दिन मैं लखनऊ से हरदोई जा रहा था। एक्सप्रेस-वे तो बना है मुझे दिखाई दिया बहुत लम्बा चौड़ा है। लेकिन जब मैंने दाहिनी और बांई ओर गांवों को देख रहा था तो उन गांवों के लोगों को जो वहां का सर्विस रोड है वहां तक भी आने की कोई व्यवस्था नहीं थी। तो मैं एक गांव में रहने वाले परिवार का एक सदस्य हूं और इस नाते मुझे तुरन्त यह पीड़ा हुयी कि इसका मतलब यह है कि गांव में रहने वाला व्यक्ति यह सोच रहा होगा कि यह जो इतना बड़ा एक्सप्रेस-वे बना है यह एक्सप्रेस-वे मेरे लिये नहीं बना, यह एक्सप्रेस-वे बड़े लोगों के लिए बना है जो कार से चलते होंगे जो बड़ी-बड़ी कीमती गाड़ियों से चलते होंगे उनके लिए बना है। तो मैंने रात में आकर तुरन्त विभाग की बैठक बुलाई और बैठक में उसी दिन तय किया कि उत्तर प्रदेश में चाहे कोई एक्सप्रेस-वे होगा चाहे कोई नेशनल हाई-वे होगा चाहे स्टेट हाई-वे होगा, ओ0डी0आर0 होगा, एम0डी0आर0 होगा, अर्थात 05 मीटर तक की चौड़ी कोई सड़क है और

250 तक की आबादी अगर उससे लगी हुयी 05 किमी0 की परिधि तक की दूरी में अगर गांव है जहां 250 तक की आबादी है तो उनको हम मुख्य मार्गों से जोड़ने का काम करेंगे। मुझे आज यह बताते हुये प्रसन्नता है कि जब हमने इसका चिन्हीकरण कराया तो इसमें 2282 बसावट हमको मिली और इसमें हमने 1393 करोड़ रुपये की कार्य योजना तैयार करके उसको स्वीकृतियां प्रदान कर दी हैं, उनका निर्माण शुरू हो गया है कुछ निर्माण पूरा हो गया है कुछ पूरा होने वाला है। इसी प्रकार से 2011 की जनगणना के हिसाब से जिन गांवों की आबादी 250 थी। आज हम 2019 में खड़े हैं। आज इस समय आबादी और बढ़ी होगी। लेकिन 2011 में जिन राजस्व गांवों की आबादी 250 थी उनमें जिन सड़कों का निर्माण पिछली सरकारों में नहीं किया गया था या उनका ध्यान नहीं रखा गया तो ऐसे 1891 गांव थे। जब हम सरकार में आये तो मुझे लगा कि जब तक हम गांवों को मुख्य मार्गों से नहीं जोड़ेंगे तब तक अधूरापन रहेगा, इसके लिए 1315 करोड़ की कार्य योजना तैयार की और इनमें से हमने अभी पिछले दिनों ही 263 राजस्व गांवों की स्वीकृति कर दिया है, बाकी के स्वीकृत करने की प्रक्रिया बहुत जल्दी पूरी कर ली जाएगी। अभी मेरे बहुत सारे विधायक मित्र इस प्रकार की सूची मुझे दे रहे हैं, मुख्य मंत्री समग्र ग्राम विकास योजना के अन्तर्गत 500 से अधिक आबादी के लगभग 32 ग्राम ऐसे छूटे तो उनको भी हमने 117 करोड़ की लागत से स्वीकृति निर्गत कर दी हैं, मैं आपको एक महत्वपूर्ण जानकारी देना चाहता हूं किसी सरकार की आलोचना करने का दिन आज नहीं है हमने प्रदेश के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है कि उत्तर प्रदेश के जो प्रतिभाशाली बच्चे हैं जो अच्छी पढ़ाई करते हैं, जिस विद्यालय में अच्छी पढ़ाई होती है हाईस्कूल और इण्टर के टाप-20 बच्चे जो परीक्षाओं में पास करके आगे निकलने का काम करते हैं ऐसे गांव में रहने वाले बच्चों के घर तक की सड़क उसी बच्चे के हाथ से शिलान्यास करके हम बनवाने का काम करेंगे और मुझे इस बात की खुशी है कि हमने इस अभियान का इन रोडों का नाम डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम गौरव पथ रखा है। इसमें अभी तक हमें बहुत ज्यादा इसमें पैसा नहीं खर्चा करना पड़ा, लेकिन 2017 में 24 मेधावी बच्चों के लिए तथा 2018 में 89 बच्चों के लिए 2019-20 में 86 बच्चों के लिए अभी 2018-19 तक की प्रक्रिया पूरी हो गयी है, लगभग 31 करोड़ रुपये की लागत से जिन बच्चों ने टाप किया था, उनके घर तक बनकर तैयार हुई हैं।

मुझे एक बात का उल्लेख करने की आवश्यकता है कि उसमें एक बदायूं का बच्चा था वह आया और बोला कि हमारे घर तक सड़क है लेकिन विद्यालय तक सड़क नहीं है अगर हमारे घर के बदले हमारे विद्यालय तक सड़क बनवा देंगे तो अच्छा होगा तो हमने उसको भी बनवाने का काम किया। आज सदन में मुझे बताते हुए प्रसन्ता है कि हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि विभाग के साथ बैठकर यह निर्णय लिया है कि जिस विद्यालय से टापर बच्चे निकलेंगे उस विद्यालय तक की सड़क बनाने का काम किया जायेगा यह भी घोषणा की है और इस पर

भी काम प्रारम्भ हो गया है। प्रदेश के अन्दर अन्दरूनी बसावटों के नाम पर अभी हमारे बहुत सारे मित्र सूची दे रहे हैं, अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से हमने लगभग 7169 ग्रामीण मार्गों को जो लगभग 10 हजार किलोमीटर हैं और लगभग 6602 करोड़ की स्वीकृतियां जारी करने का काम यह भी कर दिया गया है कि जो ग्रामीण मार्ग थे। मैं समझता हूं कि सारा सदन इस बात से सहमत होगा कि पहले गांव के अन्दर कोई सड़क 10 साल 15 साल पहले बनी थी तो कोई उन्हें पूछने वाला था, न देखने वाला था, न वे सड़के चलने लायक बनी। अभी भी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त हम नहीं हुए हैं, हम यह भी नहीं कहते कि सभी सड़कों को पूरी तरीके से बना देने का काम किया है लेकिन यह गर्व पूर्वक आज हम कह सकते हैं कि जो जर्जर अवस्था थी उसको परिवर्तित करने का काम किया है, जो दिखाई दे रहा है। इसी प्रकार से आजादी के इतने साल बाद हमारे प्रदेश के अन्दर 26 तहसील मुख्यालय और 149 ब्लाक मुख्यालय ऐसे थे जो तहसील और ब्लाक एक दूसरे से दो लेन की सड़को से नहीं जुड़े मुझे लगा कि ब्लाक का व्यक्ति अगर तहसील आना चाहता है और तहसील का व्यक्ति अगर ब्लाक आना चाहता है तो इस बीच में अनेक प्रकार के रोजगार सृजित होंगे जब हमारे पास सड़क होगी, जब हमारे पास बिजली होगी तभी रोजगार पैदा होगा। हमने यह निर्णय लिया कि जो ब्लाक और तहसील को जोड़ने का काम करेंगे। अभी तहसीलों को ब्लाक से जोड़ने का कार्य है 387 करोड़ की लागत से इसको पूर्ण कर दिया शेष में काम जारी है। इसी प्रकार से 149 विकास खण्ड मुख्यालय के लिए भी 2158 करोड़ की लागत से कार्य योजना तैयार कर ली है और 81 मुख्यालय की लागत 1137 करोड़ रुपये की भी स्वीकृति दे दी गयी है। 35 की प्रक्रिया चल रही है और हम ब्लाक और मुख्यालय को शत-प्रतिशत उत्तर प्रदेश के अन्दर दो लेन से जोड़ने का निर्णय लिया है और इसका काम शीघ्रता से करने का काम करेंगे। इसी प्रकार से चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण का काम बड़े पैमाने पर चल रहा है, मुझे लगता है कि सारे माननीय सदस्यों के संज्ञान में है लेकिन फिर भी 10134 किमी लम्बाई का काम, चौड़ीकरण का और जर्जर सड़कों को पूरा करने का काम किया है, इसी प्रकार से 1845 किमी लम्बी 2019-20 में उसको पूरा कर लिया बाकी के लिए आवश्यक धनराशि को अवमुक्त कर देने का काम किया।

माननीय अधिष्ठाता महोदय उत्तर प्रदेश में सेतुओं की स्थिति आपको बताना चाहूंगा कि आज न किसी सरकार की आलोचना करने का विषय है, लेकिन आज यह विषय जरूर है कि उत्तर प्रदेश की सरकार आने के बाद जब सेतु की बात आती है तो त्रेता युग याद आ जाता है कि भगवान राम की सेना के साथ जब लंका पर चढ़ाई करनी थी तो मुझे लगता था पहला सेतु रामेश्वरम से लेकर लंका तक बनाने का काम हुआ था तो सेतुओं की दृष्टि से यहां पर चर्चा हो रही है तो मैं आपको यह जरूर बताना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश के अन्दर हम लगभग 4770 करोड़ की लागत से जो हमारे दीर्घ सेतु है। 128 नदियों पर हैं उनको बनाने का काम हम तीव्र गति से कर रहे हैं। इसमें कई सेतु ऐसे भी हैं जो पहले की 15 सालों की

अलग-अलग सरकारों के द्वारा पत्थर तो लगा दिया गया था, घोषणा तो कर दी गयी थी लेकिन जब से हमारे केन्द्र में माननीय प्रधानमंत्री जी नरेन्द्र मोदी जी ने बागडोर सम्भाली थी, उस समय उन्होंने कहा था कि जिस परियोजना का शिलान्यास हम करेंगे, उदघाटन भी हम ही करेंगे। केवल यह भाव नहीं था, इसके पीछे यह भाव था कि यदि हमने कोई योजना जनता की सेवा के लिए बनाने का संकल्प लिया है तो जितने समय के अन्तर्गत उसे पूरा किया जा सकता है, हम सभी और समस्याओं का सामना करते हुए भी हम जनता की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का काम करेंगे, यह एक बड़ा निर्णय लिया गया था और इसके क्रम में आज हमारे 128 दीर्घ सेतुओं के निर्माण का काम चल रहा है, इसी प्रकार से हमारे आर0ओ0बीज जो है उनकी भी संख्या उत्तर प्रदेश के अन्दर लगभग 24 ऊपरिगामी सेतु हैं उनके निर्माण का काम भी चल रहा है और डेडीकेटेड फ्रन्ट कारीडोर में भी 29 ऊपरिगामी सेतु हैं उनके निर्माण का काम भी चल रहा है। इसी प्रकार से भविष्य में हमारे सदस्य प्रस्ताव दिये हैं, मैं बताना चाहता हूं कि 128 दीर्घ सेतुओं की प्रक्रिया बहुत तेजी से 3541 करोड़ की है वह तैयार की गयी और उसको लेकर हम आगे बढ़ेगे यह सदन के माध्यम से मैं अवगत कराना चाहता हूं। इस वर्ष आर0ओ0बीज और आगे बढ़ाने का काम किया है और हमारे सभी माननीय सदस्य चूंकि विधानसभा क्षेत्र में जब मैं पहली बार चुनकर आया था तो मैं जानता हूं कि विधायक के क्षेत्र में छोटा नाला, नदी पर यदि छोटा सेतु बन जाता है तो कई गांव के लोगों की समस्यायें सुलझ जाती हैं और जन-प्रतिनिधियों को उसके कारण बड़ा सम्मान मिलता है। हमने तय किया है कि जहां कही भी आपके माध्यम से अवगत कराना चाहते हैं कि गांधी जी के 150वीं जन्म जयन्ती के अवसर पर कि हर विधानसभा क्षेत्र में दो छोटे सेतुओं का निर्माण अपने जन प्रतिनिधियों के प्रस्ताव के आधार पर करने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार से मैं एक और महत्वपूर्ण जानकारी देना चाहूंगा कि जब हम सरकार में आये उसके पहले जैसा चलता था उस पर आज कोई टिप्पणी नहीं करूंगा लेकिन सरकार में आने के बाद मैंने अभियंतागण, अधिकारीगण से बैठकर बातचीत की। हमने कहा कि यह बताइये कि जिस कीमत पर आप सड़क बना रहे हैं इसकी गुणवत्ता कैसे सुधर सकती है, इसकी कीमत कैसे घट सकती है। उन्होंने कई चीजे हमें बताई और उसके आधार पर आपको बताना चाहता हूं कि एक नई टेक्निक का इस्तेमाल करके उत्तर प्रदेश के अन्दर एक वित्तीय वर्ष में 942 करोड़ की बचत और पर्यावरण की दृष्टि से 942 करोड़ की बचत हुई है अगर इसको बचत नहीं कहते तो 30 लाख घन मीटर पत्थर हमें और लगाना पड़ता, जिससे हम गाजियाबाद से गाजीपुर तक की चार लेन की सड़क बना सकते हैं और इस कारण से 12 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है, यह भी एक महत्वपूर्ण जानकारी हम सदन को देना चाहते हैं। जो केन्द्रीय मार्ग निधि है उसके लिए प्रयास किया और उसका परिणाम यह रहा कि हमारे लगभग 54 काम ऐसे थे जो हमारे इण्टर स्टेट दूसरे राज्यों की सीमा से लगे हुए कई सीमावर्ती जिलों के सदस्यगण हैं पहले

यह होता था कि हमारे राज्य से अगर कोई पड़ोसी राज्य में जाता था तो उसको मालूम हो जाता था सड़क पर चलते-चलते कि उत्तर प्रदेश की सीमा समाप्त हो गयी और दूसरे प्रदेश की सीमा आ गयी और आज हमें यह कहते हुए गर्व है कि अब जो दूसरे प्रदेशों से उत्तर प्रदेश में आता है, उसको यह पता चल सकता है कि वह उत्तर प्रदेश के अन्दर प्रवेश कर गया है। इसी सड़क की गुणवत्ता के साथ उसका निर्माण कार्य किया गया, हम उत्तर प्रदेश का सुसज्जित प्रवेश द्वार भी बना रहे हैं।

साथ ही हमने तकनीकि का भी सहारा लिया है क्योंकि सरकार ने सबसे पहले ई-टेण्डरिंग की व्यवस्था लागू करने का काम किया था, लेकिन 10 लाख तक के कामों को ई-टेण्डरिंग की सीमा से बाहर रखते हुए एक चाणक्य नाम का हमने साफ्टवेयर तैयार किया और उसके माध्यम से चाहे बजट हो, चाहे बिल का हो, चाहे डिमांड का हो, चाहे मानीटरिंग का हो, चाहे अलाटमेन्ट का हो, चाहे मैनेजमेन्ट का हो सबको आनलाइन चाणक्य साफ्टवेयर के माध्यम से प्रदान करने का काम किया। एक विश्वकर्मा नाम के साफ्टवेयर का भी निर्माण किया गया और इसमें आनलाइन सी0सी0एल0 भी उपलब्ध कराने के साथ-साथ खण्डीय स्तर पर कार्य हेतु मांग का संकलन करके पेपर लैस करके उसको प्राथमिकता के आधार पर तीव्र गति से काम को पूरा करने का निर्णय लिया गया। एक बात और मैं बताना चाहूंगा कि प्रदेश के अन्दर कहीं पर भी कोई अगर क्षतिग्रस्त सड़क है और देखा कि हमारी सड़क बनी और उसमें बीच में कोई खराबी आ गयी, आप में से कोई भी जा रहा हमारा एक नूरानी नाम का एप है उसको आप डाउनलोड कर सकते हैं और प्रदेश की जनता को सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि डाउनलोड कर लें और डाउनलोड करके उसकी फोटो खींच कर हमें भेजने का काम करेंगे, बहुत सी सड़के अलग-अलग विभाग से होंगी लेकिन प्रदेश के हर विभाग की सड़क अच्छी से अच्छी रहे और अच्छी से अच्छी लोगों को मिले इसका प्रयास हमारी सरकार के माध्यम से हो रहा है लेकिन हम लोगों ने लोक निर्माण विभाग के माध्यम से एक डायरेक्ट्री भी बनाई, पहले लोगों को यह नहीं मालूम होता था कि जिले के अन्दर सड़क है तो वह पी0डब्लू0डी0 की कौन सी सड़क है, नगर निगम की कौन से सड़क है, विकास प्राधिकरण की कौन सी है, जिला पंचायत की कौन सी है लेकिन अगर हर जिले के अन्दर डायरेक्ट्री बना दी गयी है जिस डायरेक्ट्री के माध्यम से कौन सी सड़क किस विभाग की है वह भी आपको जानकारी मिल जायेगी, अगर आप फोटो खींच कर हमारे यहां भेजेंगे तो जिस भी विभाग की सड़क होती है उस विभाग को हमारे यहां से भेज दिया जाता है कि सड़क की शिकायत आई है उसके सम्बन्ध में आवश्यकत कार्यवाही की जाये। बहुत सारी मिलीभगत के कारण कई बार अधिकारी और ठेकेदारों की मिलकर गड़बड़ी करने की शिकायतें आती थीं। जिसकी जो क्षमता होती थी उस क्षमता से अधिक मात्रा में वह काम ले लेता था लेकिन अभी हम लोगों ने 'प्रहरी' नाम से एक साफ्टवेयर लांच किया है। अब इसके माध्यम से यह सुनिश्चित हो सकेगा कि

किसी ठेकेदार की जितनी क्षमता है उस क्षमता से अधिक वह काम नहीं कर पायेगा। अर्थात रोजगार के अवसर व्यापक तौर पर पूरे प्रदेश में और बढ़ेंगे और लोग अच्छी संख्या में इस विभाग के अन्दर आ करके रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे। सामान्य जनता की सुविधा के लिए हम लोगों ने एक टोल-फ्री नम्बर व व्हाट्सअप नम्बर भी शुरू किया है। कोई शिकायत, सूचना व फोटो है तो उसको भेज सकते हैं। टोल-फ्री नम्बर मैं सदन को बताना चाहूंगा 1800-121-5707 यह टोल फ्री नम्बर है, इस नम्बर पर हमारे सदस्यों के अलावा भी प्रदेश का कोई भी नागरिक फोन करके सड़कों के सम्बन्ध में अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। जो व्हाट्सअप नम्बर जारी किया है उसका नम्बर 7991995566 है । इस व्हाट्सअप नम्बर के माध्यम से भी अपनी सूचना आप विभाग को देने का काम कर सकते हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मुझे यह भी बताते हुए बहुत प्रसन्नता है कि अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि अमेरिका धनवान है इसलिए वहां पर सड़कें अच्छी हैं लेकिन ऐसा नहीं है, बल्कि वहां की सड़कें अच्छी हैं इसलिए अमेरिका धनवान है। भारत की सड़कें अच्छी हों इसके लिए लगातार प्रयास हो रहा है लेकिन हमारे राज्य की सड़कें अच्छी हों इसके लिए हम लोग लगातार प्रयास कर रहे हैं और उस प्रयास के क्रम में उत्तर प्रदेश के अन्दर 80 संसदीय क्षेत्र हैं और उन 80 संसदीय क्षेत्रों में हम लोगों ने तय किया है कि प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में एक स्टेट हाई-वे बनाने का काम करेंगे और अभी तक इसके 67 प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं और उनको राजमार्ग घोषित किये जाने की कार्यवाही भी हमने शुरू कर दी है। उसमें कई ऐसे भी हैं कि दो लोक सभाओं को मिलाकर एक स्टेट हाई-वे बन रहा है और कुछ ऐसे हैं जो एक लोक सभा का, एक लोक सभा के अन्दर ही रह जा रहा है तो इस संबंध में आप सबको जानकारी देना चाहता था। एक और जानकारी देना चाहता हूं सरकार में जो पूर्व साथी थे वह सदन में नहीं हैं। उन्होंने एक योजना शुरू की थी 'व्यापार विकास निधि' के नाम से, दूसरा 'त्वरित आर्थिक विकास योजना' के अन्तर्गत शुरू किया था। उसका वास्तविक चित्र बताना चाह रहा था चूंकि आज यहां आलोचना या किसी के विरोध करने का दिन नहीं है। आज प्रदेश के सतत् विकास की दिशा में, आज गांधी जी व शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर हम एक पॉजीटिव चर्चा करना चाहते हैं लेकिन सदन को अवगत कराना इसलिए जरूरी है क्योंकि हमारे बहुत सारे जनप्रतिनिधि साथियों को, क्षेत्र की जनता नहीं जानती है कि कहां क्या खेल हुआ है ? इसी 'व्यापार विकास निधि' के अन्तर्गत ग्रामीण श्रेणी के जो 499 मार्ग थे, जिनकी लम्बाई लगभग 1569 कि0मी0 है, 666 करोड़ की लागत थी और 666 करोड़ रु0 में से 479 करोड़ रु0 की धनराशि अवशेष थी। हम लोगों ने तय किया है कि इस प्रकार के जो भी काम हैं और जो 40 प्रतिशत काम हो चुके हैं उनको हम शीघ्रता से पूरा करेंगे उसके लिए जो धनराशि की आवश्यकता होगी वह देंगे और उसके लिए अभी इसी वित्तीय वर्ष में हमने 91 करोड़ रु0 जारी भी कर दिया है जहां की और सूचना आ रही है उसको भी जारी करने का काम कर रहे हैं।

इसी प्रकार से 'त्वरित आर्थिक विकास' श्रेणी के जो 114 कार्य थे, 309 करोड़ की लागत थी और उसमें 207 करोड़ की धनराशि अवशेष थी, अभी इसके लिए भी हम लोगों ने 53 करोड़ रु0 जारी कर दिया है बाकी हम लोग चाहते हैं कि इस प्रकार की जो भी योजनायें चल रही थीं क्योंकि जनता का कोई दोष नहीं है। जनता चाहती है कि उसको सुविधा मिले।

जब गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर विशेष सत्र में बैठे हैं तो प्रदेश की जनता को आश्वस्त भी करना चाहते हैं कि हमारा व हमारी पूरी सरकार का प्रयास चाहे सड़क हो, बिजली हो, पानी हो हर दृष्टि से सरकार अच्छे से काम करके देना चाहती है इसलिए मैं आप सबको यहां पर एक और जानकारी देना चाहता हूं, ज्यादा डिटेल दूंगा तो लम्बा हो जायेगा, बहुत विस्तार से दिया हुआ है। फूड प्रोसेसिंग एक बड़ा विषय है राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यह चलता है चूंकि इस क्षेत्र के अन्दर जब विकास होता है। अगर हम खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में आगे बढ़ते हैं तो सबसे पहले किसान को फायदा होता है। किसान के बाद नौजवान, जो रोजगार की तलाश में है, उसको फायदा होता है। जो व्यापार करने वाले हमारे व्यापारी हैं उनको भी फायदा होता है। इस क्षेत्र में हम लोगों ने सबसे पहले उत्तर प्रदेश की खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2017 जब हमारी सरकार आयी तो हम यह नीति ले करके आये और इस नीति के अन्तर्गत कोई इस क्षेत्र में आना चाहता है, कार्य करना चाहता है, सरकार के द्वारा जो सुविधायें मिल रही हैं उनको लेना चाहता है तो वह ऑनलाइन इस नीति के अन्तर्गत आवेदन कर सकता है और वह हमारे बेब-पोर्टल पर उपलब्ध भी रहता है। अभी तक 275 ऑनलाइन आवेदन हमको प्राप्त भी हुये हैं जिसमें 1366 करोड़ रु0 की पूंजीनिवेश और उसमें लगभग 22770 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की सम्भावनायें हैं, ऐसा कैलकुलेशन हम लोगों ने किया है। इसी प्रकार से 3 दिन का अभियान न्याय-पंचायत स्तर पर चला रहे हैं। खाद्य प्रसंस्करण जागरूकता शिविर के 400 कार्यक्रम हम लोगों ने अभी तय किये हैं। इस कार्यक्रम के नाम महात्मा गांधी जी के नाम से महात्मा गांधी खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना वित्तीय वर्ष 2019-2020 में हमारी कार्यशाला लगेगी। माह अगस्त, 2019 जो अभी बीता है उसमें हमने 70 कार्यक्रम सम्पन्न कराये हैं और मैंने विभाग को यह निर्देश भी दे रखा है कि वहां पर मा0 जनप्रतिनिधियों को अवश्य सूचित करें और जरूर बुलायें जिससे कि मा0 जनप्रतिनिधियों के संज्ञान में रहे। जनता और जनप्रतिनिधि का सीधा सम्बन्ध होता है इसलिए जनप्रतिनिधि किसी भी योजना से अलग न रहे इसका भी हम लोगों ने निर्देश दे रखा है। प्रदेश के अन्दर खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में बहुत अधिक संभावनायें हैं और उन सम्भावनाओं को ले करके हम लगातार इसमें प्रयास भी कर रहे हैं। चाहे वह मेगा फूड पार्क का मामला हो, चाहे अन्य प्रकार की केन्द्र सरकार के साथ जुड़ी हुई योजनायें हों।

प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार मिल करके जिन योजनाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रही है उनको प्रदेश के अन्दर लागू किया जा रहा है। जो सम्मिट अभी यहां सम्पन्न हुई

थी उसमें भी खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र को ले करके एक अलग से बड़ी गोष्ठी का आयोजन किया गया था, देश और विदेश से बड़ी संख्या में निवेशक इसमें शामिल हुए थे और हम उस निवेशक सम्मिट के अन्दर हमने महसूस किया है और हम जानते हैं कि आज हमारे किसानों की बहुत बड़ी मात्रा में ऐसी फसलें बर्बाद हो जाती हैं, अगर प्रसंस्करण के हमारे पास उद्योग हों तो किसानों की फसल बर्बाद नहीं होगी उनकी आमदनी बढ़ेगी। अगर खाद्य प्रसंस्करण के लघु उद्योग स्थापित हो गये तो गांव के अन्दर ही गांव के किसानों के लिए रोजगार सृजित होगा और इसके लिए अलग प्रकार से क्लस्टर बनाने की भी योजना है। हमारा जो प्रथम ग्राउण्ड ब्रेकिंग समारोह था इसमें 126 उद्यमियों के लगभग 5390 करोड़ की लागत के निवेश संबंधी परियोजनाओं को शुरू कराने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। काफी शुरू हो गयी हैं और काफी शुरू होने वाली हैं। तीन मेगा फूड पार्क की सैद्धान्तिक सहमति भी प्रदेश के अन्दर प्रदान कर दी गयी है। दो परियोजनायें एक मेसर्स पतंजलि फूड एण्ड हर्बल प्राइवेट लिमिटेड, गौतमबुद्धनगर और दूसरी नन्दन वन फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड, मथुरा को भारत सरकार द्वारा अंतिम स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है और उसमें हम आगे बढ़ रहे हैं। इसी प्रकार से ग्राउण्ड ब्रेकिंग द्वितीय चरण में अलग से संगोष्ठी हुई थी उसमें भी 31 परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव गंभीरता से हुये और जिनमें 3064 करोड़ रु0 का पूंजी निवेश होगा। 18 परियोजनायें लगभग 02 करोड़ रुपये की पूंजी निवेश की हैं वह चीनी मिल, दुग्ध तथा एग्रो-प्रोसेसिंग से संबंधित है उसके लिए बात अंतिम चरण में है। इसी प्रकार से खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में और भी अलग-अलग प्रकार के प्रस्ताव आये हैं उनको हम ले करके आगे बढ़ रहे हैं और हमारा प्रयास है कि हम पूरे प्रदेश के अन्दर खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से जो जनता की आवश्यकता है, जो किसानों की आवश्यकता है, जो युवाओं के रोजगार की आवश्यकता है उसको हम आगे बढ़ाने का काम कर सकें। चूंकि आज महात्मा गांधी जी की जयन्ती का अवसर है, आज पूरा देश गांधी जी और शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है लेकिन सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी जब हमारा देश गरीबी से मुक्त हो जायेगा। सच्ची श्रद्धांजलि गांधी जी के लिए तब होगी जब हमारा देश व प्रदेश गंदगी से मुक्त हो जायेगा। सच्ची श्रद्धांजलि तब होगी जब हमारे देश और प्रदेश, जिस प्रकार से सदन के माध्यम से सारी चीजें हमारे कई साथी भी यहां रख चुके हैं।

मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और आदरणीय योगी जी दोनों लोगों की एक ऐसी जोड़ी है जो लगातार प्रदेश और देश के विकास को लेकर के गंभीरता से प्रयास कर रहे हैं और उस प्रयास के परिणामस्वरूप आज प्रदेश के अन्दर, चूंकि मैं जिस परिवार से आता हूं, मुझे आज इस सदन में यह बताते हुए हर्ष भी है और खुशी भी है। हर्ष और खुशी इसलिए है क्योंकि एक समय ऐसा था, जब मैं जिस परिवार में पैदा हुआ हूं, मेरे पिताजी आज वह इस धरती पर नहीं हैं, वह स्वर्ग लोक वासी हैं उनको नमन करते हुए मैं बताना चाह रहा हूं कि

जब वह बीमार थे तो हमारे पास 5 हजार रुपये इलाज के लिए नहीं थे और 05 हजार रुपये की धनराशि न होने के कारण से हमारे परिवार का जो खेत था उसको गिरवी रख करके पिताजी का इलाज कराना पड़ा था और आज माननीय नरेन्द्र मोदी जी जैसा गरीबों का मसीहा जिसने गरीबों के लिए इतना सोचा। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत, पांच हजार रुपये में जिससे परिवार का पेट भरने वाले खेत को गिरवी रखना पड़ा था और आज पांच लाख रुपये तक का इलाज कराने की सुविधा मा0 नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने दिया है और जो ऐसे गरीब छूटे हुये थे जिनको जरूरत थी उसमें माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी बहुत अच्छा प्रयास किया, मैं सदन के माध्यम से उनकी सराहना करूंगा कि जो और गरीब छूटे हैं उनको कैसे सम्मिलित किया जाये, उनको कैसे इलाज की सुविधा दिया जाये यह भी प्रबन्ध करने का काम प्रदेश सरकार की ओर से भी हुआ है। किसान अनेक प्रकार के संकट का सामना करता था जब हम लोग सरकार में आये थे किसानों का कर्ज माफी किया था। 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया गया जबकि खजाना खाली था लेकिन वह कर्ज माफी का काम भी हुआ। सरकार बनने के बाद चाहे गेहूं की खरीद हो, चाहे धान की खरीद हो, धान खरीद करने का काम भी हुआ। आलू किसानों के सामने जब समस्या आयी तो उसकी भी व्यवस्था की गयी। गन्ना किसानों की समस्या आयी तो उसके लिए भी सरकार खड़ी हुई और आज पूरे प्रदेश के अन्दर मुझे इस बात की खुशी है कि चूंकि बड़े किसान हमारे प्रदेश में बड़ी संख्या में हैं लेकिन छोटे किसान सर्वाधिक संख्या में हैं जिनको मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछली सरकार के कार्यकाल में ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देने की योजना की शुरुआत की थी। यह कोई साधारण बात नहीं है।

हम जानते हैं कि हमारे जनप्रतिनिधियों को सारी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। जब गांव में जाओ तब कोई गरीब आदमी आता है, वह कहता है कि हमारी पेंशन नहीं बनी है। तो जबसे हमारी सरकार आयी है पेंशन के कैम्प लगा करके चाहे वह दिव्यांग हों, चाहे निराश्रित हों, चाहे वृद्ध हों उनको पेंशन देने का काम हो रहा है। लेकिन जिसके पास एक बिस्वा भी जमीन है उसको भी छः हजार रुपए वर्ष में, अगर उसका टोटल किया जाता है तो 500 रुपये प्रतिमाह, सीधे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के जेब में डालने का काम किया है। मैं जानता हूं चूंकि इस देश के अन्दर भी और इस प्रदेश के अन्दर भी, जो गरीब परिवार है, बहुत से गांवों में बिजली पहुंची थी लेकिन बहुत सारे गरीबों के घर में बिजली नहीं पहुंची थी वे कभी सोच भी नहीं सकते थे कि आने वाले 100 सालों में भी उसके घर पर बिजली पहुंच पाएगी लेकिन मैं माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और योगी जी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के कैबिनेट के साथी श्री श्रीकांत शर्मा जी को भी इस बात की बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने बहुत अच्छा प्रयास करके सौभाग्य योजना के अन्तर्गत गरीब के घर पर भी अंधेरा था

(मेजे थपथपाई गयीं) वहां भी रोशनी पहुंचाने का काम किया है। बिजली की उपलब्धता के बारे में किसी को बताने की आवश्यकता नहीं है, विरोधी भी देख रहे हैं और कई हमारे विपक्ष के मित्र लोग आज यहां सदन में नहीं हैं जब उनसे अकेले में मिलते हैं तो उनसे पूछते हैं तो वे हमारी हर योजना की प्रशंसा भी करते हैं और खुलेआम कहते हैं कि इतना तो हम अपनी सरकार में भी अपने विधान सभा क्षेत्र में सड़क नहीं बनवा पाये थे, बिजली नहीं ला पाये थे, न स्वास्थ्य सुविधाएं दिला पाए, न किसानों को उनकी उपज के खरीद की व्यवस्था करा पाए, जितना हमारी सरकार के समय में हो रहा है।

मैं यह मानता हूं कि यह सरकार गरीबों की सरकार है, ये किसानों की सरकार है, यह दलितों, पिछड़ों, मजदूरों, जो अभावग्रस्त हैं उन लोगों की सरकार है, प्रदेश के नौजवानों की सरकार है, यह सरकार उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश, उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश, उत्तर प्रदेश को उत्कृष्ट प्रदेश बनाने की दिशा में जो एक संकल्प लिया है, उस संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है और मैं महात्मा गांधी जी की जन्म जयन्ती के अवसर पर और द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जन्म जयन्ती के अवसर पर आज यही कह सकता हूं कि यह काम जो केंद्र की और प्रदेश की सरकार मिलकर उन लोगों के लिए कर रही है जिन लोगों के लिए सबसे अधिक आवश्यकता थी। आज उनके लिए यही सच्ची श्रद्धांजलि है और आज के दिन हम यह संकल्प भी लेते हैं, जैसाकि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संकल्प है, लालकिले पर खड़े होकर उन्होंने कहा था कि 2022 में जब आजादी के 75 साल पूरे होंगे उस समय देश के अन्दर कोई भी ऐसा गरीब बेघर नहीं होगा जिसका अपना पक्का मकान बनाकर देने का काम हम करेंगे। यह कोई साधारण बात नहीं है, यह गरीबों की भलाई करने वाली, गांव का विकास करने वाली, किसानों का उत्थान करने वाली, नौजवानों को रोजगार देने वाली, यह सरकारें काम कर रही हैं और यह सरकार उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में सफल होगी। आज मैं बापू जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए और उनके बताये हुए रास्ते पर प्रदेश को आगे ले जाने का संकल्प लेते हुए पुनः मैं अपने आदरणीय प्रधानमंत्री जी को और अपने मुख्य मंत्री जी को जिन्होंने विशेष सत्र आहूत करने का निर्णय लिया है, बधाई देता हूं और शुभकामना देता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय नितिन अग्रवाल जी।

***[18:47] श्री नितिन अग्रवाल-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, सबसे पहले महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर और देश के दूसरे प्रधानमंत्री आदरणीय श्री लालबहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर मैं दोनों के चरणों

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

में अपने श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। आज का दिन हम सबके लिए गौरव का दिन है और आज हम क्षण और उस पल के साक्षी बने हैं जब पूरा देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती मना रहा है और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। आज विपक्ष ने, चूंकि हम ढाई साल से देख रहे हैं, उनकी जयन्ती के मौके पर भी सदन का बहिष्कार किया। मैं तो कहना चाहता हूं कि समाजवादी पार्टी जो अपने आपको राममनोहर लोहिया जी, जय प्रकाश नारायण जी, जनेश्वर मिश्र जी और कर्पूरी ठाकुर के सिद्धांतों पर चलने की बात करती थी और जो पिछले ढाई वर्ष हुए हैं, चाहे सदन हो या सदन के बाहर, जो समाजवादी पार्टी दावा करती थी कि हम उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, मुझे बड़े दुःख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि यही समाजवादी पार्टी पिछले ढाई वर्षों में, आज यह सदन, ये हमारा मंदिर है, इसमें हम जनता के विषयों को उठाते हैं और जब भी सरकार ने जनता के हितों के मुद्दों की चर्चा के लिए सदन में बात कही तब-तब समाजवादी पार्टी और संपूर्ण विपक्ष ने इस सदन का बहिर्गमन करने का काम किया है (मेजें थपथपाई गयीं)। मुझे तो याद है क्योंकि दुर्भाग्य से मैं भी वर्ष 2017 का चुनाव जीता जरूर उनके दल के सिम्बल से था लेकिन जब 2017 में पूरे उत्तर प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी को प्रदेश की सत्ता से बाहर किया और उनको बताया कि वे लोग सत्ता में रहने के लायक नहीं है उस वक्त हरदोई की जनता ने मेरा साथ दिया। आज मैं यह चाहूंगा कि जिस तरीके से इस विपक्ष ने सदन का बहिष्कार किया है, प्रदेश की जनता ने 2017 में इनको सबक सिखाया था लेकिन प्रदेश की आगे की पीढ़ियां भी समाजवादी पार्टी और विपक्षी दलों को सबक सिखाने का काम करेंगी।

मैं अपनी बात शुरू करूं उससे पहले मैं यह जरूर कहूंगा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी ने सबसे निर्धन वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दी और आज उन्हीं के पद चिन्हों और आदर्शों पर चलते हुए निश्चित तौर पर केंद्र सरकार माननीय मोदी जी के नेतृत्व में और प्रदेश सरकार माननीय योगी जी के नेतृत्व में इस देश और प्रदेश के गांव, गरीब, किसान, नौजवान, दलित, शोषित, पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है। इस बात में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि हमारा प्रदेश किसान बाहुल्य क्षेत्र है और 75 प्रतिशत हमारी जनसंख्या गांवों में रहती है। 70 प्रतिशत किसान खेती-बाड़ी करके अपना पेट भरता है, अनाज लगाता एवं बोता है। जब तक प्रदेश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक प्रदेश खुशहाल नहीं होगा, जब तक प्रदेश का किसान मजबूत नहीं होगा तब तक प्रदेश मजबूत नहीं हो सकता, शायद इसीलिए 2017 के चुनाव से पहले मुझे अच्छे तरीके से याद है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जब उत्तर प्रदेश में आए, उन्होंने उत्तर प्रदेश के किसानों से वादा किया था कि अगर हमारी सरकार उत्तर प्रदेश में आयी तो हम सबसे पहले प्रदेश के सूक्ष्म एवं लघु किसानों के कर्ज को माफ करने का काम करेंगे। 2017 में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार

बनी और मैं आदरणीय योगी जी का बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करूंगा कि सरकार बनते ही एक महीने के अन्दर 36 हजार करोड़ रुपए का ऋण छियासी लाख किसानों पर था उसको माफ करने का ऐतिहासिक काम माननीय योगी जी सरकार ने किया था। किसान सम्मान निधि शायद यह योजना वही ला सकता है जिसने वाकई गरीबी देखी हो, जिसने वाकई किसान का दर्द देखा हो और उसकी पीड़ा को समझा। पहली बार देश के प्रधानमंत्री जी ने किसानों की समृद्धि के लिए उनको मजबूत करने के लिए निर्णय लिया कि हम उन किसानों को छः हजार रुपए सालाना मदद देने का काम करेंगे जिससे कम से कम वह किसान जो आर्थिक रूप से कमजोर है, अगर सरकार की तरफ से छः हजार रुपए की मदद होगी तो कम से कम वह अपने सिर को उठाकर चल सकता है और इस योजना की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री जी ने की और माननीय अधिष्ठाता महोदय, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी और गर्व हो रहा है कि एक करोड़ सत्तावन लाख किसानों को किसान सम्मान निधि के पहले चरण में जोड़ा गया और लगातार इस योजना को और विस्तार देते हुए किसानों को किसान सम्मान निधि से जोड़ा जा रहा है। यह वाकई किसान को मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम था। किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य सरकार का है कि 2022 तक किसानों की आय दोगुना की जाये उस पर हमारी सरकार बहुत तेजी से काम कर रही है। पहली बार चाहे धान की खरीद हो, चाहे गेंहू की खरीद हो रिकार्ड खरीद उत्तर प्रदेश की सरकार ने की है इसके लिए माननीय योगी जी और माननीय कृषि मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार और गन्ना मंत्री जी भी यहां पर हैं, उन्हें भी बहुत-बहुत बधाई, एक साल में चौहत्तर हजार करोड़ गन्ना मूल्य का भुगतान अगर किया तो वह माननीय योगी जी की सरकार ने किया, उसके लिए बहुत-बहुत आभार। मुफ्त सिंचाई आदि तमाम योजनाएं जिससे किसानों की आय दोगुनी हो जाये, उनको उसका वाकई लाभ मिले। वर्ष 2014 में आज ही के दिन आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत की थी और उन्होंने उस वक्त कहा था कि एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश वर्ष 2019 में महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजलि दे सकता है।

मुझे याद है कि जब माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस अभियान की शुरुआत की थी तो तमाम देश के विपक्ष ने मजाक उड़ाया था, आलोचना की थी लेकिन किसी को नहीं पता था कि पिछले पांच साल में प्रधानमंत्री जी ने जिस अभियान की शुरुआत की वह इतना बड़ा रूप ले लेगा और इस देश की जनता उनके इस अभियान के साथ जुड़ेगी क्योंकि देश की जनता भी जान रही है कि अगर हम स्वच्छ नहीं रहेंगे, स्वस्थ नहीं रहेंगे तो हम विकसित नहीं हो सकते। इस पूरी 130 करोड़ जनता ने इसका साथ दिया और इस अभियान के साथ जुड़कर आज ये बहुत गर्व की बात है कि जो अभियान वर्ष 2014 से शुरू हुआ था, 2019 तक उसमें काफी हद तक सफलता प्राप्त हो चुकी है। सतत विकास प्रक्रिया अर्थात् सस्टेनेबल गोल्स जिस पर यूनाइटेड नेशन कहा कि देशों को 2030 तक विकसित होना है और ऐसे उन्होंने कुछ मानक

तय किए, जिनके आधार पर उन्होंने कहा कि सतत विकास का जो पहिया है वह चलता रहे और विकासशील देश उन मानकों को पूरा करने का प्रयास करें। मैं आज कहना चाहूता हूं कि जो मानक युनाइटेड नेशन ने तय किए थे आज उन्हीं मानकों पर खरा उतरते हुए केंद्र सरकार की ऐसी तमाम योजनाएं हैं जैसे मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पं0 दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना आदि तमाम योजनाएं, क्योंकि अगर मैं सब योजनाओं का नाम लेना शुरू करूंगा तो पूरी रात बीत जाएगी। ये योजनाएं जो केंद्र सरकार ने शुरू की थी वह यही सोच कर शुरू की थी कि सतत विकास की जो प्रक्रिया वह लगातार चालू रहे और इससे जो सबसे निचले पायदान पर जो लोग हैं उनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। स्वच्छता अभियान में हमारी सरकार ने जो सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी वह गंगा सफाई पर दी। हम गंगा को अपनी मां मानते हैं, पहली सरकार है जिन्होंने सोचा कि इस गंगा मैया को साफ करना है और लगातार जो काम चल रहा है आज वाकई गंगा मैया अविरल बह रही हैं और भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जो संकल्प लिया था वह संकल्प पूरा हुआ, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को सादर धन्यवाद दूंगा कि एक ऐसा काम है...

(इसी मध्य सायं 19 बजकर 5 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

कुंभ जो हमारे प्रदेश में इलाहाबाद में हुआ, पूरे विश्व के 22 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने कुंभ में डुबकी लगाई मैं यह कह सकता हूं कि इससे बड़ा आयोजन विश्व में न किसी देश ने किया होगा और न किसी प्रदेश ने किया होगा जैसा आयोजन उत्तर प्रदेश की सरकार ने करके दिखाया। 22 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु ने कुंभ में डुबकी लगाई और एक भी कैजुएलिटी नहीं हुई। ऐसी सुचारु व्यवस्था जो वाकई विदेश के लोगों ने यहां पर आकर कुंभ की इतनी तारीफ की कि ऐसा आयोजन न कभी हुआ है और न कभी आसानी से यह हो सकता है। इसके लिए बहुत-बहुत साधुवाद, बहुत-बहुत धन्यवाद माननीय मुख्य मंत्री जी का।

एक बहुत ऐतिहासिक निर्णय लिया गया आज मैं धारा-370 और 35(ए) की भी बात जरूर करूंगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू और शेख अब्दुल्ला जो उस समय के जम्मू कश्मीर के प्रधानमंत्री थे। हमारा देश 70 साल से उनकी गलतियों का दंश झेल रहा था उस वक्त उन्हें लगा कि जम्मू कश्मीर में अलग संविधान होना चाहिए चूंकि आधा जम्मू कश्मीर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था और उस वक्त वहां के जो प्रधानमंत्री थे शेख अब्दुल्ला जी उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू से वार्ता की और उन्होंने उनसे कहा कि यहां पर भारत का संविधान नहीं लागू किया जा सकता, क्योंकि वहां की स्थितियां ठीक नहीं हैं पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उनकी बात को मान लिया और वहां पर अलग संविधान लागू कर दिया। इसमें मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आदरणीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने भी नारा दिया था कि एक देश में दो

संविधान और दो प्रधान नहीं हो सकते और आज मैं यह कहना चाहता हूं कि जैसे सरदार बल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद देश की छोटी-छोटी रियासतों को इस देश में विलय कराने का ऐतिहासिक काम किया था वैसे ही आज देश की सत्तर साल की आजादी के बाद देश के प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी ने और देश के गृह मंत्री माननीय अमित शाह जी ने आज वह ऐतिहासिक काम करके दिखाया है जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने सपना देखा था उस सपने को साकार करने का काम यदि किसी ने किया है तो देश के दो बड़े नेताओं ने किया है। मैं तो कहूंगा कि ये दोनों बड़े नेता आज यदि मैं यह कहूं कि आधुनिक भारत के सरदार बल्लभ भाई पटेल हैं तो इसमें भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए। आज धारा-370 को हटाकर और 35(ए) को हटाकर आज हमने एक देश, एक संविधान और एक विधान का सपना साकार किया है। हम राजनीति करते हैं, हम सरकार में आते हैं, हम विपक्ष में जाते हैं लेकिन कई हजार सालों से जो प्रथा चली आ रही हैं और ऐसे इस्लामिक देश जहां पर तीन तलाक को बैन कर दिया गया था। भारत में कई सालों से यह प्रथा चली आ रही थी तो क्या इतने सालों में किसी सरकार ने यह नहीं सोचा कि क्यों न तीन तलाक को खत्म किया जाए इस दंश को भी मिटाया जाये। मैं आज कहना चाहता हूं कि हमारी केन्द्र की सरकार ने माननीय मोदी जी, माननीय अमित शाह जी ने, पूरी सरकार ने यह सोचा कि हमारे देश में ही यह तीन तलाक की प्रथा क्यों चली आ रही है और महिला सशक्तीकरण को आगे बढ़ाते हुए इतना बड़ा ऐतिहासिक कदम जो हम सोच भी नहीं सकते थे। इस तीन तलाक कानून को खत्म करने का काम किया माननीय मोदी जी ने। उन अल्पसंख्यक माताओं/महिलाओं को जिनको केवल तीन बार तलाक कहने से उनका घर उजड़ जाया करता था, उनके बच्चे अनाथ हो जाया करते थे। इस तीन तलाक को खत्म करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया। जी0एस0टी0 जैसा ऐतिहासिक कदम सरकार ने उठाया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि एक देश, एक टैक्स इस कदम को हमारी केन्द्र सरकार ने आगे बढ़ाया इसको लागू किया और सबसे महत्वपूर्ण बात मैं यह कहना चाहूंगा कि ये बात बिल्कुल सही है कि अगर किसी प्रदेश की कानून-व्यवस्था ठीक नहीं है तो न वहां कोई इन्वेस्टमेंट आएगा और न ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे। समाजवादी पार्टी की सरकार में सबने देखा उनकी पांच साल की सरकार में गुण्डों का बोलबाला था, भ्रष्टाचार का बोलबाला था। मैं तो कहना चाहूंगा कि समाजवादी पार्टी और भ्रष्टाचार एक ही सिक्के के दो पर्याय हैं। (मेंजों की थपथपाहट) छोटा भ्रष्टाचारी जेल के अन्दर है और बड़ा भी बहुत जल्दी जेल के अन्दर होगा।

मैं कहना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने माननीय योगी जी के नेतृत्व में जब वह सत्ता में आये तो उन्होंने यही संकल्प लिया था कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को उत्तर प्रदेश में ठीक करना है। जब तक हम इसको ठीक नहीं करेंगे, तब तक हम आगे नहीं बढ़ सकते और इस सरकार ने आज केवल ढाई साल के कार्यकाल में आज गुण्डे या तो

खुद जेल के अन्दर चले गये या इस प्रदेश को छोड़कर चले गए और शायद यही कारण है कि जो अभी हाल में ही इन्वेस्टर सम्मिट हुआ उत्तर प्रदेश के इतिहास में इतना बड़ा इन्वेस्टर सम्मिट न पहले कभी हुआ और चार लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश यहां पर करने की लोगों ने इच्छा जाहिर की और करीब ढाई लाख से ज्यादा रोजगार हमारी सरकार ने नौजवानों को दिया है शायद यही कारण है कि आज पूरा देश ही नहीं बल्कि विश्व के बड़े-बड़े इन्ड्रस्टियल हाऊसेज और ग्रुप्स अब उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि आज उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था सुधरी है, अच्छी हुई है। अगर हम उत्तर प्रदेश में जाएंगे तो हम सेफ रहेंगे और बहुत सारी ऐसी योजनाएं और भी हैं माननीय उप मुख्य मंत्री जी ने भी कल उसका उल्लेख किया था। ऐसी-ऐसी योजनायें हैं जो कभी किसी सरकार ने नहीं सोची होंगी जैसे प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, करीब आठ करोड़ से ज्यादा परिवारों को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से जोड़ने का काम माननीय प्रधानमंत्री जी ने किया। क्यों नहीं पहले किसी प्रधानमंत्री ने यह सोचा था। मैं उस वक्त पैदा तो नहीं हुआ था लेकिन मुझे याद है कि इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी कहते थे कि अगर हम सौ रुपये ऊपर से भेजते हैं तो नीचे केवल 10 रुपये पहुंचता है, 90 रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते हैं। यदि किसी देश का प्रधानमंत्री ये बात मंच से कहे कि उनकी सरकार में यदि 100 रुपये वह ऊपर से भेज रहे हैं और नीचे मात्र 10 रुपये जा रहा है तो मैं समझता हूं कि वह अपनी देश की सवा सौ करोड़ की जनता को अपनी अक्षमता को दिखा रहे हैं कि वह सक्षम नहीं हैं कि भ्रष्टाचार को रोकने का काम कर सकें। आज मोदी जी ने इस भ्रष्टाचार को तो रोका ही रोका है बल्कि ऐसी योजनायें चलाकर चाहे वह प्रधानमंत्री आवास योजना हो जिसमें 2022 तक 1 करोड़ 95 लाख घर आवंटित करने का लक्ष्य केन्द्र सरकार ने रखा है। 2022 तक गरीब लोगों को इतने आवास आवंटित होंगे। चाहे आयुष्मान योजना का लक्ष्य रखा हो, विश्व की सबसे बड़ी योजना है जिसमें 5 करोड़ लोगों के परिवारों को इस योजना से जोड़ने का काम यदि किसी ने किया है तो वह माननीय मोदी जी की सरकार ने किया है। 5 लाख रुपये तक का खर्च उनके इलाज पर जो भी खर्च आता है उसका वहन यदि कोई करेगी तो वह केन्द्र सरकार करेगी। क्यों नहीं किसी प्रधानमंत्री ने या किसी सरकार ने यह सोचा कि हम गरीबों को ऐसी योजनाओं से जोड़ दें जिससे कम से कम इलाज के अभाव में जो देश में मौतें होती थीं उन घटनाओं को रोका जा सके।

सौभाग्य योजना वह भी शायद विश्व की सबसे बड़ी योजना बन गई है। 2 करोड़ 91 लाख 76 हजार घरों को बिजली के कनेक्शन दिये गये वह भी माननीय योगी जी के नेतृत्व में इसके लिए माननीय ऊर्जा मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई। 178168 मजरों को भी विद्युतीकरण से जोड़ा गया जिनमें आज तक बिजली नहीं पहुंची थी। इतने मजरों में पहली बार उन मजरों में बिजली पहुंचाने का काम किया। मैं इसके लिए माननीय आदरणीय मुख्य मंत्री जी

का बहुत-बहुत, आभार व्यक्त करता हूं। मैं केवल इतना ही कहूंगा कि आज भ्रष्टाचार पूरी तरीके से प्रदेश में खत्म हो गया है। पिछली सरकार ने जो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। ये बात सब जानते हैं कि पिछली बार समाजवादी पार्टी की सरकार में उत्तर प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन में किस तरीके से भ्रष्टाचार हुआ था। बच्चों के भविष्य से कैसे खेला गया था। मैं यह यहां पर कहना नहीं चाहता लेकिन केवल एक वर्ग के 90 प्रतिशत बच्चों को पब्लिक सर्विस कमीशन में नियुक्ति दे दी जाए, उनकी भर्ती कर ली गई, जिस तरीके से नकल कराकर, बेईमानी करके, लूट करके, उन नौजवान युवकों के भविष्य से खेला गया उसका तो जवाब प्रदेश की जनता ने इनको 2017 में दे ही दिया लेकिन बधाई माननीय मुख्य मंत्री जी को कि कम से कम आज उनकी सरकार में इस प्रदेश का नौजवान अपने भविष्य के लिए आश्वस्त है कि यदि वह काबिल है, यदि वह बैठना चाहता है तो पूरी निष्पक्षता के साथ उसका फैसला होगा और आज नौजवान अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त है।

पर्यावरण जो आज हमारे सामने एक बहुत बड़ा चैलेन्ज भी है। एक बहुत बड़ा चैलेन्ज है कि कैसे ग्लोबल वार्मिंग आज हमारे देश में ही नहीं पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आज जो तबाही हो रही है चाहे वह यू0एस0 हो, चाहे यूरोप हो या चाहे साउथ ईस्ट एशिया हो। तमाम ऐसे देश हैं जिनका आज पूरी तरीके से वेदर शिफ्ट हो रहा है। जो पहले मौसम होते थे उसमें धीरे-धीरे 15-20 दिन से 1 महीने भर का शिफ्ट मौसम ने ले लिया। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आज इतनी बीमारियां हो रही हैं, कहीं भी भूकम्प आ जाता है, कहीं भी साइक्लोन आ जाते हैं। आज यह पर्यावरण भी बहुत बड़ा विषय है और इसको भी हम लोगों को प्राथमिकता से रखना चाहिए। शायद इसी कड़ी में हमारी प्रदेश सरकार ने माननीय योगी जी ने पहली बार 9 अगस्त को जो अभी बीत गई उसमें 22 करोड़ से ज्यादा पौधे लगवाने का हमारी प्रदेश सरकार ने काम किया जो कि एक विश्व रिकार्ड बना कि एक दिन में एक प्रदेश में इतने ज्यादा पौधे अगर लगवायें तो हमारी सरकार ने लगवाये हैं क्योंकि जितने पौधे लगवाएंगे उतना ही पर्यावरण शुद्ध होगा जो ग्लोबल वार्मिंग का इफेक्ट हम लोगों पर पड़ रहा है कम से कम हम उस इफेक्ट को खत्म कर सकेंगे। मैं केवल इतना ही कहने आया हूं कि आज गांधी जी के 150वीं जयन्ती पर हमारा देश और पूरा विश्व जो उनके आदर्शों पर चलने का काम कर रहा है और आज जो एक सतत विकास की प्रक्रिया आज हमारे सामने जो हमें तमाम क्षेत्रों को विकसित करके हमें आगे बढ़ना है। मैं आज यह कह सकता हूं कि चाहे केन्द्र की सरकार हो या प्रदेश की सरकार हो आज बहुत कम्पीनेन्ट तरीके से उनको लागू करके वाकई जिनको उन योजनाओं की जरूरत है, जिन लोगों की आवश्यकता है कि उनका विकास हो, वाकई उन लोगों तक वह योजनायें पहुंच रही हैं। मैं आभारी हूं धन्यवाद देता हूं और मैं तो कहूंगा कि आज प्रदेश की जनता ने और देश की जनता ने जो 2019 का मेनडेट दिया है वह यह देखकर दिया है कि जो सरकार आज हमारी देश में या प्रदेश में चल रही है वह वाकई गरीब, किसान और

नौजवान के लिए चल रही है। मैं बहुत-बहुत आपका धन्यवाद देता हूं और बहुत आभारी हूं, जय हिन्द।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद आपका।

***[19:14] सुश्री अदिति सिंह-**

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज आपने मुझे गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर बोलने का मौका दिया। इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। आज मैं दलगत भावना से ऊपर उठकर राष्ट्रपिता के सम्मान में बोलने का काम कर रही हूं। माननीय अध्यक्ष जी, बापू की कहानियां सुनते हुए और उनके किस्से सुनते हुए हम सब बड़े हुए हैं और आज की तारीख में जो पंचायती व्यवस्था है जिसको उन्होंने प्रारम्भ किया था। उसमें देखकर हमें बहुत दुख होता है कि जिस पंचायती व्यवस्था पर उन्हें इतना गर्व था आज उसका क्या हाल हो चुका है। जिला पंचायत की अगर आप बात करें तो जिला पंचायत के जो चुनाव होते हैं किस तरीके से उसमें चुनाव होता है इसलिए मैं सबसे पहले माननीय मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद कहना चाहूंगी कि आपने उस चुनाव को जनता का कराने का जो प्रयास किया उसके लिए हम सब धन्यवाद देते हैं। (मेजों की थपथपाहट) और अपेक्षा रखती हूं कि उसमें कुछ कार्य हो पायेगा और जो युनाईटेड नेशन्स के विजन-2030 के जो सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट गोल्स हैं, आज मुझे उन पर बोलने का मौका मिला, मैं बहुत-बहुत भाग्यशाली हूं और इसके लिए आपको धन्यवाद कहना चाहती हूं। अगर गरीबी के लक्ष्य की बात की जाय तो विश्व की लगभग सवा अरब आबादी में लगभग 40 फीसदी आबादी बेहद गरीब है, बिलो पॉवरटी लाइन बढ़ गई है और नेशनल काउन्सिल आफ अप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च तथा अमेरिका की नाइलसेन यूनिवर्सिटी ने कुछ समय पहले एक सर्वे किया था जिससे पता चला कि एक चौथाई लोग अभी भी गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने अभी हाल ही में एक रिसर्च की थी जिसमें पता चला है कि जो अफ्रीका के 26 सबसे गरीब देश हैं उनसे भी ज्यादा बदतर हालत में हमारे यहां 05 प्रदेश के लोग रह रहे हैं और हमें इन सारे ग्राफिक्स पर 2030 तक ज्यादा से ज्यादा काम करना है।

मेरा अभी बहुत लम्बा समय तो नहीं हुआ है विधायक बने हुए और राजनीतिक जीवन में जबसे मैंने कदम रखा है, पर इस स्पीच के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगी। मुझे याद है कि पहले हर गांव में जहां पर कालोनी का लक्ष्य होता है पूरे-पूरे गांव में एक-आध कालोनियां आ पाती थीं और वह भी जाति विशेष के तौर पर आती थी। आज की तारीख में उन्हीं गांवों में कम से कम 20-30 कालोनी एक साथ आती हैं, गरीबों

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के लिए। जो एक लक्ष्य यूनाईटेड नेशन्स का है वह चाहे हाउसिंग का हो, चाहे वह पानी की समस्या हो, चाहे पॉवरटी एबॉलिशन हो ये सारी चीजें वी गो हैण्ड टू हैण्ड, जब तक एक पर काम नहीं किया जायेगा दूसरी चीजों पर भी काम नहीं किया जा सकता। अगर साफ-सफाई, पानी और स्वच्छता की बात की जाय तो यह एक ऐसा मुद्दा है जो मेरे दिल के बहुत करीब है और हाउस में भी मैंनें इस पर बहुत चर्चा की है जब-जब आपने मुझे मौका दिया है।

आपके आशीर्वाद से जब भी मुझे इस पर प्रश्न करने का एवं चर्चा करने का मौका मिला मैंने हमेशा इस मुद्दे को उठाने का प्रयास किया है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2030 तक 40 प्रतिशत आबादी के पास पीने का स्वच्छ पानी नहीं होगा। जहां तक है अगले साल के अन्दर बहुत सारे महानगरों में ग्राउण्ड वाटर पूरी तरह से खत्म हो जायेगा। यह एक बहुत ही इंर्पोटेण्ट सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट गोल्स हैं, जिसके लिए हमें काम करना है। वर्तमान में जो 70 प्रतिशत प्रदूषित जल है, चाहे वह आर्सेनिक की वजह से हो, चाहे वह किसी भी कारण से हो उसकी वजह से हर साल तकरीबन 02 लाख मौतें होती हैं। प्रदेश में कई जनपदों में आर्सेनिक/फ्लोराइड की यह समस्या हर साल की है। इन जिलों में संयंत्र लगाने का और आर0ओ0 प्लान्ट लगाने का काम किया जा रहा है। मैं अपने जनपद के बारे में बताना चाहूंगी रायबरेली में भी, मेरे विधान सभा क्षेत्र में भी बहुत से ऐसे इलाके हैं जहां वेरी हाई फ्लोराइड आर्सेनिक लेबिल है जिसके लिए टंकी लगाने की जरूरत है। देश का 80 प्रतिशत जो शुद्ध पेयजल होता है वह कृषि क्षेत्र में प्रयोग होता है, कृषि की 10 से 15 प्रतिशत जी0डी0पी0 अपने यहां आती है। जाहिर है कि बहुत ज्यादा वाटर वेस्टेज हो रहा है और जब तक हम अपने एरिगेशन में नयी टेक्नालॉजी यूज नहीं करेंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं तैयार किया जायेगा या ड्रिप एरिगेशन जिसकी चर्चा चलती रहती है उस पर भी कुछ काम होगा उसको अनुमति दी जायेगी तब तक पानी की समस्या पूरी तरीके से हल नहीं हो पायेगी। रेन वॉटर हार्वेसटिंग में भी हम बहुत कम पानी हार्वेस्ट कर पाते हैं बाकी सारा बहकर समुद्र में चला जाता है। इस चीज पर भी जो काम हो रहा है वह सतत् है और इस पर ज्यादा से ज्यादा काम करने का प्रयास करना चाहिए। सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा की अगर बात की जाय तो वर्ष 2040 तक 50,000 मेगावाट से ज्यादा हमारे उत्तर प्रदेश में बिजली का उपयोग होगा। इसको मद्देनजर रखते हुए हम लोगों को अल्टरनेटिव एनर्जी सोर्सेस को देखना पड़ेगा चाहे वह सौर ऊर्जा हो, चाहे जो अन्य सोर्सेस एनर्जी के हों, चाहे विण्ड एनर्जी हो ताकि एनर्जी रिक्वायरमेन्ट हम लोगों की पूरी हो पाये। मान्यवर, इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती हूं। आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं बहुत-बहुत धन्यवाद कहना चाहूंगी।

ये जो आज मुद्दा था हम सस्टेनबल डेवलपमेन्ट गोल्स की बात कर रहे हैं। मैं एक शिक्षित विधायक हूं, एक पढ़ी-लिखी विधायक हूं और यहां विधान सभा में आने का मेरा लक्ष्य था कि मैं डेवलपमेन्ट पर बात कर सकूं, विकास पर बात कर सकूं, सस्टेनबल एनर्जी पर बात

कर सकूं, मेरे ख्याल से मेरा मानना है, जो चीज हमेशा मुझे सही लगी है, उस पर बात करने का प्रयास किया है, चाहे वह आर्टिकल 370 हो, जिसका मैंने पूरी तरीके से समर्थन किया था, चाहे कोई भी ऐसा मुद्दा हो जो मुझे लगता है राष्ट्रहित का है, देश हित का है, प्रदेश हित का है, मैंने हमेशा उसको समर्थन देने का प्रयास किया है और आज भी मैं यहां आयी हूं बोलने के लिए क्योंकि मेरा मानना है कि महात्मा गांधी जी को अगर हम सच्ची श्रद्धांजली देना चाहते हैं तो बस डेवलपमेन्ट करें, ज्यादा-से-ज्यादा प्रदेश में काम होगा तभी हम यह काम पूरा कर सकते हैं।

*[19:20] **श्री अमन मणि त्रिपाठी-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका हृदय से आभार प्रकट करना चाहूंगा कि आज महात्मा गाँधी जी के 150वीं जयन्ती पर आपने 36 घण्टे लगातार सदन चलाकर एक-एक सदस्य को यहां अपनी बात रखने का मौका दिया है। माननीय अध्यक्ष जी, यह इतिहास के पन्नों में भी निश्चित तौर पर दर्ज होगा कि कोई विधान सभा लगातार 36 घण्टे चले। माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि महात्मा गांधी जिन्होंने अहिंसा की राह चुन करके इस देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराने का काम किया। वह हम सबके प्रिय और राष्ट्रपिता हैं। उनके कर्म ऐसे रहे कि पूरे देश ने उनको राष्ट्रपिता का दर्जा देने का काम किया है। जब अंग्रेज हमारे देश में आ करके लूट-खसोट हमारी सारी संपत्ति, सारा धन, सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत को लूटकर ले जाने लगे तब जगह-जगह पर उनसे लड़ने के लिए हमारे बहुत से स्वत्रंता सेनानी जो इस देश की आजादी के लिए शहीद हुए उन्होंने जगह-जगह पर प्रान्तों में अपने इलाकों की रहनुमाई की। चाहे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रहे हो, चाहे भगत सिंह जी हो, चाहे सरदार पटेल जी हो, एक तरीके से सबने महात्मा गांधी को काबुल से ले करके ढाका तक अपना नेता मानने का काम किया है और मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से आता हूं मान्यवर, मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में भी नील की पैदावार होती है और जब पश्चिमी चम्पारण पर महात्मा गांधी जी ने गरीबों की, मजलूमों की आवाज को अहिंसा के तौर पर बुलन्द करने का काम किया तो उसका एक हिस्सा हमारे क्षेत्र का भी है। माननीय, सत्याग्रह की राह पर जब महात्मा गांधी जी ने इस देश की आजादी का बीड़ा उठाया तो हमारे बगल का एक जनपद है गोरखपुर, वहां कुछ हिंसा हो गयी जिसकी वजह से महात्मा गांधी जी को आहत हो करके सत्याग्रह को रोकना पड़ा लेकिन मान्यवर, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि निश्चित तौर पर उससे हमारी देश की आजादी को एक नया आयाम मिलने लगा। और तेजी से भारत के हर नौजवान, हर मजदूर किसान ने यह बीड़ा उठाया कि अगर महात्मा गांधी सत्याग्रह की राह पर चलकर, महात्मा गांधी अहिंसा की राह पर चलकर इस देश को आजाद कराना चाहते हैं तो हम उनके साथ हैं और पूरा देश उनके साथ हुआ और आज हम एक स्वतन्त्र वातावरण में स्वतन्त्र सांस ले रहे हैं। मान्यवर, मैं कहना चाहूंगा कि महात्मा गांधी जी ने चरखा चला करके

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कपड़ा पैदा करने का काम किया। आज हमको उसका उदाहरण हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के अन्दर दिखायी देता है, जिन्होंने मेक-इन-इण्डिया की बात कही और यह कहा कि हमारे यहां जो नौजवान है, पूरा देश, पूरी दुनिया हमारी ओर, भारत की ओर आंख गड़ाये देख रही है कि सबसे ज्यादा नौजवान आज भारत में है। भारतवर्ष के नौजवान बेरोजगार हैं और सामान आता है चाइना से। हम मेक-इन-इण्डिया का कांसेप्ट ले करके आयेंगे जहां हर एक नौजवान को, हर एक बेरोजगार को नौकरी मिलेगी। हमने स्किल डेवलपमेन्ट करने का काम किया, जो लोग अशिक्षित थे गांव में उन्हें 06 महीने की ट्रेनिंग दे करके कौशल विकास के तहत। मान्यवर, तमाम लोग आज हमारे पास मेरे विधान सभा क्षेत्र में बार्डर डेवलपमेन्ट का पैसा आता है क्योंकि नेपाल से सटी सीमा हमारी है। हर वर्ष मान्यवर, 80 लाख रुपये स्किल डेवलपमेन्ट पर भारत सरकार हम लोगों को देती है, जिससे नव जवान हमारे यहां स्किल डेवलपमेन्ट के तहत एक बेहतर प्रशिक्षण करके, एक बेहतर व्यवस्था करके अपना जीवकोपार्जन कर सकें। आज मान्यवर, विपक्ष ने सदन का बहिष्कार कर दिया। मान्यवर, राष्ट्रपिता की बात हो रही है। हम महात्मा गांधी जी को नमन करने के लिए आज इस सदन में उनको सच्ची श्रद्धांजली देने के लिए इक्ट्ठा हुए हैं लेकिन मान्यवर, अपनी कमियों को छिपाने के लिए और झूठे आरोप लगाने के लिए जब हरदम इस सदन में यह कहा जाता है, मैं बैठा सुनता हूं कि मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया। कोई नियम-56 पर बोलना चाहता है, कोई नियम-300 पर बोलना चाहता है। आज जब स्वतंत्रता है आप अपने वक्तव्य को अच्छे से रख सकते हैं सरकार के सामने तब आप बहिष्कार करते हैं क्योंकि आपके पास कोई चीज बाकी नहीं बची। आप किसी चीज पर सरकार का विरोध नहीं कर सकते। आज सरकार पूरी तरीके से मान्यवर, इससे पूर्व में राजीव गांधी विद्युतीकरण होता था। सिफारिश करके हम लोगों को मान्यवर, किसी तरीके से 10 या 5 गांव मिलते थे, जिन गांवों में हम लोग बिजली लगा सकते थे।

मान्यवर, आज यह अधिकार हम लोगों को आदरणीय योगी जी, आदरणीय मोदी जी ने देने का काम किया है कि हम लोग सूची बना करके दे देते हैं और सभी गांवों में मैं दावे के साथ इस बात को कह सकता हूं कि बिजली पहुंच गयी है। अन्तिम घर तक बिजली पहुंच गयी है और जो गांव हमारे यहां चौराहे पर विकसित हो गये, जो थोड़ी दूर तक सीवान में बस गये, वहां पर भी बिजली का पोल और तार पहुंच गया और फ्री में कनेक्शन हम लोगों ने देने का काम किया है। मान्यवर, मैं धन्यवाद देना चाहूंगा माननीय मुख्य मंत्री जी को कि हमारे यहां तराई बेल्ट में सिंचाई कि व्यवस्था सुदृढ़ नहीं थी। अंग्रेजों के समय का बना हुआ रोहीन डैम टूट गया था, बह गया था किसी को फर्क नहीं पड़ रहा था कि किसान अपना खेत कैसे सींच सकेगा। मुख्य मंत्री जी ने इस चीज का संज्ञान लिया और 99 करोड़ की लागत से बनने वाले डैम को हमारे क्षेत्र में देने का काम किया। मैं बार-बार आपको नमन करना चाहूंगा, आपको धन्यवाद देना चाहूंगा। मान्यवर, पूर्व में हम लोगों को पत्र लिखना पड़ता था, मुख्य मंत्री जी राहत कोष से कुछ पैसा दे दीजिये कि गरीब का इलाज हो सके। आज आयुष्मान भारत खड़ा

है, सबके पास कार्ड है, जिसको चाहिए, चाहे प्राइवेट अस्पताल में, चाहे सरकारी अस्पताल में अपना मुफ्त इलाज करा लेता है, दवा ले लेता है, मान्यवर, उसको किसी का चेहरा देखने का काम नहीं करना पड़ता। उसको किसी की सिफारिश की आवश्यकता नहीं पड़ती है और हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी इतने उदार हृदय के हैं कि कोई भी इस सदन का सदस्य नहीं कह सकता कि कभी किसी की बीमारी के लिए उन्होंने पत्र माननीय मुख्य मंत्री जी को लिखा है तो जल्द-से-जल्द माननीय मुख्य मंत्री जी ने उसके इलाज के लिए पैसा देने का काम किया है। मान्यवर, सभी समस्याओं को जन-जन तक पहुंचकर हमने दूर करने का काम किया है। स्वच्छ भारत जो महात्मा गांधी जी का सपना था, गांधी जी के नाम पर 70 साल राज करने वाले लोग, इस तरफ किसी ने नहीं देखा कि हमारे इन्वायरमेण्ट को क्या फर्क पड़ रहा है। इस तरफ किसी ने नहीं देखा कि गंदगी से कितना नुकसान, कितनी बीमारियां हो रही है। हमारे यहां ऐसी बीमारियां हो रही हैं जिससे छोटे-छोटे बच्चे मर रहे हैं, नौजवान मर रहे हैं लेकिन जिस दिन आदरणीय मोदी जी की सरकार आई उन्होंने पहले शब्दों में कहा कि हम स्वच्छ भारत अभियान चलायेंगे। मान्यवर, मैं गौरव के साथ इस बात को कह सकता हूं कि जिस दिन से माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस प्रदेश के मुख्य मंत्री पद की शपथ ली है निश्चित तौर पर आप पिछली सरकार को और इस सरकार को देख लीजिए, गांव में सफाई हो रही है और सफाईकर्मी काम कर रहे हैं नहीं तो सफाईकर्मी किसी गांव में काम करने नहीं जाते थे। आज जगह-जगह प्रशासन दौड़ कर यह देखता है कि क्या सफाईकर्मी मौजूद है यदि नहीं मौजूद है तो उसके सस्पेंशन तक की कार्यवाही होती है इससे पूर्व में कभी नहीं हुई है। इससे पूर्व में केवल सफाईकर्मियों की भर्तियां हुई और भर्ती के नाम पर आप जानते हैं कि कितना घोटाला हो जाता है लेकिन सरकार के हर एक अंग से जनहित का कार्य माननीय योगी जी ने इस बात को साबित करने का काम किया है कि सरकार के प्रत्येक अंग से कैसे काम लेना चाहिए जो जनहित का काम हो। मान्यवर, अभी पूर्व में हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने चैक डैम की बात की। जल स्तर निश्चित तौर पर नीचे गिर रहा है। हम तराई क्षेत्र से आते हैं वहां भी जहां पानी का स्टेटा हमें 40 फीट पर मिलता था आज दो-दो सौ फीट पर मिल रहा है। मैं निश्चित तौर पर माननीय मुख्य मंत्री जी से इस बात को कहना चाहूंगा कि हमारे यहां एक बहुत बड़ी ताल है ऐजड़ ताल, जहां पूर्व में चैक डैम बना हुआ था जिससे हम लोग पानी सुरक्षित कर लेते थे और पानी का स्टेटा नीचे नहीं जाता था। उसकी मरम्मत करके, उसको बेहतर करके हम फिर से पानी का स्टेटा ऊपर ला सकते हैं, बेहतर पीने का पानी दे सकते हैं। पेयजल के संबंध में कहना चाहूंगा कि हम हैण्डपाइप के लिए लड़ते थे। योगी जी ने इस बात को कह दिया कि हम घर-घर तक टोटी लगाकर पीने का पानी और स्वच्छ पानी देने का काम करेंगे अब हमको हैण्डपाइप की सिफारिश किसी के लिए नहीं करनी है, घर-घर टोटी का पानी पहुंच जाएगा जिससे निश्चित तौर पर ग्राम सभा में रह रहे वासियों को सुगमता होगी। आजादी के बाद आज

तक मेरे विधान सभा क्षेत्र में पांच वनटांगियां हैं आज तक उनको राजस्व गांव का दर्जा किसी ने नहीं दिया था। वोट सब ले लेते थे लेकिन उनकी पीड़ा को किसी ने नहीं सुना है उनको यह अधिकार नहीं था कि वह अपना प्रधान चुन सकें, उनको यह अधिकार नहीं था कि यह जमीन उनकी है या नहीं है लेकिन जिस दिन योगी जी ने इस प्रदेश के मुख्य मंत्री पद की शपथ ली तो सभी मूसहर वासियों को, मूसहर टोलों को, वनटांगीवासियों को ग्राम सभा का दर्जा देने का काम किया है आज निश्चित तौर पर सभी को प्रधानमंत्री आवास, हम लोग गांव में जाते हैं केवल पूछ कर मकान मिलते थे। वन विभाग उनको घर नहीं बनाने देता था। आज सबके चेहरे पर खुशी है, आज सबके घर में बिजली है, सबके घर पक्के हैं किसी को बारिश में यह नहीं देखना है कि हम कहां सोने जाएंगे, कहीं मेरा फूस का मकान गिर जाये। निश्चित तौर पर मैं पुनः एक बार श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए आपको धन्यवाद देना चाहूंगा, माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा। मान्यवर, एक बात कहना चाहूंगा कि 'हजारों साल नरगिस अपनी बेनूरी पर रोती है, हजारों साल नरगिस अपनी बेनूरी पर रोती है, तब जाकर पैदा होता है दीदावर चमन में कोई'। धन्यवाद।

***[19:25] श्री हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी-**

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर आज जो 36 घण्टों का विशेष सत्र आहूत किया गया है उसके लिए यशस्वी मुख्य मंत्री जी एवं माननीय विधान सभा अध्यक्ष जी को बधाई देना चाहता हूं कि पहली बार उत्तर प्रदेश के इतिहास में यह रिकार्ड दर्ज हो रहा है। मैं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कहना चाहता हूं कि प्रदेश की सरकार ने माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में शिक्षा विभाग में आमूल परिवर्तन किया है। हमारी सरकार में नकल माफियाओं पर पूरी तरह से रोक लगायी गयी जिससे छात्रों की पढ़ाई का माहौल बना। हमारी सरकार में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान मिला उन्हें जिले एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया गया तथा उनके नाम पर रोड का नाम रखा गया जिससे छात्रों में प्रतिस्पर्धा बढ़ी और छात्रों की पढ़ाई को लेकर माहौल बना। हमारी सरकार में पूरी ईमानदारी के साथ अध्यापकों का पूर्ण पारदर्शिता के साथ ऑन लाइन स्थानांतरण हुआ। किसी भी प्रकार से किसी के साथ कोई भेद-भाव नहीं किया गया है। पंचायतीराज तथा शिक्षा विभाग के आपसी समन्वय से विद्यालयों की अवस्थापना सुविधाओं में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। पिछले शैक्षणिक सत्र में जनपद लखीमपुर खीरी में परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में, सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में छात्र नामांकन में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। बेसिक शिक्षा के इतिहास में पहली बार स्कूल खुलते ही बच्चों के हाथों में पाठ्य-पुस्तकें प्राप्त हुई हैं। बेसिक शिक्षा के बच्चों को पहली बार स्वेटर, जूता-मोजा वर्तमान सरकार बनने के बाद तुरंत मिले। पहले बच्चों को जो यूनिफार्म दी जाती थी उसमें बच्चे निखर कर सामने नहीं आ पाते थे, अब यूनिफार्म के रंग में परिवर्तन किया गया है तथा धनराशि में

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

वृद्धि होने से इसकी गुणवत्ता बढ़ी है जिससे सरकारी स्कूल के बच्चे निखर कर कॉन्वेंट स्कूल के बच्चों को मात दे रहे हैं। हमारी सरकार बनने के बाद सरकारी विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम से संचालित किया गया है। जिस पर समाज ने बहुत ही सकारात्मक प्रक्रिया दी है। लखीमपुर जनपद में विगत वर्ष में 242 विद्यालय अंग्रेजी माध्यम से संचालित किये जा रहे हैं। वर्तमान सरकार बनने से पूर्व विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति संतोषजनक नहीं थी परंतु हमारी सरकार आने के बाद माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रयासों से प्रोत्साहित होकर अध्यापक पूर्ण मनोयोग से शिक्षण कार्य कर रहे हैं। हमारी सरकार ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की गरीब बच्चियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए उनका उच्चीकरण किया है जिसके अन्तर्गत लखीमपुर में छः विद्यालय आवासीय इंटर कालेज के रूप में उच्चीकृत हुए हैं जिसमें मेरी विधान सभा क्षेत्र पलिया में बिजूआ और बांकेगंज भी शामिल है। जनपद लखीमपुर खीरी में विशेष रूप से मेरी विधान सभा क्षेत्र पलिया में शिक्षा विभाग ने सरकार की मंशा के अनुरूप माननीय मोदी जी और माननीय योगी जी के मार्गदर्शन में विभागीय कार्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ कर रही है। अंत में यह भी बताना चाहता हूं कि मुझे विधायक बने 8 वर्ष हो गये और मुझे इन वर्षों में लगभग 1 करोड़ रुपये वेतन के रूप में मिला। अध्यक्ष जी, आपको बताना चाहता हूं कि वह 1 करोड़ रुपये मैंने गरीब बेटियों की फीस में मैंने दे दिया और सारी की सारी तनख्वाह उन गरीब बेटियों को मैंने अपने हाथों से दी। आज वह कुछ बेटियां पढ़कर नौकरी भी पा गयी हैं और उनका परिवार सुचारू रूप से खुशी से आगे बढ़ रहा है। इन्हीं शब्दों के साथ आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। धन्यवाद।

[*][19:39] **श्री जयमंगल**-

मान्यवर, आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपके प्रति आभारी हूं। आज हमको मौका मिला है गुणवत्तापरक शिक्षा पर बोलने के लिए। आज माध्यमिक स्कूलों में जो बच्चों का ड्रेस इसके पूर्व की सरकारों ने दिया उसमें बच्चों में आपस में हीनता पैदा होती थी परंतु हमारी सरकार ने जो ड्रेस दिया वह मौसम के हिसाब से दिया। स्वेटर भी दिया, जूता-मोजा भी दिया और उनके अन्दर एक अपने-आप में पढ़ाई के लिए उत्सुकता हुई और आज हमारे परिषद्रीय विद्यालय पूर्ण रूप से चल रहे हैं और अच्छी संख्या भी हो रही है। बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हमने योग्य शिक्षकों की व्यवस्था की। हमारे बच्चे निरोगी रहें, हमारे बच्चे पढ़े और अच्छी शिक्षा लें। बालिकाओं की शिक्षा के लिए भागीदारी बढ़ाने के लिए कन्या सुमंगला योजना लागू की गयी, निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की गयी। प्राथमिक विद्यालयों में उच्चीकृत छात्रों के लिए अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की गयी जो हमारे गांव में, दूर-दराज गांव में इंग्लिश मीडियम के

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

स्कूल खुल गये हैं इससे हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम से पढ़ाई कर रहे हैं। ऐड़ा आयोग के माध्यम से जो माननीय मंत्री जी ने व्यवस्था की है ऐड़ा आयोग के माध्यम से जहां एक तरफ प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य की गयी वहीं उनके समायोजन की ओर पारदर्शी व्यवस्था की गयी । जनपद के बाहर शिक्षकों की टिकाऊ हस्तांतरण की नीति पूरी पारदर्शिता के साथ बनायी गयी। शिक्षकों के ट्रांसफर, पोस्टिंग को इसके पूर्व की सरकारों ने एक उद्योग धंधा बना दिया था, कमाई का जरिया बना दिया था। इसमें हमारी सरकार ने पारदर्शिता के तहत यह काम किया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षकों को विभिन्न पुरस्कारों से हम सम्मानित भी कर रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा सरकार में आने के पूर्व पूर्णतया रसातल में पहुंच चुकी थी। पूर्ववर्ती सरकारों के पास कोई स्पष्ट नीति न होने के कारण तमाम विद्यालय शिक्षकों की कमी के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच चुके थे। यह परीक्षाओं में नकल कराना एक व्यवसाय बन गया था। पूर्व की सरकारों में नकल एक उद्योग धंधा बन गया था जो उनके लोगों के द्वारा ठेका लेकर नकल करायी जाती थी। आज हम कह सकते हैं कि नकलविहीन हमारी प्रदेश की परीक्षाएं हो रही हैं। हमारी सरकार में सिर्फ माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा आयोग के माध्यम से माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के शिक्षकों की भर्ती की। पारदर्शिता के साथ नकल रोक कर नकल व्यवसाय को समाप्त किया है। बेटियों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करायी जा रही है। विभिन्न महापुरुषों की जयन्ती पर अवकाश में संशोधन कर महापुरुषों के जीवन पर भी प्रकाश डालने का कार्यक्रम हमारी सरकार ने किया है।

अध्यक्ष जी, नेपाल से सटा हुआ जनपद महाराजगंज है सदर महाराजगंज मुख्यालय की विधान सभा क्षेत्र है। मेरी भी विधान सभा क्षेत्र की कुछ मांगें हैं। महाराजगंज जनपद का नाम अन्य जिलों में केवल उसका नाम डिपो के नाम से होता है जो रोडवेज की बसें जाती हैं वह डिपो यदि दूसरे जनपद में आते हैं तो लगता है कि कोई महाराजगंज है। आज महाराजगंज मुख्यालय होने के बावजूद भी वहां महाराजगंज डिपो के नाम से महाराजगंज नहीं हुआ है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से मांग करता हूं कि आप एक निर्देश जारी करें कि महाराजगंज मुख्यालय पर महाराजगंज के नाम से डिपो हो। महाराजगंज शहर के बीचों-बीच एक बड़ा नाला बहता है जिसमें बरसात के मौसम में बाढ़ आ जाती है। उसके किनारे बसे हुए लोगों को दिक्कतें होती हैं इसमें माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि उस नाले का पक्का निर्माण कराकर जो बरसात के मौसम में दुर्दशा होती है उसको समाप्त किया जाये। महाराजगंज में बाईपास की समस्या बहुत बड़ी है। इससे काफी दिक्कत हो रही है। मैं माननीय मंत्री जी को केशव प्रसाद मौर्य जी को बधाई देना चाहता हूं कि महाराजगंज में एक बड़ी सड़क का निर्माण हो रहा है और बताना भी चाहता हूं कि कई बार अतिक्रमण हटने के बाद भी महाराजगंज में समाजवादी पार्टी के एक नेता के घर के सामने जब भी अतिक्रमण हटने जाता था तो वहां पर पचास तरह

के लोग इकट्ठा हो जाते थे। मैं सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि एक नीति और एक स्पष्ट नीति के साथ काम किया है और उस समाजवादी पार्टी के नेता का भी और उसके अगल-बगल निर्माण को भी तोड़ा गया। उनका भी मकान तोड़ा गया है। निष्पक्ष भाव से तोड़ा गया है। वह समाजवादी पार्टी के नेता आज कहीं दिखाई नहीं देते हैं। यह बहिष्कार करके उन्होंने साबित कर दिया है कि यह लोग गांधी विरोधी हैं। स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि यह विकास विरोधी हैं इसलिये यह वॉक आउट किये हुए हैं। महाराजगंज में 740 एकड़ जमीन आलरेडी सरकार की पड़ी हुई है। महाराजगंज में चेहरी ग्राम सभा में 740 एकड़ जमीन है। माननीय कृषि मंत्री जी से मांग करता हूं कि वहां चेहरी विधान सभा क्षेत्र में एक भी कृषि विश्वविद्यालय नहीं है। महाराजगंज जनपद ऐसा है जो कृषि प्रधान क्षेत्र है जहां से काफी अन्न पैदा होता है इसलिये वहां भी नौजवानों के लिये एक कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की कृपा करें। एक चीज और बताना चाहता हूं सदन को कि 70 साल हो गये इस देश को आजाद हुए। इस देश में 55 साल तक राज करने वाले लोग एक चेहरी ग्राम सभा जो महाराजगंज का सबसे बड़ा ग्राम सभा है जिसके 58 टोले पड़े हुए हैं। आपको आश्चर्य होगा अध्यक्ष जी कि 70 साल देश को आजाद हुए हो गये मगर एक बिजली का बल्ब वहां नहीं जलता था।

मैं बधाई देना चाहता हूं माननीय ऊर्जा मंत्री जी को और माननीय मुख्य मंत्री जी को। आपको आश्चर्य होगा जानकर कि एक भी टोला सौभाग्य योजना के तहत बाकी नहीं हैं। हर घर को निःशुल्क बिजली भी मिली है और हर टोले में खम्बा गड़ गया है। यह सरकार की देन है। स्पष्ट नीति के नाते काम हो रहे हैं। बाबा गुरू गोरखनाथ की नगरी चौक में माननीय अध्यक्ष जी उनका बड़ा स्थान है। वहां सिंचाई विभाग की बड़ी जमीन है। मैं माननीय सिंचाई मंत्री जी से भी आग्रह करता हूं कि उस जमीन पर सिंचाई विभाग का डाक बंगला बनाने का काम करें क्योंकि वहां बड़े-बड़े वी0आई0पी0 लोग भी जाते हैं अन्य लोग भी जाते हैं। 14 जनवरी को बहुत बड़ा मेला वहां पर लगता है। मेरा आपसे आग्रह है कि वहां पर एक बड़ा गेस्ट हाउस बनाने की कृपा करें। महाराजगंज में चानकीघाट जो करोड़ों रुपयों की लागत से बन कर हाथी के दांत की तरह खड़ा है। आज तक उसका अप्रोच नहीं बन पाया। पुल बन कर तैयार है। आपसे आग्रह है कि उस अप्रोच को बनवाने की कृपा करें। महाराजगंज से सोनौली की दूरी 80 किलोमीटर है अगर वह पुल बन जायेगा अप्रोच चालू हो जायेगा तो उसकी दूरी मात्र 35 किमी0 रह जायेगी और लोगों के आने-जाने में सुविधा हो जायेगी। महाराजगंज में विकास कार्य योजना के तहत आवास बने हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें।

श्री जयमंगल-

माननीय अध्यक्ष जी दो शब्द और 223 किमी0 नवीनीकरण सड़क हमारे यहां पी0डब्ल्यू0डी0 के द्वारा बनाई गई है जिसकी कीमत 233220000 रुपया। नवनिर्माण में 42 किमी0 सड़क जिसकी कीमत 27 लाख 95 हजार रुपया। हमारे यहां 5 वनटानियां हैं। अध्यक्ष जी, वनटानियां के पास फूस का मकान होता था उनके रहने के लिये कोई जगह नहीं होती थी। वह खपरैल तक अपने घरों में नहीं डाल सकते थे। वह वनवासी जीवन जीते थे, उनको न पानी मिलता था, न बिजली मिलती थी, न आने-जाने का रास्ता मिलता था। माननीय योगी जी ने जिस दिन शपथ ग्रहण किया उसी दिन उनको राजस्व का दर्जा मिला और मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर 5 वनटानियां हैं और उन वनटानियों को प्रधानमंत्री मुख्य मंत्री आवास योजना के तहत, एक मजरे का नाम चित्रा है जिसमें 56 अदद आवास बने हैं। वनवइया है उसमें 202 अदद्, हथियावां में 106 अदद्, उतरहवा में 170 अदद्, बीट में 202 अदद् आवास बनाकर हमने उनके जीवन स्तर को ऊंचा किया है। आपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर बोलने का अवसर दिया आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

ब्रिजेश सिंह जी के बाद रमापति शास्त्री जी तैयार रहें। हमारे पास व्यक्तिगत अनुरोध बहुत आ रहे हैं तो हम सबको समायोजित कर रहे हैं। रमापति जी को 1 बजे बोलना था अब 8 बज गया है।

*[**19:49**] **श्री** ब्रिजेश-

माननीय अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर आहूत उत्तर प्रदेश की विधान सभा के इस विशेष सत्र में आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके प्रति मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के द्वितीय प्रधानमंत्री रहे लाल बहादुर शास्त्री जी को स्मरण करते हुए उनके चरणों में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य के 16 आयामों को ध्यान में रखते हुए इस सदन के प्रत्येक सदस्य को किसी न किसी विषय पर अपने विचार रखने का अवसर है। मुझे भी आपके माध्यम से यह अवसर मिला है। अध्यक्ष महोदय, आज का यह सत्र जो लगातार 36 घंटे तक चलेगा और कीर्तिमानों की श्रृंखला में उत्तर प्रदेश की विधान सभा एक नया कीर्तिमान बनायेगी। ऐसे में मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस करता हूं कि इस ऐतिहासिक पल का मैं साक्षी बन रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं अपने प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को, जिन्होंने स्वयं रुचि लेकर उत्तर प्रदेश विधान सभा के सभी सदस्यों को इस ऐतिहासिक सत्र में अपने विचार

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

रखने के लिये प्रेरित किया। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित 16 आयामों में सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु जो प्रथम स्थान पर अंकित है गरीबी की पूर्णतया समाप्ति इस पर बोलने का अवसर मुझे आपके माध्यम से मिला। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले बापू केवल भारतवासियों के लिये नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिये प्रेरणास्रोत थे।

महात्मा गांधी स्वयं में एक सोच थे एक विचार थे। सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए गांधी जी ने सदैव एक बात कही कि, गरीबी हमारे समाज का वह कलंक है जिसे शीघ्र अतिशीघ्र समाप्त किये जाने की आवश्यकता है। अध्यक्ष महोदय, यू0एन0 के अनुसार सभी उन लोगों को अत्यधिक गरीब माना जाता है जिस व्यक्ति की प्रतिदिन की आय 1.25 यू0एस0 डॉलर यानि भारतीय मुद्रा में 85 रुपये 90 रुपये से कम जिसकी प्रतिदिन की आय होती है या उससे कम में जो अपना जीवन यापन करते हैं। आज भी विश्व के आंकड़ों के अनुसार करीब 73.6 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जीवन जीने को मजबूर हैं। गरीबी मिटाने के लिये हमें मुख्य रूप से सिर्फ आर्थिक उत्थान नहीं अपितु सामान्य गरीब के सामाजिक उत्थान हेतु भी कार्य करने होंगें। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह मानना है कि आज जो गरीबी की दशा मेरे देश में है उसमें 2013 से पूर्व की सरकारें विशेष रूप से 1947 में आजादी मिलने के बाद से जिन कांग्रेसी सरकारों ने देश को चलाया उन्होंने गरीबी हटाने के नाम पर गरीबी नहीं हटाई अपितु अमीर और गरीब के अन्दर बड़ी खाई पैदा करने का काम किया है। मेरा ऐसा मानना है कि उन दलों के नेताओं के अन्दर विजन और दूरदर्शिता का अभाव था। हम सब कृतज्ञ हैं देश की 125 करोड़ देशवासियों के प्रति जिन्होंने 2014 के लोक सभा के आम चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेता के रूप में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र कुमार मोदी जी को देश का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया। मैं बधाई देता हूं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी को जो कि यूनाइटेड नेशन के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2018 के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में भारत में करीब 27.1 करोड़ लोग गरीबी से निकलकर आर्थिक और सामाजिक विकास की ओर बढ़े हैं। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार व माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सबका साथ सबका विकास एवं सबका विश्वास के मंच पर प्रदेश को पूर्णतया गरीबी से मुक्ति के मंत्र पर कार्य कर रही है। गरीबी हटाने के लिये वैसे तो वैश्विक स्तर पर काम करने की आवश्यता है लेकिन मुख्य रूप से जिन क्षेत्रों पर अत्यधिक कार्य करने की आवश्यता है वह है स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, स्वच्छता, जीवन स्तर में सुधार, महिला सशक्तीकरण और इन सारे विषयों पर हमारी सरकार बहुत अच्छे रूप से कार्य कर रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं बधाई देना चाहता हूं देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी को कि उन्होंने भारत की 125 करोड़ जनसंख्या के स्वास्थ्य की चिन्ता की और देश के प्रत्येक गरीब व्यक्ति को स्वास्थ्य की सभी सुविधाओं का लाभ मिले और उसके इलाज के बीच में गरीबी उनके रास्ते में न आय इसके लिये विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से देश के 50 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उन्होंने उठाया है। मेरा यह मानना है कि गरीबी की पूर्णतया समाप्ति के लिये किसी भी देश और प्रदेश के युवाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराकर हम गरीबी को दूर कर सकते हैं। इसमें एक बड़ा सहयोगी कदम हमारे प्रधानमंत्री केन्द्र सरकार के माध्यम से चलने वाली मुद्रा योजना एवं प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलने वाली वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से प्रदेश के युवाओं में स्वरोजगार के माध्यम से उनका आर्थिक और सामाजिक विकास हुआ है और कौशल विकास के माध्यम से युवाशक्ति का प्रदेश से पलायन भी रुका है। अध्यक्ष महोदय, देश के प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के माध्यम से प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में एंटी रोमियो योजना लागू कर प्रदेश की नारी शक्ति को अपने हक और सम्मान के साथ जीने का अवसर प्रदान किया है। यह महिला सशक्तीकरण का एक बहुत बड़ा कदम है। अध्यक्ष महोदय, मैं उत्तर प्रदेश की एक बहुत चर्चित विधान सभा क्षेत्र देवबंद से निर्वाचित होकर आता हूं। वही देवबंद जिसको पूरे विश्व के अन्दर फतवों की राजधानी के रूप में जाना जाता है। पूरे विश्व के अन्दर यदि फतवा कहीं से जारी होता है तो वह देवबंद की धरती से। लेकिन बजट सत्र के दौरान माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र के अन्दर एक स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की एक योजना का सदन के अन्दर प्रस्तावित की। मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी से यह मांग करना चाहता हूं कि जिस देवबंद को फतवों की नगरी के रूप में जाना जाता है उसी देवबंद विधान सभा क्षेत्र का एक बहु चर्चित गांव मिरखपुर में एक बहुत प्रख्यात और प्रसिद्ध संत बाबा फकीरादास हुए हैं। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, उस गांव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उस गांव के अन्दर रहने वाला कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का व्यसन नहीं करता है। कोई भी व्यक्ति किसी भी जाति का किसी भी प्रकार का व्यसन नहीं करता है। यहां तक कि वहां का कोई भी व्यक्ति अपने नित्य प्रति के भोजन में लहसुन और प्याज का उपयोग भी नहीं करते है। (मेजों की थपथपाहट) मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह आग्रह है कि इस गांव को पर्यटन स्थल के रूप में घोषित करने की कृपा करें। मैं आपके द्वारा आज इस ऐतिहासिक सत्र में मुझे इस ज्वलंत विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया गया उसके लिये धन्यवाद देता हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को और स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी के चरणों में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं और आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

शास्त्री जी आपसे एक अनुरोध कर लें। बोलना तो आपको था लेकिन अनुपमा जी का एक पत्र आया है कि वह अस्वस्थ हैं, टॉयफाइड है तो आप दोनों में से कौन बोलेगा। क्या करें शास्त्री जी। अनुपमा जी हैं। आपने पर्ची में तो अपने को बीमार बताया है वैसे बीमार लग नहीं रही हैं।

***श्रीमती अनुपमा जायसवाल-**

मैं कभी बीमार नहीं लगती हूं।

[19:59] समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री (श्री रमापति शास्त्री)-

मान्यवर, इस विशेष सत्र में आपने मुझे बोलने का मौका दिया है इसके लिए मैं आपको बहुत साधुवाद देता हूं। सतत विकास के लक्ष्य को लेकर के 2030 और गोल नम्बर-10 पर हमको बोलने का मौका दिया है। सामाजिक समरसता बनाये रखने का विषय आपने मुझे दिया है। मान्यवर, यदि यह विषय आता है तो मुझे याद आता है कि मैं भगवान राम का पड़ोसी हूं। भगवान राम को जब अयोध्या का राजा बनाया जाने लगा तो राम ने कहा कि मैं तो रामराज्य के लिए पैदा हुआ हूं। अयोध्या का राजा बनकर के यहीं सीमित रह जाऊंगा तो उन्होंने अयोध्या के राज्य और वनवासी बनकर के जंगल जाना स्वीकार किया। जब भगवान राम वनवास जाते हैं तो वह किसी राजा के घर नहीं जाते हैं, किसी महाराजा के घर नहीं जाते हैं किसी बड़े सेनापति के घर नहीं जाते हैं? वह कहां जाते हैं आदिवासी, वनवासी, गिरवासी, बंदर, भालू, सुग्रीव, हनुमान, सबरी, वाल्मीकी तथा निषाद के यहां जाते हैं और उनके वहां जाने के बाद में उनसे तय करते हैं कि तुम्हें यदि रावण रूपी संस्था का विनाश करना है तो सबको एक होकर के काम करना पड़ेगा तथा उसमें एक साथ काम करने के लिए सबको प्रेरित करते हैं फिर रावण जैसी संस्था का विनाश करने के बाद अयोध्या आते हैं तो रामराज्य स्थापित होता है। मान्यवर, जब रामराज्य स्थापित होता है तो रामराज्य में क्या होता है, जहां-''दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, रामराज्य काहुक नहीं व्यापा, नहि दरिद्र कोउ दुःखी न होना, नहिं अबुद्ध नहिं लक्षण हीना, सब सुन्दर सब सुलभ शरीरा, जो तनका भजे रघुवीरा'' ऐसे रामराज्य की स्थापना जब राम करते हैं तो सामाजिक समरसता आती है। मान्यवर, इसी विषय को लेकर के गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर मैं उनको नमन करते हुए आपको धन्यवाद देते हुए चर्चा करना चाहता हूं। अभी मा0 शाही जी बोल रहे थे मैं उनके विषय में चर्चा करना चाहता हूं क्योंकि वह गांधी जी के प्रिय भजन के बारे में बोल रहे थे-

वैष्णव जन तो तेने कहिए,
जे कोई पीर पराई जाणे रे।
परा दुःखे उपकार करे तोये,
मन अभिमान न आणे रे।।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

माने मनुष्य मात्र की असमानता को खत्म करने हेतु यह अपने आप का मूलमंत्र है। खुद को बदलाव बनिए कि आप जो दुनिया को देखना चाहते हैं। यह गांधी जी के वाक्य हैं। स्वयं को जानने का सबसे सर्वश्रेष्ठ तरीका है स्वयं को औरों की सेवा में डूबो देना। गरीबी हिंसा का सबसे बड़ा रूप है, यह गांधी जी की सबसे बड़ी थीम थी। उसे लेकर भारतीय जनता पार्टी के लोग आज 150वीं जयन्ती के अवसर पर गांधी जी को नमन करने के लिए आज उनके बीच में आये हैं। डा0 भीमराव अम्बेडकर जी का भी कहना था कि हम आदि से अंत तक भारतीय हैं। किसी भी समाज का विकास उस समाज की महिलाओं के विकास से मापा जाता है। समानता एक कल्पना हो सकती है, लेकिन फिर भी इसे एक गवर्मेंट सिद्धांत के रूप में स्वीकार करना होगा। हमारे पास यह स्वतंत्रता किसलिए है ? हमारे पास यह स्वतंत्रता इसलिए है कि हम अपनी सामाजिक व्यवस्था को जिसमें असमानता, भेद-भाव और अन्य चीजों से भरी है, जो हमारे मौलिक अधिकारों से टकराव में है उसको सुधार सकें। राष्ट्रवाद तभी औचित्य ग्रहण कर सकता है जब लोगों के बीच में जाति, नस्ल या रंग का अंतर भुलाकर उसमें सामाजिक भातृत्व को सर्वोच्च स्थान दिया जाए। न्याय हमेशा समानता के विचार को पैदा करता है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी ने इसी को कहा था कि एक बीज, जड़ों, तनों, शाखाओं, पत्तियों, फूलों और फलों के रूप में अभिव्यक्त होता है। इन सभी के अलग-अलग रूप तथा गुण होते हैं, फिर भी हम बीज के माध्यम से उसकी एकता के सम्बंध में पहचानते हैं। एक देश लोगों का समूह है जो एक लक्ष्य, एक आदर्श तथा एक मिशन के साथ जीते हैं और धरती के एक टुकड़े को मातृभूमि के रूप में देखते हैं। यदि आदर्श या मातृभूमि इन दोनों में से एक भी नहीं है तो देश का कोई अस्तित्व नहीं होता है। भारतीय संस्कृति की मौलिक विशेषता है कि यह जीवन को एकीकृत समग्र रूप से देखती है। अनेकता में एकता और विभिन्न रूपों में एकता की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की सोच रही है।

मान्यवर, डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भी कहा है कि भारत का यश उसकी राजनीतिक संस्थाओं और सैनिक शक्ति से नहीं बल्कि उसकी आध्यात्मिक महानता, सत्य और आत्मा के विचारों, दुःखी मानवता की सेवा में अभिव्यक्त सर्वोच्च शक्ति का विम्ब विराटता में, उसके विश्वास पर आधारित है। हम उन्नति करेंगे, हम एक होंगे, हम एक ऐसे देश में रहेंगे जिसका भाग्य केवल उसके बच्चों के साथ में होगा, जहां एक स्वतंत्र हिंदुस्तान का झण्डा हमेशा शान्ति और प्रगति की सहनशीलता और आजादी की प्रतिष्ठा की घोषणा करेगा। मान्यवर, मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी का यह कथन है कि गरीबी बहुआयामी है। यह पैसे की आय से परे शिक्षा स्वास्थ्य की देख-रेख राजनीतिक भागीदारी और व्यक्ति की अपनी संस्कृति, सामाजिक संगठन की उन्नति तक फैली हुई है। इस देश के सभी मजहब के आधार पर, मतभिन्नता के आधार पर उत्पीड़न की बात नहीं उठी, न उठेगी और न ही उठनी चाहिए। चलना होगा, गलना होगा, हमें कदम मिलाकर चलना होगा यह उनकी अपनी एक कविता थी।

हमारा देश एक मंदिर है। हम इसके पुजारी हैं। हमें राष्ट्रदेव की पूजा में खुद को समर्पित करना चाहिए। भारत के प्रति निष्ठा रखने वाले सभी भारतीय एक हैं, भले ही उसकी जाति, मजहब, प्रदेश अलग ही क्यों न हों हर इंसान को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े। एक का स्वप्न टूटे तो दूसरा उसे गढ़े। सेवा कार्यों के लिए सरकार नीति बना सकती है, लेकिन उसे अमल रूप में लाने के लिए समाजसेवी संस्थाओं को भी आगे आना होगा। मान्यवर, इसी प्रकार से पं0 दीन दयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के आधार पर लोगों की परिभाषा कैसी हो, लेकिन हम अपने ढंग से अपनी परिभाषा करते हैं। एकात्म मानववाद के आधार पर इस राष्ट्र निर्माण की जब चर्चा करते हैं तब यह आता है कि जब व्यक्ति का निर्माण होगा तो व्यक्ति से उसके परिवार का निर्माण होगा और जब परिवार का निर्माण होगा तो उस पर समाज का निर्माण होगा, जब समाज का निर्माण होगा तो फिर राष्ट्र का निर्माण होगा। राष्ट्र के निर्माण के लिए समाज का निर्माण और समाज के निर्माण के लिए परिवार का निर्माण तथा परिवार के निर्माण के लिए व्यक्ति का निर्माण आवश्यक है इसलिए पं0 दीन दयाल उपाध्याय ने एकात्मवाद के आधार पर इस देश के निर्माण की व्यवस्था पर चर्चा की थी, लेकिन उन्होंने एक बात कही थी कि ''जो व्यक्ति जितना चलता है, उसका मुकद्दर उतना चलता है'' उन्होंने हमको एक महामंत्र दिया था कि ''चरैवेति-चरैवेति'', हमारे भूतपूर्व राज्यपाल जी की भी अभी एक किताब आई थी जिसमें चरैवेति, को उन्होंने लेकर के बहुत अच्छा उपाय दिया था। पं0 दीन दयाल उपाध्याय ने कहा था कि जो व्यक्ति जितना चलता है उसका मुकद्दर उतना चलता है। अपने धर्मशास्त्र ने भी कहा है कि ''कलि सयानो भवति, संजहानास्तु द्वपारा, उतिष्ठिता त्रेतायाम्, कृतम् सम्बद्धते चरन'' चरैवेति-चरैवेति सो जाने को कलयुग कहते हैं और जग जाने को द्वापर कहते हैं, उठ जाने को त्रेता कहते हैं और चल देने को सत्युग कहते हैं। इसलिए चलते रहो, चलते रहो। जिसके पास कोई लक्ष्य नहीं होता है, वह कामयाबी प्राप्त नहीं कर सकता है। मैं गोंडा के जेल में इमरजेंसी में था, तो वहां एक नौजवान जो अंग्रजों के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा था उसकी फांसी हुई थी। जब हम इस नौजवान राजेन्द्र नाथ लहड़ी के वाक्य को सुनते हैं तो ऐसा लगता है कि उसका वाक्य आने वाले लक्ष्य की ओर प्रदर्शित करता है। जब अंग्रेजों ने पूछा कि तुम मरने जा रहे हो और क्या चाहते हो तो उस नौजवान ने कहा था कि ''आई एम नॉट गोइंग टू डाई, बट आई एम गोइंग टू बार्न इन फ्री इण्डिया'' यानी मैं मरने नहीं जा रहा हूं मैं स्वतंत्र भारत में जन्म लेने जा रहा हूं इसीलिए अब तक जो इस देश में आने वाले थे, अपना कुनबा बढ़ाने वाले थे, अपनी व्यवस्था बनाने वाले थे क्योंकि इस देश की किसी को चिंता नहीं थी। पहली बार आदरणीय मोदी जी की सरकार, आदरणीय योगी जी की सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान को लेकर के आगे बढ़ने का काम किया है इसलिए मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि मा0 समाज कल्याण विभाग के द्वारा और मा0 मुख्य मंत्री जी के द्वारा एक सामूहिक विवाह योजना लागू है। इस योजना के अन्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे अपनी पुत्रियों का

विवाह करने के लिए जो लोग व्यवस्था नहीं कर पाते थे, मा0 मुख्य मंत्री जी ने उसके लिए 35 हजार रुपया एकमुश्त करके दिया था, लेकिन मा0 मुख्य मंत्री जी ने उसको बढ़ाकर के 51 हजार रुपया कर दिया है मैं उसके लिए साधुवाद देना चाहता हूं। मुझे कहने में फक्र है कि 70 हजार सामूहिक शादियां इसमें अब तक हो चुकी हैं। अगर इसमें पूरा जोड़ दिया जाए तो व्यक्तिगत शादी और 35 हजार वाली शादी तथा 51 हजार वाली शादी तो मुझे लगता है कि आज तीन लाख से ज्यादा शादी हो चुकी हैं।

मान्यवर, एक योजना वृद्धा आश्रम तथा वृद्ध पेंशन योजना इसमें वृद्धजनों के आवेदन-पत्र और पेंशन की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गयी है। पहले पेंशन की राशि 4 सौ रुपये दी जाती थी। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने उसे बढ़ाकर के 5 सौ रुपये कर दिया है। आज की तारीख में 41 लाख से ज्यादा हम वृद्धों को पेंशन दे रहे हैं। छात्रवृत्ति वितरण योजना इसमें पिछली सरकार में हमने देखा था कि 14-15 लाख से ज्यादा बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई थी। हमारी सरकार ने पिछले साल तक 28 लाख से ज्यादा छात्रों को छात्रवृत्ति दे दिया है। आदरणीय बापू जी के जन्मदिवस पर आज तीन लाख से ज्यादा छात्रों को बटन दबाकर ऑनलाइन द्वारा उनके खाते में पैसा डाल दिया गया है और यह व्यवस्था अनवरत् चलती रहेगी। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि यह अनवरत् व्यवस्था आज 2 अक्टूबर से शुरू हो गई है और हम 26 जनवरी को मा0 मुख्य मंत्री जी से फिर से निवेदन करेंगे कि जितनी कुल छात्रवृत्ति बटती है, वह सभी छात्रों को मिल जाए। पहली बार आदरणीय योगी जी की सरकार ने यह तय किया है कि ऑनलाइन छात्र कहीं भी अपना खाता खोल सकते हैं और सीधे उनके खाते में पैसा चला जाएगा बीच में बिचौलियों को इसमें काम करने का मौका नहीं मिलेगा। मान्यवर, इसी प्रकार से हमारे यहां राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना में जो घर का मुखिया होता है, उसके मर जाने के बाद में जब कोई कमाऊ सदस्य नहीं होता है तो राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना चलाई जाती है। इस नाते वित्तीय वर्ष 2016-17 में 94 हजार 690 परिवारों को आर्थिक सहायता दी गयी थी। वित्तीय वर्ष 2017-18 में 86 हजार 256 परिवारों को सहायता दी गयी है। शादी अनुदान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2019-20 में 44 हजार 9 सौ 44 परिवारों को आर्थिक सहायता दे दी गई। वर्ष 2017 से अब तक कुल 3 लाख 33 हजार 784 परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई है। यह हमारी सरकार की देन है, जो अंतिम पायदान पर खड़े हुए लोगों को यह सुविधा दी जाती है। एक व्यवस्था और मान्यवर, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों के विरूद्ध अपराध की घटनाओं की रोकथाम के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 का प्राविधान किया गया है। पीड़ित व्यक्तियों एवं परिवारों को आर्थिक सहायता के रूप में 85 हजार से लेकर के 8 लाख 25 हजार तक की धनराशि विभिन्न प्रकार की घटनाओं की प्रकृति के आधार पर उपलब्ध कराई जाती है। तमाम योजनाओं का लाभ

अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के लिए होता है। इसलिए हमारे यहां आश्रम पद्धति विद्यालय चलता है। आश्रम पद्धति विद्यालय में हमारे 94 आश्रम पद्धति विद्यालय हैं, इसमें जो गरीब घर के लड़के हैं जिनकी व्यवस्था ठीक से नहीं हो पाती, पढ़ाई की व्यवस्था ठीक से नहीं हो पाती हम उसको आश्रम पद्धति विद्यालय से, उस प्रकार के आश्रम में जो पहले जमाने में चलता था, उसी प्रकार से वहां उसके रहने का, वहां उसके खाने का, उसके किताब का, उसके हॉस्टल का, उसके पढ़ाई का सारा इन्तजाम फ्री करते हैं कक्षा छः से बारह तक की इनकी व्यवस्था होती है। मान्यवर, परीक्षा प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। तमाम सारे लोग जो पैसे वाले होते हैं वह कहीं न कहीं अपनी व्यवस्था कर लेते हैं। कोचिंग सेण्टर में जाकर अपनी व्यवस्था कर लेते हैं, लेकिन गरीब घर के बच्चों को यह व्यवस्था नहीं हो पाती है, इसलिए हमारी सरकार ने यह तय किया है कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के आई0ए0एस0, पी0सी0एस0 और पी0सी0एस0जे0 की परीक्षाओं के लिए हमारे अभ्यर्थी जाते हैं, इसमें व्यवस्था की जाएगी।

हमारे यहां कोचिंग सेण्टर चलाया जाता है, इनके खाने की, रहने की और किताब, कॉपी की और हॉस्टल की सारी व्यवस्था हमारी सरकार करती है। जो सामाजिक जीवन में काम करने वाले लोग होते हैं, वह बहुत बड़े आदमी हो जाते हैं, पैसे वाले हो जाते हैं। वह अपने मां-बाप को छोड़कर कहीं अलग चले जाते हैं, इसलिए हमारे यहां हमारी सरकार वृद्धाआश्रम चला रही है जो बेसहारा, निराश्रित अशक्त परिवार के बच्चों को अन्य सामाजिक कारणों के लिए सभी जनपदों में 150 क्षमता के वृद्धाआश्रम चल रहे है जिसमें रहने के लिए, खाने के लिए और सारी व्यवस्था है। इसलिए आप सबसे आग्रह करना चाहता हूं कि वृद्धा पेंशन देने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध और कटिबद्ध है। मैं सभी सम्मानित सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं कि अपने-अपने क्षेत्रों में आप लग जाओ तो वहां कैम्प कराकर के ज्यादा से ज्यादा वृद्धों को पेंशन दिलाने की व्यवस्था की जा सकती है। हमारा समाज कल्याण विभाग है जितना हमारे यहां हो सकता है, मैं कर रहा हूं। आप सबसे मैं निवेदन करना चाहता हूं कि यह हमारा विभाग अंतिम पायदान पर खड़े हुए लोगों के लिए इस प्रकार की समस्या का समाधान करता है। आपसे भी आग्रह है, आइए हम सब लोग मिलकर इस व्यवस्था को आगे बढ़ाएं। आप सब लोगों ने मुझे बोलने का मौका दिया इसलिए आपको मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

[20:20] श्रीमती अनुपमा जायसवाल[*]-

मान्यवर, सतत विकास लक्ष्य 2030 गरीबी के सभी आयामों को समाप्त कर दुनिया को बदलने के लिए जो 17 सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट गोल्स और 159 लक्ष्य रखे गए हैं और परम

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पूज्य बापू जी की 150वीं जयन्ती के लक्ष्य में जो आपने मुझे बोलने का मौका दिया है उसके लिए मैं आपकी बहुत-बहुत आभारी हूं।

कोई चलता पद चिन्हों पर,
कोई पग चिन्ह बनाता है।
है वही सुरमा इस धरती पर,
जो दुनिया में पूजा जाता है।

भारतीय लोक जीवन में गांधी जी का प्रवेश इस सहस्त्राब्दी की शायद सबसे बड़ी घटना हो। उन्होंने हमारी आत्मा को स्पर्श किया। हमें हमारे विराट स्वरूप का दिगदर्शन कराया। जिससे गुलामी की लम्बी त्रासदी में जो हम सदियों से अपना गौरव भूल गए थे, उसे हमें भान हुआ। उस उत्कृष्ट कार्य ने मानों जादू किया और मिट्टी के सदृश्य जो डरा हुआ निर्जीव मानव था अकस्मात् शेर बन गया। व्यक्ति और समाज पर छाई हुई भय की रजनी समाप्त हुई और आत्मविश्वास तथा निर्भय सत्कर्म का अरूणोदय हुआ। विश्व के इतिहास में ऐसी दूसरी कोई घटना नहीं पाई जाती, जिसमें कोटि-कोटि मनुष्यों का असहाय समाज थोड़े ही समय में पूरी ताकत के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो गया और न केवल खड़ा हुआ, अपने लक्ष्य को प्राप्त करके उसने आजादी लेकर ही चैन लिया। मेरा विषय है छठा जो लक्ष्य है, स्वच्छ जल और स्वच्छता। हम सब जानते हैं कि जल है तो कल है और इसी में मा0 प्रधानमंत्री जी ने और मा0 मुख्य मंत्री जी ने जोड़ा कि जल है तो कल है और हर घर को नल है। हर घर में नल हो ऐसी प्राथमिकता हमारी सरकार की है। ऋग्वेद में जल की महत्ता पर कहा गया-

अब सु अन्तः अमृतम्,
अब सु भेजन्म्।

जल ही अमृत है और जल ही औषधि भी है। वेदों में तो जल को देवता माना गया। बस केवल उसे जल न कहकर आपो देवता कहकर उसकी महत्ता को दर्शाया गया। एक और पुराना दोहा जिसे हम बार-बार कहते हैं-

कि रहिमन पानी राखिए,
बिन पानी सब सून।
पानी गए न उबरे,
मोती मानुष चून।

(इसी मध्य रात्रि 20 बजकर 22 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पीठासीन हुए।)

पानी अगर नहीं है यदि आखों का पानी भी मर गया है तो मुझे लगता है कि सृष्टि में कोई चीज बाकी नहीं रह गई है। आज ऐसे ही जल की महत्ता पर हमारी सरकार निरंतर कार्य कर

रही है। भू-गर्भ जल का प्रयोग पेयजल, सिंचाई, ऊर्जा, उत्पादन और औद्योगिक इकाईयों में भी आत्म गतिविधियों में संचालन होता है। स्वच्छ जल की उपलब्धता न केवल आर्थिक गतिविधियों हेतु आवश्यक है। अपितु रात के विभिन्न सांस्कृतिक पर्वों और धार्मिक आस्था का मूल तत्व भी पानी है। अभी हमने कुंभ का आयोजन किया कुछ भी नहीं है। गंगा का पवित्र जल है जाने कहां-कहां से लोग उमड़ आते हैं, उस पवित्र जल का आचमन करने के लिए। उपलब्ध जल संसाधनों का प्रदेश की जनता के हित में उपयोग हो इसके लिए 15 विभाग संयुक्त रूप से इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्यरत हैं। मा0 मंत्री जी के शपथ ग्रहण के उपरांत अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में 1 करोड़ 84 लाख शौचालयों का निर्माण हुआ है। वर्ष 2012 के छूटे हुए 43 लाख 22 हजार परिवारों का चिन्हांकन कर उनके शौचालयों का निर्माण कराया गया। स्वच्छता की दृष्टि से कितने काम मुझे लगता है कि किये गये है, आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी के देश संभालने के बाद से शायद पहले कभी नहीं हुआ था। वास्तव में गांधी जी लगातार सफाई के लिए प्रयासरत रहे। उन्होंने अपने जीवन को सफाई का पर्याय बना लिया था। वह कहते थे कि भगवान के बाद सफाई ही सबसे महत्वपूर्ण हैं, बल्कि यूं कह सकते हैं भगवान के पास पहुंचने के लिए सबसे पहला निकटतम सोपान है वह स्वच्छता ही है। सफाई से आशय केवल तन की स्वच्छता से नहीं है परिसर की स्वच्छता से नहीं है, बल्कि मन की स्वच्छता से भी सफाई का आशय है और जो अपना काम स्वच्छता से करता है, हर व्यक्ति उससे आकर्षित होता है।

कवि रवीन्द्र नाथ ठाकुर जी ने लिखा था कि मैं हमेशा अपना शरीर शुद्ध रखंगा। वह संकल्प लेते थे, क्योंकि मुझे पता है कि तेरा जिंदा स्पर्श मेरे सब अंगों पर है और वह कभी मुझे मलिन नहीं होने देगा। वास्तव में व्यक्तिगत स्वच्छता स्वाभाविक स्वच्छता की ही बुनियाद है। बुनियादी तालीम के शिक्षण शिविर में गांधी जी ने बोलते हुए कहा था कि यह पहली बुनियादी चीज है सफाई अगर हमने सफाई पा ली सब कुछ स्वच्छ कर लिया तो फिर आजादी भी हम हासिल ही कर लेंगे। एक बार कालिनी संघ एक छात्रालय में वह एक बीमार छात्र को देखने गए और छात्रावास में उन्होंने बहुत गंदगी देखी और जो उनका ड्रीम प्रोजेक्ट था उन्होंने शिक्षक को डांटते हुए कहा था कि क्या यही है तुम्हारी तालीम सबसे पहले इसको बंद करो और पहले छात्रावास के सारे बिस्तर साफ कराने का काम करो। मान्यवर, तमाम इसी तरीके के काम करते हुए शौचालय निर्माण में इसी स्वच्छता अभियान में काम करते हुए उत्तर प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्वच्छ सर्वेछण वर्ष 2018 में सिटीजन फीड बैंक में भी प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश को मिला है और उत्तर प्रदेश ने 2 करोड़ 61 लाख करोड़ परिवारों में शौचालय बनाकर ओ0डी0एफ0 राज्य का दर्जा तय सीमा से एक वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर लिया है। मान्यवर, विधान सभा क्षेत्र बहराईच में भी प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अन्तर्गत 4 हजार 9 सौ 67 आवास स्वीकृत हुए हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अन्तर्गत मेरी विधान सभा क्षेत्र में 6 हजार 71 आवास बनाए गए हैं।

जनपद बहराईच में मेडिकल कॉलेज में कक्षाओं का प्रारम्भ हो चुका है। महिला जिला अस्पताल में मानव निर्मित सौ बेडों का अलग से अस्पताल का निर्माण हुआ है। घंटाघर पार्क का स्वच्छता की दृष्टि से और सफाई की दृष्टि से जीर्णोद्धार हुआ है। बहराईच स्थित तांगा स्टैण्ड पर महिला विश्राम घर निर्माणाधीन अवस्था में है और महिला विद्यालय के निकट वह पिंक टॉयलेट का भी निर्माण किया जा चुका है। पांच सामुदायिक शौचालयों का निर्माण हो चुका है और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण भी बहुनियवा ब्लॉक प्यागपुर में किया जा चुका है। साथ ही साथ बहराइच में रोडवेज बस अड्डे का भी निर्माण हो चुका है। मान्यवर, उत्तर प्रदेश एक बहुत बड़ा राज्य है। 29 नवम्बर 1920 को गांधी जी ने इलाहाबाद की एक सभा में बोलते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश हिन्दुस्तान का हिस्सा है, इसीलिए अन्य राज्यों से ज्यादा इस राज्य पर आगे रहने की आशा की जाती है। मुझे प्रसन्नता है श्रद्वेय बापू जी की इस आशा को उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी ने साकार कर दिखाया है। उत्तर प्रदेश ने सुशासन और विकास के जो कीर्तिमान स्थापित किए हैं वह अभिनंदनीय है सराहनीय है और साथ ही साथ अनुकरणीय भी हैं। राष्ट्रपिता की 150वीं जयन्ती पर महा मानव के दिखाए रास्ते पर चलकर उत्तर प्रदेश ने उनको सच्चे अर्थों में अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। मा0 अध्यक्ष जी, मैं इस बात के लिए आपको कृतज्ञता ज्ञापित करती हूं कि आज निःसंदेह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अपने स्थूल शरीर में नहीं है, लेकिन 36 घण्टे का यह जो विशेष सत्र चला था उनको श्रद्धांजलि देने का किस प्रकार से देश के विकास के लिए 2030 तक दुनिया को गति देने का जो अभिनव प्रयास आपने किया है निश्चित रूप से सूक्ष्म शरीर में जहां भी बापू होंगे हर्षित हो रहे होंगे और पूरे सदन के साथ पूरी दुनिया को उनका आर्शीवाद प्राप्त हो रहा होगा। उनके स्वच्छ भारत के स्वप्न को उनके सच्चे साधक प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी ने साकार किया है और आदरणीय योगी जी ने उसे आगे बढ़ाने का काम किया है। निश्चय ही भारत के किसी अभिवादी के लिए गांधी जी को विस्मृत करना संभव नहीं है। आप गांधी जी से असहमत हो सकते हैं, आप उनकी प्रशंसा कर सकते हैं, आप उनके सिद्धांतों की आलोचना कर सकते हैं, उनका उपहास भी कभी-कभी उड़ा सकते हैं, लेकिन गांधी व्यक्ति नहीं वह विचार है किसी की ताकत नहीं है कि वह गांधी को अपने मानस से एक पल के लिए भी विलुप्त करने का साहस कर सके। गांधी आपके दिल में और आपके हृदय में हमेशा बने रहेंगे। उनकी इस जयन्ती के समय जब कि नवरात्र के पावन अवसर पर शक्ति की उपासना सर्वत्र हो रही है, मैं उत्तर प्रदेश के समस्तवासियों के लिए उसी शक्ति और उसी साहस का आज व्रत मांगती हूं, जो गांधी ने हमें विश्व के सबसे बड़े साम्राज्य की आंखों में आंखें डालकर हमें देखना सिखाया था, चुनौती देना सिखाया था और सफल होना सिखाया था इसी के साथ ही साथ सादा जीवन उच्च विचार को चरितार्थ करने वाले जय जवान, जय किसान के प्रणेता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न

श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर भी उनको शत्-शत् नमन करते हुए अपनी बात इन पंक्तियों से पूर्ण करती हूं कि आज

दो अक्टूबर का दिन है,
आज का दिन है बड़ा महान।
आज के दिन दो फूल खिले,
जिनसे महका हिन्दुस्तान।

आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद।

***[20:30] श्री अवस्थी बाला प्रसाद**-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज गांधी जयन्ती की 150वीं जयन्ती के अवसर पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं हृदय से आपका आभारी हूं। सन् 2014 में गांधी जी के वह सपने जिनको श्रद्धेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में जो 16 सतत विकास के लक्ष्य तय किये थे उन लक्ष्यों पर आधारित देश और उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए जो भी योजनायें भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा संचालित की जा रही हैं। आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि जिस समय 19वीं सदी का अंत हो रहा था 20वीं सदी का उदय हो रहा था उस समय महात्मा गांधी जी का अभ्योदय हुआ। उस समय पूरे देश में साम्राज्यवाद और औद्योगिक एकाधिकार था। अंग्रेजों का शासन था। उसके पहले करीब 30 साल के अंतराल में दो विश्व युद्ध इस विश्व में झेलने पड़े थे, उसमें भारत और अन्य देश भी प्रभावित हुये थे इसका परिणाम था कि गरीबी और दरिद्रता के रूप में तमाम जनमानस जीवन यापन कर रहा था। गांधी जी उसी समय बेरिस्टर की डिग्री लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका से जब अपने देश में आये तो उस समय यहां अहिंसा का वातावरण था। अहिंसात्मक संघर्ष जारी था। उन्होंने अपने सत्य अहिंसा प्रेम और करूणा के माध्यम से जनजागरण किया। जनजागरण के माध्यम से पूरे देश में एक ऐसा माहौल बनाया कि ब्रिटिश सरकार को पार्लियामेंट में यह तय करने को मजबूर होना पड़ा कि यह देश भारतवासियों को सौंप दिया जाये। अब वह सत्ता कांग्रेस के हाथों सौंप दी। उस समय सरलता से सौंपने के साथ कांग्रेस के हाथ में सत्ता आयी। कांग्रेस ने विभाजनकारी नीति अपनाकर जो देश का बटवारा किया। जिसका परिणाम यह रहा कि आज वह 56 इंच छाती वाला वह गरीब मां का लाल जिसने कश्मीर में धारा 370 और 35 ए को खत्म किया। पूरे भारत को एकता के सूत्र में बांधा तथा जो संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में जो संकल्प लेकर भारत के प्रधानमंत्री 16 लक्ष्यों को लेकर आये थे हम भारत के प्रधानमंत्री के प्रति तो ऋणी हैं ही लेकिन उससे ज्यादा आदरणीय योगी महाराज के ऋणी हैं कि ढाई वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने जो भी योजनायें थीं समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हुये व्यक्ति के उत्थान के हित में वह सारी योजनायें उत्तर प्रदेश में ढाई वर्ष में जो उपलब्धियां की हैं। कई बार विधान सभा में आने का अवसर मिला लेकिन यह पहली सरकार है कि आज उस गांव के गरीब के मुंह पर मुस्कान है, जिस गरीब ने कभी सोचा नहीं होगा। एक शीशी की बोतल में कपड़े की बत्ती डालकर रोशनी जलती थी। जिस गरीब के द्वारा बड़ी-बड़ी इमारतें बनायी जाती थीं लेकिन गृह प्रवेश के बाद वह गरीब वह चौखट पार नहीं कर पाता था । धन्य हैं उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जिन्होंने शौचालय की केंद्र सरकार की योजना को ढाई वर्ष में इतना जोरदार तरीके से लागू किया कि आज उत्तर प्रदेश में कोई कोना, कोई मजरा ऐसा नहीं है जिसमें गरीब मां बहन के लिए शौचालय की व्यवस्था न हुयी हो। मा0 अधिष्ठाता जी, एक समय था कि जब गरीब माताओं-बहनों के लिए शौचालय नहीं हुआ करते थे। उनको किसी गांव के किनारे दूसरे के खेत में जाना पड़ता था। उस समय वह चाहे एक ही साड़ी हो वह पहनकर जाती थीं, वापस आने पर जब कटीले तारों में जब साड़ी फंसकर फट जाती थी तो उनकी सास या माँ उनको प्रताड़ित करती थी और वह मजबूर होकर दूसरे दिन शौच के लिए लगने पर भी नहीं निकलती थी। परिणाम यह होता था कि यदि पेट में बच्चा है तो आने वाले समय में कुपोषण से पीड़ित बच्चा पैदा होता था। तो इस राष्ट्र का निर्माण कैसे होता।

धन्य हैं भारत के प्रधानमंत्री जिन्होंने गरीब के घर में रोशनी दी। उस मां बहन को शौचालय दिया और उस मां बहन को जिसको गन्ने की पत्ती भी नहीं उपलब्ध होती थी उसको उज्जवला गैस दिया। इसी तरीके से केंद्र की जितनी योजनायें हैं प्रदेश में ढाई वर्ष में जो लागू हुयी हैं। मेरे जीवन में कभी इतना अवसर नहीं मिला। चार बार विधायक होने के बावजूद सरकारें आती रहीं, जाती रहीं लेकिन जिन योजनाओं का क्रियान्वयन गरीब की हित में अपनी सरकार में हुआ है ऐसा कभी देखने को नहीं मिला। मा0 अधिष्ठाता जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र में बाढ़ की भयंकर समस्या है। बाढ़ राहत बचाव के कार्य सरकार के द्वारा बड़े पैमाने पर किये गये हैं। निश्चित रूप से कटान में कमी आयी है। लेकिन अब भी जैसे साहबदीन पुरवा और सैनापुर यह दो परियोजनायें लम्बित हैं यदि इन परियोजनाओं को मंजूरी मिल जायेगी तो शायद बाढ़ से निजात मिल जायेगी। इसी तरीके से बाढ़ में कटे जो परिवार हैं। पिछली सरकारों में बाढ़ में लगातार सैकड़ों गांव कटते रहे और वह परिवार कहीं सड़क पर कहीं प्राइमरी पाठशाला में कहीं चकरोड पर कहीं खलिहान में बसे हुये हैं। सरकार के द्वारा जो कटान से पीड़ित परिवार हैं उनको मेरे विधान सभा क्षेत्र में भी कुछ आवास मुहैया कराये गये हैं। लेकिन उनकी मात्रा कम है यदि बाढ़ कटान परिवारों को आप प्रधानमंत्री आवास या मुख्य मंत्री आवास मेरी विधान सभा क्षेत्र में दिये जाते हैं तो उन गरीबों के घर में भी छत मुअस्सर होगी। मा0 अधिष्ठाता जी, मेरा क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र है बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। 40 किमी0 एरिया में विकास खण्ड ईसानगर एक पी0एच0सी0 है। स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है यदि उस पी0एच0सी0 को ही सी0एच0सी0 का रूप दे दिया जाये आधुनिक सुविधायें दे दी जायें तो वहां के लोगों को

स्वास्थ्य की सुविधायें उपलब्ध हो जायेंगी तथा हमारे क्षेत्र में कोई नगर पंचायत नहीं है। शिक्षा के प्रति कोई सरकारी डिग्री कालेज या कोई कालेज या कोई राजकीय पालिटेक्निक कालेज नहीं है। हम चाहते हैं कि मा0 मुख्य मंत्री जी की घोषणा राजकीय पालिटेक्निक के लिए धौरहरा विधान सभा क्षेत्र में हुयी थी। यदि उसको ही दे दिया जाये तो निश्चित रूप से वहां की आज की आधुनिक पीढ़ी को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

मा0 अधिष्ठाता जी, धौरहरा, ईसा नगर और रमियाबेहड़ मेरी विधान सभा में तीन विकास खण्ड हैं। तीनों विकास खण्ड में 70 प्रतिशत से ज्यादा आर्सेनिक वाला जल है। सरकार की योजना है कि हर घर को टोटी हर घर को शुद्ध पानी मिलेगा लेकिन उसमें जनपद खीरी में विधान सभा क्षेत्र धौरहरा को प्राथमिकता पर यदि ले लिया जाये वहां जो घेंघा कैंसर या आंख की रोशनी जाती है, इन सारी बीमारियों से हमारे क्षेत्र के लोगों को निजात मिल जायेगी। मा0 अधिष्ठाता जी, बिजली के लिए किसी गांव के गरीब ने सोचा ही नही था। शिड्यूल के तहत बिजली मिलती है। उन गरीब परिवारों के घरों में निशुल्क बिजली के कनेक्शन किये गये हैं। तब भी सौभाग्य योजना के अन्तर्गत हमारी विधान सभा क्षेत्र में करीब 18 पुरवे और मजरे ऐसे शेष हैं जिनमें यदि सौभाग्य योजना के अन्तर्गत गरीब परिवारों को बिजली कनेक्शन मुहैया कराये जायेंगे तो निश्चित रूप से उन परिवारों के घरों में रोशनी होगी। मा0 अधिष्ठाता महोदय, सरकार ने गन्ना विभाग में 10 वर्ष पुराने भुगतान 76 हजार या 75 हजार करोड़ का किया है। मेरे जनपद में भी तीन चीनी मिलें ऐसी हैं जिसमें शतप्रतिशत भुगतान हुआ है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में ऐरा शुगर मिल है। जो जुआरी ग्रुप की है। 12 फरवरी के बाद एक नये पैसे का भुगतान नहीं हुआ है। इसलिए वहां का किसान परेशान है। मान्यवर, धान की फसल इस समय मेरी विधान सभा क्षेत्र में भी तैयार हो रही है। लेकिन अधिक जलवृष्टि के कारण तेज हवाओं के कारण उसमें बाली तो है लेकिन उसमें दाना नहीं है। इसका सर्वे करा लिया जाये और उन धान के किसानों को सरकार बीमा या कुछ मुआवजा दिला दे तो निश्चित रूप से वहां का किसान खुशहाल होगा। मा0 अधिष्ठाता जी, लोक निर्माण विभाग के द्वारा गढ्ढामुक्त सड़कें मेरी विधान सभा क्षेत्र बहुत इंटीरियर क्षेत्र हैं उसमें भी बड़े पैमाने पर सड़कें गढ्ढामुक्त हुयी हैं। कुछ छोटी-छोटी नयी सड़कें भी बनी हैं। एक मुख्य मार्ग है जो 30 किमी0 का है। खमरिया ऐरा मिल से वाया सरैया और बेल्थुआ होते हुये ईसा नगर तक जाता है। वह अगर चौड़ीकरण में ले लिया जायेगा तो निश्चित रूप से किसानों को फैक्ट्री तक गन्ना ढुलाई में सुविधा हो जायेगी। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र में सुजई पण्डित पुरवा का पुल है। उस पुल के उस पार करीब एक लाख आबादी रहती है। वह पुल टूट जाने के कारण आज भी नाव चलती है। उसका आंगणन भी मा0 लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा मंगाया गया है यदि उस पुल का निर्माण हो जायेगा तो वहां के गन्ना किसानों को गन्ना मिल तक गन्ना ले जाने में सुविधा होगी। मा0 अधिष्ठाता जी, सरकार के द्वारा मेरे जीवन में जो मेरी विधान सभा क्षेत्र में दिखायी पड़

रहा है, ऐसा कभी सोचा भी नहीं था कि ढाई वर्ष में इतने बड़े पैमाने पर गरीबों के उत्थान के लिए हमारी सरकार निश्चित रूप से इतनी सजग है। इन्हीं शब्दों के साथ आपका हृदय से आभार व्यक्त करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं।

***[20:43] श्रीमती लीना तिवारी-**

धन्यवाद माननीय अधिष्ठाता महोदय, मेरा विषय है अच्छा स्वास्थ्य जीवनस्तर। सर्वप्रथम मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को 150वीं जयन्ती पर शत्-शत् नमन करती हूं। जिन्होंने भारतीय वैदिक संस्कृति को पुनर्स्थापित करते हुये भारत को विश्वगुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। जिनका पूरा दर्शन 'सर्वे भवन्तु सुखिना वसुधैव कुटुम्बकम' पर आधारित है। पश्चिमी संस्कृति में जहां जीवनस्तर और स्वास्थ्य का पैमाना भौतिक सुख और समृद्धि से है वहीं भारतीय संस्कृति में सुख स्वास्थ्य और जीवनस्तर का वास्तविक पैमाना आध्यात्मिक जीवन से है। जो प्रकृति को उपभोग की वस्तु न मानकर प्रकृति के साथ सहकार होकर एक गौरवशाली जीवन जीने की कामना है। 'सादा जीवन उच्च विचार', यह हमारे जीवन का मूल मंत्र है। गांधी जी ने जिस समाज की कल्पना की है उसमें राजनीतिक उपायों की बहुत गुंजाइश नहीं है। गांधी जी के मत में समाज के वंचित वर्गों की मूल समस्या राजनीतिक और आर्थिक न होकर सामाजिक और धार्मिक है। गांधी जी कहते हैं कि पहले सामाजिक और धार्मिक स्तर पर व्याप्त विधेयक को समाप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए। इससे सामाजिक सहकार और धार्मिक सहिष्णुता में वृद्धि होगी, समाज का हर व्यक्ति अधिकारों से ज्यादा कर्तव्यों के प्रति सचेत होगा और वह अपने कर्तव्यों के पालन में अपने जैसे अन्य मानव के अधिकारों का भी अतिक्रमण नहीं करेगा। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी, दीन दयाल उपाध्याय जी, डा0 सोनेलाल पटेल जी राजनीतिक संस्थाओं को छोटे-छोटे आत्म निर्भर समूहों में बांट देते हैं जिससे सत्ता का प्रचालन नीचे से ऊपर की ओर होता है और समाज का अन्तिम व्यक्ति ही वास्तविक अर्थों में आगे बढ़ने का समान अवसर प्राप्त करता है। भारतीय संविधान के अनुछेद-21 में भी गौरवपूर्ण जीवन जीने की कल्पना की गयी है। गांधी जी कहते हैं कि जिस प्रकार एक मां अपने सभी बच्चों का समान रूप से पोषण करती है और जब माभित हो जाती है तो बच्चे अपनी मां के दूध का कर्ज उतारते हुए अपनी मां की सेवा करते हैं, उसी प्रकार प्राकृतिक संशाधनों पर सभी जीव-जन्तुओं का समान अधिकार है। मनुष्य को प्रकृति का दोहन करने के बजाये उससे केवल उतना ही लेना चाहिए जिससे उसकी न्यूनतम आवश्यकता पूरी हो सके तथा उसी अनुपात में प्रकृति का संरक्षण करके भावी पीढ़ियों के लिए प्रकृति का समर्थन भी करना चाहिए। इस प्रकार के संतुलित विकास को भी सतत विकास की संज्ञा दी जाती है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पश्चिमी संस्कृति प्रकृति को भोग की वस्तु मानकर मनुष्य को प्रकृति के विरूद्ध खड़ा करती है, वहीं भारतीय वैदिक संस्कृति, प्रकृति को मां मानकर मनुष्य और पृथ्वी के बीच दुनिया का सबसे प्यारा सम्बन्ध स्थापित करती है। अथर्वेद में कहा गया है माता भूमि है पुत्रोहन पृथ्यु दयात धरती माता, गौ माता, तुलसी माता, गंगा माता का सम्बोधन मनुष्य और प्रकृति के बीच आत्मिक सम्बन्ध स्थापित करता है। जो सुख मां की गोद और उसके आंचल में है, उसी सुख की अनुभूति मनुष्य प्रकृति के साथ रहकर करता है। ऐसे समाज की परिकल्पना करने से भ्रम और सिद्धांत की महत्ता बढ़ेगी। छोटे-छोटे आत्मनिर्भर समूह तैयार होंगे जिनका स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर उन्नत होगा। वैदिक मनीषियों ने कहा है कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिष्क का विकास होता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

जैसे कि गोरखपुर और रायबरेली को एम्स मिला, अनेकों प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को अपग्रेड कर सामुदायिक किया गया। यहां तक कि हमारे एक बार पत्राचार व मांग करने पर रामपुर विकास खण्ड को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मिला। मुख्य मंत्री जी का मैं तहे दिल से आभार प्रकट करती हूं। स्वास्थ्य वर्धन से सम्बन्धित कई प्रयास किये जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप हमारा प्रदेश स्वस्थ दिख रहा है। हां इतना अवश्य है कि इस निरंतरता को तब तक जारी रखना है, जब तक विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हमारे देश को नजीर न मान लिया जाये। पूरा भरोसा है कि 2030 तक हमारे प्रदेश का और हमारे भारत का एक-एक युवा पूरे पाक को अकेले मल्लयुद्ध में परास्त कर देगा। अन्त में आप सबने देखा होगा कि जिस तरह हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी का सम्मान अमेरिका में हुआ उनकी जितनी भी तारीफ की जाये, कम है। उन्होंने हम सब भारतीयों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। यह सब देखकर हमारे विरोधियों की प्लेटलेट कम होती जा रही हैं। अन्त में मैं इतना कहना चाहूंगी कि 2030 तक हमारे प्रधानमंत्री जी और हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारे पूरा देश और उत्तर प्रदेश चमकेगा, गरजेगा और रिद्धि-सिद्धि की वर्षा करेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

[20:49] श्री पुरूषोत्तम खण्डेलवाल-

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की रिपोर्ट जो पिछले वर्ष आई है, उसके हिसाब से भारत में पहले 55.1 फीसदी गरीब माने गये थे लेकिन अब घटकर जब से केन्द्र में मोदी जी की सरकार बनी तब से 27.9 फीसदी गरीब संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम में सर्वे के हिसाब से माने गये हैं। भारत में जो केन्द्र एवं हमारे प्रदेश की सरकार ने देखा कि ऐसे लोग जिनके पास डाक्टर के पास जाने की स्थिति नहीं है, दवा खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, बच्चों को स्कूल नहीं भेजा जा सकता, गरीब 3 समय भोजन करता है जो तीन समय का भोजन नहीं कर

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सकता, काम के बदले उनको मेहनताना नहीं मिल पाता, जो घर नहीं खरीद सकते, गन्दे स्थान पर रहने को बाध्य हैं, जो अशुद्ध पानी पीने को बाध्य हैं, जो अनुचित भोजन खाते हैं, ऐसे 27.9 लोगों को हमारी सरकार ने यह माना कि गरीबी देश के लिए कलंक हैं, इनका उद्धार होना चाहिए और उनके उद्धार के लिए कांग्रेस की सरकार ने और कांग्रेस जैसे सपा, बसपा ने इन लोगों के उद्धार के लिए कोई काम नहीं किया बल्कि जातिवाद फैलाकर, साम्प्रदायिक तनाव फैलाकर इन लोगों ने देश को बर्बादी के कगार पर पहुंचाने का प्रयास किया। हमारे देश में प्रारम्भ में पुरातन काल से हमारे पूर्वजों ने बहुत अच्छे-अच्छे काम किये। 5141 वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेन जी ने हमारे देश को चलाने का एक बहुत-बड़ा यन्त्र दिया और कहा कि जो भी नया व्यक्ति आयेगा उसको एक रुपया दिया जायेगा ताकि व्यक्ति अपना मकान बना सके, अपना व्यवसाय कर सके, अपना जीवन पालन कर सके। यह काम मोदी जी की सरकार ने, योगी जी की सरकार ने इस प्रकार का काम जो 5141 वर्ष पहले किया था, वह काम अब हमारी सरकार ने प्रारम्भ किया। हमारी सरकार ने एक रुपया एक ईट वाला प्राविधान अब नहीं हो सकता, क्योंकि जिस प्रकार का युग है, उसी प्रकार का काम किया है, जैसे बेघरों को मकान देना, स्वास्थ सेवा के लिए आयुष्मान भारत, ऐसी योजना जो गरीब दवाई नहीं खरीद सकता, चिकित्सक के पास नहीं जा सकता, अब पांच लाख रुपये में अपना बढ़िया इलाज करवा सकता है।

स्कूल चलो, जब हम गांव में जाते हैं छोटे-छोटे बच्चे 12 साल के जब बच्चियां साइकिल पर निकलतीं हैं, ड्रेस में निकलती हैं यह काम योगी जी की सरकार ने मोदी जी की सरकार ने किया। स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत जब हम निकलते हैं तो वहां शौचालय बने हुए मिलते हैं। स्वच्छ भारत मिशन में इस प्रकार के काम मिलते हैं। जब हम शहर में पहले निकलते थे, ए0सी0 कूपे में भी बदबू आती थी, आज आप जाकर देखिये, प्लेटफार्म पर खड़े हो जाईये किसी को मुंह पर रूमाल ढंकने की आवश्यकता नहीं होती है। आप जब किसी शहर में जाते हैं तो ट्रेन में बदबू नहीं आती। यह मोदी जी और योगी जी की देन है, रेलवे स्टेशनों पर, बस स्टेण्डों पर लघुशंका और दीर्घशंका जाने में लोगों को गन्दगी के कारण संकोच लगता था वहां पानी फैला रहता था लेकिन आज हम गारण्टी के साथ कह सकते हैं कि 99.99 प्रतिशत स्वच्छता अभियान में सार्वजनिक स्थान पर गन्दगी देखने को नहीं मिलती। जो 10 रुपये सैकड़े की ब्याज, मुहल्ले के छुटवइये बदमाश जिसमें सपा और बसपा तो बहुत आगे है, जो ब्याज लेने का काम किया करते थे, आज हमें गर्व है कि हमारी सरकार ने उसको कम किया है। अभी पूरी तरह से यह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन हमारी सरकार ने छोटे लोगों को 50 हजार रुपये का ऋण देकर उद्धार किया। उज्जवला गैस जो गांव में दी गयी है और उससे केवल आदर्श ईंधन के रूप में नहीं बल्कि पेड़ कटान में भी कमी आई है। यह बड़ी बात है कि लोगों को सस्ती गैस मिले और साथ में पर्यावरण भी ठीक बने। बिजली, 15 हजार रुपये कन्या के जन्म

पर, किसानों को सीधा खाते में पैसा, जल संरक्षण, हर घर को नल, न्याय की स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है। पहले यह कहा जाता था कि पुलिस का सम्बन्ध केवल कुख्यात और विख्यात लोगों से होना चाहिए लेकिन पिछली सपा और बसपा सरकार में जो कुख्यात लोगों से पुलिस का सम्बन्ध हुआ करता था, वे कुख्यात लोग थाने में जो सभ्रान्त लोगों की कुर्सियां होती थीं उन पर महिमा मण्डित होते थे। लेकिन हमारी सरकार में वे कुख्यात लोग या तो जेल में है या फिर ऊपर हैं। आप देख सकते हैं। लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी नही है इस समय एक आवश्यकता है जो विख्यात लोग हैं वह किसी भी दल के हो सकते हैं, सामाजिक संगठनों के हो सकते हैं। पिछले दिनों में देखा है कि पुलिस की विख्यात लोगों से भी निकटता कम हुई है। यह आवश्यकता है कि सही ढंग से पुलिस प्रशासन चले, सही लोगों को न्याय मिले। पुलिस का विख्यात लोगों से सीधा सम्पर्क, सम्बन्ध होना चाहिए।

आगरा में हमारे नगर विकास मंत्री जी बैठे हैं उन्होंने काम किया है लेकिन और काम आवश्यक हैं, जैसे हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने सिविल इन्कलेव के बीच में जो समाजवादी पार्टी ने अड़चने पैदा की थीं, उन अड़चनों को समाप्त करके अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पर्यटकों को आगरा आने का अवसर प्रदान किया है। आगरा में एस0एन0 मेडिकल कालेज जो जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़ा हुआ था, उसमें हमारे माननीय गोपाल जी टण्डन एवं माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रयासों से वहां पर 200 करोड़ रुपये की लागत से स्पेशल विंग बनाने का काम किया है। इससे गरीबों को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। गंगा जल के मामले में भी समाजवादी पार्टी की सरकार ने तमाम रोड़े अटकाने की कोशिश की लेकिन इसके लिए योगी जी, एवं श्री खन्ना जी बधाई के पात्र हैं कि जिन्होंने प्रयास करके वहां पर आगरा की जनता को गंगा जल पहुंचाने में जो रोड़ा था उसे समाप्त किया, आज आगरा की आधी जनता को गंगा जल उपलब्ध है और आने वाले समय में मुझे विश्वास है कि टण्डन जी के प्रयासों से दीपावली तक गंगा जल उपलब्ध हो जायेगा। मान्यवर आगरा ऐतिहासिक नगरी है, भगवान श्री कृष्ण की पैतृक भूमि है, जैन तीर्थांकर भगवान नैमिषारण्य की भी जन्मस्थली हैं। मान्यवर, अटल बिहारी बाजपेयी जी की जन्म स्थली भी आगरा में ही है। राधास्वामी मठ की स्थापना भी आगरा में हुई है। यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का मठ है और इस मठ के संस्थापक स्वामी जी महाराज की जन्म स्थली व हजूर महाराज और दयालबाग, स्वामी बाग जैसे ऐतिहासिक स्थल भी आगरा में हैं। चारों महादेव, चारों भैरव आगरा को सालासर, रावली मन्दिर सुरक्षा प्रदान करते हैं। मनकामनेश्वर, नये खाटू श्याम मन्दिर, जगन्नाथ जी का मन्दिर, आगरा के बहुत बड़ा केन्द्र है। रक्तदान और नेत्रदान में मै विश्वास के साथ कह सकता हूं कि आगरा सर्वाधिक आगे है। उत्तर प्रदेश में आगरा ऐसा शहर है जहां रक्त के अभाव में हम किसी को मरने नहीं देते। आगरा इस समय क्रिकेट खिलाड़ी बनाने की फैक्ट्री बन चुकी है लेकिन दुर्भाग्य है पिछली सरकारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। उत्तर प्रदेश में क्रिकेट अकादमी केवल कानपुर व लखनऊ में है, श्री चेतन

चौहान साहब बैठे हैं, कई खिलाड़ी आगरा से निकले हैं। मैं चाहता हूं कि हमारी सरकार एक क्रिकेट अकादमी आगरा में भी स्थापित करे। आगरा में 1995-96 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सारे उद्योगों को उजाड़ दिया था। बेरोजगारी चरम पर थी, उस समय उत्तर प्रदेश और केन्द्र सरकार ने आश्वस्त किया था कि आगरा में पाल्यूशन लेस इण्डस्ट्री लगाई जायेंगी और लोगों को रोजगार दिया जायेगा लेकिन पिछली सरकारों ने एक भी इण्डस्ट्री आगरा में नही लगाई। आगरा के लोग अपने बलबूते पर व्यापार करते हैं, चर्म उद्योग और ब्रश का बहुत बड़ा काम करते हैं, आगरा के लोग पेठे का काम करते हैं जो आप लोगों को भी मिलता होगा, मुझे अवसर नहीं मिला कि मैं लेकर आऊं। आगरा में गोल्ड का और सिल्वर का बड़ा काम है, कालीन का काम होता है। लेकिन 1995-96 में जो पल्यूशन के नाम पर उद्योग उजड़ा है उसके विकल्प के रूप में आगरा के लोगों को रोजगार नहीं दिया गया है।

मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि आगरा के विकास में चूंकि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का शहर है, वहां पर प्रदूषणलैस इण्डस्ट्री खोली जायें। स्पेशल इकानामी जोन बनाये जायें, आलू का बहुत बड़ा क्षेत्र आगरा है वहां फूड प्रोसेसिंग जोन बनाया जाये। केन्द्र सरकार केन्द्रीय पुरातत्व विभाग, पर्यटन विभाग से समन्वय करने की आवश्यकता है। आगरा में अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन की बहुत सम्भावना है। अगर ताज महल को रात्रि में खोल दिया जाये और रात्रि में दर्शन प्रारम्भ हो जायेंगे तो आगरा के लिए बहुत बड़ा काम हो जायेगा। आगरा से पानी की समस्या, यमुना बहती है लेकिन पानी नहीं है। पानी के कारण मुगल बादशाहों ने अपनी राजधानी चेंज कर दी थी। आगरा में एक बैराज अवश्य बनाया जाए। बैराज बन जाएगा तो यमुना में पानी हो जाएगा आगरा का जल स्तर भी ठीक हो जाएगा, आगरा के लोगों की जान बच सकती है। उसका लाभ मथुरा को भी होगा। अधिष्ठाता जी जलभराव की आगरा में सबसे बड़ी समस्या है। सड़कें हर साल बनती हैं, हर साल टूटती हैं। पिछली सरकार इस पर ध्यान नहीं देती थी। क्योंकि अधिकारियों की स्थिति केवल कमाई की रहती है। अधिष्ठाता जी मेरा निवेदन है कि आगरा में जलभराव की जो समस्या है उसके लिए विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जल निगम, पी0डब्लू0डी0 जैसे संस्थान हैं उनके विशेषज्ञों की टीम बना दी जाए और जलभराव के कारण खोजकर उसके निराकरण की व्यवस्था सरकार सुनिश्चित करे। पहले यह होता था कि तुगलकी फरमान जारी करके सड़क बनाना शुरू कर देते थे और वर्षाकाल में छूट हो जाती थी। फिर सड़क टूटेगी इसलिए मेरा कहना है कि सरकार इस बात पर ध्यान दे, हम सत्ता पक्ष के हैं, हम विरोध नहीं कर रहे हैं, पिछले पचासों वर्ष की जो समस्या है, उस समस्या को हल करने के लिए यही एक चारा है कि नाले और नालियां कूड़े से भरी रहती हैं। केवल बरसात में नाले नालियां साफ होती हैं। नाले नालियां केवल जल निकासी के लिए होती हैं कूड़ा भरने के लिए नहीं होती हैं यह व्यवस्था की जाए कि अगर किसी भी नाले नाली में कूड़ा मिलेगा तो सम्बंधित संस्थाएं उसके लिए उत्तरदायी होंगी। हमारे शहर में जनता के बीच में घनी आबादी के बीच में

वन विभाग की छोटी-छोटी जमीनें पड़ी हुई हैं। गरीबों के क्षेत्र में हैं, वहां पर सूखे झाड़फनूस हर वक्त देखे जा सकते हैं। नशेबाजों की शरणस्थली है। शहर के बीचो बीच भू माफियाओं की गिद्ध दृष्टि उस जमीन पर रहती है। मेरा सुझाव है कि उन सारी वन विभाग की जमीनों को व्यवस्थित किया जाए, वहां हरियाली बिछाई जाए, वृक्षारोपण किया जाए, बाउंड्री लगवाई जाए और गरीब लोगों को वहां निःशुल्क घूमने की अनुमति हो। मान्यवर जो अविकसित कालोनियां हैं जो सपा, बसपा, कांग्रेस के समय की हैं, पचास-पचास वर्षों की हैं, यह सही बात है कि अधिकारियों ने पैसे लेकर उन कालोनियों को बनवाया है। उन कालोनियों को भी नियमित करने के लिए कोई न कोई उपाय हमारी सरकार करे क्योंकि उनका मेहनत का पैसा है, उनको उजाड़ने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

इसी प्रकार से आवासीय क्षेत्र में जो चालीस-चालीस साल 45-45 साल पुरानी कालोनियां हैं, उनमें आवासीय स्थल बने हुए हैं, उन आवासीय स्थलों में पैसे लेकर आवास विकास के अधिकारियों ने, विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने पैसे लेकर उन आवासीय स्थल पर व्यवसायिक स्थल बना दिया, आज उनको तोड़ने के लिए बार बार पैसे लिए जाते हैं मेरा निवेदन है कि आज तक जितने बन चुके हैं उनको नियमित किया जाए क्योंकि उन्होंने उसकी कीमत से ज्यादा रिश्वत दे चुके हैं यह बात मैं विधान सभा में बोल रहा हूँ । आज ईमानदार लोगों का अच्छे लोगों का शोषण हो रहा है। मैं मान्यवर, एक निवेदन और करना चाहता हूं कि जब कालोनियां आगरा में, आवास विकास कालोनी जो पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के नाम से है, में 70 पार्क हैं, उन 70 पार्कों में से 7 पार्क केवल विकसित किए गए हैं जबकि बाकी पार्क आज तक विकसित नहीं हुए हैं 35 वर्ष पुरानी कालोनी में जबकि उसका पैसा आवास विकास प्लाट होल्डर से वसूल कर चुका है और वहां के निवासियों से। मेरा निवेदन है कि उन पार्कों को ठीक किया जाए ताकि वहां पर वृक्षारोपण हो सके। अन्तिम बात कहना चाहता हूं कि शहर की कालोनियों में अगर कूड़ाघर नहीं होंगे तो कूड़ा पड़ेगा कहां। मान्यवर, मैंने यह बातें आपके माध्यम से सदन में रखी हैं आज महात्मा गांधी जी का जन्म दिन है और लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिन है उनको सादर नमन करते हुए मैं चाहता हूं कि जो बातें मैंने कहीं हैं उनको आगरा के हित में पूरा करने की कृपा करें। धन्यवाद।

(श्री शरद अवस्थी का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित होने पर)

[21:05] डा0 श्याम बिहारी लाल-

माननीय अधिष्ठाता जी आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और जय जवान जय किसान का नारा देने वाले बहुत ही सम्मानित लाल बहादुर शास्त्री जी उनका स्मरण करते हुए उनके कृत्यों से प्रेरणा लेते हुए और महात्मा गांधी की पुस्तक माई एक्सपेरीमेंट्स विद् ट्रुथ को पढ़ने के दौरान जो मुझे अनुभूति हुई उसी आधार पर भुखमरी की समाप्ति वाला जो विषय है उस पर

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मैं कुछ कहना चाहता हूं। यह एक ऐसा विषय है जिसमें हम सभी ने कभी न कभी इसमें कोई कल्पना करने की जरूरत नहीं है कि भूख क्या चीज है या भुखमरी क्या चीज है। पूरी दुनियां में इससे लोग प्रभावित रहे। करप्शन या जितनी भी चीजें रहीं या व्यवस्था उनकी वजह से भुखमरी बढ़ी और भुखमरी भी कैसी सबसे पहले जिन्हें खाना नहीं मिलता था, जिन्हें प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट्स नहीं मिलते थे वह भुखमरी थी लेकिन आगे चलकर जब दुनियॉ में विकास शुरू हुआ, विकसित देश जब काम करने लगे तब फिर एक हिडेन भुखमरी जो थी उसका विकास हुआ और मैं कहना चाहता हूं कि जो छिपी हुई भुखमरी थी उसमें लोगों को जिंक न मिलना उनको फॉलिक न मिलना, उनको विटामिन्स न मिलना, यह बहुत ही महत्वपूर्ण है हमें लगता है कि केवल दो वक्त की रोटी मिल जाना, केवल मुट्ठी भर चावल या पेट भर चावल मिल जाना महत्वपूर्ण नहीं है, चाहे वह भुखमरी हो या हिडेन भुखमरी हो दोनों के लिए बहुत ही जरूरी है कि चीजों को बहुत ही व्यवस्थित किया जाए और एक प्रयोग के तौर पर पहले मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के बारे में बताना चाहता हूं कि जब माननीय प्रधानमंत्री जी ने 2017 और 2018 में पार्लियामेंट में यहां से कुछ विधायकों को बुलाया इस विधान सभा के अध्यक्ष भी वहां थे उनके नेतृत्व में हम लोग गए और वहां हमने सुना कि इस समय जो थर्स्ट एरिया है जहां सम्भावनाएं हैं जिनको आप पिछड़ा कहते हैं उन जिलों में काम करने की जरूरत है क्योंकि जो हिडेन हंगरनेस है उसमें जब यह चीजें कम होती हैं यहां दो तीन डाक्टर मित्र हैं, जो हमसे बहुत अच्छी चीजें जानते हैं वहां पर इन चीजों की कमी की वजह से उनको मेंटल प्राब्लम हो रही थी। लोगों की हेल्थ खराब हो रही है, जो लो प्रोडक्टिविटी अधिक काम न कर पाना बहुत सी चीजें ऐसी थीं जिसकी वजह से लोग प्रभावित हो रहे थे खासकर गांवों में जो मेरा विधान सभा क्षेत्र है वहां पर बच्चे मैथमेटिक्स और एजूकेशन के मामले में बहुत ज्यादा पीछे रह जाते थे और ड्राप आउट जो रेट था वह भी बहुत अधिक बढ़ जाता था। लेकिन 2017-2018 के बाद जब मुझे कुछ पता लगा तो उसके बाद मैंने अपने क्षेत्र में माननीय योगी जी की सरकार में जो अस्पताल थे उन्होंने अच्छा काम करना शुरू किया, दो सामुदायिक अस्पताल हैं वहां भी अच्छी चिकित्सा की शुरूआत हुई, अच्छा अल्ट्रासाउंड, अच्छा एक्सरे, अच्छी लैबोरेटरी शुरू हो गई इसके बाद हम लोगों ने ए0एन0एम0 और आशाओं से बात की कि 25-25 और चालीस चालीस के ग्रुप में और उनसे बहुत आत्मीयता के साथ बात की कि क्या आप जब गांव में जाती हो क्या विटामिन ए की जब कमी होती है तो क्या सजेशन देती हैं, क्या लाल गोलियां बांटने के अलावा कभी आपने और कोई भी सजेशन दिया तो चूंकि सरकार का पूरा प्रयास था सरकार के प्रयास की वजह से हम लोगों ने उनको सजेस्ट किया कि जो शकरकन्दी है, वह विटामिन ए का बहुत अच्छा श्रोत है आप उसे सजेस्ट करिए और उन्होंने उसे सजेस्ट करना शुरू किया हमने उन्हें जो माननीय कृषि मंत्री जी ने बताया कि सहजन की जो फसल है सहजन का चाहे फूल हो या फल हो चाहे उसकी जो स्टिक है वह बहुत ही ज्यादा कारगर और ढेर

सारी मिनरल और विटामिन्स का श्रोत है गांव में खासकर पश्चिम उत्तर प्रदेश में वह ऐसी की ऐसी ही पेड़ पर लगी रहती हैं उनको कोई भी नहीं तोड़ता जबकि पूरे भारत में 10 रुपए की एक स्टिक मिलती है। उसको हमने बताया कि इसको आप बताइए।

हीमोग्लोबिन के लिए आप महिलाओं और बच्चियों को बताइए कि आप गुड़ लीजिए यह छोटी-छोटी चीजें जो हो सकती थीं। हमने उनसे कहा कि बच्चे के गर्भ में आने के बाद और जन्म के बाद एक हजार दिन तक अगर उसे न्यूट्रीशन ठीक नहीं मिलता है तो माननीय अध्यक्ष जी बच्चा कभी भी तरक्की नहीं कर सकता है। बच्चा सदैव पतला रहेगा, बच्चे की मृत्यु दर बहुत अधिक होगी, यह बातें जब हमने उन्हें समझाई तो उन्होंने हमारा साथ दिया और मैं सच कहता हूँ कि उसके बाद हम लोगों ने यह बना लिया कि जब भी हम कभी अस्पताल में जाते थे जब भी कभी ब्लाक में बात होती थी, जब भी कभी हेल्थ कर्मियों के साथ बैठते थे हमने उन्हें समझाया कि आप यह तीन बच्चे हैं उनको तीन दिन से लेकर एक हजार दिन तक इन पर जोर दीजिए, हमने ऐसे बच्चे देखे जिन्हें बहुत ज्यादा दस्त आ रहे हों जो बहुत ज्यादा पतले हों या उन्हें और कोई परेशानी हो तो निश्चित रूप से हम इस भुखमरी को कम कर लेंगे और इस प्रयास में हमें बहुत अधिक सफलता मिली, माननीय अधिष्ठाता जी यह एक छोटा सा प्रयास था और मैं यह बताना चाहता हूं कि जितने भी सजेशन यहां पर दिए गए जितने भी मंत्रालयों ने जो प्रगति बताई वह सारी चीजें भुखमरी को कम करने में सहायक हैं। चाहे वह इलेक्ट्रिसिटी का मामला हो, चाहे बिजली, चाहे जमीन, चाहे जल इनका जब तक हम सही से उपयोग नहीं करेंगे और सही से इनका दोहन नहीं होगा निश्चित रूप से भुखमरी को कम नहीं किया जा सकता है। हम इसे बहुत हल्के में लेते हैं कि केवल चावल और रोटी भोजन के लिए पर्याप्त है। वह पर्याप्त नहीं है और उसकी वजह से पूरी दुनियां में समस्याएं हैं चाहे वह थर्ड वर्ल्ड के कंट्रीज हैं, चाहे वह विकसित देश हों, चाहे वह विकासशील देश हों सबके साथ यह समस्या है और इसके लिए मैं एक बात और सुझाना चाहता हूं कि माननीय कृषि मंत्री जी ने बताया अपने विभाग के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि जो मिल्क प्रोडक्टिविटी है, जो दूध है वह गांव से बहुत जुड़ा हुआ है, गांव में कलेक्शन सेन्टर में मनचाहे रेट पर खरीदा जाता है, मैं गुजारिश करना चाहता हूं उत्तर प्रदेश सरकार से कि दूध का जो एक एम0एस0पी0 है वह घोषित किया जाए, हमें लगता है कि वह एक बेहतर चीज होगी और इससे लोगों को फायदा मिलेगा। अधिक मिल्क का प्रोडक्शन होगा, अधिक से अधिक माइक्रो न्यूट्रीएन्ट्स लोगों को मिलेंगे। चाहे जमीन के अधिकार हों जल के अधिकार हों चाहे वन हों उन सबमें अधिक से अधिक स्थानीय निवासियों को मिलने चाहिए यह जो सकारात्मक फ्रेमवर्क है उसको बढ़ाया जाना चाहिए। इसके अलावा कृषि प्रोद्योगिकी में जो एग्रीकल्चर टेक्नोलाजी है उसमें इन्वेस्टमेंट करने की बहुत अधिक जरूरत है। यहां पर बहुत डेवलप्ड किसान बैठे हुए हैं धान की रोपाई लेबर करती है पिछले दो तीन साल से एक मशीन आई है जो धान को डायरेक्ट पौध लगाने के बजाए

एक निश्चित दूरी पर करती है लेकिन अभी तक वह मशीन हर जगह नहीं पहुंच पाई है। इसको पहुंचाने के लिए भी प्रयास किए जाने चाहिए। यह छोटे-छोटे प्रयास प्रोडक्शन को बढ़ाएंगे। निश्चित रूप से इससे हमें सफलता मिलेगी मैं आज क्षेत्र के लिए कुछ भी नहीं मांग रहा हूँ। क्योंकि आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी की स्मृति में सदन चल रहा हैं। मैं आज क्षेत्र के लिए कुछ न मांगते हुए धन्यवाद करना चाहूंगा।

श्री अधिष्ठाता-

अब श्री नागेन्द्र सिंह जी।

***[21:15] श्री नागेन्द्र सिंह राठौर**-

धन्यवाद अधिष्ठाता जी, आज हमारे दो महा मानव, एक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और दूसरे इस देश के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्मदिन है। दोनों के जीवन से हमको बहुत कुछ सीखने को मिलता है और दोनों की जो सोच, दोनों के जो कार्य रहे हैं वह देश सेवा के लिए समर्पित रहे हैं। गांधी जी के नाम पर कई राजनैतिक दलों ने वोट तो हासिल किया है, लेकिन उनकी सोच का भारत, स्वग्राम योजना या राम राज्य जैसी जो उनकी सोच थी, उसके अनुरूप कार्य करने का कभी कोई काम नहीं किया है। मैं सोचता हूं कि अगर गांधी जी आज राम राज्य की बात करते तो विरोधी उन पर साम्प्रदायिक होने का आरोप जरूर लगा देते। हम उन्हें राष्ट्रपिता मानते हैं, लेकिन जो लोग उनके नाम पर वोट लेते रहे, अगर आज गांधी जी राम राज्य की बात करते तो निश्चित तौर पर शायद वह लोग उन्हें भी साम्प्रदायिक कहने में चूकते नहीं। गांधी जी ने अपने जीवन में जो दिनचर्या अपनायी, उसमें स्वच्छता, सादगी, सादा भोजन और प्रार्थना को प्राथमिकता दी है, जो आम जनमानस के लिए हितकारी है। परन्तु मैं यह कहना चाहता हूं कि जिन सरकारों ने नहीं माना सो नहीं माना, लेकिन गांधी जी के सपनों का भारत, गांधी जी की नीतियों पर चलने का कार्य हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी और हमारे नेता इस प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय योगी जी ने पूरा करने के लिए जो कदम आगे बढ़ाया है, मैं समझता हूं कि वह निश्चित तौर पर गांधी जी के सपनों का भारत बनाने में सफल होंगे। आज के दिन इससे बड़ी गांधी जी के लिए कोई श्रद्धांजलि नहीं हो सकती है। जो स्वच्छ भारत अभियान हमारी सरकार ने चलाया है, पर्यावरण में जो प्रदूषण फैल रहा है, उसको रोकने के लिए केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार दोनों ही दृढ़ संकल्पित हैं। इसका उदाहरण आज इस लखनऊ नगर महापालिका में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों के द्वारा प्रत्येक वार्ड में जाकर के स्वच्छ भारत अभियान के साथ-साथ लखनऊ को वन टाइम पॉलीथिन प्रयोग के विषय में सजग करने, उसका प्रयोग न करने का जो अनुरोध किया गया है, मैं समझता हूं कि यह अपने में एक अनोखा कार्यक्रम रहा है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आज तक देश में कभी भी किसी सदन में गांधी जी के नाम पर शायद इतनी लम्बी चर्चा नहीं हुई होगी। जैसा कि प्रारम्भ में ही माननीय अध्यक्ष जी ने बताया था कि आध्यात्म में तो दो-तीन महीने सेशन चले हैं, लेकिन राजनैतिक क्षेत्र में या संविधान के अनुसार इस देश में प्रथम बार उत्तर प्रदेश में, जिसे गांधी जी भी भारत का हृदय मानते थे। इस उत्तर प्रदेश ने एक नया इतिहास लिखने का काम किया है, जो गांधी जी के जन्म दिन पर 36 घण्टे लगातार यह सदन उनके विचारों पर, उनके कार्यों पर इस देश की भलाई के लिए कार्य करने का काम करेगा। ऐसा दृढ़ संकल्प हमारे मोदी जी और योगी जी, दोनों हमारे महान नेतृत्व का है। हमें गर्व है कि हम ऐसे महान नेतृत्व के सिपाही हैं। मेरा विषय स्वास्थ्य और जीवन स्तर से संबंधित है।

माननीय अधिष्ठाता जी, गांधी जी का जो स्वच्छ भारत अभियान और सादा भोजन और प्रार्थना था, उसका बहुत कुछ संबंध मनुष्य के स्वास्थ्य से है। अगर हम देश को स्वच्छ रखने में, अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में सफल होते हैं तो मैं समझता हूं कि तमाम उन बीमारियों को हम दूर रखने में कामयाब रहेंगे जो जाने-अनजाने में हमारे समाज में, हमारे परिवार में, हमारे गांव में, हमारे नगर में फैलती हैं और फिर इतना विकराल रूप ले लेती हैं कि जिनका इलाज कराना एक गरीब आदमी के लिए संभव नहीं होता है। इन गरीबों के लिए हमारे प्रधानमंत्री जी ने और माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना का एक ऐसा अभूतपूर्व कार्य किया है, जिस गरीब के लिए गंभीर बीमारियों का इलाज कराना तो दूर, जो एक छोटे से डाक्टर की फीस देने में भी असमर्थ है, आज वह पांच लाख तक का इलाज कराने में अपने आप को सक्षम पा रहे हैं। माननीय अधिष्ठाता जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र भोजपुर है। भोजपुर, जनपद फर्रूखाबाद की विधान सभा है, माननीय मोदी जी की जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत हमारे यहां के दो विकास खण्ड आते हैं, जिसमें दो सी0एच0सी0 हैं। इसमें कमालगंज के अन्तर्गत 18,768, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के कार्ड बने हैं एवं 1,261 मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना के कार्ड बनने के बाद मोहम्मदाबाद सी0एच0सी0 में 9,104 प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं 1,203 मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना के कार्ड दिये गये हैं। इनसे गरीबों को लाभ कितना हो रहा है और किस स्तर तक हो रहा है, इसका एक उदाहरण मैं आपको देना चाहता हूं। हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक गांव है, वासेपुर, जहां प्रकाश कठेरिया नाम का एक व्यक्ति है, जिसके दोनों गुर्दे खराब हो चुके हैं। लेकिन उसके पास इतने पैसे नहीं थे कि वह फर्रूखाबाद तक जा सके या कहीं बाहर जा करके इलाज करा सके। माननीय प्रधानमंत्री जी के जन आरोग्य कार्ड के द्वारा आज उसका पुष्पांजलि आगरा में इलाज चल रहा है। यह अपने में एक प्रमाण है कि गरीबों के इलाज के लिए किस हद तक हमारी केन्द्र और प्रदेश की सरकार चिन्तित है। हमारे जनपद में इन दोनों योजनाओं के अन्तर्गत 3 सरकारी अस्पताल और 10 प्राइवेट हॉस्पिटल्स आच्छादित हैं। मेरा

आपके माध्यम से अनुरोध है कि प्राइवेट हॉस्पिटल्स की संख्या बढ़ायी जाये और जो सी0एच0सी0 हैं, उनको उच्चीकृत करके और जो असाध्य रोग हैं, उनका भी इलाज उनमें हो सके, इस तरीके की योजना बनाई जाये। माननीय अधिष्ठाता जी, स्वास्थ्य सेवाओं को जितना भी उच्चीकृत किया गया है, उसमें अभी और समय लगना कोई बहुत बड़ी बात इसलिए नहीं है कि पूर्व की सरकार ने स्वास्थ्य की सेवाओं के विषय में कोई विशेष ध्यान नहीं दिया। अगर ध्यान दिया होता तो आज जो डॉक्टर्स की कमी दिखाई देती है, आज जो अस्पतालों में स्टाफ की कमी दिखाई देती है, 2017 के बाद योगी जी की सरकार में स्वास्थ्य के प्रति जितनी जागरूकता, जितनी सजगता दिखाई गई, उन सरकारों में अगर इसका कुछ अंश भी दिखाई दिया होता, तो शायद इन बीमारियों का इतना विकराल रूप नहीं होता। प्रदेश सरकार के द्वारा तमाम छोटी-छोटी जगहों पर भी हेल्थ अवेयरनैस सेंटर बनाये जा रहे हैं। इन सेंटरों की संख्या जनपद में बढ़ाने की आवश्यकता है क्योंकि जो छोटी-छोटी बीमारियां हैं या जो थोड़े बहुत उपचार से ठीक हो सकती हैं, उनको भी ठीक किया जा सकता है। माननीय योगी जी की सरकार में मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है, मुझे गर्व महसूस होता है कि चहुमुखी विकास करने का जो कार्य किया गया है, उसके लिए हम सब प्रदेशवासी आभारी हैं। चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, चाहे वह खाद्यान्न का क्षेत्र हो, चाहे बिजली का क्षेत्र हो, चाहे सड़क का क्षेत्र हो, ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जिसमें अभूतपूर्व कार्य नहीं हुए हैं। मान्यवर, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि कमालगंज विधान सभा क्षेत्र में 33,688 शौचालयों का निर्माण हुआ है और मोहम्मदाबाद विकास खण्ड में 37,357 शौचालयों का निर्माण हुआ है, जो इस बात का प्रमाण है कि अगर पूर्व की सरकारों ने भी काम किया होता तो शायद ओ0डी0एफ0 होने में प्रदेश को बहुत समय नहीं लगता।

मैंने एक बार इसी सदन में यह बात रखी थी, जब विरोधी दल के लोग इस बात पर उंगली उठा रहे थे कि प्रदेश सरकार ने खोखली योजनायें और कोरे आंकड़े दे करके ओ0डी0एफ0 करने का काम किया है, लेकिन वह यह बात भूल गये कि जो ओ0डी0एफ0 था, वह बेस लाइन सर्वे के आधार पर था और बेस लाइन सर्वे, वह सर्वे था, जिसमें 2005 से 2010 और 2010 से 2015 में उनकी सरकारों में प्रधानों ने जो शौचालय के लिए पैसा लिया था और शौचालय न बनवा करके केवल सूची प्रेषित करने का काम किया था। सरकार ने उसको आधार मान करके जो लाभार्थी उससे वंचित थे, उनको लाभान्वित करके ओ0डी0एफ0 करने का काम किया है। शौचालय से लेकर के तमाम जन समस्याओं के विषय में केन्द्र और प्रदेश सरकार बहुत जागरूक है। मैं समझता हूं, शायद इस स्वतंत्र भारत के इतिहास में प्रथम बार इस तरीके की योजनायें जो जन उपयोगी हैं, आम जन की भलाई के लिए, गरीबों के लिए है, गांव के लिए है। इस तरीके की योजनाओं का अगर क्रियान्वयन पूर्व की सरकारों ने किया होता तो निश्चित तौर पर इन ढाई साल में प्रदेश उत्तम प्रदेश जरूर दिखाई देता, जो कि उनके

कारनामों के कारण, उसको संभालने में सरकार का ढाई वर्ष निकला है। इन ढाई वर्षों में प्रदेश को बहुत कुछ आगे ले जाया जा सकता था। किसानों के विषय में मैं आभार व्यक्त करता हूं, माननीय प्रधानमंत्री, मोदी जी का, मेरा जनपद आलू पर आधारित है। हमारे यहां आलू की खेती प्रमुख खेती मानी जाती है। कैश क्रॉप आलू की खेती होती है, लेकिन आलू के बाद मक्का की खेती की जाती है। मक्का में इस वर्ष जो किसानों को मूल्य मिला है, आलू भले ही सस्ता बिका हो, लेकिन मक्का से जो उसकी आमदनी हुई है, उससे उसकी क्षतिपूर्ति ही नहीं हुई, उसके अच्छे दिन आये हैं, यह कहने में मुझे कोई संकोच नहीं है। माननीय अधिष्ठाता जी, ऐसे ही तमाम खाद्यान्न को ले लीजिए। पूर्व की जो सरकारें थीं, उनके जमाने में या तो कार्ड फर्जी थे या गांव वाले यही नहीं जानते थे कि गांव में कितना राशन आता है। मैं इस बात के लिए मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ कि मशीन के द्वारा जब से खाद्यान्न का वितरण शुरू हुआ है, तब से कोटेदारों को भी यह पता चल गया है कि अब बांटना ही पड़ेगा और जनता को भी यह पता चल गया है कि हमारे यहां कितना राशन आता है। इस व्यवस्था के कारण, इस परिवर्तन के कारण आम जनमानस में माननीय मोदी जी के प्रति और माननीय योगी जी के प्रति जो सद्भावना, जो प्यार बढ़ा है, इसी से मैं समझता हूं कि शायद यह विपक्षी अपने को कमजोर महसूस कर गये और जैसा कि हमारे नेता सदन ने अपने उद्बोधन में ही बताया था कि जब सभी दलों की बैठक हुई थी तो आज के इस सदन की कार्यवाही के लिए सब सहमत थे। लेकिन आज यहां आना उन्होंने उचित नहीं समझा।

शायद उन्हें पता था कि उनके किये हुए कार्यों में और आज के किये हुए कार्यों की तुलना जब यह सदन करेगा तो निश्चित तौर पर उनका मुखौटा जो लगा हुआ है, वह उतर जायेगा और शायद इसी डर के कारण उन्होंने यहां आना स्वीकार नहीं किया। मैं आपके माध्यम से अपनी भोजपुर विधान सभा क्षेत्र के विषय में अनुरोध करना चाहूंगा। अधिष्ठाता जी, हमारे यहां एक श्रृंगी रामपुर तीर्थस्थल है। जो श्रृंगी ऋषि की तपो भूमि है, ऐसा वेदों और पुराणों में कहा जाता है। हमारी धार्मिक मान्यता भी है कि श्रृंगी ऋषि का जो शाप था, वह श्रृंगी रामपुर में आ करके ही खत्म हुआ है और उन्होंने वहां उसको तपो-भूमि बनाया। श्रृंगी रामपुर की महत्ता को हम इतना ही संक्षेप में कह सकते हैं कि ग्वालियर से लेकर एटा, इटावा, भिन्ड, औरैया और छिप्रामऊ आदि तमाम स्थानों से भक्तगण साल में कम से कम दो बार महाशिवरात्रि और गंगा दशहरा पर आते हैं। सरकार से मेरी मांग है कि ऐसे स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाये, जिससे आने वाले भक्तगणों को समस्या न हो। दूसरा अनुरोध है कि चुंगीरामपुर और कमालगंज के बीच में गंगा पर एक पुल की आवश्यकता है। बीच में गंगा जी होने के कारण कमालगंज की पुलिस को गंगा के उस पार जाने में कठिनाई महसूस होती है और उनको 40-45 किलोमीटर का चक्कर लगाकर जाना पड़ता है। इस पुल के बनने से आम जनमानस को, गंगा के दूसरी तरफ निवास करने वाले लोगों को आने-जाने में

काफी सुविधा होगी। इस पुल के बनने से प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाये रखने में काफी सहूलियत मिलेगी और कमालगंज एक अच्छे मार्केट के रूप में विकसित होगा। हमारे यहां बाबा नीम करौली का मंदिर है, गोमती नदी के पुल पर भी बाबा नीम करौली का मंदिर बना है। मैं चाहूँगा कि हमारे यहां के इस मंदिर के स्थान को विकसित किया जाये और इसको एक धार्मिक तीर्थ स्थल के रूप में घोषित कर इसका सुदृढ़ीकरण, उच्चीकरण कराया जाये, जिससे आम जनमानस की भक्ति में किसी तरह की कठिनाई ना आ सके। अंत में मैं ज्यादा समय न लेते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मा0 मोदी जी और मा0 योगी जी के लिये दो पंक्तियां कहते हुए अपनी वाणी को विराम देना चाहूंगा, ''कुछ तो चलते पदचिन्हों पर, कुछ पदचिन्ह बनाते हैं, वही सूरमा इस जग में, दुनिया में पूजे जाते हैं'', बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

***[21:32] श्री छत्रपाल सिंह गंगवार**-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के दूसरे प्रधानमंत्री मा0 लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन पर इस सदन में मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूं।

"□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□,
□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□"

ऐसा भगवान ने गीता में बोला है। हम मान सकते हैं कि शायद महात्मा गांधी जी उसी परंपरा में से थे। भारतीय जीवन मूल्यों को उस समय की परिस्थितियों में स्थापित करते हुए, अपने जीवन में उतारते हुए, अपने जीवन का उदाहरण रखते हुए और स्वतंत्रता आंदोलन को और गति देना और नेतृत्व सम्भालते हुए देश को आज की स्थिति पर लाना, यह महात्मा गांधी जी जैसा व्यक्ति ही कर सकता था और उन्होंने किया भी। मैं हृदय की गहराइयों से उन्हें अपनी श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। गांधी जी ने भारतीय जीवन दर्शन को अपने जीवन में उतारा। उन्होंने देश की परिस्थितियों को ठीक से समझा और वह मानते थे कि भारत गांव का देश है और जब तक गांव का विकास नहीं होगा, गरीब का विकास नहीं होगा। गरीबी को जब तक इस देश से पूर्णतः नहीं मिटाया जायेगा, तब तक देश की आजादी का लाभ कितने समय में मिलेगा, इसके बारे में कहा नहीं जा सकता, ऐसा शायद गांधी जी ने सोचा होगा। गांव के बारे में विचार करते-करते उन्होंने भारत के छोटे-छोटे उद्योग धन्धे, जो गांव में चलते थे, उनको उन्होंने समझा और उसी पर विचार करते हुए कैसे इस देश की बेरोजगारी दूर की जा सकती है, कैसे इस देश का गरीब अपना जीवन-यापन, अपने छोटे-छोटे काम धन्धे करता है, कैसे अपनी जीविका चलाता है, इसको शायद गांधी जी से अच्छा और कोई नहीं समझ सकता है।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उन्होंने इस देश के कुटीर उद्योग धन्धे के संबंध में अपने तत्कालीन नेताओं को शायद दिशा-निर्देश दिया होगा, लेकिन देश की आजादी के बाद उनको बहुत अधिक अवसर नहीं मिला और नेतृत्व जिन लोगों के हाथों में गया, उनकी दृष्टि कुछ अलग थी। उन्होंने छोटे-छोटे कुटीर उद्योग इस देश से खत्म करा दिये और बड़े-बड़े उद्योग धन्धे लगवाये। पूंजी प्रधान व्यवस्था को लागू कराने का उस समय के तत्कालीन नेतृत्व के दिमागों में पश्चिमी देशों का माडल रहा और उस माध्यम से देश को विकसित करना या आगे बढ़ाने का शायद उन्होंने सोच रखा था। गांधी जी के सपने को शायद वह भूल गये। यह देश श्रम प्रधान देश है पूंजी प्रधान देश नहीं है। श्रम को अगर रोजी-रोटी के धन्धे से नहीं जोड़े रखा तो इस देश का कल्याण नहीं हो सकता, इस देश की गरीबी नहीं दूर की जा सकती है।

कालान्तर में यही हुआ कि धीरे-धीरे कुटीर उद्योग की उपेक्षा हुई और बड़े-बड़े उद्योगों की स्थापना हुई। बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है ऐसे ही बड़ा पूंजीपति अपने से छोटे वाले व्यापारी को निगल जाता है। इससे आम आदमी का शोषण होता है और गरीबी पैदा होती है और यही इस देश में हुआ भी। मैं इस विषय के विस्तार में नहीं जाता, पर इतना जरूर मानता हूं कि जब तक इस देश के कुटीर उद्योग धन्धे, जो गांव में कभी चलते थे, कोई बढ़ईगीरी का काम करता था, तो कोई घर बनाने का काम करता था तो कोई लोहारगीरी का काम करता था तो कोई बाल काटने आदि के तरीकों से अपना जीवनयापन करता था। अब ऐसे सारे व्यवसाय खत्म हो गये और उद्योगों से स्थापित बहुत सारे प्रोडक्ट आज देश में चल रहे हैं। आज देश में बहुत गरीबी है, शिक्षित बेरोजगारी है और इसके प्रति सरकार भी चिन्तित है। मा0 मोदी जी की योजना कौशल विकास से इनको और हुनर सीखने को मिलेगा और इससे ये किसी काम धन्धे में लगेंगे। आज चाइना से मोमबत्ती बनकर हमारे देश में आ रहा है। हमारे देश में दीपावली में कुम्हार घर-घर दीपक बनाकर पहुंचाता था, आज लोग चाइना की बनी झालर का इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां तक की दीपावली और रक्षाबंधन पर हाथ पर बांधने वाली राखी चाइना बनाकर भेज रहा है। यह काम पहले हमारे घरों और परिवारों में होते थे। ऐसे छोटे-छोटे उद्योग धन्धे, जिनसे उनकी जीविका चलती थी अब वह धन्धे खत्म हो गये। कंपटीशन में छोटे-छोटे उद्योग धन्धे ठहर नहीं पाये और बड़े उद्योगों की प्रतिस्पर्धा में खत्म हो गये। मैं जनपद बरेली के बहेड़ी विधान सभा क्षेत्र का विधायक हूं मेरा क्षेत्र गन्ना उत्पादक क्षेत्र है। मैंने अपने क्षेत्र में स्वयं देखा है आज से 25-30 साल पहले तक बहुत छोटे-छोटे गुड़ बनाने वाले कोल्हू गांव-गांव होते थे, जिससे गांव में कुछ लोगों को रोजी-रोटी मिलती थी। आज वह सारे व्यवसाय बन्द हो गये और गन्ने का गुड़ और शक्कर बनाने वाली बड़ी इंडस्ट्री लग गयी हैं। लघु उद्योग लगे, क्रेशर लगे और सल्फर प्लांट लगे। धीरे-धीरे पड़ोस में को-आपरेटिव चीनी मिल लग गयी और उसके कंपटीशन में सल्फर प्लांट धीरे-धीरे बंद हो गये। लगभग

100 सल्फर प्लांट मेरे बहेड़ी विधान सभा क्षेत्र में चलते थे आज वह सभी बंद हो गये, जिनसे हजारों लोगों को रोजगार मिलता था।

मेरा क्षेत्र उत्तराखण्ड का बॉर्डर लगता है। उत्तराखण्ड जैसे ही बना, वैसे ही रूद्रपुर और सितारगंज में कारखाने लगे और मेरे बहेड़ी क्षेत्र के हजारों श्रमिक रोजी-रोटी के लिए वहां पर चले गये और हम अपने क्षेत्र में कोई व्यवसाय नहीं लगा पाये। मैं आज यहां बताना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बहेड़ी में यू0पी0 सहकारी कताई मिल लगी हुई है, जो 20-25 सालों से बंद पड़ी हुई है, अगर उस कताई मिल का चालू कर दिया जाये, तो वहां हजार-दो हजार लोगों को रोजी रोटी मिल जायेगी। अभी शायद मा0 उप मुख्य मंत्री जी ने बोला कि मेगा फूड पार्क, मथुरा और कहां-कहां पर लग रहे हैं। मेरे यहां मेगा फूड पार्क 5-6 वर्षों से, जमीन की उपलब्धता भी है, उसके डेवलपमेण्ट का काम भी चल रहा है। ढाई-तीन सौ एकड़ जमीन पर सड़कों और बिजली का काम हो गया है। अगर मेगा फूड पार्क वहां पर होता, तो किसान खेती में गन्ने के बजाय फल-फूल वगैरह अन्य प्रोडक्ट तैयार करते, जो मेगा फूड पार्क के रॉ-मैटीरियल का काम करते। मैं इस विषय को यहां पर रखना चाहता था। हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी यहां पर बैठे हैं मैं चाहता था मेगा फूड पार्क जिसमें ढाई-तीन सौ एकड़ जमीन है उसको संज्ञान में लें, कताई मिल को संज्ञान में लें और मैं मा0 मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि हमारे यहां ढ़ाई-तीन सौ एकड़ भूमि शत्रु सम्पति है, अगर कोई और उद्योग प्लांट लगाना चाहें तो वहां लगाया जा सकता है। वहां पर जमीन पर्याप्त है, सरकारी जमीन है, उसी को इस्तेमाल करके कोई न कोई उद्योग धन्धे, व्यवसाय लगाये जा सकते हैं, जो कृषि पर आधारित है। मैं यह भी संज्ञान में लाना चाहता था कि बहेड़ी में जो चीनी मिल है, उस पर अभी भी गन्ना किसानों का 100 करोड़ रुपया बकाया है और उसमें से जो बिजली बनाते हैं उसका 51 करोड़ रुपया सरकार पर है तो अगर सरकार बिजली का पैसा दे दे तो चीनी मिल किसानों के गन्ने का भुगतान कर सकती हैं, परन्तु इस समस्या के कारण से किसानों को भुगतान नहीं मिल रहा है। यह ठीक है कि गन्ने में जो भ्रष्टाचार था वह भ्रष्टाचार खत्म हुआ। पिछली सरकारों ने जितनी गन्ना माफियागिरी की, किसानों का जितना शोषण किया, आज हमारी पिछले दो वर्षों की गन्ना नीति के कारण से किसान उन बातों से तो सुकून में है। हमारी सरकार ने बोला था कि हम गन्ने का पेमेन्ट 14 दिन में कर देंगे, 15 दिन में भुगतान करवायेंगे और इससे ज्यादा विलम्ब होने पर किसान को ब्याज के साथ पैसा दिलवायेंगे, लेकिन वह काम शायद नहीं हो पाया है। इसलिये मैं चाहता था कि चीनी मिलों का भुगतान जरा कठोरता से कराया जाए। मैं अपनी कुछ क्षेत्रीय बातों को यहां पर रखना चाहता था। मेरे यहां पर पानी की व्यवस्थाओं के हिसाब से कुछ डार्क जोन हैं। एक बरौर नदी निकलती है वहां पर टेहरा गांव है, अंग्रेजों के जमाने में वहां पर कभी कच्चा बांध बना था और पानी रोका जाता था और उस बांध से वाटर लेवल ऊंचा हो जाता था। वाटर लेवल ऊंचा होने से छोटे-छोटे ट्यूबवेल और

बोरिंग काम करते रहते थे, लेकिन पिछले 25-30 सालों से वह बनना बंद हुआ जिस कारण से वहां पानी 400-500 फीट की गहराई पर पहुंच गया है और लोगों को समस्या होती है, जानवरों को पानी पिलाने की समस्या होती है। एक टेहरा बांध है और एक खमरिया डैम है, वहां पर एक चेक डैम बन जाए तो वह सिस्टम वहां पर चालू हो जायेगा। उत्तराखण्ड से निकलने वाली नदियां और उन पर बने हुए बांध जैसे नानक सागर डैम है और ढोरा डैम है, उनकी जो भूमि है वह भूमि उत्तराखण्ड सरकार की देखरेख में है और उस पर भू-माफियाओं ने कब्जा कर लिया है। उत्तर प्रदेश में पानी आता है, नहरें उत्तर प्रदेश में हैं और वहां पर मछली पालन करने वाले लोग, माफिया उन डैमों को पूरा भरने नहीं देते हैं और सीजन में मछली मारने के चक्कर में पानी को निकाल देते हैं जिससे हमारे क्षेत्र की भूमि असिंचित रह जाती है। इस संबंध में उत्तराखण्ड सरकार से बात करके इसमें सुधार हो सकता है।

मान्यवर, मैं गेहूं, धान और इनके सरकारी क्रय केन्द्रों का विषय भी आपके संज्ञान में लाना चाहता था। गेहूं और धान के हमारे ही क्रय केन्द्रों पर अभी भी माफिया हावी हैं, माफियाओं के माध्यम से ही धान और गेहूं की खरीद होती है। अभी भी वह ही क्रय केन्द्रों पर सप्लाई करते हैं, किसान से सीधे खरीद नहीं हो पाती है और किसान सीधे उसका लाभ नहीं ले पाता है। यह ठीक है कि उसके खाते में सीधे पैसा जाता है वह पहले रजिस्ट्रेशन कराता है, परन्तु व्यापारी इतना होशियार हो गया है कि उसने उन्हीं के नाम, पर्ची, कागज, खसरा-खतौनी, नकल वगैरह लेकर अभी से उनका रजिस्ट्रेशन करवा लिया है और उनके नाम पर पैसा जायेगा। उनसे पहले ही पैसे की सेटिंग हो जाती है और उसका मुनाफा व्यापारी कमाता है, आम व्यक्ति और आम किसान को उसका लाभ नहीं मिलता है। यह काम प्रशासनिक अधिकारियों की आड़ में होता है इसलिये मैं चाहता था कि इसको भी रोका जाए। मेरे क्षेत्र में आई0टी0आई0, जी0टी0आई0 कॉलेज की बिल्डिंग 4-5 साल पहले से बन रही है और अब तैयार हो गयी है। कक्षाएं बरेली में लगती हैं। बिल्डिंग तैयार हो गयी है, लेकिन अभी उन्होंने हैण्डओवर नहीं किया है और इसी कारण से जो पढ़ाने वाले प्रोफेसर हैं वह भी सोचते हैं कि 50-60 किलोमीटर इंटीरियर में कौन जायेगा, इसलिये यहीं से ठीक है, कक्षाएं यहां पर कागज पर चल रही हैं चलने दो। मैं चाहता था कि जी0टी0आई0, आई0टी0आई0 में कक्षाएं चलें। 06 राजकीय इण्टर कॉलेज की बिल्डिंग आधी-अधूरी बनी खड़ी है और पैसे के अभाव या जो भी कारण हो वह काम अभी चालू नहीं हो पाया है। मैं चाहता हूं कि वह काम हो जाए। मैं बताना चाहता था कि सपा, बसपा सरकारों में भी भू-माफियाओं ने जिन जमीनों पर कब्जा किया था, अभी भी उनसे वह कब्जा वापस नहीं लिया जा सका है। भू-माफिया अभी भी उन गरीबों की जमीनों पर अवैध कब्जा किये हुए हैं और अभी भी उन पर काबिज हैं। मैं चाहता था कि उनके खिलाफ कुछ कार्यवाही होती। अभी भी 2011 की जनगणना में कोई लाभार्थी या पात्रता-अपात्रता की सूची या अन्त्योदय की सूची या बीपीएल की सूची बनी और उस 2011 की सूची के आधार

पर ही उज्जवला योजना के सिलेण्डर बंटे। भारत सरकार की, प्रदेश सरकार की भी बहुत सारी योजनाएं थीं, जिसमें 2011 की जनगणना के आधार पर ही किसी को प्रधानमंत्री आवास मिला और उसमें अपात्रों की सूची है जिनका 2011 की जनगणना में नाम है इसलिये ऐसे अपात्र उसके लाभार्थी बनने जा रहे हैं। मैं चाहता था कि इस बारे में भी कुछ विचार होता। यह ऐसी प्रैक्टिकल बातें मुझे अपने क्षेत्र में देखने को मिली हैं। मैं प्रशासनिक अधिकारियों को बोलता हूं, लेकिन वह कोई बहुत विशेष संज्ञान नहीं लेते हैं कि कौन इन झंझटों में पड़े इसलिये जैसा चल रहा है वैसा ही चलता रहे। काफी कहने-सुनने के बाद और डांटने-डपटने के बाद भी कुछ ठीक से हो नहीं सका।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त कीजिये।

श्री छत्रपाल सिंह गंगवार-

मान्यवर, मैं अंत में आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया। मेरी कुछ क्षेत्रीय परिस्थितियां, समस्याएं हैं जिनसे मैंने अवगत कराया। कुछ सड़कों के बारे में मैं जरूर कहना चाहूंगा। एक-दो सड़कें हैं। इस सरकार ने हमारे फरीदपुर नगर पंचायत को एक आदर्श टाउन एरिया बनाया, उसके लिये धन्यवाद। फरीदपुर टाउन एरिया को जाने वाली 18-20 किलोमीटर की जो सड़क है मैं चाहता हूं कि उसका चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण हो जाए, क्योंकि मेरी विधान सभा क्षेत्र की लगभग दो तिहाई आबादी का उधर से आना-जाना और निकलना होता है। सड़कों में काफी सुधार हुआ है। मेरे बहेड़ी क्षेत्र में कोई गांव नहीं बचा है जहां पर अब बिजली नहीं पहुंची है, हर गांव में बिजली पहुंच गयी है और हर गांव लगभग सड़क से जुड़ गया है। कुछ दो-चार सड़कें जरूर ऐसी हैं जो खराब स्थिति में हैं। मैं अंत में सबको धन्यवाद देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 शरद कुमार अवस्थी जी हैं ? (सदस्य के अनुपस्थित रहने पर)

मा0 सहेन्द्र सिंह चौहान जी हैं ? (सदस्य के अनुपस्थित रहने पर)

***(21:53) श्री पंकज गुप्ता**-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आज आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, सदन में अपने विचार रखने का अवसर दिया, उसके लिये मैं आपका आभारी हूं। आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और 'जय जवान जय किसान' का नारा देने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के इस अवसर पर मैं इस सदन की ओर से और अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता हूं, उनको याद करना चाहता हूं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

(इसी मध्य रात्रि 21 बजकर 54 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठसीन हुए।)

सबसे गौरवान्वित करने वाला विषय यह है कि आज हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती के इस पावन अवसर पर आपने 36 घंटे का सदन यहां पर आहूत किया और इस सदन के माध्यम से हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के आजादी के बाद के जो सपने थे उनको साकार करने वाले विषय जो यू0एन0ओ0 में रखे गये वह 17 विषय हैं सतत विकास के, उन्हीं से मिलते-जुलते विषयों को यहां पर रखकर हम लोग चर्चा कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इससे सुन्दर श्रद्धांजलि उनके लिये हम सबकी तरफ से नहीं हो सकती है। मैं पुनः एक बार उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं अपना विषय और आगे बढ़ाऊं, उससे पहले चार पंक्तियां कहना चाहता हूं। ''हम कान्धा तुझको दे न सके, हम श्राद्ध तुम्हारा कर न सके। जो शून्य बनाया था तुमने, तिल भर हम उसको भर न सके।'' मा0 अध्यक्ष जी, इन पंक्तियों को वास्तव में मैं इसलिये कहना चाहता था कि आज इस देश को आजाद हुए 70 साल हो गए। जिस आजादी की लड़ाई लड़ने के लिये महात्मा गांधी जी ने रात-दिन एक कर दिया, संघर्ष किया, उनका कई बार जेलों में जाना हुआ, इस राष्ट्र के प्रत्येक जाति, धर्म, सम्प्रदाय के लोगों को एकजुट करके संघर्ष करने का काम किया, लेकिन उनका जो सपना था कि आजादी के बाद हमारा भारत कैसा हो, हमारा राष्ट्र किस प्रकार का हो, समृद्धशाली हो, हर वह व्यक्ति जो अंतिम पंक्ति में बैठा है वह उन्नति करे, तरक्की करे, सबके पास रोजगार हो और सारे विषय जो उनके मन-मष्तिष्क में थे, शायद उनके बाद की पीढ़ी ने जिन्होंने यह सत्ता हासिल की, आजादी के बाद उन्होंने इस पर चलने का काम नहीं किया। दुर्भाग्य से 70 साल बाद आज हम लोग उन विकास के लक्ष्यों को, सतत विकास के लक्ष्यों पर यहां पर सदन में चर्चा कर रहे हैं तो मुझे लगता है कि आने वाले समय में अभी और समय लगेगा और इस विषय को मुख्य रूप से मैं इसलिये भी यहां पर रख रहा हूं कि एक बार किसी पत्रकार ने महात्मा गांधी जी से पूछा था कि आपकी दृष्टि में मोक्ष की परिभाषा क्या है। जगजाहिर है कि आध्यात्मिक दृष्टि से यदि देखा जाए तो कोई भी व्यक्ति काम, क्रोध, मोह, लोभ, मोह-माया इनसे अगर विरत हो जाए या अपने को इनसे ऊपर उठा ले तो मुझे लगता है कि मोक्ष प्राप्ति की ओर वह अग्रसर हो जाता है, लेकिन उस समय महात्मा गांधी जी ने जो उत्तर दिया उस उत्तर को मैं यहां पर कोट करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं तब मोक्ष प्राप्त करूंगा जब भारत की अंतिम पंक्ति में बैठा हुआ व्यक्ति अपने आपको खुशहाल समझेगा, समृद्धशाली समझेगा, लेकिन दुर्भाग्य से इन 70 सालों में यह संभव नहीं हो सका। आज जब इस देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी बने और हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी जी बने तो मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे हुए व्यक्तियों के लिये काम होना दिखायी पड़ता है। मूलभूत सुविधाएं, छोटी-छोटी समस्याएं जिनको वर्षों से लम्बित रखा गया, उन समस्याओं का निराकरण करने का भी प्रयास इस सरकार के माध्यम से किया

गया है। मैं इसके लिये अपने मुख्य मंत्री जी को और अपने प्रधानमंत्री जी को हृदय से बहुत साधुवाद और धन्यवाद देना चाहता हूं।

चूंकि मेरा विषय स्वास्थ्य से संबंधित है इसलिये मैं सीधे-सीधे विषय पर आना चाहता हूं। स्वास्थ्य पर बोलने से पहले मैं इसको दो भागों में बांटना चाहता हूं। एक स्वास्थ्य सेवायें और दूसरा निरोगी होना। यह दोनों एक ही विषय से संबंधित हैं। माननीय अध्यक्ष जी, स्वास्थ्य सेवाओं से बेहतर है कि हम निरोगी होने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। ऐसा हमारे पूर्वजों ने भी कहा है और हमें गर्व है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री ने यू0एन0ओ0 में भारत की संस्कृति से जुड़े हुए विषय योग को 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाने का जब विषय रखा तो पूरी दुनिया के 200 देश उनके पीछे खड़े हुए, यहां तक कि मुस्लिम देशों के लोगों ने भी इसका समर्थन किया। हमारे भारत के लोगों के निरोगी रहने के लिये नहीं बल्कि पूरे विश्व के लोग निरोगी हों, इस दृष्टि से उन्होंने इस विषय को रखा। इसके लिये मैं अपने प्रधानमंत्री जी को हृदय से बहुत-बहुत साधुवाद और धन्यवाद देना चाहता हूं। इसी प्रकार हम निरोगी बने रहें, हमारी मातृ शक्तियां निरोगी बनी रहें, इसको भी दृष्टिगत रखते हुए हमारे प्रधानमंत्री जी ने बरसों-बरस से चली आ रही हमारे स्वच्छ भारत की व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने का काम किया और उसी के दृष्टिगत ग्रामीण क्षेत्र में बहुत सारी महिलाएं, बहुत सारे परिवार ऐसे थे जिनके पास शौचालय नहीं थे, उनको शौचालय देने का काम किया। हम जब गांव में जाते थे, क्षेत्र में जाते थे और यदि शाम हो जाती थी, रात हो जाती थी तो सड़कों के दोनों किनारे हमारी मातृ शक्तियां शौच क्रिया करने के लिये बैठी मिलती थीं। कई बार जब गाड़ियों की रोशनी पड़ती थी तो वह बेचारी खड़ी हो जाती थीं और जब गाड़ी निकल जाती थी तो वह वहां पर बैठती थीं। उनको कितनी पीड़ा होती थी, कितनी तकलीफ होती थी, वास्तव में हम लोगों को यह देखकर शर्म आती थी। कई बार यदि दिन में समस्या आ जाए तो वह गांव से बाहर नहीं जा सकतीं कि कहीं गांव का कोई बड़ा-बुजुर्ग न देख ले। इस छोटी से समस्या की ओर किसी ने ध्यान देने का काम नहीं किया, इसकी ओर अगर किसी ने ध्यान दिया तो हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने और हमारे प्रदेश के मुखिया हमारे मुख्य मंत्री योगी जी ने ध्यान दिया। मैं इसके लिये भी इनका हृदय से बहुत-बहुत साधुवाद और धन्यवाद देना चाहता हूं। बहुत छोटे-छोटे विषय थे जो बहुत पहले हल हो जाने चाहिये थे। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके समक्ष निवेदन करना चाहता हूं कि बरसों-बरस हमारी मातृ शक्तियों ने देश में गीली लकड़ी से चूल्हे को जलाकर खाना बनाने का काम किया है, अपने घर-परिवार के लोगों को रोटी खिलाने का काम किया है। बहुत बड़ा काम नहीं था, लेकिन हमनें देखा कि पिछली सरकारों में जिन सिलेण्डरों को पाने के लिये, चूल्हों को पाने के लिये लाठियां चलती थीं और लम्बी-लम्बी लाइनें लगती थीं, मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने और उन्होंने निःशुल्क सिलेण्डर वितरित करके उनके दर्द को समझा, उनकी ऑखों के बहते हुए आंसू को समझा, उनके फेफड़े में जाने वाले उस धुंए को समझा और इस समस्या को

समाप्त करने का काम किया। निरोगी भारत कैसे हो, इस दिशा में हमारे देश के प्रधानमंत्री ने लगातार काम किया है।

माननीय अध्यक्ष जी, जहां तक स्वास्थ्य सेवाओं का संबंध है, अभी कल-परसों में जब हमें साहित्य मिला, जब मैंने उसको पढ़ा तो वास्तव में मैं खुद चकित रह गया, वर्तमान में जितनी स्वास्थ्य योजनायें उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में चलायी जा रही हैं वास्तव में वह जमीनी स्तर पर पहुंच रही हैं, इस बात को हमने अपने जिले में भी देखा है और जब प्रदेश स्तर का साहित्य हमें मिला तो उसको भी देखकर हमें बड़ा हर्ष हुआ। मातृ मृत्यु दर पर नियंत्रण करने के लिए जनपदीय स्तर पर मैटरनल एण्ड चाइल्ड हेल्थ केयर विंग संचालित किये जा रहे हैं। इसी प्रकार गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क 102 एम्बुलेंस सेवा का शुभारम्भ किया गया है। वर्ष 2018-19 में प्रदेश की लगभग 61 लाख गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्ण जांच करायी गयी थी। प्रदेश की सरकारी स्वास्थ्य इकाइयों में 25 लाख महिलाओं तथा जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गयी है। इन सब प्रयासों के कारण संस्थागत प्रसव वर्ष 2014 में जो 44 प्रतिशत था, मा0 अध्यक्ष जी मैं आपको बताना चाहता हूं कि वह आज 2018-19 में 79 प्रतिशत बढ़कर हो गया है। टीकाकरण की दिशा में भी हम लोग बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अभी हमारे बीच में गांव-गांव जाकर बच्चों का टीकाकरण करने की योजना शुरू की गयी थी। उसमें रूबेला और मीजल्स की भी एक स्कीम चलायी गयी थी। हमें खुशी इस बात की होती है कि लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 99 प्रतिशत टीकाकरण कराने का काम इस दिशा में किया गया है तो जिस गति से काम चल रहा है, उस गति को देखकर हम लोग निश्चित रूप से कह सकते हैं हो सकता है कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को अन्तिम पायदान तक पहुंचाने में अभी थोड़ा समय लगे, लेकिन निश्चित रूप से हम उस दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। इस बात की हमें खुशी होनी चाहिए। मा0 अध्यक्ष जी, मुझे दूसरा विषय जो आज के इस सदन में मिला है, वह भागीदारी का विषय है कि किस प्रकार से लक्ष्य की पूर्ति के लिए हमारी भागीदारी हो। इस विषय पर भी मैं आपके समक्ष कुछ रखना चाहता हूं। आज हर क्षेत्र में प्रदेश विकासशील, विकसित हो रहा है। हमने शिक्षा के क्षेत्र में देखा कि जिन विद्यालयों में हमारा जाने का मन नहीं होता था, जिन विद्यालयों में बैठने की व्यवस्था नहीं थी, जिन विद्यालयों में रंगाई-पुताई नहीं थी। आज वह हर गांव में बड़े सुन्दर-सुन्दर हो गये हैं। हर मां-बाप चाहता है कि वहां पर हमारा बच्चा पढ़ने जाये। आज प्रदेश सरकार विद्यालयों में सारी सुविधायें दे रही है। जूते-मोजे, अच्छी ड्रेस व्यवस्था, जाड़े में स्वेटर हर प्रकार की व्यवस्था दी जा रही है। यहां तक कि खाना-पीना, किताबें मुफ्त दी जा रही हैं। बस थोड़ा सा जागरूकता पैदा करके हमें गांव-गांव में इस बात को प्रचारित करना है कि हमारे देश के लोग, हमारे प्रदेश के लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजना शुरू करें। यदि इतनी जागरूकता, जन-सहभागिता हम लोगों को जिस प्रकार से

मिल रही है और आगे भी मिलती रहे तो निश्चित रूप से इस प्रकार की शिक्षा की समस्यायें और अन्य समस्यायें हमारे समाज से अपने आप दूर हो जायेंगी। महात्मा गांधी जी ने निश्चित रूप से कई विषयों पर समय-समय पर अपने विचार रखे थे और अपने आदर्श प्रस्तुत किये थे। ग्राम स्वराज का भी उन्होंने वर्णन किया। हम लोगों का कई बार गांव में जाना होता है। आप लोग भी जाते हैं, यहां सदन में बैठे हुए जितने भी लोग हैं, वह भी समय-समय पर गांव में जाते हैं। गांव में जब हम जाते हैं तो पुरानी व्यवस्थाओं को देखकर अचंभित रह जाते हैं। कई-कई गांवों में 500-500 साल पुरानी-पुरानी धर्मशालायें मिल जाती हैं। बड़े पुराने-पुराने मंदिर, तालाब, बारादरी मिल जाते हैं। बहुत सारी पुरानी व्यवस्थायें मिल जाती हैं। आश्चर्य भी होता है कि उस समय 500 साल पुराने ये बारादरी, चहारदीवारी, मंदिर, तालाब यह सारी व्यवस्थायें किस प्रकार से निर्मित की गयी होंगी, किस प्रकार से चली होंगी। उस समय तो कोई सरकार भी नहीं हुआ करती थी। उस समय के लोग जिनके पास धन होता था, वह धन का दान और जिसके पास श्रम होता था, वह श्रम का दान करते थे। शायद इसी कारण यह सारी व्यवस्थायें संचालित होती थीं, लेकिन आज धीमे-धीमे आजादी के बाद यह आत्मनिर्भरता का भाव गांव से समाप्त होता चला जा रहा है। हर व्यक्ति छोटी-छोटी चीज के लिए सरकार पर निर्भर होता चला जा रहा है। व्यक्ति घर को साफ करेगा, घर का कूड़ा इकट्ठा करेगा और सामने की गली नहीं साफ करेगा, वही कूड़ा छत से आकर सड़क पर डाल देगा। यह दुर्भाग्य की बात है। यहां पर जागरूकता और जन-सहभागिता का विषय आता है। मेरा मानना है कि अगर जन-सहभागिता का दौर जन-सहभागिता का विषय यहीं से शुरू हो जाये तो यह जो छोटी-छोटी समस्यायें हमारे बीच में हैं, वह स्वतः समाप्त हो जायेंगी। साहित्य पढ़ते-पढ़ते एक विषय मेरे मन में और आया कि हमारे देश को आजाद हुए 70 साल हो गये, इन 70 सालों में जिस गति से हमारे देश को विकासशील, विकसित होना चाहिए था, उस गति से हमारा देश विकसित क्यों नहीं हुआ है ? हर देश की अपनी-अपनी प्राकृतिक संपदा होती है ऐसा मेरा मानना है, मैंने विचार किया तो यह निष्कर्ष निकलकर आया है। हमारे देश की सबसे बड़ी शक्ति जो मैं मानकर चलता हूं, हमारे देश के प्रधानमंत्री जी भी कभी-कभी बोलते हैं, वह हमारे देश की 125 करोड़ की आबादी है। उस आबादी को हम किस प्रकार से प्रयोग में लायें कि हमारा देश तरक्की करे। जब हम इसको पलटकर देखते हैं तो आज तक जब से मा0 मोदी जी प्रधानमंत्री बने हैं, मा0 योगी जी मुख्य मंत्री बने हैं तब तक हमारी मातृ शक्तियों का सामाजिक दृष्टि से हम लोग कोई उपयोग नहीं कर पाये, लेकिन आज मैं कह सकता हूं कि हमारी मातृ शक्तियों के लिए विशेष प्रकार की योजनायें चलायी जा रही हैं। उन योजनाओं में जैसे एन0आर0एच0एम0 के माध्यम से ओ0डी0ओ0पी0 के माध्यम से और कई माध्यमों से उनको कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर विभिन्न स्कीमों के माध्यम से शिक्षित और प्रशिक्षित करके मुख्यधारा में लाने का काम किया जा रहा है। मुझे गर्व होता है कि निश्चित रूप से जब इन मातृ शक्तियों का

योगदान समाज की दृष्टि से, आर्थिक दृष्टि से आगे बढ़ेगा तो भारत जिस दिशा में बढ़ना चाहता है, उस दिशा में आगे बढ़ेगा। यह मुख्य रूप से तीन-चार बातें थीं, जो मुझे आज कहनी थीं। अन्त में मैं अपने विषय को समाप्त करूं, उसके पहले महात्मा गांधी जी ने भी देश की आजादी के बाद एक बात कही थी। उन्होंने कहा था कि अब देश को आजादी मिल गयी है। कांग्रेस का अस्तित्व समाप्त हो जाना चाहिए। आज मा0 मुख्य मंत्री जी ने भी इसी विषय को रखा है। इसी को हमारे देश के मा0 प्रधानमंत्री जी भी कहते हैं कि कांग्रेस मुक्त भारत। मेरा मानना है कि आज के दिन हम सब लोग महात्मा गांधी जी के संकल्पों को स्वीकार करते हुए, आत्मसात करते हुए यह संकल्प लें कि उनके विचारों पर हम लोग चलेंगे और साथ ही साथ जो उनका यह कांग्रेस मुक्त भारत और भी तमाम विषय हैं, उनको अंगीकार करते हुए आगे बढ़ने का काम करेंगे। सौभाग्य से हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी आज हमारे सामने बैठे हुए हैं हमारा उनसे एक निवेदन है। अपनी विधान सभा क्षेत्र का कोई काम नहीं है। हम उनका आभार व्यक्त करना चाहते हैं कि पिछली बार आपके द्वारा हम सारे विधायकों को 5-5 करोड़ रुपये क्षेत्र में विकास कार्य हेतु मिले थे। इस बार भी हम लोगों को वह 5-5 करोड़ रुपये मिले, लेकिन साथ में कुछ इस प्रकार की व्यवस्था भी हो जाये कि उसमें हम लोग कुछ और भी कार्य करा सकें। विद्यालय या और कोई कार्य जो भी आप उचित समझें। आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

हम लोगों ने एक योजना बनायी थी कि एक टीम बनाकर और टीम के आधार पर सबके वक्तव्य आने थे। जो योजना बनायी थी उसमें हम लोग सवा छः घण्टे लेट हैं। इस हिसाब से हम परसों समाप्त कर पायेंगे। हम लोगों का बहुत सौभाग्य है कि हम सब इसमें बहुत गहरी रुचि ले रहे हैं। हमारा सुझाव है कि 5, 6, 7 मिनट में अपनी बात समाप्त कर लें। बहुत मित्र आज ही रात्रि में बोलने के इच्छुक हैं। अब मैं मा0 सदस्य श्री लाल बहादुर जी को बुलाता हूं।

***[22:07] श्री लाल बहादुर-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे विधान सभा में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर नमन करते हुए उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं और देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को भी श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं, जो सहज, सरल और दृढ़ इच्छा के धनी थे। 1942 में जब महात्मा गांधी ने ''अंग्रेजों भारत छोड़ो'' का नारा दिया था तब स्वतंत्रता सेनानियों ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि अंग्रेजों की गुलामी से आजाद होकर

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हिन्दुस्तान भ्रष्ट तंत्र का गुलाम हो जायेगा और कांग्रेस सरकार देश को भुखमरी और गरीबी के कुंए में धकेल देगी। यह कांग्रेस की भ्रष्टाचार परख नीति का ही नतीजा है कि देश का भविष्य भुखमरी और गरीबी के दंश से जूझ रहा है, लेकिन 2014 में जब से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी और उत्तर प्रदेश में पूज्य योगी जी मुख्य मंत्री बने तब से भुखमरी और गरीबी को देश से निकालने के लिए आंदोलन चलाया जा रहा है, जिसे 2030 तक इससे आजादी दिलाना और देश को तरक्की की राह पर खड़ा कर विश्व में देश की खोयी हुई पहचान को वापस लाना है। कभी हिन्दुस्तान को सोने की चिड़िया कहा जाता था, लेकिन बाद में उसी हिन्दुस्तान पर भुखमरी और गरीबी का ऐसा कलंक लगा, जिस कलंक को आजादी के इतने वर्षों बाद भी नहीं मिटाया जा सका। हिन्दुस्तान की विरासतें बनी रहीं, लेकिन सोने की चिड़िया होने की विरासत लुप्त हो गयी। यानी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी। बदलते वक्त के साथ भारत की तस्वीर बदली और इस देश की जो सबसे बड़ी समस्या रही है वह भुखमरी और गरीबी रही है। भुखमरी और गरीबी के मुद्दे पर आजादी के बाद से कांग्रेस राजनीति करके देश के लोगों को गुमराह करती रही। मैं कुछ पंक्तियां कहना चाहता हूं- ''आत्महत्या की चिता पर देखकर किसान को। नींद कैसे आ रही थी देश के प्रधान को।। जिसके प्राण बिन दबाए मृत्यु के कगार थे। आत्महत्या कर रहे थे, भूख के शिकार थे।। भूख का निदान कर्णधारों से नहीं हुआ। गरीबी हटाओ जैसे नारों से नहीं हुआ।।'' जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से ग्रामीण गरीबों को गरीबी से उबारने की सरकारी रणनीति ने रंग दिखाना शुरू कर दिया है। रोजी-रोटी के साधन मुहैया कराने और उनकी जेब में पैसा पहुंचाने के साथ सरकार उनके सुख-दुख की भागीदार होने का अहसास दिलाने लगी है। ग्रामीण गरीबों को मिले इस भरोसे से सरकार उन्हें सूदखोरों के चंगुल से बचा रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ खेती को लाभ का सौदा बनाने में जुटी सरकार ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। गांव में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों के लिए मनरेगा किसी वरदान से कम नहीं है। योजना महिला सशक्तीकरण का पर्याय बन चुकी है। ग्रामीण युवा उद्यमियों को उनके गांव व कस्बे में ही रोजगार मुहैया कराने के लिए 13 करोड़ लोगों को मुद्रा योजना में रियायती दर पर ऋण मुहैया कराये गये हैं। ग्रामीण बेरोजगारों को उनके गांव में ही रोजगार देने वाली मनरेगा के मार्फत सरकार द्वारा सालाना लगभग 50 हजार करोड़ रु0 का प्राविधान किया गया है। योजना से सालाना साढ़े 4 करोड़ ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिलता है। उन्हें खेती के बाद बचे हुए समय में कमाने के लिए कहीं शहरों में पलायन नहीं करना पड़ता है। योजना के तहत मजदूरों की दिहाड़ी पौने 200 रु0 मिल जाती थी, इनमें भी 50 फीसदी से अधिक महिला मजदूर मनरेगा में काम करती हैं। घर बैठी महिलाओं के हाथ में पैसा आने से उनका सशक्तीकरण हुआ है। इसमें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लोगों की भागीदारी लगभग 40 फीसदी है। गरीब तबके के लोगों के लिए यह अन्तिम नहीं,

बल्कि मजबूत वित्तीय सहारा बन चुकी है। ग्रामीण कौशल विकास योजना के तहत निर्धन परिवारों के युवाओं को रोजगारपरक कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि उन्हें नौकरी दिलायी जा सके। देश के 28 राज्यों में यह योजना चलायी जा रही है। ग्रामीण स्टार्टअप योजना के तहत 17 राज्यों में 78 सौर्य उद्यम लगाये जा चुके हैं। चालू वित्तीय वर्ष में भी 25 हजार से अधिक युवाओं को प्रोत्साहन दिये जाने की योजना प्रस्तावित है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूह बनाकर महिलायें नित नयी ऊंचाइयों को छू रही हैं। गांव के लोगों को गांव में ही रोजगार देकर और स्वरोजगार के योग्य बनाकर उनकी आमदनी बढ़ाने की दिशा में सरकार ने कई और प्रयास किये हैं, इनमें स्टेट और नेशनल हाइ-वे के किनारे पेड़ लगाकर आमदनी बढ़ाने की योजना है। खेती से जुड़े विभिन्न उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की कई योजनायें हैं। गांव से गुजरती रेल लाइनों पर बने फाटकों की देख-रेख के लिए अब स्थानीय लोगों को ही रोजगार देने का सरकार ने फैसला लिया है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप संक्षेप करिये।

श्री लाल बहादुर-

मा0 अध्यक्ष जी, ग्रामीणोन्मुख लोगों को प्रोत्साहित करने और वहां के लोगों को सम्पन्न बनाकर गांव को खुशहाल करने का सपना साकार हो रहा है। कृषि आधारित उद्योग लगाने की जरूरत भारत एक कृषि प्रधान देश पूर्ववर्ती सरकारों की बदौलत भुखमरी और गरीबी झेल रहा है, जिसे दूर करने के लिए हमारी सरकार जद्दोजहद में लगी हुई है। यदि 70 सालों में इस पर ध्यान दिया गया होता तो देश आज तरक्की की राह पर होता, लेकिन कांग्रेस की सरकार गरीबों और गरीबी पर राज करती रही। आज भाजपा की सरकार देश को गरीबी और भुखमरी की गर्त से निकालने के लिए लगातार सफल प्रयास कर रही है। गरीबी और भुखमरी के अभियान को और मजबूत ढंग से मजबूत बनाने के लिए हमें कृषि आधारित रोजगार पैदा करने की जरूरत है। इसके लिए हमें कृषि से जुड़े उद्योग लगाने की जरूरत है, जिससे किसानों की फसल का सीधे तौर पर उनके आस-पास ही उसकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

हालांकि उत्तर प्रदेश की हमारी सरकार ''एक जिला, एक उत्पाद'' कार्यक्रम संचालित करके किसानों को रोजगार देने पर कार्य कर रही है। हमारे मुख्य मंत्री मा0 योगी जी ने इस योजना को पूरे प्रदेश के हर जनपद में लागू किया है, लेकिन इसे प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कृषि शिक्षा पर जोर देने की जरूरत है। जिससे किसान वैज्ञानिक तरीके से अपनी फसलों का उत्पादन कर सके और उनकी आमदनी बढ़ सके। जब घर के मुखिया की आमदनी बढ़ेगी तो पूरे परिवार को कुपोषण और भुखमरी से निजात मिलेगी। माननीय अध्यक्ष जी, मैं जनपद कौशाम्बी की मंझनपुर विधान सभा से चुनकर आया हूं और अपनी विधान सभा क्षेत्र से जुड़ी कुछ बातों की चर्चा करना चाहता हूं। कौशाम्बी वत्स महाजनपद के राजा उदयन की

राजधानी हुआ करती थी। जो बौद्धकाल में शिक्षा का केन्द्र थी। गंगा और यमुना के द्वाबा में स्थित होने के कारण व्यापार के लिहाज से यहां बड़े-बड़े व्यापारों के केन्द्र हुआ करते थे लेकिन विगत सरकारों की उपेक्षा के कारण यहां का गौरवशाली और वैभवशाली इतिहास वीरान पड़ा था। पूर्ववती सरकारों ने इस नगरी को उदासीन करके रख दिया था लेकिन जब से भाजपा की सरकार प्रदेश में आई है तब से यहां विकास की आधारशिला रखनी शुरू हुई है। हमारे माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी जी ने हमारी मांगो पर गौर करते हुए बौद्धस्थली तक फोर लेन सड़क और यमुना नदी पर एक पक्के पुल का निर्माण प्रस्तावित कराकर बहुत बड़ा उपकार किया है और कौशाम्बी से जोड़ने का काम किया है। मैं माननीय योगी जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि आप जब कौशाम्बी महोत्सव में गये थे तो लौटते समय मंझनपुर पहुंचना था। मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी से कहा कि वहां पहुंचने में एक घण्टे का समय लगेगा तो माननीय योगी जी ने कहा कि आप बैठिये। माननीय योगी जी प्रोटोकाल तोड़कर और हेलीकाप्टर को छोड़कर कौशाम्बी से वाया कार 30 किलोमीटर दूर मंझनपुर आये थे। हमारे माननीय योगी जी बहुत ही महान हैं। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार प्रदेश के सतत विकास को लेकर संकल्पित है और गरीबी और भुखमरी से लड़ने के लिए लगातार काम कर रही है।

श्री अध्यक्ष-

अभी आपके कितने पन्ने रह गये हैं। कृपया आप जल्दी समाप्त करिये।

श्री लाल बहादुर-

माननीय अध्यक्ष जी, प्रदेश सरकार नौनिहालों को कुपोषण से बचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और सुपोषण मेला लगा रही है जो एक सराहनीय कदम हैं। कौशाम्बी जनपद में रोजगार की अपार संभावनायें हैं और यहां की जमीन बहुत उपजाऊ है लेकिन सिंचाई की सही व्यवस्था न होने के कारण किसान फसलों का समुचित उत्पादन नहीं कर पाते हैं। हमारे यहां केला का भारी मात्रा में उत्पादन होता है यदि यहां केला और सब्जी से बनने वाले उत्पादों के लिए उद्योग स्थापित करने पर विचार किया जाये तो ना केवल जिले के लोगो को रोजगार मिलेगा बल्कि अगल-बगल के लोगो को भी रोजगार मिलेगा। देश का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग भी कौशाम्बी से होकर गुजरता है। देश की सबसे लम्बी रेलवे लाइन भी कौशाम्बी से होकर गुजरती है। यहां पर उद्योग लगाकर और व्यापार स्थापित करके रोजगार बढ़ाने के लिए विचार करना चाहिये। कौशाम्बी का इतिहास बहुत ही समृद्धशाली रहा है। यह भगवान बुद्ध की नगरी है, यह जैन धर्म के छठे तीर्थंकर पद्म प्रभु की जन्मस्थली है, इसी धरती पर भगवान श्री कृष्ण ने शिक्षा ग्रहण की थी, इसी गौरवशाली धरती से भगवान श्रीराम यमुना नदी पार करके चित्रकूट गये थे। इस धरती के लोगो को आज रोजगार के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है, शिक्षा के लिए लखनऊ और दिल्ली जाना पड़ रहा है। यदि ऐसे गौरवशाली इतिहास को पुनर्जीवित कर दिया जाये तो यहां की गरीबी दूर हो जायेगी और यहां का विकास भी होगा।

यहां पर प्रत्येक वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं इसलिये इस क्षेत्र को पयर्टन की दृष्टि से विकसित करने पर विकास की अपार संभावनायें बनेंगी। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***[22:19] डा0 मन्जू शिवाच-**

आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और लाल बहादुर शास्त्री जी की 116वीं जयन्ती के अवसर पर बोलने का मौका दिया जिसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। आज की चर्चा के विषय सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट गोल्स के अन्तर्गत मुझे बोलने के लिए दो विषय मिले हैं जिसमें पहला है सस्ती और स्वस्थ ऊर्जा और दूसरा है शान्ति और न्याय के लिए संस्थाओं का निर्माण। माननीय अध्यक्ष जी, ऊर्जा के क्षेत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय ऊर्जा मंत्री जी ने जो काम किये हैं उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहती हूं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि हमारे यहां पश्चिमी क्षेत्र में वर्ष 2010 के आसपास एक समय ऐसा था जब वहां बिजली नहीं आया करती थी और दहेज में जनरेटर आने लगे थे। मुझे बड़ी खुशी है कि अब वहां ऐसा नहीं है और जनरेटर बहुत पुरानी बात होती जा रही है। मेरी मोदीनगर विधान सभा क्षेत्र में लगभग 2300 कनेक्शन सौभाग्य योजना में मिले हैं, बिजली घर का अपग्रेडेशन हुआ है और 11 नये फीडर्स बनाये गये हैं जबकि हमारी विधान सभा क्षेत्र काफी छोटी है। इतने सारे यह बदलाव हुये हैं और साथ ही नये डिस्ट्रीब्यूशन भी शुरू हुये हैं। वायर्स को ए0बी0सी0 कर दिया गया है जिससे बिजली की चोरी रुकी है और एक्सीडेन्ट होने भी रुके हैं। यह बहुत सराहनीय काम है जिसके लिए मैं धन्यवाद देती हूं। हमारा उद्देश्य यह है कि हम बिजली के और सोर्स देखें लेकिन अभी तक हम अधिकतर थर्मल एनर्जी और पानी द्वारा बनाई गई बिजली के ऊपर निर्भर हैं लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि आने वाले समय में हमें ज्यादातर सोलर एनर्जी के ऊपर निर्भर रहना पड़ेगा और उसमें भी बड़ी तेजी से बदलाव आ रहा है।

हमारे यहां ही तहसील और नगर पालिका दोनों सोलर एनर्जी से कवर हो गये हैं लेकिन अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। सोलर एनर्जी के पैनल लगने से लोगो के बिजली के बिल कम आ रहे हैं क्योंकि सरकार उसमें बहुत ज्यादा छूट दे रही है। अभी एक योजना आई थी कि सोलर एनर्जी से ट्यूबवेल्स भी चलेंगे। हालांकि यह योजना अभी बहुत पॉपुलर नहीं हुई है लेकिन यह बहुत अच्छी योजना है और जिन किसानों ने इसे लगाया है उन्होंने इस योजना की बहुत तारीफ की है जिसके लिए भी मैं सरकार को बहुत धन्यवाद देती हूं। सोलर पैनल लगाने के लिए तरह-तरह की छूट भी किसानों को दी जा रही है। हमारे यहां जो पड़ोस में शुगर मिल हैं उसमें भी इलेक्ट्रिसिटी प्रोडक्शन कराया जा रहा है। मुझे लगता है

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कि निकट भविष्य में बहुत सारे लोग इसका लाभ उठायेंगे। माननीय अध्यक्ष जी, सोलर एनर्जी बरसात के मौसम में उतना कारगर नहीं रहती है तो बायोफ्यूल को बढ़ावा देने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। हमारे यहां गौशाला हैं उसमें यह विचार है कि नगर पालिका के माध्यम से गोबर गैस प्लाण्ट बनाया जाये जिससे कि एनर्जी का नया प्रोडक्शन हो। माननीय अध्यक्ष जी, एनर्जी के क्षेत्र में बहुत सारे बदलाव हुये हैं। पिछले लगभग छह साल में यदि हम देखें तो पहले हमारे यहां बिजली अधिकतर जाती रहती थी और उसके आने का टाइम कम रहता था लेकिन अब 18 घण्टे से 20 घण्टे बिजली मिल रही है जिससे कि किसानों को बहुत फायदा हुआ है। पहले किसान जब ट्यूबबेल चलाने जाते थे तो उनका पानी खेत तक नहीं पहुंच पाता था और बिजली चली जाती थी और वह लौट आते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है, लगातार उन्हें बिजली मिल रही है। किसानों ने खास तौर से बहुत तारीफ की है कि लगातार बिजली आने से एक ही सिटिंग में उनका काम हो जाता है। बिजली के क्षेत्र में जल्दी ही हमारा उत्तर प्रदेश और सक्षम हो जायेगा और इस क्षेत्र में जो प्राब्लम्स हैं वह समाप्त हो जायेगी।

दूसरा मेरा जो विषय है वह शान्ति और न्याय के लिए संस्थाओं का निर्माण करना है। शान्ति और न्याय के लिए पुलिस और प्रशासन में जो बदलाव हुये हैं वह वाकई काबिले तारीफ है। अब से यदि हम छह साल पहले नजर डाले तो अपने उत्तर प्रदेश में खासतौर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चोरी, डकैती, किडनैपिंग, एक्सटार्सन बहुत ज्यादा हुआ करते थे, लेकिन मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देती हूं कि चोरी और एक्सटार्सन तो कम हुये ही है महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में भी भारी कमी आई है। महिलाओं को प्रतिदिन की दिनचर्या में बहुत फर्क पड़ता था चाहे उनका बच्चों को स्कूल छोड़ने जाना होता था, चाहे बाहर जॉब करने जाना होता था, बच्चियों को पढ़ने जाना होता था, इन सभी चीजों में बहुत ज्यादा बदलाव आया है। अब महिलायें बहुत विश्वास के साथ घूमती हैं और अपने कार्य क्षेत्र में बिना डर के आगे बढ़ रही हैं। खासतौर से जो एण्टी रोमियो स्क्वायड चलाया गया था उसका अब भी बहुत प्रभाव है और महिलाओं का बाहर आना-जाना आसान हुआ है। समाज में परिवर्तन छोटी-छोटी चीजों से आता है। पहले पुलिस के ऊपर विश्वास नहीं हो पाता था लेकिन आदरणीय योगी जी के आने के बाद पुलिस के प्रति जनता का विश्वास बहुत बढ़ा है चाहे वह ट्रैफिक पुलिस हो, चाहे थानों की पुलिस हो सबमे जनता का विश्वास बढ़ा है। इन सब चीजों के लिए मैं सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हँ। मैं अपनी तरफ से एक चीज कहना चाहूंगी कि आजकल लोगो में शराब और विशेषकर बच्चों में ड्रग्स लेने की जो प्रवृत्ति बढ़ रही है उस तरफ और ध्यान दिया जायेगा तो निश्चित तौर पर समाज में बहुत फर्क आयेगा। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं।

[*][22:25] श्रीमती संगीता यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, आज महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और पूर्व प्रधानमंत्री माननीय लाल बहादुर शास्त्री जी की 116वीं जयन्ती पर आपने मुझे सदन में बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत आभार देती हूं। मैं माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी जी के जनपद गोरखपुर के चौरीचौरा विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित होकर आई हूं माननीय मुख्य मंत्री जी ने हमारे राष्ट्रपिता जी को श्रद्धाजंलि देने के लिए जो अनूठी पहल की है उसके लिए वह बधाई के पात्र हैं और मैं उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं। यहां हमारे कुछ नवनियुक्त मंत्रीगण हैं और कुछ मंत्रीगणों का प्रमोशन हुआ है, मैं उनको भी सदन की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं। आज सदन में बोलने के लिए मुझे दो टापिक दिये गये हैं, पहला है भुखमरी की समाप्ति और दूसरा है उद्योग, नवाचार एवं आधारभूत ढांचा। मैं अपने पहले विषय की शुरूआत महात्मा गांधी जी के एक कथन को कहते हुए करना चाहूंगी। जब मैं एन0सी0ई0आर0टी0 की बुक पढ़ती थी तो उसके एक पेज पर वह कथन लिखा रहता था।

श्री अध्यक्ष-

माननीया सदस्य, कृपया आप कम समय में बोलियेगा।

श्रीमती संगीता यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं कम समय में ही बोलूंगी। वैसे महिलाओं के साथ ज्यादती हो रही है क्योंकि पुरूषों को बोलने के लिए बहुत टाइम दिया गया है।

श्री अध्यक्ष-

पुरूषों के नाम काटकर आपको बुलवाया जा रहा है।

श्रीमती संगीता यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, आपका संरक्षण मिला उसके लिए मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं। एन0सी0ई0आर0टी0 की बुक की वह लाईनें तब हमें समझ में नहीं आती थी लेकिन आज जब माननीय मोदी जी और माननीय योगी जी की योजनाओं को देखती हूं तो वह समझ में आ रही हैं। महात्मा गांधी जी ने उसमें कहा है कि जब भी कोई काम आप करें तो देखें कि उस काम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को लाभ पहुंच रहा है अथवा नहीं पहुंच रहा है। आज जब मैं अपनी सरकार की योजनाओं को देखती हूं। चाहे वह उज्जवला योजना हो, चाहे राशन कार्ड की योजना हो, चाहे अन्य कोई भी योजना हो तो मैं इस लाईन को बिल्कुल सार्थक पाती हूं और यही बात हम सबके परम आदरणीय पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी ने भी अन्त्योदय के माध्यम से कही थी। दोनों महानुभावों के सपनों को हमारे माननीय मोदी जी और माननीय योगी जी की सरकारे पूरा कर रही है जिसके लिए मैं सदन की तरफ से

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूं। मैं अपनी बात को कुछ तथ्यों द्वारा प्रमाणित करना चाहती हूं जिससे सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट-2030 के दूसरे प्वाइंट की महत्ता भी साबित हो रही है। जब वर्ष 2017 में हमारे योगी जी की सरकार बनी तो उस समय गांवों में राशन कार्ड की बहुत समस्यायें और शिकायतें आती थी, मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगी कि इसमें व्याप्त भ्रष्टाचार की बाकायदा जांच की गई जिसमें लगभग 63 लाख लोग अपात्र पाये गये। हमने 3 करोड़ 55 लाख नये परिवारों को उसमें जोड़ा है। यह पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी और हमारे राष्ट्रपिता जी के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को लाभ मिलने के उस सपने को साकार करता है।

माननीय अध्यक्ष जी, जब हम गांव में जाते थे, राशन के वितरण के लिए जब ई-मशीनों को लगाया गया और जब बायोमैट्रिक का प्रयोग किया गया, उसका शुरू में बड़ा विरोध हुआ। लेकिन मुझे बताते हुए बहुत फक्र हो रहा है कि इस योजना से सरकार को लगभग 1100 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है और जिसका प्रयोग भी समावेशी विकास में सरकार द्वारा किया जा रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, मुझे जो टॉपिक मिला है, वह भुखमरी की समस्या पर है और उसका बहुत बड़ा भाग कुपोषण है। उसको दूर करने के लिए मैं अपने सभी जनप्रतिनिधियों को भी धन्यवाद देना चाहूंगी कि जब 2017 में सरकार बनी तो एक पहल माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी की गयी और सभी ने एक-एक, दो-दो विद्यालय गोद लिए। इससे जनप्रतिनिधियों का विद्यालयों में आना-जाना शुरू हुआ। मध्याह्न भोजन, जो एक बहुत बड़ा भ्रष्टाचार का अड्डा था, उस पर बहुत बड़ा अंकुश लगा है। मैं खुद भी कई स्कूलों में जा चुकी हूं, हमारे कई जनप्रतिनिधियों ने छात्रों के साथ मध्याह्न भोजन भी ग्रहण किया। इससे छात्र-संख्या तो बढ़ी ही है, साथ में भोजन की गुणवत्ता भी बहुत बढ़ी है और कुपोषण की समस्या पर भी अंकुश लगा है। मैं यहां सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगी कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का जो मानदेय बढ़ा है, उससे उनका मनोबल बहुत बढ़ा है और 05 वर्ष से छोटे बच्चों को भी कुपोषण की समस्या से निजात मिली है। मां जैसी योजना शुरू की गयी, उससे शिक्षा के साथ-साथ पोषण में भी सुधार हुआ है। मा0 अध्यक्ष जी, सितम्बर माह को पोषण माह के रूप में मनाया गया है, इसके लिए मैं अपनी आशा कार्यकर्ता बहनों के कार्य की सराहना करूँगी और सरकार को भी धन्यवाद देना चाहूंगी। मैंने खुद गांव-गांव जाकर देखा है कि किस तरीके से गर्भवती महिलाओं को, हमारे माननीय योगी जी ने भी एक जिले में अन्नप्रासन की योजना शुरू की और हमारे जनप्रतिनिधियों ने भी उसमें बड़ी सहभागिता दिखायी तो मैं उसके लिए भी सरकार को धन्यवाद दूंगी और अपने जनप्रतिनिधियों को भी धन्यवाद देना चाहूंगी कि सितम्बर माह को जो पोषण माह के रूप में मनाया गया है, उसकी सफलता का श्रेय सभी को दिया जाए। मैं चौरी-चौरा विधान सभा क्षेत्र से विधायक हूं, उसमें चार गांवों में मुसहर जाति के लोग रहते हैं। पहले जब मैं उन गांवों में जाती थी तो बैठना मुश्किल होता था, न उनके पास

आवास थे, न राशन कार्ड। लेकिन मैं माननीय योगी जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी कि आज उस मुसहर बस्ती में एक स्कूल भी खुलने जा रहा है, राशन कार्ड बन चुके हैं और सब को आवास अलग से दिए गए हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए।

श्रीमती संगीता यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं जल्दी समाप्त कर रही हूं। चूंकि उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है, इसके लिए जरूरी है कि जो कुपोषण की समस्या है, भुखमरी की समस्या है, उसके लिए जरूरी है कि पहले कृषकों की आय को दोगुना किया जाए। उसके लिए मैं एक छोटा सा उदाहरण देकर अपनी बात समाप्त करूंगी। अध्यक्ष जी, 2017 में हमारी सरकार बनी, जब चुनाव जीतना हो, उस समय कर्जमाफी किया जाए तो कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन चुनाव जीतने के तुरन्त बाद जब 36 हजार करोड़ रुपये की कर्जमाफी कोई सरकार कर देती है तो यह उस सरकार की संवेदनशीलता को दिखाता है कि कृषकों को लेकर वह कितनी चिन्तित है और इससे 86 लाख किसानों को उसका लाभ मिला है। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है और यहां पर कृषि और गन्ना मंत्री जी बैठे हुए हैं, विशेषकर मैं अपनी सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगी। पहले जब हम रोड पर जाते थे तो लाइन से ट्रक खड़े रहते थे और गन्ना सूख जाता था, उनका भुगतान नहीं होता था। जितना भुगतान ढाई वर्ष में हुआ है, उतना भुगतान 10 साल में नहीं हुआ था। मान्यवर, 73 हजार करोड़ रुपये के गन्ना बिल का भुगतान मात्र ढाई वर्ष में हुआ है। अध्यक्ष जी, यह भी अपने आप में एक रिकार्ड है। फसलों का न्यूनतम मूल्य तो पहले भी तय था लेकिन हमारी सरकार ने उसको लगभग दोगुना किया है और पहली बार ऐसा हुआ है कि दलहन, तिलहन और मक्का का समर्थन मूल्य सरकार द्वारा तय किया गया है और बीच की दलाली को समाप्त किया गया है। मान्यवर, उसका पैसा किसानों के एकाउण्ट में जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सम्बन्ध में बात कह कर अपनी वाणी को मैं विराम दे रही हूं। मान्यवर, चूंकि पूर्वांचल में बाढ़ भी आ जाती है, सूखा भी पड़ जाता है, यह एक ऐसी योजना प्रारम्भ की गयी है और तीन किश्तों में पैसा दिया जा रहा है। जब किसान बीज आदि को खरीदने के लिए थोड़े से पैसे के लिए मोहताज रहता था, अध्यक्ष जी, इसके लिए मैं माननीय मोदी जी को अपने इस सदन की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद दूंगी, माननीय योगी जी को भी धन्यवाद दूंगी। अध्यक्ष जी, मेरे पास शब्द नहीं हैं कि ऐसी किसान हितैषी सरकार जो है, वह हर टॉपिक पर काम कर रही है, उसकी आधारभूत संरचना पर भी काम कर रही है। हमें चार टॉपिक दिए गए थे, हमने कुछ बिन्दुओं पर अपनी बात रखी है लेकिन माननीय अध्यक्ष जी, समाप्त करने के लिए कह रहे हैं, इसलिए मैं अपनी वाणी

को विराम दे रही हूं, हमारे और साथी विधायक बोलेंगे। अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***(22:35) श्रीमती सरिता भदौरिया-**

आदरणीय अध्यक्ष जी, आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर हमारी सरकार के द्वारा एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया और उस सरकार में एक विधायक होने के नाते मुझे सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ, मुझे लगता है कि इससे बड़ा गर्व और गौरव का विषय हम सब के लिए कोई दूसरा नहीं है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जिनके बारे में किसी ने लिखा है कि ''दे दी हमें आजादी, बिना खड्ग बिना ढाल, साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल'', बिना किसी पूर्व निर्धारित व्यवस्था के और अंग्रेजों से भारत को मुक्त कराने में महात्मा गांधी जी ने जिस तरह से भारत की जनता के मन में यह विश्वास जागृत किया कि हिंसा से ही सब कुछ प्राप्त नहीं हो सकता। अगर हमारा संकल्प दृढ़ हो, हमारी इच्छा-शक्ति प्रबल हो तो निश्चित ही हम वह भी कर सकते हैं, जिसकी हमको कल्पना नहीं होती है और आज मुझे यह कहते हुए बहुत प्रसन्ता हो रही है कि वहीं दूसरी तरफ अगर हम सही मायने में ध्यान दे तो गांधी जी का अगर कोई सच्चा उत्तराधिकारी आज हमारे देश में है तो उस व्यक्ति का नाम है, भारत के प्रधानमंत्री, आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी (मेजें थपथपाई गईं), वह सच्चे उत्तराधिकारी के रूप में भारत की जनता के साथ खड़े होकर हमारे देश के राजनैतिक मायनों को परिवर्तित कर दिया। हमारी राजनैतिक सोच की व्यवस्था को बदलने का काम किया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, हम तो जानते थे कि हमारा काम है, हम राजनैतिक दल के कार्यकर्ता हैं, हम लोगों के बीच में जायेंगे, लोगों से वोट की अपील करेंगे और वोट लेने के बाद सरकार बनाना ही केवल राजनैतिक दल का काम होता था। लेकिन देश के प्रधानमंत्री ने राजनैतिक व्यवस्था के मायने बदलते हुए उन्होंने यह साबित किया है कि हम केवल सरकार बनाने के लिए राजनीति नहीं कर रहे हैं, हम देश बनाने के लिए भी राजनीति कर रहे हैं, हम समाज बनाने के लिए भी राजनीति कर रहे हैं और जब हम देश बनाने के लिए राजनीति करते हैं तो हमें गांधी जी के ग्राम स्वराज की कल्पना को अपने साथ लेकर चलना होगा। हमारे प्रणेता आदरणीय दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो दर्शन हमारे देश भारत को दिया, निश्चित ही हमको यह भी लगता था कि राजनैतिक दल जब लोगों के बीच में जाते हैं तो केवल रोटी, कपड़ा और मकान देने की बात कह कर वोटों को लेने का काम करते हैं। लेकिन आदरणीय दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद के आधार पर उन्होंने कहा कि राजनैतिक दल के कार्यकर्ता होने के नाते हमारा काम केवल व्यक्ति की वाह्य व्यवस्थाओं को पूरा करना नहीं है। हमारा काम व्यक्ति के मन के लिए शान्ति अर्जित करना, व्यक्ति की आत्मा के लिए आत्म सम्मान देना और व्यक्ति की बुद्धि के लिए ज्ञान की व्यवस्था करना और इसके साथ-साथ अगर हम रोटी,

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कपड़ा और मकान की व्यवस्था करेंगे तो निश्चित ही हमारे राजनैतिक होने का मायने सही रूप में सार्थक होगा। इसलिए भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा जिस तरह से देश की जनता को विश्वास दिलाया गया, जिस तरह से देश की जनता ने उनके ऊपर विश्वास किया और लगा कि यही वह व्यक्ति है जो सच्चे मायने में भारत माता का सपूत है, भारत माता का सेवक है और हमारी सारी व्यवस्थाओं को पूरा करने का काम करेंगे। हमने 2016 और 2019 में सरकार बनायी और उत्तर प्रदेश की सरकार, वास्तव में मुझे आज कहते हुए बहुत गर्व और गौरव की अनुभूति होती है कि आदरणीय मोदी जी ने जिस तरह से सीधा जनता से संवाद करके जनता के विश्वास को जीतने का काम किया, ठीक उसी प्रकार से आज हमारे प्रदेश के मुख्य मंत्री ने अपने 01 घण्टे 45 मिनट के उद्बोधन में यह विश्वास दिलाने का काम किया कि उत्तर प्रदेश की सरकार भी गांधी जी के बताये हुए रास्ते पर चलेगी और मोदी जी के बताये हुए रास्ते पर काम करने का प्रयास कर रही है।

श्री अध्यक्ष-

सरिता जी, अब समाप्त करें।

श्रीमती सरिता भदौरिया-

गांधी जी ने कहा था कि ''अंग्रेजों भारत छोड़ो'', आज हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार ने सतत् विकास के 17 लक्ष्य जो निर्धारित किए हैं, यह कोई साधारण संकल्प नहीं है, यह बहुत बड़ा संकल्प है कि हम अपने प्रदेश से गरीबी दूर करना चाहते हैं, हम अपने प्रदेश में उन सारी व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना चाहते हैं, जिन व्यवस्थाओं के माध्यम से हमारा प्रदेश, भारत में एक अच्छा स्थान प्राप्त करे। मुझे ध्यान में आता है कि आज भारत के अन्दर जिन-जिन प्रदेशों में हमारी सरकारें हैं, पर कहीं पर भी हमारे उत्तर प्रदेश की सरकार की जैसी सोच और उत्तर प्रदेश सरकार की जैसी काम करने की शैली मुझे लगता है कि किसी भी प्रदेश की सरकार की दिखायी नहीं देती है। आदरणीय अध्यक्ष जी, अगर मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र की बात करूं तो मेरे मन में कभी-कभी कल्पना होती थी कि मैं जिस जिले से, जिस विधान सभा क्षेत्र से विधायक बन कर आयी हूं, वह मुलायम सिंह जी का क्षेत्र रहा है। मैं सोचती थी कि कभी मेरे जिले के अस्पताल में भी कोई अच्छी सी डायलिसिस यूनिट हो। मैंने एक बार आग्रह किया और बहुत अच्छी व्यवस्था हुई। मैं अपने स्वास्थ्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहती हूं कि अभी परसों ही हमने एक अच्छी सी डायलिसिस यूनिट का लोकार्पण किया है। मुझे लगता है कि उत्तर प्रदेश में जो पार्क बनाने की बात चल रही है, उन पार्कों में जिनकी व्यवस्था कुछ मशीनें लगा कर भी लोगों के स्वास्थ्य की व्यवस्था को ध्यान में रखकर यह काम किया जा रहा है, मुझे लगता है कि प्रदेश में पहला मॉडल पार्क हमारे इटावा, हमारी विधान सभा क्षेत्र में बनकर तैयार हुआ है तथा 07 और पार्क बनने की स्थिति में हैं। मान्यवर, हमने कभी बाढ़ नहीं देखी थी लेकिन पहली बार हमारी सरकार में, हमारे क्षेत्र में चम्बल में पानी बढ़ा, हमारे

वहां के प्रभारी मंत्री जी मौजूद होंगे, मैं बाढ़ के क्षेत्र में थी, प्रभारी मंत्री जी से बात हुई, उन्होंने कहा कि मैं भी तुम्हारे क्षेत्र का दौरा करना चाहता हूं और मुझे प्रसन्नता है कि दूसरे ही दिन हमने 55 बाढ़ पीड़ित लोगों को नकद धनराशि दी और बाढ़ पीड़ित लोगों को बाढ़-राहत सामग्री देने का काम किया।

इससे पहले कोई भी सरकार राजनैतिक इतिहास में कभी भी इतनी जल्दी बाढ़ पीड़ितों की सहायता करने के लिए आगे नहीं बढ़ी है। वह तमाम ऐसे काम हैं जो हमारी सरकार के द्वारा लोगों के लिए किए जा रहे हैं। मैं आयुष्मान योजना का जिक्र नहीं करना चाहती, मैं प्रधानमंत्री आवास का जिक्र नहीं करना चाहती, मैं कन्या सुमंगला योजना के बारे में नहीं बताना चाहती लेकिन मैं इतना जरूर कहना चाहती हूं कि हमारी सरकार वह सारे काम करने के लिए तैयार है जो जरूरी है, उन्होंने आज अपने सतत् विकास के लक्ष्य में 17 बिन्दु लिए हैं। मुझे लगता है कि अगर इन बिन्दुओं पर हम सब मिलकर काम करेंगे तो निश्चित ही आदरणीय मोदी जी का सपना साकार होगा और गांधी जी के सपनों का भारत निर्माण होगा। मोदी जी ने जब सरकार बनायी थी तो उन्होंने कहा था कि ''एक सपना तो है संजोया जो कि धड़कन में है और एक नया भारत बनाने का इरादा मन में है।'' अब वह नया भारत कोई ऐसा तो नहीं हो सकता, जिसमें शिक्षा की व्यवस्था न हो, जिसमें स्वास्थ्य की व्यवस्था न हो, जिसमें लोगों को भरपेट भोजन न मिले, जिसमें गरीब के सिर पर छत न हो, जिसमें कन्याओं का विवाह न हो, जहां पर महिलाओं का सम्मान न हो। अगर हम नए भारत की कल्पना करेंगे जो मोदी जी के सपनों का भारत होगा तो आदरणीय योगी जी भी पीछे नहीं रहे, उन्होंने भी आगे बढ़ कर कहा कि ''कुरूक्षेत्र में खड़े पार्थ को हम समझाने निकले हैं, घायल पड़े जटायू को हम गोद उठाने निकले हैं, हम निकले हैं शिव जी की कुटिया में दीप जलाने को और दीन, दुःखी, निर्बल, निर्धन को उनका अधिकार दिलाने को'', हमने संक्षेप में अपने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयास को जाहिर किया और आदरणीय मोदी जी के सपनों के भारत का एक सपना आपको दिखाने का काम किया। मैं आपसे आग्रह कर रही हूं, गांधी जी की 150वीं जयन्ती है, उन्होंने अहिंसा के रास्ते पर चल कर भारत को आजादी दिलाने का काम किया। मेरा विषय था, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, यानी लैंगिक समानता, माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में मुझे गर्व की अनुभूति होती है कि आदरणीय मोदी जी की इस योजना का लांचिंग कार्यक्रम 13 जून, 2017 को मैंने प्रदेश कार्यालय पर किया था और मैंने प्रदेश संयोजक के रूप में 03 वर्ष काम किया और आज इटावा जनपद को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के क्षेत्र में पुरस्कार मिला है, इसके लिए मैं अपनी केन्द्र की सरकार को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं।

मैं केवल एक और बात कह कर अपनी बात समाप्त करूंगी। मैं अलीगढ़ एक कार्यक्रम में गयी थी और उस कार्यक्रम में एक व्यक्ति अपनी बेटी को लेकर प्रवेश किया। मैंने उनसे पूछा कि आप मुझसे क्या चाहते हो ? उन्होंने कहा कि आप किस बेटे की बात कर रही

हैं, मेरे 03 बेटे हैं और 01 बेटी है, मेरी किडनी खराब हो गयी थी। मैंने अपने सभी बेटों से कहा कि मुझे कोई अपनी किडनी ट्रान्सप्लांट करा दे। लेकिन मेरी बेटी ने आगे बढ़कर कहा और मेरे बेटे मुंह फेरकर खड़े हो गए और पूरा सदन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज रहा था। इसलिए हमारे यहां लैंगिक समानता को लेकर कहीं कोई अन्तर नहीं है। आज हमारे उत्तर प्रदेश के बीस जनपद लैंगिक असमानता के क्षेत्र में आ रहे थे लेकिन आज हमने उस खाई को भी पाटने का काम किया है। आदरणीय मोदी जी के एक छोटे से वाक्य ने, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ने इस देश में वट वृक्ष का काम किया है। लोगों की भावनाएं लोगों की सोच को बदलने का काम किया है। आदरणीय अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ और आपसे आग्रह करती हूं कि हमारा पूरा सदन उत्तर प्रदेश सरकार के साथ खड़ा है। इसलिए खड़ा है कि उत्तर प्रदेश सरकार एक-एक काम ऐसे कर रही है जिनसे हमको गर्व और गौरव की अनुभूति होती है। हमको ध्यान आता है कि पिछली 09 फरवरी को उत्तर प्रदेश के अन्दर 12 हजार बेटियों का कन्यादान हम सब जनप्रतिनिधियों के माध्यम से एक समय पर किया गया था। इसलिए ऐसे ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय के लिए हम आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी को और देश के प्रधानमंत्री जी को आपके माध्यम से धन्यवाद और बधाई देना चाहते हैं और अपनी वाणी को विराम देकर आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं।

श्री अध्यक्ष-

मा0 राजेन्द्र प्रताप सिंह जी।

[22:45] ग्राम्य विकास, समग्र ग्राम विकास मंत्री (श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती)-

मा0 अध्यक्ष जी, महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के इस शुभ अवसर पर और इस आहूत विशेष सत्र में सतत विकास लक्ष्य को हम कैसे प्राप्त करेंगे, पर हो रही चर्चा में मुझे भी अपनी बात रखने का आपने अवसर दिया। मैं इसके लिए आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पूज्य बापू के बारे में सुबह से ही मा0 मुख्य मंत्री जी ने, मा0 मंत्रीगणों ने, मा0 अध्यक्ष जी आपने स्वयं और मा0 सदस्यों ने पूज्य महात्मा गांधी के प्रति अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए, वहीं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के प्रति भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मैं सभी के विचारों के साथ अपने को सम्बद्ध करता हुआ पूज्य बापू के श्री चरणों में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं और वहीं इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के प्रति भी मैं अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने इस 36 घण्टे के विशेष सत्र में सतत विकास के लक्ष्य को हम कैसे प्राप्त करेंगे, बीते ढाई वर्षों में उनके

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नेतृत्व में हमने इस प्रदेश को कैसे विकास से जोड़ा है, बचे ढाई वर्षों में हम कैसे उसे आगे ले जा सकेंगे और जो निर्धारित लक्ष्य है उसे कैसे प्राप्त करेंगे।

(इसी मध्य रात्रि 22 बजकर 47 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पीठासीन हुए)

इसके लिए उन्होंने जो अवसर प्रदान किया है, वह अपने आप में एक इतिहास है और इतिहास के पन्नों में जो दर्ज हो रहा है, वह इस देश के अन्य राज्यों के लिए मील का पत्थर होगा। इसके लिए मा0 मुख्य मंत्री जी को मैं बार-बार बधाई देता हूं और पूरे सदन की ओर से उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं कि उन्होंने यह ऐतिहासिक अवसर प्रदान किया। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन को यह अवगत कराना चाहता हूं कि संयुक्त राष्ट्र संघ एवं नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा संचालित सतत विकास लक्ष्य 2020-30 के अन्तर्गत लक्ष्य संख्या-1 गरीबी उन्मूलन जो हमारे ग्राम्य विकास विभाग से सम्बन्ध रखता है उस पर मैं अपनी बात रखना चाहता हूं। इसके अन्तर्गत ग्राम्य विकास विभाग नोडल विकास विभाग माना गया है और शासन के 35 विभाग इसके सहयोगी विभाग हैं। मैं उन सहयोगी विभागों के प्रति भी अपने विभाग की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं कि जिन्होंने अपना पूरा सहयोग दिया है। और कैसे हम गरीबी उन्मूलन में सहयोग कर सकते हैं गांव के माध्यम से, विकास के माध्यम से क्योंकि गांव भारत की आत्मा हैं। गांव के माध्यम से ही हम लोगों को, अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इस दृष्टि से उनके सहयोग के कारण हमें जो विचार प्राप्त हुए हैं, उसके कुछ बिन्दुओं पर हम आपके सामने अपना पक्ष रखना चाहते हैं। मान्यवर, पिछले कुछ वर्षों में भारत की स्थिति मानव विकास सूचकांक (एच0डी0आई0) तथा जेण्डर विकास सूचकांक (जी0डी0आई0) में कुछ बेहतर हुई है। किन्तु उत्तर प्रदेश के सन्दर्भ में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सतत विकास के 16 लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इन 16 लक्ष्यों में गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता दी गई है।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ग्राम्य विकास विभाग का रोड मैप पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के एकात्मवादी दृष्टिकोण अर्थात् इण्टीग्रेटेड एप्रोच पर आधारित है जिसमें व्यष्टि के साथ समष्टि का उन्नयन केन्द्र में रहेगा। मान्यवर, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित सतत विकास का लक्ष्य फाइव पीज (5P/s) पर केन्द्रित है। ये जो पांच बिन्दु हैं, इनमें पीपुल, प्रॉसपैरिटी, पीस, पार्टनरशिप और प्लैनेट हैं। सतत विकास लक्ष्य के अनुसार हमने गरीबी उन्मूलन पर डब्ल्यू0डब्ल्यू0ए0ए0आर0 द्वारा जोरदार प्रहार करने की रणनीति बनाई है। डब्ल्यू0डब्ल्यू0ए0ए0आर0 का तात्पर्य है वूमेन, महिला उद्यमिता, वॉटर भू-गर्भ भण्डारण व संरक्षण, असिस्टेंस, सामाजिक सुरक्षा, आच्छादन, आवास और सड़क है। हम कह सकते हैं कि गरीबी उन्मूलन के तीन महत्वपूर्ण घटक हैं जिसके माध्यम से हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। आय सृजन, सामाजिक सुरक्षा आच्छादन, बुनियादी सेवा तक पहुंच, ये तीन बिन्दु

ऐसे हैं, जो हमारे और हमारे विभाग के विचार हैं जिनके माध्यम से हम गरीबी उन्मूलन के गोल को प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं, ऐसा हमारा विश्वास है। हमारे जो और 35 विभाग हैं, उनसे हमने अन्तर विभागीय अभिसरण के द्वारा गहन विचार-विमर्श किया है। गरीबी उन्मूलन का ब्लू प्रिण्ट तैयार किया गया है, जिसे हमने सदृश्य प्रलेख या विजन डॉक्यूमेण्ट कहा है। यह विजन डॉक्यूमेण्ट हिन्दी व अंग्रेजी भाषा में ग्राम्य विकास की वेबसाइट पर, पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध है जिसका कोई भी व्यक्ति अवलोकन कर सकता है। अपने सुझाव दे सकता है, जो सुझाव प्राप्त होंगे तो उस पर हम विचार करेंगे, हमारा विभाग भी विचार करेगा। यह हमारे गरीबी उन्मूलन में मदद करेगा, उस पर हम कार्य भी करेंगे। हम बहुआयामी गरीबी से ग्रस्त निर्धनतम परिवारों के बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों को जो सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से निचले पायदान पर हैं, उनकी गरीबी को दूर करने हेतु राज्य की ओर से चार प्रकार से प्रभावी हस्तक्षेप करने का हमने निर्णय लिया है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के निर्धनतम व निर्धन परिवारों का चिह्नांकन, चिह्नित किए गए निर्धन परिवारों को प्रदेश के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजना समूहों बण्डल ऑफ स्कीम्स की कई खुराक मल्टीपल डोजेज द्वारा उनकी आय में सतत वृद्धि, रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से आच्छादन, बुनियादी सेवाओं और संसाधनों तक निर्धन परिवारों की पहुँच सुनिश्चित कराते हुए गरीबी पर सीधा प्रहार किया जाएगा। महिला स्वयं सहायता समूहों को विभिन्न विभागों की योजनाओं में प्रेरक तत्व के रूप में प्रयोग किया जाएगा। मिशन अन्त्योदय सर्वे का काम भी हमारा विभाग कर रहा है, उसे प्रारम्भ किया है। उस सर्वे से ग्राम पंचायत विकास योजना को मिलाकर अपनी योजना, अपना विकास की अवधारणा पर जन सहभागिता पीपुल्स पार्टिसिपेशन से ग्राम पंचायत विकास योजना को तैयार कराया जाएगा जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाएं बेहतर होंगी और हम क्षेत्रीय विषमता दूर करने में निश्चित रूप से सफल होंगे। मान्यवर, इसके अतिरिक्त हमने आय सृजन, सामाजिक सुरक्षा, अवस्थापना सुविधाओं सम्बन्धी विभिन्न विभागों की भारत सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं, कार्यक्रमों को चिह्नित कर वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक तीन वर्षीय ऐक्शन प्लान, वर्ष 2022 तक के लक्ष्य, सात वर्षीय वर्ष 2024 रणनीति तथा 15 वर्षीय वर्ष 2030 प्लान तैयार किया है जिसमें अगले 10 वर्षों में प्रदेश को विकास के उच्चतम सोपान पर ले जाने का रोड मैप भी हमारे विभाग ने तैयार किया है।

मान्यवर, हम निर्धन परिवारों की आय सृजन में प्रत्यक्ष भूमिका का निर्वहन करने वाले विभागों और उनके क्रिया-कलापों की अगर बात करते हैं तो उनमें ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा, आजीविका मिशन, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, कृषकों की आय को दोगुना करने के उपाय, कौशल विकास, पशु पालन, मत्स्य पालन, बागवानी, खाद्य प्रसंस्करण, दुग्ध उत्पादन, रेशम, हैण्डलूम बुनकर, एक जनपद एक उत्पाद व लघु मध्यम उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, वन व वनोपज आदि कार्यक्रम ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हेतु महत्वपूर्ण योजनाएं/कार्यक्रम हैं। इसमें अन्तर विभागीय समन्वय, परस्पर सामन्जस्य, पारदर्शी एवं प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था द्वारा हम अच्छे

परिणाम पा सकते हैं। हम समझते हैं कि शहरी क्षेत्र में नगर विकास, सूडा, परिवहन और उद्योग विभाग शहरी गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मान्यवर, हमारा विभाग राष्ट्रीय आजीविका मिशन, राज्य आजीविका मिशन के माध्यम से महिला समूहों को प्रोत्साहित करने का काम करता है, उन्हें रोजगार देने का काम करता है। मनरेगा ग्राम्य विकास विभाग का एक महत्वपूर्ण घटक है जिसके माध्यम से हम अपेक्षित गोल को निश्चित रूप से प्राप्त कर सकते हैं। आदरणीय मुख्यमंत्री जी की हम कृपा चाहते हैं, बिना मुख्यमंत्री जी की कृपा के हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में कतई सफल नहीं हो सकते। मनरेगा के माध्यम से भविष्य की नयी योजनाओं पर हम आदरणीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करेंगे। सौभाग्य से वह सदन में उपस्थित हैं। खादी ग्रामोद्योग विभाग में ''माटी'' ग्राम की कल्पना की गई है जिसके माध्यम से हमने कुम्हारी कला के माध्यम से मिट्टी के बरतनों को प्रोत्साहित किया है। उन्हें लघु उद्योग एवं कुटीर उद्योग के रूप में कार्य करने का हमने उनको अवसर दिया, रोजगार दिया। मैं मुख्य मंत्री जी से चाहूंगा, अगर वे सहमत होंगे तो उनके सामने हमारा विभाग एक प्रेजेण्टेशन चाहेगा। मनरेगा गांव का हम सृजन करना चाहते हैं। मनरेगा कार्यक्रम के माध्यम से गरीबी उन्मूलन के लिए एक नई बात होगी। हम मनरेगा के माध्यम से तालाबों का निर्माण कर सकते हैं, वॉटर रिचार्ज कर सकते हैं, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग में मदद कर सकते हैं, वृक्षारोपण, रोजगार को हम बल दे सकते हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी के मजबूत संकल्प ने एक इतिहास कायम किया, एक दिन में 23 करोड़ वृक्षों का वृक्षारोपण उत्तर प्रदेश के लिए एक इतिहास है। उसमें अगर हम मनरेगा का भी सहयोग दे सकेंगे तो मैं समझता हूं कि जो लक्ष्य मा0 मुख्य मंत्री जी ने हमारे लिए, हमारे प्रदेश के लिए निर्धारित किया है, मनरेगा के माध्यम से हम कहीं न कहीं उस लक्ष्य की पूर्ति में सहयोग कर सकेंगे और गरीबी उन्मूलन में ऐसे लोगों के हाथों को भी मजबूत कर सकेंगे जो कहीं न कहीं रोजगार से वंचित हैं। अगर हम तालाबों का निर्माण करते हैं, तालाब की साज-सज्जा का हम ध्यान देते हैं, और उनके अगल-बगल हम वृक्षारोपण करा देते हैं, तो मा0 मुख्य मंत्री जी की इच्छा एवं निर्देशों की पूर्ति होगी और विशेष रूप से सहजन के वृक्षों को हम गांवों में लगाकर जहां उसका औषधीय प्रयोग भी होगा और उससे गरीबों के खाने-पीने में भी सहयोग हो सकेगा, मेडिसिनल प्लाण्ट में हम तुलसी तथा अन्य प्रकार के हर्बल पौधों को लगा सकते हैं, हम ऐसे वृक्षों को भी लगा सकते हैं जो हर्बल कम्पोनेण्ट को कहीं न कहीं प्रमोट कर सकें तथा उससे गरीब परिवारों की आय हो सके। इसलिए किसी दिन मा0 मुख्य मंत्री जी का समय मिलेगा तो विभाग की तरफ से हम अपने दो सेगमेण्ट्स का प्रेजेण्टेशन चाहते हैं। पहला हमारा एस0आर0एल0एम0 कार्यक्रम है, उस संस्था से हम महिलाओं को अधिक से अधिक रोजगार से जोड़ सकते हैं। मनरेगा में जो उन्हें अनिवार्य रूप से उन्हें कुल रोजगार देंगे जिससे उसकी आर्थिक स्थिति सुधार सके जो मैनडेटरी है, उसे भी हम ठीक ढंग से लागू कर सकेंगे तो महिलाओं को भी प्रोत्साहन मिलेगा। हमारे बहुत सदस्यों ने महिलाओं के बारे में कहा, मा0 सदस्य गुप्ता जी ने अभी इस बात को रखा था कि महिलाओं को कैसे हम

प्रमोट करें, कैसे उनके जीवन स्तर को उठा सकें। निश्चित रूप से हम इन दोनों कार्यक्रमों के माध्यम से उनको आगे ले जा सकते हैं। इसी क्रम में हमने जो गरीबी से निपटने के लिए डब्ल्यू0डब्ल्यू0ए0ए0आर0 की योजना बनाई है, उसमें डब्ल्यू0 से जो पहला बिन्दु है, उसमें अगर हम महिला उद्यमिता को प्राथमिकता दे सकें तो मैं समझता हूं कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मुझे कोई कठिनाई नहीं होगी। हम इसमें आजीविका मिशन को प्राथमिकता में रखना चाहते हैं। हमारे जो स्वयं सहायता समूह हैं, उसमें राज्य में महिला सशक्तीकरण के लिए सबसे बड़ा संस्थागत मंच है। मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के गरीब परिवारों और उनकी महिलाओं को सक्षम और प्रभावशाली संस्थागत मंच प्रदान कर उनकी आजीविका में निरन्तर वृद्धि करना है। महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना है।

मा0 अध्यक्ष महोदय, मा0 मुख्य मंत्री जी के विशेष प्रयास के कारण मिशन द्वारा विशेषकर वंचित समुदाय के परिवारों यथा- मुसहर, वनटांगिया, बावरिया, थारू, दिव्यांगजन, वृद्धजन इत्यादि समुदायों के लिये विशेष पहल करते हुए उन्हें सशक्त किये जाने पर हमारा विभाग बल दे रहा है। मान्यवर, नवाचार के माध्यम से कुछ ऐसी गतिविधियां जो ग्राम्य विकास विभाग के अतिरिक्त अन्य विभागों से कन्वर्जेन्स कर जोड़ी जा सकती हैं। कन्वर्जेन्स के माध्यम से हम 40 प्रतिशत सामग्री अंश को बढ़ाकर स्थायी निर्माण में खर्च कर सकते हैं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं कि अगर अन्य विभागों के कन्वर्जेन्स से जोड़ सकेंगे। तो हम स्थायी परिसंपत्तियों का सृजन कर सकते हैं, गांवों को छोटे-मोटे खडंजे के मार्ग से जोड़ सकते हैं, इण्टरलॉकिंग ब्रिक्स से जोड़ सकते हैं। इसलिए इस पर हमारा विभाग विशेष बल देना चाहता है जिससे कि हम गांव के मजदूरों को रोजगार से जोड़ सकें, उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकें। अगर हम किसी भी गरीब को रोजगार से जोडेंगे तो निश्चित रूप से जब उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी तो कहीं न कहीं वह भी प्रोत्साहित होंगे और उनका परिवार भी मजबूत होगा। इस गोल को अचीव करने में हमें कहीं कोई दिक्कत नहीं होगी। हमारे विभाग द्वारा रूर्बन मिशन संचालित है। रूर्बन मिशन भारत सरकार की योजना है। जिसमें उनका आशय है कि अर्बनाइजेशन की ओर गांव का आकर्षण कम हो, अर्बन क्षेत्र में गांव के जो लोग जाना चाहते हैं उनकों हमने रूर्बन मिशन से रोकने में सफलता अर्जित की है। हमारे शहर के जो संसाधन हैं उनको गांवों में भी उक्त योजना के माध्यम से मुहैया कराके गांव के लोगों को जो शहर की ओर उन्मुख हैं उनकों रोकेंगे। अगर हम उन्हें रोकने में सफल होंगे तो हम गांव की दिशा-दशा को मजबूत करने में निश्चित रूप से सफल होंगे। यह भी एक महत्वपूर्ण अंग है। दूसरा बिन्दु पानी (भू-गर्भ जल भण्डारण व संरक्षण) का है। जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में मनरेगा की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए उत्तर प्रदेश के बहुत से विकास खण्ड ऐसे हैं जो डार्क ब्लॉक घोषित हुए हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी की विभाग पर

सदैव कृपा रही है एवं उनका मार्गदर्शन भी रहा है जिससे प्रेरित होकर हम वॉटर रिचार्ज के बिन्दुओं को अपनी महत्वपूर्ण विचार में रखें, उनको अपनी प्राथमिकता में रखेंगे। जगह-जगह तालाब का निर्माण करके अगर उनमें पानी को रखते हैं तो इससे वॉटर रिचार्ज होगा। इसको हम मनरेगा में अधिक से अधिक कर सकते हैं और इसके लिए मैंने अपने विभाग को निर्देश भी दिये हैं। मनरेगा में अब तक किये गये कार्यों पर मुझे सन्तोष नहीं है, क्योंकि अभी तक हमने मनरेगा में जो काम किया है वह काम उस सीमा तक ठीक नहीं है जिस सीमा तक किसी गांव के गरीब की जीवनशैली को सुधारने में सहयोगी होता। इसके लिए आवश्यक था कि हम मनरेगा गांव, मनरेगा पार्क बनाते हैं जो हमारे गांव के बच्चों को, गांव के नौजवानों को खेलने एवं मनोरंजन का अवसर देता और गांव का भी बेहतर विकास होता। शहरीकरण के समानान्तर चीजें गांवों को भी मुहैया कराने का पूरा प्रयास करेंगे। मैंने कहा था कि तालाबों का जीर्णोद्धार, वृक्षारोपण जो मा0 मुख्य मंत्री जी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुझे बताने में खुशी हो रही है कि इस वित्तीय वर्ष में 14.82 करोड़ पेड़ों को वृक्षारोपण के रूप में गांवो के माध्यम से विभाग ने वितरण भी कराये हैं। मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा जल संरक्षण के संबंध में किये गये आह्वान के क्रम में जे0एस0ए0 एक योजना है, जल शक्ति अभियान जिसमें हम पिट्स बनाते हैं, शोक पिट्स बनाते हैं, हम तालाब बनाते हैं जिससे वॉटर रिचार्ज होता है। इसमें उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में देश में जल शक्ति अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर 25 अच्छे प्रगति वाले जनपदों में उत्तर प्रदेश के जनपद महोबा (8वीं रैंक), कासगंज (16वीं रैंक) एवं चित्रकूट (23वीं रैंक) अर्जित की है। इसके लिए विभाग के लोगों ने बेहतर प्रयास किया है उन्हें मैं बधाई देता हूं। ग्रामीण पेयजल आपूर्ति, पाइप पेयजल आपूर्ति यह भी विषय ग्राम्य विकास विभाग से संबंधित है। एक नये विभाग (जल शक्ति विभाग) का गठन हुआ है। जो पेयजल एवं जल से संबंधित जितने भी विषय हैं वह जल शक्ति मंत्रालय देखेगा। भारत सरकार के तर्ज पर यथासमय ग्रामीण पेयजल के संबंध में ग्राम्य विकास विभाग ने जो कार्यक्रम संचालित किये थे उन्हे जल शक्ति विभाग गति प्रदान करेगा, उन्हें जल शक्ति विभाग आगे बढ़ाने में सफल होगा। उसमें जहां भी आवश्यकता होगी उसमें ग्राम्य विकास विभाग सहयोग करेगा। हमने सड़कों को जोड़ने के बारे में बताया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हमारे ग्राम्य विकास विभाग की प्रमुख योजना है। जिसका फेज-3 हमारे बीच आने वाला है। हमें फेज-3 में सुविधा मिलने वाली है कि हम बड़ी-बड़ी सड़कों का अपग्रेडेशन कर सकेंगे। उसमें पैसे की कमी नहीं है। हमने 75 जनपदों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से पोषित किया है। जिसमें 42 जनपद लोक निर्माण विभाग के पास हैं और शेष जनपद ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधीन हैं। वहां भी कार्य अच्छा हो रहा है।

प्रधानमंत्री आवास जो कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुझे बताने में खुशी हो रही है कि हमें वर्ष 2016-17 में 7 लाख 71 हजार आवासों का लक्ष्य मिला था (हमारे सामने लोग जो आज नहीं आ सकें हैं उन्होंने एक भी आवास नहीं बनाया था)। आदरणीय मुख्य मंत्री जी के गहन सर्वेक्षण एवं परिसीलन ने यह कामयाबी हासिल की है कि हमने 03 वर्षों में 12.82 लाख लक्ष्य के सापेक्ष 12.47 लाख आवास पूर्ण किये हैं और पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है जिसकी बधाई जहां ग्राम्य विकास विभाग को जाती है वहीं आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व को भी विशेष रूप से जाती है। हमने उनके ही कुशल मार्गदर्शन में देश में प्रथम स्थान प्रधानमंत्री आवासों के निर्माण में प्राप्त किया है। इससे निश्चित रूप से गरीबी कम हुई है उसका जितना भी श्रेय श्रद्धेय मुख्य मंत्री जी को दिया जाये वह श्रद्धेय मुख्य मंत्री जी आपके लिए कम है। यह बधाई आपके कुशल नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन के लिए है। हमें वर्ष 2019-20 में भारत सरकार से 1.54 लाख लक्ष्य आवासो के प्राप्त हुए हैं जिन पर हमारा विभाग बहुत ही प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है। जिसकी हमने तीसरी किस्त तक अवमुक्त की है। एक वर्ष के लक्ष्य को 100 दिन में पूरा करने का जो कार्यक्रम मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा मिला है उसे यह ग्राम्य विकास विभाग पूरा करेगा और आपकी अपेक्षाओं पर ग्राम्य विकास विभाग खरा उतरेगा। भारत सरकार एवं आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने यह तय किया है कि वर्ष 2024 तक सबको आवास उपलब्ध होंगे। 1.54 लाख के बाद जो आवास बचेंगे उसके बाद मा0 मुख्य मंत्री जी का जो भी निर्देश होगा उसमें जो बचे लोग हैं या जो पात्र लोग हैं उन सबका पुनः सर्वे कराके अंतिम व्यक्ति तक जो व्यक्ति पात्र होगा उसे भी हम प्रधानमंत्री आवास योजना से जोड़ने का काम करेंगे। सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'मुख्य मंत्री आवास योजना ग्रामीण' ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित है। जो मजबूर एवं परेशान व्यक्ति हैं उन्हें मा0 मुख्य मंत्री जी की प्राथमिकता में शामिल करते हुए वर्ष 2018-19 में 16700 लाभार्थियों को मुख्य मंत्री आवास से ग्राम्य विकास विभाग ने पोषित किया है और वर्ष 2018-19 में मुख्य मंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत 3215 आवास मुसहर वर्ग के तथा 4069 वनटांगिया वर्ग के लाभार्थियों को आवास आवंटित किया गया है। अनुसूचित जनजाति के 100 लाभार्थियों को आवासीय सुविधा प्रदान की गयी है, जिनमें 81 थारू जनजाति के लाभार्थी हैं। वर्ष 2019-20 में 34040 लाभार्थियों को लाभावन्त कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। इसमें जो समय-सीमा है उसी समय-सीमा के अन्तर्गत ग्राम्य विकास विभाग पूरा करेगा और आगामी ढाई वर्षों (वर्ष 2022) तक हमने जो रणनीति बनाई है-'सबसे पहले सबसे गरीब'। ग्राम्य विकास विभाग का यह लक्ष्य है कि वर्ष 2022 तक वंचितता के मानक-5, 6 एवं 7 से आच्छादित 1,04,598 परिवार तथा छूटे हुए एवं वंचित पात्र 62,40,828 लाभार्थियों में से निर्धनतम परिवारों को चिन्हित कर उन्हें क्रमशः रू0 4 लाख, 4.25 लाख एवं रु0 4.5 लाख की सहायता प्रदान की जा सके। इसकी भी रणनीति ग्राम्य विकास विभाग ने बनाई है। यह आय विभिन्न विभागों यथा मनरेगा, आजीविका मिशन, कृषि विभाग, पशुपालन, मत्स्य, अल्पसंख्य

कल्याण, समाज कल्याण, रेशम, दुग्ध विकास, बाल विकास एवं पुष्टाहार, श्रम एवं सेवायोजन, उद्यान एव खाद्य प्रसंस्करण, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग इत्यादि की रोजगारपरक योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेंगी। हमारा जो संकल्प होगा, जो हमारा कमिटमेण्ट होगा, जो हमारा फ्यूचर प्लान होगा। अधिष्ठाता महोदय, हम उसके बारे में विभाग का पक्ष आपके सामने रख रहे हैं कि द्वितीय चरण के रूप में हम उन परिवारों को लेंगे जो एस0ई0सी0सी0-2011 के अन्तर्गत 4 मानकों से आच्छादित हैं। इनकी संख्या 4,84,174 है। इन्हें उपर्युक्त विभिन्न योजनाओं (Bandle of Schemes) के माध्यम से वर्ष 2024 तक आच्छादित करते हुए रु0 3. 5 लाख प्रतिवर्ष प्रति परिवार अर्जित कराये जाने हेतु कार्यवाही करेंगे। उनकी आय को बढ़ायेंगे, उन्हें रोजगार से जोड़ेंगे, उन्हें काम से जोड़ेंगे। जिससे की उनकी आय में हम वृद्धि कर सकेंगे। एस0ई0सी0सी0-2011 के अन्तर्गत आच्छादित ऐसे परिवार जो 3 मानकों से, 2 मानकों से तथा 1 मानक से आच्छादित है, जिनकी संख्या क्रमशः 17,35,381, 36,12,217 एवं 44,44,985 हैं, को गरीबी से बाहर निकालने के लिए उपर्युक्त विभागों के माध्यम से क्रमशः 3 लाख, 2.5 लाख एवं 1.5 लाख प्रतिवर्ष प्रति परिवार को आय सृजित कराने हेतु कार्यवाही की जायेगी। मिशन अन्त्योदय सर्वे भारत सरकार के निर्देशों पर शुरू किया गया है। जिसमें प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं के साथ-साथ सामाजिक आर्थिक पूंजी की उपलब्धता के आंकड़े मौजूद हैं, जिसको अन्य विभागों को उपलब्ध कराया जायेगा ताकि संबंधित विभाग इन आकड़ों को उपयोग में ले सकें। इससे अन्य विभागों की योजनाओं में भौतिक व वित्तीय लक्ष्यों का बेहतर निर्धारण/नियोजन किया जा सकेगा।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में सर्वाधिक गरीब 20 प्रतिशत परिवारों का सर्वे/चिन्हीकरण कराकर सर्वप्रथम उनके आय सृजन व आजीविका संवर्धन के प्रयास के साथ-साथ उन्हें अन्य विभागों की योजनाओं से निर्धारित समयावधि में लाभान्वित कराया जायेगा। इस गोल में सम्मिलित 35 अन्य विभागों का सहयोग लिया जायेगा और आदरणीय मुख्य मंत्री जी की अपेक्षाओं के अनुरूप देश के प्रधानमंत्री श्रद्धेय नरेन्द्र मोदी जी की इच्छाओं के अनुरूप ग्राम्य विकास विभाग पूरी तन्मयता से, पूरी तत्परता से समयबद्ध कार्यवाही को सुनिश्चित करेगा और गरीबी उन्मूलन में जो अपेक्षा है कि जो ग्राम्य विकास विभाग की अग्रिम भूमिका है उसका जो नोडल है, सबके सहयोग से उसे ग्राम्य विकास विभाग जरूर पूरा करेगा। मैंने पहले भी कहा है और अब भी कह रहा हूं कि किसी भी विभाग की सफलता मा0 मुख्य मंत्री जी की कृपा पर ही आधारित होता है। मा0 मुख्य मंत्री जी का आशीर्वाद, विश्वास, मार्गदर्शन एवं गहन समीक्षा यदि समय-समय पर विभाग को प्राप्त होता रहा तो विभाग अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकेगा। मैं बताना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश आपके नेतृत्व में सभी बिन्दुओं पर अग्रणी रहेगा और इस देश में सभी बिन्दुओं पर ग्राम्य विकास विभाग आपके मार्ग दर्शन में प्रथम स्थान प्राप्त करेगा यह मेरा विश्वास है। आपके गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम में सफलता प्राप्त करेगा। इसमें हमारे साथ

राज्य मंत्री श्री आनन्द शुक्ला जी हैं। वह बड़े उत्साही हैं एवं उनका बहुत अच्छा सहयोग मिल रहा है। मा0 मुख्य मंत्री जी की इच्छा रहती है कि राज्य मंत्रियों को काम से जोड़ा जाये। मैंने उनसे कहा है कि आप पूरा काम करें। लेकिन मा0 मुख्य मंत्री जी की इच्छा के अनुरूप हमारे विभाग का परिणाम मिलना चाहिए। यही मैंने विभाग के अधिकारियों से भी कहा है। मैं पुनः मा0 मुख्य मंत्री जी आपके प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि आपका आशीर्वाद सदैव इस विभाग की तरक्की में प्राप्त होता रहा है। हमारे विभाग के अधिकारी जिन्होंने बेहतर काम किया है, जिन्होंने यह सम्मान अर्जित किया है उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं। इसमें समन्वय के लिए 35 विभाग के अधिकारियों ने सहयोग दिया है उनके प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए मैं गांधी जी के प्रति अपने श्रद्धासुमन पुनः अर्पित करता हूं और इस ऐतिहासिक सेशन के लिए जो मा0 मुख्य मंत्री जी की कृपा से हो रहा है, 38 वर्ष के अपने राजनीतिक जीवन में एवं दोनों सदनों का सदस्य रहते मैंने नहीं देखा। मा0 मुख्य मंत्री जी आपका नेतृत्व निश्चित रूप से विकास के सभी अन्य कार्यक्रमों में इतिहास का निर्माण कर रहा है। उत्तर प्रदेश की विधान सभा में भी एक नये इतिहास का सृजन हुआ है और मेरे भी राजनीतिक जीवन में ऐसा अवसर देखने को मिला है जो प्रेरणादायक है। मैं सुना करता था जब 1990 में पहली बार विधायक बना कि यहां का सदन दो बजे रात तक चलता था। माननीय मुख्य मंत्री जी आपने सारे रिकार्ड तोड़ दिये और आप ऐसे नियन्त्रक की भूमिका में हैं कि हम सभी लोगों को सुबह से डर लगा हुआ है कि इस सदन में आयेंगे कि उस सदन में आयेंगे, किसकी हाजिरी होगी, किसकी गैर हाजिरी होगी, यह खतरा भी सुबह से बना हुआ है। पढ़ने में भी अपने प्रिंसिपल से यह भय नहीं था जो भय मुख्य मंत्री जी के नियन्त्रण का है, आपकी उपस्थिति का है। मैं आपके कुशल मार्गदर्शन के लिए बार-बार आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं और पुनः विश्वास दिलाता हूं कि आपकी अपेक्षाओं पर ग्राम्य विकास विभाग पूरी तरह से सदैव खरा उतरेगा, उसमें न तो किसी प्रकार की त्रुटि होगी और न ही त्रुटि करने का प्रयास होगा। पुनः मा0 अध्यक्ष जी अपने विचार रखने हेतु दिये गये अवसर पर आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

[23:16] प्रो0 (डा0) अवधेश सिंह-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आज इस शुभ अवसर पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए हम आपका आभार प्रकट करना चाहते हैं और कुछ कहने से पहले मैं अपने प्रदेश के मुख्य मंत्री और हम सभी लोगों के अभिभावक को प्रणाम करना चाहता हूं। यह ऐतिहासिक क्षण जो हम सम्मानित विधायकों को प्राप्त हुआ है इस क्षण में भागीदारी का जो अनुभव प्राप्त हुआ है उसके लिए मैं विशेष रूप से मा0 मुख्य मंत्री जी का और अधिष्ठाता

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

महोदय आपका अभिनन्दन करना चाहता हूं। आज बापू के 150 वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के अधिकांश देशों में बड़े ही उत्साह के साथ हम उनके क्रियाकलापों को ले करके आज सदन में उपस्थित हुए हैं। हम निश्चित रूप से यह कहना चाहेंगे कि उनकी प्रेरणा से ओतप्रोत हो करके हमारे देश के नौजवानों ने देश की आजादी के लिए काम किया। मैं पूर्वांचल की उस धरती का उल्लेख करना चाहता हूं जहां के नौजवानों ने उनके आदर्शों और विचारों को ले करके गुलाम भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर किया है। हमारे वाराणसी में चोलापुर, आदरणीय वीर बहादुर जी के नेतृत्व में 9 लोगों ने अपनी आहुति दी थी। हमारे सैय्यद राजा ने धानापुर की धरती में और इतिहास के पन्ने पर देखा जाय तो गाजीपुर का ईशूपुर, मोहम्मदाबाद जिसमें शेखपुर के नौजवानों के नेतृत्व में एक नहीं तेरह-तेरह लोग एक के बाद एक सीने पर गोलियां खाते रहे लेकिन भारत मां का झण्डा तेरह लोगों के शहीद होने के बाद उस स्थान पर जहां अंग्रेजों का ताण्डव हुआ करता था उस थाने पर फहराने का कार्य किया। हम निश्चित रूप से आभारी हैं इस बात के लिए कि गांधी जी का वाराणसी जनपद में 1916 से ले करके 1920-21 में जब उनका पदार्पण होता है तो 1921 में आकर बनारस में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की नींव रखते हैं, मैं निश्चित रूप से अपने को सौभाग्यशाली समझता हूं कि उस विश्वविद्यालय में मुझे प्रोफेसर के पद पर रह करके सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

इतना ही नहीं हमारे पिण्डरा विधान सभा क्षेत्र के बड़ागांव में स्वर्गीय बलदेव वैद्य जी के आवास पर वे एक बार नहीं दो-दो बार वह गये और वहां विश्राम किया तथा वहां के नौजवानों को उत्साहित करने का कार्य किया। वहां से चल करके हमारे सेवापुरी में, जो आज हमारे प्रदेश का अग्रणी स्थान है वहां गांधी आश्रम खादी ग्रामोद्योग ने वहां जा करके इसकी शुरुआत की है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज विपक्ष में बैठे हुए लोग नहीं हैं। 70 साल बीत गये, गांधी के उस विचार को ले करके जो लोग सत्ता हथियाने का काम किया करते थे आज उनको यहां रहना चाहिए था। गांधी जी के सपने को साकार करने के लिए मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि देश के प्रधानमंत्री जी ने उनके विचारों पर चल करके गरीबों की सेवा करने की शुरुआत की। उन्होंने केवल शुरुआत ही नहीं की बल्कि आज हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि उन्होंने गरीबों के लिए काम किया है, किसानों के लिए कुछ किया है, विद्यार्थियों के लिए कुछ किया है, बेरोजगारों के लिए कुछ किया है, यह दावा आज मैं कर सकता हूं और यह कह करके उनको श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए हम सारे लोग यहां पर इकट्ठा हुए हैं। मैं आभार प्रकट करना चाहता हूं अपने प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री जी को कि आज हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक रोड बनी थी बाबतपुर एयरपोर्ट से ले करके भदोही चली गई थी। उस सड़क को बनाने के लिए किसानों की जमीन ले ली गई थी लेकिन उस जमीन का मुआवजा नहीं दिया गया था। मैं ऐसे लोगों से पूछना चाहता हूं कि जो किसानों के

हिमायती बनते हैं लेकिन 6 साल बीतने के बाद भी उनको एक पैसा मुआवजा नहीं मिला किसानों के आंसू रो-रो करके सूख गये लेकिन उनको पोंछने वाला नहीं मिला। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं मा0 मुख्य मंत्री जी को, जब उनके संज्ञान में 2017 में विधायक बनने के बाद मैंने यह बात बताई कि इतने किसानों की जमीन ली गई लेकिन उनको एक भी पैसा नहीं दिया गया तो मा0 मुख्य मंत्री जी के मन में किसानों के प्रति दर्द था, एक भाव था, उन्होंने ढाई सौ करोड़ रुपया दे करके सबको लाभान्वित करने का कार्य किया। हम दावे के साथ कह सकते हैं कि यदि गांधी जी के आदर्शों पर चलने का किसी ने कार्य किया है तो हमारी सरकार ने आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में और मा0 मोदी जी के नेतृत्व में किया है। हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि उन गरीब बस्तियों में जहां बरसात के दिनों में घरों में धुआं नहीं निकला करता था, उनके घरों में रोटियां नहीं बनती थीं कि उनके घर में रोटी बन जाएं और बच्चे खाकर स्कूल चले जाएं, घर की महिलाएं अपने पति को खाना नहीं दे पाती थीं कि वह खाकर काम पर चले जाएं। मैं आज दावे के साथ कह सकता हूं कि हम सच्ची श्रद्धांजलि देने के हकदार इस कारण हैं कि देश के प्रधानमंत्री जी ने उज्ज्वला योजना के द्वारा उनके घरों में गैस सिलेण्डर देने का काम किया है।

मैं इस सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने गरीब बस्तियों में जहां आवास नहीं था उनको आवास मुहैय्या कराया और इतना ही नहीं उनको बिजली भी दिया तथा गांव में शौचालय दे करके ओ0डी0एफ0 करने का भी काम किया है। इस प्रकार से हमें गरीबों की सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। हम अपनी विधान सभा क्षेत्र की बात करना चाहते हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए मैंने एक विद्यालय को 2017 में गोद लिया। जब मैंने गोद लिया था तो वहां 19 छात्र थे, आज वही अध्यापक, वही विद्यालय केवल उनको प्रेरणा दी गई है माननीय योगी जी ने प्रोत्साहित किया है और आज 215 छात्र उस विद्यालय में हो गये हैं। इस तरीके का काम हमने किया है और इसको करने के लिए हमने वहां के अध्यापकों को प्यार दिया, दुलार दिया, सुविधा दिया, बच्चों को बैठने की सुविधा दी, जिन बच्चों के पास वस्त्र नहीं थे, जूते और मोजे नहीं थे, स्कूल जाने के लिए उनके पास कापी-किताबें नहीं थीं तो इन सारी चीजों को दे करके हमने शिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी कार्य किया है। हमारे बहुत सारे सम्मानित विधायकों ने चर्चा की है, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि आज दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में हिन्दुस्तान अग्रणी है और मैं धन्यवाद देना चाहता हूं मा0 मुख्य मंत्री जी को कि हिन्दुस्तान में दुग्ध उत्पादन में उत्तर प्रदेश नम्बर-1 पर है। इस नाते हम इस बात को भी कह सकते हैं कि हमने किसानों, मजदूरों के लिए काम किया है। एक समय ऐसा था कि 30 करोड़ लोगों को हम अन्न नहीं दे पा रहे थे लेकिन आज 130 करोड़ लोगों को हम अन्न दे रहे हैं और दूसरे देशों में भी अन्न भेज रहे हैं। मैं स्वास्थ्य विभाग की चर्चा करना चाहता हूं, हमारे क्षेत्र में हास्पिटल थे जहां 15-20 ओ0पी0डी0 हुआ करती थी, गंगापुर जो कि बाबतपुर एयरपोर्ट के ठीक बगल

में है वहां 15-20 की संख्या थी लेकिन आज हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी की प्रेरणा से आज दो सौ, ढाई सौ ओ0पी0डी0 हॉस्पिटल में हो गये हैं। हमारे गरीब तबके के लोग जो भटका करते थे, उस गांव के हास्पिटल में जहां डॉक्टर नहीं बैठते थे वहां अब डॉक्टर बैठ करके इलाज करते हैं और प्रतिदिन हमारे गांव के गरीब तबके के लोग आ रहे हैं और लाभान्वित हो रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हमने अनुकरणीय कार्य किया है। इतना ही नहीं हम जिस भी क्षेत्र में देख लें उस क्षेत्र में गरीबों के प्रति जो हमें कार्य करना चाहिए वह हमने किया है। हमने गरीबों, किसानों, नौजवानों के लिए भरपूर काम किया है। सफाई के क्षेत्र में आप देख लें, आज अपने यहां सभी के अन्दर एक प्रेरणा जग चुकी है। आज माननीय योगी जी के नेतृत्व में हमारे प्रदेश संगठन के आदेश पर हम लोगों ने सारे विधायकों ने लखनऊ की गलियों में सड़कों पर जाकर सफाई करने का काम किया है। एक संदेश दिया है भारतीय जनता पार्टी ने, एक संदेश दिया है आदरणीय मोदी जी और आदरणीय योगी जी ने और उसका परिणाम हुआ कि स्वच्छता के प्रति लोग जागरूक हुए। हम लोग भी चिनियाबदाम ले करके गाड़ी पर चलते थे और रास्ते में बदाम खाकर छिल्का बाहर फेंकते थे लेकिन इस प्रेरणा के फलस्वरूप आज हम अपने कुर्ते पर छिल्के को रखते हैं और कहीं गाड़ी रोक करके सही जगह पर डालने का काम करते हैं। इस प्रकार का भाव जो हमारे अन्दर आया है उसके प्रेरणास्रोत हमारे माननीय मोदी जी और योगी जी रहे हैं। मैं अपने क्षेत्र की कुछ ऐसी चीजों का उल्लेख करना चाहता हूं जो कि आवश्यक है। माननीय मुख्य मंत्री जी यहां पर हैं, उनके दिशा-निर्देश पर हमारे क्षेत्र में बहुत सारे काम हुए हैं। मैं समझता हूं कि आजादी के बाद जो काम नहीं हुए वह ढाई साल में आपके आशीर्वाद से हो गये। हमारे क्षेत्र में चार सौ एकड़ जमीन ले करके पर्यटन विभाग को बढ़ावा देने का काम हो रहा है। हमारे क्षेत्र में आई0टी0आई0 कॉलेज, हमारे क्षेत्र में थाना, हमारे क्षेत्र में फायर सर्विस और भी बहुत सारे काम हुए हैं कम से कम ढाई सौ किलोमीटर सड़क को पक्का करने और उसके सौन्दर्यीकरण का काम हुआ है। मैं एक अनुरोध आपके माध्यम से करना चाहता हूं कि बाबतपुर एयरपोर्ट और बाबतपुर रेलवे स्टेशन निश्चित रूप से एयरपोर्ट पर उतरने वाले लोग गाजीपुर, बलिया, आजमगढ़ तक लोग जाते हैं, यदि वहां पर एक आर0ओ0बी0 बन जाये तो यह सारे लोगों के लिए सुविधाजनक होगा। मैंने बहुत सारी चीजों के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध किया है और उनका हमें आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ है। मैं पुनः इन्हीं शब्दों के साथ अपनी वाणी को विराम देना चाहता हूं हम अपने को सौभाग्यशाली मानते हैं कि ऐसे समय में हमें विधान सभा में आने का अवसर प्राप्त हुआ, यह क्षण पता नहीं कभी मिलेगा या नहीं मिलेगा। हम कभी सुना करते थे कि 14 घण्टे, 20 घण्टे विधान सभा चली है लेकिन आज आपने वह अनोखा कार्य किया है जो कि ऐतिहासिक है और आपने इतिहास के पन्ने में एक नया पन्ना जोड़ने का कार्य किया है। मैं इन्हीं शब्दों के साथ आपको धन्यवाद् देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

[23:29] श्रीमती मंजू त्यागी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद, आज पहली बार मुझे विधान सभा में बोलने का अवसर प्राप्त हुआ है इसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करती हूं और मा0 मुख्य मंत्री जी के चरणों में यहां से नमन करती हूं। मुझे दो विषय मिले हैं, मैं उद्योग नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास पर बोलना चाहती हूं। मैं यह कहना चाहती हूं कि इसमें जो प्रमुख कार्य हुए हैं मेक इन इंडिया और स्टार्ट-अप ऑफ इंडिया, इसमें माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा इतना अच्छा काम किया गया है जो शायद ही कोई कर पाया हो। आज पूर्वांचल में बहुत सारी ट्रेनें चली हैं, जैसे पूर्वांचल है, बुन्देलखण्ड है, गंगा एक्सप्रेस है। इसके अतिरिक्त लखनऊ में मेट्रो चलायी गयी है और गोरखपुर, आगरा तथा मेरठ में मेट्रो का कार्य चल रहा है। मैं यह भी कहना चाहती हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में पहली बार भारतीय जनता पार्टी जीती है। मैं आपको बताना चाहती हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र श्रीनगर का अभी तक कोई भी रूप नहीं था किन्तु आज माननीय मुख्य मंत्री जी के माध्यम से मेरी विधान सभा क्षेत्र को आई0टी0 कॉलेज के माध्यम से जो रूप दिया गया है उसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी के चरणों में नमन करती हूँ और धन्यवाद करती हूँ कि वास्तव में आज आपने श्रीनगर को एक रूप दे दिया है।

एक बात मैं बताना चाहती हूँ कि जब मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र श्रीनगर का नाम लेती हूँ तो लोग हमसे कहते हैं कि आप श्रीनगर से आई हैं तब मैं गर्व से कहती हूँ कि नहीं मैं उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक श्रीनगर क्षेत्र से विधायक बनकर आई हूँ। हमारे क्षेत्र में देवकली एक तीर्थ स्थान है जो कि पौराणिक है वहां पर एक मेडिकल कॉलेज भी बनना है, इसके लिए भी मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूँ। मैं इस पीठ के माध्यम से आपसे निवेदन भी करना चाहती हूँ कि अगर वह मेडिकल कॉलेज बनता है तो हमारी विधान सभा क्षेत्र श्रीनगर का रूप वास्तव में बदल जायेगा। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि इस सरकार में मुझे विधायक बनने का मौका मिला और मैं अपने क्षेत्र की जनता को अपना मुख और अपना चेहरा जनवा पाई कि मैं मंजू त्यागी आपकी विधायक हूँ। **(सत्ता पक्ष द्वारा मेजे थपथपायी गयीं)** मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहती हूँ कि ऐसे गरीब तबके के लोगों के लिए एक बार फिर से आप कुछ अच्छा करें जिससे मैं आपका धन्यवाद करूं **(सदन में हंसी)** मा0 अधिष्ठाता महोदय, मुझे पहली बार बोलने का मौका मिला है इसके पहले मैं कभी भी नहीं बोली हूँ इसलिए आपसे अनुरोध करना चाहती हूँ कि मुझे सुन लिया जाये। मान्यवर, मेरा पूरा विधान सभा क्षेत्र तराई है जहां पर सिर्फ गन्ने की बुवाई होती है। माननीय गन्ना मंत्री जी आप इस बात पर ध्यान दीजिएगा मैं आपसे माफी भी चाहती

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हूँ लेकिन वास्तव में बजाज ग्रुप इतना उदण्ड हो गया है कि जब तक उस पर आपका डंडा नहीं चलेगा तब तक वह सुधरने वाला नहीं है। वहां का गन्ना किसान मर रहा है और जब मैं कभी भी उसको पत्र लिखती हूँ तो उस पत्र का जवाब कभी भी मुझे नहीं मिलता है। इस बात को लेकर मैं अपने जिले के जिलाधिकारी जी से भी कह चुकी हूँ और आप से भी कह चुकी हूँ। मैं इस पीठ के माध्यम से आपसे निवेदन करना चाहती हूँ कि अगर हमारे किसानों का भुगतान हो जायेगा तो आपका सम्मान और गौरव भी बढ़ेगा और मैं इस बात के लिए आपको आश्वासन देती हूँ कि उस क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की कभी हार नहीं होगी। मैं इस पीठ के माध्यम से यह भी कहना चाहती हूँ कि वास्तव में जो भी हमारे क्षेत्र में काम हुआ है वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है और आज तक वहां के लोग यह नहीं जानते थे कि विधायक का क्या काम होता है, आज नालियों का भी काम हम लोगों से कराते हैं तो उनको खुशी मिलती है। माननीय गन्ना मंत्री जी मैं आपको सम्बोधित करते हुए, आपको जोड़ते हुए आपका सम्मान करते हुए बस इतना कहना चाहती हूँ कि बजाज ग्रुप के ऊपर आप डंडा चलायें। जब मुझे मेरे पत्र का जवाब नहीं मिलता है तो मुझे कष्ट होता है। ऐसी शुगर मिलों पर जब तक आप डंडा नहीं चलायेंगे तब तक आपके विधायक का और आपका सम्मान नहीं होगा। मा0 अधिष्ठाता महोदय, हो सकता है कि मैं कुछ गलत भी बोल जांऊ इसके लिए मैं क्षमा भी चाहती हूँ। मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार का वैभव अमर रहे और माननीय मुख्य मंत्री जी का भी सम्मान हमेशा बना रहे। मैं यह भी कहना चाहती हूँ कि भारतीय जनता पार्टी अभी जाने वाली नहीं है, यह सब लोग जानते है, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद और साधुवाद करती हूँ कि इस मौके पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है। अगर कोई गलती हुई हो तो क्षमा चाहती हूँ। अब मैं अपनी बात समाप्त करती हूँ बहुत-बहुत धन्यवाद।

[23:35] श्री जटा शंकर त्रिपाठी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, निश्चित तौर पर आज का दिन गांधी जी के 150वें जन्मदिन के अवसर पर और दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शात्री जी के 116वें जयन्ती के अवसर पर आज गौरव का पल मिला है। निश्चित तौर पर एक बात सम्मान पूर्वक कही जाती रही है कि भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं है, जीता जागता राष्ट्रपुरूष है और कश्मीर उसके माथे का मस्तक है। जब यह लाईन सदन के अन्दर हमारे यशस्वी लोग पढ़ रहे थे तो भारत में जगह-जगह हर एक नागरिक चाहे वह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता की हैसियत से हो, चाहे वह बूथ अध्यक्ष हो, चाहे वह विधायक हो, चाहे वह लोक सभा के माननीय सदन का सदस्य हो और चाहे वह मतदाता हो उस समय अपने आप को गौरान्वित महसूस कर रहा होगा और कह रहा होगा कि हां हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं। ठीक उसी तरह के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

गौरव का पल आज यहां पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर 36 घन्टे का सदन चलाने का जो निर्णय लिया गया है यह निश्चित तौर पर काबिले तारीफ है। इस सब के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का अभिनंदन करना चाहता हूँ। निश्चित तौर एक बात मैं यहां कहना चाह रहा था क्योंकि आज सदन में विपक्ष के लोग उपस्थित नहीं है। एक महिला थी जो कि आटा गूथ रही थी, दूसरी महिला आटे की लोई बना रही थी, तीसरी महिला रोटी बेल रही थी, कुछ महिलायें रोटी खा रहीं थीं और कुछ महिलायें थीं जो कि रोटी के साथ खेल रहीं थीं। आज उसी रोटी के साथ खेलने वाले लोग हमारे साथ नहीं बैठे हैं वरना हमें बात करने में और आनंद आता। हमारी खड्डा विधान सभा क्षेत्र में नेपाल से निकलने वाली एक नारायणी नदी है जो की बिहार को जाती है उसके किनारे एक बहुत छोटा सा नारायणी सामाजिक ग्रुप है। हम बताना चाहते हैं कि पहले की सरकारों ने जब कुंभ मेले का आयोजन किया था तो नारायणी नदी पर केवल 10 से 15 हजार लोग स्नान करते थे किन्तु हमारी सरकार के समय जब कुंभ मेले का आयोजन हुआ तो उसी नदी पर ढाई से तीन लाख लोगों ने डुबकी लगायी। 10 हजार से ढाई से तीन लाख लोगों का एक साथ कुंभ में आना और स्नान करना कोई मामूली बात नहीं है। मैं कुंभ मेले के इस यशस्वी आयोजन के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करूँगा और यह बताना चाहूँगा कि गरीबी उन्मूलन में मेले के अवसर का लाभ किस तरह से लोगों तक पहुँचता है।

जब कुंभ मेला लगा था उस समय मैं मेले में घूम रहा था और देख रहा था कि जो परिवार पूरे महिने में 10 किलो से लेकर एक कुन्टल का सेव बेंच पाता था वह अब एक कुन्टल से लेकर दो कुन्टल तक का फलों का व्यापार, मिठाई का व्यापार, पीठे का व्यापार और मूँगफली का व्यापार प्रतिदिन कर रहा था। इस तरह मैं गरीबी उन्मूलन को कुंभ मेले में ढाई लाख से लेकर तीन करोड़ की जनता के बीच ले जाना चाहता हूँ और बताना चाहता हूँ कि कुंभ मेले में 22 से 23 करोड़ लोगों ने डुबकी जरूर लगायी होगी क्योंकि इसका आगणन किसी के पास नहीं होगा, हम आंकलन ही केवल कर सकते हैं कि कितने हजार करोड़ रुपयों का रोजगार उस गरीब के पेट के लिए बढ़ा होगा, उस गरीब के लिए पैसे का रोजगार बढ़ा होगा। निश्चित तौर पर यह एक सरकार की उपलब्धि रही है। दक्षिण भारत के लोगों के बीच में जब यह बात होती है कि माइग्रेसन अप्रवासी भारतीयों का एक बहुत बड़ा सम्मेलन हमारी सरकार ने प्रयागराज में किया था तो केरला का पूरा नूतन का शोध उस नूतन के शोध में जितना शोध अप्रवासी के फंड से होता है उससे कहीं ज्यादा हमारे उत्तर प्रदेश के लोग बाहर करते हैं। अप्रवासी सम्मेलन का वह क्षण निश्चित तौर पर यहां से जाने वाले और वहां से भेजने वाले दोनों लोगों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का अद्भुत क्षण था जिसको हम सब लोग शायद प्रदेश के इतिहार में 70 सालों में कभी भी ऐसा नहीं लगा कि अप्रवासी भारतीय सम्मेलन को इतना सुखमय और इतने सुन्दर ढंग से किया जा सकता है और निश्चित तौर पर पूरे उत्तर प्रदेश

की शान पूरे देश और दुनिया के सामने है। भुखमरी की बात तो हम करते हैं और थोड़ी देर पहले हम लोग आदरणीय कृषि मंत्री जी से जैसा कि मा0 सदस्य ने कोट किया था और बहुत ही अच्छी तरह से उन्होंने बताया है। उन्होंने बहुत सारा उल्लेख किया कि कैसे तिलहन की, कैसे दलहन की, कैसे बाजरा की बात समय-समय पर अपने-अपने ढंग से रखी है। लेकिन यहां पर एक बहुत बड़ी बात जो उत्तर प्रदेश की सरकार अनजाने में चाहे जानकारी में हम सब लोग नहीं रख पा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की सरकार और कृषि मंत्री जलशक्ति से पानी खेती करने का काम कर रहे हैं। हम सब लोग आने वाले समय में पानी की समस्या से जूझने जा रहे हैं। आने वाले समय के लिए पानी की समस्या से जूझने के लिए कृषि मंत्री जी ने जो उपाय दिया है, वह निश्चित तौर पर हम सब लोगों को इस्तेमाल करना चाहिए। हम खेतों में जो चाहते हैं, जितना चाहते हैं पानी का उपयोग कर लेते हैं यह सही नहीं है, किन्तु हमारी सरकार ने जो तय किया है उससे निश्चित तौर पर जल संरक्षण का काम हम जमीन के अन्दर करने जा रहे हैं खड्डा विधान सभा क्षेत्र में 54 टोलों में मुसहर जाति के लोग आते हैं। भूख से मरने की संवेदनशीलता कुशीनगर 70 सालों से जब भी कभी बात होती है, कोई मौत होती है, मौत किसी कारण से हो लेकिन भूख से मौतों के नाम पर उनका नाम लिया जाता है। बहुत अच्छी बात किसी मंत्री ने फार्मर फील्ड स्कूल के नाम से जो उन्होंने बात रखी है आने वाले समय में जब हम मुसहर के जिल जब हम जमीन का पट्टा देते हैं अलग-अलग प्रकार की जमीन का पट्टा देने की वजह से उसमें से कुछ मुसहर उसमें खेती नहीं कर पाते हैं और खेती नहीं कर पाने की वजह से हमारा जमीन पर उनके अधिकार का जो मतलब होता है वह मतलब हम पूरा नहीं कर पाते हैं। इसका मतलब अगर जमीन पर अधिकार दिया जाए तो हर हालत में उनसे खेती कराया जाए, खेती कराने का मतलब उससे उपज बढ़ाई जाए। इसीलिए मिलेनियम फार्मर फील्ड स्कूल का जो कांसेप्ट है वह कांसेप्ट अगर मुसहर के साथ क्लस्टर फार्मिंग के तौर पर लाया जाए तो अगर 10 मुसहर पांच मुसहर का एक गुच्छा बनाकर खेती कराई जाए तो निश्चित तौर पर उसके जीवन में आय वर्धन में सहायता मिलेगी । हमें लगता है कि इस प्रकार की प्रणाली की शुरूआत जब सब लोग जब वन विभाग के साथ काम कर रहे थे तो फूड फार वर्क का कांसेप्ट आया था। इसके पहले हम सब लोग 22 करोड़ पौधों को लगाने के बाद अगली बार भी हम 22 से 25 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। मेरा ऐसा मानना था अगर फूड फार वर्क की जगह फूड फार ट्रीज के नाम से अगर एक काम हम लोग शुरू कर सकते हैं निश्चित तौर पर एक पेड़ के लगाने एक पेड़ की सुरक्षा करने और पेड़ को खड़े करने तक यह जो अनाज के बदले काम किया जाता है अनाज के बदले अगर पेड़ की बात हम सब लोग आगे ले जाएंगे तो निश्चित तौर पर डिजास्टर से, क्लाइमेट डिजास्टर से, माइग्रेशन बाढ़ प्रबन्धन इन सभी चीजों के रेशियो पर जब कभी हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं जलवायु परिवर्तन से फसल

चक्र की बात करते हैं और फसल चक्र से जब हम ऋतुओं के परिवर्तन की बात करते हैं तो इन सभी झंझावतों से बचने के लिए एक मात्र उपाय है पेड़ और पेड़ को संजीवनी देने का काम हमारे अलग-अलग मंत्रालय अपने ढंग से काम कर रहे हैं, लेकिन फूड फार ट्री के साथ अगर इसको जोड़ ले जाएं तो निश्चित तौर पर मैं आज के दिन इस गौरवशाली पल में अपने को भाग्यशाली महसूस करता हूं कि खड्डा विधान सभा क्षेत्र में नेचुरल मैनेजमेंट को लेकर जल जंगल जमीन पानी और रेता सब कुछ वहां पर पड़ा हुआ है हम सब लोग मुसहरों के सम्पूर्ण विकास को लेकर आने वाले समय में अगर हम पंडित दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और गांधी जी के हिन्द स्वराज का पुनर्गठन तीनों को मिलाकर एक नई कल्पना के साथ जो 36 घंटे स्थाई विकास के लिए जो हम लोग चर्चा कर रहे हैं निश्चित तौर पर उत्तर प्रदेश के विकास के लिए नया सोपान गढ़ेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद आभार। नमस्कार।

[23:49] श्री शीतला प्रसाद-

धन्यवाद। अध्यक्ष जी आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती पर मैं उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। और आप और माननीय प्रधानमंत्री जी और अपने यशस्वी मुख्य मंत्री जी के चरणों में सर रखकर अपना आशीर्वाद चाहता हूं। जिन्होंने 36 घंटे सदन चलने का निर्णय लिया वही गांधी जी के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। क्योंकि आज इतिहास के पन्नों में नया अध्याय जुड़ जाएगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय मुझे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जलवायु परिवर्तन का जो विषय मिला है मैं उस पर अपने विचार व्यक्त करना चाहता हूं। मनुष्य एक इमारत के समान है जिसकी बुनियाद ही उसकी स्थिरता को निर्धारण करती है। ऐसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बुनियाद के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी द्वारा बुनियादी शिक्षा का वैकल्पिक माडल प्रत्येक नागरिक के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मौलिक अधिकार है। इसलिए समस्त बच्चों किशोरों और युवाओं को बिना किसी सामाजिक भेद-भाव के प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराना उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उक्त के सापेक्ष में उत्तर प्रदेश सरकार सतत रूप से प्रतिबद्ध है प्रदेश सरकार ऐसी शिक्षा हेतु बल दे रही है। जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों और भावनाओं का विकास हो सके। शिक्षा नीतियों में चार मुख्य क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाती है लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार सभी स्तरों पर सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने पर सबसे अधिक जोर है। पूर्व सरकारों के विभिन्न शैक्षणिक सर्वेक्षण वर्षो में शैक्षिक डेटा ने संकेत दिया है कि विभिन्न विषयों में विशेष रूप से भाषा, गृह विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में बच्चों के सीखने की उपलब्धियां संतोषपरक नहीं थीं। कई बार पाठ्य पुस्तकों को पूरा तो करते थे लेकिन उन्हें यह स्पष्ट पता नहीं होता था कि सम्बंधित विषयों में

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बच्चों से किस तरह की शिक्षा की उम्मीद कर रहे हैं। इसके आधार पर वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रेडेड लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से पूर्व में हुए शैक्षिक स्तर की क्षतिपूर्ति करने का कार्य किया। वर्तमान शैक्षिक सत्र में भी यह दोनों प्रोग्राम शिक्षा में गुणवत्ता लाने का कार्य कर रहे हैं। उच्च शिक्षा की बात की जाए तो जहां पर पूर्व में बिना स्कूल गए डिग्रियां दी जाती थीं वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार ने नकल विहीन परीक्षा कराकर स्कूल कालेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और लेने पर विवश कर दिया। यहां हमारी सरकार एक सराहनीय कार्य कर रही है। जिसका लाभ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण करने वाले प्रशिक्षार्थियों को अनवरत् मिलेगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा विद्यालयों में पुस्तकालय, प्रयोगशाला खेलकूद की सामग्री और विधिवत् कायाकल्प कराकर स्तर को बढ़ाने का कार्यक्रम लगातार जारी है।

वहीं उत्तर प्रदेश की माननीय योगी जी की सरकार ने सभी विद्यालयों में जा जाकर जनप्रतिनिधि को एक-एक विद्यालय गोद देने का भी कार्य किया। सरकार द्वारा जो ड्रेस का वितरण किया गया वह सही समय पर किया गया। चाहे ड्रेस का वितरण हो, चाहे बैग का वितरण हो, चाहे जूते मोजे का वितरण हो, चाहे स्वेटर का वितरण हो और उचित समय पर सही भोजन देने का काम किया। इसके लिए मैं अपने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त करता हूं। भारत में जलवायु परिवर्तन संकट में मानवीय स्वास्थ्य कहा जाता है कि धरती मानव की नहीं होती है बल्कि मानव धरती का होता है किन्तु मानव जाति ने बिना कुछ समझे अपने स्वार्थ के लिए इस अमूल्य धरा पर नियंत्रण करने और उसका शोषण करने का प्रयास किया है। इस धरा पर बढ़ती जनसंख्या और अपने जीवन स्तर को उन्नयन की मनुष्य की लगातार बढ़ती आकांक्षा के फलस्वरूप नए नए तकनीकी आविष्कार हुए हैं इन सभी आविष्कारों और नवाचारों ने जीवन को अधिक आरामदेह तो बना दिया लेकिन इसके बदले भोजन, वायु, जल, खनिज एवं ऊर्जा की मांग बढ़ गई है किन्तु यह नवीनीकरण पृथ्वी की क्षमता सीमित होने के कारण संसाधन भी सीमित हैं वर्तमान में हमारे इस जीवनमण्डल के प्राकृतिक संसाधनों का तेजी से क्षरण के कारण गम्भीर परिवर्तन हुए हैं जो मानव एवं अन्य प्राणि जातियों के ऊपर गम्भीर प्रभाव पड़े हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल नहीं हो पाने के कारण डायनासोर एवं अन्य जीव अपना अस्तित्व नहीं बचा सके हैं, प्राकृतिक मशीनी एवं अन्य वैज्ञानिक प्रक्रियाओं जैसी कार्बन आक्साइड, मीथेन आदि ग्रीन हाउस गैसों के कारण जीव मण्डल की जलवायु में हुए दीर्घकालिक परिवर्तन को जलवायु परिवर्तन कहा जाता है। यह गैस वायुमण्डल में जमा होकर तापमान को बढ़ाती है उससे जलवायु में परिवर्तन होता है माननीय अधिष्ठाता महोदय वर्तमान में ऋतु परिवर्तन वैश्विक तापमान, वृद्धि, समुद्र तल में वृद्धि, फसल चक्र में परिवर्तन आदि अन्य जलवायु परिवर्तन न केवल हमारे बल्कि बच्चों के लिए भी भूस्खलन, सुनामी, महामारी, पलायन एवं स्वास्थ्य के लिए बड़ी आपदाएं हैं। अतः इस

विषय पर महात्मा गांधी जी ने कहा था कि धरती पर सभी आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त संसाधन हैं किन्तु लालच के लिए नहीं हैं भविष्य की रक्षा करने व भावी पीढ़ी को प्राकृतिक विरासत सौपने के लिए पूरा विश्व एक साथ आ रहा है इसलिए हम ऐसी दुनियां बनाने की आशा करते हैं जहां हर किसी की आवश्यकता के लिए संसाधन तैयार कर सकें। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि हाल के वर्षों में जिस तेजी के साथ जलवायु परिवर्तन हो रहा है उतनी तेजी से पिछले 100 वर्षों में नहीं हुआ है। यहां वर्तमान में कार्बन उत्सर्जन की दर को देखते हुए वैज्ञानिकों ने अंदेशा जताया है कि वर्ष 2030 तक भारत का औसतन तापमान एक डिग्री बढ़ जाएगा यदि जलवायु परिवर्तन का यह हाल रहा तो गर्मियों में भारत के उत्तर में कश्मीर व उत्तराखण्ड में हिम नहीं दिखाई देंगे। इस प्रकार यदि जीवनमण्डल में मौजूद कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा को कम करने के लिए समय रहते कारगर कदम नहीं उठाए गए तो यहां की नदियों का जल स्तर बढ़ जाएगा भयंकर आंधियां, तूफान, बाढ़ के साथ साथ असहनीय गर्मी भी लोगों को भोगनी पड़ेगी।

माननीय अधिष्ठाता महोदय अतः भारत में बढ़ती समस्याओं के निस्तारण हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा में 70वीं वर्षगांठ पर अमेरिका में बोलते हुए अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी ने पर्यावरण का जिक्र करते हुए कहा है कि अगर हम जलवायु परिवर्तन की चिन्ता करते हैं तो यह हमारी निजी सुख को सुरक्षित करने की बू आती है लेकिन यदि क्लाइमेट जस्टिस की बात करते हैं तो गरीबों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित रखने का एक संवेदनशील संकल्प उभरकर आता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव सबसे ज्यादा इन्हीं निर्धन व वंचित लोगों पर होता है। जब प्राकृतिक आपदा आती है तो ये बेघर ही जाते हैं जब भूकम्प आता है तो इनके घर तबाह हो जाते हैं। जब सूखा पड़ता है तो उसका भी सबसे ज्यादा प्रभाव इन्हीं लोगों पर होता है इसीलिए मैं मानता हूं कि चर्चा जलवायु परिवर्तन की बजाय जलवायु न्याय पर हो। अतः हमें क्लाइमट चेंज की चुनौती से निपटने में उन समाधानों पर बल देने की आवश्यकता है, जिनसे हम अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल हो सकें। साथ ही एक ग्लोबल एजूकेशन प्रोग्राम शुरू करने की आवश्यकता है जो हमारी अगली पीढ़ी को प्रकृति के क्षरण एवं संवर्धन के लिए तैयार कर सके क्योंकि ऐसा किए बिना शान्ति न्यायोचित व्यवस्था और सतत विकास संभव नहीं हो सकता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों की समस्याओं को गौर से देखा जाये तो जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष दिखाई देने लगा है। जैसे अगस्त, 2010 को लेह शहर बादल फटने के कारण तबाह हो गया था। इस कहर में लगभग 200 लोग मारे गये थे, एक घण्टे के अन्दर 250 मिली मीटर की बारिश हुई थी। जून, 2013 में उत्तराखण्ड में बारिश से महा त्रासदी, सितम्बर, 2014 में जम्मू-कश्मीर ने 60 वर्षों की सबसे अधिक भयानक बाढ़ के अभिशाप को झेला, जिसमें 6 लाख लोग प्रभावित हुए और 200 से ज्यादा लोग मारे गये।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं अपने मुख्य मंत्री जी का आभार भी व्यक्त करता हूं और उनको नमन भी करता हूं। उनकी सरकार जब से आई है, मेरी विधान सभा क्षेत्र सिराथू में 70 वर्ष में, आजादी के बाद जितने काम नहीं कराये गये, केवल ढाई वर्ष में वह काम कराये गये। ऐसे-ऐसे काम कराये गये जो आज तक किसी सरकार ने नहीं कराया। जिसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं। जैसा कि सरकार द्वारा एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना करने की घोषणा की गई है, जो कौशाम्बी में मेरी विधान सभा क्षेत्र में होना तय हुआ है। माननीय उप मुख्य मंत्री, दिनेश शर्मा जी कौशाम्बी महोत्सव में गये थे। उनसे आग्रह किया गया था कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में कोई डिग्री कॉलेज नहीं है। उन्होंने एक राजकीय डिग्री कॉलेज देने की घोषणा की और आज उस पर काम चल रहा है। इसी तरीके से माननीय मुख्य मंत्री जी भी कौशाम्बी महोत्सव में गये थे। उनसे आग्रह किया गया कि माननीय मुख्य मंत्री जी, हमारे यहां जो एन0एच0-2, दिल्ली-हावड़ा रोड है, उस पर कोई ट्रामा सेंटर नहीं है। करीब 15 साल पहले ट्रामा सेंटर तो प्रस्तावित हुआ था, लेकिन पिछली सरकारों के कारण आज तक उस पर कोई क्रियान्वयन नहीं हुआ, कोई काम शुरू नहीं हुआ। माननीय मुख्य मंत्री जी का मैं आभार व्यक्त करता हूं कि जिन्होंने तुरन्त ट्रामा सेंटर की स्वीकृति दी और आज वह लगभग बनने की पोजीशन में है। इसके साथ-साथ माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा 50 बेड का आयुर्वेद हास्पिटल भी मेरी विधान सभा क्षेत्र सिराथू में दिया गया है। जिला अस्पताल का आधुनिकीकरण भी माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा कराया गया है। अभी तक जिला अस्पताल में कोई ऐसी व्यवस्था नहीं थी, जिससे लोग डायलिसिस करा सकें, सी0टी0 स्कैन करा सकें, डिजिटल एक्स-रे करा सकें, मॉर्डन पैथालॉजी नहीं थी। लेकिन अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा आयुष्मान भारत के तहत् जितने लोगों को कार्ड मिला, पूरे जिले में हास्पिटल चिन्हित किये गये, उनके द्वारा सभी को संरक्षण मिल रहा है। इसी के साथ-साथ सरकार द्वारा एक नया थाना मेरी विधान सभा क्षेत्र में मिला। इसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। एक फायर स्टेशन भी आपके आशीर्वाद से मिला है। इसके लिए भी मैं आपको नमन् करता हूं। सभी पात्रों को प्रधानमंत्री आवास के साथ-साथ दैवी आपदा के कारण जिन लोगों के घर गिरे थे, उन्हें मुख्य मंत्री आवास योजना के तहत् लाभ मिला है। इसके साथ-साथ सबसे बड़ा तोहफा आपने जो हमें दिया है, प्रतापगढ़ और कौशाम्बी को जोड़ने वाले मार्ग पर गंगा जी पर लगभग 249 करोड़ लागत का सेतु हमें दिया है, इसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का और अपने उप मुख्य मंत्री जी, श्री केशव प्रसाद मौर्य जी का आभार व्यक्त करता हूं। साथ-साथ माननीय मुख्य मंत्री जी, आपके आशीर्वाद से दो अवरोही, एक सयारा रेलवे पर मिला, एक सिराथू रेलवे पर मिला, उस पर भी कार्य चल रहा है। जिले में आपके आर्शीवाद से एक परिवहन डिपो मिला, उसके लिए भी मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। सरकार बनने के बाद सभी किसानों का एक-एक लाख रुपये का ऋण मोचन किया।

इसके लिए भी मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मान्यवर, ऊर्जा के क्षेत्र में कभी हम लोग कल्पना किया करते थे कि कब बिजली आयेगी। आपकी सरकार बनने के बाद आज लोग यह सोचते हैं कि बिजली कब जायेगी। इसके साथ-साथ नये-नये तमाम पॉवर हाउस की स्थापना की गई है और जहां ट्रान्सफार्मरों की व्यवस्था थी, जहां छोटे ट्रान्सफार्मर थे, 2 एम0वी0 के थे, वहां 5 एम0वी0 और जहां 5 एम0वी0 के थे, वहां 10 एम0वी0 के ट्रान्सफार्मर लगाने के साथ-साथ नये उपकेन्द्र लगाने का कार्य आपके द्वारा किया गया। इसलिए भी मैं आपका और ऊर्जा मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं। सड़कों के क्षेत्र में भी हमारी विधान सभा क्षेत्र में बहुत बड़ा काम हुआ है। इसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं। नव निर्माण कार्य जो 72.25 कि0मी0 कराये गये, जिनकी लागत 3916.65 लाख रुपये है। चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का 169.73 कि0मी0 का कार्य कराया गया, जिसकी लागत 22,453.80 लाख है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप कृपया समाप्त करिये।

श्री शीतला प्रसाद-

मान्यवर, मरम्मत और नवीनीकरण का 60.25 कि0मी0 का कार्य कराया गया, जिसकी लागत 446.26 लाख है। ऐसे तमाम काम आपके द्वारा कराये गये। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं और माननीय अधिष्ठाता महोदय, विधान सभा क्षेत्र में जो मैंने भी थोड़ा सा काम कराया, उसकी भी मैं चर्चा करना चाहता हूं।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करिये। बहुत लम्बी सूची है।

श्री शीतला प्रसाद-

मान्यवर, एक मिनट और दे दें। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैंने अपनी विधान सभा क्षेत्र में 22 चौराहों पर हाईमास्ट लाइट लगवाने का काम किया, 30 पीस हाई मास्ट लाइटें प्रस्तावित हैं। मैंने अपनी निधि से 24 रोड बनवाई। मुख्य मंत्री जी के द्वारा जो आशीर्वाद स्वरूप 5 करोड़ रुपये मिला था, उससे 22 रोडों का निर्माण कराया गया और 17 जगहों पर विद्यालयों में वाटर कूलर लगवाया गया। ऐसी तमाम परियोजनायें सरकार द्वारा जो मिली हैं, वह पूरे क्षेत्र में कराई गईं। इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का कोटि-कोटि आभार व्यक्त करता हूं। अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका आभार व्यक्त करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

अब डा0 संगीता बलवन्त जी।

*[00:05] डा0 संगीता बलवन्त-

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर लगातार 36 घण्टे चलने वाले ऐतिहासिक विधान सभा सत्र में मुझे बोलने का अवसर मिला है, इसके लिए मैं अधिष्ठाता महोदय को धन्यवाद ज्ञापित करती हूं और सदैव बड़ी लकीर खींचने वाले उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री परम आदरणीय, श्री योगी आदित्यनाथ जी और सरकार पर अपनी दो पंक्तियों की स्वरचित कविता कहते हुए अपनी बात शुरू करूंगी। जैसा कि आप देख रहे हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यों से घबरा कर विपक्ष भाग खड़ा हुआ है। मैं कहना चाहूंगी कि ''इरादे नेक, मन में आत्म विश्वास होना चाहिए, जीवन में हर पल बदलाव होना चाहिए, विपक्ष सदन छोड़कर भाग खड़ा हो, हर बार ऐसी ही मजबूत सरकार होना चाहिए।'' (मेंजें थपथपाई गईं) महोदय, मुझे बोलने का अवसर मिला है और मेरा विषय है, 'अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन' है। मैं कहना चाहूंगी कि यदि देश का हर बच्चा स्वस्थ होगा तो हमारे देश का भविष्य भी अच्छा होगा। देश का यदि युवा स्वस्थ होगा तो हमारे देश के लिए वह अच्छे-तरीके से सोचेगा, अच्छा कार्य करेगा और यदि हमारे राष्ट्र की महिलायें स्वस्थ होंगी तो वह पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर इस देश और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए अपना कार्य करेंगी और यदि हमारे देश के बुजुर्ग स्वस्थ होंगे तो वह आने वाली पीढ़ी को एक नया संदेश देंगे, एक नई सोच देंगे, ताकि वह सोने की चिड़िया वाला भारत पुनः बना सकें ताकि इस भारत में जैसे पहले दूध की नदियां बहती थी, वैसी पुनः बहा सके। मैं कहना चाहूंगी कि हमारी सरकार ने युद्ध स्तर पर वृक्ष लगवाये हैं, शौचालय बनवाये हैं, जिससे आम जन प्रदूषण मुक्त रहे और स्वस्थ रहे। हमने अपनी विधान सभा क्षेत्र में सड़क, नाली एवं....

(इसी मध्य रात्रि 00 बजकर 10 मिनट पर अधिष्ठाता श्री फतेह बहादुर पीठासीन हुए)

दिव्यांग बच्चों के लिए स्वच्छ पानी पीने हेतु आर0ओ0 प्लांट लगवाये हैं। मैंने ऐसे रास्तों को भी बनवाया है, जो स्वतंत्रता के बाद अब तक कच्चे थे और बरसात के दिनों में घर से बाहर निकलना दूभर हो जाता था। स्वास्थ्य के प्रति सरकार की सजगता के फलस्वरूप ही 15 नये मेडिकल कॉलेजों की भी स्थापना की जा रही है। जिनमें से 7 मेडिकल कॉलेज अयोध्या, बस्ती, बहराइच, फिरोजाबाद, बदायूं एवं शाहजहांपुर और राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा में एम0बी0बी0एस0, प्रथम वर्ष की पढ़ाई प्रारम्भ हो चुकी है। 8 राजकीय मेडिकल कॉलेज एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, देवरिया, सिद्धार्थनगर, मिर्जापुर तथा गाजीपुर का निर्माण जारी है। इसके अलावा 14 राजकीय मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। गाजीपुर में मेडिकल कॉलेज खुलने से वहां का स्वास्थ्य, शिक्षा और बेहतर होगी। इसके लिए मैं गाजीपुर के देव-तुल्य नागरिकों की तरफ से उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी को हार्दिक धन्यवाद देती हूं।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भी बनने जा रहा है। जिससे क्षेत्रवासियों में काफी हर्ष का माहौल है। कुछ विषयों को मैं छोड़ देती हूं क्योंकि आप पुनः बीच में कहेंगे कि समय हो गया है, इसलिए खास-खास बातों को ही मैं बोल रही हूँ। सरकार ने बहुत ही अच्छा कार्य किया है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में होने वाले अतुलनीय कार्य को देखते हुए, हम यह कह सकते हैं कि ''स्वस्थ रहे हर घर परिवार, यही चाहती योगी सरकार।'' हमारे जनपद गाजीपुर में 67,192 गोल्डेन कार्ड वितरित किये गये हैं। जनपद में आयुष्मान भारत योजना के तहत कुल लाभार्थियों की संख्या 2,632 है। गोल्डेन कार्ड वितरण को शत-प्रतिशत पूरा करने के लिए 30 अक्टूबर तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूरे जनपद में ग्राम स्तर पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है और वर्ष 2018-19 में 97,046 बच्चों का टीकाकरण किया गया है। जनपद में बाढ़ से ग्रस्त गांवों में स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुल 96 चिकित्सा कैम्प लगाकर पीड़ित परिवारों को इलाज मुहैया कराया गया। मैं अपने जनपद के बारे में एक विशेष बात इस सदन के माध्यम से कहना चाहूंगी और मुझे हर्ष हो रहा है कि यह बात मैं उस समय कह पा रही हूं जब सदन में हमारे प्रदेश के यशस्वी ही नहीं, बल्कि तपस्वी मुख्य मंत्री परम आदरणीय माननीय योगी जी उपस्थित हैं। मैं कहना चाह रही हूं कि किसी भी जनपद में 100 से अधिक विद्यालय होने पर एक विश्वविद्यालय खुलता है। मेरे जनपद गाजीपुर में 325 महाविद्यालय हैं, पूरे उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा महाविद्यालय मेरे जनपद गाजीपुर में हैं और मैं यह भी बता दूं कि 50 एकड़ से ज्यादा भूमि में जो महाविद्यालय स्थापित हैं, उन महाविद्यालयों को भी विश्वविद्यालय में परिवर्तित किया जा सकता है। मेरे जनपद गाजीपुर में ऐसे महाविद्यालय भी हैं, जो 50 एकड़ से ज्यादा में हैं। अतः मैं उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री जी से यह निवेदन करना चाहती हूं कि गाजीपुर की जनता-जनार्दन की तरफ से कि गाजीपुर जनपद जो ऋषियों-मुनियों का जनपद है, जैसे आपने दूसरी जगह, दूसरे जिलों में विश्वविद्यालय दिये हैं, गाजीपुर की जनता भी आपकी तरफ कातर भरी दृष्टि से देख रही है कि वहां भी एक विश्वविद्यालय आपके द्वारा स्थापित किया जाये। मान्यवर, चोचकपुर पम्प कैनाल से नहर का पानी पिछली सरकारों में हेड से टेल तक नहीं जाता था। मैं बता दूं कि मैंने अपने कार्यकाल में नहर की खुदवाई करवाई और अब पानी हेड से टेल तक पहुंच रहा है। जिससे अन्नदाता किसान खुशहाल हैं।

महात्मा गांधी जी के स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में 2 अक्टूबर को प्रातःकाल लखनऊ के विभिन्न वार्डों में सभी विधायकों ने सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त प्रदेश बनाने हेतु घर-घर जाकर प्लास्टिक एकत्र करते हुए लोगों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए जागरूक किया। अंत में मैं कहना चाहूंगी कि उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में विकास का ध्वज फहरा रहा है और दूसरी तरफ हमारे देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी दुनिया के सबसे लोकप्रिय और ताकतवर नेता बनकर उभरे हैं। अभी हमने देखा कि

धारा-370 और 35-ए की समाप्ति का ऐतिहासिक फैसला पूरी दुनिया में छा गया है। मैं इसी संदर्भ में स्वरचित दो पंक्तियां कहकर अपनी बात को समाप्त करूंगी और इस पंक्ति के माध्यम से मैं सिर्फ उत्तर प्रदेश को ही नहीं, पूरे हिन्दुस्तान को ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान को भी सुनाना चाह रही हूं। पंक्तियां हैं, ''तेरे ईमान से मेरा ईमान अच्छा है और तेरे इमरान से मेरे गांव का प्रधान अच्छा है। जो लोग नफरत फैलाते हैं इधर-उधर, चांद से भी जाके देख, मोदी का हिन्दुस्तान अच्छा है। धन्यवाद, जय हिन्द, जय भारत।

[*][00:16] श्री हरिशंकर माहौर-

अधिष्ठाता महोदय, आपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और मा0 लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन पर मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। दोनों को मैं श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। मान्यवर, भुखमरी की समाप्ति, उद्योग और बुनियादी ढांचा मेरा विषय है। मान्यवर मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से चुनकर आता हूं उसका नाम हाथरस है। हाथरस का नाम भारत वर्ष के अलावा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है, क्योंकि हाथरस में काका हाथरस जैसे लोग हुए, जो देश-विदेश में हाथरस का नाम पहुँचाये। हाथरस का नाम उद्योगों में बहुत प्रसिद्ध था। वहां पर तीन-तीन कॉटन मिल हुआ करते थे। बुनकरों की बात को मैं यहां इसलिए कहना चाहता हूं, क्योंकि गांधी जी को चरखा और सूत काटना बहुत प्रिय था। इस देश और प्रदेश के अलावा हाथरस में बुनकरों की बहुत अधिक जनसंख्या है। जब हाथरस में 3-3 कॉटन मिल हुआ करते थे, उस समय वहां पर बहुत श्रमिक काम करती थी, दूसरे शहरों से लोग काम के लिए हाथरस भागा करते थे और नौकरी करके सम्पन्न तरीके से अपने परिवार को पालते थे। आज स्थिति यह है कि तीनों मिलों में कोई मिल वर्किंग में नहीं है। इन तीनों मिलों में से जब एक साथ श्रमिक छूटते थे तो ऐसा लगता था कि कोई रैली निकल रही है या मेला निकल रहा है, इतनी तादाद में श्रमिक काम किया करते थे, लेकिन आज हाथरस बर्बादी के कगार पर पहुँच गया है। जब यह मिलें बंद हो गईं तो वहां पर कृष्णा कार्पेट, मयूर कार्पेट और भारत कार्पेट आदि तमाम छोटी-छोटी फैक्ट्रियां लगी।

सदन में यह जो कार्पेट बिछा है यह भी किसी बुनकर ने ही बनायी होगी। इस कार्पेट का काम जब हाथरस में शुरू हुआ तो श्रमिक लोग इस कार्य में लग गये। अच्छा खासा काम चल रहा था, लेकिन पूर्व में जब बसपा और सपा सरकार रहीं और हाथरस के ही हमारे ऊर्जा मन्त्री बने। मान्यवर, उन फैक्ट्रियों में तीसरे दिन छापे पड़ते थे, प्रत्येक माह छापे पड़ते थे और उनसे कहा जाता था कि हमको हर माह पैसे चाहिए, हमें उनको देना होगा। फैक्ट्री मालिक इससे पीड़ित होकर हमसे भी मिलें और बताया कि अगर पैसे नहीं देते हैं तो बिजली में तमाम एसेसमेण्ट दिखाते हैं, दुनिया भर का उल्टा-सीधा पैसा वसूल करते हैं, हम लोग इससे बहुत

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

परेशान हैं। आज स्थिति यह हो गयी कि कृष्णा कार्पेट, मयूर कार्पेट और भारत कार्पेट आदि जितनी फैक्ट्रियां थी वह सब नोएडा चली गयीं या फिर हरियाणा में चली गयीं और बुनकर लोग पुनः भूखमरी के कगार पर आ गये। चूंकि मैं भी बुनकरों से संबंध रखता हूँ, इसलिए उन लोगों को बुलाया और सरकार से उन लोगों को कर्जा दिलवाया। तत्पश्चात कुछ लोगों ने सोसाइटियां बनायीं और इसके तहत पावरलूम घर-घर चलायीं। बाहर से पावरलूम मशीनों को लेकर आये और लाने के बाद अपने घरों में पावरलूम लगायी। मेरे विधान सभा क्षेत्र में कम से कम सौ घरों में आज भी पावरलूम चल रहे हैं। मान्यवर, थोड़े दिन पावरलूम चलने के बाद सरकार द्वारा बिजली में सब्सिडी देने की जो बात तय हुई थी, वह सब्सिडी उन्हें नहीं दी गयी और बिजली का पैसा उनके ऊपर कर्जे के रूप में चढ़ता रहा और आखिर में बिजली विभाग के अधिकारियों ने उनके कनेक्शन कटवा दिये और पावरलूम बंद हो गयीं और श्रमिक पुनः भूखमरी के कगार पर आ गये। वर्ष 2017 में मा0 मोदी जी के नेतृत्व में मा0 योगी जी की सरकार बनी तो हमारे ऊर्जा मन्त्री श्री कांत शर्मा जी बनें। हमने ऊर्जा मन्त्री जी को इस प्रकरण से अवगत कराया, तो उन्होंने कहा कि कितना पैसा बकाया है, हमने कहा कि करोड़ों में बकाया है, तो उन्होंने पूछा कि इससे लाभ क्या है ? तो हमने कहा कि बुनकर लोग अपने-अपने रोजगार में पुनः वापस चले जाएंगे। गांव में सभी लोग बेरोजगार हो गये हैं, कोई रिक्शा चला रहा है, कोई तांगा चला रहा है, तो कोई मजदूरी कर रहा है।

मैं ऊर्जा मन्त्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने कुछ मुख्य लोगों को बुलाया और पुराना कर्जा उनको दिया और सबके कनेक्शन लगवाये और आज लोग भूखमरी के कगार से उबर गये और सुचारू रूप से उनका काम चल रहा है। अब गांव-गांव में पावरलूम का काम चल रहा है। लोगों में पुनः खुशहाली लौट आयी और आज चादर और गमछे बनाने का कार्य हाथरस में चल रहा है। मान्यवर, चूँकि मा0 मुख्य मंत्री जी सदन में बैठे हैं इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि मा0 मुख्य मंत्री जी, 01 नम्बर सूत से 20 नम्बर सूत पर वेल प्रति व्यक्ति लगाये जाये और यह कार्य हथकरघा को दिया जाये, क्योंकि हथकरघा घर-घर लगाये हैं और एक हथकरघा पर कम से कम 05 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। ऐसा करने से लाखों की संख्या में रोजगार पैदा होगा और 20 नम्बर सूत से ऊपर वाला वेल पावरलूम में चलाया जाए। मान्यवर, मैं कहना चाहूंगा कि लोक निर्माण मंत्री जी को कि उन्होंने प्रत्येक गांव को सड़क से जोड़ा है। हमारे विधान सभा क्षेत्र में लगभग 98 प्रतिशत सड़कें बनी हैं। अभी हाल में हमारे विधान सभा क्षेत्र में कुछ अधिकारी गये थे और कह रहे थे कि 700 आबादी से 1000 आबादी तक के गांवों में हम सड़क बनाएंगे और वह सड़के बन भी रही हैं। हाथरस में जो स्टेट हाइ-वे मार्ग है, उसमें दो जगह ऐसे पुल हैं जहां अक्सर दुर्घटना होती है। शोभना गांव के पास जहां आर0टी0ओ0 कार्यालय खुल गया है वहां पर अब तक 47 लोगों की एक्सीडेंट से मृत्यु हो चुकी है। हमने मा0 मन्त्री जी से निवेदन किया और उन्होंने हमारे निवेदन को स्वीकार किया इसके

लिए वह बधाई के पात्र है। पुल का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। मान्यवर, मैंने एक निवेदन और किया था कि जलेसर रोड पर एक पुल बनना बहुत जरूरी है, इस पुल को भी मा0 मंत्री जी ने बनवा दिया है। मान्यवर हमारी सरकार, मा0 योगी जी की सरकार ऐतिहासिक कार्य कर रही है। मुड़सान के पास एक पुल है, यह पुल भी बहुत शकरा है। इस पर अब तक करीब 52 लोगों की एक्सीडेट से मृत्यु हो चुकी है। यह पुल भी स्वीकृत हो गया है और बहुत जल्द कार्य शुरू होने वाला है। मान्यवर, आपकी योजनाओं का लाभ पिछली सरकार में रहने वाले लोग जनता के बीच लेकर नहीं जाते हैं, लेकिन वहां हमारे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जाते हैं और उनके वर्षों के पेट की भूख को जगाते हैं। उन्हें बताते हैं कि मा0 मोदी जी एवं मा0 योगी जी ने आपके लिए इन-इन योजनाओं को चलाया हैं। विद्युत सौभाग्य योजना के अन्तर्गत आपको विद्युत कनेक्शन मिला है, अगर नहीं मिला हैं तो उन्हें इस योजना के तहत विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराते हैं। अधिकारियों से कहकर कैम्प लगवाते हैं और उसके द्वारा जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचता है। हमारी सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत गैस कनेक्शन दिया जा रहा है। कनेक्शन हमने अपने हाथों से बांटे हैं और उन घरों में कनेक्शन मिलने से खुशी की लहर दौड़ी है। वे लोग भारतीय जनता पार्टी की सरकार को कभी भूल नहीं पाएंगे।

ओ0डी0एफ0 सरकार का बहुत सराहनीय कार्य है। पूर्व की सरकारों ने इस तरह की कोई योजना नहीं चलायी थी। मैं धन्यवाद देता हूं और आभार व्यक्त करता हूं आदरणीय मोदी जी और मा0 योगी जी का, जो इस तरह की योजना जनता के बीच लेकर आये। झोपड़ी में रहने वाला व्यक्ति जो हमेशा परेशान रहता था, इन योजनाओं के माध्यम से उस व्यक्ति के घर तक पहुँचने की कोशिश की है इसलिये मैं समझता हूं कि लोगों में बहुत ज्यादा वह लहर है कि वह किसी की सुनने को तैयार नहीं है। कोई अगर उनको गलत रास्ते पर ले जाने की कोशिश करे या कोई राजनीतिक दल यह कहे कि अबकी बार वोट उनको देना तो वह किसी की बात को भी सुनने के लिये तैयार नहीं है। आपने किसानों का कर्जा माफ किया। आपने घोषणा की थी और घोषणा में आप जनता के सामने खरे उतरे। जनता ने कहा चलिये हम सरकार बनने के बाद देखेंगे कि कर्जा माफ होगा कि नहीं होगा। ऐसे बहुत से किसान थे जिनकी बेटियों की शादियां नहीं हो पा रही थीं और वह यह सोच रहे थे कि अगर हम बेटी की शादी करेंगे तो कर्जा कहां से लेंगे, लेकिन उसी समय में आपकी घोषणा के अनुसार आपने लोगों का 01-01 लाख का जो कर्जा माफ किया तो आपकी घोषणा के अनुसार उनका कर्जा तो माफ हो गया और जो पैसा था उसे उसने बेटी की शादी में लगा दिया। इसे व्यक्ति क्या अपने जीवन में कभी भूल पायेगा ? कभी नहीं भूल पायेगा। मान्यवर, हाथरस में 25 सालों से रेलवे पुल की एक मांग थी। 25 वर्ष से कितनी सरकारें रहीं और हर सरकार में मांग हुआ करती थी कि रेलवे ओवर ब्रिज बन जाए, क्योंकि इतना जाम लगता था। एक दिन मैं खुद गाड़ी से जा रहा

था तो एक महिला अपने पति को लेकर के जा रही थी और जाम में फंसी हुयी थी और चिल्ला रही थी कि मेरे पति की हालत खराब है जल्दी से रास्ता दो-रास्ता दो। रेलवे का फाटक बंद था तो आखिर में उसके पति ने वहीं पर दम तोड़ दिया। यह मेरे आंखों देखी बात है। मान्यवर, अभी मैंने आपसे भी निवेदन किया और आपने मेरी बात को सुना और आप हाथरस गये, आपने उस पुल का शिलान्यास किया और आज वह पुल करीब 80 परसेंट बन चुका है। हाथरस की जनता इसको भूल नहीं पायेगी। हमारे हाथरस में तो चार बार मंत्री बीएसपी के ही रहे और उनके छोटे भाई ब्रिज कारपोरेशन के अध्यक्ष रहे और ब्रिज कारपोरेशन ही पुल को बनवाता है, लेकिन जनता की चिन्ता किसी को नहीं थी। मुझे बहुत खुशी होती है कि आप पूरे प्रदेश को इस ढंग से देख रहे हैं कि जनता का कोई भी व्यक्ति, कोई भी गरीब व्यक्ति दुःखी न हो। मान्यवर, आपने मुझे महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य श्रीमती सुनीता जी।

[*][00:33] श्रीमती सुनीता-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज सदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जन्म जयन्ती के अवसर पर आपने हमको बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, हमको सस्ती ऊर्जा एवं स्वच्छ ऊर्जा पर बोलने का विषय दिया गया है। मैं आपसे कहना चाहती हूं कि मैं गाजीपुर के जमनिया विधान सभा क्षेत्र से आती हूं और विगत कई वर्षों से मेरा क्षेत्र बहुत उपेक्षित रहा है। बिजली के मामले में वहां पर जो अव्यवस्था फैली थी उसको मैं मा0 मुख्य मंत्री जी के सामने बताना चाहती हूं। जिस तरह से हमारा क्षेत्र विगत कई वर्षों से उपेक्षित रहा है और एक भी विकास का कार्य वहां पर नहीं हुआ है। मैं जब विधायक बनकर आयी और अधिकारियों से जानकारी ली कि यहां पर इतनी अव्यवस्था क्यों है तो उन्होंने बताया कि तीन-तीन जिलों के बराबर यहां पर सामग्री आई है, लेकिन कहीं पर कुछ दिखायी नहीं पड़ रहा था। इसलिये मैं कहना चाहती हूं कि हम लोग बिजली के भुक्तभोगी रहे हैं। हमारे क्षेत्र में बिजली के मामले में कई जगह बिजली के खम्भे खड़े मिलते थे लेकिन उन पर तार नदारद थे, ट्रांसफार्मर के लिये लोग महीनों-महीनों नहीं बल्कि छः-छः महीने तक इंतजार करते थे तब जाकर उनको ट्रांसफार्मर मिलते थे और इस वायदे के साथ मिलते थे कि जब आप वोट देंगे तब ट्रांसफार्मर आयेंगे और जब आप वोट देंगे तब उस पर तार चढ़ेंगे। दो पोल गाड़ दिये जाते थे और दो पोल छोड़ दिये जाते थे कि जब चुनाव बीत जायेगा और जब मैं जीत जाऊंगा तब इस पर तार चढ़ेंगे। ऐसी व्यवस्था पहले रही

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है, लेकिन हमको कहने में गर्व महसूस हो रहा है कि ढाई साल से जब से हमारी सरकार बनी है हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने और हमारे मा0 ऊर्जा मंत्री जी ने जिस तरह से कार्य किये हैं उस पर आज हम गौरव की अनुभूति करते हैं कि हमारे क्षेत्र में भी ट्रांसफार्मर 48 घंटे में पोल तार तथा बिजली से सुसज्जित हो गया।

हमारे क्षेत्र में ऊर्जा मंत्री जी एक सब स्टेशन का उद्घाटन करने गये थे तो मैंने उनसे एक आग्रह किया कि जो दो पोल लगे हुए हैं उस पर अधिकारी कहते हैं कि यह नियमित नहीं हैं इसलिये इस पर तार नहीं चढ़ेगा। आप एक बात सुनिश्चित कर दीजिये कि वह भी व्यक्ति है और उसको भी ऊर्जा चाहिये, लेकिन आज तक वह ऊर्जा से वंचित है तब हमारे ऊर्जा मंत्री जी ने कहा कि नहीं, सब पोल पर तार चढ़ा दिया जाए, ऐसी व्यवस्था की जाए। ऊर्जा की जैसी व्यवस्था पहले थी वह सबको पता है कि केवल 03 वी0आई0पी0 जिलों में ही बिजली आती थी, लेकिन आज की डेट में हमको कहने में गर्व महसूस होता है कि हमारे यहां हर जगह गांव में भी 18 घंटे बिजली रहती है और यदि कहीं पर बाधित होती है तो उसका कारण केवल जर्जर व्यवस्था है। अभी हमारे यहां तार जर्जर है इसलिये व्यवस्था बाधित है। इसलिये मैं मा0 मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि हमारा क्षेत्र जो आज तक उपेक्षित रहा है, उस पर विशेष ध्यान देकर उस पर कार्य कराने का काम किया जाए। जिस तरह से सरकार ने प्रदेश के सभी परिवारों को विद्युत सुलभ कराने के लिये 'पावर फार ऑल' योजना संचालित की है। जिस तरह 02 करोड़ 91 लाख 76 हजार घरों में बिजली कनेक्शन दिया गया है उसी तरह हमारे क्षेत्र में भी बहुत सारे काम हुए हैं। समय कम है और मैं कहना बहुत कुछ चाहती हूं जिस तरह से सौभाग्य योजना के तहत विद्युतीकरण हुआ उससे हमको गौरव की अनुभूति होती है कि हमारे गांव के 268 मजरे इससे लाभान्वित हुए हैं। हमारे यहां 8700 पोल लगे हैं और ट्रांसफार्मर की कोई गिनती नहीं है। हमारे यहां 253 ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की गयी है। 23800 लोगों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन दिये गये हैं। देवल में एक नया विद्युत उपकेन्द्र खुला है तथा उपकेन्द्रों की क्षमता वृद्धि भी की गयी है। इस तरह से हमारे यहां बहुत से काम हुए हैं।

जो मा0 विधायकगण लोग जानते होंगे उनको पता होगा कि हमारे क्षेत्र में सड़क बिल्कुल न के बराबर थी और सड़क क्यों नहीं थी इसकी बातों में मैं नहीं जाना चाहती हूं, लेकिन आज हम अपने मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद करना चाहते हैं कि हमारे यहां की एक सड़क 15 सालों से अभिश्रापित थी और बिहार से जुड़ा हुआ जो क्षेत्र है एक तरफ करमनासा आता है और एक तरफ गंगा है। हमारे क्षेत्र में दोनों साइड से बाढ़ आ जाती है। वह सड़क 38 किलोमीटर तक मेरे जिला मुख्यालय तक जाने वाली सड़क है। करमनासा नदी का पुल है जिसके उस तरफ बिहार है और इस तरफ हमारी जमनिया विधान सभा है। मैं कहना चाहती हूं कि जब आज से 15 साल पहले जब हम लोग इधर से जाते थे तो कहते थे कि बिहार और

यूपी में कितना अंतर है। मेरा क्षेत्र 10 सालों में इतना उपेक्षित रहा कि यहां उस रोड में तीन-तीन मीटर गहरे गढ्ढे हो गये थे, उस अभिशापित रोड का नाम है टी0बी0 रोड। टी0बी0 रोड जिस तरह से उसका नाम है तो मैं मा0 मुख्य मंत्री जी से आग्रह भी कर चुकी हूं कि उसका नाम बदल कर विश्वनाथ सिंह गहमरी के नाम पर कर दिया जाए। मैं आपसे यही आग्रह और प्रार्थना करती हूं ताकि उस टी0बी0 रोड के नाम से हम लोगों को निजात मिल जाए। मैं कहना चाहूंगी कि उस रोड को एन0एच0आई0 ने ले लिया था तो जब मैं मंत्री जी के पास आती थी तो मुझे यही जवाब मिलता था कि यह रोड अब नहीं बनेगा, क्योंकि एन0एच0आई0 ने रोड को ले लिया है, लेकिन मा0 मुख्य मंत्री जी ने हमारे ऊपर इतना बड़ा एहसान किया राज्य निधि से 250 करोड़ रुपये उस रोड के लिये देकर क्षेत्र में हमारा सम्मान बढ़ाया है। इस तरह से हमको सम्मानित कराया कि उस अभिशाप से हम लोग बच गये। मैं गहमर की रहने वाली हूं जो एशिया का सबसे बड़ा गांव है और मेरे पूरे क्षेत्र से यहां लखनऊ में 5000 फैमली रहती होंगी, वह लोग हमसे कहते थे कि हमारे लिये मां कामाख्या जो हमारी कुल देवी हैं, का दर्शन भी दुलर्भ है, लेकिन अब वह हमसे कहते हैं कि आपने जो काम किया और मा0 मुख्य मंत्री जी ने जो काम किया उसके लिये हम हृदय से आपको धन्यवाद देते हैं कि हम लोग जब चाहें अपने यहां से गाड़ी से जाकर मां कामाख्या का अपनी कुल देवी के दर्शन कर लेते हैं। तो इस तरह की सरकार होनी चाहिये जो अपने पर गर्व करे और हम लोग खुद गर्व करते हैं कि हम लोग 17वीं विधान सभा में चुनकर आए और एक ऐसी सरकार का हम लोग पार्ट बने हैं कि हमें भी कुछ करने का अवसर प्राप्त हुआ है और क्षेत्र में जाकर गौरवान्वित होने का भी मौका हमें मिला है। ऐसे बहुत सारे कार्य हुए हैं जो मैं गिनाना चाहूं तो जैसे किसान सम्मान निधि में हमारे यहां एक ब्लाक में 84 हजार तथा एक अन्य ब्लाक में 57 हजार लोग लाभान्वित हुए हैं। कृषि ऋण माफी योजना में लगभग 09 हजार लोग लाभान्वित हुए हैं। बहुत सारी ऐसी योजनाएं हैं जिससे लोग लाभान्वित हुए हैं। मैं अपने क्षेत्र की रोडों का नाम गिना दूं, क्योंकि हमारे यहां रोड नहीं थीं इसलिये मैं बताना चाहती हूं कि कितनी रोडों पर काम हुआ है। मलसा-ढढ़नी-नगसर उतरौली मार्ग है जो 22 करोड़ की लागत से बना है। हमसे विधायक लोग पूछते थे कि विधायक जी किधर से रोड ठीक है मैं उधर से जाऊं। हम लोग तीन स्टेट को पार करके अपनी विधान सभा क्षेत्र में आते थे। बलिया होते हुए, बिहार होते हुए बहुत लोग आते थे। अगर बनारस जाना होता था तो बिहार होकर जाते थे, लेकिन आज गर्व महसूस होता है कि जिधर भी जाईये उधर रोड है। हमारे यहां रकसहां बाईपास है जिसकी मैंने सी0डी0 बनाकर मंत्री जी को दिखाया था और उस सी0डी0 को देखने के बाद मंत्री जी ने कहा कि विधायक जी, गलती से किसी ने आपको यह बनाकर दे दिया है, यह रोड का नहीं है, यह गढ्ढे का या तालाब का फोटो है, लेकिन मैंने कहा कि यही तो बात है कि उस रोड पर इतना अभिशाप है तब मा0 मंत्री जी ने तत्काल पैसा दिया और वह रकसहां बाईपास भी बनकर तैयार हो गया।

जमनिया-दिलदारनगर-भदौरा मार्ग जो 10 करोड़ की लागत से बन रहा है। दिलदारनगर-ताड़ीघाट मार्ग 9 करोड़ की लागत से बन रहा है। नई बाजार देवैथा एक ऐसी रोड थी कि चुनाव के वक्त हम लोग उस पर चलने की स्थिति में नहीं थे और वहां के लोग हमसे बहुत नाराज थे, लेकिन हमारी सरकार ने चुनाव से पहले ही उस रोड का पैसा पास करके हमको सम्मानित कराने का काम किया है। इसी तरह से हमारे क्षेत्र में बहुत सारे लोग उज्जवला योजना से लाभान्वित हुए हैं और बहुत कम ही लोग ऐसे रह गये होंगे जिनको इस योजना के तहत लाभान्वित होना है। कोटेदारों की जो समस्या थी वह भी समाप्त हो गयी है। हमारे क्षेत्र में सब कुछ अब अच्छा हो रहा है, लेकिन मुख्य मंत्री जी से मैं कहना चाहूंगी कि आपने अपनी घोषणा में हमको एक विद्यालय दिया है, डिग्री कालेज दिया है। उस पर सब कुछ पूरा हो गया है बस आपके सिग्नेचर बाकी हैं वह भी आप कर दीजिये ताकि मेरे यहां एक विद्यालय हो जाए। मैंने आग्रह किया था तो आपने परिवहन आयुक्त को मेरे यहां सर्वे करने के लिये भेजा था और उन्होंने रिपोर्ट भी लगायी होगी कि उसमें क्या स्थिति रही है। मैं एक बात और कहना चाहूंगी कि हमारे यहां लहुवार में एक पालीटेक्निक है वह विगत 20-7-2011 को स्वीकृत हुआ था, लेकिन तब से आज तक वह खंडहर की तरह पड़ा है तो मैं चाहूंगी आप धनराशि देकर उसके आगे के कार्य करायें या फिर हमारे यहां पर दूसरा विद्यालय स्वीकृत करके हमको एक विद्यालय देने का काम करें। इस सदन के माध्यम से मैं आपसे कहना चाहूंगी कि हमारे क्षेत्र में बहुत सी परेशानियां रही हैं, लेकिन आज हमारा क्षेत्र इससे पूरी तरह से उबर चुका है और इसके लिये आपको धन्यवाद देना चाहती हूं। आप हमारे गांव भी गये थे और आपने कहा भी था कि आपने कभी हमको नहीं बुलाया, लेकिन मैं आपके गांव आ गया। इसलिये महाराज जी, एक बात मैं आपसे कहना चाहूंगी कि आपको बाराताड़ीघाट रोड का उद्घाटन आपको करना है और एक बार आप अपने चरण हमारे क्षेत्र में अवश्य रखें। यही कहते हुए आप सभी को मैं हृदय से धन्यवाद देती हूं कि मुझे विधान सभा में बोलने का मौका मिला और मा0 मुख्य मंत्री जी से हमको यह आश्वासन भी मिल गया कि मेरे क्षेत्र में जो कार्य अधूरा है, वह पूरा हो जायेगा। जय हिन्द। जय भारत। (सत्तापक्ष द्वारा मेजों की थपथपाहट)

श्री अधिष्ठाता-

मा0 श्रीमती नीलम करवरिया।

[00:44] श्रीमती नीलम करवरिया-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, सर्वप्रथम मैं आपको धन्यवाद देती हूं कि आपने मुझे इस विशेष सत्र में बोलने का अवसर दिया। आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर तथा ''जय जवान, जय किसान'' के उद्घोषक श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को मैं शत्-शत् नमन

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

करती हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि सर्वप्रथम ''जय जवान, जय किसान'' के नारे का उद्घोष मेरी ही विधान सभा क्षेत्र के मेजा के उरवा गांव से हुआ था। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय किसी भी व्यक्ति को उसके द्वारा किये गये कार्यों को कठिन समय में उसके द्वारा लिये गये निर्णय, अपनी ना सोच कर समाज की बेहतरी के विषय में सोचना तथा सोच पैदा करना एक उदाहरण के रूप में अपने को स्थापित करने से जाना जाता है। कोई भी यूं ही महापुरुष नहीं बनता, बल्कि उसके लिये त्याग, तपस्या आदि गुण उसके अन्दर होना आवश्यक है। आज गांधी जी के द्वारा दिये गये अहिंसा के मंत्र को सारी दुनिया ने समझा तथा अपनाया है। व्यक्ति अपने व्यक्तित्व से महान बनता है। गांधी जी व्यक्ति नहीं बल्कि विचारधारा हैं। व्यक्ति तो इस संसार में आते हैं और अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाकर चले जाते हैं किन्तु उनका व्यक्तित्व एक विचारधारा बनकर सदैव के लिये अनुकरणीय हो जाता है। जिस ब्रिटिश सरकार के शासन को भारत से अपना राज्य समाप्त करने तथा भारत को आजाद करने पर मजबूर करने वाले गांधी जी की प्रतिमा उन्हीं के द्वारा उन्हीं की सरज़मी पर लगाकर अहिंसा का संदेश दिया जा रहा है। यह एक महात्मा का ही महात्म हो सकता है। ब्रिटेन में गांधी जी की मूर्तियां, हल, लेस्टर, कार्डिफ, लंदन आदि शहरों में लगी हैं। यही नहीं ब्रिटेन में गांधी जी को पहला सार्वजनिक सम्मान 1948 में उनकी मृत्यु के कुछ समय बाद ही दे दिया गया था। मेरा विषय है- गरीबी की पूर्णतः समाप्ति। आज का सत्र विश्व रिकार्ड बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा विकास तथा उत्तर प्रदेश को अग्रणीय प्रदेश बनाने की दिशा की सोच भी एक महात्मा की ही सोच हो सकती है और यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि आज के युग के महात्मा जो विकास की सोच रखते हैं वो सिर्फ और सिर्फ उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री जी ही हैं। इसका जीता जागता प्रमाण उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री आवास योजना में अग्रणीय है तथा 25 लाख से अधिक आवास इन ढाई वर्षों में बनाकर एक रिकार्ड स्थापित कर प्रदेश की गरीब जनता को विकास योजना से जोड़ा है। इतना ही नहीं 73 हजार करोड़ के गन्ना मूल्य का भुगतान तथा किसानों को देय अनुदान को डी0बी0टी0 से भुगतान वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 1 करोड़ 35 लाख परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ 61 लाख परिवारों को शौचालय की व्यवस्था भी अपने आप में एक नया कीर्तिमान है। सौभाग्य योजना तथा अन्य योजनाओं में 1 करोड़ 9 लाख लोगों को बिजली कनेक्शन तथा आम आदमी को जीवन ज्योति बीमा योजना की जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। प्रदेश में चाहे सड़कों का कार्य हो, स्वास्थ्य की योजनायें हों या शिक्षा के क्षेत्र में किये गये कार्य हों, सभी तीव्र गति से चलाये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के सभी विधान सभा क्षेत्रों में मा0 मुख्य मंत्री जी के मार्ग दर्शन में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मेरी अपनी विधान सभा क्षेत्र मेजा, जनपद-प्रयागराज में मार्गों के निर्माण के

क्षेत्र में अब तक गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने हेतु मेरे द्वारा 34 मार्गों का इण्टरलॉकिंग कार्य कराने का काम किया गया है। इसी तरह प्रयागराज-मिर्जापुर मुख्य मार्ग जो कि फोर लेन करके चौड़ीकरण का कार्य भी इन्हीं ढ़ाई वर्षों के कार्यकाल के दौरान किया गया है। गड्ढा मुक्ति तथा मार्गों के नवीनीकरण पर भी सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर गांवों को मुख्य मार्ग से जोड़ने का काम तेजी से किया गया है। रही बात मार्गों के निर्माण से आर्थिक स्थिति में सुधार की तो इन मार्गों के निर्माण कार्य के दौरान भी लोगों को रोजगार प्राप्त हुए हैं और लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिला है। स्वच्छ पेयजल योजना सरकार की मंशा साफ-सुथरी प्राथमिकता के लिए जानी जाती है। इस योजना के तहत मैंने अपनी विधान सभा क्षेत्र के सरकारी प्राइमरी/माध्यमिक विद्यालयों में अब तक 48 वाटर कूलर तथा वाटर प्यूरीफायर के अधिष्ठापन का कार्य कराया है, जिससे ग्रामीण इलाके में पढ़ने वाले बच्चों तथा उस ग्राम में निवास करने वाले ग्रामवासियों को स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है। यही नहीं पेयजल हेतु अब तक मेरे द्वारा गरीब बस्तियों में 400 से ज्यादा हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन भी कराकर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का भी कार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त अपनी विधान सभा क्षेत्र के दोनों नगर पंचायत-सिरसा एवं भारतगंज में ग्रामीण अंचल से आये हुए ग्रामीणों के पानी हेतु चार-चार वाटर कूलर के अधिष्ठापन का कार्य भी कराया गया है। पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए अब तक मेरे प्रयास व इन्हीं ढाई वर्ष के कार्यकाल के दौरान कुल 19 वाटर हैड टैंक/पानी की टंकी के निर्माण का कार्य भी कराया जा रहा है जिनमें तीन पेयजल योजनायें संचालित हो चुकी हैं जबकि 16 पर निर्माण कार्य प्रारम्भ है। इसी तरह पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करने वाली जनता के लिए सौर ऊर्जा वाटर पम्प का अधिष्ठापन कराकर पेयजल की आपूर्ति को पूरा करने का प्रयास किया गया है। सिंचाई व्यवस्था हेतु तालाबों का निर्माण (सफाई), नहरों पर समय पर सफाई के अतिरिक्त छोटे-छोटे चेकडैम बनाकर सिंचाई व्यवस्था को बेहतर करने का कार्य किया गया है।

इसी तरह सिंचाई के ही क्षेत्र में अब तक 11 राजकीय नलकूपों के अधिष्ठापन का भी कार्य मेरे द्वारा कराया जा चुका है और इन सभी कार्यों के साथ लोगों को यहां कार्य करने पर रोजगार की भी प्राप्ति हुई है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। यहां यह आवश्यक नहीं है कि आर्थिक स्थिति का आंकड़ा सरकारी नौकरियों से ही लगाया जाए बल्कि इस तरह से किये जा रहे कार्य भी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में सुधार लाते हैं, मेरे द्वारा लघु उद्योग इकाई को माध्यम बनाकर अपनी विधान सभा क्षेत्र में निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम भी कराये गये हैं, जिससे लोग अपने छोटे-छोटे उद्योग लगाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकते हैं और इसका परिणाम भी देखने को मिला है, विशेषकर महिलाओं ने अपने समूह बनाकर छोटे-छोटे उद्योग प्रारम्भ किये हैं, जो कि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार ला रहा है। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विद्युतीकरण योजना के अन्तर्गत छोटे-छोटे मजरों का विद्युतीकरण कराकर विद्युतीकरण कराने का

कार्य किया गया है, जिसका लाभ हर व्यक्ति को हो रहा है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी एवं मा0 ऊर्जा मंत्री जी को इस सदन के माध्यम से बधाई देना चाहती हूं कि आप के द्वारा इन्हीं ढाई वर्षों के कार्यकाल में मेरी विधान सभा क्षेत्र में दो-33/11 के0बी0ए0 विद्युत सब स्टेशन के निर्माण का कार्य भी कराया गया है। यही नहीं एन0टी0पी0सी0 की इकाई के माध्यम से भी विकास कार्यों को गति मिली है तथा कुछ लोगों को प्रत्यक्ष तो कुछ लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी प्राप्त हो रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में क्रेशर प्लान्ट भारी संख्या में संचालित हैं, जिससे हजारों लोगों को रोजगार की प्राप्ति हो रही है और ऐसे लोगों की आर्थिक स्थिति में दिन-प्रतिदिन सुधार हो रहा है।

मेरी विधान सभा क्षेत्र-मेजा में प्रधानमंत्री आवास योजना/मुख्य मंत्री आवास योजना के तहत अब तक 9 हजार से ज्यादा परिवारों को आवास बनाकर सरकार द्वारा दिये जा चुके हैं, इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन योजना के अन्तर्गत अब तक भारी संख्या में शौचालय का निर्माण कार्य भी कराया गया है, मा0 प्रधानमंत्री जी, मा0 मुख्य मंत्री जी, आपके इस महान कार्य की जितनी भी प्रशंसा की जाये, वह कम होगी, क्योंकि गरीब के सर के ऊपर छत और शौचालय जैसी व्यवस्था कर आप लोगों ने गरीब का सहारा बनने का काम किया है। मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा आर्थिक रूप से प्रदेश के लोगों को मजबूत किये जाने की जो योजनायें चलायी जा रही हैं आने वाले ढ़ाई वर्ष के कार्यकाल में यदि उन योजनाओं का अधिकारियों द्वारा सही समय पर क्रियान्वित कर लिया जाता है तो उत्तर प्रदेश निश्चित रूप से ही आर्थिक रूप से मजबूत प्रदेशों में गिना जायेगा और ऐसे में वो दिन दूर नहीं है जब उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश की श्रेणी में आ जायेगा। मेरी विधान सभा क्षेत्र-मेजा, जनपद-प्रयागराज में गंगा नदी पर NH76E व NH2 के माध्यम से यदि पक्के पुल का निर्माण कार्य करा दिया जाये तो भी लगभग करोड़ों से ज्यादा लोगों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। वैसे 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद से मेरे द्वारा मा0 सड़क एवं परिवहन मंत्री, भारत सरकार को पुल बनाने का प्रस्ताव दिया गया था, जिसका सर्वे कार्य भी पूरा हो चुका है जो अभी तक शासन में लम्बित है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को इस बात की ओर आकर्षित करना चाहूंगी, क्योंकि मेरे यहां इस पुल की बहुत जरूरत है। प्रतिवर्ष 10-15 या 20-25 लोग जब नाव से जाते हैं तो उसमें लोगों की मृत्यु हो जाती है, क्योंकि उधर जाने का कोई साधन नहीं है लोग नाव से ही जाते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य संक्षेप में रखें।

श्रीमती नीलम करवरिया-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, उक्त पुल के निर्माण कराये जाने से मध्य प्रदेश, मिर्जापुर, सोनभद्र, चित्रकूट एवं भदोही, वाराणसी, आजमगढ़, चन्दौली आदि जिलों को आपस में जोड़कर इन जगहों पर निवास करने वाले लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सकता है। पहले

हमारे देश में व्यक्ति पर गरीबी बहुत व्यापक थी किन्तु वर्तमान समय में गरीबी बहुत तेजी से कम हो रही है। मेरा अनुमान है सम्पूर्ण विश्व की गरीब आबादी का तीसरा हिस्सा हमारे देश में निवास करता है। यदि सरकारी आंकड़ों की बात की जाए तो योजना आयोग ने साल 2009-10 के अपने आंकड़े में कहा है कि पिछले पांच वर्ष यानि कि साल 2005-06 से साल 2010 के मध्य देश में गरीबों की संख्या लगभग 8 प्रतिशत घटी है। उस समय के आंकड़े के अनुसार आयोग के विश्लेषण से शायद यह कहा जा सकता है कि आयोग का मकसद यह है कि गरीबों की संख्या घटाकर आयोग यह साबित करना चाह रहा है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को सब्सिडी का लाभ कम लोगों को देना पड़े जबकि साल 2011 मई में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी से निपटने के लिए भारत सरकार पर्याप्त प्रयास कर रही है। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि भ्रष्टाचार और प्रभावहीन प्रबंधन की वजह से गरीबों के लिए बनी सरकारी योजनायें सफल नहीं हो पायीं हैं, लेकिन साल 2014 में केन्द्र में मा0 मोदी जी की सरकार जब बनी जिसके बाद से अब तक काफी हद तक गरीबी को देश से दूर करने के कई ठोस कदम उठाए गये हैं। हमारे देश में चार राज्य सबसे ज्यादा गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले राज्यों में आते हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश है। इनमें भी उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश, जिसमें 80 लोकसभा सीटें व 403 विधान सभा क्षेत्र हैं, इसलिए अगर उत्तर प्रदेश को प्रतिशत के आंकड़े में देखा जाए तो गरीबी का आंकड़ा देखने में ज्यादा लगता है। किन्तु मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के विकास कार्यों में आम व्यक्ति की सहभागिता हो रही है तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लोगों को रोजगार भी प्राप्त हो रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आ रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्या कृपया समाप्त करें।

श्रीमती नीलम करवरिया-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, वैसे भी एक आराम का जीवन जीने के लिए बिजली का महत्व काफी मायने रखता है। 10 साल पहले जिस भारत में सबके लिए बिजली नहीं होती थी, आज वही देश बिजली का निर्यात कर रहा है। मोदी सरकार ने क्षेत्रीय हवाई सम्पर्क, रेलवे में सुरक्षा उपायों में वृद्धि, किसानों की स्थिति में आय तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, इन सभी विकास प्रयासों ने एक मजबूत आर्थिक आधार के साथ एक बेहतर टिकाऊ भारत का मार्ग भी प्रशस्त किया है। किसानों को शिक्षित कर उनका कल्याण सुनिश्चित करना और उनकी गरीबी को समाप्त करने के लिए उन्हें सहायता कर विकास के लिए विभिन्न आकांक्षात्मक योजनायें लागू की गयी हैं। यदि बात करें गरीबी रेखा की तो मई 2018 के बाद आज हर मिनट 44 भारतीय गरीबी रेखा के ऊपर उठ रहा है। एक अध्ययन में कहा गया है कि 2022 तक 3 प्रतिशत से

भी कम भारतीय गरीब होंगे और अत्यधिक गरीबी 2030 तक पूरी तरह से देश से समाप्त हो जायेगी। अन्त में मैं अपनी बात का समापन करते हुए यह कहना चाहती हूं कि गांधी जी पढ़ने की चीज नहीं हैं बल्कि उनके जीवन को अपने जीवन में उतारकर जीने से निश्चित रूप से अहिंसा परमो धर्म यथार्त् होगा और उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत वर्ष आर्थिक समृद्धि की तरफ बढ़ेगा। आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द।

श्री अधिष्ठाता-

अब मैं मा0 सदस्या श्रीमती अलका राय जी को बुलाता हूं।

***[00:55] श्रीमती अलका राय**-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, सबसे पहले मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती पर उनको शत्-शत् नमन करती हूं। गांधी जी अहिंसा के पुजारी थे। मैं मोहम्दाबाद क्षेत्र के शेरपुर के रहने वाले सात शहीदों ने देश की आजादी के लिए अपने सीने पर गोली खायी, लेकिन झण्डे को झुकने नहीं दिया, मैं उसी क्षेत्र से हूं। आज के अवसर पर आहूत इस विशेष सत्र पर मुझे स्वच्छता एवं साफ पानी के विषय पर अपना मत रखने का अवसर मिला है। मैं जिस विधान सभा क्षेत्र का जिक्र यहां विधान सभा में कर रही हूं वहां पर स्वच्छता एवं साफ पानी की उपलब्धता एक गम्भीर विषय है। गांव में खुले में शौच करना, घर में शौचालय न बनवाना एक रूढ़िवादी सोच विगत कई वर्षों से व्याप्त थी। जब स्वच्छता का पहला नारा 2014 के लोकसभा का चुनाव जीतने के बाद मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के सामने दिया तब उसी रूढ़िवादी विचारधारा के लोगों के विचारों को बदलते मैंने प्रत्यक्ष देखा है। स्वच्छता को लेकर प्रधानमंत्री जी की गम्भीरता को मोहम्दाबाद की जनता ने सर आंखों पर रखा और आज हर घर के अन्दर शौचालय मौजूद है। महिलाओं और पुरूषों ने मिलकर गांव-गांव चौपाल लगाकर खुले में शौच न करने का प्रण लिया। यह जन-चेतना, एक नारा ''सबका साथ, सबका विकास'' से स्वच्छ भारत मिशन तक पहुंची है। साफ पानी की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण विषय है। आम जन तक साफ पानी पहुंचाना हर सरकार का धर्म नहीं कर्तव्य है। पानी का स्तर जिस प्रकार विगत वर्षों से घटा है। मात्र हैण्डपाइप से स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना कठिन है। मैं आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद करना चाहती हूं कि नीर निर्मल परियोजना के अन्तर्गत वर्ल्ड बैंक सहित 15 पानी की टंकियां जल निगम द्वारा मेरी विधान सभा क्षेत्र मोहम्दाबाद में निर्मित हो रही हैं। चाहे वह शेखपुर और रेवतीपुर जैसे बड़े गांव हों और चाहे सोनारी और पलिया जैसे गांव हो वहां आज पीने के पानी की उपलब्धता पूरी तरह से हो गई है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर माननीय मुख्य मंत्री जी के निर्देश पर एक नया कीर्तिमान स्थापित होने जा रहा है। मेरा कहना है कि विधान सभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विकास करना एक चुनौती भी है और एक अवसर भी है। चुनौती को एक अवसर समझकर मैं अपने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विकास करने का काम कर पा रही हूं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदन को बताना चाहती हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में वर्ष 2017 से पहले चलने के लिए ना तो रास्ते थे और ना ही बिजली की कोई व्यवस्था थी। हमारे विधान सभा क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधायें जैसे सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। विधान सभा क्षेत्र का ज्यादा इलाका बाढ़ग्रस्त है जिसके कारण कई ग्राम इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराने की ओर बढ़ रहे थे। सेमरा और शिवरामपुरा पूरी तरह से जलमग्न हो गये थे। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित करना चाहती हूं जिन्होंने मेरे अनुरोध पर 25 करोड़ रुपये से वहां पर एक ठोकर का निर्माण कराकर वर्ष 2019 की भयावह बाढ़ से सेमरा गांव के अस्तित्व को बचा लिया है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से उप मुख्य मंत्री माननीय केशव प्रसाद मौर्या जी को भी धन्यवाद ज्ञापित करना चाहती हूं जिन्होंने मेरे विधान सभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के माध्यम से 100 से अधिक सड़को का निर्माण कराया है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग में धांधली, डाक्टरों की कमी, दवाओं का समय से उपलब्ध न होना, जैसी समस्याओं को पूरी तरह से समाप्त करने का कार्य किया गया है। माननीय ऊर्जा मंत्री जी ने कई वर्षों से वीरान पड़ी बस्तियों में पोल और तार की व्यवस्था कराकर हर घर में बिजली पहुंचाने का सपना पूरा किया है। आज मेरे विधान सभा क्षेत्र में बदलता मुहम्मदाबाद का नारा तेजी से बुलन्द हो रहा है। पूरा क्षेत्र विकास की राह पर तेजी से अग्रसर हो रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती पर मुझे पूर्ण विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्य मंत्री जी के मार्गदर्शन में एक नया कीर्तिमान स्थापित होगा। इसी बात को कहते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देती हूं। धन्यवाद।

[*][01:03] श्रीमती जय देवी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास के विषय पर बोलने का अवसर दिया है इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूं। मेरा विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद विकास की दृष्टि से बहुत पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। विधान सभा क्षेत्र के विकास के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा 200 हैण्डपम्प लगवाये गये हैं और 12 राजकीय नलकूप स्थापित कराये गये हैं। त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत पांच करोड़ रुपये की धनराशि सड़कों के निर्माण के लिए दी गई है जिससे वर्षों से निर्माण हेतु लम्बित पड़ी क्षेत्र की चार मुख्य सड़कों का निर्माण कराया गया है। मेरे विधान सभा क्षेत्र

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मलिहाबाद की गरीब जनता को प्रधानमंत्री आवास एवं उज्जवला गैस योजना के अन्तर्गत गैस कनेक्शन, शौचालय, विद्युत कनेक्शन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना की योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। मेरे विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के एक विकास खण्ड स्तर पर एक 100 बेड का अस्पताल तथा प्रत्येक विकास खण्ड में दो-दो राजकीय इण्टर कालेज और एक-एक डिग्री कालेज की आवश्यकता है। मेरा विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद आम पट्टी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है और यहां पर अत्याधिक मात्रा में उत्पादित होने वाले आम को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। किसानों की फसलों की सिंचाई के लिए पुराने राजकीय नलकूपों की पाइप लाइन तथा नाली के निर्माण की अत्याधिक आवश्यकता है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में पुरानी जर्जर सड़कों की मरम्मत तथा नई सड़कों का निर्माण तथा कुछ सड़कों का चौड़ीकरण किये जाने की भी आवश्यकता है। मेरे विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के सभी रूटों पर परिवहन बसों के संचालन की अति आवश्यता है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में गरीब परिवारों को माननीय प्रधानमंत्री आवास योजना और माननीय मुख्य मंत्री आवास योजना से बड़ी संख्या में आवास दिये जाने की आवश्यकता है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करती हूं। धन्यवाद।

***[01:07] श्री संजय कुमार-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर यह 36 घण्टे का जो विशेष सत्र आहूत किया गया है उसके लिए मैं माननीय अध्यक्ष महोदय को, माननीय मुख्य मंत्री जी को और माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। आज उत्तर प्रदेश की विधान सभा एक ऐतिहासिक रिकार्ड बनाने जा रही है और यहां पर हुई अनवरत चर्चा गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। आज के लिए हमारा जो विषय है वह है लैंगिक समानता। यह बहुत बड़ा विषय है और इस पर व्यापक चर्चा भी होनी चाहिये। लैंगिक समानता आज वर्तमान समाज के अति गंभीर मुद्दों में से एक है। यह महिलाओं और पुरूषों के लिए जिम्मेदारी, अधिकारों और अवसरों की समानता को संदर्भित करता है। वैश्विक समाज में वैश्विक विकास हेतु लैंगिक समानता को बनाये रखना बहुत आवश्यक है। मैं चर्चा करना चाहूंगा लिंगानुपात पर, वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में जो लैंगिक अनुपात है वह अनुपात 1000 पुरूषों पर 912 महिलाओं का है। जनपद कौशाम्बी के विधान सभा क्षेत्र चायल का लैंगिक अनुपात 1000 पुरूषों पर 908 महिलाओं का है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मैं आपको बताना चाहूंगा कि जब हम शिक्षा का रेशियो निकालते हैं और जब हाईस्कूल और इण्टर की परीक्षाओं में बैठने वाले बच्चों में ब्वायज और गर्ल्स का रेशियो हम देखते हैं तो बहुत ही चौंकाने वाला आंकड़ा हमारे सामने आता है। वह रेशियो 65 बालक और 35 बालिकाओं का आता है। आखिर हमारी बेटियां कहां मिसिंग हो रही है। जब हमने जनपद कौशाम्बी में उच्च शिक्षा का रेशियो देखा तो पाया कि यह 80 बालक और 20 बालिकाओं का रेशियो है। हमारी बेटियां मिसिंग हैं और वह शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं जिसके कारण कहीं न कहीं यह लैंगिक समानता प्रभावित हो रही है। इसके बहुत से कारण है। एक कारण यह है कि जब पिछली सरकारो में गुण्डा राज था तो सबसे ज्यादा अत्याचार बालिकाओं और महिलाओं पर होता था। अपनी बालिकाओं की सुरक्षा की चिंता लिए बहुत से अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल तक नहीं भेज पाते थे। पूज्य योगी जी की सरकार में कानून एवं व्यवस्था पर लोगों का विश्वास बढ़ा है और हमारी बेटियां पढ़ने के लिए निकलने लगी हैं। मैंने तीन वर्ष का आंकड़ा कलेक्ट किया है, वर्ष 2016, वर्ष 2017 और वर्ष 2018 में जो आंकड़ा आया है उसके अनुसार हमारे जनपद में हाईस्कूल लेवल पर, इण्टर लेवल पर और ग्रेजुएशन लेबल पर बालिकाओं के शिक्षा का स्तर 10 प्रतिशत ऊंचा हुआ है जिसके लिए मैं माननीय योगी जी को बधाई देना चाहता हूं। आज उत्तर प्रदेश में कानून की मजबूत व्यवस्था दिख रही है। बेटी का सम्मान हमे समाजिक स्तर पर बढ़ाना होगा और इसके लिए समाज को जागरूक करना होगा। हमें हर बेटी को पढ़ाना होगा और हर बेटी के पिता को अपनी बेटी पर गर्व करना होगा। वर्ष 2014 में माननीय मोदी जी की जब सरकार बनी तो बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का अभियान लेकर हम लोग समाज में निकले थे। हम लोगो ने बेटियों को लेकर जन जागरूकता का जो कार्यक्रम चलाया था वह आज उत्साहजनक परिणाम के साथ दिखने लगा है।

मैं आपको बताना चाहूंगा कि अभी पिछले महीने 18 अगस्त को मैंने एक बहुत बड़ा कार्यक्रम अपने विधान सभा क्षेत्र में आयोजित कराया था जिसका नाम रखा था 'मेरी बेटी, मेरा स्वाभिमान' मुझे भी 20 वर्ष बाद दो कन्या रत्नों की प्राप्ति हुई है। मैंने उन दो कन्या रत्नों की प्राप्ति के अवसर पर अपनी पूरी विधान सभा क्षेत्र की बेटियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया। लगभग 20000 बेटियो ने हमारे उस कार्यक्रम में शिरकत किया था। मैंने 18 साल से लेकर 21 साल तक की मेधावी बेटियों की एक प्रतिभा बोध परीक्षा भी कराई। उस परीक्षा में 20 बेटियों का चयन करके मैंने विधायक के रूप में प्राप्त होने वाले स्वयं के वेतन से 20 स्कूटी खरीदकर उन बेटियों को पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया है। इतना ही नहीं कार्यक्रम में जितनी भी बेटियां आई थी मैंने सबको सम्मानित भी किया है। मैंने बेटियों के पिता से संकल्प दिलाया है कि आज आप संकल्प लीजिये और बोलिये कि 'मेरी बेटी, मेरा स्वाभिमान' क्योंकि हमारी बेटियां बोझ नहीं हैं, हमारी बेटियां स्कूल जायेंगी, पढ़ेगी और उच्च शिक्षा को ग्रहण करेंगी। हमारी बेटियां भी टेक्निकल कोर्सेज करेंगी, हमारी बेटियां प्रोफेशनल कोर्सेज करेंगी। हमारी बेटियां अपने

पैरों पर खड़ी होंगी और दहेज की कुप्रथा को हमारी बेटियां अपने टैलेन्ट के बल पर समाप्त कर देंगी। मैं बताना चाहता हूं कि हमारी केन्द्र की सरकार और राज्य की सरकार ने इसको लेकर बहुत बड़ा माहौल बनाया है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने सुकन्या समृद्धि योजना चलाई है। हम लोगो ने कैम्प लगाकर उसके फार्म भरवाये हैं। जब मुझे कहीं पता चलता है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में फलां व्यक्ति के घर में किसी कन्या का आगमन हुआ है तो मैं उनके घर उपहार लेकर जाता हूं और उन्हें बधाई देता हूं और साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना का फार्म भी भरवाने का काम करता हूं। बेटी का बर्थ सर्टिफिकेट जारी करवाता हूं और उन्हें प्रोत्साहित करवाता हूं। मैं प्रयास करता हूं कि कन्या के आने पर उस परिवार से उत्सव करवाऊं और मोहल्ले के 100-50 लोगो को उसमें सम्मिलित कराऊं।

विधायक बनने के बाद मैंने जो पहला कार्यक्रम किया था जिसका नाम रखा गया था 'हौसले की उड़ान'। यह कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के लिए था। मैंने बी0एस0ए0 के माध्यम से लगभग 100 बच्चों को उस कार्यक्रम में बुलवाया था। मान्यवर, मेधावी बच्चे, जिनमें से तकरीबन 70 बेटियां थी और 30 बालक थे। मैंने एक हेलीकाप्टर मंगाया और उस हेलीकाप्टर से मैंने उन सब बच्चों को हवाई सैर करायी और मैंने बच्चों से कहा था कि बच्चों, उड़ान जो होती है, वह पैसों से नहीं होती, बंगलों से नहीं होती, गाड़ियों से नहीं होती, उड़ान जो होती है, हौसलों से होती है। माननीय मुख्य मंत्री जी मैं आपको बताना चाहूंगा, वह प्राथमिक विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चे, जब वह हेलीकाप्टर से उतरे, पत्रकारों ने उनसे पूछा, बच्चों कैसा लगा? उन्होंने कहा, बहुत अच्छा लगा। पत्रकारों ने पूछा, बच्चों आगे क्या करना चाहते हो, ज्यादातर बच्चों का जवाब यह था, हम बड़े होकर चायल से चुनाव लड़ेगे और विधायक बनेंगे। उनके अन्दर यह कामना आयी, यह भावना आयी। एक सामान्य परिवार के बच्चे, परिषद्रीय स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे, जब उनके मुँह से यह स्टेटमेंट निकला तो पूरे जनमानस को बहुत अच्छा लगा। हजारों लोगों का जनमानस वहां पर इकट्ठा था। मैं आपको बताना चाहता हूं, मैंने अपनी विधान सभा क्षेत्र में बेटियों को लेकर एक कार्यक्रम चलाया है, मेरे कार्यालय में अगर कोई भी बेटी सम्पर्क करती है या फोन से सम्पर्क करती है, अगर किसी बेटी की पढ़ाई छूट गयी है, किसी कारणवश या गार्जियनशिप का कोई अभाव है, उसका एडमिशन कराना, उसका दाखिला कराकर उसकी पूरी पढ़ाई की व्यवस्था कराना, जरूरत पड़ने पर शुल्क स्वयं वहन करना और उसकी साइकिल आदि की पूरी व्यवस्था कराता हूं। अभी मैंने इस तरीके की लगभग 200 बेटियों को अपनी विधान सभा क्षेत्र में गोद लिया है, जिनकी पूरी शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था की है और मैंने खुलेआम पूरे मंच से घोषणा की है। मैंने अपना पूरा वेतन अपनी विधान सभा क्षेत्र की बेटियों के नाम समर्पित किया है।

मान्यवर, लैंगिक समानता पर मुझे बोलने का जो अवसर मिला है, चूंकि महिलाओं को लेकर इस सरकार में जितनी जागरूकता है, मैं आपको बताना चाहता हूं। हमारे जनपद में

सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हुए। माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा जो सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हैं, सौ-सौ, डेढ़-डेढ़ सौ शादियां हमारी विधान सभा क्षेत्र में और डिस्टिक लेविल पर करीब 500-500 शादियां एक-एक समारोह में हुईं। पूरे उत्तर प्रदेश में सामूहिक विवाह के मामले में हमारी कौशाम्बी का पांचवां स्थान है और हम सभी विधायकगण, हमारे सांसद, हमारे सभी अधिकारीगण, हम सब लोग बेटियों की तरफ से जाकर खड़े होते हैं, कोई न कोई उपहार लेकर जाते हैं और उन बेटियों से कहते हैं कि हम लोग कन्या पक्ष से आए हैं और हम तुम्हारे परिवार के हैं और लड़का पक्ष को भी संदेश देते हैं कि जिस कन्या का भाई विधायक है, जिस कन्या का भाई सांसद है, जिस कन्या का भाई डी0एम0 है, एस0पी0 है, उस कन्या का सम्मान करना, अगर उस कन्या के साथ कहीं कोई जुल्म और अत्याचार हुआ तो कानून भी अपना काम करेगा। ऐसा कहकर हम लोगों ने बेटियों को मजबूत करने का भी काम किया है। महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा। समाज में आज भी देखिए, कोई भी विवाहिता स्त्री अगर किसी बड़े बुजुर्ग से आशीर्वाद लेने जाती है या किसी धर्माचार्य से आशीर्वाद लेने जाती है तो आज भी आशीर्वाद देते हैं, पुत्रवती भव, पुत्रीवती भव का आशीर्वाद कोई नहीं देता है। हमने एक ऐसा माहौल बनाया है और हमारे यहां के महिला मोर्चा ने भी इसमें बहुत अच्छा काम किया है।

मान्यवर, और भी तमाम चीजें हैं जो मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बताना चाहूंगा। मेरी चायल विधान सभा क्षेत्र जो है, जैसे बरगद के पेड़ के नीचे कोई छोटा सा पौधा पड़ जाए, वह फंसा रह जाता है, वैसे प्रयागराज महानगर और कौशाम्बी के मुख्यालय के बीच में चायल सभा शुरू से फॅसा था। एक भी न वहां बालिकाओं के लिए राजकीय इण्टर कालेज है, न एक भी राजकीय महिला महाविद्यालय है, न एक भी टेक्निकल एजूकेशन का कोई कालेज है। माननीय मुख्य मंत्री जी, मैंने कई बार इस सम्बन्ध में आपको अवगत कराया है और सदन के माध्यम से आपको धन्यवाद भी देना चाहूंगा। आपने मेरी मांग पर एक आई0टी0आई0 कालेज हमको दिया है, जिस पर कार्यवाही शुरू हो गयी है। मैं आपसे निवेदनपूर्वक, आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं कि बालिकाओं की मुफ्त शिक्षा के लिए, निःशुल्क शिक्षा के लिए, हमें एक राजकीय इण्टर कालेज और एक राजकीय महाविद्यालय देने की कृपा करें तो हमारे क्षेत्र की बेटियों के लिए यह बहुत बड़ा काम होगा। मेरी विधान सभा क्षेत्र चायल में इधर ढाई वर्षों में विकास का बहुत कार्य हुआ। पूरी विधान सभा क्षेत्र की सड़कें, जो टू लेन सड़कें थी, राजमार्ग, वह फोर लेन में कन्वर्ट हुईं, जो हमारे ग्रामीण मार्ग थे, वह सब नए बनें। यानी मैं मोटा-मोटा कह सकता हूं, 70 वर्षों में जितनी सड़कें नहीं बनीं, उतनी दो से ढाई वर्षों में पूज्य योगी जी के आशीर्वाद से वह सड़कें, हमारे डिप्टी सी0एम0 साहब ने खुद घोषणा करके, उन सड़कों का निर्माण कराने का काम किया।

ट्रान्सपोर्ट के दृष्टिकोण से जो कौशाम्बी जनपद एक पिछड़ा जनपद कहा जाता था। आज ट्रान्सपोर्ट के दृष्टिकोण से वह जनपद, एक अग्रणी जनपद की श्रेणी में खड़ा हुआ है,

एन0एच0 से भी जुड़ा हुआ है और माननीय मुख्य मंत्री जी ने, पूज्य स्वामी जी ने कौशाम्बी महोत्सव में हमारे कौशाम्बी खास को, जो फोर लेन का तोहफा दिया है, एयरफोर्स से कौशाम्बी खास के लिए, वह 75 परसेण्ट एरिया हमारी विधान सभा क्षेत्र से होकर जो माननीय सिद्धार्थ नाथ जी की विधान सभा क्षेत्र से शुरू होता है और हमारी विधान सभा क्षेत्र होते हुए और हमारे मुंजनपुर विधान सभा क्षेत्र में जाकर वह एरिया समाप्त होता है। 3-3 विधान सभा क्षेत्रों को लाभान्वित करने की आपकी बहुत ही उत्कृष्ट घोषणा हम लोगों को मिली है। आपके द्वारा एक मेडिकल कालेज जो हम लोगों को दिया गया है, वह मील का पत्थर साबित होगा। वैसे हमारे यहां का जिला चिकित्सालय बहुत ही बढ़िया है। उस जिला चिकित्सालय में चित्रकूट के लोग इलाज कराने आते हैं, फतेहपुर के लोग इलाज कराने आते हैं और गंगापार प्रतापगंज के लोग भी इलाज कराने आते हैं। अब वहां के लिए एक मेडिकल कालेज जो सरकार ने दिया है, हम कौशाम्बी की 16 लाख जनता की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देते हैं। कौशाम्बी में जो कभी नहीं हुआ, वह कौशाम्बी में माननीय मुख्य मंत्री जी ने देने का काम किया। मान्यवर, जो पहले नगर विकास मंत्री, खन्ना जी थे, मैं उनको भी बधाई देना चाहूंगा, अब तो हमारे टण्डन जी हैं। हमारी भरवारी नगर पंचायत जो सबसे प्राचीन नगर पंचायत है और मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र का इतिहास बता दूं, भगवान कृष्ण से भी इसका सम्बन्ध है और भगवान प्रभु श्री राम से भी इसका सम्बन्ध है। श्रृंगबेरपुर में जब भगवान श्रीराम गंगा पार करके चित्रकूट वन गमन हुआ है, वह पुरईघाट, जहां पर भगवान राम उतरे, वह हमारी ही विधान सभा क्षेत्र का गांव है और पुरईघाट का उल्लेख, वाल्मीकि जी की रामायण में भी है और बाबा तुलसी दास की राम चरित मानस में भी उल्लेख है। जहां पर पर्यटन की दृष्टिकोण से भारत सरकार और राज्य सरकार की तमाम परियोजनाएं मिली हैं, जिसमें एक गंगा का पुल भी हमारी विधान सभा क्षेत्र को मिला है। उसके लिए मैं पूज्य मुख्य मंत्री जी को हृदय से बधाई देता हूं कि यह एक बहुत बड़ा मील का पत्थर हमारे चायल के विकास के लिए है और एक बहुत बड़ा तोहफा है। हमारी विधान सभा क्षेत्र में प्रभु श्री राम, गंगा पार करके चरवा के चरक मुनि के आश्रम में, जहां पर विश्राम किया था, वहां पर भी 95 लाख रुपये की सौगात माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा दी जा चुकी है। उस विश्राम स्थल का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है, जिसके लिए कौशाम्बी की एक-एक जनता माननीय मुख्य मंत्री जी की आभारी है।

हमारी विधान सभा क्षेत्र में संदीपन आश्रम है, जहां पर संदीपन मुनि, भगवान कृष्ण और सुदामा जैसे अपने शिष्यों के साथ चतुर्मासा पूरा किया था, उस संदीपन आश्रम के लिए भी हम लोगों ने पर्यटन विभाग को उसका प्रस्ताव दे रखा है। माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन है कि उस पर विचार करें, क्योंकि भरवारी नगर पंचायत, जिसे माननीय मुख्य मंत्री जी ने 01 सितम्बर, 2017 को नगरपालिका का दर्जा दिया है और भरवारी का जो सम्बन्ध है, वह भगवान श्रीकृष्ण से है। जो इतिहास है, भगवान श्रीकृष्ण उस नगर में आते थे। वहां एक भाड़ वाली महिला थी, वहां पर अनाज भुनाते थे। उस भाड़ वाली महिला के नाम पर उसका नाम

भरवारी था जो अब भरवारी के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है, और आज नगरपालिका के रूप में विकास की ओर अग्रसर है। वह कौशाम्बी जनपद की पहली नगरपालिका परिषद् है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से एक बात और कहना चाहूंगा। हमारी विधान सभा क्षेत्र में उद्योग की बहुत बड़ी सम्भावना है। यू0पी0एस0आई0डी0सी0 को मैंने एक प्रस्ताव दिया था। लगभग 70 से 80 एकड़ जमीन जो जी0एस0 लैण्ड थी, मैंने उसका भी प्रपोजल दिया था और मैंने कहा कि और जमींनें आप अधिग्रहण कर लें तो हम एक औद्योगिक क्षेत्र को डेवलप करें। चूंकि प्रयागराज से मेरी विधान सभा क्षेत्र लगी हुई है। जैसे लखनऊ से बाराबंकी है, वैसे प्रयागराज से हमारी कौशाम्बी का चायल है, इसे माननीय सिद्धार्थनाथ सिंह जी जानते हैं। मान्यवर, यू0पी0एस0आई0डी0सी0 का जो हमने प्रपोजल दिया, उसमें प्रयागराज के लोग भी आकर इन्डस्ट्री लगायेंगे, कौशाम्बी के लोग भी इन्डस्ट्री लगायेंगे और हमारा जनपद जो उद्योग शून्य है, वहां पर बहुत बड़ी मात्रा में इन्डस्ट्रीज लग जायेंगी, लोगों को रोजगार मिलेगी, रोजगार के लिए जो दूसरे जिलों में जाना पड़ता है, उन्हें जाना नहीं पड़ेगा। उसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी से और माननीय उद्योग मंत्री जी से मैं निवेदन करूंगा कि जो प्रपोजल मैंने दिया है, उस पर एक सर्वे हुआ है। उसमें यू0पी0एस0आई0डी0सी0 वालों का कहना है कि वहां किसानों को बहुत ज्यादा मुआवजा देना पड़ेगा, इसलिए इस प्रपोजल को हम नहीं चला सकते हैं। अगर उसमें सरकार की कृपा हो जाए और सरकार से थोड़ी वित्तीय मदद हो जाए तो कौशाम्बी जो उद्योग शून्य जिला है, वहां पर एक इन्डस्ट्रियल एरिया बन सकता है और प्रयागराज और कौशाम्बी दोनों जिलों के लोग मिलकर उसमें इन्डस्ट्रीज स्थापित कर सकते हैं और रोजगार की अपार सम्भावनाएं मिल सकती हैं।

मान्यवर, मैं बताना चाहूंगा, मैंने अपनी विधान सभा क्षेत्र में जो प्लान करायें हैं। सड़कों का तो पूरा जाल बिछाया है, फ्लाईओवर हमारे यहां बने हैं, उसके अलावा अभी पिछली कैबिनेट में माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपनी घोषणा के अनुसार एक बस स्टाप भी देने का काम किया है, उसके लिए भी मैं उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूं। खेल के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक मिनी स्टेडियम भी आपने मुझे दिया है। मान्यवर, मैं एक बात और बताना चाहूंगा, फतेहपुर जनपद का एक एरिया है, घाटा। घाटा से हमारे कौशाम्बी जिला मुख्यालय की जो दूरी है, वह मात्र 15 कि0मी0 है और घाटा से जो फतेहपुर का डिस्टिक हेड क्वार्टर है, वह 65 कि0मी0 है। इसलिए घाटा के लोग कई बार धरना-प्रदर्शन करके कौशाम्बी में जुड़ने की मांग कर चुके हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से मांग करता हूं, हमारी विधायिका जी भी यहां मौजूद हैं। वह इस पर विचार कर लें, यह मेरा प्रस्ताव है। इससे हमारे जिले का मानक भी पूरा होगा, जिले का एरिया भी बढ़ेगा।

श्रीमती कृष्णा पासवान-

मान्यवर, इसके लिए बसपा सरकार में वहां एक बड़ा आन्दोलन हुआ था, लेकिन मैं चाहती हूं कि घाटा फतेहपुर में ही रहे। घाटा कौशाम्बी में नहीं जुड़ेगा।

श्री संजय कुमार-

चलिए, जैसा आप चाहें, वह आपकी विधान सभा क्षेत्र है। मान्यवर, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा, एक नए थाने की भी कार्यवाही चल रही है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक मसूरिया माई का बहुत प्राचीन मन्दिर है, वहां पर हर सोमवार को दसों हजार लोग दर्शन करने आते हैं। जैसी पर्यटन सम्वर्धन नीति के तहत् एक-एक एरिया को डेवलप करने की आपकी घोषणा है, उसके अन्तर्गत मैंने मसूरिया माई के मन्दिर का प्रस्ताव दिया है। वह एरिया अगर डेवलप होगा तो वहां पर भक्तों को बहुत सुविधा मिलेगी। मान्यवर, व्यापारियों के हित, अभी व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य भी गए थे, उन्होंने व्यापारियों की बैठक की है, एक नया पॉवर हाउस भी हमें नगरपालिका परिषद् में मिला है और सब मिलाकर तमाम ऐसी चीजें, रोडवेज का डिपो हमारे जनपद को दिया, ट्रामा सेण्टर हमारे जनपद को दिया, एक गंगा जी पर पुल हमारे जनपद को दिया, मेडिकल कालेज की सौगात हमारे जनपद को दिया, इसके लिए राज्य सरकार को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूं, वहां की पूरी 16 लाख की पापुलेशन महसूस कर रही है कि पहली बार भाजपा की सरकार में कौशाम्बी का उद्धार हुआ है। 70 साल का बकाया, ढाई वर्षों में लोगों को प्राप्त हो गया है, बाकी के ढाई वर्ष में कौशाम्बी का कायाकल्प आपके आशीर्वाद से जरूर होगा। इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं और पुनः इस विशेष सत्र के लिए हृदय से आभार प्रकट करता हूं, जय-हिन्द, जय भारत।

***[01:29] श्री रवि कुमार सोनकर-**

मा0 अध्यक्ष जी, हम आपके आभारी हैं कि आपने हमें इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने का मौका दिया। इसके लिए हम अपने विधान सभा क्षेत्र महोबा, जनपद बस्ती की तरफ से आपका आभार प्रकट करते हैं। आज हम राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में इस विशेष सत्र की चर्चा में उपस्थित हुए हैं। गांधी जी के व्यक्तित्व पर बोलना सूर्य के सामने दीपक दिखाने जैसा है।

आज है 02 अक्टूबर, आज का दिन है बड़ा महान,
आज के दिन दो फूल खिले हैं, जिनसे महका हिन्दुस्तान,
नाम एक का बापू गांधी, एक का नाम लाल बहादुर,
एक का नारा अमन है, एक का जय जवान, जय किसान।

इनकी इस अवधारणा की नींव सम्पूर्ण अहिंसा के सिद्धान्त पर रखी गई थी। नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने जुलाई सन् 1944 को रंगून रेडियो पर गांधी जी के नाम जारी सन्देश में सबसे पहले उन्हें राष्ट्र पिता महात्मा गांधी कहकर सम्बोधित किया जिसे देश ही नहीं दुनिया ने स्वीकार किया और महात्मा गांधी राष्ट्र पिता महात्मा गांधी हो जाते हैं। यह सम्मान भारतीय

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

राजनीति में यह दर्शाता है कि गांधी जी देश ही नहीं हर भारतीय के दिल में रहते हैं। गांधी जी को आज व्यक्ति मानकर नहीं एक विचार मानकर स्मरण करने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज को एक नया आयाम दिया, सामाजिक जीवन में एक नया परिवर्तन दिया। छुआछूत, साम्प्रदायिकता, गरीबी, बेरोजगारी, स्वच्छता, पर्यावरण, किसान, महिलाओं, युवा, स्वास्थ्य जैसे सैकड़ों आयाम हैं जिन पर गांधी जी ने विस्तार से चिन्तन किया है। उनका मानना था कि मेरे प्रिय भारत के बच्चों को थ्री एच की शिक्षा अर्थात् हैण्ड, हेल्थ और हार्ट की शिक्षा दी जाए जिससे उनकी सामाजिक उन्नति हो तथा वे शिक्षित होकर समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। गांधी जी ने बहुत अच्छे विचार दिए कि व्यक्ति अपने विचारों के सिवाय कुछ नहीं है, वह जो सोचता है वैसा ही बन जाता है। कमजोर व्यक्ति कभी क्षमाशील नहीं हो सकता, क्षमाशीलता ताकतवर की निशानी है। काम की अधिकता नहीं अनियमितता आदमी को मार डालती है। जिस दिन प्रेम की शक्ति, शक्ति के प्रेम पर हावी हो जाएगी, दुनिया में अमन आ जाएगा। हिन्द स्वराज तथा मेरे सपनों का भारत नामक पुस्तकें भूत, वर्तमान तथा भविष्य को लेकर उनके चिन्तन के महत्वपूर्ण दस्तावेज कहे जा सकते हैं। गांधी जी को महात्मा गांधी कहकर सबसे पहले गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर जी ने सम्बोधित किया था।

आज के दिन 02 अक्टूबर को पूरे विश्व में अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी जाना जाता है। इस परमाणु युग में मानवता के सामने शान्ति स्थापित करना विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। अहिंसा परमो धर्मः की लाइन हमें गांधी जी के बताए हुए रास्ते को मानकर उस पर चलने की प्रेरणा देती है। आज यू0एन0 के 17 गोल में से 16 पर चर्चा हो रही है। मेरा विषय लैंगिक समानता का है। समानता एक सुन्दर एवं सुरक्षित समाज की वह नींव है, जिस पर विकास रूपी इमारत बनाई जा सकती है। हमारे देश में लिंग आधारित भेद-भाव बहुत व्यापक स्तर पर चल रहा है। जन्म से लेकर मौत तक, शिक्षा से लेकर रोजगार तक हर जगह लैंगिक भेद-भाव साफ-साफ नजर आता है। इसकी 144 देशों की सूची में भारत देश 108वें स्थान पर आता है। इस रैंक से साफतौर पर यह अन्दाजा लगाया जा सकता है कि हमारे देश में लैंगिक भेद-भाव की जड़ें कितनी मजबूत और गहरी हैं। शक्ति के रूप में जहां एक ओर हम मां दुर्गा, मां लक्ष्मी और मां सरस्वती की पूजा करते हैं, वहीं दूसरी ओर हम इन्हीं शक्तियों को कन्या भ्रूण हत्या के रूप में गर्भ में ही समाप्त कर देते हैं। यह इस बात का सम्बोधन है कि इस समाज में एक नीची और बड़ी खाई है। जहां बेटे के जन्म पर जश्न मनाया जाता है और लड़कियों के जन्म पर आज भी लोगों में निराशा होती है। लैंगिक असमानता हमारे देश के लिए बड़ी चुनौती है। आज महिला एक हिंसा मुक्त परिवेश में सम्मानपूर्वक जी सके, इसके लिए उनको सहयोग देने के साथ-साथ उनका आर्थिक सशक्तीकरण भी जरूरी है। महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा की घटनाएं भी बहुत होती हैं। खासकर अल्प संख्यक समुदाय की महिलाएं अपने जीवन साथियों की हिंसा का सर्वाधिक सामना करती हैं।

पिछले वर्षों में भारत में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा को देश के सबसे बड़े अपराध की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करने को अपनी प्राथमिकता बनाया है और उनके विरुद्ध घरेलू हिंसा तथा यौन शोषण रोकने के लिए विशेष उपाय किए हैं। सरकार उनकी तरक्की के लिए कार्य कर रही है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरूआत राष्ट्रीय स्तर पर इसी के तहत की गई है। वित्त पोषण सेवाओं के साथ महिलाओं के दक्षता और रोजगार कार्यक्रम देश के कोने-कोने में सुविधाओं से वंचित ग्रामीणों तक पहुँचाए जा रहे हैं। हमारी सरकार ने इस पर बहुत कार्य किए हैं। महिलाएं किस तरीके से स्वावलम्बी बनें, इसका जीता-जागता उदाहरण आजीविका ग्रामीण मिशन है। जिससे ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में लगातार सुधार हो रहा है। ऐसी ही योजनाएं उत्तर प्रदेश सरकार चला रही है जिससे बेटियां स्वावलम्बी बनें और वे बेटों से किसी भी मामले में कम न रहें। बेटियां पिता को कन्धे पर बोझ न लगें इसलिए हमारी सरकार ने सामूहिक विवाह की योजना शुरू की है। यह योजना निश्चित रूप से जात-पात के बन्धनों को तोड़ती है और हर जाति के लिए सामूहिक विवाह की योजना चल रही है। जो जिस धर्म, जिस जाति का होता है उसको उसके धर्म और रीति-रिवाज के हिसाब से सामूहिक विवाह योजना में तरजीह दी जाती है।

साल 2017 के चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है और गोरक्ष पीठाधीश्वर श्रीमान योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश की बागडोर संभालते हैं। जहां पर 23 करोड़ लोग निवास करते हैं और दुनिया में अगर उत्तर प्रदेश एक देश होता तो वह दुनिया का चौथा मुल्क होता। उसी समय यह तय हो गया था कि अब उत्तर प्रदेश का उदय होकर रहेगा। उदय हमेशा पूरब की तरफ से होता है। भय, भूख और भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आपने जो लक्ष्य रखा है वह कठिन तो बहुत है लेकिन आपके कार्य करने की दृढ़ इच्छा शक्ति से अब यह सम्भव हो गया है कि ये सब समाप्त होकर रहेगा। कभी पूरे भारत देश में गुजरात के विकास के मॉडल की चर्चा हुआ करती थी। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आज मुझे यह कहते हुए निश्चित रूप से गर्व महसूस हो रहा है कि आज उत्तर प्रदेश की चर्चा भी उसी गुजरात मॉडल की तर्ज पर हो रही है। पूरे भारत में उत्तर प्रदेश के विकास के मॉडल को सराहा जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को बन्द करने, मेक इन इण्डिया-मेक इण्डिया तथा स्टार्ट अप इण्डिया जैसे प्रमुख प्रयासों तथा पं0 दीन दयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित कार्यक्रमों से नवाचार, सतत औद्योगिक तथा आर्थिक विकास को गति मिल रही है। मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा प्लास्टिक मुक्ति के लिए सबसे पहले जो प्रयास करना था तो उसके तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने माटी कला बोर्ड का गठन किया जिससे यह स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश सरकार के मन में प्लास्टिक को समाप्त करने की कितनी दृढ़ इच्छा शक्ति है। माटी कला बोर्ड से मिट्टी के कामगारों का रोजगार बढ़ेगा और उनको भी सम्मान से जीने का अधिकार मिलेगा। पिछले समय में इस कला को समाप्त कर दिया गया और अब इस कला के लोगों को भी पूजा जाएगा।

मा0 मुख्य मंत्री जी की कृपा से हमारे विधान सभा क्षेत्र में कई विकास कार्य प्रगति पर हैं। मेरे क्षेत्र में भी तीन नदियां बहती हैं। मां सरयू नदी, मां मनोरमा नदी और मां क्वानो नदी। ये नदियां गर्मी के मौसम में किसानों को खेती के लिए जल उपलब्ध कराती हैं तो वर्षा ऋतु में भयानक रूप से नुकसान भी करती हैं। लेकिन सिंचाई विभाग द्वारा ड्रेजिंग का कार्य कराने से अबकी बार हमें बाढ़ से राहत मिली है। कई वर्षों से लम्बित योजनाओं को पूर्ण कराते हुए विकास खण्ड-बस्ती सदर की ग्राम सभा-रामपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, विकास खण्ड-कुदरहा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-गाय घाट, विकास खण्ड-बहादुरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-कलवाही को पूर्ण कराया गया। इसके लिए मैं सबसे पहले अपने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह जी को बधाई देता हूं कि उनके अथक प्रयास से बस्ती जनपद के खासकर महादेवा विधान सभा क्षेत्र के तीनों प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चल पड़े हैं।

प्राथमिक विद्यालयों का स्तर भी अब कॉन्वेण्ट विद्यालयों की तरह हो सके, इसके लिए हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रयास किया और आज ग्राम सभाओं में 14वें वित्त से प्राथमिक विद्यालयों की रंगाई, पुताई, टाइल्स, बाउण्ड्री और शौचालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है जिससे प्राथमिक विद्यालयों का स्तर भी ऊंचा हो सकेगा। मेरे विधान सभा क्षेत्र में चार पुल बनकर खड़े थे, ये जन उपयोगी नहीं थे लेकिन इनके एप्रोच मार्ग नहीं बने थे। गोविन्दा पुल के एप्रोच मार्ग को, खसरा-अमानाबाद के एप्रोच मार्ग को, बानपुर नदी पर बने एप्रोच मार्ग को, सोनहा घाट पुल के एप्रोच मार्ग को मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 उप मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से पूर्ण कराके जनता को समर्पित किया गया है। मा0 उप मुख्य मंत्री जी ने एक पुल कचूरे घाट पर हमें दिया है जो बहुत जल्द ही फंक्शनल हो जाएगा और उसका कार्य बहुत तीव्र प्रगति पर है। लेकिन मैं मा0 उप मुख्य मंत्री जी से मांग करता हूं कि मा0 मुख्य मंत्री जी ने 270 करोड़ रुपये की लागत से बस्ती जिले को एक तोहफा दिया है मुण्डेरवा चीनी मिल का। लेकिन उसके आवागमन के लिए रास्ते की बड़ी कठिनाई हो रही है। इसलिए मैं मांग करता हूं कि कुदरहा से मुण्डेरवा चीनी मिल को जो रास्ता जाता है उसको चौड़ीकरण तथा उच्चीकरण में स्वीकार किया जाए। देईसांर से बानपुर एक सड़क है जिस पर आवागमन बहुत बाधित है, मैं इसके लिए भी मांग करता हूं कि इसको चौड़ीकरण और उच्चीकरण में लिया जाए। बस्ती जिले के महादेवा विधान सभा क्षेत्र में 132 के0वी0ए0 का सब-स्टेशन लगभग 09 करोड़ रुपये की लागत से बना है जो बहुत जल्द फंक्शनल होकर कार्य करना शुरू कर देगा। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि आप समय देकर उसके उद्घाटन में अपनी गरिमामयी उपस्थिति सुनिश्चित करने की कृपा करें। हम यह बताना चाहते हैं कि

हम चलें या न चलें, हमारा प्रदेश अब चल पड़ा है
मृत्यु सारा खेल खत्म नहीं करती, मृत्यु के बाद भी यात्रा है
मैं तुम्हारे लिए जिन्दगी भर जला, तुम भी मेरे लिए रात भर तो जलो
मैं तुम्हारे लिए उम्र भर चला, तुम भी मेरे लिए सात पग तो चलो।

मान्यवर, गांधी जी की जयन्ती पर आहूत इस विशेष सत्र से मिलने वाले टी0ए0, डी0ए0 और विशेष भत्ते को गांधी जी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मैं इसे छोड़ने की घोषणा करता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बना, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। आपने हमें बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

श्रीमती कमलेश दिवाकर (कोई प्रतिक्रिया न होने पर) अब श्रीमती सावित्री कठेरिया जी।

***[01:40] श्रीमती सावित्री कठेरिया-**

मा0 अध्यक्ष जी, आज राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की जयन्ती और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर मैं उनको नमन करती हूं। उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। आज की इस चर्चा में मेरा विषय स्वच्छता है। स्वच्छता के अन्तर्गत हम स्वच्छ तब ही रह सकते हैं, जब हम स्वयं अपनी सफाई, अपने घर की सफाई, अपने गांव की सफाई अच्छे से करें। जब हम लोग गांवों में जाते हैं तो देखते हैं कि लोग अपने घर के अन्दर झाड़ू लगाते हैं लेकिन झाड़ू लगाकर उस कूड़े को नाली में कर देते हैं। जब वह कूड़ा नाली में पड़कर सड़ जाता है तो उसमें कीटाणु पड़ जाते हैं उससे तमाम प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। इसलिए हम सब की जिम्मेदारी है कि जब हम अपना घर साफ करेंगे, अपना दरवाजा साफ करेंगे तो फिर अपनी नाली को साफ रखने की जिम्मेदारी भी हमारी है। अगर हम अपनी नाली साफ नहीं रखेंगे तो तरह-तरह की बीमारियां होंगी। इसी तरह से मैं जल बचाओ पर भी बोलना चाहती हूं। हमने अपने क्षेत्र में देखा है कि लोग नल चलाकर या समरसिबल चलाकर भूल जाते हैं और पानी बेकार में बहता रहता है। जैसे कि भैंसों को नहलाते हैं या कपड़े आदि धुलते रहते हैं तो भी पानी लगातार चलता रहता है। इसलिए अगर हमको जल बचाना है क्योंकि जल ही जीवन है। अगर जल है तो जीवन भी है। हमें अगर पानी को बचाना है तो उसे बरबाद होने से रोकना होगा। अगर हम आज पानी नहीं बचाएंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ी को बहुत दिक्कतें हो जाएंगी और पानी की बहुत बड़ी समस्या हो जाएगी। इसी तरह से हमको सिंगल यूज़ प्लास्टिक को भी रोकना होगा। आज हम सभी विधायक सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार के लिए हर वॉर्ड में गए हुए थे कि यह प्लास्टिक बन्द होना चाहिए। यदि प्लास्टिक बन्द होगी तो हम प्रदूषण और बीमारियों से बचेंगे क्योंकि जब इस पॉलीथीन में सब्जी, फल या अन्य चीज आती है तो लोग उसको ऐसे ही फेंक देते हैं। उसके बाद उसको गाय अथवा अन्य जानवर खा लेता है। यह पॉलीथीन न तो जानवर के पेट

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

में गलती है, न ही सड़ती है। इस कारण से काफी गायों की मौत हो जाती है। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए हमें ये चीजें अपनानी पड़ेंगी।

इसके अलावा हम अपने विधान सभा क्षेत्र भरथना, चकरनगर की भी चर्चा करेंगे। हमारे विधान सभा क्षेत्र में तीन ब्लॉक हैं। भरथना, बकेवर और चकरनगर। बकेवर में नगर पंचायत है, वहां एक हॉस्पिटल है जो पूरा बना खड़ा है, वह 50 बेड का हॉस्पिटल है लेकिन आज तक वह खुल नहीं सका है। वह अस्पताल रामधीन शर्मा के नाम से है। उस हॉस्पिटल का नाम बदलकर पं0 दीन दयाल उपाध्याय हॉस्पिटल रख दिया जाए और उसे सुचारू रूप से चालू करा दिया जाए जिससे ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोगों को इलाज मिलेगा। अस्पताल न चलने से जनता झोला छाप डॉक्टरों के चंगुल में फंस जाती है, मरीज फंस जाते हैं। तो उनकी मौत हो जाती है। उस मौत से बचने के लिए बकेवर का जो 50 बेड का हॉस्पिटल है उसे खुलवाने की कृपा करें। इसी तरह से ब्लॉक भरथना, ब्लॉक महेवा एवं ब्लॉक चकरनगर में जो रोड हैं उनमें 45 किमी0 की दूरी है। ब्लॉक भरथना से लेकर मधुपुरा तक चौड़ीकरण करा दिया जाय। जिससे लोगों को आने-जाने में सुविधा होगी। जिस तरह से इटावा में लायन सफारी बनी है उसी तरह से हमारी विधान सभा क्षेत्र चकरनगर में गाय सफारी बन जाय तो उससे वहां पर गायों को चारे की जरूरत नहीं पड़ेगी और उसमें नलकूप लगवा दिये जायें जिससे की गायों की उचित व्यवस्था हो जायेगी। जब झुंड के झुंड गाय सड़कों पर बैठती हैं उससे दुर्घटनाएं होती हैं। इसी तरह की तमाम समस्यायें है जिससे हमारी विधान सभा क्षेत्र आज तक विकास से पिछड़ी हुई है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे आग्रह करती हूं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में भरेह मंदिर (श्री भारेश्वर महादेव), श्री कालेश्वर महादेव मंदिर जहां पर 5-5 नदियों का संगम है। इस मंदिर तक जाने के लिए 45 किमी0 की दूरी है। यदि वहां पर पुल बन जायेगा तो वहां पर केवल 5 किमी0 का रास्ता रह जायेगा। यदि वहां पर पुल बन जाये तो इस तरह से हमारे क्षेत्र का विकास हो जायेगा। हमारे यहां दो पुल बन रहे हैं, एक कंदेसी का पुल और दूसरा ग्वाहानी का पुल। यह दोंनो पुल अधूरे पड़े हुए हैं। यदि उन पुलों का निर्माण करा दिया जाये तो आने जाने में लोगों को सुविधा होगी। मेरा मा0 मुख्य मंत्री जी से आग्रह है कि वर्ष 2018 में मा0 विधायकों को 5 करोड़ रुपया दिया है इसी तरह से मा0 विधायकों को 5 करोड़ रुपया फिर दिया जाय जिससे विधायक अपने क्षेत्र का विकास करा सकें और इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती हूं- जय हिन्द, जय भारत।

[*][01:46] श्री अभिजीत सिंह सांगा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज गांधी जी की 150वीं जयन्ती एवं इस देश के दूसरे प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में इस विधान सभा में आयोजित

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

ऐतिहासिक कार्यक्रम में, जिसके इतिहास के पन्नों में हम सब नौजवानों, हम सब विधायकों का नाम दर्ज होने वाला है। मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारी संस्कृति में यह परंपरा रही है कि जब-जब किसी विचारधारा ने जन्म लिया है, जब-जब अधर्म पर धर्म की जीत हुई है, जब-जब दानवता पर मानवता की जीत हुई है। उस जीत की खुशी को हम सबने त्यौहार के रूप में मनाने का काम किया है। गांधी जी जिनको हम अपने आप में एक विचारधारा मानते हैं। उस विचारधारा के जन्म को, जन्मतिथि को, उस समय को कहीं-न-कहीं आज यह विधान सभा एक त्यौहार के रूप में मनाने का काम कर रही है। आज मैं कहना चाहता हूं कि गांधी जी को हम लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के उस आंदोलन के ध्वज-वाहक के रूप में देखने का काम किया है। हमने देखा है कि उनके नेतृत्व में कितने नौजवानों ने अपनी जवानी को जेल में बिताने का काम किया है। हमने देखा है कि उनके नेतृत्व में कितनी मांओ ने अपने बच्चों को इस देश के लिए कुर्बान करने का काम किया है। हमने इतिहास के सुनहरे पन्नों में यह जाना है कि कितनी सुहागिनों ने हंसते-हंसते अपने सुहाग को इस देश के लिए कुर्बान कर देने का काम किया है और हमने देखा है कि जब हम इतिहास के पन्नों को पलटने का काम करते हैं तो लोकतंत्र में आंदोलनों का महत्व अगर हमने जाना है तो हमने गांधी जी के बारे में पढ़ा है और सुना है तब हमने आंदोलनों को जानने का काम किया है। उस दौर में चाहे दण्डी यात्रा हो, चाहे असहयोग आंदोलन हो, चाहे भारत छोड़ो आंदोलन हो, चाहे चम्पारण का किसान आंदोलन हो, चाहे नमक आंदोलन हो। उन आंदोलनों को पढ़कर के, जान करके हम लोगों ने राजनीति में कहीं-न-कहीं लोकतंत्र की परिभाषा को जानने और समझने का काम किया है। एक तरफ वह स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन रहा जिसमें गांधी के नेतृत्व में भारत माता को गुलामी की जंजीरों से छुड़ाया गया और आज देश की आजादी के 72 वर्ष बीत जाने के बाद मुझको कहने में संकोच नहीं है कि वर्ष 2014 में जब इस देश में श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने का काम किया तो वह एक स्वतंत्रता संग्राम था। उनके नेतृत्व में इस देश में स्वच्छता संग्राम की क्रांति का भी उद्घोष शामिल हो गया। यह स्वच्छता संग्राम की शुरूआत है जिसके संबंध में नित-नये आयामों को जोड़ने का काम हमारा नेतृत्व करता आ रहा है। आज मैं कहना चाहता हूं कि जहां एक ओर स्वतंत्रता में हम लोगों ने देखा कि किस तरीके से कितनी लड़ाईयों को लड़ने के बाद हमारी भारत माता स्वतंत्र हुई वहीं दूसरी ओर स्वच्छता आंदोलन में हम देख रहे हैं कि एक तरफ भौतिक सफाई की बात हो रही है, क्रांतिकारी कदम उठाये जा रहे हैं, घर-घर में शौचालय बनवाये जा रहे हैं, नालियों को साफ किया जा रहा है, पॉलीथिन को बीना जा रहा है, पॉलीथिन मुक्त भारत बनाने का काम किया जा रहा है वहीं एक तरफ भौतिक सफाई है दूसरी तरफ कश्मीर में 370 और 35ए हटा करके आतंकवाद की भी सफाई इस धरती पर भारत देश में करने का काम हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हो रहा है।

मैं कहना चाहता हूं कि एक ओर आतंकवाद की सफाई हो रही है वहीं दूसरी तरफ नोटबंदी और जी0एस0टी0 ला करके भ्रष्टाचार की भी सफाई इस देश से की जा रही है। मैं कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश एवं बिहार की धरती पर परिवारवाद की भी सफाई मा0 योगी आदित्यनाथ एवं मा0 नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में की जा रही है। आज बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा दे करके कहीं-न-कहीं हम आप देख रहे हैं कि आज हमारी बेटियों को ताकतवर बनाने का काम किया जा रहा है। आज हम विद्यालयों में जाते हैं, हम लोगों ने विद्यालय गोद ले रखे हैं। हमने उन बच्चों को देखा है जो नंगे पैर ठण्ड के मौसम में विद्यालय में आने को मजबूर होते थे। हमने उनकी उस ड्रेस को भी देखा है, खाकी ड्रेस देखी है जिसको पहनने के बाद उनका सपना केवल होमगार्ड बनने तक सीमित रह जाता था। आज उस भेद-भाव की सफाई करने का काम हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने किया है। मैं कहना चाहता हूं कि हमारे पूर्व वक्ताओं ने, सदन के सदस्यों ने बहुत-से विषयों पर प्रकाश डालने का काम किया है। मैं कहना चाहता हूं कि चाहे 3-तलाक का मुद्दा हो और चाहे आज गांव-गांव में आवास दिये जा रहे हों, अनेंकों सुविधायें दी जा रही हैं अपने आप में यह सरकार क्रांतिकारी कदम उठाने का काम कर रही है। कहीं-न-कहीं किसानों की बातें होती थीं लेकिन आज यह सरकार नित-नया आयाम जोड़ने का काम कर रही है। किसानों के लिए कर्ज माफी की बातें सपना होती थीं। मुझे याद है वर्ष 2015 का वह दौर जब बे-मौसम बरसात हुई थी, जब सूखें में धान की फसल बर्बाद हुई थी। हमारी मोदी सरकार ने प्रदेश की उस सरकार को कहीं-न-कहीं मुआवजा बांटने के लिए धनराशि दी थी तो उस समय कहीं-न-कहीं हम लोगों को भेद-भाव देखने को मिला था। हमारा संकल्प सबका साथ, सबका विकास है तो उनका संकल्प था कि अंधरा बांटे रेवड़ी, चीन्ह-चीन्ह के दे। साथियों मुआवजा मिला था लेकिन कहां मिला था- कन्नौज में मिला था, सैफई में मिला था, मैनपुरी में मिला था, इटावा मे मिला था।

आज विद्युतीकरण की बात होती है, आज बहुत-से ऐसे मजरे हैं, बहुत-से ऐसे गांव हैं जहां आजादी के बाद से आज तक बिजली नहीं पहुंची थीं, वहां पर आज दीनदयाल विद्युतीकरण के तहत बिजली पहुंची है। शहरी क्षेत्र को 24 घण्टे, तहसील क्षेत्र को 20 घण्टे एवं ग्रामीण क्षेत्र को 18 घण्टे बिजली दी जा रही है। उनकी सरकार में भी 24 घण्टे बिजली दी जाती थी लेकिन कहां दी जाती थी, इटावा में दी जाती थी, मैनपुरी में दी जाती थी, सैफई में दी जाती थी एवं कन्नौज में दी जाती थी। यही हाल रोजगार का था। रोजगार उत्पन्न होते थे लेकिन रोजगार कहां दिये जाते थे ? रोजगार इटावा में दिये जाते थे, मैनपुरी में दिये जाते थे, कन्नौज में दिये जाते थे, सैफई में दिये जाते थे। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि मैं बिठूर विधानसभा का नेतृत्व करता हूं। बिठूर विधान सभा क्षेत्र ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी धरती है। गुरूजी की तपस्थली है, ब्रह्मा जी की तपस्थली है, नाना राव पेशवा की कर्मस्थली है, रानी

लक्ष्मीबाई का बचपन वहां बीता है, अजीमुल्ला की कर्मस्थली है, तात्या टोपे की कर्मस्थली है। आज झांसी की रानी और बिठूर की बेटी रानी लक्ष्मीबाई के लिए जहां लैंगिक समानता की बात की जा रही है, मैं कहना चाहता हूं कि मैं धन्य हूं कि मेरा जन्म उस धरती पर हुआ है। जहां पर वर्ष 1840 में लैंगिक समानता की बात की गयी थी। एक तरफ नानाराव पेशवा को शिक्षित-दीक्षित किया गया था, उनको राजनीति और युद्ध एवं कौशल सिखाया गया था। वहीं दूसरी तरफ रानी लक्ष्मीबाई को भी राजनीति एवं युद्ध-कौशल बिठूर की धरती पर सीखाने का काम किया गया था। यह वह धरती है जिस धरती पर बाल्मीकि ने रामायण लिखने का काम किया है, यह वह धरती है जब मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम ने अश्वमेघ यज्ञ में अपने अश्व को छोड़ा था और कहीं-न-कहीं लवकुश को यह महसूस हुआ था कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। तब बिठूर की धरती पर मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम के अश्व को रोकने का काम बिठूर की धरती पर लवकुश ने किया था। आज राम वन-गमन मार्ग की बात हो रही है। आज मैं मां जानकी के लिए कहना चाहता हूं कि बिठूर में उन्होंने वनवास काटने का काम किया था। अगर राम वन-गमन मार्ग बन सकता है तो मां जानकी के लिए सीता वन-गमन मार्ग क्यों नहीं बन सकता है। बिठूर से सफीपुर, उन्नाव होते हुए, लखनऊ होते हुए, अयोध्या को जाते हुए अगर सीता वन-गमन मार्ग बनेगा तो निश्चित तौर पर लैंगिक समानता की बात होगी और कहीं-न-कहीं असमानता की कमी में निश्चित तौर पर आज यहां पर जो ऐतिहासिक अध्याय जोड़ा जा रहा है उसकी बात होगी। मैं यहीं पर अपनी बात को समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

***[02:00] श्री महेन्द्र पाल सिंह-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए मुझे अवसर दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। वैसे तो हमें सबजेक्ट मिला है सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा का लेकिन जहां महात्मा गांधी की जयन्ती की बात आती है तो हमें स्वच्छता की बात जरूर करनी चाहिए। मैं कहना चाहता हूं कि सफल मनुष्य की सफलता के प्रति आकर्षित होना स्वाभाविक है परन्तु आवश्यक यह भी है कि सफलता प्राप्त करने वाले पथ पर भी बात की जाय। मोहन दास करमचन्द गांधी जी के महात्मा गांधी बनने का मार्ग भी ऐसे ही संघर्ष पथ से भरा है, मोहन दास को दुनिया नहीं जानती परन्तु महात्मा गांधी को सब लोग जानते हैं। ऐसे ही नदी पार करके स्कूल जाने वाले लाल बहादुर शास्त्री जी हों या अखबार बांटने वाले डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम हों या चाय बेचने वाले हमारे प्रधानमंत्री जी हों। इन सबकी सफलताओं के पीछे एक संघर्ष की कहानी जुड़ी है। दुनिया सफल मनुष्य की सफलता पर तो बात करती है किन्तु सफलता प्राप्त करने के लिए तय किये गये मार्ग पर बात नहीं करती, यह संसार परिणामों का अभिलाषी है प्रयत्नों का नहीं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अधिष्ठाता महोदय, शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, कुपोषण पर गांधी जी के विचार बहुत ही स्पष्ट थे। महात्मा गांधी जी का मानना था कि यह सब एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, शिक्षा से स्वच्छता, स्वच्छता से स्वास्थ्य और स्वास्थ्य से विकास, यह विकास सिर्फ मानव विकास ही नहीं बल्कि राष्ट्र विकास है। गांधी जी ने कहा था कि राजनीतिक स्वतन्त्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है यदि कोई व्यक्ति स्वच्छ रहेगा तभी स्वस्थ रहेगा नहीं तो वह स्वस्थ नहीं रह सकता। मैं कहना चाहूंगा कि आज यह पूरा समाज, जहां हम स्वस्थ समाज की बात करते हैं, अभी हमारे पूर्व के वक्ताओं ने, मा0 सदस्यों ने कहा कि हम सफाई तो करते हैं लेकिन उस सफाई को अपने घर से निकाल करके नाले में हम डालने का कार्य करते हैं, जबकि यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि यदि हम ऐसा करेंगे तो कहीं न कहीं हम अपने आपको बीमारियों से ग्रसित करने का कार्य करते हैं।

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि स्वच्छता की इस गम्भीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी ने स्वस्थ भारत मिशन की शुरूआत 02 अक्टूबर, 2014 को महात्मा गांधी जी की 145वीं जयन्ती के अवसर पर किया था। लेकिन अफसोस 2014 से 2017 के बीच में जो हमारी पूर्ववर्ती सरकारें थीं उन्होंने केन्द्र की योजनाओं को गांव, गरीब, किसानों के घरों तक पहुंचाने का कार्य नहीं किया। प्रदेश में जब 2017 में परम पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी के नेतृत्व में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है, तो केन्द्र की योजनाओं का लाभ जो गरीबों को मिलना चाहिए, दिया गया, शौचालय दे करके हर घर को स्वच्छ और साफ रखने का कार्य भारतीय जनता पार्टी की योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किया है। वहीं पर अगर हम बात करें 2017 से 2019 के बीच में तो 2 करोड़ 61 लाख शौचालय बनाकर पूरे प्रदेश को खुले में शौच से मुक्त करके पूर्वी उत्तर प्रदेश को इंसेफेलाइटिस से मुक्त करने का कार्य योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किया है, साथ ही साथ इससे भू-जल प्रदूषण में भी कमी आई है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व आदर्शवादी रहा है। उनका मानना था कि सामाजिक उन्नति में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण योगदान है।

अधिष्ठाता महोदय, जहां तक ऊर्जा की बात है तो भारत विश्व की तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और अनुमान है कि वर्ष 2040 तक विश्व स्तर पर बढ़ती हुई ऊर्जा मांग में भारत का योगदान 1/4 होगा। भारत में वर्ष 2000 से अब तक ऊर्जा का उपयोग लगभग दो गुना हो गया है, प्रतिव्यक्ति उपभोग विश्व औसत का 1/3 है और 237 मिलियन भारतीयों को बिजली उपलब्ध नहीं थी। प्रधानमंत्री जी ने यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जतायी कि वर्ष 2019 तक 27 मिलियन परिवारों को बिजली उपलब्ध करा दी जाय और उसी के क्रम में प्रधानमंत्री जी ने उज्ज्वला योजना के माध्यम से 1 लाख 67 हजार मजरों में विद्युतीकरण कराने का कार्य किया और 1 लाख 10 हजार विद्युत कनेक्शन देने का कार्य

किया और यह तभी सम्भव है जब केन्द्र और प्रदेश में एक अच्छी सरकार है जो सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास ले करके चल रही है। तब जाकर यह सपना साकार हुआ नहीं तो 2014 में इसी उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार थी, उस समय हम लोगों ने ऐसे-ऐसे मजरों को देखा है जिन मजरों में आजादी के बाद से आज तक जिस पर उनका अधिकार था नहीं दिया गया। सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक हमें हर जगह बिजली की आवश्यकता होती है, आजादी के बाद से 70 साल के बाद भी बिजली उन मजरों में नहीं पहुंची थी। दीपावली के अवसर पर जा करके जब उन मजरों में बिजली के स्विच को ऑन करके बिजली देने का कार्य हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार और केन्द्र की मोदी जी की सरकार ने किया है। उन गांव में जो हमारा गरीब किसान बसता है उन्हीं गांवों से इस पूरे देश की अर्थव्यवस्था चलती है, जब उस गांव का किसान अपने घर में जलता हुआ बल्ब देखता है तो उसके चेहरे पर जो खुशी होती है उसका वर्णन नहीं किया जा सकता है।

अधिष्ठाता महोदय, उस बिजली को उपयोग करने का सभी को अधिकार है लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने चाहे वह केन्द्र में कांग्रेस की सरकार रही हो या प्रदेश में जो सपा और बसपा की सरकारें रहीं हैं उन्होंने जहां गांव के लोग बसते हैं जहां हमारा दिल बसता है, जहां हमारा किसान बसता है उनको इन सुविधाओं से वंचित रखने का कार्य किया है। आज हमारी प्रदेश सरकार ने और केन्द्र में मोदी जी की सरकार ने उन्हें बिजली दे करके उनके चेहरे पर खुशी लाने का प्रयास किया है। आज हमारे प्रदेश में जब योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार बनी तो गांव में 18 घण्टे, तहसील में 20 घण्टे और जिले में 24 घण्टे बिजली देने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। आज ट्रांसफारमर 24 घण्टे में शहरों में और 48 घण्टे में देहातों में बदल दिये जाते हैं पहले तो ट्रांसफारमर जलते थे तो महीनों से ऊपर लग जाते थे व्यवस्था को ठीक करने में। यह एक अच्छी सरकार है, एक पारदर्शी सरकार है, जो गांव, गरीब, किसानों के बारे में सोचती है और उनकी भलाई के लिए योगी आदित्यनाथ जी की सरकार काम कर रही है। जैसा कि हमारे मा0 सदस्यों ने अपने-अपने विधान सभा क्षेत्रों में हुए कार्यों को बताया है, मैं भी अपने विधान सभा क्षेत्र में हुए कार्यों को बताना चाहता हूं। सबसे बड़ा कार्य हमारे विधान सभा क्षेत्र में जो हुआ है वह पिपराइच चीनी मिल का हुआ है।

हमारे मुख्य मंत्री जी जब सांसद थे, उस समय यह विधान सभा क्षेत्र उनके क्षेत्र में आता था, हमारे मुख्य मंत्री जी ने सांसद रहते हुए बहुत कार्य किये थे। वास्तव में व्यक्ति कर्म से ही महान होता है जैसा कहा गया है कि कर्म की ही पूजा होती है तो जो आज इस जगह पहुंचा है, निश्चित रूप से उसने ऐसा कर्म किया है चाहे वह देश का प्रधानमंत्री हो या उत्तर प्रदेश का मुख्य मंत्री हो। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि पहले भी हम लोग साथ-साथ चलते थे, लेकिन जब हम विधान सभा क्षेत्रों में जाते हैं तो देखते हैं कि सांसद रहते हुए कोई गांव ऐसा नहीं बचा होगा जहां सांसद निधि से काम न हुआ हो। पूर्व के जो हमारे विधायक थे

एक भी कहीं उनका शिलापट देखने के लिए नहीं मिलता है, क्योंकि उन लोगों ने अपनी निधि को बेचने का कार्य किया था, उन्होंने अपनी निधि का उपयोग विकास में नहीं किया था। हमने तो कहा कि मैं अपनी विधायक निधि का एक रुपया भी विद्यालयों में नहीं दूंगा और मैं उसको कर के दिखा भी रहा हूं, मैंने ढाई सालों में अपनी विधायक निधि का एक रुपया भी नहीं दिया है।

दो वित्तीय वर्ष में मैंने लगभग 70 कार्य किये हैं और जो 100 हैण्डपम्प मिले हैं मैंने पूरी ईमानदारी के साथ मेरे यहां जो भी आया मैंने उसको देने का काम किया है। आज पूरा प्रदेश विकास के रास्ते पर चल रहा है, आज हमारे पिपराइच विधान सभा क्षेत्र में पिपराइच चीनी मिल जो वर्षों से बन्द पड़ी थी, बसपा की सरकारों ने तो उसको बेच दिया था और सपा ने उसकी मशीनरी को भी नीलाम कर दिया था। आज जब प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो हमारे मुख्य मंत्री जी ने हमारी पिपराइच विधान सभा क्षेत्र को पिपराइच चीनी मिल, जिसकी लागत 401 करोड़ रुपया है, दे करके गांव में बसने वाले किसानों के चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य किया है। इसके लिए मैं पिपराइच विधान सभा क्षेत्र की जनता की ओर से उनको धन्यवाद् देता हूं और कोटि-कोटि नमन करता हूं। पूर्वांचल जो कभी चीनी का कटोरा कहा जाता था, सारी चीनी मिलों को सरकारों ने बेचने का कार्य किया, उसको सजाने, संवारने और चलाने का कार्य नहीं किया। आज जब उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है तो पूरे प्रदेश में जहां-जहां हमारी चीनी मिलें थीं, उनको हमारी सरकार चलाने का कार्य कर रही है, जहां क्षमता कम है उनकी क्षमतावृद्धि करने का भी कार्य हमारी सरकार कर रही है। वहीं पर उस चीनी मिल को अनवरत चलाने की जो हमारी सरकार की सोच रही है उसमें डिस्ट्रिलरी भी है और पॉवर प्लान्ट भी है। जहां एनर्जी की बात है तो हम अपनी बगात से पॉवर प्लान्ट को चलायेंगे और जो शुगरकेन है उससे एथनॉल भी बनायेंगे, यह एक अच्छी सोच है।

जब विजन अच्छा होगा तभी कार्य अच्छे होते हैं वैसे केवल चीनी बनाने से मैं समझता हूं कि जितनी भी शुगर फक्ट्रियां हैं वह सारी घाटे में चलती हैं। पॉवर प्लान्ट और डिस्ट्रिलरी के साथ-साथ जब चीनी मिल चलेगी तो निश्चित रूप से उसका भविष्य अच्छा रहेगा, उज्ज्वल रहेगा। वहीं पर गोरखपुर में फर्टिलाइजर खाद का कारखाना, गोरखपुर में एम्स यह सारी चीजें कहीं न कहीं यह प्रदर्शित करती हैं कि यह सरकार विकास के प्रति कितनी अग्रसर है। हमारे यहां कोलवा घाट का पुल काफी वर्षों से पड़ा था, 1993-94 से बह्मलीन अवैद्यनाथ जी महाराज ने कोलवा घाट का पुल बनाने का वादा किया था लेकिन काफी समय के बाद जब उत्तर प्रदेश में आदित्यनाथ महाराज जी के नेतृत्व में सरकार आई तो वहीं पर कोलवा घाट का पुल लगभग 31 करोड़ रुपए की लागत से बन करके तैयार हुआ। हमारे विधान सभा क्षेत्र में लगभग सात मीटर चौड़ीकरण के साथ लगभग 48 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ और

लगभग 200 किलोमीटर तक की जो सड़कें टूटी हुई थीं वह गड्ढ़ामुक्त हुईं और एक हमारे विधान सभा क्षेत्र में आई0टी0आई0 कॉलेज, एक सचिवालय और लगभग 6 शवदाह गृहों का निर्माण और एक सी0एच0सी0 का निर्माण हमारे मुख्य मंत्री जी ने कराने का कार्य किया है इसके लिए मैं अपनी पिपराइच विधान सभा क्षेत्र की जनता की ओर से अपने मुख्य मंत्री जी को कोटि-कोटि नमन करता हूं और अपने प्रधानमंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देता हूं कि ऐसे यशस्वी प्रधानमंत्री का नेतृत्व हम सभी को मिला है जिसके नेतृत्व में भारत के विश्व गुरू बनने का सपना पूरा हो रहा है। आज इस अवसर पर मैं एक बार पुनः महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं, जय हिन्द, जय भारत और प्रधानमंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ कि ऐसे यशस्वी प्रधानमंत्री का नेतृत्व हम सभी को और पूरे देश को मिल रहा है जिनके नेतृत्व में भारत विश्व गुरू बनने का सपना देख रहा है। निश्चित है कि यह सपना पूरा भी हो रहा है और आज के इस अवसर पर एक बार पुनः मैं महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर उनको श्रद्धांजली अर्पित करता हूँ और साथ ही साथ पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शात्री जी को भी श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूँ। जय-हिन्द जय-भारत।

[*][02:15] **उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (श्रीमती नीलिमा कटियार)**-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के इस शुभ अवसर पर उत्तर प्रदेश के इन दोनों सदनों में एक ऐतिहासिक बैठक हो रही है और माननीय अधिष्ठाता महोदय आज इस पुनीत-पावन अवसर पर आपने मुझे बोलने का जो अवसर दिया है उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ।

अधिष्ठाता महोदय, महात्मा गांधी जी ने राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं के लिए और अगर वह कहीं किसी सत्ता व्यवस्था से जुड़ते हैं तो उसके लिए उन्होंने एक मूल मंत्र दिया था, एक परिभाषा दी थी कि अगर राजनीतिक क्षेत्र का कोई कार्यकर्ता किसी सत्ता-व्यवस्था से जुड़ता है और व्यवस्था से जुड़ने के कारण किसी निर्णय और नीति बनाने की स्थिति में आता है तो महात्मा गांधी जी के विचार के अनुसार, उनके सिद्धांत के अनुसार और उनकी मान्यता के अनुसार वह जो भी निर्णय ले और वह निर्णय लेते समय, नीति बनाते समय, योजना बनाते समय उसके मस्तिष्क में, उसके ध्यान में दूर कहीं बैठा निरीह व्यक्ति जिसकी आवश्यक आवश्यकतायें पूरी नहीं हुई हैं उस निरीह व्यक्ति के ऊपर वह जो निर्णय नीति-नियंता व्यवस्था के नाते कार्यकर्ता ले रहा है, उसका क्या प्रभाव पड़ेगा? यह अपेक्षा महात्मा गांधी जी ने राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों से की थी। आज हम देशवासी महात्मा गांधी जी की जन्म जयन्ती मना रहे हैं, तो स्वाभाविक रूप से मन में प्रश्न उभरा कि

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आज जब हम उनकी 150वीं जयन्ती मना रहे हैं तो स्वाभाविक है कि 100वीं जयन्ती भी उनकी हुई होगी? और जब वह 100वीं जन्म-जयन्ती महात्मा गांधी जी की थी तो देश की स्वतंत्रता को 20 वर्ष बीत चुके थे और उनके नाम पर राजनीति करने वाले लोग, उनके काम पर राजनीति करने वाले लोग, उनके सिद्धान्तों की दुहाई देकर राजनीति करने वाले लोग उस समय व्यवस्थाओं में थे और उस समय सत्ता में भी थे, लेकिन यह तय बात है कि यह देश, यह प्रदेश उस समय की यात्रा से आगे आ चुका है, उस समय की परिस्थिति को देखा-भाला है तो हम जानते हैं कि जो अपेक्षा महात्मा गांधी जी ने राजनीति के क्षेत्र से की थी, व्यवस्था के क्षेत्र से की थी वह अपेक्षा तत्कालीन और वह वरीयता तत्कालीन व्यवस्था से जुड़े हुए लोगों के क्रम में नहीं थी और उनमें नैतिक बल और साहस ही नहीं था कि केवल और केवल औपचारिकता, केवल और केवल एक कार्यक्रम, केवल और केवल एक सतही जन्म-जयन्ती और जिस प्रकार का व्यक्तित्व उस महा मानव का रहा जिस प्रकार का कृतित्व इस दुनिया को वह देकर गये हैं और जिस प्रकार से उस अपेक्षा का निरादर स्वतंत्रता के तुरन्त बाद व्यवस्थाओं में सत्ताओं ने किया तो यह तय था कि 100वीं जन्म-जयन्ती तो उनकी औपचारिकता मात्र में ही बीत गयी है।

आज जब केन्द्र में माननीय मोदी जी के नेतृत्व में सरकार है, प्रदेश में माननीय योगी जी के नेतृत्व में सरकार है और इन सरकारों के माध्यम से हम चाहे किसी भी विभाग को देखें, हम चाहे किसी भी व्यवस्था की ओर देख लें, आज समग्रता में जो महात्मा गांधी जी की अपेक्षा थी, जो महात्मा गांधी जी का सपना था, कि जो स्वतंत्र भारत होगा उस स्वतंत्र भारत के लोगों की व्यवस्था से जुड़े हुए जो लोग होंगे उनकी सोचने की जो दिशा होगी वह दिशा को पूरी करती हुई यह सरकारें और इन सरकारों के काम-काज और काम-काज के जो परिणाम आज दिखायी दे रहे हैं और आज के ये बड़े-बड़े आंकड़े चाहे उत्तर प्रदेश की सरकार के नाते हों, चाहे केन्द्र की सरकार के नाते हों, वह जो निरीह व्यक्ति है जिसकी देख-भाल करने की बात जिसको वरीयता में रखने की बात महात्मा गांधी जी ने की थी आज उस निरीह व्यक्ति के सर पर छत है, आज उस निरीह व्यक्ति का जो राशन है जो कि खाद्य सुरक्षा गारंटी के अन्तर्गत बांधा गया है वह पारदर्शी व्यवस्था से भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था से उसके पास पहुँच रहा है और तमामों-तमाम जो निम्न स्तर का जीवन जीने वाले लोग थे, उनके जीवन का स्तर जो मूलभूत आवश्यकता है वह कैसे समग्रता में विकास की जो बात है। एक कॉमप्रेसिव डेवलेपमेन्ट की जो बात है तो वह कैसे हो ? इस ओर इन सरकारों ने काम किया है और वह परिणाम आज दिख रहा है और इन सरकारों की जो नीति थी, नियत थी जो वह स्पष्ट नीति थी और साफ नियति थी, उसके कारण यह संभव हो पाया है और वहीं वह आत्मबल था वहीं वह नैतिक बल था और आज जिस प्रकार से दोनों सदनों में जो उत्तर प्रदेश की सरकार है और माननीय जनप्रतिनिधिगण जो सरकार से जुड़े हुए लोग हैं वह पूरे आत्मविश्वास के साथ आज जो स्मृति

है महात्मा गांधी जी की, आज जो उनको श्रद्धांजलि समर्पित कर रहे हैं तो वह सच्ची श्रद्धांजलि लग रही है, सार्थक श्रद्धांजलि लग रही है और सही दिशा में जाती हुई श्रद्धांजलि लग रही है।

आज जब बात उच्च शिक्षा की हो रही है तो माननीय अधिष्ठाता महोदय, जो सस्टेनेबल डेवलेपमेन्ट की बात संयुक्त राष्ट संघ में और 2015 के अन्दर जिन 17 बिन्दुओं के अन्दर इसको समेटने की बात हुई उसमें से 16 बिन्दु जो उत्तर प्रदेश के अन्दर प्रासंगिक हैं और उसके हिसाब से जो उच्च शिक्षा की बात है, माननीय अधिष्ठाता महोदय, तो जो लक्ष्य रखा गया है सस्टेनेबल डेवलेपमेन्ट की दिशा में उच्च शिक्षा की दृष्टि से तो सामान्य रूप से सुलभता जो इस समय उच्च शिक्षा में सकल नामंकन दर है वह 25.9 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 40 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में सहारनपुर और आजमगढ़ में दो नए विश्वविद्यालय बनाने का काम हुआ है, 48 नए राजकीय महाविद्यालय कैसे व्यवस्थित रूप से संचालित हों इस ओर काम हो रहा है, विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध शोध पीठों की स्थापना की गयी है चाहे सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर हो, अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिष्ठ सेन्टर एवं सेन्टर फॉर एक्सिलेन्स इन हिन्दुइज़्म, बुद्धिष्ठ एवं जैनिज्म के रूप में विकसित किए जाने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय में स्थापित किए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध केन्द्र में प्राच्य भाषा एवं विदेशी भाषा केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। प्राच्य भाषा के अन्तर्गत संस्कृत, पाली, प्राकृत एवं अपभृन्ष एवं विदेशी भाषाओं में नेपाली, तिब्बति, सिंघली, जापानी, थाई एवं कोरियाई भाषाओं एवं संस्कृति का अध्ययन कराया जायेगा। वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में एम0एस0सी0 एवं पी0एच0डी0 पाठ्क्रमों के लिए प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह रज्जू भईया जी का इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिकल साइंस ऑफ स्टडी एवं रिसर्च और रिसर्च सेन्टर फॉर रिनीवल एनर्जी एवं नैनो साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी स्थापित किए जाने का शासनादेश निर्गत किया जा चुका है। महायोगी गुरू श्री गोरखनाथ जी के मनतव्यों एवं उपदेशों को एकत्र करके योगानुकूल सिद्धांतों एवं प्रयोगों को जीवनोपयोगी कार्य तथा व्यवहार में परिवर्तित करने के लिए पंडित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में महायोगी गुरू श्री गोरखनाथ शोध पीठ की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में अभिनव गुप्त इन्स्टीट्यूट ऑफ एथलेटिक्स एण्ड सैफ फिलॉसिपी की स्थापना हेतु शासनादेश निर्गत किया गया है। शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश के 13 विश्वविद्यालयों में पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना हुई है और उसके लिए प्रत्येक विश्वविद्यालय को 50 लाख रुपये की धनराशि अवमुक्त कर दी गयी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने हेतु पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना हेतु 200 लाख की धनराशि अवमुक्त कर दी गयी है। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय में भाऊराव देवरस शोध पीठ की स्थापना के लिए

200 लाख की धनराशि अवमुक्त करी गयी है। लखनऊ विश्वविद्यालय में ही अटल सुशासन पीठ की स्थापना के लिए 200 लाख की स्वीकृति बजट में हुई है। राज्य विश्वविद्यालयों में शोध कराये जाने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्गत पी0एच0डी0 रेगुलेशन 2016 को समस्त राज्य विश्वविद्यालयों में लागू करने हेतु, समस्त राज्य विश्वविद्यालयों की प्रथम नियमावलियों में संशोधन राज्य सरकार के स्तर से किए जाने हेतु शासनादेश भी निर्गत किया जा चुका है। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा के अभियान के अन्तर्गत 85 राजकीय महाविद्यालयों और 13 विश्वविद्यालयों को आधार भूत सुविधाओं एवं नवीनीकरण हेतु 581 करोड़ का अनुदान प्रदान किया गया है। महाविद्यालयों ने अनुदानित धनराशि का विभिन्न संकाय, डिजिटल लाइब्रेरी और उससे स्मार्ट क्लासेस का निर्माण किया है। उत्तर प्रदेश को लेकर राज्य विश्वविद्यालयों में एक बड़ा गंभीर विषय हुआ करता था कि एक-एक साल सत्र पीछे हुआ करते थे और इस कारण उत्तर प्रदेश का जो विद्यार्थी था उत्तर प्रदेश का जो मेधावी था वह भारत में किसी भी स्थान पर प्रतियोगी परीक्षाओं में एक वर्ष पीछे हो जाया करता था, इस कारण राज्य विश्वविद्यालयों में शैक्षिक पंचांग शासन स्तर से निर्धारित कर दिया गया है जिसके अनुसार 25 जून तक समस्त परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गये और 10 जुलाई से नया सत्र प्रारम्भ कर दिया गया है। सत्र निर्धारण किए जाने के फलस्वरूप विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में पठन-पाठन का कार्य नियमित रूप से हो रहा है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, बड़ा ही हर्ष का विषय है कि जो विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह हुआ करते थे उनका आयोजन और उस आयोजन से जुड़े हुए उनके जो संदर्भ थे उन सबसे कहीं न कहीं उत्तर प्रदेश के अन्दर विश्वविद्यालय अछूते रह गये थे। इस प्रकार सभी विश्वविद्यालयों में दीक्षांत समारोह बड़े ही उत्साह पूर्वक और उस प्रकार से मेधा का प्रोत्साहन उत्तर प्रदेश के अन्दर बड़े उत्साह के साथ दीक्षांत समारोह समय से आयोजित करने की व्यवस्था उत्तर प्रदेश में की गयी है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों, शासकीय महाविद्यालयों और अशासकीय महाविद्यालयों को मैक के मूल्यांकन हेतु प्रेरित किया जा रहा है और इस दिशा में लगातार इसकी मॉनीटरिंग हो रही है। जन्तु विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान में चयनित 315 अभ्यर्थियों की काउन्सिलिंग प्रथम बार ऑनलाईन माध्यम से उत्तर प्रदेश के अन्दर हो रही है और यह पाईलेट प्रोजेक्ट की तरह लिया गया है। यहां पर अभ्यर्थियों की व्यवस्था अत्यंत सुविधाजनक होगी और इससे पूर्ण निष्पक्षता तथा पारदर्शिता से काउन्सिलिंग का कार्य संपादित किया जायेगा। इस व्यवस्था के अन्तर्गत अभ्यर्थी द्वारा अपनी लॉगिंग पर जाकर एलॉटमेन्ट ऑर्डर कहीं भी प्राप्त किया जा सकता है। एक बड़ा महत्वपूर्ण निर्णय जो भर्ती की प्रक्रिया और इस प्रक्रिया में तमाम बाधायें और इस प्रकार की परिस्थितियां हम उत्तर प्रदेश के परिवेश में देख रहे हैं कि महाविद्यालयों में जितने पद भरे हैं उससे ज्यादा पद रिक्त हैं, कैसे यह व्यवस्था व्यवस्थित हो इस कारण माननीय मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में जून 2019 को

बैठक में लिए गए निर्णय के क्रम में उच्च शिक्षा माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग नए शिक्षा आयोग के गठन की कार्यवाही को प्रोसेस में डाल दिया गया है, जल्द ही वह सामने होगी। जनहित गारण्टी अधिनियम के अन्तर्गत उच्च शिक्षा विभाग की तीन सेवाएं राज्य की शिक्षण संस्थाओं द्वारा निर्गत शिक्षक के प्रमाण पत्रों की आनलाइन निर्गतीकरण, राज्य की शिक्षण संस्थाओं द्वारा निर्गत शैक्षिक प्रमाण पत्रों के ऑनलाइन सत्यापन और राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रमाण पत्रों को आन लाइन निर्गत किया जाना इसको लागू किया जा चुका है। स्व0 अटल बिहारी बाजपेई जी जो कानपुर के डी0ए0वी0 कालेज के छात्र रहे थे, उनकी स्मृति में डी0ए0वी0 कालेज, कानपुर और वहां पर सेन्टर आफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए पांच करोड़ रुपए तय किए गए हैं। राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों के स्थानान्तरण ऑनलाइन व्यवस्था के अन्तर्गत पहली बार कराए गए हैं। एक बड़ा प्रतीक्षित जो सबकी चिन्ता का विषय था, लगातार जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में और उच्च शिक्षा के माध्यम से जो गुणवत्ता थी और जो निजी विश्वविद्यालयों के माध्यम से वहां पर जो हम चीजों को रेगुलेट नहीं कर पा रहे थे, बार-बार उस जगह से मांग आ रही थी कि वहां पर शिक्षण का कार्य कैसे व्यवस्थित हो, सुधार का काम हो तो बड़ा महत्वपूर्ण कार्य उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम माननीय मंत्रि-परिषद् की बैठक में 25 जुलाई, 2019 में यह अधिसूचना जारी हुई है।

विश्वविद्यालयों में प्रवेश तथा फीस संरचना की पारदर्शी प्रक्रिया तथा मानक का विनिश्चय प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ होने के पूर्व करते हुए उसे सार्वजनिक किया जाएगा इस अधिनियम के माध्यम से समस्त परियोजनओं के लिए शुल्क संरचना का विनिश्चय कार्य परिषद् द्वारा किया जाएगा परन्तु विश्वविद्यालय द्वारा राज्य सरकार की किसी विद्यमान विधि के अधीन अपेक्षित अथवा विनायक निकायों द्वारा नियत शुल्क से अधिक शुल्क छात्रों से नहीं लिया जाएगा। नए निजी विश्वविद्यालयों के प्रत्येक कर्मचारी को इस अधिनियम तथा उसके अधीन बनाए गए परिनियमों के उपबन्धों के अनुसार नियुक्त किए जाएंगे। विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रमों को प्रारम्भ होने के पांच वर्ष की अवधि के भीतर राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् नैक का प्रत्यायन तथा ऐसे अन्य प्रत्यायन जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर विहित किए जाएंगे प्राप्त करते हुए राज्य को सूचित करेंगे। यदि राज्य सरकार को यह प्रतीत होता है कि निजी विश्वविद्यालय द्वारा इस अधिनियम, परिनियमों, अध्यादेशों या उसके अधीन बनाए गए विनियमों के किसी उपबन्ध या उसके अधीन बनाए गए निदेश आदि का उल्लंघन होता है तो राज्य सरकार उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद् को प्रारम्भिक जांच संचालित करने के निर्देश दे सकती है। राज्य सरकार समय समय पर निजी विश्वविद्यालयों को ऐसे नीति विषयक मामलों पर निर्देश जारी कर सकती है जो इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो। जैसा वह आवश्यक समझती है। एक जो बात हो रही थी सकल नामांकन दर की और उसको बढ़ाने की बात उच्च शिक्षा के अन्दर तो उसमें एक महत्वपूर्ण निर्णय जिसकी बड़ी प्रतीक्षा हो रही थी

वह न्यूनतम समान पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों के अन्दर उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में न्यूनतम समान पाठ्यक्रम तैयार किए जाने हेतु पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है । वह समिति और उस समिति के उद्देश्य, कैसे सुधार आए इस पर समिति काम करेगी लेकिन मूल बिन्दु समिति के विचारार्थ यह है कि 60 प्रतिशत पाठ्यक्रम सभी विश्वविद्यालयों में समान रूप से लागू किए जाएंगे और 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अपनी आवश्यकताओं एवं भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार तय कर सकते हैं। कोई विश्वविद्यालय ऐसा सोचता है कि वह 100 प्रतिशत पाठ्यक्रम समान लागू करना चाहता है तो वह लागू कर सकता है।

समिति के माध्यम से विश्वविद्यालयों को रोजगार उन्मुख एवं कौशल विकास परक पाठ्यक्रम तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। यह सब वह प्रक्रियाएं हैं जिनके माध्यम से निश्चित रूप से जो उच्च शिक्षा का अन्तर आ रहा है वह अन्तर जो शिक्षार्थियों के बढ़ने की संभावना है वह निश्चित रूप से बढ़नी है। जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी है संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जो एजेंडा तय किया गया है 2030 के अन्तर्गत 17 लक्ष्यों के निर्धारण के साथ तो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, उत्तर प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के चयनित क्षेत्रों में शोध एवं विकास प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण, उद्यमिता प्रोत्साहन, बौद्धिक सम्पदा संरक्षण व जागरूकता जैव प्रौद्योगिकी की उन्नति एवं विकास प्रदेश के नव प्रवर्तकों का चिन्हीकरण, मार्गदर्शन तथा तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करना नक्षत्रशालों के माध्यम से खगोल व अन्तरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा आम जन मानस में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना जिससे प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति कर सके। परिषद् द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के शोधार्थियों विज्ञान छात्रों नव प्रवर्तकों किसानों, लघु उद्यमियों, युवा वैज्ञानिकों एवं आम जनमानस को लाभान्वित किया जा रहा है। वर्तमान में विज्ञान परिषद् द्वारा प्रदेश की आवश्यकतानुसार शोध एवं विकास के अन्तर्गत 100 शोध परियोजनाओं का संचालन और उनका वित्त पोषण विभिन्न वैज्ञानिक संस्थाओं कृषि चिकित्सा तकनीकी अन्य विश्वविद्यालयों केन्द्र और राज्य द्वारा संचालित शोध संस्थानों के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही परिषद् द्वारा प्रदेश में अध्ययनरत विज्ञान परास्नातकों को देश एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित शोध संस्थानों में रिसर्च एवं ट्रेनिंग का भी अवसर उनको आर्थिक सहायता देकर उनको फेलोशिप प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश में अध्ययनरत इंजीनियरिंग के छात्रों के नवाचार तथा स्थानीय एवं पर्यावरणीय समस्याओं पर आधारित प्रोजक्ट को प्रोत्साहित करने के उद्येश्य से सी0एच0टी0यू0पी0 अभियांत्रिकी विद्यार्थी प्रोजेक्ट अनुदान योजना इसको प्रारम्भ किया गया है। इसमें सात प्रोजेक्ट को चयनित करके उनको भी पोषित किया जा रहा है आर्थिक रूप से विभिन्न जनपदों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के आधुनिक क्षेत्रों मोबाइल व कम्प्यूटर रिपेयरिंग, टी0वी, फ्रिज रिपेयरिंग, सोलर, अक्षय ऊर्जा, जैव उर्वरक उत्पादन, जैविक खेती,

मैकेनिक आदि में साप्ताहिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। परिषद् द्वारा जैव प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत प्लांट टिश्यू कल्चर तकनीकी का उपयोग करते हुए प्रति वर्ष लगभग 18 लाख केले के पौधों का उत्पादन प्रदेश के लगभग ढाई हजार से ज्यादा किसानों को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराया गया है। वर्ष 2022 तक किसानों की आय दो गुना करने के दृष्टिगत विज्ञान परिषद् द्वारा पशु चारे के रूप में मजोले का उत्पादन, जैव उर्वरक के रूप में नील हरित शैवाल बर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन किसानों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन और वर्तमान वित्तीय वर्ष में चार सौ कि0ग्रा0 नील हरित शैवाल का उत्पादन करके किसानों को निःशुल्क वितरित किया गया है।

पांच जनपदों में कृषि विज्ञान केन्द्र की सहायता से चार सौ से ज्यादा किसानों को प्रशिक्षित किया गया और 45 कृषक प्रक्षेत्रों पर धान के खेत में प्रदर्शन भी किया गया। पशुओं को पौष्टिक चारे एवं अधिक दुग्ध उत्पादन हेतु 50 कि0ग्रा0 अगोला का उत्पादन कर किसानों के मध्य निःशुल्क वितरित किया गया। परिषद् द्वारा प्रदेश के नव प्रवर्तकों का चिन्हाकन, मार्गदर्शन एवं उन्हें तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अन्तर्गत अशिक्षित जनमानस, गैर संस्थागत लोगों, किसानों, शिल्पकारों, कारीगरों, मिस्त्रियों आदि को लाभान्वित किया जा रहा है। नव प्रवर्तकों को तकनीकी सहायता एवं उनके नवाचारों के मूल्य संवर्धन हेतु प्रदेश में दो एक्यूबेशन सेन्टर, आई0आई0टी0, बी0एच0यू0 एवं एम0एम0यू0टी0 गोरखपुर में स्थापित किए हैं। प्रदेश में नए प्रवर्तकों के प्रोत्साहन के उद्देश्य से कौन बनेगा नन्हा कलाम कार्यक्रम का आयोजन प्रारम्भ किया गया है। यह कार्यक्रम पायलट प्रोजक्ट के रूप में जालौन लखनऊ, महाराजगंज एवं उन्नाव में चलाया गया इसमें बड़ा ही उत्साहजनक रिस्पॉंस आया पांच हजार से ऊपर की संख्या में छोटे क्लास 6 से 12 तक के बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ कौन बनेगा नन्हा कलाम के अन्तर्गत सहभागिता सुनिश्चित करी और तमाम मेधावी और इनोवेटिव उसमें से निकलकर आए हैं। खगोल एवं अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में जन सामान्य विशेषकर विद्यार्थियों में रुचि एवं ज्ञान संवर्धन हेतु प्रदेश में तीन नक्षत्रशालाओं एवं दो मोबाइल नक्षत्रशालाओं का संचालन किया जा रहा है। इन नक्षत्रशालाओं के माध्यम से वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग 80 हजार जनमानस लाभान्वित हुए। विज्ञान लोकप्रियकरण के अन्तर्गत समाज और जनमानस में वैज्ञानिक सोच और दृष्टिकोण उत्पन्न करने, अभिरुचि उत्पन्न करने, वैज्ञानिक वातावरण स्थापित करने, समाज में फैले अन्धविश्वासों व अलौकिक चमत्कारों का पर्दाफाश करने हेतु जिला विज्ञान क्लबों के माध्यम से प्रदेश के समस्त जनपदों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार सम्पूर्ण विश्व की मानवजाति के सर्वांगीण एवं सतत विकास के लिए जो एजेण्डा वर्ष 2030 के अन्तर्गत निर्धारित 17 लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर सहायक है। उसमें विज्ञान परिषद् उत्तरोत्तर संवर्धन के दृष्टिगत परियोजनाओं का और उसको पायलट रूप में भी कई प्रोजेक्ट को लेकर इसको आगे बढ़ाने की पूरे प्रदेश के अन्दर योजना है।

किसी भी क्षेत्र के सस्टनेबुल डेवलपमेंट के लिए जरूरी है कि उस क्षेत्र के समस्त प्राकृतिक संसाधन मुख्यतः जल एवं भूमि इत्यादि से सम्बन्धित शुद्ध सटीक एवं सामयिक आंकड़े उपलब्ध हो ताकि उक्त आंकड़ों को दृष्टिगत रखते हुए सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सार्थक प्रयास सुनिश्चित किए जा सकें। रिमोट सेंसिंग और जी0पी0एस0 तकनीक के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों सम्बंधी शुद्ध सटीक एवं सामयिक आंकड़े अत्यन्त ही सुगमता से सृजित किए जा सकते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए रिमोट सेंसिंग एप्लीकेसन सेन्टर लगातार अपने योगदान को दे रहा है। रिमोट एप्लीकेशन सेन्टर के माध्यम से वर्ष 2017-18 एवं वर्तमान वर्ष 2018-19 में प्रदेश में बाढ़ एवं सूखे की स्थिति नदियों द्वारा कटान का आंकलन तथा प्रदेश के गोरखपुर एवं बलिया जनपदों में बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर बाढ़ प्रबन्धन हेतु विभिन्न मानचित्रों का सृजन कर बेहतर बाढ़ प्रबन्धन हेतु संस्तुति तकनीकी रिपोर्ट सिंचाई विभाग को रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेन्टर के माध्यम से मिली है। प्रदेश के विभिन्न विभागों में लघु सिंचाई विभाग, आवास विकास परिषद्, उत्तर प्रदेश जल निगम, राजकीय निर्माण निगम, लखनऊ मेट्रो रेल कारपोरेशन, लखनऊ कैन्टोमेंट बोर्ड इत्यादि में प्रदेश के चयनित जनपदों में भूजल उपलब्धता हेतु ड्रिलिंग के लिए उपयुक्त स्थलों के चिन्हीकरण हेतु 1182 बिन्दुओं पर भू भौतिकी सर्वेक्षण उपरान्त ड्रिलिंग हेतु रिमोट सेंसिग से ही संस्तुति हो सकी। प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र के महोबा जनपद के चरखारी विकास खण्ड, झांसी जनपद के बबीना विकास खण्ड, हमीरपुर जनपद के सरीला एवं सुमेरपुर विकास खण्डों बांदा जनपद के जसपुरा विकास खण्ड तथा चित्रकूट जनपद के मऊ विकास खण्ड में कृत्रिम पुनर्भरण एवं जल संचयन हेतु उपयुक्त स्थलों एवं संरचनाओं का चयन एवं तकनीकी रिपोर्ट लघु सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश को रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेटर के माध्यम से ही उपलब्ध हो पाई है। प्रदेश के सोनभद्र जनपद के दो खनन क्षेत्रों का उपग्रही आंकड़ों के माध्यम से चिन्हांकन तथा सजरा स्तर तक डिजिटल डाटा बेस के सृजन का कार्य पूर्ण कर रिपोर्ट भी भूतल एवं खनिकर्म विभाग को रिमोटसेंसिंग से ही हो पाया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा चिन्हित सात राज्यमार्गों एवं सहारनपुर जनपद में चिन्हित 54 कि0मी0 मार्ग पर मोबाइल रडार तकनीकी से सड़क चौड़ीकरण हेतु सर्वेक्षण कार्य पूर्ण एवं राज्य सेतु निगम द्वारा लखनऊ शहर में हुसेन गंज से डी0ए0वी0कालेज तक सर्वेक्षण एवं एनालिसिस का कार्य रिमोटसेंसिंग से सम्पन्न हुआ है। लखनऊ जनपद के प्रस्तावित तीन पुलों हेतु मोबाइल रडार सर्वेक्षण रिमोट सेंसिंग से पूर्ण हुआ है। सिंचाई विभाग में प्रदेश के माता टीला जलाशय ललितपुर जनपद के शहजाद बांध के जलाशय में बेती मैट्रिक तकनीकी द्वारा जलाशयों में जमा सिल्ट के आंकलन हेतु सर्वेक्षण तथ्यपरक् और अयोध्या फैजाबाद जनपद में 10 कि0मी0 क्षेत्र में सरयू नदी का बेती मैट्रिक सर्वेक्षण और एनॉलिसिस का कार्य पूरी तरह से मानचित्र के माध्यम से रिमोट सेंसिंग से हो सका है। बाराबंकी एवं बस्ती जनपद में घाघरा नदी में लगभग 70 कि0मी0 बेती मैट्रिक सर्वेक्षण

का कार्य रिमोट सेंसिंग के माध्यम से सुनिश्चित हुआ है। पुरातत्व विभाग के लिए टेरिस्ट्रियल लिडार द्वारा लखनऊ शहर के आलमबाग चर्च गेट का काम रिमोट सेंसिंग से पूरा हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 8 जनपदों गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, मुजफ्फनगर, बागपत, शामली एवं बुलन्दशहर तथा 17 चयनित जनपदों में फसलों के अवशेषों को जलाने की रोकथाम हेतु मोबाइल एप्लीकेशन विकसित कर एस0एम0एस0, एलर्ट सिस्टम का सृजन किया गया है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, बड़ी गम्भीर पर्यावरणीय समस्या से एन0सी0आर0, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जूझता था। यह जो पराली जलाने की घटनायें होती थी और इसके बाद जो धुंध छाती थी, सांस लेना दूभर होता था, तो रिमोट सेंसिंग के माध्यम से मोबाइल पर एस0एम0एस0 और एलर्ट के माध्यम से जहां यह होता है, उसको तुरन्त रोका जाता है। निचली गंगा नहर, रोहणी, जामिनी एवं सजनाम और हैदरगढ़ नहरों के समावेश के क्षेत्रों में फसल आच्छादन, फसल सघनता एवं फसलोत्पादन में आये सकारात्मक परिवर्तनों का अनुश्रवण एवं मूल्यांकन इस रिमोट सेंसिंग से ही संभव हो पाया है। गेहूं, धान, गन्ना, सरसों एवं आलू की फसलों के आच्छादन का आंकलन एवं उत्पादन का पूर्वानुमान यह रिमोट सेंसिंग से हम परफेक्टली कर पा रहे हैं। प्रदेश के रायबरेली एवं इटावा जनपदों के पंचायती राज संस्थाओं के स्थानी सशक्तीकरण हेतु एसेट मैपिंग एवं एक्टिविटी प्लानिंग संबंधी कार्यों का संपादन भी हम रिमोट सेंसिंग के माध्यम से सुनिश्चित कर पा रहे हैं। रिमोट सेंसिंग हमारी और कितनी अपग्रेड हो, इस ओर और उस पर निर्भरता हमारी और कितनी बढ़े, इस ओर प्रदेश सरकार लगातार प्रयासरत है।

आज महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर निश्चित रूप से संयुक्त राष्ट्र संघ ने जो 17 बिन्दु सस्टनेबुल डेवलेपमेंट के लक्ष्य की तरफ रखा है। आज यह हमारे लिए गर्व और अभिमान का विषय है, गौरव का विषय है कि हम उन 16 बिन्दुओं को महात्मा गांधी जी के सिद्धांतों के आलोक में, महात्मा गांधी जी के विचारों के आलोक में और उनकी जो सोच थी, वह जो भारत की नैसर्गिक प्रवृत्ति की तरफ बढ़ती हुई सोच थी और भारत के स्वावलम्बन से स्वाभिमान की यात्रा थी, महात्मा गांधी जी के विचारों के साथ, उसके आलोक में हम इन 16 विषयों की चर्चा कर पा रहे हैं और निश्चित रूप से हमने जो सस्टेनेबुल डेवलेपमेंट की दिशा में 2030 तक का जो खाका खींचा है, जो योजना बनाई है, जिस प्रकार से स्पष्ट नीति और साफ नीयत के साथ हम काम कर रहे हैं। वह सही है कि हम समय से पहले ही अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे। आपने बोलने का समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

अब श्रीमती हेमलता दिवाकर कुशवाहा जी।

*[02:47] **श्रीमती हेमलता दिवाकर कुशवाहा**-

अधिष्ठाता महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद। सबसे पहले मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को और माननीय राज्यपाल महोदया जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने आज विशेष सत्र आयोजित करके हम सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर और प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर मैं उन्हें शत्-शत् नमन करती हूँ और उनके चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करती हूं।

मान्यवर, आज मुझे सदन में जिस विषय पर बोलने का अवसर प्रदान हुआ है, वह स्वच्छ जल, स्वच्छता और जलवायु परिवर्तन है। जल ही जीवन है, इस वाक्य से ही जीवन में जल है तो कल है, इससे पानी का महत्व स्पष्ट हो जाता है। जब जीवन में जल का महत्व इतना है तो क्यों हम जल को अनावश्यक, जाने-अनजाने, जान-बूझकर दूषित करने का प्रयास करते हैं ? आज हमारी पतित पावन गंगा और यमुना नदी भी दूषित होने से अछूती नहीं रही है। यद्यपि हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं- गंगा एक्शन प्लान, नमामि गंगे आदि योजनाओं के माध्यम से गंगा नदी और विभिन्न अन्य योजनाओं के माध्यम से अन्य नदियों को स्वच्छ रखने के लिए प्रयासरत् है। तथापि तीव्र गति से बढ़ते आर्थिक विकास की आवश्यकताओं ने उन प्रयासों को कमतर साबित किया है। मान्यवर, हमें सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किये जाने हेतु अभी नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए और गम्भीर प्रयास करने होंगे। जैसा कि हम जानते हैं कि साफ पानी और स्वच्छता एक दूसरे के अनुपूरक हैं। पानी एक आवश्यक कारक है जो स्वच्छता बनाये रखने के लिए परम आवश्यक है। आम तौर पर पानी के दूषित होने और उसके जगह-जगह, यहां-वहां फैल जाने से गन्दगी उत्पन्न होती है, जो अनेक बीमारियों का कारण बनती है। यदि हम पानी को साफ रखने और इसे संरक्षित रखने के लिए बेहतर उपाय कर सकेंगे तो स्वच्छता भी स्वतः उत्पन्न होगी। मान्यवर, स्वच्छता के लिए, जल संरक्षण व जल के उचित प्रबन्धन के लिए कदम उठाने होंगे। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र आगरा ग्रामीण में एक जिम्मेदार विधान सभा सदस्य होने के नाते प्रयासरत हूं। हमने कई नये पोखरों का निर्माण कराया है। कई पुराने पोखरों जिनकी कई सालों से सफाई नहीं हुई थी, उनकी सफाई कराई।

जल संरक्षण के लिए क्षेत्र के कई विद्यालयों में वाटर हार्वेस्टिंग टैंक भी लगवाये। जनता को स्वच्छ जल मिले, इसके लिए मैंने अपने क्षेत्र में 05 वॉटर ए0टी0एम0 भी लगवाये। मेरे क्षेत्र के तीन ब्लाक जो डार्क जोन में है, उसके लिए हम लोग हर प्रकार के समाधान के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी से 4-4 करोड़ के वॉटर टावरों के निर्माण के लिए स्वीकृति भी प्रदान करवा के लाये हैं। क्षेत्र की यमुना नदी के ऊपर चेक डैम बनाये जाने के लिए मैं प्रयासरत हूं।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

200 हैण्डपम्प भी मैंने अपने क्षेत्र में जल के लिए लगवाये तथा समरसेविल और टी0टी0एस0पी0 भी मैंने अपने क्षेत्र में लगवाये। जल संरक्षण के लिए इसके अतिरिक्त प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार के द्वारा जारी निर्देशों एवं कार्यक्रमों को मेरे द्वारा क्षेत्र में हम सम्भव क्रियान्वित किये जाने का प्रयास किया गया है। मान्यवर, सदन में उपस्थित विद्वान महानुभाव जानते होंगे कि जल, जलवायु का एक महत्वपूर्ण कारक है। जल को साफ, स्वच्छ व संरक्षित रख कर हम जलवायु को परिवर्तित होने से रोकने में काफी सफल हो सकते हैं। मान्यवर, जलवायु परिवर्तन को रोकने का प्रयास प्रदेश, देश की ही नहीं अपितु संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास के एजेन्डे का हिस्सा है। तीव्र गति से आर्थिक विकास की आवश्यकताओं ने जलवायु परिवर्तन को रोकने के प्रयास में रुकावट डाली है, लेकिन विकास की सही दिशा व क्रियान्वयन से जलवायु परिवर्तन को रोकना कोई गम्भीर समस्या नहीं है। ''उद्योगों की ओर, डगर को छोड़, प्रकृति को निगल रही है। कहां हुई कुछ भूल, कहां कुछ ढील रही।'' मान्यवर, इन पंक्तियों से प्रदेश व भारत सरकार की उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, शौचालय निर्माण आदि अनेक योजनायें जलवायु परिवर्तन को रोकने के प्रयास में बढ़े हुए कदम ही हैं। बी0एस0-4 से बी0एस0-6 मानकों का वाहनों में प्रयोग निश्चित ही इसी प्रयास में अगला कदम होगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों द्वारा फसल कटने के बाद डंठलों को जलाने का प्रयास किया जाता है, इससे निश्चित ही जलवायु प्रदूषित होती है। इसके लिए किसानों को जलवायु के प्रति जागरूक किये जाने की आवश्यकता है। जल संरक्षण के विभिन्न उपाय करके हम ऊर्जा संरक्षण को प्रोत्साहित करेंगे और यह ऊर्जा संरक्षण, जलवायु परिवर्तन को रोकने का एक कारगर प्रयास होगा। मान्यवर, सतत विकास जैसे मुद्दों पर सदन में चर्चा करते रहने से निश्चित ही हम न केवल वर्तमान पीढ़ी को बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए भी उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए, प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में प्रयासशील रहेंगे, जय हिन्द।

श्री अधिष्ठाता-

अब श्री विपिन सिंह जी।

[*][02:54] श्री विपिन सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन के अवसर पर आपने हमें बोलने का अवसर दिया। इसके लिए आपके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। महोदय, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन योजना लागू की, जिसमें उत्तर प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार जो समाजवादी पार्टी की थी, इसमें कोई सहयोग नहीं किया। जब से 2017 में प्रदेश की बागडोर गोरक्ष पीठाधीश्वर पूज्य योगी जी महाराज जी के हाथों में आई, तब से स्वच्छ भारत मिशन

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अभियान को गति मिली है और उसका परिणाम यह रहा कि 2017 से 2019 के बीच में पूरे प्रदेश में करीब 2 करोड़ 61 लाख शौचालयों का निर्माण हुआ। महोदय, जैसा कि आप भी जानते हैं, पूरा सदन जानता है और हम लोग खास करके पूर्वांचलवासी हैं। उस क्षेत्र में भयंकर इंसेफ्लाइटिस सहित गम्भीर बीमारियों का प्रकोप रहता रहा है। अधिष्ठाता जी, उसी तरह से जल ही जीवन है। अगर जल दूषित रहेगा तो पूरा भारतवर्ष कभी स्वस्थ नहीं रह सकता है। इसे हमें प्रदूषण मुक्त करने की आवश्यकता है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने हर घर को नल योजना से जोड़ने का कार्य आरम्भ किया है, जिसमें पूरे प्रदेश में गति से कार्य हो रहे हैं, इसका परिणाम कुछ दिनों में दिखाई देगा। अधिष्ठाता महोदय, हम चूंकि बाबा गोरक्षनाथ की धरती, गोरखपुर से निर्वाचित होकर के आये हैं। जिस धरती पर पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल को जिला कारागार में फांसी की सजा दी गई थी। वह क्रान्तिकारी धरती चौरी-चौरा, जहां अंग्रेजों के खजानों को लूटने का कार्य हमारे भारत माता के वीर सपूतों ने किया था। यह वही धरती है, जहां दोहरियाकला में फिरंगियो ने हमारे भारत माता के वीर सपूतों की जानें ली थीं।

अधिष्ठाता महोदय, पूर्ववर्ती सरकारों में जहां किसानों को खाद-बीज के बदले लाठियां मिलती थीं, गोलियां मिलती थीं। जब से पूज्य महाराज जी के नेतृत्व में सरकार बनी है, सारे किसान सुखी हैं। समय से खाद-बीज उनको उपलब्ध हो जाता है और उनके गेहूं, धान, दलहन, तिलहन के समर्थन मूल्य का तुरन्त भुगतान हो जाता है।

(इसी मध्य रात्रि 03 बजे अधिष्ठाता श्री मनीष असीजा पीठासीन हुए।)

अधिष्ठाता महोदय, हम धन्यवाद देना चाहेंगे प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री पूज्य महाराज जी को कि चूंकि हमारा क्षेत्र ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र करीब 70 कि0मी0 राप्ती नदी, रोही नदी, गुर्रा नदी के किनारे पर है और एक बंधा करीब 62 करोड़ रुपये की लागत से पूज्य महाराज जी की कृपा से 10 मीटर चौड़ा हो गया। जिसकी वजह से 1998 में पूरा शहर तबाह हुआ था। दूसरा, हावर्ड बंधा, जिसमें अभी पिछले साल रिसाव हो गया था। जिससे शहर में पानी घुसने लगा था। इलेक्ट्रानिक मीडिया, प्रिंट मीडिया ने उसको बड़ा व्यापक रूप में प्रचारित किया था। वह भी 29 करोड़ रुपये से 10 मीटर चौड़ा हो गया है और 7 मीटर लेपन हो गया है। अधिष्ठाता महोदय, हमारे क्षेत्र में नौसर जैसी महत्वपूर्ण जगह पर बस स्टैण्ड नहीं था, पूज्य महाराज जी ने वहां के लिए बस स्टेशन की स्वीकृति दी और उसका लोकार्पण भी माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा हो गया। अधिष्ठाता महोदय, हमारे वहां भउवा परबेला बन्धे पर, बगही कटान स्थल पर राप्ती नदी एकदम बंधे के पैरलल हो गई थी। 02 मीटर भी नहीं बचा था, उस पर एंटी रोजन कार्य 8 करोड़ 50 लाख रुपये का कराया है। इसके लिए हम पूज्य महराज जी को और मा0 सिंचाई मन्त्री जी को बधाई देते हैं। अधिष्ठाता महोदय, गोरखपुर शहर का करीब 80 प्रतिशत हिस्से का पानी रामगढ़ ताल होते हुए तरकुलानी रेगुलेटर तक जाता है और उससे जाकर राप्ती नदी में गिरता था, वहां पम्पिंग स्टेशन के लिए पूज्य महराज जी ने

75 करोड़ देकर उसके भी कार्य का शुभारम्भ करा दिया है, कार्य प्रगति पर चल रहा है इसके लिए भी हम पूज्य महराज जी को और मा0 सिंचाई मन्त्री जी को धन्यवाद देते हैं। अधिष्ठाता महोदय, हमारे क्षेत्र में बांसगांव विधान सभा क्षेत्र और ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र को जोड़ने के लिए चंदा घाट पुल की आवश्यकता थी, जिसके लिए पूज्य महराज जी ने 36 करोड़ रुपये देकर उसका भी शिलान्यास किया और कार्य प्रगति पर है। वर्ष 2020-2021 के बीच में यह भी पूर्ण हो जायेगा, इसके लिए भी पूज्य महराज जी को धन्यवाद देना चाहेंगे।

अधिष्ठाता महोदय, हमारे क्षेत्र में जितने भी धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल थे, उनके लिए पूज्य महराज जी ने करीब 15 करोड़ देकर सूरज कुण्ड धाम, रामलीला मैदान, मानसरोवर, मुंगेश्वर नाथ मंदिर, बुढ़िया माई मंदिर और तरकुलहा देवी मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य करा रहे हैं, इसके लिए भी हम पूज्य महराज जी को धन्यवाद देना चाहेंगे। अधिष्ठाता महोदय, परपचके घाट के निर्माण का कार्य चल रहा है जिस पर 51 करोड़ की स्वीकृति मिली है, कार्य प्रगति पर है, इसके लिए भी हम महराज जी को अपने यहां के ग्रामीण जनता की तरफ से धन्यवाद देना चाहेंगे। अधिष्ठाता महोदय, नौगढ़ से बाघागाढ़ा फोर लेन बनना शेष था, उस कार्य को 20 करोड़ राशि देकर पूर्ण करा दिया गया है, इसके लिए भी हम पूज्य महराज जी को धन्यवाद देना चाहेंगे।

अधिष्ठाता महोदय, मेरे क्षेत्र में अपराध रोकने की दृष्टि से दो नये थानों की स्वीकृति हुई है, जो इस समय प्रभावी हो गये है, इसके लिए भी हम पूज्य महराज जी को धन्यवाद देना चाहेंगे। अधिष्ठाता महोदय, 26 वर्षों से गोरखपुर का खाद कारखाना बन्द पड़ा था। पूज्य महराज जी जब सांसद थे तो भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री को गोरखपुर की धरती पर बुला करके उसका शिलान्यास कराया था, और इसका कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इसके लिए हम भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री और प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री को ढेर सारी बधाई देना चाहेंगे। अधिष्ठाता महोदय, गोरखपुर जनपद इंसेफ्लाइटिस के प्रकोप से गोरखपुर, बस्ती, देवरिया, आजमगढ़, महराजगंज, नेपाल और बिहार का काफी हिस्सा प्रभावित होता था। इसके रोक थाम के लिए भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है लेकिन ओ0पी0डी0 चालू हो गया है, इसके लिए भी हम पूज्य महराज जी को बधाई देना चाहेंगे। अधिष्ठाता महोदय, हमारे यहां लोक निर्माण विभाग से बहुतायत सड़को के बनाने का कार्य चल रहा है, इसके लिए हम पूज्य महराज जी को और मा0 उप मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहेंगे। अधिष्ठाता महोदय, हमारा क्षेत्र बाढ़ प्रभावित है। कम से कम 200 गावों में करीब 20 नदी बहती हैं, इस पर भी कार्य चल रहा है, इसके लिए भी हम मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 सिंचाई मंत्री जी को ढेर सारी शुभकामनाएं देना चाहेंगे। अधिष्ठाता महोदय, मेरे क्षेत्र में 4 बंटानिया ग्रामपुर है। हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री प्रत्येक वर्ष वहां पर जाकर दीपावली मनाते थे। जब से पूज्य महराज जी ने मुख्य मंत्री का पद संभाला, तो उन गांवों को राजस्व गांव का दर्जा मिल गया है। इन गांवो को 1064 भवन,

विद्यालय, सड़क, बिजली, टी0पी0एस0पी0 और स्कूल दिया गया है। इसके लिए यशस्वी मुख्य मंत्री जी को हम ढेर सारी बधाई देंगे। चूँकि पहली बार हम सदन में बोल रहे हैं, इसलिए आप सभी के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए, सादर प्रणाम करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

*[03:05] **श्रीमती शुचिस्मिता मौर्य**-

आज महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में गांधी दर्शन और विचार व्याख्यान माला की उत्तर प्रदेश विधान सभा द्वारा आयोजित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को सच्ची व विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। प्रणाम करती हूं मा0 मुख्य मंत्री योगी जी को, जिनके चिन्तन में दोनों सदनों में 36 घण्टे लगातार विचार प्रस्फुटन की अविरल ज्ञान गंगा प्रवाहित होने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर मुझे बोलने का अवसर मिला, इसके लिए मैं अधिष्ठाता महोदय का आभार एवं सदन को धन्यवाद देती हूं। वस्तुतः दर्शन उस विद्या का नाम है जो सत्य एवं ज्ञान की खोज कराता है। इसीलिए "□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□"। दक्षिण अफ्रीका में एक बार रेल यात्रा के दौरान उनके एक मित्र जिनका नाम जॉन रस्किन था, उन्होंने एक पुस्तक भेंट की, जिसका नाम था ''अन टू द लास्ट''। इस पुस्तक के सिद्धान्तों से महात्मा गांधी जी इतने प्रभावित हुए कि उनकी बात को कभी भूल नहीं पाये। उनके सिद्धान्त आज भी उतने ही सटीक हैं, जितने कल थे। उस पुस्तक का सार था सबके भले में ही अपना भला है और परिश्रम का जीवन ही सच्चा जीवन है। आज इसी सार को अपने में समाहित किये हुए हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' और अन्त्योदय के लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। गांधी जी का दर्शन एक प्रकार से जीवन, समाज व जगत का नैतिक पाठ था, इसीलिए गर्व से अहिंसा का प्रादुर्भाव हुआ है। उनकी अहिंसा उन समस्त मान्यताओं, धारणाओं और दृष्टियों के प्रतिवाद हैं, जिनका आधार भौतिकवाद रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के मौलिक विचारों ने मानव समाज के विकास के इतिहास में एक अत्यंत ही उज्जवल और पवित्र अध्याय की रचना की है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय जी, गांधी जी की विलक्षण राजनीतिक दूरदृष्टि एवं सात्विक विचारों ने आज की 21वीं शताब्दी के सभी राजनैतिक, सामाजिक एवं व्यक्तिगत समाधान भी निहित हैं। देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के व्यक्ति गांधी जी से प्रभावित थे फिर चाहें वह किंग मार्टिन लूथर हों, नेल्सन मण्डेला हों, खान अब्दुल गफ्फार खान हों या म्यानमार की यांग सांग सू ।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, गांधी जी के स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुदृढ़ भारत के सपने को पूर्ण करने के लिए हमारी टीम और प्रदेश की सरकार संकल्पित है और उन लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए सतत प्रयासरत है। अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर एक दूसरे के समानुपाती हैं।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

इन्हें और अच्छा बनाने के लिए, जीवन स्तर को और ऊंचा उठाने के लिए सतत प्रयासों को अपनाना होगा। आज हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यह कार्य करने में सफल हो रही है। इसी का परिणाम है कि आज अखण्ड भारत जो कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जन-जन के जीवन में जो बदलाव हो रहा है वह परिलक्षित हो रहा है। स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है कि आज कल का वातावरण और पर्यावरण भी शुद्ध हो। इसके लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी को बधाई देना चाहती हूं, जिन्होंने इस दिशा में अपना ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन किया है। साथ ही मा0 मुख्य मंत्री जी को भी बधाई देना चाहती हूं, जिन्होंने वृहद् वृक्षारोपण का ऐतिहासिक कार्य करके पर्यावरण संवर्धन में अपनी भूमिका निभाई है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र में सरकार द्वारा कई सराहनीय कार्य कराये गये हैं, जिनके द्वारा निश्चित तौर पर जनता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और उनके जीवन में ऊंचाई आयेगी। मिर्जापुर जनपद को जो मेडिकल कॉलेज दिया गया है, उसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद देती हूं और आमंत्रित करती हूं उप मुख्य मंत्री आदरणीय शर्मा जी को, जिन्होंने मेरे विधान सभा क्षेत्र में गर्ल्स डिग्री कॉलेज का निर्माण चालू कराया है। मैं धन्यवाद देना चाहूंगी उप मुख्य मंत्री आदरणीय केशव प्रसाद मौर्य जी को, जिन्होंने विकास खण्ड पहाड़ी में बेलगवी नदी पर पुल बनाने का कार्य किया है और जो प्रगति पर है। इसके बन जाने से लोगों के प्राणों की रक्षा होगी। बच्चों के पठन-पाठन में वृद्धि होगी और रोजगार भी मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मेरे विधान सभा क्षेत्र में विकास खण्ड सिटी में एक मंदिर को भी सौन्दर्यीकरण किया जाना प्रस्तावित है। स्वस्थ रहने के लिए चिकित्सा विभाग का बहुत बड़ा योगदान होता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूं कि विकास खण्ड पहाड़ी में वर्ष 2012 से बन्द पड़े सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ऋषभगढ़ को पूर्ण कराने का कार्य किया जाये और विकास खण्ड पहाड़ी के ग्राम सभा दांतीपुर जो वन क्षेत्र में पड़ता है, उसे मुख्य सड़क से जोड़ने का कार्य किया जाये। इसकी मांग बहुत पुरानी है और मा0 मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में है। इसलिए मैं आपके माध्यम से एक बार पुनः इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहती हूं।

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, गांधी जी के दर्शन से यह स्पष्ट होता है कि गांधी जी व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार हैं। उनका जितना भी चिंतन हम करेंगे, उतना ही विराट व्यक्तित्व उनका परिलक्षित होता है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, अन्त में मैं कहना चाहती हूं कि गांधीवादी दर्शन जीवन के विभिन्न पहलुओं के लिए शक्ति और पूर्ण प्रेरणा के निरन्तर स्रोत हैं जो युगों तक प्रकाश स्तम्भ के रूप में बने रहेंगे और 17वीं विधान सभा के हम सभी सदस्य गौरवान्वित हैं कि इस रिकार्ड में हम लोगों ने भी अपनी सहभागिता दिखायी है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपनी वाणी को विराम देती हूं। जय हिन्द, जय भारत।

[*] **[03:11] श्रीमती कृष्णा पासवान-**

मा0 अधिष्ठाता जी, आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और देश के पूर्व प्रधानमंत्री मा0 लाल बहादुर शास्त्री जी के जयन्ती के अवसर पर मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपकी आभारी हूं। उत्तर प्रदेश की विधान सभा का विशेष सत्र बुलाया गया, इसके लिए मा0 विधान सभा अध्यक्ष, मा0 मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देती हूं। गांधी जी अनेक अवसरों पर सरकार की मदद भी करते थे। उन्होंने वर्ष 1921 में गुजरात में कहा था, एक समय मैंने जनता को सलाह दी थी कि मुश्किल के वक्त पर सरकार की मदद के लिए लोगों को फौज में भर्ती होने के लिए समझाने गया था। तमाम ऐसे अत्याचार जलियावाला कांड का नरसंहार, चौरी-चौरा काण्ड ने गांधी जी का हृदय परिवर्तित कर दिया था। गांधी जी सबकी समृद्धि चाहते थे, वैसे ही हमारी सरकार भी सबके कल्याण के लिए बिना भेद-भाव के कार्य कर रही है।

मान्यवर, जनपद फतेहपुर में जहां पर एक साथ 52 लोगों को फांसी दी गयी थी। उस स्थान को बावन इमली कहा जाता है, जिस विधान सभा में अंग्रेजों के शासनकाल में ठाकुर दरियाव सिंह के बड़े बेटे सुरजन सिंह ने 32 दिन सरकार चलाई थी। मैं उस खागा विधान सभा क्षेत्र से चुनकर आती हूं। मान्यवर, मैं तीसरी बार विधान सभा में आयी हूं। 2002 में थी, 2012 में थी और मैंने देखा है कि पूर्व की सरकारें चाहे बहुजन समाज पार्टी की सरकार रही हो, चाहे कांग्रेस की रही हो, चाहे समाजवादी पार्टी की रही हो, हम लोग खड़े होकर के कहते थे, चाहे बिजली हो, चाहे रोड हो, कोई भी काम नहीं होता था। उत्तर प्रदेश में मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी की ढाई साल की सरकार ने जो कार्य करके दिखाया है वह 70 सालों में नहीं हुए थे। मेरी विधान सभा क्षेत्र जनपद फतेहपुर पिछड़ा जिला है और मेरी विधान सभा क्षेत्र में कोई भी कार्य नहीं हुए थे। हमारे अग्रवाल जी मंत्री बन गए हैं और मा0 टण्डन जी भी हैं, मैं खड़े होकर कहती थी कि हमारे क्षेत्र की रोडें बहुत खराब हैं, अगर धान की रोपाई कर दी जाए तो उसमें धान भी हो जायेगा, परन्तु मा0 योगी आदित्यनाथ जी की ढाई साल की सरकार ने वह कार्य किया है कि रोडें देखने में आती हैं और ढाई साल के अन्दर बहुत रोडें बनीं हैं। रोडें ही नहीं बनीं बल्कि पुल भी बने हैं। जैसे मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक बहुत बड़ी रोड है जिसके लिये मैं बहुत मांग करती थी, कहती थी और धरना-प्रदर्शन भी किया था, परन्तु रोड नहीं बनी। वह रोड रजपालपुर से कोटमार्ग हो करके जाने वाली रोड थी जिसके उच्चीकरण व चौड़ीकरण के लिये 15 करोड़ 05 लाख रुपये स्वीकृत हुआ था और रोड बन गयी है। रजपालपुर धाता मार्ग के भीमपुर मोड़ से तेंदुआ तक रोड का उच्चीकरण व चौड़ीकरण, भैरमपुर से कौशाम्बी का निर्माण लागत 125 लाख स्वीकृत हुआ है। यह मेरा क्षेत्र भी पड़ता है और मा0 विधायक श्री पप्पू पटेल जी बैठे होंगे

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उनका भी क्षेत्र पड़ता है। बुदवन भादर रोड से कुडेश्वर मझिलगांव मार्ग का निर्माण, हरदासपुर गढ़ा से बरियाछे होकर संगोलीपुर मार्ग का निर्माण लागत 475 लाख, चन्दापुर से टिकरा गढ़ा के अवशेष भाग का निर्माण तथा चितनपुर गढ़ा के अवशेष भाग का निर्माण भी स्वीकृत है।

इसी तरीके से आवश्यक पुल जिनके लिये मैं यहां पर 2012 में मांग करती थी, खड़े होकर कहती थी। जो पुलिया बनी हैं जो पुल बने हैं इनमें जैसे हमारे विधायक जी कह रहे थे तो ऐसे ही मेरे भी क्षेत्र में ऐसी छोटी-छोटी पुलिया थीं कि कभी बस चली जाती थी। एक पुलिया है जो दढ़िया से नसीरपुर तक रोड निर्माण व मध्य में यमुना सहायक नाले में पुल बना है और चूंकि वह यमुना जी के किनारे पड़ती है तो उसमें सैकड़ों लोग बह जाते थे, वह पुल बना करके सरकार ने मेरे क्षेत्र को बहुत बड़ा योगदान दिया है। चन्दापुर गढ़ा व बलवन्त पुर के मध्य यमुना सहायक नाले पर पुल व पहुँच मार्ग का निर्माण, खखरेरू कोट मार्ग के मध्य यमुना सहायक सरस्वती नदी में रपटा के स्थान पर पुल का निर्माण, यह पुल ऐसे हैं कि कोई 60 मीटर का है, कोई 90 मीटर का है, कोई सवा सौ मीटर का पुल है। ऐसे-ऐसे पुल बना करके सरकार ने मेरी विधान सभा क्षेत्र के लोगों को योगदान दिया है। इतना ही नहीं, जब मैं 2012 में जीत कर आई थी तो बिजली को ले करके मैंने बहुत बड़ा प्रदर्शन किया था और जब उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार बनी और मा0 योगी आदित्यनाथ जी मुख्य मंत्री बने तब मा0 प्रधानमंत्री जी और मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 ऊर्जा मंत्री जी तीनों लोगों के सहयोग से जिन गांवों में जिन टोलों में बिजली नहीं गयी थी वहां पर बिजली पहुँचा करके एक-एक घर में बल्ब जलाने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। इतना ही नहीं, मेरी विधान सभा क्षेत्र में 03 पावर हाउस बने हैं। एक महिचा पावर हाउस, उकाथू में एक पावर हाउस तथा किशनपुर गढ़ा में एक पावर हाउस बना हैं और जितने भी पावर हाउस थे चाहे किशनपुर हो, चाहे खागा हो, चाहे धाता हो, कनपुरवा हो, बहेरीहर हो, सभी पावर हाउस को उच्चीकृत करके सरकार ने 18 घंटे, 20 घंटे, 24 घंटे बिजली देने का काम किया है। समाजवादी पार्टी की सरकार में ट्रांसफार्मर के लिये बिजली विभाग में जब हम लोग फोन करते थे, लोग जाते थे, तो बिना पैसे के ट्रांसफार्मर नहीं आता था, लेकिन अब मा0 योगी जी की सरकार में फोन करने के 24 घंटे के अन्दर गांव में ट्रांसफार्मर पहुँच जाता है, लग जाता है और ट्रांसफार्मर सरकारी पैसे से जाता है। पहले यह था कि लोग जाते थे और स्वयं ले कर आते थे।

शिक्षा विभाग में भी बहुत कार्य हुआ है। शिक्षा विभाग में जब हम लोग जाते थे तो गांव में देखते थे कि प्राइमरी और जूनियर विद्यालय देखने में नहीं आते थे, लेकिन आज जब हम गांव पहुंचते हैं और विद्यालय को देखते हैं तो पाते हैं कि प्राइमरी और जूनियर विद्यालयों की स्थिति बहुत अच्छी है। पहले जहां विद्यालयों में बिजली, लाईट, पंखे और शौचालय कभी नहीं रहते थे, बाउण्ड्री टूटी होती थी, ड्रेस, जूते-मोजे, बैठने के लिये बच्चों को फर्नीचर नहीं उपलब्ध था तथा गांव के लोग बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते थे, किसान लोग कतराते थे

कि हम बच्चों को नहीं भेजेंगे, वहां पढ़ाई नहीं होती है, बच्चों को अच्छी सुविधा नहीं मिलती है, लेकिन मा0 योगी जी की सरकार ने इस दिशा में बहुत कार्य किया है और मेरे क्षेत्र में एक ऐसा प्राइमरी विद्यालय है जहां कभी बच्चे नहीं जाते थे, कभी 10 आते थे कभी 5 आते थे, बेड़ाशाही ग्राम सभा में कक्षा 5 के लड़के के लिये मुझे सिफारिश करनी पड़ी कि वहां पर एडमिशन करवा दीजिये। मैंने बी0एस0ए0 को फोन किया फिर भी एडमिशन नहीं हुआ, क्योंकि वहां बच्चे ज्यादा हो गए थे। उन्होंने कहा कि बहन जी, विधायक जी, उस बच्चे का एडमिशन भैरमपुर में करवाइये। इसी तरीके से स्वास्थ्य के क्षेत्र में जहां लोग दवाईयों के लिये परेशान होते थे, दवाईयां नहीं मिलती थीं, लेकिन हमारी सरकार, मा0 योगी जी की सरकार में अब प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 सभी जगह दवाइयां उपलब्ध हैं। डिलेविरी के लिये प्राइवेट अस्पतालों में महिलाएं जाती थीं, लेकिन आज महिलाएं सरकारी अस्पताल में ही जाती हैं। इसी तरीके से लोगों को जो प्रधानमंत्री आवास मिलते थे और आवास मिले हैं तो कहीं जंगल में बिल्डिंगें खड़ी हो गयी हैं। नगर पालिका, नगर पंचायत में ढाई लाख रुपये का आवास देकर मा0 प्रधानमंत्री जी ने उन गरीबों के सिर के ऊपर छत दी है जिन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि हमको रहने के लिये कभी छत भी मिलेगी। ऐसे-ऐसे लोगों के आवास बने हैं। हमारी सरकार, मा0 योगी जी की सरकार ने जो कुष्ठ रोगी हैं उनको कभी कोई पूछता नहीं था, उनको भी आवास दिये और उनको जहां 300 रुपये पेंशन मिलती थी उसको बढ़ाकर के ढाई हजार पेंशन हो गयी है। इसी तरह से शौचालय बनाकर के मा0 मुख्य मंत्री जी तथा मा0 प्रधानमंत्री जी ने वह कार्य किया है कि गरीब चाहे एस0सी0 हो, बैकवर्ड हो, सामान्य हो अथवा मुस्लिम हो, उसने कभी नहीं सोचा था कि हमारे यहां शौचालय भी बनेगा। ऐसे-ऐसे लोगों के यहां शौचालय बने हैं, ऐसी बुजुर्ग महिलाएं, पुरूष जो जंगल जाते थे तो किसी को कीड़ा छू लेता था, महिलाओं के साथ, बच्चियों के साथ अत्याचार होता था, उससे बचाने का काम हमारी सरकार ने किया है। जब गठबंधन की सरकार थी, अभी लोकसभा का चुनाव हो रहा था तो लोग इस तरीके से जवाब दे रहे थे, वह कहते थे कि जाओ हम वोट देंगे तो मोदी जी को देंगे नहीं तो किसी को नहीं देंगे। शौचालय बनवाने का काम जो मा0 प्रधानमंत्री जी ने किया वह कभी किसी ने नहीं सोचा था। कांग्रेस की सरकार 70 साल रही, बसपा की सरकार, सपा की सरकार ने कभी नहीं सोचा था कि गरीबों का हित करना है। गरीबों का नारा तो देते रहे, दलित का नारा तो देते रहे, लेकिन कभी दलित के बारे में नहीं सोंचा। इसी तरीके से उज्ज्वला योजना को हर घर में पहुंचाने का काम हुआ । कभी किसी ने नहीं सोचा था कि पर्यटन विभाग द्वारा मेरी विधान सभा क्षेत्र में कई मंदिर जो छोटी-छोटी ईंट के मंदिर बनते थे, वह किसी जमाने के होंगे, उन मंदिरों का सौन्दर्यीकरण कराने का काम मा0 योगी आदित्यनाथ जी ने किया है।

आयुष्मान भारत में बहुत से लोगों का 05 लाख का आयुष्मान भारत वाला जो कार्ड बना है। हम तो पूर्व में भी थे और लेटर देते थे तो एक-दो लोगों का हो जाता था तो बहुत बड़ी बात थी, लेकिन अब जितने भी लेटर पहुंच जाते हैं, जिस विधायक का लेटर पहुंच जाता है, हो जाता है। बीमारी के क्षेत्र में मा0 मुख्य मंत्री जी के द्वारा विवेकाधीन कोष से हर विधान सभा क्षेत्र में बहुत पैसा दिया गया है। इसी तरीके से अभी बाढ़ आई। जब मैं 2002 में विधायक थी तब भी बाढ़ आई थी और उस समय एक नया पैसा बाढ़ पीड़ितों को नहीं गया था। आज हमारी सरकार में मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बाढ़ पीड़ितों के घर में 3300 रुपये से लेकर के 95000 तक दिया है और पूर्व की सरकारें कितना देती थीं, कहीं 100, 200, 500 की चेक लिये-लिये लोग घूमते थे, लेकिन आज हमारी सरकार बाढ़ पीड़ितों के खाते में सीधे 3300 रुपये से लेकर 95000 रुपये तक पहुंचाने का काम कर रही है। मा0 नगर विकास मंत्री जी बैठे हैं तो मेरी उनसे मांग भी है कि मेरी खागा विधान सभा क्षेत्र में खागा नगर पंचायत है, उसके लिये मेरा एक प्रस्ताव आया है कि खागा नगर पंचायत को नगर पालिका बनाया जाए और धाता क्षेत्र ऐसा है कि जहां पूरी विधान सभा क्षेत्र में, पूरे जिले में गन्ना सबसे ज्यादा पैदा होता है और पूर्व में जब मा0 मुख्य मंत्री जी जिले में गये थे और मेडिकल कालेज का उद्घाटन किया था तब भी मैंने चीनी मिल की मांग की थी। मा0 गन्ना मंत्री जी नहीं है तो मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के धाता क्षेत्र में एक चीनी मिल की मांग करती हूं। इसके साथ ही धाता नगर पंचायत बनाने का भी प्रस्ताव आया है। मा0 नगर विकास मंत्री जी से मेरी मांग है कि धाता को नगर पंचायत बनाया जाए। मेरा एक और सुझाव है कि जब व्यक्ति बूढ़ा होता है चाहे वह सर्विस में हो चाहे वह ऐसे हो, जब वह बूढ़ा होता है तो लड़का और बहू उनको खाना नहीं देते हैं। कई बार हम लोगों से लोग मांग करते हैं कि जो हमारी पुरानी पेंशन है वह बहाल की जाए तो मेरा एक सुझाव है कि पुरानी पेंशन भी बहाल की जाए।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मेरा एक सुझाव और है कि जो अभी हमारे जनपद-कौशाम्बी चायल के विधायक श्री संजय गुप्ता जी बोल रहे थे, 2007 में जब बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी तो धाता और खागा विधान सभा क्षेत्र को कौशाम्बी में जोड़ने के लिए प्रस्ताव हुआ था। भारतीय जनता पार्टी का बहुत बड़ा आन्दोलन हुआ था और आन्दोलन करने के बाद बहन जी की हिम्मत नहीं पड़ी थी कि खागा को कौशाम्बी में जोड़ें और इसलिए नहीं जोड़ा कि महिचा से लेकर के रायपुर भसरौल, कौहन, जरौली, कंसापुर, देवमऊ, घाटमपुर यह इतना दूर डेढ़ सौ किमी0 पड़ता है। जब खागा विधान सभा क्षेत्र कौशाम्बी में जोड़ी जायेगी तो डेढ़ सौ किमी0 दूर कौन जायेगा। मेरा केवल यही सुझाव है कि धाता को नगर पंचायत बना दिया जायेगा तो सारी सुविधायें धाता वालों को वहीं मिलेंगी और चीनी मिल हो जायेगी तो चीनी मिल से बहुत से लोगों को रोजगार मिलेगा। मेरा एक सुझाव और है कि लखनऊ में बिजली पासी किला है। जब मा0 राजनाथ सिंह जी मुख्य मंत्री थे, मा0 कल्याण सिंह जी मुख्य मंत्री थे

तो उन्होंने बिजली पासी किले में कुछ काम किया था और आज बिजली पासी में चारों तरफ से बड़ा जंगल खड़ा है। मेरा यह सुझाव है कि बिजली पासी किले के सौन्दर्यीकरण के लिए कुछ धन दिया जाए। इसी तरीके से बिजली पासी की बहुत बड़ी झील थी, उस झील का नाम बिजली पासी उपवन झील था। जब बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी तो बिजली पासी उपवन झील का नाम बदलकर के कांशीराम उपवन झील बना दिया गया है। मेरी यह मांग है कि जो बिजली पासी उपवन झील थी वही नाम कर दिया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती हूं। जय हिन्द, जय भारत, जय श्रीराम।

***[03:32] संसदीय कार्य, ग्राम्य विकास, समग्र ग्राम्य विकास राज्य मंत्री (श्री आनन्द स्वरूप शुक्ल)**-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, चर्चा रूचिपूर्ण, तत्वपूर्ण होने के कारण प्रस्तावित समय के सापेक्ष हम सभी 9 घण्टे विलम्ब से चल रहे हैं। अभी सायं 05:30 बजे जो मा0 नीलिमा कटियार जी का भाषण होना था यह 02:30 बजे हुआ है और दो मंत्रीगण के बीच में 8 से 10 मा0 विधायकगण का उद्बोधन होना है। सुबह से कुछ मा0 विधायकगण बैठे हुए हैं और यह जो सूची है, जिसमें मा0 मुख्य मंत्री जी के बाद से अभी तक मा0 सूर्य प्रताप शाही जी, श्री रमापति शास्त्री जी, मा0 उप मुख्य मंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी, श्री नीलकंठ तिवारी जी, श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह जी एवं श्रीमती नीलिमा कटियार जी के बाद अभी 4 मा0 विधायकगण बोले हैं। सूची आपके पास होगी ही। मेरा अनुरोध है और अनेक विधायकगण की यह जिज्ञासा है कि सूची में नाम है लेकिन वह अभी बोल नहीं पाये हैं। एक बार अगर उस नाम को ले लिया जाए और शेष जो मा0 सदस्य यहां उपस्थित हैं अगर वह बोलना चाहें तो सबको बोलने का अवसर दे दिया जाए। ऐसा मेरा अनुरोध है।

श्री अधिष्ठाता-

अब मैं मा0 सदस्य डा0 डेनजिल जे0 गोडिन को आमंत्रित करता हूं।

*** [03:35] डा0 डेनजिल जे0 गोडिन**-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, सबसे पहले मैं आपका आभार प्रकट करना चाहता हूं कि आपने मुझे गांधी जयन्ती के डेढ़ सौ साल के शुभ अवसर पर और श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी के 116वें जन्मदिन पर बोलने का अवसर दिया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर हम सबसे पहले अपने मा0 प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी और मा0 मुख्य मंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देना चाहेंगे, क्योंकि उनका जो अनोखा विजन डायनेमिजम और चेन्ज एण्ड प्रसप्शन बाई हार्ड वक्र एण्ड एक्जाम्पल है, यह पिछले 70 साल में शायद इस देश ने नहीं देखा है और इसी वजह से इस देश में पिछले ढाई साल में इतना बदलाव आया है। आगे आपसे बातें करने

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

से पहले हम आप सभी मा0 सदस्यों को एंग्लो भारतीय समुदाय के बारे में अवगत कराना चाहेंगे। इतिहास में जब हम लोग जाते हैं तो 500 साल पहले यूरोप के कई देशों से यहां पर लोग आये थे, सैनिक आये थे, कुछ लोग बिजनेस करने के लिए आये थे। 1498 में सबसे पहले जो पोर्चुगल के आये थे। उनका तरीका था कि वह इस देश पर हावी होने के लिए 18 और 32 साल के सैनिकों को हजारों की संख्या में भेजा करते थे कि वह 8,10,12 साल की इस देश में सेवा करें। जाहिर है कि उन दिनों में यहां पर भारतीय नारी के साथ ऐसे संबंध बने और इसी प्रकार से एंग्लो इण्डियन समुदाय का इस देश में जन्म हुआ। आजादी के बाद अंग्रेज चले गये, यूरोपियन फोर्सेज चली गयीं पर कुछ लोग इस देश में जहां पर इन लोगों ने जन्म लिया था और इस धरती से जुड़े हुए थे, उन्होंने अपने मन से यह फैसला किया कि यह हमारा देश है और यह फैसला करते हुए वह इस देश में रुके। अब 500 साल हो चुके हैं, हम लोग इस देश में संरक्षित हो चुके हैं। एक यूनिक, एक अनोखी कम्युनिटी, एक समुदाय भारत में बना है, जो पिछले 500 साल से सरवाइव किया है। इस समुदाय का एक यूनिक अनोखा कल्चर बना है। खाने-पीने के मामले में, ड्रेस के मामले में, स्पीच के मामले में, धर्म के मामले में और खासतौर पर इनका समाज से सोशल सर्विस के इंस्टीट्यूशन्स जैसे-स्कूल, अस्पताल, वृद्ध आश्रम, ऑफिनेजेस, बाल गृह और अलग प्रकार के ट्रस्ट इस देश की सेवा के लिए हैं। इतिहास दिखाता है कि हमारे देश में कई ऐसी संस्थाओं से हमारे राष्ट्र के लीडर्स निकले हैं, हमारे एयरफोर्स के उच्च पद पर एयरफोर्स चीफ्स, आर्मी के चीफ्स इन्हीं संस्थाओं से निकले हैं। अगर आप आंकड़े देखें तो शायद कोई ऐसा समुदाय इस भारत में नहीं है जिसने राष्ट्र निर्माण के लिए इतना किया हो। पूरे भारत में अनुमानतः 5 लाख से ले करके केवल 1 करोड़ हम लोगों की जनसंख्या है। हमारे सेंसेज जिस तरह से लिये जाते हैं, एंग्लो इण्डियन समुदाय का कोई 100 परसेन्ट तरीका नहीं है कि हम सही आंकड़े जान पाये। पिछले सालों से जहां पर भारत में कांट्रिब्यूशन है, राष्ट्र लेवल पर एंग्लो इण्डियन जो संस्थायें हैं, 1947 में 350 से अधिक स्कूल हैं और हमारे उत्तर प्रदेश में 27 से अधिक ऐसे स्कूल हैं, जो 1947 से पहले स्थापित थे।

अब हमारा जो विषय है, वह एजूकेशन फॉर इम्पॉवरमेंट है। इन स्कूलों के स्थापित होने के बाद प्रमुख सोच थी और हमारा यह प्रयास भी है कि ''एजूकेशन फॉर आल''। हर गांव तक, गरीब तक शिक्षा पहुंचे। एकोनॉमिकली वीकर सेक्शन तक शिक्षा पहुंचे। हर प्रकार और हर कम्युनिटी को एम्पावर करें, सशक्तीकरण होना चाहिए। इन समुदायों का इन्टेग्रेशन होना चाहिए ताकि वह राष्ट्र निर्माण के लिए बुनियादी स्तर से मेहनत करें। इसके साथ-साथ बुनियादी मूल्य पर यह शिक्षा संस्थायें केन्द्रित हैं। ग्लोबल विजन के साथ एक सही दिशा, सही कम्युनिकेशन और जैसे हमारे प्रधानमंत्री जी ने, हमारे मुख्य मंत्री जी ने स्किलिंग यूथ के लिए इतनी योजनायें चलायी हैं। स्किल डेवलेपमेन्ट के लिए, कौशल विकास के लिए अनकों योजनायें

चलायी हैं। हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 प्रधानमंत्री की अलग योजनाओं से जुड़े हुए हैं, जो स्वच्छता के साथ, गरीबी के साथ, छात्रों के साथ, महिलाओं के साथ, पर्यावरण, किसान, सुरक्षा, जागरूकता, प्लांटेशन, और हेल्थ के क्षेत्र में संयुक्त रूप से जुड़े हुए हैं। हम अंग्रेजी में कहना चाहेंगे कि यह जर्नी हमारे लिए बेहद खुशी का मौका है। हमें इतनी अपॉरचुनिटीज मिली है कि हम उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा कर सकें। कई लोग जानते हैं कि हमारा कोई एक क्षेत्र नहीं है। पूरे उत्तर प्रदेश में हम अपनी विधायक निधि खर्च करते हैं और हमें खुशी होती है कि विधायक निधि ज्यादातर हमारे गांवों में या कहीं इंटरलॉकिग टायल्स करवाने के लिए, वृद्ध आश्रम के लिए या अस्पताल के लिए या बच्चों के टायलेट के लिए खर्च कर रहे हैं। खासतौर पर जो हमारी महिलायें हैं या गर्ल्स स्टूडेन्ट्स हैं, उन पर हम केन्द्रित हैं।

सस्टेनेबुल डेवलेपमेन्ट गोल्स 2030 को ध्यान में रखते हुए हम खासतौर से फिर से अपने मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को अपने विजन, उनके इम्प्लीमेंटेशन ऑफ रिफार्म्स, उनके पीरियाडिक रिव्यूज की जो हमारी योजनायें एफेक्टिव रहें। अलग प्रकार के चेक्स और बैलेंसेज और 360 डिग्री में जिस तरीके से इस ढ़ाई साल में विकास हुआ है, हमें बहुत खुशी है कि हम भी इन योजनाओं का और इस सरकार का एक हिस्सा हैं। आखिर में हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी का जो विजन है, उनका लीडरशिप है पॉजिटिव डिसीजन मेकिंग लायबिलिटी, ब्रांड इमेज और इम्प्लीमेंटेशन जो अलग-अलग योजनाओं और जिस तरह से राष्ट्रीय योजनाओं के साथ यह जुड़े हुए हैं, इतनी अच्छी तरह से वह इन्टीग्रेटेड हैं और हमारे जितने भी मंत्री जिस तरह से सहयोग करके इन सभी योजनाओं को सफल बना रहे हैं, यह इस प्रदेश के इतिहास में लिखा जायेगा। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शब्दों में ''यू मस्ट बी द चेन्ज दैट यू विश टू सी इन द वर्ल्ड'' और यह शब्द हमारे प्रधानमंत्री जी के लिए और मुख्य मंत्री जी के लिए लागू होते है। मैं फिर से डेढ़ सौ साल के इस शुभ जन्म अवसर पर और इस ऐतिहासिक विधान सभा सेशन के लिए अपने मा0 मुख्य मंत्री जी को आभार प्रकट करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

अब मैं मा0 सदस्य श्री सुनील कुमार शर्मा जी को आमंत्रित करता हूं।

[*][03:42] श्री सुनील कुमार शर्मा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर आहूत इस विशेष सत्र में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। उत्तर प्रदेश में श्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार को ढाई वर्ष पूर्ण हो गये हैं और जब मा0 मोदी जी ने उत्तर प्रदेश

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

की जिम्मेवारी मा0 योगी जी को दी थी, उस समय उत्तर प्रदेश ऋणग्रस्त किसानों की आत्महत्या, दंगों, सामाजिक तनाव, असुरक्षित महिलाओं, स्कूल जाती बेटियों के सम्मान और सुरक्षा से खिलवाड़, अर्थव्यवस्था की बदहाली के दौर से गुजर रहा था। उस समय मा0 योगी आदित्यनाथ जी के कंधों पर उत्तर प्रदेश का भार सौंपा गया था। योगी जी ने प्रदेश को ऐसे संकटों से उबारने का काम किया है। आज प्रदेश में कानून का राज है, अपराधी गुंडे प्रदेश छोड़कर चले गये हैं। किसानों का ऋण माफ हुआ है, गन्ने का भुगतान हुआ है, गेहूं और धान की रिकार्ड तोड़ सरकारी खरीद हुई है। इससे किसानों को राहत मिली है। प्रदेश में विद्युत आपूर्ति गांवों में 18 घण्टे, शहरों में 24 घण्टे की जा रही है। ई-टेण्डरिंग के माध्यम से भ्रष्टाचार पर रोक लगी है। प्रदेश भर की सड़कें गड्ढा मुक्त हुई हैं। प्रशासन में कार्य करने की संस्कृति विकसित हुई है। प्रयाग में ऐतिहासिक, अकल्पनीय, अद्भुत कुम्भ का आयोजन हुआ है, इस प्रदेश की जनता सुशासन की अनुभूति कर रही है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मुझे स्वच्छ जल, स्वच्छता और सतत विकास की सुनिश्चित भागीदारी पर बोलने के लिए कहा गया है। सतत विकास लक्ष्य का मुख्य सिद्धान्त फाइव-पी से समझा जा सकता है-पीपल, प्रास्पेरिटी, पीस, पार्टनरशिप एण्ड प्लैनेट अर्थात् लोग, समृद्धि, शान्ति, साझेदारी और पृथ्वी। सतत विकास किस प्रकार का हो, विकास के दूरगामी परिणाम कैसे हो ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां भी उसका लाभ उठा सके आदि सभी को देखना होगा। मेरा भारत ऋषि और कृषि की संस्कृति का देश है। हम नदियों को माता कहते हैं, वृक्षों को पूजते हैं, चीटियों को खाना खिलाते हैं और सांप को भी नागपंचमी के दिन देवता मानकर दूध पिलाते हैं। हमारी संस्कृति है और हमारी जीवन पद्धति है कि इस सृष्टि में कोई भी वस्तु अनुपयोगी नहीं है। सांप का जहर भी किसी ना किसी औषधि के काम में आता है। ऐसे में संसाधनों का उपयोग बहुत सही तरीके से और प्रकृति के मातृत्व भाव को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिये। गांधी जी ने कहा था कि प्रकृति के संसाधन हमारी बपौती नहीं हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों का ऋण हैं। गांधी जी ने यह भी कहा था कि 'सटिस्फाई इवरी मैन्स नीड्स, बट नॉट इवरी मैन्स ग्रीड्स' अर्थात् धरती हमारी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है लेकिन लालच की पूर्ति नहीं कर सकती है। अगर मैं कहूं कि सतत विकास को दो शब्दों में कहा जाये तो सतत विकास 'अन्त्योदय' और 'सबका साथ, सबका विकास' है।

माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने और माननीय योगी जी ने उस अन्त्योदय की कल्पना को साकार किया है और उसके लिए ठोस कदम उठाये हैं। अंतिम व्यक्ति का भी विकास हो, उसका भी डेवलपमेण्ट हो इसके लिए देश भर में जन, धन खाते खोले गये हैं, शौचालयों का निर्माण हुआ है, आयुष्मान भारत के अन्तर्गत गरीबो को उपचार का लाभ दिया गया है, प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत गरीबों को मकान दिये गये हैं, डिजिटल इण्डिया को बढ़ावा देकर व्यवस्था की गई है कि वृक्ष कम से कम काटे जाये जिसके लिए मोदी जी को बिल

गेट्स फाउण्डेशन द्वारा 'ग्लोबल गोलकीपर एवार्ड' से भी सम्मानित किया गया है। शुद्ध जल हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। 'जल ही जीवन है' और 'जल है तो, कल है'। मनुष्य के शरीर में 70 प्रतिशत जल की मात्रा पाई जाती है। जिस व्यक्ति के शरीर का 70 प्रतिशत भाग जल है अगर वह शुद्ध नहीं होगा तो देश, समाज और व्यक्ति स्वस्थ नहीं रह सकता है इसलिये हमारे जीवन में शुद्ध जल की सबसे बड़ी आवश्यकता है। 80 प्रतिशत संक्रामक बीमारियां भी प्रदूषित जल से ही फैलती हैं। इसलिये शुद्ध जल का होना हम सबके लिए आवश्यक है परन्तु यह बड़े अफसोस की बात है कि नीति आयोग की जो 2019 की रिपोर्ट वर्ष 2016-2017 के सर्वेक्षण के आधार पर आई है उसमें उत्तर प्रदेश जल प्रबन्धन के मामले में फिसड्डी राज्यों की सूची में पाया गया है। यह इसलिये हुआ है क्योंकि पिछले पन्द्रह वर्षों से यहां पर जो सरकारे थी उन्होंने इस पर कोई काम नहीं किया। जल प्रबन्धन करने के लिए उनके द्वारा कोई योजना नहीं बनाई गई जबकि अनुमान है कि वर्ष 2030 तक पानी की आवश्यकता दोगुनी हो जायेगी और यह भी अनुमान है कि वर्ष 2040 तक उत्तर प्रदेश में 25 प्रतिशत पानी की कमी हो जायेगी। ऐसी अवस्था में जल प्रबन्धन किया जाना बहुत आवश्यक था जो पिछली सरकारों ने नहीं किया है। जब से माननीय योगी जी की सरकार आई है तब से इस पर कार्य शुरू किये गये हैं। संविधान के अनुच्छेद-21 में 'राइट टू लाइफ' का अधिकार दिया गया है जिसमें सबसे पहले जल आता है इसलिये यदि जल होगा तो जीवन होगा और व्यक्ति को जीवन का अधिकार मिलेगा।

स्वच्छता के विषय में मुझे कहना है कि इसमें सत्यम, शिवम्, सुन्दरम का पूरा दर्शन है। सफाई में ईश्वर का वास है। यह सत्य है कि जब गंदगी में रहना कोई पसंद नहीं करता तो भला वहां पर सृष्टि का संचालक कैसे रह सकता है। प्रकृति भी गन्दगी को पसन्द नहीं करती है। पेड़ पौधे भी कार्बन डाई आक्साइड खाकर हमको प्राणवायु के रूप में आक्सीजन देते हैं। वृक्षों को भी गन्दगी पसन्द नहीं है, किसी को भी गन्दगी पसन्द नहीं है। कुत्ता बैठता है तो वह भी पूछ से जगह को साफ करके बैठता है। इसलिये सफाई का होना बहुत आवश्यक है। गांधी जी ने यहां तक कहा था कि स्वच्छता आजादी से भी ज्यादा जरूरी है और यह जन जागरूकता के बगैर संभव नहीं है। वर्ष 2014 में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छता अभियान शुरू करके स्वयं झाड़ू उठाई थी, जब माननीय मोदी जी ने झाड़ू उठाई तो इस देश के बड़े-बड़े नेता, अभिनेता, उद्योगपति और सामान्यजनों ने झाड़ू उठाई और एक जन जागरूकता का संदेश फैला जिसका नतीजा है कि पूरे समाज में एक वातावरण बना और एक जागरूकता आई कि हमको गंदगी नहीं फैलानी चाहिये, हमें स्वच्छता रखनी चाहिये। इसके साथ-साथ नौ करोड़ से अधिक शौचालय बनाकर स्वच्छता मिशन को कामयाबी दी गई। माननीय अधिष्ठाता महोदय, बड़ी प्रसन्नता की बात है कि दो अक्टूबर से प्रारम्भ हुये विधान सभा के इस विशेष सत्र के अवसर पर आज पूरा देश खुले में शौच से मुक्त हो गया है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, सतत विकास के लिए मेरे विधान सभा क्षेत्र में जो कुछ कार्य हुये हैं उनकी ओर मैं आपका

ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। कानून और सुरक्षा की दृष्टि से सरकार ने मेरे क्षेत्र के कौशाम्बी और नन्दगांव में दो नये थाने सृजित किये हैं। इन दो थानों के बनने से क्षेत्र में अपराध नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी। मेरी विधान सभा क्षेत्र में 53 प्राइमरी स्कूल हैं जिनमें बच्चे जमीन पर बैठा करते थे। बच्चे जमीन पर टाट पट्टी पर बैठते थे तो मैंने अपनी विधायक निधि के माध्यम से सभी बच्चों को टेबल और बेन्च उपलब्ध कराने का कार्य किया है। अब मेरे क्षेत्र के प्राइमरी स्कूल का एक भी बच्चा जमीन पर नहीं बैठता है बल्कि सब बच्चे टेबल और बेन्च पर बैठते हैं। मैंने जन सहयोग से अपनी विधान सभा क्षेत्र के नूर नगर में एक जूनियर हाईस्कूल को गोद लिया है और उस विद्यालय में हमने सारी सुविधायें उपलब्ध कराई हैं। बच्चियों का अलग टॉयलट और बच्चों का अलग टॉयलट, बच्चों के झूलने के लिए झूले, खेलने के लिए प्ले ग्राउण्ड, स्क्रीन, पेन्टिंग्स, बिल्डिंग की रिपेयरिंग, फर्श इत्यादि में 27-28 लाख रुपये खर्च हुये हैं और यह सारा काम जन सहयोग से किया गया है।

हमारे जनपद के प्रभारी मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी हैं वह स्वयं स्कूल को देखकर आये हैं और उन्होंने बड़ी प्रशंसा की है। बाकी सभी स्कूलों में हमने सबमर्सिबल लगवाने का काम, सभी में सोलर लाईट लगवाने का काम, लगभग 17 या 18 स्कूलों में सी0एस0आर0 के माध्यम से टेलीविजन, मास्टर बोर्ड देने का काम किया है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि इस सदन के जितने सदस्य हैं हरेक सदस्य के क्षेत्र के लोग मेरी विधान सभा क्षेत्र में रहते हैं। प्रदेश का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं होगा जहां के नागरिक साहिबाबाद विधान सभा क्षेत्र में ना रहते हो। हिन्दुस्तान का कोई ऐसा प्रान्त नहीं होगा जिस प्रान्त के नागरिक साहिबाबाद विधान सभा क्षेत्र में ना रहते हो। साहिबाबाद हिन्दुस्तान का गुलदस्ता है और वहां पर भिन्न-भिन्न संस्कृतियों का संगम है। जब वहां दुर्गा पूजा चलती है तो लगता है कि बंगाल के ही सारे लोग रहते हैं, जब छठ पूजा होती है तो लगता है कि बिहार और पूवार्न्चल के ही सारे लोग रहते हैं, जब जगन्नाथ यात्रा आती है तो लगता है कि उड़ीसा के ही सारे लोग रहते हैं। इस तरह तमाम लोग एक साथ मिल जुलकर रहते हैं। माननीय योगी जी की सरकार आने से पहले वह ऐसा क्षेत्र था जहां घण्टो-घण्टे जाम लगा रहता था। कोई भी रास्ता ऐसा नहीं होता था जहां से निकलने के लिए सुगमता होती हो। कहीं एक घण्टा, कहीं दो घण्टा, कहीं आधा घण्टा जाम में खड़ा रहना पड़ता था। आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि मेरा विधान सभा क्षेत्र साहिबाबाद पूर्णतः जाममुक्त क्षेत्र बन गया है। हमारी सरकार के कार्यकाल में सड़कों का जाल बनाया गया है, तीन अण्डरपास रेलवे पुल बनाये गये हैं, वसुन्धरा और राजेन्द्र नगर एक्सटेन्शन में चौराहे पर फ्लाई ओवर का निर्माण किया गया है, पार्कों का सौन्दर्यीकरण नगर निगम, जी0डी0ए0 और पी0डब्ल्यू0डी0 आदि संस्थाओं के माध्यम से सम्पन्न हुआ है। देश की सबसे बड़ी सिंगल 6 पिलर एलीवेटेड रोड जो रूकी पड़ी थी वह माननीय योगी जी के आशीर्वाद से सम्पूर्ण हुई है और दिल्ली से राजेन्द्र नगर एक्सटेन्सन जाने में जहां एक घण्टे का समय लगता

था वहां पर अब 10 मिनट में लोग पहुंचते हैं। यह पूरी की पूरी एलीवेटेड रोड मेरे विधान सभा क्षेत्र में है। मुख्य मंत्री सम्पर्क मार्ग योजना के अन्तर्गत पांच करोड़ रुपये और मलिन बस्ती विकास योजना के अन्तर्गत आठ करोड़ रुपये का कार्य डूडा द्वारा मलिन बस्ती में कराया गया है।

माननीय योगी जी की कृपा से हिण्डन हवाई अड्डा बनाया गया है जो चालू होने वाला है जहां से देश के विभिन्न क्षेत्रों में हवाई यात्रा संभव हो सकेगी। दिलशाद गार्डेन से नया गाजियाबाद बस अड्डे तक मैट्रो सेवा का विस्तार हुआ है तथा हाई स्पीड रैपिड रेलवे का कार्य शुरू हो रहा है जिसका बड़ा भाग मेरे विधान सभा क्षेत्र से होकर गुजरेगा। विकास के लिए बिजली अपरिहार्य है किन्तु पिछली दो सरकारो के कार्यकाल में प्रदेश के पांच वी0आई0पी0 जिलो तक ही बिजली सीमित थी लेकिन अब बिना किसी भेद-भाव के सभी तक बिजली मुहैया कराई जा रही है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में 33/11 विद्युत उप केन्द्र नन्दगांव जनता को समर्पित हुआ है। सभी बिजली घरों को आपस में जोड़ने का काम चल रहा है ताकि अगर किसी एक बिजली घर में खराबी आ जाये तो आपूर्ति में कोई दिक्कत ना आने पाये। सौभाग्य योजना के अन्तर्गत पूरे उत्तर प्रदेश में एक करोड़ नौ लाख विद्युत कनेक्शन जारी किये गये हैं और मेरे विधान सभा क्षेत्र में जितने लोग पात्र थे सबको कनेक्शन दे दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 5100 लोग लाभान्वित हुये हैं। नन्दगांव में आश्रय योजना के अन्तर्गत 180 मकान दिये गये हैं। आई0एच0एस0डी0पी0 के 96 मकान गरीबों को देने का काम किया गया है। दिव्यांग, वृद्धा और विधवा पेंशन दिलाने का काम कैम्प लगाकार किया गया है जिसमें हजारों की संख्या में लोगो ने भाग लेने का काम किया है और यह कार्य अभी भी जारी है। मेरे यहां कैलाश मानसरोवर भवन बन रहा है। हमारे माननीय मंत्री श्री चौधरी लक्ष्मी नारायण जी बैठे हैं इनका भी उसमें बड़ा योगदान रहा है। माननीय योगी जी की कृपा से 92 करोड़ की लागत इसके निार्मण में आ रही है जिसमें 54 करोड़ रुपये की जमीन खरीद करके हिन्दुस्तान में पहला कैलाश मानसरोवर भवन इन्दिरापुरम् में बन रहा है जिसका काफी हिस्सा बन चुका है जो सांस्कृतिक गतिविधियों और कैलाश मानसरोवर जाने वाले यात्रियों की सहूलियत का काम करेगा। मेरे यहां पर उत्तराखण्ड के बहुत लोग रहते हैं तो उनके लिए उत्तराखण्ड भवन का निर्माण किया जा रहा है। पूर्वान्चल के बहुत लोग रहते हैं तो उनके लिए पूर्वांचल भवन का निर्माण किया जा रहा है। राजनगर एक्सटेन्शन में एस0टी0पी0 का निर्माण चल रहा है। मोहन नगर जोन में छह नलकूप और तीन बोरवेल का निर्माण किया जा रहा है। नगर निगम के मकनपुर स्कूल में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण हो रहा है। उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत सभी पात्रों को गैस कनेक्शन दिये गये हैं। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ओर मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 08 प्राइवेट हास्पिटल व 28 प्राइवेट हेल्थ सेण्टर संचालित हैं। प्रधानमंत्री योजना के तहत लगभग 4800 परिवार और मुख्य मंत्री योजना के तहत लगभग 4300 परिवार इस

योजना का लाभ ले रहे हैं। खोड़ा नगर पालिका में ढ़ाई साल पहले तक एक भी गली पक्की नहीं थी लेकिन हमने वहां पर 160 किमी की गलियों और सड़कों का निर्माण कराया है और 5000 एल0ई0डी0 लाइटों को हर गली के हर खम्भे पर लगाकर पूरे क्षेत्र को चमकाने का काम किया है।

मान्यवर, खोड़ा में ही हमने लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के बिल्कुल एडवांस लैबोरेट्री से युक्त 02 बसें, जिनमें डाक्टर बैठते हैं, सारे लैबोरेट्री लगी हुई है, मैंने वहां निःशुल्क एन0जी0ओ0 के माध्यम से उपलब्ध करायी हैं, जो मोबाइल हैं और वहां लोगों को सेवा देती हैं। महोदय, स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद का अभी तक प्रथम स्थान रहा है। मेरा साहिबाबाद क्षेत्र स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश में पहले नम्बर पर आया है और जहां पहले लगभग 300-400 स्थान पीछे था। पिछली बार देश में 13वें स्थान पर गाजियाबाद का नम्बर आया था। हमने स्वच्छता को अंगीकार किया है और उस पर मेहनत की है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें।

श्री सुनील कुमार शर्मा-

अधिष्ठाता महोदय, बस 02 मिनट और लूंगा। मलिन बस्तियों में 200 से अधिक घरों में शौचालयों का निर्माण किया है। अमृत योजना में नन्दग्राम, सिहानी, महराजपुर आदि मलिन बस्तियों में सीवर और वाटर लाइन डाली गयी हैं। महोदय, मैं कह सकता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में सतत विकास के लक्ष्य के सभी बिन्दुओं पर कार्य किया जा रहा है। परन्तु अभी भी कुछ ऐसी समस्याएं हैं जो बहुत विकट हैं। नगर विकास मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, मैं उनका भी ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। अभी मैंने जिस खोड़ा की चर्चा की। महोदय, वहां सड़कें तो हमने बना दी, स्ट्रीट लाइट हमने लगा दीं लेकिन वहां स्थिति यह है, वहां की 05 लाख की आबादी है और पानी का टी0डी0एस0 तीन हजार से ऊपर है। जलापूर्ति की कोई सरकारी व्यवस्था नहीं है। मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि खोड़ा कुछ दिन में लातूर बनने वाला है, वहां 400 फीट पर भी पानी नहीं है। हमको वहां सरकारी गंगा पेयजल योजना लानी होगी और उसका एक मात्र तरीका है कि नोयडा हमें पानी दे क्योंकि खोड़ा गांव की जमीन नोयडा में अधिग्रहीत हुई थी और नोयडा का बहुत बड़ा हिस्सा खोड़ा की जमीन पर बना हुआ है। जब नोयडा नोटीफाइड हुआ था, तब खोड़ा उसमें था, बाद में नोयडा एथॉरिटी से उसको अलग कर दिया गया। मैं माननीय नगर विकास मंत्री जी से कहूंगा कि वह बात करके खोड़ा के लिए गंगा जल की आपूर्ति करायें, अन्यथा खोड़ा में बहुत बुरी स्थिति जल के लिए होने वाली है। इससे थोड़ी कम, लेकिन खराब स्थिति मेरे मोहन नगर की भी है, वहां भी पीने का पानी नहीं है, वहां गंगा जल की आपूर्ति हो। मेट्रो जो सेक्टर-62 नोयडा में है, अभी तक जितनी भी मेट्रो गाजियाबाद में बनी है, उसमें राज्य सरकार का पैसा नहीं लगा है, नगर निगम,

जीडीए और अन्य संस्थाओं ने दिया है। महोदय, जिस प्रकार लखनऊ में राज्य सरकार के पैसे से मेट्रो बनायी जा रही है, उसी प्रकार से गाजियाबाद में भी सेक्टर-62 से मोहन नगर तक मेट्रो को लिंक करने का काम होना चाहिए। यह वहां के लिए बहुत आवश्यक है। अब जीडीए के पास इतना पैसा नहीं है कि वह उसके लिए फन्डिंग कर सके। इसलिए मेरा अनुरोध है कि इसको किया जाए।

श्री अधिष्ठाता-

शर्मा जी, अब समाप्त करें।

श्री सुनील कुमार शर्मा-

मान्यवर, समाप्त कर रहा हूं। वसुन्धरा के सेक्टर-07 में जब आवास विकास ने कालोनी विकसित की थी तो सेक्टर-7 जनसुविधाओं के लिए छोड़ा गया था। वहां गवर्नमेण्ट डिग्री कालेज के लिए जगह है, वहां पर हास्पिटल के लिए जगह है लेकिन आवास विकास उसे एक डीलर की तरह बेचना चाहता है, जबकि वह सरकारी अस्पताल और सरकारी डिग्री कालेज के लिए मुफ्त दी जानी चाहिए। मेरा अनुरोध है कि वहां एक डिग्री कालेज और एक हास्पिटल बनाया जाए। शहरों में एक बड़ी समस्या है और शहरी क्षेत्र के विधायक हैं, सभी के सामने है। प्राइमरी स्कूल की बिल्डिंग तो हम बना रहे हैं, फर्नीचर हम दे रहे हैं, लेकिन टीचर्स नहीं हैं। 400 बच्चे हैं, एक टीचर है। अगर नगरीय क्षेत्र में शिक्षक नहीं दिए जायेंगे तो शिक्षा का जो हमारा प्रयास है, वह अधूरा रह जायेगा। मैं अनुरोध करना चाहूंगा, इस सदन के माध्यम से कि आने वाले सत्र में नगरीय क्षेत्रों में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए और अगर नियुक्ति नहीं हो पा रही है तो ग्रामीण क्षेत्रों में जहां अतिरिक्त शिक्षक हैं, वहां के शिक्षकों से च्वाइश मांग करके उन्हें शहरी क्षेत्रों में भेजा जाए, अन्यथा वहां प्राइमरी स्कूल के कोई मायने नहीं रह गए हैं।

महोदय, बहु मंजिला इमारतों में लोग लिफ्ट से चढ़ते-उतरते हैं लेकिन उसके लिए आज तक कोई कानून नहीं बना है। इसके लिए एक्ट बनना चाहिए। यदि लिफ्ट से कोई दुर्घटना हो जाए तो कौन जिम्मेदार होगा ? कोई जिम्मेदार नहीं है। उस पर कोई कानून बनना चाहिए। मैंने चिट्ठी लिखी थी, पी0डब्ल्यू0डी0 ने जवाब भी भेजा था कि हम इस पर काम कर रहे हैं, एक साल बीत गया, लेकिन अब तक उस पर कोई प्रगति नहीं हुई है। इसलिए लिफ्ट एक्ट बनाया जाए। अनियमित बस्तियां भारी तादात में हैं, उनके लिए कोई व्यावहारिक कानून बनना चाहिए। 40-40, 50-50 साल हो गए हैं, कहां जायेंगे वह लोग? वह शहरों में रह रहे हैं। अथॉरिटीज ऐसे कानून लाती हैं जो प्रैक्टिकल नहीं हैं। कहते है कि 20 फीट चौड़ी सड़क होगी, पार्क होगा। अब जो कालोनी 50 साल पहले बस गयी है, जहां हजारों की संख्या में लोग रह रहे हैं। वहां सड़कें हैं, 08 फीट, 10 फीट, उन्हें तोड़कर 20 फीट तो किया नहीं जा सकता, वहां पार्क बनाये नहीं जा सकते। अगर वह बनेंगे नहीं तो अथॉरिटी उनको रेगुलराइज नहीं करेगी। इसलिए मेरा कहना है कि इस पर कोई एक प्रैक्टिकल नियम बनना चाहिए।

महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखनी का अवसर दिया। मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार ज्ञापित करता हूं, जय-हिन्द, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

अब माननीय मंत्री, श्री राम नरेश अग्निहोत्री जी।

***[04:05] आबकारी, मद्य निषेध मंत्री (श्री राम नरेश अग्निहोत्री)**-

माननीय अधिष्ठाता जी, पूज्य महात्मा गांधी और मा0 लाल बहादुर शास्त्री जी को नमन् करते हुए, अत्यन्त हर्ष का विषय है कि पूज्य महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर विशेष सत्र का ऐतिहासिक आयोजन किया गया है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसा विशेष सत्र देश की किसी विधान सभा में पहले कभी नहीं हुआ है। इसलिए उत्तर प्रदेश का यह बड़ा गौरव है। मान्यवर, आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। माननीय योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। गांव, गरीब, किसान, झुग्गी-झोपड़ी का इन्सान, बेरोजगार नौजवान, माता-बहनों का सम्मान, इन बिन्दुओं को लेकर जन-जन की सेवा करने का काम प्रदेश और देश में तेजी से चल रहा है। मोदी जी ने भारत का दुनिया के अन्दर मान-सम्मान, गौरव बढ़ाया है। आज पूरे विश्व में हमारे नेता आदरणीय मोदी जी का जो सम्मान है, स्वतंत्र भारत के इतिहास में किसी प्रधानमंत्री को ऐसा गौरव प्राप्त नहीं हुआ। इसलिए दुनिया में भी हमारे देश का सम्मान सर्वोच्च शिखर पर है। केन्द्र की सरकार की दूसरी पारी में ऐतिहासिक काम किए गए। तीन तलाक का मामला जो हमारी मुस्लिम बहन-बेटियां थीं, जिन्हें वाट्सएप पर, मोबाइल पर, लेटर पर तीन बार तलाक-तलाक कह दिया जाता था और वह घर से बेघर हो जाती थी। उसके खिलाफ कानून बना है। अब उनका घर बसा रहेगा, इतनी जल्दी वह बेघर नहीं हो सकेंगी। यह ऐतिहासिक काम केन्द्र की सरकार ने किया है। धारा-370, 35ए जो 70 साल से प्रतीक्षित था, जब हम छोटे-छोटे थे, तब भी ''जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह कश्मीर हमारा है'' का नारा लगाते थे। धारा-370 का हर चुनाव के घोषणा-पत्र में उल्लेख होता था कि धारा-370 हटायेंगे, 35ए हटायेंगे लेकिन 70 साल के इस संघर्ष को अब जाकर कहीं अमलीजामा पहनाया जा सका है, अब जाकर लोगों की इच्छाएं, आकांक्षाएं पूरी हुई हैं। यह एक ऐतिहासिक काम केन्द्र की सरकार ने किया है। योगी जी ने प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी है। विकास पुरुष की छवि उत्तर प्रदेश में बनाने का काम तेजी से हुआ है। ढाई साल की इस सरकार में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था चुस्त और दुरुस्त हुई है, जन-जन की सेवा करने का काम सरकार का हर विभाग, हर कार्यालय करते हुए आज दिखायी दे रहा है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मेरा विभाग आबकारी है। उस विभाग के बारे में आपके समक्ष विषय रखना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश के आबकारी और मद्य निषेध विभाग का जिम्मा मुझे सौंपा गया है और मैं आशान्वित हूं कि आपके सकारात्मक सहयोग से प्रदेश के राजस्व में अभिवृद्धि के साथ-साथ प्रदेश की जो डिस्टिलरीज हैं, उनसे औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। वर्ष 2017 में जब से वर्तमान सरकार का गठन हुआ, तब से माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में आबकारी विभाग प्रदेश के संसाधनों में निरंतर सराहनीय योगदान कर रहा है। वर्ष 2018-19 में विभाग द्वारा लगभग 24 हजार करोड़ का राजस्व संग्रहीत किया गया था, जो वित्तीय वर्ष 2017-18 की प्राप्तियों के सापेक्ष 38.10 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धियाँ विगत 15 वर्षों में सर्वाधिक हैं तथा विभाग द्वारा विगत दो वर्षों में प्रदेश के कर राजस्व में रु0 9643.14 करोड़ की वृद्धि के साथ रु0 41238.57 करोड़ का योगदान किया गया है। वर्ष 2019-20 में रु0 31600 करोड़ के राजस्व संग्रह का लक्ष्य हमने रखा है। माह अगस्त, 2019 तक 11478.36 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया जा चुका है जो गत वर्ष के आलोच्य अवधि में प्राप्त राजस्व रु0 10022.86 करोड़ के सापेक्ष रु0 1455.50 करोड़ अर्थात् 14.5 प्रतिशत अधिक है। मान्यवर, आबकारी विभाग में राजस्व अभिवृद्धि हेतु डिस्टिलरीज में उत्पादन क्षमता के विस्तार, अल्कोहल एवं मदिरा की मांग के अनुसार आपूर्ति, दुकानों एवं अन्य आबकारी अनुज्ञप्तियों का प्रभारी निरीक्षण एवं मदिरा की बोतलों पर उत्पादन से लेकर विक्रय तक निगाह रखने तथा मदिरा की अवैध तस्करी के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यों पर विशेष बल दिया जा रहा है। आबकारी विभाग का प्रदेश के कर राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश के कर राजस्व का लगभग 19 प्रतिशत अंश आबकारी विभाग द्वारा अर्जित किया जाता है।

माननीय मुख्य मंत्री जी की अपेक्षाओं के अनुरूप उत्तर प्रदेश को 01 खरब (ट्रिलियन) की अर्थ-व्यवस्था के पार ले जाना है। इसके दृष्टिगत आबकारी विभाग का महत्व एवं योगदान और अधिक बढ़ जाता है। इसके लिए हमारा विभाग अथक प्रयास कर रहा है। प्रदेश में संचालित चीनी मिलों में सह उत्पाद के रूप में उत्पादित शीरे पर नियंत्रण आबकारी विभाग द्वारा किया जाता है। प्रदेश में 119 चीनी मिलें कार्यरत हैं। 2017-18 में कुल 541.32 लाख कुन्तल शीरा उत्पादित हुआ था जो विगत 15 वर्षों में सर्वाधिक रहा है। शीरा उत्पादन में प्रदेश का देश में अग्रणी स्थान है। वर्ष 2018-19 में शीरा माह 2019 तक 481.41 लाख कुन्तल शीरा उत्पादित हुआ है, इसमें 387.40 लाख कुन्तल की खपत प्रदेश में हुई है तथा 54.61 लाख कुन्तल शीरा निर्यात किया गया है। जिससे शीरे का अच्छा मूल्य प्राप्त होने पर गन्ना किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान करने में सहूलियत मिली है। शीरे का उत्पादन, भण्डारण, वितरण एवं उपयोग पर्यावर्णीय दृष्टिकोण से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। प्रदेश में शीरे का यथोचित् उपभोग हो तथा इस कच्चे माल/संसाधन को व्यर्थ न जाने देने और इसकी तस्करी न होने देने के लिए विभाग कृत संकल्प है। शीरे से सम्बन्धित अधिकांश गतिविधियां यथा उत्पादन सम्भरण, वितरण,

इण्डेण्ट, परमिट एवं गेट पास आदि सेवाएं कम्प्यूटराइज्ड कर दी गई हैं तथा शीरे के परमिट ऑनलाइन निर्गत किए जा रहे हैं। प्रदेश में उत्पादित शीरा एल्कोहल उत्पादन का मुख्य स्रोत है। प्रदेश में वर्ष 2018-19 में माह अगस्त, 2019 तक लगभग 80 करोड़ बल्क लीटर एल्कोहल का उत्पादन हुआ है। जो गत वर्ष की आलोच्य अवधि के सापेक्ष 15.6 प्रतिशत अधिक है। इसमें से 16.84 करोड़ लीटर का उपयोग मदिरा निर्माण हेतु, 35.2 करोड़ लीटर का उपयोग एथेनॉल एवं अन्य इकाइयों द्वारा किया गया है। 26.47 करोड़ लीटर का निर्यात अन्य प्रान्तों को तथा 0.31 करोड़ लीटर का निर्यात देश के बाहर किया गया है। शेष स्टॉक में उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश में एल्कोहल के उत्पादन का मात्र 20-25 प्रतिशत ही मदिरा के निर्माण में प्रयुक्त होता है। जो संविधान के निरूपित सिद्धान्त के अनुरूप है। प्रदेश में एल्कोहल वर्ष 2017-18 में कुल 89.66 करोड़ लीटर एल्कोहल का उत्पादन हुआ था। जो विगत 15 वर्षों में सर्वाधिक रहा है। इस वर्ष में 103 करोड़ बल्क लीटर एल्कोहल का उत्पादन सम्भावित है।

आप सभी भिज्ञ हैं कि भारत सरकार द्वारा एथेनॉल ब्लेण्डिंग प्रोग्राम को प्रोत्साहित करने हेतु एथेनॉल के उत्पादन एवं आवागमन में सुगमता लाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जिसमें एथेनॉल पर आरोपित की जाने वाली फीस एवं परमिट व्यवस्था को समाप्त किया जाना महत्वपूर्ण है। भारत सरकार द्वारा एथेनॉल ब्लेण्डिंग प्रोग्राम के लिए पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित करने का लक्ष्य रखा है। उत्तर प्रदेश सरकार को लगभग 62 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति करनी है। इस प्रकार अन्य उद्योग यथा मदिरा उत्पादन एल्कोहल आधारित औद्योगिक रसायन, फार्मेसी आदि के निर्माण हेतु लगभग 41 करोड़ लीटर एल्कोहल ही बचता है। इस प्रकार प्रदेश की आंतरिक आवश्यकताओं के लिए डिस्टलरीज में उत्पादन एवं उत्पादकता पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। विभाग का प्रयास है कि प्रदेश में मांग के अनुरूप एल्कोहल मदिरा की आपूर्ति सुनिश्चित हो। डिस्टलरीज में लगाए गए इण्डेण्ट समय से क्रियान्वित हों तथा डिस्टलरीज में एल्कोहल मदिरा की चोरी न होने पाए, इसके लिए विभाग के अधिकारियों को सजग, सचल एवं सुगम रहने के निर्देश दिए गए हैं। आबकारी विभाग का मुख्य कार्य मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, मद्य निष्कर्षण की रोकथाम कर अधिकतम राजस्व अर्जित करने के साथ-साथ जन स्वास्थ्य, जन सुरक्षा है। विभाग द्वारा अवैध मद्य निष्कर्षण एवं अवैध मादक वस्तुओं की बिक्री, तस्करी के विरुद्ध व्यापक कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है। वर्ष में यथा आवश्यकता विशेष प्रवर्तन अभियान चलाए जाते हैं तथा समय-समय पर पुलिस का सहयोग भी प्राप्त किया जाता है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2019-20 में अपराध शमन कार्य के अन्तर्गत माह अगस्त, 2019 तक एक लाख 66 हजार 627 छापे मारे गए। इस कार्यवाही में कुल 20 हजार 54 अभियोग दर्ज किए गए। 9.30 लाख लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई है। 1857 व्यक्तियों को जेल भेजा गया तथा 357 वाहन जब्त किए गए। मान्यवर, अन्य प्रान्तों की सीमा से लगे जनपदों में प्रवर्तन स्टाफ एवं एस0एस0एफ0 इकाईयों के माध्यम से

विशेष चेकिंग सुनिश्चित की जाती है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में माह अगस्त, 2019 तक अन्तर्राज्यीय तस्करी के 1911 अभियुक्त पकड़े गए जिनमें 3.93 लाख लीटर मदिरा जब्त की जा चुकी है। विषाक्त मदिरा के सेवन से होने वाली दुर्घटनाओं का मूल कारण मिथेनाइल एल्कोहल होता है। विभाग द्वारा मिथेनाइल एल्कोहल के निर्माण, वितरण एवं परिवहन पर भी विशेष निगाह रखी जाती है। इसके अतिरिक्त नियमावली के प्राविधानों के अन्तर्गत आबकारी आयुक्त द्वारा निर्धारित रंगीन कर्मक और तीक्ष्ण गंध मिलाए बिना भण्डारण कब्जे में रखने, वितरण, अन्तरण और विक्रय को प्रतिबन्धित किया गया है। प्रदेश के एल्कोहल उत्पादन का लगभग 20-25 प्रतिशत एल्कोहल मदिरा के निर्माण में प्रयुक्त होता है। आबकारी विभाग का 85 प्रतिशत राजस्व मदिरा पर प्रतिफल की फीस से प्राप्त होता है।

हमारी सरकार ने आबकारी नीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन कर इसे पारदर्शी, सुगम एवं राजस्व अनुरूप बनाया गया है। इस सम्बन्ध में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय इस प्रकार हैं। विशिष्ट जोन मेरठ को समाप्त करते हुए सम्पूर्ण प्रदेश में एक समान आबकारी नीति लागू कर दुकानवार ऑनलाइन आवेदन-पत्र प्राप्त कर ई-लॉटरी के माध्यम से अनुज्ञापियों के चयन की व्यवस्था की गई है। आवेदनकर्ता के लिए हैसियत प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं विगत वर्ष आयकर विवरणी संलग्न करने की अनिवार्यता है। मदिरा की थोक, फुटकर बिक्री के सभी स्थलों पर पेमेण्ट की व्यवस्था कैश के साथ इलेक्ट्रॉनिक पेमेण्ट तथा डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, भीम पेटीएम, आर0टी0जी0एस0 एवं अन्य इसी प्रकार के माध्यमों से कराने की व्यवस्था की गई है। मदिरा की बोतलों को उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक ट्रेस करने हेतु ट्रैक एण्ड ट्रेस प्रणाली को लागू किया जा रहा है। अभी-अभी कैबिनेट में इसको पास किया गया था कि ट्रैक एण्ड ट्रेस प्रणाली लागू की जाएगी जिससे गड़बड़ियों को रोका जा सके। संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम की धारा-74 के अन्तर्गत प्रशमनीय अनियमितताओं के प्रकरणों में प्रशमन धनराशि के आरोपण में एक रूपता बनाए रखने की दृष्टि से क्षेत्रीय अधिकारियों, सक्षम प्राधिकारी के लिए स्पष्ट प्राविधान किए गए हैं। आबकारी अपराधों के छोटे प्रकरणों को प्रशमित करने हेतु आबकारी निरीक्षक स्तर पर अधिकारियों को सशक्त किया गया है। विगत दो वर्षों में आबकारी आयुक्त के थोक अनुज्ञापों में प्रतिस्पर्धा उत्पन्न हुई है तथा उनकी संख्या में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई है। विगत दो वर्षों में विभाग में कम्प्यूटराइजेशन एवं निवेश पर अत्यधिक बल दिया गया है। मदिरा की बोतलों पर उत्पादन से लेकर रिटेल की बिक्री तक निगाह रखने हेतु ट्रैक एण्ड ट्रेस सिस्टम को प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है। सम्प्रति डिस्टलरीज एवं बॉण्ड धारक इकाईयों से थोक अनुज्ञापनों पर मदिरा की निकासी पूर्णतया कम्प्यूटर जेनरेटेड टास्क के माध्यम से की जा रही है। ट्रैक एण्ड ट्रेस के उद्देश्य से इस पर इस बार कोड एवं क्यू0आर0 कोड का इस्तेमाल किया जा रहा है। थोक अनुज्ञापनों से फुटकर बिक्री के अनुज्ञापनों पर बिक्री को भी कम्प्यूटर जेनरेटेड टास्क के माध्यम से प्रेषित किया जा रहा है। इस प्रकार किस दुकान

पर कितनी मदिरा गई, इसका विवरण रखना अब आसान हो गया है। जनहित गारण्टी से आच्छादित सूचनाएं भी ऑनलाइन कर दी गई हैं।

मान्यवर, मा0 योगी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार के कार्यकाल में आबकारी विभाग में पारदर्शिता लाने एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अन्तर्गत जो मुख्य कार्य किए गए हैं, वे इस प्रकार हैं। प्रथम बार मदिरा एवं भांग की दुकानों का व्यवस्थापन ई-लॉटरी प्रणाली से किया गया है। जो बड़ा भ्रष्टाचार अब तक ठेका उठाने में होता रहा था, इस नई सरकार ने मा0 योगी जी की सरकार ने ई-लॉटरी सिस्टम को लागू करके उस भ्रष्टाचार को पूरे प्रदेश से एक झटके में समाप्त कर दिया। थोक बॉण्ड अनुज्ञापनों को ऑनलाइन निर्गत किया जा रहा है। लेबेल अनुमोदन ऑनलाइन किए गए। शीरा का वितरण एवं उठान ऑनलाइन किया जा रहा है। मदिरा के थोक अनुज्ञापनों से डिस्टलरीज को इण्डेण्ट ऑनलाइन किए जा रहे हैं। आबकारी निरीक्षकों को तहसील स्तर पर बैठने की व्यवस्था की गई है। ट्रैक एण्ड ट्रेस सिस्टम का जनपद स्तर के थोक अनुज्ञापनों से फुटकर अनुज्ञापनों को मदिरा निर्गत करने का क्रियान्वयन किया जा रहा है। दुकानवार मदिरा उठान की ऑनलाइन मॉनीटरिंग की जा रही है। मदिरा की बोतल की पहचान, एम0आर0पी0 हेतु मोबाइल ऐप का विकास कराया गया है। विनिवेश में सुधार तथा डिस्टलरीज की उत्पादन क्षमता बढ़ाए जाने के प्रस्तावों पर तुरन्त कार्यवाही की गई है। आबकारी नीति एवं शीरा नीति में लिए गए निर्णयों के क्रम में 11 सम्बन्धित नियमावलियों में संशोधन किए गए हैं। एथेनॉल की उठान परमिट व्यवस्था से मुक्त कर दी गई है। मात्र ऑनलाइन पोर्टल पर सूचना भरने की व्यवस्था है। निर्यात के परमिटों को ऑनलाइन किए जाने की कार्यवाही प्रचलित है। यह जो कुछ ऑनलाइन किया जा रहा है, यह सब भ्रष्टाचार को रोकने के लिए किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के औद्योगिक विकास के दृष्टिगत जो डिस्टलरीज हैं, क्षमता विस्तार एवं नई डिस्टलरीज की स्थापना के लिए जो कार्य किए गए हैं, वे इस प्रकार हैं। पूर्व स्थापित 11 डिस्टलरीज की उत्पादन क्षमता में 990 लाख लीटर की वृद्धि की गई है। इन डिस्टलरीज में रुपये 135.12 करोड़ का निवेश तथा 120 व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान हुए हैं। 04 डिस्टलरीज की पेय क्षमता में 390.16 लाख लीटर कर देशी मदिरा की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। 07 नई डिस्टलरीज की स्थापना कराई गई है। इनमें से रु0 688.50 करोड़ का निवेश तथा 850 व्यक्तियों को रोजगार मिला है। 09 नई डिस्टलरीज की स्थापना हेतु पी0डी0-33 निर्गत एवं 02 डिस्टलरीज की उत्पादन क्षमता में विस्तार की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इस प्रकार विभाग द्वारा प्रदेश के औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान किया जा रहा है। इससे न सिर्फ एल्कोहल उद्योग को बढ़ावा मिला है अपितु अन्य सम्बन्धित उद्योगों के विकास का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। यहां यह उल्लेख करना समीचीन होगा कि आगामी वर्ष में विभाग की कार्य प्रणाली को समग्र रूप से कम्प्यूटराइज किया जाना है। इसके अन्तर्गत आबकारी विभाग की सम्पूर्ण कार्य प्रणाली हेतु एकल वेब पोर्टल का

विकास किया जाएगा। हमारे जो आगामी प्रोजेक्शन्स हैं उनके बारे में बता रहा हूं। ट्रैक एण्ड ट्रेस प्रणाली का उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक पूर्ण रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। उत्पादन एवं वितरण का पर्यवेक्षण निरन्तर ऑनलाइन किया जाएगा। इकाईयों में एकीकृत सी0सी0टी0सी0 प्रणाली और स्वचालित स्कैनर स्थापित किए जाएंगे।

परिवहन वाहनों की जी0पी0एस0 आधारित ट्रैकिंग सुनिश्चित की जाएगी। दुकानों एवं अन्य अनुज्ञापनों को जियो टैंगिंग में जियो फेंसिंग कराई जाएगी। मदिरा की फुटकर दुकानों से पी0ओ0एस0 मशीन के माध्यम से स्कैन मदिरा का विक्रय सुनिश्चित कराया जाएगा। ट्रैक एण्ड ट्रेस प्रणाली में विविध चेक यथा डिजी लॉक, बार कोड, क्यू0आर0 कोड, विभागीय अधिकारियों से सूचनाओं की सतर्कता, संकेतों की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी। एक विनिश्चित समयावधि में उत्पादन, रुझानों एवं छीजन का परिवर्तनशील सूचनाओं के आधार पर स्वतः निर्मित आई0एस0 रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसके अतिरिक्त आगामी माहों में, वर्षों में विभिन्न नियमावलियों को बनाया जाना, प्रख्यापन पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। बार अनुज्ञापन नियमावली लागू की जाएगी। भांग की फुटकर दुकानों की नियमावली बनाई जाएगी। मिथाइल एल्कोहल की आवागमन तथा अभिवहन नियमावली बनाई जाएगी। एन0डी0एल0डी0 नियमावली बनेगी। प्रीमियम बैक्स के व्यवधान की नियमावली बनाई जाएगी। आबकारी मैनुअल का पुनरीक्षण एवं संशोधन किया जाएगा। विभाग के निरोधक क्षेत्रों, सेक्टरों तथा प्रवर्तन इकाईयों का पुनर्गठन किया जाएगा। अल्कोहलोमीटर एवं कम्प्यूटर उपस्करों का क्रय किया जाएगा। नियुक्त कर्मियों की क्षमता तथा दक्षता बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मान्यवर, यह आबकारी विभाग का वृत्त था जो मैंने आपके सामने रखा है।

नगर विकास, शहरी समग्र विकास, गरीबी उन्मूलन मंत्री (श्री आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी') -

मध्य निषेध विभाग पर ही कुछ बोल दीजिए।

श्री राम नरेश अग्निहोत्री-

मान्यवर, मैं बोल रहा हूं। अब मैं उसी पर आ रहा हूं। आबकारी का पूरा विवरण मैंने आपके सामने रखा है।

श्री अधिष्ठाता-

यह मा0 मंत्री जी के लिए बड़ा धर्म संकट वाला विषय है।

श्री राम नरेश अग्निहोत्री-

हमने आज तक कितना किया है और आगे क्या प्रोजेक्शन्स हैं, हमें क्या-क्या करना है। मैंने ये सब आपके सामने रखा है। विषय थोड़ा शुष्क था इसलिए लोगों को समझने में थोड़ी कठिनाई हुई होगी लेकिन हमारे पास आबकारी विभाग के साथ-साथ मद्य निषेद्य विभाग भी है।

और मद्य निषेद्य विभाग में भी काम कर रहे हैं। मद्य निषेद्य में शराब पीना स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है, इसके बड़े बड़े बोर्ड लगे हुए आपने देखे होंगे। एक सिक्के के दो पहलू होते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 मंत्री जी इस समय आप दो धारी तलवार पर चल रहे हैं।

श्री राम नरेश अग्निहोत्री-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, यह प्रदेश सरकार की व्यवस्था है। जो विभाग की व्यवस्था है उसमें एन0जी0ओ0 के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं, टेली फिल्म दिखाने का काम कर रहे हैं। यदि बच्चों को अपना भविष्य बनाना है तो उन्हे शराब नहीं पीनी चाहिए। नाटक, होर्डिंग के लिए विभाग का सीमित बजट है। जितना हम कर सकते हैं उतना हम कर रहे हैं। लेकिन यह आबकारी विभाग है, पीने वाले पीते हैं और नहीं पीने वाले नहीं पीते हैं। हमारा अनुरोध यही है कि शराब स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है इसलिए शराब को नहीं पीना चाहिए। हमारे प्रदेश की जनता को यही संदेश है कि शराब नहीं पीनी चाहिए। अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया और मैंने विभाग का पूरा विषय रखने का प्रयास किया है। धन्यवाद।

[04:30] श्री संजय सिंह गंगवार-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, गांधी जयन्ती और लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म जयन्ती के अवसर पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया। इसके लिए आपका मन से आभार प्रकट करता हूं। 02 अक्टूबर इस देश के लिए बहुत बड़ा दिन है और इस देश की पावन भूमि पर 02 अक्टूबर को दो ऐसे सपूतों ने जन्म लिया, जिनके विचार को आज भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व उनके आदर्शों पर चल रहा है। इस सुअवसर पर मैं उत्तर प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी को और उनकी पूरी कैबिनेट को बधाई दूंगा। मैं जनपद पीलीभीत के पीलीभीत विधान सभा क्षेत्र से विधायक हूं। हमारा जनपद विकास से काफी कोसों दूर रहा है और उस जनपद में एक मेडिकल कालेज को मंगलवार की कैबिनेट में स्वीकृति मिली है। मैं पूरी कैबिनेट, मा0 मुख्य मंत्री जी को और चिकित्सा शिक्षा मंत्री जी को बहुत-बहुत पीलीभीत की जनता की ओर से बधाई दूंगा कि उन्होंने पीलीभीत को अपना आशीर्वाद देने का काम किया। हमारी सरकार से पहले इस प्रदेश में जो पूर्ववती सरकार थी। उस सरकार के एक पूर्व मा0 मंत्री जी ने जनपद पीलीभीत में 2500 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा था। वह 2500 एकड़ सरकारी जमीन मा0 मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से खाली कराई गई है। वह सरकारी जमीन खाली पड़ी हुई है और उस सरकारी जमीन को यू0पी0एस0आई0डी0सी0 को दिया गया है। मुझे विश्वास है कि उस जमीन पर जल्द ही उद्योग लगेंगे जिससे कि पीलीभीत के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नौजवानों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। जनपद पीलीभीत में वर्ष 2010 से मझोला शुगर मिल एवं डिसनरी शुगर मिल बन्द पड़ी है। मुझे पूरा विश्वास अपने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के ऊपर एवं सरकार के ऊपर है, कि मझोला शुगर मिल जल्द ही चलायेंगे।

बहुत सारे मेरे मा0 सदस्यों ने इस सदन में सरकार की सारी उपलब्धियों को बहुत-ही सुंदर ढंग से रखने का काम किया है। मैं उन सबसे अपने को सम्बद्ध करते हुए जो मेरा आज का विषय है-लैंगिक समानता। उस पर कहना चाहूंगा कि हमारे देश में भारत की पुण्य भूमि पर कभी भी लिंग भेद नहीं रहा है। हमारी प्राचीन सनातन संस्कृति इसका द्योतक है। जहां सृष्टि की उत्पत्ति में तीन देव हैं ब्रहम्मा, विष्णु व महेश वहीं इन्हीं देवों को शक्ति प्रदान करने वाली अधिष्ठात्री देवी है शक्ति स्वरूप मां दुर्गा। हमारे वेद, पुराण, धर्मग्रन्थ व इतिहास इन्हीं सभी शक्तियों की कथाओं से भरें हैं। हमारे पुराणों में भी, हमारे भारतीय दर्शन में भी है कि जो हमने जड़ में देखा वही चेतन, जो पिण्ड मे ंदेखा वही ब्रह्माण्ड में, जो जीव में देखा वही पेड़-पौधों में, प्रकृति में, जन्तुओं में देखा है। कहीं पर भी हमने भेद नहीं किया है कि यह पुरुष है कि यह महिला है अथवा एक तृतीय वर्ग है, जो इनमें से कोई नही है। यह भारत देश है, यह हमारी संस्कृति है कि हमने उन्हें भी मान-सम्मान दिया है व उनकी भी पूजा की है। कालान्तर में हमारी संस्कृति पर हुए आक्रमणों व 800 साल की गुलामी ने हमारी वैचारिक संस्कृति पर सर्वाधिक प्रभाव डाला व नष्ट करने का प्रयास किया। उसी का प्रभाव हुआ कि पश्चिमी संस्कृति व मुगल आक्रान्ताओं के प्रभाव से समाज में लिंग भेद जैसी बातें पैदा हुयी। लेकिन हम प्रतिबद्ध हैं कि इस भेद-भाव वाली विचारधारा को समाप्त करेंगे। समाज को इस कुरीति से छुटकारा दिलाएंगे। इस सदन के माध्यम से आपका ध्यान एक अन्य वर्ग की ओर दिलाना चाहूगां कि जो अपने अधिकारों के लिए सदियों से संघर्ष कर रहा है वह वर्ग है ट्रांस जेण्डर का। उनमें सामान्य स्त्री-पुरूषों के समान जीवन जीने व व्यतीत करने की लालसा हैं उन्हें भी समाज में सम्मानित जीवन जीने का अधिकार है। उन्हें भी अधिकार है कि कार्यों में अवसर की समानता का लाभ उन्हें प्राप्त हो। उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संसद में वर्ष 2018 में मा0 मोदी जी की सरकार में ट्रांस जेण्डर बिल पास कराया गया था। उसी रूप में उ0प्र0 में भी एक ऐसा विधेयक लाने की आवश्यकता है कि जो स्त्री-पुरूषों के समान उन्हें भी सम्मान पूर्वक सवैंधानिक रूप से मौलिक अधिकार प्राप्त हों। लिंग भेद के कारण विकास के अवसरों में वे पीछे न रहें।

हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर हम सब संकल्प लें कि सत्य, प्रेम, करूणा व अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए समाज से लिंग भेद जैसी कुरीति को जड़ से उखाड़ फेकेंगे। हम अपने संविधान के अनुसार भारत के प्रत्येक नागरिक को लिंग भेद से रहित होकर उनको जीवन के उत्थान व विकास के लिए समान रूप से अवसर दिलाएंगे और

इस कार्य के लिए हमें जो भी त्याग तपस्या करनी पड़ेगी, वह करेंगे। हमारी विधान सभा क्षेत्र में बहुत-से कार्य मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के आशीर्वाद से हुए हैं। जैसे विकासखण्ड अमारिया में एक बिजली का 250 के0वी0 का उपकेन्द्र बनाना। हमारे पीलीभीत जिला अस्पताल में डायलिसिस सेण्टर को शुरू करना, तमाम सड़कों का निर्माण कराना, जिन गांवों एवं मजरों में बिजली नहीं पहुंची थी उनमें से मेरी विधानसभा के 9 मजरें ऐसे हैं जहां पर विद्युतीकरण का कार्य हुआ है और तमाम ऐसे काम उ0प्र0 सरकार ने किये हैं। 02 अक्टूबर के ऐतिहासिक अवसर पर हमारा सत्र आहूत हुआ है। हम सबको इस सदन में बैठ करके निश्चित रूप से गौरव का अनुभव हो रहा है। मा0 मुख्य मंत्री जी हर रोज इतिहास में एक नया पन्ना जोड़ने का काम करते हैं। जैसे उ0प्र0 में महाकुंभ, पर्यावरण में एक साथ पेड़ों का लगाना। तमाम ऐसे काम हैं हम लोग उ0प्र0 को उत्तम प्रदेश एवं अति उत्तम प्रदेश बनाने के लिए अग्रसर हैं। मैं अपनी बात को यहीं समाप्त करता हूं- जय हिन्द, जय भारत।

***[04:41] श्री विजय पाल (आढ़ती)-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, व्यवहार, विवेक, संघर्ष दुनिया को सत्य अहिंसा और मानवता का संदेश देने वाले महात्मा गांधी जी की जयन्ती पर प्रदेश के सतत विकास लक्ष्य के लिय विशेष सत्र पर मुझे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा एवं टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास बिन्दुओं पर बोलने का समय दिया। मैं आपका आभारी हूं। मैं सरकार को सत्र बुलाने के लिये तहेदिल से धन्यवाद देता हूं।

'कहीं मिलेगी जिन्दगी में प्रंशसा तो
कहीं नाराजगियों का वहाब मिलेगा
कहीं मिलेगी सच्चे मन से दुआ
कहीं भावनाओं में दुर्भाव मिलेगा
तू राही चल कर्म पथ पर
जैसा भाव वैसा प्रभाव मिलेगा।'

अधिष्ठाता महोदय, 65 वर्ष के शासन पर एक सन्यासी कर्म योगी जी के 30 माह भारी हैं। विकास में सभी की भागीदारी हो उसके लिए कार्य करना है। देश के विकास का रास्ता सड़कों से होकर गुजरता है। प्रदेश सरकार पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, मेरठ प्रयागराज एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखण्ड डिफेंस कॉरीडोर पर कार्य कर रही है। जो प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। एक्सप्रेस-वे व सड़कों के निर्माण से शहर और ग्रामीण जनता को रोजगार मिलेगा जिससे सड़कों के किनारे उद्योगों का विकास होगा, साथ ही किसान एवं कुटीर उद्योगों का माल कम समय में पहुंचेगा। जिससे प्रदेश एवं देश आगे बढेगा। शिक्षा के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बिना मनुष्य पशु समान है। अगर शिक्षा सही नही है तो वह मानव को विनाश की ओर ले जाती है। अगर शिक्षा सही है तो मानव को उत्थान के रास्ते पर ले जाती है। प्राइमरी, जूनियर हाई स्कूल एवं माध्यमिक स्कूलों की गुणवत्ता को सुधारने के लिए शिक्षकों के आधुनिक प्रशिक्षण व शिक्षकों की कमी को पूरा करना चाहिए। असंतुलित विकास प्रदूषण रूपी राक्षस को लेकर आता है। जो सब कुछ नष्ट कर देता है। टिकाऊ शहरी व सामुदायिक विकास के शहरों को प्रदूषण मुक्त, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण व ध्वनि प्रदूषण से मुक्त करने के लिए नगर पालिका एवं नगर निगम के स्तर पर कार्य करना चाहिए। नगर पालिका व नगर निगम को स्वच्छता पर विशेष महत्व देते हुए मलिन व पिछड़ी बस्तियों में कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। सरकारी स्कूल गरीबों की शिक्षा का एक मात्र स्थान है। सरकारी स्कूलों के भवनों का अच्छा निर्माण कर शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य करना चाहिए। हमारी सरकार शिक्षा को लेकर अति गम्भीर है जिसका परिणाम भी नजर आने लगा है।

अधिष्ठाता महोदय, सरकारी एवं पब्लिक स्कूलों में नैतिक, गुणवत्तापूर्ण, तकनीकी व राष्ट्र भावना पैदा करने वाली शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। जिससे युवा संस्कारवान हों और अपने उत्तरदायित्व को समझें। अधिष्ठाता महोदय, शिक्षा का उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास करना है। विद्यालयों में सामुदायिक हित के लिए पेयजल, वृक्षारोपण एवं प्रौढ़ शिक्षा परियोजनाओं को बढ़ावा देना चाहिए। अधिष्ठाता महोदय, दलित, आदिवासी, घुमन्तू, पिछड़ी जातियों के बच्चों को उच्च शिक्षा तक की शिक्षा को सरकार को मुफ्त करने के लिए विचार करना चाहिए और इनके पुश्तैनी कामों हस्तशिल्प, हस्तकला को विशेष आर्थिक सहायता देने पर भी विचार करना चाहिए, जिससे यह विकास में भागीदारी कर सकें। अधिष्ठाता महोदय, फरवरी, 2018 में इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया गया जिसमें 4 लाख 68 हजार करोड़ के एम0ओ0यू0 साइन हो चुके हैं जिससे बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा तथा प्रदेश का तेजी से विकास होगा। अधिष्ठाता महोदय, कुटीर एवं लघु उद्योग एवं सामुदायिक उद्योगों को बढ़ावा देकर प्रदेश की आर्थिक योजनाओं का विकास करना है। अधिष्ठाता महोदय, ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार न होने के कारण जो पलायन शहरों में हो रहा है उसे रोकने के लिए शहरों की तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्रों में लघु व कुटीर उद्योग व खाद्य सम्बन्धी उद्योगों को जैसे पापड़, आलू, पाउडर, सिरका, दलिया आदि के उद्योगों को बढ़ावा देना चाहिए। अधिष्ठाता महोदय, पंडित दीनदयाल जी ने कहा था कि विकास का पैमाना अमीर लोगों के धन में वृद्धि नहीं बलिक गरीब लोगों के जीवन स्तर के सुधार से मापी जाती है। अधिष्ठाता महोदय, मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी सरकार माननीय योगी जी के नेतृत्व में सतत विकास के लिए प्रयासरत् है। प्रदेश में दिन-प्रतिदिन विकास के नये आयाम बन रहे हैं जिससे प्रत्येक प्रदेशवासी गौरव की अनुभूति कर रहा है। पूरे देश के विकास में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। अधिष्ठाता महोदय, 02 अक्टूबर, 2014 को महात्मा गांधी जी की जयन्ती पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र

मोदी जी ने स्वच्छता मिशन का आगाज किया जिसका सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं और गरीब जनता को मिला है। शौचालय के निर्माण से बीमारियों में कमी आयी है और मृत्यु दर भी कम हुई है। स्वच्छता मिशन एक जन-आन्दोलन बन गया है, इसके लिए मैं यशस्वी प्रधानमंत्री को उत्तर प्रदेश की 23 करोड़ जनता की ओर से हार्दिक धन्यवाद् देता हूं। अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपको सादर धन्यवाद् देता हूं।

[*] **[04:48] श्री बाबा गोरखनाथ-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको हृदय की गहराइयों से बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। जैसा कि अपनी सरकार को लेकर और माननीय मुख्य मंत्री जी को लेकर हमारे माननीय सदस्यों ने बातें रखी हैं उस पर मैं चार लाइनें रखता हूं। ''कोई दीवाना कहता है, कोई पागल समझता है, मगर यू0पी0 की बेचैनी को, सिर्फ योगी बाबा समझता है, मैं तुझसे दूर कैसे हूं, यह तेरा दिल समझता है या मेरा दिल समझता है।'' मैंने समझने के लिए अपनी विधान सभा क्षेत्र में एक यात्रा की, 42 दिन मैं वहां रहा, उसका जो सुखद अनुभव रहा, उसके लिए मैं आपके बीच में दो योजनाओं के बारे में बताऊंगा। एक तो शौचालय, स्वच्छ भारत को लेकर जो मुहिम चलाया है, नरेन्द्र भाई मोदी जी ने। गन्दगी के बारे में जो वातावरण हिन्दुस्तान का रहा है, उसमें अपराध के बारे में जब मैंने देखा तो पाया कि 75 प्रतिशत अपराध खुले में शौच की वजह से हुए, और 36 प्रतिशत बीमारियां खुले में शौच की वजह से हुई। यह कैसे हुआ, इसका आंकड़ा मैं आपके सामने रखता हूं। शास्त्रों में लिखा है कि स्त्री, भोजन और धन यह पर्दे के योग्य हैं, अगर आपने इसे पर्दे से बाहर किया तो कुछ न कुछ गलत हो ही जायेगा। जिन घरों की मां-बेटियां जिनके घरों में शौचालय नहीं है, वह शौच के लिए बाहर जा रही हैं। पेपर में भरा पड़ा रहता है कि शौच के लिए गयी बालिका लापता। जितनी भी घटनाएं घटती हैं, वह खुले में शौच जाने से घटती हैं, यह मैंने एक रिपोर्ट में पढ़ा था। गन्दगी के बारे में ले लीजिए, गरीब आदमी का बच्चा वहीं लैट्रीन कर रहा है, मक्खियां बैठी हैं, गरीब आदमी थाली को लेकर बैठा है, मक्खियों का स्वभाव होता है, वह वहां से उड़ कर आईं और भिनभिन-भिनभिन करती हुई थाली पर बैठ गईं। गरीब आदमी दो पैग लगाया है तो हाथ भी नहीं हिलायेगा, गपर-गपर खा लेगा। अब तो रोडों पर नहीं समझ में आता नहीं तो पहले हर रोड पर फौज लगी रहती थी। वह शौच दो-चार-पांच-दिन में सूख जाती थी, पपड़ी बन जाती थी, गाड़ियां दौड़ती थीं और जब गाड़ियां दौड़ती थीं तो बगल से निकलती थीं तो हम उससे नहा भी लेते थे और सूघ कर अन्दर भी ले लेते थे, इसी तरीके से 36 प्रकार की बीमारियां पैदा होती थीं। मैंने यह आंकड़ा पढ़ा और यह आंकड़ा व्यवहारिक था। शौचालय के माध्यम से जहां हमने बीमारियों

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

को रोका है और गरीब आदमी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने शौचालय को देकर उनकी इज्जत को बढ़ाने का काम किया है, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। जो बची चीजें हैं उन्हें बहुत जल्द पूरा किया जायेगा। जो सूची बनी थी वह 2011 में बनी थी, हम लोग जो भी कुछ करते हैं वह नियमों के तहत करते हैं उसके बाद जो सूची बनी है, जब माननीय योगी जी की सरकार बनी तो हम सूची बनाने का काम कर रहे थे। चाहे आवास की बात हो, चाहे शौचालय की बात हो, अब जो सूची बन रही है इसके अनुसार हम बचे लोगों को आवास देने का काम करेंगे। आज विपक्ष यहां नहीं है, विपक्ष के लिए मैं दो बातें कहूंगा, कुमार की चार लाइनें हैं।

समन्दर पीर का अन्दर, है लेकिन रो नहीं सकता,
ये आंसू प्यार का मोती है, इसको खो नहीं सकता,
मेरी चाहत को दुल्हन तू बना लेना, मगर सुन ले,
अरे! जो मेरा हो नहीं पाया, वह तेरा हो नहीं सकता।

लड़ाई इसी प्रकार की है, सरकार हर मुद्दे पर मजबूती के साथ खड़ी है। मैं कुछ बातें अपने माध्यम से जो हमारा अनुभव रहा है उसको मैं सरकार को बताना चाहूंगा। हम विधायकगण की पीड़ा है कि हम लोग जो पत्र लिखते हैं, उन पत्रों का जवाब जिले के अधिकारी हम विधायकों को नहीं देते हैं, मैं सरकार के माध्यम से कहना चाहता हूं कि हर एक पत्र का जवाब आना चाहिए और मैं माननीय मंत्रीगण से भी निवेदन करता हूं कि हम लोग आपके बच्चे हैं आप भी हम लोगों के पत्रों का जवाब देते रहिये। जो सरकारी पुरानी योजनाएं पड़ी हैं, मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक पॉलीटेक्निक है 9 करोड़ रुपए का, ऐसी सरकारी योजनाएं रूकी पड़ी हैं हम एक अच्छी राजनीति की तरफ बढ़ चले हैं तो बड़ा मन दिखायें और यदि वहां के विधायक चाहते हैं तो उन्हें चालू करा दें क्योंकि पैसा आपके पास है। हम लोगों के पास इतने सारे विषय हैं लेकिन हम उनकी मॉनीटरिंग नहीं कर पाते हैं। हमने इस सम्बन्ध में महाराज जी से भी बात किया था कि जैसे हम दिशा की बैठक करते हैं विधान सभा क्षेत्र में भी उसी तर्ज पर 45 दिन के अन्दर एक बैठक करायें और उसमें विभाग से सम्बन्धित सारे लोग बैठें, विधायक उसका अध्यक्ष हो, एस0डी0एम0 उसका उपाध्यक्ष हो, अगर हम कार्यों की मॉनीटरिंग नहीं करेंगे तो वह सुचारू रूप से सम्पन्न नहीं होंगे।

माननीय मोदी जी से मैंने सीखा है जितने भी काम उन्होंने उठाये हैं उनकी मॉनीटरिंग उन्होंने शत-प्रतिशत करायी है। शौचालय की बात हो, अगर शौचालय बना है तो उसकी फोटोग्राफी करके उसको नेट पर डाला गया है, कहीं-कहीं कुछ गलतियां हुई होंगी तो इतनी ही हुई होंगी कि अव्वल के स्थान पर मीठा ईंटा लगा दिया होगा और मसाला 8-1 के स्थान पर 10-1 का लगा दिया होगा परन्तु भ्रष्टाचार, घोटाला नहीं कर पाये होंगे। जब तक हम योजनाओं की मॉनीटरिंग नहीं करेंगे तब तक हम आगे नहीं बढ़ेंगे, यह मेरी अपनी राय है कि अगर हम दिशा की तर्ज पर इस तरीके की बातें करें तो अच्छी बातें होंगी। हम लोगों के हर विधान सभा

क्षेत्र में मन्दिरों की संख्या ज्यादा है, हम लोगों ने शुरू-शुरू में कई जगह कुछ चीजें देने का वादा किया कि हम आपके यहां वाचनालय देंगे, बाउंड्रीवाल करा देंगे लेकिन जो विधायक निधि की गाइडलाइन है किसी के दुर्व्यवहार की वजह से उस गाइडलाइन को बदल दिया गया और हम मन्दिरों या अन्य धार्मिक स्थलों पर विधायक निधि से काम नहीं दे सकते। इसलिए मैं सरकार से चाहूंगा कि उस नियम को बदला जाये ताकि हम मंदिरों, पुस्तकालयों का जीर्णोद्धार करा सकें। जैसे पेड़ों की बात हो रही थी, हम पेड़ हर साल बड़ी संख्या में लगाते हैं, सरकार ने इस बार बड़ा रिकार्ड बनाया है, हमारी शुभकामनाएं हैं कि वह आगे बढ़ें। लेकिन अगर हम उनकी रक्षा नहीं कर पायेंगे तो पेड़ लगाने का कोई मतलब नहीं रह जायेगा। मैं चाहूंगा कि हर सरकारी आदमी पेड़ के साथ सेल्फी का काम करें, अगर हम पेड़ की सेल्फी लायेंगे तो निश्चित रूप से जो पेड़ लगेंगे उनको हम बचा पायेंगे। जैसे 2022 तक लक्ष्य है कि हम हर गरीब को घर दे, उसकी सरकार ने प्रॉपर मॉनीटरिंग की है, अगर गरीब है तो उसको खड़ा करके छप्पर वाली फोटो खींच करके डाल दी गयी है, उसको 2022 तक आवास मिल ही जाना है। आवास मिलने के साथ उसको बिजली का कनेक्शन फ्री में है, गैस फ्री है, बीमा फ्री है और तमाम चीजें फ्री हैं तो मैं चाहूंगा कि जब इतनी चीजें दे रहे हैं तो पांच सौ या एक हजार रुपया और दे दें तथा उनसे कहें कि वह घर के आगे या पीछे एक पेड़ जरूर लगा दें जिससे पर्यावरण की बात और अच्छी हो सके। विकास पर जो हंगामा होता है उस पर भी मैं कुमार जी की एक शायरी कह दूं।

भ्रमर कोई कुमुदनी पर, मचल बैठा तो हंगामा,
हमारे दिल में विकास पल बैठा तो हंगामा,
अभी तक डूब कर सुनते थे सब किस्सा विकास का,
मैं विकास को हकीकत में बदल बैठा तो हंगामा।

विकास को इन ढाई सालों में हमने हंगामे की तरह खड़ा कर दिया है और निश्चित मानिये इन ढाई सालों में प्रदेश एक अच्छी दिशा में बढ़ रहा है। हम लोगों ने कई तरीके की पेंशन दी है, हर विधान सभा क्षेत्र में कुछ बच्चों के मां-बाप नहीं रह गये हैं, मैं चाहूंगा कि एक बेसहारा पेंशन योजना भी सरकार की ओर से चलायी जाय इसके तहत जिनके मां-बाप नहीं हैं उनको एक हजार या जो भी कर सकें उनको दें। ऐसे परिवार मैंने अपने यहां चिन्हित किये हैं मात्र 16 परिवार मेरी विधान सभा क्षेत्र में निकले हैं तो हर विधान सभा क्षेत्र में 10-12 से ज्यादा परिवार नहीं होंगे इसलिए मैं चाहूंगा कि इस प्रकार की योजना चले।

प्रदेश में जो टंकी योजना है पानी के लिए, मैं याचिका समिति का सदस्य हूं, मैंने क्वैश्चन उठाया था, प्रदेश के सभी वरिष्ठ अधिकारी बैठे थे, मैंने एक सवाल उठाया कि पूरे प्रदेश में जो टंकी योजना है, जो पाइपलाइन की योजना है नगरीय क्षेत्र में या देहात क्षेत्र में, अगर किसी गांव में पूर्ण रूप से हो तो चलकर हमें दिखा दीजिए। मान्यवर, यह पूरे उत्तर

प्रदेश की फ्लॉप योजना है, मैं चाहूंगा कि इस योजना को बन्द कर दिया जाय, हम इससे कम पैसों में हैण्डपाइप या सबमर्सिबल लगाकर पानी दे सकते हैं। जिन योजनाओं को हम ठीक से नहीं चला पा रहे हैं या तो उनको हम ठीक करें या फिर उन्हें बन्द कर दें। एक बात मैं और कहना चाहूंगा कि-

करो तलाश तो कोई फिर मिल ही जायेगा,
मगर हमारी तरह तुमको कौन चाहेगा,
तुम्हें जरूर कोई हसरतों से देखेगा ऐ यू0पी0 वालों,
पर योगी जी कहते हैं कि वह आंखें हमारी कहां से लायेगा।

जय योगी, जय मोदी, बहुत-बहुत धन्यवाद।

*[04:59] **श्री प्रमोद उटवाल**-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे इस ऐतिहासिक अवसर पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं। सबसे पहले मैं महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर उनके चरणों में शीश नवॉ कर नमन करता हूं। महात्मा गांधी जी भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखते थे। पूरा देश उनको सम्मान की दृष्टि से देखता है। राष्ट्रपिता के सम्मान से सुशोभित महात्मा गांधी देश की अमूल्य धरोहर में से एक हैं क्योंकि उनका सम्मान न केवल भारतीय करते हैं बल्कि भारत के बाहर भी बहुत बड़ी संख्या में लोग गांधी जी के विचारों और कार्यों का अनुसरण कर रहे हैं। गांधी जी ने भारत में छुआछूत का पुरजोर विरोध किया, उन्होंने शोषित वर्ग को हरिजन कहा जिसका मतलब होता है भगवान के पुत्र, उन्होंने उनके साथ समान व्यवहार की सिफारिश की। गांधी जी के लिए स्वच्छता भी चरखे की तरह आजादी की लड़ाई का एक हथियार था। स्वच्छ भारत को अब स्वस्थ भारत बनाने का समय आ गया है। गांधी जी के दिखाए सत्याग्रह, स्वराज, अहिंसा, आत्म नियंत्रण, व्रत एवं ब्रहमचर्य के रास्ते को अपनाकर कोई भी एक कुशल लीडर बन सकता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था कि महात्मा गांधी की आत्मा भारतीयों में जिंदा है। समाज की हर कुरीति तोड़ने को व्यग्र गांधी जी ने सत्याग्रह की ज्वाला को दुनिया की सबसे अभिनव आंदोलन की मशाल बना दिया। जैसे कि भोजन, नाश्ता, दूध, हरिजन, दलित उनसे प्रभावित होकर आन्दोलन में शामिल हुआ। भारत छोड़ो आंदोलन, नमक सत्याग्रह, खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन। आज का दिन हमारे लिये बहुत ही प्रेरणादायक दिन है क्योंकि इस दिन गांधी जी के साथ हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का भी जन्म दिन होता है, जिन्होंने जब पाकिस्तान का युद्ध हुआ तो उन्होंने एक नारा दिया था जय जवान जय किसान इस नारे से पाकिस्तान को बहुत बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा था।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज मुझे लैगिंक समानता पर बोलना है। लैगिंक समानता वह अवस्था है जब सभी मनुष्य अपने जैविक अन्तरों के बावजूद सभी अवसरों संसाधनों आदि के लिए आसान और समान पहुंच प्राप्त कर सकते हैं, उन्हें अपना भविष्य विकसित करने में समानता, आर्थिक भागीदारी में समानता, जीवन शैली के तरीकों में समानता, उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देने में समानता, उनके जीवन में लगभग हर चीज में समानता लाने की अनुमति दी जानी चाहिए। 21वीं सदी में आज हम केवल भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर वर्तमान की अपनी इस मानव सभ्यता को आंकते हैं, तो निश्चित ही अपने आपको इतिहास में अब तक की सबसे विकसित होने की सभ्यता को दर्शा देते हैं। लेकिन फिर भी जब इस तथाकथित विकसित सभ्यता में लैगिंक समानता की बात आती है तो परिस्थितियां केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में बेहद निराशाजनक हैं। क्योंकि बात दर असल यह है कि आज भी महिलाओं को उनकी योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि उन्हें एक महिला होने के आधार पर ही आंका जाता है। आज भी देखा जाय तो विश्व में कहीं भी महत्वपूर्ण व उच्च पदों पर महिलाओं की नियुक्ति न के बराबर है और यह स्थिति दुनिया के हर देश में ही है। क्योंकि खुद को एक समान सोसाइटी कहने वाला विश्व का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका भी आजतक अपने लिए एक महिला राष्ट्रपति नहीं चुन पाया है। प्राचीन हिन्दू कानून के निर्माता मनु के अनुसार ऐसा माना जाता है कि औरत को अपने बाल्यकाल में पिता के अधीन, शादी के बाद पति के अधीन और अपनी वृद्धावस्था अथवा विधवा होने के बाद अपने पुत्र के अधीन रहना चाहिए। आज भारत में लैगिंग समानता को फैलाने में स्कूली शिक्षा और सामाजिक संस्कृति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जैसे-यौन शिक्षा, जागरूकता अभियान, कन्या भ्रूण हत्या का पूर्ण उन्मूलन, दहेज और जल्दी विवाह का विशाक्त प्रभाव सभी छात्रों को सिखाया जाना चाहिए।

हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए अनेको योजनाएं चला रही है, जिनमें बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं, बालिकाओं के संरक्षण और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 22 जनवरी, 2015 को पानीपत हरियाणा में इस कार्यक्रम की शुरूआत की गयी थी। उज्जवला योजना इस योजना के अन्तर्गत सरकार ने गरीब महिलाओं को मुफ्त एल0पी0जी0 गैस कनेक्शन दिये। इसकी शुरूआत एक मार्च, 2016 को हुई। वन स्टाप सेन्टर स्कीम यह योजना 01 अप्रैल, 2015 को निर्भया फण्ड के साथ लागू की गयी। जिसका टोल-फ्री नं0 181 है। महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम इसमें महिलाओं को रोजगार की सुविधा प्रदान करायी जाती है। महिला शक्ति केन्द्र योजना इस योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से सशक्त बनाने का काम किया जाता है। इसके अलावा भी और अनेकों योजनायें जैसे महिला-ई-हाट, यू0पी0 सरकार ने गरीब परिवारों में जन्म लेने वाली बेटियों के परिवार वालों को 50 हजार रुपये का बांण्ड दिया जायेगा। इसके अलावा उ0प्र0 सरकार में भाग्य लक्ष्मी योजना शुरू की जायेगी, जिसमें बेटी की मां को भी 5100/- रु0 दिये

जायेगें। लाडली लक्ष्मी योजना, भाग्यश्री, शुकन्या समृद्धि योजना, धनलक्ष्मी जैसी अनेकों योजनायें चलायी जा रही है, केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार लैगिंक समानता के लिए भरसक प्रयास कर रही है। उपरोक्त सभी योजनाओं को शुरू कर कही न कही इस पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं को भी पुरूषों के समान स्थान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। परन्तु आप सभी सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है कि हमें भी समय-समय पर अपने विधानसभा क्षेत्रों में लैगिंक समानता के प्रोत्साहन हेतु अनेक कार्यक्रम करते रहने चाहिए, जिससे समाज में बेटियों को उचित सम्मान मिल सके। जिसकी वह हकदार है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र का जिक्र करना चाहता हूँ कि जब सरकार बनी थी तब माननीय मुख्य मंत्री जी ने सबसे पहले किसानों की ऋण माफी की बात की थी। इस योजना के अन्तर्गत मेरी विधान सभा क्षेत्र में 85000 किसानों को 72 करोड़ रुपये खर्च करके 1 लाख रुपये तक के ऋण माफ किये गये हैं। किसान सम्मान निधि- इस योजना से 45000 किसान लाभान्वित हुए हैं। प्रत्येक किसान के खाते में 2000 रुपये की पहली किस्त पहुंच चुकी है। गन्ना किसानों का भुगतान-मेरी विधान सभा क्षेत्र में रोहाना व खाईखेड़ी मिल पड़ती हैं जिसमें गन्ना किसानों का बकाया भुगतान कराया गया है। मैं माननीय मुख्य मंत्री व गन्ना मंत्री श्री सुरेश राणा जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। पांच नये बिजली घरों का निर्माण-इस योजना के अन्तर्गत मेरी विधान सभा क्षेत्र में गांव शकरपुर, रामपुर, बरला आदि गांवों में बिजली घरों का निर्माण कराया गया है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में विधायक निधि व अन्य विभाग द्वारा 62 सड़कों का निर्माण कराया गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा 35 सड़कों को गड्ढा मुक्त किया गया है। मदीना चौक से गांव सिसौना तक कांवड़ मार्ग का चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण 15 करोड़ की लागत से कराया गया है। मैं मा0 मुख्य मंत्री व उप मुख्य मंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी को धन्यवाद करना चाहता हूँ। एन0एन0-58 पर मिट्टी का पुल निर्माण हो रहा था, जिसका यहां के स्थायी निवासी विरोध कर रहे थे नियम-301 पर उसको पिलर पर दुबारा बनाया गया है। गांव सिम्भालकी में लगभग आखलौर तक 27 लाख के शमशान घाट का निर्माण कराया गया। मा0 योगी जी द्वारा मेरी विधान सभा क्षेत्र को 5 करोड़ से 11 सड़कों का निर्माण कराया गया। खादर क्षेत्र के गांव बड़ीवाला में सोनाली नदी पर जो खराब पुल पड़ा था उसको हटाकर अन्य जगह स्थानांतरित कर दिया गया है जिससे लगभग 10 गांव के लोग लाभान्वित हुए हैं। पांच गांवों में सरकारी नलकूपों का निर्माण करवाया गया है। जिसमें ग्राम बरला, पचेंडा, रामपुर, छपार आदि के किसानों को लाभ मिला है। मेरी नगर पंचायत पुकाजी-प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 580 गरीब पात्रों के खाते में किस्त जा चुकी है जिसके लिए माननीय मोदी जी व योगी जी को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देना चाहता हूँ। नगर पंचायत पुरकाजी में अब तक 15 करोड़ की लागत से सड़के, शौचालय, शमशान घाट, गौशाला व हैण्डपम्प लगवाये गये हैं। इसके लिए नगर विकास मंत्री व मुख्य मंत्री

जी को बहुत-बहुत शुभकामनायें देना चाहता हूँ। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना इस योजना के अन्तर्गत 29000 महिलाओं को गैस कनेक्शन वितरित किये गये हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत् अपनी विधानसभा में 15000 शौचालयों का निर्माण कराया गया है। पोषण कुपोषण माह के अन्तर्गत गोद भराई-225 वृद्धा पेंशन-2230, दिव्यांगगण पेंशन-970, निराश्रित महिला पेंशन-4500, ग्राम पंचायत में खुदवाये गये तालाबों की संख्या-75, ग्राम पंचायतों में नाली, खडंजा, सी0सी0 रोड, इण्टरलॉकिंग व सड़कों की संख्या-2900। मैं एक बात और कहना चाहूँगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में सौलानी नदी पड़ती है जहां पर बाढ़ आती है और इस नदी के पास 20 गांव पड़ते हैं। इस संबंध में माननीय मुख्य मंत्री जी के कार्यालय में फाईल लम्बित पड़ी हुई है। मैं चाहता हूँ कि यह जो 115 करोड़ का प्रोजेक्ट है उसे बनवाने के लिए प्रयास किया जाये। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय हिन्द-जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

श्री सत्यपाल राठौर जी उपस्थित नहीं हैं। श्री अजीतपाल त्यागी जी।

*[**05:10**] **श्री अजीत पाल त्यागी**-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद करूँगा कि आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के शुभ अवसर पर बोलने का समय प्रदान किया। सर्वप्रथम मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर उनको नमन करता हूँ तथा श्रद्धांजली अर्पित करता हूँ। मैं आज गरीबी उन्मूलन पर अपने विचार रखना चाहता हूँ। लोगों को इतना गरीब नहीं होने देना चाहिए कि उनको घिन आने लगे या वह समाज को नुकसान पहुंचाने का कार्य करने लगें। गरीबी क्या है? गरीबी है आय का साधन न होना, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, भोजन, कपड़ा, मकान, शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, अधिक जनसंख्या और कुशल श्रमिकों की कमी यह सब गरीबी रेखा के अन्दर आते हैं। आज उत्तर प्रदेश भारत में पांच बड़े राज्यों में एक है जिसमें गरीबी अत्यधिक है। क्योंकि यह प्रदेश भूमिहीन किसानों का भी प्रदेश है और भूमिहीन व्यक्तियों का प्रदेश भी है जिनके पास अपनी कोई भी जमीन नहीं है। इसके लिए रोजगार का साधन होना अतिआवश्यक है। केन्द्र सरकार जो कि आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में चल रही है, और राज्य सरकार जो कि आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में चल रही है उनके द्वारा कई योजनायें लागू की गयी हैं जैसे कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, पंडित दीन दयाल उपाध्याय ग्राम कौशल योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्जवला योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्य मंत्री आवास योजना, किसान सम्मान योजना आदि। लेकिन इनके साथ-साथ हमें कहीं न

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कहीं इन बातों पर भी ध्यान देना होगा कि गांव के जो कुटीर उद्योग जो कि बंद होने की कगार पर जा रहे हैं उन कुटीर उद्योगी की सहायता सरकार के माध्यम से हो जिससे गांव के किसानों का, गांव के छोटी आबादियों का और जो दलित, कुचले हुए लोग हैं उन्हें रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना था कि जो भी विकास कार्य हो वह गांव के प्रत्येक व्यक्ति के पास तक पहुंचे जो गरीबी की रेखा से नीचे रहता है। आज गरीबी हमारे प्रदेश के अन्दर एक अभिशाप बनकर रह गयी है। एक बात मैं और कहना चाहूँगा कि बी0पी0एल0 सूची जो पूर्व में बनी हुई है अगर उसमें कोई नया नाम जुड़ता है तो वह नाम तब जुड़ता है जब पूर्व के व्यक्ति का नाम कट जाता है लेकिन मैं कहना चाहूँगा कि पूर्व के व्यक्ति का नाम रहते हुए भी नया नाम अगर वह व्यक्ति गरीबी रेखा में आता है तो उसका नाम जोड़ने का काम हमारी सरकार को करना चाहिए। उत्तर प्रदेश और केन्द्र सरकार जो प्रयास कर रही है उन प्रयासों को जन सहयोग के साथ जोड़ते हुए इन कार्यों को आगे बढ़ाने का काम हमारे द्वारा किया जाना चाहिए। मैं अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में भी कुछ बाते कहना चाहता हूँ। मेरी मुरादनगर विधान सभा क्षेत्र में एक अन्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनने जा रहा है इसके लिए मैं केन्द्र सरकार का धन्यवाद करूँगा। दिल्ली से मेरठ तक हाई स्पीड ट्रेन का निर्माण जिसमे 7 स्टेशन है और 3 स्टेशन मुरादनगर विधान सभा क्षेत्र के अन्दर हैं। इसलिए माननीय अधिष्ठाता महोदय मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार और राज्य सरकार को बधाई देना चाहूँगा। लेकिन जो समस्यायें अभी भी हैं, मैं आज इस सदन के माध्यम से कहना चाहूँगा कि सरकार को इन समस्याओं की ओर भी ध्यान देने का काम करना चाहिए। मुरादनगर से दिल्ली के लिए एक सड़क है, जिसके साथ-साथ दिल्ली के लिए गलगोट के द्वारा पानी सप्लाई किया जाता है, इस सड़क का नाम पाइप लाइन मार्ग है। दिल्ली से जुड़ने के लिए सीधे उस सड़क का उपयोग किया जाता है, लेकिन उस सड़क को चौड़ीकरण कराने की फाईल शासन में लम्बित पड़ी हुई है मैं उम्मीद करता हूँ कि जल्द से जल्द सरकार उसे मंजूर करने का काम करेगी। दूसरी फाइल शासन में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा विकास शुल्क लिये जाने के संबंध में लंबित पड़ी हुई है। गाजियाबाद के अन्दर जो सबसे महंगी जमीन है, उसका भी विकास शुल्क उतना ही है जो कि एक गांव के अन्दर बसने वाले, मकान बनाने वाले व्यक्ति को देना पड़ता है। इन दोनों की स्थिति में जो अनुपात है उसका अंतर इतना बड़ा है कि उस अंतर को खत्म करने का काम हमारी सरकार को करना चाहिए और ग्रामीण क्षेत्र के अन्दर ग्रामीण क्षेत्र के हिसाब से विकास शुल्क लगाया जाना उचित होगा, आज यह फाइल शासन स्तर पर लंबित है। मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा कि जल्द से जल्द इस पर कोई निर्णय लेकर सरकार ग्रामीण लोगों का अधिक विकास शुल्क कम करके सुविधा देने का काम करेगी। नगर विकास मंत्री जी अभी सदन में नहीं हैं लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि जो पुरानी एवं

अनाधिकृत कालोनियां हमारे शहर के आस-पास और जो गांव हमारे नगर निगम क्षेत्रों में आ गए हैं उनके अन्दर मूल-भूत सुविधाओं की कमी है। उन मूल-भूत सुविधाओं को पूरा करने के लिए सरकार कोई नई विकास की योजना लेकर आए, जिससे पचास-पचास साठ-साठ साल पुरानी आबादियों को भी एक विकास का रास्ता मिल सके। इसी के साथ मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं अधिष्ठाता महोदय आपने मुझे समय देने का काम किया। धन्यवाद, जय हिन्द, जय भारत।

***[05:15] श्री उमेश मलिक-**

मान्यवर, आपने मुझे इस विशेष सत्र में बोलने का मौका दिया मैं हृदय से आपका आभार प्रकट करता हूं। आज 150वीं गांधी जयन्ती और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर मैं उनके चरणों में नमन करता हूं, प्रणाम करता हूं। मान्यवर, गांधी जी गरीब परिवारों के लिए अहिंसा के लिए लगातार समाज में संघर्ष करते रहे उन्होंने गरीबों की आन्तरिक आत्माओं को बढ़ाने का, चलाने का काम किया। मान्यवर, लगातार पिछले ढाई वर्षों से उत्तर प्रदेश की सरकार चल रही है उत्तर प्रदेश की सरकार ने किसानों के लिए बहुत सारे अद्भुत काम किए। जिनमें से मैं केवल तीन चार कामों को आपको बताना चाहता हूं। पूरे सदन की भी जानकारी में डालना चाहता हूं। मैं लगातार 6 बजे से यहां बैठा हूं इन्तजार कर रहा था लेकिन बार-बार नम्बर कट जा रहा था अब नम्बर आया मैं समझता हूं नींद का समय भी आ गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने किसानों के लिए सरकार बनते ही एक बहुत बड़ा काम किया कर्जा माफी का पिछली सरकार में किसान कर्जबन्द हो चुका था, लगभग 36 हजार करोड़ रुपए पूरे उत्तर प्रदेश में किसानों को माफी के लिए दिए गए। पिछली सरकारों के द्वारा किसानों की ऐसी हालत हो चुकी थी अगर उस समय कर्जा माफी न की जाती तो हजारों किसान आत्मदाह करते। बहुत अच्छा कार्य किया मुजफ्फरनगर जनपद के अन्दर मेरी बुढ़ाना विधान सभा क्षेत्र में 7500 किसानों को 75 करोड़ रुपए कर्जा माफी के मिले। मान्यवर, एक बहुत अच्छा कार्य जो लगातार 18 वर्षों से किसान झेल रहे थे हमारे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्दर लगभग। मान्यवर हमारे पश्चिम उत्तर प्रदेश के अन्दर कम से कम 72 ब्लाक ऐसे थे जिन्हें डार्क जोन में दिखाकर सरकार ने किसानों के ट्यूबवेल के कनेक्शन देना बन्द कर दिए थे। लेकिन जैसे ही सरकार बनी।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य कृपया अपने आसन पर बैठें। शुक्ला जी माननीय सदस्यों को अपने स्थान पर बिठाएं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री उमेश मलिक-

मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की कि तुरन्त डार्क जोन में किसानों को कनेक्शन दिए जाएं जिससे लगभग पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्दर जो ब्लाक डार्क जोन में थे, लगभग 10 हजार किसानों ने ट्यूबवेलों के कनेक्शन लिए। एक बहुत ही मुख्य विषय है, मैं मुजफ्फरनगर जनपद का हूं 2013 में मुजफ्फरनगर के अन्दर दंगा हुआ, हजारों नौजवान लड़के 18 से 28 वर्ष की आयु के बीच को तत्कालीन सरकार ने फर्जी मुकदमें लगाकर जेल भेजने का काम किया। 2014 के अन्दर केन्द्र की सरकार तो बन गई लेकिन हमारे नौजवान लड़के जो जेलों में बन्द थे उनके लिए कुछ नहीं कर पाई जैसे ही उत्तर प्रदेश की सरकार बनी हम लोगों ने प्रयास किया और मुख्य मंत्री जी से आग्रह किया 93 मुकदमें हमने माननीय मुख्य मंत्री से निवेदन किया, उनको लिखकर दिया और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने इतिहास रचा और मुजफ्फरनगर के 15 मुकदमें वापस लिए। यह बहुत बड़ी बात है, आज तक उत्तर प्रदेश की विधान सभा के अन्दर शासन के द्वारा कभी ऐसा कार्य नहीं किया गया होगा। एक और बहुत ही उदाहरणीय काम किया किसानों के लिए मुजफ्फरनगर जनपद को अभी वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट के तहत गुड़ का प्रोडक्ट मिला। पिछली सरकारों में मुजफ्फरनगर पूरा क्षेत्र गन्ना क्षेत्र है, गन्ना किसानों का क्षेत्र है मिलों में अगर गन्ना नहीं जाता था तो वहां सैकड़ों क्रेशर थे कहीं बिजली के बिल की मार हुआ करती थी पिछली सरकार में सबके ऊपर टैक्स लगाकर सारे क्रेशर सारे कोल्हू बन्द करने का काम किया था लेकिन मुजफ्फरनगर में गुड़ प्रोडक्ट है आज वर्तमान में लगभग पांच हजार कोल्हू मुजफ्फरनगर में खुले हैं। मेरी विधान सभा क्षेत्र में लगभग पांच सौ कोल्हू वर्तमान में चल रहे हैं। हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो किसान कभी नहीं भूल सकते ऐसा अद्भुत काम किया है। विकास के कितने काम किए, विधवा पेंशन कितनी बनी, शौचालय कितने बने इनके ऊपर नहीं बोलना चाहता हूं। यह बहुत बढ़िया काम किया। दीन दयाल उपाध्याय योजना के माध्यम से जो ट्यूबवेलों के कनेक्शन जो फीडर गांवों से जुड़े होते थे, दीन दयाल उपाध्याय योजना के माध्यम से गांवों के और ट्यूबवेलों के कनेक्शन को अलग-अलग करने काम किया। हमारे जनपद के अन्दर लगभग 70 फीडर को अलग करने का काम किया जिसकी वजह से हमारे यहां हत्याएं होती थीं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के अन्दर पहली सरकार के समय में चार या पांच घण्टे बिजली आया करती थी परिवारों में बंटवारे हो गए थे डार्क जोन होने के कारण लोग ट्यूबवेलों के कनेक्शन नहीं ले पा रहे थे केवल पांच घण्टे के अन्दर उनकी आबपासी हो जाया करती थी। लेकिन गर्मी होने के कारण जब पानी की आवश्यकता होती है, ट्यूबवेल चलाने की आवश्यकता होती है, उस समय किसान को पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे मामलों में हर पहले दूसरे महीने में एक दो महीने के अन्दर एक दो हत्याएं हुआ करती थीं। लेकिन मा0 मुख्य मंत्री जी की कृपा से पहले डार्क जोन खत्म हुआ, ट्यूबवेलों के कनेक्शन शुरू हुए, उसके बाद गांवों के कनेक्शन और बिजली घर फीडर अलग-अलग कर दिए गए। इससे गांवों

के अन्दर बिजली 16 घण्टे 18 घण्टे रहती है और ट्यूबवेलों के अन्दर आठ-दस घण्टे बिजली दी जा सकती है। मान्यवर, अन्त में ज्यादा समय नहीं लेना चाहता, पिछले दिनों मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की थी पांच करोड़ की लेकिन हम लोग पांच करोड़ से विकास कार्य नहीं करा पाए क्योंकि एक करोड़ रुपया जी0एस0टी0 में कट गया। उस समय लोक सभा का चुनाव था लोक सभा के चुनाव में सांसद का चुनाव था जो सांसद का प्रत्याशी था या वर्तमान सांसद था उसके अनुसार चार करोड़ का वहां काम हुआ था। किसी विधायक को राजनीतिक रूप से एक रुपए का फायदा नहीं हुआ था यह सदन से पूछा जा सकता है। मैं यह कहना चाहता हूं अब समय आ रहा है चुनाव भी आगे आ रहा है। इस बार आपकी पीठ के माध्यम से आदरणीय मुख्य मंत्री जी को यह खबर चली जाए कि पूरा सदन पांच करोड़ नहीं, समय आ गया है कि प्रत्येक विधायक को 10 करोड़ देने की कृपा करें। इस आग्रह के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

सैनिक कल्याण, होमगार्ड, प्रान्तीय रक्षा दल, प्रान्तीय सुरक्षा मंत्री (श्री चेतन चौहान)-

मैं तो पहले से बैठा हूं।

श्री अधिष्ठाता-

शुक्ला जी आपके पास क्रम होगा, उसके हिसाब से नाम भेजें। मैं सदन को यह अवगत कराना चाहता हूं पीठ से यह तय हुआ था कि एक माननीय मंत्री जी बोलेंगे उसके बाद 6-7-8 विधायक अपना समुचित समय लेंगे। यह मुझे भी लग रहा है कि काफी विलम्ब से प्रक्रिया चल रही है। तो लोगों का धैर्य भी चुकता दिख रहा है। मेरे पास ऐसी सूचनाएं हैं कि लोग 10-10 घण्टे से प्रतीक्षारत हैं। हम सभी साथियों के सहयोग से ही सदन चलता है, इसलिए मेरी प्रार्थना है कि कृपया धैर्य का परिचय दें।

*[05:24] **दुग्ध विकास, पशुधन, मत्स्य मंत्री (श्री लक्ष्मी नारायण)**-

माननीय अधिष्ठाता जी हम दोनों ऐसे हैं जिन्हें 18 घण्टे इन्हीं चेयर पर बैठे हो गए हैं। वैसे आप कहें तो मैं बैठ जाऊं।

श्री अधिष्ठाता-

आप अपना वक्तव्य दें।

***श्री लक्ष्मी नारायण**-

अधिष्ठाता जी, आज पूज्य बापू जी की और श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर यह विशेष सत्र आयोजित किया गया है। इस विधान सभा के इतिहास में आज यह दूसरा दिन है, एक आयोजन हुआ था सन् 1987 में जब यहां आजादी की सिल्वर वर्षगांठ मनी थी। एक समारोह हुआ था या तो सत्र के अलावा वह समारोह हुआ या यह विशेष सत्र

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आहूत हुआ है यह दो दिन हमेशा इस विधान सभा के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। मुझे यह सौभाग्य प्राप्त है कि मैं इन दोनों आयोजनों का साक्षी बना। जो महामानव हुआ करते हैं हमेशा उनके शब्द हमारे लिए एक आदर्श बन जाते हैं पूज्य भगवान श्री कृष्ण ने कर्मण्ये वाधिकारस्ते का संदेश दिया जो पांच हजार वर्ष से आज तक है। पूज्य बापू जी ने सत्य अहिंसा का संदेश दिया जो आज पूरे विश्व में जन जन में है। इसी तरह से पूज्य लाल बहादुर शास्त्री जी ने जय जवान जय किसान का संदेश दिया जो आज भी पूरे भारतवर्ष के जन-जन में है।

मैं इतना ही कहना चाहूंगा सबसे पहला जो इस विशेष सत्र में दो बात सबसे पहले रखी गई हैं गरीबी की पूर्णतः समाप्ति भुखमरी की समाप्ति यह दो बात सबसे पहले रखी गई है। गरीबी की और भुखमरी क्योंकि इस देश की 73 फीसदी जनता गांवों में रहती है और इस जनता में ही गरीबी की ज्यादा संख्या है। पूज्य बापू जी ने गांवों के पुनर्निर्माण के लिए एक योजना बनाई थी और उस योजना में भी यह शब्द लिखे थे कि मवेशियों के चरने के लिए गांवों का चारागाह होगा, सहकारी डेरी होगी उन मवेशियों के गोबर से अन्न साग भाजियां उगाई जाएं। यह बापू ने अपने संदेश में लिखा गांवों के पुनर्निर्माण में आज भी भुखमरी और गरीबी को समाप्त करने के लिए जब तक हमारे श्रद्धेय प्रधानमंत्री जी ने जो नारा दिया है कि किसान की दो गुनी आय की जाए जब तक किसान की दो गुनी आय नहीं होगी तब तक गरीबी और भुखमरी समाप्त नहीं होगी। हम अच्छी तरह जानते हैं आज जिस खेत में 10 कुंतल गेहूं पैदा हो रहा है उसमें किसी भी कीमत पर 20 कुंतल गेहूं नहीं हो सकता है। आज जिस खेत में 100 कुंतल गन्ना पैदा हो रहा है, उसमें 200 कुंतल गन्ना पैदा नहीं हो सकता है। आज जो 1800 रुपए कुंतल फसल बिक रही है वह साल भर बाद 3600 रुपए कुंतल नहीं बिकेगी। इसलिए दो गुनी आय केवल हमारी ट्रेडिशनल फसल से नहीं हो सकती है। जब तक दुग्ध उत्पादन में या मत्स्य पालन में या अन्य जो हमारे डेरी आदि हैं, इन कामों में किसानों को सहयोग नहीं होगा और किसान इन कामों में नहीं जायेगा, तब तक दो गुनी आय किसी कीमत पर नहीं हो सकती है। इसके लिए आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने प्रदेश में, चूंकि हमारे देश में पूरे विश्व की 38 फीसदी भैंस हैं। हमारे देश में पहली बार भैंस तब आई, जब बाबर विदेश से यहां आया, उससे पहले भैंस नहीं थीं और जब हमारे देश में केवल गाय थीं, तब यह कहावत थी कि पूरे भारतवर्ष में घी और दूध की नदियां बहती हैं। हमारे प्रदेश में दो करोड़ साठ लाख गो-वंश है और तीन करोड़ साठ लाख हमारे प्रदेश में भैंस हैं।

हमारा कुल दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन 304.94 लाख मीट्रिक टन है, जो पूरे साल का है। यह देश में सर्वाधिक हमारा दुग्ध उत्पादन है। गो-वंश की रक्षा के लिए और गो-वंश की नस्ल सुधार के लिए हमने वर्गीकृत वीर्य (सीमेन) का उपयोग किया है। इसका प्रयोग हमने बाराबंकी में किया है जिसमें 90 फीसदी सफल हुआ है कि 90 फीसदी फीमेल, बछियां पैदा हुई हैं। यदि बछियां पैदा होंगी तो मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि जो आज हमारे गो-वंश की

समस्या है। कोई कहता है कि सड़कों पर हैं, कोई कहता है फसलों में नुकसान, यदि बछियां पैदा होंगी तो फिर कोई भी आदमी इन बछियों को अपने घर से बाहर नहीं निकालेगा, उन्हें कोई नहीं खोलेगा। इसलिए एक तो सबसे पहले आदरणीय मुख्य मंत्री जी के निर्देश पर हमने यह काम किया है और अभी हमने चार मण्डल के 19 जिलों में लखनऊ, गोरखपुर, अयोध्या और आगरा, इन चार मण्डलों के 19 जिलों में हमने साहीवाल और गिरि जो हिन्दुस्तान की सबसे अच्छी गाय की नस्ल है। हरियाणा, गंगा तीरी और थारपारकर, यह पांच सीमेन हमने तैयार किये हैं। उनमें नस्ल सुधार के लिए एक जो अभी सबसे लेटेस्ट हमने प्रयोग किया है। हमारे बाराबंकी में एक फार्म है।

मान्यवर, जानकारी के लिए समस्त सम्मानित विधायकों और मंत्रीगण को बताना चाहता हूं कि एक जो सबसे अच्छी नस्ल की गाय होती है, उसको सीमेन दिया जाता है और वह उनके अण्डकोष में 8 या 10 बबूले होते हैं, उनको हम निकाल लेते हैं, केवल एक छोड़ते हैं। उनको 8 गायों में गरमाया जाता है और 8 गायों में वह रख दिये जाते हैं तो वह सब में बछिया और एक जैसी वैराइटी पैदा होगी। यह पहला प्रयोग यहां किया है, जो प्रयोग पूरी तरह से सफल हुआ है। यदि यह होगा तो नस्ल में बहुत अच्छा सुधार हो जायेगा और निश्चित रूप से जो हमारी देशी गाय हैं, कोई दो किलो दूध दे रही है। पूरब में मैं गया, मैंने एक जगह पूछा कौशाम्बी में कि यह गाय कितना दूध दे रही है ? उन्होंने कहा कि आधा किलो सुबह देती है, आधा किलो शाम को देती है। तो इस तरह से हमारे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए यह जो प्रयोग किया गया है, यह प्रयोग निश्चित रूप से भ्रूण प्रत्यारोपण, एम्बॉय ट्रान्सफर इस प्रयोग को कहते हैं, यह जो तकनीक है। आज जो गो-वंश हमारा है, जिसके बारे में अनेक टीका-टिप्पणी करते हैं। मैं इतनी जानकारी देना चाहता हूं कि आदरणीय मुख्य मंत्री जी के निर्देश पर गांवों में, नगर पंचायतों में, महानगरों में लगभग 4,000 गौशालायें अब तक खुली हैं जो स्थाई गौशालायें हैं। 185 वृहद गौशालायें हमने एक करोड़ बीस लाख रुपये प्रति गौशाला देकर समस्त जिलों में खुलवाई है और अब तक लगभग साढ़े तीन लाख गो-वंश हमारे गौशाला में मौजूद हैं।

हम पूरा प्रयास इस बात का कर रहे हैं कि जितना भी हमारा गो-वंश है। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने एक अभी योजना निकाली है, 'माननीय मुख्य मंत्री निराश्रित/बेसहारा गो-वंश सहभागिता योजना' जिसमें कोई भी व्यक्ति निराश्रित गो-वंश को एक से लेकर 4 तक, अधिकतम् 04, निराश्रित गो-वंश को पालेगा तो उसको 900 रुपये प्रति गो-वंश हम सरकार की तरफ से चारे के लिए देंगे, जिसका सत्यापन डी0एम0 और सी0डी0ओ0 के माध्यम से होगा। इसलिए यह गो-वंश की रक्षा के लिए हमने किया है और इसके लिए एक पॉली-क्लीनिक, जो बड़े हास्पिटल हैं, जहां सर्जरी भी होगी। अब तक हम करीब 20 पॉली-क्लीनिक हास्पिटल खोल चुके हैं। एक फिरोजाबाद में अभी शुरू होने वाला है तथा 14 और नवीन पशु चिकित्सालय हमने स्वीकृत किये हैं, जो बनकर निश्चित रूप से इसी वर्ष तैयार हो जायेंगे। प्रत्येक विकास

खण्ड में और प्रत्येक जिले में और प्रत्येक मण्डल में हम पशु मेले का आयोजन कर रहे हैं। हमारे उन पशु मेलों में सर्जरी का भी काम होगा, टीकाकरण का भी काम होगा और जो भी पशु बीमार होंगे, उनके इलाज का भी काम किया जायेगा। इसमें निःशुल्क टीकाकारण होगा। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 11 सितम्बर को मथुरा के पण्डित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा यूनिवर्सिटी में एक टीकाकारण का शुभारम्भ किया, जिसमें एफ0एम0डी0, जिसमें यह है कि साल में दो बार टीकाकरण होगा। मान्यवर, हमारे भारतवर्ष का जो दूध है, वह इंटरनेशनल मार्केट में स्टैण्ड नहीं कर पा रहा है। वह इसलिए क्योंकि उसमें ए-2 की मात्रा कम है। विदेश वालों का यह कहना है कि आपके वहां जो पशुओं में बीमारी है, उस बीमारी की वजह से दूध में ए-2 की इतनी क्वालिटी नहीं है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी का यह कहना है कि हम पूर्णरूपेण भारतवर्ष के समस्त दुग्ध उत्पादक जितने हमारे पशु हैं, उनमें चाहे वह बकरी हो, चाहे वह भेंड़ हो, चाहे वह शूकर हों, चाहे गो-वंश हो, चाहे भैंस हो इन समस्त दुग्ध उत्पादक पशुओं को दो बार साल में टीकाकरण करेंगे। उनको पूर्ण रूपेण रोग मुक्त करेंगे।

अधिष्ठाता महोदय, चूंकि सभी नौजवानों को नौकरी नहीं दी जा सकती है। हमने अभी कुक्कुटपालन के लिए आह्वान किया है और आदरणीय मुख्य मंत्री जी के निर्देश से यहां 300 इकाई अब तक मुर्गी पालन की खुली हैं, जिसमें प्रतिदिन हमारे यहां 01 करोड़ 20 लाख अण्डे का उत्पादन होता है। लेकिन हमारे प्रदेश में सवा दो लाख अण्डे की खपत है, इसलिए यह प्रयास किया जा रहा है, मैंने देखा है और पूरे प्रदेश की मीटिंग भी ली है, नौजवानों में इसके प्रति बहुत आकर्षण हैं। एक-एक नौजवान ने 30-30 हजार अण्डे प्रतिदिन की हिसाब से मुर्गी पालन वह आज भी कर रहे हैं। सबसे ज्यादा आजमगढ़ में 5 लाख अण्डा प्रतिदिन पैदा हो रहा है। जहां तक मांस का सवाल है कि हिन्दुस्तान की भैंस का मांस सबसे अच्छा पूरी दुनिया में माना जाता है। अब तक पिछले वर्ष में हमारे यहां 12 लाख 60 हजार मीट्रिक टन मांस का निर्यात हुआ, जिससे साढ़े चौदह हजार करोड़ विदेशी मुद्रा हमारे प्रदेश में आई।

मान्यवर, दुग्ध उत्पादन तो हो जायेगा, लेकिन उसकी जब तक प्रोसेसिंग नहीं होगी या उसकी मार्केटिंग नहीं होगी, तब तक उसका किसान को पूरा लाभ नहीं मिलेगा। वर्गीज कुरियन ने 1962 में ह्वाइट रिवोल्यूशन का एक नारा दिया था, जिसमें उन्होंने एक सिस्टम बनाया और उस सिस्टम के तहत हमारे उत्तर प्रदेश में पहले 59 जिलों में सोसाइटी थीं और डेरियां थी। पूर्ववर्ती सरकार ने उन 59 को मर्ज करके केवल 18 डेरियों में परिवर्तित कर दिया। जब से हमारी सरकार आई, तब से हमने 2 की और वृद्धि की है, अब 20 हैं। उनमें एक मथुरा की डेरी चालू हुई है और एक हमने महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए शाहजहांपुर में एक डेरी खोली है, उस प्लान्ट में केवल महिला ही सदस्य हैं। उसमें किसी भी पुरुष की किसी भी तरह की भागीदारी नहीं है। महिलाएं ही उसमें दूध दुहेंगी वही उसका संचालन करेंगी और उन्हीं के खाते में पैसा जायेगा। यह जो हमारी डेरी हैं, इनमें कानपुर में जैसे हमारी डेरी है, उसकी

5 लाख लीटर प्रतिदिन की क्षमता है। इसी तरह से बनारस में बन रही है, प्रयागराज में बन रही है, मुरादाबाद में बन रही है और मेरठ में, इस तरह से 26 लाख लीटर, कन्नौज में काऊ मिल्क डेरी है, जिसकी क्षमता 50 हजार हमने रखी है। 26 हजार लीटर दूध प्रतिदिन हमारी डेरियों में आयेगा और वर्तमान में जो हमारा उत्पादन है और हमारी पराग डेरी है, 2 लाख 3 हजार लीटर दूध हम ले रहे हैं। 01 लाख 88 हजार लीटर हम मार्केट में बेंचते हैं। बाकी का पाउडर बनाते हैं। अब हमने दुबारा से क्योंकि पूर्ववर्ती सरकार की मंशा ऐसी लगती थी कि उन्होंने डेरी के स्टाफ, साढ़े सात सौ आदमी उसी समय निकाल दिये थे और जो डेरी उन्होंने खोली, बहुत अच्छा चक गजरिया फार्म हमारा था और हमारी डेरी की जमीन थी, उन्होंने दूसरी डेरियों को दे दी, कुछ सेल कर दी। ऐसा लगता था कि उत्तर प्रदेश में पराग डेरी की जो साख है, उसको शायद वह समाप्त करना चाहते हैं। इन डेरियों को वह किसी न किसी को कान्ट्रेक्ट पर देना चाहते थे, ऐसा लगता है, क्योंकि उन्होंने मैन पावर भी खत्म किया, मैन पावर को भी निकाल दिया और हमारी जमीनों को भी बेंच दिया। अब दुबारा से हम लोगों ने उन्हें शुरू किया है। चूंकि सिंथेटिक मिल्क का बहुत जोर है और लाखों लीटर सिंथेटिक मिल्क उत्तर प्रदेश में बनता है, दिल्ली में उसकी खपत होती है। नकली दूध पूरी तरह से जहर है। नकली दूध किसी भी कीमत पर न आ सके, इसके लिए हमने बी0एम0सी0 लगायी है जो दूध को ठण्डा करने के लिए है।

अब तक हमने लगभग हर सोसायटी पर 574 बी0एम0सी0 लगायी है, कुछ सोसाइटियां शेष रह गयी हैं। 6056 मशीनें हमने गांव की सोसाइटी में लगाये हैं, अगर दूध में कोई मिलावट होगी तो यह मशीन तत्काल बता देगी। हमने ऐसा सिस्टम बनाया है कि एक चिप वहां मशीन में लगी होगी और दूसरी चिप यहां पोर्टल पर लगी होगी। अगर वह किसी प्रकार का मिलावट करता है तो तत्काल मालूम हो जायेगा। जो किसान या दूधिया दूध वहां पर पहुंचायेगा, उसका पैसा बी0बी0डी0 द्वारा सीधे उसके खाते में भेज दिया जाता है।

मा0 मुख्य मंत्री जी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में हमने दुग्ध नीति स्थापित किया है। इसके तहत यदि कोई भी व्यक्ति उत्तर प्रदेश में दुग्ध उत्पादन का अपना प्रोजेक्ट लगाना चाहे, तो उसको अधिकतम ढाई करोड़ की सब्सिडी उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से हम देंगे। इसके लिए ऐडवरटाईज भी किया जा रहा है। मान्यवर, एक बहुत बड़ा काम आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने पराग डेरी से 1,17,500 किलोग्राम घी देने का काम किया है। हमारी जो बहनें स्कूल में पढ़ती हैं, उन बहनों को 450 ग्राम घी आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने देने के लिए योजना तैयार किया है और अब तक 50 किलोग्राम घी दिया भी जा चुका है। मान्यवर, इसके अलावा मत्स्य पालन की एक योजना सरकार की है। मत्स्य पालन में नव-जवानों का रूझान काफी बढ़ा है और वह इसमें काफी आगे भी आ रहे हैं। मत्स्य पालन हमारे प्रदेश में लगभग साढ़े छः लाख

टन प्रति वर्ष होता है और खपत लगभग साढ़े आठ लाख टन है। दो लाख टन मछलियां कोलकाता और अन्य शहरों से हमारे यहां आती है। हम प्रयास कर रहे हैं कि मछलियां हमारे यहां से ही निर्यात हो।

अगर कोई महिला या अनुसूचित जाति का व्यक्ति मत्स्य पालन करता है तो उसको तालाब में बीज के रूप में, तालाब में उन मछलियों को खाने के लिए 60 फीसदी की सब्सिडी दी जायेगी। इनके अलावा अगर सामान्य वर्ग का व्यक्ति मत्स्य पालन करता है तो 40 फीसदी सब्सिडी दी जायेगी। अब तक हमारे प्रदेश में लाखों हेक्टेयर जमीन ऐसी है जिसमें पूरी तरह से खारा पानी है और वह जमीन ऊसर है। इसमें कोई भी पैदावार नहीं होती है। इस जमीन पर मथुरा में सबसे पहला प्रयोग हुआ है और इस प्रयोग में हम सफल भी हुये हैं। खास तौर से झींगा मछली इस प्रयोग में बहुत अच्छी तरह से पल रही हैं और झींगा मछली साल भर में दो बार निकल आती हैं। झींगा मछली को माना जाता है कि यह ब्रेन के लिए बहुत लाभ दायक होती हैं। मत्स्य पालन के लिए अब तक 370 हेचुरी स्थापित हो चुकी हैं, जिसमें गोरखपुर और आजमगढ़ मण्डल में सबसे ज्यादा हैं। उस हेचुरी में भी हम 60 फीसदी महिला अनुसूचित जाति को और 40 फीसदी सामान्य वर्ग को सब्सिडी देते हैं। अब तक 1,47,000 तालाब ग्राम सभा के हैं, जिनमें 87000 हेक्टेयर मछुवारों को मछली पालन के लिए दे चुके हैं। 12 हजार हेक्टेयर के निजी मत्स्य पालन के तालाब हैं, जिनमें आज सभी में मत्स्य पालन हो रहा है। 1,57,000 हेक्टेयर सिंचाई विभाग के तालाब हैं जिनमें काफी हद तक आधे तालाबों में लगभग-लगभग हमने प्रारम्भ कर दिया है।

आदरणीय प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री जी ने मछुवारों को मदद देने के लिए आवास योजना भी बनायी है, जिसमें 1,20,000 रुपये प्रति आवास हमारे यहां से दिया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस तरह से किसान बीमा दुर्घटना योजना है, उसी तरह से मछुआरों के लिए भी योजना बनायी गयी है। यदि कोई अनहोनी होती है और कोई मछुआरा मर जाता है, तो उसके परिवार को दो लाख रुपये उस हानि के लिए मिलेंगे। मान्यवर, बकास नामक एक मछली होती है जो यहां पर बहुत प्रसिद्ध है, लेकिन अब तक उत्तर प्रदेश में उस मछली के बीज के उत्पादन का कोई उपाय नहीं था। जापान की एक कंपनी आयी है और उन्होंने अपनी तकनीक से उत्तर प्रदेश में बकास मछली के बीज उत्पादन का कार्य प्रारम्भ किया है। ये मछली सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में पैदा होती है और सबसे ज्यादा इसका निर्यात भी होता है। सामान्यतः ज्यादातर मछलियां हम लोग बंगाल से मंगाते हैं, लेकिन इस मछली को सबसे ज्यादा निर्यात बंगाल में होता है। मान्यवर, चूंकि 73 फीसदी आबादी गांवों की है, इसलिए भुखमरी और गरीबी का यदि अन्त करना है तो निश्चित रूप से हमें पशुपालन, मत्स्य पालन और डेरी उद्योग को बढ़ावा देना होगा और तभी भारत में गांधी जी का सम्पूर्ण सपना साकार होगा। मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

*[**05:54**] **श्री अविनाश त्रिवेदी**-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, सबसे पहले मैं आपको धन्यवाद देना चाहूंगा कि आपने हमको राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी जो दो भारत रत्न इस राष्ट्र के लिये हुए, उनकी जयन्ती के अवसर पर बोलने का अवसर आपने मुझे दिया। मैं समय कम लूंगा, क्योंकि हमारे बहुत से साथी हैं जो बोलना चाहते हैं। हमारा जो विषय है वह साफ पानी, स्वच्छता और असमानता में कमी है। साफ पानी और स्वच्छता की जहां तक बात है तो हमारे लखनऊ के अन्दर गोमती नदी के लिये हमारे मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने बड़ा प्रयास किया है और उन्होंने जो प्रयास किया है वह अपने आप में बहुत सार्थक प्रयास रहा, पूरी की पूरी गोमती तो नहीं कही जा सकती, लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि आज गोमती की जो स्थिति है वह पहले से कहीं अधिक बेहतर है। आज जो आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी हमारे देश के प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने इस प्रदेश के लिये 16 गोल तय किये, अगर हम लोग मिलकर उनके बारे में चर्चा करें और उनका समाधान निकालें तो यह एक सामाजिक व्यवस्था एक सामाजिक सरोकार के रूप में एक अच्छी स्थिति बनाई जा सकती है जिससे हमारे प्रदेश के नवनिर्माण की दिशा में हम सब लोग आगे बढ़ सकते हैं। हमारे क्षेत्र की भी बहुत सी समस्याएं हैं। हमारे क्षेत्र में बहुत से काम हुए। हमारे आदरणीय ऊर्जा मंत्री जी बैठे हुए हैं, मैं इनको धन्यवाद भी दूंगा। मैं अपने आदरणीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद भी दूंगा कि इन्होंने हमारे यहां पावर हाउस दिये, 02 नये पावर हाउस प्रस्तावित हैं।

हमारे यहां चूंकि शहरी आबादी है और अविकसित कालोनियां हैं जिनमें बिजली की भारी अव्यवस्था थी और उस भारी अव्यवस्था के बीच में हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारे ऊर्जा मंत्री जी द्वारा जो प्रयास किया गया वह एक सार्थक प्रयास हुआ जिसके लिये मैं इनको धन्यवाद देता हूं। हमारे यहां मां चन्द्रिका देवी के प्रति पूरे प्रदेश में लोगों की श्रद्धा है, आराधना है, हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा लगभग 01 करोड़ की लागत का साधु-संतों के ठहरने के लिये और किसी गरीब के विवाह के लिये 01 करोड़ की लागत का एक भवन बनाने का काम किया जा रहा है। हमारे मा0 उप मुख्य मंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी द्वारा बक्शी का तालाब से मां चन्द्रिका देवी रोड के चौड़ीकरण के लिए 11 करोड़ के प्रस्ताव के लिये धन भी अवमुक्त किया गया है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, बाकी हमारे यहां की जो एक बड़ी समस्या है बक्शी का तालाब में जो राम सागर मिश्रा 100 शैय्या अस्पताल है, उसके लिये मैं अनुरोध करूंगा कि उसको ट्रॉमा सेन्टर में परिवर्तित कर दिया जाए, वह इसलिये कि वह जो एन0एच0-24 रोड है वह उससे मात्र 01 किलोमीटर की दूरी पर है और जो आउटर रिंग रोड बन रही है उससे

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

भी वह मात्र 01 किलोमीटर की दूरी पर है और उसमें आलरेडी 10 बीघे जमीन पहले से है और एक बड़ा हास्पिटल बना हुआ है। मा0 स्वास्थ्य मंत्री जी बैठे हैं मैंने इनसे अनुरोध किया था कि अगर हम उसको डेवलॅप कर दें तो आप यह समझ लीजिये कि लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, लखीमपुर यह सारा का सारा एरिया मिलाकर के कई लाख की आबादी और करीब-करीब पचासों लाख की आबादी को एक बड़ा फायदा होने वाला है, क्योंकि अगर सीतापुर से मरीज चलता है और मड़ियांव थाने पर आता है और मड़ियांव से जब वह ट्रॉमा सेन्टर जाता है तो जितना समय सीतापुर से मड़ियांव आने में लगता है उससे ज्यादा समय मड़ियांव से ट्रॉमा सेन्टर पहुॅचने में लग जाता है। आपसे यह विशेष अनुरोध है कि हमारे यहां कोटवा ग्राम सभा है, नगर पंचायत का हिस्सा है, वहां पर लगभग 500 साल पुराना भगवान शिव का मंदिर है, उसके लिये भी मैं अनुरोध करूंगा कि अलग से उसके लिये धन की व्यवस्था कर दी जाए।

बाकी हमारे यहां मलुकपुर, नवरंगपुर के लिये लगभग सवा दो करोड़ रुपये का एक पुल प्रस्तावित है, उसके लिये धन अवमुक्त करने के लिये मैं अनुरोध करूंगा। यह बड़े काम हैं। दूसरे हमारे यहां बक्शी का तालाब से बाबागंज रोड जिसके ऊपर अमर शहीद बाबा दिग्विजय सिंह जिन्होंने 1857 की क्रान्ति में अपने पूरे परिवार को स्वाहा कर दिया था, आज उनका स्मारक वहां पर बना हुआ है जिसमें मैंने अपनी निधि से बहुत से काम किये हैं और मैं सरकार से अपेक्षा करूंगा कि अगर वहां के लिये थोड़ा सा धन अवमुक्त कर दिया जाए और उस रोड का नाम अमर शहीद राजा दिग्विजय सिंह के नाम से कर दिया जाए तो यह एक बड़ा काम हमारे उस परिवार के लिये होगा जिन्होंने 1857 की क्रान्ति में अपने आप को शहीद कर दिया था। इस तरह की बहुत सी समस्याएं हैं, लेकिन हमारे बहुत से साथी बोलना चाहते हैं जो कि काफी समय से परेशान भी हैं इसलिये मैं अपनी बात को यहीं पर समाप्त करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय हिन्द। जय भारत।

***[06:00] श्री प्रतीक भूषण सिंह-**

मान्यवर, आज सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिये पूरी दुनिया को ज्ञान देने वाले श्रद्धेय महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री जिन्होंने 'जय जवान जय किसान' का नारा देकर पूरे भारत के किसानों को नयी ऊर्जा और नयी दिशा देने का काम किया, ऐसे श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी, मैं इन दोनों महापुरुषों को नमन करता हूं और यूएन के 16 प्वाइंट के सतत विकास के एजेण्डे पर मैं अपनी बात प्रारम्भ करता हूं। महोदय, मैं गोनाद की पावन भूमि से चुनकर आया हूं जो महर्षि पतंजलि की जन्मभूमि है और तुलसीदास जी ने जहां पर रामचरितमानस की रचना की। वह भूमि जो स्वामी नारायण जी की जन्मभूमि भी है, वह गोनाद की भूमि जहां 1857 की क्रान्ति में अंग्रेजों के दांत खट्टे करने वाले और सम्मान के लिये प्राण न्यौछावार करने वाले महाराजा देवीबख्श जी को स्मरण करते हुए और मां देवीपाटन जी का स्मरण करते हुए मैं अपने विषय को प्रारम्भ करता हूं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आजादी के 70 वर्ष हो चुके हैं। जैसा देश हम बनाना चाहते थे, हम जिसे परम वैभव पर पहुंचाना चाहते थे, वह लक्ष्य अब दूर नहीं लगता। मैं अनुभव कर रहा हूं कि हमारे देश की बढ़ती ऊर्जा की मांग को पूर्ण करने की दिशा में भाजपा सरकार एक अनुकूल रवैया अपना चुकी है। यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 के बाद पहली बार भारत ने कुछ ऐसे लक्ष्य तय किये हैं जिसमें क्रूड ऑयल पर निर्भरता जो आज के समय में 80 प्रतिशत है, उसको घटाकर 2022 तक 67 प्रतिशत के लक्ष्य को पाने की महत्वाकांक्षी कोशिश हमारी सरकार व हमारा देश बड़ी मेहनत से कर रहा है। मैं आदरणीय सदन के माध्यम से इस विचारधारा को नमन करता हूं।

महोदय, दिनकर जी ने कहा था कि 'है कौन सा काम ऐसा जग में, टिक सके जो मानव के मग में, खम ठोंक ठेलता है जब नर, पर्वत के जाते पांव उखड़, मानव जब जोर लगाता है पत्थर पानी बन जाता है।' महोदय, यह एक सच भी है कि सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा को आज की हमारी पीढ़ी वैकल्पिक ऊर्जा जरूर कहती है, लेकिन मैं उम्मीद में हूं, मैं भविष्य देख रहा हूं कि हमारी सरकार द्वारा ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि वह दिन दूर नहीं जब क्रूड ऑयल की व्यवस्था को हम वैकल्पिक व्यवस्था कहेंगे और हमारी सरकार सोलर, विंड, न्यूक्लियर और थर्मल इनर्जी पर ज्यादा जोर दे रही है जिसमें जो यह शेष ऊर्जा के माध्यम हैं जैसे विंड और सोलर, यह हमारी सरकार की प्राथमिकता में आ चुके हैं। आज थर्मल इनर्जी, न्यूक्लियर इनर्जी और हाइड्रो इनर्जी के रूप में ऊर्जा के स्रोत मौजूद हैं।

विंड इनर्जी और सोलर इनर्जी प्राकृतिक स्रोत हैं जो बहुत लाभकारी हैं और पर्यावरण की दृष्टि से ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने के लिये यह सबसे अच्छी लड़ाई मानी जा सकती है। जिस तरह महात्मा गांधी अंग्रेजों की हुकूमत से सत्य और अहिंसा के सहारे लड़ रहे थे उसी तरह वैश्विक नजरिये से ऊर्जा की भारी मांग पर ध्यान देते हुए भाजपा सरकार ने पर्यावरण पर भी ध्यान दिया और फूंक-फूंक कर कदम रखा और आज पूरा विश्व हमारे इस कदम की सराहना कर रहा है। महोदय, यह आंकड़े कहते हैं कि भारत प्रतिवर्ष 4.5 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से अपनी ऊर्जा की खपत, अपनी मांग को बढ़ाता जा रहा है जो आगामी 10 साल में आधे से ज्यादा होगी और हमारी यह जो ऊर्जा की खपत है यह दुनिया में आबादी के अनुपात में बहुत ज्यादा होने वाली है और इससे लड़ने के लिये हमारी सरकार 2022 तक बहुत अच्छे कदम उठा रही है। पिछली सरकारों द्वारा ऐसी कुछ देरी हुई कि विंड इनर्जी और सोलर इनर्जी की क्षेत्र में हम प्रौद्योगिकी के माध्यम से थोड़ा पीछे जरूर हो गये, परन्तु मा0 नरेन्द्र मोदी जी के इस बढ़ते कदम से मैं आशावादी हूं कि हमारी सरकार सोलर के मामले में और विंड इनर्जी के मामले में दुनिया को एक अच्छा रूप, एक अच्छी दिशा दे सकती है।

आज मैं इस सदन के माध्यम से आदरणीय मोदी जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि पिछले 4 वर्ष में हम 8 प्रतिशत उत्पादन ऊर्जा के क्षेत्र में और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ा चुके हैं जिसके फलस्वरूप विंड इनर्जी में आज हम दुनिया में छठवें स्थान पर हैं और सोलर

इनर्जी में हम केवल 4 देशों से पीछे हैं। मैं आज इस सदन के माध्यम से नये भारत में पढ़ने वाले छात्रों से यह निवेदन करना चाहता हूं कि सौर ऊर्जा में बहुत शोध और आविष्कार के अवसर अभी शेष हैं। मैं वैज्ञानिकों से निवेदन करना चाहता हूं कि भारत को अगर आप सुपर पावर बनाना चाहते हैं तो यह ध्यान रहे कि भारत के भूभाग पर पड़ने वाली सूर्य की किरणों का अगर हिसाब लगाया जाए तो लगभग 5 हजार लाख करोड़ किलोवॉट प्रति घंटा मिलती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि अगर इस इनर्जी का 10 प्रतिशत भी हम मैकेनिकल इनर्जी में इस्तेमाल कर लें तो हम भारत ही नहीं पूरी दुनिया को बिजली सप्लाई कर सकते हैं, इतनी हमारे अन्दर क्षमता हो सकती है।

किसानों की डीजल जरनेटर की लागत अभी लगभग 50 हजार से ज्यादा की आती है। हमारी सरकार ने लगातार सब्सिडी देने का काम किया है और 37 हजार रुपये में हमारी सरकार सब्सिडी दे रही है और यह एक अच्छा प्रयास है। मैं मा0 मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश आदरणीय श्री योगी जी को धन्यवाद देना चाहता हूं और सदन के सामने उनका आभार भी प्रकट करना चाहता हूं कि उन्होंने मेरे पैतृक स्थान गोंडा जिले की महंगूपुर ग्राम सभा में 125 मेगावॉट का बिजली संयंत्र लगाया है और साथ ही साथ मा0 योगी जी की वजह से उसमें 75 मेगावॉट की सोलर प्रोक्योर करने की व्यवस्था की गयी है जिससे हमारा जो एक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र था जिसमें खेती के अलावा सृजन का कोई अन्य तरीका नहीं था, आज वहां पर लगभग 350 एकड़ सोलर फार्म लग सकते हैं और उसको भी मा0 योगी जी की पूरी कैबिनेट ने मिलकर एक स्पेशल जोन का दर्जा दिया है कि उस 350 एकड़ में अगर कोई सोलर फार्म का निर्माण करता है तो उसको ट्रांसमिशन में सब्सिडी देंगे। मैं अपने जिले का एक अनुभव बता रहा हूं कि सोलर इनर्जी के मामले में हमारी सरकार अच्छा प्रयास कर रही है।

मैं अन्त में कुछ सुझाव भी देना चाहता हूं। सदन में कई बार मुझे यह अनुभव हुआ है और अपने क्षेत्र में भी मैंने यह देखा है कि नेडा द्वारा सरकार को उपलब्ध कराए जाने वाले उपकरणों का दाम मार्केट रेट से 30 प्रतिशत ज्यादा है। यह सब लोगों ने अनुभव किया है कि वह 24 हजार का जो सेट सप्लाई करते हैं वह खुली मार्केट में 16 व 17 हजार में उपलब्ध है। मैं चाहता हूं कि हमारा यह आदरणीय सदन इस बात पर विचार करे कि कुछ पैसे जरूर बचाए जा सकते हैं और लोगों को इससे कुछ लाभ दिया जा सकता है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी से यह भी मांग करता हूँ और मेरा यह एक व्यक्तिगत सुझाव भी है कि सोलर पर सब्सिडी को अगर हम के0सी0सी0 से लिंक कर दें तो एक किसान के ऊपर सोलर पम्प खरीदने का भार नहीं पड़ेगा और सोलर की दृष्टि से मैं एक दूसरा प्वाइंट इसमें उठाना चाहता हूं कि कम से कम हमारे जिले को सोलर पम्प का जो टारगेट दिया गया है वह कम से कम 10 गुना और बढ़ाया जाए। महोदय, मैं जिस जिले से चुनकर आया हूं वहां पर 01 लाख 36 हजार किसानों का ऋण माफ किया गया। सरकार के लिये यह जरूर तारीफ की बात हो सकती है, लेकिन अगर देखा जाए तो हमारी 42 लाख की आबादी में 01 लाख 37 हजार लोगों का अगर कर्जा माफ हुआ

तो इसका मतलब हुआ कि 06 में से एक परिवार कृषि की मार नहीं झेल पा रहा है और ऐसे समय में जब पिछली सरकार दावा करती थी कि वह जमीन से जुड़ी है, धरती पुत्र है, उसके बाद भी किसानों की इस बदहाली को हमारी सरकार दूर कर सकती है। मैं चाहता हूं कि यह सुझाव सरकार और यह आदरणीय सदन आगे ले जाए।

मा0 योगी जी ने निराश्रित पशुओं के मामले में पूरे उत्तर प्रदेश में जो एक नयी मिसाल कायम की है कि अवैध बूचड़ खानों को बंद कराया जिसके फलस्वरूप कई पशुओं की रक्षा करके उनको गौ आश्रय केन्द्र में भेजा है। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र का भी उदाहरण देखता हूं और सोचता हूं कि यदि इन पशुओं से वहां पर गोबर गैस का एक प्लांट बना दिया जाए जो पहले से सरकार की योजना में है तो कम से कम अगल-बगल के गांव वालों को सस्ती दर पर गैस की सप्लाई हो सकती है जो रिन्यूवेबल इनर्जी और सस्ती इनर्जी का एक जरिया बन सकती है। मैं भाजपा के सकारात्मक प्रयासों का अध्ययन करता हूं और अपने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ग्लोबल प्रेजेंस की पूरी दुनिया में उन्होंने जैसा अपना माहौल बनाया है, हमारे प्रधानमंत्री जी ने 'वन ग्रिड वन वर्ल्ड' का एक सपना भी दुनिया भर को दिखाया है, उसकी बहुत सराहना करता हूं। मैं सोचता हूं कि मेरा भारत किस दिशा में जा रहा है तो इसका सही जवाब यह मिलता है कि भारतीय जनता पार्टी के शासन में 2014 के बाद लगातार जिस पथ पर हम चल रहे हैं, विश्व गगन को चूमने के हम बहुत करीब हैं।

आखिर में मैं कुछ पंक्ति के माध्यम से अपनी वाणी को विराम दूंगा कि 'विश्व गगन में फिर से गूंजे, वह भारत मां की जय-जय-जय। बढ़ते जाएं हो निर्भय, बढ़ते जाएं हो निर्भय। कालजयी हो चिन्तन अपना, चमके अपना शील-विनय। बढ़ते जाएं हो निर्भय, बढ़ते जाएं हो निर्भय।' मैं अपनी गोनाद की भूमि को प्रणाम करता हूं और मैं आप सभी मा0 सदस्यों को धन्यवाद करता हूं कि कल 02 अक्टूबर से हमारे सभी मा0 सदस्यों ने साढ़े पांच बजे सुबह जल्दी उठकर अपने वार्डों में सफाई कार्य किया और ऐसे बहुत सारे मा0 सदस्य यहां पर बैठे हैं जिन्होंने 19 घंटे से लगातार उपवास करके गांधी जी को श्रद्धांजलि दी है ताकि दुनिया में हम एकमात्र ऐसा सदन बन सकें जिसमें 36 घंटा चर्चा भी हुई और सभी मा0 सदस्यों ने यूएन के सतत विकास के बिन्दुओं पर अपने विचार भी रखे। मैं अपने आप को आप सबके बीच पाकर धन्य महसूस करता हूं कि मैं उस पीढ़ी से आ रहा हूं जिसने गांधी जी की 150वीं वर्षगांठ पर इतना ऐतिहासिक काम किया है। इस सदन के सभी मा0 सदस्यों को नमन है। मा0 अध्यक्ष जी, आपको कोटि-कोटि धन्यवाद। जय हिन्द।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य श्री देवेन्द्र निम जी अपने विचार व्यक्त करें।

[*] **[06:10] श्री देवेन्द्र कुमार निम-**

मान्यवर, आज गांधी जी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष सत्र में आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिये मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त करता हूं। मुझे जो विषय दिया गया है वह स्वच्छता और सस्ती ऊर्जा के विषय में है।

(इसी मध्य प्रातः 06 बजकर 12 मिनट पर अधिष्ठाता श्री अरविन्द गिरि पीठासीन हुए।)

महोदय, एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत सबसे सस्ती सौर ऊर्जा का उत्पादन करने वाला देश है और भारत में तेजी से सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ रहा है। कुछ साल पहले तक बहुत ही कम लोग सौर ऊर्जा के बारे में जानते थे, लेकिन अब स्थिति इसके विपरीत है। भारत में गांव से लेकर शहरों तक सौर ऊर्जा का प्रयोग किया जा रहा है और सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के सर्वेक्षण के अनुसार भारत पूरे विश्व में सबसे सस्ती सौर ऊर्जा का उत्पादन करने वाला देश बन गया है। इस तालिका को देखते हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने सौर ऊर्जा उत्पादन करने वाले 19 देशों की सूची जारी की है, जिसमें सबसे महंगी सौर ऊर्जा कनाडा में उत्पादित की जाती है उसके बाद रूस, जापान, दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अमेरिका का नम्बर आता है। सूची में सबसे कम महंगी सौर ऊर्जा वाले जो देश हैं उसमें भारत, इटली और चीन हैं, इन देशों में सबसे सस्ती सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है, जिसमें भारत सबसे आगे है। मैं अपनी सरकार से भी आग्रह करूंगा कि जो सोलर पैनल इनर्जी, विंड इनर्जी और थर्मल इनर्जी को भी हमारी सरकार प्रोत्साहित करे और इसमें नयी नीति लाकर इसे गांव और शहरों तक पहुंचाने का काम करे। चूंकि हम लोग काफी समय से यहां पर बैठे हैं तो मैं दो-तीन बातें कहकर अपनी वाणी को विराम दूंगा। जब से हमारी सरकार बनी है तब से हमारी सरकार ने किसानों का 01 लाख तक का फसली ऋण माफ करने का काम किया है, आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से उनके अकाउंट में पैसा भेजने का काम किया है। कृषि यंत्रों पर 80 परसेंट तक जो छूट दी गयी चाहे वह ट्रैक्टर हो, हमारे किसान इससे बहुत लाभान्वित हुए। मैं जिस क्षेत्र से आता हूं सहारनपुर जिला वहां पर गन्ने की फसल काफी मात्रा में होती है। पिछली सरकारों में जो चीनी मिलें बन्द पड़ी थीं उनको हमारी सरकार ने खोलने का बहुत बड़ा काम किया है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 गन्ना मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे सहारनपुर की जो 04 बंद पड़ी चीनी मिले थीं, उनको चलाने का काम किया है। दया शुगर मिल हमनें पिछले साल चलाई और बहुत जल्द हम लोग टोडरपुर शुगर मिल चलाने का काम करेंगे। आगे जो एक मिल है उस पर मा0 उच्चतम न्यायालय में एक वाद दायर है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मुझे उम्मीद है कि जल्दी से उसका सोल्यूशन निकल जायेगा। मैं जिस क्षेत्र से आता हूं, वहां पर पापुलर की बहुत बड़ी खेती होती है, जिससे हमारे

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

किसान भाइयों को बहुत बड़ी आमदनी होती है। जब मैं विधायक बनकर आया तो मा0 मुख्य मंत्री जी से इस बारे में बताया कि सहारनपुर एरिया में ज्यादा से ज्यादा लोग गन्ना के अलावा जो सबसे बड़ी खेती करते हैं या जिससे उनको आय मिलती है, वह पापुलर के पेड़ को उगाने से मिलती है, लेकिन हमारे यहां प्लाईवुड इंडस्ट्री न होने के कारण हमारे यहां जो किसान भाई हैं, उनको उसका उचित मूल्य नहीं मिलता है और हरियाणा जाकर उनको माल को बेचना पड़ता है। उनको वहां पर रेट भी सही नहीं मिलते हैं। मैंने मा0 मुख्य मंत्री जी से जब आग्रह किया तो मा0 मुख्य मंत्री जी ने उसका संज्ञान लिया। जब वह पिछली बार सहारनपुर में आये थे तो उन्होंने घोषणा की थी कि हम बहुत जल्द सहारनपुर में प्लाईवुड इंडस्ट्री लगाने के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर रहे हैं। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का एक बार फिर बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे सहारनपुर को एक बहुत बड़ी यूनिवर्सिटी देने का काम किया है, जिससे हमारे जो बच्चे थे, जिनको दिल्ली यूनिवर्सिटी, देहरादून में, हरियाणा में चाहे पानीपत हो जाने का काम करते थे, लेकिन अब सहारनपुर को उन्होंने यूनिवर्सिटी के रूप में एक बहुत बड़ी सौगात दी है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। मैं धन्यवाद इसलिए भी करूंगा कि हमारे सहारनपुर क्षेत्र में खनन की वजह से जो सड़कें थीं, वह टूट गयी थीं, लेकिन जब से हमारी सरकार आयी, हमारी सरकार ने प्राथमिक तौर पर जो सड़कें थीं, हाई-वेज थे, उनको ठीक करने का काम किया है, उनको रिपेयर करने का काम किया है। दिल्ली से सहारनपुर एक बहुत बड़ा जो नेशनल हाई-वे है, वह बहुत दिनों पेंडिंग चल रहा था, उस पर भी मा0 मुख्य मंत्री जी ने टेण्डर जारी कराने का और बहुत तेजी से काम कराने का काम किया है। हमारे सहारनपुर में बहुत बड़ी संख्या में अवैध खनन होता था, उस पर हमारी सरकार ने लगाम लगाने का काम किया है, जिससे हमारी सरकार का रेवेन्यू बढ़ा है और ई-टेंडरिंग के माध्यम से जो पहले की सरकारों में भ्रष्टाचार था, उसको रोकने में बहुत बड़ी मदद हुई है। मैं कुछ दो-तीन बातें अपनी विधान सभा क्षेत्र की रखकर अपनी वाणी को विराम दूंगा।

मैं जिस क्षेत्र से आता हूं, वहां पर हिंडन नदी बहती है और उस हिंडन नदी पर भगवानपुर से कई गांव जुड़ते हैं, जिस पर एक पुल की बहुत आवश्यकता है। एक बहुत बड़ा पुल हमें हसनपुर भलसवा पर चाहिए, जिससे हमारे ग्रामीणों को बहुत दूर चक्कर काटकर अपने गांव में जाना पड़ता है। मेरी जो रामपुर मनिहारन नगर पंचायत है, उसको नगर पालिका बनाने के लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी से और नगर विकास मंत्री जी से आग्रह करूंगा। एक जन्देहड़ा से समसपुर होती हुई सड़क जो कई गांवों को जोड़ती है और उस पर हमारी जो दया शुगर मिल पड़ती है, मैं चाहूंगा कि वह डबल लेन हो जाये और हॉट मिक्स से उसका निर्माण हो। हमारे ब्लाक में जो सी0एच0सी0 और पी0एच0सी0 हैं, उनमें डॉक्टर्स और स्टाफ की बहुत कमी है। मैं चाहूंगा कि सरकार इस पर संज्ञान ले और हमारे यहां जो डॉक्टर्स और स्टाफ की कमी है, उसको पूरा करे। बिजली के तारों की समस्या थी, लेकिन जब मैं मा0 ऊर्जा मंत्री जी से

मिला तो उन्होंने उस पर गम्भीरता से प्रयास किया और आज मेरी विधान सभा क्षेत्र में तारों को बदलने का बहुत तेजी से काम चल रहा है। मैं ज्यादा न कुछ कहते हुए, क्योंकि समय का बहुत अभाव है, मेरे काफी मित्र बैठे हुए हैं, मैं सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। आज 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक विशेष सत्र बुलाया गया है। मैं अपने सभी साथियों का अध्यक्ष जी का, अपने मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने ऐतिहासिक सत्र बुलाया और हम सबको उसमें शामिल किया। इससे हम लोग गौरान्वित महसूस कर रहे हैं। मैं अपनी तरफ से आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

अब मैं मा0 सदस्य श्री राजीव सिंह पारीक्षा जी को आमंत्रित करता हूं।

(सदस्य के अनुपस्थित रहने पर)

श्री अधिष्ठाता-

अब मैं मा0 सदस्य श्री शीतल पाण्डेय जी को आमंत्रित करता हूं।

(सदस्य के अनुपस्थित रहने पर)

श्री अधिष्ठाता-

अब मैं मा0 सदस्य श्री प्रेम सागर पटेल जी को आमंत्रित करता हूं।

*[06:20] **श्री प्रेम सागर पटेल**-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, परमपूज्य महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर आपने हमें सदन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से चुनकर आया हूं, वह भारत नेपाल की सीमा पर आधारित है और जिसको हराकर मैं सदन में आया हूं, वह एक राजा हैं, जिसका 70 साल में पिता पुत्र मिलाकर के 60 साल राज्य रहा है। सिसवां वह जगह है, जो पूरी तरह गरीबी, लाचारी, भुखमरी से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। वहां पर गन्ना, गेहूं, धान पैदा होता है। सिसवां जो स्टेट है, आज भी वहां पर गरीबों के साथ लगातार अत्याचार हो रहे हैं, उसको रोकने के लिए सरकार और हम सभी लोग प्रयास कर रहे हैं। वहां जमींदारी उन्मूलन का कानून लागू नहीं है। राजा द्वारा आज भी तहबाजारी वसूली जाती है। वहां का कानून बिल्कुल 35-ए की तरह है। वहां आज के दिन भी कोई जमीन खरीद-बेच नहीं सकता है। पूरा का पूरा राजा के कब्जे में है और जो तहबाजारी वसूली जाती है, वह अपने पास रखता है, न कि सरकार को जमा करता है। मेरे विधायक होने के पहले वहां राजा द्वारा लगातार अत्याचार किया जाता था। दो तरह की चिट्ठियां थाने में लिखी जाती थीं, एक

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

छुड़ाने के लिए और एक पीटने के लिए, वह प्रथा हमने बन्द करायी है, हमारी सरकार ने बन्द करायी है, आदरणीय योगी जी ने बन्द करायी है। वहां पूरी तरह लाचारी और भुखमरी की जिन्दगी है। सोहगी बरवा एक जगह है, जहां पहले हम बिहार जाते हैं फिर नेपाल जाते हैं, फिर यू0पी0 में आते हैं। वहां पर संसाधन का बहुत बड़ा अभाव है। तीन ग्राम पंचायतें बिल्कुल टापू में हैं और वहां के निवासी गंडक नदी के बीच में बसे हुए हैं, उनके विकास के लिए हम सरकार की ओर से लगातार प्रयास कर रहे हैं कि वहां पर विकास आगे बढ़ाया जाये। आजादी के बाद वहां पर विकास संभव नहीं हो पाया है।

हमारी सबसे बड़ी समस्या है कि वहां पर गन्ने की एक चीनी मिल गड़ौरा है, वह बन्द पड़ी है। समाजवादी पार्टी के एक पूर्व सांसद जवाहर जायसवाल की वह मिल है। 46 करोड़ रुपया बाकी करके वह मिल बन्द करके चंपत हैं। हम उसको चलवाने में सरकार से पूरा का पूरा प्रयास कर रहे हैं कि सरकार उसको अधिग्रहीत कर ले और सरकार उसको चलाये। 46 करोड़ रुपया जो गन्ना किसानों का बाकी है, वह किसानों को दिया जाये। इसके लिए हम पूरी तरह प्रयास कर रहे हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में अभी मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी जी ने एक राजकीय इण्टर कॉलेज की स्थापना करायी है। मैं मा0 योगी जी को और सदन को धन्यवाद देना चाहता हूं। आजादी के 70 साल के इस देश में सिसवां विधान सभा क्षेत्र में कोई कालेज, राजकीय इण्टर कालेज नहीं था। शिक्षा में बहुत गिरावट थी। शिक्षा में भी उन लोगों का कब्जा था। आज हमने राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना करायी है। प्राइमरी स्कूल में बेहतर सुविधा जो हमारी सरकार की ओर से है, वह मिल रही है और हमारे जो संसाधन हैं, उसको गांव तक पहुंचाया जा रहा है।

स्वास्थ्य के मामले में भी सुधार हो रहा है, नेपाल और भारत का बार्डर होने के नाते सबसे पहले इन्सेफेलाइटिस, मस्तिष्क ज्वर का जो फैलाव इस उत्तर प्रदेश में 1977 में हुआ है, उसमें सिसवां विधान सभा क्षेत्र चपेट में आया, इसलिए क्योंकि वहां सबसे ज्यादा गरीबी थी, मुसहर लोग थे और वहां दलित लोगों की बहुलता है। उन्हीं में से सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। 1977 से 2019 तक 50,000 लोगों की मौत इन्सेफेलाइटिस से उत्तर प्रदेश में हुई थी। उसमें सर्वाधिक मौतें हमारी विधान सभा क्षेत्र में हुईं, क्योंकि वहां मुसहर बस्ती ज्यादा है। गन्दगी लाचारी, भुखमरी ज्यादा है, इसलिए वह लोग इसकी चपेट में आये। यह विधान सभा क्षेत्र एकदम नेपाल के बार्डर पर है। रेल लाईन से हमारा जिला मुख्यालय नहीं जुड़ा है। मैं बार-बार यह प्रयास करता हूं कि सिसवां, महाराजगंज और फरेंदा को रेल लाइन से जोड़ा जाये। मैं मा0 प्रधानमंत्री जी को और मा0 रेल मंत्री जी को लगातार पत्र लिख रहा हूं और यह प्रयास कर रहा हूं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में और महाराजगंज में जो हेड क्वार्टर है जो रेल से बहुत दूर है, उसको जोड़ने का प्रयास करने के लिए बार-बार मा0 मुख्य मंत्री जी से और भारत सरकार के मा0 रेल मंत्री जी से अनुरोध कर रहे हैं। हमारी विधान सभा क्षेत्र में

230 ग्राम पंचायतें हैं, उसमें प्रधानमंत्री आवास और मुख्य मंत्री आवास की जो योजना है, वह लागू है और वहां हम प्रयास कर रहे हैं कि वह गरीबों को, अन्तिम व्यक्ति तक जो मानक के अनुरूप हैं, उनको मिलने का कार्य हो। हमारी विधान सभा क्षेत्र का जो सिसवां टाउन एरिया है, वह बहुत पुराना टाउन एरिया है। वह 1873 में स्थापित हुआ था। वह अब तक नगर पालिका नहीं हुआ है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य संक्षेप करें।

श्री प्रेम सागर पटेल-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं सरकार से और इस सदन से अनुरोध करता हूं कि उसको जल्द से जल्द नगर पालिका के रूप में परिवर्तित किया जाये। वहां किसानों की बहुत ही बड़ी तादाद है और जो आयुष्मान भारत योजना हमारे देश में मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा लागू की गयी है। मेरा सदन से अनुरोध है कि उसको किसान सम्मान योजना की तरह किसानों के साथ जोड़कर के इसको आगे लागू किया जाये, क्योंकि जो सूची है, उसमें गरीब बहुत बड़े पैमाने पर छूटे हुए हैं। जिस तरह से हम सभी किसानों को 6000 रु0 सालाना दे रहे हैं, उसी तरह आयुष्मान भारत योजना से उनको जोड़ना चाहिए और उनको लागू करना चाहिए। किसान के बेटे होने के नाते, किसान के क्षेत्र में पैदा होने के नाते आज वहां खेती पर आधारित उद्योग नहीं हैं। ज्यादातर लोग खेती करते हैं। जो लोग आज खेती करते हैं, वह घाटे का सौदा कर रहे हैं, प्रकृति उन पर बहुत मार करती है, आपदा बहुत आती है। गंडक समादेश जब नेपाल में बारिश होती है तो सारा पानी विधान सभा क्षेत्र सिसवां में आता है और बहुत बड़े पैमाने पर अक्सर वहां बाढ़ आ जाती है, क्योंकि नेपाल की नदियां खुली हुई हैं। मेरा अनुरोध है कि उस पर हमें और हमारी सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। जो कुपोषण, गरीबी और लाचारी, भुखमरी से जिन्दगी जी रहे थे, उनको प्रधानमंत्री जी ने फ्री गैस कनेक्शन दिया है। उनमें खुशहाली आयी है। हमारी विधान सभा क्षेत्र सिसवां में आज भी सबसे ज्यादा किसान रहते हैं। जो लोग आज इस देश में ओहदेदार पार्टी में हैं, बड़ी पार्टी में हैं, बड़ी कुर्सी पर हैं, वहां के जो लोग खेती करते हैं, वह लाचारी की जिन्दगी जी रहे हैं, उन पर हमें ध्यान देना चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य कृपया समाप्त करें।

श्री प्रेम सागर पटेल-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारी विधान सभा क्षेत्र में गरीबी बहुत बड़े पैमाने पर है और हम सदन से इस पर बार-बार मांग करते हैं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में इस पर ध्यान

दिया जाए। एक जगह झुलनीपुर है, जहां गंडक समादेश नेपाल से आकर के भारत में सिसवां विधान सभा क्षेत्र के अन्तिम छोर पर मिलती है, वहां पर पानी की बहुत बड़ी समस्या नहीं है, वहां पर एक जल पावर हाउस लगाया जा सकता है। हम सदन में बैठे मा0 ऊर्जा मंत्री जी से अनुरोध कर रहे हैं कि एक बार उसका सर्वे करायें और पानी पर आधारित जल विद्युत परियोजना वहां पर स्थापित की जा सकती है, क्योंकि वहां पर पानी बड़े पैमाने पर है। जो विषय हमको दिया गया था, वह विषय लैंगिक समानता का था। जिस पर आपने हमें कहने का अवसर दिया है। लैंगिक समानता महाराजगंज में स्त्री और पुरूष की जो समानता है, वह ठीक है और भेद-भाव में जो पहले ज्यादा कमी थी, वह कमी आयी है। इसको आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार ध्यान दे रही है कि इसमें जो भेद-भाव है, उसको दूर किया जाए। हमारी सदन से मांग है कि जो लैंगिक असमानता जो इस देश में बढ़ी है, उस पर भारत सरकार ने जो कानून बनाया है, उसको हमें लागू करना चाहिए और उसको समानता बराबरी से देखना चाहिए। शिक्षा में और महिला कल्याण विभाग में इसे लागू करने की जरूरत है। हमारे अन्तिम व्यक्ति जो सबसे ज्यादा वहां मजदूरी करते हैं, उनमें भेद-भाव नहीं है। हम लोग प्रयास कर रहे हैं और सरकार प्रयास कर रही है कि उनमें भेद-भाव न रहे और लैंगिक समानता का हमारा जो कानून है, वह पूर्ण रूप से लागू हो रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, कृपया अब आप समाप्त करें।

श्री प्रेम सागर पटेल-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं सदन से और मा0 मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र जो कि भारत नेपाल सीमा पर है, उस पर गौर किया जाए। मुझे इस सदन में बोलने का अवसर मिला। मैं सदन को और आप सभी लोगों को सिसवां विधान सभा क्षेत्र के लोगों की ओर से बधाई देना चाहता हूं कि इस बहुत बड़े कार्यक्रम में जिसमें हम लोग लगातार 24 घण्टे से सदन में उपस्थित हैं। हमें इस सदन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

[*][06:30] **श्री चेतन चौहान**-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका अभिवादन करता हूं कि आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित विशेष सत्र में बोलने का अवसर दिया है। मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धांजलि देता हूं। यह एक ऐतिहासिक सत्र है और इस ऐतिहासिक सत्र के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का भी बहुत-बहुत अभिवादन करता हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

दक्षिणी अफ्रीका प्रवास का समय वर्ष 1893 से लेकर वर्ष 1915 तक रहा है। वहां पर इस बीच एंग्लो बोर वार चल रहा था और उक्त युद्ध के दौरान घायल हुये सैनिक एवं नागरिकों को अस्पताल तक पहुंचाने, उनकी मरहम पट्टी कराने एवं अन्य प्रकार की मदद करने के लिए महात्मा गांधी और उनके अन्य सहयोगियों द्वारा इन्डियन एम्बुलेन्स कॉर्प की स्थापना करते हुए निःस्वार्थ भाव से स्वयं सेवक की भूमिका निभाई गई थी। उसी के आधार पर भारत में नागरिक सुरक्षा संगठन का गठन हुआ है। राष्ट्रीय भावना एवं निष्काम कर्म से प्रेरित नागरिक सुरक्षा संगठन एक स्वयंसेवी संगठन है। कोई भी युद्ध सीमाओं के साथ-साथ नागरिक क्षेत्रों पर भी अत्यन्त घातक प्रभाव डालता है। बाह्य युद्ध के समय देश की आंतरिक व्यवस्था में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो और नागरिकों का मनोबल बना रहे, इस हेतु भारत सरकार द्वारा वर्ष 1962 में चीनी आक्रमण के बाद नागरिक सुरक्षा विभाग की स्थापना देश और प्रदेश के नगरों में की गई थी। नागरिक सुरक्षा विभाग का प्रबन्धन एवं निर्देशन भारत सरकार तथा प्रदेश सरकार की नीतियों और संकल्पों पर आधारित है।

वर्ष 1965 और 1971 के युद्धों तथा कारगिल अभियानों के दौरान नागरिक सुरक्षा संगठन ने सफलतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। नागरिक सुरक्षा विभाग के मुख्य उद्देश्य हवाई आक्रमण के समय जन-धन हानि को कम करना, औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन बनाये रखना, जनता के मनोबल को बनाये रखना, प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत व बचाव कार्यों में सहयोग करना इत्यदि हैं। नागरिक सुरक्षा विभाग के पदाधिकारियों की उपयोगिता के दृष्टिगत भारत सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा निम्नलिखित सामाजिक एवं कल्याणकारी कार्यों में सहभागिता के भी निर्देश दिये गये हैं। यह कार्य इस प्रकार के हैं-सफाई अभियान, पल्स पोलियो अभियान, प्रदूषण मुक्ति अभियान, वातावरण सुरक्षा प्रचार, आगजनी में सहायता, रक्तदान शिविर, गंभीर दुर्घटनाओं, घटनाओं और आपदा जैसे बाढ़, आग, चक्रवात आदि। वर्तमान में प्रदेश में 15 जनपदों में 100116 स्वयं सेवक हैं जिनमें से 96122 स्वयं सेवक नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबन्धन में प्रशिक्षित हैं। लखनऊ में केन्द्रीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान स्थापित है जिसके द्वारा भारत सरकार तथा राज्य सरकार के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों के अतिरिक्त प्रदेश के विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं केन्द्रीय सरकार के उपक्रम, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, एन0ए0पी0सी0 और एच0ए0एल0 के कर्मचारियों को नागरिक सुरक्षा उपायों हेतु प्रशिक्षित किया जाता है। उक्त के अतिरिक्त समस्त जनपदों में स्कूल और कालेज के छात्र-छात्राओं, एन0सी0सी0 कैडेट, एन0एस0एस0 के स्वयंसेवको को भी नागरिक सुरक्षा के प्रति प्रशिक्षित किया जाता है। वर्ष 2017 में 8000, वर्ष 2018 में 5300, वर्ष 2019 में 6900 व्यक्तियों को भी नागरिक सुरक्षा का सामान्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। नागरिक सुरक्षा द्वारा पल्स पोलियो अभियान विभिन्न अवसरों पर आयोजित होने वाले पर्वों तथा त्योहारों पर शान्ति व्यवस्था, राष्ट्रीय एकता, सौहार्द तथा साम्प्रदायिक सद्भाव बनाने के लिए जिला

प्रशासन को सक्रिय सहयोग प्रदान किया जाता है। इसके अलावा इन्द्रधनुष अभियान, ड्राप आऊट, लेफ्ट आऊट रेजीडेन्ट, बच्चों के टीकाकरण में भी सहयोग किया जाता है। नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया तथा इन्सेफ्लाइटिस जैसे गंभीर संक्रामक रोगों से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में जन-मानस को जागरूक किया जाता है। वर्ष 2018 की गांधी जयन्ती में 02 अक्टूबर के अवसर पर जनपद लखनऊ में 156 स्वयं सेवकों, 18 वार्डन तथा वैयक्तिक पदाधिकारियों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। वर्ष 2019 में प्रयागराज में कुम्भ मेले के आयोजन में नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा सक्रिय भूमिका निभाये जाने के लिए 150 स्वयं सेवकों को एन0डी0आर0एफ0 द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। इन 150 स्वयं सेवकों ने बाद में नागरिक सुरक्षा विभाग के दूसरे स्वयं सेवकों को भी प्रशिक्षण दिया जिससे कुम्भ मेले में उन सबका इस्तेमाल हो सका। नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयं सेवकों को माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा स्वतंत्रता दिवस एवं गणतन्त्र दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया गया है। गणतंत्र दिवस-2019 के अवसर पर जनपद लखनऊ में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय परेड में नागरिक सुरक्षा विभाग के स्वयंसेवकों द्वारा प्रथम बार प्रतिभाग भी किया गया है।

लोक सभा निर्वाचन-2019 में अधिक मतदान हेतु जागरूकता फैलाने के लिए रैलियों का आयोजन किया गया। डोर-टू-डोर जाकर सामान्य निर्वाचन में लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने हेतु जन मानस को जागरूक किया गया। लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2019 में नागरिक सुरक्षा विभागों में तैनात वार्डनों ने जगह-जगह जाकर लगभग 16424 दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक भी पहुंचाया। नागरिक सुरक्षा का प्रदेश में समस्त जनपदों में विस्तार किया जाना इस तरह प्रस्तावित है। प्रथम चरण में नौ जनपदों यथा अलीगढ़, बस्ती, गोण्डा, मिरजापुर, आजमगढ़, अयोध्या, फैजाबाद, बांदा, फिरोजाबाद में नागरिक सुरक्षा की इकाई स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव भारत सरकार को दिनांक 21-03-2018 को भेजा गया है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, नागरिक सुरक्षा विभाग के अलावा एक दूसरा विभाग होमगार्ड डिपार्टमेण्ट भी मेरे अधीन है। होमगार्ड एक स्वयंसेवी संगठन है। होमगार्ड्स विभाग के अन्तर्गत 75 जिलों में 118348 पद हैं जिनमें 1151 कंपनियां हैं, 1660 स्वतंत्र प्लाटून हैं, 32000 सशस्त्र प्रशिक्षित गार्ड्स तथा 4400 महिलायें हैं। इस समय लगभग 90000 होमगार्ड ड्यूटी कर रहे हैं जिनमें से 25000 होमगार्ड्स पुलिस विभाग में हैं और डायल-100 में 8000 मोटर साइकिल और गाड़ियां चलाने वाले ड्राइवर हैं। लोकसभा चुनाव में होमगार्डों की ड्यूटी लगाई गई थी जो पहले चरण में लगभग 39000, दूसरे चरण में 37900, तीसरे चरण में 47000, चौथे चरण में 65000, पांचवें चरण में 65252, छठे चरण में 66800 और सातवें चरण में 60000 लगे थे। होमगार्ड्स का ड्यूटी भत्ता अब बढ़ा दिया गया है। यह पहले 375 रुपये होता था लेकिन इसे अब बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। डी0ए0 अतिरिक्त रूप

से मिलता है। अब 30 दिन के लिए एक होमगार्ड को लगभग 18000 रुपये मिलते हैं। होमगार्ड का इस्तेमाल साम्प्रदायिक दंगो के नियंत्रण, पर्वों, मेलों, यातायात, शान्ति, सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा, अग्निशमन, बैंको में सुरक्षा, परीक्षाओं तथा पुलिस के सहयोगार्थ कार्यों में किया जाता है। होमगार्डों के आधुनिकीकरण के लिए बहुत सारे प्रयास किये जा रहे हैं। इस समय लगभग 600 रायफल होमगार्डों को दी गई हैं जिसके लिए लगभग 42 दिन की ट्रेनिंग दी जा रही है। इनको अलग से भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। होमगार्ड्स को आधुनिक बनाने के लिए हर प्रयास किये जा रहे हैं।

विभाग में लगभग 20 परसेण्ट महिलायें होनी चाहिये और इस समय 4400 महिलायें हैं। सराकर द्वारा विचार किया जा रहा है कि लगभग 4000 और महिलाओं की भर्ती की जाये। कुछ प्रदेशों में होमगार्डो को कमाण्डो ट्रेनिंग दी जा रही है उसको देखते हुए हम लोग भी हष्ट पुष्ट होमगाडों को कमाण्डो ट्रेनिंग देने पर विचार कर रहे हैं जिससे पुलिस और प्रशासन में उनका अच्छा योगदान लिया जा सके। नमामि गंगे योजना में भी इन्हें सम्मिलित कराने पर विचार किया जा रहा है। एन0डी0आर0एफ0 के माध्यम से होमगार्डों को ट्रेनिंग दी जायेगी जिससे मैनेजमेण्ट और इन्फारमेशन सिस्टम में इनका उपयोग किया जा सके। ऑनलाइन प्रशिक्षण दिलाना और दीन दयाल उपाध्याय बीमा योजना से इन्हें आच्छादित कराया जाना प्रस्तावित है। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस प्रकार से होमगार्डो को ट्रेनिंग दी जा रही वह एक अच्छी फोर्स बनकर निकलेंगे और कानून व्यवस्था में उनका पूरा सहयोग मिलेगा।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे अपने दोनों विभागों के ऊपर बोलने का अवसर दिया जिसके लिए आपको धन्यवाद। मैं जनपद अमरोहा से आता हूं। मैं जनपद अमरोहा में सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में बताना चाहूंगा। जनपद अमरोहा पूरी तरीके से ओ0डी0एफ0 घोषित कर दिया गया है। जल संचयन के कार्य वहां पर चल रहे हैं। दो नदियों को वहां पर खोदा जा रहा है। मेरे द्वारा और जिलाधिकारी द्वारा 45 डिग्री की भीषण गर्मी में मौके पर कई बार जाकर कार्य को देखा गया है। अमरोहा और सम्भल के बहुत सारे ब्लाक डार्क जोन में आ रहे हैं इसलिये 3100 करोड़ से गंगा नहर का काम कराया जा रहा है। यह बिजनौर से निकलकर बदायूं में जाकर गिरेगी। इसका कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। वर्ष 2021 तक यह कार्य पूरा हो जायेगा। गंगा एक्सप्रेस-वे में मेरठ से लेकर प्रयागराज तक डी0पी0आर0 बन गई है और इसका काम भी बहुत तेजी से शुरू हो जायेगा। यह 36000 करोड़ रुपये का लगभग 600 किमी का बड़ा प्रोजेक्ट है। इसको बन जाने के बाद पूरी दूरी छह या सात घण्टे में पूरी हो सकेगी। अमरोहा के अन्दर 135 एकड़ की भूमि पर एक बहुत बड़ी गौशाला बनाई गई है जिसमें 300 पशु भेजे जा चुके हैं और इसकी क्षमता 600 पशुओं की है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। एक और हाई-वे बन रहा है जो बदायूं से लेकर बिजनौर तक लगभग 250 किलोमीटर का बन रहा है

जिसके लिए 600 करोड़ रुपये स्वीकृत हो गये हैं। यह सड़क बनी हुई है और इसका चौड़ीकरण हो रहा है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं जो उन्होंने अमरोहा के लिए बहुत सारी योजनायें स्वीकृत की हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

*[06:44] **श्री शीतल पाण्डेय**-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर आज विधान सभा का जो ऐतिहासिक सत्र आहूत किया गया है और इस अवसर पर मुझे बोलने का अवसर आपने दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। महात्मा गांधी जी व्यक्ति नहीं थे, एक विचार थे, दर्शन थे और उनका जो सिद्धान्त था, व्यवहार था, वह अपने जीवन में उसको उतारते थे, वह वैसा व्यवहार करते थे। एक बार गांधी जी के यहां एक मेहमान भोजन करने गए, लेकिन थोड़ा वह दूसरे कास्ट के रहे, खाना परसा गया, लोग खाना खाये। गांधी जी ने कस्तूरबा जी से कहा कि थाली उठा लीजिए। कस्तूरबा जी ने नहीं उठाया। गांधी जी नाराज हुए और स्वयं थाली को उठाया। गांधी जी पहले साफा बांधते थे। एक बार ट्रेन से कहीं यात्रा कर रहे थे तो उन्होंने देखा कि गांव के पास एक तालाब है। तालाब में एक गरीब महिला स्नान कर रही है और जो वह साड़ी पहने हुए है, उसका आधा हिस्सा उसने बाहर रखा है और आधा हिस्सा पहन करके वह स्नान कर रही है। उन्होंने मितव्ययिता के नाते और गरीब को देख करके आधी धोती और उसी धोती को ओढ़ लेना गांधी जी ने उसी समय से शुरूआत किया।

गांधी जी सत्य के प्रति आग्रही थे। सत्य और अहिंसा का उन्होंने प्रयोग किया। वह समय के पाबन्द थे। एक मित्र उनके यहां आए, उनको केवल 02 मिनट का समय मिला था और शिष्टाचार में बात करते-करते 02 मिनट पूरा कर लिए और उसके बाद जब बात शुरू किए, गांधी जी ने मना कर दिया क्योंकि गांधी जी समय के महत्व को समझते थे। गांधी जी के विचार, गांधी जी के सन्देश आज पूरे विश्व में प्रासंगिक हैं और नेल्सन मण्डेला से ले करके और विश्व में कोई भी विचारधारा आयी हो, कोई भी बड़ा नेता हुआ हो, लेकिन गांधी दर्शन से बड़ा उसका सिद्धान्त नहीं रहा है। हम लोग छोटे से, कहानी सुनते थे कि ''ले लिया आजादी बिना खड्ग और ढाल, साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल, ईश्वर अल्ला तेरे नाम, सबको सन्मति दे भगवान।'' वह ईश्वरवादी थे, लेकिन प्रकृति को मानते थे। उन्होंने कहा कि मैं हिन्दू हूं, हिन्दू होने पर मुझे गर्व है। आज कोई नेता यह नहीं कह सकता कि मैं हिन्दू हूं क्योंकि उस पर साम्प्रदायिकता का आरोप लग जायेगा। गांधी महान थे, वह कहते थे कि मैं हिन्दू हूं और उन्हीं के ये विचार, उनका वह व्यवहार आज भी इस मिट्टी के कण-कण में हैं। मान्यवर,

''जज्बात कुछ ऐसे हैं कि रोया नहीं जाता, हालात कुछ ऐसे हैं, रोना है जरूरी,

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

तूफां तो आते हैं चले जाते है लेकिन, घबड़ा के सफीने से डुबोया नहीं जाता।''

गांधी जी जानते थे कि हम अंग्रेजों से शस्त्र के माध्यम से हम नहीं जीत सकते, इसलिए उन्होंने सत्याग्रह को अपना हथियार बनाया। गांधी जी के विचार के चार आधार हैं, सफाई, स्वच्छता, स्वावलम्बन और सर्वोदय। गांधी जी कहते थे सर्वोदय कि सब का उदय हो, जो अन्तिम व्यक्ति हो, उसका उदय हो और उसी को हमारे दीनदयाल जी ने भी समाज के अन्तिम व्यक्ति के लिए संघर्ष करने के लिए कहा। उन्होंने स्वावलम्बन के लिए, चर्खा चलाने के लिए कि गांवों में जो स्त्रियां दिन भर बैठी रहती हैं, जिनके पास कोई काम नहीं रहता है, उनको चर्खा चलाने के लिए उन्होंने कहा ताकि वह सूत बेच करके उससे कुछ पैसा कमायेंगी और दूसरे पर डिपेन्ड नहीं रहेंगी और चर्खे का जो कच्चा धागा है, वह करोड़ों स्त्री और पुरूष को प्रेम के धागे में जोड़ता है। गांधी जी हमेशा चाहते थे कि गांव, स्वराज। स्वराज का मतलब सुराज यानी हम अपने अनुसार, अपनी इच्छानुसार कुछ कर सकें और उन्होंने ग्राम स्वराज की भी बात कही। ग्राम स्वराज से मतलब कि गांव की जरूरत की चीज गांव में ही पैदा हो और खादी उसकी पहली सीढ़ी थी। खादी भी एक विचार है। गांधी जी ने कहा कि हमारे देश में एक स्वदेशी है, खादी का जब प्रचार-प्रसार होगा तो हमारे देश में राष्ट्र के प्रति, देश के प्रति एक प्रेम भावना जगेगी। आज विदेशी चीजें हमारे त्योहारों के दिन बच्चों को लुभाने के लिए, उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए तमाम चाइना की चीजें आती हैं। एक बार पिछली सरकार ने कहा कि जो चाइना के सामान हैं, उनकी होली जला दिया जाए, उनका बाइकॉट किया जाए। लेकिन आज भी होली और अन्य त्योहारों के अवसर पर चाइना से जो सामान आता है, उसको लोग खरीदते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें।

श्री शीतल पाण्डेय-

अधिष्ठाता जी, 02 मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगा। मान्यवर, आज गांधी जी के ऊपर हमारे इस सदन में चर्चा हुई। हम जिस विधान सभा क्षेत्र से चुनाव जीत कर आए हैं, वह सहजनवा विधान सभा क्षेत्र, कबीर दास जो समाज के सुधारक थे, रूढ़ियों पर हमला करने वाले थे, मगहर के बगल में सहजनवा मेरी विधान सभा क्षेत्र है। बुद्ध, कबीर और गोरक्ष की आध्यात्मिक संगम की धरती का मैं रहने वाला हूं और आज हमारी विधान सभा में पूज्य योगी जी की कृपा से सड़कों का जाल बिछ गया है। हमारे यहां अस्पताल खुल गया है, हमारे यहां पॉलीटेक्निक स्कूल, आई0टी0आई0, ''प्रभु आप की कृपा से सब काम हो रहा है, करते है आप योगी, मेरा नाम हो रहा है।'' हमारे विधान सभा क्षेत्र में उनकी कृपा से विकास का काम हुआ और एक काम, मा0 महाना साहब बैठे हैं, ये गोरखपुर जाते रहते हैं। औद्योगिक विकास केन्द्र, गीडा है, वहां के स्थानीय किसानों की जमीन ली गयी और जिन लोगों की जमीन ली गयी थी,

उनसे कहा गया था कि उनके घर वालों को नौकरी देंगे। आज उस वादे को गीडा के लोग पूरा नहीं कर रहे हैं। जब आप गीडा में गए थे, उस समय भी मैंने इस बात को आपके सामने रखा था। हमारे क्षेत्र में एक आमी नदी है। मैंने पिछली बार एक क्विशचन लगाया था। आमी नदी का पानी अमृत था, लेकिन इन्हीं औद्योगिक कम्पनियों के नाते और उसके गन्दे पानी के नाते और जो धुंवा चिमनी से निकलता है, उसके नाते, प्रदूषण युक्त हो गया है और आज आमी नदी में मनुष्य को कौन कहे, पशु भी उसके अन्दर नहीं जाते हैं। बस एक बात मैं यही कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार, हमारे मुख्य मंत्री जी, हमारे प्रधानमंत्री जी,

''गमों की आंच पर आंसू उबाल कर देखें, बनेंगे रंग किसी पर भी डाल कर देखें,
तुम्हारे दिल की चुभन कम जरूर होगी, किसी गरीब के पांव का कांटा निकाल कर देखें।''

बहुत-बहुत धन्यवाद।

*[06:58] **श्री अगयश रामसरन वर्मा**-

आदरणीय अधिष्ठाता जी, भारत वर्ष में भौगोलिक दृष्टिकोण से सबसे बड़े और आदर्श के दृष्टिकोण से सबसे अग्रणी प्रदेश, उत्तर प्रदेश द्वारा विधान सभा के इस ऐतिहासिक सत्र को आहूत करना बहुत ही महत्वपूर्ण और समूचे विश्व के लिए, देश के लिए एक दृष्टांत है। ऐसे महत्वपूर्ण सत्र में मुझे भुखमरी की समाप्ति जैसे विषय पर चर्चा करने के लिए अवसर प्रदान किया गया है, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूं। माननीय अधिष्ठाता जी, सम्पूर्ण विश्व की धरा पर यदि कोई सबसे बड़ी विश्वव्यापी समस्या है तो वह है, धरती मां की जीवनदायिनी क्षमता का क्षरण होना। लाल किले की प्राचीर से अभी डेढ़ माह पूर्व हमारे देश के प्रधानमंत्री, माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने लाल किले की प्राचीर से यह कहा था कि धरती मां के स्वास्थ्य की चिन्ता की जानी चाहिए।

इस क्रम में मैं एक बात कहना चाहता हूं। आज सम्पूर्ण विश्व द्वारा धरती रक्षा दशक के रूप में वर्ष 2020-30 तक मनाया जाना चाहिए और इस अभियान को इतनी गति दी जानी चाहिए कि सम्पूर्ण विश्व के नागरिकों को भारत मां की ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व की धरती के जीवन को संचार करने की प्रेरणा मिले। राम और कृष्ण की भांति युग-युगान्तर तक पहचान बनाने वाले भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने भारत का सिरमौर कही जाने वाली सौन्दर्य की घाटी जम्मू-कश्मीर को भारत मां से अलग करने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 और 35ए को समाप्त किया, मैं तो यही कहूंगा कि भारत मां को एक जीवत्व प्रदान किया है और जीवत्व ही नहीं प्रदान किया है बल्कि सरदार पटेल, बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं अटल बिहारी वाजपेयी जैसी प्रतिभाओं के सपनों को साकार भी किया है। हम कह सकते हैं कि 41 हजार 894 नागरिक आतंकवाद की

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

ज्वाला के शिकार हुए हैं और इसका कारण अनुच्छेद-370 और धारा-35ए के ही खाते में जाता है। मैं 05 अगस्त, 2019 को जिस दिन अनुच्छेद-370 और धारा-35ए हटाई गई, मैं तो कहता हूं कि यह तिथि जिस प्रकार से सूर्य और चन्द्रमा, गंगा और यमुना की धाराएं जब तक इस क्षितिज पर रहेंगी, तब तक यह 05 अगस्त, 2019 भी अमर रहेगा, स्मरण रहेगा।

मान्यवर, सम्पूर्ण धरा की प्राकृतिक छटा एवं प्राणियों के जीवत्व के लिए खाद्य सुरक्षा प्रदूषण की विषमता को दूर करना बहुत आवश्यक है। जो हमें विषय मिला है भुखमरी की समाप्ति, उसको हम दूसरे रूप में यह भी कह सकते हैं, हम इसका दूसरा नाम खाद्य सुरक्षा प्रदूषण भी कह सकते हैं। इस खाद्य सुरक्षा प्रदूषण के पांच-सात घटक ऐसे हैं जिन घटकों के आधार पर यदि हम कार्य करें तो निश्चित रूप से इस खाद्य सुरक्षा प्रदूषण की समस्या का समाधान हो जाएगा। इन सारे घटकों में एक बाल विकास एवं पुष्टाहार है। यह बाल विकास एवं पुष्टाहार एक ऐसा उपादेय है, एक ऐसा कारक है, अगर इस पर पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाए तो निश्चित रूप से जो हमारे शिशु हैं, वे कुपोषण के शिकार नहीं होंगे और वे हृष्ट-पुष्ट बनेंगे। इस प्रकार से इस व्यवस्था को जिसको बाल विकास एवं पुष्टाहार योजना कहा जाता है, इसको पारदर्शी बनाए जाने की आवश्यकता है। इसमें जो कार्यकत्रियां हैं, इसमें जो सहायिकाएं हैं उनको प्रशिक्षण दिए जाने की जरूरत है और साथ ही साथ पुष्टाहार का बायोमीट्रिक व्यवस्था के द्वारा वितरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। पुष्टाहार मिलने की निश्चित तारीखें तय होनी चाहिए। वितरण की तारीखें तय होनी चाहिए और इस तरीके से यदि बाल विकास एवं पुष्टाहार को पारदर्शी बनाया जाएगा तो निश्चित रूप से हम कुपोषण की समस्या का निदान कर सकेंगे। इसी क्रम में मैं दूसरे घटक की चर्चा करता हूं कि जब शिशु से ऊपर बालक छात्र के रूप में दिखाई देता है तो फिर वह स्कूलों में जाता है तो वहां पर मिड-डे मील मध्याह्न भोजन की व्यवस्था होती है ताकि छात्रों को कुपोषण का शिकार न बनना पड़े। इस व्यवस्था में भी मुझे लग रहा है कि इसको पारदर्शी बनाए जाने की जरूरत है। जब मध्याह्न भोजन भी पारदर्शी बनेगा तो मुझे लग रहा है कि हमारे छात्रों का जीवन भी कुपोषण मुक्त होगा।

इसी का तीसरा घटक खाद्य सुरक्षा की व्यवस्था है। उस खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। जब खाद्य सुरक्षा होगी तो हमारे बच्चे, हमारे नौजवान आगे बढ़ेंगे। उन्हें किसी प्रकार के कुपोषण का शिकार नहीं होना पड़ेगा। इसका एक चौथा घटक है जिसको हम कृषि विविधीकरण कह सकते हैं। जैसा कि हम लोग जानते हैं कि हमारा यह देश एक कृषि प्रधान देश है यहां की 80 प्रतिशत जनता गांवों में रहती है। अगर इस 80 प्रतिशत जनता को हम यह कहें कि ये ठीक सूर्य के समान है, जैसे सूर्य के प्रकाश से चन्द्रमा और अन्य ग्रह नक्षत्र प्रकाश पुंजित होते हैं, ठीक उसी प्रकार से ये किसान भी, खेती करने वाला भी मुझे लग रहा है कि जब तक उसको उसके उत्पादन का लाभकारी मूल्य नहीं मिलेगा, तब तक वह खुशहाल दिखाई नहीं देगा और उसके उत्पादन के द्वारा ही चाहे व्यापारी हो, चाहे कर्मचारी

हो, चन्द्र-नक्षत्र की भांति फलता है, पोषित होता है। इसलिए ऐसे कृषक को हम जब तक उसके उत्पादन का लाभकारी मूल्य नहीं देंगे, तब तक उसके चेहरे पर, उसके घर में खुशहाली नहीं होगी और जब तक उसके घर में खुशहाली नहीं होगी, उसके आंखों में आंसू होंगे तो धरती मां की आंखों में भी आंसू होंगे। आज अगर कोई कृषक जब अपने कृषि उत्पाद लेकर बाजार जाता है और बाजार से लौटता है तो उसकी आंखों में आंसू होते हैं। वह यह कहता हुआ चला आता है कि हमने जो उत्पादन किया, हमें उसकी लागत भी वापस नहीं मिली है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य आपके 10 मिनट हो गए।

श्री अगयश राम सरन वर्मा-

मान्यवर, ऐसे तो मेरी बात अधूरी रह जाएगी। इस तरीके से किसान की आंखों में आंसू होता है। यहां पर एक बात समझ लेने की आवश्यकता है कि किसी वस्तु की कीमत में तीन चीजें शामिल होती हैं, उसकी परिभाषा में तीन चीजें होती हैं। नम्बर एक उस वस्तु के उत्पादन में आने वाली लागत, नम्बर दो उस वस्तु के उत्पादन में लगने वाला श्रम और नम्बर तीन उस वस्तु के उत्पादक को मिलने वाला लाभ। अब आप विचार करिए कि कोई कृषि उत्पादक यदि यह कहता है कि हमारी तो लागत ही वापस नहीं आ पा रही है तब उस दशा में उसके श्रम का प्रतिफल और लाभ मिलने का तो प्रश्न ही पैदा नहीं होता। इस प्रकार से आज कृषि उत्पादकों को उनके उत्पादन का लाभकारी मूल्य न मिल पाना इस देश के लिए बड़े दुर्भाग्य की बात है। इस तरीके से आज इस देश के कृषि उत्पादक को उसके उत्पादन का लाभकारी मूल्य मिलना चाहिए। मैं कहता हूं कि इसमें एक राधा कृष्ण नाम का आयोग बनाया गया था जिससे यह कहा गया था कि आप कृषकों को लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए अपने सुझाव दीजिए और उन्होंने सुझाव दिए लेकिन आज भी उनके सुझाव रद्दी की टोकरी में पड़े हुए हैं।

[07:10] श्री कृष्ण पाल मलिक-

मैं सर्वप्रथम मा0 अधिष्ठाता जी का आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे भुखमरी जैसी चुनौती पर अपने विचार रखने का अवसर दिया। समाज के सामने जो चुनौती पहले भी थी तथा आज भी है। यह चुनौती केवल हमारे देश, प्रदेश की नहीं बल्कि समस्त विश्व के सामने भुखमरी एक ऐसा शब्द है, जो सभ्य तथा विकसित समाज के नाम पर एक बदनुमा दाग की तरह दिखता है। यह भी सत्य है कि इस विश्व व्यापी चुनौती को स्वीकार कर काफी हद तक ठीक किया गया है। भूख से होने वाली मृत्यु में एक बड़ी गिरावट आई है। किन्तु कुपोषण तथा अल्प पोषण आज भी हमारे समाज के बड़े भाग के लिए चिन्ता का विषय है। डब्ल्यू0एच0ओ0 और विश्व बैंक के आंकड़े हमारे देश में भुखमरी तथा कुपोषण की भयावह तस्वीर प्रस्तुत करते थे किन्तु इसको पहले इतनी गम्भीरता से नहीं लिया गया था जितना लिया जाना चाहिए था।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

विश्व के कुल कुपोषित बच्चों का एक-तिहाई भाग, 30 करोड़ खाद्यान्न असुरक्षित लोगों की सर्वाधिक संख्या, विश्व भूख सूचकांक में 201 देशों में 103 स्थान पर होना, ये सब ऐसे आंकड़े थे जो हमारे देश के लिए, इस क्षेत्र की स्थिति को बयान करने के लिए काफी थे। किन्तु इस भयावहता का संज्ञान लेते हुए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी तथा हमारे जनप्रिय मुख्य मंत्री आदरणीय योगी जी ने ह्यूज स्तर पर काम करना प्रारम्भ किया क्योंकि आज समस्या खाद्यान्न उपलब्धता की नहीं बल्कि उसके सही वितरण और प्रबन्धन की थी। जब इस खाद्यान्न वितरण की धांधली पर अंकुश लगना शुरू हुआ, जब मशीनों में हर राशन कार्ड का विवरण रखकर वितरण आरम्भ हुआ, मातृत्व योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन जैसी योजनाएं आरम्भ हुईं तो भुखमरी व कुपोषण की स्थिति में सुधार आना शुरू हुआ। हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी, आदरणीय मुख्य मंत्री जी के प्रयास से देश तथा प्रदेश की भुखमरी व कुपोषण का अन्त होने तक इसी गति के साथ जारी रहेंगे। हम खुशनसीब हैं कि दुनिया के जिस भू-भाग में हम रहते हैं तथा प्रदेश के जिस भाग में हमारा बड़ौत विधान सभा क्षेत्र स्थित है, उसे कुदरत ने सैकड़ों नेमतों से नवाजा है तथा इस क्षेत्र ने कभी अकाल, भुखमरी जैसी चुनौती का सामना नहीं किया क्योंकि गंगा-यमुना के बीच स्थित यह दोआब क्षेत्र सिर्फ अपने ही नहीं बल्कि देश-प्रदेश के लिए खाद्यान्न पैदा करता है तथा हमारे समाज के उन भाई-बहनों के लिए भी खाद्यान्न पूर्ति करने में सक्षम है जहां भूमि उपजाऊ नहीं है, जैसे पहाड़ है, रेगिस्तान है। हम दुनिया के उस भूभाग में रहते हैं, जो खेती के लिए इतना अनुकूल है कि जहां अधिकतर फसलें उगाई जा सकती हैं क्योंकि इसी दुनिया में ऐसे क्षेत्र भी हैं जहां या तो वर्ष भर तापमान सेण्टीग्रेड में शून्य से नीचे या 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहता है और वहां फसलों का पैदा होना सम्भव नहीं है।

वर्तमान में खाद्यान्न उत्पादन से भी ज्यादा महत्वपूर्ण उसका सही उपयोग और उचित प्रबन्धन है। जहां खाद्यान्न संकट और कुपोषण जैसी चुनौतियां नहीं है, समाज के वे भाग इसके महत्व को नहीं पहचानते। मैंने अक्सर देखा है कि होटलों, मन्दिरों, शादी-विवाह आदि समारोहों में जितना खाद्यान्न फेंक दिया जाता है, उससे भुखमरी और कुपोषण ग्रस्त एक बड़ी जनसंख्या का पेट भरा जा सकता है। आज जरूरत है जागरुकता की तथा पहला कदम बढ़ाने की। यदि हम संकल्प लें कि खाने की थाली में जूठन नहीं छोड़ेंगे, समारोहों में बचा भोजन कूड़े में न फेंक कर जरूरतमन्द को देंगे, गरीब बस्ती, अनाथ आश्रम आदि में देंगे तो मेरा मानना है कि वर्तमान में उपलब्ध संसाधनों से ही बहुत बड़ा बदलाव हो सकता है। चूंकि आज समस्या खाद्यान्न उत्पादन की उतनी नहीं है जितनी उसके संरक्षण, प्रबन्धन, उपलब्धता तथा वितरण की है और ये प्रयोग उत्तर प्रदेश जैसा उपजाऊ प्रदेश आरम्भ करता है तो देश भर के सामने यह उदाहरण हो सकता है क्योंकि देश की सर्वाधिक आबादी वाला प्रदेश हमारा उत्तर प्रदेश है। इसके साथ-साथ दूसरी चुनौती भी है कि भुखमरी कुपोषण के साथ-साथ हमने अपनी धरती में

इतना जहर भर दिया है कि उगने वाले खाद्यान्न अब गम्भीर बीमारियों का कारण बन रहे हैं। खेती में विविधता खत्म हो रही है तथा किसान भी फसली उपजों के लिए बाजार पर निर्भर हो रहा है। बड़ा विचित्र लगता है जब किसान परिवार दूध, दाल, तेल, सब्जी आदि के लिए बाजार पर निर्भर दिखाई पड़ता है। यदि हर किसान परिवार ठान ले कि इन चीजों के लिए हम बाजार पर निर्भरता खत्म करेंगे, आवश्यक वस्तुओं को अपनी खेती का हिस्सा बनायेंगे, किसी भी सूरत में खाद्यान्न बर्बाद नहीं होने देंगे तो कोई कारण नहीं है कि हम अपने प्रदेश से भुखमरी व कुपोषण की चुनौती को हराने में सफल न हों। यूं तो मा0 प्रधानमंत्री जी तथा आदरणीय मुख्य मंत्री जी इस मसले को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर युद्ध स्तर पर भुखमरी व कुपोषण दूर करने के लिए संकल्पबद्ध हैं किन्तु साथ-साथ यह दायित्व हमारा भी है कि राजनीतिक विरोधाभासों से ऊपर उठकर इसे एक सामाजिक तथा मानवीय चुनौती के रूप में स्वीकार करें तथा संकल्प लें कि हम अपने क्षेत्र में भुखमरी तथा कुपोषण को दूर करने के लिए सभी वैज्ञानिक, सामाजिक तथा जागृति कारक प्रयास करेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

(एक सदस्य द्वारा यह कहे जाने पर कि जो लोग नहा-धोकर आ रहे हैं और वह पर्ची दे रहे हैं, उनको बोलने का मौका दिया जा रहा है।)

श्री अधिष्ठाता-

जो पहले से व्यवस्था है उसी के तहत् मा0 सदस्यों को बोलने का मौका दिया जा रहा है। कोई नयी व्यवस्था नही है।

*[07:18] **कृषि, कृषि शिक्षा, कृषि अनुसन्धान राज्य मंत्री (श्री लाखन सिंह)-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मुझे इस सदन में अपने विचार रखने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। सबसे पहले महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर मैं इस सदन में उपस्थित सभी मा0 सदस्यों एवं इस सदन के माध्यम से प्रदेश की समस्त जनता को बधाई देता हूं। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को भी बधाई देता हूं कि इस पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर महात्मा गांधी के आदर्शों, नीतियों एवं मूल्यों पर चर्चा करने तथा उन्हें आज के वर्तमान परिवेश में समझने का अवसर इस कार्यक्रम के माध्यम से मिल रहा है। उ0प्र0 के संसदीय इतिहास में यह पहला अवसर है कि विधान सभा का सत्र अनवरत रूप से दिन-रात चलाया जा रहा है। मा0 मुख्य मंत्री जी की यह महान सोच एवं प्रयास निश्चित रूप से हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। मा0 मुख्य मंत्री जी की सार्थक पहल प्रदेश को नयी दिशा एवं आयाम देगी। मैं एक बार पुनः मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं। आज महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती है। आज हम ऐसे महान व्यक्तित्व का स्मरण कर रहे हैं, जिसने समस्त विश्व को सत्य और अहिंसा की राह दिखाई, जिसने विश्व को यह सिखाया कि सत्य के मार्ग पर चलकर, अटल इरादों को यथार्थ में कैसे परिवर्तित किया जाता है। उनके विचार एवं आदर्शों का

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कोई दूसरा विकल्प नहीं है। वह आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने कि पहले थे। आवश्यकता आज इस बात की है कि हम उन्हें अपने जीवन में किस प्रकार से समाहित करें, जिससे हमारे जीवन में समृद्धि और विश्वास का संचार हो।

मैं एक बार पुनः इस अवसर पर उन्हें स्मरण करते हुए ऐसे महान व्यक्तित्व को नमन करता हूं और मा0 मुख्य मंत्री जी के कुशल नेतृत्व में यह सदन महात्मा गांधी जी के आदर्शों एवं नीतियों पर चलते हुए देश को खुशहाली और विकास की नयी ऊंचाईयों पर ले जायेगा। मुझे आज भूमि पर जीवन के लक्ष्य पर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रदेश निरंतर प्रगति एवं समावेशी विकास की दृष्टि से स्थलीय पारिस्थितिकीय तंत्र की सुरक्षा, पुनर्स्थापना व सतत उपयोग हेतु दृढ़संकल्पित है। इसके लिए प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों जैसे-कृषि, वन एवं जल, सम्पदा का सतत उपयोग तथा पारिस्थितिकीय तंत्र के अवगत होने की प्रक्रिया को रोककर पुनर्स्थापना द्वारा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित किया है, प्रदेश अपनी समृद्धि जैव विविधता व प्रकृतिवासों का संरक्षण तथा आक्रामक विदेशी प्रजातियों के प्रवेश तथा विस्तार को रोकने हेतु प्रतिबद्ध है। संरक्षण के प्रयासों के फलस्वरूप प्राप्त होने वाले समस्त लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने हेतु संस्थागत विकास तथा परिवर्तन के कारकों की क्षमताओं को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करना है। स्थलीय जीवों की सुरक्षा, थलीय पारिस्थितकीय का संरक्षण और संवर्धन, वनों का संवहनीय प्रबन्धन, मरूस्थलीयकरण का सामना और भूमि क्षय को रोकना तथा ठीक करना और जैव विविधता क्षति को रोकना सतत विकास-14 का लक्ष्य है।

एक प्रजाति के रूप में हमारा भविष्य हमारे सबसे महत्वपूर्ण पर्यावास जमीन की हालत पर निर्भर है। हमारा भविष्य जमीन की पारिस्थितिकीय रक्षा से जुड़ा है फिर भी 8300 पशु नस्लों में 8 प्रतिशत लुप्त हो चुकी हैं और 22 प्रतिशत खोने को हैं। 1.3 हेक्टेयर वन हर वर्ष गायब हो रहे हैं जबकि शुष्क भूमि का निरंतर विनाश 3.6 अरब हेक्टेयर मरूस्थल हो गया है। इस समय 2.6 अरब लोग सीधे तौर पर खेती पर निर्भर हैं लेकिन 92.00 प्रतिशत खेती की जमीन मिट्टी के विनाश से सामान्य और गंभीर रूप से प्रभावित है। मानवीय गतिविधियों और जलवायु परिवर्तन के कारण वृक्षों का कटाव और मरूस्थलीय कारण सतत विकास में बड़ी चुनौती पैदा करता है और इसने गरीबी से संघर्ष में लाखों लोगों के जीवन की आजीविका पर असर डाला है। जमीन और वन सतत विकास के बुनियादी अंग हैं। पृथ्वी की सतह के 30 प्रतिशत हिस्सें पर वन हैं। यह वन खाद्य सुरक्षा, छत देने के अलावा जलवायु परिवर्तन का सामना करना और जैव विविधता की रक्षा करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। जीव-जन्तुओं, पशु, पौधों और कीटों की कुल संख्या का 80 प्रतिशत से अधिक वनों में निवास करता हैं। इस समय 1.6 अरब लोग भी अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। जमीन पर जीवन के संरक्षण के लिए न सिर्फ स्थलीय पारिस्थितिकीय का संरक्षण करना, बल्कि उन्हें पुनर्जीवित करने तथा भविष्य के उनके संवहनीय उपयोग को बढ़ावा देने हेतु सामूहिक कार्यवाही आवश्यक है।

लक्ष्य-14 में प्राकृतिक पर्यावास का विनाश रोकने, पशुओं की चोरी और तस्करी समाप्त करने तथा पारिस्थितिकीय एवं जैव विविधता मूल्यों का स्थानीय नियोजन एवं विकास प्रक्रियाओं में शामिल करने के लिए तत्काल कार्यवाही करने को कहा गया है। जैव विविधिता के स्थलों का संरक्षण एक असरदार उपाय है।

वर्ष 2014 तक पृथ्वी के 15.2 प्रतिशत थलीय और ताजे जल की पर्यावरण को संरक्षित कर दिया गया था। भारत में वनाच्छादित क्षेत्र 21.8 प्रतिशत है और देश के कुल स्थलीय क्षेत्रों का करीब 5 प्रतिशत संरक्षित क्षेत्र है। दुनिया की 8 प्रतिशत जैव विविधता भारत में है, जिसमें अनेक प्रजातियां ऐसी हैं जो दुनिया में कहीं नहीं मिलती हैं। भारत जैव विविधता समझौते के उद्देश्यों को हासिल करने तथा नागोया प्रोटोकॉल पर अमल में सक्रिय भागीदारी के लिए संकल्पबद्ध है। अन्त में विश्वास के साथ यह कह सकता हूं कि इस विशेष सत्र में मैं भूमि पर, जीवन पर सरकार द्वारा रखे गये पक्ष की ओर से आए सुझावों के साथ हम भूमि पर जीवन के क्षेत्र में और अधिक ऊर्जा के साथ सतत उपयोग को बढ़ावा देने वाली थलीय पारिस्थितिकीय प्रणाली भूमि और जैव विविधता, बढ़ते नुकसान को रोकने का प्रयास करेंगे। मैं जनपद औरैया की दिबियापुर विधान सभा से आता हूं। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने जनपद औरैया की दिबियापुर विधान सभा में एक मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किया है और एक बस अड्डे को भी स्वीकृत किया है। जनपद औरैया की अजीतमल तहसील में रजिस्ट्रार ऑफिस को स्थापित करके सराहनीय काम किया है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

*[07:25] **श्री योगेश धामा**-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 116वीं जयन्ती पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूं। जिस विषय पर मैं आज अपनी बात रखना चाहता हूं वह लैंगिक समानता अर्थात् किसी समाज की वह स्थिति जिसमें संसाधनों और अवसरों की उपलब्धता की दृष्टि से महिला और पुरुष में कोई भेद-भाव नहीं किया जाता। महिला हो या पुरुष सभी को आर्थिक भागीदारी एवं निर्णय-प्रक्रिया में समान रूप से देखा जाता है। सितम्बर, 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक में एजेण्डा 2030 के अन्तर्गत 17 सतत विकास लक्ष्य को रखा गया, जिसमें भारत सहित 193 देशों ने स्वीकार किया, इन 17 लक्ष्यों में लैंगिक समानता को भी शामिल किया गया है। जाहिर है कि हमारे समाज के विकास के लिए लैंगिक समानता कितना महत्वपूर्ण विषय है, महिला और पुरुष मूल आधार होने के साथ-साथ एक सुन्दर और सुरक्षित समाज की वह नींव है, जिस पर विकास रूपी ईमारत बनायी जा सकती है। लैंगिक समानता के बीच में भेद-भाव की सोच समझकर बनायी गयी एक खाई है, जिससे समानता तक जाने का सफर बहुत मुश्किल भरा बन जाता है।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हमारे देश में लैंगिक आधारित भेद-भाव बहुत व्यापक स्तर पर कार्य कर रहा है, जन्म से लेकर मृत्यु तक, शिक्षा से लेकर रोजगार तक, हर जगह पर लैंगिक भेद-भाव साफ-साफ नजर आता है, हमारे लिए यह चिन्ता का विषय है कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम द्वारा 2017 के ग्लोबल जेंडर गैप इन्डेक्स के अनुसार भारत 144 देशों की सूची में 108वें नम्बर पर आता है। ऐसा नहीं है कि लैंगिक भेद-भाव को दूर करने के लिए हमारे देश में कोई कानून नहीं है, रोजगार के क्षेत्र में लैंगिक भेद-भाव को दूर करने के लिए समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 लागू किया जा चुका है, लेकिन कानून लागू होने के बाद भी रोजगार के क्षेत्र में लैंगिक भेद-भाव की गहराई की खाई को स्पष्ट रूप से मापा जा सकता है।

मॉन्स्टर सैलरी इन्डेक्स के 2016 के आंकडों पर नजर डाले तो समझ आता है कि एक जैसे कार्य के लिए भारत में महिलायें 25 फीसदी कम वेतन पाती हैं। गौरतलब है कि जब भी कहीं सड़कों का निर्माण कार्य हो रहा होता है तथा इस कार्य में महिलायें व पुरुष समान भागीदारी से मजदूरी कर रहे होते हैं, तब भी हमें चेतावनी के तौर पर लिखा मिलता है कि ''मैन एट वक्र''। आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि तथाकथित विकसित सभ्यता में लैंगिक समानता की बात आती है तो परिस्थितियां केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में बेहद निराशाजनक हैं, खुद को इक्वीटेबल सोसाइटी कहने वाला विश्व का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका आज तक एक महिला राष्ट्रपति नहीं चुन पाया है। मेरा मानना है कि भारत में लैंगिक समानता का आर्थिक लाभ हो सकता है, अगर महिलाओं के साथ भेद-भाव नहीं किया जायें, तो 2025 तक देश की जी0डी0पी0 में 700 बिलियन यू0एस0 डॉलर का इजाफा हो सकता है। आई0एम0एफ0 के अनुमान के अनुसार देश को श्रम शक्ति में महिलाओं की समान भागीदारी से भारत की जी0डी0पी0 में 27 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

आज भारत की आधे से अधिक महिलाओं के पास सेल फोन नहीं है और 80 प्रतिशत उन्हें इन्टरनेट से नहीं जोड़ पाती, अगर महिलाओं के पास भी पुरुषों जितने सेल फोन हों तो अगले 5 वर्षों में फोन कम्पनियों के राजस्व में 17 मिलियन यू0एस0 डॉलर की बढ़ोत्तरी हो सकती है, महिलाओं को सशक्त बनाने से सामाजिक लाभ भी है, क्योंकि महिलायें अपनी 90 प्रतिशत आय को अपने परिवारों पर खर्च करती है, जिससे बच्चे स्वस्थ्य एवं सुशिक्षित होने पर मानव विकास का स्तर ऊंचा होगा। मैं बताना चाहूंगा कि महिला आधारित विकास को सुनिश्चित करने के लिए जो पहली प्राथमिकता है वह उसके जन्म से शुरू होती है। वर्तमान में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की ''बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं'' योजना और सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों को आर्थिक व सामाजिक रूप से सशक्त करने का काम कर रही है, इसके अतिरिक्त महिलाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार ने मुद्रा योजना के अन्तर्गत बिना किसी प्रतिबद्धता के कर्ज उपलब्ध कराने का कार्य किया है। इस योजना से बांटे गये कर्ज में महिलाओं की कुल हिस्सेदारी 75 प्रतिशत है, इस योजना के अन्तर्गत आने वाले 14 करोड़ लाभार्थियों में 9.81 करोड़

महिलाएं हैं। महोदय, अगर हम केन्द्र सरकार के अन्तरिम बजट 2019 पर ध्यान आकर्षित करें तो महिला व बाल विकास क्षेत्र में इस बार का बजट पिछले वर्ष की तुलना में 29165 करोड़ रुपए से अधिक है।

श्री अधिष्ठाता -

मान्यवर, कृपया समाप्त करें।

श्री योगेश धामा-

मान्यवर, अभी थोड़ा समय लगेगा। प्रधानमंत्री जनधन योजना में महिलाओं के 16.42 करोड़ खाते खोले गये हैं, यह वित्तीय समावेश के होने में बड़ी सफलता को दिखाता है। इसके अतिरिक्त खेलो इंडिया योजना के अन्तर्गत भारत सरकार महिलाओं की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष ध्यान दे रही है। मान्यवर, लैंगिक समानता को लेकर महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा चलायी गयी प्रभावशाली योजनाओं के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करना चाहूंगा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय योगेश जी कृपया समाप्त करें।

श्री योगेश धामा-

मान्यवर, 40 फीसदी महिलाओं को नौकरी देने वाले उद्योगों को लाभ मिलने की मा0 मुख्य मंत्री जी की घोषणा से निश्चित तौर पर महिलाओं की उद्योग जगत में भागीदारी बढ़ेगी।

श्री अधिष्ठाता -

कृपया समाप्त करें।

श्री योगेश धामा-

मान्यवर, फिर मैं इसे छोड़कर अपने क्षेत्र की बातें बता देता हूं। मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, मैं सदन के माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में उनके द्वारा पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं-राजकीय डिग्री कॉलेज, आई0टी0आई0 कॉलेज, पुलिस चौकी, रोडवेज बस अड्डा, ट्रांसमिशन सबस्टेशन निर्माण इन सभी पर बहुत तेजी से कार्य प्रगति पर है। मा0 ऊर्जामंत्री जी यहां पर बैठे हैं तो मैं कहना चाहूंगा कि यह जो ट्रांसमिशन सब-स्टेशन का हमारे यहां निर्माण हो रहा है तो इसमें जो एक इंजीनियर हैं ट्रांसमिशन के, उन्होंने अधिग्रहण करने की गांव की जमीन चार गुना रेट पर होती है उन्होंने सांठगांठ करके उसमें डेढ़ दो करोड़ रुपए की हानि सरकार को पहुंचाने का काम किया है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय योगेश जी, अब आप कृपया समाप्त करें। केवल एक मिनट में समाप्त करें।

श्री योगेश धामा-

मान्यवर, उसे मैं बाद में आपसे मिलकर बताऊंगा। मान्यवर, इसके अतिरिक्त मैं बागपत की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मान्यवर, बागपत यमुना नदी के तट पर बसा हुआ है। बागपत से सोनीपत और पानीपत के यमुना खादर के करीब 50 किलोमीटर की सीमा सटी हुई है। यमुना की धार बदलते रहने के कारण दोनों तरफ के हजारों किसानों की 45 सौ हेक्टेयर भूमि सीमा विवाद में फंसी हुई है जिसमें बागपत के किसानों का 2850 हेक्टेयर व हरियाणा के किसानों का 1750 हेक्टेयर भूमि पर विवाद है। इस जमीन विवाद में बागपत के लगभग 25 गांव प्रभावित हैं। महोदय, सन 1979 में तत्कालीन केन्द्र सरकार में कृषि मंत्री उमा शंकर दीक्षित की अध्यक्षता में समाधान के लिए अवार्ड का गठन किया गया था, जिसे दीक्षित अवार्ड माना गया। वर्ष 1974 की यमुना धार को आधार मानकर सीमांकन कराया जाये, इसके बाद यमुना खादर में सीमांकन कर खम्बे लगवा दिये गये जिन्हें कुछ दिनों बाद हरियाणा के किसानों ने गायब कर दिया। भूमि के पूरे रिकार्ड का आदान-प्रदान अभी तक भी नहीं किया जा सका है। इस भूमि विवाद को लेकर समय-समय पर हरियाणा और उ0प्र0 के किसानों के बीच संघर्ष होता आया है। 20 नवम्बर, 1997 को दोनों तरफ के किसानों के बीच गोलीबारी में बागपत के कुर्डी गांव के किसान की मौत होने के अतिरिक्त 20 अक्टूबर, 1998 को हरियाणा के किसानों ने बागपत के नंगला बहलोलपुर गांव में फायरिंग कर करीब 80 मकानों को आग के हवाले कर दिया गया था। मान्यवर, इस विवाद का हल शीघ्र कराया जाय इसके अतिरिक्त हम पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मांग करते हैं और वहां पर हाई कोर्ट बेंच की भी मांग करते हैं। आपने समय दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

[07:34] औद्योगिक विकास मंत्री (श्री सतीश महाना)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने हमें बोलने का अवसर दिया। मान्यवर, 02 अक्टूबर को पूज्य महात्मा गांधी जी के डेढ़ सौ वर्ष की जयन्ती मनायी जा रही है। गांधी जी ने अपना जीवन समाज और देश के लिए समर्पित कर दिया था, मनुष्य और अन्य प्राणियों में यही अन्तर होता है कि अन्य प्राणी केवल अपने लिए जीता है और सम्पूर्ण मनुष्य वह होता है जो समाज के लिए जीता है और विशेष रूप से समाज के उस वर्ग के लिए जो गांधी जी ने नारा दिया था अन्त्योदय से सर्वोदय तक का। विकास की पंक्ति में खड़े उस अन्तिम व्यक्ति की चिंता गांधी जी ने की थी और उसके बाद सबका उदय होने की बात कही थी। ऐसे पूज्य गांधी जी की जयन्ती पर उनको स्मरण करते हुए हम सभी लोग उनको

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्रद्धांजलि देते हैं। इस देश के प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का भी कल जन्मदिन था, उनकी जो सेवाएं रहीं प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने जो कीर्तिमान स्थापित किये, ताशकन्द समझौते के लिए गये थे दुर्भाग्य से उनकी मृत्यु हो गई थी, पूरा देश शोकाकुल हो गया था। किसान को आगे बढ़ाने का उन्होंने संकल्प लिया था, किसान इस देश का अन्नदाता है उस नाते से यह देश पूज्य शास्त्री जी के प्रति भी श्रद्धांजलि और श्रद्धासुमन अर्पित करता है।

जैसा मैंने निवेदन किया कि विकास की अन्तिम पंक्ति में खड़े अन्तिम व्यक्ति का उत्थान हो, गांधी जी के बाद कई ऐसे विचारक हुए जिन्होंने समाज के लिए काम किया उसमें हम पंडित दीन दयाल जी को मानते हैं उनका हम बहुत श्रद्धा के साथ नाम लेते हैं उन्होंने कम आयु में ही समाज के काम के लिए अपने आपको समर्पित किया, अपने लिए कुछ नहीं किया। बड़े पद पर रहते हुए जिस तरह से वह साधारण तरीके से जिये, उनका भी यही लक्ष्य था कि वह अन्तिम व्यक्ति जिसके पैरों में बिवाइयां हों, छाले पड़े हों, जिसकी चिन्ता करने वाला कोई न हो उसकी चिन्ता करो। ऐसे महापुरुषों को सदियों तक याद किया जाता है, जो व्यक्ति अपने लिये जीता है, बहुत सारे संसाधन इकट्ठे कर लेता है, उसको कोई याद नहीं रखता है इसलिए महापुरुषों के जैसी मनुष्य की प्रवृत्ति होनी चाहिए। गांधी जी ने स्वराज का नारा दिया, अहिंसा का नारा दिया और अहिंसा के माध्यम से उन्होंने इस देश को आजाद कराया। कल माननीय अध्यक्ष जी भी इस बात को कह रहे थे कि जिस ब्रिटेन से उन्होंने हिन्दुस्तान को आजाद कराया था आज उसी ब्रिटेन के पार्लियामेंट के सामने पूज्य बापू जी की प्रतिमा लगी थी। तो मान्यवर, मनुष्य का व्यक्तित्व उससे बड़ा होता है उस विशाल और विराट व्यक्तित्व के पूज्य गांधी जी को आज हम श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। गांधी जी की चिन्ता रोजगार की थी, विशेष रूप से उस गांव में रहने वाले व्यक्ति की। उन्होंने कुटीर उद्योग प्रारम्भ किये, उन्होंने सूक्ष्म उद्योग प्रारम्भ किये, गांव में रहने वाले व्यक्ति को वहीं पर रोजगार मिले। दुनिया में मान्यवर, बहुत तेजी से शहरीकरण बढ़ा है, जितने डेवलप कन्ट्रीज हैं वहां 50 से 60 परसेंट शहरों में लोग रहते हैं, वहां गांव में लोग कम रहते हैं, उनकी खेती का प्रतिशत 2-3 परसेंट ही है। हम बड़ी तेजी से खेती में प्रगति कर रहे हैं आज हमारा देश स्वावलंबी है।

आज से कुछ वर्ष पूर्व हम देखें तो कभी-कभी एक ऐसा अवसर आया था तो लोग कहते थे कि जितना खाद्यान्न आवश्यक है वह हमें नहीं मिल रहा है, तो उस विचार को लेकर उस गांव में ही उसको रोजगार मिले। स्वरोजगार के माध्यम से, कुटीर रोजगार के माध्यम से मैं इसको अपनी संस्कृति के साथ भी जोड़ना चाहता हूं जिस समय घर में एक परिवार के अन्दर हमारी बहनें, बेटियां, महिलाएं एक साथ बैठ कर पापड़ बनाने का और बहुत सारे काम करती थीं उसमें परिवार भी एक गठबंधन के अन्तर्गत आ जाता था जैसे सास-बहू-ननद-भौजाई-देवरानी-जेठानी सब एक साथ बैठ कर बात करती थीं और काम करती थीं तो परिवार का एक सुन्दर स्वरूप भी होता था। दुर्भाग्य से समय और काल के साथ यह समाप्त होता गया और

उससे समाज में भी विकृतियां आयीं। उस समाज की एकता को बनाये रखने का जो विचार पूज्य गांधी जी के मन में था वह उस कुटीर उद्योग के माध्यम से डेवलप किया। जैसा मैंने कहा कि मनुष्य प्रगतिशील है और प्रगतिशील जब से यह सृष्टि बनी है तब से है। आज हम हवाई जहाज की बात करते हैं, तो उस समय पुष्पक विमान था। आज ब्रिजेज की बात करते हैं उस समय रामसेतु था जिसे आज हमारे साइंटिस्टों ने प्रमाणित किया है।

आज हम बात करते हैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जब राज्याभिषेक हुआ था तो कितने वस्त्रों से और रत्न जड़ित आभूषणों से सुशोभित किया गया था तो यह तब से चला आ रहा है। अगर उससे और आगे की बात करें तो 1500 बी0सी0 पूर्व यह पूरी दुनिया में कहा जाता था कि हिन्दुस्तान का बना हुआ कपड़ा है वह पूरी दुनिया में प्रयोग होता था। जब मानव सभ्यता शुरू हुई उस समय मानव तन को ढकने के लिए पत्तियों का इस्तेमाल करता था बाद में जानवरों की खालों का इस्तेमाल करने लगा लेकिन कपड़ा बनाने की शुरूआत हमारे देश में 1500 ई0पू0 से हुई। मार्डनाइजेशन बढ़ता गया और मार्डनाइजेशन के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की टेक्नोलॉजी आती गई और पहला उद्योग यहां लकड़ी के कोयले से लोहा बनाने का शुरू हुआ। हमारे देश में टेक्नोलॉजी आई, आज जिस समय लोहे की बात होती है तो कुतुबमीनार के पास जो लोहा लगा हुआ है वह सदियों से लगा है और आज भी उस पर किसी प्रकार का जंग नहीं लगा है और आगे भी उस पर जंग न लगने का अनुमान है। हमारे देश के अन्दर मान्यवर, जो तलवारें बनीं, ढाल बने, महाराणा प्रताप जी 76 किलो का कवच और ढाल लेकर चलते थे। यहां प्रसिद्ध तलवारें थीं और सारे इक्यूपमेंट्स देश में बनते थे। यूरोप में जिस समय औद्योगिक क्रान्ति आयी और कारखाने लगे तो सब लोग उनकी ओर बढ़ गये लेकिन हमारे देश में ऐसा नहीं हुआ, हमारे देश में छोटे कुटीर उद्योग, रोजगार आधारित उद्योग और मार्डनाइजेशन साथ-साथ चलता रहा।

1854 में सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना कलकत्ता में की गई थी और पहली बार सफल जूट उद्योग का वहां पर काम हुआ था उसके बाद टेक्स्टाइल का काम बढ़ा, उसके बाद मुम्बई में गया, चेन्नई में गया, इन क्षेत्रों में जाने का कारण था कि वहां पर पोर्ट थे, वहां से सामान आता था और एक्सपोर्ट भी हो जाता था। धीरे-धीरे बढ़ता हुआ देश के अन्य क्षेत्रों में गया, कानपुर में भी भारत सरकार के द्वारा टेक्सटाइल मिलें लगाई गईं और उन टेक्सटाइल मिलों के माध्यम से जो कपड़ा बनता था वह दुनिया भर के अन्दर जाता था। गवर्नमेंट जो मिल लगाती है और जो प्राईवेट सेक्टर के अन्तर्गत मिलें लगती हैं तो उसमें कहीं न कहीं अन्तर होता है। उसको चलाने में, उसकी व्यवस्था में, उसके प्रोड्यूस में तो सरकार के द्वारा जो टेक्सटाइल मिलें चलाई गई थीं उस पर कहीं न कहीं ग्रहण लगा जो दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन मार्डनाइजेशन के नाते से वह इंडस्ट्री दूसरी इंडस्ट्री में शिफ्ट हो गईं। आज उत्तर प्रदेश में कानपुर 50 प्रतिशत से ज्यादा खाने का तेल एडिबल ऑयल जितना उत्तर प्रदेश में होता है वह

प्रोड्यूस करता है। आज खाने के मसालों की इंडस्ट्री बढ़ी, साबुन की इंडस्ट्री बढ़ी, चमड़े का रोजगार बढ़ा तो मान्यवर, शिफ्ट करने का युग चला और नई प्रकार की इंडस्ट्रीज आती गईं। आज हम इलेक्ट्रॉनिक्स की बात करते हैं तो एक जमाने के अन्तर्गत जब माननीय प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि इम्पॉवर इंडिया, तो जब इम्पॉवर इंडिया की उन्होंने बात की तो इम्पॉवर फॉर इम्पॉवरिंग इंडिया, हर स्टेट को उसमें योगदान देना है। और जब हर स्टेट को योगदान देना है तो उसमें उत्तर प्रदेश का सबसे ज्यादा महत्व इसलिए होता है क्योंकि हम सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले स्टेट हैं सबसे ज्यादा हमारे पास कन्ज्यूमर मार्केट है, सबसे ज्यादा हमारे पास फर्टाइल लैण्ड है। उत्तर प्रदेश की इण्डस्ट्री को जिस प्रकार का मूव मिलना चाहिए था दुर्भाग्य से नहीं मिला। मैं यहां किसी की आलोचना करने के लिए नहीं खड़ा हूं लेकिन यह जरूर बताने के लिए खड़ा हूं कि जो उत्तर प्रदेश की असली छवि थी वह देश और दुनिया के सामने नहीं रखी गयी।

उत्तर प्रदेश की एक खराब छवि के माध्यम से देश और दुनिया को यह बताया गया कि यू0पी0 में इंडस्ट्री लगाने का मतलब है कि किसी न किसी प्रकार की मुसीबत ले लेना। लेकिन उत्तर प्रदेश के जैसी फर्टाइल लैण्ड देश में कहीं नहीं है, उत्तर प्रदेश के जैसा अंडरग्राउंड वाटर और सरफेस वाटर पूरे देश में नहीं है, उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा बिल प्रोड्यूसिंग स्टेट है। उत्तर प्रदेश कई आयामों में सबसे ज्यादा है और आज हम बड़े गर्व के साथ कह सकते हैं कि जिस समय प्रधानमंत्री जी के द्वारा न्यूयार्क में। आज हम बड़े गर्व के साथ कह सकते हैं कि जिस समय प्रधानमंत्री जी के द्वारा न्यूयार्क में 16-17 सस्टेनेबल गोल्स की बात करी गयी थी उसको आज आगे बढ़ाने के लिए हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो पहल करी है कि लगातार पॉजिटिव चर्चा हो और पॉजिटिव चर्चा होने से हम उस मंथन में से क्या निकाल सकते हैं जिसके कारण हम इस प्रदेश के विकास के लिए और देश में सहयोगी बन सके। आज इन्डस्ट्रियलाईजेश की बात करे तो 2014 के बाद एक नए युग का प्रारम्भ हुआ है जब हमारे प्रधानमंत्री जी ने कहा कि मेक इन इंडिया। उन्होंने हर छोटे रोजगार के लिए कहा कि हर एक व्यक्ति को रोजगार देने वाला बनना चाहिए। वह मुद्रा लोन योजना, स्टैंडअप इंडिया योजना, स्टार्टअप इंडिया योजना लेकर आए।

इस प्रकार कईं योजनायें जो सीधा उद्यमियों से जुड़ी हुई थीं, कुटीर उद्योगों से जुड़ी हुई थीं, छोटे इन्डस्ट्री से जुड़ी हुई थीं लेकर आए थे। आज से 20-30 साल पहले की बात करें तो बाहर देश में रहने वाला व्यक्ति अगर बाहर से कोई चीज ले आता था तो लगता था कि कोई विदेशी वस्तु ले आया है। विशेष रूप से हमारे नेपाल बार्डर के बहुत सारे मित्र यहां पर बैठे होंगे। हम जब 10वीं में पढ़ते थे तो नेपाल बार्डर पर साबुन, नेल कटर लेने जाया करते थे और उसके बाद जब नई टेक्नोलॉजी शुरू हुई, एक नए युग की शुरूआत हुई तो नया टेलीविजन आया उस समय एक टेलीविजन किसी के घर में होता था तो उस पर आने वाले

चित्रहार को पूरा मोहल्ला देखने जाता था। इस प्रकार टी0वी0 के बाद बी0सी0आर0 आया और अब तो 24 घन्टे 100 चैनल आया करते हैं और यह सारी की सारी टेक्नोलाजी जिस प्रकार से आगे बढ़ रही है वह अतुलनीय है। हमारा देश बहुत अग्रणी स्थान प्राप्त कर चुका है।

आज जैसा कि प्रधानमंत्री जी ने मेक इन इंडिया को कहा है। मेक इन इंडिया के माध्यम से पूरी दुनिया भर के लोगों ने कहा कि नहीं इसको और आगे बढ़ाना है और आज हमारे देश में 2014 के बाद इतनी बड़ी संख्या में कंपनियां आई हैं जिसके कारण हिन्दुस्तान में हम पनपे हैं। उत्तर प्रदेश में एक मोबाईल कंपनी ने 12 करोड़ के मोबाइल बनाये हैं और आज उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया के अन्दर हम वह मोबाइल सप्लाई कर रहे हैं। आज हम बड़े गर्व के साथ कह सकते हैं कि मेक इन इंडिया टू सप्लाई फॉर वुड आफ द वर्ल्ड, आज हम पूरी दुनिया में सप्लाई करने की स्थिति में हैं। अभी पिछले दिनों मैं लंदन गया हुआ था तो वहां पर मुझे अच्छा लगा कि जो बड़ी-बड़ी कंपनियां डिफेन्स सेक्टर के अन्तर्गत काम करती हैं, आज वह सोच रही है कि पूरे साउथ ईस्ट एशिया के मार्केट को छोड़कर हिन्दुस्तान में अपनी मार्केट लगायी जाये।

आज विदेशों से भी लोग अपनी कंपनी लगाने के लिए हिन्दुस्तान आ रहे हैं, उनको अवसर मिल रहा है और जिस समय उस अवसर की बात होती है, उस अवसर को आगे बढ़ाने के लिए जो भारत सरकार योजनायें ला रही है उस योजना में विशेष रूप से अभी जो कॉरपोरेट टैक्स कम किया गया है, 25 प्रतिशत फ्लैट कर दिया गया है। इधर अक्टूबर से लेकर 2024 तक जो भी नई इन्डस्ट्री लगायेगा उसको 15 प्रतिशत टैक्स देना है। इतना लो टैक्स स्ट्रैक्चर मान्यवर, पूरी दुनिया में कहीं भी नहीं है। पूरी दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां पर टैक्स 40 से 50 प्रतिशत तक देना पड़ता है। आज हर चीज को इस बात को देखते हुए कि कैसे नई योजना लाए, निर्यात संवर्धन के लिए बात करी जाये, आवासीय क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों की बात करी जाये और सबसे महत्वपूर्ण बात यहीं है इट इज गोइंग बिजनेस इसका मतलब यह है कि व्यक्ति पहले उत्तर प्रदेश में आता था अगर किसी को इन्डस्ट्री लगानी होती थी तो लोग कहते थे कि हमे इन्डस्ट्री लगानी है फिर वह किसी जिम्मेदार व्यक्ति के पास जाता था। चाहे वह प्रशासनिक तंत्र हो, चाहे वह राजनीतिक तंत्र हो तो जो इन्ट्रेस्ट होता था वह दो इन्डविज्युअल के बीच में होता था। दो इन्डविज्युअल का इन्ट्रेस्ट मैं इसलिए कहना चाहता हूँ कि जो इन्डस्ट्री लगाने जाता था वह किसी व्यक्ति के पास जाता था और वह कहता था कि आप क्यों इन्डस्ट्री लगाना चाह रहे हैं, वह कहता था कि मैं अपनी इन्डस्ट्री को बढ़ाना चाहता हूँ इसलिए लगाना चाह रहा हूँ और दो पैसे कमाना चाहता हूँ। लेकिन आज दो व्यक्तियों का इन्ट्रेस्ट नहीं है, आज देश के प्रधानमंत्री जी ने जो नारा दिया है जिसको उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी आगे बढ़ा रहे हैं।

आज इन्ट्रेस्ट है कि अगर इन्डस्ट्री लगेगी तो रोजगार मिलेगा, जी0डी0पी0 बढ़ेगी, टैक्स रिवेन्यू बढेगा आज इन्डस्ट्री को इस नाते से देखा जाये कि प्रदेश की उन्नति के लिए देखा

जा रहा है, रोजगार के लिए देखा जा रहा है और हमने 2017 के अन्तर्गत जो पॉलिसी बनायी है हमने जो इन्डस्ट्रियलाइजेशन के लिए जो इन्सेन्टिव थे उनको केवल इनवेस्टमेन्ट के साथ नहीं जोड़ा है। लेकिन हमने उनको रोजगार के साथ जोड़ा है। हमने कहा है कि जो व्यक्ति जितना रोजगार देगा हम उसको इतना-इतना इनसेन्टिव देंगे। इस प्रकार इनसेन्टिव को रोजगार के साथ जोड़ने की जो हमने पहल करी है उसके नाते हमारे पास बहुत सारे टैक्स यूनिट्स आई हैं। यहां पर ज्यादातर लोगों को रोजगार दिया जा सकता है। आई0टी0 यूनिट्स एक जमाने में कहा जाता था कि आई0टी0 के लिए हैदराबाद हो गया, बैगलूरू हो गया लेकिन आज आई0टी0 के लिए जो सबसे अच्छी जगह है वह उत्तर प्रदेश के अन्दर है।

हम कहना चाहते हैं कि गांधी जी ने कहा था कि हम सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं और उस समय सबको साथ लेकर चलना उसी बात को हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका साथ, सबका विश्वास को लेकर मैं इस बात को कहता हूँ कि अगर किसी व्यक्ति को दूर तक जाना है तो वह अकेला दौड़ता है और अगर किसी व्यक्ति ने कहा कि वह लगातार चलना चाहता है और दूर तक जाना चाहता हैं लेकिन इस ड्राइव को क्रियेट करने का काम हमारे देश के प्रधानमंत्री जी देश में करते हैं और प्रदेश में हमारे मुख्य मंत्री जी करते है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि उसको करने के लिए फिर क्या होगा क्यों लिया, उसके पीछे कारण क्या था उसके पीछे कारण यह था कि इन्डस्ट्रीज यू0पी0 में आती नहीं थी, लॉ एण्ड आर्डर नहीं था, बिजली नहीं थी, लोगों को बिजली मिलती नहीं थी। मैं इस बात को कहता हूँ कि गांव में जब किसान को अपने खेत में पानी देना होता था तो, पिछले दो साल हुए होंगे कि किसान को सर्दी में रात को जागना नहीं पड़ रहा है क्योंकि उसको पता है कि हमने दिन में पानी दे दिया है, नहीं तो वह सारी रात जागता रहता था और सोचता रहता था कि कब बिजली आएगी और कब खेत में पानी लगायेंगे। एक माहौल बनाया गया है इसके लिए सड़कों का जाल बिछाने का काम किया है। आज ऐसा माहौल पूरे देश में कहीं भी नहीं है। अभी प्रधानमंत्री जी ने घोषणा करी है कि हम डिफेन्स इन्डस्ट्रियल कॉरीडॉर बनायेंगे जिसके साथ ही साथ वहां पर एक्सप्रेस वे का भी काम शुरू करने की उन्होंने घोषणा की है। इसका टेण्डर हो गया है, अगले माह से इस पर कार्य चालू हो जायेगा। आज पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर तेजी से काम चल रहा है, अगले साल हम इसको पूरा कर देंगे। हमारे देश के वर्तमान उप राष्ट्रपति आदरणीय वैंकेया नायडू कहते है कि हमारे देश में रोड होगी और गांव में सड़क होगी तो वहां पर ऐक्टर भी जायेगा, कलेक्टर भी जायेगा और ट्रैक्टर भी जायेगा तो सड़क ही नहीं होगी तो जायेगा ही कौन? उन गांवों को सड़कों के साथ जोड़ने का काम तत्कालीन प्रधानमंत्री आदरणीय अटल बिहारी वाजपेई जी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत् की थी।

प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई जी ने इस देश को चारों तरफ से जोड़ने का काम किया था, इतिहास बदलने का काम उन्होंने किया था, हम वर्षों से और सदियों से इतिहास पढ़ते आए थे कि इस देश में सबसे लम्बी मील की सड़क किसने बनायी थी तो शेरशाह सूरी

का नाम कई पीढ़ियों से पढ़ते हुए आए थे, और 1500 नहीं 15000 किमी0 सड़क बनाने का संकल्प श्री अटल बिहारी वाजपेई जी ने किया था। उसको अब तेजी के साथ आगे बढ़ाने का काम आज हमारे देश के प्रधानमंत्री जी कर रहे हैं, विकास कर रहे हैं। अब हमने पॉलिसी ऐसी बनायी हैं।

आज इन्डस्ट्रियलाइजेशन के नए युग की शुरूआत हो रही है। 2017 से पहले यू0पी0 में इन्डस्ट्रियलाइजेशन की कोई बात नहीं करता था। हमें एक बात याद आती है कि हमारे बहुत सारे मित्र जो कि मीडिया के हैं तो जब मुझे यह विभाग मिला तो वह लोग मेरे पास आए और कहें कि आपको बड़ा खराब विभाग मिला है। लेकिन आज मुझे इस बात का गर्व है कि मेरे वहीं मित्र आज कहते हैं कि आपको सबसे अच्छा विभाग मिला है। आज उत्तर प्रदेश के अन्दर जितने विभाग है, वह पूरे देश और दुनिया के अन्तर्गत एक अपना नाम बना रहे है और सबसे महत्वपूर्ण बात है कि एक साल के अन्दर ही हमने इतना बड़ा इनवेस्टर समिट किया जिसकी धाक और गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। 5 महिने के अन्दर हमने दूसरी ग्राउन्ड मीटिंग करी और एक साल के अन्दर ग्राउन्ड मीटिंग करी। इतना बड़ा इनवेस्टर समिट मान्यवर मैंने जैसे बोला कि हम किसी के साथ कम्पैरिजन नहीं कर रहे हैं किसी को छोटा कहकर हम अपने को बड़ा नहीं कहना चाहते हैं लेकिन हम बड़ा काम करके अपने आप को जरूर बड़ा करना चाहते हैं। क्योंकि इतना 15 वर्षों के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में इन्वेस्टमेन्ट आया था, उसको 2 से गुणा कर दिया जाये तो उतना ढाई साल में इन्वेस्टमेन्ट उत्तर प्रदेश में आ चुका है। आज पहली बार हमने एक निवेश मित्र डेवलेप किया है। निवेश मित्र के माध्यम से आदमी अपने घर पर बैठकर उसको जो भी इन्डस्ट्री लगानी है उसके ऊपर जाकर हर सेक्टर की हमने पॉलिसी बनायी है। इण्टरफेस को हमने अब कम किया है और उसके कारण इन्डस्ट्री के माध्यम से एक विश्वास पैदा हुआ है कि अब हम उत्तर प्रदेश में इन्डस्ट्री लगाने जायेंगे तो हमें किसी भी प्रकार की कोई भी कठिनाई नहीं होगी।

आज मैं आपके समक्ष बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ तो मैंने आपको बताया कि हमारा यू0पी0 फूड बास्केट के नाम से जाना जा रहा है। आज से 10-15 साल पहले जब हम किसी दुकान पर जाते थे तो देखते थे कि जलेबी या किसी अन्य मिठाई पर मख्खियां भिन-भिनाया करती थीं लेकिन आज वहीं मिठाईयां पैक होकर दुकानों में बिक रही हैं। सारी की सारी बड़ी कंपनियां जो हमारे हिन्दुस्तान में हैं, वह चाहे नमकीन बनाती हो, चाहे बिस्कुट बनाती हो, चाहे टॉफी बनाती हों, हर चीज बहुत ही व्यवस्थित हो चुकी है। आज हमारे प्रदेश में बहुत ज्यादा अवसर हैं काम करने के लिए। अगर हम देश होते तो दुनिया में हम चौथे देश होते जनसंख्या के आधार पर तो ऐसे देश जो 6 करोड़, 7 करोड़ की पॉपुलेशन के आधार पर जब वह आगे बढ़ सकते थे तो आज हमारी जनसंख्या हमारी जो मैनपॉवर के रूप में एक पॉजिटिव कैसे उपयुक्त हो सकती है, इसकी ओर हमारी सरकार काम कर रही है और हर आदमी की

भागीदारी करने की बात करते हैं। इसके अलावा किसान की आय को दुगना करने का संकल्प जो प्रधानमंत्री जी ने लिया है उसको वहीं पर उसी स्थान पर जो जिस प्रकार के क्षेत्र के अन्तर्गत जो उपज होती है उसी से सम्बन्धित अगर वहां पर इन्डस्ट्री लगाते हैं तो हमने इस पर भी इन्ट्रेस देने की बात कहीं है। देश की आजादी के बाद से लेकर अभी तक दो लाईने चलती थी, उसी पर माल गाड़ी चलेगी, उसी पर सवारी गाड़ी चलेगी उसी पर पैसेन्जर गाड़ी चलेगी। भारत सरकार ने कहा कि हम सभी के लिए अलग से लाईन बनायेंगे। इसके कारण रफ्तार में तेजी आएगी, विकास में तेजी आएगी और उसके साथ-साथ अमृतसर और कलकत्ता इन्डस्ट्रियल कॉरीडोर और मुम्बई इन दोनों की संरचना करेंगी।

इन दोनों के किनारे इण्डस्ट्रियल हब बनाने की बात है, यहां पर पिछले दिनों गवर्न्मेण्ट ऑफ इण्डिया में मीटिंग थी, उस मीटिंग के आधार के ऊपर उत्तर प्रदेश के तीन महत्वपूर्ण रोड्स के ऊपर बड़े इण्डस्ट्रियल एरिया डेवलप करने का विचार चल रहा है। तो जिस समय इण्डस्ट्रियल रोड्स बनेंगे, इण्डस्ट्रीज लगेंगी तो वहां पर स्वभाविक रूप से उसकी रौनक आयेगी। इसके लिए सड़कों का जाल बिछाना है। सौभाग्य से दिल्ली में नई इण्डस्ट्रियल फ्रन्ट कॉरीडोर अमृतसर-कोलकाता इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर, बुलाकी (ग्रेटर नौएडा) में एक ही स्थान पर आकर मिलते हैं। जो अमृतसर से सामान आ रहा है अगर उसको कोलकाता आना है तो इस रास्ते पर जा सकता है। अगर मुम्बई आना है तो बुलाकी के इण्टरसेप्शन से वह दूसरी जगह भी जा सकता है। इस नाते से इन सड़कों का जाल बिछाने का काम किया गया है। दिल्ली-मेरठ लिंक-वे है, अब मेरठ 40-45 मिनट में पहुंचा जा सकता है। जब व्यक्ति वहां पहुंचेगा तो वहीं पर अपना काम ढूंढेगा। अब दिल्ली से निकलकर उत्तर प्रदेश में इण्डस्ट्री की बात करने के लिए लोग आ रहे हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे की सबसे महत्वपूर्ण घोषणा माननीय मुख्य मंत्री जी ने की है। मेरे पास बहुत सारे विषय हैं और मैंने एक-डेढ़ घण्टे से लगभग दो घंटे तक अपनी बात रखी लेकिन तब भी नहीं रख सका। मा0 अधिष्ठाता जी, मैं आपका इशारा समझ रहा हूं। लेकिन हम इस बात को कह सकते हैं कि आज इण्डस्ट्रीज के बिना देश और प्रदेश की प्रगति नहीं हो सकती।

इण्डस्ट्रिलाइजेशन के एक नये युग की शुरूआत आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश में हुई है। हम इसको पारदर्शी बनायेंगे, नई इनोवेशन्स हो रही हैं। हम रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेंटर्स को बढ़ाने की बात करते हैं। हम डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर के अन्तर्गत हम आर0एण्ड डी0 के सेण्टर्स बनाने की बात करते हैं। बड़ी एंकरयूनिट्स बनाने की बात करते हैं। चारों तरफ से जिस समय इण्डस्ट्रिलाइजेशन के साथ हम आगे बढ़ेंगे तो हम उस संकल्प/विचार को कि इस देश को समृद्धशाली होना चाहिए, उस विचार को कि इस देश में हर व्यक्ति को रोजगार मिलना चाहिए, उस विचार को कि हर गरीब आदमी की भागीदारी होनी चाहिए। उस नाते से हमारी सरकार काम कर रही है और जो पूज्य गांधी जी का सपना था जिसको आगे बढ़ाने का काम हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ

में जो 17 प्वाइंट थे, एक प्वाइंट हमारे लिए नहीं है क्योंकि वह समुद्र से संबंधित है, तो इन 16 सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट गोल्स के लिए जो उन्होंने बात कही थी और उसका लक्ष्य 2030 तक रखा था। आज उत्तर प्रदेश सरकार इण्डस्ट्रीज के नाते से 2024 तक उस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपना रोड-मैप बनायेगी, उसके ऊपर विचार करेगी और रोड-मैप बनाने के अनुसार उसके अनुरूप हम काम करेंगे तो उत्तर प्रदेश के इण्डस्ट्रिलाइजेशन के एक नये युग की शुरूआत होगी जो देश के विकास में भागीदार बनकर जो इम्पॉवरिंग इण्डिया की बात होती है, जो भारतवर्ष दुनिया के अन्दर मशहूर था, विश्वगुरू के स्थान पर स्थापित था उस ओर देश को बढ़ाने का काम आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी कर रहे हैं, उसको उत्तर प्रदेश में हमारे मा0 मुख्य मंत्री योगी जी बढ़ा रहे हैं और हम सब सिपाही के नाते से उस यात्रा में अपनी भागीदारी कर सकेंगे ऐसा मुझे विश्वास है। मैं पुनः पूज्य महात्मा गांधी जी व श्रद्धेय शास्त्री जी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[*] **[08:02] श्री विजेन्द्र सिंह-**

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे इस विशेष सत्र में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर बोलने का शुभअवसर दिया, मैं इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं। मा0 अध्यक्ष जी मेरा बोलने का टॉपिक 'लैंगिक समानता' पर था लेकिन अगर मैं उस पर बोलूँगा तो जो मेरी कुछ मूलभूत समस्यायें हैं वह रह जायेंगी। माननीय अधिष्ठाता जी, मेरे यहां एन0आर0ई0सी0 महाविद्यालय को पूज्यनीय प्रो0 राजेन्द्र सिंह रज्जू भईया के नाम से विश्वविद्यालय बनाये जाने की मांग करता हूं। मा0 अधिष्ठाता जी, एन0आर0ई0सी0 कॉलेज की स्थापना राय बहादुर सेठ नत्थी मल जी एवं उनके अनुज राम सहाय मल जी ने 22-03-1901 को छोटे सरस्वती मंदिर के रूप में दिनांक 14-12-1904 ई0 में एक छोटे से भवन में शिक्षण कार्य प्रारम्भ हुआ। मा0 अधिष्ठाता जी, आज महाविद्यालय में चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से सम्बद्ध कला, वाणिज्य, विज्ञान, विधि और शिक्षा संकाय के सभी विषयों का अध्ययन होता है। महाविद्यालय के सभी विभाग पी0एच0डी0 उपाधि हेतु शोध कार्य के केन्द्र स्वीकृत हैं। इस क्षेत्र का यह प्राचीनतम कॉलेज है जो 80 एकड़ के विस्तृत प्रांगण में फैला हुआ है। कॉलेज में 14 स्नातकोत्तर एवं 4 स्नातक स्तर के विभाग हैं। कॉलेज में विशाल पुस्तकालय, तरणताल, अतिथि गृह एवं लैब हैं। महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बंगलौर ने 'ए' ग्रेड प्रदान किया है और सी0पी0ई0 का स्टेटस् इस वर्ष प्रदान किया गया है।

वर्तमान में जनपद बुलन्दशहर की जनसंख्या 40 लाख है जिसमें युवाओं की संख्या लगभग 65 हजार है। प्रतिवर्ष लगभग 32 हजार युवा इण्टर पास करते हैं जबकि स्नातक के लिए केवल 8000 सीटें हैं। वर्तमान में जनपद बुलन्दशहर के डिग्री कॉलेजों की स्थिति यह है कि हर कॉलेज में सीटों से दो गुना आवेदन होते हैं। माननीय अधिष्ठाता जी, जनपद में

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी 65 महाविद्यालय हर वर्ष जिले के महाविद्यालय में विज्ञान वर्ग की 5217 सीटें रहती हैं। वर्ष 2018 में 10056 फार्म भरे गये। कला वर्ग में 14117 सीटें हैं। इस वर्ष 22747 फार्म भरे गये। जनपद के लगभग 14 हजार युवाओं के लिए उच्च शिक्षा की गम्भीर समस्या है। विधि की जिले में 1020 सीटें हैं जबकि 2194 आवेदन आये हैं।

माननीय अधिष्ठाता जी, शिक्षा की दृष्टि से एन0आर0ई0सी0 महाविद्यालय जिले का सबसे बड़ा एवं चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय का पुरातन कॉलेज है। क्षेत्रफल की दृष्टि से तीसरे नं0 का महाविद्यालय है। वर्तमान में कई कल्याणकारी योजनायें क्रियान्वित हैं। जैसे जेवर हवाई-अड्डा जिसका सीधा असर खुर्जा पर पड़ेगा। टी0एच0डी0सी0 1950 मेगावाट का थर्मल पॉवर प्लाण्ट भी खुर्जा नगर के नजदीक स्थित है। खुर्जा नगरी को उ0प्र0 राज्य सरकार ने औद्योगिक नगरी घोषित कर दिया है। माननीय अधिष्ठाता जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि एन0आर0ई0सी0 महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाने की कृपा की जाए। वहां पर आये दिन धरने चलते रहते हैं क्योंकि वहां पर युवाओं में बड़ा रोष है और युवाओं को लेकर मैं महामहिम श्रीराज्यपाल जी से भी मिला और बाद में उप मुख्य मंत्री आदरणीय श्री दिनेश शर्मा जी से भी मिला। माननीय अधिष्ठाता जी, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से भी मिला।

मैं यह चाहता हूं कि मेरे इस जनहित के प्रस्ताव को स्वीकृति देने की कृपा करें, मैं और मेरे क्षेत्र के युवा और क्षेत्र की जनता आपकी सदैव आभारी रहेगी। माननीय अधिष्ठाता जी, मेरी खुर्जा विधान सभा क्षेत्र जहांगीरपुर में एक चीनी मिल है जो वर्ष 1988 में को-ऑपरेटिव सोसाइटी द्वारा स्थापित की गयी थी। उक्त चीनी मिल को सरकार द्वारा किसानों से भूमि अधिग्रहण कर बनवाई गयी थी। यह चीनी मिल लगभग 30 एकड़ भूमि पर बनी हुई है। सोसाइटी द्वारा सदस्यों का गठन भी किया, बिल्डिंग बनवाई, सभी मशीनरी भी लगाई गयी और कर्मचारियों के लिए सोसाइटी द्वारा आवासों का भी निर्माण कराया गया था और उसके बाद यहां वर्ष 1988 से ही कार्य शुरू किया गया। अक्टूबर, 1988 से 1990 तक सभी कार्य ठीक प्रकार से चला मगर कुछ समय उपरांत ही चीनी मिल को बंद कर दिया गया। अब इस क्षेत्र के किसानों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गन्ना जहांगीरपुर से 50 किमी0 दूर स्थित अन्य चीनी मिल पर ले जाना पड़ता है। कभी-कभी तो दूरी के कारण दूसरी मिल पर जब गन्ना नहीं लेते हैं तो यहां के कृषकों का बहुत नुकसान होता है, गन्ना खेतों में ही खड़ा सूख जाता है। मान्यवर, अगर इस मिल को दुबारा से चलवा दिया जाए तो मेरे क्षेत्र के किसानों को बहुत ही लाभ मिलेगा। अगर सरकार द्वारा किन्हीं कारणों से इसका संचालन नहीं हो पा रहा है तो उक्त मिल को किसी प्राईवेट कम्पनी द्वारा संचालित करा दिया जाये तो सरकार को भी उचित लाभ होगा और क्षेत्र के किसानों को अपनी फसल दूर नहीं ले जानी पड़ेगी तथा मिल के चलने से रोजगार भी बढ़ जायेगा। उक्त चीनी मिल के बारे में मैं अपने शुरूआती कार्यकाल में माननीय गन्ना मंत्री श्री सुरेश राणा जी को अवगत करा चुका हूं।

मान्यवर, मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि उक्त चीनी मिल का प्रभावी कार्यवाही द्वारा शीघ्र संचालन कराया जाए जिससे कि क्षेत्र के किसानों की समस्या का समाधान हो सके।

श्री अधिष्ठाता-

अब संक्षिप्त करिये।

श्री विजेन्द्र सिंह-

माननीय अधिष्ठाता जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र खुर्जा का सन् 1967 से कोई भी सीमा विस्तार नहीं हुआ है। खुर्जा के लगभग 26 कॉलोनी और लगभग 45000 व्यक्तियों को कोई भी शहरी सुविधा प्राप्त नहीं है। मेरे पास आये दिन सड़क, पानी, बिजली, खड़न्जा आदि सम्बन्धित शिकायतें आती रहती हैं। मान्यवर, मेरे क्षेत्र नगर पालिका परिषद् खुर्जा का सीमा विस्तार होना आवश्यक है। मा0 अधिष्ठाता जी, मैं आपसे नगर पालिका परिषद् खुर्जा की सीमा विस्तार जल्द से जल्द स्वीकृत करने की मांग करता हूं। माननीय अधिष्ठाता जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र खुर्जा नगर में सेठ श्री गंगा सागर सूरजमल जटिया पॉलीटेक्निक कॉलेज है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब समाप्त करिये।

श्री विजेन्द्र सिंह-

उक्त कॉलेज की लगभग 100 बीघा भूमि खाली पड़ी हुई है जहां पर नगर के कूड़े का ढेर हर समय लगा रहता है। इस रिक्त भूमि की ओर कॉलेज प्रबन्धन का कोई भी ध्यान नहीं है। मान्यवर, अगर उक्त भूमि पर एक पार्क बनवा दिया जाये तो वहां सफाई भी रहेगी और एक पर्यटन केन्द्र भी बन जायेगा। मान्यवर, इस भूमि पर महामंडलेश्वर स्वामी श्री अवधेशानन्द जी का कार्यक्रम भी जनवरी में लगा था लेकिन गंदगी होने के कारण उनके भक्तजन देखने के लिए आये मगर गंदगी के कारण प्रोग्राम स्थगित हो गया।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब समाप्त करिये।

श्री विजेन्द्र सिंह-

माननीय अधिष्ठाता जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र खुर्जा में शिकारपुर मार्ग है, जिस पर अत्यधिक यातायात रहता है जो कि बहुत ही कम चौड़ा है और जर्जर स्थिति में है। उक्त मार्ग अनूपशहर और बदायूँ को भी जोड़ता है। इस मार्ग की लम्बाई लगभग 15 किमी0 है। दोनों विधान सभाओं के लगभग 150 गांवों का यही एकमात्र मार्ग है, जिसका चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण होना अनिवार्य है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब समाप्त करें।

श्री विजेन्द्र सिंह-

माननीय अधिष्ठाता जी, इसी के साथ आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

***[08:15] श्री विकास गुप्ता-**

माननीय अधिष्ठाता जी, आज विधान सभा के इस विशेष सत्र में आपने मुझे बोलने का अवसर दिया मैं इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मैं उनको शत-शत नमन करता हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने देश में अनेक आन्दोलन चलाये और उन आन्दोलनों के माध्यम से जनता को राजनीतिक रूप से जागृत किया तथा अंहिसा का संदेश देशवासियों को देने का काम किया। उसका नतीजा यह हुआ कि आजादी की लड़ाई लड़कर आज हम लोग स्वतंत्र हैं। अपने हर मंच पर अपनी बात रख सकते हैं और पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय लालबहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस पर मैं शत-शत नमन करता हूं। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री हुए उसके बाद से चाहे कानून व्यवस्था हो, चाहे बिजली की समस्या रही हो, चाहे रोड की समस्या रही हो, उनमें हर तरह से सुविधा देने का काम हमारी सरकार ने किया है। गरीबी को दूर करने और छोटे-छोटे कस्बों को मार्गों से जोड़ने का काम हुआ है, ग्राम पंचायतों को ब्लाक से जोड़ने के लिए हमारी सरकार ने काम किया है। एस0सी0/एस0टी0 वर्ग के हित के लिए हमारी सरकार ने स्कीमें चलाई हैं उनको मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हमारी सरकार वचनबद्ध है। गरीबी और अपूर्णता के लिए कौशल विकास योजना का जो लक्ष्य 2020 तक रखा गया है कि एक लाख पचासी हजार और 2024 में 0.80 लाख लोगों को कौशल विकास के माध्यम से ट्रेनिंग देकर नया आयाम देने का काम किया जाएगा। इसी प्रकार से, 2030 में भी 2.00 लाख लोगों को कौशल विकास के माध्यम से लाभान्वित करने का काम करेंगे और गरीबी-उन्मूलन के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 2020 तक जो लक्ष्य है वह बारह लाख बयासी हजार लोगों को लाभ देने का है। इसी प्रकार 2024 में 16 लाख 70 हजार का लक्ष्य रखा है। इसी प्रकार, गरीबी उन्मूलन में कमी के लिए 2024 में एस0सी0आर0 10 प्रतिशत हो जाएगा और हमारे प्रदेश में गरीबी मुक्त होने का काम होगा।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का जो सपना था कि मनरेगा के अन्तर्गत जो भी असहाय, कमजोर मजदूरों को जो काम मिलना चाहिए उसमें हमारी सरकार की प्राथमिकता है। मैं फतेहपुर अयाहशाह 241 विधान सभा क्षेत्र से आता हूं। हमारे 30 माह के कार्यकाल के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं क्योंकि हमारी विधान सभा क्षेत्र में जो भी कार्य उनके नेतृत्व में हुए चाहे शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालयो का कायाकल्प हुआ। प्रधानमंत्री ग्रामीण

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आवास योजना के अन्तर्गत 2017 से 2019 तक 8170 आवास हमारे विधान सभा क्षेत्र में होने का काम हुआ। बिजली के क्षेत्र में भी बहुत काम हुआ। यहां पर ऊर्जा मंत्री जी बैठे हैं, मैं उन्हें इसके लिए धन्यवाद देता हूं। 18 घण्टे से लेकर 20 घण्टे तक बिजली मिलने का काम होता है और जो बहुत-से मजरे विद्युतीकरण से वंचित रह गये थे उनमें भी विद्युतीकरण कराने का काम किया। मैं अपने क्षेत्रवासियों की तरफ से माननीय ऊर्जा मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। इसी प्रकार, खाद्य एवं रसद विभाग की ओर से ग्यारह हजार आठ सौ पैंतालीस नये कार्ड बनवाने का काम किया गया है और जो ये कार्ड बने उन्हें जो नहीं बनवा सकते थे उनके घर तक पहुंचाने का काम किया। इसी प्रकार, लोक निर्माण विभाग की ओर से हमारी विधान सभा क्षेत्र में नई सड़कें बनाने का काम हुआ। आजादी के बाद जो गौरीपुल था जो बांदा को जोड़ने का काम करता था वह हमारी विधान सभा क्षेत्र में 2 करोड़ 8 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार हो गया है। इसी प्रकार से, सिंचाई विभाग द्वारा मेरी विधान सभा क्षेत्र में जो 08 ट्यूबवेल स्वीकृत होने का काम हुआ है और 16 किमी0 नहरों की सफाई होने का काम हुआ और 56 तालाबों के सौन्दर्यीकरण का काम हमारी विधान सभा क्षेत्र में हुआ। इसी प्रकार से, माननीय अधिष्ठाता महोदय मैं कहना चाहता हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र जमुना की पट्टी पर है और गाजीपुर-नरैनी मुख्य मार्ग बहुत ही खराब स्थिति में है और मेरी विधान सभा क्षेत्र के लगभग 60 प्रतिशत लोग उस रोड पर जाने का काम करते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, अब आप समाप्त करिए।

श्री विकास गुप्ता-

इसी प्रकार, मेरी विधान सभा क्षेत्र अयाहशाह में टाउन एरिया असोधर नहीं है, उसे भी शीघ्र बनवाने का काम होना चाहिए। विद्युत विभाग की ओर से नरैनी में सब-स्टेशन बनाने की मैं मांग करता हूं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे इस अवसर पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

[08:21] श्री किशन लाल राजपूत-

मान्यवर, सब्र का फल बड़ा मीठा होता है। इंतजार करते-करते, नाम आ ही गया। कल 02 अक्टूबर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर यहां पर हम लोग एकत्र हुए है और दूसरी महान विभूति श्री लालबहादुर शास्त्री जी की 116वीं जयन्ती पर इस विधान सभा का विशेष सत्र आहूत किया गया है। आदरणीय योगी जी को मैं कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने 36 घण्टे के इस सत्र का आयोजन किया। मुझे साफ पानी और स्वच्छता के ऊपर बोलने का अवसर मिला है। भगवान के बाद अगर दूसरा किसी का नाम

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आता है तो सफाई और स्वच्छता का है। भारत सरकार के सहयोग से नमामि गंगे योजना का शुभारम्भ किया गया था। देश व प्रदेश की बड़ी-बड़ी नदियों को साफ रखने हेतु बहुत-सी परियोजनाओं को हमारी सरकार ने स्वीकृत किया है जिससे नदियों का पानी नहाने एवं पीने योग्य हो सके। प्रदेश सरकार का यह कार्य सराहनीय है इसके लिए मैं पुनः उनको कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहता हूं। इसी क्रम में घर-घर जल योजना के अन्तर्गत जहां लोगों को पानी पीने के लिए नहीं मिलता था, हमारी योगी जी की सरकार ने इंडिया मार्का 02 हैण्डपम्प देकर क्षेत्र में पानी पीने की व्यवस्था कराने का काम किया। स्वच्छता की बात करें तो पूरे प्रदेश में शौचालय एक इज्जतघर के नाम से 8 लाख 33 हजार व्यक्तिगत शौचालय और 652 नगर निकायों को ओडीएफ करने का काम भी हमारी प्रदेश सरकार ने किया है और चार हजार सामुदायिक शौचालय बनाने का काम किया है। साफ पानी और स्वच्छता के लिए हमें कहना है कि ''तन की शुद्धि के लिए कर लीजै स्नान और मन की शुद्धि के लिए भज लीजै हरि नाम।'' ऐसा काम करने के लिए एक सुनहरा मौका मिला है।

विद्युतीकरण की बात करें तो हमारी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत 27 छोटे-बड़े मजरे ऐसे थे जहां पर जब से देश आजाद हुआ था वहां बिजली के नाम से एक बल्ब भी नहीं जलता था। उत्तर प्रदेश में जब सरकार भाजपा की आई और अपने ढाई वर्ष के कार्यकाल में हमने 27 मजरों में विद्युतीकरण करने का काम किया है। वहां जब-जब पहुंचे और लोगों से पूछा कि भैया अब कैसा लग रहा है तो लोग कहते है कि साहब ये तो स्वर्ग के समान है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अपने ढाई वर्षों के कार्यकाल में ऐसा काम किया है कि पिछली सरकारों ने अपने 70 वर्षों के कार्यकाल में ऐसा काम नहीं किया है। इन्हीं सब बातों को लेकर लोगों ने शेर-ओ-शायरी भी खूब सुनाई है तो मैं भी दो-एक शायरी सुना दूं लेकिन सुनाए किसको, सामने तो विपक्ष है ही नहीं। ''आंधियां मगरूर दरख्तों को पटक जाएंगी, बस वही शाख बचेगी जो लचक जाएगी'' (मेजे थपथापई गयी)।

तो भारतीय जनता पार्टी के लोग, ये सहनशील लोग, हमेशा आगे बढ़ाने का काम करते हैं। दूसरा, ''अब हवाएं खुद करेंगी, रोशनी का फैसला। बस वही दिया रह जाएगा, जिस दिए में जान होगी।'' जल ही जीवन है। ''भरा नहीं जो भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। वो हृदय नहीं, वो पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।''(मेजे थपथपाई गयी) मान्यवर, मैं अपनी बात को समाप्त करना चाहता हूं, आपके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

*** [08:26] श्री महेंद्र प्रताप सिंह-**

मान्यवर, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस पर आयोजित इस विशेष सत्र में हमको अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किया।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती मना रहे हैं। माननीय गांधी जी ने स्वाधीन राष्ट्र का एक सपना देखा था और हमारे प्रदेश की सरकार ने माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में और केन्द की माननीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार गरीब से गरीब व्यक्ति के चेहरे पर खुशहाली लाने का काम करने वाली योजनाओं को चला रही है। मैं इस अवसर पर माननीय मोदी जी को और माननीय योगीजी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि हर व्यक्ति को आवश्यकतानुसार भोजन और खाद्यान्न का प्रबंध करने के लिए सार्थक प्रयास दोनों सरकारें कर रही हैं। भुखमरी की समस्या का समूल नाश हो सके इसके लिए अनेक योजनाएं पारदर्शितापूर्ण तरीके से चलाने का काम हो रहा है। अन्त्योदय कार्ड योजना आदि से निर्धनों को खाद्यान्न मुहैया कराया जा रहा है। संपूर्ण खाद्यान्न योजना का सफल तरीके से संचालन हो रहा है। बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए मिड-डे-मील का काम सफलतापूर्वक चल रहा है। बाल विकास एवं पुष्टाहार की तरफ से 14 वर्ष से ऊपर की बालिकाओं को खाद्यान्न देने का काम हो रहा है। माननीय अधिष्ठाता जी, गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य विभाग की ओर से खाद्यान्न योजना के अन्तर्गत भी लाभ दिया जा रहा है। हमारी सरकार भुखमरी को समाप्त करने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत है। इस संकट को दूर करने के लिए कल हमारे कृषिमंत्री जी ने उत्पादन बढ़ाने के लिए बहुत सारी योजनाओं के बारे में सभी माननीय सदस्यों को बताया था।

मैं आपको अवगत कराना चाहता हूं कि खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक उपाय हमारी सरकार कर रही है। वर्ष 2030 तक सभी प्रभावित व्यक्तियों को खासकर गरीब और दयनीय स्थिति के शिशुओं को पोषण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने का काम हमारी सरकार कर रही है। किसानों को उनकी उपज का और खेती को आधुनिकीकृत तरीके से उपज बढ़ाने के लिए काम हो रहा है। खाद्य विविधता बढ़ाये जाने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। पशुपालन, डेरी फार्मिंग, पोल्ट्री फार्मिंग, मछली पालन, मधुमक्खी पालन, बागवानी और जलीय खेती और मशरूम की खेती का उत्पादन बढ़ाने का काम हमारी सरकार के द्वारा हो रहा है तथा कृषकों के उत्पादन को भण्डारण करने की भी क्षमता बढ़ाई जा रही है। माननीय अध्यक्ष जी, हम सरकार को धन्यवाद देना चाहते हैं कि वह ऐसे इंतजाम कर रही है कि कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहे। दरिद्र नारायण की सेवा का व्रत पूरा करने में जी जान से हमारी केन्द्र की सरकार और प्रदेश की सरकार लगी हुई है। माननीय अध्यक्ष जी, देश प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में और प्रदेश मुख्य मंत्री माननीय आदित्यनाथ योगी जी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। विकास के नये-नये आयाम हमारी सरकारें गढ़ रहीं हैं। हमारी बिसवां विधान सभा क्षेत्र में विकास के कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए और नवाचार और बुनियादी सुविधायें देने के प्रयास तेजी से किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में और नगरीय क्षेत्रों में कार्य प्रगति पर है।

मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि अनियोजित विकास के बजाय नियोजित विकास को करने का काम किया जा रहा है। बुनियादी ढांचा विकसित करने की दृष्टि से, काम के बदले अनाज देना तथा रोजगार मुहैया कराने के लिए स्थायी कार्यों पर काम किया जा रहा है। तालाब, नाली, सड़क, गौ-संरक्षण आदि पर काम जारी है। गांव के विकास के लिए विद्युतीकरण की गति तेज की गई है और वर्तमान में सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र के समस्त मजरे विद्युतीकरण से संतृप्त हो चुके हैं। औद्योगीकरण के लिए भी अधिक प्रयास हो रहा है, सड़कों को चौड़ा करना, सम्पर्क के लिए सड़कों का जाल बिछाया जाना आदि। सरकार द्वारा औद्योगीकरण के लिए माहौल बनाने हेतु प्रयास किये गये हैं। हमारे जनपद में ''एक जनपद एक उत्पाद'' के तहत् पुआल से ईंधन बनाने के प्लांट की घोषणा उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा की गई है और औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश की सरकार ने दो वर्ष में दो बार इन्वेस्टर समिट कराने का सराहनीय कार्य किया है। औद्योगीकरण से खासकर ग्रामीण विकास की रफ्तार तेज की गई है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। कौशल विकास योजना के तहत् युवा लोगों को दक्ष किया जा रहा है। उनको स्वावलंबी बनाकर स्वरोजगार की गति तेज की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जुड़ने का अवसर दिया जा रहा है। हमारी विधान सभा क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है। वहां गन्ना अधिक होता है। बिसवां चीनी मिल की पिराई क्षमता बढ़ाई गई है। कमलापुर में एक चीनी मिल जो बंद पड़ी थी उसको चालू करने का प्रयास किया जा रहा है। मैं इसी के साथ अपनी बात को समाप्त करूंगा और माननीय सभापति जी आपको बहुत बहुत धन्यवाद कि हमें इस सुअवसर पर बोलने का मौका दिया। जय हिन्द, जय भारत। **(मेजों की थपथपाहट)**

*** [08:34] (रेशम उद्योग, वस्त्र उद्योग, एन0आर0आई0 मंत्री) (श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह)-**

बहुत-बहुत, धन्यवाद मान्यवर। जब आठ घंटे बाद नंबर आता है तो यह जरूर समझ आ जाता है कि सस्टेन करना क्या होता है? सस्टेनेबल डेवलपमेंट क्या होता है यह आज समझ आ गया इस सदन के अन्दर। अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। 2 अक्टूबर के दिन गांधी जयन्ती थी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर ये जो सदन बुलाया गया है उसके लिए मैं आपका, आदरणीय मुख्य मंत्री जी का और इस सदन का आभार प्रकट करता हूं। हम लोग थोड़ा-सा पीछे जाने का प्रयास करेंगे और जब मैं थोड़ा-सा कहता हूं तो लगभग 100 साल पीछे जाने का प्रयास करता हूं और उस समय महात्मा गांधी जी ने एक ग्राम स्वराज का जो विषय/कॉनसेप्ट रखा था। ग्राम स्वराज यह है कि आप अपने ही गांव के अन्दर अपनी मानव सम्पदा को लेकर किस प्रकार से स्वावलंबी बन सकते हैं और मैं करीब 65 साल पीछे जाता हूं तो पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी ने भी यही कॉनसेप्ट दिया था जिसे अन्त्योदय कहते हैं। 100 साल और 65 साल के बाद शायद जितने भी आर्थिक मॉडल विश्व भर में तैयार किये

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

गये हैं उनका वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र ने अध्ययन करते हुए, वास्तविकता में देखते हुए जब उन लोगों को लगा कि जो सस्टेनेबुल डेवलपमेंट गोल्स हैं उसको फिर से रखना चाहिए। उस विषय को ठीक तरह से सबके बीच में लाना चाहिए तो इसीलिए 2016 में जो 17 गोल्स थे, उनको भारत सरकार ने अपनाया और उसमें से 16 हम लोगों ने उत्तर प्रदेश में अपनाये।

अध्यक्ष जी, जितने भी आर्थिक मॉडल हम लोगों ने देखें हैं। उसके अन्दर 1947 के बाद से यह जरूर महसूस होने लगा कि जो अमीर है, वह अमीर होता जा रहा है और जो गरीब है वह गरीब हुआ या उसकी जो जी0डी0पी0 ग्रोथ है, उस जी0डी0पी0 की ग्रोथ के आधार पर उसका विकास नहीं हो पाया। इसीलिए जब हम सोसलिस्ट मॉडल की बात करते हैं जो कि भारत ने अपनाया था, भारत ने जब इसको अपनाया था तो एक विचारधारा सरकार की यह बनी कि जो लोग सरकार में बैठे हैं, वही रोजगार पैदा करेंगे। वही सब चीजें देश की जनता को देंगे। इसीलिए वह मॉडल सस्टेनेबल नहीं था क्योंकि उसमें सरकार लग गई। हवाई जहाज चलाने, होटल चलाने और बड़े-बड़े कारखाने बनाने में लग गई या पर्यटन के जो कार्य हैं उसको करने में लग गई। सरकार के पास हमेशा सीमित साधन होते हैं और वह सीमित साधन के कारण जो अधिकार होता है जिसको हम डिसक्रेशनरी पॉवर कहते हैं, वह अधिकार अधिकारियों के पास या सरकार में नेताओं के पास आ गया और जब ऐसा होता है तो भ्रष्टाचार बढ़ता है। ये जब हम लोगों ने देखा तो भारत की जो स्थिति थी उसमें वर्ष 1990 आते-आते वह इतनी दयनीय होने लगी कि हमें अपना सोना भी गिरवी रखना पड़ा। इसलिए जो आर्थिक मार्केट होता है उसको ओपेन करने का प्रयास किया गया। उससे कुछ सुधार आया मगर जब फिर से सरकार आई तो 2000 में और सुधार कार्यक्रम लेकर आये और आपने एक प्रकार से क्रांति देखी जिसको हम कनेक्टिविटी क्रान्ति कहते हैं रोड कनेक्टिविटी, टेलीकॉम कनेक्टिविटी, एयर कनेक्टिविटी लेकिन उसके अन्दर हम लोगों ने फिर यह देखा कि भारत की जी0डी0पी0 तो बढ़ रही है वह 7 प्रतिशत से 8 प्रतिशत तक बढ़ी लेकिन गरीबी रेखा से जिन लोगों को बाहर निकलना चाहिए उसमें कहीं-न-कहीं असमानता रही।

हम लोगों ने, पर्यावरण की दृष्टि से देखा जाए तो जो आर्थिक विकास हो रहा था उसमें तथा पर्यावरण के बीच में सामंजस्य नहीं बैठाया। इसी प्रकार से हम लोगों ने एक और चीज देखी कि जो शहर हैं वह तो विकसित हो रहे हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्र या रूरल इण्डिया में कहीं-न-कहीं वहां पर विकास होना बंद हो गया। उस समय की सरकार अनेक योजनाएं लाई, रूरल डेवलपमेंट के आधार पर रोडें बननी शुरू हुईं, उस समय ग्रामीण सड़क योजना लेकर आये। परन्तु जो समृद्धि होती है वह हम लोगों ने नहीं देखी और इसलिए वह भी जो मॉडल बना था वह मॉडल सस्टेनेबल नहीं बना था। मैं इसलिए यह विषय रख रहा हूं और सस्टेनेबुल शब्द बार-बार आपके बीच में रख रहा हूं, सतत विकास का विषय रख रहा हूं क्योंकि ये हम लोगों को समझना आवश्यक है और इस सदन को समझना आवश्यक है कि सतत विकास का

जो लक्ष्य है आखिर वह लक्ष्य क्या है, उसको हम सही मायने में परिभाषित कर पा रहे हैं कि नहीं कर पा रहे हैं। मैं उदाहरण के रूप में यह कहना चाहता हूं कि मुम्बई में एक कारखाना है। मुम्बई में जो कारखाना है उसमें वाराणसी के एक गांव से जरदोजी का एक कारीगर जाकर काम करता है।

जब वह वहां पर काम करता है तो उसको काम मिलता है लेकिन काम के साथ जो वहां पर आर्थिक गतिविधि चल रही है उसमें भी एक उत्थान होता है लेकिन यही व्यक्ति जो जरदोजी का कार्य करता है यदि वह वाराणसी के किसी गांव के अन्दर काम करता है तो वह अपने घर पर रहता है और जब वह अपने घर पर रहकर काम करता है तो वह उसको अच्छा लगता है इसी को कहा जाता है अच्छा काम और वहां पर जो आर्थिक विकास होता है और उसके बाद जो उसकी परचेजिंग पॉवर बढ़ती है और उसकी वहां पर जो आय बढ़ती है उससे उस गांव का भी विकास होता है क्योंकि उसकी परचेजिंग पॉवर यदि मुम्बई में बढ़ती है तो वह मुम्बई के अन्दर ही वह पैसा खर्च करता है न कि गांव में खर्च करता है और जब वह गांव के अन्दर खर्च करता है तो उसको वहां स्कूल भी चाहिए, उसको अस्पताल भी चाहिए और सरकार को जो वहां पर उस गांव की जी0डी0पी0 है और उस जनपद की जो जी0डी0पी0 है वह बढ़ती हुए दिखती है तो सरकार भी उस जनपद के आधार पर अपनी नीतियां तय करती है और उसके आधार पर वहां पर फिर विकास होता है। इसीलिए एक उदाहरण देता हुआ मैं अपनी बात कहूंगा कि जब हम लोग बड़े-बड़े कारखाने लगाते हैं,दूर-दराज में कहीं पांवर प्रोजेक्ट लगाते हैं या स्टील प्रोजेक्ट्स लगाते हैं तो आप देखेंगे कि उस क्षेत्र का विकास होता है और वहां पर लोग खुशहाल बनते हैं तो यही वह विषय है जो मुझे आज दिया गया है कि अच्छा काम और आर्थिक विकास जब हम इसको बोलते हैं और साथ-साथ ही हम सतत विकास के लक्ष्य पर बात करते हैं तो वह गांधी जी का ग्राम स्वराज और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी का अन्त्योदय का हम लोगों को स्मरण होता है।

जो विषय मुझे दिया गया है वह मंत्रालय के हिसाब से रखा गया है। मैं एम0एस0एम0ई0 का मंत्री हूं लेकिन योजना विभाग ने एम0एस0एम0ई0 को एक नोडल विभाग बनाया है और उसके साथ 20 और विभागों को जोड़ा है जिसमें पर्यावरण और स्वास्थ्य आता है, गृह विभाग आता है, श्रम, परिवहन और पर्यटन आदि अनेक विभाग उसमें जुड़े हैं और यहीं कहीं हम एक नोडल एजेन्सी और उसके आधार पर हम लोग जो चर्चा करने के लिए यहां पर बैठे हैं। इसी चर्चा पर हम लोगों ने तीन दिन, तीन इतवार लगाये थे जहां पर मंत्री और सब अधिकारी लोग गये थे वह हम आई0आई0एम0 लखनऊ में चर्चा करने गये थे क्योंकि इण्टरलिंकिंग जो विभागों का है उसकी आवश्यकता आज पड़ रही है तो कहीं-न-कहीं, कोई-न-कोई विभाग इस विषय के साथ संबंध रखता है और वह विकास की धारा कहीं बढ़ती है उसी को फिर मैं कह रहा हूं कि सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट लक्ष्य वह बनता है। इस पर अभी

बड़ी चर्चा हुई। इससे पूर्व हमारे मंत्री सतीश महाना जी बोल रहे थे। जिस प्रकार से यहां पर इनवेस्टर्स समिट हुआ, एम0ओ0यू0 हुये 04 लाख 28 हजार करोड़ के, 02 लाख करोड़ तक के क्रियान्वित भी हुये हैं, जमीन पर भी उतारे गये हैं। तीसरा चरण जो ग्राउण्ड ब्रेकिंग का है वह दिसम्बर में होने वाला है। लेकिन इसके पीछे एक बहुत बड़ी चीज होनी चाहिए और वह है लॉ-एण्ड-आर्डर, इसलिए गृह विभाग भी इसके साथ जुड़ा हुआ है, जो सुरक्षा है उसका जो एक सिक्योरटी नेटवर्क होना चाहिए प्रदेश के अन्दर उसकी हमेशा आवश्यकता होती है। इसीलिए लॉ-एण्ड-आर्डर का यह विषय बन जाता है। लॉ-एण्ड-आर्डर अच्छा नहीं होगा तो लोग यहां पर निवेश करने नहीं आयेंगे और जब हम 02 लाख करोड़ का निवेश करते हैं तो 20 लाख नौकरियां भी पैदा होती हैं, इसी से जुड़ा होता है आपका इंफ्रास्ट्रक्चर और शासनादेश जिसको कहते हैं, वह इसके साथ जुड़ता है और यह जो योगी जी के नेतृत्व की सरकार है उसने ढाई वर्ष के अन्दर बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना करने का, उसकी नीव डालने का पूरा प्रयास किया है, चाहे वह बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के बारे में चर्चा हो चुकी है, पूर्वांचल आ गया, गंगा एक्सप्रेस-वे बनने जा रहा है, जेवर एयरपोर्ट है, छोटे-छोटे और एयरपोर्ट जिसको प्रिल एयरपोर्ट कहते हैं। इन सब चीजों के ऊपर और इण्टरलिस्टिंग जो वाटर ह्यूमन वे है जो प्रयाग से चलता है हल्दिया तक जाता है।

इन सब चीजों पर सरकार ने दो ढाई साल के अन्दर प्लानिंग करके इन चीजों को क्रियान्वित किया है। एक ढाँचा तैयार हुआ है उत्तर प्रदेश के अन्दर और इसी के साथ जो अन्य क्षेत्र हैं, जिनके बारे में अलग-अलग मंत्री चर्चा कर रहे हैं वह सोलर सेकटोरियल पालिसी बनायी है, जिसके कारण उस क्षेत्र के अन्दर निवेश होता आ रहा है। अध्यक्ष जी यह एक जो ग्राम स्वराज है या अन्त्योदय है या जिसको मैं अब सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट गोल्स को एक लक्ष्य के रूप में ले रहा हूं तो ओ0डी0ओ0पी0 जो स्कीम है, वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडेक्ट, वह एक बहुत बड़ी मिसाल बनती है पूरे देश के लिए ही नहीं पूरे विश्व भर के लिए। आज विश्व के अन्दर जब चाइना भी अपने मॉडल को देख रहा है तो उसको भी लगने लगा है कि उसको भी वन डिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट की तरफ जाना चाहिए। उनका भी मॉडल चेन्ज होता हुआ दिख रहा हैं। यह मुख्य मंत्री जी की महत्वकांक्षी योजना है और इस योजना के अन्दर मैं आपके बीच में एक आँकड़ा रखना चाहता हूं, सदन में रखना चाहता हूं, वर्ष 2017-18 के बीच में जो हम लोगों का एक्सपोर्ट है उत्तर प्रदेश का वह 28 प्रतिशत बढ़ा है। एक्सपोर्ट नीति अभी हम लोग लेकर आये हैं उसके बावजूद यह 28 प्रतिशत बढ़ा है जबकि उत्तर प्रदेश लैण्ड लॉक राज्य है। हमारे पास पोर्ट की व्यवस्था नहीं है। महाना जी कह रहे थे कि डेडिकेटेड फ्रेटि कोरीडोर वह भी नहीं आया है। मगर जब भी बढ़ा है, क्योंकि यह जो योजना थी ओ0डी0ओ0पी0 उसके प्रोडेक्टस की मैं बात करूं तो आपको आश्चर्य होगा कि किस प्रकार से इसमें बढ़ोत्तरी एक्सपोर्ट में हुई है। मैं हैण्डीक्राफ्ट की बात करता हूं तो 3,600 करोड़ से 4,800 करोड़ बढ़ा है। मैं

हार्टीकल्चर या प्रोसेस फूड की बात करता हूं उसमें 1500 करोड़ एक्सपोर्ट बढ़ता है। इसी प्रकार से जो छोटे आटो पाट्र्स की बात करते हैं हम लोग, इलेक्ट्रिकल गुड्स की बात करते हैं, उनके अन्दर 8 हजार करोड़ रुपया बढ़ा है। हम लोग कहीं मुरादाबाद की बात करते हैं वहां पर जो एक्सपोर्ट है वह 9 सौ करोड़ रुपये का बढ़ा है। यह सब जितने प्रोडेक्ट हैं यह ओ0डी0ओ0पी0 के तहत् आते हैं और उत्तर प्रदेश का जो निर्यात है वह 88 हजार करोड़ से पहली दफा 1 लाख का आंकड़ा पार करता है, 1 लाख 14 हजार करोड़ होता है, जिसके लिए मुख्य मंत्री जी को हम लोग बधाई दें क्योंकि उनकी यह योजना थी ओ0डी0ओ0पी0। यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि यह जो विषय है सतत विकास लक्ष्य, यह उसकी तरफ ओ0डी0ओ0पी0 बहुत अच्छा उदाहरण बनता है। आज जब लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के साथ हम लोगों ने इसकी शुरूआत करी, महात्मा गांधी जी के बारे में मैंनें अभी बताया।

शास्त्री जी के ये जो लक्ष्य है, सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट गोल्स है उसका कम उदाहरण दिया गया। हम लोगों ने अमूल का नाम सुना है। अमूल एक बहुत बड़ा ब्राण्ड है जो गुजरात से आता है। यह सत्य मुझे इसलिए पता है क्योंकि परिवार की नानी जी ने खुद मुझे बताया था। जब अमूल की शुरूआत की थी शास्त्री जी ने, जब प्रधानमंत्री बने थे, 1965 की बात है तो कुरियन साहब उनके पास गये थे और उन्होंने कहा था कि शास्त्री जी एक कोआपरेटिव मैं बनाना चाहता हूं जो आज हम लोग कोआपरेटिव या कांट्रेक्ट लाने की बात कर रहे हैं और उनको उन्होंने कहा कि आप आईये किसान जो है इनकी आमदनी दुगनी होगी ये कोआपरेटिव बनायेंगे और ये कोआपरेटिव के माध्यम से जो दूध का उत्पादन करने वाले हैं उनको हम जोड़ेंगे। शास्त्री जी ने कहा कि मैं इस पर सोच कर बताऊँगा। शास्त्री जी बिना किसी को बताये अपनी धर्मपत्नी को लेकर वह आनन्द चले गये गुजरात में। उस समय सिक्योरटी कम होती थी, वह सब भी हटा दिया और न ही मुख्य मंत्री को पता। वह रात भर किसी के घर जाकर आंगन में जमीन पर सोये और अगले दिन 04 बजे गांव में चले गये और गांव में जब उन्होंने किसानों से बात-चीत की और किसानों ने कहा कि इससे हमें फायदा मिलेगा तो शुरूआत की, जे0ई0 ने और उन्होंने इसकी परमिशन दी और अमूल कोआपरेटिव बनता है और आनन्द के अन्दर उस योजना को क्रियान्वित किया जाता है।

मैं इसलिए इसका जिक्र कर रहा हूं कि कहीं-न-कहीं आप लोग मॉडल में चूक करते जा रहे हैं और आज इस विषय पर हम लोग उतरे हैं वो कोआपरेटिव ने जो एक मॉडल बनाया था जिसके कारण आज अमूल नं0-1 ब्राण्ड बन गया है, देश में ही नहीं वह विदेश में भी बन गया है। उस मॉडल को आज इस सदन के अन्दर हम सब लोग डिसकश करने के लिए बैठे हैं। हमें इस लक्ष्य को समझना बहुत जरूरी है और जिस दिन मैं मौजूद था आपके बीच में उदाहरण दे रहा हूं। अध्यक्ष जी, जब हम किसी लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं तो जो ह्युमन पार्टिकल होता है, जिसको मानव सम्पदा कहते हैं उसके ऊपर भी हमें

गौर करना चाहिए। मैं इसको ज्यादा विस्तार में नहीं बोलूंगा क्योंकि कोई-न-कोई अभी शिक्षा विभाग से शिक्षा मंत्री जरूर बोलेंगे। मगर यह सरकार नई-नई योजना लेकर आयी। सबसे बड़ी चीज जो है जिसे बार-बार हम लोग जरूर कहते हैं, अपने भाषण में हम सब कहते हैं, यहां पर जितने लोग बैठे हैं कि युवा ही आने वाला भविष्य है। एक बहुत ही छोटी-सी चीज माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कही कि बच्चे स्कूल नहीं जाना चाहते थे क्योंकि बच्चों को लगता था कि हमारे जो कपड़े हैं वह कान्वेंट स्कूल के हिसाब से नहीं हैं और उनको कहीं-न-कहीं शर्म आती है।

सरकारी स्कूल के बच्चों के कपड़े जब बदले गये और उनको जो ड्रेस दिया गया उस पर एक कारण बनता है कि बच्चों का ड्राप-आउट रुकने या स्कूल जाने का उन लोगों के अन्दर एक उत्साह बना। मैं इसलिए यह सब कह रहा हूं क्योंकि युवा देश का भविष्य हैं, अगर युवा स्कूल नहीं जायेगा तो भविष्य क्या बनायेगा। इसी के साथ हम लोगों का स्किल डेवलपेमेन्ट योजना जो प्रधानमंत्री जी लेकर आये हैं, कौशल विकास। कौशल विकास का सबसे बड़ा उदाहरण मुख्य मंत्री जी ने स्वयं दिया कि बनारस में पाइप वाटर से जल आपूर्ति जो घर-घर तक पहुंचानी है उसकी योजना चल रही है। जब वह समीक्षा करने गये, तो वहां पर उन्होंने जिस कम्पनी को काम दिया था उसने काम बन्द कर दिया। जब यह बन्द कर दिया तो मुख्य मंत्री जी ने पूछा कि भाई आपने इसे बंद क्यों किया है तो उन्होंने कहा कि हमारे पास ऐसे ट्रेन्ड लोग नहीं हैं जो कार्य कर सकें इसलिए हम धीमी गति से चलते हैं, तो जब हम कौशल विकास की बात करते हैं तो हमें इनको साथ जोड़ना है और इन चीजों पर हम लोगों को काम करना है। कौशल विकास के साथ और अनेक अन्य चीजें आती हैं, जो ग्रामीण क्षेत्र के उद्योग हैं, जिसको कुटीर उद्योग कहते हैं, उसमें खादी का बहुत बड़ा योगदान है। अब खादी में और ग्राम उद्योग के अन्दर बड़ा काम है। खादी में हम लोग ने टेक्निकल सपोर्ट देते हुए सोलर चरखे बांटना शुरू कर दिये हैं, उनकी ट्रेनिंग हो रही है। खादी को फैशन के साथ जोड़ा जा रहा है लेकिन प्रधानमंत्री जी ने कहा कि खादी एक आजादी का मूवमेन्ट था, अब खादी फैशन मूवमेन्ट बनना चाहिए और इसी के साथ कुटीर इण्डस्ट्री और बढ़े तो उसमें हम ही मिशन लेकर आये हैं। यह सब चीजें ग्रामीण क्षेत्र के अन्दर कुटीर उद्योग को बढ़ावा देती हैं, रोजगार को बढ़ावा देती हैं। अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश की जो जी0डी0पी0 है उसमें 27 प्रतिशत योगदान कृषि क्षेत्र से आता है। रोजगार के हिसाब से इसके अन्दर जब तक कि हम लोग नये लक्ष्यों को और नये रिनोवशन्स को लेकर नहीं आयेंगे तो कृषि क्षेत्र में हम लोग उन्नति नहीं कर सकते हैं। इसलिए रिनोवेशन हब यह सरकार चला रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र हर जगह खोले जा रहे हैं और फूड प्रोसेसिंग की वैल्यू एजुकेशन फूड प्रोसेसिंग से ज्यादा होता है।

उत्तर प्रदेश में उसको बल दिया जा रहा है। अगर मैं फूड प्रोसेसिंग की बात करूं तो उत्तर प्रदेश में पिछले डेढ़ साल के अन्दर कोई 15 सौ करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है

और इनसे करीब 24 हजार नौकरियां भी आयी हैं। विषय को मैं और लम्बा नहीं करूंगा क्योंकि घड़ी मैं भी देख रहा हूं और भी सदस्य हमारे बैठे होंगें। मगर जो प्रधानमंत्री जी ने इनकम डबल करने की बात की है वह तभी हो सकती है जब हम अपने लक्ष्य को सिंचाई के साथ निर्धारित करेंगे। जब हम गुणवत्ता को लेकर आयेंगे चाहे वह बीज के माध्यम से हो, चाहे वह स्वाइल हेल्थ कार्ड हो और उसके साथ जो खेती है उसकी ब्राण्डिंग और मार्केटिंग पर जब तक हम लोग जोर नहीं देंगे तब तक यह सम्भव नहीं है। अध्यक्ष जी, एक बड़ी योजना जिसे पिछले साल यह सरकार लेकर आयी है जिसको मैं कहूंगा कि सही मायने में सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट एक्ट का लक्ष्य यह पूरा करती है, वह है माटी कला। माटी कला के तहत् जो परंपरागत कारीगर हैं वह 60,000 थे, मगर आज 20,000 के ऊपर नहीं है। सरकार जो बाकी 40 हजार लोग इस क्षेत्र से जुड़े हुए थे, उनको ट्रेनिंग देना हम लोगों ने शुरू कर दिया है। यही नहीं 32 जिलों के अन्दर जो सरकार की नीति है कि एक तालाब जो कुम्हार के लिए या माटीकलां के लिए सुरक्षित कर दिया जायेगा, वह किया गया है। लगभग साढ़े 8 हजार ऐसे वह कारीगर है जिनको परम्परागत इस क्षेत्र में से वह पट्टा दिया गया है। इन सब चीजों को लेते हुए एम0एस0एम0ई0 विभाग या अन्य विभागों को जोड़ते हुए एक मार्केटिंग की भी योजना हम लोग लेकर आ गये हैं जिसको आज की डेट में ई-कॉमर्स कहा जाता है।

ई-कॉमर्स जो है उसके अन्दर एमेज़ान, अलीबाबा और कल ही हम लोगों ने फ्लिपकार्ट के साथ एम0ओ0यू0 साइन किया है। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश ई-कॉमर्स की दृष्टि से नम्बर वन बनेगा और आज जैम पोर्टल की दृष्टि से जो केन्द्र सरकार की योजना है उसमें उत्तर प्रदेश नम्बर वन बन चुका है। तो ई-कॉमर्स में भी जिस प्रकार के प्रयास हैं उसमें हम लोग भी ई-कॉमर्स में बनेंगे जो छोटे और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देगा उनको मार्केट देगा। अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात को लम्बा न करते हुए जो मेरा विषय है चूंकि 20 विभाग आते हैं उसको जोड़कर मुझे बोलना था मगर मैंने थोड़ा-थोड़ा उन बिंदुओं को सिर्फ टच किया है परन्तु अच्छा होता कि विपक्ष भी साथ होता। यह कोई सत्ता या विपक्ष की बात नहीं थी, इस सत्ता में हम लोग बैठे हैं वह भविष्य या सतत विकास का जो लक्ष्य उत्तर प्रदेश का होना चाहिए उसमें हम लोग निर्णय करने जा रहे हैं। यह क्रेडिट या क्रेडिट नहीं मिलने का विषय नहीं था। राजनीति इसके अन्दर नहीं आनी चाहिए थी परन्तु तब भी वह लोग इसको लेकर आए परन्तु ऐसा जरूर होगा कि जब भी इतिहास 36 घण्टे लिखेगा और इस विषय पर चर्चा करेगा तो इतिहास यह भी लिखेगा कि भारतीय जनता पार्टी के और उनके समर्थक दलों ने उत्तर प्रदेश के लिए 36 घण्टे बैठकर विचार-विमर्श किया और उत्तर प्रदेश को एक ऐसी नीवं बोई है या डाली है जो बीमारू राज्य से एक विकसित राज्य बनाने का हम लोगों ने लक्ष्य तय किया है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

[*] **[09:02] श्री बैजनाथ रावत-**

मान्यवर, आज मैं आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी को और अपने मुख्य मंत्री जी को महात्मा गॉधी जी की 150वीं जयन्ती और स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी की 116वीं जयन्ती पर इस विशेष सत्र का आयोजन करके हमारे जो सतत विकास लक्ष्य के 17 बिंदु हैं उन पर चर्चा करने का एक बड़ा पटल दिया उसके लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। हम सब जानते हैं कि जो काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था उसके लिए हम 2 अक्टूबर से बैठे और सतत विकास लक्ष्य को पूरा करने के माध्यम की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। देश की तरक्की के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का होना बहुत आवश्यक है। इस विषय पर हमारे तमाम माननीय सदस्यों ने अपने विचार रखे हैं। हमारा मानना है कि शिक्षा को भी राजनीति से जोड़कर तोड़मोड़ा गया। हम सब लोग जब कक्षा एक में पढ़ने जाते थे तो उस समय ग से गणेश पढ़ते थे और क से कमल या काशी पढ़ते थे लेकिन कालांतर में ग से गधा पढ़ाया जाने लगा और क से कुकुरमुत्ता पढ़ाया जाने लगा। यह स्थिति हमारी शिक्षा की हो गयी। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कहां से प्राप्त करेंगे। इस मामले में हमारी योगी जी की सरकार ने बच्चों को अच्छा ड्रेस दिया है। फ्री में जूता-मोजा और स्वेटर तथा फ्री में किताबें दीं और मिड-डे मील का अच्छा भोजन दे रहे हैं। अब विद्यालय की बाउंड्री के लिए शौचालय और विद्यालय में विद्युतीकरण का काम हमारे यहां पूरा हो गया है। अगर कुछ बचा है तो हम चाहते हैं कि पठन-पाठन सामग्री प्रचुर मात्रा में विद्यालय में उपलब्ध हो, इसके बिना शिक्षक पढ़ा नहीं पाते हैं। बहुत ही योग्य शिक्षक हमारे प्राथमिक विद्यालय में आ गये हैं।

(इसी मध्य 09 बजकर 07 मिनट पर अधिष्ठाता श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही पीठासीन हुए)

मान्यवर, विद्यालय में बाउंड्री बन जाये। समस्या शिक्षकों के लिए भी है कि शिक्षक कोई ढाई सौ किलोमीटर दूर दूसरे जिले में पड़ा है और कोई तीन-चार सौ किलोमीटर पर है और कोई 80 किलोमीटर जाता है इसलिए हम चाहेंगे कि यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी है तो शिक्षकों को मानसिक थकान व तनाव न होने पाये उन्हें अपने जिले में रखा जाये। जो शिक्षामित्र हैं उनसे बात करके उनकी समस्या का समाधान किया जाये चूंकि एक बार वह शिक्षक बन चुके हैं और उनकी ज्वलंत समस्या है। वह कहीं न कहीं मानसिक रूप से पीड़ित हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में वह असमर्थ पाएं जाते हैं। जिस इंस्पेक्टर राज का हम लोगों ने हमेशा विरोध किया है यदि विद्यालय में अधिकारी निरीक्षण करने जाता है तो उसमें निरीक्षण नहीं उसे पर्यवेक्षण करना चाहिए वह देखें कि किस शिक्षक ने अपना कोर्स पूरा किया और किसने पूरा नहीं किया। जिसने कोर्स पूरा किया उसकी सराहना होनी चाहिए और जिन्होंने अपना कोर्स पूरा नहीं किया उन्हें चेतावनी देनी चाहिए। यह परिवर्तन होना चाहिए। इस तरफ हमारी योगी जी

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

की सरकार ने विद्यालय प्रबन्ध समिति का गठन किया और उसका गठन हो जाने से विद्यालय में काफी परिवर्तन आएं हैं। जो गुणवत्ता मिड-डे मील में होनी चाहिए अब उसे गांव की प्रबन्ध समिति देखती है। यह बात अलग है कि जो गांव की प्रबन्ध समिति है उन्हें अभी पूरे अधिकारों की जानकारी नहीं है। उसके लिए ब्लॉक स्तर पर एक गोष्ठी होनी चाहिए और उन्हें उनके अधिकारों से अवगत कराना चाहिए। जब यह सब कार्य हो जायेंगे तो हमारे गांव की समितियां स्वच्छता में भी काम करेंगी। हमारी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में यह सक्रिय कदम होगा। ऐसे भी अध्यापक हैं जो गंभीर रूप से या तो बीमार हैं और या उनका कोई बेटा बीमार हैं और वह घर से बहुत दूर हैं उनको तत्काल अपने जिले में या ग्रह ब्लॉक में उन्हें स्थान देना चाहिए। तमाम विद्यालय जर्जर हो गये हैं जो दस साल पहले विद्यालय बने हैं उनकी एक टीम से जांच करा ली जाये यदि वह ज्यादा खराब हैं तो उन्हें नए भवन दिये जाये। कई शिक्षक अच्छा काम करते हैं, नवाचार में राष्ट्रपति पुरस्कार भी हमारे जनपद में एक अध्यापक को मिला है। उनके भी अनुभवों का लाभ हमको लेना चाहिए।

रसोईया के विषय में अवगत कराना है कि उनको वेतन काफी कम मिलता है इसको कम से कम तीन हजार कर दिया जाना चाहिए। लगभग 8 महीने से इन्हें मानदेय नहीं मिला है उसे दिया जाये। इतिहास, भूगोल की जानकारी में हमारे जो महापुरुष हुए हैं उनका पाठ्यक्रम में समावेश किया जाये। जैसे एक सच्चा बालक की कहानी हमारे पाठ्यक्रम में थी उसको हटा दिया गया है। व्यक्ति को ईमानदारी के साथ जीना चाहिए। हम लोग पहले पढ़ते थे कि सदा सच बोलों, झूठ बोलना पाप है हम लोग यह प्राइमरी में पढ़ते थे आज कहीं कुछ नहीं बचा है इसीलिए हमें लगता है कि जो हमारी नयी पीढ़ी है यह कहीं न कहीं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव में भ्रष्टाचार की तरफ बढ़ रही है। इससे हमें निजाद मिलनी चाहिए। हमारे यहां जो विधान सभा क्षेत्र हैदरगढ़ है उसके लिए कहना चाहूंगा कि हैदरगढ़ में एक महिला डिग्री कालेज की स्थापना होने की आवश्यकता है चूंकि यह समय की मांग है वहां आबादी बहुत है। यह जिला मुख्यालय लखनऊ सुल्तानपुर से 60 किलोमीटर की दूरी के बीच में है। लड़कियां उच्च शिक्षा के लिए शहर नहीं जा पाती हैं यदि वह लखनऊ जाती हैं तो उन्हें 60 किलोमीटर पड़ता है इसलिए इस महिला डिग्री कालेज की आवश्यकता है।

हमारी विधान सभा क्षेत्र में तहसील मुख्यालय है राजकीय पॉलिटेक्निक कहीं नहीं है उसकी स्थापना की आवश्यकता है। हमारे यहां आई0टी0आई0 भी नहीं है बच्चों की तकनीकी शिक्षा के लिए इसकी स्थापना की आवश्यकता है। माननीय राजनाथ जी जो आज हमारे रक्षामंत्री हैं वह हमारे यहां से मुख्य मंत्री थे और वहां से विधायक थे मैं उनकी सीट से चुनकर आया हूं। उन्होंने बढ़िया फायर स्टेशन बनवाया था लेकिन वह ज्यों का त्यों पड़ा है। मैनपावर नहीं है, गाड़ियां नहीं हैं आग लगते ही जिले से गाड़ियां आग बुझाने के लिए मँगवानी पड़ती हैं। इसलिए वहां पर गाड़ी दी जाये और मैनपावर दी जाये। मान्यवर, हमारी विधान सभा के बीच से ही

गोमती नदी निकलती है और हम लोग कई वर्षों से मांग कर रहे हैं कि चलहौर घाट में एक पुल बना दिया जाये। इसके लिए लिखा-पढ़ी चल रही है परन्तु वह अब तक नहीं बन पाया है इसकी बहुत आवश्यकता है। इसी गोमती नदी में बाबा टीकाराम का पवित्र स्थान है और वहां तमाम श्रद्धालु आते-जाते हैं प्रत्येक मंगलवार को मेला लगता हैं वहां पर भी एक पक्के पुल की आवश्यकता है। पहापुर घाट भी एक फराहीदास बाबा थे उनका भी एक बड़ा मेला लगता है। वहां पर गोमती नदी क्रॉस करती है उस पर एक पुल की आवश्यकता है। हमारे यहां पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बन रहा है और यह बहुत महत्वाकांक्षी योजना उत्तर प्रदेश सरकार की है लेकिन इसका दुष्परिणाम यह है कि मिट्टी खोदते-खोदते हमारे गांव की जितनी सड़के हैं, जिला पंचायत की सड़कें हैं, प्रधान का खडंजा है, सी0सी0 है और पी0डब्लू0डी0 की रोड है वह पूरी तरह से तोड़ दी गयी हैं, वह आने-जाने लायक नहीं बची हैं यदि बच्चियां स्कूटी से जाती हैं तो पानी के गड्ढे में गिर जाती हैं।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य जी इसको समाप्त करिए।

श्री बैजनाथ रावत-

मान्यवर, आज आवश्यकता है, हम इसे कभी नहीं गिनाते हैं कि यह कमियां हैं परन्तु आवश्यकतानुसार इसकी जरूरत पड़ी है। हैदरगढ़ से जब हम बेटरिया जाते हैं तो रेलवे क्रॉसिंग पड़ती है वहां एक फूलाईओवर की आवश्यकता है और हैदरगढ़ से जब हम अवमानकपुर घाट जाते हैं जिला मुख्यालय, वहां भी रेलवे क्रांसिग है उस पर फूलाईओवर की आवश्कयता है। डबल लाइन हो जाने के कारण लगभग सैकड़ों गाड़ियां निकलती हैं, एम्बुलेंस और अन्य गाड़ियां आधा-आधा घण्टा वहां पर खड़ी रहती हैं। मान्यवर, एन0एच-56 जो अब इस समय 731 बन गया है यहां पर एक एकरा गांव है उसके पांच किलोमीटर तक कोई क्रांसिंग नहीं है। हमारी सारी किसानी दूसरी तरफ है यहां किसानों को पांच किलोमीटर घूम कर जाना पड़ता है, यहां पर एक सड़क की आवश्यकता है। एक बारा गांव है ब्लॉक मुख्यालय हमारे सामने है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अब आप समाप्त करियेगा।

श्री बैजनाथ रावत-

मान्यवर, नहरों की सफाई टेल तक बहुत दिन से नहीं हुई है इसमें हमारा सुझाव है कि हम करोड़ों रुपये नहर की सफाई पर खर्चा करते हैं यदि हम जरूरतमंद लोगों को टेण्डर कर दें कि नहर की सफाई करनी है तो जो काश्तकार चाहे वह मिट्टी निकालकर ले जाये। हमारे मानक के अनुसार वह मिट्टी निकालकर ले जाये जिससे टेल तक हमारी सफाई भी हो जाएगी और हमारा पैसा भी बच जायेगा यह हमारा सुझाव है। जल संचय के संबंध में कहना

चाहूंगा कि वहां पर कुछ छोटी झीलें हैं जो गहरी तो नहीं हैं परन्तु तालाब नहीं हैं। जल निकास के लिए कोई रास्ता नहीं है। इसमें हम कोई बोरिंग करके वाटर रिचार्जिंग सिस्टम डाल दें तो वह बिना जरूरत का पानी उसके अन्दर चला जाये और हमारे तमाम खेती योग्य जल बच जाये, यही हमें कहना था। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री अधिष्ठाता-

हम लोग कल से विशेष सत्र में अपने वक्तव्य दे रहे हैं। रात में कुछ जो सूचियों में नाम थे उससे कुछ अलग नामों को बुलाना पड़ा जिसमें कुछ महिलाएं भी शामिल थीं। इसलिए बहुत-से लोगों को विलंब हुआ। अभी माननीय सूर्य प्रताप शाही जी जो मंत्री हैं वह बोल चुके हैं, माननीय केशव प्रसाद मौर्य जी बोल चुके, माननीय रमापति शास्त्री जी बोल चुके हैं, राजेन्द्र प्रसाद सिंह उर्फ मोती जी बोल चुके हैं, श्रीमती नीलिमा कटियार जी, राम नरेश अग्निहोत्री जी, चौधरी लक्ष्मी नारायण जी, माननीय चेतन चौहान जी, लाखन सिंह जी, माननीय सतीश महाना जी और माननीय सिद्धार्थनाथ सिंह जी । सिद्धार्थनाथ सिंह जी का अब इस समय चल रहा है। इस सूची के नामों को हम बुलाएंगे अभी । इससे पहले जो भी नाम है यह बात सही है कि रात भर जागना पड़ा है विलंब हुआ लेकिन इन ग्रुप में जो लोग जिनके नाम हमने अभी बोला है, इन ग्रुप के लोग जिन्हें रात में जागना पड़ा है वह कुछ देर के लिए जो तीन अक्टूबर की सूची जो चल रही है उसमें और समय लग सकता है, वह रात भर जागे हैं वह अपने आवासों पर जाकर नहा-धोकर, नाश्ता आदि करके ठीक प्रकार से आ जाएंगे तो किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होगी। हम सब लोग मिलजुलकर सदन को चला रहे हैं आपको कोई परेशानी नहीं है लेकिन उनको ठीक करने की आवश्यकता है। आप लोग जो नाम हमने बोले हैं और जो दो अक्टूबर वाले हैं सभी लोग अपने आवास पर जाकर नहाना, पूजा आदि करने के बाद दोबारा 2 बजे के आस-पास आ जाएंगे। सिद्धार्थनाथ सिंह जी का ग्रुप अब शुरू हो रहा है उसको हम बुला रहे हैं। समय कम है और बोलने वाले ज्यादा हैं सबको बोलना है और सबको अपना विषय रखना है। हमको टोकना न पड़े। सभी माननीय विधायक 5 मिनट के अन्दर अपना भाषण कन्कलूड करें माननीय मंत्री 15 मिनट में अपना भाषण कन्क्लूड करें तब ही सब लोग बोल पायेंगें। इस बात का विशेष ध्यान रखें।

[*][09:15] श्री राकेश कुमार गोस्वामी-

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं बुन्देलखंड के सबसे पिछड़े क्षेत्र से आता हूं जहां समस्याओं की भरमार है। कल रात से अपनी बारी के इंतजार में बैठा हूं और खड़े होने से पहले ही आपने टाइम की सीमा तय कर दी कि 5 मिनट में अपनी बात कहें। आपका आदेश पालन करूँगा लेकिन यह आज जो विशेष सत्र हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के उपलक्ष्य में माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा बुलाया गया है, सर्वप्रथम मैं उसके लिये माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं और आज इस पावन अवसर पर राष्ट्रपिता और हमारे दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चरणों में नमन करता हूं। कुछ लोग इतिहास लिखते हैं, कुछ लोग इतिहास बनाते हैं। हमारे प्रधानमंत्री और हमारे मुख्य मंत्री दोनों लोग उन महापुरुषों में हैं जो इतिहास बनाने का काम कर रहे हैं।(मेजों की थपथपाहट) चाहे वह कुंभ का मेला हो, चाहे वह अयोध्या की दीप माल का उत्सव हो, चाहे वह उत्तर प्रदेश से गुण्डों का सफाया हो, चाहे यह 36 घंटे का विशेष सदन हो। अधिष्ठाता महोदय यह इतिहास में रचा जाने वाला बहुत बड़ा काम है। और मैं अपने आप को भाग्यवान समझता हूं कि मैं उस सदन का सदस्य हूं जिसमें यह इतिहास रचा जा रहा है। आज अधिष्ठाता महोदय मुझे बोलने के लिये जो विषय मिला था वह **गरीबी उन्मूलन** के बारे में था। महात्मा गांधी जी की जयन्ती आज हम मनाने जा रहे हैं अगर उनका सपना पूर्ववर्ती सरकारों ने पूरा किया होता तो आज देश से गरीबी का नामोनिशान मिट गया होता। **गरीबी हटाओ** इस नारे को लेकर पूर्व की सरकारें आती रहीं लेकिन काम उन्होंने कुछ नहीं किया। आज पहली बार है कि हमारे प्रधानमंत्री जी जिन्होंने गरीबी को बहुत नजदीक से देखा है, महसूस किया है और उस दिशा में उन्होंने एक लक्ष्य रखकर काम किया है जिसकी वजह से गरीबी बहुत कुछ दूर हो गई है और हमें विश्वास है कि जो लक्ष्य 2030 तक रखा गया है निश्चित तौर से यह टाइम बाउन्ड प्रोग्राम जल्द पूरा कर लेंगें। गरीबी हटाने की दिशा में जो कार्य हमारी सरकार कर रही है आज उज्ज्वला योजना है, किसने कल्पना की थी कि एक गरीब आदमी गैस का कनेक्शन भी ले सकता है लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जी ने उस दिशा में जो काम किया है।

आज हमारे जनपद में बहुत लोग उज्ज्वला योजना से सौभाग्य योजना से लाभांवित हुए हैं। बिजली का कनेक्शन लेना अपने आप में एक बहुत बड़ा काम था। बहुत मजरे, बहुत गांव आज भी देश की स्वतंत्रता के इतने साल बाद भी ऐसे थे जहां बिजली का कोई पोल नहीं पहुँचा था। लोग आज भी अँधियारे मे रहने पर मजबूर थे लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जी की सौभाग्य योजना के अन्तर्गत हमारा जनपद पूरी तरह जगमग है। आज किसी भी गांव में जाकर पता करते हैं कि कोई मकान ऐसा तो नहीं रह गया है जहां बिजली का कनेक्शन न पहुँचा हो। मैं धन्यवाद देता हूं अपने मुख्य मंत्री जी को और प्रधानमंत्री जी को जिनके द्वारा आज गरीब से गरीब के घर में बिजली का बल्व जल रहा है और बिजली का पंखा चल रहा है।(मेजों की थपथपाहट) माननीय अधिष्ठाता जी, मैं एक ऐसे क्षेत्र से आता हूं **आला ऊदल** की वीर नगरी महोवा से मैं चुनकर इस विधान सभा क्षेत्र में आया हूं। हमारा क्षेत्र सबसे ज्यादा पिछड़ा हुआ है। मान्यवर, आदि काल से हमारे यहां पानी की समस्या रही है और आज भी हम उस समस्या से जूझ रहे हैं। पेयजल का बहुत बड़ा संकट हमारे यहां रहता है। हर बार गर्मियों में पेयजल के लिये सरकार से गुहार करनी पड़ती है और कहीं टैंकों से पानी पहुँचता है। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं माननीय मुख्य मंत्री जी को जिन्होंने पूरे बुन्देलखंड के लिये पाइप पेयजल योजना का

चयन किया और 9 हजार करोड़ रुपये उसके लिये आवंटित भी कर दिये। आगे आने वाले समय में हमारे यहां कोई भी शुद्ध पेयजल से वंचित नहीं रहेगा। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं माननीय मुख्य मंत्री जी को जिन्होंने इस बारे में विचार किया। पूर्ववर्ती सरकारें बुन्देलखंड का नाम भाषणों में, सदन में, बहुत लेती थीं लेकिन इस ओर ध्यान किसी सरकार का नहीं गया। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं मुख्य मंत्री जी को कि मुख्य मंत्री पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने जो पहला दौरा किया था वह बुन्देलखंड का किया था।(मेजों की थपथपाहट) आज बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे हो या डिफेंस कॉरीडोर हो चाहे हम लोगों के यहां विभिन्न प्रकार की योजनाएं हों, उनको माननीय मुख्य मंत्री जी असली जामा पहना रहे हैं। माननीय अधिष्ठाता जी, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि अभी और ध्यान देने की जरूरत है। हम लोग इतने पिछड़े हुए हैं कि जब तक मुख्य मंत्री जी पूरी नजर हम लोगों पर नहीं रखेंगें तब तक हम लोगों का विकास सम्भव नहीं हैं।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य जी, अब समाप्त करें। फिर दिक्कत तो जायेगी।

श्री राकेश कुमार गोस्वामी-

अधिष्ठाता महोदय, हम लोग वैसे ही बुन्देलखंड से आते हैं और वैसे ही विधान सभा में नहीं बोलते हैं आज बोलने के लिये खड़े हुए हैं तो हमको शार्ट न करें आगे किसी और को शार्ट कर दीजियेगा। थोड़ी हम अपने विधान सभा क्षेत्र की प्रॉब्लम्स बता दें अभी तो भाषण ही दे रहे थे। मान्यवर, हमारे यहां पलायन सबसे बड़ी प्राब्लम है क्योंकि कृषि बेस हमारा पूरा क्षेत्र हैं और लगातार पिछले 5-6 सालों से सूखा, अति वृष्टि और ओला वृष्टि की वजह से फसल हम लोगों के यहां खराब हो रही है जिससे पलायन हो रहा है। पलायन को रोकने के लिये मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूँगा कि वहां उद्योगों का ऐसा जाल बिछायें जिससे हमारे क्षेत्र का पलायन बंद हो जाय। तालाबों की हमारे यहां आदिकाल से व्यवस्था रही है जिससे हमारे यहां का वॉटर लेबिल ठीक रहता था लेकिन इधर कुछ समय से हमारे तालाबों पर अतिक्रमण हो गया है। हमारी सरकार की प्राथमिकता में भी है और मैं यह अनुरोध करूँगा कि हमारे यहां तालाबों का जीर्णोद्धार कराया जाय और उन पर जो अतिक्रमण है उसे हटवाया जाय। मान्यवर, महोबा एक ऐतिहासिक नगरी है और पर्यटन के हिसाब से खजुराहो और ओरछा मध्यप्रदेश के दो ऐसे क्षेत्र हैं और इधर चित्रकूट इनके बीच में हमारा क्षेत्र महोबा बसा हुआ है। पर्यटन की दृष्टि से एक ऐतिहासिक नगरी है। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि महोबा का विकास एक पर्यटन क्षेत्र के रूप में किया जाय जिससे काफी कुछ गरीबी दूर हो सकती है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य समाप्त करें। काफी समय हो गया है।

श्री राकेश कुमार गोस्वामी-

एक मिनट और मान्यवर। हमारे यहां मान्यवर, क्रेशर उद्योग ऐसी इन्डस्ट्री थी जिससे काफी लोगों को रोजगार मिलता था परन्तु इधर डेढ़ महीने से क्रेशर उद्योग लगभग ठप्प पड़ा है। माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान क्रेशर उद्योग की तरफ दिलाना चाहता हूं। मान्यवर, बार-बार आपकी बात काटना अच्छा नहीं लग रहा है इसलिये मैं एक बार पुनः राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर अपने पूरे सदन को धन्यवाद देता हूं और अपनी बात को समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

***[09:24] संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, कल प्रातः 11 बजे से यह चर्चा चल रही है और काफी माननीय सदस्यों ने, माननीय मंत्रियों ने अपने विचार व्यक्त किये। मेरा आपसे एक ही निवेदन है कि आज यह चर्चा केवल **सस्टेनेबिल डेवलेपमेंट गोल्स** पर हो रही है। और जो 16 गोल्स दिये गये उसमें जितने माननीय सदस्य हैं उसी के आधार पर उसमें हमने क्या किया है आज तक, और भविष्य में क्या करने जा रहे हैं या हमारे क्षेत्र में किस बात की आवश्यकता है क्या होना है इस पर हो सकता है। तो मेरा सबमिशन यह है कि जो 16 गोल्स दिये हैं उसी के आधार पर लोग बोलें और उसी में जो आवश्यकता है, उपयोगिता है, भविष्य की जो प्लानिंग है उसके बारे में ही अपनी बात कहें। अगर उस तक अपने आप को सीमित रखेंगें तो मैं समझता हूं कि चर्चा ज्यादा सार्थक होगी और उनका बयान भी रिकार्ड होगा। कल को एक दस्तावेज बनेगा। हम लोग क्षेत्र की समस्याएं तो हर वक्त उठाते हैं। क्षेत्र की समस्याएं उठाने के लिये बहुत से वक्त हैं लेकिन इस गोल को आधार मानकर, जो लक्ष्य हमारा है उसको आधार मानकर अपनी बात रखेंगें तो चर्चा ज्यादा सार्थक होगी। मैं समझता हूं कि अगर प्वाइंट वाइज चर्चा होगी उस पर तो समय भी ज्यादा नहीं लगेगा और सभी माननीय सदस्य स्पैसिफिक रूप से अपने विचार व्यक्त कर सकेंगें। इस बात को मान्यवर, विशेष रूप से इंगित कर देंगें तो अच्छा रहेगा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने जो कहा है वह सही है। हर एक माननीय के सामने जो पत्र गया है उसमें विषय लिखा है। जो हमारे 15-16 प्वाइंट्स हैं उनमें से जो सब्जेक्ट आपको दिया गया है उसी पर आप बोलेंगें। क्या आप लोग सहमत हैं, सहमत हैं तो हाथ उठायें। अपने सब्जेक्ट तक सीमित रहें तो अच्छा रहेगा। छोटी मोटी बात हो तो कह लें। ठीक है, सब सहमत हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

*[09:26] **श्री ज्ञान तिवारी-**

धन्यवाद अधिष्ठाता जी, कल सुबह 11.00 बजे से बैठे बैठे आज सुबह 9.30 बजे आपने समय दिया। सादगी, स्वराज्य, स्वच्छता, सत्य, अहिंसा के पुजारी श्रद्धेय बापू जी और देश के अभूतपूर्व द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस पर हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री आदित्य योगी नाथ जी ने जो सदन बुलाया और उसमें आज हम सब लोगों को रहने का अवसर प्राप्त हुआ। हमारा भारत विश्व गुरू बने उसके लिये दिल्ली की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार जो गांव गरीब किसान के लिये, झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले इंसान के लिये, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिये, दबे कुचलों के उत्थान के लिये निरन्तर काम कर रही है। उसी परिप्रेक्ष्य में **लिंग अनुपात** के और **भूमि पर जीवन** दो विषय पर बोलने का मुझे अवसर प्राप्त हुआ है। अध्यक्ष जी, भारत जनगणना की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा देश है। लिंग अनुपात का अन्तर तबसे देखा जा रहा है जब से जनगणना शुरू हुई है। माननीय अध्यक्ष जी, पहली बार जनगणना ब्रिट्रिश काल में 1871 में शुरू हुई थी तब से यह जनगणना निरन्तर 10 वर्ष में होती है। यहां पुरुष लिंग अनुपात की अपेक्षा स्त्री लिंग अनुपात में कमी देखी गई है जो कि देशव्यापी समस्या है। इसका निराकरण आवश्यक है। उत्तर प्रदेश में जन्म के समय लिंग अनुपात 2014 में एक हजार मे 885 थी जो कि 2018-19 में बढ़कर 918 हो गई है इसके लिये मैं उत्तर प्रदेश की सरकार को, माननीय योगी आदित्यनाथ जी को और उनकी पूरी टीम को हृदय की गहराइयों से बधाई देता हूं।

माननीय अध्यक्ष जी, लिंग अनुपात के सुधार के लिये 2022 और 2024 तक हमारी सरकार 925 से लेकर 935 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लिंग अनुपात की असमानता के लिये बहुत सारे कारण हैं जिस पर हम सब लोगों को काम करने की आवश्यकता है। माननीय अध्यक्ष जी, जैसे लड़कियों के लिंग अनुपात की असमानता, लड़कियों के प्रति संकीर्ण विचार धारा, अशिक्षा, कन्या भ्रूण हत्या, सामाजिक एवं आर्थिक कारणों से असमानता, देश के विकास में बाधक है। जिस तरह से एक गाड़ी को चलाने के लिये दो पहियों की आवश्यकता होती है। एक पहिया नहीं होगा तो गाड़ी नहीं चल सकती है। उसी तरीके से माननीय अध्यक्ष जी एक परिवार को निर्मित करने के लिये स्त्री और पुरुष की संयुक्त भूमिका होती है। अगर यह लिंग अनुपात में अन्तर समाप्त नहीं हुआ तो उसके लिये सामाजिक और सांस्कृतिक नुकसान समाज को उठाना पड़ेगा। स्त्री सबसे पहले एक परिवार के लिये फिर समाज के लिये और फिर देश के लिये उचित भूमिका निभाती है। अध्यक्ष जी, लगातार कम हो रहे लिंग अनुपात के लिये दिल्ली की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार लड़कियों की शिक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दे रही है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना जन जन में पहुँचाने का कार्य किया हैं। जिसके लिए बालिका की मुफ्त शिक्षा बालिका इंटर कॉलेज तथा बालिका डिग्री कॉलेज बनाये जा रहे हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, आज आजादी के 73 वर्ष हुए हैं और जिस विधान सभा क्षेत्र से मैं आता हूं मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक भी बालिका इंटर कॉलेज नहीं है और एक भी डिग्री कॉलेज किसी भी तरीके का नहीं है इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार को आग्रह है कि अगर हमें इस पर काम करना है तो हमारे जैसे और भी जो विधान सभा क्षेत्र हैं उनको चिन्हित करके उनमें बालिका इंटर कॉलेज और बालिका डिग्री कॉलेज जरूर बनाया जाए। मान्यवर, जब लड़का शिक्षित होता है तो एक परिवार मे रोशनी होती है, लेकिन जब लड़की शिक्षित होती है तो दो परिवारों में रोशनी होती है जब तक उसकी शादी नहीं होती तब तक वह उस घर के परिवार के बच्चों को पढ़ाने का काम करती है और जब शादी हो जाती है तो जिस घर में जाती है उस घर में भी रोशनी बिखेरने का काम करती है। मान्यवर, शिक्षित लड़कियां समाज की बुराई को खत्म कर सकती हैं। वह समाज में जागरूकता बढ़ा सकती हैं जिससे कन्या भ्रूण हत्या और गर्भपात नहीं होंगे। जब बेटी बड़ी होगी तो कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ होगी। जब बेटी बड़ी होगी तो सरकार की योजनाओं से आर्थिक सहायता प्राप्त कर स्वयं अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है। वह किसी पर आश्रित नहीं रहेगी। मान्यवर, लिंगानुपात को कम करने के लिए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी और हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने एक संकल्प लिया है। संकल्प राष्ट्र का प्रण हर बेटी को जीवन यह उनका संकल्प है। मान्यवर, इसके लिए बहुत सी योजनाएं चलाई गई हैं।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना, महिला शक्ति योजना, महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम सौभाग्य योजना के तहत् बिजली, किशोरी शक्ति योजना और हमारे मुख्य मंत्री जी ने भी सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं को जिस परिवार में गरीब लड़की होती थी और जब लड़की की उम्र हो जाती थी तथा उसके पास कोई व्यवस्था नहीं होती थी, मैं इसके लिए मुख्य मंत्री जी को बधाई दूंगा जिन्होंने 51 हजार रुपये देकर के उन गरीब लड़कियों के लिए, उनके विवाह के लिए देने का काम किया है। मुखबिर योजना के लिए भी 10 हजार रुपये मिलता है। निराश्रित महिलाओं के लिए पेंशन योजना, भाग्य लक्ष्मी योजना, बेटी के जन्म लेने पर 50 हजार मिलेगा। कक्षा-6 में पहुंचने पर तीन हजार मिलेगा।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए।

श्री ज्ञान तिवारी-

जी मान्यवर, हम कह सकते हैं कि महिलाओं के सम्मान की पहली लड़ाई राजा राम मोहन राय ने सती प्रथा के खिलाफ लड़ी थी, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री जी ने आज जो दूसरी लड़ाई लड़ी है उसमें तीन तलाक को खत्म करने का जो काम किया है। मैं उसके लिए प्रधानमंत्री जी को हृदय की गहराईयों से धन्यवाद देता हूं।

श्री अधिष्ठाता-

तिवारी जी अब आप समाप्त करिए।

श्री ज्ञान तिवारी-

मान्यवर, सिर्फ दो मिनट। मान्यवर, यह ऐतिहासिक सदन जो 2 अक्टूबर को हो रहा है और मैं वही बात बोलने जा रहा हूं जो आजादी के 73 साल में नहीं हुआ है, मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से आता हूं वहां एक भी तहसील नहीं है। मैं जिस विधान सभा क्षेत्र से आ रहा हूं वहां एक भी फायर स्टेशन नहीं है। जब वहां आग लगती है तो आग लगने पर महमूदाबाद से या लहरपुर से फायर ब्रिगेड आता है और वह जब तक आता है तो वहां सब जलकर राख हो जाता है। हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने जो धन स्वीकृत किया है अगर वह रिलीज हो जाएगा तो हमें आगजनी से फुरसत मिलेगी। मेरी विधान सभा क्षेत्र में मात्र एक पावर हाउस है और जहां 20 प्रतिशत गांव में बिजली थी वहां 90 प्रतिशत गांव में बिजली पहुंच गयी है। अगर वहां पावर हाउस नहीं होगा तो बिजली कहां से सप्लाई करेंगे। मान्यवर, हमारा क्षेत्र बाढ़ ग्रसित क्षेत्र है जिसके लिए मा0 मुख्य मंत्री जी ने 35 करोड़ रुपया दिया है लेकिन 80 किलोमीटर बाढ़ पर बंधा कट गया है। एक जगह 45 गांव प्रभावित हैं और एक जगह 14 गांव प्रभावित हैं। मान्यवर, अगर शारदा नदी का पानी हम लखीमपुर से गोमती नदी में डालेंगे तो लखनऊ वालों की प्यास बुझेगी तब जाकर के हमारे सीतापुर में बाढ़ की मुक्ति मिलेगी। आजादी के इन 73 सालों में जो किसी नेता ने नहीं कहा है मैं आज वह कह रहा हूं। इस ऐतिहासिक दिन पर एक ऐतिहासिक बात कह रहा हूं। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको हृदय की गहराईयों से धन्यवाद देता हूं। मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक भी नगर पालिका और एक भी न्याय पंचायत नहीं है वह भी बन जाएगा तो ठीक रहेगा। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए। जटा शंकर त्रिपाठी जी नहीं हैं क्या ?

* **[09:36] श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह**-

मान्यवर, गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर तथा पूर्व प्रधानमंत्री काशी के लाल, लाल बहादुर शास्त्री जी को शत्-शत् नमन। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं कि आपने ऐसे गंभीर विषय पर बोलने का मुझे मौका दिया। जैसा कि हम सब जानते हैं कि महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर यह आयोजन हो रहा हैं। इस आयोजन पर मैं साफ पानी और स्वच्छता के मिशन पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। जैसा कि हम सब जानते हैं कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए पानी बेहद आवश्यक है और पेड़, पानी की

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अपनी एक सीमा भी हैं। यद्यपि पृथ्वी पर जल स्तर से अधिक पानी के अन्य और उपयोग भी हैं। महोदय, पानी मानव के लिए ही नहीं वरन पशु-पक्षियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। समाज में यदि सभी जीवित रहना चाहते हैं तो उन्हें जल की आवश्यकता को महसूस करना चाहिए। इसके महत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सभी महत्वपूर्ण सभ्यताएं नदियों के किनारे विकसित हुई हैं। सनातन धर्म में इसे एक देवता के रूप में पूजा गया है। यह चिंता का विषय है कि उसी जल को आज हमने कितना प्रदूषित कर दिया है। आज हम सभी को पृथ्वी पर जीवन बचाने के लिए पानी बचाव का श्लोगन भी बनाना पड़ रहा है क्योंकि दिन ब दिन पेयजल प्रदूषित हो रहा है। इसकी कमी के कारण दुनिया में विभिन्न बीमारियां तथा पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसे अनेक संकट सामने आ रहे हैं। फिर भी दुनिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इसे नहीं समझ रहा है। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रूप में मनाया है ताकि ताजे पानी के महत्व और ताजे जल संसाधनों का प्रबंधन किया जा सके। हमें बड़ी प्रसन्नता है कि हमारी सरकार चाहे केन्द्र की हो या राज्य की सबने मिलकर गंगा और अन्य नदियों का कायाकल्प करने के लिए पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के लिए समर्पित मंत्रियों जैसे लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए विभाग तैयार किये हैं। केन्द में भू-जल बोर्ड, भू-जल विकास के नियमन और वर्षा जल संचयन के लिए भी कदम उठाया जा रहा है।

आज आवश्यकता है कि जल बचाव और पृथ्वी बचाव अभियान के तहत् कदम से कदम मिलाकर साथ चलें। महोदय, इसीलिए मा0 मुख्य मंत्री जी ने जल शक्ति मंत्रालय का गठन करके जल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। महोदय, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल की समस्या बहुत पुरानी है, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इस दिशा में अब तक कोई बड़ा कदम नहीं उठाया था। भारत में आज भी लोग स्वच्छ पानी की कमी से जूझ रहे हैं। पानी की कमी से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में जनता को सरकार द्वारा भेजे गये पानी के टैंक पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है। केन्द सरकार ने इसकी महत्ता को समझते हुए एक नदी योजना की शुरूआत की है जिसका नाम जल शक्ति अभियान और घर-घर जल योजना है। महोदय, भारत एक ऐसा देश है जहां जनसंख्या विस्फोट और बढ़ते हुए औद्योगिकीकरण के कारण जल संसाधनों पर भी बुरे प्रभाव पड़ रहे हैं। पर्यावरण विदों और वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि जल को प्रदूषित होने से नहीं रोका गया तो जल के प्राकृतिक स्रोत समाप्त हो जाएंगे। इस योजना को कई भागों में विभाजित किया गया है और सरकार इस पर काम कर रही हैं। महोदय, हमारी सरकार इस देश और प्रदेश के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्य मंत्री आवास योजना, शौचालय बिजली की उचित व्यवस्था, खाद्यान्न सबको मिले ऐसी व्यवस्था, आयुष्मान भारत योजना, निःशुल्क गैस कनेक्शन, किसान सम्मान योजना, फसल बीमा और बीज, पानी इत्यादि किसानों को समय से पहुंचाकर बहुत बड़ा काम किया है जिससे आज पूरा प्रदेश मा0 योगी जी की सराहना कर रहा

है। महोदय, हमारा क्षेत्र एक अर्ध शहरी क्षेत्र है। मैं सबसे पहले तो मा0 प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद दूंगा कि उनका वाराणसी क्षेत्र जो लोकसभा का है मैं उसी में एक रोहनिया विधान सभा क्षेत्र से चुनकर आता हूं। महोदय, यह क्षेत्र बहुत ही तीव्र गति से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। चकबंदी में वहां पर जलभराव का जो रास्ता था उसे बंद कर दिया गया है। महोदय, इससे स्थिति बड़ी विकट हो गयी है क्योंकि यह जल से ही सम्बंधित है। मैं निवेदन करूंगा कि वहां पर जहां पानी रूक रहा है वह पानी धरती के नीचे जा रहा है जिसकी वजह से नीचे का पानी प्रदूषित हो रहा है। महोदय, मैं निवेदन करता हूं कि हमारे क्षेत्र के लिए विशेष पैकेज बनाकर तमाम पानी जो वहां रूकता है उसमें जल निकासी का रास्ता बनाने की आवश्यकता है। महोदय, चार ऐसे गांव हैं जो चारों तरफ से जी0टी0 रोड और रेलवे लाइन तथा पी0ए0सी0 से घिरे हुए हैं। वह गांव मलौली, नाथुपुर, जलालीपट्टी तथा भूलनपुर हैं। महोदय, यहां का पानी गर्मी में भी धरती के नीचे जाता है और वहां का जल प्रदूषित कर रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए।

श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह-

महोदय, मेरा निवेदन है कि इस समस्या के समाधान के लिए वहां पर व्यवस्था करना जरूरी है। महोदय, मैं दो मिनट का समय और चाहूंगा। हमारे क्षेत्र में गंगा नदी और वरूणा नदी यह दो बड़ी नदियां हैं लेकिन गर्मी में वरूणा नदी सूख जाती है। मैंने सिंचाई मंत्री जी से निवेदन किया था कि इस क्षेत्र में जगह-जगह चेक डैम बनाकर पानी को रोका जाए तो इससे बड़े फायदे होंगे। पहला तो पानी का जल स्तर रूकेगा। दूसरी बात बगल में रहने वाले जो किसान हैं उन्हें भी सिंचाई से लाभ मिलेगा। महोदय जल से ही सम्बंधित मेरे क्षेत्र में एक बहुत बड़ी समस्या है कि बरसात के समय बहुत बड़ा इलाका प्रभावित होता है, यदि गंगा नदी के किनारे एक बांध बना दिया जाए जिसके कारण अनावश्यक जल क्षेत्र में नहीं आएगा और लोग बाढ़ से बचेंगे। निश्चित तौर से इस काम से क्षेत्र का जल स्तर भी ऊंचा उठेगा। महोदय, मेरे क्षेत्र में एक बहुत बड़ी समस्या है जिसके लिए मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि हमारे यहां पूर्व में एक हाईटेक कम्पनी आई थी उसमें लगभग 25 गांव के किसानों की जमीन बहुत ही सस्ते दर पर सरकार को दे दिया गया था, आज वह कम्पनी भाग गयी है, लेकिन तमाम किसानों की जमीन कम्पनी के नाम से है, जिस कारण किसान अपना काम नहीं कर पा रहे हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए।

श्री सुरेन्द्र नारायण सिंह-

महोदय, मेरा अंतिम निवेदन है कि मैं सबके लिए बात करूंगा कि हमारे मा0 योगी जी एक बहुत बड़ी धनराशि चिकित्सा के लिए दे रहे हैं। मेरा निवेदन है कि इतना पैसा देने के बाद तमाम ऐसे लोग हैं जो उसका लाभ नहीं उठा पा रहे है, मेरा सदन के माध्यम से निवेदन है कि गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सरकार फ्री इलाज शुरू कर दे ताकि लोगों को भटकना न पड़े और अस्पतालों में जाकर उनका समुचित इलाज हो सके। महोदय, मेरा क्षेत्र चूंकि शहर से नजदीक है लेकिन वहां पर महिला डिग्री कॉलेज एक भी नहीं है। वहां पर एक ऐसा गांव है जहां 7 बीघा सरकारी बंजर जमीन है और ग्राम प्रधान लिखकर देने को तैयार है।

***[09:47] श्री सौरभ श्रीवास्तव-**

मान्यवर, महात्मा गांधी जी एवं श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर आयोजित इस ऐतिहासिक सत्र में बोलने का अवसर देने के लिए मा0 मुख्य मंत्री जी, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी एवं अधिष्ठाता जी के प्रति हृदय से आभार है। मुझे विषय मिला है सस्ती और स्वस्थ ऊर्जा का। मान्यवर, लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना किसी भी देश या प्रदेश का सरकार का प्राथमिक लक्ष्य होता है और हमारे देश के संविधान में भी इसी लक्ष्य की प्राप्ति के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। सौभाग्य से आज हमारा देश केन्द्र में भी कुशल सुरक्षित हाथों में है और प्रदेश में भी कुशल दूरदर्शी और कर्मठ नेतृत्व हमें मिल रहा है। इसका परिणाम भी सामने है कि राज्य से भ्रष्टाचार और अराजकता का लगातार सफाया किया जा रहा है। बिजली के मामले में भी विचार करें तो हममें से किसी से छिपा नहीं है कि पिछले कुछ दशकों में बिजली के क्या हालात बनने लगे थे। राज्य के अनेक जिलों में बिजली पहुंच ही नहीं रही थी जहां पहुंचती भी थी तो घंटों गायब रहती थी और ऊर्जा की कमी हमारे लोगों के जीवन में भी लगातार होती रही, लेकिन अब मा0 मुख्य मंत्री आदित्यनाथ जी ने शुरू से ही उत्तर प्रदेश की जनता के इस दर्द को समझा और उनके नेतृत्व में यह उत्तर प्रदेश के घर-घर तक बिजली पहुंचाने को प्राथमिकता दी गई, वही हमारी ऊर्जावान ऊर्जा मंत्री जी ने बड़ी ही तत्परता से इस मुश्किल काम को साकार करने के सार्थक प्रयास किए हैं।

यह उल्लेखनीय है कि 2 करोड़ 91 लाख 76 हजार घरों को बिजली का कनेक्शन दिया गया। सौभाग्य योजना के तहत् बिजली कनेक्शन में उत्तर प्रदेश पूरे देश में शीर्ष स्थान पर है, जहां पर 1 करोड़ 9 लाख से अधिक घरों में निशुल्क बिजली कनेक्शन दिया गया। वर्ष 2014 में बिजली उत्पादन की क्षमता जहां दस हजार 442 मेगावॉट थी वहीं वर्ष 2019 में 20 हजार 9 सौ 21 मेगावॉट हो गई। वैकल्पिक ऊर्जा में वृद्धि के लिए नई सौर ऊर्जा नीति को लागू करते हुए सौर ऊर्जा सेक्टर 15 सौ 35 मेगावॉट के प्रस्ताव स्वीकृत किए गए।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाईट योजना के अन्तर्गत ग्रामीण बाजारों में 23 हजार 50 सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थापना की गई।

(इसी मध्य प्रातः 09 बजकर 50 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

मुख्य मंत्री समग्र ग्राम विकास योजना के तहत् गांव में वैकल्पिक मात्र प्रकाश की व्यवस्था के लिए 7 हजार 120 सोलर स्ट्रीट लाईट लगाई गई। सामुदायिक प्रकाश व्यवस्था के लिए 22 हजार सोलर स्ट्रीट संयत्र लगाए गए। प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में 1980 सोलर आर0ओ0 वॉटर प्लाण्टस लगाए गए और इसी विभाग के सहयोग से 12 हजार 6 सौ 56 सोलर पम्प सिंचाई के लिए लगाया गये, लेकिन हमारा लक्ष्य इतना ही नहीं है। हम इतने से संतुष्ट रहने वाले नहीं है। हमारा लक्ष्य भविष्य को भी सुरक्षित और ऊर्जावान बनाना है। उत्तर प्रदेश को फिर से देश का सबसे सम्पन्न और समृद्ध राज्य बनाना है। जहां पर विलक्षण प्रतिभाओं के बच्चे हर क्षेत्र में अपने परिवार, प्रदेश और देश का नाम रौशन करें। बड़े लक्ष्य को पाना हमारे सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। बिजली उत्पादन में अब तक पारम्परिक संसाधनों का उपयोग होता रहा है जो लगातार घटता ही जा रहा है। बिजली भी हमारे लिए जरूरी है, लेकिन साथ ही पर्यावरण संरक्षण और जनता के स्वास्थ्य को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

परंपरागत बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले ईंधन, कोयला, लकड़ी वगैरह का बड़ी मात्रा में इस्तेमाल के बाद उनके डिस्पोजल के तरीके पर्यावरण के लिए खतरा बनने लगते हैं जो अन्त में हमें भी प्रभावित करते हैं। ऐसी स्थिति में गैर पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत बहुत अच्छा विकल्प देते हैं। हम सभी जानते हैं कि ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोतों में विंड और हाइड्रो एनर्जी ने भी बहुत अच्छे परिणाम दिए हैं, लेकिन इनमें भी अधिक सफल है सौर ऊर्जा। और वैसे भी हमारे उत्तर प्रदेश में तो सूर्य देवता की विशेष कृपा बरसती है। साल के लगभग दस महीने सूर्य की भरपूर अबाध ऊर्जा मिलती है। सूर्य को यूं ही नहीं भगवान माना गया है, विद्या और ज्ञान की तरह इनकी भी ऊर्जा इस्तेमाल करने से घटती नहीं है और इस्तेमाल भी कितना साफ-सुथरा है, किसी भी खुली छत पर इसके छोटे-बड़े पैनल लगाकर ऊर्जा का उत्पादन शुरू किया जा सकता है। प्रदूषण आदि होने की संभावना भी नहीं रहती। ऊर्जा के इस संसाधन को घर-घर तक पहुंचाने की प्रयास की ओर हमारी सरकार अग्रसर भी हो चुकी है। लोगों को उनकी घरों की छतों पर सौर पैनल लगवाने में मदद देने से एक ओर यह उनकी दैनिक जरूरतों को पूरी करेगा, दूसरी ओर पारंपरिक दबाव कम हो सकेगा। दिल्ली में बहुत सारे सरकारी भवनों के ऊपर सरकार ने अपनी ओर से पैनल लगवाए हैं। उत्तर प्रदेश में भी ऐसा करने की आवश्यकता है, हालांकि हमारे राज्य की जागरूक जनता इस संसाधन से काफी अच्छी तरह से परिचित है, लेकिन पैनल लगवाने के हब से डरती है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोलर पैनल लगवाने के लिए सब्सिडी स्कीम लागू की है, आवश्यकता है इस स्कीम का अधिक से

अधिक प्रचार-प्रसार करने की। जनता को अगर सोलर पैनल लगाने के तरीकों, आवश्यकताओं और फायदों की भरपूर जानकारी दी जाएगी तो जनता उसे लगाने के लिए आगे आएगी। अभी तक सोलर पैनल से उत्पन्न बिजली का भण्डारण एक समस्या रही है और उस दिशा में शोध भी जारी है। मुझे विश्वास है कि अगर इस दिशा में हम सही कदम उठाएंगे और लोगों को जागरूक बनाएंगे और घर-घर पैनल और बिजली पहुंचाएंगे तो उसी की रोशनी में हमारे कुशाग्र युवा सामने आएंगे जो अपने तकनीकी ज्ञान और शोध के जरिये इस समस्या का समाधान करने में मदद करेंगे और हम सब लोग मिलकर उत्तर प्रदेश की सरकार को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

महोदय, दूसरा विषय हमें मिला है असमानता की कमी का। असमानता का मुद्दा युगों से मानव समाज में पनपता रहा है, कुछ तो कारण होते ही हैं कि लगभग हर युग में अधिकतम संसाधनों का लाभ केवल चुने हुए लोगों को मिलता है और एक बड़ा वर्ग संसाधनों से वंचित रह जाता है। जिस कारण से विभिन्न वर्गों में असमानता बढ़ती है। समय-समय पर बहुत समाजशास्त्री हुए हैं, उन्होंने असमानता को दूर करने के लिए अनमोल सुझाव दिया है और उनमें सबसे अनमोल सुझाव हमारे पूज्य दीन दयाल जी ने दिया है, एकात्म मानववाद का, समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसे मजबूत करेंगे और समाज की मुख्यधारा में खड़ा करेंगे, वही सबसे आसान तरीका होगा असमानता को दूर करने के लिए। यद्यपि यह सत्य है कि हमारी सरकार प्राथमिकता के क्षेत्र में काम कर रही है। सबसे ज्यादा हमें शिक्षा में असमानता को दूर करना चाहिए। दूसरा सिर्फ शिक्षा ही नहीं हर तरफ समान अवसर सभी को मिले, तब हम असमानता दूर कर पाएंगे। जैसे हम सभी की बात करते हैं, युवाओं की जनसंख्या कतई इसमें शामिल नहीं होती है। इस विषय में स्वामी विवेकानंद जी का एक वक्तव्य याद आता है कि महिलाओं को सुशिक्षित बनाओ वह स्वयं तय कर लेंगी कि उनके लिए सर्वोत्तम क्या है, यानि हर लड़की को लड़कों के बराबर शिक्षा का समान अवसर मिले तो वह अपना भविष्य खुद तय करने में सक्षम हो जाएंगी। शिक्षा से आगे बढ़े तो रोजगार के विषय में समानता का अवसर आता है। रोजगार के क्षेत्र में वर्ग जाति के भेद-भाव आदि को दूर रखकर सभी को समान अवसर देने की आवश्यकता है। हमें याद रखना होगा कि स्त्रियां हमारी आधी जनसंख्या है और आधी जनसंख्या पुरुष भी हैं, किसी भी विशेष वर्ग को प्रोत्साहित करते समय दूसरे वर्ग को उपेक्षित भी न करें यह एक बड़ी चुनौती है। किसान की खुशहाली को ध्यान में रखते हुए और कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए हमारे मा0 मुख्य मंत्री योगी जी ने भी किसानों के ऋण को माफ किया और उनके लिए अनेक योजनाएं शुरू की। विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में प्रगति देश की प्रतिष्ठा बढ़ाती है इसलिए हम लोग युवाओं को उच्च शिक्षा की दिशा में प्रेरित और प्रोत्साहित करें।

प्राचीन काल से ही भारत और उसमें भी उत्तर प्रदेश साहित्य, संगीत और कला और अध्यात्म का केन्द रहा है। एक समृद्ध राज्य राष्ट्र ही नहीं उच्च स्तरीय साहित्य संगीत और कला अद्भुत पनप सकते हैं। अतः हमारे लिए आवश्यक है कि इन क्षेत्रों में लगे हुए लोगों के लिए भी कुछ ऐसे साधन उपलब्ध कराए जा सके कि वह अपनी योग्यता, कला और साहित्य की स्थापना में मनोयोग से लगे और विश्व स्तरीय उपब्धियां हासिल कर सकें। मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में इन असमानताओं को दूर करने के प्रयास शुरू हो चुके हैं और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार योजना, मिशन फॉर एंटीग्रेटेड ऑफ अथारिटी।

महोदय, मुझे बड़ा गर्व है, सौभाग्य है मेरा कि मैं विश्व की सांस्कृतिक राजधानी काशी आदरणीय प्रधान सेवक श्री नरेंद्र मोदी जी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी से चुना गया हूं। मेरी विधान सभा क्षेत्र में आदरणीय मुख्य मंत्री जी और आदरणीय प्रधानमंत्री जी की कृपा से बहुत बड़े-बड़े काम हुए हैं। रामनगर के सामने पुल बन गया। एक कैंसर अस्पताल बन रहा है, बी0एच0यू0 के अन्दर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल बन रहा है और रामनगर में बंदरगाह बन गया। आठ करोड़ की लागत से एक सीवर लाईन बन रही है। चार करोड़ की लागत से विजय कॉलोनी की सीवर लाइन पड़ रही है। त्वरित विकास निधि से पांच करोड़ के काम हुए हैं। लोक निर्माण विभाग ने भी कई सड़के बनाई हैं। सामने घाट का नाला भी बन रहा है। मा0 सुरेश खन्ना जी की कृपा से 10 करोड़ की लागत से 13 मिनी ट्यूबवेल भी बन रहे हैं, लेकिन मान्यवर, एक अंतिम बात कहकर मैं अपनी बात समाप्त करूंगा कि 15 वर्षों की सपा, बसपा के विनाशकारी शासन में काशी में बुनियादी सुविधाएं लगभग तबाह हो गई थी, उनमें सुधार हेतु बहुत काम हुआ है, लेकिन बचे हुए ढाई वर्षों में बहुत ध्यान देने की जरूरत है, काशी को पटरी पर लाने के लिए। मेरा मा0 मुख्य मंत्री जी से अनुरोध है कि काशी के पेयजल सीवर सिस्टम और सड़कों के लिए तीन वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति कर दें, जो डेली की मॉनिटरिंग करके काशी को वापस पटरी पर ला दे। बस यही बात कहकर मैं अपनी बात समाप्त कर रहा हूं।

[*] [09:58] **श्री दिनेश चौधरी**-

मा0 अध्यक्ष महोदय, आपने हमें विश्व के महानतम सपूत मानवता और शान्ति के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिष्ठा और सम्मान में कुछ कहने का अमूल्य अवसर दिया। उसके लिए मैं आपको निष्ठापूर्वक नमन करता हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के शुभ अवसर पर सदन में आयोजित अनवरत 36 घण्टे की ऐतिहासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया है। अब तक के विश्व के इतिहास की यह सबसे बड़ी विचार गोष्ठी है। मैं आज इस सदन के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मा0 अध्यक्ष महोदय, गांधी जयन्ती 2 अक्टूबर के दिन बापू के बताए हुए मार्ग पर चलकर स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों में से एक भारत के दूसरे प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादूर शास्त्री जी का जन्मदिन है। अगर बापू की भूमिका आजादी प्राप्त करने की है तो पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर जी की भूमिका सन् 1965 के भारत पाकिस्तान के युद्ध में आजादी की रक्षा करने की है। उनका 'जय जवान जय किसान' का नारा पूरे देश का मार्ग आलोकित करने का है। ऐसे महापुरुष स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। मा0 अध्यक्ष महोदय, आज मेरा विषय है गरीबी की पूर्णतया समाप्ति, जलवायु परिवर्तन। मा0 अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रनायक युगपुरुष मा0 श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं विकास पुरुष लोकप्रिय महान संत श्री योगी आदित्यनाथ जी मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार के नेतृत्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के पदचिन्हों पर चलता हुआ यह देश विश्वशक्ति और विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है।

सदन में उपस्थित समस्त सम्मानित मंत्रि-मण्डल के सदस्यगण, सम्मानित विधायक बंधुओं, प्रमुख सचिव, विधान सभा एवं उनके समस्त प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी बंधुओं सम्मानित पत्रकार बंधुओं मैं आप सबका हृदय से स्वागत अभिनन्दन करता हूं। मा0 अध्यक्ष महोदय, आज भारत ही नहीं पूरा विश्व भारत माता के अमर सपूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद कर रहा है। संसार के लगभग सभी देशों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी लोकतंत्र और शान्ति के दूत के रूप में पढ़ाये जाते हैं। विश्व के अधिकांश सदन में आपकी मूर्तियां स्थापित हैं। पूरी दुनिया में आप पर अनेक किताबें लिखी गयीं, फिल्म बनीं और आपके बताये हुये रास्ते पर चलकर उन्हें आजादी मिली। महान वैज्ञानिक आइंस्टीन, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मण्डेला, बराक ओबामा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अपना आदर्श मानते थे। सत्य अहिंसा प्रेम गांधी जी का आदर्श था। उन्होंने पूरी दुनिया को सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आन्दोलन के रूप में संघर्ष करने का एक नया हथियार दिया है। कहा जाता है कि एक संघर्ष मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने किया जिसमें उन्होंने शस्त्र उठाया भी और उठवाया भी, दूसरा संघर्ष भगवान श्री कृष्ण ने किया जिन्होंने स्वयं शस्त्र तो नहीं उठाया लेकिन लोगों से उठवाया, तीसरा संघर्ष पूज्य गांधी जी ने किया, जिन्होंने न तो शस्त्र उठाया और न किसी को उठाने दिया।

भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रिय सरकार के माध्यम से युगपुरुष जनसंत मा0 श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के अधूरे सपनों को साकार करने का महान कार्य किया जा रहा है। स्वच्छता मिशन अपराध मुक्त समाज, गरीबी उन्मूलन, स्वस्थ भारत, मेड इन इंडिया, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से राष्ट्र को सक्षम बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। यही कारण है कि आज पूरा देश विश्व शक्ति के रूप में भारत को सम्मान दे रहा है। मान्यवर, मैं देश की उपरोक्त परिस्थिति को लेकर कहना चाहता हूं कि 'पीर पर्वत सी हुई है, अब पिघलनी चाहिए। इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी

चाहिए सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि यह सूरत बदलनी चाहिए।'

श्री अध्यक्ष-

बहुत अच्छा। अब आपका हो गया।

श्री दिनेश चौधरी-

मान्यवर, मैं इस सदन का ध्यान विशेष तौर पर गरीबी उन्मूलन की तरफ खींचना चाहता हूं। भारतीय जनता पार्टी की जनहितकारी लोकप्रिय सरकार के विकास पुरुष 'मा0 योगी आदित्यनाथ जी' के नेतृत्व में मात्र ढाई वर्षों में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास का जो महान कार्य किया गया है उससे गरीबों के मुरझाये हुये चेहरे पर चमक है और आंखों में आंसू की जगह मुस्कान फैल गयी है। आपको जब सत्ता मिली थी तो प्रदेश की हालत बहुत जर्जर थी, कर्ज एवं गरीबी के बोझ से लदे हुये किसान आत्महत्या कर रहे थे। प्रदेश में भीषण तनाव दंगे और गुण्डा माफियाराज कायम था। मैं इस सदन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी की सरकार एवं मा0 मुख्य मंत्री महोदय को धन्यवाद देना चाहूंगा कि आज प्रदेश सरकार सुख और समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर है। सरकार द्वारा किये गये कुछ महत्वपूर्ण कार्यों पर प्रकाश डालना चाहूंगा। समाज का सबसे पिछड़ा वर्ग मुसहर है जो पिछले 70 वर्षों से उपेक्षित था। उसे सरकार ने 07 हजार 23 मुसहर आवास देकर सुरक्षित किया। प्रदेश को खुले में शौचमुक्त करते हुए 2 करोड़ 61 लाख परिवारों का व्यक्तिगत शौचालय बनवाया गया। सामान्य गरीबों, असहायों को मुख्य मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 13 हजार 700 आवास निर्माण कराया गया। गरीबी उन्मूलन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण कार्य किया है जिसमें मुख्य रूप से कृषि कर्ज माफी, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, वृद्ध और विधवा पेंशन, असंगठित क्षेत्र के किसानों और मजदूरों को 60 वर्ष के बाद तीन हजार मासिक पेंशन, गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वालों को आयुष्मान योजना के अन्तर्गत 05 लाख रुपये तक चिकित्सा सहायता, मुख्य मंत्री सहायता निधि से चिकित्सा सेवा, कौशल-विकास के माध्यम से आत्मनिर्भरता, सड़क, पानी, बिजली की पर्याप्त सुविधा, प्लास्टिक मुक्त समाज, उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन आदि अनेक जनहितकारी कार्यों के माध्यम से गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वालों की दशा और दिशा सुधारने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। आज गरीबों को गरीबी के अभिशाप से मुक्त करने के लिए कन्धे से कन्धा मिलाकर सबको साथ चलना होगा। मैं कहना चाहता हूं कि 'रख हौसला वह मंजर भी आयेगा प्यासे के पास चलकर समुंदर भी आयेगा, थक कर न बैठ यह ऐ मंजिल के मुसाफिर, मंजिल भी मिलेगी और मिलने का मजा भी आयेगा।' ।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री दिनेश चौधरी-

मान्यवर, जलवायु परिवर्तन पर बोल दूं। मा0 अध्यक्ष महोदय, आज पूरी दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन सबसे भयावह संकट है। बढ़ते हुये प्रदूषण प्लास्टिक कचरा संसार में बढ़ते हुये आधुनिकीकरण के कारण बड़ी तेजी से जंगलों को काटकर नगर बसाये जा रहे हैं और खेती की जा रही है। इससे दुनिया में वन सम्पदा घट रही है। यह भी जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है। जिस तरह से धरती का तापमान बढ़ रहा है वैसे-वैसे दक्षिणी ध्रुव और उत्तरी ध्रुव में तेजी से बर्फ के ग्लेशियर पिघल रहे हैं और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। सुनामी जैसे सैकड़ों जलप्रलय समुद्र के किनारों के देशों में आ चुके हैं जिससे लगभग 30 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। हमारा देश तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है इसलिए हिन्दुस्तान को जलवायु परिवर्तन से काफी खतरा है। प्लास्टिक कचरे नदियों के माध्यम से बहकर समुद्र में जाते हैं। दुनिया के कई देशों में प्लास्टिक कचरे से समुद्र पट रहा है। वहां जल प्रदूषण से जल जीव मरते जा रहे हैं। जमीन समुद्र में समा रही है। हमारे देश में गंगा सागर के किनारे डेढ़ किमी0 जमीन समुद्र में धंस चुकी है। इस विश्व संकट से बचने के लिए भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रिय सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनायें संचालित की हैं जिसे देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ में भारतीय प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी को विश्व के सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान से विभूषित किया गया।

श्री अध्यक्ष-

अब हो गया, दिनेश जी। अब मान जाइये। अब बैठ जाइये।

श्री दिनेश चौधरी-

मान्यवर, बस दो लाइन और है। मा0 अध्यक्ष महोदय, व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण करने के लिए भारत सरकार ने महाकुम्भ के अवसर पर 22 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण किया जो विश्व के इतिहास में एक साथ वृक्षारोपण का विश्व का सबसे बड़ा इतिहास है। इसे ग्रिनीज बुक ऑफ रिकार्ड में रिकार्ड किया गया। रेलवे लाइनों के किनारे, सड़कों के किनारे और गंगा हरितमा के क्षेत्र में व्यापक वृक्षारोपण कराये गये।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये। जो शेष भाग रह गया है वह दे दीजिए उसे हम भाषण का अंश मान लेंगे। श्रीमती निर्मला शंखवार जी।

श्री दिनेश चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपने क्षेत्र के बारे में कुछ बात रखना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये। आप वरिष्ठ हैं। आप लिखकर दे दीजिएगा, उसे आपके भाषण का अंश बना देंगे।

***[10:10] श्रीमती निर्मला संखवार-**

आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने आज गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूं। मा0 अध्यक्ष जी, महात्मा गांधी जी ने एक नारा दिया था ग्राम स्वराज्य पर जोर दिया था। क्योंकि वह जानते थे कि जगह-जगह कुटीर उद्योग लगाकर गांवों के लोगों को स्वावलम्बी बनाया जाये। गांव का विकास हो। गांव का विकास होगा तो ब्लाक का विकास होगा। ब्लाक का विकास होगा तो जिले का विकास होगा। जिले का विकास होगा तो प्रदेश का विकास होगा। उन्हीं के इस कारवां को आगे बढ़ाते हुए आदरणीय मुख्य मंत्री जी और हमारे प्रधानमंत्री जी ने जो हमें आज सस्ती ऊर्जा के उत्पादन पर बोलने का मौका दिया है। मा0 अध्यक्ष जी मैं कहना चाहती हूं कि इसके पहले की जो सरकारें रही हैं उनके समय में बिजली सिर्फ पांच वी0आई0पी0 जिलों में जाती थी। उसमें एक हमारा कन्नौज जहां की हमारी विधान सभा लगती है वहां की मैं विधायक हूं। लेकिन बिना किसी भेद-भाव के सभी जिलों को जो बिजली प्रदान की जा रही है इससे लोगों में बड़ी खुशी है। जनपद मुख्यालय में 22-24 घण्टे, तहसील मुख्यालय में 20 घण्टे, ग्रामीण क्षेत्रों में 16-18 घण्टे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वहीं सौभाग्य योजना के तहत् जो बिजली कनेक्शन हमारे उत्तर प्रदेश में एक करोड़ 09 लाख दिये जा रहे हैं वहीं 613 नये विद्युत उपकेन्द्र स्थापित करने के साथ ही साथ 761 उपकेन्द्रों की क्षमता में वृद्धि की गयी है। मा0 अध्यक्ष जी, 02 करोड़ 58 लाख से अधिक एल0ई0डी0 बल्ब का वितरण किया गया है। वहीं इससे 3469 मिलियन किलोवाट विद्युत बचत हो रही है। मैं कहना चाहती हूं कि केन्द सरकार के नेतृत्व में उज्जवला कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में उत्सुक भागीदारों की संख्या बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में एल0ई0डी0 बल्ब वितरण करके 1350 करोड़ की बचत की है। इससे पहले एल0ई0डी0 बल्ब की लागत 400 रुपये हुआ करती थी। लेकिन अब इसको घटाकर 100 रुपये प्रति बल्ब कर दी गयी है। उत्तर प्रदेश सरकार में इसके पहले बिजली बहुत चोरी हुआ करती थी।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मैं अपने मंत्री जी को और मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहती हूं कि बिजली चोरी रोकने का जो काम किया गया है उससे विद्युत में बढ़ोत्तरी हुयी है। उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री जी को मैं धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने मेरी विधान सभा क्षेत्र में तमाम ऐसे कार्य कराये हैं जैसे कि मेरी विधान सभा क्षेत्र रसूलाबाद में 05 नये विद्युत उपकेन्द्र स्थापित किये गये हैं जिसमें एक उपकेन्द्र की विद्युत बढ़ोत्तरी हुयी है तथा 07 सड़कें बनायी गयी हैं। एक विद्युत उपकेन्द्र की क्षमतावृद्धि की गयी है। इसके अतिरिक्त सौभाग्य योजना के तहत् हमारी विधान सभा क्षेत्र में 19 हजार 548 विद्युत कनेक्शन प्रदान किये गये हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 3735 आवास वितरित किये गये हैं और स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 56930 शौचालयों का निर्माण कराया गया है। पहले कर्ज से किसान दबे हुए रहते थे, आत्महत्या करने पर विवश थे। उनको ऋणमोचन के जरिये 14333 किसानों का 70 करोड़ रुपये का ऋण माफ करके उन्हें जीवनदान देने का काम किया है। हमारे यहां आजादी के बाद जहां लोग लकड़ी के पुल पर चलने को मजबूर थे, उस पर उन्होंने एक पुल देने का काम किया है मैं इसके लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के अन्तर्गत राष्ट्रीय प्राईवेट इण्टर कालेज का निर्माण कराया गया है। जनमानस की सुरक्षा को देखते हुए माधव थाना, ब्लाक जिंजल रसूलाबाद में एक निर्माण कार्य प्रस्तावित है। मैं कहना चाहती हूं कि इस पर धन आवंटित करने की कृपा करें। एक निवेदन करना चाहती हूं कि नहरपुल का निर्माण कराया जाय जो कि 100 वर्षों से अधिक पुराना है, जर्जर है, कि कहीं कोई घटना न हो जाये, उस पर ध्यान दिया जाये। साथ ही जैसा कि माननीय मुख्य मंत्री जी की घोषणा है हर विधान सभा में पर्यटन स्थल बनाया जाये। माननीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में मिठैली झील है जहां पर 100 बीघा जमीन तालाब के रूप में है, अगर उसको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाये, तो वहां पर दूर-दूर से पक्षी आते हैं, उस ओर भी कृपा की जाये मैं ऐसा माननीय महोदय जी से कहना चाहती हूं। साथ ही मैं कहना चाहती हूं कि हमारे यहां 3 ऐसी जगह हैं, एक लकटिया मिर्जापुर जहां बरसात में लोग आने जाने में बहुत तकलीफ में रहते हैं, मैं मांग करती हूं कि वहां पर पुलों का निर्माण कराया जाये। इन्हीं बातों के साथ जैसा कि हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान पानी की तरफ है, वहां पर पानी की टंकी पास हो गयी हैं लेकिन अभी धन नहीं आया है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का, माननीय प्रधानमंत्री जी का, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। जय हिन्द, जय भारत।

.....क्रमशः भाग-2 एवं भाग-3

सदस्यों द्वारा सदन में न बोल पाने के कारण उनके भाषण 300 शब्दों में लिखकर दिये जाने की सूचना

श्री अध्यक्ष-

मुझे यह आग्रह करना है, सूचित करना है कि[±] सबकी बोलने की इच्छा है, जब भी सदन उठेगा अगर सदन उठने तक 300 शब्दों में अपना भाषण लिखकर हमारे प्रमुख सचिव, विधान सभा के पास भेज देंगे तो उसे हम कार्यवाही का भाग बना लेंगे। माननीय मुख्य मंत्री जी की इच्छा है कि जो भी यहां बोला जाये उस पर एक पुस्तक बनाई जाये और संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय को भेजी जाये, आदि आदि। उसमें जो आप हमें लिखकर भेज देंगे, 300 शब्द में पूरी बात आ जाये। अगर किसी के मन में हो कि हम नहीं बोल पाये तो कार्यवाही से वंचित रह जायेंगे, ऐसा नहीं है। अगर तीन चार लाइन आप बोलें और यह कह दिया कि आप भेज देंगे तो उसमें भी बात आ जायेगी, उसे भी भाषण का अंश बना लेंगे।

[*] [10:18] श्री महेश त्रिवेदी-

माननीय अध्यक्ष जी, धन्यवाद, ऐसे शुभ मौके पर जो हम परिवार की भांति यहां पर सब लोग गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य पर और आदरणीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के उपलक्ष्य पर हम सब लोग ऐतिहासिक सदन जो आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हम सब लोग यहां पर परिवार के तरीके से एकत्र हैं। आदरणीय अध्यक्ष जी, स्वच्छ जल और स्वच्छता के विषय पर हम लोगों को बोलने के लिए दिया गया है, हम थोड़ा विषय रख कर अपनी विधान सभा क्षेत्र के विषय में बोलेंगे।

श्री अध्यक्ष-

आप बिल्कुल होम्योपैथिक तरीके से बोलियेगा।

श्री महेश त्रिवेदी-

माननीय अध्यक्ष जी, हर वर्ष लाखों लोग अधिकतर बच्चे, अपर्याप्त जल आपूर्ति, स्वच्छता और साफ-सफाई के कारण उत्पन्न बीमारियों से मरते हैं। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक दुनिया की एक चौथाई आबादी सम्भवतः उन देशों में रहेगी जहां पानी की गम्भीर और बार-बार कमी रहेगी। वर्ष 1990 से ढाई अरब लोगों को बेहतर पेयजल सुलभ हुआ है, लेकिन अभी 76 करोड़ 03 लाख लोग उससे वंचित है। 1990 से 2015 के बीच दुनिया में पेयजल के बेहतर स्रोत का इस्तेमाल करने वाली आबादी का अनुपात 76 प्रतिशत से बढ़कर 91 प्रतिशत हो गया है फिर भी हर दिन करीब 1000 बच्चे जल और स्वच्छता से जुड़े अतिसार रोगों से मर जाते हैं। जबकि इन रोगों से आसानी से बचाया जा सकता है। स्वच्छ जल जीवित रहने के लिए बेहद जरूरी है और उसके न होने का असर दुनिया भर में परिवारों के स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, आजीविका पर पड़ सकता है। वैसे तो स्वच्छ जल आपूर्ति के लिए पर्याप्त मात्रा में ताजा पानी है किन्तु गलत आर्थिक सोच और कमजोर बुनियादी सुविधाओं के कारण जल आपूर्ति के

[±] कृपया लिखित भाषण के लिए देखिए आगे नत्थी 'क' पृष्ठ संख्या-597 पर

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बंटवारे की मान्यता आ सकती है। सूखे की मार दुनिया के कुछ गरीब देशों पर पड़ती है, जिसमें भुखमरी और कुपोषण का स्तर बिगड़ जाता है। प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली कुल मौतों में से 70 प्रतिशत बाढ़ और पानी से जुड़ी अन्य आपदाओं के कारण होती है। बिजली, ऊर्जा, आपदा सहने में सक्षम बुनियादी सुविधाओं और सतत औद्योगीकरण खपत उत्पादन खाद्य सुरक्षा सबका स्वच्छ जल की टिकाऊ आपूर्ति सब बन्द है। बन्द बिजली ऊर्जा का सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक उपयोग होने वाला स्रोत है और 2011 तक दुनिया भर में कुल बिजली उत्पादन में 16 प्रतिशत हिस्सेदारी इसकी है। सतत विकास लक्ष्यों में अन्तर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को इस बात के लिए संकल्पित कर दिया है कि वह जल और स्वच्छता से सम्बद्ध गतिविधियों के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और कार्यक्रमों का विस्तार करे और जल एवं स्वच्छता प्रबन्धन में सुधार के लिए स्थान समुदाय का समर्थन दे। लक्ष्य-6 के माध्यम से दुनिया के देशों ने संकल्प लिया है कि अगले 15 वर्ष में सुरक्षित पेयजल पर्याप्त स्वच्छता और साफ-सफाई की सुविधा सुलभ करायेंगे। भारत में स्वच्छ जल, स्वच्छता भारत में बेहतर जल स्रोत तक पहुंचने वाले, परिवहन को कुल मिलाकर अनुपात 1992-93 में 68 प्रतिशत था जो बढ़कर 2011-12 में 90.6 प्रतिशत हो गया है, फिर भी 2012 में 59 ग्रामीण परिवार और 8 प्रतिशत शहरी परिवार को बेहतर स्वच्छता सुविधायें सुलभ नहीं थी।

भारत में लगभग 7 करोड़ लोग खुले में शौच करते हैं जो दुनिया में सबसे अधिक है, स्वच्छता में सुधार करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। इस दिशा में अनेक प्रमुख कार्यक्रम शुरू किये हैं जिसमें स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम और गंगा संरक्षण के लिए कार्यक्रम शामिल हैं। मान्यवर उद्देश्य 2030 तक सबके लिए सुरक्षित और किफायती पेयजल सुलभ कराना और वर्ष 2030 तक पर्याप्त समान स्वच्छता एवं साफ-सफाई सुविधायें सुलभ कराना और खुले में शौच जाना बन्द कराना जिसमें महिलाओं और लड़कियों का लाचारी की हालत में जीते लोगों की जरूरत का विशेष ध्यान रखा जायेगा। 2030 तक प्रदूषण कम करके कचरा फेंकना बन्द करके हानिकारक रसायन और सामग्री को कम से कम छोड़कर पानी की गुणवत्ता सुधारना, गन्दे पानी का अनुपात आधा करना और दुनिया भर में पानी की रीसाइकलिंग और सुरक्षित ढंग से दुबारा इस्तेमाल में बहुत अधिक वृद्धि करना। 2030 तक सभी क्षेत्रों में जल के किफायती उपयोग को बढ़ावा देना और ताजे जल की टिकाऊ निकासी सुनिश्चित करना जिसमें जल का अभाव दूर हो सके और जल के अभाव से जूझते हुए लोगों की संख्या में कमी आ सके। मान्यवर, 2030 की उपयोगिता के अनुसार सीमापार से सहयोग सहित सभी स्तरों पर संवर्धित जल प्रबन्धन लागू करना। 2020 तक पर्वत, जंगल, दलहते क्षेत्रों में, नदियों, कुंओं, झीलों सहित जल से जुड़ी परिस्थिति के प्राणियों का संरक्षण, जीर्णोद्धार करना। 2030 तक जल संचयन, जल का खारापन दूर करने के लिए, जल के किफायत गन्दे जल के उपचार, रिसाइकलिंग और दुबारा इस्तेमाल की टेक्नालॉजी सहित जल एवं स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों और कार्यक्रमों में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण का दायरा आदि विकास पूरे देश में बढ़ाना है। जल एवं स्वच्छता प्रबन्धन सुधारने में स्थानीय समुदाय को भागीदारी का समर्थन और मजबूती देना।

मान्यवर, सुरक्षित पेयजल, ग्रामीण भारत में सभी के लिए बेहतर साफ-सफाई विजन के साथ पेयजल देश दे रहा है। पिछले तीन वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की सरकार अपने विजन को साकार रूप देने के लिए दिन-रात लगी हुई है। पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के कार्य धरातल पर भी नजर आने लगे हैं, इसी का परिणाम है कि ग्रामीण भारत स्वच्छता अक्टूबर, 2014 में 42 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान में 62 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। मान्यवर, बापू के विजन को समर्पित स्वच्छ भारत मिशन राष्ट्रपिता ने स्वच्छ भारत मिशन का सपना देखा था जो कि अब तक अधूरा है। श्री पी0एम0 मोदी जी की जब सरकार बनी उन्होंने सबसे पहले जन-सरोकारों से जुड़ी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया। इन्हीं में से एक स्वच्छ भारत मिशन भी है। बापू के सपने को साकार रूप देने के प्रयास के साथ आगे बढ़े इसका संकल्प 2019 तक सम्पूर्ण भारत को स्वच्छ करने का है। मान्यवर, पी0एम0 मोदी की योजना कि घर-घर शौचालय का निर्माण देश की स्वतंत्रता के बाद पहली बार यह सरकार बनी है जो आम जन-मानस विश्वास की ओर, विश्वास के तहत् हम लोगों की ओर देख रहा है।

मान्यवर, जो विषय दिया गया है वह लगभग हमने आपको बता दिया है। केवल एक मेरी विधान सभा क्षेत्र से सम्बन्धित विषय है, आपके माध्यम से अवगत कराना चाहते हैं कि कानपुर नगर में स्वच्छ पेयजल के लिए जे0एन0यू0 आर0एम0 के गंगा बैराज के शुद्ध पेयजल के लिए लगभग रुपये 870 करोड़ 2008 में दिया गया था परन्तु अभी तक उक्त काम को पूरा नहीं किया गया है। मान्यवर आपसे अनुरोध है कि उक्त स्वच्छ पेयजल के लिए उक्त काम को यथाशीघ्र कराने की कृपा करें और अभी हमारे यहां दक्षिण में 100 शैय्या का अस्पताल के लिए भी जनता की विशेष मांग है, हम चाहेंगे कि मुख्य मंत्री जी 100 शैय्यायुक्त अस्पताल बनवाने की कृपा करें। आदरणीय गांधी जी और शास्त्री जी की जयन्ती पर हम सब लोग यहां पर एकत्र हैं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

***[10:29] श्रीमती रजनी तिवारी-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर सदन की इस ऐतिहासिक बैठक में अपना वक्तव्य प्रस्तुत करने के लिए समय का अवसर प्रदान किया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। मान्यवर, मेरा विषय है **'गुणवत्ता परक शिक्षा तथा टिकाऊ शहरी एवं सामुदायिक विकास'।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का व्यक्तित्व और कृतित्व आदर्शवादी रहा है। उनका आचरण प्रयोजनवादी विचारधारा से ओत-प्रोत था। संसार के अधिकांश लोग उन्हें महान राजनीतिज्ञ एवं समाज सुधारक के रूप में जानते हैं पर उनका यह मानना था कि सामाजिक उन्नति हेतु शिक्षा का एक महत्वपूर्ण योगदान होता है। उनका मूलमंत्र था शोषण-विहीन समाज की स्थापना करना, उसके लिए सभी को शिक्षित होना चाहिए क्योंकि शिक्षा के अभाव में एक स्वस्थ समाज का निर्माण असम्भव है। उनका मानना था कि मेरे प्रिय भारत में बच्चों को थ्री-एच की अर्थात हेड, हैण्ड, हार्ट की शिक्षा

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

दी जाए। अध्यक्ष जी, आधुनिक युग में गुणवत्तापरक शिक्षा एक आवश्यकता ही नहीं बल्कि अनिवार्यता है। व्यक्ति का विकास ही समाज का विकास है। समाज के विकास से ही राज्य व राष्ट्र को शक्ति व ऊर्जा मिलती है। सामाजिक स्तर विकसित व उन्नत हो सके इसके लिए गुणवत्तापरक शिक्षा आवश्यक है। देश के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध हो, हमारी सरकार की मंशा यही है। शिक्षा का मतलब ऐसी शिक्षा जो प्रत्येक बच्चे के काम आये, इसके साथ ही हर बच्चे की क्षमताओं के सम्पूर्ण विकास में समान रूप से उपयोगी हो। गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने हेतु मुख्य मंत्री आदरणीय योगी जी के नेतृत्व की सरकार निरन्तर नये आयाम रच रही है। हमारे माननीय उप मुख्य मंत्री डा0 दिनेश शर्मा जी जो एक शिक्षाविद भी हैं, उन्होंने गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने हेतु चार सूत्रीय योजना बनायी है, जिसका क्रियान्वयन सुचारू रूप से हो रहा है, पहला-सुखी मन शिक्षक, दूसरा-तनावमुक्त विद्यार्थी, तीसरा-गुणवत्तापरक शिक्षा तथा चौथा-नकल विहीन परीक्षा।

हमारी सरकार गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है तथा विगत दो वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार हुआ है। माननीय अध्यक्ष जी, हम लोगों ने पहले भी देखा है कि किस तरह की शिक्षा दी जाती थी, न तो सरकार की नीति थी, न ही उनकी कोई नीयत थी जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। मान्यवर, देश में जब शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ तब 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए यह मौलिक अधिकार बन गया। इसके अलावा हमारी केन्द्र व प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए विभिन्न योजनाएं व कार्यक्रम चला रही है तथा लगातार ऐसे उपायों की तलाश जारी रहती है जिससे शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया जा सके। 42वें संविधान संशोधन में जबसे शिक्षा को राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में डाला गया तबसे पहली बार शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्र व राज्य का प्रभावी समन्वय देखने को मिल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में विगत सरकारों की असंवेदनशील व ढुलमुल नीति के कारण आजादी के 72 वर्ष बाद भी वांछित परिणाम प्राप्त नहीं हो सका। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा को स्कूल पूर्व प्राइमरी, अपर प्राइमरी, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तरों में बांटा है ताकि इसकी निरंतरता लगातार बनी रह सके। योजना का उद्देश्य अंग्रेजी के T से बने शब्द टीचर्स और टेक्नॉलोजी का एकीकरण करके सभी स्तरों पर गुणवत्ता में सुधार लाना है। यह योजना विभिन्न स्तरों की शिक्षा को बांटे बिना स्कूली शिक्षा को समग्र दृष्टि से देखती है। यह योजना ग्रेड अनुसार, विषय अनुसार शिक्षा प्राप्ति के परिणामों पर आधारित है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय समाप्त हो गया।

श्रीमती रजनी तिवारी-

माननीय अध्यक्ष जी, हम लोगों के लिए 5 से 7 मिनट का समय निर्धारित किया गया था, अभी समय पूरा नहीं हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्या साढ़े पांच मिनट का समय हो गया है।

श्रीमती रजनी तिवारी-

मान्यवर, योजना में सभी हितधारकों-माता-पिता, अभिभावक, स्कूल प्रबंध समिति के समुदाय तथा राज्य के सदस्य, समुदाय तथा राज्यकर्मी आदि की भागीदारी होती है ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन की परिकल्पना केन्द्र द्वारा की गयी है। इसका उद्देश्य कहीं भी, किसी भी समय उच्च शैक्षिक संस्थानों में सभी विद्यार्थियों के फायदे के लिए शिक्षण और अध्ययन प्रक्रिया में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का पूरा प्रयोग करना है। इस मिशन के दो प्रमुख अंग हैं। संस्थानों और विद्यार्थियों को पहुंच प्रदान करने के साधनों का प्राविधान सहित सुविधा यानि जोड़ना और विषय वस्तु सृजन। इस मिशन का प्रमुख उद्देश्य देश भर में विद्यार्थियों को ई-सामग्री के रूप में सुलभ ज्ञान उपलब्ध कराना है।

मान्यवर, नीति आयोग ने एक राज्य स्तरीय ''स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक'' बनाया है, जो सीखने के परिणाम में सुधार के केन्द्रबिन्दु का काम करता है। यह राज्यों को उनके शैक्षिक प्रर्दशन के लिए दिये गये अंकों के आधार पर रैंकिंग देता है। यह रैंकिंग न केवल राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है बल्कि अन्य राज्यों को भी लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करती है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अनुभवजन्य शिक्षा, गांधी जी की नई तालीम पाठ्यक्रम भी जारी किया है, जिसमें देश की विभिन्न भाषाओं में पाठ्यक्रम का संचालन होता है। इस पाठ्यक्रम को देश के विश्वविद्यालयों सहित राज्य शिक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषदों के साथ परामर्श के बाद बनाया गया है। मान्यवर, इसके साथ स्कूलों और अध्यापकों के विकास कार्यक्रमों से संबंधित पाठ्यक्रम भी शामिल है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च विभाग का अंग है जो पाठ्यक्रमों के विकास, शिक्षकों के प्रशिक्षण तथा विश्वविद्यालयों एवं देश की स्वायत्तशासी संस्थाओं के उच्च शिक्षा कार्यक्रम का दायित्व निभाता है।

मान्यवर, हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने एक उद्बोधन में शिक्षा की गुणवत्ता के विषय में कहा था कि 'अब तक सरकार का ध्यान देश भर में शिक्षा के प्रसार पर था किंतु अब वक्त आ गया है कि ध्यान शिक्षा की गुणवत्ता पर दिया जाय। अब सरकार को स्कूलिंग की बजाए ज्ञान पर अधिक ध्यान देना चाहिए।'

श्री अध्यक्ष-

मा0 रजनी तिवारी जी अब आपका 7.30 मिनट का समय हो गया है।

श्रीमती रजनी तिवारी-

अध्यक्ष जी, बस दो मिनट और दे दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

नहीं, अब आप बैठिये, अभी कई मा0 सदस्यों को बोलना है। आप अपना लिखित कागज दे दीजिए हम उसको जोड़ लेंगे।

श्रीमती रजनी तिवारी-

मान्यवर, प्रदेश सरकार की सक्षम भागीदारी से केन्द्र द्वारा प्रायोजित एवं भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित सर्व शिक्षा अभियान ने आरम्भिक शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने में बड़ी सफलता पायी है। स्कूली शिक्षा को बीच में छोड़कर जाने में भारी कमी आयी है। हमारी सरकार अंतिम बच्चे को भी विद्यालय में वापसी के लिए सम्पूर्ण प्रयास कर रही है। हम लोग पहले विद्यालयों में जाते थे तो वहां पर बच्चे ही नहीं दिखायी देते थे, अब हमारी सरकार ने इतना अच्छा कार्य किया है, इतनी अच्छी नीति बनायी है कि वहां पर अच्छी शिक्षा मिल रही है और विद्यार्थी भी दिखायी देते हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप कृपया बैठिये। श्री महेन्द्र सिंह खडगवंशी जी।

श्रीमती रजनी तिवारी-

माननीय अध्यक्ष जी, बच्चों में ज्ञान की समझ विकसित करने, कक्षा-कक्ष प्रबन्धन, प्रभावी छात्र-शिक्षक संवाद, संरचित अध्यापन एवं सीखने पर जोर देने वाली गतिविधियों से गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने का अभियान चल रहा है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जाईये, मैंने अगले वक्ता को बुला लिया है।

श्री महेन्द्र सिंह खडगवंशी-

माननीय अध्यक्ष जी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वीं जयन्ती के अवसर पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपका आभार प्रकट करता हूं।

श्रीमती रजनी तिवारी-

मान्यवर, समझ के साथ पठन के लिए अध्ययन के महत्व पर बल देने के लिए केन्द्र सरकार के 'पढ़े भारत-बढ़े भारत अभियान' का महत्वपूर्ण योगदान है। मान्यवर, आज यह विशेष सदन है कल से जो यह सदन 36 घंटे के लिए आरम्भ किया गया जिसमें हमारे सदस्यों ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर अपने विचार रखे हैं अच्छा होता यदि प्रतिपक्ष के साथी भी होते तो बहुत अच्छा होता।

श्री अध्यक्ष-

प्रतिपक्ष के 4-5 माननीय सदस्य यहां पर थे उन्हें आपने कल नहीं देखा। अब आप बैठ जायं तो बड़ी कृपा होगी। मा0 सदस्य महेन्द्र सिंह जी खड़े हैं।

श्रीमती रजनी तिवारी-

मान्यवर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नाम पर लोग वोट लेते रहे लेकिन जब उनके नाम पर 36 घण्टे का सत्र चल रहा है तो वे गायब हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने कहा था कि- रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम, ईश्वर अल्लाह तेरे नाम, सबको सन्मति दे भगवान, सबको सन्मति दे भगवान। शायद उन्होंने विपक्ष को समझते हुए यह बात कही कि सबको सन्मति दे भगवान। इसी के साथ माननीय अध्यक्ष जी, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

*** [10:38] श्री महेन्द्र सिंह खड़गवंशी-**

माननीय अध्यक्ष जी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 150वीं जयन्ती के अवसर पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपका आभर प्रकट करता हूं। आज यह पूरा उत्तर प्रदेश खुशी के माहौल में है। माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी 36 घंटे अनवरत यह सदन चला रहे हैं जिसमें आज मुझे भी बोलने का मौका मिला है। मैं बताना चाहता हूं कि -

कस्बा दिया था आपने, शहर बना दिया,
कितनों को रोजगार दिया, घर बना दिया।
किस तरह से स्वागत करूं महाराज जी आपका,
तकदीर बना दी, मुकद्दर बना दिया।।

आज उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो विकास के कार्य किये हैं, उत्तर प्रदेश में आज स्वच्छता को लेकर मेरी विधान सभा क्षेत्र और मेरा जिला अमरोहा ओ0डी0एफ0 घोषित हुआ है, वह पिछड़ा हुआ क्षेत्र था, जिसमें इतना काम कराने का काम माननीय मुख्य मंत्री जी ने किया। मेरे यहां के 70 गांवों में बिजली नहीं थी जब यह सरकार आयी तो इन 70 गांवों में बिजली पहुँचाने तथा गांवों में जो जर्जर तार थे, उन जर्जर तारों को माननीय बिजली मंत्री जी ने बदलवाने का काम किया है। मेरी विधान सभा क्षेत्र हसनपुर में 06 उपकेन्द्र बनवाने का काम किया है। मैं ऊर्जा मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। हसनपुर विधान सभा क्षेत्र पिछड़ा हुआ क्षेत्र था जो एक शहर की तरह जगमगा रहा है। मा0 अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र हसनपुर में लगभग 12 सालों से एक अस्पताल बन्द पड़ा हुआ था, मा0 मुख्य मंत्री जी ने उसको भी चालू कराने का काम किया है। मा0 मुख्य मंत्री जी ने मेरी विधान सभा क्षेत्र में 02 गौशाला बनवाने का काम किया है जिससे किसान वहां खुशहाल है और किसी की फसल का नुकसान नहीं हो रहा है। मा0 अध्यक्ष जी मैं मा0 मुख्य मंत्री जी से मांग करूंगा कि मेरे हसनपुर विधान सभा क्षेत्र में एक डिग्री कॉलेज और 01 ट्रॉमा सेण्टर बनवाने की कृपा करें। आज हमारे जिले का माहौल बदला है, उत्तर प्रदेश की सरकार ने भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से अंकुश लगाया है। गांव से घर तक और शहर से लेकर गांव तक और गांव से लेकर विद्यालय तक सड़क बनवाने का

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

काम उत्तर प्रदेश की सरकार ने किया है। आज कोई भी गांव अछूता नहीं है जहां पर सड़क न हो, बिजली न हो, पानी की अच्छी व्यवस्था न हो। इतनी सुंदर व्यवस्था के साथ मा0 मुख्य मंत्री जी ने हमारे हसनपुर विधान सभा क्षेत्र को चमकाने का काम किया है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। आज विपक्ष सदन को छोड़कर भाग चुका है। कहां दुहाई देते थे कि गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर हम रहेंगे, मगर विपक्ष आज मैदान छोड़कर भाग गया है। ऐसे ही गुंडे माफिया क्षेत्र छोड़कर भाग गये हैं या जेल चले गये हैं। मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

श्री अध्यक्ष-

आपका धन्यवाद, आपने समय सीमा के अन्दर अपनी बात रखी, अगर इसी तरह से सब अपनी बात रखें तो जल्दी हो जायेगा। डा0 अरुण कुमार जी, संक्षेप में अपनी बात रखिये।

***[10:41] डा0 अरुण कुमार-**

आदरणीय अध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे सतत विकास के लक्ष्य जो यू0एन0ओ0 ने 2015 में तय किये थे, उस पर बोलने और चर्चा करने के लिए समय दिया। इस चर्चा को आयोजित करने के लिए मा0 मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी को साधुवाद देता हूं। इस चर्चा से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में गति को बल मिलेगा। इस कार्यक्रम को 02 अक्टूबर से शुरू करना और भी बड़ी बात है क्योंकि इस दिन देश के दो महान सपूतों ने जन्म लिया। स्वच्छता, स्वावलम्बन, स्वदेशी, व सादगी के प्रतीक, अंहिसा के पुजारी, स्वतंत्रता आन्दोलन का नेतृत्व करने वाले पूज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा दूसरे जय-जवान, जय-किसान का नारा देने वाले, पाकिस्तान को उसकी धरती पर धूल चटाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न आदरणीय श्री लाल बहादुर शास्त्री जी, इन दोनों महानुभावों के चरणों में नमन करते हुये श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। साथियों मुझे **''उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली''** पर बोलना है। मैं यह कहूंगा कि Health is wealth. तंदुरुस्ती हजार नियामत है। अगर तंदुरुस्ती है तो सब कुछ है और अगर तंदुरुस्ती नहीं है तो सब कुछ बेकार है। पिछले 30 माह में हमारी सरकार ने, मा0 योगी जी के नेतृत्व में विकास और सुशासन से हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। यद्यपि मैं सिर्फ स्वास्थ्य के क्षेत्र में ही बोलूंगा। साथियों हमारे यहां बरेली महानगर में मैटरनिटी एवं चाइल्ड केयर यूनिट 100 शैयाओं का बना है, जिसमें गर्भवती महिलाओं के प्रसव की जांच की जाती है। जब डिलीवरी होती है तो जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

इसके साथ ही साथ सिक न्यू बॉर्न केयर यूनिट बनाया गया है जहां ज्यादा सीरियस बच्चे रखे जाते हैं, उनकी देख-भाल के लिए स्पेशल डाक्टर्स रहते हैं। होम न्यू बॉर्न केयर कार्यक्रम के अन्तर्गत आशाओं को प्रशिक्षित किया जाता है। यहां पर एक पोषण पुनर्वास केन्द्र

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

भी है जिसमें कुपोषित बच्चों को रखा जाता है। उनको हेल्थ एजुकेशन, न्यूट्रिशियन एजुकेशन और न्यूट्रिशियन के बारे में बताया जाता है। वैक्सीनेशन के बारे में मैं यही कहूंगा कि 85 प्रतिशत से अधिक बच्चों का पूर्ण टीकाकरण हुआ और टीकाकरण सबसे सस्ता और सबसे अच्छा तथा रिलायेबल तरीका है बीमारियों को रोकने में। दुनिया से चेचक खत्म हुआ चेचक के टीके की वजह से, पोलियो खत्म हुआ पोलियो के ड्रॉप या वैक्सीन की वजह से और मैं टीकाकरण के बारे में यही कहूंगा कि काला टीका नजर बचाये। आप लोगों ने देखा छोटे बच्चों की दादी-नानी काला टीका लगाती थीं। काला टीका नजर बचाये, हमारा टीका बीमारी बचाये। पोलियो, खसरा, इंसेफ्लाइटिस के टीके लगवाओ, सभी टीके पहली सालगिरह से पहले लगवाओ।

साथियों, टीकाकरण बहुत जरूरी है, हर एक का होना ही चाहिए। नवजात बच्चों के बारे में मैं हमेशा कि चाहे आंगनबाड़ी कार्यक्रम हो, चाहे आशा बहुओं का कार्यक्रम हो, बरेली में मुझे हर जगह बुलाया जाता है। यही कहता हूं कि दूध मां का पिलाओ, पानी पक्का पिलाओ, छः महीने तक और कुछ मत खिलाओ, उसके बाद और चीजें भी खिलाओ। मक्खी, मच्छर, गंदगी से बचाओ, बच्चों को नेक इंसान बनाओ। साथियों, हमारे प्रदेश में मैटरनिटी मॉडल के रेट जो सन् 2014 में तीन हजार प्रति था वह दो हजार प्रति हो गया है। इनफर्टिलिटी रेट जो सन् 2014 में 48 था, आज सन् 2019 में 40 है और 2030 तक ये लक्ष्य 5 का है। स्वास्थ्य की बात हो और स्वच्छता की बात न हो, ये मुमकिन नहीं है। कैमुनिकल डिसीज स्वच्छता से ही रोकी जा सकती है और मैं ये कहूंगा कि स्वच्छ भारत अभियान हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी ने शुरू किया उसके अन्तर्गत हमारे देश में लगभग हर घर में शौचालय बना है, जहां नहीं बने हैं वहां भी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत हर घर को गैस दी गयी है। मेरे अपने क्षेत्र में चार हजार परिवारों को गैस दी गयी है जिससे महिलाएं धुआं आदि से बची है और पर्यावरण को भी इससे राहत पहुंची है। हर घर को बिजली दी जा रही है। जहां बिजली नहीं है, वहां पर भी प्रबंध किया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष-

अरुण जी, आपका समय हो गया है।

डा0 अरुण कुमार-

मान्यवर, बस मैं एक मिनट और लूंगा। सरकार द्वारा आवास भी देने का काम किया जा रहा है। साथियों, ये मोदी और योगी हैं, जिन्होंने गरीब की गरीबी को और बीमार की बीमारी को समझा। आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पांच लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त है। दुनिया में किसी सरकार ने ऐसी स्कीम के बारे में नहीं सोचा। कैम्युनिकल डिसीज के बारे में मैं ये कहूंगा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को हमारे प्रधानमंत्री जी ने ही दुनिया को दिया और आज दुनिया में इसकी सराहना की जा रही है। फिट इण्डिया मिशन, खेलो इण्डिया प्रोग्राम, ये सभी कैम्युनिकल डिसीज को रोकते हैं, साथ ही 102 और 108 एम्बुलेंस का काफी योगदान है। मैं ये

कहूंगा कि बरेली में 300 बेड का एक अस्पताल बना तैयार है, वहां पर एक ट्रामा सेण्टर खोला जाए। बरेली में प्रति माह 30 से 35 लोग हर महीने मरते हैं और इससे कहीं ज्यादा लोग घायल होते हैं और काफी-काफी दिनों तक बीमार रहते हैं और दिव्यांग हो जाते है, इसलिए एक ट्रामा सेण्टर खोला जाए। मैं यह कहना चाहूंगा बरेली के आस-पास पीलीभीत, बदायूं, शाहजहांपुर में एक-एक मेडिकल कॉलेज हो गया है और दिल्ली के अन्दर ग्यारह सौ बेड हैं और लखनऊ-दिल्ली के बीच ये प्रमुख शहर है, यहां पर एम्स स्तर का अस्पताल खोला जाए। यहां बरेली के अन्दर बेरोजगारी भी बहुत है, रेलवे की बहुत जमीन पड़ी हुई है मैं चाहता हूं कि रेलवे का कोई बहुत बड़ा उद्योग वहां पर शुरू किया जाये या डिफेंस का शुरू किया जाए। बरेली में अभी भी गंदगी बहुत है, सॉलेड बेस मैनेजमेण्ट नहीं है। मैं चाहता हूं, कि वहां पर सॉलेड बेस मैनेजमेण्ट शुरू किया जाए। जल निकासी के लिए बेहतर प्रबंध नहीं है, उसे भी कराने की आवश्यकता है। हवाई अड्डा हमारे यहां बन तो गया है, लेकिन शुरू नहीं हुआ है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से कहूंगा कि सिविलियन हवाई अड्डे को जल्दी शुरू कराने की कृपा करें। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने इस समय पर मुझे बोलने का अवसर दिया।

श्री अध्यक्ष-

आपने समय का पालन किया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

*[10:49] **श्री बिहारीलाल आर्य-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने सत्य एवं अहिंसा के पुजारी, राष्ट्र की स्वाधीनता के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती एवं जय जवान, जय किसान का नारा देने वाले सरल एवं सादगी के प्रतीक, भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री आदरणीय लालबहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर अनवरत् 36 घण्टे चलने वाले विशेष सत्र पर बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूं। सर्वप्रथम मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के द्वितीय प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री की जयन्ती पर उनके चरणों में कोटि-कोटि नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पण करता हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने कहा था जब तक देश के प्रत्येक गरीब, दबे-कुचले, असहाय, कमजोर वर्ग के लोगों के जीवन-स्तर को नीचे से ऊपर उठाकर समानता पर नहीं लाया जायेगा तब तक यह देश सही मायने में स्वतंत्र नहीं माना जाएगा। माननीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री की बागडोर संभालने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गांधी जी के सपनों को साकार करने में अद्वितीय प्रयास किया। गांधी जी के सपनों का स्वच्छ, स्वस्थ एवं विकसित नया भारत बनाने के लिए, देश के असहाय व कमजोर वर्ग के लोगों के जीवन-स्तर को नीचे से ऊपर उठाकर सच्चाई एवं ईमानदारी, दृढ़ विश्वास के साथ, विकास की मुख्यधारा से जोड़कर समानता पर लाने का संकल्प लिया। वास्तव में, मोदी जी और योगी जी जैसी महान विभूतियां हमारे देश को मिली है। मा0 मोदी जी को अपने व्यक्तित्व, कृतित्व एवं कार्यशैली की वजह से दुनिया में एक शक्तिशाली नेता के रूप में जाना

जाता है। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी ने योगी आदित्यनाथ जी को इस प्रदेश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी दी है। वास्तव में ढाई साल के कार्यकाल में माननीय योगी जी ने उत्तर प्रदेश के सतत विकास के माध्यम से पूरे प्रदेश की एक तस्वीर बदलने का काम किया है। माननीय हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्य मंत्री योगी जी ने संपूर्ण भारत को अपना परिवार माना है। आज इस मौके पर गायत्री परिवार के संस्थापक, युगदृष्टा, तपोनिष्ठ, वेद मूर्ति, परमपूज्य श्री राम आचार्य जी की वो पंक्तियां याद आ रही हैं, जिसमें उन्होंने मानव को महामानव बनाने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि बदला जाये ये दृष्टिकोण तो इंसान बदल सकता है, और दृष्टिकोण के परिवर्तन से सारा जहान बदल सकता है। (मेजे थपथपाई गयी) आज हमें अपनी सोच को बदलने की जरूरत है, अपने नजरिये को बदलने की जरूरत है। हमारे प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री जी की जो विस्तृत सोच है उस सोच से अपनी सोच को मिलाने की जरूरत है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय हो गया बहुत-बहुत धन्यवाद, आप बैठिए।

श्री बिहारी लाल आर्य-

परहित सरिस धर्म नहिं भाई, परपीड़ा सम नहिं अधमाई। दूसरे का हित और परोपकार करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है, दूसरों को कष्ट और दुःख देने से बड़ा कोई पाप नहीं है। जीवन में इस मंत्र को कभी न भूलें कि बिना अच्छे कर्मों के इंसान कभी श्रेष्ठ नहीं बनता। प्रधानमंत्री जी पूरे देश की तस्वीर बदलने के लिए पूरी दृढ़ता से लगे हुए हैं और वे भारत को नया भारत बनाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था, आज सोने की चिड़िया के रूप में विकसित करने के लिए प्रधानमंत्री जी और मुख्य मंत्री जी दृढ़ संकल्प है।

श्री अध्यक्ष-

अब ठीक है, बहुत धन्यवाद।

श्री बिहारी लाल आर्य-

एक दिन अवश्य आएगा कि भारत विश्वगुरू के रूप में स्थापित होगा, इस बात में कोई संदेह नहीं है। हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी नवंबर में झांसी गये थे...

श्री अध्यक्ष-

अभी आप और बोलेंगे क्या? आपका समय हो गया।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, तब उन्होंने कहा था कि हमारा बुन्देलखण्ड देश की आजादी के 70 वर्षों तक क्यों कि मैं बुन्देलखण्ड से आता हूं, वह पिछड़ा रहा है इस क्षेत्र की हमेशा उपेक्षा होती चली आई है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, अभी तो शुरू किया है।

(सदन में हंसी)

श्री अध्यक्ष-

यदि 07 मिनट शुरू करने में लगा तो बाकी लोग कब बोलेंगे। प्रश्न यहां आपका या हमारा नहीं है। प्रश्न यह है कि और लोगों को भी बोलना है। एक-लाइन में बोलिए।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, बुन्देलखण्ड की पहचान पूरे देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में जाना जाए, ऐसा बुन्देलखण्ड बनाने का संकल्प हमारे प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री जी ने लिया है। वास्तव में, हमारे प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री जी ने जो कहा है वह करके दिखाया है। आज धरातल पर बुन्देलखण्ड के विकास के लिये जो कार्य किया है डिफेंस कॉरीडोर की स्थापना का जो बुन्देलखण्ड की दशा को सुधारने में एक बड़ा काम करेगा जिससे बुन्देलखण्ड के दस लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। बुन्देलखण्ड में बहुत बड़ी समस्या पानी की है। कहीं भी बोर कराओ तो पानी नहीं मिलता था।

श्री अध्यक्ष-

अब वह काम ठीक हो रहा है।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए मैं बुन्देलखण्ड की जनता की ओर से मा0 प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री जी को दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। वास्तव में, बुन्देलखण्ड के किसानों की जो बहुत बड़ी समस्या है वह सिंचाई है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका हो गया, बाबूराम पासवान जी आप बोलिए।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, अभी तो शुरू हुआ है और हो गया।

श्री अध्यक्ष-

अगर नहीं शुरू हो पाया है तो उसका कोई उपाय नहीं है। आप जबरदस्ती क्यों कर रहे हैं। आप पूरा विवरण लिखकर भेज दीजिएगा इसे कार्यवाही का भाग बनवा दूंगा और मुख्य मंत्री जी को दे दूंगा।

श्री बाबूराम पासवान-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

श्री बिहारी लाल आर्य-

माननीय अध्यक्ष जी, जो विषय है उस पर हम शुरू भी नहीं हुए।

श्री अध्यक्ष-

पासवान जी, एक मिनट रुकिए। आप क्या कह रहे हैं?

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, मैं विषय पर नहीं बोल पाया।

श्री अध्यक्ष-

जो विषय है उस पर आठ-नौ मिनट तक नहीं कह पाये तो उस पर क्या किया जाये। आप पहले भारतीय संस्कृति बताते रहे, आपके पहले खण्ड में वही है। आप क्या चाहते हैं कि दूसरों को न बोलने दिया जाए। आप तो वरिष्ठ आदमी है।

श्री बिहारीलाल आर्य-

मान्यवर, बाकी लोग 15-15 मिनट तक बोले।

श्री अध्यक्ष-

आप इस पूरे विवरण को लिखकर दे दीजिए मैं इसे कार्यवाही का भाग बनवा दूंगा और भाषण दिया गया, यह भी मान लूंगा और कार्यवाही भी हो जाएगी। आप पहले मूल विषय पर बोले ही नहीं, बुन्देलखण्ड पर लास्ट में बोले।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, हम तो कुछ बोले ही नहीं है।

(सदन में हंसी)

श्री अध्यक्ष-

मैं आपके प्रति आदर व्यक्त करते हुए कहता हूं।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, ऊर्जा के क्षेत्र में (सदन में हंसी एवं मेजे थपथपाई गई) मान्यवर, मैं लिख कर दे दूं, जैसा आप कहें। (हंसी)

श्री अध्यक्ष-

अब आप लिखित में दे दीजिए।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मान्यवर, एक बात कह दूं (हंसी)।

श्री अध्यक्ष-

कृपया आप लोग शांत रहिए।

श्री बिहारी लाल आर्य-

बुन्देलखण्ड का एक बहुत बड़ा रानीपुर कपड़ा उद्योग प्रोजेक्ट है, पर जिससे 10 लाख अनुसूचित जाति के बुनकर जुड़े हुए हैं वह पूरी तरह से चौपट हो गया है, उन बुनकरों की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है। सरकार उस पर विशेष ध्यान दे। यह कपड़ा उद्योग पूरे देश में विख्यात है, जिसको पटरी पर लाने का काम किया जाना चाहिए। बुनकर कलेक्टर के लिए जो सूक्ष्म एवं लघु उद्योग भारत सरकार द्वारा जो 15 करोड़ रुपए की स्वीकृति हुई है, अभी वह उ0प्र0 शासन में पड़ा है, उसे वहां पहुंचा दिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

बहुत अच्छा, अब आप सरकार को धन्यवाद दीजिए और हमको दीजिए।

श्री बिहारीलाल आर्य-

मान्यवर, हमारी एक मांग बरसों से चली आ रही है कि मऊरानीपुर को जिला बनना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका विषय आ गया।

श्री बिहारी लाल आर्य-

मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि मऊरानीपुर को जिला बनाया जाये। माननीय नगर विकास मंत्री जी बैठे हुये हैं। हमारे यहां मऊरानीपुर, रानीपुर कटेरा पेयजल पुनर्गठन योजना का 250 करोड़ का प्रोजेक्ट है, आप उसकी धनराशि स्वीकृत करायें। धन्यवाद, जय हिन्द।

*[11:00] **श्री बाबूराम पासवान-**

माननीय अध्यक्ष जी, महात्मा गांधी जी की 150 वीं जयन्ती वर्ष में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने 15 अगस्त के उद्बोधन में कहा था कि 2 अक्टूबर को पॉलीथीन बंदी पूरे देश में स्वच्छता के अभियान में शामिल रहेगी। इस सम्बन्ध में हमारे ओजस्वी मुख्य मंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी ने आज 36 घंटे का सदन बुलाकर यह ऐतिहासिक कार्य किया है। मैं माननीय प्रधानमंत्री जी को और उत्तर प्रदेश के ओजस्वी माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ को हृदय से नमन करता हूं और माननीय अध्यक्ष जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपको भी हृदय से नमन करता हूं। मुझे गरीबी मिटाने और शान्ति तथा न्याय के संसाधनों पर बोलने का जो विषय मिला है उसमें मैं गरीबी मिटाने के सम्बन्ध में कहना चाहता हूं कि यहां माननीय मुख्य मंत्री जी ने और उत्तर प्रदेश सरकार ने विजन 2030 तक निर्धनता और उसके स्वरूपों और ग्रामीण और शहरी व सभी समूहों, बच्चों, महिलाओं और विकलांग बुजुर्गों के बीच में आय, अभाव को समाप्त होना है। बुनियादी सेवाओं की उपलब्धता, कृषि उद्योग एवं सेवा में रोजगार, निर्धन परिवारों की पहुंच, भौतिक और वित्तीय संसाधनों आर्थिक सुरक्षा के प्राविधान आदि को शामिल करना है। लक्ष्य की प्राप्ति के दृष्टिकोण को देखते हुए हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री श्री आदित्य नाथ जी गरीबी और मानव विकास में दीर्घकालीन महत्व को स्वीकार करते हुए राज्य के सभी क्षेत्रों तथा गरीब वंचितों तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई है और महिलाओं और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उद्यमिता के माध्यम से स्वरोजगार देने का लक्ष्य है। माननीय योगी आदित्यनाथ जी ने गरीबों की गरीबी समाप्त करने

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के लिए आवास, पेयजल, स्वच्छता और भोजन तथा बिजली देने का लक्ष्य रखा है। निर्धन और कमजोर परिवारों की सामाजिक सुरक्षा उपायों के जरिये कमजोरियों व आर्थिक झटकों और आपदाओं से बचाना गरीबी मिटाने में शामिल किया जाए। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधारभूत संरचना के सुधार और जलवायु परिवर्तन पर राज्य का संकल्प है गरीबी हटाने में महत्वपूर्ण है। गरीब परिवारों और महिलाओं के बीच में सामाजिक गतिशीलता और एजेन्सी के निर्माण और गरीबी के अन्तरपीढ़ीगत हस्तान्तरण का प्रयास माननीय मुख्य मंत्री द्वारा राज्य सरकार को किये जा रहे हैं। गरीब की आय और सम्पत्ति के आधार पर आपात स्थिति खत्म कर दी है इसलिए पोषण और खाद्य सुरक्षा, जल स्वच्छता का बेहतर प्रयास किया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष-

बाबूराम जी, आपको समस्या तो उस पर बोल दीजिए।

श्री बाबूराम पासवान-

मान्यवर अभी तो मैं सामाजिक न्याय पर बोल ही नहीं पाया। अब मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के सम्बन्ध में आपकी आज्ञा के अनुसार बोलना चाहता हूं। मेरी विधान सभा क्षेत्र-129 पूरनपुर उसकी सीमा अन्तर्राष्ट्रीय सीमा है जो कि नेपाल से सटी है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में शारदा नदी का कहर बाढ़ की विभीषिका के रूप में प्रति वर्ष कुछ क्षेत्र को अलग-थलग कर देता है। इस क्षेत्र में 1 लाख की जनसंख्या रहती है और वह क्षेत्र कट जाता है जिसकी दूरी मुख्यालय से मात्र 40 किलोमीटर है लेकिन कटने पर वह 300 किलोमीटर दूर हो जाता है और दो जिलों को लांघ कर मुख्यालय पर पहुंचने का काम होता है। मैं चाहूंगा और माननीय मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वहां शारदा पर तटबंध बनाते हुए पुल बने और वह देश के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण रहेगा। क्योंकि वह अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़ा है और वह क्षेत्र जंगल से आच्छादित है और चूंकि वहां पर घुसपैठियों का डर रहता है यदि वह पुल बन जाता है तो वह देश की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण रहेगा और प्रदेश के लिए भी महत्वपूर्ण रहेगा। दूसरी बात यह है कि हमारे क्षेत्र में बहुत पुरानी और जर्जर हालत में चीनी मिल हो गई है। प्रतिवर्ष वहां करोड़ों का घाटा होता है और मेरा ऐसा क्षेत्र है वहां पर 7 अन्य चीनी मिलें भी गन्ना पेराई करती हैं उसके बाद भी किसान अपना गन्ना कोल्हू पर अन्य जगहों पर पेरने के लिए मजबूर होता है तो मेरा कहना है कि यदि वहां पर एक नया चीनी मिल का प्लांट लगता है तो सात चीनी मिलों का गन्ना एक चीनी मिल को मिलेगा। प्राइवेट चीनी मिलों पर गन्ना पेराई होती है तो काश्तकारों को पेमेण्ट भी नहीं मिलता है। यह एक बहुत बड़ी समस्या है। मेन आसाम रोड जो आगे आसाम तक जाती है, उसमें 100 एकड़ से अधिक जमीन चीनी मिल के पास है और वहां पर ऐसा प्लांट यदि बदल दिया जाए तो क्षेत्र के किसानों का चहुंमुखी विकास हो सकता है। तीसरी बात मेरे क्षेत्र में इतना बंगाली समाज रहता है जो कि 1955 में पुनर्वास के अन्तर्गत बसाया गया था। उस बंगाली समाज को जो भूमि दी गयी थी

पिछली सरकारों ने उस भूमि में उनके नाम पट्टे नहीं किये इसलिए आज उस जमीन पर जंगल वाले कब्जा करते हैं।

वर्ष 2006 में बसपा की सरकार थी मायावती जी ने उन बंगालियों को हटाकर गरीब आदमियों के पट्टे करना चाहा था लेकिन माननीय अध्यक्ष जी वे पट्टे नहीं हुए और विरोध हुआ तो वहां के जो तत्कालीन डी0एम0 ने वह जमीन नॉन जेड-ए में दर्ज कर दी आज वहां का बंगाली समाज बहुत परेशान है। पहले जो ऑफ लाइन जाति सर्टिफिकेट बनते थे उसमें उन्हें वजीफा और अन्य सुविधायें मिलती थीं। आज वह भी नही बन रहे हैं तो कुछ ऐसी समस्यायें हमारे क्षेत्र में हैं। अभी हमारे क्षेत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक राजकीय महाविद्यालय दिया है और 12 किलोमीटर दो तहसीलों को जोड़ते हुए सड़क दी है, बहुत से विकास कार्य किये हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का हृदय से बहुत-बहुत अभिनंदन, वंदन करता हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में बहुत बड़ा विकास कार्य हुआ है जो कि विगत 70 सालों में नहीं हुआ। ऐसी परिकल्पना भी नहीं थी जो साकार हुई है और मैं चाहता हूं कि जो समस्यायें मेरे क्षेत्र में हैं, उसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूँगा कि उन समस्याओं को सॉल्व करने के लिए और चीनी मिल और पुल बनावाने के लिए धन आवंटित किया जाए जिससे मेरे क्षेत्र की समस्या का समाधान हो। दूसरी बात यह है कि विद्युतीकरण के कार्यों के लिए माननीय ऊर्जा मंत्री जी को मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र में तीन नये सब स्टेशन लगे हैं और माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में 9266 प्रधानमंत्री आवास बने हैं और मुख्य मंत्री आवास योजना में 66 आवास बने हैं और किसान सम्मान निधि का 30 हजार व्यक्तियों को लाभ मिला है तथा 1077 शौचालय वहां पर बनाये गये हैं जिससे एक बहुत अच्छा संदेश इन सालों में गया है। माननीय अध्यक्ष जी मैं आखिर में इतना ही कहना चाहूंगा कि बिजली के क्षेत्र में माननीय ऊर्जा मंत्री जी को मैं धन्यवाद देता हूं कि मेरे क्षेत्र में 108 ट्रान्सफार्मरों की क्षमता भी बढ़ाई गई है और 630 ग्रामों में बिजली नहीं थी, उन ग्रामों में बिजली पहुंचायी गई है। माननीय अध्यक्ष जी, आपने हमें बोलने का अवसर दिया है इसके लिए मैं आपका हृदय से नमन करता हूं और इसी के साथ अपनी बात समाप्त करता हूं। जय हिन्द, जय भारत। (मेजों की थपथपाहट)

***[11:10] नगर विकास, शहरी समग्र विकास मंत्री (श्री आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी')-**

माननीय अध्यक्ष जी, आज यह एक ऐतिहासिक दिन है, जब सतत विकास लक्ष्यों के ऊपर मंथन करने के लिए यह सदन एकत्रित हुआ है। सतत विकास लक्ष्य के जो 17 बिन्दु हैं उसमें से 16 बिन्दु उत्तर प्रदेश में रेलिवेन्ट हैं। उनकी कैसी कार्ययोजनाएं बने जिससे कि हम अपने नागरिकों का जीवन स्तर विश्व मानकों के अनुसार कर सकें और एक संतुलित विकास हो सके इसके लिए यह सदन आज यहां एकत्रित हुआ है। मैं सर्वप्रथम इसके लिए माननीय अध्यक्ष जी आपका और माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत आभार व्यक्त करता हूं। सतत

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

विकास लक्ष्यों के जो 17 लक्ष्य हैं उसमें 11वां लक्ष्य समावेशी एवं सुरक्षित शहर का विकास करना। मान्यवर, यह तथ्य है और एक वैश्विक अनुभव भी है कि सामाजिक, आर्थिक उन्नति और रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका है और आज तेजी से दुनिया भर में शहरीकरण हो रहा है। 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में कुल आबादी का लगभग 22.5 प्रतिशत शहरों में रहता है और यह आंकड़े यह परिलक्षित करते हैं कि शहरी क्षेत्रों में आबादी की दर में तेजी से वृद्धि हुई है और ऐसा अनुमान है कि 2030-31 तक उत्तर प्रदेश में 36 प्रतिशत आबादी शहरों में होगी अब प्रदेश में बढ़ता हुआ शहरीकरण, जहां एक ओर हमारी उन्नति और हमारे विकास को परिलक्षित करता है दूसरी ओर शहरी क्षेत्रों में विकास की बुनियादी संरचनाओं को नागरिकों को उपलब्ध कराना यह भी सरकार के लिए चुनौती है और इस चुनौती को हम माननीय मुख्य मंत्री जी के कुशल निर्देशन में इससे निपटने में सक्षम हो रहे हैं। शहरों को आर्थिक रूप से जीवंत और पर्यावरणीय रूप से स्वच्छ और सुरक्षित ऐसे परिवेश के रूप में विकसित करना जिसमें समाज के सभी नागरिकों और समाज के सभी घटकों की उन्नति के लिए बुनियादी सुविधायें, सार्वजनिक सेवाएं और तरक्की के समान अवसर हो इसके लिए नगर विकास विभाग से तमाम योजनाओं के तहत् कार्य किये जा रहे हैं।

स्मार्ट सिटी योजना है, स्वच्छ भारत मिशन है, प्रधानमंत्री आवास योजना है, नगरीय परिवहन है, मुख्य मंत्री अल्प विकसित मलिन बस्ती विकास की योजना है, नमामि गंगे है, हृदय योजना आदि योजनाएं हैं इन सभी योजनाओं के माध्यम से शहरों के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। अब इसमें सबसे बड़ी आवश्यकता शहरों में तेजी से ग्रामीण क्षेत्र से आबादी का आगमन हो रहा है और उनके रहने के लिए आवास चाहिए। समाज का एक वर्ग ऐसा है जो बहुत बड़ी तादाद में है। वह बड़े कीमती मकान और फ्लैट खरीदने में सक्षम नहीं है उनके लिए हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना को सुदृढ़ करते हुए उसको बल देते हुए प्रदेश को उसका लाभ उपलब्ध कराया। हमको यह बहुत संतोष है और गर्व भी है कि पिछले ढ़ाई वर्ष में उत्तर प्रदेश में 13,42,982 आवास शहरी क्षेत्र के लिए स्वीकृत हुए और इस क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पूरे भारत वर्ष में अग्रणी है और यह संख्या तब है जब इसके पहले के ढाई वर्ष में केवल 10 हजार कुछ संख्या में प्रधानमंत्री आवास शहरी क्षेत्र में बने थे।

(इसी मध्य 11 बजकर 14 मिनट पर अधिष्ठाता श्री अरविन्द गिरि पीठासीन हुए)

मित्रों जैसा कि मैंने पहले कहा अगर हम आबादी के एक बहुत बड़े भाग को आवास नहीं उपलब्ध कराते हैं तो वह झोपड़ पट्टी और मलिन बस्ती में रहने को मजबूर होते हैं। और शहर में जो बुनियादी सुविधायें हैं, जो इंफ्रास्ट्रक्चर है उस पर असर पड़ता है और उनको भी अच्छा जीवन-यापन नहीं मिलता है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना जो प्रस्तुत की और नगरीय क्षेत्र में जो आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, आदरणीय मुख्य मंत्री जी का सतत मार्गदर्शन उसमें है और बड़ी तादाद में अभी भी वह सूचीबद्ध हो रहे हैं और

वर्ष, 2022 तक जब हम आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनायेंगे तब तक हमारा प्रयास है कि इसको पूरी तरह संतृप्त कर दिया जायेगा, जो भी उसका डाटा बेस है, जो भी लोग मकान चाहते हैं, एक भी व्यक्ति नहीं रह जायेगा जिसके पास मकान नहीं होगा। मान्यवर, इसके साथ-ही-साथ जो शहरों में अल्प विकसित बस्तियाँ हैं, उसमें बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए कार्य किये जा रहे हैं। उसमें जहां सीवर की आवश्यकता है, जहां पेयजल लाइन की आवश्यकता है, जहां बिजली की आवश्यकता है, जहां गलियों के निर्माण की आवश्यकता है, वह सब किये जा रहे हैं और शहरी पत्र-विक्रेताओं के लिए जो स्ट्रीट वेण्डर है, उनके लिए सभी बड़े महानगरों में प्रथम चरण में वेण्डिंग जोन बनाये गये हैं। हम उन सबको नियोजित ढंग से उन वेण्डिंग जोन में शिफ्ट करेंगे और धीरे-धीरे एक ऐसा महानगर बनाने का प्रयास होगा कि किसी भी महानगर में स्ट्रीट वेण्डर सड़क के ऊपर अपना ठेला, खोमचा लगाने को मजबूर न हो और उनका किसी तरह का शोषण न हो सके। बहुत बड़ी संख्या ऐसी है जो शहर में बेघर है, उनके लिए आश्रय स्थल बनाये जा रहे हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि बेघरों हेतु आश्रय स्थल निर्माण के लिए 148 परियोजनायें स्वीकृत की जा चुकी हैं, जिनमें से 85 आश्रयगृहों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, पिछले ढाई वर्षों में यह हुआ है। अमृत परियोजना के तहत् 01 लाख से ऊपर आबादी के चयनित 60 शहरों में व्यापक रूप से पेयजल, सीवरेज और हरित क्षेत्र यानी पार्कों का विकास किया जा रहा है और इस पर 11,422 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर सरकार कार्य कर रही है और वर्ष, 2022 तक सभी 60 शहरों में इन बुनियादी सुविधाओं को विकसित किये जाने का लक्ष्य है। अब इसके साथ-साथ पूरे प्रदेश को आप सबको विदित है कि ओ0डी0एफ0 घोषित किया जा चुका है। यानी खुले में शौच मुक्त। अगर एक-आध दशक पहले आप देखें तो क्या स्थिति थी, विशेष रूप से 6-7 साल पहले तक। हमारे प्रधानमंत्री जी ने आने के बाद शौचालय निर्माण को भी प्राथमिकता पर लिया और उन्होंने यह आह्वान किया कि हम पूरे देश को खुले में शौच से मुक्त करेंगे और 02 अक्टूबर के दिन पूरे देश को ओ0डी0एफ0 घोषित कर दिया गया। आने वाले समय में अब हम ओ0डी0एफ0 प्लस और ओ0डी0एफ0 प्लस-प्लस के लिए काम करेंगे। एक दशक पहले क्या स्थिति थी आप कहीं से भी जाय किसी ट्रेन से भी जाय। हर नगर के पहले बीच में आपको खुले में शौच जाते हुए लोग दिखते थे। इस पर अधिष्ठाता महोदय एक दशक पहले एक कवि ने एक चुटकला सुनाया था कि वह कवि जा रहे थे ट्रेन से, एक विदेशी था, सम्भवतः अमेरिका का, तो उसने कहा उस कवि से कि अरे देखो ये खुले में शौच कर रहे हैं, हमारे यहां तो इतना जुर्माना है तो उस कवि ने कहा कि नहीं-नहीं ऐसा नहीं है कुछ लोग हैं, उनके घर में नहीं है, बाकी सबके घर में है। थोड़ा आगे बढ़े दूसरा शहर आया तो उन्होंने फिर वही रिपीड किया अरे ये तो खुले में शौच कर रहा है, हमारे यहां तो इतना जुर्माना है,

फिर कवि महोदय ने ढकने का प्रयास किया। जब तीन-चार बार हो गया तो कवि महोदय को गुस्सा आ गया, बोले अरे क्या आप जुर्माने-जुर्माने की बात कर रहे हो भइया, यहां इतने लोग जाते हैं कि सबका जुर्माना अगर जोड़ लो तो हम तुम्हारा अमरीका खरीद लें। यह तब की स्थिति थी लेकिन आज हमारे प्रधानमंत्री जी का विजन, उनकी दूर-दृष्टि और आज उत्तर प्रदेश में हम कह सकते हैं कि हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी का सतत मार्गदर्शन स्वयं उनका मॉनीटरिंग करना आज उत्तर प्रदेश ओ0डी0एफ0 घोषित हो चुका है। देश में 100 स्मार्ट सिटी घोषित किये गये जिसमें से 10 उत्तर प्रदेश में हैं और इन 10 स्मार्ट सिटी में 05 वर्षों के अन्दर 10 हजार करोड़ रुपये की परियोजनायें मूर्त रूप लेंगी। यह हमारे 10 नगर निगम के क्षेत्र हैं।

हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने जो 07 नगर निगम बच रहे थे उनको स्टेट स्मार्ट सिटी घोषित करके सत्रहों नगर निगम को स्मार्ट सिटी बनाने का काम किया है। स्मार्ट सिटी में एक सेन्ट्रल कन्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर है जो अत्याधुनिक टेक्नालॉजी से लैस है। सभी चीजों की मॉनीटरिंग आने वाले समय में वहां से होगी। कूड़ा प्रबंधन क्या हो रहा है, कौन-सी गाड़ियां कहां चल रही है। ट्रैफिक कंट्रौल कैसे होगा ? पार्किंग की क्या व्यवस्था है? यह सब उसी कंट्रोल एण्ड कमाण्ड सेन्टर से इसका वियोजन होगा। स्मार्ट सिटी में दूसरा जो मुख्य पार्ट है, वह है शहरों का कायाकल्प करना। एक एरिया बनाया गया है उस एरिया में सभी सड़कें ऐसी बनायी जायेंगी जो स्मार्ट रोड हों और जितने बिजली के तार हैं, केबिल हैं, पाइप-लाईन हैं, सीवर हैं, नाले हैं, वह सब विधिवत रूप से अण्डर ग्राउण्ड होंगे। नाले और सीवर के अलावा एक और डक डाली जायेगी जिसके अन्दर सभी तार उसमें से जायेंगे। स्मार्ट सिटी में शहरों में पाक्रिंग की बड़ी समस्या है। मल्टी लेवल पाक्रिंग के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी में लिये जा रहे हैं। आने वाले समय में बड़े महानगरों में पाक्रिंग की समस्या से निपटा जा सके।

आज पेयजल के लिए बड़ी महत्वाकांक्षी योजना है, आदरणीय प्रधानमंत्री जी की कि आने वाले समय में प्रदेश में, देश में हर घर को पेयजल पाईप-लाइन से आपूर्ति की जाय। अब पानी को बचाना भी हमारे लिए एक चुनौती है। स्मार्ट सिटी में पानी के रि-साइकलिंग के भी प्रोजेक्ट हैं। अभी एक प्रतीक रूप में लखनऊ में एक चिकित्सालय में उसका शुभारम्भ हुआ है। वहां सीवर और नाले का जो पानी है वहीं पर उसका शोधन होकर वो वहां पर धुलाई और गार्डनिंग के कामों में आयेगा, यानी पानी वेस्ट न हो यह भी स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत है। नगरीय परिवहन सेवा उसमें इलेक्ट्रिक बसें चलायी जा रही हैं। अभी राजधानी लखनऊ में 40 इलेक्ट्रिक बसों का शुभारम्भ हुआ, एक इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन बना और कैबिनेट ने अप्रूव किया है कि 700 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जा रही हैं, प्रदेश के अन्य महानगरों के लिए। वह इलेक्ट्रिक बसें महानगरों में चलेगी और आप जानते हैं कि ध्वनि प्रदूषण और वायु प्रदूषण भी हमारे लिए एक चुनौती है। इन इलेक्ट्रिक बसों से हम उस चुनौती से निपटेंगे। प्रदूषण रहित

वह बस होगी और आरामदेह बस होगी यात्रियों को उसमें चढ़ने, उतरने, बैठने में बहुत सुविधा होगी और उसमें कोई किसी तरह का प्रदूषण उसमें नहीं होगा, बिल्कुल भी ध्वनि नहीं होती, कोई धुंआ नहीं होता, ऐसी बसें 40 लखनऊ में आरम्भ हो गयी हैं 700 बसे बहुत जल्दी मुझे लगता है कि प्रदेश में चलने लगेंगी और आगे चलकर धीरे-धीरे हम नगरीय परिवहन को इलेक्ट्रिक बसों के रूप में लायेंगे।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, प्रदेश में तमाम प्रोजेक्ट चल रहे हैं, कूड़ा प्रबंधन के। आज कूड़ा पूरे विश्व के लिए एक बड़ी समस्या है और इतनी बड़ी तादाद में कूड़ा निकल रहा है कि उसका निष्पादन भी एक चुनौती है। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में साढ़े 15 हजार मीट्रिक टन से अधिक कूड़ा रोज निकलता है। अगर राजधानी की बात करें तो ढेड़ हजार मीट्रिक टन कूड़ा प्रतिदिन लखनऊ में निकलता है। अब ये कूड़ा डोर-टू-डोर कलेक्शन करना फिर डम्पिंग ग्राउण्ड तक पहुंचाना और उसके बाद उस कूड़े का निस्तारण करना। इसमें सरकार अनेक महानगरों में पी0पी0पी0 मोड पर काम करा रही है, उसके अच्छे परिणाम आ रहे हैं। तमाम डम्पिज हैं जो कूड़े से खाद बनाने का काम कर रहे हैं और वो कम्पोस्ट बन रही है और उसके साथ-साथ वेस्ट-टू-एनर्जी के प्रोजेक्ट भी लग रहे हैं, कूड़े से बिजली बनाने के। हम एक प्रयास यह भी कर रहे हैं कि कूड़े को उठाकर एक जगह से दूसरी जगह ले जाना यह भी एक बड़ा कार्य है। जनता में जागरूकता लायी जाय। एक अभी हमने आई0टी0सी0 से एक एम0ओ0यू0 साइन किया है वह प्रदेश भर में अपने सी0एस0आर0 फण्ड से इसमें जागरूकता लायेंगे और उस पर कार्य करेंगे। 200-200, 250-250 घरों के कलस्टर बनाकर वह कूड़ा वहीं पर इकट्ठा किया जायेगा और उसके बाद वहां किसी पार्क के कोने में या कहीं पर भी कम्पोस्टर लगे, उसका जो कम्पोस्ट बने वह उस एरिया के पार्कों के काम आ जाये या घरों में लोग जो गमले आदि लगाते हैं उसके काम आ जाय। यानी कूड़ा कहीं ले जाने की बजाय उसका एक बड़ा भाग वहीं पर निस्तारित हो जाय। सरकार इसके लिए बहुत कार्य कर रही है। निकट भविष्य में कूड़ा निस्तारण के जो और परिणाम हैं वह भी सामने आयेंगे कि शत-प्रतिशत कूड़े का निस्तारण हो सके।

वर्ष, 2015 में यह स्थिति थी कि हम 10 परसेंट से भी कम घरों से डोर-टू-डोर कलेक्शन कर पाते थे और आज यह है कि हम 90 परसेंट वार्डों में डोर-टू-डोर कलेक्शन कूड़ें का कर रहे हैं और उसमें जो खामियाँ आ रही हैं, उसको आगे दुरूस्त किया जायेगा। जो एस0टी0पी0 बने हैं हमारे वह सुचारू रूप से काम करें। गंगा जी में या किसी भी नदी में एक बूंद भी प्रदूषित जल न गिरे इसके लिए सरकार कार्य कर रही है और एस0टी0पी0 बने हैं वह कार्य कर रहे हैं लेकिन दिक्कत आ रही है, कई जगह उनके रख-रखाव और मेन्टेनेन्स की। इस पर भी हम पी0पी0पी0 मोड पर जा रहे हैं। जो भी पी0पी0पी0 मोड पर सामने आयेगी कोई कम्पनी वह पूरा उसका कार्य करे। सीवर की नाले की सफाई, वह मैनुअल न हो, मशीनों

से हो, आधुनिक मशीनों से हो और उसके बाद सीवर नाले की सफाई के साथ-साथ एस0टी0पी0 का भी मेन्टेनेन्स और पूरी उनकी जिम्मेदारी हो। अभी हमने लखनऊ में इसका श्री गणेश किया है। पॉलिथीन पर रोक, पॉलिथीन आज मानव सभ्यता के लिए बहुत बड़ा खतरा हो गया।

अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि कुछ दिन पहले लखनऊ में सी0डी0आर0आई0 में एक प्रदर्शनी हुई थी, उसमें मुझे जाने का अवसर मिला उस प्रदर्शनी में वह बता रहे थे कि 27 तरह के कैंसर का कारण यह पॉलिथीन है और पॉलिथीन जल निकासी में बहुत बड़ी बाधा है। सीवर चोक, नाला चोक पॉलिथीन की वजह से हो रहे हैं। पॉलिथीन नष्ट नहीं होता हम सब जानते हैं। जल संचय में बाधा है। हमारे गो-वंश के लिए वह खतरा है। हमारी गाय पॉलिथीन खा लेती है और उनके पेट में कई-कई किलो पॉलिथीन जमा हो जाती है। अभी मथुरा में एक कार्यक्रम हुआ था। आदरणीय प्रधानमंत्री जी आये थे उसमें, मुख्य मंत्री जी ने वहां पर लाइव आपरेशन गो-वंश का कराया। एक-एक गाय के पेट से 10-10, 5-5 किलो पॉलिथीन निकली और वह दर्द से कराह रही है, ऐसी स्थिति है। पॉलिथीन पर रोक के लिए अवेयरनेस प्रोग्राम भी चलाए जा रहे हैं।

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि इसके लिए सख्ती भी होगी। सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से प्रतिबंद्ध है। अभी पिछले दिनों लगभग साढ़े छः सौ टन प्रतिबंद्धित पॉलिथीन सामग्री जब्त की गयी है और लगभग साढ़े सात करोड़ रुपये उससे जुर्माना मिला है। नगरीय क्षेत्र में ग्रीनरी को बढ़ाने के लिए हम एक ऐसी कार्य योजना बनाने का प्रयास कर रहे हैं कि अधिकांश पार्कों को हरे-भरे और विकसित किया जाये। इसके लिए कार्य हो रहे हैं। लगभग साढ़े छः सौ पार्कों की परियोजनाएं अमृत योजना के तहत् स्वीकृत हो चुकी हैं और इसके अलावा भी हम और प्रयास कर रहे हैं। यानि जो सतत विकास लक्ष्य का ग्यारहवां लक्ष्य समावेशी एवं सुरक्षित शहर का विकास करना है, इस पर हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुसार, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी के मार्गदर्शन और सतत मॉनिटरिंग की बदौलत हम इन कार्यों में पहले से आगे हैं और आगे चलकर हम इसमें लक्ष्य को हासिल करके जो निश्चित हुआ है कि वर्ष 2030 तक पंद्रह साल में यह सतत विकास के लक्ष्य के लिए 2030 का एक एजेंडा बना है जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की एक शिखर बैठक में जिसमें 193 सदस्य देशों ने इसको अनुमोदित किया था और इन लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए अभूतपूर्व परामर्श प्रक्रिया हुई जिसमें तमाम राष्ट्रों की सरकारें और दुनियाभर के लाखों नागरिकों ने मिलकर बातचीत की और पंद्रह वर्ष के लिए सतत विकास हासिल करने का एक वैश्विक मार्ग अपनाया ।

हमारे प्रधानमंत्री जी ने अपने देश में इस लक्ष्य को एक नियोजित ढंग से और इसकी एक कार्य योजना बनाकर और जो इसका पंद्रह वर्ष का लक्षित समय है उससे पहले ही हासिल करने के लिए हमको प्रेरित किया। हमारे मुख्य मंत्री जी इसके लिए लगातार प्रयासरत् हैं लेकिन

जहां दुनियाभर में 193 सरकारें इसमें हैं, लाखों नागरिकों ने इस चर्चा में भाग लिया, वहीं आज ये खाली सीटें दिख रही हैं कि इनको इससे कुछ लेना-देना नहीं है, विकास से कुछ लेना-देना नहीं है। अब यह सतत विकास लक्ष्य के जो बिंदु हैं उसमें पहला बिंदु है गरीबी की पूर्णतया समाप्ति, दूसरा बिंदु है भुखमरी की समाप्ति, तीसरा बिंदु है अच्छा स्वास्थ्य और जीवन स्तर, चौथा बिंदु है गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पांचवा बिंदु है लैंगिक समानता, छठां बिंदु है साफ पानी और स्वच्छता, सातवां बिंदु है सस्ती और सतत उर्जा, आठवां बिंदु है अच्छा काम और आर्थिक विकास, नौवां बिंदु है उद्योग नवाचार बुनियादी ढांचे का विकास, दसवां बिंदु है असमानता में कमी, ग्यारहवां बिंदु है शहरी और सामुदायिक विकास, बारहवां बिंदु है जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन, तेरहवां बिंदु है जलवायु परिवर्तन, चौदहवां बिंदु है पानी में जीवन, पंद्रहवा बिंदु है भूमि पर जीवन, सोलहवां बिंदु है शान्ति और न्याय के लिए संस्थान, सत्रहवां बिंदु है लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी । लेकिन इन सारे बिंदुओं से मुझे लगता है कि विपक्ष को कुछ लेना-देना नहीं है। अगर पहला, दूसरा दो ही बिंदु ले लें गरीबी की पूर्णतया समाप्ति और भुखमरी की समाप्ति । कम से कम आज इनको होना चाहिए था। महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के ऊपर वह भी अपने विचार रखते। अधिष्ठाता महोदय, आपकी अनुमति से दो लाइनें कहकर अपनी बात समाप्त करूँगा। जो लाइनें मैं कह रहा हूं उसमें इस तरफ ध्यान कर लीजिएगा और अपने मुख्य मंत्री जी की तरफ ध्यान कर लीजिएगा तब वह दो लाइनें समझ में आएंगी। **'तमाम चेहरों पर खौफ जारी है, तमाम चेहरों पर खौफ जारी है, एक चिराग कितने अंधेरों पर भारी है'**, धन्यवाद ।

[11:35] श्री पूरन प्रकाश-

'बोलिए गिरिराज महाराज की जय, बोलिए भारत माता की जय, वन्दे मातरम् वन्दे मातरम्' । अधिष्ठाता जी, आपने मुझे इस विशेष सत्र में पूज्य गांधी जी की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर, देश के पूर्व प्रधानमंत्री रहे आदरणीय लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभारी हूं । मान्यवर, कल ग्यारह बजे से हम इस हाउस में चल रहे हैं यह भी अपना एक इतिहास है। यद्यपि चौथी-पांचवी बार मैं इस हाउस का मेम्बर हूं लेकिन यह पहली बार देखने को मिला है कि देश-प्रदेश दुनिया में हमारे उत्तर प्रदेश का, उत्तर प्रदेश विधान सभा का हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी का, हमारे प्रदेश के यशस्वी योगी जी का जो एक कार्यकाल अभी हमारे सामने चल रहा है, जो बीत चुका है उसमें देश-दुनिया में जो एक स्थान बना है, वह अनुकरणीय है। मान्यवर, सबसे पहले देखा जाये तो गांधी जी हमारे जनपद मथुरा में 14 अप्रैल 1915 में आए थे। उस समय हम तो पैदा भी नहीं हुए थे परन्तु हमारे पिता जी थे लेकिन वह कुछ यादें हैं जो परिवार वालों ने बतायी हैं। आज फिर से वह यादें ताजा हो गयी हैं। मान्यवर, मैं आपका आभार व्यक्त करते

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हुए गरीबी की पूर्णतया समाप्ति, अच्छा काम और आर्थिक विकास पर कहना चाहूंगा। देश की आजादी के बाद 55 वर्ष तक एक हमारे पार्टी विशेष का देश में और प्रदेश में शासन रहा। यदि देखा जाये तो जो शासन उस समय था उसमें और अंग्रेजों के शासन में कोई फर्क नहीं था। जो 55 वर्ष तक शासन रहा उसमें कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं था। तब भी वही चीज थी 'डिवाइड एण्ड रूल' फूट डालो और राज करो, और 55-60 वर्षों तक वही शासन रहा था। जातियों में, बिरादरियों में डिवाइडेड करके कैसे सत्ता और शासन पर काबिज रहा जा सके। महोदय, देश की स्थिति गुलामी जैसी थी। जो गरीब था वह और गरीब हो रहा था तथा जो अमीर था वह और अमीर हो रहा था। धन्य हैं, हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी जी, धन्य हैं हमारे प्रदेश के मुख्य मंत्री जी जिन्होंने देश दुनिया को एक जो दिशा और दशा दी है उसको भविष्य में आने वाली पीढ़ी नहीं भुला पाएगी। आज उनके नेतृत्व में जिस तरह से हमारा प्रदेश आगे उन्नति कर रहा है, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। जो आज वह साकार रूप हो रहा है यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

हमें अच्छी तरह याद है कि जब हम वर्ष 1991 में पहली बार सदस्य होकर आए थे। आज से लगभग 30 साल पहले जब रात में क्षेत्र में जाते थे, पुरानी गाड़ियां होती थी और जब रात में गांव में, खेतों में गाड़ियों की लाइट पड़ती थी, वहां की माताएँ-बहनें जब शौच के लिए जाती थी तो शर्म से हमें गाड़ी की लाइट बुझानी पड़ती थी माताएं-बहनें खड़ी हो जाती थीं परन्तु आज प्रत्येक गांव, प्रत्येक घर, हर जिले में शौचालय का जो बीड़ा माननीय प्रधानमंत्री जी ने उठाया था, वह अपने-आप में एक बहुत बड़ा साकार रूप आपके सामने यहां पर उपलब्ध है। गांधी जी की बात आती है, कितनी बड़ी प्रतिमा इस विधान सभा में लगी हुई है। गांधी जी के तीन हनुमान थे, 'बुरा मत बोलो, बुरा मत सुनो और बुरा मत देखो' इन तीनों को अपने जीवन में उतार लो, आधी समस्याओं का समाधान गांधी जी के तीन वचनों में अपने आप हो जायेगा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय पूरन प्रकाश जी, कृपया संक्षेप कर लें।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, आखिरी छोर पर जो अन्त्योदय में बैठा है वह विकास की राह देख रहा था, टकटकी लगाये देख रहा था परन्तु पहुंच नहीं पा रहा था। सब सपना साकार हो रहा है, सब आपके सामने आ रहा है। यहां सदन में हमारे जनपद के यशस्वी ऊर्जा मंत्री जी बैठे हैं उन्होंने अपने कैम्पों के माध्यम से जगह-जगह जाकर जो सत्तर साल से पीड़ित था वहां बराबर का उजाला हो रहा है। जो अंधेरे में बैठा था उसे बिना पैसे के कनेक्शन दिलाया गया है। इन्होंने सबको घर-घर जाकर कनेक्शन बँटवाएं हैं। पहले कहते थे कि कब बिजली आएगी, आज कहते हैं कि कब बिजली जाएगी। इतना बड़ा परिवर्तन है और यह सब आपके सामने है।

श्री अधिष्ठाता-

पूरन प्रकाश जी कृपया संक्षेप कर लें।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, संक्षेप में ही कहूंगा, मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। किसान जो कर्जे में डूबा हुआ था वह आत्महत्या कर रहा था, फांसी लगा रहा था, चाहे कोई भी किसान था उसके एक लाख के कर्ज की माफी प्रदेश सरकार ने की। आपकी योजनाओं के तहत् निःशुल्क विद्युत कनेक्शन दिए गए। उज्जवला योजना के संबंध में कहना चाहूंगा कि हमारी माताएं-बहनें जो जंगलों में, खेतों में जाकर लकड़ी बीनकर लाती थी तब चूल्हा जलता था उनकी आंखे खराब हो जाती थीं लेकिन पैसे के अभाव में कनेक्शन नहीं ले सकती थीं परन्तु घर-घर जाकर मोदी जी ने बिना पैसे के कनेक्शन वितरित किए। इतना ही नहीं, यदि आगे हम देखें तो गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले व्यक्तियों के पास छत नहीं थी, घर नहीं था वह कैसे जीवनयापन कर रहे थे, आप कल्पना कीजिएगा परन्तु चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो, चाहे मुख्य मंत्री आवास योजना हो जो उसकी पात्रता में आ रहे हैं उन सबको हम मकान दे रहे हैं और वर्ष 2022 तक हम प्रत्येक व्यक्ति को मकान देने जा रहे हैं जिनके पास मकान नहीं था। हम मंत्री जी के आभारी हैं कि तीस साल से हमारे जनपद में ट्यूबवेल कनेक्शन नहीं होते थे, खारा पानी आता था परन्तु हम ऊर्जा मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे कि उन्होंने किसानों के ट्यूबवेल कनेक्शन भी चालू करा दिए। बीस-बीस वर्षों से ग्रामीण अंचल में जर्जर सड़कें थीं। वहां कभी नम्बर नहीं आता था, तीस साल पहले का बता रहा हूं कि वह कभी किसी योजना में नहीं आते थे वह जर्जर सड़कें जो थी उनकी मरम्मत भी करायी गयी। इतना ही नहीं, किसानों के हित को देखते हुए गन्ना किसानों की पहले क्या स्थिति थी? आज गन्ना किसानों को भुगतान उनके घर जाकर दिया जा रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य पूरन जी, कृपया आप समाप्त करिए मैं दूसरे माननीय सदस्य को बुला रहा हूं। अब आप समाप्त करिए।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, मुझे स्वयं जल्दी जाना है मेरे यहां कोई शहीद हो गए हैं, कृपया मुझे समय दे दें मैं दो मिनट में अपनी बात कह लूं।

श्री अधिष्ठाता-

ठीक है, आप एक मिनट में समाप्त करिएगा।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, आज से पहले लॉ एण्ड आर्डर की क्या स्थिति थी। वह घर से निकल नहीं सकती थी, बहन-बेटियां कहीं नहीं जा सकती थीं, भय की स्थिति बनी हुई थी। चाहे पिछली

सरकार में जाएं या और पहले की सरकार में जाएं परन्तु आज गर्व से कहीं भी जाइए और कहीं भी आइएगा, आज कोई भय नहीं है। आज भाई-चारे का वातावरण है। पहले प्रदेश के बाहर से जितने भी लोग निवेश के लिए आते थे वह उत्तर प्रदेश में डरते थे। आज हमारे प्रदेश में कृष्ण जन्मस्थली है, हमारी बरसाना, वृन्दावन, नंद गांव, बलदेव, गोकुल वहां पर आप देखियेगा

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करिये मैं अगले सदस्य को बुला रहा हूं।

श्री पूरन प्रकाश-

अभी उसी को देखते हुए हमारे मुख्य मंत्री जी का कई बार मथुरा का कार्यक्रम बना है।

श्री अधिष्ठाता-

पूरन प्रकाश जी, यह उचित नहीं है। आप दूसरे सदस्यों का भी टाइम ले रहे हैं।

श्री पूरन प्रकाश-

आप कहते हैं कि 15 अगस्त, 1947 को देश आजाद हुआ अगर सही देखा जाय तो हमारा देश 5 अगस्त, 2019 में अब हुआ है, जब धारा 370 खत्म हुई। एक देश एक संविधान। खुशी होती है। पहले मैं विधायक था ट्रेन में आते थे, जाते थे, कोई पूछता था कि कौन सी पार्टी के विधायक हैं तो कहते थे आर0एन0डी0। आर0एन0डी0 क्या पार्टी होती है। आज मुझे अपने आप में गर्व है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी से पूरन प्रकाश विधायक है।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत बहुत धन्यवाद पूरन जी। अब यह उचित नहीं है। आपकी बातें आ गई है। अब आप समाप्त करिये मेरा अनुरोध है आपसे।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, दो मिनट। ज्यादा समय न लेकर मैं अपनी बात समाप्त करूँगा।मुख्य मंत्री जी 13 बार मथुरा गये हैं, मथुरा से विशेष लगाव है लेकिन अभी भी माननीय मुख्य मंत्री जी के स्पष्ट निर्देश के बाद भी कुछ विभाग के अधिकारी ओर विभाग पुरानी सरकारों की मानसिकता से पीड़ित हैं और जो आम कार्यकर्ता है चाहे वह थाना हो, चौकी हो, तहसील हो पुलिस के द्वारा शान्तिप्रिय कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित तथा इल्लीगल धन की मांग की जाती है। कार्यकर्ताओं का मनोबल नहीं टूटना चाहिए। इतना ही नहीं शिक्षा माफियाओं के तहत् आई0टी0आई0 की मानकता न रखते हुए भी तमाम विद्यालय मथुरा जनपद में कार्यरत् हैं इसमें एक ही विद्यालय की मानकता को दूसरे फर्जी विद्यालयों में दर्शाकर सरकारी धन का

दुरुपयोग किया जा रहा है। इसमें विभाग के अधिकारी तथा आई0टी0आई0 के शिक्षा माफिया बहुत उच्च स्तर से शामिल हैं। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कुछ सड़कें जो हमारे बलदेव क्षेत्र, जनपद मथुरा की स्वीकृत होने के लिये करीब 42 सड़के हैं सभी इस्टीमेट चीफ से संस्तुति होकर विभाग में धन की अपेक्षा में लम्बित हैं उनको तुरन्त करवाने का कष्ट करें। इसके साथ ही गंगा जल पेयजल योजना के तहत् बुलन्दशहर से आगरा को बहुत चौड़ी पाइप लाइन हमारे क्षेत्र राया ब्लाक तथा बलदेव ब्लाक से डाली गई है जिसमें किसानों की जमीन, सड़क सभी गई हैं, लेकिन हमारे क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में लोगों को पेयजल प्रदान करने का 10 प्रतिशत का प्राविधान भी निश्चित किया गया है परन्तु मेरे क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में पेयजल नहीं उपलब्ध कराया जा रहा है जबकि जमीन के जीचे खारा पानी है। पेयजल के लिये बहू बेटियां 3-4 किमी0 दूर से सर पर पानी रखकर लाती हैं। इसी तरह से डूडा का भी गरीबों को आवास प्रदान करने में वित्तीय अनियमितता व अवैध धन की मांग लाभार्थी से की जा रही है तथा मानक के विपरीत भी विकास कार्य हो रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

नहीं अब आप समाप्त करें। दोबारा बोलियेगा।

***[11:48] श्री सत्य प्रकाश अग्रवाल "कैलाश डेरी वाले"-**

मान्यवर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर मुझे अपने विचार रखने का मौका दिया गया है इसके लिये मैं आपको धन्यवाद देता हूं। सर्वप्रथम माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने यह विशेष सत्र बुलाकर राष्ट्रपिता को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है। मैं भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन करता हूं। महात्मा गांधी जी के जीवन से जुड़े 16 बिन्दुओं में से **जलवायु परिवर्तन** पर अपने विचार रखना चाहता हूं। जलवायु परिवर्तन देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व के लिये चिन्ता का विषय बना हुआ है। सम्पूर्ण विश्व के वैज्ञानिक समय समय पर बैठकें करके इसका हल निकालने का प्रयास कर रहे हैं। इसी कारण से 5 जून, 1972 को विश्व पर्यावरण दिवस का प्रारम्भ हुआ। जलवायु परिवर्तन के दो मुख्य कारण हैं। एक है प्राकृतिक और दूसरा है मानवीय कारण। प्राकृतिक कारणों में हस्तक्षेप करना या परिवर्तन करना मनुष्य के अधीन नहीं है हमें केवल मानवीय कारणों की चिन्ता करनी होगी। बढ़ती जनसंख्या के कारण मकान, सड़क और अन्य निर्माण कार्यों से पेड़ों व जंगलों के कटान के कारण कार्बनडाईऑक्साइड सोखने की क्षमता कम होती जा रही है जिसके कारण मनुष्य को शुद्ध ऑक्सीजन मिलना मुश्किल हो गया है। रेत, मिट्टी, बालू का अप्राकृतिक रूप से अत्यधिक दोहन एवं पहाड़ों पर आधुनिक विलासिता के कारण बर्फ के ग्लेश्यिर लगातार पिघल रहे हैं जो

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कि तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन का कारण है। इन सबका एक बड़ा कारण तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या का दबाव भी है। हमें सबसे पहले अपने देश में जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये जनसंख्या पर नियंत्रण करना होगा।

मनुष्यों की विलासिता के कारण पेट्रोल, डीजल की गाड़ियों का अत्यधिक प्रयोग करने के कारण, वातानुकूलित साधनों पर अत्यधिक निर्भरता होने के कारण, मोबाइल और नेट का अत्यधिक उपयोग जिससे कि पैरा बैंगनी किरणें निकल रही हैं। यह भी जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। हमें चीन और जापान जैसे देशों से शिक्षा लेनी चाहिए जहां प्रत्येक नागरिक को कुछ किमी0 के लिये साइक्लिंग आवश्यक है जिससे स्वास्थ्य में भी सुधार होता है और प्रदूषण भी कम हो सकता है। इसलिये हमारी सरकार को भी ठोस नीति लाने की आवश्यकता है। साथ ही साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग किये जाने हेतु प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। तीसरी बात मनुष्यों के जीवन में प्लास्टिक का अत्यधिक प्रयोग हो रहा है। जिसे आम जन इस्तेमाल करने के बाद सड़कों पर फेंक रहा है जिससे नाले, सीवर आदि जाम हो रहे हैं और प्लास्टिक कचरे से भर गये हैं। जमीन ने जल को सोखना बंद कर दिया है जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैल रही है। विभिन्न शहरों में प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करके आग लगा रहे हैं जिससे वायु प्रदूषण फैल रहा है। इसके लिये माननीय प्रधानमंत्री जी ने सिंगल यूज प्लास्टिक इस्तेमाल न करने का आह्वान किया है। सरकार को प्रत्येक शहर के छोटे-छोटे स्थानों पर कूड़ा निस्तारण प्लान्ट लगाने की भी आवश्यकता है। तालाबों और नदियों को जलसंचय हेतु रिचार्ज करने की महत्वपूर्ण योजना होनी चाहिए। ज्यादा फसल उत्पादन के लिये जो रसायनिक खाद का इस्तेमाल हो रहा है उसके कारण उत्पादन तो अधिक हो रहा है लेकिन भूमि की उर्वरक क्षमता कम हो रही है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले 50 वर्षों में जमीन की उर्वरक क्षमता पूर्णतया समाप्त हो जायेगी। इसके लिये हमें खेती को बढ़ावा देने के लिये गोबर की खाद का इस्तेमाल करना होगा। गौशालाओं को बढ़ावा देने के लिये माननीय योगी जी की नीति कारगर साबित हो रही है।

उद्योगों से निकलने वाला धुंआ और गन्दा पानी भी प्रदूषण का बड़ा कारण है। उद्योगों के दूषित पानी के कारण नदियों में, जलाशयों में मछली, कछुआ और अन्य जल प्रजाति के जीवों की संख्या कम हो रही है। दूषित पानी के कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। जलवायु की चिन्ता करने वाले वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर प्राकृतिक संसाधनों का इसी तरह से दोहन करते रहे तो देश से जंगल समाप्त हो जायेंगें। 1970 से 2002 के मध्य वनों का क्षेत्रफल 12 प्रतिशत कम हो गया। समुद्री जीवों व अन्य वन्य जीवों की प्रजातियां प्राकृतिक जल के मुकाबले एक हजार गुना अधिक की दर से घट रहे हैं। पृथ्वी के नीचे ताजे पानी का भंडार 55 प्रतिशत कम हो चुका है। हमारे देश का बड़ा भू भाग पानी के लिये डार्क जोन में चला गया है इस कारण से पृथ्वी का औसतन तापमान अट्ठारहवीं सदी के उपरान्त 6 डिग्री बढ़

गया है। देश में समुद्र किनारे बसे बड़े शहरों मुम्बई, कोलकता, चेन्नई में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये हमें केवल सरकारों के भरोसे न रहकर हम सबको ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने चाहिए। प्राकृतिक जल के संचयन हेतु ठोस कार्य करने चाहिए। तालाबों की खुदाई और नदियों से बालू के अंधाधुन्ध दोहन रोकने के प्रयास करने होंगें। इसी के साथ माननीय प्रधानमंत्री और माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रदेश में गरीबों को आवास, बिजली, पानी, गैस कनेक्शन, चौबीस घंटे बिजली की उपलब्धता की है। आयुष्मान भारत के अन्तर्गत गरीब व्यक्तियों को 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जाना अत्यन्त सराहनीय कार्य है। इसी के साथ मैं पुनः धन्यवाद देता हूं। अन्त में एक अनुरोध करना चाहता हूं कि हमारे मेरठ शहर के अन्दर हवाई अड्डा बन चुका है उसको चालू कराने की मैं मांग करता हूं। साथ ही साथ सड़कें जो तारकोल से बनती हैं और वहां पानी का निकास नहीं हो पाने के कारण वह बह जाती हैं वहां पर इंटरलॉकिंग लगाई जाय या आर0सी0सी0 की सड़क बनाई जाय। इन्हीं शब्दों के साथ सबको नमन करता हूं। जय भारत।

***[11:55] श्री कैलाश सिंह राजपूत-**

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती एवं माननीय शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर उत्तर प्रदेश विधान सभा का 36 घंटे का सदन आहूत किया गया है यह अपने में रिकार्ड है। इसमें आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। माननीय अधिष्ठाता जी, अपने देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी गरीब परिवार में पैदा हुए थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने गरीबों की गरीबी दूर करने की योजना बनाई और पूरे देश में उसको संचालित किया। हमारी जब भाजपा की सरकार 2017 मे आयी इससे पूर्व जो सरकार थी उसने केन्द्र की योजनाओं को लागू नहीं किया था। जब 2017 में पूर्ण बहुमत की सरकार भाजपा की बनी और माननीय योगी जी मुख्य मंत्री बने तो जो केन्द्र की योजनाएं थीं उनको मेहनत करके पूरा लागू कराया और उसके साथ-साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने भी अपनी आय के हिसाब से अन्य योजनाओं को चालू किया। जिससे पूरे प्रदेश में इस समय खुशहाली का माहौल है। माननीय अधिष्ठाता जी, माननीय नरेन्द्र मोदी जी कई देशों में गये। उनकी योग्यता के आधार पर कई देशों ने उन्हें अपने देश के नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। निश्चित तौर से विश्व में माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने भ्रमण करके और अपने देश की बात रखकर पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ाया है। इसके लिये माननीय नरेन्द्र मोदी जी को मैं हृदय से बधाई देना चाहता हूं। माननीय अधिष्ठाता जी, 2017 में जब विधान सभा का चुनाव चल रहा था हमारे कन्नौज जनपद में गोसाईगंज में मोदी जी ने सभा की थी क्योंकि हमारा जनपद कन्नौज आलू का जिला है, माननीय प्रधानमंत्री जी ने सभा में घोषणा की थी कि आलू किसानों की हालत ठीक करने के लिये आलू पर आधारित चिप्स, अल्कोहल और पाउडर का

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कारखाना दिया जायेगा। उसी घोषणा के तहत् अभी 27 सितम्बर के अखबार अमर उजाला में हमने पढ़ा, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी ने कन्नौज में चिप्स का कारखाना लगाने की घोषणा की है, इसके लिये लाखों किसानों की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री योगी जी को मैं बधाई देना चाहता हूं। अधिष्ठाता जी, हमारे यहां राजकीय मेडिकल कालेज तिर्वा है, इसमें कैंसर की बिल्डिंग भी बनी है और हृदय रोग के इलाज की भी बिल्डिंग बने हुए लगभग दो वर्ष हो गये हैं, लेकिन किन्हीं कारणवश अभी उनमें डॉक्टर्स की नियुक्ति नहीं हो पाई है। अरबों रुपये की बनी बिल्डिंग बेकार हो रही है। मेरा आपके माध्यम से चिकित्सा शिक्षा मंत्री जी से निवेदन है कि इसमें हृदय से संबंधित डॉक्टर्स और कैंसर रोग से संबंधित डॉक्टर्स की नियुक्ति करें, ताकि आस पास के जो कैंसर और हृदय रोग के मरीज हैं, उनका इलाज हो सके। वहां पर बगल में पैरा मेडिकल कालेज बन रहा है। थोड़ा बहुत काम रह गया है।

मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि उसको देख लें, उसमें अगर थोड़े बहुत पैसे की कमी के अभाव में उसका बनना रह गया है, उसको बनवायें, जिससे उसमें पैरा मेडिकल की पढ़ाई हो सकेगी। हमारे तिर्वा में इंजीनियरिंग कालेज है, बच्चे पढ़ रहे हैं, लेकिन धन के अभाव में कुछ काम अधूरे पड़े हैं जिसकी वजह से वहां पर दो छात्र एक्सीडेंट में खत्म हो गये थे। बाउन्ड्री वगैरह नहीं है, अगर व्यवस्था हो जाय तो वह भी विद्यालय चल जायेगा। हमारे क्षेत्र में पूर्व सरकार के द्वारा काऊ प्लान्ट गायों के दूध के संरक्षण की डेयरी बनाई गई थी। बहुत रुपया लग कर वह बनी है। और मैं समझता हूं उसमें कानपुर मंडल से बीस मिनट की दूरी में कन्नौज है इन जिलों से गाय का दूध आना था। बिल्डिंग पूरी बन गई है लेकिन अभी वह प्लान्ट चालू नहीं हो पा रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए मुझे शर्मा जी को आमंत्रित करना है।

श्री कैलाश सिंह राजपूत-

एक मिनट में मैं अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। हमारे यहां मां अन्नपूर्णा देवी शिखर सिद्धपीठ है और हमारे यहां ब्लॉक पक्षी बिहार है। वहां पर्यटन विभाग के द्वारा कार्य कराया जाए तो बहुत ही आपकी कृपा हो जाएगी।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए आपको पहले ही निर्देशित हो चुका है।

श्री कैलाश सिंह राजपूत-

महोदय, मा0 मुख्य मंत्री जी ने विस्तार से सारी योजनाओं को रखा है। हमारे तमाम मा0 मंत्रीगण ने, मा0 विधायकगण ने समस्याओं के बारे राज्य सरकार की सफलताओं के बारे

में कहा है। उन सबसे मैं अपने को सम्बद्ध करते हुए आपको धन्यवाद देते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं।

श्री अधिष्ठाता-

ठीक है। मा0 श्री श्रीकान्त शर्मा जी।

***[12:00] ऊर्जा, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री श्रीकान्त शर्मा)-**

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से अपने प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी का अभिनन्दन करता हूं जिन्होंने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी की प्रेरणा से महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर देश के दूसरे प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के इस सुअवसर पर 36 घण्टे लगातार विधान सभा का सेसन आहूत किया है और मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। मुझे बहुत खुशी है कि 2030 के लिए दुनिया में जो एजेंडा तय किया गया है उस एजेंडा में जो 17 बिंदु हैं उनमें सातवां बिंदु है सर्वत्र स्वच्छ वहनी एवं आधुनिक ऊर्जा को सभी तक निर्बाध गति से उपलब्ध कराने के लिए। यानी की सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा। मुझे बहुत प्रसन्नता है कि योगी जी की सरकार मार्च 19, 2017 से उसमें सतत विकास के जो लक्ष्य हैं उसकी प्राप्ति के लिए युद्ध स्तर पर उत्तर प्रदेश सरकार काम कर रही है और इसी के लिए हमारी उत्तर प्रदेश की सरकार ने अप्रैल 2017 को पॉवर फार ऑल केन्द्र के साथ ही हमारा एग्रीमेंट तय हुआ उसी के तहत् प्रदेश में सबको पर्याप्त बिजली निर्बाध बिजली देने का हमारे मुख्य मंत्री जी ने संकल्प लिया है। इसी संकल्प को चरितार्थ करने के लिए मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने हर घर को कनेक्शन देने का कार्यक्रम शुरू किया और इसी के तहत् हमारे प्रदेश ने 67 लाख जो बी0पी0एल0 परिवार हैं उनके घरों को मुफ्त में बिजली देने का काम किया। हम आपके माध्यम से धन्यवाद देना चाहते हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी का कि वह सौभाग्य योजना को लेकर आए और उसी का परिणाम है कि हमारे प्रदेश में 1 करोड़ 10 लाख लोगों को हमने सौभाग्य योजना के माध्यम से कनेक्शन देने का काम किया है। उत्तर प्रदेश में अगर हम 2011 की गणना से प्रतिशत निकालें तो उसमें 75.2 प्रतिशत लोग ऐसे थे जिनके घरो में प्रकाश स्रोत, मिट्टी के तेल से जलने वाली ढिबरी होती थी लेकिन हम सब प्रधानमंत्री जी का अभिनन्दन करते हैं कि आज उत्तर प्रदेश में जिन झोपड़ियों में मिट्टी के तेल की ढिबरी से प्रकाश होता था आज वहां शत-प्रतिशत प्रकाश का स्रोत बिजली है। श्रीमन्, मुझे आपके सामने यह जानकारी देते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि जब हमारी सरकार आई थी तो लगभग 1 करोड़ 80 लाख कनेक्शन थे और आज वह बढ़कर 2 करोड़ 80 लाख हो गये हैं। यानी कि पूर्व से तुलना करें तो साढ़े 55 प्रतिशत की वृद्धि हमारी सरकार ने देने का सहयोग किया है। मान्यवर, हमने लगभग 1 लाख 30 हजार

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मजरों को उर्जीकृत किया है और सालाना 60 हजार 662 मजरों की दर से इस लक्ष्य को प्राप्त किया है। पुरानी सरकार से तुलना करें तो 213 प्रतिशत की वृद्धि मजरों को उर्जीकृत करने में हमारी सरकार ने दर्ज की है। श्रीमन्, बिजली देना तो एक पक्ष हुआ लेकिन बिजली की आपूर्ति के लिए मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गांव को 18 घण्टे, तहसील को 20 घण्टे और जिला मुख्यालय को 24 घण्टे बिजली देने का काम हमारी सरकार कर रही है। मान्यवर, जब बिजली सबको मिल रही है तो उसी के सापेक्ष मांग में भी बढ़ोतरी हो रही है। जब हमारी सरकार आई थी तो उस समय बिजली की जो उपलब्धता थी बिल्कुल चार जिलों तक सीमित थी और योगी जी की सरकार आते ही 75 के 75 जिलों में समान रूप से बिजली देने का काम हमने शुरू किया है उसी का परिणाम है कि केवल 30 महीनों के अन्दर लगभग 43 प्रतिशत से ज्यादा मांग हमारे यहां विद्युत की बढ़ी है। अगर हम कहें तो 30 माह में लगभग साढ़े बावन प्रतिशत की मांग बढ़ी है।

श्रीमन यह विकास की गाथा है कि अकेले 2019 और 2020 में 11 प्रतिशत की वृद्धि हमारी सरकार ने की है। हमारी सरकार ने लगातार सबको पर्याप्त रूप से बिजली मिलती रहे इसके लिए नये उपकेन्द्रों की स्थापना भी की है और 33/11 के 542 उपकेन्द्रो की स्थापना करते हुए लगभग साढ़े पंद्रह प्रतिशत की वृद्धि इस सरकार में हुई है। 2022 तक हमारे 33/11 के जो उपकेन्द्र हैं उसमें सबको निर्बाद रूप में बिजली देने के लिए हमारे मुख्य मंत्री जी ने 2022 तक इनकी संख्या को 5 हजार करने का लक्ष्य तय किया है। ट्रांसमिशन के क्षेत्र में हमारी सरकार ने अभी तक 42 हजार 787 सर्किट किलोमीटर की हमारी जो लाइन है उसको सुदृढ़ किया है और आगे सबको बिना किसी व्यवधान के बिजली मिलती रहे 2030 का जो लक्ष्य है, उसको 60 सर्किट किलोमीटर का हमने तय किया है। हमारे प्रदेश में बिजली की कोई किल्लत न हो इसके लिए हमने अपनी आयात क्षमता में वृद्धि की है। जहां 2016-17 में केवल 7 हजार 8 सौ मेगावाट की जो क्षमता थी हमारी सरकार ने इस क्षमता को बढ़ाते हुए 13 हजार 4 सौ मेगावाट तक उस क्षमता को बढ़ाया है। अगर पिछली सरकार से तुलना करें तो 50 प्रतिशत की हमारी सरकार ने इसमें वृद्धि की है। प्रदेश के अन्दर हमने ट्रांसमिशन की क्षमता भी बढ़ाई है। वहीं पर हमने अपने ग्रिड की क्षमता भी बढ़ाई है। पूर्व की सरकारों में सम्पत्ति तो बढ़ती थी लेकिन ग्रिड की क्षमता नहीं बढ़ी। 2016-17 में 16 हजार 348 मेगावाट ग्रिड की क्षमता थी और योगी जी की सरकार ने उसको बढ़ाते हुए उसमें 60 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए 24 हजार मेगावाट क्षमता की वृद्धि हमारी सरकार ने किया है। किसान की बात तो बहुत होती थी, लेकिन डार्क जोन में जो किसान रहता था उसको ट्यूबेल भी मुहैया नहीं कराया जाता था। यह योगी जी और मोदी जी की सरकार है जिसने दो साल के अन्दर 1 लाख 8 हजार 332 किसानों को ट्यूबवेल की सुविधा उपलब्ध कराई है। हमारी सरकार जिन जिलों में शुद्ध पानी नहीं है, उन जिलों में स्कूलों के अन्दर बच्चों को स्वच्छ पानी के लिए हमारी सरकार ने अभी तक 2 हजार 727 सोलर आरो वॉटर की स्थापना की है जिसको हम

आने वाले समय में 2030 तक इसे 12 हजार बढ़ाने का हमारी सरकार का लक्ष्य है। श्रीमन्, सस्ती बिजली के लिए हमारी सरकार ने हमारा जो उत्पादन है उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दिया और पुरानी सरकार ने जो गलत पी0पी0ए0 किये थे उसे भी हमारी सरकार ने कैंसिल किया। सरकार ने यह तय किया कि आने वाले समय में हम जो पी0पी0ए0 करेंगे उसमें बिडिंग प्रोसेज के हिसाब से जो कम्पटीटिव बिडिंग होती है इसी के माध्यम से हम आने वाले समय में पी0पी0ए0 कर रहे है इसी का परिणाम है कि पूर्व की सरकारों में जहां साढ़े 6 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से पी0पी0ए0 किये वहीं हमारी सरकार ने 3 रुपये 80 पैसे के हिसाब से पी0पी0ए0 किये हैं। जब हमारे सस्ते पी0पी0ए0 होंगे तो निश्चित रूप से सस्ती बिजली देने में हमारी सरकार सफल होगी। हमारी सरकार ने जो औसत विक्रय दर है उसमें भी 1 रुपये 22 पैसे की कमी की है जिसका लाभ हमारी प्रदेश की सरकार को हो रहा है। लगभग दो साल में, मैं कहूं तो 3 हजार 587 करोड़ रुपये की बचत हमारी सरकार ने की है। 24 जिलो में हमारे अंडर ग्राउण्ड केबलिंग का काम चल रहा है। जर्जर तारों को बदलने का काम क्योंकि यह पूरे प्रदेश की बहुत गम्भीर समस्या है। उपकेन्द्रों पर जो जर्जर तार हैं उसके कारण उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचाने में दिक्कत आती है। उन स्थानों को चिन्हित करके उन तारों को बदलने का काम भी हमारी सरकार कर रही है। पिछले वित्तीय वर्ष में जहां हमने 8 हजार 240 किलोमीटर लाइनों को बदला वहीं अभी 27 हजार किलोमीटर लाइने बदलने का काम भी चल रहा है। श्रीमन्, आपके माध्यम से मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि 2021 तक 48 हजार 403 मजरों में 66 हजार 320 किलोमीटर लाइनों को बदलने का काम हमारी सरकार करेगी। सरकार की कई योजनाएं आईं। लगातार सबकी मांग रहती थी कि एक ऐसा समय आये जब किसान की फसल तैयार हो जाए तब उसके सरचार्ज माफी की योजना आप लेकर आइए उसका भी लाभ योगी जी की सरकार को यानी कि 24 लाख से ज्यादा एकमुश्त समाधान योजना में पंजीकरण कराया गया है, जिसका लाभ हमारे सभी लोगों को मिला है। श्रीमन्, मैंने पी0पी0ए0 का जिक्र किया और हमारे मुख्य मंत्री जी ने जो महंगे पी0पी0ए0 थे उसको कैंसिल किया। प्रदेश की मांग को पूरा करने के लिए उन राज्यों के साथ हमने पॉवर और ऑयल के तहत् एग्रीमेंट किए जहां पर विंटर में उन राज्यों में बिजली की आवश्यकता होती है और समर में उत्तर प्रदेश को बिजली की आवश्यकता ज्यादा होती है। ऐसे ही राज्यों में पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश, राजस्थान के साथ हमने ऊर्जा बैंकिंग के अनुबंध किए, जिसका लाभ हमारी सरकार को मिल रहा है। श्रीमान् वेस्टर्न रीजन से पुरानी सरकारों की गलत अप्रोच के कारण हमको बिजली आयात करने में दिक्कतें आती थी, हम आयात ही नहीं कर पाते थे। हमारी सरकार में वेस्टर्न रीजन की 16 परियोजनाओं जिनमें उत्तर प्रदेश का कोई अंश आवंटित ही नहीं था। उनमें अपना अंश आवंटन कराकर उत्तर प्रदेश में लगभग 1500 से लेकर 2000 मेगावॉट की हम आयात कर लेते हैं जिससे की हमारा जो वीक ऑवर्स का जो हमारा गैप है उसको पूरा करने में हमें मदद मिलती है।

मैं धन्यवाद देना चाहूंगा अपने वित्त मंत्री को जिन्होंने सिंगोरली स्टेट थर्ड में जो पी0पी0ए0 किया है, जिसकी क्षमता दो गुणा आठ सौ है उसका हमें जो लेबुलाइज्ड जो हमारा टैरिफ है वह दो रुपये 98 पैसे है। कहां पूर्ववर्ती सरकारों का साढे छः रुपये, सात रुपये वहीं योगी जी की सरकार का लेबुलाइज्ड टैरिफ है वह दो रुपये 98 पैसे है तो यह सस्ती बिजली देने की तरफ हमारी सरकार अग्रसर है वहीं पर पूरा विश्व के अन्दर भारत एक सोलर एनर्जी का हब बन रहा है। हम धन्यवाद देना चाहेंगे अपने प्रधानमंत्री जी को जिनके विजन के कारण आज हम दुनिया के अन्दर एक बड़े हब के रूप में भारत उभर रहा है। सोलर एयरलाइंस जो बना है, इंटरनेशनल उसका जो हेड ऑफिस है वह गुरूग्राम में हेड ऑफिस के लिए जगह मिली है। यह हम सब भारतवासियों के लिए बड़े सम्मान की बात है। श्रीमान् आने वाले समय में सोलर एनर्जी यानि कि हम सस्ती बिजली कैसे देंगे दो रुपये 44 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से हमको सस्ती बिजली सोलर के माध्यम से मिलेगी। जिसका लाभ हमारे आम आदमी को होगा, हमारे गांव के गरीब को होगा और किसानों को होगा। अभी सोलर का जो कंट्रीब्यूशन है 10 हजार 7 सौ मेगावॉट का लक्ष्य हमने 2022 तक तय किया है, और 2030 तक जो हमारा लक्ष्य है वह 23 हजार 5 सौ मेगावॉट का लक्ष्य हमने सौर ऊर्जा से लक्ष्य तय किया है जिसको हम अपने प्रदेश के लोगों को देने में सफल होंगे। हम अभिनंदन करना चाहते हैं अपने प्रधानमंत्री जी का जिन्होंने घरेलू रूट ऑफ सोलर प्लाण्ट के लिए केन्द्र से जो सब्सिडी मिल रही है वह 40 प्रतिशत की सब्सिडी है। हमारे राज्य की तरफ से भी हम सब्सिडी दे रहे हैं। मैं अपने सदस्यों को यह जानकारी भी देना चाहता हूं कि एक किलोवाट का जो हम सोलर पैनल जो रूफ टॉप लगाते हैं लगभग उसकी कीमत 50 हजार रुपये आती है और 50 हजार में 35 हजार रुपये की छूट केन्द्र की और राज्य की सरकार मिलाकर के दे रही है। यानि कि एक किलोवॉट का अगर हम कोई रूफ टॉप अपने घर पर लगाते हैं तो उसमें 35 हजार की छूट हमारी केन्द और राज्य की सरकार को मिलाकर है जिसकी कीमत टोटल पचास हजार आती है। यानि कि आपको केवल 15 हजार खर्च करके, आपके रूफ टॉप लग सकती है। आने वाले तीस साल के अन्दर रूफ टॉप आपकी फ्री ऑफ कॉस्ट हो जाएगी। उसी तरह से सोलर पम्प योजना हमारी सरकार लेकर आई है जिसमें 60 प्रतिशत का अनुदान किसान को केन्द और राज्य की सरकार से दिया जाएगा। बाकी 40 प्रतिशत किसान स्वयं वहन करेगा इसमें भी श्रीमन् दो एच0पी0 का है, तीन एच0पी0 का है और पांच एच0पी0 के हैं। और कुसुम योजना के अन्तर्गत किसान की आय को दुगना करने का हमारा संकल्प है इसका लाभ किसानों को मिले और इसका भी प्रचार-प्रसार हमारे सदस्यों के माध्यम से होगा तो हमारी जनता को पूरी तरह से इसका लाभ होगा। श्रीमान् बोलने के लिए हमारे पास बहुत है, लेकिन समय की सीमा है। मैं अपनी बात यही पर समाप्त करता हूं और मैं आपके माध्यम से धन्यवाद और अभिनंदन करना चाहता हूं अपने उन पूर्वजों का गांधी जी के साथ-साथ मैं पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी का,

मैं भीमराव अम्बेडकर जी का, मैं श्रीमान् लोहिया जी का, महात्मा गांधी जी का जो इनका विजन था पंक्ति में जो व्यक्ति पीछे खड़ा है उसका हम उत्थान कैसे करें और इसी उत्थान के लिए यह जो 17 हमने गोल्स तय किए हैं वह सतत विकास के गोल हमने तय किए हैं उन्हीं के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हमारे मा0 योगी जी की सरकार पूरी तरह से काम कर रही है। आपने हमें बोलने का मौका दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

*[12:19] **श्रीमती मनीषा अनुरागी**-

बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे इस विशेष सत्र, जो हमारे राष्ट्र एवं विश्व में सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती पर आहूत हुआ है। इस सत्र पर मुझे बोलने का आपने अवसर दिया है। इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यवर, मैं कहना चाहूंगी कि बहुत ही दुःख का विषय है कि यह इतना गौरव का दिन है, इतना अच्छा अवसर है कि इस अवसर पर हमारे विपक्ष के लोग उपस्थित नहीं है। उसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूंगी कि जो अपने को गांधीवादी पार्टी का कहते हैं, जो अपने आपको गांधीवादी कहते हैं। गांधी जी के चरखे को अपनाने वालों की सोच क्या है, यह हम सभी के समक्ष है कि जो आज यहां पर सदन में नहीं है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आदरणीय महात्मा गांधी जी को नमन करते हुए उनके साथ-साथ जिन्होंने 1965 के युद्ध में जय जवान, जय किसान का नारा दिया। देश में पड़े अकाल के लिए स्वयं उपवास रखा था और जनता से भी अपील की थी मैं ऐसे हमारे द्वितीय प्रधानमंत्री जी आदरणीय शास्त्री जी के चरणों में भी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। मा0 अध्यक्ष जी मेरे लिए गौरव का विषय है कि यहां पर मुझे भुखमरी की समाप्ति के विषय में बोलने का अवसर मिला है। मैं कहना चाहूंगी कि मैं बुंदेलखण्ड की ऐसी विधान सभा क्षेत्र से आती हूं हमीरपुर की राठ विधान सभा क्षेत्र से, क्योंकि बुंदेलखण्ड बहुत ही पिछड़ा और हम लोग कहते भी आए हैं वह पिछड़ा है भी, लेकिन जब से केन्द्र में हमारी सरकार बनी है जो काम बुंदेलखण्ड में हुआ है इतने समय में वह कभी नहीं हुआ है। कहते हैं कि अंदाज बोलता है और आगाज बोलता है, अंदाज बोलता है, आगाज बोलता है और देश बोलता है और काम बोलता है। यह हमारे यहां पर जितने भी प्रतिनिधि हैं कल से जब से यह सदन आहूत हुआ है। हमारे सभी जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने विषय को रखा। अपने-अपने क्षेत्र में जो काम हुए हैं उनके लिए सरकार को धन्यवाद दिया। यह काम इसी सरकार की देन है। यह देश हमारा बोल रहा है। मा0 अध्यक्ष जी मैं कहना चाहूंगी कि 1916 में काशी विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में गांधी जी ने बोला था कि किसानों के बिना आजादी सम्भव नहीं है और आज हम अगर वर्तमान का परिवेश देखें तो देश का विकास ही कृषि के बिना सम्भव नहीं है। गांधी जी कहते थे कि भारत गांव में रहता है परन्तु पूर्व में जो भारत के किसानों की स्थिति रही जो दयनीय और गंभीर स्थिति

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

रही। उसको हमारी केन्द की सरकार और राज्य की सरकार ने देखा है उसके दर्द को समझा है और उस दर्द को समझकर उचित कदम उठाने का काम हमारी सरकार ने किया है। हमारे किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य जो हमने रखा है उसे वर्ष 2022 तक पूरा करने का भी काम हमारी सरकार कर रही है। मा0 अध्यक्ष जी, जहां किसानों को महात्मा गांधी जी ने समझा था वहीं दूसरी ओर हमारे किसानों का दर्द मा0 प्रधानमंत्री जी मोदी और मा0 मुख्य मंत्री, आदरणीय योगी जी ने समझा और उनको किसान सम्मान निधि दिलाकर उस दर्द को कम करने का प्रयास हमारी सरकार ने किया। जैसे ही राज्य में हमारी सरकार बनी, हमारी सरकार ने किसानों को एक माह के अन्दर ही एक लाख तक का ऋण जो सीमान्त कृषक हैं उनके एक लाख तक का ऋण माफ किया। मा0 अध्यक्ष जी, मैं एक चौपाई यहां पर बोलना चाहूंगी जो रामचरितमानस की चौपाई है, इसको साकार करने के लिए हमारी सरकार दृढ़ संकल्पित है कि

दैहिक दैविक भौतिक तापा।
राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।।

जिसका स्वप्न हमारे आदरणीय गांधी जी ने देखा था, उस स्वप्न को पूरा करने का ख्वाब हमारे प्रधानमंत्री जी कर रहे हैं और प्रदेश के जो कुशल प्रशासक आदरणीय योगी जी भी उसी दिशा में प्रतिबद्ध हैं। मा0 अध्यक्ष जी, देश का दुर्भाग्य है कि आजादी के 70 वर्षों बाद भी समाज का एक तबका एक समय के भोजन को ग्रहण नहीं कर पा रहा था। एक समय के भोजन के लिए तरसता था, इस पीड़ा को मा0 मुख्य मंत्री जी ने समझा और इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में अन्तयोदय योजना लागू की और हर गरीब को रोजगार देने का काम हमारी सरकार कर रही है। मान्यवर, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के विषय में कुछ रखना चाहूंगी जो हमारा विपक्ष यहां नहीं है उनके लिए भी कुछ कहना चाहूंगी कि आज जब हमारा देश सामर्थ अपनी बढ़ा रहा है, अपनी शक्ति को बढ़ा रहा है और अपनी ताकत को बढ़ा रहा है और अन्तरिक्ष में चौकीदारी कर रहा है और कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है, जो आज यहां पर उपस्थित नहीं है। मान्यवर, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र पर आती हूं, हमारे क्षेत्र में आजादी के बाद से एक ऐसी रोड थी, जो आज तक कभी नहीं बनी और उसका कारण यह था कि वह वन क्षेत्र में आता था, लेकिन जब हमारी सरकार बनी आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने और हमारे आदरणीय पी0डब्ल्यू0डी0 के मंत्री जी ने उस सड़क को बनाने का काम किया। बहुत ही महत्वपूर्ण विषय था जो कभी पूरा नहीं हुआ। मैं धन्यवाद देना चाहूंगी कि हमारे यहां जो बुंदेलखण्ड हमेशा पीने के पानी और सिंचाई के पानी के लिए तरसता था। उस प्यास को आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने समझा और बुंदेलखण्ड के लिए बुंदेलखण्ड योजना जो लागू हुई जो इसका काम भी चल रहा है और सिंचाई के पानी के लिए भी समझा की एक योजना थी, जब प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी जी थे तो उनके समय में लागू हुई थी, अर्जुन सहायक परियोजना जब विपक्ष की

सरकारें थी, तो इन्होंने इस तरफ ध्यान नहीं दिया यह एक बन्द डिब्बे में पड़ी रही। उसमें बजट लाकर उस पर काम करने का प्रयास भी हमारी सरकार ने किया। मान्यवर, इस वर्ष जो बुंदेलखण्ड में अत्यधिक वर्षा हुई है बुंदेलखण्ड जो हमीरपुर हमारा जनपद, हमारी विधान सभा क्षेत्र राठ में जो किसानों की फसल पूर्णतयः बर्बाद हो चुकी है। उस बर्बाद हुई फसल का मुआवजा किसानों को दिलाने का काम हमारी सरकार करें आपसे यह भी कहना चाहूंगीं कि जो हमारी विधान सभा क्षेत्र है, राठ वहां हमारे जिले में जो कृषि विज्ञान केन्द है वह कुरारा स्थित है और कुरारा हमारी विधान सभा क्षेत्र से 125 किलोमीटर दूर पड़ता है तो आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से कहना चाहूंगी कि हमारे यहां एक कृषि विज्ञान केन्द्र खोल कर किसानों को लाभ पहुंचाने का कार्य नीति सरकार करें, हमारें यहां राठ से उरई होकर एक रेलवे का प्रस्ताव प्रस्तावित है उस पर आप केन्द्र सरकार को ध्यान आकर्षक कराएं कि उस पर काम करने की दिशा में आगे काम करें। आपने मुझे इस अवसर पर बोलने का मौका दिया आपको बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।

*[12:28] **श्री सुरेश राही**-

मान्यवर, यहां पर मुझे स्वच्छ पानी के ऊपर बोलने के लिए बताया गया है। स्वच्छ पानी मानव जीवन की आवश्यकता है। राज्य की लगभग 90 प्रतिशत आबादी हैण्डपम्प और कुंओं द्वारा ही पानी पर निर्भर करती है। कम वर्षा और तालाबों की तरफ अतिक्रमण से भू-जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाने पर ध्यान दिया जाए।

वृक्ष हमारे जीवन को सुरक्षित रखने के लिए उपयोगी हैं। इससे हम तो सुरक्षित रहते ही हैं, पशु पक्षी भी लाभ उठाते हैं। वृक्षों के नष्ट होने से लकड़ी का कोयला भी बनता है और उस लकड़ी से मिलने वाली राख कीटनाशक के रूप में उपयोग में आती है। जब वृक्ष होंगे तो वर्षा भी समय पर होगी और जो गिरता भू-जल स्तर है उसको जल संचयन व्यवस्था के द्वारा पूरा कर सकते हैं। और इसी तरह से जिन नदियों का पानी कम रह गया है उन नदियों को जोड़ा जाये तो निश्चित रूप से पेयजल की समस्या को समाप्त किया जा सकता है। केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा 2030 तक सभी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अपने संकल्प को जरूर पूरा करेंगे। इसमें हम लोग आपके साथ हैं। हमारे विधान सभा क्षेत्र में हम लोगों ने सैकड़ों नल लगवाये हैं और सैकड़ों नल रिबोर कराये हैं। और न्याय की बात अगर की जाये तो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की धरती पर शान्ति बनी रहे इंसान समृद्धशाली हो न्याय आधारित जीवन जीने की अपेक्षायें बढ़े, यह तभी सम्भव है जब हम वसुधैव कुटुम्बकम के मार्ग पर चलने के लिए देश और दुनिया

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

में वातावरण बनायें। शान्ति और सुरक्षा के माहौल में ही व्यक्ति और समाज दोनों का विकास हो सकता है। यदि हम इस मार्ग पर चलें तो निश्चित रूप से शान्तिमय वातावरण बनेगा। विकास के अवसर बढ़ेंगे इसके लिए यह जरूरी है कि हम सामाजिक भेद-भाव, जाति भेद-भाव, धार्मिक भेद-भाव से मुक्त जीवन जीने के रास्तों को मजबूत करें। तभी सामाजिक न्याय का रास्ता बनेगा। सामाज शान्तिपूर्ण जीवन जीने का अवसर पा सकेगा। बिना न्याय के शान्ति सम्भव नही है। बिना उदारता के न्याय का रास्ता खोजने में कठिनाई है। आईये हम सब भारतवंशी मिलकर शान्तिपूर्ण वातावरण में विकास के रास्ते खोजें। सामाजिक न्याय को मजबूती प्रदान करें। आज के अवसर पर हमारी यही नीति होनी चाहिए। नीति बननी चाहिए और इसी पर अमल होना चाहिए। आदरणीय अध्यक्ष जी, समस्यायें तो बहुत हैं, लेकिन विशेषकर एक समस्या पर मैं बोलना चाहूंगा। मेरी विधान सभा क्षेत्र में मुख्यालय से मात्र 07 किमी0 दूर एक गांव है हलूपुर, जो सैकड़ों वर्ष पूर्व बना हुआ था। जब मेरे पिताजी 1969 में विधायक थे तब भी वह था। लेकिन अभिलेखों में जो भी कमियां रही हों या हेरा-फेरी की गयी हो मुझे नहीं पता लेकिन वहां पर गांव ही नहीं रहा। वहां की एस0डी0एम0 साहिबा पूर्णिमा जी हैं। जो इस समय वहां पर नहीं हैं। उनका ट्रांसफर हो गया है। तीस सात को एक आदेश लेकर जाती हैं कि यह गांव खाली कराया जाये। और वह आदेश डेढ़ महीने तक रखा रहता है। डेढ़ महीने बाद 05-07 सरकारी कर्मचारी और पुलिस गांव खाली कराने के लिए पहुंचते है। यह मेरी समझ से बाहर है कि डेढ़ महीने तक वह आदेश क्या कर रहा था। और किस आधार पर वह वहां जांचने गये थे। मुझे तो लगता है कि यह जो 05-06 अधिकारी गये थे, यह मात्र धन वसूली के लिये गये थे। मा0 अध्यक्ष जी, मैं चाहूंगा कि इस पर आप ध्यान दें और तत्काल उस एस0डी0एम0 के खिलाफ, सम्बंधित लेखपाल, कानूनगो के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो और जो उन अभिलेखों में गलतियां हुयी हैं उनमें सुधार किया जाये। धन्यवाद।

[*] **[12:34] श्रीमती कमलेश सैनी**-

मा0 अधिष्ठाता जी, आपने मुझे सत्य अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी जी और जय जवान जय किसान का नारा देने वाले श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिन पर और इस ऐतिहासिक सत्र में मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करती हूं। मान्यवर, सितम्बर, 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्चस्तरीय बैठक में एजेण्डा 2030 के अन्तर्गत 17 सतत विकास के लक्ष्यों में लैंगिक समानता को भी शामिल किया गया था। महिला और पुरुष समाज के मूलभूत आधार हैं और समानता एक सुन्दर और सुरक्षित समाज की वह नीव है जिस पर विकास रूपी मानक बनाया जाता है। हमारे देश में जन्म से लेकर मृत्यु तक शिक्षा से लेकर रोजगार तक प्रत्येक स्थान पर भेद-भाव साफ नजर आता है। मान्यवर, केवल जेंडर गैप इंडेक्स की बात करें तो भारत 144 देशों की सूची में 108 वें नम्बर पर आता है।

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

इस बात से ही हम अंदाजा लगा सकते हैं कि हमारे देश में लैंगिक भेद-भाव की जड़ें कितनी मजबूत और गहरी हैं। मान्यवर, मैं यह कहना चाहती हूं कि जब भी कहीं सड़कों का निर्माण होता है तो चेतावनी के तौर पर साफ लिखा होता है कि मेन एट वर्क। हालांकि इन सभी कार्यों में महिला कार्यकत्री दिखायी पड़ती हैं। परन्तु इनके कार्य को बहुत कम महत्व दिया जाता है। मान्यवर, चाहे खेल की दुनिया हो, इसमें भी भेद-भाव किया जाता है। गांव हो या शहर काम से लेकर व्यवहार तक में भेद-भावपूर्ण रवैया हर जगह देखा जाता है। खेलों में भी मिलने वाली इनामी राशि को पुरुष खिलाड़ियों के मुकाबले महिला खिलाड़ियों को बहुत कम मिलती है जबकि महिला पुरुषों से आगे हैं। जैसे कि पी0वी0 सिंधु ने बैटमिंटन चैम्पियन में विश्व में अपना नाम रोशन किया है। मेरीकाम ने वाशिंगटन में पांच बार विश्व चैम्पियन में अपना नाम रोशन किया है। इतना ही नहीं रणभूमि में भी महिलाओं का विशेष योगदान रहा है। महारानी लक्ष्मीबाई ने अपने दत्तक पुत्र को पीठ पर बांधकर युद्ध के मैदान में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने का काम किया था और इतना ही नहीं सती सावित्री ने यमराज से अपने पति के प्राणों को छुड़ाने का काम किया था। और सती अनुसुईया ने ब्रह्मा, विष्णु, महेश को बालक बनाकर गोदी में खिलाने का काम किया था। चाहे साधु हो संत हो यहां तक कि भगवान राम भी एक मां की कोख में ही पैदा हुये हैं। फिर इनके साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जाता है। इनके साथ समानता का व्यवहार क्यों नहीं किया जाता। वैसे तो हम कहते हैं कि यत्र पूज्यते नारी तत्र रमन्ते देवता। और आजकल नवरात्रि की भी पूजा होती है और देवियों की भी पूजा होती है। हम बेटियों को ढूंढते हैं लेकिन वह मात्र कुछ दिन के लिये होती है फिर उनके साथ भेद-भाव किया जाता है। मैं इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी को और इस उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को बधाई देना चाहती हूं कि यह भगवान राम के पदचिन्हों पर चलकर आज काम कर रहे हैं। जैसे भगवान श्री राम ने जाति-पंथ ऊंच-नीच को भुलाकर एक सबरी जाति की महिला भिलनी की कुटिया पर जाकर उनके जूठे बेरों को खाने का काम किया था, आज इस देश के प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने कुम्भ के मेले में जाकर एक गरीब मां सफाई कर्मी के पैरों को धोने का काम किया, तो आज लगता है कि यह बराबरी की समानता हो रही है। और रामराज्य की स्थापना होने के लिए जा रही है। मैं इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी को और इस प्रदेश के मुख्य मंत्री मा0 योगी जी को बधाई देना चाहती हूं कि उन्होंने बेटियों को बचाने के लिए खूब पढ़ो आगे बढ़ो, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्नातक की निशुल्क शिक्षा सह शिक्षा की व्यवस्था चाहे भाग्यलक्ष्मी हो, मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह हो, जन-धन योजना में भी महिलाओं के खाते खुलवाये और भी अनेक जनकल्याणकारी योजनायें चलायी हैं।

मुझे नौ घण्टे इंतजार करना पड़ा था और समय भी कम है तो मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहूंगी। आपसे सबसे पहले अपने क्षेत्र की समस्या रखना चाहती हूं। मान्यवर, मेरी

चांदपुर विधान सभा क्षेत्र में और मैं उस महात्मा विदुर की धरती जिला बिजनौर की चांदपुर विधान सभा क्षेत्र से आती हूं। वहां वर्षों पुराना महिला अस्पताल है, जिसकी स्थिति बहुत ही जर्जर है। अगर उस अस्पताल का नवनिर्माण नहीं हुआ तो कोई भी घटना घट सकती है। मेरे क्षेत्र में दो फाटक हैं जिन पर लगातार जाम लगा रहता है। और बीमारी के कारण सही समय पर इलाज न मिलने पर मौत भी हो जाती है। और बच्चे समय पर स्कूल जाने से वंचित रह जाते हैं। तो मैं निवेदन करूंगी कि मेरे क्षेत्र में यह कार्य कराये जायें और मेरे क्षेत्र में चार सड़कें बहुत महत्वपूर्ण हैं। चांदपुर से बास्टा, चांदपुर से फीना, चांदपुर से महटौर पैजानिया और चांदपुर से अम्हेड़ा की बहुत खराब सड़कें हैं उनका भी चौड़ीकरण किया जाये और मान्यवर, सबसे बड़ी महत्वपूर्ण समस्या जो जनहित में है उससे मैं भी पीड़ित हूं एक साल होने वाला है। लेकिन अभी मुझे भी न्याय नहीं मिला। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूं कि आजकल कैंसर से भी भयंकर एक बीमारी है। कोई भी व्यक्ति किसी का फोटो नाम लिखता है और वीडियो किसी की डालता है जिससे उसकी छवि को धूमिल करने का काम करता है। अनावश्यक आपत्तिजनक पोस्ट डालते हैं जिससे व्यक्तियों की छवि को खराब करने का काम होता है। मान्यवर, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगी कि ऐसी पोस्ट डालने वाले व्यक्तियों के लिए सरकार कोई कठोर कानून बनाये। जिससे उन अपराधियों को ऐसा अपराध करने का साहस न हो। मान्यवर, मैं अपने यशस्वी मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहती हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछा है। सौभाग्य योजना के अन्तर्गत 12474 बिजली के कनेक्शन भी हुये हैं और बधाई देना चाहती हूं अपने ऊर्जा मंत्री जी को कि 91 करोड़ का बिजली घर मेरे क्षेत्र में बन रहा है और मेरे क्षेत्र में 22850 शौचालय भी बने हैं। पी0डब्ल्यू0डी0 द्वारा 105 पुरानी जर्जर सड़कों की मरम्मत भी हुयी है और तीन नये पुलों का निर्माण भी हुआ है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें। आप लिखकर दे देंगी तो आपकी बात आ जायेगी।

श्रीमती कमलेश सैनी-

मान्यवर, अनेक महत्वपूर्ण योजनायें मेरे क्षेत्र में चल रही हैं। मैं अपने यशस्वी मुख्य मंत्री जी को कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहती हूं। अधिष्ठाता महोदय, जिन्होंने मुझे बोलने का मौका दिया। जय हिन्द, जय भारत, जय श्री राम ।

***[12:42] श्री रितेश कुमार गुप्ता-**

धन्यवाद, माननीय अधिष्ठाता जी । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150 वीं जयन्ती व पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर उनको नमन व वंदन

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

करता हूं। इस अवसर पर आहूत किये गये विशेष एवं ऐतिहासिक विधान सभा सत्र के लिए मैं हमारे विधान सभा अध्यक्ष जी एवं हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री मा0 श्री योगी आदित्यनाथ जी को भी धन्यवाद और शुभकामनायें ज्ञापित करता हूं। आज जलवायु परिवर्तन विषय पर बोलने का मौका मुझे दिया गया है। यह सिर्फ हमारे प्रदेश, देश ही नहीं वरन पूरे विश्व की ज्वलन्त समस्या है। हमारे देश के प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी व प्रदेश के मुख्य मंत्री मा0 योगी जी दोनों ही इस विषय पर सुधार के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं। जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन पृथ्वी पर जलवायु में होने वाला बदलाव है। जलवायु परिवर्तन से होने वाला प्रभाव जिसमें वन एवं वन्य जीवों की जनसंख्या विलुप्त होने के कगार पर है। कुछ विशेष प्रकार के वृक्ष सामूहिक रूप से विलुप्त हो गये। जिसके कारण वर्तमान में बाढ़ अपना खतरनाक रूप ले रही है। वर्षा का स्वरूप भी बिगड़ रहा है। नवम्बर, दिसम्बर मध्य तक ठंड का अहसास न होना, फरवरी मार्च तक सर्दी पड़ना, अगस्त सितम्बर से वर्षा होना तथा अक्टूबर, नवम्बर माह तक गर्मी पड़ना, तापमान कम-ज्यादा होना, यह सब मौसम में होने वाले बदलाव के कारण होता है। मौसम किसी भी स्थान की औसत जलवायु होती है। जिसे कुछ समयावधि के लिए वहां अनुभव किया जाता है। इस मौसम को तय करने वाले मानकों में वर्षा, सूर्य प्रकाश, नमी, हवा, तापमान प्रमुख है। मौसम में बदलाव काफी जल्दी होता है लेकिन जलवायु में बदलाव आने में काफी समय लगता है, इसलिए यह कम दिखाई देते हैं। इस समय पृथ्वी की जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। कोई भी जानता है कि गर्मी की कितनी मात्रा सुरक्षित है। हमें यह जरूर पता है कि जलवायु परिवर्तन लोगों को एवं परिस्थिति तंत्र को पहले से ही नुकसान पहुंचा रहा है, इसकी सच्चाई ग्लेशियरों के पिघलने, परिसीमन क्षेत्र में पिघलन, मानसून के तरीकों में परिवर्तन, समुद्र के जल स्तर में देखी जा सकती है। इस परिवर्तन के लिए इस प्रकार की प्राकृतिक गतिविधियां जिम्मेदार हैं।

जलवायु परिवर्तन के लिए अनेक प्राकृतिक कारण जिम्मेदार हैं, जिनमें प्रमुख हैं, महाद्वीपों का खिसकना, ज्वालामुखी, समुद्री तरंगे एवं धरती का घुमाव। हम भी जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं, कोयला पेट्रोल डीजल आदि जीवाश्म, ईंधन का प्रयोग करते हैं। अधिक जमीन की चाहत में हम पेड़ों का कटान करते हैं। अपघटित न हो सकने वाले समान अर्थात प्लास्टिक का अधिकाधिक उपयोग करके खेत में उर्वरक एवं कीटनाशकों का अधिक से अधिक प्रयोग करके हम भी इसके जिम्मेदार हैं। जलवायु परिवर्तन से मानव को नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। 19वीं सदी के बाद से पृथ्वी के सतह का तापमान 3 से 6 डिग्री तक बढ़ गया है। यह तापमान में वृद्धि के आंकड़े आगे चलकर महाविनाश का आकार लेंगे। इनका दुष्प्रभाव खेती, मौसम, समुद्र के जल स्तर में वृद्धि स्वास्थ्य जंगल एवं वन्य जंगल में दिखाई देगा, इनको कम करने के कुछ उपाय हैं। जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी की जाये, प्राकृतिक ऊर्जा के स्रोतों को अपनाया जाये जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि। पेड़ों को बचाया जाये व अधिक से

अधिक वृक्षारोपण किया जाये। हमारी योगी सरकार द्वारा भी पूरे प्रदेश में 22 करोड़ वृक्ष एक दिन में लगाये गये थे और उसके बाद भी योगी सरकार वृक्षों को लगाने की ओर प्रेरित कर रही है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण को लेकर लगातार जागरूक बनी हुई है। इसके लिए मैं अपने प्रदेश के मुख्य मंत्री जी को बधाई और धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, ढ़ाई वर्ष में मुख्य मंत्री श्री योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में नया मुकाम हासिल किये हैं। माननीय विधायकों ने माननीय मंत्रियों ने ढ़ाई साल की उपलब्धियों के बारे में बताया लेकिन उससे पूर्व मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र से सम्बन्धित समस्याओं को रखना चाहता हूं। (इसी मध्य अपराह्न 12 बजकर 48 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

मेरी विधान सभा क्षेत्र मुरादाबाद नगर है, वहां लगभग 40 साल पुरानी कमिशनरी है, मेरी विधान सभा क्षेत्र पूरे देश में प्रदेश में विश्व में पीतल नगरी के नाम से जानी जाती है। आठ हजार करोड़ एक्सपोर्ट मेरी विधान सभा से होता है, उसके बावजूद भी विकास की दृष्टि से मेरी विधान सभा क्षेत्र पिछड़ी है। अनेको वर्षों से मुरादाबाद में एक यूनिवर्सिटी की डिमांड चली आ रही है, उसके विषय में मैं कई बार माननीय मुख्य मंत्री जी से अपने उप मुख्य मंत्री जी से मिला भी था उन्होंने आश्वस्त भी किया कि वे मुरादाबाद को यूनिवर्सिटी देंगे। ढ़ाई साल पूरे हो चुके हैं मात्र ढ़ाई साल बचा है, हम मुरादाबाद के लिए क्या लेकर आये ये बताने के लिए कुछ भी उपलब्धि नहीं है। दो किमी का मेन मार्ग है इसमें 4 बस अड्डे और रेलवे स्टेशन आता है, जाम से पूरा शहर डूबता रहता है, 2 किमी का एरिया क्रास करने में आधा घण्टा लग जाता है। उसके लिए भी एलिवेटेड रोड का प्रस्ताव मैंने दिया था और उसके लिए माननीय केशव प्रसाद मौर्य जी से मिला था उन्होनें आश्वस्त किया है कि प्रस्ताव को पास करा देंगे। इस सदन के माध्यम से मेरा निवेदन है कि इन ज्वलंत समस्याओं का और जो मुरादाबाद की आवश्यकतायें हैं उनको पूरा करने का कष्ट करें। आपने आज बोलने का मौका दिया इसके लिए आभार व्यक्त करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

[*] **[12:49] श्री राम प्रताप सिंह-**

धन्यवाद अध्यक्ष जी कि आज मुझे महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर और भारत के दूसरे प्रधानमंत्री परम आदरणीय लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर बोलने का अवसर दिया लेकिन बोलने से पहले मैं सोच रहा था कि सामने की खाली सीटों को देखकर कि जब आदरणीय योगी जी प्रदेश के मुख्य मंत्री बने तो जितने भी संगठित गैंग थे, संगठित गिरोह थे, जमीनों पर कब्जा किया करते थे, फिरौती वसूली किया करते थे, वे धीरे-धीरे प्रदेश से पलायन कर गये। आज सामने की सीटे देखकर ऐसा ही लगता है कि एक दृढ़ मुख्य मंत्री के सामने विपक्ष की आने की हिम्मत नहीं है। इसलिए आज इतने महत्वपूर्ण मौके पर वह यहां से पलायन

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कर गया। आदरणीय अध्यक्ष जी, मुझे लैंगिक समानता का विषय दिया है जिसमें सभी महिलाओं, लड़कियों के सशक्तीकरण की बात है। मैं हमेशा कहता हूं कि बेटियों की शिक्षा की आवश्यकता बहुत है। पुराने समय में हम देखते थे कि अगर बेटा है तो उसको अच्छे विद्यालय में पढ़ायेंगे, बेटी है तो ऐसे विद्यालय में पढ़ायेगे, दूध का गिलास बेटे को बड़ा और बेटी को छोटा देंगे लेकिन धीरे-धीरे परिवर्तन हो रहा है। मैं कहना चाहता हूं कि बच्चों के लिए पैसे जोड़ने की आवश्यकता नहीं क्योंकि बच्चे अगर शिक्षित होकर अच्छे निकल गये तो धन नहीं होगा तो हो जायेगा और बच्चे बेटा बेटी पढ़कर नहीं निकले तो धन होगा वह भी बर्बाद हो जायेगा और कहा भी है कि संचय की जरूरत नहीं है, पूत कपूत तो का धन संचय, पूत सपूत तो का धन संचय। बेटे को तो पढ़ाना है और बेटी को और ज्यादा पढ़ाना है क्योंकि बेटा एक घर के नाम को रोशन करता है बेटियां दो-दो घरों के नाम को रोशन करती है। बेटा भाग्य से पैदा होता है और बेटी सौभाग्य से पैदा होती है। इसलिए बेटी की शिक्षा पर और ज्यादा ध्यान देना है जब से प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने सन 2014 में हरियाणा लिंग अनुपात में सबसे ज्यादा बेटियां कम थीं, जब से बी0जे0पी0 की सरकार बनी वहां पर भी बेटियों की जन्मदर में वृद्धि हुई है। जब से योगी जी की और मोदी जी की सरकार बनी पिछली सरकारों में तो बेटियों के विभेद हुआ करता था लेकिन हमारी सरकार ने बेटियों की लगातार चिन्ता करने का काम किया जब मोदी जी ने नारा दिया कि बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ तो आज महिला सशक्तीकरण का काम हुआ है।

अभी सुमंगला योजना के माध्यम से प्रदेश में योजना आ रही है। अनेकोनेक योजना है और बेटियों में धर्म के नाम पर कभी विभेद नहीं किया और बेटा-बेटी एक समान, हिन्दू हो या मुसलमान। इसी भाव से हमारी सरकार ने काम किया है। चूंकि समय ज्यादा नहीं है एक अल्ट्रासाउण्ड हुआ करता था, कन्या भ्रूण हत्या का काम हुआ करते थे लेकिन प्रदेश में योगी जी की सरकार बनने के बाद अनेकों लिंग का निर्धारण करने वाले सेण्टर थे, उन पर छापे पड़े हैं और वे जेल भेजे गये हैं। हम लोगों को बेटियों की चिन्ता करने की आवश्यकता है, यह सरकार का काम है, लेकिन पहले तो हम लोगों का है कि अपने अन्दर व्याप्त कुरीतियों को दूर करके अगर हमारे पास आज पैसा है, हम लोग तमाम पैसा त्रयोदशी और अन्य के नाम पर खत्म कर देते हैं लेकिन गरीब की बिटियां की पढ़ाई या शादी में खर्च करेंगे तो निश्चित रूप से ईश्वर भी ज्यादा पुण्य देगा। हम लोग अपनी विधान सभा क्षेत्रों में कामों को करते हैं तो आज हम लोग यहां इतने ऐतिहासिक मौके पर संकल्प लेकर जाना चाहिए कि इस तरह की कुरीतियों को दूर करते हुए बेटियों के सशक्तीकरण का काम करेंगे। मैं एत्मादपुर विधान सभा क्षेत्र से आता हूं। आचार्य श्रीराम शर्मा जी की जन्मस्थली है जिसके बारे में आग्रह करना चाहता हूं कि धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में अगर मेरी विधान सभा क्षेत्र को और आमलखेड़ा को जो श्री शर्मा जो गायत्री परिवार के संस्थापक थे उनकी जन्म स्थली है उसको धार्मिक पर्यटन स्थल

के रूप में विकसित करेंगे तो अच्छा संदेश जायेगा। दूसरा हम टेल पर बैठे हुए हैं हमारे सिचाई विभाग के माध्यम से काम होने थे, नहरों की बम्बों की सफाई नहीं हुई है, हम लोगों ने कहा था कि खेत तक पानी पहुंचायें लेकिन टेल तक भी पानी नहीं पहुंचा। आदरणीय जल शक्ति मंत्री जी आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस पर ध्यान देंगे। मैं उस क्षेत्र से आता हूं जहां आलू सबसे ज्यादा होता है वह खण्डौली क्षेत्र में होता है, लेकिन अधिकारियों ने जाने क्या नीति बनाई है कि भाड़ा परिवहन पर भाड़ा देते हैं परिवहन पर केवल व्यापारी को लाभ होता है अगर सब्सिडी देनी है जो कि देनी ही चाहिए तो गोल्ड के भाड़े पर सब्सिडी देंगे तो किसान को सबसे ज्यादा फायदा होगा और गुजरात में यही माडल लागू है। अगर कोई आलू आधारित उद्योग लग जाये तो निश्चित रूप से मेरे क्षेत्र का विकास होगा और मेरे क्षेत्र एन0एच0-टू पर दिल्ली वाले एक्सप्रेस वे ''यमुना एक्सप्रेस वे'' पर और एन0एच0 93 पर आता है अगर वहां कोई उद्योग लगेगा तो निश्चित रूप से आवागमन में भी आसानी रहेगी। अभी आगरा में गंगा जल आया है लेकिन मेरी विधान सभा क्षेत्र यमुना के उस पार है वहां अभी इसका डिस्ट्रीब्यूशन नहीं हो पा रहा है लाइने जर्जर हैं और एक प्रस्ताव बनकर भी आया है, उसमें एक छोटा वाटर वार्क्स अगर यमुना पार के क्षेत्र में बनेगा उसका डिस्ट्रीब्यूशन भी ठीक से हो जायेगा। खारा पानी है, ददहरा पिपरिया एक पेयजल योजना है उसको यहां प्रस्ताव करके भेजा गया है अगर वह यहां से स्वीकृत होती है तो निश्चित रूप से मेरे क्षेत्र का विकास होगा। ऐसा नहीं कि काम नहीं हुआ है। योगी जी जब से मुख्य मंत्री बने हैं सड़कों का जाल बिछा है। आदरणीय ऊर्जा मंत्री जी को मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि दो सब-स्टेशन हमारे यहां बने हैं, पी0एच0सी0/सी0एच0सी0 का निर्माण हुआ है सी0एच0सी0 अग्रणी सी0एच0सी0 में एक है। अनेकों पेयजल की पुरानी सरकारे पैसा भी देती थीं, केवल घोषणा करती थीं। समाजवादी सरकार ने पेयजल योजना की घोषण भी की थी। 9 करोड़ रुपये की घोषणा की और 10 लाख रुपये अवमुक्त किये थे लेकिन मैं आदरणीय योगी जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने 9 करोड़ की योजना को पूर्ण कराने का काम किया। पैसा अवमुक्त हो गया, काम हो रहा है। सेमरा पेयजल योजना पर भी काम हो रहा है आपने मुझे आदेशित किया मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं और गांधी जी के और आदरणीय लाल बहादुर शास्त्री जी के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। धन्यवाद। जय हिन्द जय भारत।

***[12:58] श्री राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल-**

मैं बहुत आभारी हूं मुझे गांधी जी के 150वीं जयन्ती के अवसर पर आहूत विधान सभा के विशेष सत्र में बोलने का अवसर दिया। सबसे पहले मानवता की सेवा और देश को स्वतंत्रता दिलाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और दृढ़ संकल्प के धनी सरलता के प्रतीक जय जवान जय किसान का नारा देने वाले इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय श्री लाल बहादुर शास्त्री

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जी को उनकी जयन्ती के अवसर पर शत-शत नमन करता हूं। मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि इस खास अवसर पर मुझे बोलने का अवसर दिया। माननीय अध्यक्ष जी, खराब स्वास्थ्य कष्ट सबसे बुनियादी प्रकार की घटनायें होती हैं, इसमें वर्षों में लोगों की औसत आयु बढ़ाने शिशु तथा मां की मृत्यु के जिम्मेदार कुछ सबसे अहम बीमारियों को कम करने में सफलता मिली। दक्षिण अफ्रीकी देशों और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में शिशु मौतों का अनुपात बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2000 के बाद विश्व में एच0आई0वी0, मलेरिया, एड्स प्रमुख रोगों का कम हुआ है, लेकिन विश्व के अनेक क्षेत्रों में बीमारियां और नई महामारियां अब भी चुनौती हैं। दुनिया भर में नये उपचारों के लिये टेक्नॉलाजी खोजनें में जबरदस्त प्रगति की है, लेकिन सभी को किफायती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना अब भी हमारे लिये चुनौती है। मा0 अध्यक्ष जी मातृशिशु अभियान के तहत् वर्ष 2016 में मा0 प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृ-शिशु अभियान की शुरूआत हुई। इस अभियान के माध्यम से 01 करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार अब तक 01 करोड़ से अधिक महिलाओं को पी0एम0एस0एम0ए0 का लाभ मिला है। योजना के अन्तर्गत गर्भवती माताओं को पहले दो जीवित शिशुओं के जन्म के लिये तीन किश्तों में छः हजार रुपये का नकद प्रोत्साहन दिया जाता है। प्रधानमंत्री जन-औषधि केन्द्र की शुरूआत कर गरीबों को सस्ती और सुलभ दवायें सुनिश्चित कराना इस सरकार की प्राथमिकता में रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के तहत् खोले गये प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र के माध्यम से मामूली कीमतों पर जेनेरिक दवायें उपलब्ध हो रही हैं। जन औषधि स्टोर से गरीबों के लिए सस्ती दवाओं के साथ उन्हें मुफ्त जांच करवाने की सुविधा दी जा रही है। आयुष्मान भारत योजना गरीबों और असहाय लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। 23 सितम्बर को झारखण्ड की राजधानी रांची से माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारम्भ की गयी योजना देश के करीब 50 करोड़ लोगों को लक्ष्य करके बनायी गयी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि इस योजना की शुरूआत गरीबों और समाज के वंचित वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा और उपचार प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है।

दुनिया में **'मोदी केयर'** के नाम से विख्यात इस योजना के तहत् देश के 10 करोड़ गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों यानि लगभग 50 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये की सालाना चिकित्सा बीमा की सुविधा मिलेगी, इसके लिए मोदी सरकार ने देशभर में चिकित्सा सुविधा को सुदृढ़ करने की योजना बनायी है जिसके तहत् 1.5 लाख जनरल सेंटर आयुष्मान भारत योजना के तहत् खोले जा रहे हैं, जिसमें 150 बीमारियों का इलाज हो रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, किसानों की उपज को दोगुनी करने के लिए सरकार ने संकल्प लिया है। मेरा आपसे और मा0 ऊर्जा मंत्री जी से निवेदन है कि किसानों के लिए फ्री बिजली उपलब्ध करायी जाए। क्योंकि अगर किसानों के लिए फ्री-बिजली उपलब्ध होगी तो सिंचाई के साधन बहुत ज्यादा

होंगे और किसान दो-तीन पानी की जगह पांच पानी भी अपनी खेती में लगा सकता है। मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से यह कहना है कि अभी तक उत्तर प्रदेश में 12 मेडिकल कॉलेज थे, माननीय योगी जी ने ढ़ाई साल में 15 मेड़िकल कॉलेज बनवाने का काम किया है। माननीय अध्यक्ष जी, एक बहुत छोटी सी समस्या है जो सभी विधायकगण की है, इसमें हमारी मातायें-बहनें, हमारे बुजुर्ग, हमारे हम-उम्र और हमसे छोटे भी मा0 विधायक बैठे हैं, किसी भी विधायक को कोई जनता का आदमी फोन करता है तो वह रात के दो बजे, तीन बजे जाता है लेकिन कोई अधिकारी दो या तीन बजे नहीं जायेगा जब तक कोई बहुत बड़ी घटना न हो जाये। नायब-तहसीलदार को आप गाड़ी दे रहे हैं और सरकारी कर्मचारी दे रहे हैं तो कम से कम मेरा निवेदन मंत्रि-मण्डल के बैठे हुए तमाम मंत्रियों से है कि जब मंगलवार को बैठक होती है तो उसमें यह बात आये कि कम से कम विधायक के लिए एक गाड़ी फ्री मिल जाए। (सदस्यों ने मेजें थपथपायी) यह बहुत छोटी चीज है क्योंकि वह गाड़ी से सरकारी गनर भी ले करके जाता है और उसे रात के 12 बजे, 2 बजे व 3 बजे जाना पड़ता है, वह गाड़ी विधायक की नहीं बल्कि जनता की होगी, क्योंकि जनता के काम के लिए उपयोग में आयेगी। माननीय अध्यक्ष जी आप कई बार सदन में चुनकर आये हैं, मेरा आपसे निवेदन है कि कृपया आप विधायक की अन्तर्रात्मा को समझिये और सरकार को इसके लिए निर्देशित कर दीजिए (सदस्यों ने मेजें थपथपायी।) कि एक-एक गाड़ी सभी विधायकों को दे दी जाए।

श्री अध्यक्ष-

आप संक्षेप में बताईये कि क्या चाहते हैं?

श्री राजेश कुमार मिश्र उर्फ पप्पू भरतौल-

मान्यवर, फार्चूनर न मिले तो इनोवा मिल जाए। यह सभी विधायकों के मन में है। हमारी सरकार ने जो 05 करोड़ रु0 दिये यह बहुत अच्छी बात थी।

श्री अध्यक्ष-

आप शाही जी से मिल लेना, आपकी समस्या का समाधान हो जायेगा।

श्री राजेश कुमार मिश्र उर्फ पप्पू भरतौल-

मान्यवर, यह जो 100-100 हैण्डपम्प दिये गये थे उसकी जगह 250-250 हैण्डपम्प दे दिये जांए। (सदस्यों ने मेजें थपथपायी।)

श्री अध्यक्ष-

आप बैठिये, आपका समय समाप्त हुआ।

श्री राजेश कुमार मिश्र उर्फ पप्पू भरतौल-

मान्यवर, विधान सभा क्षेत्र में जहां भी जाओ नल की बड़ी समस्या है, इसलिए हर विधायक को 250-250 नल दे दिये जायं और 05 करोड़ रुपया विधान सभा क्षेत्र के विकास

हेतु मा0 सदस्यों को पुनः दे दिये जायं। इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

*[13:04] **मेजर सुनील दत्त द्विवेदी-**

माननीय अध्यक्ष महोदय, परम-पूज्य गांधी जी की जयन्ती पर मैं उनको सादर नमन करता हूं। जो विषय मुझे दिया गया है **'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और टिकाऊ शहरी विकास और सामुदायिक विकास'।** इस पर बोलूँ, उससे पहले कहना चाहूंगा कि जो बर्ताव विपक्षी दलों का रहा है कि गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर भी उन्होंने यह उचित नहीं समझा कि सदन में सहभागिता करें, सदन के विचारों को सुनें और गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करें। इस सम्बन्ध में विपक्ष के लिए दो पंक्तियां मुझे याद आती हैं कि-

वो सुनें, न सुनें, अपना बयान जारी रख,
आवाम सुन रहा है, ये दास्तान जारी रख।
उनके हाथ का पत्थर, रहम न खायेगा,
लहूलुहान परिन्दों अपनी उड़ान जारी रख।।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हम लोगों की उड़ान जारी है। (सदस्यों ने मेजें थपथपायी।) कल 11:00 बजे पूर्वाह्न से सदन प्रारम्भ हुआ है, हमने विभिन्न पड़ावों को छुआ है। गरीबी, भुखमरी, चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा व विकास के तमाम पहलुओं पर हमने चर्चा की है। जिस विषय पर मुझे बोलने का अवसर प्राप्त हुआ है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा। परमपूज्य गांधी जी ने जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना की थी उसमें उन्होंने कहा था कि पाठशालाओं का मेल मां के दूध से जो संस्कार प्राप्त होते हैं उनके साथ होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि अक्षर ज्ञान, शब्द ज्ञान, व्याकरण, अर्थमेटिक, बीजगणित, रेखागणित यही शिक्षा का पर्याय नहीं है। हस्तशिल्प, हस्तकला भी शिक्षा का पर्याय है और शिक्षा इसी से प्रारम्भ और समाप्त होनी चाहिए। गांधी जी के शब्दों में हृदय व हस्त की उपेक्षा करके मस्तिष्क से अपेक्षा नहीं की जा सकती। आज हमारे मोदी सरकार ने इसी दिशा में पहल की है और रचनात्मक रूप से कौशल विकास की दिशा में बहुत बड़ा काम किया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अर्थ है कि सारे बच्चों को काम मिले, वह अपनी प्रतिभायें जो उनके अन्दर छिपी हैं उनको चमकायें और अपनी क्षमताओं को विकसित करके देश और समाज के उत्थान में अपना योगदान दें। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में तीन-चार पहलू आते हैं जिनको मैं रेखांकित करना चाहता हूं जिन पर हमारी सरकार ने काम भी किया है, एक है सूचनापरक शिक्षा, इंर्फामेटिव सिस्टम ऑफ एजुकेशन। मान्यवर, सूचनापरक शिक्षा में बच्चों को इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र पढ़ाया जाता है लेकिन मेरा यह आग्रह है कि पाठ्यक्रम में इतिहास तो पढ़ाया जाये लेकिन चंगेज खां का, अकबर का, तैमूरलंग का

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

इतिहास न पढ़ाया जाये वरन महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई, गौतमबुद्ध का ज्ञान, महावीर का मौन इस प्रकार का इतिहास पढ़कार बच्चों को सकारात्मक दिशा में मोड़ने का प्रयास किया जाए। इसी प्रकार से विज्ञान के क्षेत्र में जहां सिर्फ फिजिक्स और कैमिस्ट्री के फार्मूले पढ़ाये जाते थे, जबसे मा0 मोदी जी की सरकार आयी है उन्होंने अन्वेषण और आविष्कार पर ज्यादा बल दिया है, इन्क्वायरी और इन्वेस्टीगेशन पर ज्यादा बल दिया है। मैं समझता हूं कि यही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के वो अंग हैं जिन पर हमारी सरकार काम कर रही है। जीवन को कैसे जिया जाये, आज बच्चों का बस्ता भारी हो गया है और ज्ञान हल्का होने लगा है। वैदिक युग में, त्रेता युग में हमें मालुम है कि किस प्रकार से विमान बनाये जाते थे वह गणित हमारे पास था, वह विज्ञान हमारे पास था। द्वापर में मंत्रों के माध्यम से किस तरह से आग्नेय-अस्त्रों का प्रक्षेपण किया जाता था, यह भी हमारे पास था। हमने बचपन में देखा है कि लकड़ी की तख्ती और बुदक्के में पूरी इनसाइक्लोपीडिया हुआ करती थी लेकिन आज बस्ता भारी हो रहा है, ज्ञान हल्का हो रहा है, ऐसे में लैंग्वेज ऑफ लाफ्टर और प्रजेन्स ऑफ माइण्ड बच्चे भूल रहे हैं। हमारी सरकार प्रायोगिक एवं व्यवहारिक ज्ञान की ओर आगे बढ़ रही है। मोदी जी ने जो ज्ञान की व्यवस्था के लिए जो पाठ्यक्रम बनाया है वैसा ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का समावेश इसमें हो जाये। इसी प्रकार से मोदी सरकार ने फिटनेस के ऊपर, योगा, प्राणायाम व साधना के ऊपर बल दिया है, यह भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक अंग है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप संक्षेप करिये।

मेजर सुनील दत्त द्विवेदी-

सकारात्मक रूप से, क्रियात्मक रूप से हमारे छात्र-छात्रायें आगे बढ़ें, गुणात्मक शिक्षा इससे पूर्ण हो सकती है। आज कम्पटीशन का युग है, हम कम्पीट तो करें लेकिन अपने आप भी कम्पलीट हों। अगर शिक्षा उस दिशा में जाती है तो मैं समझता हूं कि वह अपनी सार्थकता सिद्ध करती है। माननीय मोदी जी की सरकार ने कौशल विकास को बहुत आगे बढ़ाया है। अभी 30 सितम्बर को दिल्ली में पूरे भारतवर्ष के कौशल विकास के मंत्रियों और अधिकारियों की बैठक हुई थी। कौशल विकास को केवल जिले तक ही नहीं ब्लॉक लेबिल तक ले जाने की योजना बनी है। आप जानते हैं कि कितने आई.आई.एम., कितने आई.आई.टी. और कितने ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज ये मोदी जी की सरकार में आगे आ रहे हैं। आई0टी0आई0 व पॉलीटेक्निक खुल रहे हैं जिससे स्वरोजगार-परक और रोजगारपरक शिक्षा हम अपने देश में दे सकें। माननीय योगी जी के नेतृत्व में बहुत सारे क्रांतिकारी परिवर्तन इस शिक्षा के क्षेत्र में हुये हैं। हमें मालुम है कि विपक्ष के जमाने में शिक्षा के नाम पर नकल हुआ करती थी। शिक्षा के नाम पर शिक्षा के माफिया, शिक्षा के गैंग हुआ करते थे। उस पूरी शिक्षा व्यवस्था में माननीय योगी जी की सरकार आमूल चूल परिवर्तन लायी है। आज नकल रूकी है। कभी

हम कल्पना करते थे कि एजुकेशन फ्री हुआ करे, हमारे गरीब बच्चे भी स्कूल जायें और उनके मां-बाप भी उनके एजुकेशन को अफोर्ड कर सकें, ऐसी फ्री एजुकेशन की व्यवस्था अगर की है तो माननीय योगी जी की सरकार ने की है।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, अब आपकी बात आ गयी।

मेजर सुनील दत्त द्विवेदी-

मान्यवर, केवल दो मिनट और दे दें। हमें मालूम है कि किस प्रकार से स्कूलों में यूनीफार्म, जूते-मोजे फ्री दी जा रही है। स्कूल्स की बिल्डिंग को नया रूप, नया आकार दिया जा रहा है। गुणवत्तापरक मध्याह्न भोजन भी दी जा रही है और शिक्षा की दिशा में हमारी सरकार काफी कदम आगे बढ़ी है। इस विषय पर अधिक न बोलते हुए मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के बारे में भी एक मिनट में बात कहना चाहूंगा। मा0 ऊर्जा मंत्री जी यहां बैठे हैं, मैं मा0 ऊर्जा मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि इन्होंने 03 सब-स्टेशन हमारी फर्रुखाबाद विधान सभा क्षेत्र में बनवाने का काम किया है। फर्रुखाबाद विधान सभा क्षेत्र में 50 ट्रान्सफार्मर लगाने का काम किया है लेकिन इनसे मेरा व्यक्तिगत निवेदन है, आपको जानकारी है कि फर्रुखाबाद विधान सभा क्षेत्र में भूमिगत केबिल का एक प्रस्ताव पास हो चुका है, उसका टेण्डर भी पास हो चुका है लेकिन किन्हीं कारणों से लोकसभा चुनाव रहने के कारण उस टेण्डर को स्थगित कर दिया गया था। माननीय ऊर्जा मंत्री जी से विशेष आग्रह करना चाहता हूं कि वहां की जनता के हित को ध्यान में रखते हुए स्थगन को जारी कर दिया जाये और वहां पर भूमिगत केबिल की व्यवस्था कर दी जाए। माननीय नगर विकास मंत्री जी अभी यहां बोल रहे थे। नगर विकास विभाग में बहुत अच्छे कार्य हुये हैं, उनका ध्यान मैं फर्रुखाबाद विधान सभा क्षेत्र की ओर आकर्षित करना चाहता हूं, हमारे यहां जो नगरपालिका की बिल्डिंग है वह बहुत जर्जर है, 1868 की बिल्डिंग है। वह कभी भी गिर सकती है। उसके स्थान पर अगर नई इमारत बनाकर कार्यालय बनाया जाये तो उसमें एक शापिंग मॉल भी बनाया जा सकता है जिससे एक आमदनी का जरिया भी हो सकता है। इसी प्रकार से हम जानते हैं कि 31 अक्टूबर को सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जयन्ती है, सरदार पटेल जी की जयन्ती के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम चलाये जाते हैं। रन फार यूनिटी का भी आयोजन किया जाता है। सरदार पटेल के उस पार्क से हम रन फॉर यूनिटी का आयोजन करते हैं। मान्यवर, वह पटेल पार्क जो सरदार पटेल जी के नाम पर है, बहुत बुरी दशा में, बदहाली की हालत में है। यह वही पार्क है जहां से सुभाष चन्द्र बोस जी ने कभी स्वतन्त्रता आन्दोलन का बिगुल फूँका था। मैं नगर विकास मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि 31 अक्टूबर दूर नहीं है, इसका प्रस्ताव पारित हो चुका है, स्वीकृति की आवश्यकता है, बजट का आवंटन हो चुका है उसको रिलीज करने की आवश्यकता है। तो इस बजट को रिलीज किया जाए जिससे आगामी 31 अक्टूबर को उनके ही हाथों से यहां भूमि

पूजन हो सके और सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें। इसी प्रकार से हमारे फर्रुखाबाद विधान सभा क्षेत्र में एक मात्र तालाब बढ़पुर का है, मैं समझता हूं कि अगर उसका सौन्दर्यीकरण हो जाता है तो जनहित में बहुत अच्छा रहेगा और पूरी जनता इसके लिए धन्यवाद देगी। माननीय योगी जी सरकार में आयुष्मान योजना के अन्तर्गत बारह हजार कार्ड बनाए गये है, नौ हजार आठ सौ पचास राशन कार्ड जारी हुए हैं। समाज कल्याण एवं वृद्धावस्था पेंशन में दो हजार पांच सौ सड़सठ कार्ड बनाए गये हैं। ऐसे बहुत-से कार्य माननीय योगी जी की सरकार में किए गये हैं। फर्रुखाबाद विधान सभा क्षेत्र में बहुत दिक्कते हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप तीन मिनट ले चुके है, बैठ जाइए।

मेजर सुनील दत्त द्विवेदी-

मान्यवर, अपनी बात समाप्त करने से पूर्व माननीय योगी जी के लिए यही कहना चाहता हूं कि ''मंजिले उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है।'' जो काम ढाई साल में उन्होंने करके दिखाया है वह एक रिकार्ड है। ''मंजिले उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, सिर्फ पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है।'' हम उनके हौसले को प्रणाम करते है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी जी, बहुत संक्षेप में बोलिए। आपको जाना भी है।

***[13:15] श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने इस सुअवसर पर मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपको बहुत धन्यवाद देती हूं। हम सबके लिए यह सौभाग्य की बात है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर उत्तर प्रदेश विधान सभा का विशेष सत्र बुलाया गया और इस सत्र में पूज्य राष्ट्रपिता को याद करने के साथ-साथ हम उनके द्वारा राष्ट्र के लिए किए गये कार्यों तथा योगदानों पर चर्चा कर रहे हैं। मेरा यह मानना है कि जो देश अपने महापुरुषों का स्मरण नहीं रखेगा तथा उनके बताये गये रास्तों पर नहीं चलेगा वह बहुत समय तक अपना अस्तित्व नहीं बचा पायेगा। पूज्य बापू के संघर्षों तथा उनके नेतृत्व में हमने आजादी पाई। उनके द्वारा दिए गये सत्य तथा अहिंसा के सिद्धांत पूरे विश्व में आज भी उतने ही लोकप्रिय तथा अनुकरणीय है जितने आजादी से पहले थे। गांधीजी ने देश में कैसी शिक्षा हो इस पर भी विस्तृत रूप में प्रकाश डाला है। उन्होंने उस समय मैकाले पद्धति द्वारा दी जा रही शिक्षा को गुलामी की नींव कहा था। उन्होंने कहा था कि करोड़ो लोगों को अंग्रेजी की शिक्षा देना उन्हें गुलामी में डालने जैसा है। मैकाले ने शिक्षा की जो बुनियाद डाली वह सचमुच में गुलामी की

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बुनियाद थी लेकिन गांधी जी ने जिस मैकाले शिक्षा पद्धति की आलोचना की थी। उसे ही अपनाकर हम गर्व का अनुभव करते हैं। आज राष्ट्रपिता की 150वीं जयन्ती पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विषय पर मुझे अपनी बात कहनी है।

मान्यवर, अपनी विधान सभा क्षेत्र को सम्बद्ध करते हुए मैं यह विषय रखना चाहती हूं। सबसे पहले मैं बेसिक शिक्षा की बात करती हूं क्योंकि बेसिक शिक्षा बच्चे की नींव होती है और जो नींव रख दी जाती है उसी के आधार पर उसका जीवन चलता है। आजादी के बाद हमारे दो-तीन गांवों के बीच एक बेसिक शिक्षा विद्यालय होता था और वहां पर सारे लोग अपने बच्चों को उसी विद्यालय में भेजते थे। हमारे जो अभिभावक होते थे वे उसी में बच्चों का एडमिशन कराते थे और अध्यापक भी पूरे समर्पण के साथ उनको शिक्षा दिया करते थे। उसी विद्यालय में पढ़कर आज बहुत-से व्यक्ति उच्च पदों पर पहुंच गये हैं। लेकिन ये हुआ कि पिछली जो सरकारें थीं उन्होंने शिक्षा की तरफ सही से ध्यान नहीं दिया। जो महत्व प्राथमिक शिक्षा को मिलना चाहिए था वह नहीं मिला। जब से हमारी सरकार आई है चाहे वह केन्द्र में हो या राज्य में हो, तब से माननीय मुख्य मंत्री जी के दिशा-निर्देशन में प्राथमिक शिक्षा में सुधार हो रहा है। प्रत्येक वर्ष हजारों की संख्या में अध्यापकों की नियुक्तियां हो रही है। प्रदेश में अब शिक्षकों की कमी नहीं है। बच्चों को अच्छी शिक्षा, युनिफार्म, जूते, मोजे, स्वेटर, किताबें, बैग निशुल्क उपलब्ध हो रहे हैं। प्रत्येक विद्यालय में बच्चे व बच्चियों के लिए पृथक-पृथक शौचालय बनाये गये हैं एवं विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। अभी-अभी हमारे नये बेसिक शिक्षा मंत्री बने हैं, मैं उन्हें अपनी तरफ से बहुत-बहुत बधाई देती हूं और शुभकामना देती हूं। उन्होंने अपने विभाग में तेजी से सुधार कार्य करने का काम किया है उसके लिए भी शुभकामना देती हूं। इस विषय में मेरा एक सुझाव है कि प्राथमिक विद्यालयों में स्थानीय प्रमुख व्यक्तियों तथा अभिभावकों की सहभागिता होनी चाहिए। अगर गांव के प्रमुख व्यक्ति सरकारी विद्यालयों के संचालन तथा शिक्षा में रूचि लेने लगे तो स्थिति बदल सकती है। मेरे विधान सभा क्षेत्र सिकन्दराबाद के गांव के प्रधान तथा उनकी टीम ने बेसिक शिक्षा के विद्यालयों में रूचि ली और उन्होंने बेसिक विद्यालयों और प्राइवेट विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का कम्पटीशन कराया और लोगों को दिखाया कि बेसिक शिक्षा के बच्चे ज्यादा बुद्धिमान एवं तेज हैं तो आज यह हो गया है कि पूरे गांव के लोगों ने, जिनके बच्चे प्राइवेट स्कूलों में जाते थे सबने प्राइवेट स्कूलों से निकालकर उस गांव के प्राथमिक विद्यालय में एडमिशन करा दिया है। आज वहां जो बच्चों की संख्या है वह कम से कम साढ़े तीन सौ-चार सौ के करीब हो गयी है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय हो गया है।

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

मान्यवर, आज गांधी जयन्ती के अवसर पर हम इस सदन में विचार करें कि हम अपनी शिक्षा व्यवस्था को कैसे गुणवत्तापूर्ण बना सकते हैं। आज जब हर क्षेत्र में हम नये प्रयोग

कर रहे हैं तो हमें प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं इस पर विचार किया जाना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, गांव व शहरों में अनेक सेवानिवृत्त अधिकारी, सैन्य अधिकारी, उच्च शिक्षित युवा मिल सकते हैं जो बच्चों को शिक्षित करने तथा विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए अपनी सेवा दे सकते हैं। हम उनका आह्वान करके अपनी शिक्षा व्यवस्था से जोड़ सकते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व तथा उप मुख्य मंत्री श्री दिनेश शर्मा जी के दिशा-निर्देशन में आज प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा का कायाकल्प हुआ है, अध्यापकों की तेजी से नियुक्तियां हुई हैं। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी जी का हृदय से आभार प्रकट करना चाहती हूं कि उनके आर्शीवाद से मेरे विधान सभा क्षेत्र में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल जी के नाम से एक अटल आवासीय विद्यालय खुलने जा रहा है। मैंने माननीय मुख्य मंत्री जी से अपने विधान सभा क्षेत्र में एक राजकीय कन्या डिग्री कॉलेज तथा एक कन्या पॉलीटेक्निक खुलवाने का अनुरोध किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके आर्शीवाद से दोनों विद्यालय मेरे क्षेत्र में खुलेंगे। दूसरा विषय, मुझे असामनता का मिला है। हमारी सरकार ने हर क्षेत्र में फैली असमानताओं को दूर करने का काम किया है। पूर्व की जो सरकारें थी उन्होंने हर क्षेत्र में असमानता फैला रखी थी चाहे वह विद्युत का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य का क्षेत्र हो, चाहे वह सड़कों का क्षेत्र हो। आज मेरे सामने ऊर्जा मंत्री जी बैठे हैं मैं उनको बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि उन्होंने वी0आई0पी कल्चर को खत्म करने का काम किया है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय ज्यादा हो गया है।

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

कुछ ही जिलों में बिजली देने का काम पिछली सरकारों ने किया था। आज उत्तर प्रदेश हर जनपद में सतत रूप में बिजली पहुंच रही है। मान्यवर, पूरे प्रदेश में सड़कों को समान रूप से बनाया जा रहा है इसलिए मैं आदरणीय केशव प्रसाद मौर्य जी का भी धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में 14 करोड़ रुपए के नव निर्माण तथा मरम्मत कार्य हुए हैं। मैंने कुछ सड़कों का निवेदन किया है और मुझे आशा है कि आदरणीय उप मुख्य मंत्री जी उसे स्वीकार करेंगे। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी और मुख्य मंत्री जी का कोटि-कोटि आभार व्यक्त करती हूं कि उन्होंने हमारे जिले में मेडिकल कॉलेज स्वीकृत किया है।

श्री अध्यक्ष-

आपके दो मिनट हो चुके हैं।

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

मेरी विधान सभा क्षेत्र के...

श्री अध्यक्ष-

विधान सभा क्षेत्र वाला लिखकर दे दीजिएगा।

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

चिकित्सालय में नया ओपीडी ब्लाक, नया आई0सी0 भवन तथा नये डिलेवरी रूम का निर्माण कराया जा चुका है इसके लिए मैं स्वास्थ्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करती हूं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री श्री अनिल राजभर जी।

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

मान्यवर, मैं बस लास्ट कह रही हूं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप नहीं मान रही हैं तो क्या कर सकते हैं। मंत्री जी हमें डांट रहे हैं। बहुत लेट हो गया है।

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

सदन में माननीय मंत्रीगण एवं विधायक बैठे हैं हम पूज्य महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती मना रहे हैं। इस अवसर पर हम यह संकल्प लें कि जीवन में सादगी, स्वच्छता, प्रेम, गरीबों के प्रति करूणा का भाव रखकर कार्य करें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

***[13:25] पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री (श्री अनिल राजभर)-**

माननीय अध्यक्ष जी, सबसे पहले मैं आपका आभार प्रकट करता हूं और धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बापू की 150वीं जयन्ती के अवसर पर और हमारे काशी के लाल जिन्होंने जय जवान, जय किसान का नारा देकर जवानों और अन्नदाताओं के अन्दर एक नई ऊर्जा का संचार किया कि वह कैसे आत्मनिर्भर बन सकता है, इस बात की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विशेष सत्र में आपने मुझे अपनी बात कहने का अवसर दिया है इसके लिए मैं हृदय से आपका आभार प्रकट करता हूं। इसके साथ ही मैं पूज्य बापू और शास्त्री जी की स्मृतियों को नमन करता हूं। मान्यवर, गांधी जी नश्वर होने वाले एक शरीर का नाम नहीं है बल्कि कभी न मिटने वाला एक विचार है। (मेजे थपथपाई गयी) आज संयुक्त राष्ट्र संघ ने सतत विकास का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, हम उस पर विचार-विमर्श करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उसी संयुक्त राष्ट्र

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

ने 2007 में पूज्य बापूजी के जन्मदिवस के अवसर पर अहिंसा का दिवस घोषित किया था। हम बेहिचक इस बात को कहना चाहते हैं कि आज दुनिया में गौतम बुद्ध के बाद अगर भारत को किसी के नाम से जाना जाता है तो वह हमारे बापू का नाम, राष्ट्रपिता का नाम, महात्मा गांधी जी का नाम है। श्रद्धेय अध्यक्ष जी, बापू निरन्तर अंग्रेजों से संघर्ष करते रहे, लड़ते रहे और सच कहें तो गांधी जी ने असहयोग आंदोलन, सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलकर हिंदुस्तान की आम आवाम की कमर को सीधा करने का अवसर दिया है। सन् 1915 से पहले जंग-ए-आजादी को पूरे देश ने आत्मसात नहीं किया था। कुछ संगठन व्यक्तिगत तौर पर जंग-ए-आजादी को लड़ने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन 1915 के बाद जब देश में गांधी जी का आगमन हुआ तो उन्होंने जंग-ए-आजादी को एक-एक व्यक्ति के दरवाजे तक पहुंचाने का काम किया और परिणामस्वरूप पूरा देश गांधीजी के पीछे खड़ा हुआ। आज उनकी 150वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। मैं इस अवसर पर अपने परम श्रद्धेय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि आज विशेष सत्र बुलाकर उत्तर प्रदेश की विधान सभा एक इतिहास बनाने जा रही है और इस अवसर पर हम लोगों को यहां पर बुलाकर इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह और साक्षी बनने का जो अवसर हमारे मुख्य मंत्री जी ने हम लोगों को दिया है हम इसके लिए मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं हम आभार प्रकट करना चाहते हैं। माननीय अध्यक्ष जी, हमारा संविधान व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता की बात करता है। कहां है व्यक्ति की गरिमा माननीय अध्यक्ष जी आज क्यों जरूरी है ये सोलह बिन्दु जो हमारे सामने हैं। सत्रहवें बिन्दु से उत्तर प्रदेश का सरोकार नहीं है वह समुद्र से जुड़ा हुआ विषय है। आज हमारे मुख्य मंत्री जी ने क्यों विशेष सत्र बुलाया उसके पीछे यही बात है माननीय अध्यक्ष जी, मैंने आपकी एक किताब पढ़ी है आपने उसमें लिखा है कि जो संतति अपने पुरखों, अपने पूर्वजों को भूल जाती है और जो राष्ट्र अपनी परम्परा और अपनी संस्कृति को भूल जाता है वह कभी सुखी नहीं रह सकता। (मेजों की थपथपाहट)

श्रद्धेय अध्यक्ष जी, मेरे पास पिछड़ा वर्ग विभाग है और मैं कहना चाहता हूं कि देश को आजाद हुये 70 वर्ष हो गए। जमाना चांद और सितारों पर बसने की बात कर रहा है लेकिन 70 वर्ष की आजादी को देखने के बाद आज भी हिन्दुस्तान में एक बहुत बड़ी आबादी ऐसी है जो एक-एक रोटी और रोटी, कपड़ा और मकान के लिए संघर्ष कर रही है, तरस रही है। माननीय अध्यक्ष जी, मुख्य मंत्री जी के आर्शीवाद से मैं बनारस की शिवपुर विधान सभा क्षेत्र से चुनकर आता हूं लेकिन मेरा गृह जनपद चन्दौली है और हमारे गृह जनपद का एक हिस्सा एक विकास खण्ड नौगढ़ है मैं आज भी दिखा सकता हूं कि वहां के जंगलों में वहां का गरीब, वहां का कमजोर, वहां का वनवासी कैसे रहता है। मैं आदरणीय सदन को माननीय अध्यक्ष जी आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि मा0 प्रधानमंत्री जी (श्री मोदी जी) के आने से पहले वहां का गरीब 6 महीना सिर्फ कुहाड़ा और महुआ पर अपनी जिन्दगी व्यतीत करने का

काम करता है। मैं इस अवसर पर गहमरी जी को याद करना चाहता हूं, पूर्वांचल की धरती से हम लोग आते हैं। हम सार्वजनिक जीवन में काम कर रहे हैं। हम बापू को याद कर रहे हैं, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में आसमान से भी ऊंची लकीर को खींचने का काम किया है। महामानव बन गये और इसलिए मैं कहना चाहता हूं जब देश आजाद हुआ और जिन बापू को लेकर जंग-ए-आजादी हुयी। आजादी की जंग लड़ी गई, देश के आजाद होते ही देश की सम्मानित जनता ने जिन लोगों को अपना मालिक बनाया जिन लोगों को समर्थन और सहयोग देकर देश को चलाने का अधिकार दिया माननीय अध्यक्ष जी, उन लोगों ने आजादी के मायने को बदल दिया। यदि आजादी का मायना नहीं बदला होता, यदि महात्मा गांधी के सपनों का भारत बना होता। अगर महात्मा गांधी के बताये गये रास्ते पर हिन्दुस्तान चला होता तो आज हिन्दुस्तान में रहने वाले गरीबों को, पिछड़ों को, कमजोरों को, दलितों को, वनवासियों को और हमारे अनुसूचित जनजाति के लोगों को रोटी-रोटी के लिए इस तरह से दर-बदर की ठोकर नहीं खानी पड़ती। हमने उनको भूला दिया और उसका परिणाम आज देश भुगत रहा है। हम इस अवसर पर अपने पूज्य प्रधानमंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं। हमारे पूज्य प्रधानमंत्री जी दिल्ली की सरकार और ढ़ाई वर्ष के अन्दर हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने जिस तरह का काम उत्तर प्रदेश की धरती पर किया है उससे आज गरीबों की जिन्दगी में एक उम्मीद का चिराग रोशन हुआ है। एक उम्मीद का दीपक जला है(मेजों की थपथपाहट)। उनमें एक आश जगी है उनको लगता है कि हमारी जिन्दगी में भी परिवर्तन हो सकता है। हमारी जिन्दगी में भी बदलाव आ सकता है। हमारे सपने भी पूरे हो सकते हैं। आज इस तरह के माहौल का निर्माण हो रहा है। श्रीमान्, शिवपाल यादव जी का आगमन हुआ है हम स्वागत करते हैं। आज विपक्ष को यहां रहना चाहिए लेकिन सच्चाई यह है माननीय अध्यक्ष जी, कि यहां अनुपस्थित होकर उन्होंने अपनी संकीर्ण मानसिकता को उजागर किया है। इसके अलावा कुछ नहीं। न देश से उनका कोई लेना-देना है और न ही देश के गरीबों से उनका कोई लेना-देना है और न ही देश पर मर मिटने वाले देश के महापुरुषों से उनको कोई लेना-देना है, किसी से कुछ लेना देना नहीं है सिर्फ राजनीति की रोटी सेकनीं हैं। हम महात्मा गांधी जी के जन्म दिवस के अवसर पर और लाल बहादुर शास्त्री जी जन्मदिवस की वर्षगांठ लोग मना रहे हैं उसमें भी विपक्ष के शामिल न होने से जो संदेश हिन्दुस्तान में गया होगा, उसके बारे में हमको सोचना पड़ेगा। हम इसलिए आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि मुख्य मंत्री जी ने हमको पिछड़ों के साथ मिलकर काम करने का अवसर दिया है। हमारे दिव्यांग भाइयों के साथ काम करने का अवसर दिया है। मैं श्रद्धेय मुख्य मंत्री जी का दिल से आभार प्रकट करना चाहता हूं। मैं जानता हूं कि हमारे तमाम विधायकगण अपनी बात को रखना चाहते हैं। मुझे 3 बजे भोर में बोलना था और अब मुझे बोलने का मौका मिल पाया है। इसलिए मैं प्रयास करूँगा कि मैं बहुत कम समय में अपनी बात को समेटकर रोकूं। मैं पूज्य प्रधानमंत्री जी की एक बात के साथ अपनी बात को शुरू करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

तो क्या अब आप शुरू कर रहे हैं।(सदन में हँसी)

श्री अनिल राजभर-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं पांच मिनट के अन्दर अपनी बात को रखना चाहता हूं। अब से पहले की सरकारें 7 प्रकार की दिव्यांगता को परिभाषित कर रहीं थीं। मैं दिल से बधाई देना चाहता हूं कि जिसको सम्बल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, जिसको सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत हो, उसके मन को उसकी तकलीफ को समझते हुए दिल्ली की सरकार ने पूज्य प्रधानमंत्री जी की सरकार ने 21 प्रकार की दिव्यांगता को परिभाषित करके आज दिव्यांग जनों के अन्दर भी उम्मीद का एक चिराग रोशन किया है उनके मनोबल को बढ़ाने का काम किया है। आज दिव्यांग भाइयों को लगता है कि हमारी सरकार हमारे साथ खड़ी है और माननीय मुख्य मंत्री जी का भी मैं स्वागत करना चाहता हूं कि जो बात निकली थी उसको उत्तर प्रदेश के धरातल पर उतारने में हमारे मुख्य मंत्री जी ने भी देर नहीं की और यहां हम 21 प्रकार की दिव्यांगता को हम आज परिभाषित कर रहे हैं। हम हर प्रकार से उनके सामने हम खड़े रहना चाह रहे हैं। पहले उनको विकलांग कहा जाता था, किस तरह की हीन भावना उनके अन्दर आती होगी किस तरह से उनका मनोबल टूटता होगा, किस तरह से उनके अन्तर मन एक निराशा में बैठती होगी। माननीय अध्यक्ष जी, इसका सहज अंदाजा हम लोग लगा सकते हैं लेकिन प्रधानमंत्री जी ने कहा कि इनके अन्दर दिव्य शक्ति है।

भगवान ने कहीं कुछ कमी की है तो दूसरी तरफ से घुमाकर इनको दिव्य शक्ति प्रदान की है। बहुत से ऐसे उदाहरण हैं मैं आपके सामने उन उदाहरणों को नहीं रखना चाहता हूं क्योंकि लंबा वक्त उसमें जायेगा लेकिन कई ऐसे उदाहरण हम लोगों के सामने हैं कि हिन्दुस्तान के कई दिव्यांगों आज सिर्फ भारत के स्तर पर ही नहीं केवल हमारे देश के स्तर पर ही नहीं बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का नाम रोशन करने का काम वह कर रहे हैं। सरकार उनके साथ खड़ी है। पहले हम शिक्षा के क्षेत्र में उनको 4 प्रतिशत आरक्षण देते थे। मुख्य मंत्री जी यहां बैठे हैं मैं बधाई देना चाहता हूं कि उसको 1 प्रतिशत बढ़ाकर 5 प्रतिशत शिक्षा के क्षेत्र में आरक्षण देने का काम दिव्यांगजनों को हमारी सरकार के द्वारा किया गया है। नौकरी में 3 प्रतिशत आरक्षण का प्राविधान पूर्व की सरकारों ने किया था लेकिन हमारे योगी जी की सरकार ने उसको बढ़ाकर 4 प्रतिशत करने का काम किया है। आज हमारे दिव्यांग को लगता है कि कोई ऐसी सरकार चल रही है जो सच में हमारे लिए काम कर रही है जो हमको विकास की मुख्यधारा से जोड़ना चाहती है। हम उनके साथ काम कर रहे हैं। आज सिर्फ देश के स्तर का नहीं बल्कि दुनिया के स्तर का स्टेडियम हमारे दिव्यांग जनों के लिए बनाकर हमारी सरकार ने एक इतिहास बनाने का काम किया है। हम प्रयास कर रहे हैं मुख्य मंत्री जी के सामने भी यह विषय लेकर आएंगे कि दिव्यांगों का जो ओलम्पिक होता है उसके लिए हमारा प्रयास है कि

यदि मुख्य मंत्री जी का आशीर्वाद रहेगा तो भारत के अन्दर वह भी यू0पी0 की राजधानी लखनऊ के अन्दर हम दिव्यांगों का ओलम्पिक कराकर दिखाएंगे और उसके बाद जिस माहौल का निर्माण होगा उसका अंदाजा हम लोग लगा सकते हैं कि किस तरह का उनका मनोबल बढ़ेगा। तमाम प्रकार की सहायता हम लोग कर रहे हैं। अभी माननीय मुख्य मंत्री जी ने आदेश किया कि दिव्यांगजनों के लिए हमारे खजाने में पैसे की कोई कमी नहीं है। जिसको जो चाहिए हमारी सरकार उसको वह देगी। हम स्वागत करना चाहते हैं कि वह बच्चे जिनका कोक्लेयर इम्प्लांट कराकर, एक-एक बच्चे पर 6-6 लाख रुपये खर्चा करके उनकी जिन्दगी को पूरी तरीके से बदलने का काम उत्तर प्रदेश की सरकार हमारे मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में कर रही है। मुझे खुशी है इस सदन को बताते हुए कि अभी 59 ऐसे बच्चों का हम लोगों ने इम्प्लांट कराया है और आगे आने वाले दिनों में 159 बच्चों को चिन्हित् करने का काम अब उत्तर प्रदेश की सरकार और दिव्यांग जन विभाग ने किया है और आने वाले दिनों में हम 159 बच्चों का कोक्लेयर इम्प्लांट कराएंगे और उनकी जिन्दगी पूरी तरीके से बदल जायेगी। इसलिए हम आपसे कहना चाहते हैं कि 7 प्रकार के उपकरणों को बांटने का फैसला भी सरकार ने किया है। मुख्य मंत्री जी की दिशा-निर्देश पर जिसमें मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में रहने वाले तकरीबन 43 लाख दिव्यांग वह जो मांगे अपने सहयोग के लिए सरकार उनको वह सब कुछ देना चाहती है। अपने सभी सम्मानित माननीय विधायकगण साथियों से भी हम निवेदन करना चाहते हैं कि हम कैम्प लगवा रहे हैं। नये फार्म आज कार्यालय में उपलब्ध हैं। जो भी हमारा दिव्यांग भाई हो उसका आवेदन आप लोग जरूर करा दें और अगले महीने से हम अपने माननीय विधायकों के हाथ से उनके ही क्षेत्र में कैंप लगाकर दिव्यांग भाइयों के सहयोगी उपकरणों का वितरण कराने का काम हम लोग करने जा रहे हैं इसलिए मैं मुख्य मंत्री जी का विशेष तौर पर आभार प्रकट करने जा रहा हूं क्योंकि जब दिव्यांग भाई हमारे साथ आता है हमारे पास आता है उसकी ऑंखों में जो उम्मीद रहती है हम उसको बहुत अच्छी तरीके से समझते हैं। पूरी संवेदना के साथ मुख्य मंत्री जी ने उनकी तकलीफ को समझने का काम किया है आज दिव्यांग भाईयों का मनोबल बढ़ा हुआ है इसलिए माननीय अध्यक्ष जी मैं अपने मुख्य मंत्री जी का बहुत आभार प्रकट करना चाहता हूं और मैं एक निवेदन और करना चाहता हूं कि तमाम कई ऐसी योजनायें हैं। कई ऐसे विद्यालय और कई ऐसे शिक्षण संस्थान हम चला रहे हैं। अब से पहले कई ऐसी संस्थायें थी शिक्षण से सम्बन्धित जो मण्डल स्तर पर भी नहीं थीं, जिले स्तर की बात हम छोड़ ही दें लेकिन तमाम ऐसे शिक्षण संस्थाओं को माननीय मुख्य मंत्री जी के दिशा-निर्देश पर हम जिले के स्तर पर लेकर आ रहे हैं, मण्डल के स्तर पर भी ला रहे हैं।

हम रीजन के स्तर पर भी लेकर आ रहे हैं और प्रदेश के स्तर पर भी जो हमारी यूनिवर्सिटी है उसके और भी उच्चीकरण और उसके सौन्दर्यीकरण का काम हमारी सरकार ने अपने हाथ में लिया है उस पर हम लोग काम करने जा रहे हैं। यह पिछड़े वर्ग के हमारे लोग

है बहुत बातें होती रही हैं माननीय अध्यक्ष जी लेकिन आज राजभर हो, बिन्द हो, नूनिया, चौहान हो, केवट मल्लाह हो, पाल गड़ेरिया हो, प्रजापति कुम्भहार हो, मैं कहना चाहता हूं कि ये लोग जिनके साथ 70 वर्ष तक जिनके हक और अधिकार के साथ सिर्फ खिलवाड़ किया गया है आज उन लोगों को लगता है कि एक ऐसी सरकार बनी है आज देश का नेतृत्व ऐसे महापुरुष के हाथ में है जो सच में महात्मा गांधी के रास्ते पर चल रहा है जो हमारी गरीबी को खत्म करना चाहता है। हमें विकास की मुख्यधारा से जोड़कर हमें भी सम्मान की जिन्दगी जीने देना चाहता है। आज तमाम हमारे मित्र पिछड़ा वर्ग के लोग, अति पिछड़ा समाज के लोगों का मनोबल बढ़ा हुआ है उनको लगता है कि हमारे जीवन में भी बदलाव होगा। इसलिए माननीय अध्यक्ष जी हम कहना चाहते हैं कि तमाम पिछड़े वर्ग के जो बच्चे हैं उनकी पढ़ाई लिखाई के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था की गई है आज हमारे समाज कल्याण विभाग के मंत्री जी यहां पर बैठे हैं माननीय मुख्य मंत्री जी के निर्देश पर कल हम लोगों ने कल सुबह महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस के अवसर पर छात्रवृत्ति वितरण करने का काम किया और बटन दबाकर कल सुबह तकरीबन साढ़े तीन लाख बच्चों की छात्रवृत्ति हम लोगों ने सीधे उनके खाते में पहुँचाने का भी काम किया और यह निरन्तर चलने वाली योजना है। हम 2 अक्टूबर को शुरू कर रहे हैं और 26 अक्टूबर तक हम इस योजना को चलाएंगे। 26 जनवरी तक हर बच्चे के खाते में छात्रवृत्ति पहुँच जायेगी। इस व्यवस्था का सुनिश्चित करने का भी हम लोग काम करेंगे। तमाम इस तरह की चीजें हम लोग चला रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी आपका इशारा हो रहा है। मैं हृदय से फिर से यह कहना चाहता हूं कि विश्व युद्ध के बाद तबाह हो चुके जापान और उसके 7 करोड़ लोगों ने जापान को विश्व शक्ति बनाने का काम किया था। आज जापान का अपना स्थान है। और आज तकरीबन हम लोग 130 करोड़ सजग हिन्दुस्तानी हैं। माननीय अध्यक्ष जी आज पूज्य बापू के जन्म दिवस पर यह विशेष सत्र बुलाया गया है। लाल बहादुर शास्त्री जी को भी हम श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। इस अवसर पर हम लोगों को संकल्पित होना चाहिए कि राजनीति एक सीमा तक, लेकिन देश की जब कोई बात आये तो पूरे देश को हमें एक सूत्र में पिरोकर खड़ा करने की आवश्यकता है। जब 130 करोड़ हिन्दुस्तानी खड़ा होकर प्रयास करेगा तो दुनिया की कोई ताकत हमको आगे बढ़ने से रोक नहीं सकती और इसी बात को हमारे पूज्य प्रधानमंत्री जी, हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी पूरे देश और प्रदेश को बताने का प्रयास कर रहे हैं। हमारी जो असंख्य ताकत है, मैन-पॉवर की इसको एक सकारात्मक सोच के साथ एक अच्छा वातावरण का निर्माण करके देशहित में इनको खड़ा करने की जरूरत है जिस तरह से पूज्य बापू ने पूरे देश को जंगे आजादी में खड़ा किया था। देश को बनाने के लिए पूरे देश को खड़ा होना पड़ेगा। मुझे लगता है कि इसी दिशा की तरफ और इसी सोच के साथ आज दिल्ली और प्रदेश की सरकार काम कर रही है। मैं एक बार पुनः आपका और अपने यशस्वी मुख्य मंत्री जी का यह विशेष सत्र बुलाने के लिए और एक अलग अंदाज से बापू को और लाल बहादुर शास्त्री जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने का जो आपने मुझे अवसर दिया है उसके लिए हृदय से मैं धन्यवाद देता

हूं, आप लोगों का आभार प्रकट करता हूं, साथ ही अपनी बात को रोकता हूं, आप सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

मो0 असलम राइनी। (सदस्यों द्वारा मेजों की थपथपाहट)। देखिये कैसा खैर-मखदम आपका हो रहा है।

***[13:45] श्री मोहम्मद असलम "राइनी" (एडवोकेट)-**

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। आज 150वीं, गांधी जी की जयन्ती के शुभ अवसर पर मुझे जो आपने बोलने का मौका दिया है। मैं आपका आजीवन आभारी रहूंगा। उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो 36 घण्टे का एक कीर्तिमान स्थापित करने के लिए भारत से लेकर के पूरे विश्व में जो एक रिकार्ड कायम करने के लिए कल से जो सदन माननीय अध्यक्ष जी चल रहा है, पार्टी की तरफ से नहीं, मैं व्यक्तिगत रूप से आभारी हूं, उत्तर प्रदेश की सरकार का (सदस्यों द्वारा मेजों की थपथपाहट) और मुझे यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी, मुझे अभी याद आ गया कि जब मेरे एक पैगम्बर साहब को युसूफ अली इस्लाम की जब नीलामी हो रही थी तो उसमें से गलती से एक बुढ़िया बोलने के लिए पहुंच गयी तो लोगों ने रोका कि तू कहां जा रही है, अरे इतने बड़े बादशाह की बोली बोलने में तू कहां अपना समय बरबाद करेगी? तो उस बुढ़िया ने जवाब दिया कि इतिहास में मेरा नाम तो लिख जायेगा। (सदस्यों द्वारा मेजों की थपथपाहट) मा0 अध्यक्ष जी, मैं इस विधान सभा का सदस्य रहूं या न रहूं, लेकिन असलम राइनी की अन्तरात्मा की आवाज यह बोलने के लिए मजबूर हो गयी है कि मैं यहां पर बोलूं (सदस्यों द्वारा मेजों की थपथपाहट) और अपना इतिहास भी कायम करूं कि कल जब दुनिया नहीं रहेगी या हम नहीं रहेंगे तो दुनिया वाले लोग यह कहेंगे कि विपक्ष में मोहम्मद असलम राइनी 'एडवोकेट' भी वहां पर अपना नाम लिखाने पहुंच गया। (सदस्यों द्वारा मेजों की थपथपाहट) माननीय अध्यक्ष जी, मैं जानता हूं कि आपके सदस्य 300 से ऊपर हैं और उस हिसाब के रेशियो से देखा जाय तो असलम राइनी को 300 मिनट तो बोलने का मौका दे दिया जाय। (सदस्यों द्वारा सदन में हंसी)

श्री अध्यक्ष-

एक आपके सहयोगी अनिल भी हैं, पहले वह समय ले चुके हैं।

श्री मोहम्मद असलम "राइनी" (एडवोकेट)-

मा0 अध्यक्ष जी मेरी कुछ बातें माननीय मुख्य मंत्री जी को अच्छी भी लगेंगी और कुछ बुरी भी लगेंगी। मैं माफी चाहता हूं लेकिन मैं सच कहूंगा फिर भी झूठ कहलायेगा और वह झूठ बोलेगा और लाजवाब कर देगा। माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश की एक योजना जिसको मैंने सबसे पहले सदन में उठाया था। माननीय मुख्य मंत्री जी उस समय सदन में बैठे थे,

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

विवेकाधीन कोष का। मैंने कहा था कि माननीय मुख्य मंत्री जी आपका पैसा गरीब मरीजों को जब पहुंचता है, वह तेरहवीं हो जाने के बाद पहुंचता है। आज मुझे कहने में जरा सी भी हिचक नहीं होगी कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने इसी सदन में कहा था कल मैं 75 जिलों को अपनी चिट्ठी भेज दूंगा और अब 06 महीना और 08 महीना समय नहीं लगेगा। आज मैं इस सदन के माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि आपके कामों से 03 दिन के अन्दर रिपोर्ट जिलाधिकारी लगाने के लिए मजबूर है और मैंने माननीय अध्यक्ष जी, गोरखपुर, गोण्डा, बाराबंकी और फैजाबाद के मरीजों को भेजा है वहां पर और वहां के जिलाधिकारियों ने चिट्ठी पहुंचने से पहले 03 दिन के अन्दर उस मरीज को अपनी संस्तुति दे दी इससे बड़ा धन्यवाद मैं क्या दे सकता हूं, मान्यवर। हां अगर, 02 साल के बाद कुछ जिलों में जैसे-श्रावस्ती और बहराइच। वहां से हमारे श्रावस्ती में तहसीलदार की कमी की वजह से दो-दो महीना लग रहा है। मैंने एक दिन डी0एम0 बहराइच से भी बात किया था कि हम और माननीय मुख्य मंत्री जी, ये पूरा सदन एक माध्यम हैं, जिन्दगी तो ईश्वर देता है माननीय अध्यक्ष जी। अगर हम थोड़ा-सा पहल कर लें और इसको देख लें तो मरीज को जिन्दगी अगर मिल जाय उत्तर प्रदेश की सरकार से तो इससे बड़ा पुण्य का कार्य मैं समझता हूं कोई नहीं होगा। माननीय अध्यक्ष जी, सबसे बड़ा पुण्य का कार्य जो माननीय मुख्य मंत्री जी अपने कोष से पैसा देते हैं और माननीय अध्यक्ष जी मैंने बहुत गहराई से छान-बीन किया है, हमारे और भी पार्टी के लोग, अभी कहेंगे कि आज तो सीधे असलम राइनी पढ़ रहे हैं ऐसा तो नहीं कि आज भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ले रहे हैं। (सदस्यों द्वारा सदन में हंसी) लेकिन मैंने बहुत गहराई से अध्ययन किया है और पंचम तल पर जाकर मैं आपके सहयोगकर्मियों से मिला हूं और जहां तक मुझे पता चला है कि माननीय मुख्य मंत्री जी चाहे दिल्ली से आयें, चाहे गोरखपुर से आयें, चाहे प्रदेश के किसी भी दौरे से लौट करके आते हैं अगर रात को 11 बजे पहुंचते हैं, 2 बजे पहुंचते हैं तो सबसे पहले ये विवेकाधीन कोष की फाइल पर दस्तखत करते हैं। मैं इनके माध्यम से आपको बधाई देना चाहता हूं कि इससे बड़ा पुण्य का कार्य मैं समझता हूं कि कोई नहीं हो सकता।

माननीय अध्यक्ष जी मेरी दूसरी तरफ एक सवाल और भी उठाया था कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत-से हमारे जो राजनैतिक द्वेष भावना से केस लगे हुये हैं तो मैंने सदन में कहा था कि हमारे माननीय सदस्यों का केस कब वापस करेंगे। ऐसा मैं भी एक पीड़ित हूं, 2007 में धारा-120 बी, 109 और 366 में मुझे फंसाया गया। मैं समझता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री जी इस पर जरूर गौर करेंगे और जितने भी हमारे ऐसे सदस्य पीड़ित हैं, राजनैतिक द्वेष भावना से ग्रसित हैं, सभी पर विचार करना चाहिए माननीय मुख्य मंत्री जी को। अध्यक्ष जी, द्वेष भावना से अगर किसी का अपमान होता है तो हम लोगों के गार्जियन माननीय मुख्य मंत्री जी और आप हैं। संरक्षण आप नहीं देंगे या माननीय मुख्य मंत्री जी नहीं देंगे तो कौन देगा। माननीय अध्यक्ष जी, एक योजना आपकी चल रही है, प्रधानमंत्री आवास योजना। अभी

2019 का एक चुनाव हुआ है, मैं अपने जनपद-श्रावस्ती से आता हूं और मुझे कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। माननीय अध्यक्ष जी शहर में 560 मुस्लिम परिवार को (सदस्यों द्वारा मेजों की थपथपाहट) हमारे जनपद-श्रावस्ती में जब इनको आवास देने का काम हुआ तो 2019 का इलेक्शन जीतने के बाद मैंने उन परिवारों से जब पूछा कि आप लोगों ने वोट किसको दिया तो उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी को वोट दिया। (सदस्यों द्वारा मेजों की थपथपाहट) क्योंकि 40-50 साल से मैं इस त्रिपाल और टीन के शेड में रहता था और ढाई लाख रुपये दे करके माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो गरीब परिवार को छत दिया है, उनकी दुआयें कभी फेल नहीं होंगी। माननीय अध्यक्ष जी, एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि आज हमारे बीच में पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी तो नहीं है लेकिन आपके माध्यम से जो गढ्ढा मुक्त जो योजना चल रही थी। मैं इस पर भी आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, 24 जुलाई को मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से वी0आई0पी0 कैण्टीन में मिला था। मैंने आपसे अनुरोध किया था कि मेरे जनपद-श्रावस्ती में भिन्गा से लक्ष्मणपुर जाने वाली रोड पर, 4-4 फुट पर गढ्ढा है और आवागमन अवरूद्ध है, हो सके तो इसे बनवा दीजिये। दूसरा मैंने आपसे निवेदन किया था माननीय अध्यक्ष जी कि भिंगा से राजपुर मोड़ जाने वाली रोड वहां पर बहुत ही जर्जर है और सिंगल रोड है, तीसरा मैंने निवेदन किया था माननीय मुख्य मंत्री जी से कि जमुनहा से बहराइच जाने वाली रोड पर, 3-3 फुट तक गड्ढा है वहां पर अभी तक कोई कार्य नहीं हुआ और सबसे दिलचस्प बात माननीय अध्यक्ष जी वह यह है कि हमारे घर के सामने, मेरे आवास के सामने 2 किलोमीटर की रोड पर आये दिन लोग गिरते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने पैसा स्वीकार कर दिया लेकिन अभी तक माननीय अध्यक्ष जी पैसा नहीं आया। मुझे विश्वास है कि आज मैं इस सदन में आया हूं अगर मैंने अपने जनपद के और पूरे मण्डल के और पूरे लोगों का मैंने अगर आज अपनी बात आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से अगर कह दिया हूं तो निश्चित है कि इस पर जरूर गौर करेंगे। तीसरा-समाज कल्याण विभाग, माननीय अध्यक्ष जी खास-तौर-से मैं जिस समाज से आता हूं मुस्लिम परिवार कलेक्ट्रेट या सार्वजनिक रूप से अपनी बेटियों की शादी करने के लिए तैयार नहीं होता लेकिन अब फिर अगर एक बार मैं धन्यवाद दूंगा तो हमारे क्षेत्र के लोग कहेंगे कि विधायक जी का आज, असलम राइनी का कोई तरीके से विलय तो नहीं हो गया। (सदस्यों द्वारा सदन में हंसी)

श्री अध्यक्ष-

अब आप डरिये मत। जब प्यार किया तो डरना क्या? (सदस्यों द्वारा सदन में हंसी और मेजों पर थपथपाहट)

श्री मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, बहुत अच्छी लाईन आपने याद दिला दिया, इसका सनटेन्स मैं पूरा कर देता हूं। ''तेरी महफिल में आकर किस्मत हम भी आजमाकर देखेंगे, और जब प्यार किया तो डरना क्या?'' माननीय अध्यक्ष जी, मैं फिर माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता

हूं कि 33,000 से ले करके 51,000 रुपये जो हमारी बेटियों की शादी के लिए दे रहे हैं। आज सैकड़ों परिवार, आपको विश्वास नहीं होगा माननीय अध्यक्ष जी कि ऐसे-ऐसे परिवार हैं, हम जिस जनपद से आते हैं, वहां बेटियां बैठी रह जाती हैं, उनकी शादियां नहीं होती हैं लेकिन ये योजना चलाकर माननीय मुख्य मंत्री जी ने और उत्तर प्रदेश की सरकार ने तमाम बेटियों के हाथ जो पीले किये हैं, मैं उनका तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूं। यकीन मानिये अध्यक्ष जी, उस बाप के दिल से पूँछिये जिसकी जवान बेटियाँ उसके घर में हों और उनकी शादियाँ 25 साल, 30 साल हो जाने के बाद, 35 साल हो जाने के बाद उन बेटियों की शादी केवल आर्थिक स्थिति सही न होने की वजह से जिन बेटियों के हाथ पीले नहीं होते थे। आज माननीय योगी जी ने जो कार्य किया है, मैं अपनी तरफ से उनको धन्यवाद देता हूं और मैं जानता हूं कि ऐसा पुण्य कार्य जो आपने उत्तर प्रदेश में किया है लोग उसकी सराहना करें। (सदस्यों द्वारा मेजों पर थपथपाहट) माननीय अध्यक्ष जी, मैं फिर आपके माध्यम से अपनी अन्तरात्मा की आवाज से इस सदन में आपकी सरकार की कुछ कमियों के बारे में भी कुछ कहूंगा। इसमें मेरी गलती नहीं है लेकिन अगर मैं माननीय योगी जी को, माननीय मुख्य मंत्री जी को अगर कमियाँ नहीं बताऊँगा तो वह दूर कैसे होंगी। आज तो मैं अपने विपक्ष के सदस्यों से कहना चाहता था कि वो आते और पूरी बात माननीय मुख्य मंत्री जी से कहते तो कम-से-कम कुछ नहीं तो 10 परसेन्ट बात भी अगर माननीय मुख्य मंत्री जी सुनते तो वह पूरे प्रदेश का फायदा होता। माननीय अध्यक्ष जी, मैं तीसरे प्वाइंट पर आता हूं जिसमें भू-माफिया को आज पूरी तरह से उत्तर प्रदेश में खत्म कर दिया गया है। जितने लोगों ने जी0एस0 लैण्ड और जिन्होंने कई सालों से कब्जा कर रखा था उसमें माननीय मुख्य मंत्री जी का डण्डा चला। आज लोग ग्राम समाज की जमीन से अलग हो गये हैं। अध्यक्ष जी, इस विषय में मेरी पत्नी भी कहा करती है कि वर्ष 2013 में मेरी दो जमीनें थीं और कहा कि जब 2013 में जमीन खरीदी गयी है तो उस संबंध में मैंने दस या बारह लेटर पंचम तल पर दिए कि हो सकता है कि मेरी भी जमीन खाली हो जाये। आज जब मैं चलने लगा तो मेरी पत्नी ने कहा कि वह जमीन कब खाली होगी। माननीय अध्यक्ष जी, बलरामपुर में मैंने एक जमीन बैनामे से खरीदी थी जो आज तक खाली नहीं हुई है और एक जमीन 2013 में बाराबंकी में खरीदी थी। इत्तेफाक था कि वह जमीन मेरी पत्नी के ही नाम पर थी। कम से कम मेरी भावनाओं को देखते हुए और खासतौर से घर में जब परिवार होता है तो उसकी अपेक्षाएं ज्यादा बढ़ जाती हैं। मैं समझता हूं कि इस चीज को माननीय मुख्य मंत्री जी जरूर नोट करेंगे और कम से कम मेरे निजी मामले पर जरूर गौर करेंगे। जहां तक कानून व्यवस्था की बात है मुझे यह कहने में जरा भी संकोच नहीं है कि यदि कानून व्यवस्था में पूरे उत्तर प्रदेश में किसी का डण्डा अगर सही ढंग से चला है तो हमारी नेता बहन कुमारी मायावती जी और उसके बाद यदि किसी का सही डण्डा चला है तो माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी का। इसको कहने में हमें जरा-सा भी डर नहीं है कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो आज अपना डण्डा चलाया है उससे ग्राफ में कमी आयी है लेकिन इतना

बड़ा प्रदेश कहां तक सम्भालेंगे। अभी एक बहराइच का केस हुआ था, नगरौरा में एक 24 साल के बच्चे का कत्ल हो गया। हां कुछ लोग माननीय मुख्य मंत्री जी की छवि को धूमिल करना चाहते हैं। एक दरगाह शरीफ के एस0एच0ओ0 हैं देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, मैंने उनसे बात की। माननीय मुख्यमंत्री जी, किसी का रिश्तेदार कोई अगर पूछने जाये कि 302 में आप मुझे क्यों फॅसाना चाहते हैं तो उसको बैठा लिया और कहा कि 5 लाख रुपये दोगे तब जाकर तुमको छोड़ेंगे। यह तो कहिए कि वहां के एस0एस0पी0 ने बहुत सूझबूझ से काम लिया जो उस परिवार को 302 से बचाया लेकिन मैं इस सदन के माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को यह जरूर कहना चाहता हूं कि आप डर कर कोई काम न करें, डण्डा आप बहुत जोर-से मारिए क्योंकि यदि आपका लॉ एण्ड आर्डर मजबूत होगा तो इस प्रदेश की जनता खुशहाल रहेगी। तीसरी सबसे बड़ी योजना शौचालय योजना है, 'स्वच्छ भारत मिशन' । प्लास्टिक को देखने में, कहने में बहुत हल्का लगता है परन्तु जो कल से यहां हो रहा है, मैं सदन की पूरी कार्यवाही टी0वी0 पर देख रहा था। आपने जो पूरे उत्तर प्रदेश से या पूरे भारत से जो प्लास्टिक को खत्म किया है उसके लिए मैं तहेदिल से माननीय मुख्य मंत्री जी का शुक्रिया अदा करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, शौचालय योजना में कहना चाहूंगा कि आपको यकीन नहीं होगा कि मैं जिस जंगल से आता हूं वहां पर शाम होते ही लाइन लग जाती थी। कितनी शर्म महसूस होती थी कि घर की बहू-बेटियों के पास शौचालय नहीं है। शौचालय न होने के कारण मजबूरी में उनको शौच के लिए सड़कों पर और खेतों में जाना पड़ता था।

आज मुझे कहने में जरा-सी भी हिचकिचाहट नहीं है कि जो योजना पूरे भारत में माननीय प्रधानमंत्री जी ने बनायी है उसकी जितनी भी तारीफ की जाये वह कम है। माननीय अध्यक्ष जी, लाखों शौचालय जो बन गये हैं उसमें 90 प्रतिशत लोगों को बाहर शौच के लिए अब नहीं जाना पड़ता है और अब वह शौच अपने निजी शौचालय में करते हैं। अध्यक्ष जी, यह 12 हजार रुपये जो उत्तर प्रदेश सरकार गरीबों को शौचालय बनाने के लिए देती है, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि जिस प्रकार आपने शादी का 35 से लेकर 51 बढ़ाया है मेरा आपसे अनुरोध है कि कम से कम इसको 12 से बढ़ाकर 20 तक यदि कर दें तो मैं आपको यह विश्वास दिलाता हूं कि उत्तर प्रदेश में मैदान में कोई शौच करने नहीं जायेगा। मान्यवर, कानून व्यवस्था के संबंध में मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी, जो आज सदन में बैठे हुए हैं उनसे कहना चाहूंगा कि लोग कुछ भी समझें लेकिन यह 404 का जो सदन है उसके गार्जियन, उसके पिता और उसके अगुवा माननीय योगी आदित्यनाथ जी आप हैं। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे ऊपर या किसी सदस्य के ऊपर अगर कोई केस लगता है तो पूरा उत्तर प्रदेश यही कहता है कि मुख्य मंत्री जी ने लगवा दिया है। बदनाम आप होते हैं। मैं आपका ध्यान उस सदस्य की ओर ले जाना चाहता हूं जहां पर मुस्लिम समाज के लोग उस यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। आज यदि शिक्षा की कमी है तो हमारे समाज में शिक्षित लोग बहुत कम हैं। उसका कारण यह है कि हम लोगों का परिवार अशिक्षित

है लेकिन एक सदस्य ने यदि कोई यूनिवर्सिटी खोली और उसके ऊपर अगर 83 मुकदमें लगाये गये तो इस पर भी हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी की जो बदनामी हो रही है क्योंकि यहां पर जितने भी सदस्य बैठे हुए हैं यह सब आपके सहयोगी हैं, आपके परिवार के हैं, आपके घर के हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि जब माननीय मुख्य मंत्री जी का दिल साफ है, गंगाजल की तरह पवित्र हैं तो आजम खां के ऊपर लगाये हुए केस इनको वापस ले लेने चाहिए क्योंकि वह भी इस सदन के एक सदस्य थे।

(सदन में सभी सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

कृपया आप लोग शांत रहिए।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, यदि ऐसा होता है तो एक संदेश यह जायेगा कि उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्य मंत्री जी का दिल साफ ही नहीं है बल्कि बहुत बड़ा है जो सभी सदस्यों का ध्यान रखते हैं।

(व्यवधान जारी)

श्री अध्यक्ष-

वह अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, एक योजना प्रधानमंत्री गैस या उज्ज्वला योजना है। मैं इस बारे में भी आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि जिस जनपद से मैं आता हूं वहां लोग स्टोप जलाने के लिए डरते थे। आज माननीय प्रधानमंत्री जी ने और माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो घर-घर गैस कनेक्शन देने का काम किया है, वह कनेक्शन ही नहीं दिया है बल्कि मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि मेरी भी एक-दो बहनें थीं और उस समय जब वह चूल्हा फूँकती थीं तो उससे उनकी आंखे कमजोर हो गयी थीं। आज मुख्य मंत्री जी ने जो गैस योजना और माननीय प्रधानमंत्री जी ने जो घर-घर गैस कनेक्शन दिए हैं उससे लाखों परिवारों की आंखों को आपने बचाया है और उनको रोशनी देने का आपने काम किया है। मैं आपका व्यक्तिगत रूप से आभारी हूं और आपको इसके लिए धन्यवाद देता हूं।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय हो गया है।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, हमारे उत्तर प्रदेश में कुछ खनन माफिया हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप अंतिम बात कह दीजिए।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने पूरी बात के लिए तीन सौ मिनट का अवसर दिया है।

श्री अध्यक्ष-

आप अपने समय से कुछ और लोगों को समय दे दीजिए।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

अध्यक्ष जी, अभी तो बहुत कुछ आगे बाकी है, आगे देखते रहिए क्या होता है।

श्री अध्यक्ष-

आप संक्षेप करिए, बहुत लोगों को बोलना है।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, बालू के खनन पर खासतौर से हमारे जनपद श्रावस्ती के संबंध में आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि हमारे यहां राजस्व की हानि बहुत हो रही है। मैंने कम से कम 21 लेटर लिखे हैं। यहीं आपके प्रमुख सचिव गृह जी ने हमारे देवीपाटन मण्डल के कमीश्नर और डी0आई0जी0 को उसका अध्यक्ष बनाकर भेजा लेकिन आज तक यह लोग जांच करने नहीं गये। यह राजस्व की हानि कर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से इतना जरूर कहना चाहूंगा कि राजस्व की हानि न होने पाए बल्कि इस पर अंकुश लगना चाहिए। मान्यवर, मैं भी ऐसे जनपद से आता हूं जहां हमेशा बाढ़ आती है। मैंने अपनी ऑखों से देखा है कि जब 14 अगस्त को माननीय मुख्य मंत्री जी हमारे जनपद में पधारे थे तो जो पैकेट उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से दिया जाता है उन गरीबों के लिए, वह एक दिन का भोजन नहीं होता है। उस पैकेट को उठाने के लिए मैंने स्वयं हाथ लगाया था। जब आप माननीय मुख्य मंत्री जी हमारे जनपद गये थे तो आप उस पैकेट से एक महीने का राशन देने का काम करते हैं जिसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से आपका आभारी हूं। वहां जनपद के बाढ़ पीड़ित लोग आपके इस कार्यक्रम से प्रभावित हैं। आपको वह लोग कोटि-कोटि धन्यवाद देते हैं। अध्यक्ष जी, परिवहन विभाग के विषय में मैं कहना चाहता हूं कि मैं जिस जनपद से आता हूं उस जनपद श्रावस्ती में जहां पर एक फीट भी रेल लाइन नहीं है। हम लोग रेल लाइन से महरूम हैं। परिवहन विभाग के डिपो की बिल्डिंग तो बन गयी है यदि थोड़ी-सी कृपा माननीय मुख्य मंत्री जी की हो जाये तो वहां डिपो बनवाकर उसको संचालित करा दिया जाये। हमारे जनपद श्रावस्ती के लोग माननीय मुख्य मंत्री जी को, उत्तर प्रदेश सरकार को कोटि-कोटि धन्यवाद देंगे। मैं आपके माध्यम से अनुरोध कहना चाहता हूं कि हमारे जनपद श्रावस्ती में परिवहन विभाग के डिपो और वर्कशाप को बनवाने के लिए मेरी तरफ से आप जरूर अनुरोध करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

बहुत-बहुत धन्यवाद। अब छोड़िए वह कागज, खत्म करिए। कोई एक बात कह लीजिए।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, एक आखिरी बात रह गयी है वह कह लूं। हमारे जो माननीय सदस्य यहां बैठे हैं मैंने इनके संबंध में भी एक प्रश्न करवाया था और आपके माध्यम से भी यह अनुरोध किया था कि पूर्व की सरकारों ने माननीय सदस्यों को विला और जमीन देने का कार्य किया था। आज माननीय मुख्य मंत्री जी बैठे हुए हैं अगर असलम राइनी के आने से यदि इन 403 लोगों का भला हो जाये और इनको एक विला मिल जाये जबकि माननीय मुख्य मंत्री जी को अपनी जेब से नहीं देना है, हम लोगों को अपनी निधि से देना है। माननीय मुख्य मंत्री जी इस पर भी आप विचार कर लें। हम लोगों की सैलरी आज तक आपने नहीं बढ़ायी है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपके विचार आ गये।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, इसमें आपका भी भला है, आप भी एक सदस्य हैं।

(सदन में हँसी)

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, इसमें तो आपको हमें बोलने का पूरा अवसर देना चाहिए। यह जो विधायक निधि है उसमें मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज मौका भी है और दस्तूर भी है इसको पांच करोड़ करा दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिए। अब तो आपकी बात आ गयी।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैंने अपनी पूरी बात कह तो दी है लेकिन एक चीज जो रह गयी है उसको कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। माननीय अध्यक्ष जी, मैं भारतीय जनता पार्टी का जो संगठन है। मैं जानता हूं कि जबसे मैं बहुजन समाज पार्टी में था और हूं आज भी (हँसी और मेजों की थपथपाहट) माननीय अध्यक्ष जी, बीच में मैं कॉग्रेस में चला गया था। इसलिये मैं बात कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष-

क्या पिछले सत्र से इस बीच में कई जगह हो आये क्या।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी, बहुत ही महत्वपूर्ण यह विषय है। मैं 2002 में बहुजन समाज पार्टी से चुनाव लड़ा था 132 वोट से मैं हारा था। संगठन बहुजन समाज पार्टी की लोग एक प्रशंसा करते थे। लेकिन माननीय अध्यक्ष जी, आज भारतीय जनता पार्टी बहुत आगे बढ़ चुकी है और मैंने डीपली इसके बारे में रिसर्च किया है। माननीय बंसल जी को मैं नहीं जानता हूं लेकिन उन्होंने एक एक बूथ के कार्यकर्ताओं को जो उन्होंने शिक्षा दी है, आज हम लोग पीछे हो गये हैं (हंसी) और उसके बाद आज सारी पार्टियों के लोग कहेंगें कि ई0वी0एम0 चुनाव जीतती है। माननीय अध्यक्ष जी जो परदेश और देश में कार्य करेगा वही आगे बढ़ेगा। ई0वी0एम0 चुनाव नहीं जीतती है, काम चुनाव जीतता है।(मेजों की थपथपाहट) इसलिये आज हम लोग पीछे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, मेरी आस्था बहुजन समाज पार्टी में है और रहेगी लेकिन आज हम लोग भटक गये हैं। माननीय अध्यक्ष जी, आज हम लोग संगठन से बहुत दूर हो गये हैं। क्योंकि वहां पर हम जैसे विधायकों की कोई वैल्यू नहीं है। माननीय अध्यक्ष जी, वहां पर जोन इन्चार्ज जो कहेगा वही माना जायेगा। और हमारी नेता हम लोगों को यह नहीं समझती हैं कि 18 लोग हैं कम से कम इन लोगों से भी कभी राय ले ली जाय। आज हम लोग पीछे हैं और उसके बाद यह आरोप लगाया जाता है कि ई0वी0एम0 चुनाव जीत जाती है।

श्री अध्यक्ष-

अब तो आपकी सब बातें हो गईं।

श्री मोहम्मद असलम 'राइनी' (एडवोकेट)-

माननीय अध्यक्ष जी मैं, आज फिर आपके माध्यम से अपने प्रदेश के मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि जो योजना आप चला रहे हैं हम इससे प्रभावित हैं और यह मेरा निजी फैसला है जो मैंने आज अन्तर्रात्मा की आवाज से मैंने आज इस सदन में आने का काम किया क्योंकि मैं कल पूरी रात नही सो पाया माननीय अध्यक्ष जी। क्योंकि ऐसे शुभ अवसर पर जो 36 घंटे का रिकार्ड उत्तर प्रदेश सरकार बना रही हो उसमें अगर कोई भी सदस्य शरीक नहीं होता है तो मैं समझता हूं कि उससे बड़ा दुःख और कुछ नहीं होगा क्योंकि आज प्रदेश सरकार की अगर कुछ अच्छाइयां भी हैं तो उसमें कम से कम इनके बारे में, इनकी कमियों के बारे में अगर उजागर किया जाता तो ऐसा नहीं है कि माननीय मुख्य मंत्री जी हम लोगों की बात न सुनते। इसलिये मैं पूरे सदस्यों को एक बार पुनः धन्यवाद देता हूं और यदि किसी को कोई चोट पहुँची हो तो मैं उसके लिये माफी चाहता हूं। जयहिन्द जय भारत।

(श्री शिव पाल सिंह यादव जी का नाम पुकारे जाने पर मेजों की थपथपाहट)

*[14:18] **श्री शिवपाल सिंह यादव-**

अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर 36 घंटे तक निरन्तर चलने वाले प्रदेश के विधान मंडल के इस विशेष ऐतिहासिक सत्र के आयोजन के लिये मैं आपको साधुवाद देता हूं।(मेजों की थपथपाहट) जैसा कि बताया गया है कि इस सत्र का उद्देश्य सतत विकास के सोलह लक्ष्यों पर चर्चा करना है। मेरे लिये इस सत्र के प्रति आकर्षण का मुख्य कारण इस सत्र के आयोजन के केन्द्र राष्ट्रपति महात्मा गांधी जी का होना है। गांधीवादी मूल्य और उनके तमाम तरीके न केवल भारत के लिये बल्कि पूरी दुनिया के लिये आज भी प्रासांगिक हैं। गांधी जी का दर्शन ही देश की समृद्धि और खुशहाली का वास्तविक मार्ग है। उनकी शिक्षा का अनुसरण ही उनके प्रति हम सब लोगों की तरफ से सच्ची श्रृद्धांजलि होगी। माननीय अध्यक्ष जी, मैंने अपने विधान सभा क्षेत्र जसवंतनगर के जनप्रतिनिधि के रूप में और इस प्रदेश के एक नागरिक के रूप में यह आवश्यक है कि मैं अपने क्षेत्र और प्रदेश की समस्या और जन भावना को इस पटल पर रखूं और आप सभी को उससे अवगत कराऊं। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे कुछ महत्वपूर्ण प्रशंसनीय कार्यों को भी रेखांकित करना चाहता हूं। प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था का, प्रशासन और बेरोजगारी की ओर भी आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, 2019 में भारतीय दिवस, इन्वेस्टर्स समिट जैसे कई विशाल आयोजन हुए हैं। इसके लिये सरकार के मुखिया माननीय मुख्य मंत्री जी को मैं बधाई देना चाहूंगा। (मेजों की थपथपाहट) इस कार्यक्रम में प्रदेश की बेहतर छवि का निर्माण हुआ है। निवेश की संभावना का विस्तार हुआ है परन्तु जितने निवेश की आवश्यकता थी उतना निवेश नहीं हुआ है और इसी क्रम में वर्तमान सरकार ने प्रदेश को हरा भरा बनाने के लिये वृक्षारोपण, महाकुंभ के अन्तर्गत 22.59 करोड़ वृक्षों का रोपण किया है जिसकी अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हुई है। यह बहुत सुन्दर आयोजन रहा है, इसकी हम सराहना करते हैं। भारत सरकार द्वारा संचालित उज्जवला योजना के तहत् राज्य के 1.35 करोड़ गरीबों को लाभान्वित किया गया उन्हें एल0पी0जी0 कनेक्शन दिये गये इससे महिलाओं की समस्याओं का भी समाधान हुआ है परन्तु हम सरकार से मांग करते हैं कि गैस सिलेन्डर भरवाने के लिये अधिक से अधिक सब्सीडी की बहुत आवश्यकता है। अगर सब्सीडी नहीं मिली तो बहुत गरीब लोग हैं। गैस तो इनको मिल गया है लेकिन उस सिलेन्डर को भरवाने में उन्हें बहुत परेशानी होगी। गरीबी की रेखा से नीचे बहुत लोग हैं। आज भी अगर हिन्दुस्तान में देखा जाय तो कई परिवारों में 100 रुपया प्रति परिवार भी कमाना बहुत मुश्किल हो रहा है तो उनके लिये यह गैस भरवाना तो बहुत परेशानी होगी। इसलिये मेरा सुझाव है कि अगर उस पर सब्सीडी देंगें तो जो योजना चलाई गई है उसका वह लाभ उठा सकेंगें। इसी तरह से प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी और ग्रामीण के अन्तर्गत प्रदेश में 25 लाख से

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अधिक आवास बनाकर प्रथम स्थान हासिल किया है। यह अच्छी बात है परन्तु हम सरकार से मांग करते हैं कि प्रदेश सरकार को अपने बजट में और भी मकान आवंटित करने की आवश्यकता हैं। अभी तो बहुत आवश्यकता है, अभी तो बहुत लोगों का भला नहीं हुआ है इसलिये यह आवंटन बढ़ाने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ 61 लाख परिवारों को शौचालय देकर प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है लेकिन इस क्षेत्र में हमें रिपोर्ट है कि कई जिलों में अधिकारियों द्वारा गलत आंकड़े पेश कर दिये गये हैं।

हमारा मुख्य मंत्री जी से आग्रह है कि इन आंकड़ों की जांच अवश्य करा लें। हमने तो देखा है माननीय अध्यक्ष जी, जो भी यह शौचालय बने हैं उनमें बच्चे तो जा सकते हैं लेकिन 40 साल, 50 साल, 60 साल के व्यक्ति उसमें बैठ भी नहीं सकता। आप गये होंगें, नहीं गये होंगें तो देख लीजियेगा जाकर। (हँसी) हर परिवार में 40 साल, 50 साल, 60 साल के लोग हैं। अगर उन शौंचालय में सीट अच्छी लगा दी जाती। आजकल तो घुटने 40 साल में काम नहीं कर रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं कई बार कह भी चुका हूं कि इस प्रदेश का नेतृत्व ईमानदार मुख्य मंत्री के हाथों में हैं(मेजों की थपथपाहट) मुख्य मंत्री प्रशंसनीय भी हैं। जन भावनाओं का सम्मान भी करते हैं लेकिन पुलिस और प्रशासन में बैठे लोग जन-भावनाओं को नहीं समझते। जन-भावनाओं का आदर नहीं करते हैं। यहां तक कि विधायकों की बात सुनते भी नहीं। विधायकों की बात नहीं सुन रहे पुलिस के लोग। पुलिस के साथ साथ प्रशासन में जो लोग बैठे है वह भी नहीं सुनते। कई उदाहरण हैं इस तरह के। हमने तो अपने जिले इटावा में भी देखा, फिरोजाबाद में भी देखा, मैनपुरी में भी देखा। थानों में और तहसीलों मे तो भ्रष्टाचार इतना पसरा पड़ा है कि बिना पैसे के कोई काम नहीं हो रहा है। मैने कई बार डी0एम0, एस0एस0पी0 से भी कहा है। अभी एक मामला हमारे जनपद में ऊसराहार थाना है। एक लड़की को उठा ले गये 13 दिन तक रखा और मैने जब बात करी एस0ओ0 से एस0एस0पी0 से तब भी उसकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। उसके बाद उस लड़की के पिता ने पता लगा लिया कि लड़की दिल्ली में एक कालोनी में है तब भी उससे एक गाड़ी 9 हजार रुपये में करवाई गई और 9 हजार रुपये के साथ साथ 25 हजार रुपये और ले लिये और तब वह एस0आई0 वहां दिल्ली गया और फिर लेकर आया और उसके बाद भी 13 दिन लड़की को रखने के बाद, रेप होने के बाद उसका मुकदमा नहीं लिखा गया और फिर मेडिकल भी नहीं किया गया। जब मुकदमा नहीं लिखा गया तो मेडिकल भी नहीं हुआ। मैंने कप्तान साहब से कहा कि इसको कम से कम 25000 हजार रुपये दिला दो तो कम से कम फिर हिम्मत नहीं पड़ेगी इस तरीके से पीड़ित लोगों को परेशान करने की। अगर पीड़ित लोगों के साथ इस तरह से किया जायेगा तो फिर न्याय कहां से मिलेगा। इस तरह की कई घटनाएं हैं। जसवंतनगर थाने में भी एक महिला के साथ रेप हो गया। चार दिन लगातार महिला और उस महिला के परिवार वाले भटकते रहे मुकदमा नहीं लिखा गया फिर मेडिकल क्या होगा। जब हफ्तों नहीं होगा तो क्या होगा। ऐसे

कई उदाहरण हैं। चोरी भी हो रही है। कई जगह तो चोरी हो गई मुकदमा आज तक नहीं लिखा गया। कम से कम मुकदमा तो लिखा जाना चाहिए था उसकी तफतीश होनी चाहिए थी तो जो इस तरह की घटनाएं हो रही हैं गरीब के साथ। इसलिये मैंने कहा कि मुख्य मंत्री जी आप तो ईमानदार हैं, मेहनती भी हैं, आप जन भावनाओं की कद्र भी कर रहे हैं। हम लोगों की बात भी सुन रहे लेकिन अभी और कसने की बहुत जरूरत है। अभी बहुत कसने की जरूरत है। प्रशासन में जो भी एस0एस0पी0, डी0एम0 हैं वह सुधर नहीं रहे हैं। अगर इस तरीके की घटनाएं होंगी तो फिर दूसरे लोग आएंगे। मैं एक सुझाव दे रहा हूं अगर उसे सुन लिया जाए तो फिर ठीक है। मान्यवर, खेती किसानी की हालत पहले ही खराब है। अन्नदाता आजादी के 70 साल बाद भी लागत मूल्य अभी तक नहीं निकाल पा रहा है। 70 सालों बाद किसानों की जो हालत है वह उसकी लागत भी नहीं निकाल पा रहा है। मैंने देखा कि पूरब में तो पानी बरस रहा है। चार दिन पहले हमारे कन्नौज से लेकर के इटावा से लेकर के, मैनपुरी से लेकर के, फिरोजाबाद से लेकर के पश्चिम में सूखा पड़ा हुआ था। नहरों में पानी नहीं आ रहा था उसकी वजह से किसान परेशान था। कनेक्शन के साथ-साथ जब ट्यूबेल पानी नहीं दे रहा था तो किसी तरह से किसानों ने अपना समरसेबिल टिल्लू पम्प लगा लिया। जिनके पास एक बीघा जमीन है, दो बीघा जमीन है, तीन बीघा जमीन है तो वह एक दिन में कितना पानी दे देगा तथा समर पम्प कितना पानी दे देगा? वहां के जे0ई0 और एस0डी0ओ0 ने जाकर के उन किसानों का टुल्लू भी रख लिया, समर भी रख लिया उसके साथ-साथ उन पर जुर्माना कितना लगा? कहीं एक लाख, कहीं दो लाख अगर किसान ने सोचा कि फसल में खाद लग गई है, मजदूरी लग गई है, धान की फसल आने वाली है तो उसने कहीं से समर और पम्प का उपयोग कर लिया है उसमें अगर जुर्माना करते तो चार या पांच हजार करते, लेकिन कितना जुर्माना एक लाख, दो लाख। जब मैंने सिफारिश की तो वहां का जेई और एस0डी0ओ0 बोला कि 15-15 हजार रुपये दे दो तो तुम्हारी रिपोर्ट नहीं लिखी जाएगी। कुछ ने 15 हजार रुपये दिया, यह हाल है हमारे बिजली विभाग का। मैं कल प्रधानमंत्री जी का भाषण सुन रहा था। मैं कल बदायूं गया था। वहां मेरे समाजवादी कार्यकर्ता की डेथ हो गई थी। मैं उनकी शोक-संवेदना में गया था। मैं जब प्रधानमंत्री जी का भाषण सुन रहा था तो कम से कम बिजली 1 घण्टे में 15 बार गई और आई। यह हाल है बिजली का। भले ही यहां पर आंकड़े दिये जा रहे हैं कि बिजली बहुत अच्छी आ रही है।

मान्यवर, मैं आपका इस ओर ध्यान आकृष्ट कर रहा हूं कि आज बापू महात्मा गांधी जी के जन्म दिन पर उनके आदर्शों पर बात हो रही है। उनकी विचारधारा पर बात हो रही है तो मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि गांधी जी का व्यक्तित्व बहुत बड़ा था। उन्होंने विदेशों में पढ़ाई की थी और विदेशों में जब पढ़े तो वहां से जब वह वापस आए तो वह कोट-पैंट पहना करते थे। जैसे ही उन्होंने भारत के लोगों की दुर्दशा देखी तो उन्होंने पैंट और कोट उतार कर यहां

की वेशभूषा पहनना शुरू कर दिया। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि गांधी जी से हम लोगों को बहुत कुछ सीखना चाहिए। उन्होंने सत्य और अहिंसा का संदेश दिया है। आपका तो वेद, रामायण और गीता का अध्ययन है। आप लिखते भी हैं और पढ़ते भी हैं। गीता का उपदेश जब अर्जुन ने सुना था तो अपने परिवार पर अस्त्र उठा लिये थे, लेकिन महात्मा गांधी ने हमें अहिंसा के रूप में जो अस्त्र दिया है उसके द्वारा सर्वोदय आंदोलन चलाया, सविनय अविज्ञा आंदोलन चलाया। उन्होंने स्वराज्य के लिए जो अहिंसात्मक आंदोलन चलाए हैं उससे आजादी मिली और कहीं भी अस्त्र नहीं चलाना पड़ा। गांधी जी को हम लोगों को नहीं भूलना चाहिए। हम लोग केवल एक ही चीज अपना लें सत्य को अपना लें, संविधान की जो कसम खाई है, ईश्वर की जो कसम खाते हैं, केवल सत्य को अपना ले, बहुत कुछ हो सकता है। यहां जितने भी लोग बैठे हैं गांधी जी पर जो चर्चा हो रही है। वह केवल इतना ही अपना लें तो बहुत कुछ भला इस प्रदेश की जनता का किया जा सकता है। बापू के जीवन काल में ही संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन 1943 में हो गया था। यह बहुत कम लोग जानते हैं आज ही के दिन हुआ था। महात्मा गांधी जी संयुक्त राष्ट्र महासंघ की गतिविधियों पर पैनी नजर रखते थे। वह चाहते थे कि संयुक्त राष्ट्र संघ प्रजातिगत असमानता को खत्म करे और लोकतांत्रिक तकाजों का सम्मान करें। विश्व संसद (यूएएनओ) केवल कुछ ताकतवर देशों के हित में बनी संस्था बन कर न रह जाए। उन्होंने ''हरिजन'' नाम की 26 अक्टूबर, 1947 के अंक में लिखा है ''मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि संयुक्त राष्ट्र संघ तभी आगे बढ़ सकता है जब वह न्याय का पक्ष ले।'' अभी तक यूएनओ ने भारत और हिन्दी के साथ न्याय नहीं किया।

मैं सदन का विशेष ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश होने के बावजूद भारत को अभी तक सुरक्षा परिषद् का स्थाई सदस्य नहीं बनाया गया। चीन हमारे सुरक्षा के सवाल पर वीटो लगा देता है, हम कुछ नहीं कर पाते। भारत के साथ-साथ हमारी मातृ भाषा हिन्दी, जिसे महात्मा गांधी गुजराती और सुभाष चन्द्र बोस बंगाली होने के बावजूद भारत की राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे, अभी तक संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा के दर्जे से वंचित है। जबकि हिन्दी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। मान्यवर, वैसे तो प्रधानमंत्री जी हिंदी में बोलते हैं। हिंदी के सवाल पर यह विशेष सत्र बुलाया गया है। हिंदी व भारत के लिए विशेष प्रस्ताव भी आज पारित करा दिया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार को भेजा जाए। हिंदी व भारत को न्याय दिलाना हमारा कर्तवय है। इससे बापू की आत्मा को भी प्रसन्नता मिलेगी। देश-देश में अन्तर नहीं होना चाहिए। यह कार्य आज ही होना चाहिए क्योंकि आज का दिन एक और मामले में ऐतिहासिक है। आज ही के दिन 1994 में भारत ने सुरक्षा परिषद् में स्थाई सदस्यता का अधिकारिक दावा किया था। उस समय नरसिंहा राव जी प्रधानमंत्री थे। 25 वर्ष हो गये, दावा जहां के तहां पड़ा हुआ है। बैठक में विचार-विमर्श हेतु प्रस्तावित 16 बिंदुओं में 10वां बिंदु देशों के भीतर और देशों के बीच असमानता कम

करना है। संयुक्त राष्ट्र संघ जब तक भारत को सुरक्षा परिषद् की स्थाई सदस्यता नहीं देता तब तक भारत, चीन, अमेरिका, फ्रांस, रूस व इंग्लैण्ड के समान नहीं हो पायेगा। आज जो यह ऐतिहासिक काम हो रहा है इस ऐतिहासिक काम में एक काम और जुड़ जाएगा तो यह बहुत अच्छा होगा क्योंकि गांधी जी ने इस बात को कई बार रखा है। आज गांधी जी के जन्मदिन पर यह सब बातें हो रही हैं। उसमें यह भी ऐतिहासिक काम हो जाना चाहिए। बापू बहस-पसंद व्यक्ति थे। उन पर बात हो तो उनकी विचारधारा पर भी बात होनी चाहिए। बापू ने सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा, सर्वोदय, स्वराज, ग्राम-स्वराज, न्यासिता (ट्रस्टीशिप) विकेन्द्रीकरण जैसी अवधारणायें दी हैं। लोहिया अपने को कुजात गांधी वादी कहते थे। उनका समाजवाद बापू के सर्वोदय का ही एक पड़ाव है। बिना समाजवाद के सर्वोदय सम्भव नहीं है। महात्मा गांधी सच्चे अर्थों में समाजवादी थे और उन्होंने भारतीय मान्यताओं के आधार पर प्रगतिशील समाजवाद का दर्शन दिया। उन्होंने कई पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन व संपादन किया है। उसमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण पत्रिका का नाम हरिजन है। ''हरिजन'' के 2 जनवरी, 1937 के अंक में बापू ने लिखा है 'सच्चा समाजवाद हमें अपने पूर्वजों से मिला है जिन्होंने सिखाया है कि सबै भूमि गोपाल की। इस उपनिषद के प्रथम श्लोक में समाजवाद की स्पष्ट झलक है। मेरा समाजवाद (पारा) स्फटिक की तरह स्वच्छ है। अतः इसे पाने के साधन भी (पारा) स्फटिक की तरह स्वच्छ होने चाहिए। अध्यक्ष जी, गांधी जी ने उपनिषद, कुरान व बाईबिल से समाजवाद की अवधारणा को विकसित किया। आपका वेद, उपनिषद के साथ-साथ गांधी व लोहिया पर गहरा अध्ययन है, आप बेहतर बता सकेंगे। इसी सदन के नेता रहे, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष रहे उत्तर प्रदेश के दूसरे मुख्य मंत्री आचार्य सम्पूर्णानंद जी ने अपनी एक पुस्तक बापू को दी। उस पुस्तक की टिप्पणी में बापू ने स्वयं समाजवादी होने की बात कही। ''गांधीवादी समाजवाद'' की चर्चा अक्सर अटल बिहारी बाजपेयी जी ने भी की है। महात्मा गांधी के समाजवाद से ही समावेशी व सतत विकास सम्भव हैं उनके विकास का सपना केवल किसी जाति, सम्प्रदाय, वर्ग व समुदाय तक सीमित नहीं था। वे आध्यात्मिक सामाजिक, बौद्धिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक कसौटियों को भी विकास का महत्वपूर्ण अंग मानते थे। लोहिया ने इसीलिए मार्क्स से अधिक गांधी को भारतीय समाजवादियों का आदर्श माना है। मैं अन्त में इतना ही कहूंगा-

''हमारी यादों में वो जिन्दा हैं,
बापू दुनिया से गए ही नहीं।''

इसलिए मैं इन्हीं विचारों के साथ आज यह ऐतिहासिक सदन जो 36 घण्टे चलाया जा रहा है इस पर हम गांधी जी के विचारों से भली-भांति ओत-प्रोत हैं और हम गांधी जी को नमन करते हैं। श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं और आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने यह सदन बुलाकर के एक ऐतिहासिक काम किया है। धन्यवाद (सदन में मेजों की थपथपाहट)।

*[14:45] **श्रम, सेवायोजन, समन्वय मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)**-

राष्ट्रपति महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर विधान सभा के इस विशेष सत्र में परम पूज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं इस देश के पूर्व यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 लाल बहादुर शास्त्री जी का इस 2 अक्टूबर के अवसर पर बहुत-बहुत नमन करता हूं और श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। मा0 अध्यक्ष जी, आज इस विशेष सत्र में उत्तर प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में सोलह बिन्दुओं पर चर्चा हो रही है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि जो सतत विकास का लक्ष्य है, यह संयुक्त राष्ट्र महासभा सितम्बर 2015 में 193 देशों ने एक मत होकर यह निर्णय लिया था और आपसी सहमति जताई थी कि 2030 तक देश से गरीबी और असमानता को खत्म करना है। इस परिप्रेक्ष्य में हम यह कहना चाहते हैं कि यह गरीबी सभ्य समाज पर कलंक और अभिशाप है और गांधी जी ने भी इस गरीबी को अभिशाप के रूप में स्वीकारा था और कहा था कि गरीबी समाज और देश पर एक कलंक है और अभिशाप है, इसलिए मैं बधाई देना चाहता हूं और पीठ पर बैठे श्रीमन् को, मा0 अध्यक्ष जी को, जो उन्होंने मा0 मुख्य मंत्री जी से विचार-विमर्श करके तीन दिन का निरंतर विशेष सत्र आहूत करने का निर्णय लिया है। इसलिए सभी मा0 सदस्यों ने बड़ी गंभीरता के साथ चर्चा में हिस्सा भी लिया है। मत तो सबका यही है कि असमानता खत्म हो, छुआछूत खत्म हो, ऊंच-नीच खत्म हो, गरीबी खत्म हो और इसी उद्देश्य से गांधी जी ने इसको अभिशाप के रूप में सहकर के इस पर कुठाराघात किया था। इसी असमानता और गरीबी को देखते हुए भारतीय संविधान में डॉ0 अम्बेडकर ने भी यह कहा था कि लोकतंत्र सही मायने में तभी चरितार्थ होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति विकास की मुख्यधारा में खड़े होंगे। मान्यवर, पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की यही मंशा थी, जिन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए, अंतिम व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए, अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा में खड़ा करने के लिए उन्होंने सरकारों से अपेक्षा की थी और कहा था कि कल्याणकारी सरकारों की जवाबदेही है कि समाज के प्रत्येक अंतिम व्यक्ति को रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा मुहैया कराया जाए। आज ऐसे अवसर पर जब हम यहां पर चर्चा के लिए एकत्रित हैं तो इस अवसर पर हम कहना चाहते हैं आज गांधी जी यद्यपि हमारे बीच में नहीं है, लेकिन गांधी जी के विचार, गांधी जी के आदर्श ही हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं और जब वह किसी महापुरुष का विचार जीवित होता है तो स्वभाविक रूप से वह महापुरुष अपने आप सबके मानस पटल पर चौबीस घण्टा तैरता रहता है, इसीलिए आज के इस अवसर पर हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को प्रणाम करते हैं। वह बहुआयामी व्यक्तित्व जो विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहा पहाड़ की तरह अड़ा रहा और सत्य अहिंसा के मार्ग पर चल करके उन्होंने बड़ी-बड़ी लड़ाईयां लड़ी यहां तक कि जिसकी हुकूमत में सूरज डूबता नहीं था उसकी हुकूमत को भी सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलकर उखाड़

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

फेंकने का काम किया है। गांधी जी बहुआयामी प्रतिभा के धनी इसलिए थे कि तमाम संघर्ष करते-करते अति व्यस्त होने के बावजूद भी तमाम पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से जनजागरण का भी काम करते रहे। इण्डियन ओपिनियन, यंग इण्डिया, नवजीवन और आदि पत्रिकाएं और आत्मकथा जैसी पुस्तकें लिखने का काम किया है जो गांधी जी ने अपने जीवन में असमानता देखी थी यहां तक कि उसके शिकार भी हुए थे।

अधिष्ठाता महोदय जी, हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि जब दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों की समस्याओं को ले करके गांधी जी वर्ष 1893 से 1914 के बीच में संघर्ष करते रहे और भारतीय के प्रति अंग्रेजों का भेद-भाव उनको देखने को मिला। प्रथम श्रेणी का टिकट होने के बावजूद भी प्लेन पर वह इसलिए नहीं बैठ पाए कि वह गोरे नहीं थे, वह भारतीय थे और काले थे इसलिए काले होने के भेद-भाव में गांधी जी को प्लेन से उतार दिया गया। जब वह कोर्ट में गए तो गांधी जी की पगड़ी उतारने के लिए न्यायालय ने निर्देश दिया। यद्यपि गांधी जी ने न्यायालय के आदेश को नहीं माना। यही नहीं जिस तरीके से दक्षिण अफ्रीका में तमाम अत्याचार के खिलाफ वह लड़ाई लड़ते रहे और तमाम संघर्ष किया उसका एक छोटा सा नमूना दो लाईन की कविता से मिलता है जो गांधी जी ने स्वयं लिखा है-

अफ्रीका अब भी याद मुझे, गोरों ने जो व्यवहार किया,
काला अछूत कहकर ही तो, गाड़ी से मुझे उतार दिया।
सुनसान अंधेरी बिजली में मैं बिना वस्त्र के ठिठुर गया,
जाने कब मेरी आंख लगी घुटनों में रख मुंह सिकुड़ गया।

(इसी मध्य अपराह्न 14 बजकर 50 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पीठासीन हुए)

यह गांधी जी ने अपनी पीड़ा व्यक्त की थी। मान्यवर, हम आपके माध्यम से यह भी कहना चाहते हैं गांधी जी ने एक प्रतिष्ठित परिवार से गांधी जी विदेशों से बैरिस्टर की डिग्री लेकर के आए थे जब उनके साथ ऐसा सौतेला व्यवहार होता रहा तो आम जन और गरीबों के साथ क्या होता रहा होगा। इस प्रकार की असमानताओं के सामने उनको घुटना टेकना पड़ता रहा होगा इसको भलीभांति उन्होंने समझा और इसीलिए आजीवन उन्होंने अंग्रेजों के जो जुल्म-अत्याचार थे, गोरे और काले का जो भेद-भाव था रंगभेदी और नस्लभेदी जो उनकी नीति थी इसके खिलाफ वह लगातार लड़ते रहे और इसका नतीजा यह हुआ कि चाहे स्वतंत्रता संग्राम का संघर्ष हो, चम्पारण और खेड़ा में किसानों की समस्या को लेकर संघर्ष हो, असहयोग आंदोलन हो, उन्होंने अहिंसा और शान्तिपूर्ण तरीके से ही इन सारी चीजों को कामयाब बनाया। गांधी जी ने भारत छोड़ो आंदोलन चलाया और सत्याग्रह, डांडी मार्च, कहीं न कहीं इस देश की आजादी दिलाने का सबसे बड़ा रास्ता प्रशस्त करने का काम किया है।

मान्यवर गांधी जी कहते थे कि सत्य अहिंसा और सभी के लिए समानता, सभी धर्मों के लिए सम्मान भाव, छुआछूत का उन्मूलन और ऐसे उच्च मूल्यों के लिए उनके संघर्षों को एक तरफ रखकर के हम केवल स्वच्छता और संचार क्षमता को गांधी जी की विरासत का संकेत नहीं मान सकते। यह वैसी ही कल्पना होगी जैसे पेड़ से लकड़ी गायब हो। इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। गांधी जी कि यह सोच कहीं न कहीं आम जनभावनाओं से जुड़ी हुई प्रतीत होती हैं। यही नहीं आजादी की लड़ाई के साथ-साथ गांधी जी ने छुआछूत उन्मूलन, हिंदू-मुस्लिम एकता, चरखा आदि को भी बढ़ावा दिया। ग्राम स्वराज का प्रसार किया। प्राथमिक शिक्षा को भी बढ़ावा दिया। परम्परागत चिकित्सीय ज्ञान के उपयोग सहित तमाम विषयों पर भी काम करना जारी रखा। साथ ही साथ इन तमाम कार्यों को करते-करते लगातार देश के सम्मान के लिए देश के स्वाभिमान के लिए, देश की आजादी के लिए, गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए हमेशा दो कदम आगे बढ़ाते रहें। मान्यवर इसी क्रम में गांधी जी की लिखी दो लाईन जिसमें गांधी जी ने स्वयं कहा है जो अपनी उनकी भाषा में है यद्यपि आज भारतीय संविधान लागू होने के पहले 'हरिजन' शब्द का औचित्य नहीं रह गया। 'हरिजन' शब्द न व्यवहांरिक है और न यह शब्द संवैधानिक है, लेकिन आजादी के पहले गांधी जी ने जो पंक्तियां लिखी थी उस पर कहा था कि-माना वे है हरिजन भंगी, फिर भी अपने ही भाई हैं, गूंगे पशुवे जब नहीं हाय, फिर क्यों हम बने कसाई है। पावन कर्तव्य हमारा है, हमें उन्हें कैसे प्यार करें, कंधे से कंधा मिला-मिला हम भारत का श्रंगार करें। मैं घृणा द्वेष की यह आंधी न चलने दूंगा, न चलाऊंगा, या तो खुद ही मर जाऊंगा, या इसको मार भगाऊँगा, यदि हरिजन के छू लेने से है मंदिर का कल्याण नहीं तो यही कहूँगा मंदिर में बस पत्थर है भगवान नहीं। जीवन बसंत के आते ही यदि अंधड़ अंधा और तूफान चले, तो फिर कोयल क्या बोलेगी, बोले कागा दिन-रात भले। यह मा0 गांधी जी की स्वयं की अपनी कविता है जो पीड़ा छुआछूत के खिलाफ जो उनके मन में पीड़ा थी इस कविता के माध्यम से उन्होंने व्यक्त किया। मान्यवर, यही नहीं आज मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। जो गांधी जी के रास्ते पर चलकर उन्होंने देश के सम्मान को दुनिया में फिर से स्थापित किया। वह भारत जो सोने की चिड़िया कहलाता था आज फिर मोदी जी के नेतृत्व में भारत सोने की चिड़िया बनने की दिशा में अग्रसर है। यही नहीं वह भारत जो पूरे विश्व का विश्वगुरू कहलाता था आज मोदी जी के नेतृत्व में आज फिर से वह अपने गौरवशाली इतिहास को दोहराने के लिए चल पड़ा है। सत्य अहिंसा का रास्ता गांधी जी का था और उसी रास्ते पर आज हमारे प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी चल रहे हैं। अभी अमेरिका के कार्यक्रम में उन्होंने कहा था, ''भारत ने बुद्ध दिया है हम युद्ध के पक्षधर नहीं हैं।'' हम तो बुद्ध को जानते हैं हम युद्ध नहीं चाहते और यह दर्शाता है कि गांधी जी का सत्य अहिंसा आज नरेन्द्र मोदी जी का मुख्य शस्त्र है उसी आधार पर यह पूरे विश्व में अपना डंका बजाने के लिए आज निकल पड़े हैं। भारत

की आन, बान, शान और पूरी दुनिया में भारत का गौरव स्थापित करने के लिए मोदी जी ने वह साहसिक काम किया है, हम इस सदन की ओर से उन्हें बधायी देना चाहते हैं और कोटि-कोटि नमन भी करना चाहते हैं। इसीलिए हमारी वसुधैव कुटुम्बकम की संस्कृति रही है और जो यह संयुक्त राष्ट्र महासभा में 193 देशों ने सतत विकास लक्ष्य का एक उद्देश्य तय किया है, इसका मकसद भी पूरे विश्व को खुशहाल देखना, पूरे विश्व से गरीबी को जड़ से उखाड़ फेंकना यहां पर जो असमानता है। एक इंसान और दूसरे इंसान में जो भेद-भाव है, उसको खत्म करना, मानवीय मूल्यों को स्थापित करना, गरीबी को खत्म करके सम्पन्नता के रास्ते पर ले जाना और साथ ही साथ वह सम्पन्न भारत जो हमारे सोने की चिड़िया के इतिहास की कहानी बताता है, हम फिर से न केवल भारत को खुशहाल देखना चाहते हैं, बल्कि दुनिया को खुशहाल देखना चाहते हैं। उसी क्रम में इस अधिवेशन के माध्यम से हम उत्तर प्रदेश में इस सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यहां पर विचार मंथन के लिए इकटठे हुये हैं। मान्यवर, हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि आज यह असमानता दूर करने के लिए हमारे सामाजिक संतों और गुरूओं ने भी समय-समय पर संघर्ष किया है। छत्रपति शाहू जी महाराज, ज्योतिबा फूले, सावित्री बाई फूले, डा0 भीम राव अम्बेडकर और तमाम महापुरुषों ने सतत मानवीय मूल्यों की स्थापना के लिए जाति-पाति, छूआ-छूत, भेद-भाव को दूर करने के लिए, मानव में समान विचारधारा को स्थापित करने के लिए लगातार संघर्ष किया है। मान्यवर, आज हमारी सरकार की भी मंशा वही है, जो हमारे महापुरुषों का मार्गदर्शन रहा है। इन महापुरुषों ने इस देश में खुशहाली लाने के लिए, सामाजिक मूल्यों की स्थापना के लिए, देश को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए, गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए, गरीब को विकास की मुख्यधारा में खड़ा करने के लिए जो प्रयास किया है, आज सही मायनों में हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने किया है।

देश की आजादी के 70-72 साल गुजर गये। अगर पूर्ववर्ती सरकारों ने इस पर थोड़ा भी प्रयास किया होता तो शायद आज इन कामों को करने की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन यह दुर्भाग्य है कि देश की आजादी के बाद जिनके हाथों में देश की सत्ता आयी वह सत्ता का दुरुपयोग किये, सत्ता में बैठकर पूरे देश की जनता की गाढ़ी कमाई को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने का काम किये। आज जो विपक्ष है, लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों उसकी शान होते हैं। लेकिन आज गांधी जी की दुहाई देने वाली कांग्रेस यहां से नदारद है। यही नहीं लोहिया जी की दुहाई देने वाले यहां से नदारद हैं। और मान्यवर, हमारे देश के महान सपूतों ने रणबाकुरों ने और महात्मा गांधी जी ने और उनके साथ संघर्ष करने वाले और देश के लिए बलिदान देने वाले उन सबके साथ यह कहीं न कहीं विश्वासघात है। अगर आज इनको सम्मान देना होता यहां दिखायी पड़ते। लेकिन यहां पर न कांग्रेस है, न सपा है और न बसपा है। गांधी

जी की इस जयन्ती के अवसर पर जो आपने सत्र आहूत किया है यह उसका बहिष्कार किये हैं। यह हाउस का बहिष्कार नहीं किये हैं बल्कि यह गांधी जी के विचारों का बहिष्कार किये हैं। यह गांधी जी का बहिष्कार किये हैं, यह गांधी जी का अपमान किये हैं। यह गांधी जी से दुश्मनी निभाते हैं क्योंकि इनकी आतंकवादियों और पाकिस्तान से इनकी दोस्ती है इसलिए गांधी जी इनको पसंद नहीं आते हैं। क्योंकि यह हिंसा में विश्वास करते हैं। हिंसा में विश्वास करने वाला अहिंसा के महापुरुष के सामने खड़ा नहीं हो सकता है। यह हिंसा, लूट-पाट, भ्रष्टाचार, घोटाला में यकीन करते हैं। अगर यह यहां आये होते तो इनकी बुद्धि शुद्ध हो जाती। यहां पर बड़े-बड़े विचार आये। हमारे सदन के सभी मा0 सदस्य जो लगातार 36 घण्टे का सत्र संचालित करके अपने जो अमूल्य विचार दे रहे हैं, उसको सुनते, समझते, उसको मानते तो शायद इनका भी दिमाग शान्त हो जाता, इनको भी सद्बुद्धि आ जाती, यह भी अच्छे रास्ते पर चलने की कोशिश करते, लेकिन क्योंकि इनके मन में कहीं न कहीं पाप है। इनके मन में कहीं न कहीं काली सोच है, जिसके नाते वह सदन में नहीं आये। इसीलिए मैं यहां पर आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज हमें कहने में कोई गुरेज नहीं है कि गांधी जी वैश्विक नेतृत्व के महानायक थे, और गांधी जी के बाद अगर फिर किसी को दुनिया ने नेता माना तो मा0 नरेन्द्र मोदी जी को नेता माना है। आज पूरी दुनिया में मा0 नरेन्द्र मोदी जी के कार्यों की, उनके विकास कार्यों की, उनकी कल्याणकारी योजनाओं की लोग दाद देते हैं। मोदी जी के विकास का डंका केवल भारत में नहीं दुनिया में बजता है। अमेरिका सहित तमाम अन्य देशों में बजता है। जिसको दुनिया में सबसे सशक्त राष्ट्र माना जाता है। वह भी मोदी जी के विकास का मुरीद है और यही कारण है कि सुभाष चन्द्र बोस जी 1944 में रंगून से रेडियो के माध्यम से जब अपना सन्देश प्रसारित कर रहे थे, तो उस प्रसारण में उन्होंने पहली बार गांधी जी को राष्ट्रपिता कहा था। 1944 में गांधी जी को राष्ट्रपिता सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था। मान्यवर, उसी तरीके से अभी आपने देखा कि इतने ही कम समय में जिस तरीके से विश्व स्तर पर अपना नेतृत्व स्थापित करने में सफलता पायी है, मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने, दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका, उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मोदी जी के विषय में कहा कि 'मोदी इज फादर आफ इंडिया'। यह बहुत बड़ी चीज है। एक 'फादर आफ नेशन' है, दूसरा 'फादर आफ इंडिया' है। आज गांधी जी के बाद अगर कोई महापुरुष आया है, तो वह भी फकीर जैसा, वह गरीबों के लिए जीता है, लोगों के लिए जीता है, मानवता के लिए जीता है, विकास के लिए जीता है तो वह मा0 नरेन्द्र मोदी जी हैं, और मैं मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी को बधाई देना चाहता हूं, जो मोदी जी के पदचिन्हों पर चलते हुये बिल्कुल मोदी जी की परछाई की तरह उत्तर प्रदेश में मोदी जी के सपने को साकार करने में लगे हुये हैं। यह विषमता खत्म हो, गरीबी खत्म हो, असमानता खत्म हो, यह दूर करने में लगे हैं। इसीलिए आज इन गरीबों को सम्मान का हकदार बनाने के लिए मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो कल्याणकारी योजनायें चलायी हैं, वह गरीबों के

सम्मान के लिए हैं। मान्यवर, आज हमारी माताएं और बहनें हैं, जो कभी सपने में भी नहीं सोचे थे कि हमारे गरीब के घर में भी गैस चूल्हा आयेगा। जो मातायें जिनकी आखें चूल्हा फूंकते-फूंकते सूज जाया करती थीं। उनकी आंख में आंसू आता था। एक हाथ से एक आंख पोछती थीं और दूसरे हाथ से आटा गूंधती थी, वह गरीब माताओं और बहनों को मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने गैस चूल्हा दिया। और मान्यवर, याद करें, पूरे देश में हमारे प्रदेश के मा0 मुख्य मंत्री जी उस दौड़ में पूरे देश में सबसे आगे खड़े दिखायी पड़े। पहले स्थान पर एक करोड़ 25 लाख परिवारों को गैस चूल्हा देकर मा0 योगी जी ने मा0 मोदी जी के उस कल्याणकारी योजना को गरीबो तक पहुंचाया है। मान्यवर, यहां पर जितने भी विधायक होंगे उसमें 90 प्रतिशत लोग ग्रामीण परिवेश से आये होंगे। हम तो ग्रामीण परिवेश से हैं। 10 फीसदी लोग शहरी परिवेश से होंगे। ग्रामीण परिवेश में हमने देखा कि हमारी मातायें और बहनें खुले में शौच के लिए जाने के लिए मजबूर होती थीं। गांव के तमाम उचक्के लड़के तमाम सिरफिरे तमाम मनचले लड़के बहन बेटियों की इज्जत की ओर गंदी निगाह रखते थे। फब्तियां कसा करते थे। मौका पाने पर छेड़खानी जैसी गंदी हरकत करते थे। आज उन बहन बेटियों के सम्मान में मोदी जी ने प्रत्येक गरीब के घर पर एक शौचालय दिया। पूरे देश में 13 करोड़ शौचालय बने। वहीं उत्तर प्रदेश में भी एक करोड़ 62 लाख शौचालय का निर्माण हुआ। मान्यवर, यही है गरीबी हटाओ का फार्मूला। अगर पूर्ववर्ती सरकारें यह गरीबी हटायी होती तो आज गरीबों को गैस चूल्हा के लिए, शौचालय के लिए, प्रधानमंत्री आवास के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। लेकिन पूर्ववर्ती सरकारें घोटाले और भ्रष्टाचार के माध्यम से इन गरीबों के खून की कमाई को अपने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाते रहे।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की चाहत है कि 2022 तक देश के प्रत्येक गरीब को पक्का घर मिले। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से प्रत्येक गरीब को पक्का घर मिलने का जो अभियान चलाया है वह गरीबों को सिर छुपाने का सबसे बड़ा सहारा बनेगा, और ऐसे गरीब जो खुले आसमान के नीचे सोने के लिए मजबूर होते थे जो सड़क पर, रेलवे स्टेशन पर सोने के लिए मजबूर होता था मा0 नरेन्द्र मोदी जी की इस योजना से वह पक्का घर पायेगा। आराम से परिवार के साथ रहेगा। मान्यवर, उत्तर प्रदेश में इस पर बड़े पैमाने पर हमारे शहरी क्षेत्र में 08 लाख प्रधानमंत्री आवास मिल चुके हैं। इसी प्रकार से हमारे ग्रामीण क्षेत्र में भी लगभग 25 लाख आवास लोगों को मिल चुके हैं यह प्रक्रिया अभी जारी है। इसलिए मान्यवर, हम आपके माध्यम से निवेदन करना चाहते हैं कि आज जो मोदी जी की चाहत थी कि समाज के अंतिम व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान आये और बाबा साहब अम्बेडकर का जो सपना था कि समाज का अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्य धारा में खड़ा दिखायी दे और पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की जो चाहत थी कि समाज के अंतिम व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान आये और वह विकास की मुख्य धारा में

खड़ा हो। वह विकास का नेतृत्व करे। आज वह सपना साकार हो रहा है। अब योगी जी और मोदी जी इसको अमली जामा देकर प्रत्येक गरीब तक अपनी योजनाओं को इमानदारी से पहुंचाने का काम कर रहे हैं। मान्यवर, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि आज प्रत्येक गरीब की बस्तियों में निःशुल्क बिजली की सुविधा दी जा रही है। वहीं पर प्रत्येक गरीब को पांच लाख रुपये का निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा देकर उन गरीबों को भी सिर उठाकर जीने का अवसर दिया और स्वस्थ रहने का अवसर दिया, और साथ ही साथ उनको नई जिन्दगी देने का काम किया। यही नहीं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की किसान सम्मान निधि के माध्यम से प्रत्येक लघु एवं सीमान्त किसान को 6 हजार रुपये का वार्षिक आर्थिक सहयोग देने का निर्णय लिया, उससे पूरे प्रदेश के तीन करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं। आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि किसानों के लिए पेंशन भी 60 साल उम्र पूरा होने पर 3 हजार रुपये पेंशन की व्यवस्था भी श्री मोदी जी ने कर दिया है। श्रमयोगी मानधन योजना के तहत् अब सारे किसान सब इस योजना से लाभान्वित होंगे। यही नहीं जो छोटे मंझोले गरीब व्यापारी है, लघु व्यापारी हैं उनको भी प्रधानमंत्री मानधन योजना से जोड़ा गया है। यही गरीबी खत्म करने का फार्मूला है गरीबी खत्म होगी असमानता अपने आप खत्म होगी जो संयुक्त राष्ट्र महासभा का एक संकल्प है कि हम पूरी दुनिया में गरीबी को जड़ से उखाड़ फेंके तो भारत उसमें नेतृत्व करेगा, क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा देश चीन के बाद भारत है। इसलिए भारत की पहली जिम्मेदारी बनती है कि इस अभियान में चार-चांद लगाने के लिए खुद नेतृत्व करके इस गरीबी को जड़ से उखाड़ने का प्रयास करें। मैं इस कार्यक्रम के माध्यम से आपके इस आयोजन के माध्यम से हम समझते हैं कि जो सकारात्मक चर्चा हो रही है, अगर कहीं हमारे तमाम माननीय सदस्यों के जो राय आ रही हैं इसमें कहीं न कहीं इनके विचार मील के पत्थर साबित होंगे। हम आपके माध्यम से यह भी कहना चाहते हैं कि आज चाहे केन्द्र की सरकार हो या प्रदेश की सरकार गरीब हमारा केन्द्र बिन्दु है। हमारी सारी योजनायें गरीबों के लिए है। गरीब गरीब होता है गरीब न हिन्दू होता है, न मुसलमान होता है, न ब्राहमण होता है, न क्षत्रीय होता है, न वैश्य होता है, न शूद्र होता है। गरीब सवर्णों में भी हैं, पिछड़ों में भी हैं, दलितों में भी हैं सारे गरीबों की चिन्ता अगर कोई कर रहा है तो मोदी जी कर रहे हैं, योगी जी कर रहे हैं और यही कारण है कि आज जिस तरीके से इनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास हमारी केन्द्र सरकार और प्रदेश की सरकार कर रही है। जब जनधन खाता खुलवाने की योजना आई प्रधानमंत्री जी की यहां पर आज इस विशेष अभियोजन में भाग लेने से डर कर चले गये हैं, ये लोग उसका मजाक उड़ाते थे लेकिन मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के पहले मात्र तीन करोड़ जनधन खाते थे जो कि बढ़कर आज 47 करोड़ जनधन खाते देश भर में हो चुके हैं। यह जो 47 करोड़ जनधन खाते हैं इन खातों में 86 हजार करोड़ पैसा भी है। सरकार की दी हुई योजना का जो पैसा जाता है आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से अगर इन गरीबों के खाते नहीं

होते तो पैसा कहां जाता? बिचौलिये दलाल उसे मार देते। हमारे अधिकारी खा जाते, जो पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहा करते थे अगर हम किसी लाभार्थी को 100 रुपये देते हैं तो 85 रुपये बिचौलिये दलाल खा जाते हैं 15 रुपया पहुंचता है लेकिन आज पैमाना बदल गया। आज माननीय मोदी जी अगर किसी लाभार्थी को 100 रुपये देते हैं तो उसमें एक पैसा कम नहीं होता है। यह मोदी जी की सोच है यह जनधन खाते की देन है, जिसके नाते लूट, भ्रष्टाचार, बिचौलिये, दलाल का खेल खत्म हुआ है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहता हूं कि इसी तरीके से हमारे प्रदेश की 130 करोड़ आबादी है मैं बधाई देता हूं माननीय मोदी जी को कि आपने 120 करोड़ लोगों को आधार कार्ड से जोड़ने का काम किया है।

आज ये विरोधी पार्टी के लोग काम तो कुछ नहीं करते लेकिन बोली बहुत बोला करते हैं। उनको शपथ लेना चाहिए कि काम कैसे किया जाता है, आपको सीखना चाहिए, मोदी जी से आपको योगी जी से सीखना चाहिए और यदि सीखने की इनके अन्दर धैर्य और संयम होता तो यहां पर बैठते लेकिन यहां नहीं आये, इससे इनकी मानसिकता जाहिर होती है और जो हमारे देश में गरीबी का औसत है, मान्यवर उत्तर प्रदेश में 23 करोड़ में लगभग 8 करोड़ अभी गरीबी रेखा के नीचे हैं और पूरे देश में 36 करोड़ 29 लाख 9 हजार लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं, इनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है और मान्यवर, सतत विकास के लक्ष्य को पाना है इसी क्रम में मैं आपके माध्यम से यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि आज मोदी जी और योगी जी का सपना है, स्वच्छ भारत का जिसकी कल्पना कभी गांधी जी ने की थी आज स्वच्छ भारत कराने के साथ-साथ नये भारत का खाका मोदी जी ने खींचा है वह नया भारत न्यू इण्डिया स्वच्छ भारत होगा और यही नहीं मोदी जी ने एक और चीज प्लास्टिक मुक्त भारत होगा। अभी यहां सत्र में बैठक के पहले विधान सभा के सदस्यों ने प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए, स्वच्छ भारत बनाने के लिए पूरे लखनऊ महानगर में एक-एक मुहल्ले में जाकर मोदी जी के पदचिन्हों पर चलकर गांधी जी के सपने को साकार करने के लिए प्रतीक स्वरूप श्रमदान किया है। हम समझते हैं गांधी जी का सपना जल्द ही साकार होगा और स्वच्छ भारत का निर्माण होगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, श्रम, सेवायोजन विभाग जो समाज के अन्तिम व्यक्ति से जुड़ा हुआ है, क्योंकि समाज का अन्तिम व्यक्ति ही श्रमिक होता है, और ऐसे श्रमिकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए मान्यवर योगी जी के नेतृत्व में माननीय मोदी जी के मार्ग दर्शन में श्रम विभाग लगातार अग्रसर है। ढाई साल की सरकार में श्रम विभाग में अमूल-चूल परिवर्तन किये हैं, पूरे देश में उत्तर प्रदेश में मैं पहला श्रम मंत्री हूं जो लेबर अड्डों पर जाने का सिलसिला जारी किया। हमारा संकल्प है प्रत्येक जिले के कम से कम एक लेबर अड्डे पर जाकर श्रमिकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हूबहू मौके पर जाकर दूँगा। वहीं पर पंजीयन कार्य कराकर उनका पंजीयन कराउँगा। मान्यवर,

इसका नतीजा यह हुआ कि गुणात्मक ढंग से पंजीयन की संख्या बढ़ी। मात्र ढ़ाई साल में ही जहां पिछले 10 सालों में कुल 34 लाख 27 हजार 104 की संख्या थी हमने ढ़ाई साल में 34 लाख से 52 लाख तक आंकड़ा पहुँचाने का काम किया। मान्यवर यही नहीं इसी क्रम में मैं यह भी अवगत कराना चाहूंगा कि मान्यवर, हमने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अबतक 18 लाख 16 हजार 141 श्रमिकों को इन योजनाओं से लाभान्वित भी किया है और साथ ही साथ पिछली सरकार केवल साइकिल बाँटने का विभाग बना लिया था श्रम विभाग को हमने 18 योजनायें चलाकर प्रत्येक श्रमिक के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश की है। मान्यवर हम अपने माननीय सदस्यों को अवगत कराना चाहते हैं कि उनके क्षेत्र में जो भी श्रमिक हैं इन योजनाओं के माध्यम से आप उनको बड़े पैमाने पर लाभान्वित करा सकते हैं। हमारे यहां उत्तर प्रदेश भवन एवं कर्म काण्ड कल्याण बजट है, जिसके माध्यम से 18 योजनायें चल रही हैं, जिसमें मातृत्व योजना यानी प्रसूता मां अगर श्रमिक है तो तीन महीने का वेतन एवं एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता अगर स्वयं श्रमिक नहीं है उसका पति श्रमिक है तो 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता। शिशु बालिका मदद योजना में अगर बेटी पैदा होती है किसी श्रमिक के घर तो 15 हजार रुपये की सहायता बेटा होता है तो 12 हजार रुपये की सहायता। अगर पहली बेटी पैदा होती है तो 25 हजार रुपये की जो 18 साल पूर्ण होने पर 1 लाख और पहली बेटी यदि विकलांग पैदा होती है तो 50 रुपये की जो 18 साल पूर्ण होने पर 2 लाख। इसी प्रकार से अगर कोई अपनी बेटी की शादी करता है घर पर करता है तो 55 हजार रुपये की आर्थिक सहायता सामूहिक विवाह में करता है तो 65 हजार रुपये की सहायता इसके साथ ही यदि किसी श्रमिक की बेटी और बेटा स्कूल जाता है यद्यपि हमारी सरकार निःशुल्क शिक्षा दे रही है, उसके बावजूद श्रमिक की बेटी या बेटा है तो हम आर्थिक सहायता अलग से देते हैं। सन्त रविदास शिक्षा सहायता के माध्यम से प्राइमरी में 150 रुपये जू0हा0स्कूल में 200 रुपये हाईस्कूल में 250 रुपये, इण्टर में 300 रुपये, ग्रेजुएशन में 500 रुपये और पालिटेक्निक कर रहा है तो 3000 रुपया, मेडिकल की पढ़ाई के लिए 5000 रुपये महीना आर्थिक सहायता देते हैं। इसी प्रकार से अगर कोई श्रमिक काम कर रहा है, ऊपर से नीचे आ गया, मौत हो गयी तो परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, पूर्ण अंग भंग हुआ, दो हाथ-दो पैर और दो आंखे चली गयीं तो 3 लाख की आर्थिक सहायता स्वाभाविक मौत में 2 लाख की आर्थिक सहायता किसी भी हालत में मौत हो तो 25 हजार रुपये अन्त्येष्टि के लिए भी हमारा विभाग श्रमिकों को देता है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय मौर्या जी अब सहयोग करिये, बहुत लम्बी सूची है और तमाम माननीय सदस्य इंतजार कर रहे हैं। अब समाप्त करिये। प्रेस कान्फ्रेंस कर लीजिएगा आप तो मंत्री हैं।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

अधिष्ठाता जी, कुछ महत्वपूर्ण योजनायें हैं उनको बता दूं ताकि हमारे साथी उसका फायदा उठा सकें।

(कई सदस्यों द्वारा स्वयं को बोलने का अवसर दिये जाने का आग्रह करने पर शोर)

श्री अधिष्ठाता-

कृपया शांत रहिये। मा0 मौर्या जी, अब समाप्त करिये।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, चूँकि बहुत से मा0 सदस्य अभी बोलने के लिए शेष हैं और आपके द्वारा भी कई बार इंगित किया जा रहा है, इसलिए हमने माननीय मुख्य मंत्री जी के माध्यम से, उनसे अनुरोध करके सारी योजनाओं के विषय में एक विशेष पत्र विधान मण्डल के सभी मा0 सदस्यों को भिजवाया है। वह पत्र आप सभी लोग गम्भीरता से संज्ञान में लेंगे, पढ़ेंगे। हमने एक कार्य यह भी किया है कि हर विधान सभा क्षेत्र में जहां भी लेबर रहते हैं वहां का जो मुख्य चौराहा है या ब्लॉक का मुख्यालय है, वहां कैम्प लगाकर पंजीकरण होगा और जो क्षेत्रीय विधायक होंगे वह उस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे, अगर वहां सांसद भी हैं तो सांसद मुख्य अतिथि होंगे विधायक की अध्यक्षता होगी। यह कार्य बड़े पैमाने पर पूरे प्रदेश में चलाया जायेगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं चाहता हूं कि गरीब के चेहरे पर भी मुस्कान आये जो मा0 योगी जी और मोदी जी की चाहत है, जो गांधी जी का सपना है उस सपने के अनुरूप भारत बन सके और जो नया भारत बने उसमें गरीब के चेहरे पर मुस्कान हो। ऐसी चाहत के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे अपनी बात रखने का अवसर दिया और साथ ही साथ मैं यह अपेक्षा करता हूं कि 36 घंटे के बजाए सदन का समय और भी बढ़ाना पड़े तो बढ़ा दिया जाये ताकि सभी मा0 सदस्यों को बोलने का अवसर मिले। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय मंत्रीगण, मा0 सदस्यगण, मेरा आपसे एक निवेदन है कि सब लोग अपने-अपने सब्जेक्ट पर कन्फाइन करें तब तो समय के अन्दर सारी बातें आ जायेंगी और एक ही बात को सारे लोग दोहरायेंगे तो उससे कुछ होने वाला नहीं है। आपका उद्देश्य है कि आपका भाषण सदन की कार्यवाही का हिस्सा बन जाये। जिन लोगों को यहां अवसर नहीं मिल पाया है, हमारी विवशता है, सूची बहुत लम्बी है इसलिए सबका भाषण होना सम्भव नहीं है। कल माननीय अध्यक्ष जी ने आप सबसे निवेदन किया था कि जिसका भाषण न हो पाये वह टाइप कराकर के अपना भाषण दे दें वह कार्यवाही का अंग बन जायेगा।

श्री अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह''-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि 28 घण्टा 40 मिनट इस सदन को चलते हुये हो गया।..

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सी0ए0 चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। अभी सुबह आपकी पीठ से निर्णय हुआ था कि जो लोग रात में नहीं बोल पाये हैं, क्योंकि बहुत सारे मा0 सदस्यों को मौका नहीं मिल पाया है जो कल दिन में और रात में रहे। आज यह बात आयी थी कि जो लिस्ट आपके पास गयी थी उसमें से काफी लोगों को बुलवा दिया जायेगा। अभी जो स्थिति है उसमें एक तो समय से ज्यादा लोग बोल रहे हैं, दूसरे विषय से हट करके बोल रहे हैं। सस्टेनेबल डेवलपमेंट के विजन डाक्यूमेंट, 2030 पर अपनी बात रखें क्योंकि यह विशेष सत्र है। तो मेरा आपसे यह निवेदन है कि जो कल रात में बैठे रहे, दिन में बैठे रहे और आज भी बैठे हैं तो उस पुरानी लिस्ट पर भी ध्यान दे दें तो अच्छा रहेगा।

श्री अधिष्ठाता-

मेरी पूरी कोशिश है कि जो लोग कल रात से बैठे हैं उनका समावेश किया जाये लेकिन मा0 मंत्रिगण को भी बुलवाना आवश्यक है।

[15:32] श्री अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह''-[*]

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, 28 घण्टा 40 मिनट लगभग होने जा रहा है, हम कुछ 5-7 सदस्यों ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया था कि हम लोग 36 के 36 घंटे इस सदन में रहेंगे, इस परिसर में रहेंगे, बाहर नहीं जायेंगे। 28 घंटा 40 मिनट हो गया, सूरज निकला है या बाहर पानी बरस रहा है या बदली है यह मुझे पता नही है। मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं पूर्वान्चल के इण्ट्री प्वाइंट भगवान श्री रामचन्द्र की जन्म स्थली अयोध्या के बगल से आता हूं। वरूणा नदी के तट पर जब पूजा अर्चना हुई, श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ कराया तो राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न पैदा हुये। यह हमारा सौभाग्य है कि चौरासी कोसी परिक्रमा हमारी विधान सभा क्षेत्र में आता है। बस्ती जनपद को यह भी गौरव प्राप्त है कि यह संत कबीर, गौतमबुद्ध, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की धरती है। यह अमर शहीद महाराजा जालिम सिंह की धरती है, महाराजा उदय प्रताप सिंह की धरती है वहां से मैं विधायक चुनकर आया हूं । मैं पूरे सदन को बताना चाहता हूं कि मुझे जो विषय मिला है वह विषय है 'जलवायु परिवर्तन'। यूनाइटेड नेशन्स के जो 17 गोल्स हैं उनमें से 16 गोल्स उत्तर प्रदेश से संबंधित हैं, उनमें से 13 वां गोल हमको मिला हुआ है जलवायु परिवर्तन। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, चूंकि महात्मा गांधी जी के 150वीं जयन्ती के अवसर पर हम

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

लोगों को लगातार 36 घंटे सदन चलाने का अवसर मिला है। महात्मा गांधी जी ने कहा था कि पृथ्वी हर किसी की जरूरतों के लिए तो पर्याप्त है पर अगर किसी ने लालच के लिए नहीं भविष्य को सुरक्षित करने व पृथ्वी की इस विरासत को हमारी आगामी पीढ़ियों को पहुँचाने के लिए, सम्पूर्ण विश्व को एक साथ ले करके उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते हैं। लेकिन तकलीफ है मा0 अधिष्ठाता महोदय कि सामने विपक्ष नहीं है। पक्ष भी होता और विपक्ष भी होता तो कुछ बात और होती-

आंखों में रहे दिल में उतरकर नहीं देखा,
कश्ती के मुसाफिर ने समुंदर नहीं देखा,
जिस दिन से चला हूं, मेरी मंजिल पर नजर है,
इन आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा,
पत्थर मुझे कहता है कि मेरा चाहने वाला,
मैं मोम हूं उसने मुझे छूकर नहीं देखा।।

इस आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार एक मोम की तरह उत्तर प्रदेश के गरीबों, पिछड़ों के ऊपर समर्पित है। आर्थिक आधार पर जितने गरीब हैं उनके लिए समर्पित है। अब मैं अपने विषय पर आता हूं। जलवायु परिवर्तन कितनी बड़ी समस्या पूरी दुनिया के लिए है। अभी हाल ही में 28 देशों के 20 लाख लोग सड़क पर उतरे, किसलिए? क्योंकि जलवायु में जो परिवर्तन हो रहा है, जो विकसित देश कार्बन का उत्सर्जन कर रहे हैं जिससे पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है उसके लिए उतरे। अधिष्ठाता जी, कल दिल्ली में एक सात साल की बच्ची ने एक सफेद होर्डिंग लेकर लोकसभा के सामने पहुँची जिसमें लिखा हुआ था कि आदरणीय मोदी जी, आदरणीय सांसदगण जलवायु परिवर्तन पर कानून पास करें और हमारा भविष्य बचायें। बच्ची ने कहा कि समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, पृथ्वी गर्म हो रही है, उन्हें इस काम को करना चाहिए। अभी हाल ही में यूनाइटेड नेशन्स में 16 बच्चियों ने 05 देशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है उसमें हमारे उत्तराखण्ड की एक रिद्धिमा पाण्डेय नाम की लड़की भी थी। जलवायु परिवर्तन एक बहुत बड़ी समस्या है। अभी आप देख रहे हैं कि बिहार में जो जल प्रलय है, यह जलवायु परिवर्तन की देन है। केरल की विभीषिका भी हमने देखी, हमने सुनामी देखी, यह सब जलवायु परिवर्तन की देन है। ऐसी तमाम समस्यायें जलवायु परिवर्तन के नाते हो रही हैं। जलवायु परिवर्तन से असमय ओलावृष्टि हो रही है, कभी एलनीनो की बारिस हो रही है जिससे फसल नष्ट हो जा रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र का जलस्तर आठ इंच तक बढ़ चुका है, आने वाले समय में यह 01 फुट से लेकर 04 फुट तक बढ़ने वाला है। इससे समुद्र के किनारे के जितने भी हमारे शहर हैं वह भविष्य में आने वाले 50 सालों में, रिसर्च कहता है कि उनके ऊपर भारी खतरा है। हो सकता है कि बहुत बड़ा जल-प्रलय हो।

यह जलवायु परिवर्तन का असर है कि दिल्ली में 01 प्रतिशत, कोलकाता में 1.2 प्रतिशत, मुम्बई में 0.7 प्रतिशत और चेन्नई में 0.6 प्रतिशत तापमान बढ़ गया है। जलवायु परिवर्तन की वजह से खेती हमारी नष्ट हो रही है। जलवायु परिवर्तन से एक बहुत बड़ा परिवर्तन पूरी दुनिया में होने जा रहा है। जहां पर अनुकूल परिस्थितियां होंगी, जहां पर प्रतिकूल परिस्थितियां हैं जहां पर गर्मी अधिक पड़ रही है, जहां पर पाला अधिक पड़ रहा है, जहां हांड़ जमा देने वाली ठंड पड़ रही है उसका असर यह होगा कि जहां पर अनुकूल क्षेत्र होगा, पूरी दुनिया के लोग वहां जाकर बसना शुरू करेंगे। जब वहां जाकर बसना शुरू करेंगे तो वर्ग-संघर्ष होगा। अधिष्ठाता महोदय, मैं पूरे सदन के सदस्यों का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि श्री जय शंकर प्रसाद जी ने एक विरह की कविता लिखी है, मैं चाहता हूं कि आप लोग उस कविता को सुनिये और प्रकृति की विरह का उससे अंदाजा लगाईये-

इस करूणा कलित हृदय में,अब विकल रागिनी बजती,
क्यों हाहाकार स्वरों में, वेदना असीम गरजती?
मानस सागर के तट पर, क्यों लोल लहर की घातें
कल-कल ध्वनि से हैं कहती, कुछ विस्मृत बीती बातें,
आती हैं शून्य क्षितिज से, क्यों लौट प्रतिध्वनि मेरी,
टकराती बिलखाती सी, पगली-सी देती फेरी?
क्यों व्यथित व्योम गंगा-सी, छिटका कर दोनों छोरें,
चेतना तरंगिनी मेरी, लेती हैं मृदुल हिलोरें?
बस गयी एक बस्ती है, स्मृतियों की इसी हृदय में,
नक्षत्र लोक फैला है, जैसे इस नील निलय में।

अन्त में मैं कन्क्लूड करना चाहता हूं। सदन चल रहा था मैंने मा0 संसदीय कार्यमंत्री जी से अनुरोध किया था कि एक विषय पर डिबेट कराना चाहता हूं वह विषय था 'जल ही जीवन है तो कितना जीवन शेष है।' अगर जल ही जीवन है तो कितना जीवन शेष है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि आदरणीय अटल बिहारी बाजपेयी जी ने कहा था कि अगला विश्व युद्ध मीठे पानी के लिए होगा। 2002 में मा0 सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका आयी थी नदियों को जोड़ने के लिए। मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी ने श्री सुरेश प्रभु जी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनायी थी कि पूरे देश की अगर नदियां जोड़ी जायेंगी तो कितना धन खर्च होगा, तो यह बात निकलकर आयी कि इस पर 5 लाख 60 हजार करोड़ का व्यय-भार आयेगा। 2014-15 में सरकार का गठन हुआ, 2016 में कुछ काम हुआ लेकिन अभी नदी जोड़ो अभियान जो 2003 में 5 लाख 60 हजार करोड़ का अनुमान था मुझे लगता है कि वह दो से तीन गुना हो गया होगा। मैं

सदन का इस ओर ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि पूरे धरती का 97.5 प्रतिशत पानी खारा है, 2.5 प्रतिशत जो बचता है उसका दो तिहाई पानी हिमनद के रूप में है, वह पर्वतों में बर्फ के रूप में जमा है।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करें।

श्री अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह''-

मान्यवर, हमारे पास जो पीने का पानी बचता है वह 0.84 प्रतिशत है। अगर हम वर्षा के पानी का संचय नहीं करेंगे तो पानी की किल्लत हो जायेगी और वर्ग-संघर्ष निश्चित है। अभी भारत में ही आप देखें कर्नाटक और तमिलनाडु में 50-60 वर्षों से पानी के बंटवारे को लेकर झगड़ा चल रहा है। मैं अन्त मैं यह कहना चाहूंगा कि जलवायु परिवर्तन से कैसे बच सकते हैं। अगर नदियों को जोड़ने का अभियान शुरू होता है और नदियां आपस में जुड़ जाती हैं तो बिहार में नेपाल की ओर से आने वाले जल के कारण होने वाली बाढ़ से होने वाली नुकसान को कम किया जा सकता है। साथ ही बांग्लादेश व पी0ओ0के0 की ओर से आने वाले बाढ़ से भी लोगों को निजात मिल सकती है। इस योजना से 7 नदियां आपस में जुड़ जायेंगी। इन नदियों में गंगा नदी जैसी महत्वपूर्ण और बड़ी नदी भी शामिल है हालांकि पर्यावरण विद इसका विरोध भी कर रहे हैं लेकिन इन नदियों का जुड़ना बहुत जरूरी है।...

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिये।

श्री अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह''-

धार्मिक नगरी उज्जैन में क्षिप्रा नदी को नर्मदा नदी से जोड़ा गया है, इसका लाभ यह हुआ है कि पर्याप्त बारिश न होने के बावजूद भी कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। अगर नदियां जुड़ती है तो उससे पीने के पानी की समस्या दूर होगी, आर्थिक समस्या दूर होगी। नदियों के जुड़ने से देशवासियों की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। सौर ऊर्जा के रूप में शुद्ध ऊर्जा हमें प्राप्त होगी। नहरों का विकास होगा, बड़े पैमाने पर वनीकरण होगा। मान्यवर, हमने इकोनामिक ग्लोब्लाइजेशन किया है लेकिन भविष्य में वाटर ग्लोब्लाइजेशन करना बहुत जरूरी है। जब वाटर ग्लोब्लाइजेशन होगा तो 125 करोड़ भारत की जनता को स्वच्छ और साफ पानी मिल पायेगा। अन्त में सिर्फ एक लाइन में मैं अपनी बात कहूंगा। हमारी भारतीय संस्कृति ने इसका बहुत अच्छा सैलूशन दिया गया है।

श्री अधिष्ठाता-

अगर सैलुशन आ गया है तो दुबारा उसे दोहराने की क्या आवश्यकता है।

श्री अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह''-

मान्यवर, पीपल, बरगद और पाकड़ तीन ऐसे पेड़ हैं जिनसे बहुत अच्छी आक्सीजन निकलती है। दूसरा है, पंचवटी, मेरा मा0 सदस्यों से अनुरोध है कि उनके विधान सभा क्षेत्रों में जहां-जहां भूमि हो वहां पंचवटी लगाये उसमें पीपल, बरगद, बेल, अशोक और आंवला आते हैं। पंचपल्लव में पीपल, बरगद, पाकड़, आम और गूलर लगाये जाते हैं तथा नीम, जामुन और शहजन के पेड़ लगाये जाते हैं। अब इन पेड़ों को अपने-अपने विधान सभा क्षेत्रों में जहां पर जगह हो वहां लगाते है तो इसका लाभ आधा मिनट में आप सुन लीजिए। इससे स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ वायु मिलेगी, प्रदूषण का निराकरण होगा, वातावरण के तापमान में कमी आयेगी, वर्षा जल का संचयन होगा, भू-गर्भ जल संकट का निवारण होगा। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसलिए मैं इसे इस शेर के माध्यम से पूरा कर रहा हूं, यह जलवायु का दर्द है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप बैठ जाइए, बहुत लोग हैं।

श्री अजय कुमार सिंह 'अजय सिंह'-

अगर हम नहीं चेतेंगे तो बहुत नुकसान हो जायेगा। इसका असर आने वाली पीढ़ी पर पड़ेगा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय मंत्री महेंद्र सिंह जी आप बोलिए।

श्री अजय कुमार सिंह 'अजय सिंह'-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं कहना चाहता हूं ''हो गयी है, पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए। इस हिमालय से अब कोई गंगा निकलनी चाहिए। मेरे सीने में नहीं तेरे सीने में ही सही, हो कहीं भी आग लेकिन आग जलनी चाहिए।''

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद, अब समाप्त करिए। माननीय मंत्री जी आप बोलिए।

[*][15:47] जल शक्ति मंत्री (डा0 महेंद्र सिंह)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने महत्वपूर्ण और विशेष सत्र के अवसर पर मुझको भी बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं और मैं आदरणीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी को भी बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने एक अच्छी पहल और सोच के आधार पर इस विशेष सत्र का आयोजन किया। जिसमें हम सभी लोगों को साथ आने का अवसर प्राप्त हो रहा है। सतत विकास के जो लक्ष्य रखे गये हैं उसकी दृष्टि से हम लोग यहां पर अपनी-अपनी बात रख रहे हैं। सबसे पहले मैं पूज्य गांधीजी के श्री चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और कल दो अक्टूबर पर हम लोगों ने गांधी जी और शास्त्री जी के चरणों में

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुझको याद आता है कि जब गांधी जी का जन्म हुआ तो 1857 का स्वतंत्रता संग्राम हो चुका था और अगर हम उससे थोड़ा पहले चले जाये और उस दृश्य को देखें जब हम 1834 और 1832 की बात करते हैं और वहां से यात्रा प्रारम्भ करके 1857 में पहुंचते हैं, और उस समय के भारत की स्थिति बहुत अजीबोगरीब-सी हो गयी थी, और 1857 के बाद 12 जनवरी 1863 को स्वामी विवेकानन्द जी अवतरित हो चुके थे, उसके बाद महात्मा गांधी जी आते हैं। मैं इस बात को केवल इसलिए कह रहा हूं कि जब हम नवीं शताब्दी की बात करते हैं, जब हम ईसा पूर्व की बात करते हैं और उसके बाद वे क्रमशः भारत की बात करते हैं तो भारत की स्थिति उस समय से लेकर यहां तक पहुंचते-पहुचंते किस दिशा में चली गयी थी, अब उसे विस्तार से कहने का समय नहीं है क्योंकि आपके ऊपर भी दबाव है और बहुत लोगों का बोलना भी बाकी है, सभी हमारे साथी है, इसलिए मैं जल्दी-से-जल्दी इसे समाप्त करूंगा। मान्यवर, मैं देखा जब 12 जनवरी 1863 को स्वामी विवेकानन्द अवतरित हुए, उसके बाद महात्मा गांधी आते हैं, उसके बाद की स्थिति 11 सितम्बर 1893 की शिकागो की सभा और 1897 में दक्षिण भारत में स्वामी जी का भाषण और उसके बाद 1902 में जब महात्मा गांधी जी का पहला आगमन बनारस में होता है। अपनी पढ़ाई-लिखाई पूरी करने के बाद जब मुंबई में वे अपनी प्रैक्टिस शुरू करते हैं तो उन्हें बनारस की जानकारी होती है और वे 1902 में जब वे आज से 117 साल पहले बनारस पहुंचते हैं तो जब वे बनारस की गलियों को जाकर देखते हैं, उन्हें देखने के बाद उनके मन में भाव आता है, उसको वे लिखते है और बताते हैं। उनके मन में जो पीड़ा थी कि 117 साल पहले महात्मा गांधी जी ने उन सकरी गलियों को देखा था और बाबा विश्वनाथ के मंदिर को देखा था और वहां से मां गंगे को देखा। काशी हमारी प्राचीनतम नगरी है। लोग कहते है कि मां गंगा गंगोत्री से निकली है लेकिन बनारस में रहती हैं। गंगा मैय्या बाबा विश्वनाथ का दर्शन नहीं कर पाती है क्योंकि पतली-पतली और घर उसका कारण थे। लेकिन उसका आज का स्वरूप आप देखेंगे तो मां गंगा और मंदिर के बीच अब कुछ नहीं बचा है। उस काम को अगर किसी ने किया और महात्मा गांधी जी के सपने को किसी ने साकार किया तो आदरणीय प्रधानमंत्री एव मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने किया। उन गलियों से आप देख लीजिए मेन रोड से मां गंगा और बाबा विश्वनाथ का मंदिर साफ दिखाई पड़ता है।

दूसरी एक और तारीख मैं याद दिलाना चाहूंगा कि 04 फरवरी 1916 को जब दोबारा गांधी जी काशी पहुंचे और उस समय आज से 103 वर्ष पहले, जब वे वहां गये तथा बाबा विश्वनाथ के मंदिर गये, उन्होंने कूड़े का ढेर देखा तो उन्हें वेदना हुई, वे गये तो थे बीएचयू में भाषण देने लेकिन उनके मन का भाव बदल गया वे शिक्षा पर न बोलकर स्वच्छता पर बोलना शुरू कर दिये और 04 फरवरी, 1916 को जो बात उन्होंने कही थी उस बात को 103 वर्ष बाद वास्तव में धरातल पर उतारने का काम अगर किसी ने किया तो नरेंद्र भाई मोदी जी ने

स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत मिशन को लाकर किया। मान्यवर, एक और तारीख मैं आपको और याद दिलाना चाहता हूं कि 1915 में महात्मा गांधी हरिद्वार पहुंचे थे, कुंभ लगा हुआ था और कुंभ में लक्ष्मण झूले को देखकर वे बहुत प्रभावित हुए और उस दृश्य को देखकर जब आगे बढ़ते हैं और कुंभ की अव्यवस्था देखते हैं तो उस पर भी वे लिखते है और उस व्यवस्था के लिए कहते हैं कि अगर काश! हमारा शासन होता तो हम कुछ अच्छा कर पाते। मान्यवर, 104 वर्ष पहले महात्मा गांधी जी ने जो बात कही और सोची थी उसको चरितार्थ करने का काम अबकी बार के प्रयाग कुंभ में आदरणीय नरेंद्र मोदी जी और योगी जी ने किया। उस समय 1915 में हरिद्वार के कुंभ में 17 लाख लोग आए थे लेकिन मान्यवर, अभी जो कुंभ हुआ है उसमें 24 करोड़ लोग कुंभ स्नान करके गये (मेजे थपथपाई गयीं) और पूरी दुनिया ने इसे देखा। तीसरी बात मैं इसमें जोड़ना चाहता हूं कि जिनको हम महात्मा कहते हैं जब उन्हें मैं धोती में देखता हूं तो मुझे लगता है कि इससे उनके त्याग, तपस्या, सादगी, स्वदेशी ये सारी चीजें उनकी धोती से पता चलती हैं। जैसाकि आप जानते हैं कि हमारी संस्कृति का बोध हमारा पहनावा कराता है लेकिन वही जब हम गांधी जी का चरखा देखते हैं तो चरखा हमें स्वावलम्बी भारत, समृद्धशाली भारत के रूप का दर्शन कराता है। जब हम उनकी लाठी देखते हैं तो ये लाठी शक्ति का स्वरूप दिखाई देती है। जहां एक तरफ सादगी है दूसरी तरफ ये लाठी शक्ति का स्वरूप भी प्रदर्शित करती है। तीसरा, जब चश्मा देखते है तो उसमें विजन भी दिखता है, उसमें दृष्टि भी दिखती है, उसमें मिशन भी दिखता है, उसमें संकल्प भी दिखता है इसलिए विजन को स्वच्छ भारत का अंग बनाया गया है और चौथी हम महात्मा गांधी के हाथों में गीता देखते हैं, अभी गीता पर चर्चा हो रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जब बराक ओबामा से मिले तो उनसे कहा कि आपने बहुत कुछ पढ़ा है, लेकिन आप मेरी गीता पढ़िए, आपको ज्ञान की और अधिक प्राप्ति होगी। मान्यवर, जब हम गीता की बात करते हैं तो गीता में सात सौ श्लोक हैं, अठारह अध्यायों में गीता विभाजित है। उन सात सौ श्लोकों में दो सौ अस्सी श्लोक कर्म पर कहे गये, दो सौ नौ श्लोकों में ज्ञान, भक्ति पर कहा गया और दो सौ ग्यारह श्लोकों में भक्ति के बारे में बताया गया। अगर कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग यानी सम्पूर्ण कुछ देखना है तो गीता में दिखाई पड़ता है इसलिए महात्मा गांधी जी के हाथ में गीता थी, उनके हाथ में दण्ड था, वे धोती में थे, उनका चश्मा, खड़ाऊं और चप्पल उनके उस रूप को प्रदर्शित करता है। आज जब एक दृष्टि महात्मा गांधी जी पर पड़ती है तो ऐसा लगता है कि हमें संपूर्ण प्रेरणा वहां से प्राप्त हो सकती है। मान्यवर, महात्मा गांधी जी अठहत्तर वर्ष तीन महीने अठ्ठाइस दिन धरती पर रहे, वे पूरे जीवन में अठ्ठाइस हजार पांच सौ नब्बे दिन धरती पर रहे, वे छः लाख छयासी हजार एक सौ साठ घण्टे धरती पर रहे, वे कुल चार करोड़ ग्यारह लाख छियासी हजार छः सौ मिनट धरती पर रहे, वे दो अरब ग्यारह करोड़ छिहत्तर हजार चार

सौ सेकेण्ड धरती पर रहे। इतनी देर जो उनकी पल्स चली उसका परिणाम है कि आज इतने साल बाद भी हम सब लोग 150वीं जयन्ती पर यहां बैठकर विचार कर रहे हैं।

मान्यवर, मैं विस्तार में न जाकर थोड़ी बातें कहकर विराम दे दूंगा क्योंकि अभी हमारे बहुत साथियों को बोलना है इसलिए मैं अपने सिंचाई विभाग की कुछ बातें कहूंगा। मान्यवर, जल के बारे में हमारे भाई ने अभी बहुत कुछ बोला, हम सुन रहे थे। जल ही जीवन है और हम सब लोग जानते है कि पूरी दुनिया का 3/4 भाग जल है और उसमें भी पीने योग्य जो जल वह सिर्फ केवल तीन से चार प्रतिशत है बाकी सारा जल खारा है उसका हम प्रयोग नहीं कर सकते और उसमें भारत की जनसंख्या है वह विश्व की जनसंख्या के 16 से 17 प्रतिशत लोग भारत में रहते हैं और उसमें से 20 प्रतिशत जानवर भारत में रहते हैं। हम लोग कृषि में उपयोग के लिए नवासी प्रतिशत जल का प्रयोग करते है और केवल 11 प्रतिशत जल में 6 प्रतिशत औद्योगिक क्षेत्र में लगाते हैं और पांच प्रतिशत पीने के पानी के रूप में प्रयोग में लाते हैं। जो चार हजार मिलियन क्यूबिक वर्षा होती है उसमें से केवल तीन सौ मिलियन क्यूबिक लीटर पानी ही हम रिजार्च कर पाते हैं बाकी पानी बह जाता है। इस कारण बहुत बड़ी विडम्बना है कि हम पानी को रोक नहीं पाते हैं। हमारे भाई यहां पर कह भी रहे थे और वास्तव में हम लोगों ने एक व्यवस्था बनाई है। हम लोग एक कानून लेकर आ रहे हैं, अगर उसका विस्तार स्वरूप बताएंगे तो बहुत समय लगेगा लेकिन मैं संक्षेप में कहना चाहता हूं कि जितने हमारे मेडिकल, इंजीनियरिंग, प्राइवेट, डिग्री, गवर्नमेण्ट आदि कोई भी स्कूल-कॉलेज है आप विदआउट रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम किसी को भी मान्यता नहीं दी जाएगी और जिन्हें मान्यता दी गयी है अगर वे नहीं लगाते हैं तो उनकी मान्यता पर खतरा आ सकता हैं। इसी तरीके से मान्यवर जितने भी सरकारी प्रतिष्ठान है, जितने भी हमारे घर है अगर उन्होंने समरसिबल लगा रखा है तो रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य किया जाएगा। दूसरा, हमारे यहां जल को प्रदूषित कर दिया जाता है। बूचड़खाने से निकलने वाले ब्लड को सीधे पानी में डालते हैं, पानी को दूषित करते हैं। कैमिकल की फैक्ट्री लगाते हैं इससे भी पानी दूषित होता है इसके लिए भी हम प्रावधान कर रहे हैं जिसमें पांच से सात साल तक की सजा और दस से बीस लाख तक का जुर्माना उस पर लगाया जाएगा जो पानी को दूषित करेगा। इस तरह से हम लोग नियम बना रहे हैं भू-गर्भ जल प्रबन्धन विनियमन हम लोगों का आ रहा है जल्दी से जल्दी हम लोग वाटर रिचार्जिंग की व्यवस्था करेंगे। पिछली बार 20 हजार तालाब मनरेगा से 8 हजार तालाब खेत तालाब योजना से और पांच सौ तालाब और चेक डैम मिलाकर लघु सिंचाई से उत्तर प्रदेश में बनाए गए हैं। वृक्षारोपण की बात चल रही थी, पीपल का वृक्ष हो, बरगद का वृक्ष हो, आम, महुआ हो, जामुन हो बड़े बड़े वृक्षों को तालाब के चारों ओर लगाने की बात कही गई। हमारे भारत के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि हर घर को नल से जल देने की बात कही है। उस पर भी वृहद कार्य योजना बनाई गई है उस कार्य योजना के

आधार पर भी हम अगर हम विस्तार से कहेंगे तो समय अधिक लगेगा लेकिन 9 हजार करोड़ रुपए की बुन्देलखण्ड की और हमारे 6 हजार करोड़ की विन्ध्य क्षेत्र मिर्जापुर की योजना बनकर तैयार है। इसमें जल्दी से जल्दी हम लोग बुन्देलखण्ड के काम को शुरू करेंगे उसके बाद विन्ध्य क्षेत्र और मिर्जापुर क्षेत्र का काम हम लोग शुरू करेंगे। जल के बारे में बड़ी वृहद योजना बन रही है संक्षेप में दो तीन बातें बताऊंगा बहुत वर्षों से हमारी दो तीन परियोजनाएं थी जो आज तक पूरी नहीं हो पाई थीं तीस साल पहले वाण सागर नहर परियोजना शुरू की गई थी जिसको माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में पूरा किया गया और पूरा करने के कारण से वहां पर किसानों के लिए सिंचाई की व्यवस्था की गई।

पहाड़ी बांध योजना जो 10 वर्ष बाद पूरी की गई उसको भी पूरा किया गया इसी तरीके से बुन्देलखण्ड क्षेत्र की अन्य पूर्ण की गई परियोजनाओं में 6 बड़ी परियोजनाएं ललितपुर की जमरार की बांध परियोजना, झांसी की पहुंच बांध परियोजना, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, पथरई बांध परियोजना, जनपद महोबा की परियोजना, कर्वी की परियोजना इन सब परियोजनाओं को पूरा किया गया है। सरयू नहर परियोजना जो 39 वर्षों से बनी है उस परियोजना को भी पूर्ण करने के लिए युद्ध स्तर पर काम हो रहा है 2020 तक उस परियोजना को हम लोग पूरा करेंगे इसी तरह से अर्जुन सहायक परियोजना भी जो हमारी 10 वर्ष से पहले बनाई गई थी उसको भी पूर्ण करने का काम चल रहा है। मध्य गंगा द्वितीय चरण परियोजना जो 11 वर्ष पूर्व बनाई गई थी उसको भी पूर्ण करने की कार्यवाही चल रही है। इस तरह से जो 30 माह में परियोजनाएं पूरी की गई हैं उसके माध्यम से कुल दो लाख 16 हजार 666 हेक्टेएयर भूमि को हम लोग सिंचित कर पा रहे हैं और जो परियोजनाएं अभी पूरी करनी हैं 2019-20 में जो परियोजनाएं प्रस्तावित हैं उसमें सरयू नहर परियोजना, अर्जुन सहायक परियोजना, मध्य गंगा परियोजना, रसिन बांध परियोजना, चौधरी चरण सिंह बलखेड़ी बांध परियोजना, भवानी बांध परियोजना, भंडई बांध परियोजना कुलपहाड़ परियोजना ऐसी बहुत सारी परियोजनाएं हैं, जिनको हम 2019-20 में पूरा करेंगे। जिसके माध्यम से हम हजार 8 लाख 37 हजार हेक्टेएयर भूमि को सिंचित कर पाएंगे। इसके साथ ही जो 2019-20 के लास्ट में परियोजनाएं पूरी करनी हैं उन सब परियोजनाओं को पूरा करने के बाद 10 लाख हेक्टेएयर से ज्यादा जमीन हम लोग सिंचित कर पाएंगे। उन परियोजनाओं को हम लोग 2020 तक पूरा कर देंगे। इसके बाद दूसरी बड़ी समस्या जो उत्तर प्रदेश में रहती है। बाढ़ की समस्या इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत काम किया उन्होंने नदियों को चैनलाइज किया केवल बांध ही नहीं बनाया बल्कि नदी के बीच से बालू को निकालकर चैनलाइज करने के कारण से अबकी बार बाढ़ बहुत कम आई है। जिन इलाकों में बाढ़ आती थी वह सब सुरक्षित हैं। उसके लिए भी बहुत सारे कार्य हैं समय की कमी है उनको भी हम त्वरित गति से पूर्ण कराने का काम करेंगे। इसी तरीके से जो हमारे ट्यूबवेल हैं कुल 35 हजार 889 ट्यूबवेल हैं उन ट्यूबवेलों के

माध्यम से सिंचाई हो रही है सिंचाई के सारे बिन्दुओं को लेकर हम लोग उस पर कार्यवाही कर रहे हैं। जो ट्यूबवेल खराब हैं उनको भी जल्दी से जल्दी ठीक कराने की व्यवस्था करेंगे। इसके साथ-साथ माइनर इरीगेशन के माध्यम से चेक डैम और तालाब इन सबकी व्यवस्था को भी लागू कर रहे हैं। जल्दी से जल्दी इस पर भी कार्यवाही करेंगे। समय बहुत कम है इसलिए आपका ज्यादा समय न लेते हुए कभी और अवसर मिलेगा तो सिंचाई की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताऊँगा। आपने अवसर दिया आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***[16:04] डा0 अनीता लोधी राजपूत-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय आपका बहुत-बहुत आभार जो आपने मुझे इस अवसर पर बोलने का जो समय दिया है ।अधिष्ठाता महोदय मेरा विषय है लैंगिक समानता और यह हमारे भारतवर्ष का बहुत ज्वलंत विषय है हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी जब से वह प्रधानमंत्री बने तब से उन्होंने 22 जनवरी 2015 में एक योजना अभियान को लागू किया उस अभियान के माध्यम से हम पूरे भारतवर्ष में इस लैंगिक समानता के लिए एक सकारात्मक कार्य सरकार के माध्यम से सामाजिक दृष्टि से कर रहे हैं। लेकिन मुझे बहुत अफशोस होता है अधिष्ठाता महोदय यह कहते हुए कि यह लैंगिक समानता का विषय रखते हैं बात करते हैं और जो हमारा सतत विकास का कार्यक्रम है बिन्दु है उसमें इस लैंगिक समानता को बहुत प्रमुख रूप से रखा गया है लेकिन कहीं न कहीं मैं महिला होने के नाते यह विषय रखना चाहूंगी कि हम महिलाएं इस विषय को या इस असमानता को हमेशा हर जगह इससे रूबरू होते हैं। जैसे कि सदन में भी हम महिलाएं एक साथ बैठी हुई हैं। हम सिर्फ 10 प्रतिशत महिलाएं हैं पूरे सदन में हमें बोलने का अवसर उतनी आसानी से नहीं मिल पाता जितना कि पुरुषों को मिलता है। तो यह जो लैंगिक समानता है हमें सदन से ही सबसे पहले प्रारम्भ करनी चाहिए। क्योंकि बचपन से हम महिलाएं या बच्चियां इस पीड़ा से गुजरते हैं। जैसा कि मैं समझती हूं हमारे प्रधानमंत्री जी ने इस योजना को जो चलाया है इस अभियान को चलाया तो कहीं न कहीं उनकी जो पीड़ा रही होगी उस पीड़ा को मैं दो पंक्तियों में व्यक्त करना चाहूंगी बोए जाते हैं बेटे और उग आती हैं बेटियां। क्योंकि एक जो भाव होता है हर व्यक्ति का या माता का भी कहूंगी कि महिलाओं को भी मैं इसमें दोषी मानती हूं यही भाव होता है कि जो भी महिला गर्भवती होती है वह भी यही सोचती है कि एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हो इसीलिए कहा जाता है कि बोए जाते हैं बेटे और उग आती हैं बेटियां खाद पानी बेटों में और लहलहाती हैं बेटियां ऐवरेस्ट की ऊंचाइयों तक ठेले जाते हैं बेटे और चढ़ जाती हैं बेटियां तरह तरह के स्वप्न दिखाते हैं बेटे और जीवन का यथार्थ होती हैं बेटियां फिर भी जीवन तो है बेटों का मारी जाती हैं बेटियां । यह वह पीड़ा है जिस पीड़ा को हमारे प्रधानमंत्री जी ने समझा और हमें यह अवसर महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने यह अभियान चलाया जैसा कि यह सर्वविदित है, सभी इस चीज को महसूस

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

करते हैं कि हमारा भारत वर्ष है, वह एक पुरुष प्रधान प्रदेश है, मैं सभी समस्त भारतवर्ष के पुरुषों को बधाई देना चाहूंगी, क्योंकि यह प्रधानता यह प्रमुखता यह प्राथमिकता उनके जन्म के साथ ही सुनिश्चित हो जाती है कि वह प्रधान हैं, लेकिन पुरुषों को मैं एक बात और कहना चाहूंगी कि पुरुष वह माध्यम हैं, जो हम महिलाओं को बेटियों को बहनों को या पत्नियों को आगे बढ़ाने का सबसे बड़ा माध्यम भी हैं मैं यहां इस सदन में अगर खड़ी हूं तो मेरे पिता और मेरे पति के माध्यम से ही उनके द्वारा ही मुझे जो आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली पिता ने मुझे शिक्षित बनाया और मेरे पति ने मुझे इस स्थान तक पहुंचाने के लिए एक संघर्ष किया मेहनत की तो मैं सभी पुरुषों को धन्यवाद देना चाहूंगी कि जिस तरह आप महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक अग्रणी भूमिका निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उसके लिए आप सभी धन्यवाद के पात्र हैं। भाइयों के लिए आप सभी लोग इस बात को महसूस कर रहे होंगे क्योंकि यह पूरा सदन है और यहां इतने कोने में इतनी महिलाएं बैठी हैं। पूरा सदन पुरुषों से भरा हुआ है। हम भाई पिता और पति के बिना आगे नहीं बढ़ सकते हैं। लेकिन अधिष्ठाता महोदय महिला कितनी भी सक्षम हों काबिल हों लेकिन उसे जब तक पुरुषों का पिता पति या भाई का सहयोग नहीं मिलता वह आगे नहीं बढ़तीं। यहां पर सदन में बैठे हुए भाइयों को मैं धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होंने हमें यह सुअवसर दिया है। मैं बताना चाहूंगी कि वर्ड इकोनामिक फोरम द्वारा 2017 की ग्लोबल जेंडर इंडेक्स की अगर हम बात करें तो भारत 144 देशों में 108वें नम्बर पर आता है। और इस रैंक से हम साफ तौर पर अंदाजा लगा सकते हैं। कि हमारे देश में लैंगिक भेद-भाव की जड़ें कितनी मजबूत और गहरी हैं। इन पर हमें अपने घर से ही ध्यान देना होगा।

मैं डिबाई विधान सभा क्षेत्र बुलन्दशहर से आती हूं। तो मेरा जो क्षेत्र डिबाई है वह काफी ग्रामीण क्षेत्र है और काफी पिछड़ा हुआ है। लेकिन वहां पर मैं इस बात को गर्व से कह सकती हूं कि डिबाई में जब से मैं विधायक बनी हूं मैं एक महिला हूं जब से मैं विधायक बनी हूं मैंने वहां पर बच्चियों को महिलाओं को युवतियों को एक सकारात्मक रूप से आगे बढ़ते हुए देखा है। तो मुझे बहुत खुशी होती है कि जब महिलाएं कहीं नेतृत्व करती हैं तो महिलाएं सकारात्मक रूप से आगे बढ़ती हैं। इसके लिए मैं धन्यवाद देना चाहूंगी दूसरी बात यह जो शिक्षा की दृष्टि से जो एक परम्परा चली आ रही है वैसे मेट्रो सिटी या शहरों की बात करें तो यह परम्परा कहीं न कहीं टूटी है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में भी या कस्बों में आज भी परम्परा है जहां पर बच्चियों को उतनी उच्च स्तर की शिक्षा नहीं दी जाती । उसी जगह अगर बेटे की शिक्षा की बात हो तो उसे एक उच्च स्तरीय शिक्षा देने की हमेशा कोशिश की जाती है। बच्चियों के शिक्षा के स्तर पर भी हमें उतना ही ध्यान देना चाहिए जितना कि बेटों की शिक्षा पर दिया जाता है। साथ ही रोजगार के जो अवसर होते हैं वहां पर महिलाओं को उतनी ही भूमिका देनी चाहिए उनक चयन उनकी क्षमता के आधार पर होना चाहिए। स्वास्थ्य की दृष्टि से और

आर्थिक दृष्टि से यदि हम उस रूप में महिलाओं की भागीदारी रखें तो मेरा मानना है कि जो यह लैंगिक समानता का विषय है जल्दी ही हम इसकी ओर सकारात्मक कदम उठाएंगे। राजनीतिक सशक्तीकरण में हम महिलाओं को निश्चित रूप से भूमिका देनी चाहिए। सिंचाई मंत्री जी चले गए हैं उनसे सम्बंधित तीन बिन्दु हैं मैं बताना चाहूंगी कि रामगंगा घाट का एक पुल है जो मैंने 301 का प्रश्न 15 मई, 2017 को लगाया था आज तक उसके बनने की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है कृपया इसे नोट कर लें एक तीर्थ स्थान है वहां पर तीर्थ यात्री वहां पर आते हैं इसको नोट कर लिया जाए। दूसरा एक राजघाट में कटान बहुत होता है मेरा गांव है जो कटान से खत्म हुआ जा रहा है उसके लिए भी एक योजना बन चुकी है उसके लिए बजट प्रस्तावित है तो राजघाट के कटान का जो बजट है उसको मान्यता प्रदान कर दी जाए। एक कन्या डिग्री कालेज की मांग मैं इस सदन के माध्यम से शिक्षा विभाग से करना चाहती हूं कि कन्या डिग्री कालेज के लिए जो मैंने प्रस्ताव दिया हुआ है उसको स्वीकार करें। इन्हीं चन्द शब्दों के साथ मैं अपनी बात को विराम देती हूं। आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद जय हिन्द जय भारत ।

*[16:12] **श्री राकेश सिंह**-

मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150 वीं जयन्ती पर आहूत विशेष सत्र में मा0 मुख्य मंत्री जी सहित समस्त लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। सबसे पहले मैं कहना चाह रहा हूं कि हमारे दल कांग्रेस सहित सभी विपक्ष के मा0 सदस्यगण यहां पर उपस्थित नहीं हैं इसके लिए कोई ऐसा कानून बनाया जाय कि विधायकों के ऊपर यह लागू हो। क्योंकि जो विधायकों को पांच साल के लिए मौका मिलता है, जो जनता चुनकर भेजती है वह उनकी समस्याओं को सदन में रखने के लिए होता हैं बाहर धरना प्रदर्शन करने के लिए सभी दल के नेता होते हैं वह स्वतंत्र होते हैं कि वह जाकर बाहर विरोध प्रदर्शन करें अपनी अपनी बात रखें लेकिन जब विधायक हो जाता है विधायक को वह लोग भी वोट देते हैं जो यह समझते हैं कि हमारा विधायक विधान सभा में जाकर हमारे क्षेत्र की बात रखेगा। पूरे पांच साल में मुश्किल से 100-150 दिन सत्र चलता है। उसमें भी अगर 50 दिन वाकआउट कर दिया जाए तो जो विधायक चुनकर आया है या जिस विधायक को जनता ने चुना है कि वह जाकर मेरी बात विधान सभा में रखेगा तो उनको विधायक क्या जवाब देगा तमाम बारिश हुई चार पांच दिन से लगातार बारिश हो रही थी हजारों घर गिर गए हैं क्षेत्र में आकर उसके लिए डिफेंस करते सत्तापक्ष से बात करते कि इतने मकान गिर गए हैं उनके लिए आवास बनवाया जाए तमाम लोग ऐसे हैं जिनका पात्रता सूची में नाम नहीं है लेकिन आज बेघर हो गए हैं दूसरे के घर में शरण लिए हुए हैं। कोई पालीथीन और छप्पर तानकर रह रहा है। ऐसा कोई नियम बनाया जाए कि विधायक होने के बाद जब सत्र आहूत हो तो कम से कम सत्र में वह उपस्थित रहे चाहे जिस दल का हो। अगर इस तरह होता रहेगा कि विपक्ष जब चाहे तब आए और जो

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

विधायक इसमें आना भी चाहते हैं उनके ऊपर भी बंदिश लगाई जाती है कि आप भी सत्र में न जाइए यह बात मेरी समझ में नहीं आती। जब विधायक चुना जाता है तो क्या उसमें कांग्रेस वाले, भारतीय जनता पार्टी वाले या सपा वाले ही उसको वोट देते हैं ऐसा कोई नियम बनाया जाये कि जब सत्र चले तो विधायक जरूर उपस्थित रहे। चाहे वह सत्तापक्ष का हो या विपक्ष का हो, तभी वह इस सदन में आ करके जनता की बात को कह सकता है। काम बहुत हो रहे हैं, अगर सरकार अच्छा काम करे तो विपक्ष को भी उसमें सहयोग करना चाहिए और गलत काम करे तो सत्तापक्ष के विधायक भी कह सकते हैं कि हां, यह सरकार की तरफ से गलत हो रहा है, यह अधिकारी गलत कह रहा है और इसके ऊपर अंकुश लगाना चाहिए। हमारे सत्तापक्ष के लोगों की भी तमाम ऐसी चीजें हैं, अगर उनको पसंद नहीं आती हैं तो वह बोल देते हैं। अगर विपक्ष के लोग सत्तापक्ष की बात से सहमत हों, तो भी उनको कहने का अधिकार नहीं होता है कि यह सरकार अच्छा काम कर रही है। इसमें कौन सी विडम्बना है कि हम लोग उसमें नहीं बोल सकते हैं। मेरा सुझाव है कि सदन में कोई ऐसा नियम बन सकता हो तो वह पास किया जाये कि जो विधायक चुन गया और चुनने के बाद विधान सभा सत्र आहूत होने के बाद उसको विधान सभा चलने के टाइम में रहना ही है, चाहे जो करना पड़े। जब तक ऐसा कोई नियम लागू नहीं होगा, तब तक जनता का इस विधान सभा सत्र में जो पैसा खर्च होता है, उसका सही लाभ नहीं मिल पायेगा। मैं देख रहा हूं कि सरकार सभी दिशाओं में अच्छा काम कर रही है। लेकिन जो अच्छा काम करती है, उसके बारे में विपक्ष का व्यक्ति कोई एक बार भी नहीं कहता। कोई एक गड़बड़ी हो जाती है तो उसके लिए वॉक आउट करके चले जाते हैं। अरे भाई, आप फेस करिये, यहां आ करके बैठिये और बोलिये कि यह गड़बड़ी हो रही है। मैं भी कहता हूं कि जो गड़बड़ियां हैं, उनके बारे में मैं भी बोल सकता हूं और बोलता हूं। मैं देखता हूं कि आदरणीय योगी जी रोज इलाज के लिए करोड़ों रुपये दे करके सभी जाति के, सभी धर्म के, सभी पार्टियों के लोगों की जान बचा रहे हैं। तमाम ऐसे लोग होंगे जो समाजवादी पार्टी के, बहुजन समाज पार्टी के और कांग्रेस पार्टी के अनुयायी हैं, लेकिन जब वह बीमार हुए, उनकी किडनी तक 10-10 लाख रुपये, सरकारी पैसे दे करके चेंज करवाई गई। केवल इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद नहीं दे सकता हूं, इसके लिए कौन खड़ा होगा। जब सरकार से पैसा दिलवाना होगा, तब मैं पत्र लेकर जाऊंगा और जब पैसा मिला जायेगा तो वॉक आउट करके बाहर चला जाऊंगा। इस तरीके की गतिविधियां विपक्ष के लोग करते हैं। मान्यवर, कोई भी सदस्य जो जनता से चुन करके आता है, अगर सरकार अच्छा काम करती है, तो उसे सपोर्ट करना चाहिए और गलत करती है तो आप विपक्ष में बैठ करके लड़िये और उनको स्मरण कराइये कि हां ऐसी गलतियां हो रही हैं। मान्यवर, आज जिसकी वजह से तमाम किसान परेशान हैं, उसकी तरफ में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। यह जो आवारा पशु घूम रहे हैं, चाहे कोई ऐसी सरकारी योजना हो, जो किसानों को छूट देने के लिए चल रही हो,

उसको बन्द कर दिया जाये। लेकिन गाय के लिए, बैलों के लिए जो 30 रुपये धनराशि रखी गई है, वह कम है।

अधिष्ठाता महोदय, मैंने स्वयं अपनी आंख से गौशाला में जा करके देखा है। जिसकी 100 गायों की कैपेसिटी है, उसमें 400 गायें भर दी गई हैं, उनके बैठने के लिए जगह नहीं है, एक दूसरे में सटी हुई खड़ी हैं। इतना कीचड़ है कि उनके आधे-आधे पैर मिट्टी में जमे हुए हैं। हो सकता है कि 8 दिनों से वह पैर भी नहीं उठा पायी हों, उनको भोजन और पानी की बात छोड़ दीजिए। बहुत सी मैंने ऐसी गाय देखी हैं, जो जीवित हैं, लेकिन भूख-प्यास के मारे गिर गयी हैं। उनके जीवित अवस्था में ही उनके ऊपर कौआ और चील बैठ करके उनकी आंख निकाल रहे हैं। जब आंख में टोट मारते हैं, तो वह छटपटाते हैं। इसलिए यह जो 30 रुपये धनराशि रखी गई है, इसको बढ़ा करके कम से कम 100 रुपया किया जाये। इसमें जो कर्मचारी लगाये गये हैं, उनका भी दोष नहीं है, क्योंकि 8 रुपये किलो भूसा मिल रहा है। एक गाय कम से कम 4-5-6 किलो भूसा एक टाइम में खाती है। दोनों टाइम में जब उसको 8-10 किलो भूसा मिलेगा तो 80 रुपये उसके भूसे की कास्ट हो गई। आप 30 रुपये में उसको कैसे जीवित रख सकते हो। यह बहुत ही महत्वपूर्ण बिन्दु है। अगर इसकी कास्ट बढ़ाई नहीं गई तो बाहर से अधिकारी, नेताओं को खुश करने के लिए, सरकार को खुश करने के लिए उनको उठा करके गौशालाओं में बन्द तो कर देते हैं, लेकिन अगर उनको पेट भर भोजन नहीं मिलेगा, पानी नहीं मिलेगा तो वह थोड़े दिनों में मर जायेंगे। वह थोड़े दिन ही जीवित रहेंगें। दूसरा, अभी पानी की समस्या के बारे में हमारे जल मंत्री जी बोल रहे थे। हमारी विधान सभा क्षेत्र में 4-5 गांव ऐसे हैं, जहां पर इतना खारा पानी है कि वहां पर लोग विकलांग पैदा होना शुरू हो गये हैं। वहां फ्लोराइड युक्त पानी आता है। इण्डिया मार्का हैण्डपाइप लगवाई, एक साल के अन्दर पूरी मशीन गल जाती है। ऐसी जगहों को चिन्हित करके सबसे पहले वहां मीठे पानी की व्यवस्था कराई जाये। हम लोगों को जनता इसलिए चुन कर भेजती है कि हम लोग विधान सभा में आ करके अपने क्षेत्र की समस्यायें रखें और उसका निराकरण करायें। चूँकि मैं रायबरेली से विधायक हूं। महात्मा गांधी के बारे में सुना बहुत है, पढ़ा बहुत है, देखा तो नहीं है। लेकिन महात्मा गांधी के बारे में जो पढ़ा है, उसमें लिखा हुआ था कि वह हठ योग सिद्ध किये हुए थे। उनको तो मैंने नहीं देखा है। लेकिन मैंने यह जरूर सुना है कि अगर उन्होंने हठ कर लिया कि अब अंग्रेज हिन्दुस्तान में नहीं रहेंगे तो उन्होंने उनको हटा करके ही दम लिया। उसी प्रकार मैंने देखा कि हमारे आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी अगर हठ कर लिये कि उत्तर प्रदेश में अपराधी नहीं रहेंगे तो उन्होंने अपराधियों को खत्म करके ही छोड़ा। चाहे उत्तर प्रदेश से हटा करके, चाहे ऊपर भेज करके। (सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)। आज के महात्मा गांधी तो हमारे आदरणीय मोदी जी और योगी जी हैं। मैंने महात्मा गांधी को तो देखा नहीं, लेकिन यह उनका असली अनुकरण कर रहे हैं। जो महात्मा गांधी का असली अनुकरण कर रहे हैं, वह हमारे

आदरणीय मुख्य मंत्री योगी जी और प्रधानमंत्री मोदी जी हैं। नकली गांधी बनने से थोड़े ही कुछ हो जाता है। (सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) आप भी हठ करिये कि मैं बैठ करके सत्तापक्ष से लड़ूंगा कि हां, यह गड़बड़ी हो रही है, इसको ठीक किया जाये। यह नहीं कि सदन से भाग जाइये, यह महात्मा गांधी का अनुकरण नहीं होगा। अभी तमाम सदस्य बोलने के लिए इच्छुक हैं। मान्यवर, मैं भी देख रहा था कि हमारे शिवपाल यादव जी बोल रहे थे, उन्होंने बिजली के बारे में बताया। मैं आपको एक घटना बताना चाहता हूं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक सिवरी पावर हाउस है। उसमें दुर्भाग्य से एक मुलायम सिंह यादव नाम का जे0ई0 है और उस जे0ई0 ने एक व्यक्ति से 1 लाख 20 हजार रुपये ट्यूववेल के बिजली के कनेक्शन के लिए मांगा। हमने उसे फोन किया और हमने कहा कि दो खम्भे और एक ट्रान्सफार्मर लगेगा। बताइये उसका कितना पैसा लगेगा ? उन्होंने कहा साहब, लगभग 45 हजार रुपये। फिर हमने कहा कि मेरे सामने आदमी खड़ा है और उसको तुमने 1 लाख 20 हजार रुपये बता दिया। मैंने कहा कि 1 लाख 20 हजार रुपये क्यों मांग रहे हो, तो उसने कहा कि सर उसको भेज दीजिए, मैं देख लेता हूं। तो मैंने कहा कि देख क्या लेते हो, जब हर बार मैं कहूंगा तब आप देख लोगे? तो ऐसे ही गड़बड़ी कर रहे हैं, जो बिजली विभाग के ऊपर आरोप लग रहा है। मैंने माननीय मंत्री जी से कहा कि उसको हटा दीजिए, इन्होंने कहा कि आज की तारीख में हट जायेगा। अधिकारियों का गोलमाल था, उन्होंने उसको दूसरी जगह अटैच कर दिया। वह वहां का भी चार्ज और दूसरी जगह का भी काम देखने लगा। उसका तो चार्ज और बढ़ गया, उसको हटाने के बजाये, अब इस तरह की गड़बड़ियां हैं। उनको कौन बताये कि बिजली की गड़बड़ी हो रही हैं तो कहां से हो रही हैं। इसमें सरकार की जिम्मेदारी है या जो पहले वाले बैठे हुए हैं, उनकी जिम्मेदारी है, जो पहली सरकार वालों ने बैठा दिया है। उनकी आदत खराब हो गई है, वह धीरे-धीरे खत्म होगी। लेकिन जब हमारे जन प्रतिनिधि क्षेत्र में जाते हैं तो कोई बात उनकी समझ में आती है, अधिकारियों को फोन करते हैं तो अधिकारी उसको घुमा-फिरा के इसी तरह दो-चार दिन टाल देते हैं। फिर नेता भी भूल जाते हैं और अधिकारी भी भूल जाते हैं। लेकिन सुधार हो रहा है, इसमें कोई दो राय नहीं है और सुधार होने का जीता-जागता उदाहरण दिखाई पड़ रहा है कि अभी हमारे शिवपाल यादव जी रामायण और महाभारत से उदाहरण दे रहे थे। (हंसी) इससे नहीं लग रहा है कि सुधार हो रहा है। उसी का जीता-जागता उदाहरण है, इससे पहले हमने कभी नहीं सुना था कि रामायण और महाभारत से उदाहरण दिये जायेंगे। भारतीय जनता पार्टी के लोग तो देते थे। लेकिन समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के लोग कभी रामायण और महाभारत का उदाहरण नहीं दिये। लेकिन अभी उन्होंने उसको बताया और समझाया। इससे लगता है कि सुधार हो गया है। जो कुछ बचा है, वह भी हो जायेगा। जैसा कहते हैं कि करेला को देखकर करेला रंग बदलता है। सभी पार्टियों के विधायक इस समय ठीक हैं। यह जरूरी नहीं कि केवल भाजपा के ही हों। लेकिन मुख्य मंत्री जी को अधिकारियों को

निर्देश देना चाहिए कि अगर विधायक कोई बात किसी अधिकारी से कहता है, यदि जायज बात हो तो उसको सुना जाये। अधिकारियों ने एक धारणा बना लिया है कि कोई भी बात विधायक कहता है तो गलत ही कहता होगा। अरे, कहते रहे होंगे, यह हो सकता है, लेकिन अब नहीं कहते। अब तो सब जायज बात ही कही जाती है। (सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) विधायकों को प्रोटोकाल के नाम पर मैं देखता हूं कि कोई भी विधायक हो, चाहे वह सत्तापक्ष का हो या विपक्ष का हो। वह किसी कार्यालय में आई0ए0एस0, पी0सी0एस0 अफसर से मिलने चला जाये। फोर्थ क्लास का चपरासी आगे घेर करके खड़ा हो जायेगा कि साहब पहले पर्ची भेज दीजिए और वहां बैठिये। अब आप विधायक हो करके बाबू के पास जाइये और खड़े होइये तो वह आपके सामने उठेगा नहीं, वह भी बैठा रहेगा और विधायक उसी के सामने खड़ा रहेगा। पहले वह पर्ची भेजेगा और पर्ची देने के बाद पता नहीं कितने देर में वहां से बुलावा आता है। तब तक विधायक वहीं इंतजार करेगा। अरे, यह क्या प्रोटोकाल है? कोई भी विधायक हो, चाहे वह सत्तापक्ष का हो या विपक्ष का हो। अरे, हम लोग अपने क्षेत्र की समस्या लेकर उनके पास जाते हैं, कोई ठेका-पट्टी उनसे मांगने नहीं जाते है। लेकिन अधिकारी के पास जाओ तो पहले फोर्थ क्लास का चपरासी उसको घेर के खड़ा हो जाता है और कहता है कि आप पहले बैठ जाइये। वहीं स्टूल पड़ा होता है। फोर्थ क्लास का कर्मचारी कुर्सी पर बैठेगा और विधायक वहीं बगल में स्टूल पर आफिस के बाहर बैठ जायें और वह इंतजार करेगा कि साहब बुलाये तो हम अन्दर जाये। यह क्या प्रथा है। इस पर विचार कब होगा? अगर सब नेता सुधर गये हैं, तो इनको भी ठीक करो। यह भी तो जिम्मेदारी सरकार की है। (सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) मैं यह नहीं कहता हूं कि किसी के कहने पर गलत काम हो। ऐसा नहीं है, सभी नेता और अधिकारी चिन्हित हैं कि कौन गलत करता है और कौन सही करता है। जिस जिले में अधिकारी खराब होंगे, अधिकारियों के बारे में लोगों को जानकारी हो जाती है कि यह अधिकारी ठीक नहीं है। अगर न मानिये तो 6-6 महीने के कार्यकाल की एस0ओ0 से ले करके डी0एम0 तक, एस0पी0 तक सबकी गुप्त वोटिंग करा लीजिए। उसके आधार पर उसको 6 महीने से ज्यादा एक जिले में रखा जाये, ऐसा कोई नियम बनाया जाये कि थानाध्यक्ष किसी क्षेत्र में पोस्ट हो और 6 महीने बाद वहां पर एक पेटी टांग दिया जाये और उस पर लोग गुप्त रूप से वोट कर दें और पता लग जाये कि वह रखने लायक है कि नहीं। कोई जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक पोस्ट हो और उसके बारे में जानकारी लेना हो, आप नेताओं की बात न मानो लेकिन सत्यता के बारे में कम से कम आप परीक्षण करा लें कि सत्य क्या है, सही क्या है। उसकी जानकारी करनी पड़ेगी, तभी तो सही चलेगा।

श्री अधिष्ठाता-

राकेश जी, समाप्त कर दीजिए। अब सुनील वर्मा जी।

श्री राकेश सिंह-

हम लोग बड़े सौभाग्यशाली हैं कि अधिकारी और नेता दोनों जिस दिन एक हो जायेंगे, वर्तमान में महात्मा गांधी से अच्छा काम किया जा सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं है। नेता तो सुधर गये हैं, लेकिन अधिकारी अभी नहीं सुधरे हैं, उनका इंतजाम सत्तापक्ष को करने की आवश्यकता है। यह सौभाग्य इस प्रदेश और इस देश का है कि हमारे आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी मुख्य मंत्री के साथ-साथ एक विशुद्ध संत भी हैं। ईमानदारी, कर्मठता में इसका कोई जोड़ नहीं है। अगर ढूँढा जायेगा तो किसी भी पार्टी में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिलेगा। जितने ईमानदार और कर्मठ वह हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है।

श्री अधिष्ठाता-

धन्यवाद, बैठ जाइये।

श्री राकेश सिंह-

लेकिन यह नहीं है कि यही इतने मानक खाली पूरा करती है, सरकार चलाने में। अधिकारियों पर नजर रखना अत्यन्त आवश्यक है। अगर नहीं रखी जायेगी तो हम बहुत अच्छे रहे और अधिकारी ठीक न रहे हैं तो क्या फायदा निकलेगा, आप बताइये। काम तो उन्हीं को करना है। स्पष्ट निर्देश है कि गायों को गौशालाओं में ठीक से चारा-पानी दिया जाये। अगर जीवित की आंख निकाली जा रही है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी है, यह आप मुझे बताइये। उन अधिकारियों जिनको जिम्मेदारी दी गई है। इसमें मुख्य मंत्री जी का कोई दोष नहीं है। लेकिन यह जिम्मेदारी अधिकारियों को लेनी चाहिए। हम लोगों की रामायण में एक चौपाई आती है- ''सन्त विशुद्ध मिले पर तेही, चितवहिं राम कृपा कर देही।'' जिसको विशुद्ध संत मिलते हैं। उसको भगवान कृपा करके देखते हैं। तो यह सदन और यह पूरा उत्तर प्रदेश अपने को सौभाग्यशाली समझे कि मुख्य मंत्री के रूप में एक विशुद्ध संत हम लोगों को मिले हैं। उनका भी ध्यान रखा जाये, उनकी प्रतिष्ठा का भी ध्यान रखा जाये। हम लोग अपने भी कर्तव्य का पालन करें। सब साथ-साथ ले करके चलना चाहिए। कहीं गड़बड़ी हो तो मुख्य मंत्री तक पहुंचाइए और मुख्य मंत्री की भी जिम्मेदारी होती है कि विधायकों की भी सुने। मैं देखता हूं कि अधिकारियों से मुख्य मंत्री जी काफी देर तक बतियाते हैं और विधायकों को खाली आशीर्वाद देते हैं कि चलिये-चलिये, अच्छा ठीक है, देख लूँगा, यह भी गलत है। अधिकारी कोई बात कहने जाये तो बतिया लेंगे, वह तो अपनी बात उनके अन्दर पूरी भर देगा। चाहे झूठ कहे, चाहे सही कहे।

श्री अधिष्ठाता-

राकेश जी, समाप्त करिये। मैंने सुनील वर्मा जी का नाम पुकार लिया है।

श्री राकेश सिंह-

मान्यवर समाप्त करेंगे। लेकिन नेता जब 5 लोग जायेंगे और अपनी बात कहेंगे, तो ठीक-ठीक, चलिए। आप इतनी देर में क्या समझ पायेंगे? बहुत चीजें ऐसी होती हैं, जो सब लोग नहीं कह पाते। चाहे संकोच में मान लीजिए, चाहे डर में मान लीजिए। लेकिन मैं आपको बता दूं कि मुझे कुछ नहीं चाहिए। मुझे ऐसी कोई लालसा नहीं है कि मैं आजीवन भर विधायक बना रहूं। जो लोग यह सोचते हैं, यह उनकी मूर्खता हो सकती है, सत्यता नहीं। किसी की विधायकी स्थायी नहीं रहती, जब किसी के शरीर का कोई भरोसा नहीं है तो विधायकी कहां से स्थायी रहेगी? बहुत लोगों को हमने देखा है कि यहां अपनी बात नहीं कहते और बाहर जाकर उल्टी-सीधी बातें करते हैं और सरकार के प्रति माहौल खराब करते हैं। जहां से आपकी बात सरकार तक पहुंचनी है, वहां आप बोलते नहीं हैं और चाय की दुकान पर ग्रुप बनाकर 10-15 लोग सरकार की बुराई करते हो, तो इससे क्या फायदा है? इसलिए सही बात यहीं पर ही कहनी चाहिए, जहां के लिए आपको अधिकृत किया गया है। अगर चाय की दुकान पर बैठकर इस तरह की बात करोगे, तो सरकार की बदनामी होगी। जनता के लोग आपको दोषी ठहराएंगे कि आप जिस पार्टी में हैं, उसी पार्टी की बुराई कर रहे हैं। आप यहां पर अपनी बात कहिये, आपको अपनी बात कहने का अधिकार है। महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर 36 घण्टे का विशेष सत्र आहूत करने के लिए मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी और पूरे सदन को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। इसी के साथ मैं अपनी बात को विराम देता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

***[16:31] श्री सुनील वर्मा-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती, ''जय जवान, जय किसान'' के प्रणेता पूर्व प्रधानमंत्री मा0 लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्मदिवस पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, प्रदेश सरकार का लक्ष्य नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों का प्रयोग करते हुए सस्ती, स्वच्छ और सक्षम ऊर्जा प्राप्त करने के सिद्धांत का प्रयोग करते हुए सभी व्यक्ति के लिए आधुनिक ऊर्जा की संपूर्ण सुलभता हासिल करना और ऐसे स्रोतों पर निर्भरता को कम करने के प्रति लगातार काम करना है। जो पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं, उनके लिए सरकार का लक्ष्य है जीवाष्म ईंधनों के प्रयोग को कम करना तथा वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के प्रति व्यक्ति के उपभोग को बढ़ाना है। राज्य ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों की पहचान करने और दोहन करने को प्राथमिकता देगा, ताकि किसी एक ऊर्जा स्रोत की निर्भरता से बचा जाये और हरित ऊर्जा के स्रोतों को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भी सौर्य ऊर्जा के उपयोग की व्यापक सम्भावनाओं को व्यक्तिगत रखते हुए विशेष योजनाएं लागू की जा रही हैं। सभी क्षेत्रों, जिसमें कृषि, सरकार, विभाग और पर्यटक स्थल शामिल हैं, जिनमें सौर्य ऊर्जा एवं कुशल उपकरणों को

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रोत्साहित करना, प्रदूषणरोधी और ऊर्जा संरक्षण संयत्र समेत तकनीकी अपडेट करने के लिए क्रेडिट लिंक पूंजी, सब्सिडी आदि है। सरकार ने किसानों के लिए सौर्य ऊर्जा में 50 से 70 प्रतिशत सब्सिडी देकर बहुत बड़ा कार्य किया है। सरकार ने पिछले दो वर्षों में सौभाग्य योजना के तहत् विशेष अभियान चलाकर गांव-गांव बिजली पहुंचाने का बड़े स्तर पर कार्य किया है और पुराने जर्जर तारों को बदलने का कार्य निरन्तर जारी है। पर्याप्त ऊर्जा के अवसर सरकार ने दिये हैं, इसीलिये यशस्वी मुख्य मंत्री और ऊर्जा मन्त्री बधाई के पात्र हैं। खेतों में समरसेबल डालकर पर्याप्त बिजली का उपयोग करके किसानों की आय में भी वृद्धि हुई है। इस समय गांव में भी यह आम चर्चा है कि बिजली पर्याप्त मात्रा में मिल रही है। स्वच्छ ऊर्जा के लिए देश में पहली बार एक वर्ष में 150 करोड़ लीटर एथनॉल को पेट्रोल में मिश्रित किया गया। ऊर्जा की मुख्य धारा में महत्वपूर्ण सहभागिता करने के लिए आगे और वृहत्तर सम्भावनाएं स्पष्ट दिखायी दे रही हैं। बायोमास एवं लघु जल, विद्युत के साथ-साथ सौर्य ऊर्जा पर भी आधारित मेगावाट की क्षमता की बड़ी परियोजनाओं की स्थापना का भी मार्ग प्रशस्त हो रहा है। प्रदेश में ग्रिड संयोजित सोलर पावर की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। निःसंदेह अब हम उस लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जिसकी परिकल्पना इस अधिकरण के गठन के समय की गयी थी। प्रदेश में उपलब्ध अक्षय ऊर्जा स्रोतों तथा सौर्य ऊर्जा, लघु जल, विद्युत एवं बायोमास पर आधारित विद्युत क्षमता के विकास हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। सौर्य ऊर्जा से विद्युत उत्पादन के लिए विभिन्न क्षमताओं के सोलर पावर प्लांट स्थापित किये जा रहे हैं। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सौर्य ऊर्जा के उपयोग की व्यापक सम्भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए विशेष योजनाएं लागू की जा रही हैं। गांवों में सामुदायिक मार्ग पर प्रकाश हेतु सोलर लाईट लगायी जा रही हैं। कृषि के क्षेत्र में प्रदेश के पूर्वांचल व अन्य क्षेत्रों में लघु एवं सीमांत कृषकों को सिंचाई हेतु अनुदान पर सोलर पंप स्थापित कर लाभान्वित किया जा रहा है। राज्य के प्रत्येक नागरिक की सामाजिक, आर्थिक उन्नति के साथ-साथ उसका समावेशी और सतत विकास उत्तर प्रदेश सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, गरीबों के उत्थान के लिए योगी सरकार निरन्तर प्रयास कर रही है। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए हम आपका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

***[16:36] गन्ना विकास, चीनी मिल मंत्री (श्री सुरेश कुमार)-**

मा0 अधिष्ठाता जी, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बहुत महत्वपूर्ण विषय पर, जो सतत विकास के बिन्दु हैं, उन पर बोलने का अवसर दिया। सबसे पहले मैं बधाई देना चाहूंगा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी को, संसदीय कार्य मंत्री जी को, कि आपने बापू के 150वीं जयन्ती के अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर विशेष सत्र बुलाया और मैं आपके साथ-साथ

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बधाई देना चाहूंगा अपने तमाम साथियों को, जिन्होंने रात में भी दो-ढ़ाई बजे तक या उसके बाद जिस उत्साह, जोश और उमंग के साथ आप सबने हिस्सेदारी ली, उसके लिए मैं आप सभी को भी बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं और बहुत-बहुत अभिनन्दन करता हूं। मा0 अधिष्ठाता जी, अभी मेरे एक मित्र बोल रहे थे और उन्होंने कहा कि सामने जो विपक्ष के लोग हैं उन्हें यहां रहना चाहिए था। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जिन लोगों ने 70 साल तक गांधी जी का टैग लगा करके सत्ता में रहने का काम किया है, शासन चलाने का काम किया है। जब गांधी जी पर चर्चा का विषय आता है, जब प्रदेश के विकास पर चर्चा का विषय आता है तो वह सदन में नहीं रहते। इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि उनका गांधी जी की नीतियों से किसी भी प्रकार का कोई मतलब नहीं है। कोई भी सत्र बुलाया जाता है तो मुझे लगता है कि उसके पीछे कोई न कोई दिल और दिमाग काम करता है। पूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने सत्र बुलाया, तो मैं उसका विश्लेषण कर रहा था और विश्लेषण में से जो बात निकलकर आती है, तो मुझे लगता है कि बापू जी का जो प्रमुख विषय छुआ-छूत का विरोध करना, समानता का अधिकार और सतत विकास का है इस पर मैं बाद में आऊंगा। गोरखनाथ पीठ के पीठाधीश्वर महन्त अवैद्यनाथ जी महाराज के विषय में मैं पढ़ रहा था तो जानकारी मिली कि जब छुआछूत चरम पर था, तो पूरे गोरखपुर से लेकर पटना तक पूरे पूर्वांचल में यदि किसी ने सहज विरोध करने का काम किया तो वह कार्य पूज्य महन्त अवैद्यनाथ जी ने किया। मैं उनके चरणों में बहुत-बहुत अभिनन्दन करना चाहता हूं। उनसे प्ररेणा ले करके आज उसी पीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री हैं। निश्चित रूप से वह विवेक, प्रेरणा और सोच कहीं न कहीं से व्यक्ति के अन्दर आती है। गांधी जी के सपनों के बारे में हम बात करते हैं तो गांधी जी ने कहा था कि दलित, शोषित और वंचित, सबको उनका अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन देश में 70 साल तक गांधी जी का टैग लगाने वालों ने क्या किया? मैं बधाई देना चाहता हूं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी को, कि जहां वर्षों बाद बहुत मेहनत करके लोगों को आजादी मिली, लेकिन उसके बाद भी दलित, शोषित, वंचित और गरीबों के साथ जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक हिस्सेदारी के साथ अन्याय हो रहा था, उस अन्याय को धारा-370 और 35-ए हटाकर के आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने नया रास्ता खोला है, मैं इसके लिए उनका बहुत-बहुत अभिनन्दन करना चाहता हूं। अभी गांधी जी के विषय में चर्चा कर रहे थे, आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने भी अपने भाषण में कहा कि जब आदरणीय प्रधानमंत्री जी बनारस, काशी आये तो उन्होंने वहां की संकरी गलियों को देखकर कहा कि यह बहुत संकरी गलियां हैं।

मैं बधाई देना चाहता हूं देश के प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी को, कि आज उन्होंने बनारस, काशी में गंगा मईया और मंदिर के बीच में जो संकरी गली थी, उस संकरी गली को एक विराट रूप देने का काम

किया है। इसके लिए मैं अपने दोनों नेताओं का बहुत-बहुत अभिनन्दन करना चाहता हूं। अभी कल चर्चा में आया था जिसमें हमारे एक साथी ने कहा था कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि एक रुपया अगर केन्द्र से चलता है तो नीचे पहुंचते-पहुंचते 10 पैसे हो जाता है। एक रुपया वहां से चल करके नीचे 10 पैसे क्यों होते हैं ? मैं आज के प्रधानमंत्री का वह वाक्य याद दिलाना चाहता हूं जिन्होंने कुर्सी संभालते ही कहा था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। एक पैसा वहां से चलेगा तो वह नीचे तक पहुँचेगा। मैं बधाई देना चाहता हूं योगी आदित्यनाथ जी को, मैं इनका एक इंटरव्यू देख रहा था, जब ये मुख्य मंत्री बने थे। पत्रकारों ने मा0 योगी जी से पूछा कि उनके लिए पांच जनपद वी0आई0पी0 थे, आपके लिए कितने जनपद वी0आई0पी0 हैं, तो मा0 मुख्य मंत्री जी ने मुस्करा कर कहा कि उनके लिए पांच जिले वी0आई0पी0 होंगे, 02 जिले वी0आई0पी0 होंगे, लेकिन मेरे लिए प्रदेश का हर गरीब और किसान वी0आई0पी0 है। यह वाक्य जब मा0 मुख्य मंत्री जी ने बोला तो मुझे लगता है कि गांधी जी के सपनों को पूरा करने का काम यदि देश के अन्दर कोई कर रहा है तो आदरणीय मोदी जी और यशस्वी योगी जी कर रहे हैं, इस बात को हम पूरे सम्मान और स्वाभिमान के साथ कह सकते हैं। लगातार बहुत सारे विषयों पर यहां चर्चा हुई। मैं कहना चाहता हूं कि आज हम उत्तर प्रदेश के सतत विकास के लिए बैठे हैं, हमारे साथियों ने विकास के विषय पर चर्चा नहीं की, विकास के विषय पर हिस्सेदारी नहीं की। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी की सोच को बधाई देना चाहता हूं कि जो विकास से जुड़ी हुई सोच है, यह सारी चीजें परसेप्शन से आती हैं। जो व्यक्ति दिल, दिमाग और संवेदनाओं से काम लेता है, तब जाकर उसके दिमाग में यह बात आती है। आई0आई0एम0 में शायद पहली बार ऐसा हुआ होगा कि उत्तर प्रदेश सरकार के मन्त्री आई0आई0एम0 में जाते हैं, लगातार विषयों पर चर्चा करते हैं, समझते हैं और एक उद्देश्य/दिशा/सिस्टम सेट करते हैं और तय करते हैं कि जो बापू ने सपना देखा था, जो दिशा हमें दिखायी थी, जो पं0 दीनदयाल जी ने हमें मूल मंत्र दिया था कि पंक्ति में खड़े प्रति व्यक्ति तक विकास कैसे पहुँचेगा? मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि आज उस सपने को पूरा करने का काम उत्तर प्रदेश के अन्दर यदि कोई कर रहा है, तो वह पूज्य योगी आदित्यनाथ जी कर रहे हैं, इसके लिए मैं उन्हें बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। जब मैंने रात को दो बजे मा0 मुख्य मंत्री जी को यहां बैठे देखा तो मेरे मन में एक बात आती है। शायद इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ होगा कि इतने बड़े सूबे का मुख्य मंत्री रात को 2 बजे यहां पर सकारात्मक चर्चा में, विकास की चर्चा में हिस्सेदारी करता है तो मुझे देश के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जी का वह वाक्य याद आता है, वह कहते थे कि 'सपने वह नहीं होते हैं जो सोते समय हम देखते हैं। सपने वह होते हैं जो हमें रात को सोने नहीं देते।' इसलिये वह सपने देखने का काम यदि किसी ने किया है तो पूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने किया है। मुझे विश्वास है, मैं उन विषयों को छूना नहीं चाहता, हमारे तमाम विषय चाहे बिजली हो, सड़क

हो, पानी हो, चाहे खेल हो, तमाम विषय ऐसे हैं, हमारे तमाम मंत्री यहां पर बैठे हैं, हमारे मंत्रियों ने एक से एक बढ़कर काम किया है और यदि एक मंत्री के काम पर एक विभाग के काम पर मैं बोलना शुरू करूं तो एक-एक घंटे, डेढ़-डेढ़ घंटे एक-एक मंत्री के एक-एक विभाग के विषय में बोला जा सकता है। जब नेता ऐसा होता है, जब नेता की सोच स्पष्ट होती है, जब देश के प्रधानमंत्री वहां दिल्ली से भाषण देते हैं और पहला ही विषय उन्होंने बोला था कि मैं प्रधानमंत्री नहीं मैं प्रधान सेवक हूं तो मैं कह सकता हूं कि देश की राजनीति की दिशा बदल जाती है, देश में लोगों के सोचने का तरीका बदल जाता है, देश में लोगों के सोचने का जो सिस्टम है उसमें चेंज आता है।

एक तरफ पहले जो लोग थे वह बोलते थे कि देश के संसाधनों पर जो अधिकार है वह किसी एक वर्ग विशेष का है और एक तरफ वह हैं जो कहते हैं कि देश के संसाधनों पर अधिकार है तो गरीब का है, अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का है। जब प्रधानमंत्री कहते हैं कि मैं प्रधान सेवक हूं तो लोगों की सोच बदल जाती है लोगों की सोच का सिस्टम बदल जाता है। आदरणीय गांधी जी का वही तो सपना है समरसता, समभाव। जब वी0आई0पी0 कल्चर खत्म करने की बात आती है तो मैं देखता था सरकारें चलती थीं एक व्यक्ति, एक मंत्री एक लाल बत्ती नहीं, चाचा, मामा, फूफा, नाना, ताऊ पता नहीं कितनी सारी लाल बत्तियां चलती थीं। रातदिन हूटर का शोर सुनाई देता था। मैं आदरणीय मोदी जी और आदरणीय योगी जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने वी0आई0पी0 कल्चर खत्म करने का काम किया और आज प्रदेश में बहुत अच्छा माहौल उन्होंने दिया है। मैं गर्व के साथ इसलिये नहीं कहता कि मैं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हूं इसलिये नहीं कि मैं मंत्री के रूप में बोल रहा हूं इसलिये कि मैं एक छोटे किसान का बेटा भी हूं, एक सामान्य किसान का बेटा भी हूं और उत्तर प्रदेश का एक जागरूक नागरिक भी हूं इसलिये मैं कह सकता हूं कि हमारा सौभाग्य है कि हमें उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी जैसा मुख्य मंत्री मिला है। इस बात को मैं गर्व के साथ कह सकता हूं। मैं चूंकि गन्ना विभाग चलाता हूं और गन्ना विभाग की जिम्मेदारी मेरी पार्टी ने मा0 मुख्य मंत्री ने मुझे दी है तो बहुत लम्बा विषय मैं नहीं लूंगा और अपने साथियों को भी बोलने का मौका देना चाहता हूं। (इसी मध्य अपराह्न 16 बजकर 53 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

चूंकि मेरे बहुत सारे साथी विधायक पूरी रात से लगातार यहां बैठे हुए हैं तो मैं चाहता हूं कि उनका भी नम्बर जल्दी से आ जाए। इसीलिये 2-4 सूक्ष्म सी जानकारियां देकर मैं अपनी वाणी को विराम दूंगा, क्योंकि जानकारी देना इसलिये जरूरी है कि आपके सहयोग से आपके आशीर्वाद से, आपके समर्पण से, आपकी मेहनत से कोई अकेला मंत्री मेहनत नहीं करता, आपका सहयोग चाहिये, आप सब लोगों ने मेहनत की है, आप सब लोगों ने परिश्रम किया है, आप सब लोगों ने क्षेत्र में काम किया है, आप सब लोगों ने क्षेत्र में सम्पर्क किया है इसलिये मैं 2-4 सूक्ष्म जानकारी आपको देना चाहता हूं। हम लगातार गन्ना भुगतान पर चर्चा

करते हैं। एक समय ऐसा था जब गन्ना भुगतान की बात आती थी तो हमें याद आता था विधान सभा के बाहर गन्ने की जलती हुई होलियां, हमें याद आता था धरना-प्रदर्शन, हमें याद आता था कि किसान आत्महत्या कर रहा है। मैं आदरणीय योगी जी को बधाई देना चाहता हूं कि आज उन्होंने मात्र 30 महीने की सरकार में ऐसा माहौल पैदा किया है और मैं आपको विश्वास के साथ यह आंकड़ा देना चाहता हूं कि आजादी के बाद पहली बार 30 महीने के अन्दर उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों का 74 हजार 310 करोड़ का भुगतान हो चुका है। मित्रों, यह जानकारी मैं आपको देना चाहता हूं। इस विषय को यदि आप समझना चाहोगे तो मैं और थोड़ा विस्तार के साथ इसमें जाना चाहता हूं और 30-40 सेकेण्ड में मैं इसको समझा दूंगा। आप यदि इस तरह से इसको सोचोगे कि 2015-16 में उत्तर प्रदेश के अन्दर समाजवादी पार्टी की सरकार थी, पूरे के पूरे उत्तर प्रदेश में एक साल में समाजवादी पार्टी की सरकार में जो भुगतान हुआ था वह 18 हजार 03 करोड़ का हुआ था। जो किसानों की बात करते हैं, बड़ी-बड़ी बाते करते हैं, अपने को धरती पुत्र बोलते हैं, उनकी सरकार में एक साल के अन्दर 18 हजार 03 करोड़ का भुगतान हुआ था। मैं अपने मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि 2017-18 में एक साल के अन्दर 35 हजार 423 करोड़ रुपये का भुगतान कराने का काम आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी ने किया है। मैं मा0 विधायकों का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहूंगा और यह सामान्य बात नहीं थी कि आज अन्तरराष्ट्रीय जगत में चीनी की जो स्थिति है, आज अन्तरराष्ट्रीय जगत में चीनी के जो हालात हैं तो मैं आपको यह सूचना देते हुए गर्व महसूस करता हूं, हमारे सम्मानित साथी बहुत विद्वान साथी यहां बैठे हैं, आप पढ़ते हैं लिखते हैं, समझते हैं, मैं आपको सूचना देना चाहता हूं कि ब्राजील एक ऐसा देश है जिसकी गन्ना व चीनी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थिति है, इस बार ब्राजील में जब कांफ्रेंस हो रही थी तो उन्होंने कांफ्रेंस में चर्चा की और कहा कि यदि हमें इस मंदी के दौर में भी गन्ना किसानों के भुगतान को समझना है, इस मंदी के दौर में भी चीनी उद्योग को समझना है तो हमें उत्तर प्रदेश जाना पड़ेगा। यह बात ब्राजील की कांफ्रेंस में ब्राजील के लोग कहते हैं तो सदन में बैठे तमाम लोगों का सीना गर्व के साथ चौंड़ा हो जाता है। जहां अभी चुनाव था, मैं उस विषय में नहीं जाना चाहता, लेकिन बहन जी ने ट्वीट कर दिया था और मैंने उसी दिन ट्वीट का जवाब दिया था। कुछ लोगों ने ट्वीट करके गन्ना भुगतान पर बात की थी। मैंने कहा था कि 2007-08 में आप 09 हजार 145 करोड़ का भुगतान करते हो, 2015-16 में आप 18 हजार 03 करोड़ का भुगतान करते हो और हम 35 हजार 400 करोड़ का भुगतान करते हैं तो आप ट्वीट करके हमसे जवाब चाहते हैं। किसानों ने उनके ट्वीट का जवाब दे दिया। मैं आप सबको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। 83 हजार 156 किसान ऐसे थे जिनका पर्ची खोने के कारण व अन्य विवादों के कारण 20 सालों से भुगतान लम्बित था, मैं योगी जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने 112 करोड़ रुपये का भुगतान कराने का काम किया है। किसी किसान के घर में

20 हजार, 30 हजार, 50 हजार रुपया गया होगा, 10 हजार गया होगा जो 20 साल पहले मिला होगा, क्या उसकी उम्मीदें जगी होंगी और यही गांधी जी का सपना है, यही गांधी जी का देश है और यही गांधी जी के विचारों को आगे बढ़ाने का विषय है। मान्यवर, मैं पेराई की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। वह शुगर मिलें जिन्हें जर्जर कर दिया गया था, वह शुगर मिलें जिन्हें भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया गया था, मैं पेराई की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा और आप इस तरफ आप जरा ध्यान से सुनना-समझना। 2015-16 में इस पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर 64 करोड़ 56 लाख कुन्तल गन्ने की पेराई हुई। मा0 योगी जी की सरकार आई, आपकी सरकार आई, उन्होंने कुशल प्रबन्धन किया, किसानों ने मेहनत की और 2016-17 में हमनें 82 करोड़ 71 लाख कुन्तल गन्ने की पेराई की जो एक इतिहास था और उसके बाद 2017-18 में जिसने सारे रिकार्ड तोड़ दिये, पूरे हिन्दुस्तान में हलचल मचा दी, 2017-18 में हमनें सारे रिकार्ड ध्वस्त करते हुए 111 करोड़ कुन्तल गन्ने की पेराई करके नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। मैं आप सबको इसके लिये बहुत-बहुत बधाई देना चाहूंगा। मित्रों, एक बधाई मैं आपको और देना चाहता हूं और गर्व के साथ बधाई देना चाहता हूं और मा0 मुख्य मंत्री जी को इसकी बधाई देना चाहता हूं कि आज उत्तर प्रदेश की जब देश में चर्चा होती है तो मैं आपको सूचना देना चाहता हूं कि 120 लाख टन चीनी पैदा करके उत्तर प्रदेश आज देश में नम्बर वन है। यह सूचना मैं आपको देना चाहता हूं। मित्रों, एक विषय नहीं, हमारे बहुत सारे साथी गन्ने के विशेषज्ञ हैं, वह लगातार पढ़ते हैं, समझते हैं और हो सकता है उनकी जानकारी मुझसे भी ज्यादा हो, लेकिन मैं जानकारी देना चाहता हूं और उन तमाम साथियों को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने लोकसभा में किसानों के बीच में रहकर के लगातार किसानों को जागरूक करने का काम किया, विभाग की जानकारी देने का काम किया। मैं तमाम विधायकों का अभिनंदन करना चाहूंगा जिन्होंने समय-समय पर गांव में जाकर मेहनत करके लगातार किसानों को बताया कि सरकार उनके लिये क्या कर रही है, सरकार की क्या योजनाएं हैं। मैं एक सूचना देना चाहता हूं, यह सुनकर आपको काफी अच्छा लगेगा और मुझे भी बहुत अच्छा लगता है जब रिकवरी की बात आती थी, मैं राज्य का नाम नहीं लूंगा, लेकिन जब रिकवरी की बात आती थी तो हमारे पड़ोस के राज्य समझते थे कि हम सबसे ज्यादा टेक्निकल हैं और वह उत्तर प्रदेश के किसानों की तरफ देखते थे और कहते थे कि कभी तुम्हारी रिकवरी हमारे बराबर नहीं हो सकती। मित्रों, मैं आपको सूचना देना चाहता हूं कि जैसे ही 2015-16 में आपकी सरकार आयी, एक कुन्तल गन्ने में जितने किलो चीनी निकलती है उसे रिकवरी बोलते हैं, 2015-16 में 10.62 रिकवरी थी।

श्री अध्यक्ष-

मा0 राणा जी, आप अभी कितना समय लेंगे ?

श्री सुरेश कुमार-

मान्यवर, बस तीन मिनट और लूंगा। 2017-18 में 10.84 रिकवरी हुई और 2018-19 में जहां हम खड़े हैं, मैं योगी आदित्यनाथ जी की व्यवस्था को उनके प्रबन्धन को बधाई देना चाहता हूं कि आज पूरे हिन्दुस्तान का रिकार्ड तोड़ते हुए उन राज्यों का जिनका रिकार्ड आजादी के 70 सालों में हम रिकार्ड नहीं तोड़ पाए, उनका रिकार्ड तोड़ते हुए 11.46 रिकवरी के साथ हिन्दुस्तान में टॉप करने का काम उत्तर प्रदेश ने किया है। इसके लिये मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। बिन्दु तो बहुत सारे हैं लेकिन उन पर मैं विस्तार से नहीं जाना चाहता। चूंकि मेरे अन्य साथियों को बोलना है तो 2-3 मिनट में अपनी बात खत्म करूंगा। मेरे पूर्वांचल के बहुत सारे साथी हैं, मैं जब छोटा था तो मैंने सुना था कि पूर्वांचल को चीनी का कटोरा कहा जाता था, लेकिन सरकारों की लापरवाही के कारण, सरकारों के किसान विरोधी रवैया के कारण सारी चीनी मिलें बंद हो गयीं। मैं आपको सूचना देना चाहता हूं कि 2007 से 2012 तक उत्तर प्रदेश में 19 चीनी मिलें बंद हुईं और 2012 से 2017 तक उत्तर प्रदेश में 10 चीनी मिलें बंद हुईं। इस तरह से 10 साल के अन्दर 29 चीनी मिलें बंद हुईं। यह तो उत्तर प्रदेश की जनता को बधाई कि वह बीजेपी की सरकार लायी और योगी जी को मुख्य मंत्री बनाया वरना सारी मिलों में यह लोग अलीगढ़ का हरीसन का ताला लगा देते। 10 साल में 29 चीनी मिलें बंद हुईं। मैं आपको सूचना देना चाहता हूं कि एक दिन मैं मा0 मुख्य मंत्री के पास बैठा था, उन्होंने गांधी जी के सपनों पर चर्चा की और कहा कि गन्ना मंत्री जी एक शुगर मिल चलने का मतलब यह नहीं है कि वहां के किसान खुशहाल हो जायेंगे, एक शुगर मिल चलने का मतलब है कि यदि पिपराईच में शुगर मिल है, आसपास के बाजार हैं, आसपास की पीठ है, आस-पास गांव में छोटे-छोटे कस्बे हैं, पूर्वांचल की सारी व्यवस्था उन शुगर मिलों के ही आधार पर चला करती थी। वह छोटे-छोटे जो कस्बे हैं खुशहाल होते हैं, लोगों का आवागमन बढ़ता है और मैं आपको बधाई देते हुए सूचना देना चाहता हूं कि मुण्डेरवा की चीनी मिल जहां किसानों ने उसको चलाने के लिये आंदोलन किया था और 03 किसानों को गोली मार दी गयी थी और उनकी मृत्यु हो गयी थी, मैं पूज्य योगी आदित्यनाथ जी को बधाई देना चाहता हूं कि हमनें मुण्डेरवा की चीनी मिल को एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करते हुए 50 हजार कुन्तल गन्ना प्रतिदिन पेराई करने वाली मिल की स्थापना वहां कर दी है और जब मिल चलाने की बात आई तो मा0 मुख्य मंत्री जी ने कहा केवल मिल नहीं, बल्कि गन्ना किसानों को उनके भुगतान में भविष्य में दिक्कत नहीं आनी चाहिये इसलिये योजना बनाओ। मा0 मुख्य मंत्री जी ने योजना बनाई और मुण्डेरवा में उन्होंने 27 मेगावॉट का बिजली प्लांट भी मिल के साथ लगा दिया, इसके लिये मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं। पिपराईच, गोरखपुर की मिल वर्षों से बंद पड़ी थी, मा0 मुख्य मंत्री जी ने कहा कि इस मिल को भी हम लोग चलायेंगे। किसानों को लगा कि बहुत लोगों ने वायदा किया और सब वायदा करके चले जाते हैं, लेकिन

चलायेंगे कि नहीं चलायेंगे यह नहीं पता होता। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने पिपराईच में भी 5000 पी0सी0डी0 की मिल की स्थापना कर दी।

श्री अध्यक्ष-

अब आप संक्षेप करें।

श्री सुरेश कुमार-

मान्यवर, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। 5000 पी0सी0डी0 की मिल की स्थापना कर दी और वहां भी 27 मेगावॉट बिजली का प्लांट लगा दिया। जो सबसे बड़ी सूचना जिसे सुनकर पूरे सदन को हर्ष महसूस होगा, वह मैं आपको देना चाहता हूं और योगी आदित्यनाथ जी के चरणों में नमन करना चाहता हूं कि आदरणीय योगी जी का सपना है कि गन्ने के जूस से एथनॉल बने। आदरणीय मोदी जी अगस्त, 2018 में बायो फ्यूल पॉलिसी लेकर आए थे और उनका सपना है कि हम गन्ने के जूस से एथनॉल बनाएं और एथनॉल की पेट्रोल के अन्दर जब बेल्डिंग होगी तो हमारा पैसा बचेगा, देश का पैसा बचेगा, देश का पैसा देश में रहेगा। उन्होंने सपना दिया, टारगेट दिया और मोदी के सपने को पूरा करने का काम योगी आदित्यनाथ जी कर रहे हैं और मैं आपको सूचना देना चाहता हूं कि गोरखपुर की पिपराईच शुगर मिल उत्तर भारत की पहली शुगर मिल होगी जो गन्ने के जूस से सीधा एथनॉल बनाने का काम करेगी। मैं आप सबको इसके लिये बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं बुलन्दशहर की जो शुगर मिल दो साल से बंद थी, चन्दौसी की वीनस शुगर मिल 10 साल से बंद थी, सहारनपुर की दया शुगर मिल भी 10 साल से बंद थी। किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की कर्मस्थली बागपत का किसान 30 से 35 साल से लगातार शुगर मिल मांगता था कि हमें शुगर मिल दे दो, रमाला की शुगर मिल दे दो, लेकिन किसी ने नहीं सुना। उनकी सरकार में बहुत ज्यादा हिस्सेदारी भी रही है, सपा में रही है, बसपा में रही है, लेकिन किसी ने नहीं सुना। किसान नेता चौधरी चरण सिंह को समर्पित करते हुए यदि उनकी कर्मस्थली बागपत में रमाला में 5000 टीसीडी की शुगर मिल तथा 27 मेगावॉट का प्लांट देने का काम यदि किसी ने किया है तो योगी आदित्यनाथ जी ने किया है। मैं उनको बहुत बधाई देता हूं कि उन्होंने मोइद्दीनपुर की मिल को 152 करोड़ की लागत से चालू करने का काम किया है। मा0 अध्यक्ष जी, चूंकि समय कम है और काम ज्यादा है।

श्री अध्यक्ष-

समय कम नहीं है बल्कि अब समय है ही नहीं।

श्री सुरेश कुमार-

मा0 योगी जी ने काम बहुत किया है, लेकिन मैं अपने सभी साथियों से एक बात कहते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा कि हमें यहां रूकना नहीं है। हमें चलते रहना है।

चरैवैति-चरैवैति। हमारा लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है। बापू के सपनों को पूरा करना है। मोदी जी का जो टारगेट है उसे पूरा करना है। मोदी जी ने कहा है कि 2022 तक किसान की आय दोगुनी करनी है। मोदी जी ने कहा है कि 2022 तक हर व्यक्ति को घर देना है। मोदी जी ने कहा है हर घर को पानी से जोड़ना है इसलिये मोदी जी के सपनों को हमें पूरा करना है और मा0 योगी जी उसी मिशन के साथ काम कर रहे हैं। बस मैं इतना कहकर अपनी वाणी को विराम दूंगा कि एक समय ऐसा था कि मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूं यह बात बताते हुए लोगों को शर्म महसूस होने लगी थी। मैं योगी जी को बधाई देना चाहता हूं कि ढाई साल के अन्दर आदरणीय योगी जी, आपने उत्तर प्रदेश के परसेप्शन को बदलने का काम किया है। मैं आपको बधाई देता हूं और मा0 अध्यक्ष जी, आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि हमारे तमाम विधायक साथियों की तरफ से शानदार सुझाव आए हैं, विभाग के विषय में भी सुझाव आए हैं। आपके सुझावों का हम पालन करेंगे, उनको सरमाथे पर रखकर आगे बढ़ेंगे और हम सबकी यह जिम्मेदारी है, हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश के सतत विकास के लिये देश के सतत विकास के लिये बापू के सपने के लिये परिश्रम करते हुए आगे बढ़ेंगे। मैं आपके प्रति धन्यवाद व्यक्त करता हूं और आदरणीय मुख्य मंत्री जी के चरणों में नमन करते हुए उनको धन्यवाद देता हूं कि इस शानदार सोच के साथ आप उत्तर प्रदेश को आगे लेकर जा रहे हैं। मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

संसदीय कार्यमत्री द्वारा चर्चा हेतु मंत्रीगण के लिये 7-8 मिनट व सदस्यों के लिये 3-4 मिनट के समय निर्धारण हेतु पीठ से अनुरोध

***[17:00] संसदीय कार्य,चिकित्सा, शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

माननीय अध्यक्ष जी, काफी विधायक रात से ही बैठे हुए हैं, यह आपके भी संज्ञान में है। 17 मंत्री रह गए हैं, जो विधान सभा में अपना वक्तव्य नहीं दे पाये हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि उन्हें थोड़ा-थोड़ा समय भी अगर दे देंगे तो उन्हें भी बोलने का मौका मिल जायेगा। हमारे पास करीब साढ़े चार घण्टे हैं, इसलिए मेरा अनुरोध है कि तीन-तीन, चार-चार मिनट मा0 विधायकों को दे दें और सात-सात, आठ-आठ मिनट मा0 मंत्रियों को दे दें। यह आपका विवेक है, हमने अपनी बात कह दी है। मा0 सदस्यों से भी हम चाहेंगे कि थोड़ा सा अनुशासन बनाये रखें। समय पर अपना भाषण समाप्त कर दें, बचे हुए सभी लोग बोल लेंगे। साढ़े चार घण्टे का अभी समय है। अगर आप लोग समय से बोल लेंगे तो सबकी बात आ जायेगी। अगर कोई बात आपके वक्तव्य में रह जाए तो लिखकर दे दीजियेगा और बोल भी लीजिए। आपकी मंशा भी पूरी हो जायेगी और समय का अभाव भी नहीं रहेगा।

श्री अध्यक्ष-

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सबसे पहले मा0 खन्ना जी बतायें कि जब उनका नम्बर आयेगा तो वह कितना समय लेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, हम सबसे आखिरी में बोल लेंगे, इसलिए कि अगर बचेगा तो बोल लेंगे।

श्री अध्यक्ष-

जितनी बार मैं संचालन में आता हूं तो मैं बार-बार इसीलिए प्रयास करता हूं कि सबको समय मिल जाए। मैं चौथे मिनट से टोकना शुरू करता हूं तो कोई-कोई बारहवें मिनट तक नहीं मानता तो मैं क्या करूं और इसका परिणाम यह हुआ है कि आठ-आठ घण्टे सूची लेट हो गयी है। आठ घण्टे पहले जिनको बोलना था, वह अभी तक बोल नहीं पाये हैं। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी का यह सुझाव अच्छा है। सभी मा0 विधायकों को अवसर मिल जाये, सभी मा0 मंत्रियों को अवसर मिल जाए, जब भी उनको टोका जायेगा तो वह उस टोके जाने को सहर्ष और बहुत ज्यादा उल्लास से स्वीकार करेंगे।

***[17:02] खादी एंव ग्रामोद्योग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, निर्यात प्रोत्साहन राज्य मंत्री (चौ0 उदयभान सिंह)**-

मा0 अध्यक्ष जी, मेरा इसमें आग्रह यह था कि बोल भी लें और जो बात रह जाये उसको लिखित में भी दे दें। 4 मिनट में आदमी अपनी बात तो पूरी नहीं कर पायेगा। बाकी लोग तो एक-एक घण्टा बोले हैं, हमें 4 मिनट मिलेंगे तो यह अन्याय हो गया। वह लिखकर ले लिया जाये और बात पूरी हो जाये दोनों बातों को सम्मिलित कर लिया जाये।

(कई सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर सदन का समय बढ़ाने की मांग करने पर)

नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रस्ताव पर अनवरत चर्चा (क्रमागत)

कुं0 सुशील सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, पहले से तो किसी को रोका नहीं गया है, बाद में सबको रोका जा रहा है कि दो मिनट बोलेंगे, चार मिनट बोलेंगे।

श्री अध्यक्ष-

अब आप लोग हमारी बात नहीं सुनेंगे तो कैसे चलेगा? मैंने कल कहा था कि मा0 सदस्य 300 शब्दों में 10-20 शब्द ज्यादा हो जायें तो अपना भाषण लिखकर दे देंगे तो मैं उसे यहां दिये हुए भाषण को कार्यवाही का भाग बना दूंगा। यह मैं कल ही कह चुका हूं और फिर दोहरा रहा हूं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

खादी एवं ग्रामोद्योग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, निर्यात प्रोत्साहन राज्यमंत्री (चौ0 उदयभान सिंह)-

मा0 अध्यक्ष जी, बाकी लोग तो 3000 शब्द बोले हैं। हमारा 300 शब्दों में कैसे आ जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

तो आपका सुझाव क्या है ?

चौ0 उदयभान सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, जो हम लिखकर दें, वह पूरा कार्यवाही का भाग हो जाये और दो मिनट बोलने का अवसर भी दिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आपका हम करेंगे। आप अभी लिखना शुरू कर दीजिए और 11-12 बजे रात तक जितना लिखेंगे उतना हो जायेगा। अब मैं अगले वक्ता श्री सुशील कुमार सिंह जी को आमंत्रित करता हूं। आप चार मिनट में अपना भाषण समाप्त करें।

*[17:04] **कुं0 सुशील सिंह**-

मा0 अध्यक्ष जी, बहुत समय के बाद आपने हमें बोलने का अवसर दिया है। देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती पर आपने हमें बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारे बनारस के काशी के लाल स्व0 श्री लाल बहादुर शास्त्री जी, जो देश के प्रधानमंत्री रहे, उनकी जयन्ती पर भी आपने बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। देश के राष्ट्रपिता जिनके बारे में जो हमारा इतिहास बताता है, राष्ट्रपिता सत्य और अहिंसा के पुजारी थे और उन्होंने न कोई तलवार, न कोई बन्दूक कुछ भी नहीं उठाया और उन्होंने देश में स्वतंत्रता की एक अलख जगाकर के लोगों के अन्दर भावना जगाकर के देश को स्वतंत्रता दिलाने का काम किया। आज दुनिया के तमाम ऐसे देश हैं, तमाम लोगों ने तमाम बातें कहीं हैं, जिन्होंने महात्मा गांधी को पूजने का काम किया है और दूसरी बात लाल बहादुर शास्त्री जी जिनको **''जय जवान, जय किसान''** के नाम से जाना जाता है, जो काशी के लाल रहे और देश की सेवा की। गांधी जी का सपना था, जो उनकी सोच थी देश को स्वच्छता की तरफ आगे बढ़ाने की, देश को मजबूत करने की और देश में सबसे गरीब, जो सबसे कमजोर व्यक्ति है, उसका कैसे विकास हो, उसके बारे में महात्मा गांधी के विचार थे, उनकी सोच थी। हम स्वच्छता की बात करते हैं तो स्वच्छता का विषय कहा जाता है कि भगवान के बाद अगर किसी का विषय आता है तो वह स्वच्छता का आता है। स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण विषय है। स्वच्छता के विषय पर आज हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

झाड़ू लेकर के देश को जगाने का काम किया है। हर व्यक्ति को अपने घर के सामने, घर में, घर के बाहर सभी स्थानों को साफ रखना चाहिए। उसी के तहत् अभी जो कल से यह विधान सभा सत्र मा0 योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में चल रहा है, आपके आशीर्वाद से चल रहा है। यह ऐतिहासिक पल है और यह ऐतिहासिक पल इतिहास के पन्नों में लिखा जायेगा। इसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं, क्योंकि हम लगातार तीसरी बार विधायक हैं और ऐसा स्वर्ण अक्षर में कहीं भी कोई समय नहीं हुआ होगा, जो हम लोग कल से यहां देख रहे हैं। सभी मा0 विधायकों को बोलने का अवसर मिला है, सभी मा0 मंत्रियों को अवसर मिला है। जिनको बोलने का अवसर नहीं मिला है, उनको आप समय देने का मौका दीजियेगा ऐसा मेरा आपसे निवेदन है। मैं कहना चाहता हूं कि इस स्वर्णिम अवसर के हम सब साक्षी होंगे। हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने जो काम किया है अपने-अपने सभी विषयों को सभी मा0 मंत्रियों ने भी रखा है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने जो ढ़ाई साल में काम किया है, वह ऐतिहासिक काम किया है। हम चाहे गांव में गरीबों के राशन कार्ड की बात करें, चाहे गांव में शौचालय की बात करें। प्रदेश में लगभग 161 लाख शौचालय बने हैं।

हमारे प्रदेश में मुख्य मंत्री आवास के नाम पर गरीबों को जिनके पास रहने के लिए घर नहीं है, 15000 से ज्यादा मुख्य मंत्री आवास बने हैं। 25 लाख से ज्यादा प्रधानमंत्री आवास गरीबों के लिए बने हैं। महात्मा गांधी का यही तो सपना था कि गरीब का विकास हो, कमजोरों का विकास हो। न जाने कितने परिवार के लोगों को बिजली का फ्री कनेक्शन मिला है। आज गांव में बिजली मिल रही है। आज किसान सम्मान योजना के तहत् तमाम किसानों को सम्मान मिला है। 36000 करोड़ रुपये सरकार बनने के बाद हमारे मुख्य मंत्री जी ने लगभग 86 लाख किसानों को लाभान्वित करने का काम किया है। इतना बड़ा काम इस सरकार ने किया है और सबसे बड़ा ऐतिहासिक काम हमारे हिन्दू समाज के लिए, देश के लिए जिसके बारे में कहा जाता है। काशी विश्वनाथ के मन्दिर में अगर आज कोई भी विधायक वहां जायेगा तो याद कर लीजिए ढ़ाई साल पहले का इतिहास और ढ़ाई साल के बाद का इतिहास कि जब हम मन्दिर जाते हैं तो पहले जब जाते थे तो वहां देखते थे कि वहां पर मन्दिर का जो स्थान था, वह बहुत छोटा था। आज मन्दिर का स्थान काफी बड़ा हो गया है, मन्दिर के स्थान की व्यवस्था इतनी अच्छी हो गयी है कि लोग कल्पना भी नहीं कर सकते थे। चाहे मथुरा की बात कर लें, चाहे और जगहों की बात कर लें। अभी प्रयागराज में आपने देखा कि वहां पर महाकुंभ का आयोजन हुआ था। महाकुंभ में न जाने कितने करोड़ परिवार के लोग भारत से और भारत के बाहर से भी आये थे। लोगों ने गंगा में स्नान किया, स्नान करना केवल एक इतिहास के पन्नों में लिखा जायेगा कि मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी जी के समय में इतने बड़े काम हुए हैं। अभी हमारे बनारस में प्रवासी भारतीय का ऐतिहासिक कार्यक्रम हुआ। तमाम हमारे भारत देश के लोग जो वहां बसे हुए हैं, वह आये और उन्होंने इस तरीके को देखा कि काशी में किस तरह की यहां

की सरकार ने, देश की सरकार ने व्यवस्था की है। इतनी बड़ी-बड़ी योजनाओं को लाने के लिए मैं अपने मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं, क्योंकि पूर्व की सरकार में हमारे जनपद चन्दौली में मेडिकल कालेज के नाम पर काफी धनराशि चलती रही, लेकिन अभी दो दिन पहले कैबिनेट की बैठक में हमारे मुख्य मंत्री जी ने हमारे जनपद को मेडिकल कालेज देने का काम किया है। इतनी बड़ी सौगात देने का काम हमारे मुख्य मंत्री जी ने किया है। यही नहीं तमाम ऐसे विधायक होंगे, जिनके क्षेत्रों में तमाम कार्य हुए होंगे। हमारे क्षेत्र में भी तमाम ऐसे कार्य हुए हैं। महात्मा गांधी जी की यही सोच थी। महात्मा गांधी जी की सोच के सपनों को साकार करने के लिए हमारे मुख्य मंत्री जी, हमारे प्रधानमंत्री जी ने आयुष्मान भारत योजना शुरू की है। दुनिया के किसी भी देश में ऐसी सुविधा नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य, अब आप समाप्त करें।

कुं0 सुशील सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आयुष्मान भारत योजना गरीबों के लिए है। तमाम और ऐसे विधायक हैं, जो पत्र लिखते थे, तीन-तीन, चार-चार महीने हो जाते थे, जब गरीबों को पैसे मिलते थे, उसके पहले ही उनकी मौत हो जाती थी।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जायें।

कुं0 सुशील सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, उसके लिए हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी ने भारत में आयुष्मान भारत योजना को लांच करके देश के गरीबों को लाभ पहुंचाया है। तमाम ऐसी योजनायें हैं, जिसको हमारे मा0 प्रधानमंत्री जी ने और मा0 मुख्य मंत्री जी ने शुरू किया है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं मा0 मुख्य मंत्री जी के लिए और विपक्षियों के लिए एक छोटा सा विषय कहना चाहता हूं, जो आज यहां विपक्षी नहीं बैठे हैं, क्योंकि वह बिना संघर्ष के यहां आये थे।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जायें। अभी यहां सबके बीच में तय हुआ है कि सभी को बोलना है।

कुं0 सुशील सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, अखिलेश जी के विषय में मैं कहना चाहता हूं कि संघर्ष तो मुलायम सिंह जी ने किया है, संघर्ष तो कांशीराम जी ने किया है, बापू जी ने संघर्ष किया है, कांग्रेस ने कोई संघर्ष नहीं किया है। ''ताश के पत्तों से महल नहीं बनता है। नदी को रोकने से समन्दर नहीं बनता है।। संघर्ष करते रहो हर पल हर घड़ी। क्योंकि बिना संघर्ष के कोई मोदी और कोई योगी नहीं बनता है।।'' आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

*[17:12] **महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्रीमती स्वाती सिंह)**-

मा0 अध्यक्ष जी, सर्वप्रथम मैं आपको और मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगी कि महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर हम सभी सदस्यों को **''सस्टनेबल डेवलपमेन्ट गोल्स''** पर चर्चा करने के लिए इस विशेष सत्र को आहूत किया, उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी। मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि आज मुझे जब बोलने का मौका दिया गया है तब पूरा देश देवी की आराधना कर रहा है, मेरा विषय भी लैंगिक समानता, जेंडर इक्वैलिटी और गरीबी उन्मूलन है। मेरा मानना है कि जेंडर इक्वैलिटी और गरीबी उन्मूलन दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, क्योंकि जब तक हम अपने समाज के हर वर्ग के लोगों को सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से मजबूत नहीं कर लेंगे, उन्हें सशक्त नहीं कर लेंगे, हम गरीबी उन्मूलन की बात नहीं कर सकते हैं। आमतौर पर जब जेंडर इक्वैलिटी की बात होती है तो उसका मतलब यह होता है कि कोई भी पुरुष हो या कोई भी महिला हो, उसको समानता का अधिकार हो। चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो, नौकरी के क्षेत्र में हो, घर-परिवार या समाज में हो। महात्मा गांधी जी ने भी कहा है **''वूमेन इज द कम्पैनियन ऑफ मैन गिफ्टेड विद इक्वेल मेन्टल कैपेसिटी''**। जब मैं जेंडर इक्वैलिटी के बारे में सोचती हूं, लैंगिक समानता के बारे में जब मैं विचार करती हूं तो मेरे मन में कई सवाल उठते हैं और मुझे विश्वास है कि इस सदन में बैठे हुए मेरे मा0 सभी सदस्यों के मन में भी कई ऐसे सवाल उठते होंगे। जैसे क्या आपने कभी अपने आस-पड़ोस में देखा है कि जब किसी घर में बेटी पैदा होती है तो उसके घर में शहनाई या ढोल-नगाड़े बजते हैं, नहीं देखा होगा और अगर देखा भी होगा तो कहीं इक्का-दुक्का ही देखा होगा। और अगर देखा भी होगा तो इक्का-दुक्का। हम गर्व महसूस करते हैं कि 21वीं सदी के भारतीय हैं। वो भारतीय जो बेटा पैदा होने पर खुशी मनाते हैं, शहनाई बजाते हैं, जश्न मनाते हैं और बेटी के पैदा होने पर शांत हो जाते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि अब यह एक परम्परा बन गई है कि यदि बेटा पैदा होगा तो जश्न मनाया जायेगा और यदि बेटी पैदा होगी तो कोई जश्न नहीं मनाया जायेगा। हमारे अन्दर बेटा की चाह इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि हम प्राचीन काल से या तो बेटी के पैदा होने के समय या पैदा होने से पहले ही गर्भ में उसकी हत्या कर देते हैं। दुर्भाग्य से या कहिये कि सौभाग्य से अगर कोई बेटी जन्म ले लेती है तो फिर हम पूरे जीवन उसके साथ भेद-भाव करते हैं। एक ओर हम देवी की पूजा करते हैं, कभी मां दुर्गा के रूप में, कभी मां सरस्वती के रूप में और कभी मां लक्ष्मी के रूप में। नवरात्रि में तो हम बेटियों के पांव भी पूजते हैं। वहीं दूसरी ओर हम बेटियों का शोषण करते हैं, महिलाओं का शोषण करते हैं। जब बात बेटियों की आती है, बालिकाओं की आती है, महिलाओं की आती है तो हम दोहरी मानसिकता को लेकर चलते हैं।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

माननीय अध्यक्ष जी, यहां पर मैं किसी वर्ग की बुराई नहीं कर रही हूं और ना किसी वर्ग का विरोध कर रही हूं लेकिन महिलाओं को नुकसान पहुंचाने वाली सोच का मैं विरोध करती हूं और करती रहूंगी। अब समय आ गया है और इसकी बहुत आवश्यकता है कि हम सब एक साथ खड़े होकर, एकजुट होकर इस ओर अपने कदम बढ़ाये। मैं माननीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरूआत की साथ ही साथ यह कहना गलत नहीं होगा कि यह इस देश का दुर्भाग्य है कि इस देश की बेटियों को 70 साल का इंतजार करना पड़ा कि कोई मोदी जी जैसा प्रधानमंत्री आये और इस देश में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान को चलाये। माननीय अध्यक्ष जी, यह भी हमारे समाज की धारणा है कि कोई भी महिला एक पुरुष के सहयोग के बिना आगे नहीं बढ़ सकती है, काफी हद तक मैं भी इस बात से सहमत हूं क्योंकि एक बेटी को बढ़ने के लिए पिता की आवश्यकता होती है, एक बहन को बढ़ने के लिए एक भाई की आवश्यकता होती है, पत्नी को बढ़ने के लिए एक पति की आवश्यकता होती है लेकिन साथ ही साथ मेरा यह भी मानना है कि किसी भी पुरुष का बढ़ना सम्भव नहीं है अगर एक महिला उसका सहयोग ना करे। क्योंकि एक बेटे को भी बढ़ने के लिए एक मां की आवश्यकता होती है, एक भाई को भी बढ़ने के लिए एक बहन की आवश्यकता होती है और एक पति को भी आगे बढ़ने के लिए और घर से बाहर निकलकर काम करने के लिए एक पत्नी की आवश्यकता पड़ती है। कोई भी देश या समाज तब तक उन्नति नहीं कर सकता जब तक उस देश की नारियों का शोषण होता रहेगा और उनको उपेक्षित रखा जायेगा। ऐसी स्थिति में किसी भी समाज के उत्थान की हम कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहती हूं कि उनके मार्गदर्शन में इस देश और प्रदेश की महिलाओं और बेटियों को एक बेहतर माहौल मिल रहा है और आज हर क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दिख रहा है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को इसलिये भी धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होंने मुझे एक ऐसे विभाग की जिम्मेदारी दी है जो महिलाओं से जुड़ा हुआ विभाग है। एक बेटी के जन्म से लेकर उसके पूरे जीवन को सुदृढ़ बनाने में मेरे विभाग की अहम भूमिका है। मैं विभाग द्वारा संचालित किये जाने वाले कार्यों का जरूर यहां पर उल्लेख करना चाहूंगी। महिला कल्याण विभाग में पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला के लिए पेंशन योजना है। यह योजना पहले से चली आ रही है जिसमें 60 साल तक की विधवा महिलाओं को 300 रुपये प्रतिमाह की पेंशन दी जाती थी।

श्री अध्यक्ष-

कृपया अब आप संक्षेप करिये।

श्रीमती स्वाती सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, कृपया मुझे 10 मिनट का समय और दे दीजिये। यह महिलाओं से जुड़ा हुआ विषय है। अगर हम चाहते हैं कि वर्ष 2030 तक हम लक्षित सस्टेनेबल

डेवलपमेण्ट गोल्स को एचीव कर लें तो सबसे पहले यह आवश्यक है कि इस समाज, इस देश और इस प्रदेश की महिला और पुरुष बराबरी पर हो। पूर्व की सरकारों में विधवा पेंशन योजना में 60 साल की विधवा महिला को ही इस योजना का लाभ मिलता था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने जब इस प्रदेश की बागडोर को संभाला और उन्होंने जब इस विभाग की समीक्षा की, तो उन्होंने कहा कि कोई भी विधवा महिला एक विधवा होती है चाहे वह 25 साल की हो या फिर वह 60 साल की हो। हर विधवा को इस पेंशन का लाभ मिलना चाहिये। उसके बाद से हर विधवा को चाहे वह किसी भी उम्र की हो उसे पेंशन का लाभ दिया जाने लगा है। इस धनराशि को भी 300 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। अब मैं वन स्टाप सेण्टर का जिक्र करना चाहूंगी, वन स्टाप सेण्टर यह एक ऐसी छत है जिसके नीचे एक पीड़ित महिला को हर तरह की सुविधा प्रदान की जाती है चाहे वह पुलिस की सुविधा हो, चाहे चिकित्सा की सुविधा हो, चाहे किसी भी विधिक सलाह की सुविधा हो। वर्तमान में प्रदेश के 17 जनपदों में पूर्ण रूप से वन स्टाप सेण्टर संचालित है तथा दिसम्बर, 2019 तक सभी जनपदों में इस योजना का संचालन किया जायेगा। मैं यहां पर महिला हेल्प लाइन नम्बर-181 का उल्लेख करना चाहूंगी। इस नम्बर को पूरे देश में भारत सरकार संचालित करता है। भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश में 06 शीटर सेण्टर दिया था लेकिन बाद में माननीय मुख्य मंत्री जी को महसूस हुआ कि इतनी बड़ी जनसंख्या वाला प्रदेश है और सिर्फ 06 सीटर से काम नहीं चलेगा। माननीय मुख्य मंत्री जी ने 06 सीटर को बढ़ाकर 30 सीटर कर दिया। यही नहीं पूरे 75 जनपदों में रेस्क्यू वैन भी दी है ताकि कोई भी पीड़ित महिला हो उसे वन स्टाप सेण्टर तक ले जाया जाये और उसकी समस्याओं का समाधान किया जाये।

मैं 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का उल्लेख करना चाहूंगी। अभी दिनांक 06 सितम्बर, 2019 को ही उत्तर प्रदेश सरकार को भारत सरकार ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के लिए सम्मानित किया है। माननीय अध्यक्ष जी, आपकी आज्ञा से मैं पूरे सदन से यह अपील करना चाहूंगी कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का एक 'लोगो' है और यदि हमारे सभी माननीय सदस्य अपने लेटर पैड पर उस 'लोगो' को लगा लेंगे और यदि कहीं पर भी आप कोई कार्यक्रम कर रहे हैं तो उसके बैक ड्राप में अगर आप 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के लोगो को लगा लेंगे तो इस विश्वास के साथ आप उस 'लोगो' को लगाईयेगा कि हम एक 'लोगो' के साथ एक बेटी को बचाने का काम कर रहे हैं। हम इस मुहिम से अपनी बेटियों को बचा पायेंगे और अपनी बेटियों को पढ़ा पायेंगे। मैं मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना की बात करूँगी। मैं कहती हूं कि इस प्रदेश का सौभाग्य है कि हमें ऐसे मुख्य मंत्री मिले हैं जो गर्भ में पल रही कन्या की भी चिंता कर रहे है तो अब किसी भी बेटी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कन्या सुमंगला योजना को दिनांक 01-04-2019 से लागू किए जाने का निर्णय लिया था जिसमें एक निश्चित राशि बेटियों के एकाउण्ट में उसके जन्म से लेकर ग्रेजुएशन होने

तक जमा की जायेगी। चूंकि मेरा समय कल रात में साढ़े नौ बजे का था और शायद मैं कल बोलती तो मुझे बोलने के लिए एक घण्टे का समय मिलता। उत्तर प्रदेश सरकार का महिला कल्याण विभाग इस समय भारत सरकार के सहयोग से इतनी अधिक योजनायें चलाता है कि शायद उसको बताने के लिए पूरा दिन भी कम पड़ जायेगा। चूंकि समय कम है इसलिये मैं बहुत ज्यादा समय नहीं लूंगी। हमारे विभाग की जितनी योजनायें हैं वह मैं आपको लिखकर दे दूंगी लेकिन अन्त में मैं जरूर इस बात को कहना चाहूंगी कि संविधान ने हमें सारे अधिकार दिये हैं और उसमें कोई भेद-भाव नहीं किया गया है। आर्टिकल-15 में भी यह लिखा कि ''दि स्टेट शैल नॉट डिस्क्रिमिनेट अगेंस्ट एनी सिटीजन आन ग्राउण्डस् ओनली ऑफ रिलीजन, रेस, कास्ट, सेक्स, प्लेस ऑफ बर्थ ऑर एनी ऑफ देम।'' हमारी सरकार ने आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए बहुत सारी योजनायें भारत सरकार के सहयोग से संचालित कर रखी हैं। हमारे यहां जिस तरीके से योजनायें चल रही है उससे मुझे विश्वास है कि हमारे समाज की सोच बदल रही है और वह दिन दूर नहीं जब हमारे घर आंगन में बेटियां पैदा होंगी तो बेटियों के पैदा होने पर भी ढोल नगाड़े बजेंगे और लोग थाली बजायेंगे। हम सभी लोग जिन 16 सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट गोल्स के बारे में यहां पर चर्चा कर रहे हैं जिन्हें वर्ष 2030 तक एचीव करना है तो मुझे विश्वास है कि जब दिनांक 02 अक्टूबर, 2030 को ऐसा ही एक विशेष सत्र बुलाया जायेगा तो आधी आबादी इस माननीय सदन का आधा प्रतिनिधित्व कर रही होगी। मुझे आप लोगो से भी यह उम्मीद है कि आप लोग इस संकल्प को लेकर आगे बढ़ेंगे। माननीय अध्यक्ष जी, अन्त में मैं आपको धन्यवाद देकर अपनी बात को समाप्त करती हूं लेकिन मेरे मन में एक पीड़ा जरूर है कि मेरी बात अधूरी रह गई । बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

आपकी बात अधूरी नहीं है बल्कि पूरी से ज्यादा पूरी हो गई है। अब माननीय रामचन्द्र यादव जी बोलेंगे। मुझे पता चला है कि आप पूरी रात्रि जागे हैं।

[17:25] श्री राम चन्द्र यादव[*]-

माननीय अध्यक्ष जी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्मदिन के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश के इस गरिमामय सदन के विशेष सत्र को बुलाकर आपने हम सभी को अवसर दिया है जिसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं और उत्तर प्रदेश के यशस्वी माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत अभिनन्दन करता हूं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी जिन्होंने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया मैं उन्हें भी नमन करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, इस देश में गांधी जी के टैग को लगाकर लोगों ने बहुत दिनों तक सत्ता संभाली है लेकिन बेहतरी का कोई काम नहीं किया है। हमारे प्रधानमंत्री और हमारे मुख्य

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मंत्री जी ने हमारे देश और इस प्रदेश की जो चिंता की है वह किसी से छिपी नहीं है। गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लक्ष्य पर चलकर हम कम आमदनी, अभावग्रस्त, गरीबी से त्रस्त ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीड़ित सभी समूह के बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगो तथा देश की आधी से अधिक आबादी जो गरीब है उनकी समस्याओं पर प्रहार करना आवश्यक होगा। ऐसी स्थिति में ही हम कमजोर वर्ग, अति संवेदनशील समूहों, बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगो और गरीब जनता का भला कर सकते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के सपनों को जिन्होंने गरीबी के संदर्भ में पूरे देश और पूरी दुनिया को जो संदेश दिया है उसे हम पूरा कर सकते हैं। हम सभी लोग देखते आ रहे हैं कि एक पुराना शासन भी था जब वर्ष 2001 की आबादी के आधार पर योजनायें बनती थी। उस समय जिनकी सरकारें थी उनको वर्ष 2011 की आबादी का प्रकाशन करना चाहिये था लेकिन उन्होंने वह नहीं किया।

वर्ष 2014 में जब श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने इस देश में 2011 की आबादी का प्रकाशन करके गांव और देहात में रहने वाले लोगो को हक दिलाने काम शुरू किया। आज हम कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना से गांव के गरीब लोगो के बहुत बड़े हिस्से को जोड़ने का काम हुआ है। ऐसे गरीब लोगो को सरकार ने रोटी और रोजी से जोड़ने का काम किया है। पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की जो विचाराधारा थी कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए हमें काम करना है यह सारा का सारा काम तभी सम्भव हो पाया है जब इस देश की बागडोर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्रीमान् नरेन्द्र मोदी जी को मिली है। अन्त्योदय का सपना तभी साकार हो पाया है और पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी बाजपेई जी के समय में शुरू किये गये प्रयास तभी साकार रूप ले पाये हैं। वर्ष 2017 से उत्तर प्रदेश की बागडोर हमारे यशस्वी माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी जी ने संभाली है तो उसके बाद से प्रदेश सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए बहुत सारे काम किये हैं और आज की तारीख में बहुत सारी योजनायें चल रही हैं। आज हम कह सकते हैं कि गांव के गरीबो को जो राशन मिलता है उस योजना को भी उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार ने बड़ी मजबूती और दृढ़ता के साथ लागू करने का काम किया है। आज कहीं न कहीं हमारे जो दूसरे राजनीतिक दल हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, जो हमारी योजनाएं हैं, गरीबों की योजनाएं हैं। जिन योजनाओं के सफल संचालन के नाते आज महात्मा गांधी जी के सपने को साकार होते हुए हम सभी लोग देख रहे हैं। उन बहुत सारी योजनाओं में आज उज्जवला गैस योजना, जिसके नाते मेरे भी क्षेत्र में 50 हजार से ज्यादा गरीबों को इसका फायदा मिला है। आज प्रधानमंत्री योजना में भी 25 हजार गांव के गरीबों को, हमारे विधान सभा क्षेत्र रूदौली को उसका फायदा मिला है। आज प्रधानमंत्री शहरी योजना में भी नगरपालिका रूदौली में 03 हजार गरीबों को आवास मिला है। रूदौली विधान सभा क्षेत्र की उन बहुत सारी गरीबों की बस्तियों में आज गरीबों के कल्याण की

योजनाओं के नाते उनके जीवन में सुधार आया है, जिसके नाते आज हम कह सकते हैं कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी और प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी, गांधी जी की जो सोच थी, उसको लेकर आगे बढ़ने का जो एक बहुत बड़ा भाव है, जो मन है, वह उत्तर प्रदेश में दिखायी पड़ा है। चूंकि आपने बहुत अच्छे अवसर पर हम सभी को बोलने का अवसर दिया है। मैं पुनः आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं और अपनी बात समाप्त करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

अब श्री राजीव कुमार सिंह जी।

***[17:30] श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया** -

माननीय अध्यक्ष जी, महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर एक ऐतिहासिक 36 घण्टे का सत्र आहूत करके इस पल का साक्षी बनाने का आपने जो अवसर दिया, मैं उसके लिए आपका कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं और मुझे 'अच्छा स्वास्थ्य और जीवन स्तर' पर बोलने का अवसर देने के लिए भी आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी, मुझे लगता है कि वास्तव में उत्तर प्रदेश के इतिहास में ही नहीं, बल्कि भारत के इतिहास में यह पहला सत्र होगा जो 36 घण्टे का आहूत किया गया है और मुझे लगता है कि विश्व का भी एक नया कीर्तिमान बनाने का अवसर हम सभी सदस्यों को मिलने वाला है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे केवल यह कहना चाहता हूं कि जो 16 बिन्दुओं पर चर्चा करके उत्तर प्रदेश के नेतृत्व ने मा0 योगी आदित्यनाथ जी ने आपकी अध्यक्षता में पूरे विश्व को एक सन्देश देने का काम किया है कि हम प्रगति के लिए कितने जागरूक हैं और उत्तर प्रदेश से इसकी शुरूआत कर रहे हैं। अध्यक्ष जी, अच्छा स्वास्थ्य किसी सफल व्यक्ति की कामयाबी के लिए मंत्र होता है। जब कोई स्वस्थ तन से, मन से मंजिल को पाने का कार्य करता है तो उसे अवश्य ही मंजिल प्राप्त होती है। यह एक देश और प्रदेश के लिए भी आवश्यक है कि उसके देश और प्रदेश में कितने प्रतिशत व्यक्ति स्वस्थ हैं और उनका जीवन-स्तर क्या है? आज के भागम-भाग के युग में बीमारियां व्यक्तियों पर हावी होती हैं और व्यक्ति टूट जाता है, आज के समय में। दूषित पेयजल, सब्जी, दूध, फल, गेहूं, धान आज सेहत के लिए हानिकारक हैं। इनमें रासायनिक दवाओं का, उर्वरकों का इतना प्रयोग होता है कि यह स्वास्थ्य के लिए घातक होते हैं। ऐसे में हमारी सरकार सेहत के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाकर गरीबों, मजदूरों, असहाय, बेसहारा, अनुसूचित और पिछड़े वर्ग के साथ-साथ सभी वर्ग की महिलाओं के प्रति भी जागरूक और हमारी सरकार का संकल्प है। संकल्प-पत्र 2017 में 'स्वस्थ हो हर घर-परिवार' का मूल उद्देश्य है कि चिकित्सा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन करके सभी को स्वस्थ बनाने का कार्य

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

करें। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न मेडिकल कालेज, एम्स, आई0सी0यू0 आदि खोल कर इन रोगों का उपचार करने का हमारी सरकार ने काम किया है। चाहे जापानी इन्सेफ्लाइटिस हो, मस्तिष्क ज्वर हो, काला ज्वार, मलेरिया, टी0बी0 आदि रोगों की रोकथाम के लिए आई0सी0यू0, ट्रामा सेण्टर, बचाव केन्द्र खोले गए हैं। डेंगू, चिकनगुनिया, एच0आई0वी0 से बचाने के लिए काफी उपाय किए गए हैं। हम वैक्सीन और दवाओं के माध्यम से गांव-गांव जाकर बचाव कार्य कर रहे हैं। प्रदेश स्तर पर टास्क फोर्स का गठन करके अन्य विभागों से भी सामन्जस्य बना कर इसमें अच्छे प्रयास कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

राजीव कुमार जी, संक्षिप्त करिए।

श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया-

जी, मान्यवर। आज वायु, जल आदि प्रदूषित हो रहा है। मान्यवर, आज हमें इनसे सम्बन्धित बीमारियों से बचना होगा। तम्बाकू और नशे के अन्य साधनों पर भी प्रतिबन्ध लगाना होगा। मा0 प्रधानमंत्री जी का सपना, 'नया भारत, स्वस्थ भारत' के लिए प्रधानमंत्री जी द्वारा आरोग्य आयुष्मान योजना एवं मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा 'मुख्य मंत्री आरोग्य जन योजना' चलाकर हमने गरीबों के लिए एक स्वस्थ वातावरण देने का प्रयास किया है। कोई भी गरीब अब इलाज के अभाव में कहीं अपने को कमजोर नहीं महसूस करेगा। 05 लाख रुपये तक का इलाज कराकर हमारी सरकार ने इसमें एक मील का पत्थर लगाने का काम किया है। हमारी सरकार नियमित टीकाकरण और वैक्सीन से नवजात मृत्यु दर पर भी काबू पा रही है। हमारे देश में गर्भवती महिलाओं को प्रसव से पूर्व जांच कराकर उनको उपचार, दवा और ब्लड आदि की भी व्यवस्थाएं की गयी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2018-19 में 61 लाख 03 हजार महिलाओं की प्रसव से पूर्व जांच करायी गयी तथा उनका उचित उपचार किया गया। गर्भवती महिलाओं को हमारी सरकार 05 हजार रुपये की धनराशि भी देने की व्यवस्था कर रही है। मान्यवर, मिजोला रोग की रोकथाम के लिए भी 07 लाख 57 हजार बच्चों का टीकाकरण किया गया है। अन्य बहुत सी कार्यवाही भी सरकार ने गरीबों के स्वास्थ्य के लिए की है। लेकिन मान्यवर, पी0एच0सी0 और सी0एच0सी0 के जो सेण्टर हैं, उनको भी प्रभावी बनाना होगा, उनकी जिम्मेदारी तय करनी होगी। इन सभी सेण्टरों पर दवा और उपकरण के जो आधुनिक संसाधन हैं, वह मुहैया कराने होंगे। उनमें स्पेशलिस्ट डाक्टर और महिला चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ की कमी को भी दूर करना होगा, तभी हम स्वस्थ स्वास्थ्य दे सकते हैं। गांवों में शुद्ध पेयजल, उर्वरक और रासायनिक खादों के प्रयोग वाली खेती में बदलाव लाना होगा, जैविक खेती को बढ़ावा देना होगा। सफाई, स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत गन्दे पानी में एण्टी लारवा का छिड़काव कर हम गांव वालों के स्वास्थ्य में परिवर्तन ला सकते हैं। मान्यवर, बहुत सी बातें हैं।

मेरी विधान सभा क्षेत्र में 718 आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से प्रतिमाह 62225 महिलाओं को कुपोषण से बचाया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष-

राजीव जी, अब आपका समय पूरा हो गया है।

श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया-

मान्यवर, हमारी सरकार ने जननी सुरक्षा योजना, जननी-शिशु सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य योजना, पोषण-पुनर्वास योजना, आयुष्मान भारत योजना, मुख्य मंत्री आयुष्मान जन स्वास्थ्य योजनाओं आदि के माध्यम से हमारे देश के स्वस्थ जीवन के स्तर को ऊपर उठाने का काम किया है। इसी के साथ मेरी विधान सभा क्षेत्र में कुछ जरूरतें हैं, आवश्यकताएं हैं, उनके सम्बन्ध में आपसे निवेदन करना चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष-

आपने पहले नहीं बताया, उन्हें आप बाद में दे देना। अब आप बैठिए।

श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया -

ठीक है, मान्यवर। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

अब श्रीमती अनीता जी।

***[17:36] श्रीमती अनीता-**

माननीय अध्यक्ष जी, महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर सतत् विकास के लक्ष्य 2030 पर आहूत इस विशेष सत्र में आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी, आज हमारी सरकार प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। आज गांव, गरीब, किसान, मजदूर के बच्चे माडल स्कूल में उच्च कोटि की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, क्योंकि एक शिक्षित व्यक्ति ही समाज में खुद को साबित कर पाने की क्षमता रखता है। क्योंकि शिक्षा से ही व्यक्ति के अन्दर सोचने, समझने की शक्ति विकसित होती है और उसके दिमाग का पूर्ण रूप से विकास होता है। इसके साथ ही तभी वह सफलता हासिल करता है और अपने जीवन के लक्ष्यों को हासिल योग्य बनाता है। शिक्षा मनुष्य का मानसिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सभी रूप में विकास करती है और मनुष्य को यश, कीर्ति दिलाती है। माननीय अध्यक्ष जी, आज हमारी सरकार नकल विहीन एवं पारदर्शी शिक्षा पर बल दे रही है। जिससे युवाओं में उत्साह बढ़ा है। मैं सरकार की शिक्षापरक नीतियों की प्रशंसा करती हूं। माननीय अध्यक्ष जी, कुछ हमारे क्षेत्र की समस्याएं है। आज जनपद अम्बेडकर नगर, आलापुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पड़ने वाली क्रमशः राजे सुल्तानपुर, जहांगीरगंज आलापुर, तहसील मुख्यालय रामनगर बाजार जो मेरी विधान सभा क्षेत्र की सबसे पुरानी बाजार हैं। इन बाजारों में घनी आबादी होने की वजह से रास्ता तथा जल निकासी का घोर संकट बना रहता है। मेरी विधान सभा क्षेत्र आलापुर अन्तर्गत एक भी नगर पंचायत स्थापित नहीं है, अतः मैं सदन के माध्यम से मैं यह मांग करती हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पड़ने वाली बाजार क्रमशः राजे सुल्तानपुर, जहांगीरगंज तथा रामनगर नगर पंचायत घोषित करवाने की कृपा करें। माननीय अध्यक्ष जी, जनपद अम्बेडकरनगर के आलापुर विधान सभा क्षेत्र में सुचारू रूप से विद्युत सप्लाई हेतु 11 हजार वोल्ट के एच0टी0 लाइन के जर्जर एवं पुराने हो चुके तार को बदलवाने एवं विद्युत सब-स्टेशन तेंदुवाईकला तथा रामनगर में कम क्षमता वाले 05 एम0वी0ए0 के स्थान पर 10 एम0वी0ए0 का ट्रान्सफार्मर लगवाया जाना जनहित में नितान्त आवश्यक है। माननीय अध्यक्ष जी, जनपद अम्बेडकरनगर के आलापुर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पड़ने वाले एन0एच0 235 पर अमरी मोड़ के पास बने टोल प्लाजा के कारण, टोल टैक्स बचाने के उद्देश्य से अधिकांश भारी वाहन मेरी विधान सभा क्षेत्र से होकर आजमगढ़ की तरफ आते व जाते हैं। जिससे हमारी विधान सभा क्षेत्र के अधिकांश रोड़ क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। मैं सदन के माध्यम से मांग करती हूं कि सरकार इस पर ठोस कदम उठाने की कृपा करे। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे सदन में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपकी बहुत-बहुत आभारी हूं, धन्यवाद, जय-हिन्द, जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

अब कमल रानी वरूण जी।

***[17:40] प्राविधिक शिक्षा मंत्री (श्रीमती कमल रानी)**-

धन्यवाद, माननीय अध्यक्ष जी, 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती एवं सादगी, ईमानदारी की प्रतिमूर्ति 'जय-जवान, जय किसान' का नारा देने वाले भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री, लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन् करती हूं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के 150वीं जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में उनके विचारों, आदर्शों व नीतियों पर अनवरत् चर्चा के अवसर पर आहूत विशेष सत्र में मुझे बोलने का अवसर आपने दिया, मैं इसके लिए आपकी हृदय से बहुत-बहुत आभारी हूं और आपको धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। माननीय अध्यक्ष जी, इस तेजी से बदलते विश्व में और भारत की एक चीज समान है, वह है विकसित होने की इच्छा। इस अवसर पर आज हम यह कह सकते हैं कि पूज्य बापू जी के स्वच्छ भारत के सपने पर भारत तीव्र गति से अग्रसर है और इस नयी सोच का श्रेय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी जी को जाता है। प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर अपनी नयी छवि का निर्माण कर रहा है। विश्व में मोदी इरा की शुरूआत हो चुकी है। इसे पूरा विश्व सहज स्वीकार करता है और इसी क्रम में भारत के अनेक प्रदेश एक-दूसरे से सकारात्मक प्रतिस्पर्धा में लग गए हैं। वह चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो, चाहे स्वच्छता का क्षेत्र हो, चाहे उद्योग की बढ़ोत्तरी का क्षेत्र हो। आज जहां एक प्रदेश, दूसरे प्रदेश से ज्यादा स्वच्छ होने की प्रतिस्पर्धा कर रहा है, वहीं आज उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय, कर्मठ एवं ऊर्जावान यशस्वी

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मुख्य मंत्री मा0 श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का हर गांव, हर शहर खुले में शौच से मुक्त हो गया है। यह अभूतपूर्व कार्य सुनने में जितना सरल प्रतीत होता है, उतना यह सरल नहीं है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, स्वच्छता बापू जी के लिए कोई कार्यक्रम नहीं था, यह उनका स्वभाव था और मानव में यह स्वभाव होना ही चाहिए। यह स्वच्छता जो है, यह जीवन-पर्यन्त चलने वाली एक प्रक्रिया है, इसको हम अपने से अलग नहीं कर सकते और स्वभाव में उसको डालना ही चाहिए। अगर यह स्वभाव हमारा नहीं होगा तो हम कुछ भी नहीं कर सकते, हम सिखाते रहेंगे, पढ़ाते रहेंगे लोगों को, लेकिन अगर आदत में नहीं डालेंगे तो यह काम नहीं हो सकता। इसका मैं एक साधारण सा उदाहरण देती हूं। मेरे पति जब मोहल्ले में कहीं घूमने जाते थे, निकलते थे तो कहीं पर अगर कोई कागज पड़ा होता था तो उसे उठा लेते थे तो मुझे भी बड़ा अजीब लगता था कि यह क्या कर रहे हो? कहते थे कि यह लोग ऐसा करते हैं, इनको ऐसा नहीं करने देना चाहिए। लेकिन इसको कहने से ज्यादा अगर हम करके दिखायेंगे तो उसका ज्यादा असर होगा। तो कुछ दिन के बाद पड़ोस के लोगों ने कहा कि भाई अपने दरवाजे का कूड़ा उठा लेना, कहीं वरूण साहब निकलेंगे तो वह कूड़ा उठाने लगेंगे और आज 25 साल के बाद भी हमारी गली में कभी आप लोग आइये, वह गली आज भी उतनी ही स्वच्छ और पवित्र जैसी लगती है क्योंकि कोई कूड़ा वहां पर नहीं डालता। इसलिए यह आदत हमें डालनी चाहिए। मैं एक और उदाहरण आपको देती हूं। अपने क्षेत्र में मैं गयी थी, वहां पर नाला बजबजा रहा था, सफाई कर्मचारी हर जगह उपलब्ध नहीं हैं और जब वह उपलब्ध नहीं हैं तो निश्चित ही गंदगी तो होगी। लेकिन अगर उनकी आदत में होता तो वह सब काम अपना कर लिए होते और गंदगी न होती। मुझको देखा तो कहा कि देखिए, नाली बजबजा रही है, आप कुछ नहीं कर रही हैं, हमारे यहां पर तो सफाई कर्मचारी आता नहीं है। मैंने कहा कि यह कोई कठिन बात नहीं है। मैंने कहा कि लाओ फावड़ा दो, मैंने कमर में अपनी साड़ी कसी और फावड़े से ज्यों ही कूड़ा निकाला, वहां के 25-30 आदमी वहां के आ गए और 01 घण्टे के अन्दर उस पूरे नाले को साफ करके तालाब तक गांव के अन्दर का पानी निकाल दिया। तो इसमें अपने को आगे बढ़ना ही पड़ेगा, स्वच्छता ऐसे ही कहने से नहीं आ जाती, हमें खुद उसे उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करना होता है। मैं एक और उदाहरण देना चाहती हूं। हमारी दो गाड़ियां जा रही थी, आगे वाली गाड़ी के लोगों ने कुछ खाया और फेंका, उसे हमारे घर के छोटे-छोटे बच्चों ने देखा और कहा कि नानी, आपने देखा? आगे वाली गाड़ी वाले ने खाकर कूड़ा फेंक दिया, मोदी जी झाड़ू लगाते हैं, आगे वाले अंकल को शर्म नहीं आती। आप उनको रोकिए और कहिए। यह हमारे यहां जो हुआ, उसे हमारे बच्चों ने सीखा और सीख कर तुरन्त उसका जवाब उन्होंने दिया। तो आज हमें जरूरत नहीं पड़ेगी कि हम स्वच्छता का कोई

अभियान चालू करें। लेकिन अभियान की जरूरत हमको पड़ी, इसलिए पड़ी क्योंकि हम लोगों ने अपनी आदत खराब कर ली थी।

श्री अध्यक्ष-

अब तो आपका हो गया।

श्रीमती कमल रानी-

मा0 अध्यक्ष जी, अभी हम अपने विषय पर तो आए ही नहीं। अध्यक्ष जी, हम आपके उन्नाव की ही प्रभारी मंत्री हैं, इसलिए हमको समय ज्यादा मिलना चाहिए। हम आपके क्षेत्र की प्रभारी मंत्री हैं। मा0 अध्यक्ष जी गन्दगी किसी को अच्छी नहीं लगती और जब हम ये समझ लेंगे कि गन्दगी खराब चीज है तो हम अपने आप सफाई करने लगेंगे। ऐसे ही हमारे बापू जी भी करते थे। वे खुद ही किसी काम में जुट जाते थे, किसी से कुछ कहते नहीं थे, खुद ही करने लगते थे और उसी की वजह से लोग स्वयं उनका अनुकरण करने लगते थे। प्रसिद्ध वैज्ञानिक आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियां शायद ही विश्वास करें कि गांधी नाम का कोई हांड़-मांस का कोई व्यक्ति इस धरती पर आया था। उन्होंने छोटे-छोटे काम करके इतना सशक्त भारत बना दिया था कि जिसकी कोई उम्मीद नहीं करता था। आइंस्टीन के कहने का तात्पर्य यह था कि आने वाली पीढ़ियों के लिए गांधी जी स्वप्न के समान होंगे। गांधी जी के सम्बन्ध में मेरी भावना भी यही कहती है और मैं ये दो लाइनें बोलना चाहती हूं कि

यूं तो जीने के लिए सब जीते हैं
लेकिन जिन्दगी उनकी होती है
जो मरने के बाद भी जीते हैं।

आज वे हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनकी विचारधारा सदैव हम भारतीयों को प्रेरित करती रहेगी। मा0 अध्यक्ष जी, पूज्य बापू जी के सपने स्वच्छ भारत के लिए अपना संकल्प बुनकर आदरणीय मोदी जी ने जब स्वच्छ भारत का कार्यक्रम चलाया तो उन्होंने उसका नाम स्वच्छ भारत कार्यक्रम न रख कर स्वच्छता मिशन रखा था क्योंकि वे हर भारतीय के आचरण में स्वच्छता लाना चाहते थे। इसलिए उसे सरकारी कार्यक्रम न बनाकर उन्होंने उसको एक जन आंदोलन बना दिया। यह सच है कि अगर हर व्यक्ति यह तय कर ले कि मैं गन्दगी नहीं फैलाऊंगा तो गन्दगी कभी फैल नहीं सकती। बापू जी केवल बाहर ही नहीं अन्दर की गन्दगी की भी बात करते थे। वे कहते थे कि तन के साथ अगर मन साफ नहीं हुआ तो फिर सफाई का कोई मतलब नहीं रह जाता। वे अन्दर और बाहर दोनों की स्वच्छता की बात करते थे और उनका अनुसरण करते हुए आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी काम कर रहे हैं और उसी प्रकार उत्तर प्रदेश के यशस्वी एवं लोकप्रिय मुख्य मंत्री मा0 योगी आदित्य नाथ जी स्वच्छता मिशन, भ्रष्टाचार मुक्त भारत, गन्दगी मुक्त भारत, गरीबी मुक्त भारत पर सम्पूर्ण ऊर्जा के साथ

काम कर रहे हैं। यही कारण है कि स्वच्छता को लेकर आज जनता पहले से ज्यादा जाग्रत हुई है और आज जन आंदोलन का स्वरूप लेकर उत्तर प्रदेश को बहुत कम समय में उन्होंने खुले में शौच करने से मुक्त करा दिया है। मा0 मुख्य मंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में मैं प्राविधिक शिक्षा विभाग के बारे में कुछ बोलना चाहूंगी और अपनी बात खत्म कर दूंगी। मुझे डर लगता है कि कहीं आप टोक न दें। मा0 मुख्य मंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में प्राविधिक शिक्षा की प्राथमिकता गुणवत्तापरक शिक्षा को शत प्रतिशत बढ़ाने की है।

प्राविधिक शिक्षा के अन्तर्गत तीन प्राविधिक विश्वविद्यालय क्रमशः लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर में स्थापित हैं। इसके अलावा 14 राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज घटक संस्थान, लगभग 600 निजी इंजीनियरिंग कॉलेज, 147 राजकीय पॉलीटेक्निक, 19 अनुदानित पॉलीटेक्निक, 05 अन्य विभागों द्वारा संचालित पॉलीटेक्निक तथा 1155 निजी क्षेत्र के पॉलीटेक्निक संचालित हैं। इन इंजीनियरिंग कॉलेजों में डिग्री कोर्स की लगभग ढाई लाख सीटें तथा पॉलीटेक्निक संस्थाओं में 02 लाख 40 हजार डिप्लोमा सीटें उपलब्ध हैं। विगत वर्ष 2018-19 से पॉलीटेक्निक संस्थाओं की प्रवेश प्रक्रिया में शुचिता के दृष्टिगत इण्ट्रेन्स एग्जामिनेशन में सेक्योर और लीकप्रूफ टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया गया है। लैंगिक समानता के दृष्टिगत बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ की योजना के आह्वान में यू0पी0सीट 2018 में 100 टॉपर छात्राओं को लैपटॉप प्रदान किया गया है तथा बेटियों की संख्या डिग्री कोर्सेज और डिप्लोमा कोर्सेज में बढ़ाने के लिए कई अन्य योजनाओं की शुरूआत करने का हमारा संकल्प है। मान्यवर, मैं अपना उदाहरण देना चाहूंगी। आज से 30 साल पहले हमने मात्र एक ही लड़की पैदा की थी। हम दूसरा बच्चा भी पैदा कर सकते थे लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। आज भी मेरे पास एक ही लड़की है। अपने क्षेत्र में यह उदाहरण मैंने अपनी तरफ से दिया है। मैंने अपनी गाड़ी में लिख भी रखा है कि अगले जनम मुझे बिटिया ही कीजो। शायद किसी ने मेरी गाड़ी में पढ़ा भी हो। मैं चाहूंगी कि हमसे तथा हमारी गाड़ी पर पढ़कर भी लोग प्रेरणा लें। मैं स्वयं कह रही हूं कि अगले जनम में मैं फिर बेटी ही होना चाहती हूं तो सब लोग बेटियों को नजर अन्दाज क्यों करते हैं? इसके अलावा नेचर स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेम वक्र आधारित 18 डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में लागू किया गया है। वर्ष 2019-20 में एन0एस0क्यू0एफ0 आधारित 36 पाठ्यक्रमों का पुनरीक्षण किए जाने का लक्ष्य है। मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा 26 असेवित विधान सभा क्षेत्रों में एक-एक पॉलीटेक्निक कॉलेज के निर्माण की घोषणा की है। इसमें 20 संस्थाओं की धनराशि जारी कर दी गई है तथा 02 संस्थाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेण्ट के कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। बहुत प्रॉबलम आ रही थी, लोग कह रहे थे कि इंजीनियरिंग पढ़कर बच्चे बेकार बैठे हैं, उनके पास रोजगार नहीं है। मैं यही कोशिश कर रही हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्लेसमेण्ट मिले।

हर यूनिवर्सिटी में इसके लिए प्लेसमेण्ट सेल का गठन किया गया है, उसके माध्यम से योग्य बच्चों के प्लेसमेण्ट को बढ़ाकर अगले वर्ष 50 प्रतिशत करने तथा आगामी वर्षों में इससे भी ज्यादा 100 परसेण्ट करने का हमारा लक्ष्य है। हमारी प्राथमिकता है कि वर्ष 2022 तक सभी प्राविधिक संस्थाओं की 47 ब्रांचों का एक्रिडिटेशन हो जाना चाहिए और जो अच्छे बच्चे हैं उनको प्रोत्साहित किया जाए। हम सभी सरकारी और गैर सरकारी कॉलेजों में ई-लाइब्रेरी का भी उत्थान कर रहे हैं जिससे सभी बच्चों को किताबें तथ ई-रिसोर्सेज मिल सकें। 147 पॉलीटेक्निक कॉलेजों में बुक बैंक की स्थापना और बायोमीट्रिक उपस्थिति लागू की गई है। आगामी सत्र में डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था भी लागू किए जाने में प्रगति है। इस पर मैंने बहुत जोर दिया है कि डिजिटल मूल्यांकन हो। बच्चे बहुत परेशान हो जाते हैं कि कहीं उनकी मार्क शीट गड़बड़ है, कहीं उनको डिग्री नहीं मिल रही। इसमें बहुत ज्यादा प्रॉबलम थी तो हमने कहा कि इसमें डिजिटल मूल्यांकन हो और बच्चे उसको देख सकें। हमारी योजना नये एरिया में सेण्टर ऑफ एक्सीलेन्स स्थापित करने की है। प्राविधिक संस्थानों द्वारा जल संचयन तथा इससे सम्बन्धित कार्य किए जायेंगे। समस्त प्राविधिक संस्थाएं जल संचयन की नई सुगम तकनीक विकसित करें। ऐसा हमारा प्रयास है। हम इस दिशा में काम भी कर रहे हैं। पं0 दीन दयाल उपाध्याय योजना के अन्तर्गत गुणवत्ता सुधार एवं विगत वर्ष 200 करोड़ रुपये की योजना सरकारी तकनीकी संस्थाओं और विश्वविद्यालयों में की गई है। गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा विदेशी विश्वविद्यालय से करार के अन्तर्गत शिक्षक-छात्र आदान-प्रदान की योजना है। आप लोग समझ लीजिए कि यह बहुत अच्छा प्वाइण्ट है कि हम शिक्षक-छात्र आदान-प्रदान योजना का प्रारम्भ करेंगे। प्राविधिक शिक्षा विभाग में एक सलाहकार समिति गठन किए जाने हेतु पूरे देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों जैसे आई0आई0टी0, आई0आई0एम0, एन0आई0टी0 के विद्वान और कुछ प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे और समिति के द्वारा सभी तकनीकी विश्वविद्यालयों संस्थानों के छात्र-छात्राएं इण्टर्नशिप एवं प्लेसमेण्ट से लाभान्वित होंगे। सभी प्राविधिक संस्थानों में प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतया प्रतिबंधित कर दिया गया है। उसके स्थान पर शोध करके वैकल्पिक उत्पाद प्रयोग में लाने के लिए निर्देशित किया गया है। सभी तकनीकी विश्वविद्यालयों में आह्वान किया गया है और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेण्ट करके ऊर्जा बनाने के लिए लोस्ट कॉस्ट टेक्निक विकसित करने का हमारा प्रयास है। गरीब एवं अनुसूचित जाति जनजाति के बच्चों को तकनीकी शिक्षा देने के लिए क्योंकि वे पढ़ नहीं पाते हैं उनके पास कॉपी-किताबें नहीं होती हैं तो उनको गेट एवं कैट की निःशुल्क कोचिंग में शिक्षा दिलाने जाने का प्राविधान भी किया है। हमें गर्व है कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री मा0 योगी आदित्य नाथ जी के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम्, अन्त्योदय, सर्वोदय और सबका साथ सबका विकास के सिद्धान्त पर अनवरत् कार्य करते हुए हमारे उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में हम कार्य कर

रहे हैं। आज हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री मा0 मोदी जी तथा हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री मा0 योगी जी के नेतृत्व में हमारा देश तथा प्रदेश विकास के पथ पर बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। मा0 अध्यक्ष जी मैंने इस सम्बन्ध में चार लाइनें लिखी हैं, बोलना चाहती हूं क्योंकि आप भी बहुत बड़े कवि और लेखक हैं।

माननीय मोदी जी और योगी जी का हर सपना अब होगा साकार
सिंगल यूज प्लास्टिक का अब हम यू0पी0 में करेंगे बहिष्कार
हम रखेंगे एक सुनहरे और सुनिश्चित कल की नींव
जिसमें आनन्द से जिएगा पृथ्वी का हर जीव
अपने बच्चों के लिए हमें कुछ तो छोड़ना है
साफ पर्यावरण से हर इंसान का नाता जोड़ना है
सबका साथ सबका विकास का नारा है हमारा
पर्यावरण से समझौता अब और नहीं है गँवारा
जिस भूमि ने हमें घर दिया जीवन दिया,
अब उसको बचाने का संकल्प हर यू0पी0 निवासी ने है लिया
हरी भरी पृथ्वी से अब ये हमारा है वादा
जलवायु परिवर्तन को हराने का है पहला इरादा

स्वच्छ भारत तथा स्वस्थ भारत की कामना के साथ मैं भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी तथा उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय, ऊर्जावान, यशस्वी मुख्य मंत्री मा0 योगी आदित्य नाथ जी महाराज एवं मा0 अध्यक्ष जी को धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। साथ ही मा0 सदन में उपस्थित सभी माननीय महानुभावों को तथा सभी अधिकारी/कर्मचारियों को शुभकामनाएं देने के साथ ही अपनी वाणी पर विराम लगाती हूं। धन्यवाद।

***[17:55] श्रीमती सुचि-**

मा0 अध्यक्ष जी, मैं इस सदन की सबसे कम उम्र की सदस्य हूं और आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी कि मुझे 36 घण्टे के इस विशेष सत्र में पहली बार इस सदन में इतने शुभ अवसर पर जो एक ऐतिहासिक क्षण बनने जा रही है, उसमें बोलने का एक अवसर प्रदान किया गया। सबसे पहले मा0 अध्यक्ष जी मैं आपसे अनुरोध भी करूँगी और बहुत कम समय में मैं अपनी बात को रखना चाहूंगी। आपसे अनुरोध करूँगी कि इसके अलावा मैं जो लिखकर लाई हूं उसको कार्यवाही का हिस्सा बना लिया जाए। मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से अपने मा0 प्रधान मंत्री जी और अपने मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी का धन्यवाद देना चाहूंगी कि जो सपना हमारे भारत के बनने के लिए बापू जी ने देखा था उसको साकार

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

करने के लिए हमारी सरकार इसमें पूर्णतः भागीदारी दे रही है। कुछ समय पहले हमारी भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक जनसेवा सप्ताह शुरू किया गया था। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका और सभी मा0 सदस्यगण का इस ओर ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगी कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के हलदौर विकास खण्ड में ग्राम कड़ावजीरपुर में 35 बीघे का एक तालाब था जिसमें इतनी गन्दगी थी जिससे आस-पास के सभी गांवों में कैंसर जैसी भयंकर बीमारियां वहां उत्पन्न हो रही थीं। उसमें हमारी भारतीय जनता पार्टी के एक कर्मठ कार्यकर्ता श्रीमन् ऐश्वर्य मौसम चौधरी जी ने अपने 500 कार्यकर्ता लोगों को जोड़कर ग्रामवासियों की मदद से श्रमदान करके उसकी सफाई करने का कार्य पूर्ण किया है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से यह भी बताना चाहूंगी कि आज की चर्चा में मेरा विषय भुखमरी और न्याय का है। मैं आपको यह बताना चाहूंगी कि भुखमरी की समस्या से कहीं न कहीं गरीब परिवारों को ही पीड़ित होना पड़ रहा है। मैं बस दो मिनट के समय में अपनी बात पूरी कर लूंगी।

श्री अध्यक्ष-

आपने कहा था न कि हम लिखकर लाये हैं तो अगर आप लिखकर लाई हो तो दे दीजिए।

श्रीमती सुचि-

मैं बस शॉर्ट में ही बोलना चाहूंगी। मान्यवर, जो गरीब तबके के लोग हैं तो मैं बताना चाहूंगी कि हमारा परिवार ऐसे 08 गरीब परिवारों को हर महीने राशन देने का काम कर रहा है। मान्यवर, किसान ही इस भूमि पर सबसे ज्यादा मेहनत करता है। मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगी कि मेरे क्षेत्र ग्राम गजरौला अचपल में किसान कल्याण केन्द्र की स्थापना की जा रही है, उसका कार्य शुरू हो चुका है और शीघ्र ही उसका कार्य पूर्ण किया जाएगा। ऐसी तमाम योजनाएं हैं जिससे कृषि को और आम रोजगार बढ़ाने के लिए सरकार ने काम किया है। इसके बाद मैं अपने दूसरे विषय न्याय पर आना चाहूंगी। न्याय के प्रति जो मेरा विषय है उसमें कहीं न कहीं पिछली सरकार का मेरा अनुभव है क्योंकि मैं खुद इस बात से पीड़ित रही हूं तो मैं जरूर रखना चाहूंगी। सपा सरकार ने अपनी सरकार के दौरान भारतीय जनता पार्टी के जो कर्मठ कार्यकर्ता थे उन्हें झूठे मुकदमों में फँसाने का काम किया था। उसमें कहीं न कहीं मैं इसलिए पीड़ित हूं कि हम लोग यह नारा जरूर लगाते हैं कि महिला का सशक्तीकरण हो तथा किसी महिला पर कोई अत्याचार और शोषण न हो। उस सरकार ने न्याय व्यवस्था का दुरुपयोग किया था और मेरे पति को एक झूठे मुकदमे में फँसाया था और उनका पहले कहीं किसी एफ0आई0आर0 में नाम भी नहीं था और किसी गवाह ने कहीं कोई जिक्र भी नहीं किया था। मान्यवर, मैंने अपने 09 महीने की बेटी और 6 साल के बेटे को छोड़कर जिस तरह मैं इस राजनीति के क्षेत्र में आई हूं, वैसे तो इस पद पर कम आयु में पहुँचना सौभाग्य की बात है। लेकिन जिस स्थिति में मैं आई हूं, ऐसी स्थिति किसी महिला के साथ न हो। चाहे कोई भी सरकार हो, चाहे पक्ष की हो या विपक्ष की हो। वह किसी महिला को, किसी बच्चे को, किसी

परिवार को मजबूर न करे। जो लोग काम कर रहे हैं उन्हें काम करने दिया जाए ताकि वह समाज के हित में हो। राजनीति करें लेकिन उस हद तक करें ताकि किसी परिवार का ऐसा शोषण न हो क्योंकि मेरे पति को 31 महीने जेल में सफर करना पड़ा। हमारे केस में किया गया जेल ट्रांसफर कोई ऐसा जरूरी नहीं था कि उन्हें महाराजगंज जिले से 950 किलो मीटर दूर कर दिया गया था। अब आप उस महिला की पीड़ा सोच कर देखिए जिसका एक पैर अपने 09 महीने के बच्चे के पास होता था तथा दूसरा पैर अपने पति के पास होता था क्योंकि यह पुरुष प्रधान देश है और अगर किसी महिला का पति बिना किसी कारण इतनी कम उम्र में जेल में हो तो उस महिला के लिए क्या स्थिति रही होगी। हम लोगों को इससे पीड़ा होती थी क्योंकि हम समाज सेवा से जुड़े हुए थे। हम लोग समाज सेवा करते थे, मेरे पति की 32 साल की उम्र में ये ढाई साल तो इस मामले में निकल गए। उससे पहले 24 लड़कियों को जो गरीब तबके की लड़कियां थीं जिनकी पढ़ाई छूट गई थी। उससे पहले गरीब तबके की 24 लड़कियों को गोद लेकर पढ़ाने का काम किया है और ऐसे ही अनेक कामों से हम लोग जुड़े हुए थे। लेकिन कहीं-न-कहीं आखिर पीड़ा होने लगी थी। मैं भारतीय जनता पार्टी, मा0 मुख्य मंत्री जी, सभी मंत्रीगणों एवं सभी मा0 सदस्यों ने अपनी बहन एवं बेटी के रूप में मेरा सहयोग किया है और हमें इस परेशानी से निजात दिलाने का काम किया है, इसके लिए मैं मा0 अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से उन सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के लिए कहना चाहूंगी कि मेरी विधान सभा क्षेत्र के लोगों ने बहुत इच्छा एवं विश्वास के साथ मुझे विधायक बनाया है क्योंकि हम लोग जन-सेवा से जुड़े हुए हैं, हम लोग गरीब परिवार से ही हैं, इसलिए मैं उनकी समस्याओं को रखना चाहूंगी। मेरे क्षेत्र में मा0 मुख्य मंत्री जी ने बहुत कुछ दिया भी है। मा0 अध्यक्ष जी, मेरे क्षेत्र में मा0 उप मुख्य मंत्री जी के द्वारा पैन्टून पुल प्रस्तावित हो चुका है। उसका निचले स्तर से भी डी0पी0आर0 बन के आ चुका है।

श्री अध्यक्ष-

आप अपना विषय दे दीजिए।

श्रीमती सुचि-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आप सभी को हृदय से धन्यवाद देती हूं।

***[18:00] श्री कमल सिंह मलिक-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर इस विशेष आहूत सत्र में मुझे बोलने का मौका दिया। मैं इसके लिए आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मुझे गुणवत्तापरक शिक्षा पर अपने सुझाव एवं विचार रखने हैं। इसकी पृष्ठभूमि पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। वह कौन-सी शिक्षा थी, वह कौन-सी शिक्षा व्यवस्था थी, जिससे

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी जैसे महा-मानव, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री, श्री सरदार बल्लभ भाई पटेल जैसे लौह-पुरुष एवं विवेकानन्द एवं दयानन्द जैसे लोग दिये, उनका निर्माण किया। जिन्होंने न केवल अपने समुचित व्यक्तित्व का विकास किया, अपित पूरे देश एवं समाज के साथ-साथ पूरे विश्व की मानवता के कल्याण, उनके मार्गदर्शन के लिए अपने व्यवहार एवं विचार के द्वारा अपने व्यक्तित्व से प्रस्तुत किया।

श्री अध्यक्ष-

आप मूल विषय पर आ जाइये, वरना आप कहेंगे कि मैंने अभी शुरू ही नहीं किया है।

श्री कमल सिंह मलिक-

मा0 अध्यक्ष जी, ऐसे लोगों की शिक्षा जहां हुई होगी, ऐसे उन लोगों एवं उन शिक्षण संस्थानों के आभारी हैं जिन्होंने ऐसे व्यक्तित्वों को सृजन करने का काम किया है। शिक्षा का अर्थ है- परिमार्जन करना। वास्तव में परिमार्जन का अर्थ है- किसी को चमकाना, किसी की जो भी कमी है उसको दूर करना और उसमें जो आवश्यकता है, उसको जोड़ना। परिमार्जन की प्रक्रिया के द्वारा ही गुणवान, व्यक्तित्व, उत्तरदायित्वपूर्ण, समाज के उपयोगी, राष्ट्र उपयोगी व्यक्तियों का निर्माण कर सकते हैं और जब से वर्तमान शिक्षा के अन्दर से परिमार्जन की प्रक्रिया समाप्त हुई है, तब से आज वर्तमान की शिक्षा जिस प्रकार से है, मैं उसके बारे में ज्यादा नहीं कहूंगा। जो आज वर्तमान की शिक्षा है वह सिर्फ निश्चित पाठ्यक्रम के द्वारा एक निर्धारित और निश्चित कोर्स के द्वारा सिर्फ परीक्षा पास करना है और यदि परीक्षा में पास नहीं हुए तो ऐसे व्यक्ति न किसी समाज के लिए उपयोगी होते हैं, न परिवार के उपयोगी होते हैं और न किसी श्रम के उपयोगी होते हैं। इसलिए इस संबंध में मेरे पास बहुत सारे सुझाव हैं लेकिन समय कम होने के कारण से किस प्रकार की शिक्षा हो जो गुणवत्तापरक शिक्षा हो, वह मैं लिखकर आपको दे दूंगा। मेरे क्षेत्र में सरकार ने बहुत सारी उपलब्धियां दी हैं।

मेरा क्षेत्र गढ़मुक्तेश्वर विधान सभा क्षेत्र-60, हापुड़ है। जो अपने आप में एक तीर्थ स्थल है। मैं अपने यशस्वी मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान को पुख्ता करने का काम किया। हमारे यहां कार्तिक पूर्णिमा मेला लगता है, उस मेले को राजकीय करने का काम किया है। जो भी पूर्व की सरकारें थीं, उन्होंने सिर्फ उस मेले को राजकीय करने का वायदा किया था लेकिन उस मेले को कभी-भी राजकीय नहीं किया। जो गढ़मुक्तेश्वर की पहचान है उस पहचान को वैदिक स्थिति के द्वारा चमकाने का काम किया है, काम शुरू हो गये हैं एवं काम जारी हैं। मैं इतना कहना चाहूंगा कि दिल्ली के पास एन0सी0आर0 में सबसे निकट अगर कोई पर्यटन को बढ़ावा देने वाला क्षेत्र हो सकता है तो वह गढ़मुक्तेश्वर है। जहां पर जल, जमीन एवं जंगल की बहुतायत है। आज उसको विकसित करके हम उसको पर्यटन के क्षेत्र में भारत के अन्दर एवं उत्तर-प्रदेश के अन्दर एक बड़ा नाम

कर सकते हैं। मेरी विधान सभा क्षेत्र एन0सी0आर0 के अन्तर्गत आती है और मेरी विधान सभा कृषि पर आधारित विधान सभा क्षेत्र है। हमारा सारा अर्थ-तंत्र कृषि के द्वारा चलता है, कृषि में भी निश्चित रूप से जो गन्ना पैदा करने वाले किसान हैं। आज यदि उनसे कह दो कि गन्ना के अतिरिक्त कोई दूसरी फसल बो लें, तो वह कहेंगे कि नहीं हमें गन्ना ही बोना है। लेकिन हमारे यहां की सिम्भावली गन्ना मिल की पेमेण्ट बहुत कम है। एक वर्ष का पेमेण्ट अटका रहता है। मेरा मा0 मुख्य मंत्री जी एवं मा0 गन्ना मंत्री जी से अनुरोध है कि उसके गन्ने के रकबे को दूसरी मिलों को थोड़ा-सा अगर आवंटित कर दिया जायेगा तो निश्चित रूप से गन्ना किसान खुशहाल होगा और उस गन्ना मिल के लिए सरकार को कोई-न-कोई व्यवस्था करनी होगी या फिर हमें कोई नयी मिल देने की कृपा करें क्योंकि हम लोगों ने गन्ने के क्षेत्र में कीर्तिमान बनाये हैं। आज गन्ने का जो 238 बीज है, जिससे गन्ने की क्रांति आई है, उसको सिम्भावली मिल ने ही देने का काम किया है। जो सिम्भावली मिल कभी नम्बर-1 पर हुआ करती थी। मेरे यहां सड़को का अभाव है क्योंकि हमारी विधान सभा क्षेत्र दिल्ली के करीब है। मेरे यहां पर पी0डब्ल्यू0डी0 के द्वारा एक भी सड़क नहीं बनाई गयी है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में 2-3 सड़कें हैं जो बन जायेंगी तो निश्चित रूप से मेरी विधान सभा क्षेत्र के लिए लाइफ-लाइन सिद्ध होंगी। मेरी विधान सभा के क्षेत्र में 73 वर्षों के अन्दर शिक्षा का कोई भी केन्द्र नहीं बनाया गया है। किसी सरकार ने भी कोई राजकीय डिग्री कॉलेज नहीं दिया है। हम लोगों ने मेहनत करके 500 एकड़ जमीन चिन्हित कराकर सरकार को भेजी है। अगर वहां पर यदि कोई सेण्ट्रल यूनिवर्सिटी बनेगी तो निश्चित रूप से हमारे यहां शिक्षा का जो अभाव था, वह दूर होगा।

श्री अध्यक्ष-

आप संसदीय कार्य मंत्री जी के पास बैठें हैं, उन्हीं को लिखकर दे दीजिए। अब आप सरकार को धन्यवाद दीजिए जो काम हुए हैं।

श्री कमल सिंह मलिक-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं इसके लिए आपको हृदय से धन्यवाद देता हूं।

***[18:06] श्री रोशन लाल वर्मा-**

मा0 अध्यक्ष जी, पूज्य महात्मा गांधी जी की 150वीं जन्म जयन्ती पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिये मा0 अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, क्योंकि समय बहुत कम है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं कल 11 बजे से बैठा हूं।

श्री अध्यक्ष-

आप अपनी बात कहिए, रात का किस्सा न बतायें।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री रोशन लाल वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपसे शुरू करता हूं कि-

'कभी खुशी से खुशी की तरफ नहीं देखा,
और तुम्हारे बाद किसी की तरफ नहीं देखा।'

मा0 अध्यक्ष जी, अहिंसा के पुजारी, सत्य की राह दिखाने वाले, ईमान का पाठ पढ़ाने वाले बापू हमें सत्य एवं अहिंसा का पाठ पढ़ा गये। इसके लिए आज उनका ऐतिहासिक दिन है कि जब तक पूरी दुनिया रहेगी तब तक आज दिन हमेशा-हमेशा के लिए याद किया जायेगा। चूंकि आपने पहले ही कहा है कि समय बहुत कम है। मैं 2-3 बातें कह कर अपनी वाणी को विराम दे दूंगा। हमारे भाव सम्मानित विधायकगण एवं सम्मानित मंत्रीगण समझ जायेंगे कि-

'हम क्या कहना चाहते हैं।
जुनूने इश्क और दीवानगी में, उनकी बेरूखी का भी मैं कदर-दान हूं,
मोहब्बत कहां, यह तो बेचारगी है,
सितम भी करें और कर्म उसको समझें,
ये जब उनका इसलिए कर रहा हूं गवारा कि इसके सिवा कोई चारा नहीं है।'

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के बारे में 2-3 बातें कहना चाहता हूं। मैं ग्राम निगोही का रहने वाला हूं। वहां कृषक श्री सुशील कुमार के अतिरिक्त एक दर्जन व्यक्तियों की जमीन पर बिजली विभाग द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया, जिसकी शिकायत मैंने मा0 मुख्य मंत्री जी से की। मा0 मुख्य मंत्री जी ने जिलाधिकारी शाहजहांपुर से जांच कराई और 2-2 जिलाधिकारियों की रिपोर्ट मेरे पास है, मैं यह रिपोर्ट आपको दे दूंगा। जब मैंने अधिकारी के समक्ष अपनी बात कही तो एक अधिकारी ने यहां तक कह दिया कि जमीन बिजली विभाग की है आपका भूमि स्वामी पर कोई हक नहीं है। मा0 अध्यक्ष जी, जमींदारी खात्मा से अब तक वह जमीन गरीब किसानों के नाम चली आ रही है। मेरे पास जिलाधिकारी की रिपोर्ट है और बिजली विभाग वाले न्यायालय में गये, न्यायालय में कहा कि इस जमीन पर बिजली विभाग का कब्जा है इसलिए इस जमीन पर स्टे दे दिया जाय। मा0 सिविल जज ने उनकी बात को खारिज कर दिया, मेरे पास उसकी कापी है। मैंने आपके नाम एक पत्र संबोधन किया है। हम मा0 मुख्य मंत्री जी एवं मा0 संसदीय कार्य मंत्री से विनती करना चाहते हैं कि अधिकारियों की बात सुनने के बाद, चाहे हमारा कोई भी विधायक हो, यदि उनके प्रति कोई गलत बात रखते हैं, तो इस पर मा0 विधायकों से भी उनका पक्ष ले लिया जाय। यह नहीं माना जाय कि जो अधिकारी कह रहे हैं वहीं सत्य है। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि उस एक अधिकारी ने मेरा अपमान किया और कार्यवाही में भी लिखा जा रहा है। मैं भी 3 बार से लगातार विधायक हूं, ब्लॉक प्रमुख रहा हूं। अगर मेरी यह बात गलत हो तो मैं पूरे

सदन एवं न्याय के मंदिर के सामने कहना चाहता हूं कि अपनी विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर बाहर चला जाऊंगा। ऐसे अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। अगर मेरी बात असत्य है तो मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं। अधिकारियों की बात ज्यादा सुनी जा रही है। मैं विनती करना चाहता हूं कि मा0 विधायकों का पक्ष भी सुना जाय। मैं आपके पास कोर्ट की कापी एवं जिलाधिकारी, शाहजहांपुर की जांच रिपोर्ट भेज दूंगा। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

मेरे पास वह कागज भेज दीजिए।

श्री रोशन लाल वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि-

'कश्ती तेरा नसीब, चमत्कार कर दिया,
और इस पार की थपेड़ों ने, उन्हें पार कर दिया।'

विपक्ष वालों की हिम्मत नहीं कि यहां पर हम लोगों से आंख मिलाकर बात कर लें।

मा0 अध्यक्ष जी, सपा एवं बसपा के लिए दों बातें कह कर अपनी बात समाप्त कर दूंगा कि-

'नजरों से तेरी नजरें कैसे मिलाऊं जॉनी-2
तेरी दांयी आंख कानी, तेरी बांयी आंख कानी।'

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे महात्मा गांधी जी की जयन्ती पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

***(18:15) श्री पल्टूराम-**

मा0 अध्यक्ष जी, महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी की 116वीं जयन्ती पर उत्तर प्रदेश विधान सभा का विशेष सत्र बुला करके और मुझे इस सत्र में भुखमरी जैसे गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका और इस प्रदेश के मुख्य मंत्री का हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। भुखमरी एक गम्भीर समस्या है, किसी ने कहा है कि- आप मत पूछिये दर्द की हालत मुझसे, एक जगह हो तो बता दूं कि कहां दर्द है। मा0 अध्यक्ष जी, गरीबी एक गम्भीर विषय है जिसके लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इस देश को आजाद कराने से लेकर सामाजिक कुरीतियों के लिए संघर्ष करते-करते अपने जीवन की आहूति दी है। दूसरे शब्दों में संविधान निर्माता डॉ0 बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने भी अपने संघर्षों में यह लिखा है कि भुखमरी,

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बेरोजगारी और लाचारी को दूर करने के लिए सबसे पहले शिक्षा की आवश्यकता है, दूसरे शब्दों में मानवतावाद के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय ने कहा है कि समाज के आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाना ही इस देश का लक्ष्य होता है लेकिन आज मुझे कहने में अफसोस हो रहा है कि जिस बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर ने शिक्षा को पहला आयाम माना था वहीं शिक्षित लोगों ने चाहे वह नौकरशाह के रूप में रहे हों, चाहे पूर्व की सरकारों में शासक के रूप में रहे हों, उन्होंने भुखमरी के नाम पर सदन से लेकर सड़कों तक चर्चा तो जरूर किया लेकिन भुखमरी को समाप्त करने का कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जिससे आज वह कवि कहता है, वह कवि मजबूर हो जाता है और यह कहता है कि-

चाह तनमन को गुनहगार बना देती है,
बाप के बाप को बीमार बना देती है,
और भूखे पेटों को देशभक्ति सिखाने वालों,
भूख इंसान को गद्दार बना देती है।

मैं अनुसूचित जाति का सदस्य हूं बलराम पुर की धरती से चुनकर आता हूं जो धरती उत्तर प्रदेश के आठ जनपदों के पिछड़े क्षेत्रों में आती है। मैं धन्यवाद देता हूं इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी को और धन्यवाद देता हूं बलरामपुर की जनता को जिन्होंने 1957 में पहले देश के अभूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी को लोकसभा में भेजने का गौरव प्राप्त किया था। मैं धन्यवाद देता हूं अपने क्षेत्र की जनता को जो राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख ने कहा था कि हम अपने लिए नहीं अपनों के लिए जीते हैं। अपने वह हैं जो गरीब हैं, दलित हैं और वंचित हैं। आज मैं उस धरती से चुनकर आता हूं लेकिन मैं मा0 अध्यक्ष जी आपको बताना चाहता हूं कि भुखमरी गम्भीर समस्या है इसे मुझसे ज्यादा कोई नहीं जान सकता है। काश मेरे माता-पिता आज जीवित होते, आज मेरे माता-पिता जीवित होते, उन्होंने मेरे सामने बचपन में दूसरों के यहां मजदूरी करके मुझे पालकर बड़ा किया था। मेरे लिए आज वह जीवन का सबसे शुभ क्षण होता अगर वह आज जीवित होते और देखते कि मेरा बेटा आज भुखमरी की समाप्ति के लिए उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के सदन में अपनी बात रख रहा है। मेरे पास कोई शब्द नहीं हैं जिन शब्दों के माध्यम से मैं आपका आभार व्यक्त करूं। समय बहुत कम है, बातें बहुत ज्यादा हैं, इन्हीं बातों में मैं इतना कहना चाहता हूं कि-

कोठियों के हर दिये में, झोपड़ी का खून है
इसलिए हम क्रान्ति की आंधी बुलाना चाहते हैं,
भूख से रो कर न सोये, देश का बचपन कहीं,
इसलिए हर खेत में क्रान्ति की ज्वाला उगाना चाहते हैं।
इस अहम शहीदों की चिता से राख लेकर हाथ में,
आज सारे मुल्क को बागी बनाना चाहते हैं।

क्षेत्र की समस्याओं को मैं आपको लिखकर दे दूंगा, मा0 सदस्यों की इच्छा है कि उनकी बात सुनी जाय इसलिए मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि- सपा, बसपा और कांग्रेस के लोगों-

आओ फिर प्यार की तस्वीर बना दी जाय,
आग नफरत की मोहब्बत से बुझा दी जाय,
और अपने ही घर को जो जलाने की खाये हैं कसम,

ऐसे गद्दारों को नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के हाथों को मजबूत करके सजा दी जाय।

जय हिन्द, जय भारत, बहुत-बहुत धन्यवाद।

***[18:20] श्री राजेश कुमार सिंह (चुन्नू)-**

माननीय अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष-

मुख्य बातें पहले कह लीजिएगा।

श्री राजेश कुमार सिंह (चुन्नू)-

माननीय अध्यक्ष जी, आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती एवं देश के द्वितीय प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर आपने मुझे सदन में अपनी बात रखने का अवसर दिया इसके लिए आभार सहित बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यवर, मैं स्व0 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पंडित लाल बहादुर शास्त्री जी के चरणों में अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहना चाहता हूं कि आपने एवं हमारे उ0प्र0 के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गांधी जयन्ती के अवसर पर 36 घण्टे का लगातार सत्र चलाने एवं माननीय सभी विधायकों को सदन में अपनी बात रखने का अवसर देकर एक सराहनीय एवं अभूतपूर्व कार्य किया है, इसके लिए आप धन्यवाद और प्रसंशा के पात्र हैं। मान्यवर, महात्मा गांधी अपने जीवनकाल में स्वच्छता के प्रति बहुत सजग एवं प्रयासरत रहे थे। उन्होंने स्वच्छ भारत का सपना साकार करने में जी तोड़ परिश्रम किया एवं देश की जनता को लगातार प्रेरित किया एवं अपने जीवनकाल में स्वच्छ भारत के निर्माण के लिए समय-समय पर सभाएं एवं अभियान चलाते रहे थे। परन्तु आज देश के यशस्वी एवं कर्मठ प्रधान मंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उनका सपना साकार होते दिख रहा है। महोदय, देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने भी प्रधानमंत्री बनते ही स्वच्छता अभियान को प्राथमिकता पर रखकर केन्द्र सरकार द्वारा जनहित में नमामि गंगे जैसी महत्वपूर्ण परियोजना की 2014 में शुरूआत कर दी थी एवं इसके साथ ही

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

लगभग ऐसे ही 300 प्रोजेक्ट की एवं नमामि गंगे को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर दिया। यही नहीं देश में 10 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कराकर पूरे देश को स्वच्छ भारत की ओर बढ़ने का भी संदेश दिया। शौचालयविहीन घरों की महिलायें शौच के लिए शाम होने का इन्तजार कर पीड़ा सहन करती थीं उनको घरों में इज्जतघर बनवाकर देश की महिलाओं को सम्मान एवं सहजता के प्रति जागरूक करने का काम किया है। समय-समय पर सफाई अभियान चलाकर स्वयं एवं देश के सांसदों को भी उनके क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिये। स्वयं प्रधानमंत्री जी ने भी हाथ में झाड़ू लेकर नागरिकों के मन से सफाई के प्रति हीन भावना को दूर करने का काम किया। इसी के फलस्वरूप आज देश एवं देश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का स्वरूप बदलता दिखायी पड़ रहा है। स्टेशन, बस अड्डे, कार्यालय एवं सड़कों, अस्पतालों पर सफाई देखकर महात्मा गांधी जी के स्वच्छ भारत का सपना साकार होता दिख रहा है।

मान्यवर, उत्तर प्रदेश के यशस्वी कर्मयोगी मुख्य मंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी ने भी स्वच्छ जल एवं स्वच्छता अभियान चलाकर प्रदेश में अनेक योजनाएं लागू कर स्वच्छ भारत के निर्माण में चार चांद लगाने का काम किया है एवं उत्तर प्रदेश को (ओ0डी0एफ0) खुले में शौच मुक्त करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया इसके लिए उनकी जितनी सराहना की जाय वह कम है। मान्यवर, क्योंकि स्वच्छता में भी प्राथमिकता पर जल ही है एवं जल ही जीवन है इसलिए जल का सबसे पहले स्वच्छ होना अति आवश्यक है। परन्तु पिछली सरकारों ने इस ओर कोई विशेष रूचि नहीं ली और देश में लगातार जल प्रदूषित होता चला गया। मिलों एवं कारखानों द्वारा बिना साफ किया गया प्रदूषित जल नदी-नालों एवं पोखरों में छोड़ने के कारण एवं उसका हमारे ग्रामीणों एवं पशुओं द्वारा उपयोग करने पर वह कैंसर जैसी गम्भीर बीमारियों के चपेट में आ गये हैं। किसानों के पशु प्रदूषित पानी को पीकर बीमार होकर असमय मौत का शिकार होने लगे थे। यही नहीं नदियों में प्रदूषित पानी के कारण जल स्रोतों द्वारा जमीन के अन्दर पहुंच जाता है एवं नदियों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों के हैण्डपम्पों में भी यही प्रदूषित जल आने से बीमारियां फैलती हैं। इसके साथ ही यह प्रदूषित जल फसलों को भी भारी नुकसान करता है। मान्यवर, मेरे क्षेत्र में भी बान करूला एवं गांगन एवं रामगंगा नदी बहती हैं। इन नदियों के आस-पास बहने वाले ग्रामीणों में भी इन नदियों के प्रदूषित जल के कारण कैंसर जैसी बीमारी फैल रही थी। सैकड़ों ग्रामीण इन बीमारियों का शिकार बनकर प्राण गंवा चुके हैं परन्तु गत वर्षों में जब से हमारी केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार ने इस ओर विशेष अभियान चलाया है जिससे बीमारी, संक्रमण एवं फसली बीमारियों में बहुत बड़ा सुधार देखने को मिल रहा है। सरकार द्वारा नदियों की सफाई एवं उनमें छोड़े जाने वाले प्रदूषित जल पर मिलों एवं कारखानों पर प्रतिबन्ध लगा देने के कारण अब नदियों में सभी मिलों एवं कारखानों द्वारा साफ किया गया जल ही छोड़ा जा रहा है। इसलिए अब नदियों का जल पशुओं के पीने योग्य एवं फसलों की

सिंचाई हेतु भी उपयुक्त होता जा रहा है। नदियों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों में प्रदूषित जल के कारण होने वाली बीमारियों में भी काफी कमी आयी है। मान्यवर, हमारी सरकार द्वारा स्वच्छता एवं साफ जल की ओर बढ़ाया गया यह कदम निश्चय ही हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए वरदान साबित होगा।

मान्यवर, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश की जनता को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने हेतु प्रति विधान सभा क्षेत्र सौ इंडिया मार्का हैण्डपम्प लगवाकर उन सभी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक जो अपने घर में अलग हैण्डपम्प लगवाने में असमर्थ हैं उनके लिए बहुत बड़ी सौगात है एवं जनता के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहे हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से इसे बढ़ाकर प्रति विधान सभा क्षेत्र दो सौ नल लगवाने हेतु अनुरोध करता हूं ताकि अधिक से अधिक आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति इनका लाभ लेकर बीमारी एवं प्रदूषित जल से होने वाले संक्रमण से अपनी रक्षा कर सकें। महोदय, आगामी योजना में सरकार हर एक घर में पानी की टोंटी देने के लिए प्रयासरत है एवं इस योजना पर कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है। यह योजना देश में एवं प्रदेश के लिए निश्चय ही वरदान बनेगी। मान्यवर, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शहर, कस्बे जहां अभी तक सीवरलाइन नहीं बिछाई गई थी या नहीं चल पायी थी उन सभी स्थानों पर सीवर का काम तेजी से चल रहा है ताकि प्रदूषित पानी नालियों में न बहकर सीवर में जाये एवं सफाई के बाद ही नदी या पोखर में गिरे, जिससे आने वाले समय में हमारा भू-जल एवं नदियां पूर्णतया प्रदूषण मुक्त हो सकें। महोदय, सरकार द्वारा स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत ग्रामों में रास्ते के किनारे पड़ी घूरी हटाने, ग्रामों में गलियों में पक्की नाली का निर्माण, खुले में शौच मुक्त भारत एवं नमामि गंगे जैसी तमाम योजनाओं के माध्यम से गांधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने हेतु प्रयासरत है। मान्यवर, हमारी सरकार मा0 योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में ''सबका साथ-सबका विकास'' के आधार पर तेजी से कार्य कर रही है। इसी क्रम में सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण आयुष्मान योजना का शुभारम्भ किया है। जिससे गम्भीर बीमारी से ग्रस्त आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी आज अच्छे से अच्छे अस्पताल में अपना उपचार कराकर अपने जीवन एवं प्राणों की रक्षा कर रहा है। इसके अतिरिक्त सुकन्या समृद्धि योजना एवं सामूहिक विवाह योजना का लाभ उठाकर गरीब से गरीब व्यक्ति भी सम्मान से अपनी पुत्री का विवाह कर माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दे रहा है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में बहुत कम 12 रुपए एवं 330 रुपए के प्रीमियम पर ही सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा रहा है। मान्यवर, उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत 8 करोड़ से अधिक निःशुल्क गैस कनेक्शन देकर बी0पी0एल0 कार्ड धारक, महिलाओं का सम्मान एवं चिन्ता करने का कार्य भी सरकार द्वारा किया गया सराहनीय कार्य है। यही नहीं प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा प्रति विधान सभा क्षेत्र कराये जाने वाले विकास

कार्य भी जनता के बीच प्रशंसा का विषय बने हुए हैं। महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र में अभी सरकार द्वारा पांच करोड़ की सड़कें, विधान सभा क्षेत्र के कस्बा कांठ में रोडवेज का बस-स्टेशन, विधान सभा क्षेत्र के विकास क्षेत्र छजलैट के ग्राम मथाना में एक डिग्री कॉलेज, विकास क्षेत्र छजलैट में ही एक गऊ संरक्षण केन्द्र ग्राम सादकपुर खिचड़ी में, ग्राम छज्जा नगला में एक विद्युत उपकेन्द्र एवं छजलैट नूरपुर मार्ग से कोठी खिदमतपुर तक 9 किलोमीटर सड़क का सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य प्रमुख रूप से है। क्षेत्र के किसान गन्ने के भुगतान सीजन 2018-19 में सफल गन्ना आपूर्ति एवं पेराई, किसान सम्मान निधि एवं सरकार बनते ही उ0प्र0 के किसानों का 36 हजार करोड़ रुपए से कर्जमाफी को लेकर सरकार के प्रति प्रसन्न हैं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करें, अभी 58 माननीय सदस्य एवं एक दर्जन मंत्री बोलने के लिए शेष हैं।

श्री राजेश कुमार सिंह (चुन्नू)-

मान्यवर, केवल दो मिनट लगेगा। मान्यवर, आपने मुझे सदन के समक्ष अपनी बात रखने का अवसर दिया इसके लिए पुनः धन्यवाद देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र में कुछ विकास कार्यों की आवश्यकता है जो निम्न प्रकार है। विधान सभा क्षेत्र में चार नदी बहने के कारण दो पुल एवं दो रपटे बनाये जाएं तथा विधान सभा क्षेत्र के कस्बा कांठ के अस्पताल को सौ बेड करने के लिए मैं आवेदन कर चुका हूं, इसे भी जल्दी ही करा दिया जाय। मान्यवर, मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूं, जय हिन्द, जय भारत।

*[18:26] **श्रीमती संजू देवी**-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर विशेष सत्र आहूत किया और मुझे अपने विचार रखने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। जय जवान जय किसान का नारा देने वाले एवं भारतीय वैज्ञानिकों का मनोबल बढ़ाने वाले एवं स्वदेशी विचार धारा को मजबूत करने वाले ऐसे महापुरुष पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को मैं नमन करती हूं। महोदय, शास्त्री जी कहते थे कि देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने की बजाय गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा। इसी कथन को चरितार्थ करते हुए केन्द्र और प्रदेश की सरकार भुखमरी की समाप्ति के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीबों, बेसहारों और किसानों के हित में काम कर रही है। महोदय, हमारी विधान सभा क्षेत्र में लगभग दो करोड़ 13 लाख रुपए से पंडित दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के अन्तर्गत भूमि

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

एवं जल संरक्षण के माध्यम से जल संचयन की व्यवस्था और ऊसर पड़ी भूमि को उपजाऊ बनाने का काम किया जा रहा है। वहीं राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन से गांव के किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी के माध्यम से किसान की आय को दोगुनी करने की दिशा में उन्हें पेड़, पौधे, पशुपालन, मछलीपालन, मधुमक्खी पालन, जैविक खेती, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट आदि के माध्यम से और आधे दाम में बीज और खाद उपलब्ध कराकर आय और पोषण में वृद्धि हुई है। महोदय, प्रदेश में जब से नई सरकार आयी है और माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में शिक्षा, कृषि, अनुसंधान, तकनीकी विकास, प्रसार सेवाएं, स्वास्थ्य व पेड़-पौधे एवं पशुओं के उत्थान में सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। महोदय भुखमरी एक बहुत बड़ी समस्या है जिसे समाप्त करने के लक्ष्य की पूर्ति में सरकार द्वारा राज्य पोषण एवं महिला व बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। जिस कड़ी में हमारी विधान सभा क्षेत्र में लगभग 89 हजार 132 राशन कार्ड के माध्यम से नागरिकों को पोषण व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद करती हूँ। आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों के विकास का ध्यान रखा जा रहा है। वहीं गर्भवती महिलाओं और बच्चियों हेतु शत-प्रतिशत सप्लिमेंट्री न्यूट्रिशन प्रोग्राम के अन्तर्गत पोषाहार प्रदान कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत् उत्तर प्रदेश ने तय लक्ष्य का 88 फीसद उपलब्धि हासिल की है। इस योजना के तहत् प्रदेश में जनवरी 2017 से अब तक लगभग 23 लाख गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार समुचित आराम के लिए 5 हजार रुपए का लाभ दिया जा रहा है। महोदय आपके द्वारा हमारी विधान सभा क्षेत्र में शिक्षा के लिए पॉलिटेकनिक कालेज, स्वास्थ्य के लिए 200 बेड का अस्पताल व विद्युत की सुचारू व्यवस्था और पीने के लिए इंडिया मार्क हैंडपम्प और अच्छी सड़कों के लिए करोड़ों रुपये विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दिए गये हैं। महोदय, हमारी विधान सभा क्षेत्र में 2017 से लेकर अब तक नवनिर्माण कार्य और नवीनीकरण के रूप में 158 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य के लिए 31 करोड़ 77 लाख रुपये का कार्य हमारी विधान सभा क्षेत्र में कराया गया है जिसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी और उप मुख्य मंत्री जी को क्षेत्रवासियों की तरफ से धन्यवाद करती हूँ। महोदय, आपके द्वारा हमारी विधान सभा क्षेत्र में चौमुखी विकास हो रहा है लेकिन हमारी विधान सभा क्षेत्र मां सरयू नदी के किनारे बसे होने के कारण बाढ़ और कटान की समस्या निरंतर हर वर्ष बनी रहती है। हमने नमामि गंगे परियोजना के अन्तर्गत हमारी विधान सभा क्षेत्र के मुख्य आबादी क्षेत्र से सटे सरयू नदी के किनारे रिवर फ्रंट बनाने का प्रस्ताव दिया लेकिन वह अभी लम्बित है। इसे स्वीकृति देना जनहित में नितांत आवश्यक है।

महोदय हमारे क्षेत्र से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभाग कर चुके हैं। ग्राम आसोपुर निवासी धावक अरविंद यादव ने दिल्ली में आयोजित मवाना ओपन नेशनल मैराथन जीतकर हमारे क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है जबकि वह पहले भी पूना, मुंबई,

जयपुर, हैदराबाद व चेन्नई में आयोजित मैराथन को अपने नाम कर चुके हैं। प्रतियोगिता में उन्होंने कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। उन्हें गोल्ड मेडल के साथ ढाई लाख रुपये का नकद इनाम भी मिला था। लेकिन हमारी विधान सभा क्षेत्र में उच्चस्तरीय खेल मैदान न होने के कारण युवा खिलाड़ियों की प्रतिभाएं दबी रह जाती हैं। अतः अध्यक्ष महोदय से निवेदन है कि खेल को बढ़ावा देने के लिए उच्चस्तरीय खेल मैदान बनवाने की कृपा करें जिससे हमारे क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन हो सके।

महोदय, विधान सभा क्षेत्र में किसानों के व्यापार के लिए नवीन मंडी स्थल का निर्माण न होने के कारण किसानों को अपने सामानों की क्रय-बिक्री के लिए दूर-दूर तक सफर करना पड़ता है जिससे उन्हें उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिसका निर्माण कराया जाना अत्यंत आवश्यक है। महोदय, छात्रों के कौशल विकास के लिए आई0टी0आई0 कालेज एवं हमारे जनपद में स्थित राजकीय महामाया एलोपैथिक मेडिकल कालेज में ट्रामा सेंटर की नितांत आवश्यकता है जिससे दूर-दूर से आने वाले मरीजों को तुरंत लाभ मिल सके जनपद से अन्य ट्रामा सेंटरों की दूरी अधिक होने के कारण अत्याधिक मामलों में गम्भीर रूप से घायल व पीड़ित मरीजों के जीवित रहने की सम्भावना कम रहती है। अतः इसको जनहित में शीघ्र कराया जाना नितांत आवश्यक है। महोदय, हमारी विधान सभा क्षेत्र में लगातार विकास के लिए मदद की जा रही है। जिसके लिए मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र वासियों की तरफ से आपका धन्यवाद करती हूँ और आशा करती हूँ की जो कुछ मूलभूत आवश्यकताएं हैं उन्हें भी इस सदन के माध्यम से पूरा किया जाएगा। अध्यक्ष जी आपने हमें बोलने का मौका दिया इसके लिए एक बार पुनः बहुत-बहुत धन्यवाद।

[18:35] नगर विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन राज्यमंत्री (श्री महेश चन्द्र गुप्ता)[*]-

माननीय अध्यक्ष जी, महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के इस सुअवसर पर एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 116वीं जयन्ती पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया है इसके लिए मैं आपका हृदय से बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, महापुरुषों के बोल बहुत ही अनमोल होते हैं। महात्मा गांधी जी ने कहा था कि 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' इस बात को बच्चा-बच्चा बोलने लगा और अंग्रेज भारत छोड़ कर चले गये। लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि 'जय-जवान, जय-किसान' जवान हमारा सीमा पर अड़ गया और किसान ने इस देश को अनाज के भंडार से भर दिया और देश के लोगों ने अनाज को बचाने के लिए व्रत भी रखना शुरू कर दिया, ऐसे हमारे लाल बहादुर शास्त्री जी थे। मेरा कहने का भाव यह है कि जिनकी कथनी और करनी में अन्तर नहीं होता है उनकी वाणी में दम होता है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं 19 मार्च, 2017 से पहले जाना चाहता हूँ। क्योंकि मैंने विचार किया है

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कि अच्छे काम की पहचान तब होती है जब बुरे काम हों और उनके साथ अच्छा हो तब अच्छे काम की पहचान होती है। 19 मार्च, 2017 से पहले इस प्रदेश के अन्दर ऋण ग्रस्त किसान जो था वह बहुत दुखी था, आत्महत्या कर रहा था उसके घर में परेशानी थी और इस प्रदेश के अन्दर दंगों की चपेट में था। मानव शरीर परेशान था और गुन्डे अपनी, जिस प्रकार से गुन्डे पुलिस पर आक्रमण करते थे और पुलिस असहाय हो जाती थी हमारी मातृ शक्ति अक्षुण थी और बेटियाँ जो स्कूल को जाती थीं उनकी सुरक्षा का और सम्मान का भी अभाव था। हमारे कांवरियाँ भाई जब-जब जय भोले बोलते थे तो उनको पुलिस के डंडे पड़ते थे इस तरह से इस प्रदेश का हाल बेहाल था। आदमी उठता था तो उसके मन में डर रहता था कि कहीं कोई मेरे प्लाट में कब्जा न कर ले ऐसा भाव था। लूट, अपहरण और डकैती आदमी शाम को जब घर से निकलता था तो उसे परेशानी होती थी। उद्योगपति यहां से उद्योग उठाने लगे थे क्योंकि उनके मन में था रंगदारी देनी पड़ती थी, गुन्डागर्दी थीं। यहां पर जो था वह खजाना खाली था लेकिन इस देश के यशस्वी प्रधानमंत्री वह इस देश के ही नहीं विश्व की महानतम शक्ति आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी उन्होंने इस प्रदेश की बागडोर, इस प्रदेश के ऐसे यशस्वी, तेजस्वी और संत पुरुष जिनकी कथनी और करनी में अन्तर नहीं है 100 प्रतिशत ईमानदार और मेहनती आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के हाथ में जब यह कमान सौंपी तो मेरा नारा है कि 'अच्छा सोचो-अच्छा होगा, आज नहीं तो कल होगा' हमारे मुख्य मंत्री जी को जब यह जिम्मेदारी दी गयी तो उन्होंने इसी नारे के साथ अपना अच्छा काम किया, हमारा किसान जो ऋण से परेशान था उसका ऋण माफ कर दिया और किसानों की आमदनी दुगुनी के बाद फसल बीमा जितनी भी किसानों के लिए कर सकते थे वह सब अच्छा होने लगा और जो हमारी मातृ शक्ति थी वह सुरक्षित होने लगी, बेटियाँ आराम से स्कूल जाने लगीं अब उनको कोई भी कष्ट नहीं होता है और जो प्रदेश हमेशा दंगे की चपेट में रहता था अब वह प्रदेश हमारा दंगा मुक्त हो गया है। कावंरियों पर जो पुलिस डंडे बरसाती थी उन्हीं कावंरियों पर हैलीकॉप्टर से फूल बरसने लगे।

माननीय अध्यक्ष जी इस बार जो कुम्भ का आयोजन हुआ है उस कुम्भ से हमारी विश्व में एक नयी पहचान बनी है। 72 देशों के राजदूत जिन्होंने अपने झण्डे हमारे देश में लगाये, हमारे प्रदेश में लगाये हैं कुम्भ में लगाये हैं और 194 देशों में 183 देशों ने जहां पर उपस्थिति की और वहां का इतना सुन्दर वातावरण जहां पर पूरे विश्व के लोग आए और एक दिन में 5 करोड़ लोगों ने स्नान किया और वहां पर न तो मच्छर देखने को मिला न मक्खी देखने को मिली इतनी सुन्दर व्यवस्था थी और प्रदेश में जहां पर अपहरण डकैती हुआ करती थी वह सब गायब हो गया है। बदमाश जो पुलिस पर आक्रमण करते थे, पुलिस पर गोली चलाते थे ओर पुलिस कुछ नहीं कर पाती थी और इस सरकार में जब बदमाश पुलिस पर फायर करते हैं तो अब पुलिस को पूरी छूट है कि अब पुलिस उनको ठाये-ठाये-ठाये-ठाये (ठस)

कर देती है। (पूरे सदन में हंसी) जो उद्योगपति उद्योग छोड़कर जा रहे थे वह अब हमारे प्रदेश में उद्योग लगाना चाहते हैं। इतना अन्तर आ गया है। अब उद्योगपति कहते हैं कि उत्तर प्रदेश राम की जन्मभूमि है, कृष्ण की जन्मभूमि है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जाइये, आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री महेश चन्द्र गुप्ता-

माननीय अध्यक्ष जी, बस दो मिनट दे दीजिए। मैं आदरणीय मोदी जी पर बोलना चाहता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी शाहबानो प्रकरण में पूरा देश एकत्र हो गया राजीव गांधी जी ने वापस ले लिया था और इस सरकार में तलाक-तलाक-तलाक (हलाल) (सदन में हंसी) मा0 अध्यक्ष जी, कोई यह कहता था कि धारा-370 और 35(ए) खत्म हो जायेगी? लेकिन हमारे माननीय मोदी जी ने इसे कर दिया (खत्म)

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, बहुत बढ़िया बोला आपने अब कृपया आप बैठ जाये। बहुत ज्यादा बोल चुके हैं।

श्री महेश चन्द्र गुप्ता-

अध्यक्ष जी, ऐसा हमारे देश को नेतृत्व मिला है। पहले हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री डा0 मनमोहन सिंह जब किसी देश में जाते थे तो पत्ता तक नहीं फड़कता था, जैसे जाते थे वैसे ही वापस आ जाते थे। किन्तु आज हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी जब किसी देश में जाते हैं तो वहां पर 11 तोपों की सलामी, तो कहीं पर 21 तोपों की सलामी कहीं 31 तोपों की सलामी धायं-धायं उनको दी जाती है। (सदन में हंसी) मा0 अध्यक्ष जी अब मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ बहुत-बहुत धन्यवाद।

[*][18:45] **श्री धीरेन्द्र सिंह**-

माननीय अध्यक्ष जी यूनान मिश्र रोमां सब मिट गए जहां से बाकी है लेकिन अब भी नामो निसां हमारा। हिन्दी हैं हम वतन हैं हिन्दोस्तां हमारा। हमारे देश की संस्कृति जिसकी मूल भावना सत्य अहिंसा और दया ईशा पूर्व गौतम बुद्ध ने जो शान्ति का संदेश और अहिंसा का संदेश पूरी दुनियां को दिया 20वीं शताब्दी में यह संदेश राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पूरी दुनियां को दिया। आज मेरे लिए बड़ा ऐतिहासिक क्षण है और मैं विधान सभा के इस सत्र का हिस्सा बना हूं जो उसके इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित होगा । चूँकि 150 वीं जयन्ती राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हम लोग मना रहे हैं जिन्होंने 1917 में चम्पारण में इस देश की स्वच्छता और स्वस्थ भारत का सपना देखा था। महात्मा गांधी गए तो थे ब्रिटानियां हुकूमत के जुल्मों के

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

खिलाफ जो वहां सीधे साधे किसानों से बलात नील की खेती करवाकर उनका शोषण करते थे लेकिन जब महात्मा गांधी ने देखा कि किस तरीके से हिन्दुस्तान के लोग मुफलिसी में और गन्दगी में अपना जीवन यापन कर रहे हैं और काल कवलित हो रहे हैं। तो महात्मा गॉधी ने तीन दिन की वजाय वहीं रूकने का निश्चय किया और उन्होंने लोगों को स्वच्छता का और स्वस्थ रहने का संदेश दिया। आज मैं नमन करना चाहता हूं उनकी 150 वीं जयन्ती के अवसर पर कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री ने 102 साल बाद राष्ट्रपिता के उस सपने को पूरा किया है। जिसके लिए पूरी दुनियां हिन्दुस्तान पर निगाह गड़ाए हुए थी अध्यक्ष जी अभी कुछ विधायक को मैंने सुना कि बाहर स्टूल पर बिठा देते हैं। अभी एक विधायक जी कह रहे थे कि एक अधिकारी उन्हें धमकी देता है मैं समझता हूं कि जब इस देश को ब्रिटानिया हुकूमत से आजाद कराने के लिए हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी तब उन लोगों के दिमाग में यह ख्याल था कि अपनी हुकूमत होगी कुर्बानी देने से पूर्व उन बलिदानियों ने यह नहीं सोचा होगा जैसा कि हमारे विधायक महोदय कह रहे थे कि देश के नौकरशाह इस देश को लूट रहे हैं । यह विषय मैंने विधायकों की मंशा के अनुरूप रखा है।

मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के बारे में आपको बताना चाहता हूं मेरी विधान सभा क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के रूप में पूरे उत्तर भारत के लिए एक ऐसी सौगात आने वाली है जिससे लाखों रोजगारों का सृजन होने वाला है। और यह एयर पोर्ट हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा और दुनियां का नामचीन एयरपोर्ट होगा। इस पर तकरीबन पहले फेस में चार हजार पांच सौ करोड़ की लागत से निर्माण कार्य प्रारम्भ होंगे यह एक ऐसी योजना थी जिसे तकरीबन 20 वर्षों से सरकारें अपनी राजनीति का अड्डा बनाए हुए थीं। लेकिन मैं योगी जी को धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने पहले ही दिन मेरे प्रस्ताव पर इसकी गम्भीरता को समझा। और 30 महीने में ही यह एयरपोर्ट आज धरातल पर आने जा रहा है। इस एयरपोर्ट के आने की घोषणा के पश्चात् अनेकों मल्टीनेशनल कम्पनियां उस क्षेत्र में और आस पास के जिलों में अपने उद्योग स्थापित कर रही हैं। मेरे पास जो आंकड़े मौजूद हैं तकरीबन 9 हजार 800 करोड़ का निवेश विभिन्न कम्पनियां जैसे वीवो मोबाइल, हल्दीराम पतंजलि फूड और चाइना की अनेक मोबाइल पार्ट्स बनाने वाली कम्पनियां कर चुकी हैं। इसी प्रकार टेक्सटाइल इण्डस्ट्री वहां बसने जा रही है जिस पर पॉच हजार करोड़ का इन्वेस्टमेंट होगा, और जिससे रोजगारों का सृजन होगा तकरीबन पांच लाख रोजगारों का सृजन होगा। यह वह रोजगार होंगे जो अनस्किल्ड लोगों के लिए होंगे जो हमारी घरेलू महिलाएं गांवों में जो हमारे खेतिहर मजदूर हैं जो कुछ और नहीं जानते टेक्सटाइल उद्योग से पूरे उत्तर भारत को एक नई दिशा मिलने वाली है। मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने मुझे बीच में टोका भी नहीं मैं आखिरी बात कहते हुए स्वामीनाथन रिपोर्ट का जिक्र करना चाहूंगा चूँकि महात्मा गांधी का सपना था कि गांव मजबूत होंगे तो यह देश मजबूत होगा यह पहली सरकार है जिसने स्वामीनाथन आयोग की

रिपोर्ट का संज्ञान लिया चूँकि किसान मेहनत मशक्कत तो करता था लेकिन उसे अपने उत्पाद का सही मूल्य नहीं मिल पाता था। यह मोदी जी का कमिटमेंट और इस देश के किसानों के प्रति उनकी गम्भीरता है कि उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसान की उत्पादन लागत को देखते हुए पिछले दिनों उत्पादन लागत के सापेक्ष डेढ़ गुना से भी ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य में इजाफा किया। और उत्तर प्रदेश सरकार ने मोटे अनाज के खरीद के केन्द्र भी प्रदेश में बनाए तो यह वह क्षण था कि जहाँ सरकारें कहती तो रहीं कि हम किसान के बारे में सोचते हैं लेकिन अगर 68 परसेंट जनसंख्या के बारे में इस देश में किसी ने सोचा तो वह नरेन्द्र मोदी जी ने सोचा। और उसे अमली जामा पहनाने का कार्य जिस तरह से इस प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री ने किया है निश्चित तौर से इस उत्तर प्रदेश की 23 करोड़ जनसंख्या वाला यह प्रदेश जो अनेक देशों से बड़ा है एक नई इबारत विकास की लिखने जा रहा है।

अध्यक्ष जी मैं आपका बहुत- बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं मैं आपको बताते हुए अपनी बात समाप्त करना चाहता हूं कि ग्रामीण विकास का एक नया सपना हम अपनी जेवर विधान सभा में लिखने जा रहे हैं। क्योंकि महात्मा गांधी कहते थे कि गांवों में स्वच्छता और गांवों में स्वास्थ्य के प्रति लोगों का नजरिया और उनकी एप्रोच सकारात्मक होनी चाहिए। हम अपनी विधान सभा क्षेत्र में तकरीबन 20 गांवों को स्मार्ट विलेज की तरह डेवलप कराने जा रहे हैं। और यह स्मार्ट विलेज ऐसे होंगे जो सेक्टरों की तर्ज पर होंगे। यहां पर सारी सुविधाएं मिलेंगी। अन्त में मैं इस सदन का धन्यवाद करते हुए एक बार पुनः उस राष्ट्रपिता को नमन करना चाहूंगा कि जिसने ब्रिटानियां हुकूमत के खिलाफ इस देश की आवाम को घरों से निकाल कर सड़कों पर ला दिया वह भी इस देश की सभ्यता और संस्कृति के मूल तत्वों के आधार पर जिसमें दया का भाव था जिसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं था। यह इतिहास की एक बहुत बड़ी घटना थी और आज हम उस सख्सियत को इसीलिए याद कर रहे हैं कि दुनियां में कहीं भी अगर हम जाते हैं तो महात्मा गांधी का नाम पूरी दुनियां बड़े आदर और सम्मान के साथ लेती है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करते हुए माननीय अध्यक्ष जी आपका बहुत शुक्रगुजार हूं। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

अभी अनेक माननीय वरिष्ठ सदस्य रह गए हैं और हम इसीलिए टोककर स्पीड पकड़ने की कोशिश करते हैं। अनेक वरिष्ठ मंत्री भी अभी हैं उनमें से एक वरिष्ठ मंत्री सामने बैठे हैं। न्यायमंत्री हैं अगर उनको न्याय नहीं मिलेगा तो ठीक नहीं रहेगा।

[*][18:54] विधायी, न्याय, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा मंत्री (श्री ब्रजेश पाठक)-

आज पूज्य बापू जी डेढ़ सौ वर्ष के हो गए। गांधी बाबा को शत-शत नमन करता हूं। आज से लगभग 100 वर्ष पहले दुनिया में तीन नाम बहुत तेजी से उभरकर सामने आए।

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हिन्दुस्तान से नाम श्रद्धेय मोहनदास करम चन्द गांधी जी का था चीन के माओत्सेतुंग थे। और रूस में लेनिन थे। समाज जब आगे बढ़ा नौजवानों ने प्रमुखता के साथ लेफ्ट को अपनाया। कोई काल मार्क्स को बताता था कोई माओवादी बताता था कोई लेनिन का समर्थक था लेकिन वह दोनों अपने ही देश में अजनबी हो गए। लेकिन हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसे-जैसे अहिंसा की बात पूरी दुनियां में आगे बढ़ी बहुत तेजी के साथ सर्वस्वीकार्यता हासिल करते गए। हम लोग जब यूनीवर्सिटी की पालिटिक्स में थे ज्यादातर लोग वामपंथी विचारधारा को अपनाने का काम करते थे। लेकिन समाज में जब स्वीकार्यता की बात आई जहां लेनिन और माओ कहते थे कि जैसे भी हो दुनियां को तत्काल बदल देना चाहिए यानी समाज को सत्ता को अपनी ताकत से पलटने की क्षमता विकसित करने की बात करते थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हमेशा कहा कि हम लोगों की मनःस्थिति को परिवर्तित करेंगे। उनके मन में परिवर्तन लाएंगे उनके चिन्तन में परिवर्तन लाएंगे लोगों को बदलेंगे समाज स्वतः बदल जाएगा। लेकिन जैसे जैसे हम आगे बढ़ते गए समाज में यह प्रयोग विफल हो गया कि सत्ता को हम अपने बल के बूते बदलने की क्षमता रखते हैं यह प्रयोग विफल हो गया लेकिन आदरणीय बापू ने जो संतोष दुनियां को दिया वह प्रयोग आज दुनिया के दूसरे देशों में भी सफल हो रहा है। ऐसे अवसर पर मैं प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी को बधाई देना चाहता हूं कि दुनियां के सबसे बड़े प्लेटफार्म पर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करने का काम भारत की तरफ से किया और दुनियां में जहां जहां सत्य और अहिंसा की बात हुई वहां-वहां बापू ऐसे अवसर पर याद किए गए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को मैं हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी का आभार और बधाई देना चाहता हूं आभार प्रकट करना चाहता हूं जिन्होंने 150 वर्ष पूरे होने पर स्व0 बापू के जन्म दिन को उत्तर प्रदेश की विधान सभा में एक ऐसे सत्र को आहूत कराने का निर्णय लिया। जो पूरे भारत ही नहीं पूरी दुनिया में संदेश देने वाला है। हम सब जानते हैं यह सदन उत्तर प्रदेश के सतत विकास के लिए अपने अपने बिन्दुओं पर विचार कर रहा है।

माननीय अध्यक्ष जी मैं सरकार की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री जी की तरफ से न्याय विभाग विधायी विभाग और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की जिम्मेदारी है इस विभाग के तहत् हम न्याय और विधायी विभाग को देखेंगे तो विकास लक्ष्य संख्या 16 में यह अच्छी तरह से व्यवस्था की गई है कि जब तक प्रदेश में कानून का राज नहीं होगा लोगों को सस्ता सुलभ और व्यवस्थित न्याय नहीं मिल पाएगा। कभी भी हम व्यवस्थित लोक तंत्र की परिकल्पना नहीं कर सकते। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने समय समय पर न्याय पालिका के ढांचे में जो भी आवश्यक सुधार करने थे आधारभूत व्यवस्थाएं उपलब्ध करानी थीं उनको समय समय पर करने के लिए निर्देशित किया इसके अलावा महिलाओं को बच्चों को बुजुर्गों को और भ्रष्टाचार रोकने के लिए समय समय पर पारदर्शी कानून बनाने की तरफ भी

हमारी सरकार आगे बढ़ी है। इसके अलावा माननीय अध्यक्ष जी माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने सरकार संभालने के साथ निर्देश दिया था देश में ऐसे कानून जिनका उपयोग नहीं हो रहा है उत्तर प्रदेश में सैकड़ों ऐसे कानून हैं जिनका उपयोग नहीं हो रहा है लेकिन कानून किताबों में फाइलों में दबकर बोझ बने हुए हैं उनको समाप्त करने के लिए समय समय पर हमारी सरकार ने काम किया है। इस तीस महीनों में उत्तर प्रदेश सरकार ने समाज के सभी वर्गों, महिलाओं, बच्चों, विकलांगों, एस0सी0एस0टी0, सीनियर सिटीजन, अन्तिम व्यक्ति तक न्याय उपलब्ध कराने के लिए समय समय पर बहुत ही गम्भीर कदम उठाए हैं।

आदरणीय अध्यक्ष जी, पूरे भारतवर्ष में 3,10,91,885 वाद लम्बित हैं। जिसमें से उत्तर प्रदेश राज्य में 74,05,216 वाद लम्बित हैं। विभिन्न अवर न्यायालयों में 17,35,602 सिविल वाद व 56,69,614 आपराधिक मामले लम्बित हैं। सर्वविदित है कि केवल उत्तर प्रदेश में 23.8 प्रतिशत वाद लम्बित हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने, माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत ही गम्भीर पहल की है। उसके लिए हमने नये न्यायालयों का भी गठन किया है और नये पद भी सृजित किये हैं। मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि 500 नये न्यायालय खोलने का निर्णय इन 30 महीनों में सरकार ने लिया है, जिसमें 100 अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश स्तर के, 100 सिविल जज सीनियर डिवीजन। इसके अलावा विशेष बात यह है कि आजादी के बाद से आज तक हम लोग जब नये जजेज की भर्ती करते थे, तो कभी 100 की संख्या निकलती थी, कभी 200 की निकलती थी, कभी 300 की निकलती थी। लेकिन अगर आप गम्भीरता से नजर डालेंगे तो आजादी के बाद पहला अवसर है कि हमने सीधी भर्ती से सिविल जज जूनियर डिवीजन के लगभग 610 पदों को सृजित भी किया और उनकी भर्ती भी की और उनका इंटरव्यू हो करके, प्रोसेस पूरा हो करके अभी उनकी ट्रेनिंग की प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा हम पारिवारिक न्यायालयों में देखते हैं कि हमारी मातायें, बहनें चक्कर काटती रहती हैं। पारिवारिक विवाद के कारण पारिवारिक न्यायालयों में बड़ी संख्या में मुकदमें लम्बित हैं। हमारी सरकार ने सीधा न्याय देने के लिए ऐसी बहनों के लिए 111 नयी पारिवारिक अदालतें खोलने का भी निर्णय लिया है। हम जजेज की भी नियुक्ति कर रहे हैं। साथ में उनके सहयोगी स्टाफ की भी तत्काल नियुक्ति कर रहे हैं, जो 500 न्यायालय हमने नये सृजित किये हैं। उसके लिए 4,600 सहवर्ती स्टाफ की भी नियुक्ति करने का काम किया है। 111 पारिवारिक न्यायालयों के लिए 999 सहवर्ती स्टाफ की भी व्यवस्था की है। इसके अलावा हमारी सरकार चाहती है कि गांव के लोगों को जिला मुख्यालय तक आने में अगर कठिनाई होती है तो उनको उनकी तहसील में ही ग्राम न्यायालयों के माध्यम से सस्ता, सुलभ और शीघ्र न्याय देने का काम करेंगे। इसके लिए 113 नये ग्राम न्यायालयों की स्थापना की गई है। जिसके लिए 904 सहवर्ती स्टाफ की भी भर्ती करने का काम किया गया है। महिलाओं के विरूद्ध जो अपराध हो रहे हैं, महिलायें अपराध होने के बाद एफ0आई0आर0 तो करा देती हैं, लेकिन उनको शीघ्र न्याय नहीं

मिल पाता है। शीघ्र न्याय न मिलना एक तरीके से अन्याय माना जाता है। हमारी सरकार ने यह तय किया है, माननीय मुख्य मंत्री जी ने यह तय किया है कि हम माताओं, बहनों पर अत्याचार, अनाचार से शीघ्र न्याय देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट खोलेंगे। इसके लिए हमने 100 नये फास्ट ट्रैक कोर्ट खोलने का काम भी किया है। जिसके लिए 653 सहवर्ती स्टाफ की भी व्यवस्था की है। आप जानते हैं कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत् माननीय प्रधानमंत्री जी ने पूरी दुनिया के पैमाने पर एक संदेश देने का काम किया है कि भारत बहुत तेजी के साथ बढ़ता हुआ एक राष्ट्र है, तो उत्तर प्रदेश के बगैर भारत के बढ़ते हुए राष्ट्र की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती है।

उत्तर प्रदेश राज्य में माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमने यह तय किया है कि जो कामर्शियल मुकदमें हैं, यानी जब कान्ट्रेक्ट होने के बाद विवाद खड़ा हुआ, एजेन्सी लेने के बाद विवाद खड़ा हुआ, तो हमने उन जगहों, जहां पर कामर्शियल मुकदमें अधिक हैं, 13 नये कामर्शियल कोर्ट्स खोले जाने का भी निर्णय लिया है। उसमें जिला जज, सुपर टाइम स्केल के स्तर की नियुक्ति की गई हैं। उसके लिए हमने 104 सहवर्ती स्टाफ की भी व्यवस्था की है। हमने एस0सी0, एस0टी0 समाज के भाइयों को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए 25 नये फास्ट ट्रैक कोर्ट खोलने का भी निर्णय लिया। जिसके लिए 275 सहवर्ती स्टाफ का भी इंतजाम किया गया है। इसके अलावा सिस्टम सहायक/सिस्टम आफिसर में 144 सहवर्ती स्टाफ नियुक्त किये हैं। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विरूद्ध लम्बित मामलों के लिए हमने 65 जनपदों में एक्सक्लूसिव स्पेशल कोर्ट की भी स्थापना की है। सामान्यतया यह मुकदमें इन्हीं अदालतों में चलते थे। लेकिन हमने तय किया है कि जो हमारे दलित समाज के भाई हैं, जो पीड़ित हैं, वंचित हैं, उनके लिए हम अलग से एक्सक्ल्यूसिव कोर्ट भी खोलने का काम करेंगे। दिव्यांगजनों के लिए हमने अलग से इंतजाम किये हैं। सामान्यतया दिव्यांग पहले से पीड़ित है, उसकी चिन्ता हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी करते हैं। माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भी तय किया है कि उनके लिए अलग से अदालतों का गठन किया जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

मंत्री जी आप संक्षेप कर दीजिए।

श्री ब्रजेश पाठक-

ठीक है, मान्यवर। इसके अलावा एन0डी0पी0एस0 अधिनियम, 1985 के अन्तर्गत विशेष न्यायालयों की स्थापना की गई है, जो एन0डी0पी0एस0 एक्ट के अपराधी हैं। हमारे समाज में मादक द्रव्य बहुत ही गम्भीर अपराध की श्रेणी में आता है। हमारे नौजवान लगातार कहीं न कहीं इससे पीड़ित हो रहे हैं। हमने तय किया है कि हम एन0डी0पी0एस0 एक्ट के लिए अलग से कोर्ट तय करेंगे। इसके अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए हमने ढेर सारे कदम उठाये हैं। माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में 30 नये कोर्ट रूम तथा 20 चैम्बर के निर्माण के

लिए लगभग 112 करोड़ रुपये की धनराशि निर्गत कर दी गई है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में निर्माणाधीन 334 न्यायालय कक्षों के निर्माण के लिए लगभग 246 करोड़ की धनराशि निर्गत कर दी गई है। इसके अलावा अधीनस्थ न्यायालयों में न्यायिक अधिकारियों के लिए निर्माणाधीन 383 नग आवासों के लिए 8190.91 लाख की धनराशि निर्गत कर दी गई है और यह कार्य 2019 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा जो हमारे डिस्ट्रिक्ट कोर्ट्स हैं, कई डिस्ट्रिक्ट कोर्ट्स में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण नहीं हो पाया है। हम लोग अपने कोर्ट की सुरक्षा के लिए भी चिन्तित हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने लगातार कहा है कि सभी कोर्ट्स की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। पुलिस फोर्स के साथ-साथ हम उसमें बाउंड्रीवाल भी बनायेंगे। जो बाउंड्रीवाल छोटी है, उनको ऊंचा करने का काम भी किया जा रहा है, जिसे दिसम्बर, 2019 तक हम पूरा करेंगे। इसके लिए हमने 4716.75 लाख रुपये की व्यवस्था की है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, 71 जिलों में कार्यरत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं 312 तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से राष्ट्रीय लोक अदालतों का भी हम लोग लगातार कार्यक्रम करा रहे हैं। पहले आप सब अखबार में देखते होगें कि राष्ट्रीय लोक अदालतें मेले की तरह लगती थी। अखबार में विज्ञापन निकलता था कि आज राष्ट्रीय लोक अदालत वहां पर लग रही है, अपने-अपने मुकदमों को वहां आप तय करा लीजिए। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को और अपने मुख्य न्यायाधीश महोदय को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश को एक तोहफा देने का काम किया।

उत्तर प्रदेश राज्य देश का पहला राज्य है, जहां सभी जनपदों में स्थाई लोक अदालतों का गठन कर दिया गया है और अन्य सी0जी0एम0 स्तर के अधिकारी की नियुक्ति उसके स्थाई सचिव के रूप में कर दी है। पहले जो जनपद का सी0जी0एम0 होता था, वही लोक अदालत का भी सचिव होता था। लेकिन हमने तय किया है कि हम किसी भी हालत में मुकदमों के बोझ को कम करेंगे और उसके लिए हमने लोक अदालतों का स्थाई गठन भी किया है। हमारे जो नव नियुक्त सिविल जज जूनियर डिवीजन थे, उनको समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए हमने विशेष विधिक साक्षरता शिविर का भी आयोजन किया है। अभी हमारा इंजीनियर्स इंस्टीट्यूट, लखनऊ के रिवर बैंक कॉलोनी में है। ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' तथा ''बाल अधिकारों की सुरक्षा'' के विषय में हमने एक सेमिनार आयोजित कराया। अपने जो नये जजेज हैं, जो ट्रेनी जजेज हैं, उनको उसमें हमने शामिल होने का अवसर प्रदान किया। इसके अलावा जो अपराधी जेल चले गये, लेकिन अगर वह सुधरने के लिए तैयार हैं, उनको सुधरने का मौका प्रदान किया गया। उनके लिए भी कुटीर उद्योग के माध्यम से जूट-बैग, अगरबत्ती वगैरह बनाने का प्रशिक्षण देने का काम हमारी सरकार कर रही है। माननीय अध्यक्ष जी, जो हमारे पीड़ित लोग हैं, एस0सी0/एस0टी0 का केस लिखवाने के बाद या जो रेप पीड़ित हमारी बहनें हैं, उनको हम लोग क्षतिपूर्ति भी देते हैं। उसके लिए 49,27,142 रुपये वितरित करने का काम

उत्तर प्रदेश सरकार ने किया है। इसके अलावा जेल में निरूद्ध बन्दियों के लिए माननीय उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ में कार्यरत ''लोकल एडमिनिस्ट्रेटिव स्टैब्लिसमेण्ट'' के लिए गाईड लाइन बनाई गई है। अध्यक्ष जी, मुझे बताने में बहुत प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रीय लोक अदालतों में आज तक उत्तर प्रदेश में 56,56,775 वाद हमारे पास आये हैं और उसमें कुल 25,61,498 वाद निस्तारित कर दिये गये हैं और इन लोक अदालतों से निस्तारण का परिणाम यह है कि इन अदालतों से आया परिणाम, इन अदालतों के फैसलों को कहीं भी चुनौती नहीं दी जा सकती है। यानी एक बार लोक अदालत से जो फैसला हो गया, उसके बाद अब किसी भी न्यायालय की शरण में नहीं जा सकते हैं। इस फैसले को फाइनल माना जाता है। इसके अलावा सेटलमेन्ट के लिए हम लोगों ने आपसी समझौते से उनको मुआवजा भी दिलाने का काम किया। मीडियेशन से भी हमने वादों को समाप्त कराने का काम किया है। जिसमें 12,573 वाद मध्यस्थता से समाप्त किये गये हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, सरकार चाहती है कि जो गरीब है, वंचित हैं, पीड़ित हैं, सुदूर गांव में रहते हैं, वकील का खर्च नहीं उठा सकते हैं, कानून की उनको जानकारी नहीं है, तो भारत सरकार के सहयोग से 3500 पैरा लीगल वॉलेन्टियर्स सभी जनपदों में तैनात किये गये हैं। वह हमारे गरीबों को, पीड़ितों को, गांव-गांव जाकर विधिक सहायता देते हैं। अगर उनके पास वकील करने की कोई व्यवस्था नहीं है तो वह भी इंतजाम हमारी उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है। इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली के साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने एक एग्रीमेण्ट किया है कि जो हमारे न्यायिक अधिकारी हैं, उनको समय-समय पर प्रशिक्षण भी दिलाने का काम उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है। अभी लगातार 40-40 न्यायिक अधिकारी सीरियल से वहां जा करके प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। हमारे नव नियुक्त जजेज जे0टी0आर0आई0, लखनऊ में थे। अभी उनकी ट्रेनिंग का काम चल रहा है। माननीय उच्च न्यायालय में हाईकोर्ट के जो माननीय न्यायमूर्तिगण हैं, उनकी सुविधा का भी ध्यान रखा है। जिससे उनकी कार्य करने की क्षमता में वृद्धि हो, वह ठीक से काम कर सकें। उनके लिए इलाहाबाद में जजेज कल्चरल क्लब, योगा भवन तथा स्वीमिंग पूल के निर्माण के लिए 414.29 लाख के सापेक्ष 396 लाख की स्वीकृति निर्गत कर दी गयी है। हमारे जो उच्च न्यायालय के भवन हैं, चाहे वह लखनऊ हो, चाहे इलाहाबाद हो, हमारी सरकार ने तय किया है कि हम उनको क्लीन एनर्जी से आच्छादित करेंगे। सोलर एनर्जी के लिए हमने 642.58 लाख रुपये की स्वीकृति कर दी है और धनराशि भी निर्गत कर दी है। इसके अलावा हमारे उच्च न्यायालय में, सामान्यतया जो सरकार के आदेश हैं कि जितने भी हमारे कोर्ट्स हैं, उनको हम राउण्ड ओ क्लॉक बिजली देंगे। लेकिन अगर कहीं टिपिंग होती है, उसके लिए हमने जनरेटर की भी व्यवस्था की है, अलग से ट्रान्सफार्मर भी लगाये हैं। हमारे वाद अधिकारियों को कोर्ट आने-जाने में कोई असुविधा न हो, उसके लिए हमने इलाहाबाद हाईकोर्ट में नये एलीवेटर की

भी स्थापना का काम किया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के थार्नहील प्रयागराज में कान्फ्रेन्स हॉल, वी0आई0पी0 सूट्स एवं म्युजियम के निर्माण के लिए 1840 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। माननीय उच्च न्यायालय के उपयोगार्थ मल्टीलेवल पार्किंग एवं एडवोकेट चैम्बर के निर्माण हेतु 15,000 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसका निर्माण शीघ्र शुरू होने वाला है। अपने न्यायमूर्तिगणों के लिए वर्तमान व्यवस्था के तहत् पहले हम लोग एमबेस्डर कारें देते थे। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने, माननीय मुख्य मंत्री जी ने तय किया है कि हम उनको उच्च श्रेणी की करोला आल्टिस कार उपलब्ध कराने का काम करेंगे, जिसके लिए हमने धनराशि निर्गत करने का काम किया है।

श्री अध्यक्ष-

मंत्री जी, संक्षेप कर लीजिए।

श्री ब्रजेश पाठक-

अध्यक्ष जी, संक्षेप कर रहे हैं। माननीय उच्च न्यायालय लखनऊ खण्डपीठ के नवीन भवन परिसर में नये निर्माण के लिए 15,146.90 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। माननीय उच्च न्यायालय खण्डपीठ के लिए हमने अन्दर चलने के लिए बैट्रीचालित वाहन की भी व्यवस्था की है। जनपद लखनऊ में एडवोकेट चैम्बर के निर्माण के लिए 244.12 लाख रुपये की धनराशि निर्गत की गई है। जे0टी0आर0आई0 लखनऊ में छात्रावास का विस्तार, जिमनेजियम तथा अतिथिगृह के निर्माण के लिए 1247 लाख रुपये की धनराशि निर्गत की गई है। जे0टी0आर0आई0 लखनऊ को पूर्णतया वाई-फाई किया जा रहा है। जिससे ट्रेंनिंग पाने वाले जजेज को कोई दिक्कत न होने पाये। हमने वहां पर जे0टी0आर0आई0 की बाउण्ड्रीवाल व अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी 611.89 लाख रुपये की धनराशि निर्गत की है। निदेशक के आवास के लिए भी हमने अलग से रू0 225.69 लाख का इंतजाम किया है। जे0टी0आर0आई0 लखनऊ में साउण्ड सिस्टम की स्थापना और परिसर के सौंदर्यीकरण एवं छात्रावास के मरम्मत के लिए रू0 433.92 लाख की धनराशि निर्गत की है। इसके अलावा 17 जनपदों में ए0डी0आर0 सेन्टर के निर्माण के लिए रू0 1666.84 लाख की धनराशि निर्गत की है। इसके अलावा सरकार ने तय किया है कि हम सभी एम्बेस्डर कारों की जगह पर इनोवा क्रिस्टा वाहन अपने जजेज को देने का काम करने जा रहे हैं। जनपद न्यायालय लखनऊ तथा कानपुर नगर में 05 नई लिफ्टें लगायी जा रही हैं, जिसके लिए रू0 314.27 लाख की धनराशि निर्गत की गयी है। हम अपने सभी अधीनस्थ न्यायालयों को सीसीटीवी कैमरे से लैस करने जा रहे हैं, जिसके लिए रू0 25501.73 लाख की धनराशि निर्गत की है। हमारे जितने भी न्यायालय कैम्पस हैं उसमें सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण के लिए रू0 6000.00 निर्गत किये हैं। निर्वाध विद्युत आपूर्ति के इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए रू0 10493.65 लाख की धनराशि निर्गत की है। जो हमारे सीजेएम हैं, उनको दोहरी जिम्मेदारी देखनी पड़ती है। उनको न्यायालय के कार्य के

साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था भी देखनी पड़ती है, इसलिए उनके लिए हमने नये महिन्द्रा बोलेरो वाहन खरीदने का कार्य किया है। इसके लिए रू0 151.25 लाख की धनराशि निर्गत की है। इसी प्रकार 42 जनपद न्यायाधीश महोदय के लिए हमने नई इनोवा क्रिस्टा खरीदने हेतु रू0 569.94 लाख की धनराशि निर्गत की है। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय के निर्माण हेतु रू0 736.36 लाख की धनराशि स्वीकृत की गयी है। फायर फाइटिंग सिस्टम एवं फायर एलार्म नये सिरे से स्थापित करने के लिए रू0 480.90 लाख की धनराशि निर्गत की है। अधीनस्थ न्यायालयों यानि नये न्यायालयों के निर्माण और नवनियुक्त जजेज के भवन निर्माण के लिए रू0 5878.43 लाख की धनराशि निर्गत की है। उ0प्र0 न्यायिक अधिकारी कल्याण निधि हेतु वर्ष 2018-19 में रू0 1000.00 लाख की धनराशि निर्गत की है। 14वें वित्त आयोग के संस्तुतियों के तहत् न्यायिक अधिकारियों, मध्यस्थों एवं अधिवक्ताओं के प्रशिक्षण हेतु रू0 791.00 लाख तथा लोक अभियोजकों के प्रशिक्षण हेतु रू0 297.00 लाख का बजट में प्रावधान वित्तीय वर्ष 2019-20 में किया गया है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप संक्षेप करिये।

श्री ब्रजेश पाठक-

वित्तीय वर्ष 2019-20 के बजट में उ0प्र0 अधिवक्ता कल्याण निधि के अनुदान मद में रू0 2000.00 लाख तथा युवा अधिवक्ताओं के लिए कार्पस फण्ड मद में रू0 500.00 लाख का प्रावधान किया है। भविष्य में आधारभूत संरचना हेतु अधिक बजट व्यवस्था, सूचना एवं तकनीकी का अधिक से अधिक प्रयोग, न्यायालयों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि, वैज्ञानिक विवेचना, वैकल्पिक साधनों से मुकदमों के शीघ्र निस्तारण का प्रयास, मध्यस्थता का अधिक से अधिक प्रयोग, स्थायी लोक अदालतों को और सुदृढ़ करना, अपराध पीड़ितों और विशेषकर महिलाओं और बच्चों को समय पर प्रतिकर देने का भी हमारी सरकार इंतजाम कर रही है। इसके अलावा मा0 अध्यक्ष जी, दूसरा जो विधायी महकमा है। सामान्यतः विधायी महकमें के बारे में सामान्य जन को जानकारी नहीं हो पाती है, लेकिन मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि जो भी उ0प्र0 में प्रचलित कानून है, उनको नियमन करने का, उनको बनाने का, उनकी एक-एक शब्द की बेकिंग करने का काम हमारा विधायी विभाग करता है। मुझे बताने में प्रसन्नता हो रही है कि हमारा विधायी विभाग अब तक उत्तर प्रदेश में जितने कानून प्रचलित थे, उनको सूचीबद्ध करके अपने बेबसाईट पर डाला है। इसके अलावा हमने जनसामान्य की सुविधा के लिए सभी कानूनों को एक पुस्तक में समाहित करके उसका प्रकाशन किया और शीघ्र ही अपने सभी जनमानस के लिए लोकार्पण करने का काम करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

क्या वह नई किताब मा0 सदस्यों में वितरण किये हैं?

श्री ब्रजेश पाठक-

मान्यवर, आप से उसका लोकार्पण कराएंगे। मा0 प्रधानमंत्री जी के इच्छा और उनके निर्देश के अनुरूप मा0 मुख्य मंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न ऐसे कानून थे, जिनका कोई उपयोग नहीं रह गया था, उनको भी समाप्त करने का काम हमारी सरकार ने किया है। उसके लिए निरसन विधेयक हम इसी सदन में लेकर आये थे, सभी सदस्यों ने हमारी उसमें मदद भी की थी। अब तक 362 पुराने अप्रचलित कानूनों को निरसित किया जा चुका है। मा0 अध्यक्ष जी, यानि 362 कानून, इसी सदन से, इसी सरकार ने समाप्त किये हैं। वह हमारे ऊपर बोझ बने हुए थे, फाइलों का अंबार लगा हुआ था। इसके साथ ही साथ उत्तर प्रदेश संहिता (यूपी कोड) के अद्यतन संशोधन सहित संहिताकरण शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर प्रचलित है। विभाग की वेबसाइट पर हमारे सभी कानून मिल जाएंगे, इस संबंध में विशेष जानकारी हम अपने सदस्यों को अलग से देंगे। जब भी पुस्तक का लोकार्पण होगा, मैं सदन में आप लोगों को बताना चाहता हूं एक-एक पुस्तक आप सभी मा0 सदस्यों के घर पहुंचेगा। जिससे उत्तर प्रदेश में प्रचलित कानूनों के बारे में आप लोगों को जानकारी मिल सके।

श्री अध्यक्ष-

अब आप संक्षेप में समाप्त करिये।

श्री ब्रजेश पाठक-

मा0 अध्यक्ष जी, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग का गठन 04 जुलाई, 1972 में किया गया था। यह विभाग कार्यदायी संस्था के रूप में काम करता है। इसका अपना कोई बजट नहीं है। शून्य बजट के आधार पर विभिन्न सरकारी विभागों से हमें जो काम मिलता है, वह कार्य हम लोग करते हैं। ज्यादातर काम उसमें सांसद निधि और विधायक निधि का होता है। इसके अलावा मा0 मुख्य मंत्री जी ने इस विभाग को गति देने के लिए एक त्वरित विकास योजना लायी, जिसमें सभी मा0 विधायकों को रू0 5-5 करोड़ उनके क्षेत्र के विकास के लिए मिले। त्वरित विकास योजना विभाग में आयी तो विभाग जम्प कर गया और आज विभाग के पास त्वरित विकास योजना के माध्यम से लगभग रू0 15 सौ करोड़ का काम मिला। वह कार्य लगभग पूर्ण होने पर हैं किसी भी परिस्थिति में नवम्बर-दिसम्बर में हम त्वरित विकास योजना के तहत् सभी विधायकों के कार्यों का गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराने का भरोसा दिलाते हैं। मा0 अध्यक्ष जी, इस विभाग में जो सबसे ज्यादा खूबी है वह यह है कि सामान्यतः जितनी भी कार्यदायी संस्था हैं, चाहें पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, यूपीएसआईडीसी हों, इसमें अगर एक बार आपने एग्रीमेण्ट कर दिया, टेण्डर दे दिया और अगर कार्य दो साल में नहीं हुआ, तो ठेकेदार आपके पास आएंगे कि मार्केट में सभी मैटीरियल का रेट बढ़ गया है इसलिए आप दाम बढ़ा

दीजिये, लेकिन हमारे विभाग की खूबी यह है कि हम दाम नहीं बढ़ाते, चाहें एग्रीमेण्ट होने के बाद 10 वर्ष तक ठेकेदार को काम करना पड़े, तो उन्हीं रेटों पर कार्य करके देना पड़ेगा। इसलिए हम गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, इन्हीं शब्दों के साथ आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

*[19:23] **श्रीमती शोभा सिंह चौहान**-

परम आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, मैं आपको धन्यवाद देती हूं कि आपने मुझे इस सदन में बोलने का मौका दिया। मैं आज गांधी जयन्ती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन करती हूं, साथ ही आदरणीय प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने जो स्वच्छ भारत का सपना देखा है, उसको हम भारतवासी पूरा कर रहे हैं। आज मैं स्वच्छता और साफ पानी के बारे में बताना चाहती हूं कि अगर हम साफ पानी पीयेंगे तभी स्वस्थ रहेंगे। देश के प्रधानमंत्री चाहते हैं कि अगर स्वच्छ भारत होगा, तभी स्वस्थ भारत होगा। हम लोगों को अपने गांव और क्षेत्र को साफ-सुथरा रखना होगा, तभी स्वच्छ भारत का सपना साकार होगा। मैं पुनः गांधी जी को नमन करते हुए अपनी बात समाप्त करती हूं। जय हिन्द, जय भारत।

*[19:25] **श्री ओमकुमार**-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के 150वीं जयन्ती के मौके पर जो विशेष सदन आहूत हुआ, उसमें मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका हृदय से आभारी हूं। मा0 अध्यक्ष जी, आज का दिन हमारे लिए बहुत ही प्रेरणादायक दिन है, क्योंकि गांधी जी ने अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को आजादी दिलाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा सम्पूर्ण भारतवर्ष ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को अहिंसा के रास्ते पर चलने का रास्ता दिखाया। मा0 अध्यक्ष जी, स्वच्छता, सादगी, ग्राम स्वराज्य, खादी के साथ गांधी जी ने लोगों को प्रेरित करने का काम किया। उन्होंने दलित समाज में जा करके वहां पर भोजन करना और उनकी बस्ती में रहकर समाज को जागरूक करने का काम किया। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने बहुत सारे आंदोलन में हिस्सा लिया। भारत छोड़ो आंदोलन के तहत् अंग्रेजों को भारत से भगाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। नमक सत्याग्रह, खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन जैसे तमाम आंदोलन करके इस देश को आजादी दिलाने का काम किया। गांधी जी ने भारत से छूआछूत का विरोध किया। उन्होंने शोषित वर्ग को 'हरिजन' कहा, जिसका मतलब होता है भगवान के पुत्र। उन्होंने उनके साथ समान व्यवहार की सिफारिश की। गांधी जी के जन्मदिन के साथ हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का भी जन्म दिन है। जब पाकिस्तान का युद्ध हुआ तो उन्होंने एक नारा दिया था ''जय जवान, जय किसान'' और इस नारे से पाकिस्तान को बहुत बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा था।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूं कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी के निर्देशन में मेरे विधान सभा क्षेत्र नहटौर के अन्दर एक ऐसा पुल था जो कि आजादी के बाद से अब तक नहीं बन पाया था, जिसके माध्यम से कम से कम 100 गांव कनेक्टेड थे। मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी को इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं कि इन्होंने इस पुल के लिए रू0 3 करोड़ की धनराशि देने का काम किया है। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं अपने प्रधानमंत्री जी को, जिन्होंने डा0 भीमराव अम्बेडकर साहब के नाम पर पंचतीर्थ बनाने का कार्य किया। मा0 अध्यक्ष जी, आपको मालूम होगा कि जहां पर डा0 भीम राव अम्बेडकर साहब का जन्म हुआ, मृत्यु हुई, पढ़ाई हुई, इस तरह के ऐसे पांच स्थानों को चुनकर वहां पर पंचतीर्थ बनाने का कार्य किया है। जब हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी लंदन में गये और जहां पर बाबा साहब ने शिक्षा प्राप्त की थी, अंग्रेजों से उस धरती को मांगने का कार्य किया। आज वहां पर दलित समाज के बच्चे लंदन में जाकर पढ़ सकते हैं, रह सकते हैं और भारत वर्ष का नाम ऊंचा करने का काम कर सकते हैं। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूं कि बहुजन समाज पार्टी के लोग दलित समाज का वोट लेने के लिए काम करते हैं, लेकिन उनके महापुरुषों को सम्मान देने का काम नहीं करते हैं। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने काशी में पहुँच करके गुरू रविदास की जन्मभूमि पर मत्था टेकने के बाद लंगर खाने का काम किया, ऐसे ही हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी भी काशी में पहुँचे और काशी में गुरू रविदास जी के जयन्ती के मौके पर वहां बहुत सारी योजनाओं को चलाने का कार्य किया। इस तरह से हमारे देश के महापुरुषों का सम्मान बढ़ाने का काम हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री और आदरणीय मुख्य मंत्री जी कर रहे हैं। मैं आज इस सदन को बताना चाहता हूं कि हम जितना भी विकास की बात कर लें, अगर इस देश की कानून व्यवस्था ठीक नहीं है तो सारा का सारा विकास बेकार है। मा0 अध्यक्ष जी, वर्ष 2012 में प्रदेश में जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तो लोगों को अपने बेटा-बेटी को स्कूल भेजने में भी डर लगता था। आज मा0 योगी जी की सरकार में अगर कागज के ऊपर गाय लिख करके रख दूं, तो उस कागज की तरफ किसी की देखने की हिम्मत नहीं है। हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने ऐसा शासन देने का काम किया है, मैं उनको बधाई देता हूं और उनकी लम्बी उम्र की कामना करता हूं। मेरे क्षेत्र में सबसे ज्यादा जो रेवेन्यू आता है वह गन्ने से आता है। मैं अपने गन्ना मन्त्री को बधाई देता हूं कि जैसे ही वर्ष 2017 में हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, हजारों कुंटल गन्ना बिलाई चीनी मिल के सामने खड़ा हुआ था। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मिल मालिक और पूरा मिल मैनेजमेंट मिल को बंद करके चाभी लेकर के चले गये और मेरे किसान भाई मुझसे मांग करते रहे।

श्री अध्यक्ष-

आपका समय पूरा हो गया है। आप सात मिनट बोल चुके हैं।

श्री ओमकुमार-

मान्यवर, बस पांच मिनट दे दीजिये। मैं अपने गन्ना मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने रात के 12 बजे मेरे फोन को सुनने का काम किया और मुझसे कहा कि ओमकुमार तुम चिन्ता मत करो, सुबह छः बजते ही सारे किसानों के गन्ने का तौल होना शुरू हो जायेगा। ऐसे गन्ना मंत्री जी को और अपने मुख्य मंत्री जी को मैं धन्यवाद देना चाहता हूं जो किसानों के हितैषी हैं और किसानों को साथ लेकर चलने का काम करते हैं। मैं ज्यादा समय नहीं लेना चाहता। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र के अन्दर बिलाई चीनी मिल है। मेरे जिले के अन्दर जो रेवेन्यू आता है वह सारा का सारा गन्ने से आता है, अगर किसान के पास पैसा जाता है, मजदूर के पास पैसा जाता है, व्यापारी के पास पैसा जाता है तो वह सिर्फ और सिर्फ गन्ने से जाता है। बिलाई चीनी मिल पर करीब 108 करोड़ रुपये अभी बाकी हैं, अगर आप वह जल्दी से जल्दी दिलवाने का काम करेंगे तो हम आपको बहुत धन्यवाद देंगे।

श्री अध्यक्ष-

वह दे देंगे, बिल्कुल तैयार हैं। अब आप बैठ जाएं।

श्री ओमकुमार-

मान्यवर, मैं एक और चीज कहना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र के अन्दर प्रतिभाओं की कमी नहीं है। कोई वेटलिफ्टिंग में, कोई कबड्डी में, राहुल कबड्डी वाले का आपने नाम सुना होगा, वह मेरे ही क्षेत्र का रहने वाला है। मेरे क्षेत्र के अन्दर कोई भी स्टेडियम नहीं है, क्योंकि मेरी नहटौर विधान सभा क्षेत्र पहली बार वर्ष 2012 में बनी है तब से मैं वहां से दूसरी बार विधायक हूं।

श्री अध्यक्ष-

तो कबड्डी में स्टेडियम की जरूरत कहां पड़ती है।

श्री ओमकुमार-

इसलिये वहां पर मैं एक स्टेडियम की मांग करता हूं और साथ ही वहां पर एक मण्डी समिति बनाए जाने की मांग करता हूं। आपके चरणों में बहुत-बहुत नमन करते हुए आदरणीय मुख्य मंत्री जी के चरणों में बहुत-बहुत नमन करते हुए आप सबका और पूरे सदन का धन्यवाद करता हूं कि मैं सुबह से इंतजार कर रहा था और मैं कल से बैठा था तो मुझे सदन में बोलने का मौका मिल गया, इसके लिये बहुत-बहुत धन्यवाद। नमस्कार। जय हिंद। जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्या श्रीमती राजबाला जी। आप लोग जल्दी-जल्दी बोलिये अन्यथा विषय बाद में रह जायेगा।

*[19:31] **श्रीमती राजबाला**-

धन्यवाद मा0 अध्यक्ष जी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर 36 घंटे चलने वाले ऐतिहासिक सत्र में आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिये मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। मा0 अध्यक्ष जी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का एक सपना था स्वच्छ भारत का सपना और यह हमारे सतत विकास के लक्ष्यों में से एक है। स्वच्छ पानी और स्वच्छता हर व्यक्ति की आवश्यकता है। स्वस्थ वातावरण प्रत्येक देशवासी का अधिकार है। स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिये हमारे मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसकी पहल पहले ही कर दी थी, लेकिन हमारे प्रदेश में इसको सार्थक रूप से हमारे मा0 मुख्य मंत्री योगी जी ने दिया है। पूरे उत्तर प्रदेश में घर-घर, गांव-गांव, शहर-शहर शौचालय बनाकर के उन्होंने स्वच्छता का संदेश तो दिया ही है साथ ही साथ हमारी जो बहनें और बेटियां होती थीं उनको भी सम्मान दिलाया है। इससे पहले जब हमारी सरकार नहीं थी तो न्यूजपेपर में डेली कोई न कोई ऐसी सूचना या फिर खबर छपती रहती थी कि हमारी बहन-बेटी शौच के लिये गये और वहां से उसे उठा लिया गया। इस तरह की घटनाएं, दुष्कर्म आए दिन होते रहते थे, लेकिन जब से हमारे योगी जी की सरकार आयी है तब से इस तरह की घटनाएं होना बंद हो गयी हैं, क्योंकि घर-घर शौचालय हमारे योगी जी ने हमारे मुख्य मंत्री जी ने दिया है और हमारी बहन-बेटियों को सम्मान दिया है और इस सम्मान के लिये पूरा प्रदेश उनका आभारी रहेगा। जनहित और विकास के लक्ष्यों को लेकर इस चर्चा में भाग न लेकर विपक्ष ने यह साबित कर दिया है कि उसे जनहित के कार्य में रूचि नहीं है, उसे सिर्फ अपनी सत्ता चलानी है और अपने स्वार्थ सिद्ध करने हैं। इस चर्चा में भाग न लेकर उसने यह दिखा दिया है कि उसे कुछ नहीं करना है सिर्फ अपना मतलब सिद्ध करना है अपना उल्लू सीधा करना है। हमारे उत्तर प्रदेश को स्वच्छता अभियान में प्रथम पुरस्कार मिलने जा रहा है और इसके लिये मैं मा0 प्रधानमंत्री जी और मा0 मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं।

स्वच्छता में हमारा प्रदेश नम्बर वन पर आया है यह योगी जी के सुशासन की वजह से आया है। बीमारियां जो होती हैं वह अधिकतर दूषित जल की वजह से होती हैं और दूषित जल ही सभी बीमारियों का कारण है जो विषाणुओं के कारण होती है। योगी जी की सरकार आने के बाद में इस तरह की बीमारियों में भारी कमी आई है, क्योंकि उन्होंने स्वच्छता का संदेश दिया है और स्वच्छ जल मुहैया कराया है। हमारी सरकार का विजन भी है कि हर घर नल हो, हर घर पाईपलाईन हो, स्वच्छ पानी सभी देशवासियों और पूरे प्रदेशवासियों को मिले। 'असमानता' मेरा टॉपिक है इसलिये मैं इस पर थोड़ा सा बोलना चाहूंगी। हमारी जो प्रदेश सरकार है उसने जो भी कुछ दिया है जो भी योजनाएं चलाई हैं चाहे वह शिक्षा के लिये योजनाएं हों।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

तो अभी तक आप क्या टॉपिक पर नहीं बोल रहीं थी क्या?

श्रीमती राजबाला-

मान्यवर, दो टॉपिक हैं।

श्री अध्यक्ष-

एक ही पर बोल दीजिये।

श्रीमती राजबाला-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं थोड़ा सा ही बोलूंगी और संक्षेप में ही बोलूंगी। शिक्षा का क्षेत्र हो या उज्जवला योजना के अन्तर्गत चाहे गैस देनी हो या फिर आयुष्मान योजना हो, जो भी योजना चलाई गयी है उसमें हमारे मा0 मुख्य मंत्री योगी जी ने समानता दिखायी है। ऐसा कुछ नहीं है जैसे पहले भेद-भाव होता था कि जाति देखकर दे दिया, धर्म देखकर दे दिया, ऐसा अब कुछ नहीं है। अब जो भी मिलेगा सबको मिलेगा, जात-पात देखकर नहीं मिलेगा, सबको समान रूप से मिलेगा। इसलिये समानता का जो भाव हमारे प्रदेश में बढ़ा है उसके लिये में हमारे मा0 मुख्य मंत्री को धन्यवाद देना चाहती हूं। आगे मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की कुछ समस्याएं रखना चाहती हूं। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र मिलक में रामगंगा कोसी नदी बहती है। यह बात अच्छी है कि इस साल हमारे यहां बारिश थोड़ी कम हुई है, लेकिन जब भी बारिश होती है तो दर्जनों गांव बाढ़ में बह जाते हैं इसलिये मैं वहां पर बांध का निर्माण करने की मांग करती हूं और आपका संरक्षण चाहती हूं।

मा0 अध्यक्ष जी, हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक रेलवे लाईन होकर गुजरती है उस पर मैं एक ओवरब्रिज बनाए जाने की मांग करती हूं, क्योंकि वहां से होकर कई गांव जुड़ते हैं और जो पढ़ने वाले बच्चे हैं, किसान खेत पर जाते हैं और उनका आना-जाना डेली वहां से लगा रहता है। जब ट्रेन खड़ी होती है मालगाड़ी जब खड़ी होती है तो उनको उसके नीचे से होकर गुजरना पड़ता है जिससे कोई भी दुर्घटना किसी भी समय हो सकती है इसलिये मैं एक रेलवे ओवरब्रिज की मांग करती हूं। मुझे आपका संरक्षण इस बात में भी चाहिये कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में कोई भी सरकारी बस अड्डा नहीं है और मेरे क्षेत्र में यह सबसे बड़ी समस्या है। मेरे क्षेत्र में लगातार इस बात की मांग रहती है कि सरकारी बस अड्डा होना चाहिये और जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है तब से सभी यह कहते हैं कि अब तो आपकी सरकार है अब तो बस अड्डा बनवा दीजिये, इसलिये मैं इस बात के लिये भी आपका संरक्षण चाहूंगी कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक सरकारी बस अड्डा बनवा दिया जाए, क्योंकि मेरा क्षेत्र 4-5 जिलों को जोड़ता है और इससे यात्रियों को आवागमन में भी सुविधा हो जायेगी। मा0 मुख्य मंत्री जी को मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होंने सड़कें बनाने के लिये 05

करोड़ रुपये की धनराशि दी, जिससे मैंने अपनी विधान सभा क्षेत्र में 43 सड़कें बनवाई हैं और इसके लिये चारो तरफ मा0 योगी जी की जय-जयकार हो रही है। इस बात के लिये भी मैं उनको धन्यवाद देना चाहूंगी कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में कोई भी डिग्री कॉलेज नहीं था, हमारे जो छात्र-छात्राएं इण्टर कर लेती थीं उसके बाद उन्हें पढ़ने के लिये बाहर आसपास के जिलों में जाना पड़ता था। इस बात के लिये मैं उनका बहुत आभारी रहूंगी कि उन्होंने मेरे क्षेत्र के लिये एक डिग्री कॉलेज की घोषणा करके छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिये काम किया है, लेकिन अभी तक इसकी शुरूआत नहीं हो पायी है तो इसके लिये भी मैं आपका संरक्षण चाहूंगी कि इसका काम भी जल्दी से जल्दी शुरू हो जाए जिससे हमारी विधान सभा क्षेत्र की छात्र-छात्राएं पढ़ सकें। मा0 अध्यक्ष जी, हमारी विधान सभा क्षेत्र में कुछ जमीन खाली पड़ी है, कम से कम 150 बीघा जमीन है। मैं चाहूंगी कि उस पर एक कृषि विद्यालय बन जाए, क्योंकि हमारी विधान सभा क्षेत्र में कृषि विद्यालय नहीं है। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे रामपुर के विषय में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। अब आप समाप्त कीजिये।

श्रीमती राजबाला-

मा0 अध्यक्ष जी, एक छोटी सी बात है। मैं हमारे मुख्य मंत्री योगी जी को बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी कि हमारे रामपुर में जो आतंक का माहौल है वह खत्म हुआ है, क्योंकि यहां पर जितने भी मा0 सदस्य बैठे हुए हैं वह हमारे रामपुर के बारे में सब जानते होंगे कि एक भूमाफिया के ऊपर शिकंजा अगर किसी ने कसा है तो वह मा0 योगी जी ने कसा है, उसके पहले वहां पर क्या माहौल था, वहां पर आतंक का माहौल था, हम सभी ने देखा था। जमीनें छीन ली गयीं, लेकिन उसके बाद भी किसी ने रिपोर्ट तक नहीं लिखायी, क्योंकि सब डरते थे और इस डर के माहौल को खत्म करने के लिये मा0 योगी जी को बहुत-बहुत धन्यवाद। कानून-व्यवस्था सुधारने के लिये मैं उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करती हूं। धन्यवाद। जय हिंद। जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

मेरे पास अभी भी 16 माननीय मंत्रियों की सूची है और इसके अलावा लगभग 58 मा0 सदस्य हैं और सब सदस्यों का हमारे ऊपर आरोप है। जो भी मिलता है तो वह हमसे नाराज होता है। इसलिये मेरे जीवन में पहली बार बड़ी कठिन चुनौती है।

(इसी मध्य कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने का प्रयास करने पर सदन में शोर)

श्री अध्यक्ष-

अच्छा, प्रत्येक व्यक्ति कहता है कि मैं दो मिनट बोलूंगा और फिर जब अपनी सीट पर जाता है तो वह भूल जाता है कि उसने अभी क्या बोला था।

***डा0 जमुना प्रसाद सरोज-**

मा0 अध्यक्ष जी, अपना दल से केवल एक विधायक को ही बोलने का अवसर मिला है।

***श्री रमेश चन्द्र मिश्र-**

मा0 अध्यक्ष जी, जो लोग पूरी रात सदन में रहे हैं कम से कम उनको बोलने का अवसर तो मिलना ही चाहिये।

श्री अध्यक्ष-

आपकी शिकायत भी सही है और अपना दल के लोग जो कह रहे हैं वह भी सही है।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

मा0 अध्यक्ष जी, हम लोग पूरी रात सदन में रहे हैं, एक सेकेण्ड यहां से हिले तक नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष-

अच्छा, तो कृपापूर्वक आप हमारी बात सुन लें कि जो लगभग 60 विधायक हैं अगर उनको सिर्फ पांच मिनट दें और वह पांच मिनट ही बोलें तो 300 मिनट हुआ कि नहीं हुआ। मा0 मंत्रीगण, उनकी सूची लगभग 15 की है तो उनको अगर 10 मिनट दें तो कितना हुआ, 150 मिनट हुआ। इस तरह से तीन सौ और डेढ़ सौ 450 मिनट हो गया, तो क्या सम्भव है?

***खादी एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (चौधरी उदयभान सिंह)-**

मा0 अध्यक्ष जी, केवल दो-दो मिनट बोलने के लिये दे दीजिये और बाकी उनसे लिखित में ले लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

हां, लिखित में तो हमको कई मा0 सदस्य दे गये हैं। वह जो भी दे गये हैं उसमें कोई भी एडिटिंग नहीं होगी, ज्यों का त्यों उनके भाषण को हम कार्यवाही का अंश बना लेंगे और जब आपको किताब मिलेगी तो किताब में यह लिखा होगा कि आपने भाषण दिया। इसलिये जो लोग हमें सहयोग करना चाहें करें। अब मैं मा0 मुकुट बिहारी वर्मा जी को आमंत्रित करूंगा कि वह अपनी बात रखें।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

*[19:40] **सहकारिता मंत्री (श्री मुकुट बिहारी)**-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं बहुत ही आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया और मैं अपने को सौभाग्यशाली मानता हूं।

(इस मध्य कई सदस्यों के अपने-अपने स्थान से उठकर जाने पर)

श्री अध्यक्ष-

क्या आप लोग मुकुट जी के भाषण से नाराज होकर जा रहे हैं।

श्री मुकुट बिहारी-

मैं अपने को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे कल 7.30 ए0एम0 पर बोलने के लिये बुलाया गया था। मैं 7.00 बजे आ गया था और लगभग 7.30 पी0एम0 के बाद हमको बोलने का मौका मिल गया है इसके लिये मैं अपने को बहुत-बहुत भाग्यशाली समझता हूं। मान्यवर, आज पूज्य महात्मा गांधी जी के जन्म के 150 वर्ष बीतने के अवसर पर आज एक विशेष अधिवेशन हो रहा है और इस विशेष अधिवेशन में निश्चित रूप से पूज्य महात्मा गांधी जी के बारे में पूज्य लाल बहादुर शास्त्री जी के बारे में बहुत से विषय आए हैं, लेकिन मैं किसी भी विषय को दोहराऊंगा नहीं। केवल एक बात मैं कहना चाहूंगा कि पूज्य गांधी जी अकेले एक व्यक्ति नहीं रह गये, उन्होंने अपने व्यक्ति के भाव को छोड़ा और व्यक्ति के भाव को छोड़कर समाज की ओर बढ़े, समष्टि की ओर बढ़े तो आज वह पूज्य और बहुत आगे बढ़ गये और हमारा सहकारिता विभाग हमेशा व्यक्ति को व्यक्ति से ऊपर उठकर समाज के लिये कुछ करने की, समाज के लिये जीने की प्रेरणा देता है। ठीक इसी प्रकार से पूज्य लाल बहादुर शास्त्री जी को यदि कुछ कहना भी रहा तो एक को नहीं कहा बल्कि उन्होंने दो कहा 'जय जवान जय किसान' और आज सतत विकास के लक्ष्य में जो चर्चा के बिन्दु हमारे सामने हैं वह गरीबी उन्मूलन और भुखमरी, यह दोनों ऐसे विषय हैं जो हमारे सहकारिता से सीधे संबंधित हैं। हमारा सहकारिता आंदोलन इन दोनों चीजों को समाप्त करने के लिये ही निश्चित रूप से लगा हुआ है।

मान्यवर, सहकारिता तो हमारी रग-रग में बसा हुआ है। नैतिकता के नाते भी हमनें कहा है 'सं गच्छध्वं सं वदध्वं, सं वो मनांसि जानताम्' और इतना ही नहीं 'सहनाववतु सहनौभुनक्तु' यही हमेशा हम कहते रहे हैं कि साथ में खाना, साथ में जीना, साथ में रहना, यह सहकारिता का मूल मंत्र हमेशा-हमेशा अपनाते रहे हैं। सहकारिता का मूल मंत्र हमेशा 'बिना संस्कार नहीं सहकार और बिना सहकार नहीं उद्धार' यह सिद्धान्त मानकर हम चलते हैं। आज जब हम वर्तमान कोआपरेटिव एक्ट की, कोआपरेटिव की चर्चा कर रहे हैं तो अभी तक जो बता रहे थे वह हमारे संस्कृत के वह सूत्र हैं जो जीवन पद्धतियों पर आधारित हैं हमारी जीवन

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पद्धति पर है, लेकिन सहकारिता एक्ट के संबंध में सबसे पहले 1895 में निकोलस ने एक कमेटी रिपोर्ट दी थी और उस कमेटी रिपोर्ट को ही सामने रखकर कोआपरेटिव एक्ट की चर्चा और चिन्ता शुरू हुयी। 1904 में कोआपरेटिव एक्ट कोआपरेटिव सोसाईटी एक्ट बना और तत्कालीन जो केन्द में सरकार थी ब्रिटिश सरकार थी उस सरकार ने यह एक्ट बनाया था कोआपरेटिव सोसाईटी एक्ट, लेकिन आज जिस एक्ट के तहत् हमारी यह व्यवस्था चल रही है, वह 1965 में उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव सोसाईटी एक्ट बनाया, उसके तहत् चल रही है। यह जो उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव सोसाईटी एक्ट है इसको बनाने के पीछे अभिप्राय क्या था, इसके पीछे अभिप्राय था उस समय हमारा आराध्य किसान, हमारा आराध्य गांव।

(इसी मध्य सायंकाल 19 बजकर 46 मिनट पर अधिष्ठाता श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही पीठासीन हुए।)

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे गांव का किसान जो हमारी भुखमरी का गरीबी का शिकार था। किसान यह उस समय सीधे अपनी आवश्यकता के लिए सूदखोरों के पास पड़ा हुआ था। उस समय बहुत अच्छी कोऑपरेटिव एक्ट में व्यवस्था हुई। प्रत्येक न्याय पंचायत में एक साधन सहकारी समिति बनाकर हम किसान के परिवार से जुड़ेंगे। किसान के सहयोग के लिए आयेंगे और उसके लिए यह तय किया कि हमारी यह समितियां प्रत्येक न्याय पंचायत में काम करेंगी और उस समय इनकी संख्या 7479 थी। इतनी न्याय पंचायतों में हमने साधन सहकारी समितियां बनायी हैं और इन समितियों के खाते में किसानों को खाद देने का काम किया जा रहा है, बीज देने का काम किया जा रहा है। खाद बीज ही नहीं, इनकी खेती के उपयोग के लिए इनको पैसा उधार देने का काम भी किया जा रहा है, जिससे यह सूदखारों से पैसा न लें, यह हमसे पैसा लें। हम इनको 3 प्रतिशत ब्याज पर पैसा दे रहे थे। हमसे पहले यह जो पैसा ले रहे थे, वह मार्केट में जो सबसे कम रेट था, वह 25 प्रतिशत था, इसके ऊपर ही सारे रेट थे और हमने 3 प्रतिशत के रेट पर पैसा देने का काम शुरू किया है।

आज की तारीख में 2580 पैक्स हमारे लाभ में हैं, 4899 पैक्स हमारे हानि में हैं, लेकिन इन सबके बावजूद UPCB और DCB सब मिलाकर 13500 करोड़ का हमने अल्पकालीन ऋण शार्ट टर्म लोन दिया है। यह हमारी सामान्य गतिविधि है। हम आपको बताना चाहते हैं कि हमने गत वर्ष 14 लाख किसानों को 5638 करोड़ का ऋण दिया है। 1 वर्ष में 14 लाख किसानों को 5638 करोड़ रु0 हमने 3 प्रतिशत ब्याज की दर से इस बात के लिए दिया कि किसान को अपने खेत के लिए कहीं भटकना न पड़े। अब वही साधन सहकारी समितियां, जिनकी हम चर्चा कर रहे थे कि हमारी 2580 समितियां लाभ में हैं, 4899 घाटे में हैं। आखिर यह स्थिति क्यों बनी? इस स्थिति के बनने के पीछे जो कारण था, जब सहकारिता आन्दोलन चला था तो सहकारिता आन्दोलन का लक्ष्य था कि किसानों का भला हो। गांव,

गरीब, किसान का इसके सामने विषय था, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ते गये, कोऑपरेटिव आन्दोलन किसान के हाथ से छिन गया, कोऑपरेटर्स के हाथ से छिन गया। कुछ ग्रुप ने इसको अपने हाथ में ले लिया, कुछ परिवारों ने ले लिया, कुछ लोगों ने ले लिया। बाद में पता चला कि यह जन-आन्दोलन नहीं रहा अब यह व्यक्ति का आन्दोलन, परिवार का आन्दोलन हो गया और इसका यह परिणाम हुआ कि कोऑपरेटिव सोसाइटी लाभ के बजाए हानि में जाने लगी। हमारी सरकार आने के बाद जो पहला काम हमने किया, वह कोऑपरेटिव और उन ग्रुपों से, उन कॉपरेटिव गैंग से मुक्ति दिलाने के लिए नई व्यवस्था का कार्य किया है और उस व्यवस्था में हमने बताया है कि जो दो बार लगातार रह चुका हो, वह तीसरी बार चुनाव लड़कर हो ही नहीं सकता है। उसका परिणाम हुआ कि वह सारे जो कोऑपरेटिव के गैंग, माफिया थे, वह बाहर हो गये। आज हम दावे के साथ कह सकते हैं कि 13437 में से 13203 वह लोग कोऑपरेटिव में चुनकर आ गये, जो सीधे किसान, सीधे सहकारिता से जुड़े हुए लोग थे, उनको कोऑपरेटिव में काम करने का मौका मिल गया और 3 शीर्ष संस्थाओं पर भी सामान्य जन का कब्जा हो गया। उसका परिणाम है कि आज पूरे उत्तर प्रदेश में 50 जिला सहकारी बैंक DCB हैं और UPCB भी हैं। UPCB की 27 शाखायें हैं, DCB की 1266 शाखायें हैं। इन सबके व्यापार का बिजनेस 30000 करोड़ रुपये का है। इनमें से हम लोग 30000 करोड़ रुपये के व्यापार का दावा करते हैं। 24 बैंक तो हमारे बहुत अच्छे थे। 16 बैंक ऐसे थे, जो वीक बैंक थे और वीक जब हम कहते हैं तो हमको यह बताना बहुत आवश्यक हो जाता है कि हमने लोगों का पैसा लिया था, हमारे पास पैसा जमा था, हमने उनका विश्वास अर्जित किया था, लेकिन जब वह पैसा मांगते थे तो हम कहते थे कि हमारे पास पैसा नहीं है। यह विश्वासघात था, लेकिन हमारी सरकार आने के बाद हमने कहा कि यह विश्वासघात समाप्त करेंगे और उसकी जगह पर हमने यह किया कि वह 16 बैंक जो 30 सालों से एक पैसा नहीं दे रहे थे, उनको हमने कहा कि 5 प्रतिशत प्रति तीसरे माह देंगे। जब 5 प्रतिशत प्रति तीसरे माह देने के लिए कहा तब लोगों ने कहा कि आप भीख नहीं दे रहे हैं। उनका पैसा जमा है, उनको दे रहे हैं, आप इस प्रकार से खिलवाड़ क्यों कर रहे हैं? ज्यादा क्यों नहीं दे रहे हैं तो हमने उनसे कहा कि हम न देहन्दा से देहन्दा हो गये। वह 30 साल से नहीं दे रहे थे, हम देने वाले हो गये और हम देने लगे और इस देने का परिणाम है कि आज हम बड़े आनन्द के साथ आपको इस बात की जानकारी देना चाहते हैं कि उन 16 वीक बैंकों में से भी एक वीक बैंक निकल गया, अब 15 हैं। 9 बैंक ऐसे हैं, जो आन डिमाण्ड पैसा दे रहे हैं। 7 बैंक ऐसे हैं, जो कंडीशनल देते हैं, लेकिन अब 5 प्रतिशत प्रति तीसरे माह नहीं है, अब शर्त बदल गयी। पहली किश्त पर उनको हम 40 प्रतिशत देते हैं। दूसरी किश्त पर 25 प्रतिशत देते हैं। तीसरी किश्त पर 25 प्रतिशत देते हैं। चौथी किश्त पर 10 प्रतिशत देते हैं। यानी कि हम देहन्दा ही नहीं हमने उस विश्वास को अर्जित कर लिया है, जिस विश्वास के बल पर हम कह सकते हैं कि हमारे

कोऑपरेटिव बैंक जो व्यापार कर रहे थे, जो उनका निमित्त थे कि किसान का भला होना चाहिए, उनके लिए काम करने लगे और आपको बताते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है हमने जब शुरू किया था जब हमारी सरकार आयी थी। इनमें से एक भी बैंक कम्पयूटराइज्ड नहीं था और आज 50 जिला सहकारी बैंक और एक UPCB उनकी 27 शाखायें हैं और D.C.B. की 1266 शाखाएं सबके सब कम्प्यूटराइज्ड हो गयी हैं। सब सी.बी.एस. से जुड़ गये, सब के.सी.सी. कार्ड वाले हो गये, सब आर.टी.जी.एस. की सुविधा देने लगे और 142 ए.टी.एम. हमने खोल लिए। 41 ए.टी.एम. मोबाइल वैन पूज्य योगी जी के हाथ से हमने अभी चार महीने पहले शुरू की थी, लेकिन उनका परिणाम 41 ए.टी.एम. मोबाइल, जिसमें हम कहते हैं, यह मोबाइल वैन अब यह कहेंगी कि बैंक किसान के दरवाजे पर। हमने उसमें काम किया है, 4 महीने में ही हमने 01 लाख 47 हजार 887 किसानों को 49 करोड़ 68 लाख रुपये की देनदारी की है, पेमेंट किया है। आज हमारे पास अपना प्लेटफार्म नहीं है। हम आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के प्लेटफार्म से काम करते हैं, लेकिन आज आपको बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमको अपना लाइसेंस मिल गया है। हमारा अपना खाता खुल गया है और इसी अक्टूबर में पूज्य योगी जी की डेट मिलने के बाद निश्चित रूप से हमारे पास अपना प्लेटफार्म हो जायेगा और हम किसी बैंक के सहारे नहीं रहेंगे।

ऐसे ही हमारा जो उत्तर प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक है, अपनी साधन सहकारी समितियों के माध्यम से हम अल्पकालीन ऋण तो देते हैं, लेकिन जो दीर्घकालीन ऋण है, वह हम इस ग्रामीण बैंक से देते हैं। दीर्घकालीन ऋण भी हमारा किसानों से संबंधित है। ट्रैक्टर के लिए देंगे, डीजल इंजन के लिए देंगे। वह हम इस प्रकार से किसानों को देते हैं। अभी हमने 300 करोड़ रुपये का ऋण दिया है और कुल 60 लाख किसानों को कुल 13,500 करोड़ रुपये का ऋण हम वितरण कर चुके हैं। एक बात बताते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। ऋण देना और बांटना थोड़ा आसान इसलिए है, क्योंकि जब हमारे पास जुगाड़ होता है और कोई ऋण मांगता है तो हम दे देते हैं, लेकिन वसूली बहुत कठिन है। आज के जमाने में जब सरकार यह कार्य करती है तो कोई न कोई सरकार कर्जा माफ कर देगी, इसलिए कोई ऋण ले तो लेता है, लेकिन ऋण अदा नहीं करता है। उसके कारण हमारे बैंक, हमारा व्यापार प्रभावित हो रहा था, लेकिन इन विगत छः वर्षों में पूज्य योगी जी के नेतृत्व में, सहकारिता विभाग ने वह करिश्मा किया है जो आज तक कोई नहीं कर पाया है। जब से बैंक शुरू हुआ है तब से आज तक वह करिश्मा किसी ने नहीं किया था। साढ़े 13 करोड़ रुपये एक दिन की रिकवरी है। कुल 786 करोड़ रुपया हमने रिकवर किया है। पहले यह बैंक हमारे पास नहीं था, उस समय यह बैंक ऐसे लोगों के पास था, जिन्होंने इसको किसान सेवा के लिए नहीं किया था, बल्कि अपनी सेवा के लिए किया था और रुपया उधार लेकर, रुपये को छोड़ देना उनके स्वभाव में था, लेकिन हमने रुपया दिया भी है और रुपया वसूला भी है। वसूलकर व्यापार कर रहे हैं। अभी तक जो

12000 रुपया लिया गया था, उसको अदा करने के लिए लिया जाता था, लेकिन अब हम दावे के साथ कह सकते हैं कि आने वाले दिनों में जो कर्ज हम पाटेंगे, वह उधार लेकर नहीं पाटेंगे, बल्कि कमाकर पाटेंगे और हम पाटकर पूरा कर रहे हैं। ऐसे ही हमारा जो पी0सी0एफ0 है। इसका कार्य किसानों के लिए खाद वितरण करने का है। हम उर्वरक देते हैं। हमारा जो विषय है गांव, गरीब, किसान, भुखमरी उनके लिए उर्वरक बहुत महत्वपूर्ण है। हमारी साधन सहकारी समितियां उर्वरक बांटती हैं और आज हम कह सकते हैं कि हमने इस साल 10.2 लाख मीट्रिक टन उर्वरक बांटने का लक्ष्य रखा था और हमने 12 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध करा दिया है। अभी तक हम 100 करोड़ की खाद प्री-पोजीशनिंग करते थे। पूज्य योगी जी के कारण, इनके सहयोग से अब हम 150 करोड़ रुपये की खाद की प्री-पोजीशनिंग करने लगे हैं और मूल्य समर्थन योजना में 26 लाख एम.टी. के सापेक्ष 29.86 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदकर 114.85 प्रतिशत गेहूं हमने खरीदा है, जो उत्तर प्रदेश सरकार का गेहूं और धान क्रय का केन्द्र है, उसमें सर्वाधिक क्रय केन्द्र हमारे हैं। सर्वाधिक अनाज खरीदने की हमारी जिम्मेदारी है, सर्वाधिक हमने ही खरीदा है और इसी के साथ एक भी दलाल को मौका नहीं दिया गया।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 मंत्री जी, अब आप समाप्त करें।

श्री मुकुट बिहारी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, ऐसे ही किसानों के लिए विशेष भण्डारण की योजना है। हम खरीद लें, वह अलग विषय है, लेकिन रखेंगे कहां। इससे पहले की सरकारें 7 लाख मीट्रिक टन खरीदती थी तो उनके पास 39 लाख मीट्रिक टन के भण्डारण की क्षमता थी, वह इसमें खुश थे पूरा हो जाता था, लेकिन जब हम 56 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने लगे तो हमारे सामने भण्डारण की समस्या आयी। हमारे अपने 113 भण्डारण के केन्द्र हैं। किराये के 12 हैं, पी.जी. के 152 हैं, हमारी क्षमता आज 44.41 लाख एम.टी. की हो गयी है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 मंत्री जी समय बहुत कम है। अब आप समाप्त करें।

श्री मुकुट बिहारी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज हम भण्डारण का उपयोग 93 प्रतिशत कर रहे हैं और किसान के लिए विशेष छूट दे रहे हैं। एक तो किसान हमारे यहां गल्ला रखेगा तो उसको 30 प्रतिशत की छूट देंगे। गल्ला रख दे, रसीद ले जाये और बैंक से उधार पैसा ले ले। जब उसकी आवश्यकता हो तब वह बेचे। एक बात बताकर हम अपनी बात पूर्ण करेंगे। वास्तव में हमारा यह जो निगम है, इसमें केन्द्र सरकार ने हमको 10 करोड़ रुपया दिया है और प्रदेश सरकार ने

10 करोड़ रुपया दिया है, इस शर्त पर दिया था कि जो लाभांश होगा, उसका 20 प्रतिशत उनको देंगे। 30 महीने में साढ़े 6 करोड़ रुपया भण्डारण में पूज्य योगी जी को दिया है और साढ़े 6 करोड़ रुपया केन्द्र सरकार को दिया है। हमको 10-10 करोड़ दिया था। हमने 30 महीने में ही साढ़े 6-6 करोड़ रुपये उनको वापस किये हैं। मैं बहुत जल्दी अपनी बात को समाप्त करना चाहता हूं। दो विषय छोटे-छोटे कहकर मैं अपनी बात को समाप्त करूंगा। मेरे पास दो निर्माण एजेंसियां हैं, लेकिन जो दोनों निर्माण एजेंसियां UPRNSS, UPCLDF हैं, पुरानी कहानी भूल गए, अब उनके साथ शर्त हो गयी है कि जो पैसा मिलेगा, उतने ही पैसे में, उतने ही समय में गुणवत्तापूर्वक कार्य करना पड़ेगा। पूज्य योगी जी ने स्वयं कई कार्यक्रमों में इस बात की सराहना की है कि वह UPRNSS अब UPRNSS नहीं रहा। अब इसने स्वयं अपने काम को इस प्रकार से करके दिखाया है कि इसकी सराहना की जाए। एक बात मैं भ्रष्टाचार की और कहना चाहता हूं। जब कभी कोऑपरेटिव की बात आती है और हम कहते हैं कि भ्रष्टाचार खत्म कर देंगे, भ्रष्टाचार मिटा देंगे, जीरो टारगेट पर चलेंगे तो आदमी पुरानी कहानी याद कर हंसता है। हम उसमें यह नहीं कहना चाहते कि इतने एफ0आई0आर0 कर दिये हैं, इतने के खिलाफ मुकदमा कर दिया है, इतनी रिकवरी कर रहे हैं, यह नहीं कहना चाहते हैं, लेकिन एक बात कहना चाहते हैं कि कोऑपरेटिव एक्ट में व्यवस्था है, हम व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं, यहां व्यवस्था है प्रत्येक वर्ष जैसे बनिया अपने खाता बही का ऑडिट कराता है, ऐसे ही हमारी सारी सोसाइटी का ऑडिट होना चाहिए, लेकिन 30 साल में नहीं हुआ था। हमने इसीलिए किया है कि अपने आप 4652 समितियों का, 17 डी.सी.एफ. का, 48 उपभोक्ता का, 7 शीर्ष संस्थाओं का ऑडिट भी कराया है, ए.जी.एम. भी कराया है। एक संस्था हमारी हमसे केन्द्र में चली गयी थी, मल्टी स्टेट हो गयी थी, लेकिन अपने सहयोगी का मैं बहुत आभार प्रकट करता हूं मा0 विधायक प्रकाश द्विवेदी जी का कि उनके सहयोग के कारण हमारी समिति आज फिर से उत्तर प्रदेश में वापस आ गयी है। हमारा लक्ष्य सोसाइटियों को कम्प्यूटराइज करने का है। हम चाहते हैं कि किसान के चेहरे पर मुस्कान आये। हम चाहते हैं कि किसान कहे यह हमारी साधन सहकारी समिति है, यही हमारा आधार है। किसान के उपयोग की प्रत्येक चीज हम वहां पर बेचना चाहते हैं। आपने हमें बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***[20:00] श्री नन्द किशोर गुर्जर-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित इस विशेष सत्र में बोलने का अवसर दिया है। मैं महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी को शत शत नमन करता हूं। मुझे बोलने के लिए सस्ती और अच्छी ऊर्जा विषय दिया गया है जिसमें सभी माननीय सदस्यों के विचार पहले ही आ चुके हैं और मेरे जो विचार हैं वह मैं आपके पास पहुंचा दूंगा। जनपद

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

गाजियाबाद की मेरी विधान सभा क्षेत्र लोनी के कुछ अत्यन्त ज्वलन्त मुद्दे हैं जिनकी ओर मैं माननीय सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। मेरा विधान सभा क्षेत्र क्षेत्र लोनी दिल्ली से सटा हुआ है किंतु उसके बावजूद यह पूरे देश का सबसे ज्यादा पिछड़ा हुआ विधान सभा क्षेत्र है। माननीय राजनाथ सिंह जी ने लोनी को नगर पालिका क्षेत्र घोषित कराया था जिसके बाद वहां पर थोड़ा बहुत काम शुरू हुआ था। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब विकास की कुछ उम्मीद दिखाई दी है, नहीं तो इससे पहले लोनी विधान सभा क्षेत्र को केवल अपराध के नाम से जाना जाता था। वहां पर पांच-पांच फुट के गढ़ढ़े थे। क्राइम के नाम पर जो 'जिला गाजियाबाद' के नाम से फिल्म बनाई गई है वह लोनी के माफिया पर बनाई गई है। लोनी को विशेष आर्थिक पैकेज की जरूरत है। मैं चाहता हूं कि लोनी विधान सभा क्षेत्र बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा, चिकित्सा के मामले में बिल्कुल जीरो है। लोनी में 16 लाख की आबादी होने के बावजूद कोई डिग्री कालेज नहीं है, कोई मेडिकल कालेज नहीं है, कोई अस्पताल नहीं है और विकास के नाम पर कुछ नहीं है। यह अच्छी बात है कि हमारे बीच में हमारे नगर विकास मंत्री माननीय टण्डन जी बैठे हुए हैं तो उनसे भी मेरा निवेदन है कि लोनी को कोई विशेष पैकेज दे दीजिये क्योंकि लोनी नगर पालिका की आबादी लगभग 16 लाख है और नगर पालिका के वोट पांच लाख के लगभग हैं। विधान सभा क्षेत्र के वोट 06 लाख से ज्यादा है। मुझे लगता है कि इससे बड़ी नगर पालिका पूरी दुनियां में कहीं नहीं होगी। यह दिल्ली का बार्डर है, आधा लोनी दिल्ली में घुसा हुआ है और दिल्ली लोनी में घुसी हुई है।

विधान सभा के विशेष सत्र में जब गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर विकास की बात हो रही है तो लोनी विधान सभा क्षेत्र के विकास के लिए भी एक विशेष पैकेज की जरूरत है। लोनी में अवैध खनन बहुत हुआ है जिसका परिणाम है कि वहां पर अधिकांश आबादी लो लैण्ड एरिया पर बसी हुई है। पूरे देश के लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए दिल्ली के नजदीक आकर बसे हैं। जैसे ही बारिश होती है तो हर साल जल भराव और मकान गिरने के कारण दो-चार लोग दबकर मर जाते हैं। इसलिये मेरा अनुरोध है कि जल निकासी के लिए एक विशेष पैकेज जल निगम को देने की कृपा करें। नगर पालिका की 16 लाख की आबादी और देहात क्षेत्र को मिलाकर लगभग 18 लाख की कुल आबादी के लिए वहां पर आजादी के 70 साल बाद भी कोई डिग्री कालेज नहीं है। इसलिये मेरा अनुरोध है कि क्षेत्र के लोगो को उच्च शिक्षा देने के लिए वहां कम से कम दो डिग्री कालेज बनने चाहिये। हमने मेट्रो के विस्तार का प्रस्ताव दिया हुआ है क्योंकि मेट्रो लोनी के बार्डर तक आई हुई है और यदि उसको बढ़ाकर आवास विकास तक कर दिया जाये तो सरकार का राजस्व बढ़ेगा और आवास विकास की जो बहुत बड़ी स्कीम बनने जा रही है उससे भी लोनी क्षेत्र का अपने आप में सुधार होगा। लोनी क्षेत्र के अन्तर्गत तीन नहरें आती हैं जो बिल्कुल समाप्त हो चुकी हैं। वहां के किसान खेती के लिए अपने साधनों पर निर्भर होने को मजबूर हैं। पिछले बीस साल से यह नहरें नहीं चल रही

हैं तो इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। एक और बड़ी बात यह है कि लवणासुर राक्षस के नाम पर लोनी नाम पड़ा है। एक लवण राक्षस था जिसको भगवान श्री परशुराम जी के कहने पर शत्रुघन महराज ने मारा था। लवण राक्षस की राजधानी होने के कारण लोनी नाम पड़ा है। लोगो की मांग है कि लोनी का नाम बदलकर भगवान परशुराम जी के नाम पर परशुराम नगर किया जाये और इसका प्रस्ताव भी हमने दिया है। दिल्ली सहारनपुर रोड एन0एच0ए0आई0 घोषित हो गया है लेकिन लोनी के अन्दर का आठ किलोमीटर का टुकड़ा ना तो पी0डब्ल्यू0डी0 के पास है और ना ही एन0एच0ए0आई0 के पास है। वहां पर पूरा जल भराव रहता है और गाड़ियां डूब जाती है तो ऐसी हालात में जब दिल्ली का आदमी यहां आता है तो उत्तर प्रदेश के बारे में बहुत खराब छवि बनती है। वहां पर नित्य एक्सीडेन्ट भी होते हैं इसलिये कई सड़को का चौड़ीकरण कराये जाने की भी आवश्यकता है। लोनी में एक बंद फाटक है जहां से लाखों लोग गुजरते हैं तो मेरा आपसे अनुरोध है कि वहां पर एक फ्लाईओवर या अण्डरपास बना दिया जाये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया जिसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

*[20:05] **श्री पंकज सिंह**-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज बहुत सारे लोगो ने अपना मत रखा है और मुझे भी लैंगिक असमानता और जलवायु परिवर्तन पर बोलने के लिए कहा गया है। मैं बहुत ही संक्षेप में अपने विषय को रखने की कोशिश करूँगा। मैं यहां पर जो दोनों विषय रख रहा हूं उनमे से जलवायु परिवर्तन को एक दैवीय शक्ति संचालित करती है और दूसरा विषय नारी शक्ति और मातृ शक्ति से संबंधित है। मैं यह कह सकता हूं कि यह दोनों शक्तियां चाहे वह दैवीय शक्ति हो और चाहे मातृशक्ति हो और मैं साथ में महिला शक्ति भी जोड़ता हूं। यह तीन शक्ति ऐसी हैं कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति हो, दुनिया का कितना ही शक्तिशाली व्यक्ति क्यों ना हो वह इन शक्तियों के सामने अपना सिर झुकाने के लिए मजबूर होता ही है और इसका सम्मान करता ही है। आज इन दोनों विषयों पर बोलने का मुझे मौका मिला है। मैं जिस माननीय सदन में खड़े होकर बोल रहा हूं वह सदन ही अपने आप में महिला सशक्तीकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है क्योंकि इस देश को पहली महिला मुख्य मंत्री इसी सदन ने श्रीमती शुचेता कृपलानी जी के रूप में दिया है और इसी प्रदेश ने देश को पहली महिला गवर्नर श्रीमती सरोजनी नायडू जी के रूप में दिया है। इस प्रकार अपने आप में उत्तर प्रदेश से महिला सशक्तीकरण का बड़ा संदेश हमारे इस उत्तर प्रदेश से जाता है। मैं समझता हूं कि जब तक महिलाओं का सशक्तीकरण नहीं होता है, असमानता दूर नहीं की जा सकती है, जब तक इस देश की आधी आबादी को इस राष्ट्र निर्माण में पूरी भागीदारी करने का अवसर नहीं मिलता है तब तक जो लक्ष्य हम फिक्स करेंगे उन्हें हासिल करना मुमकिन नहीं हो पायेगा। मैं तो यह

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कहता हूं कि महात्मा गांधी जी ने जो भी विषय सोचा था आजादी के पहले और आजादी के बाद के हिन्दुस्तान के लिए वह सारे विषय आज यूनाईटेड नेशन्स के सतत विकास के लक्ष्य के रूप में दिये गये हैं। गांधी जी ने बहुत पहले ही उन सब विषयों पर चर्चा की है और बहुत पहले ही उन सब विषयों को उन्होंने अपनी दूरदृष्टि से देख लिया था। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि गांधी जी के उन सभी विषयों को जो बाद में हमारे यूनाईटेड नेशन्स के सतत विकास के लक्ष्य के रूप में लिये गये हैं उन्हें साकार करने का काम हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सम्भव हो पा रहा है।

महात्मा गांधी जी के उन सब सपनों को साकार करने का काम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कर रहे हैं। अभी कुछ समय पहले गीता रबरी जो एक लोक गायिका हैं जब वह माननीय प्रधानमंत्री जी से मिली थी तो उन्होंने अपना एक संगीत और गीत डेडीकेट किया और माननीय प्रधानमंत्री जी ने उसको ट्वीट करके कहा कि गीता रबरी जी जैसी स्त्री गायक और कलाकार हमारे देश के नौजवानों के लिए और हमारे देश की महिलाओं के लिए प्रेरणा देने का काम करती हैं। सच में अगर गीता रबरी जी की कहानी हम देखेंगे तो पायेंगे कि उनके परिजन उनको स्कूल नहीं भेजते थे। वह स्कूल नहीं जाती थी लेकिन जब 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के बारे में उन्होंने सुना और पोस्टकार्ड देखा तो उनके पिता और परिवार ने भी निर्णय लेकर अपनी बेटी को पढ़ने-लिखने के लिए, कला और अन्य क्षेत्र में आगे जाने का अवसर दिया। माननीय प्रधानमंत्री जी जो विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं जब उनसे गीता रबरी मिलती हैं तो गीता रबरी के ट्वीट से पहले ही हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ट्वीट करके उनको सम्मान देने का काम किया है।

स्वाभाविक रूप से हमारी सरकार चाहे प्रदेश में हो अथवा चाहे केन्द्र में हो हमारा नेतृत्व लगातार महिला सशक्तीकरण के लिए और महिलाओं के लिए असमानता समाप्त करके उनको नई ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए प्रयासरत हैं और बहुत सारी योजनायें भी चलाई गई हैं। चाहे इसमें ट्रिपल तलाक को समाप्त करना हो, चाहे यह हमारा वन स्टाप सेण्टर हो, वर्किंग वुमेन को हास्टल देना हो, उज्जवला योजना के माध्यम से महिलाओं के सशक्तीकरण की बात करनी हो यह सब काम हमारी सरकारों ने किया है। ट्रिपल तलाक की विक्टिम्स को 6000 रुपये देना उत्तर प्रदेश सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। आज समाज में भी यह संदेश साफ गया है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जो 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देकर वर्ष 2014 में सत्ता में आगे बढ़ी थी उसको साकार करने के लिए पूरी ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ वह काम कर रही है। यह कहा गया है कि हमें सारे गोल्स पर बोलते हुए अपनी कान्स्टीचुएन्सी के साथ सम्बद्ध करके बोलना है। मैं बहुत संक्षेप में अपनी नोएडा कान्स्टीचुएन्सी के विषय में कहूंगा क्योंकि नोएडा पूरे उत्तर प्रदेश का शोकेस कहा जाता है। मैं यह मानता हूं कि नोएडा हमारे उत्तर प्रदेश का ही परसेप्सन नहीं बनाता है बल्कि यदि नोएडा

बेहतर होता है तो वह हमारे देश का परसेप्सन विदेशों तक में बनाता है क्योंकि बाहर के भी काफी लोग यहां रहते हैं और यहां के लोग बाहर भी रहते हैं। वहां इण्डस्ट्रीज हैं और वहां पर काम करने के लिए बहुत सारे माईग्रेन्ट्स भी हैं तो स्वाभाविक रूप से वहां पर सुरक्षा का इशू रहता है। इसके लिए हमने चर्चा किया है और हमारी कोशिश है कि वहां पर लगभग साढ़े छह सौ सी0सी0टी0वी0 कैमरा लगाकर पूरे शहर को कैमरे की जद में लेकर पूरे शहर को महिलाओं के लिए सुरक्षित करने का काम किया जाये। पिंक टायलेट का लगातार वहां पर निर्माण हो रहा है। अभी दो दिन पहले भी हम लोगो ने उसका उद्घाटन किया है। साथ ही साथ मुझे यह कहते हुए भी खुशी है कि जो वर्किंग वुमेन हैं जो काम करने के लिए निकलती हैं चाहे लड़कियां हो, चाहे महिलायें हो उन सबके लिए हम लोग दशहरे के बाद एक एप्लीकेशन लांच करने वाले हैं जिसमें घर से निकलने के बाद अगर कहीं पर कोई घटना होती है या घटना होने का एहसास भी होता है तो तुरन्त उस एप्लीकेशन के माध्यम से वह शिकायत कर सकती हैं और जानकारी दे सकती है। हमारे हिन्दुस्तान की आर्थिक प्रगति में जब तक हमारी आधी आबादी का हिस्सा नहीं जुड़ेगा तब तक हमारा देश आर्थिक रूप से प्रगति करता हुआ नहीं दिखाई देगा। बहुत सारे विषय हैं आज मैं यह कह सकता हूं कि महिलायें चाहे जहां हो, चाहे वह आर्मी में हो, चाहे वह एयरफोर्स में हो, एयरफोर्स में तो वह विमान लेकर लगातार नई ऊंचाईयों पर जा रही हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर जो जो बी0एस0एफ0 की परेड निकलती है उसमें सामान्यतः पुरुष ही करतब दिखाते हैं लेकिन इस बार लगभग 161 महिला जवानों ने यह कार्य किया है। यह सारी चीजें अपने आप में संदेश देती हैं कि हमारे देश में महिलाओं का सशस्तीकरण अब हो रहा है। महिलायें तेजी के साथ आगे बढ़ रही हैं। मैं जलवायु परिवर्तन के विषय पर कुछ बातें कहकर अपनी बात समाप्त करूँगा।

आज सिंगल यूज प्लास्टिंग से लेकर तमाम मुद्दो पर हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने चर्चा की है। यहां पर जल संरक्षण की भी चर्चा की गई है। पानी की एक-एक बूंद का कितना महत्व है इसके संबंध में भी बहुत सारे वक्ताओं ने यहां पर चर्चा की है। मैं महात्मा गांधी जी की एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि गांधी जी ने यह कहा था कि 'सटेसफाई इवरी मैन्स नीड्स, बट नॉट इवरी मैन्स ग्रीड्स' अर्थात सबकी जरूरतों के लिए तो हमारे पास प्राकृतिक संसाधन तो बहुत हैं लेकिन लोगो के लालच के लिए और बिना संयम के उनका उपयोग करने के लिए वह नहीं है। एक कान्सेप्ट है और एक कान्सेप्ट है कि अर्थ ओवर शुड डे कहा जाता है। बजट जो होता है, एक समय के बाद जब बजट एग्जास्ट होता है तो फिर अलग से एक बजट पेश किया जाता है तो एक अर्थ ओवर शुड डे भी कहा जाता है, जिसमें कि जितनी डिमाण्ड हो प्राकृतिक संसाधन की, वह जब समय से पहले ही एक साल में जितना प्रकृति स्वयं उसको बनाती है, उससे पहले ही अगर समाप्त हो जाए तो यह वर्ल्ड, यह अर्थ ओवर शुड डे कहा जाता है और वह लगातार, पहले वह अक्टूबर-नवम्बर में समाप्त होता था, धीरे-धीरे

खिसकते हुए सितम्बर और अगस्त में और इस बार तो जुलाई तक कहा जाता है कि वह जुलाई में ही समाप्त हो रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें।

श्री पंकज सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, एक-दो विषय पर मैं बोल कर समाप्त करूँगा। मान्यवर, महत्वपूर्ण इश्यू है, इस बात की हम लोगों को खुशी होनी चाहिए, गर्व है इस बात का कि अभी यूनाइटेड नेशन्स के डाइरेक्टर ने जो इन्वायर्नमेंट प्रोग्राम देखते हैं, उन्होंने भी क्लाइमेट चेन्ज टैकेल करने के लिए, जलवायु परिवर्तन के विषय पर हमारे प्रधानमंत्री जी को एक ग्लोबल लीडर के रूप में देखा है, स्वीकार किया है, एक विश्व के लीडर के रूप में स्वीकार किया है और जो इण्टरनेशनल सोलर एलायन्स बना है, जिसका एनीसिएट भी हमारे देश ने ही किया था, भारत देश ने ही किया था, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने ही वह किया था और 121 देशों का यह एलायन्स तैयार हुआ है। जिसमें सन साइन कन्ट्रीज आते हैं और हमारे प्रधानमंत्री जी ने भी उन सन साइन कन्ट्रीज को सूर्य-पुत्र का नाम दिया है। कैसे सारे देश अब आगे आकर जो रिन्युएबल एनर्जी को लेकर और जो क्लाइमेट चेन्ज को लेकर चर्चा और एक एडवेन्चर शो में भी जो क्राइन ड्रिल्स के साथ, तो एक एडवेन्चर शो प्रधानमंत्री जी ने अभी किया, उसमें भी बहुत सारी चर्चाएं उन्होंने जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी की, जिसमें कि जुगाड़ से बनी हुई नाव पर वह चलते हुए दिखायी दिए थे। यह बहुत सारे विषय हैं, अध्यक्ष जी, लेकिन मैं जानता हूं, बहुत सारे लोगों ने अभी बोला, समय ज्यादा नहीं लेना चाहिए। बहुत-बहुत धन्यवाद आपका, आपने बोलने का अवसर दिया।

*[20:17] **श्री देवेन्द्र सिंह लोधी 'एडवोकेट'**-

अधिष्ठाता जी, आपने मुझे महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर बोलने का अवसर दिया। मैं सरकार को इस बात की बधाई देता हूं कि सरकार ने ऐसे महापुरुष कर्मयोगी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्म दिवस पर बुलाया है। जिन्होंने अपना सारा जीवन देश और समाज के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अहिंसा परमो धर्मः के सिद्धान्त पर चलकर जनता को एकजुट करके आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। माननीय अध्यक्ष जी, मेरा विषय 'स्वच्छता' है। गांधी जी अहिंसा के साथ-साथ, स्वच्छता के भी पुजारी थे। महात्मा गांधी जी कहा करते थे कि गंदगी बीमारी की जड़ है। जहां गन्दगी होगी, वहां बीमारी होगी और जहां पर सफाई होती है, वहां ईश्वर का वास होता है और सफाई से सारी बीमारियां दूर हो जाती हैं। मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और अपने प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मंत्री जी को बधाई देता हूं, जिन्होंने महात्मा गांधी जी के सपनों को साकार करने के लिए देश में एक नई मुहिम की शुरूआत की। स्वच्छता के कार्यक्रम जन-जन तक पहुंचना चाहिए और जन-जन की उसमें भागीदारी होनी चाहिए, तभी इस मुहिम का लाभ आम जनता तक पहुँचेगा। तभी आम जनता के जीवन में एक नयी क्रान्ति आयेगी। शहर हो, गांव हो, मोहल्ला हो, यदि वह स्वच्छ होंगे, तभी वहां की जनता निरोगी होगी।

दूसरा बुनियादी ढांचे पर मेरा विषय है। मैं प्रदेश में केन्द्र सरकार को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि उद्योग लगाने से पहले बुनियादी ढांचे तैयार करके सरकार ने बड़े-बड़े हाई-वे बनाये। एक जिले से दूसरे जिले की दूरी को कम किया है। सरकार ने विद्युत व्यवस्था में आमूल-चूल कामयाबी हासिल की है। शहरों में 24 घण्टे लाइट, गांवों में 18 से 20 घण्टे लाइट, यह आदरणीय मुख्य मंत्री जी की कुशलता का परिचायक है। उद्योग-धन्धों के लिए लाइट, सड़कें, ट्रान्सपोर्ट की आवश्यकता होती है। सरकार ने बुनियादी ढांचे तैयार कर जो उद्योग-धन्धे स्थापित किए हैं, उसमें गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं को रोजगार की प्राप्ति हुई है। अब मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र की समस्या के बारे में भी मान्यवर को अवगत कराऊंगा। मेरी विधान सभा क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी हुई है, जहां पर एक विश्वविद्यालय का निर्माण किया जाना अति आवश्यक है। ग्रामीणों को उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके, उनके जीवन में भी परिवर्तन हो सके। मान्यवर, मेरे क्षेत्र में बी0बी0 नगर पड़ता है, वह गन्ने के उत्पादन का बड़ा क्षेत्र है, उसमें काश्तकारों के लिए जो गन्ना क्रय केन्द्र हैं, उसमें प्राब्लम आ रही है, इसलिए वहां पर अधिक से अधिक गन्ना क्रय केन्द्र लगवाये जायें। दूसरा मेरे यहां सड़कों की जो स्थिति है, तीन सड़कों की स्थिति बहुत खराब है। लखावटी से खानपुर तक की रोड बहुत जर्जर हो गयी है और उसमें गड्ढे हो गए हैं, उसका शीघ्र से शीघ्र निर्माण हो। एक जहांगीराबाद से दौलतपुर की जो रोड है, उसकी स्थिति भी बहुत खराब है, उसका भी शीघ्र से शीघ्र निर्माण हो। अधिष्ठाता जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, जय-हिन्द, जय भारत।

***[20:20] श्री राजीव तरारा-**

अधिष्ठाता महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने इस शुभ अवसर पर बोलने का अवसर दिया और मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के चरणों में अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूं। देश के दूसरे प्रधानमंत्री, आदरणीय लाल बहादुर शास्त्री जी के चरणों में भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और मुझे जो विषय दिए गए हैं। चूँकि समय कम है, जब से विधान सभा सत्र शुरू हुआ है, तब से लेकर इसी विधान भवन के अन्दर हैं, लगभग 33 घण्टे 20 मिनट हो चुके हैं। (सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) हमारे 6-7 माननीय विधायक भी साथ दे रहे है। मुझे जो विषय दिया गया है ' गरीबी उन्मूलन और पृथ्वी पर जीवन', अपने क्षेत्र की

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

समस्याओं को अपने विषय से जोड़ता हूं। मान्यवर, मेरा विधान सभा क्षेत्र धनौरा, तिगरी धाम, जिसको माननीय मुख्य मंत्री जी ने सरकारी मेला घोषित करके वहां पर सम्मान दिया। उस तिगरी धाम का सौन्दर्यीकरण और घाटों का निर्माण करके यदि उसको बृजघाट तक पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जायेगा तो निश्चित तौर पर गरीबी का उन्मूलन होगा और रोजगार के अवसर वहां पर उपलब्ध होंगे। मान्यवर, गांधी जी ने जो सपना देखा कि स्वस्थ शरीर व्यक्ति को मिलना चाहिए, स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। इसके लिए हमारी केन्द्र और राज्य दोनों सरकारें काम कर रही हैं, माननीय मोदी जी के नेतृत्व में और आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में। मैं उनको बधाई देना चाहता हूं और उनसे मांग करता हूं कि हमारा वह गजरौला औद्योगिक क्षेत्र जो स्टेट हाई वे 51 पर स्थित है और नेशनल हाई वे 24 जो पुराना है और नया नाम जिसका 09 का दिया गया है। इस औद्योगिक नगरी में अक्सर दुर्घटनाएं घटती रहती हैं। चिकित्सा के वहां पर संसाधन उपलब्ध नहीं हैं।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि जो प्रदूषण से युक्त नगरी है, वहां पर समय पर चिकित्सा न मिलने के कारण बहुत से हमारे भाई-बहन अपने जीवन की बाजी हार जाते हैं। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि वहां पर एक ट्रामा सेण्टर बनाया जाए, जिससे वहां पर चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध हो सके और उनके जीवन की रक्षा हो सके। मान्यवर, एक और मांग करता हूं। वहां पर जो जुबलेंट फैक्ट्री है, वह बहुत ज्यादा प्रदूषण फैला रही है, जिसके कारण चर्म रोग, सांस की बीमारियां, कैंसर जैसी भयंकर बीमारियां, जल-प्रदूषण, वायु प्रदूषण वहां पर लोगों को भोजन के रूप में मिल रहा है, जिसके कारण भयंकर बीमारियां पैदा हो रही हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि उसकी जांच की जाए और वहां पर जो सी0एस0आर0 फण्ड होता है, उसे शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए खर्च किया जाए और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उस सी0एस0आर0 फण्ड का प्रयोग हो। माननीय अधिष्ठाता महोदय मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि हमारा जो चकनवाला और शीशोवाली के बीच गांव पड़ता है, वहां के 25-30 गांव नदी के पार पड़ते हैं, आज तक पुल का निर्माण इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि वह क्षेत्र वन निधि बिहार के अन्तर्गत आता है और एन0ओ0सी0 लेने में बहुत सारी परेशानियां हो रही हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि उस प्रणाली को सरल करके वहां पर पुल का निर्माण हो। हमारे 05 गांव गंगा की धाराओं के बीच में स्थित हैं। उन्हें गंगा की धाराओं के बीच से सुरक्षित निकाल करके वन भूमि का भू उपयोग परिवर्तित करने के बाद उनको वहां बसाया जाए ताकि उनको भी अपना जीवन स्वतंत्रतापूर्वक जीने का अधिकार प्राप्त हो। आपके माध्यम से एक और मांग करता हूं। खादर क्षेत्र में कोई भी कन्याओं का महाविद्यालय नहीं है। वहां पर कन्याओं के लिए एक महाविद्यालय की स्थापना हो जाए और जो आधारभूत सुविधाएं हैं, उनकी अगर वहां पर सुलभता होगी और वह मिलेंगे तो निश्चित तौर पर गरीबी मिटेगी

और पृथ्वी पर जो जीवन है, उसको जीने में सहयोग मिलेगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करते हुए अपनी बात पूरी करता हूं, जय-हिन्द, वन्दे मातरम्।

*[20:25] **श्री संजय**-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आज आपने बहुत ही विशिष्ट अवसर पर मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया है, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। कल 02 अक्टूबर का दिन इस देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और इस देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिन था। दोनों ही महापुरुषों ने इस देश के लिए जो योगदान किया, आज इस सदन ने जो उनके जन्मदिन के अवसर पर यह विशेष सत्र बुलाया है, उसके लिए मैं आपको, आदरणीय अध्यक्ष जी को, आदरणीय मुख्य मंत्री जी को, सबको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। यह बहुत महत्वपूर्ण अवसर है कि हमने आदणीय गांधी जी के जन्मदिन पर यह विशेष सत्र बुलाया है। लेकिन उसके साथ यह और भी महत्वपूर्ण है कि हमने यू0एन0 के जो 17 गोल वाला मिशन है, एस0डी0जी0-17 जिसको हम बोलते हैं। हमने उसको इस सत्र में चर्चा करने का विषय लिया है। महोदय, जो यह 17 गोल हैं और जिनमें से 16 गोल्स पर इस सदन में चर्चा हो रही है। वे सारे के सारे गोल्स ऐसे हैं जो हम सब को अपने बहुत नजदीक दिखायी देते हैं। हम देखेंगे तो अपने गांव में, अपने क्षेत्र में वह परेशानियां दिखायी देती हैं। लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि ये परेशानियां अब सिर्फ गांव की, क्षेत्र की, प्रदेश की और देश की नही रह गयी हैं, अब यह ग्लोबल इश्यूज बन चुके हैं। अब यह ग्लोबल कन्सर्न बन चुके हैं और ऐसे महत्वपूर्ण विषयों को आज उत्तर प्रदेश की सरकार ने और इस सदन ने उसके साथ अपने को सम्बद्ध किया है और उसके साथ कदम से कदम मिला करके उन पर काम करने का विनिश्चय लिया है। इसके लिए हम बधाई देते हैं। महोदय, मुझे जो विषय दिया गया है, सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा, हमें अपनी सभी जरूरतों के लिए ऊर्जा की आवश्यकता पड़ती है और वह देश जहां पर अभी तक 18 हजार गांव, जिन्होंने कभी बिजली नहीं देखी थी, जहां बिजली पहुँचाना मुश्किल था। जिस प्रदेश में 05 जनपदों को छोड़ करके 2017 तक 2 से 4 घण्टे बिजली मुहैया नहीं होती थी, वहां आज हम 18 से 20 घण्टे बिजली दे रहे हैं, ऊर्जा दे रहे हैं, हमारे उद्योगों को ऊर्जा मिल रही है। हमारी सरकार उसके लिए बधाई की पात्र है। लेकिन आज हमको एक नया चैलेन्ज मिल रहा है, वह है सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा। महोदय, जब हम ऊर्जा की बात करते हैं, ऊर्जा और प्रकृति दोनों एक दूसरे के विरोधाभासी हैं। हम जितनी ऊर्जा लेते हैं, उस ऊर्जा का बहुत बड़ा हिस्सा प्रकृति के साथ खिलवाड़ करके आता है। हमारी प्रकृति हमको ऊर्जा के बहुत सारे साधन उपलब्ध कराती है। हम अगर उनका दोहन करेंगे तो प्रकृति खुशी-खुशी हमारी जरूरतों को पूरा करेगी। लेकिन जब हम उसका दलन करना शुरू कर देते हैं तो प्रकृति भी हमारे साथ खिलवाड़ करना शुरू कर देती है। आज अप्रत्याशित बाढ़ हम बिहार में देख रहे हैं। हमारे पूर्वी

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उत्तर प्रदेश में बाढ़ आ रही है। हमारी नदियां- गंगा जी कहां गईं, यमुना जी का क्या हाल है, गोमती नदी का क्या हाल है, कोसी कहां है और साई नदी कहां है, वरूणा कहां है, अस्सी कहां है? यह सारी नदियां धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं। हमको इस विषय पर बहुत गंभीरता से विचार करना होगा कि हम ऊर्जा के स्रोतों को किस तरह से एक से दूसरी तरफ परिवर्तित करें।

महोदय, जब मैं 1992 में इंजीनियरिंग का छात्र था तो रियो डि जिनेरो में एक अर्थ समिट हुआ था। हम सोचते थे कि यह समिट क्यों किया जा रहा है, आखिर इस अर्थ के ऊपर क्या परेशानी आ गयी है? तो पता चला कि पर्यावरण को निरंतर खतरा है। मैंने उस विषय में बाद में एम0टेक भी किया। लेकिन जब मैं एम0टेक कर रहा था तो पर्यावरण का विषय बताने के लिए लोगों को हमें समझाना पड़ता था कि हम पर्यावरण में पढ़ते क्या हैं? यानी कि उस समय तक हम पर्यावरण के प्रति बिल्कुल जागरूक नहीं थे और पिछले 20-25 सालों में प्रकृति ने जो करवट बदली है, आज पूरा का पूरा देश, पूरी दुनिया, चाहे ग्लोबल वार्मिंग हो, चाहे और सारे इश्यूज हों, उन पर चिन्तित है। आज महोदय, हमारे देश की ढाई लाख मेगावॉट की जरूरत है और मुश्किल से उसका 20 प्रतिशत सिर्फ ऐसे स्रोतों से लेते हैं, जो प्रकृति को सीधा नुकसान नहीं पहुँचाती हैं। आज 20 : 80 का रेसियो है और अगर 2050 तक इसको 80 : 20 में परिवर्तित नहीं किया तो प्रकृति क्या त्रासदी हमको देगी, हम लोग सोच भी नहीं सकते हैं। महोदय, आज उत्तर प्रदेश के विषय में अगर बात करूँ तो हमारे प्रदेश की 22 हजार मेगावॉट की रिक्वायरमेण्ट है लेकिन उसमें से मात्र 894 मेगावॉट हम लोग सोलर या अदर सोर्सेज से प्राप्त करते हैं, जो मुश्किल से 4-5 प्रतिशत है। हमें इसको बहुत आगे बढ़ाना पड़ेगा। आज इस देश में सोलर एनर्जी की जो सम्भावनाएं विकसित हो रही हैं, उस पर हमको निरन्तर काम करना चाहिए। आज मैं लाल बहादुर शास्त्री जी को याद करूँगा। जब हमारे देश में अन्न की बहुत कमी थी तो उन्होंने यह नारा दिया था जय जवान जय किसान। उन्होंने कहा था कि यदि देश के घरों की छतों पर भी यदि क्षमता हो तो अन्न उगाइए। आज मैं आपके माध्यम से यह सन्देश देना चाहता हूं कि अगर हमें अपनी छतों का इस्तेमाल ऊर्जा के उत्पादन के लिए करना पड़े तो करना चाहिए और रूफ टॉप सोलर सिस्टम को और ज्यादा बढ़ावा देना चाहिए। अभी हमारी जो 22 हजार मेगावॉट की ऊर्जा है उसमें 30 परसेण्ट चोरी में चला जाता है। चोरी में, वितरण में, ट्रांसमिशन लॉसेज़ में चला जाता है, यानी कि 6500 मेगावॉट हम खो देते हैं।

(इसी मध्य रात्रि के 20 बजकर 32 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

यदि हम उसी को स्थानीय स्तर पर पैदा करेंगे तो हमारे वे लॉसेज बन्द हो जाएंगे। मैं यह सन्देश देना चाहता हूं कि हमारे मोदी जी का जल संचयन में सन्देश है मोर क्रॉप पर ड्रॉप यानी एक बूँद पानी से ज्यादा से ज्यादा फसल। हमें ऐसे ही विद्युत ऊर्जा के क्षेत्र में भी सन्देश देना चाहिए मोर वर्क पर वॉट यानी हम एक वॉट बिजली से कितना ज्यादा से ज्यादा काम कर

सकते हैं। महोदय, आज हमारा एक बल्ब जलता छूट जाता है, एक पंखा चलता हुआ छूट जाता है तो उसके लिए कहीं पर कोयला जल रहा होता है, कहीं पर ईंधन जल रहा होता है। हमें इस बचाव की तरफ भी अपना ध्यान देना होगा। हम आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहते हैं और हमारे मा0 ऊर्जा मंत्री जी भी यहां पर आ गए हैं। मैं एक अनुरोध करना चाहता हूं, मैं अपने क्षेत्र में एक गांव को स्मार्ट इलेक्ट्रिसिटी पॉजिटिव विलेज के रूप में डेवलप करना चाहता हूं। जहां हम सोलर रूफ टॉप लगाएं और उस गांव को हम पॉजिटिव विलेज बना करके दिखाएं। वह गांव जितनी बिजली ग्रिड से लेता हो, उससे ज्यादा बिजली वह गांव पैदा करके दिखाए। यह एक मॉडल के रूप में काम करेगा। मुझे लगता है कि आने वाले भविष्य में हम सब लोग ऊर्जा की जो खपत है, उसमें कन्वेंशनल एनर्जी के स्थान पर नॉन कन्वेंशनल एनर्जी को लेकर आएंगे। इससे हम निश्चित रूप से यू0एन0 के इस मिशन, इस लक्ष्य को प्राप्त करके दिखाएंगे। मेरा एक और अनुरोध है कि ये जो 16 विषय यहां पर डिस्कस हो रहे हैं, इन पर चर्चा बहुत गम्भीर हुई है। इसका पूरा एक दस्तावेज तैयार होना चाहिए और अगर हम वर्ष 2030 तक इस लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं तो चाहे ग्राम सभा की एक समिति बने, चाहे सरकार कोई ऐसी कमेटी बनाए जिसके माध्यम से हम इन लक्ष्यों को निरन्तर फॉलो करें। तभी हम सही मायने में इस सत्र को सार्थक कर पाएंगे और गांधी जी तथा लाल बहादुर शास्त्री को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर पाएंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

***[20:34] संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। सबसे पहले मैं राष्ट्र पिता परम पूज्य गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी जिनका कल जन्म दिवस था, उन दोनों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मान्यवर, महात्मा गांधी के सम्बन्ध में हमारे बहुत से साथियों ने हाउस में बहुत कुछ कहा। मैं उसको दोहराऊंगा नहीं। मैं दो-तीन लाइनों में दो-तीन बातें कहूंगा। महात्मा गांधी जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन जो तमाम आदर्श हम दुनिया को बताते हैं, उन्होंने उनको अपने जीवन में, अपने व्यवहार में उतारा था। यह सबसे बड़ी बात है और हम दावे के साथ कह सकते हैं कि हम में से जितने भी लोग यहां पर बैठे हैं, अगर वे महीने में एक दिन इस बात का संकल्प करें कि हम गांधी जी के बताए हुए रास्ते पर महीने में एक दिन चलेंगे तो मैं समझता हूं कि बहुत से लोगों का उससे कल्याण भी होगा और उनके मन तथा आत्मा को बहुत बड़ी शान्ति भी मिलेगी। मान्यवर, मैं आपको बधाई देना चाहता हूं इस किताब के लिए, यह किताब जो आपने लिखी है। मैंने इसके 36 पेज पढ़े हैं। गांधी जी के सम्बन्ध में मैंने कई किताबें पढ़ी हैं, हिन्द स्वराज पढ़ी, ग्राम स्वराज भी पढ़ी, उनकी आत्मकथा भी पढ़ी, लेकिन जिस प्रकार से इस किताब में विश्लेषण किया गया वह अपने आप में अद्वितीय है। राम बहादुर राय जी ने ठीक ही कहा है कि ऐसी

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

किताब गांधी जी के ऊपर हमारे जैसे कम पढ़े-लिखे आदमी ने तो नहीं देखी लेकिन उन्होंने जब कहा तो हमको अच्छा लगा कि जिस प्रकार से इसमें विश्लेषण किया गया और आपने यह किताब मुझे पता चला कि यहां पर सबको वितरित भी कराई है, इसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं। मान्यवर, गांधी जी ने विशेष रूप से जो कहा, जो बातें यहां हाउस में आ गईं, हम उनको नहीं दोहराएंगे। उन्होंने सात बातों के लिए मना किया है जिन्हें हमको अपने जीवन में नहीं उतारना चाहिए। सात घनघोर पाप-पहला काम के बिना धन, दूसरा अन्तर आत्मा के बिना सुख, तीसरा मानवता के बिना विज्ञान, चौथा चरित्र के बिना ज्ञान, पांचवां सिद्धान्त के बिना राजनीति, छठा नैतिकता के बिना व्यापार और सातवां त्याग के बिना पूजा। ये सात पाप महात्मा गांधी ने बताए थे और हम समझते हैं कि आज 150 वर्ष बाद भी ये चीजें बहुत ज्यादा प्रासंगिक हैं। हमको किसी न किसी रूप में इसको आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया था कि अगर हम सेवा के बल पर राजनीति करेंगे तो उम्र भी लम्बी होगी और एक सन्तुष्टि भी मिलेगी। एक बार ट्रेन में जाते समय उनका एक जूता गिर गया तो उन्होंने दूसरा जूता भी फेंक दिया। उन्होंने सोचा कि लोग एक जूते को लेकर क्या करेंगे, कम से कम उनको दूसरा जूता भी मिल जाए तो कम से कम उसको पहनने में काम आएगा। मान्यवर, उनके जीवन के वैसे बहुत से प्रसंग हैं। इसी कारण न केवल हिन्दुस्तान में बल्कि पूरी दुनिया में गांधी को सम्मान मिला और 02 अक्टूबर, 2007 से यूनाइटेड नेशन्स ऑर्गेनाइजेशन ने गांधी के जन्म दिवस को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया, तब से पूरा विश्व उनकी शान्ति और सद्भाव को लेकर पूरा विश्व इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। मैं बधाई देना चाहता हूं अपने उन कर्णधारों को, अपने उन राष्ट्र भक्त लोगों को कि जिन्होंने सम्राट अशोक की लाट को उनके क्रियाकलापों के आधार पर नेशनल एम्ब्लेम के रूप में उसको स्थापित करवाया। मान्यवर, उन लोगों को भी बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने गांधी जी की फोटो रुपये के नोट के ऊपर छपवाने की व्यवस्था की। मैं तो यह समझता हूं कि इस नोट का सही तरीके से, सही माध्यम से, सही लोगों में, सही प्रकार से इसका प्रयोग किया जाए। गांधी जी के फोटो को रुपये के ऊपर छपवाने का यही एक आशय और महत्व है।

मान्यवर, 1948 में गांधी जी को इस बात के लिए चयनित किया गया था कि उनको नोबेल प्राइज दिया जाए लेकिन बीच में 30 जनवरी, 1948 को यह घटना हो गई, इसलिए बाद में वह टल गया और फिर उस साल किसी को भी शान्ति का नोबेल प्राइज नहीं दिया गया। आज के इस मौके पर हम जिन सस्टेनेबल गोल्स की यहां पर चर्चा करते हैं, यू0एन0ओ0 ने वर्ष 2015 में 17 सस्टेनेबल गोल्स तय किए थे। भारत सरकार ने उसको अंगीकार किया और हम इसीलिए आज यहां बैठे हैं। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने इसलिए विशेष सत्र आहूत करवाया ताकि इसके ऊपर व्यापक चर्चा हो जाए और उत्तर प्रदेश कई मायने में अग्रणी राज्य रहा है। मा0 योगी जी की जब से सरकार आई है, तब से कई

मामलों में हम उत्तर प्रदेश को चाहे आवास का मामला हो, चाहे शौचालय का मामला हो, चाहे ओ0डी0एफ0 घोषित करने का हो। इस क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने लीड ली है। मैं विशेष रूप से मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं। मान्यवर, किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए धन की बहुत बड़ी आवश्यकता होती है। बिना धन के कुछ भी चल नहीं सकता। इसलिए विशेष रूप से हम अपनी अर्थ व्यवस्था पर एक नजर डालेंगे कि हमारे उत्तर प्रदेश की स्थिति क्या है? उत्तर प्रदेश में हमारा जो वर्ष 2017-18 में रु0 3 लाख 84 हजार करोड़ का बजट था, वर्ष 2018-19 में रु0 4 लाख 28 हजार करोड़ का बजट था तो 11.4 परसेण्ट का इजाफा हुआ और वर्ष 2019-20 में रु0 4 लाख 79 हजार करोड़ का बजट है जो पिछले वर्ष के मुकाबले 12 परसेण्ट अधिक है और अगर इसमें 13,594 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट मिला दें तो रु0 4,93,295.97 करोड़ का टोटल बजट है। मान्यवर, जहां तक खर्चों का सवाल है तो हमारा बेसिक खर्चा 50.4 परसेण्ट है। हमारे बेसिक खर्चे में सरकारी कर्मचारियों का वेतन, सहायता प्राप्त कर्मचारियों का वेतन, पेंशन, हमारे कर्ज का अंशदान और उसका ब्याज है। इस प्रकार करीब 50.4 परसेण्ट पैसा हम ऐसी मदों में दे देते हैं, जो बिल्कुल अनप्रोडक्टिव हैं। जो किसी भी प्रकार से हमारे डेवलपमेण्ट में काम नहीं आतीं। इस प्रकार से बजट का 24.5 परसेण्ट वेतन का है, 11.8 परसेण्ट पेंशन का है, 7.4 परसेण्ट कर्जे का अंशदान है और फिर 7.4 परसेण्ट उसके ऊपर ब्याज है। इस प्रकार यह धन हम डिस्ट्रीब्यूट करते हैं। ये हमारे मेजर पोर्शन्स हैं जिनमें हमने बजट में प्रावधान किया। मूल भूत ढांचे के लिए सड़क और सेतुओं में 20400 करोड़ रुपया, एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं में 5794 करोड़ रुपये का प्रावधान है जिसमें पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरिडोर तथा लखनऊ से आगरा एक्सप्रेस-वे के लिए 100 करोड़ का प्रोविजन किया गया है। विकास के लिए हमने ऊर्जा क्षेत्र में 36000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में सबसे ज्यादा बजट है। आप लोगों को भी जानकारी होनी चाहिए। मैं आपके माध्यम से पूरे सदन तथा पूरे प्रदेश को अवगत कराना चाहता हूं कि सम्पूर्ण बजट का 16 प्रतिशत शिक्षा के ऊपर खर्च किया जा रहा है जिसमें 82763 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश में चिकित्सा तथा परिवार कल्याण में 24000 करोड़ रुपया, सिंचाई परियोजनाओं पर 12000 करोड़ रुपया, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण में 7439 करोड़ रुपया, ग्राम्य विकास में 23000 करोड़ रुपया, पंचायती राज में 22000 करोड़ रुपया और नगर विकास एवं नगरीय उन्मूलन में करीब 18000 करोड़ रुपया है। मान्यवर, यह हमारी स्थिति है। जहां तक हमारे करों का सवाल है तो हमने हर क्षेत्र में इसमें इजाफा किया है। पिछले वर्षों के मुकाबले में हमारी कर की वृद्धि काफी हुई है। वाणिज्य कर में मोदी जी ने सत्ता में आने के बाद जो राज्यों का अंश था उसे 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 परसेण्ट कर दिया गया है। उस 42 परसेण्ट में हमको 17.95 परसेण्ट मिलता है और जब हम वर्ष 2017-18 में सत्ता में आए

तो उस वर्ष हमने 2016-17 के मुकाबले में 8.9 परसेण्ट वाणिज्य कर में इजाफा किया और 2018-19 में 23.8 परसेण्ट का इजाफा किया। मान्यवर, जी0एस0टी0 में 81.7 परसेण्ट का इजाफा हुआ, आबकारी में 38.1 परसेण्ट का इजाफा हुआ, स्टाम्प और निबन्धन में 17.4 परसेण्ट का इजाफा हुआ, परिवहन में 8.2 परसेण्ट का इजाफा हुआ, ऊर्जा में 40.2 परसेण्ट का इजाफा हुआ, अन्य कर राजस्व में 632 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ, खनन में हमारा लगभग 39 परसेण्ट का इजाफा इस वर्ष अनुमानित है। पिछले वर्ष 3165 करोड़ रुपये का था जिसमें इस बार 4400 करोड़ रुपये का अनुमान है कि इस बार इससे 4400 करोड़ रुपये की आमदनी होगी। कुल मिलाकर हमारी फाइनेंशियल पोजीशन ऐसी है कि जिसमें हम इन सस्टेनेबुल गोल्स को आगे बढ़ा सकते हैं। मान्यवर, इसलिए इस बात को बताने की आवश्यकता पड़ी है। जहां तक वित्तीय स्थिति को मापने के लिए महत्वपूर्ण संकेतक का सवाल है तो प्रदेश लगातार राजस्व सर्वप्लस की स्थिति में है। राजकोषिय घाटा एवं जी0एस0डी0पी0 का अनुपात निरंतर 3 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के अन्दर है। प्रदेश की कुल ऋणग्रस्तता वर्ष 2017-18 तथा वर्ष 2019-20 में इन वर्षों की निर्धारित सीमा क्रमशः 30.5 व 30 प्रतिशत के अन्दर रही है। अतः यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि प्रदेश की वित्तीय स्थिति को मापने वाले सभी संकेतक पूर्णतया नियंत्रण में है। यह जो 17 गोल्स दिये गये हैं, इनमें से 16 गोल्स उत्तर प्रदेश से संबंधित हैं और 01 गोल्स उत्तर प्रदेश से संबंधित नहीं है। उसकी पूर्ण प्राप्ति के लिए वर्ष 2030 तक एक लक्ष्य रखा गया है। एस0डी0जी0 के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन से प्रदेश में गरीबी को पूर्णतया समाप्त किया जा सकता है। साथ-ही सभी को अच्छा स्वस्थ्य, बेहतर जीवन-स्तर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ वातावरण, सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा आदि उपलब्ध कराये जाने के संबंध में है। इनमे जितने भी गोल्स हैं उनकों मैंने अलग-अलग क्वाण्टिफाई किया है। जो हमने अपने बजट में क्वाण्टिफाई किया है उस पर एक नजर डाल दें। इसमें तीसरा गोल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य का है क्योंकि मेरे पास चिकित्सा शिक्षा विभाग है उसके लिए अलग से 2-3 मिनट ले लेंगे।

गोल संख्या-1-

'गरीबी का अन्त करने' से संबंधित है। इस संबंध में राज्य में संचालित प्रमुख योजनाओं यथा मनरेगा के अन्तर्गत कुल 3488 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लिये 6,240 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत सड़कों के निर्माण के लिये 1,357 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए 1,393 करोड़ रुपये की व्यवस्था बजट 2019-20 में की गयी है। मेरा विश्वास है कि गरीबी अपने आप में समस्या नहीं है, समस्या है, बेरोजगारी की। जिस घर में रोजगार आ जाता है, गरीबी अपने आप दूर हो जाती है। फिर भी सरकार ने यह प्रयास किया है कि किसी भी तरीके से उन लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें ताकि गरीबी का सम्पूर्ण रूप से अन्त हो सके।

गोल संख्या-2-

'भुखमरी को समाप्त करने' खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण हासिल करना तथा सतत कृषि को बढ़ावा देने से संबंधित है। इस हेतु पुष्टाहार कार्यक्रम के लिय 4004 करोड़ रुपये, नेशनल न्यूट्रिशन के लिए रुपये 335 करोड़ रुपये, नेशनल फूड स्क्योरिटी मिशन के लिए रुपये 264 करोड़ रुपये तथा शबरी संकल्प अभियान के लिए 200 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था की गयी है।

गोल संख्या-3-

के अन्तर्गत स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और सभी के लिये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देना है। नेशनल हेल्थ मिशन के लिए 4,723 करोड़ रुपये, आयुष्मान भारत के लिए 1298 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना में 291 करोड़ रुपये तथा मुख्य मंत्री जन आरोग्य अभियान के लिए 111 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

गोल संख्या-4-

समग्र शिक्षा अभियान के लिए 18,485 करोड़ रुपये, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम हेतु 2,275 करोड़ रुपये तथा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान हेतु 160 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

गोल संख्या-5-

लैंगिक समानता हासिल करना और सभी महिलाओं और बालिकाओं का सशक्तीकरण करना है। इसमे प्रमुख रूप से कन्या सुमंगला योजना हेतु 1200 करोड़ रुपये है जो कि जल्दी ही लांच होने जा रही है, हालांकि इस हेतु बजट प्राविधान कर दिया गया है, किशोरी बालिका योजना हेतु 156 करोड़ रुपये, महिला सम्मान कोष हेतु 103.70 करोड़ रुपये व निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों के विवाह हेतु 491 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। मैं समझता हूं कि मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा प्रत्येक विवाह के लिए 51 हजार रुपये की व्यवस्था की गयी है, इसने भी अपने आप में बहुत मगरूरियत हासिल की है।

गोल संख्या-6-

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की घोषणा के तहत् 6,000 करोड़ रुपये, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के लिए 1,500 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय पेयजल कार्यक्रम के लिये 2,954 करोड़ रुपये, बुन्देलखण्ड, विन्ध्य क्षेत्र एवं गुणता प्रभावित ग्रामों में पाइप पेयजल के लिये 3,000 करोड़ रुपये तथा राज्य ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के लिये 120 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रमुख रूप से की गयी है।

गोल संख्या-7-

सभी के लिये किफायती, भरोसेमन्द, सतत और आधुनिक ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करना। इसके अन्तर्गत पण्डित दीन दयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के

लिये 15 करोड़ रुपये, प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में 1 किलोवाट के फोटो वोल्टाईक संयत्र की स्थापना के लिये 27 करोड़ रुपये तथा निजी आवासों पर ग्रिड संयोजित रूफ टाप सोलर पॉवर प्लान्ट स्थापित कराये जाने के लिये 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

गोल संख्या-8-

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना के लिये 3,488 करोड़ रुपये, 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के लिये 250 करोड़ रुपये, मुख्य मंत्री युवा रोजगार योजना के लिये 100 करोड़ रुपये तथा इन्क्यूबेटर्स को बढ़ावा देने तथा स्टार्ट अप के लिये 100 करोड़ की व्यवस्था की गयी है।

गोल संख्या-9-

अवसंरचना का निर्माण करना, समावेशी एवं स्थायी औद्योगीकरण को बढ़ावा देना। इसके अन्तर्गत पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे के लिये 2,044 करोड़ रुपये, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के लिये 2,150 करोड़ रुपये, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 1,000 तथा डिफेंस कारिडोर के लिये 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। साथ ही गंगा एक्सप्रेस-वे व मेरठ से प्रयागराज तक सुविधापूर्ण सफर के लिये प्रस्तावित किया जा रहा है।

गोल संख्या-10-

राष्ट्रों के अन्दर और उनके बीच असमानता को कम करने का लक्ष्य है। इसके अन्तर्गत अनुसूचित जाति के लिये छात्रवृत्ति के रूप में 2,037 करोड़ रुपये, पिछड़ा वर्ग के लिये छात्रवृत्ति 1,516 करोड़ रुपये, सामान्य वर्ग के लिये छात्रवृत्ति 850 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजाति के लिये छात्रवृत्ति 30 करोड़ रुपये तथा अल्पसंख्यक के लिये छात्रवृत्ति 942 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था/किसान पेंशन हेतु रुपये 2,579 करोड़ रुपये, निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण हेतु 1,406 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना हेतु 500 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है।

गोल संख्या-11-

नागरिकों को मूलभूत शहरी सुविधायें, स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण, सुलभ एवं सुरक्षित आवास प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में 5,156 करोड़ रुपये, अमृत योजना में 2,200 करोड़ रुपये, (दस) स्मार्ट सिटी मिशन हेतु 2,000 करोड़ रुपये, मुख्य मंत्री नगरीय अल्प विकसित व मलिन बस्ती विकास योजना में 426 करोड़ रुपये, स्वच्छ भारत मिशन शहरी में 1,500 करोड़ रुपये तथा अन्त्येष्टि स्थलों का विकास हेतु 80 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। साथ ही अपने संसाधनों से प्रदेश में सरकार ने 7 नगर निगमों अयोध्या, मथुरा, गोरखपुर, गाजियाबाद, मेरठ, फिरोजाबाद, शाहजहांपुर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिये 175 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

गोल संख्या-12-

उपभोग और उत्पादन पैटर्न को सुनिश्चित किया जाना है। इसके साथ ही आर्थिक विकास एवं रोजगार के अवसर प्रदान करना, वस्तुओं एवं सेवाओं की बढ़ती मांग के सापेक्ष के उत्पादन को बढ़ाना तथा गरीबों के न्यूनतम रहन-सहन में वृद्धि हेतु उपभोग को बढ़ाया जाना है।

गोल संख्या-13-

जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों से निपटने के लिये तात्कालिक कार्यवाही करने संबंधी है। राज्य सरकार जलवायु संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिये ठोस कार्यवाही कर रही है। पर्यावरण को हानि पहुंचाने वाले पालीथिन के उपयोग को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित कर दिया गया है और लगातार इसको कढ़ाई से लागू भी किया जा रहा है।

गोल संख्या-15-

वनों का सतत तरीके से प्रबन्धन करना, मरूस्थल रोधी उपाय करना, भूमि अवक्रमण को रोकना, प्राकृतिक संसाधनों जैसे खेती योग्य भूमि वन सम्पदा, जल स्त्रोत के संरक्षण एवं भूमि क्षरण को रोकने से संबंधित है। इसके अन्तर्गत नेशनल गंगा रिवर बेसिन अथारिटी के अन्तर्गत 1,531 करोड़ रुपये, नदी प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रम के लिये 30 करोड़ रुपये, प्रतिकारात्मक वन रोपण योजना के अन्तर्गत 200 करोड़ रुपये, नगरीय झील/पोखर/तालाब संरक्षण के लिये 37 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

गोल संख्या-16-

के अन्तर्गत सतत विकास के लिये शान्तिपूर्ण और समावेशी सोसाइटियों को बढ़ावा देना, सभी को न्याय उपलब्ध कराना तथा सभी स्तरों पर कारगर जवाबदेही और समावेशी संस्थाओं का निर्माण करना। प्रदेश सरकार शान्ति, न्याय एवं सुप्रशासन के लिये कृतसंकल्प है। पुलिस आधुनिकीकरण के लिये 204 करोड़ रुपये तथा सेफ सिटी के लिये 97 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। प्रदेश की वित्तीय स्थिति संसाधन की सम्भावनाओं एवं चुनौतियों तथा गोल संख्या-17 के संदर्भ में एक परिदृश्य मेरे द्वारा अपने वक्तव्य के माध्यम से रखने का प्रयास किया गया है। मुझे पूरी आशा है कि मेरे द्वारा रखे गये बिन्दुओं पर एस0डी0जी0 गोल के लक्ष्यों के क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। मान्यवर, चिकित्सा शिक्षा के बारे में दो बातें और बता दूं। इसमें चिकित्सा शिक्षा के संबंध में जितने भी आयाम दिये गये हैं उनमें से एक तो बचाव पक्ष के ऊपर विशेष रूप से जोर दिया गया है कि हम हर प्रकार से स्वच्छता को स्थापित करें और इसीलिए 2.61 करोड़ शौचालय ग्रामीण क्षेत्र में बनाकर उ0प्र0 पहले स्थान पर है और 8 लाख 87 हजार शौचालय नगरीय क्षेत्र में बनाकर बहुत बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया है। इसका सबसे बड़ा सबूत यह है कि हमने उ0प्र0 को क्यू0सी0आई0 में ओ0डी0एफ0 घोषित किया है।

जहां तक बचाव पक्ष का सवाल है हमारी पूरी कोशिश है कि हम बचाव पक्ष मे प्रभावी भूमिका अदा करें ताकि किसी भी प्रकार की बीमारियां न हो सकें। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में धन की व्यवस्था लगभग 6,200 करोड़ रुपये का बजट वर्ष 2019-20 का है। साथ-ही-साथ डाक्टर्स एवं अस्पताल चाहिए, नये डाक्टर्स के लिये कॉलेज की व्यवस्था एवं दवाओं की व्यवस्था चाहिए। राज्य में स्वास्थ्य नीति लागू कर दी गयी है। वर्ष 2014 में मातृ मृत्यु दर एक लाख की आबादी पर 285 थी वह घटकर एक लाख की आबादी पर 201 रह गयी है। वर्ष 2014 में शिशु मृत्यु दर एक लाख की आबादी पर 48 थी जो घटकर एक लाख की आबादी पर 41 रह गयी है। यह काफी अच्छा अचीवमेण्ट है जब से मा0 योगी जी की सरकार आई है। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभी तक जो कार्य किये गये हैं उसके बारे में आपके सामने 4-5 बिन्दु रखता हूं। इंसेफेलाइटिस, काला ज्वर, मलेरिया आदि संक्रामक बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण से घातक रोग के मामले में 35 प्रतिशत की कमी तथा मृत्यु के आंकड़ों में 65 प्रतिशत की कमी एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिण्ड्रोम से होने वाली मृत्यु दर वर्ष 2016 में 16 प्रतिशत के सापेक्ष जागरूकता अभियान के कारण 3.73 प्रतिशत तक रह गयी है। पूर्वांचल में इंसेफेलाइटिस के लिये 40 लाख बच्चों का टीकाकरण किया गया और खसरे आदि के लिये भी 7.59 करोड़ बच्चों का टीकाकरण किया गया, जो अपने आप में 99 प्रतिशत है। बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में बेडों की संख्या 268 से बढ़ाकर 428 की गयी है, ब्लॉक से जिला स्तर तक 104 इंसेफेलाइटिस केन्द्र स्थापित किये गये। ए0ई0, जे0ई0 के प्रति अभियान में 3.5 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया गया, 15 नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है, जिनमें 7 मेडिकल कॉलेजों अयोध्या, बस्ती, बहराइच, फिरोजाबाद, बदायूं, शाहजहांपुर एवं राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोयडा में एम0बी0बी0एस0 प्रथम वर्ष की पढ़ाई प्रारम्भ हो गयी है। 8 मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य जनपद एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, देवरिया, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर तथा मीरजापुर में जारी है। इसके अलावा 14 मेडिकल कॉलेजों का प्रस्ताव भारत सरकार जनपद बिजनौर, कानपुर देहात, कौशाम्बी, सोनभद्र, बुलन्दशहर, औरैया, चन्दौली, कुशीनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, गोण्डा, लखीमपुर, पीलीभीत और बलिया के लिये भेजा गया है। कुल 14 मेडिकल कॉलेजों का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जा चुका है। मेडिकल कॉलेजों में 1010 एम0बी0बी0एस0 की सीटों की बढ़ोत्तरी की गयी है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत के अन्तर्गत 1 करोड़ 18 लाख गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक चिकित्सा बीमा एवं 10 लाख 56 हजार छोटे परिवारों को मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना के जरिये लाभान्वित किया गया है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय कैंसर संस्थान लहर-तारा में होमी-भाभा कैंसर हॉस्पिटल और बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक कार्यशील हो चुके हैं। गोरखपुर एवं रायबरेली में एम्स का

निर्माण कार्य प्रगति पर है, दोंनो संस्थानों में 50-50 एम0बी0बी0एस0 छात्रों का एडमिशन किया गया है।

लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी की स्मृति में एक नये चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना का कार्य प्रगति पर है, उस विद्यालय का 25 दिसम्बर को शिलान्यास होना है। प्रदेश में पहली बार ए0एल0एस0 (एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस) संचालित की गयी है, 712 नयी 108 एम्बुलेंस, 170 नयी मेडिकल मोबाईल यूनिट सेवायें प्रारम्भ की गयी हैं, 57 सी0एच0सी0 एवं 52 पी0एच0सी0 का संचालन प्रारम्भ किया गया है। 4 नये सी0एच0सी0 एवं 59 नये पी0एच0सी0 स्वीकृत हैं। 2014 में मातृ मृत्यु दर 30 प्रतिशत गिरावट सुनिश्चित करने पर उत्तर प्रदेश को भारत सरकार द्वारा एम0एम0आर0 एवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह जो सस्टेनेबुल डेवलेपमेन्ट गोल्स पर चर्चा का उद्देश्य था, हम विशेष रूप से आपके माध्यम से पूरे सदन को अवगत कराना चाहते थे कि हमारे पास संसाधन की कमी नहीं है और मा0 मुख्य मंत्री जी ने भी मुख्य रूप से इस बात के लिए कहा है कि विकास का पहिया किसी भी हालत में रूकेगा नहीं और हमारी फाइनेंशियल पोजीशन ऐसी है कि जिसमें हम इसे बखूबी और बेहतर तरीके से आगे के समय में लागू कर सकते हैं। आगामी और अधिक अच्छे तरीके से इसकी योजना बनाकर इसको हम लागू करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

अब आगे दूसरा प्रस्ताव आने वाला है, इसलिए कृपया आप इसे समाप्त करें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे इस विषय पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आपने सस्टेनेबुल डेवलेपमेन्ट गोल्स के संबंध में हमें चर्चा में भाग लेने के लिए, हमारा पक्ष सुनने के लिए और अपनी वित्तीय स्थिति को रखने के लिए हमें जो अवसर दिया, इसके लिए मैं फिर से आपका आभारी हूं। आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रमुख सचिव, विधान सभा-

विधान परिषद्, उत्तर प्रदेश से माननीय अध्यक्ष, विधान सभा के लिए एक सन्देश प्राप्त हुआ है जो निम्नवत् हैः-

उत्तर प्रदेश विधान परिषद् द्वारा सर्वसम्मति से नियम-205 के अन्तर्गत इस आशय का प्रस्ताव पारित किया गया है कि सतत विकास के लक्ष्यों जैसे लोकमहत्व के विषय पर दोनों सदनों का एक संयुक्त सम्मेलन आहूत किया जाय।

नियम - 205 के अन्तर्गत उ0प्र0 विधान परिषद् से पारित सतत विकास के लक्ष्य जैसे लोकमहत्व के विषय पर दोनों सदनों का संयुक्त सम्मेलन विषयक प्रस्ताव

***[21:00] संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि विधान परिषद् से प्राप्त संदेश के क्रम में सतत विकास के लक्ष्यों जैसे लोकमहत्व के विषय पर दोनों सदनों का एक संयुक्त सम्मेलन आहूत किये जाने के सम्बन्ध में सहमति प्रदान की जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि विधान परिषद् से प्राप्त संदेश के क्रम में सतत विकास के लक्ष्यों जैसे लोकमहत्व के विषय पर दोनों सदनों का एक संयुक्त सम्मेलन आहूत किये जाने के सम्बन्ध में सहमति प्रदान की जाय?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, एक सूचना आपकी अनुमति से सदन को और देना चाहते हैं कि लोगों को पी0जी0आई0 में विशेष रूप से भर्ती कराने में दिक्कत होती है और हम भी इस समस्या से वर्षों से जूझ रहे हैं। मान्यवर, अभी तक ट्रामा सेंटर में 60 बेड हैं उसको बढ़ाकर 210 किया जा रहा है यह बहुत जल्दी हो जायेगा और आगामी समय में 500 बेड इसमें और बढ़ाये जायेंगे, माननीय मुख्य मंत्री जी ने इसे विशेष रूप से कहा था और उनके दिशा-निर्देशन में हम पूरी तरीके से प्रयासरत हैं कि हर हालत में 500 बेड इसमें बढ़ा दिये जायें ताकि लोगों की समस्या को मिनिमाइज किया जा सके। एक सूचना और दे दें कि बदायूँ का मेडिकल कॉलेज जो 100 प्रतिशत स्टेट फंडिंग से बन रहा है और साथ ही साथ जौनपुर का मेडिकल कॉलेज भी प्रक्रियाधीन है। यह मुझे सूचना देनी थी।

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, क्या कुछ देर के लिए सदन को स्थगित करेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, अभी आधे घण्टे सदन को चलने दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है।

नियम-103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु प्रस्ताव पर अनवरत चर्चा (क्रमागत)

[21:03] वन पर्यावरण, जन्तु उद्यान मंत्री (श्री दारा सिंह चौहान)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती और जय जवान, जय किसान का नारा देने वाले इस देश के प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जन्म जयन्ती

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के अवसर पर आहूत इस विशेष अधिवेशन में आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको और इस प्रदेश के लोकप्रिय मुख्य मंत्री श्री आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देता हूं तथा बधाई देता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, आज इस विशेष अधिवेशन के माध्यम से जो सतत विकास को लेकर चिन्ता है, 2020 का जो लक्ष्य 2015 में निर्धारित हुआ और वह पूरी दुनिया में है, यू0एन0 में है, आज इस पर पूरी दुनिया में काम हो रहा है। उत्तर प्रदेश में इस विशेष अधिवेशन के द्वारा जो सतत विकास के लक्ष्य को पाने के लिए चर्चा हो रही है इसके लिए मैं पूरे सदन के सभी साथियों का जो कल से दिन रात जग करके बोलने के लिए अपनी बारी का इन्तजार कर रहे थे और जिस तरह से आप लोगों ने अपनी बात को रखा और देश-प्रदेश को संदेश दिया इसके लिए मैं आप सभी को बधाई देता हूं। देश का पहला प्रदेश उत्तर प्रदेश है जहां सतत विकास के लिए इस प्रकार से सुनियोजित तरीके से चर्चा कराने का जो संकल्प लिया गया इसके लिए मैं प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं।

माननीय अध्यक्ष जी, आज मैं कह सकता हूं कि आज जो हमें मिला है जिस संसाधन का हम दोहन करते हैं जो हमें हमारे पूर्वजों से मिला है और यही सतत विकास है कि आने वाली पीढ़ी के लिए हम क्या बचाकर रखने वाले हैं। आज सतत विकास का हमारा यही मकसद है कि आने वाली पीढ़ी के लिए उनके उपयोग के लिए बिना प्रतिरोध के आज हम अपने वर्तमान युग का उपयोग कर पायें। इस सतत विकास की चर्चा जो 36 घण्टे की हुई है, इसमें मैं कहना चाहता हूं कि हमारे ऋषि मनीषियों ने भी इसी सतत विकास की प्रक्रिया को अपनाया है। हमारे ऋषि मुनि वासुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को मानते थे कि पूरी पृथ्वी हमारी है, पूरी दुनिया को आज पृथ्वी को लेकर चिन्ता है, वासुधैव कुटुम्बकम हमारे ऋषियों मुनीषियों की सोच थी, सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। यह हमारे सन्तों की वाणी है कि सारे लोग सुखी रहें सारे लोग निरोगी हों, इसीलिए मैं कहता हूं कि हमारे ऋषि मुनियों ने सतत विकास पर काफी काम किया है। आज जिस तरीके से माननीय अध्यक्ष जी, इस पृथ्वी को लेकर चिन्ता है इस पृथ्वी के दबाव को कम करने के लिए यूनाइटेड नेशन में भी चर्चा है। अगर हमने इस पर ध्यान नहीं दिया तो आने वाले दिनों में इसके गम्भीर परिणाम मिलेंगे। मैं बधाई देना चाहता हूं आदरणीय प्रधानमंत्री जी को और इस प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय मुख्य मंत्री जी को जिन्हें हम भविष्यदृष्टा कहते हैं, जिस ग्लोबल वार्मिंग की चिन्ता आज यू0एन0 में है उसकी चिन्ता हमारे प्रधानमंत्री जी ने पहले ही की है। पर्यावरण के सन्तुलन को बनाये रखना ही इस सतत विकास का लक्ष्य है। इसीलिए जहां पहले के प्रधानमंत्री लाल किले से बड़ी-बड़ी घोषणाओं की चर्चा करते रहे लेकिन जब हमारे मोदी जी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने बड़ी-बड़ी योजनाओं का नहीं बल्कि स्वच्छता को लेकर एलान किया कि हमें स्वच्छता अभियान को बढ़ाना है। जो आज क्लाइमेट चेंज है जिसको लेकर हम चिन्तित हैं, जिस ओजोन की लेयर को ले करके हम चिन्तित हैं जो कहीं कमजोर हो गई, उस लेयर को हम कैसे मजबूत करेंगे। आज जैसे बेमौसम

बरसात हो रही है, जहां जुलाई में बरसात होनी चाहिए, अगस्त सितम्बर में बरसात हो रही है, गर्मी में बरसात हुई तो उसके साथ पत्थर पड़ जाता है, यही क्लाइमेट चेंज है। दुनिया में इसको रोकने का एक ही रास्ता है वृक्षारोपड़। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उनके दिशा-निर्देशन में उत्तर प्रदेश में 09 अगस्त को सबसे ज्यादा वृक्षारोपड़ करके इतिहास रचने का काम किया गया है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक ही दिन में एक ही समय में सबसे ज्यादा वृक्षों को लगा करके पूरी दुनिया का एक रिकार्ड बनाने का काम किया है। इसलिए मैं कह सकता हूं कि माननीय योगी जी की सरकार ने एक नहीं अनेक इतिहास बनाने का काम किया है। इसलिए मैं कह सकता हूं कि कुछ लोग इतिहास लिखते हैं, कुछ लोग इतिहास पढ़ते हैं लेकिन हमारे मुख्य मंत्री जी ने हमेशा इतिहास बनाने का काम किया है। चाहे आवास के क्षेत्र में हो, चाहे शौचालय के क्षेत्र में हो, चाहे वृक्षारोपड़ के क्षेत्र में हो हर क्षेत्र में उन्होंने रिकार्ड बनाने का काम किया है। आने वाले दिनों में मा0 मुख्य मंत्री जी का जो दिशा निर्देश है जो उनका संरक्षण है निश्चित रूप से आने वाले कल में हम 25 करोड़ पेड़ लगा करके अपने बनाये रिकार्ड को तोड़ने का भी काम करेंगे। इसलिए माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहूंगा कि वृक्षारोपड़ ही एकमात्र समस्या का हल है इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं है। सतत विकास के लक्ष्य को लेकर अगर किसी प्रदेश के मुख्य मंत्री की सोच है तो वह हमारे मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की है। सतत विकास के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अगर किसी प्रदेश के मुखिया को चिन्ता है तो उत्तर प्रदेश के एक मात्र मुख्य मंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी को है। इतना ही नहीं आने वाले दिनों के लिए हमने वृक्षारोपण के साथ-साथ गंगा को विस्तार देने का काम किया है। हम बिजनौर से लेकर बलिया तक 1100 किमी0 में 27 जनपदों में करोड़ों, हमने गंगा को आगे बढ़ाकर करोड़ों पौधारोपण करने का हमने माननीय मुख्य मंत्री जी के दिशा निर्देशन में काम किया है। उसके 1 किमी0 दोनों तरफ सघन वृक्षारोपण करके हमने निश्चित रूप से इस ग्लोबल वार्मिंग की चिन्ता को कम करने का जो प्रयास किया है, हमारे वन विभाग और मैं कहना चाहता हूँ कि 22 करोड़ जो पौधे लगाये गये हैं उसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई दूँगा।

हमारे वन विभाग के लोगों ने जिस तरीके से गांव में माइक्रो प्लानिंग करके सारे सदन में बैठने वाले जितने हमारे मा0 सदस्य हैं इसमें सबसे ज्यादा सहयोग आप लोगों का रहा है। इस 22 करोड़ के लक्ष्य को पाने में आप लोगों का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मा0 अध्यक्ष जी, हमने इसके साथ-साथ वन प्रबन्धन में भी ऐतिहासिक काम किया है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को एक बात के लिए बधाई देना चाहता हूँ कि जिस तरीके से वन्य जीव संघर्ष को लेकर आपदा घोषित करने का काम हमारे मुख्य मंत्री जी ने किया है। इस देश का पहला प्रदेश उत्तर प्रदेश है जहां वन्य जीव संघर्ष को आपदा घोषित करने का काम मा0 मुख्य मंत्री जी ने किया है। इसके साथ बहुत सारे काम हम लोगों ने किया है। औद्योगिक क्षेत्र में भी मा0 मुख्य

मंत्री जी के दिशानिर्देश में ई-जांव और बिजनेस के आधार पर हमने औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार आने के बाद 2017 से ऑन लाईन स्र्टाटअप प्रदान करने का काम हम ने किया है। आवेदन के निस्तारण के लिए हमने जहां पहले 120 दिन में प्रदूषण विभाग के द्वारा सारी इन्डस्ट्री को हम 120 दिन में निस्तारित करते थे वहीं अब महज 30 दिन में निस्तारण हो जाता है। इतना ही नहीं मा0 अध्यक्ष जी, हमने सहमत सत्र को सरलीकरण करने के लिए ऐसे तमाम गंभीर रूप से जो लाल कलर के थे, ग्रीन कैटेगरी के थे हमने लाल कैटेगरी को जहां एक साल में दो साल में उनका हमने 5 वर्ष का हमने प्रदूषण की ऐसी इकाई को हमने 5 साल का समय प्रदूषण के लिए हमने दिया है। पहले एक साल में दो साल में उनको परेशानी होती थी मा0 मुख्य मंत्री जी ने उसकी बिना किसी को प्रताड़ित किए ऐसे कैटेगरी का चयन किया जहां कम से कम प्रदूषण पैदा होता है उनको ज्यादा वक्त मिलना चाहिए ताकि उसे विभाग का चक्कर काटना न पड़े इसीलिए हम गंगा की सहायक नदी के साथ मा0 अध्यक्ष जी अभी जिसकी चर्चा हमारे देश के प्रधानमंत्री आदरणीय मोदी जी करते हैं हमारे उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय योगी जी कहते हैं कि प्रयागराज में जिस कुम्भ की चर्चा जहां दुनिया के 77 देशों से ज्यादा लोगों ने अपना झण्डा गाड़ा है और हमने पूरी नदी को बिजनौर से लेकर बलिया तक पूरी गंगा को उस दौरान पूरी तरीके से प्रदूषण से मुक्ति करने का हमने काम किया है। यहीं कारण था कि प्रयाग में करोड़ो लोग जो देखने नहीं आए बल्कि 77 देशों के लोगों ने राजदूतों ने वहां पर डुबकी लगाकर एक सबूत दिया है कि उत्तर प्रदेश की गंगा को जो बिजनौर से बलिया तक जाती है पूरी तरीके से स्वस्थ्य एवं निर्मल है। हमने आगे भी बहुत सारे प्लान इसके लिए बनाये हैं।

मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ कि जिस तरीके से हमारे प्रधानमंत्री जी ने इस प्रदेश के सतत विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने अग्रणी भूमिका निभाई है जिस तरीके से प्रदेश में सबसे ज्यादा आवास और सबसे बड़ी योजना जिसकी चर्चा माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी कर रहे थे कि एक बेटी की शादी के लिए 51000 रु0 देने की जो परिकल्पना है आज गांव के रहने वाले हम लोग हैं। सामान्य से परिवार के लिए 50000 रुपये अपने घर की बेटी के हाथ पीले करने के लिए नहीं मिल पाते हैं आज मा0 मुख्य मंत्री के नेतृत्व में आज 51000 रू0 एकमुश्त दिया जाना निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है यह भी हमारे सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में मा0 मुख्य मंत्री की सबसे अहम भूमिका है। आज इसकी चर्चा विपक्ष में बैठे कुछ लोग भी कर रहे थे। ऐसे तमाम जो गरीब हैं जो झोपड़ी में रहने को मजबूर थे जिनका पक्का मकान सपना था उस सपने को बंद करने का काम अगर किसी सरकार ने किया है तो उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने किया है और ऐसी गरीब व्यक्ति को भी पक्का मकान मिलने का काम किया गया है। मा0 अध्यक्ष जी मेरा आपसे अनुरोध है कि जिस तरीके से आपके सानिध्य में हमारे तमाम सदस्यों ने कल सबेरे 11 बजे से

लेकर रात-दिन तक और मैं उन साथियों को और भी बधाई दूँगा जो एक घन्टे के लिए भी इस कैम्पस से बाहर नहीं गये है। यह सतत विकास के लिए जिन लोगों ने हमेशा चर्चा की है और दूसरों को मौका दिया है ऐसे लोगों को भी मैं इस सदन के माध्यम से बधाई देना चाहता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, इस गंगा को अविरल और निर्मल बनाये रखने के लिए केवल कुम्भ मेले में ही नहीं आने वाले दिनों में भी हम प्रदेश की प्रमुख 14 नदियों को पूरी तरीके से निर्मल और अविरल बनाने के लिए काम किया गया है। एक ऐसा प्लान बनाया है कि गंगा की नदी में या प्रमुख नदियों में जो नाले गिरते हैं और जिस तरीके से इन्डस्ट्री वहां पर ऑनलाईन किया है जिसका कंट्रोल हमारे हेडक्वाटर में है। अगर किसी तरीके से कोई भी इन्डस्ट्री अगर पॉलुशन ज्यादा करने का काम करेगी तो निश्चित रूप उसके खिलाफ ऐक्शन लेंगे। इसलिए मा0 अध्यक्ष जी ज्यादा न कहते हुए मैं आज तमाम लोगों का स्वागत अभिनन्दन करते हुए अपने सभी साथियों का जो लोग अपनी बात नहीं कह पाये हैं समय की कमी के नाते मैं समझता हूँ आने वाले दिनों में मा0 मुख्य मंत्री जी के रहते हुए फिर मौका मिलेगा, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद करता हूँ।

***[21:25] संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मा0 अध्यक्ष जी, अभी हमारे कई माननीय सदस्य बोलने को रह गये हैं। मा0 अध्यक्ष जी, मेरा आग्रह यह है कि अभी 10 बजे तक जो सदस्य बचे हैं उनको बोलने का मौका दे दिया जाये। यह बहुत ही महत्वपूर्ण चर्चा है। आपने लोगों की लिखित अपना भाषण देने की अनुमति प्रदान की है इसके लिए हम आपके आभारी है।

***[21:26] श्री रविन्द्र नाथ त्रिपाठी-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे इस विशेष ऐतिहासिक मौके पर बोलने का अवसर दिया है इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। परम पूज्य भारत माता के महान सपूत और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहना चाहता हूँ कि मुझे गरीबी उन्मूलन पर बोलने का विषय मिला है गरीबी के ऊपर समाप्ति के लिए मा0 मुख्य मंत्री जी ने प्रदेश के किसानों को आय की बढ़ोत्तरी एवं प्रदेश की खुशहाली का आधार है। गरीब किसान मजदूर कृषि और किसानों को केन्द्र में रखकर प्रदेश सरकार ने कईं नीतिगत निर्णय लिए हैं जो अपने आप में ऐतिहासिक हैं। यहां पर मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि जिनके पांव न फटी बिवाई वह का जाने पीर पराई। मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्य मंत्री जी एक गरीब परिवार में पैदा होकर गरीबी को झेला है। चूँकि गरीबी उन्मूलन पर मुझे बोलने का अवसर मिला है तो माननीय प्रधानमंत्री जी ने और माननीय उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने जब यह सत्ता हुआ करता था जब हम छोटे थे मा0 अध्यक्ष जी तो हम लोग

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मुम्बई में जाकर उत्तर प्रदेश के अधिकांश लोग वहां जाकर झुग्गी झोपड़ी में रहने का काम करते थे और यहीं नहीं वहां पर एक खोली हुआ करती थी जिसके केवल एक चारपाई हुआ करती थी। तब हम वहां पर उत्तर प्रदेश के लोग और भारत के लोग यह सोचते थे कि क्या यह अवसर मिलेगा जब यहां पर ऊंची-ऊंची बिल्डिंगे देखते थे तो सोचते थे कि क्या कभी हमें इस पक्के मकान में रहने का अवसर मिलेगा, अगर इस सपने को साकार करने का किसी ने काम किया है और गरीबों के हित में काम करने का काम किया है तो भारत के प्रधानमंत्री जी ने किया है। अभी हम आपको बताना चाहते हैं कि समाज का जो सबसे निचला तबका है जहां कि पहले की सरकारों ने केवल जाति विशेष के लोगों को आवास देने का काम करता था

(इसी मध्य रात्रि 21 बजकर 30 मिनट पर अधिष्ठाता श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही पीठासीन हुए।)

लेकिन हमारे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने उत्तर प्रदेश मुख्य मंत्री आवास योजना के तहत् उन गरीब मुसहर भाइयों के लिए आवास एकमुश्त देने का काम और उसका भूमि पूजन भी हमारे सभी विधायकों ने करने का काम किया। मैं बताना चाहता हूं जब मैं छोटा था तो हमारे पिता जी बीमार थे आस पास अस्पतालें नहीं थीं उनके इलाज के लिए गाजीपुर गया हुआ था जब गाजीपुर गया था तो वहां पर डाक्टर साहब के बेटे ट्यूबलाइट की रोशनी में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे पढ़ाई लिखाई करने का काम कर रहे थे जब मैं उनके आवास पर गया तो उन्होंने कहा कि रात हो गई है पंडित जी आप यहीं रूक जाइए। जब मैं उनके आवास पर गया तो वहां देखा कि उनका बेटा ट्यूबलाइट के नीचे आज से 40 साल पहले की बात करना चाहता हूं तो वहां पर जब मैंने देखा कि उनका बेटा ट्यूबलाइट के नीचे पढ़ाई लिखाई करने काम कर रहा है। तो यह कल्पना जागी कि क्या कभी यह अवसर मिलेगा कि हम लोग भी ट्यूबलाइट की रोशनी में कभी पढ़ाई लिखाई करने का काम करेंगे। गरीबों के बच्चे भी क्या विद्युत की रोशनी में कभी पढ़ाई लिखाई करने का काम करेंगे। उस सपने को साकार करने के लिए प्रधान मंत्री सौभाग्य योजना, और दीन दयाल उपाध्याय ज्योति योजना के तहत् हर घरों में विद्युत पहुँचाने का काम अगर किसी ने किया तो भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी जी ने किया है।

(अनेक सदस्यों के एक साथ बोलने पर शोरगुल)

जब कभी भी लोग शौच करने के लिए खेतों में जाया करते थे मैंने अपनी आंख से देखा है कई लोगों को सर्प ने डसने का काम किया और कई लोगों की मृत्यु भी सर्प काटने से हुई अगर इसको बन्द करने काम किया तो भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ ने किया। गरीबों को मुफ्त आवास मिल

रहा है , इज्जत घर सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया को ध्यान में रखकर सबको मुफ्त चिकित्सा की व्यवस्था मिल रही है।

(अनेक सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

मुस्लिम बहनों को खुशमुक्ति मिली तीन तलाक से मुक्ति मिली आपने मोदी जी कश्मीर को पूर्ण रूप से आजादी दिलाई धारा 370 समाप्त की । हमारे यहां भदोही में तमाम ऐसे बांग्लादेशी, पाकिस्तानी हैं लोक सभा के चुनाव में हमने 30 हजार लोगों के नाम जो बांग्लादेशी थे उनके नाम कटवाने का काम किया मैं अपील करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के अन्दर जो भी बांग्लादेशी हैं, पाकिस्तानी हैं उनको बाहर निकाला जाना चाहिए आपने मुझे अवसर दिया इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

***[21:33] श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-**

अध्यक्ष जी भारत की एक श्रेष्ठ परम्परा है कि इस देश में जब जब आवश्यकता इस देश को पड़ी है आदरणीय अध्यक्ष जी को मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि आपने इस स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर पर बोलने का मुझे अवसर दिया। मेरे बन्धुओं हम लोग भी यहां पर 24-25 घंटों से यहां हैं। मैंने जब महात्मा गांधी का चित्र देखा वास्तव में इस सेशन का मौलिक अर्थ क्या है किसी भी समाज या देश को विकास के क्रम में प्रथम दृष्टया यदि किसी की भूमिका होती है तो इन्सान की होती है। और इन्सान चार प्रकार के होते हैं। इन्सान ऐसे भी होते हैं जो जन्म से लेकर मृत्यु तक समाज को प्रताड़ित करने दण्ड देने का भाव जैसे आतंकवादी पाकिस्तानी यह सब इन्सान रूप में शैतान होते हैं। और पारिवारिक पृष्ठभूमि में रहकर भोजन करना, शौच करना, मैथुन करना, बच्चा पैदा करना, बच्चा पैदा करके उसका परिवरिश करना यदि इस सीमा तक अपने को बांध लेता है तो वह भी इन्सान नर पशु के समान होता है। और इंसानियत तो प्रारम्भ वहीं से होती है जब अपने परिवार के साथ साथ समाज और देश की चिन्ता करना मन से प्रारम्भ कर देता है। इंसानियत वहीं से प्रारम्भ होती है। मेरे भाइयों यही सीमा जब परिवार के बारे में सोचना न प्रारम्भ करके समाज और देश के बारे में सोचना चालू कर दे तो वही इन्सान महान बन जाता है। यही सीमा जब पराकाष्ठा को प्राप्त करती है तो वही इन्सान भगवान बन जाता है।

आदरणीय अध्यक्ष जी इन्सान शैतान होता है इंसान इंसान होता है इंसान महान होता है और इंसान ही भगवान होता है। मेरे भाइयों लाख मिशन और बोध हम लोग तैयार किए हुए हैं लेकिन इन्सान की नियत अगर पवित्र नहीं है तो कुछ नहीं। क्योंकि राजनीतिक जीवन में प्रतिनिधि और अध्यात्मिक जीवन में सन्त अगर समाज का सन्त और समाजसेवी दूषित हो जाता

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है उस राष्ट्र को उस समाज को पतित होने से रोकने वाला कोई नहीं है। इसलिए यदि पूरी दुनियां को प्रेरित करने का व्यक्तित्व किसी ने दिया है तो हम सबको दिया है। हमारे भाइयों हम सबका सौभाग्य है हम सब उस जमाने में विधायक बने हैं मैं तो अपने को सौभाग्यशाली मानता हूं हमें कुछ भी पद मिले न मिले लेकिन पूज्य योगी जैसे महान त्यागी आदमी के सानिध्य में मैं विधायक बन गया हूं इससे बड़ा सौभाग्य दुनियां में कोई हो ही नहीं सकता है। और जो भी हमारे सांसद बने हुए हैं महान नेता मोदी जी के नेतृत्व में जो काम कर रहा है वह दुनियां का सबसे बड़ा सौभाग्यशाली व्यक्तित्व है। एक महान त्यागी कर्मनिष्ठ और राष्ट्रभक्त के साथ काम करने का भगवान ने मौका दिया सराहूं तो किसको सराहूं शिवा को सराहूं कि सराहूं छत्रसाल को मोदी जी को सराहा जाए या अपने पूज्य योगी जी की प्रशंसा की जाए। अपनी अपनी सीमा में इन दोनों विभूतियों को हम लोग चाहे जितनी मुक्त कंठ से प्रशंसा कर लें वह कम ही पड़ेगा इसमें दो राय नहीं। मेरे एक अध्यात्मिक गुरू हैं स्वामी हरिहरानंद जी महाराष्ट्र के सतारा जिला में पैदा हुए ब्राह्मण बालक हैं और घर से चलने के बाद क्वींन्स कालेज पूना में पढ़ते थे। आज लगभग 76 वर्ष उनकी उम्र है। इतने वर्ष में कभी पैसे का स्पर्श नहीं किए। 21 वर्ष से वहां संकीर्तन भी चल रहा है। मैं तो पूज्य योगी जी से प्रार्थना भी किया था कि इसको पर्यटन स्थल घोषित किया जाए 365 गांवों को हम लोगों ने जोड़ा है। एक एक विरादर कीर्तन करके चला जाता है सबसे अधिक अध्यात्मिक दृष्टि से विकसित स्थान है। पूज्य महाराज जी के सानिध्य में हमारे अध्यात्मिक गुरू जी कहते हैं कि जिस सामाजिक जीवन के कार्यकर्ता का नेता का ईमान पवित्र हो जाता है भगवान स्वयं उसका झंडा लेकर चलना प्रारम्भ कर देते हैं। आज वही समय है कि अमेरिका जैसा महाशक्ति देश जहां भारत के प्रधानमंत्री का हवा नहीं लेता था आज हमारा नेता वहां के राष्ट्रपति के चुनाव को प्रभावित करने की स्थिति में है। तीन चीजों ने हमारे जीवन को प्रभावित किए हैं एक तो मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना ढाई साल के अन्दर लगभग 437 गरीब लड़कियों की शादी करा चुका हूं और तीन बार में कराया हूं अध्यक्ष जी आपको जानकर सुखद आश्चर्य होगा कि जितना सरकार देती है उससे अधिक मैं समाज से याचना करके उतना सामान इन लोगों को दे देता हूं। लगभग डेढ़ करोड़ रुपए मैं तीन शादियों में खर्च कर चुका हूं। समाज के सौजन्य से जब मैं जाता हूं सुनकर आपको आश्चर्य होगा कि जब लड़कियां जाती हैं मैं स्वयं कन्या दान देता हूं पति पत्नी बैठता हूं और जब जाती हैं तो कहती हैं कि चाचा जात बा।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करें।

श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह-

आज हम लोग 36 घंटे से आपके सानिध्य में तपस्या कर रहे हैं हम लोगों के आप महामण्डलेश्वर हैं सन्त हृदय नवनीत समाना मैं तो पूज्य महाराज जी से प्रार्थना करता हूं कि जहां कहीं भी मेरी प्रार्थना आपको सुनाई दे रही हो कि सीता जैसी मां भी अशोक वाटिका में हनुमान जी कहे कि भूख लगा है तो कही कि जाओ पेड़ मत तोड़ना फल जितना चाहे खा लो। अध्यक्ष जी आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करें और पूज्य महाराज जी से भी प्रार्थना करते हैं कि पता नहीं भगवान किस परिस्थिति में रखेगा संयोग ऐसा है कि पूज्य महाराज जी सन्यासी और संसदीय मंत्री भी अविवाहित संयोग देखिए कि हमारे बलिया के राज्य संसदीय मंत्री भी अविवाहित। हम लोग चूँकि विवाहित हैं हम लोग एक महान त्यागी नेता के साथ काम कर रहे हैं गर्व है कि हम लोगों का भी मन ऐसा है कि किसी का एक मिठाई खाने का मन नहीं करता है। इसलिए कि पूज्य महाराज जी के सानिध्य में हम लोग विधायक हैं। गर्व के साथ कह सकता हूं किसी के सामने कह सकता हूं। हम लोग पूज्य महाराज जी से प्रार्थना करते हैं सबकी तरफ से पैसा हम लोगों को देना है व्यवस्था आपको देनी है। व्यवस्था देनी है संसदीय मंत्री जी को एक प्लाट हम लोगों को कम रेट पर दे दीजिए हम लोग भी कभी अपने बाल बच्चों के साथ लखनऊ आएं तो दिखाएं कि हम लोग भी इस विधान सभा में बैठे हैं। दूसरा आग्रह है पूरे प्रदेश के विधायक बन्धुओं की तरफ से कि विकास के नाम पर सभी विधायकों को एक समान सुविधा दी जा सके। पांच करोड़ त्वरित विकास के नाम पर मिलने वाली बात है हम जरूर प्रार्थना करेंगे पूज्य महाराज जी से कि आप संत हृदय नवनीत समाना । सन्त का हृदय घी के समान होता है ।

(अनेक सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

तीसरा आपसे प्रार्थना है पांच लाख की आबादी में 100 हैण्ड पम्प मिलता है हम लोग सोचते हैं कि किसको दें किसको न दें। इसकी संख्या बढ़ाई जाए अध्यक्ष जी अन्त में अपनी बात को रोकने के पहले मैं अपने महान नेता मोदी जी और अपने महान नेता योगी जी के साधनापूर्ण जीवन सेवक जीवन को प्रणाम करते हुए अपनी बात को रोकता हूं भारत माता की जय। भारत माता की जय।

***[21:42] श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सी0ए0 चन्द्र प्रकाश शुक्ल-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय आपने हमें इस ऐतिहासिक अवसर पर बोलने का मौका दिया है हम आपका बहुत आभार व्यक्त करते हैं। आज महात्मा गांधी के 150 वें जयन्ती के अवसर पर उत्तर प्रदेश विधान सभा का 36 घंटे का अनवरत चलने वाला सदन एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रहा है। कदाचित यह केवल भारत में ही नहीं बल्कि किसी भी विधायिका द्वारा किया जाने वाला अनूठा एवं अभिनव प्रयोग है इसे महात्मा गांधी जी के विचारों

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

एवं चिन्तन का भारत का विश्व में पड़ने वाला प्रभाव और उसके आंकलन पर गम्भीर चर्चा हो रही है। माननीय अधिष्ठाता जी इस संदर्भ में मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहूंगा जिनके कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश न केवल विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है अपितु अगले आने वाले वर्षों में सतत विकास लक्ष्य विजन 2030 का रोडमैप तैयार करके उन्होंने अपनी दूरदृष्टि, विजन और प्रदेश के सर्वांगीण विकास पर अपनी इच्छा शक्ति एवं प्रतिबद्धता को भी प्रदर्षित किया है। माननीय अधिष्ठाता जी, यह सतत विकास लक्ष्य विजन डाक्यूमेंट 2030, संयुक्त राष्ट्र महासभा के ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में 193 सदस्य राष्ट्रों द्वारा अपनाया गया तथा 1 जनवरी 2016 से प्रभाव में आया। माननीय अधिष्ठाता जी, आज यह जो विजन डाक्यूमेंट है, यह 2030 का टार्गेट है। लेकिन मैं माननीय मुख्य मंत्री जी की दूर-दृष्टि को प्रणाम करना चाहूंगा कि आज 2019 में हम 2030 की तैयारी कर रहे हैं और निश्चित रूप से यह उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास में एक माइल स्टोन साबित होगा। आज महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर उत्तर प्रदेश का यह आदरणीय सदन उनके विचारों एवं चिंतन को समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए सतत विकास लक्ष्य विजन डाक्यूमेंट, 2030 में उल्लिखित विभिन्न विषयों जैसे गरीबी उन्मूलन, शून्य भुखमरी, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ जल एवं स्वच्छता, उत्कृष्ट कार्य एवं आर्थिक वृद्धि जैसे 16 कारकों पर अनवरत् चर्चा करके आज सही मायने में उनको नमन् करने का काम किया है। 16 कारक इसलिए हैं कि उसमें एक कारक समुद्र तल से संबंधित है, जो हमारे प्रदेश में लागू नहीं होता है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी एवं पूरे सदन को बहुत-बहुत बधाई देता हूं, आभार व्यक्त करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात को इन्हीं 16 विषयों में से दो विषय गरीबी उन्मूलन व औद्योगीकरण को बढ़ावा देने पर केन्द्रित करके अपनी बात रखना चाहता हूं।

महोदय, उत्तर प्रदेश के समग्र विकास की यात्रा 19 मार्च 2017 की तिथि से प्रारम्भ हुई, जब उत्तर प्रदेश की बागडोर कर्मयोगी परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी के हाथों में आई। उस समय उत्तर प्रदेश गुण्डाराज एवं भ्रष्टाचार से कराह रहा था। जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी। अर्थ व्यवस्था बदहाली के दौर से गुजर रही थी। परन्तु अपने प्रथम 100 दिन के कार्यकाल में ही माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक से एक कई बड़े साहसिक फैसले लेकर अपने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की इच्छा-शक्ति का सन्देश दे दिया था। माननीय योगी जी ने जहां एक तरफ ऋषि दधीचि की तरह प्रदेश के विकास के लिए अपने आप को समर्पित करने का संकल्प प्रस्तुत किया वहीं दूसरी तरफ समाज के लिए खतरा बन चुके गुण्डों, माफियाओं को उनकी असली जगह पर पहुँचाने के लिए महर्षि विश्वामित्र की तरह कानून के रखवालों को निर्भीकतापूर्वक अपने कर्तव्यों के पालन का साहस प्रदान किया। इससे माहौल बदला और आज

प्रदेश में माफियाराज, गुण्डाराज, अपहरण का उद्योग समाप्त करके सही मायने में औद्योगिक विकास आगे बढ़ रहा है। माननीय अधिष्ठाता जी, मुझे एक घटना याद आती है कि मैं जापान गया हुआ था, यह 2015 की बात है। संयोग से वहां मुझसे कुछ भारतवंशी मिले और उन्होंने मुझसे कहा कि आप कहां से आये हैं? मैंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश से आया हूं। उन्होंने कहा वही उत्तर प्रदेश जहां की सरकार किडनैपिंग कराती है। आज भी उस व्यक्ति का वह शब्द मेरे कान में पिघले शीशे की तरह पड़ा है, यह उत्तर प्रदेश की छवि थी। आज उत्तर प्रदेश की छवि क्या है? आज मात्र ढाई साल में उत्तर प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक नक्शे में बहुत बड़ा बदलाव आया है और इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि जहां मार्च 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में पूंजी निवेश के लिए कोई इन्वेस्टर तैयार नहीं होता था। आपको ध्यान होगा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने भी इंवेस्टर समिट करने का प्रयास किया था।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय शुक्ला जी, समाप्त करिये।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सी0ए0 चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मान्यवर, बस दो मिनट। इन्वेस्टर समिट के लिए उत्तर प्रदेश में कोई भी इंवेस्टर आने के लिए तैयार नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी के लोगों ने दिल्ली में जा करके इन्वेस्टर समिट कराया था और उसके अगले साल भी इन्वेस्टर समिट के लिए कोई भी यहां लखनऊ तक नहीं आया, तो इनको आगरा में कराना पड़ा। यह 2015 में पिछली सरकार की स्थिति थी। लेकिन आज हम लोगों का सौभाग्य है, आपने देखा कि 2018 में जो इंवेस्टर समिट हुआ था, उसमें 4 लाख करोड़ से भी ज्यादा निवेश के प्रस्ताव आए।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, माननीय अनिल शर्मा जी, अब समाप्त करिये।

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सी0ए0 चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

मुझे लग रहा है कि समय कम है। मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

[21:48] वन पर्यावरण, जन्तु उद्यान राज्य मंत्री (श्री अनिल कुमार)[*]-

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं कृतज्ञता प्रकट करता हूं। आपने मुझे इस ऐतिहासिक अवसर पर बोलने का अवसर दिया। वंदन करता हूं, श्रद्धेय मुख्य मंत्री जी का, उन्होंने इस पावन विषय पर लोकतंत्र के इस मंदिर में अनवरत् चर्चा करने का यह अवसर हम लोगों को

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रदान किया है। नहीं तो हम लोगों के बारे में जनता में यही रहता था कि विधान सभा के अन्दर हम लोग नकारात्मक चर्चा करते हैं, शोरगुल करते हैं, झगड़ा करते हैं और प्रथम बार

(इसी मध्य रात के 21 बजकर 52 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

ऐसा होगा कि जनता में, जनसामान्य में यह संदेश हम लोगों के लिए जायेगा कि सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट जैसे एक विषय पर लोकतंत्र के इस मंदिर में चर्चा हुई है। निश्चित रूप से इससे हमारी छवि में सुधार आयेगा। मान्यवर, मैं गोल संख्या-15 पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं- ''स्थलीय पारिस्थितिकी-तन्त्रों का संरक्षण और पुनरूद्धार करना और इनके सतत् उपयोग को बढ़ावा देना, वनों का सतत् तरीके से प्रबंधन करना, मरूस्थल-रोधी उपाय करना, भूमि अवक्रमण को रोकना और प्रतिवर्तित करना और जैव-विविधता की हानि को रोकना'' मान्यवर, मैं बताना चाहता हूं, मुझे कहने में गर्व है कि भारतवर्ष में जो हमारी संस्कृति है, जो हमारी परम्परायें हैं, जो हमारे धार्मिक ग्रंथ हैं, जो माइथोलॉजी है, उसमें एक बहुत बड़ी व्यवस्था, बहुत बड़ी दृष्टि, बहुत बड़ा विजन इस लक्ष्य के लिए रखा गया है। यू0एन0 ने यह बिन्दु निकाले हैं, लेकिन हिन्दू माइथोलॉजी ने जो दृष्टि दी है, उसमें नदियों को, वृक्षों को, पूरे इको सिस्टम और पूरी प्रणाली को एक पूजा के रूप में लिया गया है। जहां नदियों की पूजा करने की व्यवस्था है। वृक्षों को जहां सद्पुरुष कहा गया है। आज से हजारों हजार साल पहले गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा था- ''अश्वथ्य सर्व वृक्षाणाम''। पीपल का पेड़, ऐसा वृक्ष है, जो हमें प्राण-वायु देता है। आज बहुत बड़े अनुसंधान के बाद हम इस नतीजे पर पहुँचे हैं, जो भगवान श्रीकृष्ण ने हजारों हजार वर्ष पूर्व गीता में कहा था। मान्यवर, सौभाग्य से इस देश के, इस प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री हमारी धार्मिक परम्पराओं का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। अतः इस गोल के एचीवमेंट के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो विगत 30 माह में काम किया है, वह बहुत बड़ा काम किया गया है। जैसा माननीय वन मंत्री जी ने बताने का काम किया, जो उन्होंने कहा, निश्चित रूप से उसके साथ अपने आपको सम्बद्ध करते हुए मैं बताना चाहता हूं कि तमाम बीमारियों का अगर कोई मूल उपचार है तो वह वृक्षारोपण है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप कृपया समाप्त करें।

श्री अनिल कुमार-

मान्यवर, एक साथ 7,800 वृक्षों का डिस्ट्रीब्यूशन करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज कराया है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें।

श्री अनिल कुमार-

ठीक है, अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

(माननीय मुख्य मंत्री जी के सदन में आने पर सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी।

समवेत सदन हेतु सभापति विधान परिषद् व सदस्यगण के आगमन तक सदन की कार्यवाही कुछ मिनट रोकने का प्रस्ताव

***[21:53] संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

माननीय अध्यक्ष जी, कल प्रातःकाल 11.00 बजे आपकी अनुमति से यह प्रस्ताव रखा गया था कि 'राष्ट्रपिता के उच्च आदर्शों का पालन करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये जायें।' इस प्रस्ताव पर कल से आज तक चर्चा हुई और इसमें 149 लोगों ने भाग लिया और अब इसका समापन होना है। मैं आपकी अनुज्ञा से यह प्रस्ताव करता हूं कि सदन की कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी जाये।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि जो प्रस्ताव माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने रखा है, उससे सदन सहमत है?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ)

(सदन की कार्यवाही थोड़ी देर के लिए स्थगित की गयी)

(सदन की कार्यवाही पुनः प्रारम्भ होने पर)

***[21:56] श्रीमती सरिता भदौरिया**-

अध्यक्ष जी, अभी एक माननीय सदस्य द्वारा सदन में आपत्तिजनक शब्द व्यक्त किये गये हैं, उसे कार्यवाही से निकाला जाये।

श्री अध्यक्ष-

मैं उसे देख लूंगा। अगर उनके भाषण में कुछ आपत्तिजनक होगा तो उसे निकाल दिया जायेगा। आप बैठिये। सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वह अपने स्थान पर बैठे रहेंगे।

अब माननीय मुख्य मंत्री जी।

माननीय मुख्य मंत्री द्वारा आभार

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

*** [21:57] मा0 मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-**

अध्यक्ष जी, मैं आभारी हूं, उत्तर प्रदेश विधान मण्डल के अपने दोनों पीठासीन अधिकारियों का और दोनों सदनों का, जिन्होंने पिछले 36 घण्टों से एक ज्वलंत मुद्दे को चर्चा का विषय बनाया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के प्रति इस संवाद के माध्यम से अपनी श्रद्धांजलि दी है। मुझे लगता है कि किसी भी संसदीय लोकतंत्र में और विधान मण्डल दल के अन्दर इस प्रकार की घटनाएं बहुत कम देखने को मिली होंगी, जो देश के सबसे बड़े राज्य के विधान मण्डल में कल प्रातः 11.00 बजे से जो कार्यवाही प्रारम्भ हुई और अनवरत् चलती रही, विधान सभा में भी और विधान परिषद् में भी। विधान सभा में कुल 149 माननीय सदस्यों ने अपने विचारों को सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट गोल्स को एचीव करने की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों की दृष्टि से यहां पर रखे और उच्च सदन विधान परिषद् में 67 मा0 सदस्यों ने भी अपने विचारों को रखा है। वास्तव में यह लोकतंत्र की एक अद्भुत घटना है। मैं सभी मा0 सदस्यों को हृदय से धन्यवाद देता हूं और उन सबका अभिनन्दन करता हूं। वे लोग जो खास तौर से अपनी अन्तरआत्मा की आवाज पर इस सदन की कार्यवाही का हिस्सा बने, उन मा0 सदस्यों का मैं हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिनमें प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नेता श्री शिवपाल यादव जी, श्री नितिन अग्रवाल जी, कांग्रेस पार्टी की सुश्री अदिति सिंह जी, श्री राकेश सिंह जी, बहुजन समाज पार्टी के मो0 असलम ''राईनी'', श्री अनिल सिंह और अन्य कुल सात ऐसे सदस्यों ने भी इस सदन की चर्चा में भाग ले करके लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। मैं उन सबका हृदय से अभिनन्दन करता हूं और सबके प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

दोनों सदनों की चर्चा रात्रि भर निरंतर चलना लोकतंत्र के प्रति हम सबके विश्वास को भी प्रदर्शित करता है। यह सचमुच अद्भुत घटना है और इसलिए भी, जब जनप्रतिनिधि समाज के सामने अपने विश्वास के संकट से गुजर रहा हो और जब हर आक्षेप का शिकार बनता हो, तो उन स्थितियों में वह जनता से जुड़ी हुई समस्याओं पर दिन-रात एक करके चर्चा करे और फिर उसके ठोस समाधान निकालने की दिशा में सार्थक पहल करें, तो वह आम जन की रूचि का विषय भी बनता है और आम जन की उन संवेदनाओं के साथ भी अपने आपको जोड़ता है। मैं धन्यवाद दूंगा उन सभी संस्थाओं को, जिन्होंने लोकतंत्र की इस अद्भुत घटना का साक्षी बन करके इसे प्रोत्साहित किया। मीडिया ने इसको बहुत अच्छे ढंग से हाथों हाथ लिया और विपक्ष के नकारात्मक रवैये की न केवल निन्दा की, अपितु उन्हें कटघरे में भी खड़ा करने में कोई कोताही नहीं बरती। यह सचमुच एक सकारात्मक पहल है। महोदय, लोकतंत्र संवाद से चलता है, लोकतंत्र का सबसे सशक्त हथियार हमारा संवाद है। हम जब संवाद को बाधित करते हैं तो वह किसी उपद्रव व अराजकता का कारण बनता है। यह संवाद एक समन्वय और शान्ति का भी प्रतीक होता है। इसीलिये दुनिया के अन्दर शासन की सबसे अच्छी पद्धति के रूप में

लोकतंत्र को स्वीकार किया गया है और लोकतंत्र की इस ताकत का ही एहसास कराने के लिए हम सब इस प्रकार की चर्चा, परिचर्चा में भाग लेते हैं, उसका हिस्सा बनते हैं। मैं रात्रि दो बजे तक सदन में मौजूद था और देख रहा था कि संवाद में बहुत अच्छे इनोवेटिक आइडियाज आये हैं। जिन मा0 सदस्यों को हम लोग यह मानते थे कि ये लोग बोलते नहीं है, ये बोले। मैंने देखा कि उन्होंने भी खुलकर जब अपनी बातें रखी, तो उनकी वह प्रतिभा भी हम सबको देखने को मिलीं, जो हम सबके लिए भी बहुत मूल्यवान थी और इस सदन की भी एक अमूल्य धरोहर बनी है। मेरी हार्दिक इच्छा थी कि सदन के सभी 403 सदस्य अपने विचार विधान सभा में रखें और सभी 100 सदस्य विधान परिषद् में अपनी बात को रखें। वह अपने आप में एक दस्तावेज बने। आने वाली पीढ़ी के लिए वह एक ऐसा दस्तावेज बने कि लोग जानें, उनके बारे में सुनें। बहुत सारे सदस्य बोलना चाहते थे, लेकिन उनको बोलने का मौका नहीं मिल पाया। मैंने इसीलिये शुरू में जब दलीय नेताओं की बैठक हुई थी तो मैंने उस समय प्रस्ताव रखा था कि सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट गोल्स पर हम लोग चर्चा करेंगे, तो नान स्टाप 48 घंटे की यह चर्चा होनी चाहिए, लेकिन उस समय हमारे विपक्ष के मित्रों ने कहा था कि 48 घण्टे तक हमारे लिए बैठना कठिन होगा, लेकिन उनके लिए एक मिनट भी बैठना कठिन हो गया और उन लोगों ने सदन की पूरी कार्यवाही का ही बहिष्कार कर दिया। एक चेहरा बेनकाब हुआ है देश, दुनिया और प्रदेश के सामने कि वास्तव में जो लोग गरीबों के नाम पर नारेबाजी करते थे, जिनके लच्छेदार नारे कभी-कभी भरमाने वाले भी होते थे। वास्तव में उनकी वास्तविकता क्या है? ये सभी चेहरे बेनकाब हुए हैं।

सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट गोल्स पर जो चर्चा यहां पर हुई है, इस चर्चा में जब हम यहां पर सदन में भाग ले रहे हैं, सचमुच एक बार फिर से उस विश्वसनीयता के प्रतीक के रूप में सभी मा0 सदस्यों को स्थापित किया है, जिसके लिए लोकतंत्र जाना जाना चाहिए। अगर इस सदन में गरीबों के मुद्दे पर चर्चा नहीं होगी, इस सदन में हम बेकारी के बारे में चर्चा नहीं करेंगे, इस सदन में हम भूखमरी के बारे में अगर चर्चा नहीं कर सकते, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में, उत्तम स्वास्थ्य के बारे में, इसके डेवलपमेण्ट के बारे में, इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में, तो फिर लोकतंत्र के मायने ही बदल जाते हैं। इन्हीं सब मुद्दों के लिए सदन बना हुआ है, लेकिन सदन में विपक्ष अक्सर अड़ंगेबाजी करता था और इस बात को लेकर आरोप-प्रत्यारोप करता था कि गरीबी के मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए, गरीबों के मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए, बेरोजगारी पर चर्चा होनी चाहिए, शिक्षा और स्वास्थ्य पर चर्चा होनी चाहिए और जब सरकार ने इस प्रकार का प्रस्ताव उनके सामने रखा तो वह स्वयं ही नौ दो ग्यारह हो गये, भाग खड़े हुए। महोदय, इस चर्चा ने एक बार फिर साबित किया है कि जनता ने वर्ष 2014, 2017 और 2019 में जो फैसला दिया है, वह आंख मूंदकर नहीं दिया है, बहुत सोच-समझकर दिया है और इसलिए भी दिया है, क्योंकि उसे मालूम है कि कौन लोग उनके हितों के लिए कार्य कर

सकते हैं, कौन लोग उनके हितों के लिए योजनाएं बना सकते हैं, कौन लोग उन योजनाओं को ईमानदारी से क्रियान्वित कर सकते हैं? जिनके लिए लोकतंत्र का मायने परिवार और जाति तक सीमित होकर रह गया हो, उनसे यह उम्मीद करना कि वे लोग इस प्रकार की सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाएंगे, तो यह अपने आप में एक बेईमानी है। विगत 36 घण्टों के दौरान दोनों सदनों में बहुत अच्छी चर्चा हुई है । मैं विधान परिषद् के बारे में चिन्तित था कि विधान परिषद् में कैसे चर्चा बनेगी, लेकिन उस सदन के नेता डा0 दिनेश शर्मा जी ने और उनके सभी सहयोगियों ने, सभी सदस्यों के साथ मिलकर जैसे वहां की चर्चा को आगे बढ़ाये और अब इस चर्चा में भाग लेने के लिए समेकित सदन के हिस्से बने हैं। मैं सचमुच उच्च सदन से जुड़े हुए अपने सभी मित्रों और सहयोगियों का भी हृदय से अभिनन्दन करता हूं, उनका स्वागत करता हूं। सचमुच इस चर्चा ने एक बार पुनः यह साबित कर दिया है कि कहां सुमति है और कहां कुमति है। तुलसीदास जी ने इस बारे में कहा भी है कि

□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ । □□□□
□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ ॥

तुलसीदास जी बहुत दूरदृष्टि वाले संत थे। आज से सैकड़ो वर्ष पहले उन्होंने जो बातें कहीं, वह आज भी अक्षरशः सत्य बैठती हैं। जब हमारे मित्रों की सरकार थी, तब वे बाढ़ पीड़ितों को कितना राहत देते थे यह हर व्यक्ति जानता है। बाढ़ पीड़ितों के नाम पर आने वाली राहत को हड़पना वे अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते थे। यह पूरा सदन जानता है कि वर्ष 2003 से लेकर 2017 के बीच में प्रदेश के अन्दर जब भी कोई आपदा आयी होगी, तो किसी भी पीड़ित को समय पर कोई राहत नहीं मिली। मैं वर्ष 2017 में जब बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में पहली बार गया, तो मैंने प्रशासन से पूछा कि बाढ़ पीड़ितों को क्या राहत दी जा रही है? तो सूखा ब्रेड का एक पैकेट लेकर एक अधिकारी मेरे सामने आया। मैंने उनसे प्रश्न किया कि यह सूखा ब्रेड कैसे लोग खायेंगे, इसके अलावा और कुछ नहीं है? उन्होंने कहा कि अब तक इसी प्रकार से ही दिया जाता रहा है। मैंने कहा कि अगर तीन दिन आपको यहां रहने पड़े और यही सूखा ब्रेड खाने के लिए आपको कहा जाए, तो क्या आप यहां रह पाएंगे? ये लोग इतने दिनों तक बाढ़ में रहेंगे, तो राहत का इन्हें अच्छा पैकेज मिलना चाहिए, तो वह अधिकारी चुप हो गया। मैं उसी दिन सायं लखनऊ आया और राहत आयुक्त को बुलाकर कहा कि बाढ़ पीड़ितों को जो राहत सामग्री भेजा जाए, वह कम से कम इतना भेजा जाए कि एक व्यक्ति अपने सिर पर उठाकर ले जाने की स्थिति में न हो। 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 10 किलो आलू, 10 किलो उसमें सूखा चना, चूड़ा व दाल, सरसों का तेल, मसाले, नमक और जो भी सामग्री भोजन की होती है, उसके साथ पांच किलो केरोसिन बाढ़ पीड़ितों को हम लोगों ने वर्ष 2017 से देना प्रारम्भ किया है।

राहत कार्य के लिए पैसा पहले भी आता था, उनसे पूछा जाना चाहिए जो आज बाढ़ राहत के नाम पर सदन के कार्य का बहिष्कार कर रहे हैं। उनसे पूछना चाहिए कि वर्ष 2003 से 2017 के बीच में उन्हें भी सत्ता में रहने का अवसर मिला होगा। इन गरीबों के हक को जो अपने विकृत जातिवादी राजनीति का शिकार बना देते थे। आखिर वह राहत सामग्री उन लोगों तक क्यों नहीं पहुँची? कौन लोग थे जो उन गरीबों के हक पर डकैती डाल रहे थे। किसी भी आपदा से पीड़ित व्यक्ति को हम लोग 24 घण्टे के अन्दर राहत सामग्री और जो भी मुआवजा दिया जाना है, वह 24 घण्टे के अन्दर सरकार उपलब्ध करा रही है, प्रशासन उपलब्ध करा रहा है। स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं कि हर हाल में गरीब को और पीड़ित को यह सहायता मिलनी चाहिए। जो लोग चर्चा से हमेशा भागे हैं, लोकतंत्र का मायने ही जिनके लिए परिवार था, सत्ता का मतलब ही जिनके लिए लूट-खसोट था, वे लोग आज फिर से लोकतंत्र की दुहाई देने की बात कर रहे हैं कि हम लोग 48 घण्टे बहस करना चाहते थे। 36 घण्टे के लिए तैयार नहीं हुए और 48 घण्टे बहस करते। गांधी जी के नाम पर बहुत सारे लोगों ने सत्ता हथियायी है, लेकिन गांधी जी के विचारों का, गांधी जी के दर्शन का कितना अनर्थ उन्होंने किया है। मैं देखकर ताज्जुब कर रहा था, मैं मानता था कि कम से कम कांग्रेस तो इस सदन में आयेगी। गांधी जी और शास्त्री जी की जयन्ती है। गांधी जी का 150वां और शास्त्री जी का 117वां जयन्ती वर्ष है, इसलिए कांगेस तो जरूर आयेगी ही। लेकिन देश के अन्दर एक परिवार ऐसा भी है, अगर उस परिवार के बाहर के किसी व्यक्ति को आप महिमामण्डित करेंगे तो उन्हें बहुत अच्छा नहीं लगता है, बुरा लगता है। उन्हें बुरा लगता है कि दूसरा व्यक्ति कैसे महिमामण्डित हो सकता है। उसमें तो यह मान लेते हैं कि उनकी बपौती है, इसके अलावा किसी दूसरे को समानता नहीं दी जानी चाहिये। चाहे वह लाल बहादुर शास्त्री जी हों, चाहे सरदार पटेल जी हों, चाहे वह नेता जी सुभाष चन्द्र बोस हों या फिर इस देश के अन्दर किसी भी उस महान नेता को कभी भी सम्मान देना उन्हें बहुत अच्छा नहीं लगा है, कभी नहीं लगा है। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर हों, वह इसको स्वीकार कर ही नहीं सकते। इसलिये उन्होंने भी बहुत सरलता के साथ कह दिया कि गांधी जी के मूल्यों को अंगीकार करना चाहिये। मैं पूछना चाहता हूं कि जब कॉमनवेल्थ गेम्स में लूट-खसोट हो रही थी तब क्या गांधी जी के मूल्यों को कांग्रेस अंगीकार कर रही थी? जब गुड़गांव में जमीन के बड़े-बड़े घोटाले हो रहे थे और उत्तर प्रदेश में बहुत सी अन्य जगह भी होंगे तो क्या यह गांधी जी का दर्शन था? क्या गांधी जी के सत्य और अहिंसा से यही प्रेरणा कांग्रेस ने ली थी?

महोदय, जनता इनको देख चुकी है, इनकी वास्तविकता को पहचान चुकी है और मुझे लगता है कि आज बहुजन समाजवादी पार्टी के एक मा0 सदस्य ने ठीक ही कहा। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है, उन्होंने कहा कि अगली बार 375 सीट भारतीय जनता पार्टी लेकर के आयेगी। हम लोग तो वैसे भी हारने जा रहे हैं, इसलिये अब इस पर आगे चर्चा करने की बात

ही बेकार है। उन्होंने ठीक कहा। वह नजारा देख रहे हैं। आगे क्या परिणाम होने जा रहे हैं यह भी देखने जा रहे हैं और इस दृष्टि से यह चर्चा अत्यन्त महत्वपूर्ण थी। महोदय, लोकतंत्र संवाद से चल सकता है। भगवान बुद्ध ने भी एक बात कही थी कि इस दुनिया में दुख है। उन्होंने कहा कि दुख का कारण भी है और उसका निवारण भी है और लोकतंत्र में समस्याएं भी हैं, उन समस्याओं का कारण भी है और उन समस्याओं का निवारण भी है और निवारण के माध्यम रूप में इस प्रकार की चर्चा सदन के माध्यम से जब आगे बढ़ेगी तो निवारण के किसी निष्कर्ष पर हम अवश्य पहुँचेंगे और उत्तर प्रदेश का मंत्रि-मण्डल और हमारी सभी टॉप की ब्यूरोक्रेसी 03 दिनों तक आई0आई0एम0 लखनऊ के साथ जिस मंथन के कार्यक्रम के साथ जुड़ा था, निवारण की उस कला को आगे बढ़ाने की ही दिशा में एक नया प्रयास हम लोगों का था। कैसे हम चर्चा-परिचर्चा के इस अभियान को आगे बढ़ा सकते हैं, उस दिशा में हम लोग आगे बढ़े थे। जब हम सस्टेनेबुल डेवलॅपमेंट गोल्स पर चर्चा कर रहे हैं तो मुझे पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी की एक बात याद आती है। उन्होंने एक बात कही थी कि आर्थिक योजनाओं तथा आर्थिक प्रगति की माप समाज के ऊपर की सीढ़ी पर पहुँचे हुए व्यक्ति से नहीं हो सकती है, बल्कि सबसे नीचे के स्तर पर विद्यमान व्यक्ति से ही हम इसकी माप कर सकते हैं यानी पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी ने आज से 60 वर्ष पहले जो विचार दिये हैं वह आज भी कितने प्रासंगिक हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में अपने उद्‌बोधन में इस बात का उल्लेख किया था कि मानवता तब आगे बढ़ी है जब सामूहिक रूप से दुनिया के प्रति अपने दायित्व और भविष्य की जिम्मेदारी के लिये ईमानदारी से एक नयी पहल की गयी है। एक सामूहिकता जिसको लेकर के बार-बार उन पर फोकस होता है कि जब तक समाज में कहीं भी गरीबी है, बदहाली है, अव्यवस्था है, कोई कुप्रथा है तब तक समाज प्रगति नहीं कर सकता है। हमें उसके खिलाफ खड़ा होना ही पड़ेगा, उसके खिलाफ समाज को जागरूक करना ही पड़ेगा, समाज को उन मुद्‌दों के साथ अवगत कराना ही पड़ेगा और लगातार इन बातों को लेकर के उन्होंने उस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

हमारा यह शरीर है और कोई अंग कमजोर हो जाए तो हम सर्वांग नहीं माने जाते हैं। एक अंग विशेष के कमजोर होने से यह शरीर दिव्यांग हो जाता है। समाज का कोई तबका कमजोर है, वह गरीबी में है, बदहाली में है, अशिक्षा का शिकार है, बेरोजगारी का शिकार है। आप विकास की किन बुलन्दियों की बात कर रहे हैं। क्या यह सामूहिक जिम्मेदारी नहीं है कि जो कमजोर है उसको भी हाथ देकर के हम उठाने क प्रयास करें। जो बदहाल है उसके जीवन में भी खुशहाली लाने का प्रयास करें। जो अशिक्षित है उसे शिक्षित करने की दिशा में एक बेहतर प्रयास करें। जिसके पास आज तक साधन नहीं पहुँच पाया है उसके पास साधन पहुँचा करके उसे भी एक समय के बाद संसाधनयुक्त करने की दिशा में हम प्रयास कर सकें और यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सस्टेनेबुल डेवलॅपमेंट गोल्स उन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा

में एक बेहतर प्रयास है और इसी कड़ी को आगे बढ़ाने के लिये सतत विकास के लक्ष्य का एजेण्डा 2030 एक महत्वाकांक्षी विजन के रूप में, जिसके व्यापक उद्देश्य हैं उनको लेकर के, 01 जनवरी 2016 से पूरी दुनिया के अन्दर लागू किया गया। एक बड़े प्रयास के बाद इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की दिशा में हर एक देश की अपनी-अपनी जिम्मेदारी है और फिर हम इसको केवल देश की सरकार के ही ऊपर न छोड़ें, हमारी भी तो कोई जिम्मेदारी है, राज्यों की भी तो कोई जिम्मेदारी होगी। राज्य के बाद हमारी अन्य संस्थाओं की भी तो कोई जिम्मेदारी होगी। उन सबको इसके साथ जोड़ने के लिये ही उत्तर प्रदेश विधान मण्डल के दोनों सदनों में हम लोगों ने इस महत्वपूर्ण विषय को चर्चा का विषय बनाया है, क्योंकि उत्तर प्रदेश के स्तर पर जो कुछ भी प्रयास हम करेंगे, अखिल भारतीय स्तर पर उसका प्रभाव हमें देखने को मिलेगा। स्वच्छ भारत मिशन में कल आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक जन भागीदारी के माध्यम से इज्जतघर निर्माण के लक्ष्य को पूरा करने में अपना योगदान देने के लिये पुरस्कार दिया है। (सदन में उपस्थित सभी मा0 सदस्यों द्वारा मेजों की थपथपाहट) उत्तर प्रदेश को यह सम्मान प्राप्त हुआ है, लगातार दूसरे वर्ष उत्तर प्रदेश को यह सम्मान मिला है। अगर उत्तर प्रदेश 02 करोड़ 61 लाख शौचालय नहीं बनाता तो स्वच्छ भारत मिशन में सबसे बड़ा बाधक उत्तर प्रदेश बन जाता और दुर्भाग्य से पिछली सरकारों ने बाधक बनने का प्रयास किया था। आज उत्तर प्रदेश भी कह सकता है कि हमनें बेसलाईन सर्वे और बेसलाईन सर्वे के बाहर ओडीएफ के लक्ष्य को यानी खुले में शौच से मुक्त करने के लक्ष्य को प्राप्त किया है। संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में जो उद्घोषणा हुई थी, उस घोषणा में जब इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में किये जाने वाले प्रयास की बात रही होगी तो स्वाभाविक रूप से भारत की सरकार के पास सबसे बड़ा चैलेंज तो उत्तर प्रदेश ही रहा होगा, लेकिन आज हम यह कह सकते हैं कि उत्तर प्रदेश अपने इस लक्ष्य को पूरा कर चुका है। उस कार्यक्रम के साथ हम आगे बढ़े हैं और यह सस्टेनुबुल डेवलॅपमेंट गोल्स को लेकर भी हम उन कार्यक्रमों को आगे बढ़ा सकते हैं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर हमनें इस चर्चा की शुरूआत की थी। उन्होंने इस बात को कहा था। एक बहुत महत्वपूर्ण बात बापू ने कही थी कि हम उस भावी विश्व के लिये चिन्ता करें जिसे हम देख नहीं पायेंगे यानी हम भावी पीढ़ी के लिये क्या देना चाहते हैं और यह भावी पीढ़ी किस रूप में आगे बढ़ सकती है, उसके लिये हम कैसा भविष्य चाहते हैं, यह हम पर निर्भर करेगा, जनता के द्वारा चुने गये इन जनप्रतिनिधियों पर निर्भर करेगा और जनता के द्वारा चुने गये इन जनप्रतिनिधियों को सस्टेनेबुल डेवलॅपमेंट गोल्स को प्राप्त करने के लिये जो लक्ष्य दिये गये हैं उनको अगर आप देखेंगे तो पायेंगे कि इसके मुख्य जो सिद्धान्त हैं वह फाईव पी पर निर्भर करते हैं। यह पांच पी पीपुल हैं, प्रॉस्पैरिटी है, पीस है, पार्टनरशिप है और प्लैनेट है यानी लोग हैं, सम्पन्नता है, शान्ति है, साझेदारी है और यह पृथ्वी है। मुझे लगता है कि भारत जैसे देश में सतत विकास के इन लक्ष्यों को प्राप्त करने

की मंशा यह आदिकाल से रही है। पहले से ही इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भारतीय मनीषा निरन्तर प्रयास करता रहा है। उसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की बात की है। यह भारतीय संस्कृति का एक आधारभूत वाक्य है, एक संदेश है और जब हम सतत विकास लक्ष्य की बात करते हैं तो उसके तीन सिद्धान्त भी उसमें महत्वपूर्ण हो जाते हैं, एक 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का, दूसरा प्रकृति के साथ तालमेल का और तीसरा प्रत्येक वस्तु के साथ संतुलन रखने का भी यह एक बहुत महत्वपूर्ण प्रयास है और उस प्रयास की कड़ी को आगे बढ़ाने के लिये हम लोगों ने जो कार्यक्रम आगे बढ़ाए हैं उन कार्यक्रमों की श्रृंखला में महोदय यहां पर विस्तार से दोनों सदनों में इन सभी 16 गोल्स पर जो उत्तर प्रदेश के अन्दर लागू होने हैं उन पर पिछले 36 घंटों से सभी मा0 सदस्यों ने अपने विचारों को रखा और विभिन्न विभागों में कौन-कौन से कार्य हो रहे हैं हमारे सभी मंत्रियों ने भी विस्तार से अपनी बातों को दोनों सदनों के फ्लोर पर रखने का प्रयास किया और बताने का काम किया कि हम वर्तमान में क्या कर रहे हैं और हमारी भावी योजनाएं क्या हो सकती हैं। प्रदेश सरकार में सतत विकास के लक्ष्यों को पूरा करने के लिये हम अधिक से अधिक संसाधन जुटाने के लिये पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और इस संबंध में सरकार के द्वारा लगातार हर स्तर पर कार्यवाही की जा रही है चाहे वह राज्य सरकार के द्वारा स्वयं के स्तर पर राजस्व की वृद्धि का हो या फिर केन्द्र के द्वारा मिलने वाले सहयोग की शत-प्रतिशत प्राप्ति का हो या फिर इससे जुड़ी हुई जनभागीदारी का हो या फिर पीपीपी मोड पर उस योजना को आगे बढ़ाने का हो, इन सभी कार्यों को निरन्तर आगे बढ़ाने के लिये सरकार ने पहले ही अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया है और हम सब इस बारे में मानते हैं कि चाहे वह प्रदेश सरकार के द्वारा किये जाने वाले प्रयास हों, हमनें विभिन्न योजनाओं में यह प्रयास किया, पहले जिन योजनाओं के लिये समय पर सरकार अपना यू0सी0 नहीं भेज पाती थी, यहां पर आज विभागों ने अपने स्तर पर उसको तेज किया है।

समय पर भारत सरकार का अनुदान और भारत सरकार से मिलने वाली सहायता मिल सके, राज्य स्तर पर इसके लिये विशेष प्रयास प्रारम्भ हुए हैं। राज्य सरकार ने अपने राजस्व में भी काफी वृद्धि विगत ढाई वर्ष के दौरान की है। इस वृद्धि को आगे बढ़ाने और सतत बनाए रखने के लिये भी हम लोगों ने जहां कार्य योजना आगे बढ़ाई है वहीं साथ ही साथ पी0पी0पी0 मोड में भी हम लोगों ने काफी योजनाओं को विस्तार से आगे बढ़ाने की कार्यवाही की तो तमाम वित्तीय संस्थाओं से चाहे वह विश्व बैंक हो, एशियन डेवलॅपमेंट बैंक हो या अन्तर्राष्ट्रीय अन्य वित्तीय संस्थाओं के सहयोग से भी या फिर माननीय अध्यक्ष महोदय, सिविल सोसाइटी है, स्वैच्छिक संगठन हैं, सी0एस0आर0 है। इन सभी मदों से भी सहयोग लेकर के हम लोगों ने इस कार्यक्रम को जहां आगे बढ़ाया है, वहीं साथ ही साथ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों का भी सहयोग करके सतत विकास के लक्ष्यों को क्रियान्वित करने की दिशा में प्रदेश सरकार ने पहले से ही अपनी कुछ कार्य योजनायें बनायी हैं और इस चर्चा के माध्यम से

भी जो चीजें आगे बढ़ी हैं, उससे भी हमें काफी नये सुझाव प्राप्त हुए हैं। प्रदेश के अन्दर निर्यात को आगे बढ़ाने की कार्यवाही हो या फिर इस दिशा में किये जाने वाले कोई भी अन्य प्रयास। यह प्रदेश सरकार निरन्तर उन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। मैं यह बताना चाहता हूं कि यह जो सतत विकास के लक्ष्य हैं, यह न केवल समसामयिक हैं, बल्कि जनसामान्य के भविष्य की बेहतरी के लिए इन गोल्स के लक्ष्यों को प्राप्त कर प्रदेश सर्वांगीण विकास की ओर तेजी के साथ अग्रसर हो सकता है, क्योंकि इसमें जुड़े हुए प्रत्येक गोल्स एक-दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं एक का प्रभाव दूसरे पर पड़ेगा। जैसे हम लोग गरीबी उन्मूलन और बेहतर स्वास्थ्य के बीच तालमेल की बात करें। जहां गरीबी ज्यादा होगी, वहां बीमारी भी होगी। हमने गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए अगर कुछ भी प्रयास उनके बीच में प्रारम्भ किया तो वह न केवल उसके जीवन स्तर को उठाकर के उसे गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का एक बेहतर प्रयास है अपितु उस बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में भी किये जाने वाले प्रयास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यानी एक लक्ष्य को बेहतर बनाने से दूसरा लक्ष्य अपने आप बेहतरी की ओर आगे बढ़ता है। अगर हमने बेहतर स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध करायी है तो एक स्वस्थ्य व्यक्ति स्वाभाविक रूप से अपने बेहतर स्वास्थ्य के माध्यम से एक सामान्य जन के बीच में भी उसकी प्रगति और उसकी समृद्धि में अपना योगदान दे सकता है। यानी एक गोल्स का संबंध दूसरे गोल्स के साथ किस रूप में है। यह हम गरीबी और बेहतर स्वास्थ्य की दृष्टि से या गरीबी और अशिक्षा की दृष्टि से इन सभी घटनाओं को एक-दूसरे के साथ जोड़कर भी देख सकते हैं। एक का संबंध दूसरे के साथ किस रूप में बना हुआ है, यह इसके साथ बना हुआ है। इसको हम इस रूप में देख सकते हैं, इसलिए हमें इन सभी के साथ एक-दूसरे को जोड़कर के ही बेहतर समन्वय के माध्यम से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

विभागीय अन्तर्विभागीय समन्वय इसमें बहुत बड़ा रोल अदा कर सकता है। यह राज्य स्तर पर भी, जनपद स्तर पर भी, नगर निकाय के स्तर पर भी और हमारी जो लोकतांत्रिक संस्थायें हैं, ग्राम पंचायत के स्तर पर भी अगर अन्तर विभागीय समन्वय के माध्यम से हम इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं तो इसके उतने ही बेहतर परिणाम भी आने वाले हैं और उस बेहतर परिणाम को प्राप्त करने की दिशा में हम लोगों ने एक कार्यवाही आगे बढ़ायी है। हम सबका मानना है कि सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना एक ऐसे समाज का सृजन करना है, जो गरीबी से और भुखमरी से मुक्त हो, लैंगिक समानता हो, सभी स्वस्थ्य और शिक्षित हों तथा जहां पर प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करता हो, उसे अवसर उपलब्ध हों और उसे सम्मान भी मिले। हमें पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी सचेत रहना होगा, जिससे कि जलवायु परिवर्तन से जुड़ी हुई समस्याओं से आने वाली पीढ़ी को जूझना न पड़े।

हम सबका मानना है कि सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरा देश उत्तर प्रदेश की ओर देख रहा है, क्योंकि आबादी के हिसाब से देश का हर छठा व्यक्ति उत्तर प्रदेश में है। पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है, क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। अगर दुनिया का हर छठा व्यक्ति भारतीय है तो भारत का हर छठा व्यक्ति उत्तर प्रदेश का है, इसलिए उत्तर प्रदेश के अन्दर सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में जो प्रयास होंगे, उसके परिणाम भी उसी रूप में आते हुए दिखाई देने चाहिए और इस दिशा में अब तक जो कार्यक्रम सरकार ने बनाये हैं, इन गोल्स के बारे में जो कार्य योजना बनायी है, इनमें खासतौर पर हम लोगों ने 16 समितियों का गठन किया है। पहले ही मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रदेश के अन्दर सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में इसमें से बहुत सारी ऐसी बातें हैं, जिसको यू0एन0 ने 2030 का लक्ष्य रखा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने 2022, 2024, 2025 अलग-अलग वर्षों में उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भी एक टारगेट पहले से तय किया है। उत्तर प्रदेश सरकार भी उन लक्ष्यों के साथ अपने आपको जोड़ेगी और उस दिशा में जो बेहतर प्रयास हुए हैं, उसी में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में पूरे प्रदेश के अन्दर निरन्तर सस्टेनेबुल डेवलपमेन्ट गोल्स की प्रगति और लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में किये जाने वाले प्रयास के बारे में, उनकी अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गयी है, यह जो टास्क फोर्स होगा, जो निरन्तर इन सब कार्यों की निगरानी करेगा। सभी 16 के 16 गोल्स को अचीव करने के लिए विभिन्न विभागों के स्तर पर किये जाने वाले प्रयासों की न केवल समीक्षा करेगा अपितु उसे तेजी के साथ आगे बढ़ाने में भी अपना योगदान देगा, जिसमें मुख्य सचिव हैं और सदस्य सचिव के रूप में अपर मुख्य सचिव, नियोजन उनके साथ में हैं और बाकी अन्य सदस्यगण विभिन्न विभागों के जो अन्य अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिवगण हैं, जिनमें ग्राम्य विकास है, औद्योगिक विकास आयुक्त हैं, कृषि है, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण है, माध्यमिक शिक्षा है, महिला कल्याण है, सिंचाई है, ऊर्जा है, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम है, बेसिक शिक्षा है, समाज कल्याण है, नगर विकास है, पर्यावरण एवं वन है, गृह है, वित्त है, पंचायती राज विभाग है यह सभी विभाग उनके साथ इस सूची में सदस्य के रूप में इस विभाग से जुड़े हुए जितने भी अपर मुख्य सचिव या फिर प्रमुख सचिव हैं, वह इनके साथ इस समिति में हैं। टास्क फोर्स को जो कार्य दिया गया है, इसमें एस0डी0जी0 के क्रियान्वयन की प्रगति एवं विश्लेषण की समीक्षा करना है। जनपद एवं निचले स्तर पर सस्टेनेबुल डेवलपमेन्ट गोल्स के क्रियान्वयन के लिए सुझाव व संस्तुति देना है।

एस0डी0जी0 की अवधारणा को निचले स्तर तक ले जाने के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग एवं प्रचार-प्रसार के लिए आवश्यक कार्यवाही और दिशा निर्देश जारी करना, प्रदेश के विकास में 16 लोगों के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक धनराशि के विषय में चर्चा कर निर्णय लेना और तद्नुसार बजटीय व्यवस्था सुनिश्चित करना केवल गोल्स ही बनाना नहीं बल्कि उसके लिए

बजटीय प्राविधान भी करने की दिशा में प्रयास करना, एस0डी0जी0 के विभिन्न गोलों के टारगेट के सापेक्ष भारत सरकार द्वारा चिन्हित इंडीकेटर्स को प्रदेश के लिए लागू करना एवं राज्य सरकार की योजनाओं के लिए इंडीकेटर्स विकसित कर, उन्हीं इंडीकेटर्स के आधार पर आगे बढ़ने के लिए डेस्क बोर्ड बनाकर लगातार उसका अनुश्रवण करना, प्रदेश में एस0डी0जी0 के क्रियान्वयन को लोकल सेल्फ गवर्नेन्स में व जिला योजना बनाने में भी आवश्यक कार्यवाही करना, नीति आयोग द्वारा बनाये गये इंडिया एस0डी0जी0 इंडेक्स के आधार पर प्रदेश के लिए एस0डी0जी0 इंडेक्स तैयार करना, भारत व प्रदेश स्तर पर हो रहे गैप को कम करने के लिए समुचित निर्देश जारी करना, प्रदेश में अन्य राज्यों के सापेक्ष राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की स्थिति को सुधारने के लिए गैप एनालिसिस करना एवं इसकी पूर्ति के लिए देश विदेश के विख्यात राजनीतिज्ञों, विशेषज्ञों, उद्योगपतियों वैज्ञानिकों की व्याख्यानमाला आयोजित करना एवं उसके निष्कर्ष को विकास की मुख्यधारा में समावेशित करना, विभिन्न राज्यों में हो रहे बेस्ट प्रैक्टिसेस का संकलन अपने-अपने गोलों के आधार पर आंकलित करना व प्रदेश के विकास के लिए आवश्यकतानुसार उसे समाहित करने के लिए समुचित दिशा निर्देश जारी करना, समय-समय पर सरकार द्वारा लिये गये नीतिगत निर्णयों को प्रदेश के विजन में समाहित करना, वर्ष 2024 के विजन को प्राप्त करने के लिए रणनीति तैयार करना, प्रदेश की आवश्यकतानुसार एवं नीति आयोग द्वारा समय-समय पर एस0डी0जी0 के क्रियान्वयन के संबंध में दिये गये निर्देशों को सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु समुचित निर्देश भी जारी करना। यह जो प्रदेश स्तर पर सस्टेनेबुल डेवलपमेन्ट गोल्स का अचीव करने के लिए अब तक जो कार्यवाही हम लोगों ने प्रारम्भ की है, वह मुख्य सचिव के स्तर पर, राज्य स्तर पर जो कमेटी बनी है, वह इस रूप में अनुश्रवण करेगी। इसमें अलग-अलग गोल्स के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं, इसमें सबसे पहला जो गोल है, वह गरीबी उन्मूलन से है।

गरीबी उन्मूलन यानी सब जगह से गरीबी को इसके सभी रूपों में अन्त करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा उसमें जो सार्थक व ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, वह ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना है। प्रदेश के अन्दर एसी0सी0सी0 का जो डाटा है, उसके अनुसार 14 लाख 60 हजार ऐसे परिवार हैं, जिनके पास अपना स्वयं का आवास नहीं है और इसमें से 12 लाख 47 हजार को अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 1-1 आवास प्रदेश सरकार दे चुकी है। पहले चरण में एसी0सी0सी0 के सर्वे के अनुसार जो लोग आये हैं, हम उनको प्रधानमंत्री आवास देंगे। इसके अलावा प्रदेश के अन्दर इस सूची के बाहर छूटे हुए लोग या फिर किसी आपदा के शिकार या फिर वन्य गांव बनटांगिया गांव, मुसहर, कुष्टरोगी या फिर इससे जुड़े हुए ऐसे परिवार थे जो इससे वंचित रह गये थे, उनके लिए मुख्य मंत्री आवास की भी एक योजना प्रदेश सरकार ने अलग से चलायी है, लेकिन हमने तय किया है कि 2022 तक प्रधानमंत्री आवास योजना के लक्ष्यों को हम पूरा कर लेंगे

और प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रदेश के अन्दर हर गरीब को, उसके सिर को ढकने के लिए एक छत उपलब्ध कराने की कार्यवाही करेंगे और इसका यह एक हिस्सा है, जिसमें मुसहर हैं, कोल हैं, थारू हैं या फिर अन्य जो जातियां थीं, उनके लिए भी उन्हें इन योजना से जो आच्छादित हो रहे हैं, उन्हें आच्छादित करने के साथ ही अन्य कार्यवाही को आगे बढ़ाने की कार्यवाही करना, इसके अलावा प्रदेश सरकार ने बनटांगिया, मुसहर, कोल और थारू जनजाति के 38 वन्य गांव जो आजादी के बाद बदहाल स्थिति में थे राज्य सरकार ने उन्हें पहले ही राजस्व गांव के रूप में घोषित करते हुए सभी योजनाओं से आच्छादित किया है। साथ ही साथ प्रदेश के अन्दर मनरेगा में 2016 तक कुल 14 करोड़ मानव दिवस सृजित हो पाते थे और मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि इस वर्ष मनरेगा में हमने इस बजट को बढ़ाकर के 7 हजार 500 करोड़ रु0 भारत सरकार के सहयोग से किया है और अब यह 14 करोड़ से बढ़कर के रोजगार के जो मानव दिवस सृजन होंगे, इसके माध्यम से 25 करोड़ होंगे। 25 करोड़ मानव दिवस के रूप में हम इसे सृजित करने जा रहे हैं, जो विभिन्न प्रकार की योजनायें इसके माध्यम से बनी हैं, इसमें शत-प्रतिशत निराश्रित महिलाओं को वर्ष 2022 तक मनरेगा व ग्रामीण आजीविका मिशन से जोड़ा जाना, किसानों की आय को दोगुना करना, ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिटिकल गैप से संबंधित मिशन अन्त्योदय सर्वे के आधार पर विकास कर क्षेत्रीय विषमता को दूर करना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा, कौशल विकास आदि योजनाओं से निर्धनतम व निर्धन परिवारों की आय में वृद्धि करना, समाज की व नगरीय क्षेत्रों की झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले, कूड़ा बीनने वाले, रिक्शा चलाने वाले, भिक्षावृत्ति करने वाले, निर्धनतम व निर्धन परिवारों की पहचान कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कार्यवाही करना और इसी कार्यवाही को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने प्रदेश में चाहे वह विश्वकर्मा श्रम सम्मान की योजना हो। माटी कला बोर्ड हो, कौशल विकास के क्षेत्र में आठ लाख चौंतीस हजार युवाओं को प्रशिक्षित करके तीन लाख से अधिक युवाओं को विभिन्न योजनाओं में सेवायोजित कराना हो जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं।

मुख्य मंत्री युवा स्वरोजगार योजना गरीबी उन्मूलन की दिशा में किया जाने वाला महत्वपूर्ण प्रयास और गोल को एचीव करने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार के साथ मिलकर की गई एक कार्य योजना है। इस गोल को निरंतर आगे बढ़ाने और इस क्षेत्र में देश और दुनिया के अन्दर कहीं भी कोई अच्छा कार्य किया जा रहा हो और कहीं भी गरीबी उन्मूलन की दिशा में बेहतर प्रयास हो रहा हो तो इसके लिए प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया जा रहा है। ग्राम्य विकास विभाग को इसका नोडल विभाग बनाया जा रहा है जिसमें पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग, संस्थागत वित्त विभाग, नगर विकास विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग, समाज कल्याण विभाग, राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव इस कमेटी में सदस्य

के रूप में रहेंगे। गरीबी उन्मूलन की दिशा में अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से इस प्रयास को आगे बढ़ाने और संबंधित विभाग के जो हमारे मंत्री होंगे वह भी हर तीसरे महीने स्वयं इसकी समीक्षा करेंगे और दूसरे महीने इस अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्रदेश के अन्दर हम लोगो ने टारगेट तय किया है। दूसरा गोल है, शून्य भुखमरी यानि कि भुखमरी को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण हासिल करना तथा सतत कृषि को बढ़ावा देना। इस दिशा में अब तक प्रदेश सरकार ने बहुत कार्य किये हैं। मार्च, 2017 में सत्ता में आने के बाद चाहे 86 लाख सीमान्त और लघु सीमान्त किसानों के एक लाख रुपये तक के कर्ज माफी की कार्यवाही रही हो, चाहे फिर उन सभी योजनाओं को प्रदेश के साथ जोड़ने का कार्य हो, चाहे वह किसान सम्मान निधि हो, स्वायल हेल्थ कार्ड का कार्य हो, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना का कार्य हो, या फिर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना हो, प्रदेश के अन्दर इन सभी कार्यों को आगे बढ़ाने की कार्यवाही हुई है और मुझे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि जब हम आज इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं तब हमारी सरकार गन्ना किसानों के 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक के गन्ना मूल्य के बकाये का भुगतान कर चुकी है। प्रदेश के अन्दर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में एक करोड़ बहसठ लाख किसानों को अब तक इस योजना से आच्छादित किया जा चुका है। प्रदेश सरकार प्रदेश के अन्दर एक पालिसी लाकर लागत से डेढ़ गुना दाम किसान को देने की कार्यवाही भारत सरकार के सहयोग से निरंतर आगे बढ़ा रही है। गेहूं, धान, दलहन, तिलहन, मकई, आलू इन सबका भी एन0एस0पी0 पहली बार प्रदेश के अन्दर हुआ है। बीच के आढ़तियां दलालों को मुक्त करते हुए सीधे किसानों से प्रक्यूरमेण्ट की कार्यवाही प्रदेश सरकार ने प्रारम्भ की है और युद्ध स्तर पर यह कार्य प्रदेश के अन्दर चल रहा है।

प्रदेश के अन्दर 100 मण्डियों को विशेष योजना के तहत् जोड़ा गया है। इसके साथ ही किसानों को आधुनिक तकनीकी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 20 नये कृषि विज्ञान केन्द्र भी प्रदेश के अन्दर स्वीकृत किये गये हैं। प्रदेश के अन्दर कुल 83 कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों को आधुनिक तकनीकी उपलब्ध करा रहे हैं। शेष 06 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी कार्य प्रगति पर है। हमने भविष्य की योजना के लिए वर्ष 2030 तक सुरक्षित और पोषण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में राष्ट्र का अन्न भण्डार विकसित किया जाना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत खाद्यान्न, तिलहन, दूध, दाल, सब्जी, अण्डा, मांस और मछली के उत्पादन को बढ़ावा देना, मोटे अनाज अर्थात ज्वार, बाजरा आदि जो कम वर्षा या प्रतिकूल मौसम में भी उग आते है की खेती को भी उन क्षेत्रों में बढ़ावा देना, नवीनतम सिंचाई की पद्धतियों को ड्रिप और स्प्रिन्कलर सिंचाई को बढ़ावा देना, जैव विविधता की रक्षा के लिए जीन बैंकों की स्थापना की दिशा में भी कार्यवाही करना, इसके अलावा प्रदेश के अन्दर भुखमरी के साथ-साथ पोषण मिशन को भी सफल बनाना, कुपोषण से सुपोषण के लक्ष्य को प्राप्त करना।

इसके लिए प्रदेश के अन्दर जो कार्यवाही प्रारम्भ हुई है उसके तहत् प्रदेश के अन्दर 14,31,000 यूनिट खाद्यान्न आज के दिन में प्रदेश के अन्दर दो रुपये गेहूं और तीन रुपये चावल की दर से परिवारों को उपलब्ध करवाने की कार्यवाही की जा रही है। खाद्यान्न की हो रही चोरी को पूरी तरह से रोकने की कार्यवाही करने में प्रदेश सरकार को व्यापक सफलता प्राप्त हुई है और टेक्नोलाजी का भी उपयोग करने से काफी बढ़ी मात्रा में हमें सफलता प्राप्त हुई है जिसमें प्रदेश और केन्द्र सरकार द्वारा जो सब्सिडी दी जा रही थी उस सब्सिडी की भारी बचत इसके माध्यम से हुई है। इस गोल को एचीव करने के लिए और शून्य भुखमरी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रमुख सचिव, खाद्य और रसद विभाग की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई है जिसमें सह अध्यक्ष के रूप में प्रमुख सचिव, कृषि विभाग को रखा गया है। इस समिति में पंचायती राज, ग्राम्य विकास, महिला एवं बाल विकास पुष्टाहार, सहकारिता के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव को रखा गया है। इस गोल को एचीव करने की दिशा में जो बेहतर प्रयास होने हैं और कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने की दिशा में जो कार्य योजना बननी है वह इन विभागों के अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से कार्यवाही आगे बढ़ेगी। तीसरा गोल है, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली, इसमें भी प्रदेश सरकार ने विगत ढ़ाई वर्ष के अन्दर काफी प्रगति की है लेकिन अभी बहुत प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

वर्ष 2014 में प्रदेश के अन्दर जो मातृ मृत्यु दर थी वह प्रति लाख 285 प्रति व्यक्ति थी लेकिन वर्ष 2019 में यह घटकर प्रति लाख 201 प्रति व्यक्ति हुई है। प्रदेश के अन्दर ऐसे ही अन्य क्षेत्रों में एक अच्छी प्रगति करने का कार्य यहां पर किया गया है जिसमें प्रदेश के अन्दर शिशु मृत्यु दर वर्ष 2014 में 48 प्रति हजार की थी जो वर्ष 2019 में 41 प्रति हजार करने में सफलता प्राप्त हुई है। टीकाकरण 61 फीसदी से बढ़ाकर 84 फीसदी करने में सफलता प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 6,47,00,000 लाभार्थी वर्तमान में प्रदेश के अन्दर आच्छादित हैं और 56 लाख परिवार जो इस योजना से आच्छादित नहीं हो पाये थे उन्हें मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत आच्छादित करने की कार्यवाही प्रदेश सरकार ने अपने स्तर पर की है। इस दिशा में जो अन्य प्रयास प्रारम्भ हुये हैं वह वृहत्तर दिशा में कार्य प्रारम्भ हुये हैं। चाहे वह 108 या 102 एम्बुलेन्स सेवाओं के रिस्पान्स टाइम को कम करना हो, चाहे 250 एडवान्स लाइफ सपोर्ट एम्बुलेन्स प्रदेश के अन्दर हर बड़े जनपद में 04 और छोटे जनपद में 03 देने की कार्यवाही हुई हो, चाहे निजी क्षेत्र के सहयोग से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को प्रत्येक माह की 09 तारीख को संचालित करने का हो या फिर प्रधानमंत्री मातृत्व वन्दना योजना के अन्तर्गत गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को अब तक 701 करोड़ रुपये के वितरण का हो। माननीय अध्यक्ष जी, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए इसे 44 फीसदी से बढ़ाकर अब तक 80 फीसदी तक करने में सफलता प्राप्त हुई है। उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन के माध्यम से दवाओं को सस्ते में खरीदने के

साथ-साथ प्रत्येक चिकित्सालय में इसकी पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता भी हो और अधिक से अधिक लोग इससे आच्छादित हो सके इसके लिए भी कार्यवाही की जा रही है। 780 उपकेन्द्र, 955 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 392 नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र उच्चीकृत किये गये हैं और साथ ही 2127 सेण्टर भी वर्तमान में संचालित किये जा रहे हैं। साथ ही साथ प्रदेश के अन्दर 1,87,997 आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से इन सेवाओं का विस्तारीकरण करने की जो कार्यवाही चल रही है उस कार्यवाही को आगे बढ़ाने के लिए एक लक्ष्य रखा गया है कि भारत देश के अन्दर मातृ मृत्यु दर वर्तमान में 130 है लेकिन उत्तर प्रदेश के अन्दर यह अभी 201 है। यह जो अन्तर्राष्ट्रीय मानक है वह 70 व्यक्ति प्रति लाख है और उत्तर प्रदेश इसे एचीव करने की दिशा में कार्यवाही को आगे बढ़ा रहा है। हमारा लक्ष्य है इस दिशा में तेजी के साथ कार्यवाही करना है। डाक्टरों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रयास किये गये हैं। आजादी के बाद से लेकर वर्ष 2016 तक प्रदेश में कुल 12 राजकीय मेडिकल कालेज बने हैं। वर्ष 2016 से वर्ष 2019 के बीच प्रदेश सरकार 15 नये मेडिकल कालेजेज बना रही है जिसमें हमने इस वर्ष 07 नये मेडिकल कालेजेज में एडमिशन कराये हैं और 08 नये मेडिकल कालेजेज में अगले वर्ष प्रवेश की प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। मुझे यह बताते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि जो ऐसे जनपद थे जो अब तक असंतृप्त थे, उन ऐसे 14 जनपदों में भी नये मेडिकल कालेज बनाने की कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही जिन छात्रों को हम इन मेडिकल कालेजेज में प्रवेश दे रहे हैं उन छात्रों से एक बाण्ड भी भराया जा रहा है कि अपनी डिग्री लेने के बाद उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में सेवायोजित किया जायेगा वहां कम से कम उन्हें दो वर्षों तक उन ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवायें देनी होंगी। इसके साथ ही वर्ष 2025 तक ट्यूबरक्लोसिस को पूरी तरह से समाप्त करने के लक्ष्य पर कार्य करना और ट्रामा सेण्टर्स को क्रियाशील किया जाना हमारी प्राथमिकता में है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों को तैयार करने के लिए डी0एन0बी0 कोर्स का संचालन तथा शीघ्र ही सी0पी0एस0 कोर्स भी संचालित करना, पैरामेडिकल स्टाफ की क्षमता वृद्धि के लिए उनके शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था करना, स्वास्थ्य से संबंधित खतरों को जानने के लिए विभिन्न संक्रामक रोगों के सर्विलान्स विभाग द्वारा सभी जनपदों में रैपिड रिसपान्स टीम का गठन करना, प्रदेश में चार शैय्यायुक्त 180 न्यू बार्न स्टेबलाईजेशन इकाई क्रियाशील की गई हैं तथा 240 नई इकाईयों की शीघ्र स्थापना की जा रही है, प्रदेश में 79 सिक न्यू बार्न केयर इकाई क्रियाशील की गई है तथा 07 नई इकाइयों की स्थापना की जा रही है। तम्बाकू से भी पूर्णतः मुक्ति के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। इस गोल को एचीव करने के लिए हमने यह सब आगामी लक्ष्य रखे हैं और इसके लिए इस गोल के उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली को प्राप्त करने के लिए नोडल विभाग चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग को रखा गया है। इस विभाग के जो प्रमुख सचिव हैं उन्हें इस गोल को एचीव करने के लिए बनाई गई कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी

के सह अध्यक्ष चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव हैं तथा आयुष विभाग, नगर विकास विभाग, महिला तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग तथा पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिवगण सदस्य के रूप में इस गोल को एचीव करने की दिशा में सहयोग प्रदान करेंगे। प्रदेश सरकार ने तीसरे गोल को एचीव करने की दिशा में जो कार्य प्रारम्भ किया है वह इस रूप में आगे बढ़ेगा। क्वालिटी एजूकेशन के लिए भी प्रदेश सरकार ने कार्यवाही प्रारम्भ की है। चाहे बेसिक शिक्षा विभाग हो, माध्यमिक शिक्षा विभाग हो, उच्च शिक्षा विभाग हो, प्राविधिक शिक्षा विभाग हो या फिर व्यवसायिक शिक्षा विभाग हो यह सभी एक व्यवस्थित कार्य योजना के साथ कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग में वर्ष 2016 तक कुल 1,34,00,000 बच्चे ही विद्यालय में पढ़ने जाते थे और मुझे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि पिछले ढ़ाई वर्ष में 45 लाख नये बच्चों का नामांकन बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में हुआ है। उन बच्चो को दो यूनीफार्म, बैग, बुक्स, शूज, स्वेटर उपलब्ध कराने की कार्यवाही करने के साथ ही आप सबको इस बात के लिए भी मैं धन्यवाद दूंगा कि आपरेशन कायाकल्प में इन विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में किस प्रकार अच्छी फ्लोरिंग हो, ट्वायलेट अलग-अलग हो, पेयजल की व्यवस्था हो, बच्चों के लिए फर्नीचर की व्यवस्था हो और साथ ही साथ स्मार्ट क्लासेज की भी व्यवस्था हो। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हम लोगो ने पूरे प्रदेश के अन्दर ऐसे 91000 विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण की कार्यवाही करने में अब तक आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत कार्यवाही करने में सफलता प्राप्त की है। माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा में पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने की दिशा में भी एक सार्थक पहल प्रारम्भ हुई है। चाहे वह माध्यमिक शिक्षा में शिक्षकों की तैनाती की कार्यवाही हो, जब तक नए शिक्षक आते हैं, तब तक मानदेय के आधार पर रिटायर्ड शिक्षकों को उन विद्यालयों में मैथ, साइंस, इंग्लिस या कम्प्यूटर से जुड़े हुए पाठ्यक्रम को पढ़ाने के लिए एक निश्चित मानदेय के आधार पर उस कार्यवाही को आगे करने का हो या फिर नकल-विहीन परीक्षा का हो। प्रदेश के अन्दर इस कार्यवाही को तेजी के साथ आगे बढ़ाने की कार्यवाही प्रदेश सरकार ने आगे बढ़ायी है। साथ-साथ बहुत सारे ऐसे नए प्रयोग इस क्षेत्र में किए गए हैं जो शिक्षा की गुणवत्ता को आगे बढ़ाने में जिसका अपना एक महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है और इन्हीं कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने अलग-अलग कार्य-योजनाएं इस दिशा में शिक्षा की गुणवत्ता की दृष्टि से प्रारम्भ की हैं।

चाहे वह प्राविधिक शिक्षा में या एन0सी0टी0ई0 के मानक के अनुसार 2022 तक समस्त राजकीय और अनुदानित संस्थाओं को एन0वी0ए0 एक्रीडिएशन से आच्छादित करने की कार्यवाही हो, छात्रों को व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण देने की कार्यवाही हो, चाहे अन्य जो कार्यवाही हो, इन सब पर भी एक बेहतर प्रयास प्रदेश के अन्दर हुआ है और उच्च शिक्षा के लिए भी प्रदेश सरकार 03 नए विश्वविद्यालयों को जहां बनाने जा रही है, एक सहारनपुर में,

दूसरा अलीगढ़ में और तीसरा आजमगढ़ में। इसके अलावा प्रदेश के अन्दर निजी क्षेत्र में भी उच्च शिक्षा के कुछ अच्छे केन्द्र स्थापित हों, अच्छे विश्वविद्यालय स्थापित हों। एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा इस दिशा में बने। पहली बार उच्च शिक्षा के लिए भी, निजी विश्वविद्यालयों का भी एक एक्ट बनाने में प्रदेश सरकार ने सफलता प्राप्त की है। इस कार्यवाही को आगे बढ़ाया है और इस गोल को एचीव करने के लिए, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए नोडल विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग को बनाया गया है। जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी है, प्रमुख सचिव, माध्यमिक शिक्षा इसके सह अध्यक्ष हैं। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा महिला कल्याण और बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, यह सभी इसके सदस्य होंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भी कार्यवाही प्रारम्भ हुई है। लैंगिक समानता के लिए भी प्रदेश के अन्दर विभिन्न प्रकार की कार्य-योजनाएं चल रही हैं, जिसमें वन स्टाप सेण्टर, जिसमें हिंसा से पीड़ित महिला की सहायता हेतु एक ही छत के नीचे- महिला हेल्प लाइन, पुलिस सहायता, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक एवं अल्पावास गृह आदि की सेवाएं, इस सेण्टर के माध्यम से देने की कार्यवाही की जा रही है। 2014-15 में प्रदेश के अन्दर जो लिंगानुपात था, यह 885 था, जो कि 2018-19 में 913 हुआ है। मानव देह व्यापार से पीड़ित महिलाओं हेतु 02 उज्जवला गृह संचालित हैं। प्रदेश में एण्टी रोमियो स्क्वायड का गठन, महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध हो रही हिंसा में बचाव के लिए वूमेन पॉवर लाइन 1090, गुमशुदा बच्चों की सुरक्षित वापसी के लिए आपरेशन आत्म रक्षा, 35 जनपदों में मानव तस्करीरोधी इकाइयों की स्थापना और महिला उद्यमियों हेतु सब्सिडी की विशेष व्यवस्था। जहां यह कार्यवाही अब तक सम्पन्न हुई है, वहीं आगे की कार्यवाही में प्रदेश के अन्दर मुख्य मंत्री सुमंगला योजना, जिसे हम बहुत शीघ्र लागू करने जा रहे हैं, जिसके बारे में पहले ही बताया गया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, 2020 में 68 जनपदों में तथा 2022 तक सभी 75 जनपदों में क्रियान्वित करने की कार्यवाही है। साथ-साथ लिंगानुपात में सुधार हेतु 2020 में 915, 2022 में 925 और 2024 तक 935 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पॉक्सो अधिनियम के तहत् हर जिले में विशेष अदालतें स्थापित कर दी गयी हैं। इसके अलावा प्रदेश के अन्दर जो 07 लाख महिला समूह हैं, बैंकों के माध्यम से वित्त पोषण की कार्यवाही का लक्ष्य भी उनके लिए रखने की कार्यवाही आगे बढ़ी है और इस दिशा में, इस दृष्टि से कार्यवाही के लिए हम लोगों ने महिला कल्याण और बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग को इसका नोडल विभाग बनाया है। जिसमें प्रमुख सचिव, महिला कल्याण एवं बाल विकास, पुष्टाहार विभाग अध्यक्ष हैं। प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास, प्रमुख सचिव, गृह, प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग, प्रमुख सचिव, संस्थागत वित्त, प्रमुख सचिव, सूचना विभाग, प्रमुख सचिव, वित्त इसके सदस्य

हैं। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सभी अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। छठा गोल है, स्वच्छ जल और स्वच्छता- इस दिशा में जैसे कि पहले भी बताया गया है कि प्रदेश के अन्दर हम लोगों ने अब तक हर घर नल की उस योजना को आच्छादित करने की दिशा में जो बेहतर प्रयास भारत सरकार के द्वारा प्रारम्भ हुआ है। उस दिशा में एक बेहतर पहल प्रदेश सरकार प्रारम्भ कर चुकी है और बुन्देलखण्ड के 07 जनपदों में पहले चरण में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की कार्यवाही, हम लोगों ने बजट में 09 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था पहले ही कर दी है। विन्ध्य क्षेत्र को, इन्सेफ्लाइटिस से प्रभावित क्षेत्रों को, आर्सेनिक और फ्लोराइड से प्रभावित क्षेत्रों को हम लोगों ने इसके साथ ही जोड़ा है और हमारा प्रयास है कि 2024 तक जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के हर घर में जल से नल उपलब्ध कराने की दिशा में हम लोग सफल होंगे और यह एक व्यापक कार्य योजना प्रदेश के अन्दर बनायी गयी है। इस विभाग में हम लोगों ने जल शक्ति विभाग को इसका हमने नोडल विभाग तय किया है। इसके प्रमुख सचिव, इसके अध्यक्ष होंगे। ग्राम्य विकास और पंचायती राज के प्रमुख सचिव इसके सह अध्यक्ष होंगे। नगर विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं वन इसके सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। यह इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में यह कार्यवाही आगे बढ़ेगी। स्वच्छता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश ने कल उस लक्ष्य को पाने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश के सभी 652 नगर निकाय ओ0डी0एफ0 घोषित हुए हैं और प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतें भी ओ0डी0एफ0 घोषित हुई हैं। 02 करोड़ 61 लाख शौचालय ग्रामीण क्षेत्र में हैं और लगभग साढ़े आठ लाख शौचालय नगरीय क्षेत्रों में इस दौरान बनाने में प्रदेश सरकार को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से, भारत सरकार के सहयोग से और जन सहभागिता के माध्यम से सफलता प्राप्त हुई है। इस विभाग में हम लोगों ने इस गोल को एचीव करने के लिए जल शक्ति विभाग को इसका नोडल विभाग बनाया है और इसमें इन सभी विभागों को इसके साथ जोड़ा है।

सातवां, सस्ती और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा, अफोर्डेबल एण्ड क्लीन एनर्जी के लिए प्रदेश के अन्दर जो प्रयास प्रारम्भ हुए हैं, हम सब जानते हैं, प्रदेश में विद्युत की आपूर्ति पहले किस रूप में थी। आज 24 घण्टे, 20 घण्टे और 18 घण्टे का जो रोस्टर प्रदेश के अन्दर जिला मुख्यालयों में, तहसील मुख्यालय और बुन्देलखण्ड क्षेत्र के लिए और ग्रामीण क्षेत्र के लिए निर्धारित किया गया है, इसके साथ ही प्रदेश के अन्दर हम लोगों ने एथनॉल निर्माण के साथ ही बायोफ्यूल की कार्यवाही को आगे बढ़ाया है। सोलर एनर्जी के क्षेत्र में जो एक नयी प्रक्रिया हम लोगों ने आगे बढ़ायी है। यह जहां तेजी के साथ आगे बढ़ रही है, वहीं साथ ही साथ प्रदेश के अन्दर इस क्षेत्र में बेहतर कार्य करने और अच्छी, सस्ती और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा की उपलब्धता के लिए भी प्रमुख सचिव, ऊर्जा की अध्यक्षता में, नोडल विभाग ऊर्जा विभाग को बना करके, प्रमुख सचिव, वैकल्पिक ऊर्जा, प्रमुख सचिव, उद्योग, प्रमुख सचिव, नगर विकास, प्रमुख सचिव,

कृषि इन सभी को सदस्य के रूप में रख करके इस गोल को एचीव करने की दिशा में एक कार्यवाही आगे बढ़ायी है। उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि के लिए डिसेन्ट वर्क एण्ड इकोनामिक ग्रोथ, इसके लिए भी प्रदेश के अन्दर एक कार्य योजना आगे बढ़ी है। जिसमें ईज ऑफ डुइंग बिजनेस रैंकिंग में देश में प्रथम स्थान पर लाने का प्रयास, इस हेतु सिंगल विंडो सिस्टम और निवेश मित्र पोर्टल पहले से लागू है जो देश के अन्दर किसी भी राज्य की तुलना में बेहतर कार्य कर रहा है। एक जनपद, एक उत्पाद की योजना, वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट की योजना, पहले से ही इस दिशा में हम लोगों ने कार्यवाही आगे बढ़ायी है। प्रदेश के अन्दर कृषि निर्यात नीति को हम लोग लागू कर चुके हैं। प्रदेश के अन्दर कृषक उत्पादक कम्पनियों के गठन की प्रक्रिया तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदेश के अन्दर एम0एस0एम0ई0 सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए जो नयी कार्य योजना आगे बढ़ी है। इस दिशा में हमारा प्रयास है कि आगामी कुछ वर्षों में, इस समय हमारे पास एम0एस0एम0ई0 के लगभग 42 लाख के आसपास लघु, सूक्ष्म उद्यम हैं। आगामी वर्ष के लिए इसे 70 लाख तक पहुँचाने और इस दिशा में बेहतर कार्य योजना आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक कार्य योजना हम लोगों ने आगे बढ़ाई है और इस दृष्टि से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग विभाग को इसका नोडल विभाग बनाते हुए, प्रमुख सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग को इसके अध्यक्ष के रूप में, प्रमुख सचिव, श्रम, प्रमुख सचिव, आई0टी0, प्रमुख सचिव, कौशल विकास, प्रमुख सचिव, पर्यावरण, प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास, प्रमुख सचिव, बाल विकास और महिला कल्याण, इन सभी को सदस्य के रूप में इस योजना के साथ जोड़ने की कार्यवाही के साथ आगे बढ़ाया है।

उद्योग, नवाचार और बुनियादी सुविधाएं- इस दिशा में भी हम सब जानते हैं कि प्रदेश के अन्दर बेहतर प्रयास हुए हैं। प्रदेश का पहला इन्वेस्टर्स समिट हो, जिसमें प्रदेश के अन्दर लगभग 05 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। पिछले 20 वर्षों में इतने प्रस्ताव पहली बार उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुए हैं और इनमें भी ढाई वर्ष के दौरान 02 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रदेश के अन्दर होना, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेण्ट के लिए प्रदेश के अन्दर एक्सप्रेस वे, चाहे वह पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की कार्यवाही को तेजी से आगे बढ़ाने की कार्यवाही हो, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस वे पर कार्यवाही हो या फिर अगले वर्ष गंगा एक्सप्रेस वे को आगे बढ़ाने की कार्यवाही, इन पर तेजी के साथ कार्य जहां तेजी से बढ़ा है, वहीं कुशीनगर और आगरा में दो अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के विकास की कार्यवाही, साथ ही जेवर में एक इण्टरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के निर्माण की कार्यवाही भी प्रदेश सरकार ने आगे बढ़ायी है। बोडा का ग्रेटर नोयडा में मल्टी मॉडल ट्रॉन्सपोर्ट हब का विकास, क्षेत्रीय कनेक्टीविटी में उड़ान योजना में 08 वायु सेना के हवाई अड्डों और 16 हवाई पट्टियों तथा 03 सिविल हवाई अड्डों के विकास की कार्यवाही वर्तमान में चल रही है। कानपुर व आगरा में मेट्रो के विकास की कार्यवाही के लिए पहले ही धन उपलब्ध करा दिया है। इसके अलावा दोनों इन्वेस्टर्स समिट के

बाद जो ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी हमारी फर्स्ट और सेकेण्ड हुई है, इनमें क्रमशः 62 हजार करोड़ और 65 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रदेश के अन्दर करने में हमें सफलता प्राप्त हुई है। यह कार्यवाही इस दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य हुआ है और औद्योगिक विकास के प्रमुख सचिव को इस गोल को एचीव करने के लिए अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है और उनके साथ प्रमुख सचिव, लोक निर्माण, प्रमुख सचिव, संस्थागत वित्त, प्रमुख सचिव, परिवहन, प्रमुख सचिव, लघु उद्योग, प्रमुख सचिव, खाद्य प्रसंस्करण, प्रमुख सचिव, आई0टी0, प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को इनके साथ सदस्य के रूप में यहां पर रखा गया है। यह इस दिशा में सभी अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से इस गोल को एचीव करने की दिशा में कार्य आगे बढ़ायेंगे।

असमानताओं में कमी- इस दिशा में भी एक बेहतर पहल हुई है और मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश सरकार ने निराश्रित वृद्ध जनों की पेन्शन की राशि को बढ़ाने का कार्य किया है। अब प्रदेश के अन्दर लगभग 42 लाख वृद्ध जनों को इस पेन्शन की सुविधा से आच्छादित किया गया है। दिव्यांगजनों की पेन्शन भी 300 रुपये बढ़ाकर के 500 रुपये करने और इस राशि को भी इसमें भी संख्या हमने उन सभी पात्रता की श्रेणी में आने वाले दिव्यांग जनों को इसके साथ जोड़ने की कार्यवाही की है। अनुसूचित जाति, जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति - 2016 तक कुल 14 लाख छात्र इससे आच्छादित थे और मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि आज 25 लाख छात्र एवं छात्राएं एस0सी0/एस0टी0 यानी अनुसूचित जाति, जनजाति से जुड़े हुए छात्र इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। साथ-साथ उनकी छात्रवृत्ति की राशि को भी बढ़ाने की कार्यवाही प्रदेश सरकार ने आगे बढ़ाने की कार्यवाही की है और इस कार्य के लिए हम लोगों ने समाज कल्याण को इसका नोडल विभाग बना करके प्रमुख सचिव, समाज कल्याण को इसका अध्यक्ष, प्रमुख सचिव, पिछड़ा वर्ग, प्रमुख सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण, प्रमुख सचिव, दिव्यांग जन, प्रमुख सचिव, महिला कल्याण, प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास, प्रमुख सचिव, कृषि, प्रमुख सचिव, पंचायतीराज, प्रमुख सचिव, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम, प्रमुख सचिव, विधि एवं न्याय, प्रमुख सचिव, कौशल विकास, प्रमुख सचिव, संस्थागत वित्त और प्रमुख सचिव, गृह, इन सभी को सदस्य के रूप में इस असमानता में कमी लाने की दृष्टि से किए जाने वाले प्रयास के साथ जोड़ करके अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से इन सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कार्यवाही करने की कार्यवाही आगे बढ़ायी गयी है।

इसके साथ ही साथ 11वां गोल है संवहनीय शहर और समुदाय। जिसमें प्रदेश के अन्दर पहले से ही चल रही योजनाओं में हम सब जानते हैं कि प्रधान मंत्री आवास योजना शहरी में प्रदेश के अन्दर 13 लाख 43 हजार आवास अब तक स्वीकृत हुए हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के इस लक्ष्य को वर्ष 2022 तक हम लोग प्राप्त कर लें। साथ ही साथ प्रदेश के अन्दर जितनी भी स्ट्रीट लाइट थीं, उन्हें एल0ई0डी0 स्ट्रीट लाइट में बदलने की कार्यवाही प्रदेश के अन्दर तेजी के साथ आगे बढ़ी है। देश के अन्दर जो 100 स्मार्ट सिटी हैं,

उनमें से 10 स्मार्ट सिटी प्रदेश के अन्दर भारत सरकार के सहयोग से बन रही हैं तो साथ ही हम हमारे जो 07 नगर निगम थे, उन्हें प्रदेश सरकार के संसाधनों से स्मार्ट ऐण्ड सेफ सिटी के रूप में विकसित करने की कार्यवाही कर रहे हैं। 08 नये शहरों को अमृत योजना के अन्तर्गत आच्छादित करने और पं0 दीन दयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के अन्तर्गत भी प्रदेश के नगर निकायों को बेहतर सुविधाओं से आच्छादित करने की कार्यवाही इस योजना के अन्तर्गत प्रारम्भ हुई है। साथ ही साथ प्रदेश के अन्दर प्लास्टिक पॉलीथीन से निर्मित सिंगल यूज डिस्पोजिबल सामग्री और थर्माकोल को पूर्णतया प्रतिबंधित करने की कार्यवाही भी इस योजना से प्रदेश के अन्दर प्रारम्भ हुई है और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भी एक बेहतर कार्य प्रारम्भ हुआ है। इसमें नोडल विभाग के रूप में नगर विकास विभाग को नोडल विभाग नामित किया गया है। प्रमुख सचिव नगर विकास, प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन, प्रमुख सचिव परिवहन, प्रमुख सचिव लोक निर्माण, प्रमुख सचिव पर्यटन, प्रमुख सचिव संस्कृति, प्रमुख सचिव राजस्व, प्रमुख सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, इन सभी को सदस्य के रूप में इस कार्य योजना को आगे बढ़ाने के लिए और अन्तर विभागीय समन्वय के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संवहनीय उपभोग और उत्पादन-इस दिशा में जो प्रयास प्रारम्भ हुए हैं। इसमें चाहे वह खनन नीति 2017 (प्रख्यापितत:) अवैध खनन के विरुद्ध कठोर कार्यवाही, भू-जल अधिनियम 2019, इसको विज्ञापित करने की कार्यवाही, जल शक्ति अभियान तथा राज्य भू-जल संरक्षण मिशन के माध्यम से जल संरक्षण के क्षेत्र में तालाबों का जीर्णोद्धार, नये तालाबों का निर्माण, चेक डैम का निर्माण, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आदि का क्रियान्वयन। इन सभी कार्यों के साथ ही प्रदेश के अन्दर प्राकृतिक संसाधनों की मैपिंग, सर्कुलर इकोनॉमी अर्थात् एक उद्योग के अपशिष्ट को दूसरे उद्योग के संसाधनयुक्त प्रयुक्त करने वाली इकाइयों के प्रोत्साहन हेतु नीति, मृदा संसाधन के विकल्प के रूप में फ्लाई ऐश के प्रयोग को बढ़ावा देना, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि के उपयोग को बढ़ावा देना, अपशिष्ट रिसाइकलिंग प्लाण्टों की संख्या में वृद्धि करना, नदियों में पर्यावरणीय बहाव को सुनिश्चित करना, उत्पादों के पुर्नउपयोग को बढ़ावा देने हेतु एक तंत्र को प्रोत्साहित करना, इसके साथ ही उद्योगों में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो का प्रमाणीकरण सुनिश्चित करना और व्यावसायिक भवनों, होटलों आदि में एनर्जी कन्जर्वेशन बिल्डिंग कोड लागू करना, यह कार्य इस दिशा में आगे बढ़ाया गया है। पर्यावरण विभाग को इसका नोडल विभाग बनाते हुए प्रमुख सचिव पर्यावरण को अध्यक्ष, प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास, प्रमुख सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, प्रमुख सचिव वन, प्रमुख सचिव कृषि, प्रमुख सचिव वैकल्पिक ऊर्जा, प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा और प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को इसमें सदस्य के रूप में नामित करते हुए अन्तर विभागीय समन्वय के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य योजना बनाना।

गोल संख्या-13 में जलवायु परिवर्तन-

इसके लिए भी एक ठोस ऐक्शन प्लान बना करके एक कार्य योजना आगे बढ़ाई गई है। जिसमें प्रदेश के अन्दर आपने देखा होगा कि वर्ष 2018-19 में 11.77 करोड़ वृक्षारोपण हुआ था। वर्ष 2019-20 में 22.59 करोड़ वृक्षारोपण किया गया और वर्ष 2020-21 में प्रदेश ने 25 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा है। प्लास्टिक कैरी बैग, सिंगल यूज प्लास्टिक तथा थर्माकोल उत्पादन को पूर्णतया प्रतिबन्धित करना, विभिन्न परियोजनाओं का पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इस पर आगे कार्यवाही बढ़ाना और ऊर्जा खपत को कम करने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब आदि को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्यवाही करना और इस दिशा में भी जो कार्य योजना हमारी आगे चली है, इसमें भी नोडल विभाग के रूप में पर्यावरण विभाग को रखा गया है। प्रमुख सचिव, पर्यावरण अध्यक्ष के रूप में, प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास, प्रमुख सचिव राजस्व, प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, वन, नगर विकास, पंचायती राज, वैकल्पिक ऊर्जा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम को इसमें सदस्य के रूप में नामित करते हुए इस कार्यवाही को आगे बढ़ाने की कार्यवाही की गई है।

गोल संख्या-14-

यह जलीय जीवों से सम्बन्धित है जो समुद्री जीवों से सम्बन्धित है। यह प्रदेश में लागू नहीं होता है लेकिन गोल संख्या-15 यह थलीय जीवों की सुरक्षा से सम्बन्धित है। इस पर भी प्रदेश के अन्दर जो कार्यवाही आगे चली है, इस पर बेहतर प्रयास प्रारम्भ हुए हैं। इसमें थलीय जीवों की सुरक्षा के लिए इस दिशा में जो प्रयास प्रारम्भ हैं, उनमें नोडल विभाग वन विभाग को बनाया गया है। इसमें प्रमुख सचिव वन के साथ प्रमुख सचिव कृषि, प्रमुख सचिव पंचायती राज, प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास, प्रमुख सचिव सिंचाई, प्रमुख सचिव पर्यावरण, प्रमुख सचिव खनन, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास को अन्तर विभागीय समन्वय के रूप में सदस्य के रूप में नामित करते हुए इस कार्यवाही को आगे बढ़ाया गया है। मुझे इस बारे में बताते हुए प्रसन्नता है कि एक वृहत्तर कार्य योजना इसमें केवल वनीय जीवों के लिए ही नहीं बल्कि प्रदेश के अन्दर बड़ी संख्या में निराश्रित गो-वंश के बारे में भी जो एक ठोस कार्य योजना प्रदेश सरकार ने प्रारम्भ की है। हर जनपद में गो-आश्रय स्थल के निर्माण के साथ ही प्रदेश सरकार के द्वारा निराश्रित गो-वंश को अगर कोई किसान अपने घर में लाकर उसकी सेवा करता है और उसके भरण पोषण की व्यवस्था करता है तो प्रति गो-वंश 900 रुपये उसके बैंक एकाउण्ट में उसे जिलाधिकारी और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी की सहमति से प्रदान करने की कार्यवाही हेतु जो कार्य प्रारम्भ हुआ है, यह कार्य इस दिशा में आगे बढ़ने की कार्यवाही है।

16वां गोल है शान्ति, न्याय एवं सतत संस्थाएं यानी पीस, जस्टिस ऐण्ड स्ट्रांग इन्स्टीट्यूशन्स। इस दिशा में प्रदेश सरकार में जो कार्य अब तक हुए हैं, इसमें महिला सम्मान

प्रकोष्ठ की स्थापना, वीमेन पावर लाइन-1090, वन स्टॉप सेण्टर, मानव तस्करी विरोधी इकाईयों की स्थापना, गुमशुदा बच्चों की सुरक्षित घर वापसी के लिए ऑपरेशन मुस्कान, एण्टी रोमियो स्क्वाड का गठन, डायल-100, लड़कियों की आत्मरक्षा में प्रशिक्षित करने हेतु ऑपरेशन आत्मरक्षा, साइबर अपराधों की प्रभावी रोकथाम हेतु प्रत्येक जनपद में साइबर सेल का गठन। ये सब कार्यवाही इसमें आगे बढ़ी है और इन कार्यवाहियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश के अन्दर अब तक जो कार्यवाही आगे बढ़ी है, इस सम्बन्ध में प्रमुख सचिव गृह की अध्यक्षता में प्रमुख सचिव, चिकित्सा-स्वास्थ्य, प्रमुख सचिव महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार, प्रमुख सचिव श्रम, प्रमुख सचिव विधि एवं न्याय, प्रमुख सचिव पंचायती राज, प्रमुख सचिव नगर विकास, प्रमुख सचिव सतर्कता, इन सबको सदस्य के रूप में रखते हुए एक अन्तर विभागीय समन्वय के माध्यम से इन कार्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बेहतर प्रयास प्रारम्भ हुआ है।

गोल संख्या-17-

इस लक्ष्य हेतु भागीदारी के लिए, एस0डी0जी0 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए राजस्व बचत हेतु प्रदेश के अन्दर मितव्ययता सम्बन्धी उपाय लागू किए गए। उपलब्ध संसाधनों का विभिन्न योजनाओं में आवंटन इस प्रकार से हो कि हमें ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सके। संसाधनों का अनुकूलतः उपयोग भी सुनिश्चित कराया जा रहा है और इन सभी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए भी नोडल विभाग के रूप में वित्त विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। अपर मुख्य सचिव, वित्त को इसके अध्यक्ष के रूप में नामित करते हुए प्रमुख सचिव वाणिज्य कर, प्रमुख सचिव आबकारी, प्रमुख सचिव संस्थागत, प्रमुख सचिव सूचना एवं प्रौद्योगिकी, प्रमुख सचिव सिंचाई, प्रमुख सचिव नियोजन इसमें सदस्य के रूप में नामित किए गए हैं। इस प्रकार से इन सभी 17 गोल को अचीव करने के लिए प्रदेश सरकार ने अपनी एक ठोस कार्य योजना बनाई है। पूरे प्रदेश स्तर पर इन सभी को एक ठोस कार्य योजना के साथ आगे बढ़ाने के लिए इसमें वर्ष 2022, 2024 और 2030 तक भौतिक और वित्तीय लक्ष्यों के साथ प्रत्येक माह मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश और स्वयं मुख्य मंत्री कार्यालय के अनुश्रवण में यह कार्यवाही आगे बढ़ेगी और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में मेरा यह मानना है कि जो ये सभी समितियां गठित हुई हैं, ये स्टेट इण्डीकेटर फ्रेम वर्क तैयार करेंगी और तैयार किए गए इण्डीकेटर्स को नीति आयोग द्वारा तैयार किए गए डैश बोर्ड के साथ उसे लिंक करने का कार्य भी करेंगे।

महोदय, यह व्यापक कार्य योजना है। प्रदेश सरकार के द्वारा 36 घण्टे चली इस मैराथन चर्चा, परिचर्चा के बाद जो सुझाव मा0 सदस्यों के द्वारा उपलब्ध कराए गए थे, उसके अनुसार यहां पर हमें इस कार्य योजना को बनाने में सफलता प्राप्त हुई है। मेरा यह मानना है कि संवाद के माध्यम से हम लोग इस कार्य योजना को तेजी के साथ आगे बढ़ा करके उत्तर

प्रदेश के सामने आज जो दो लक्ष्य हैं, उनको प्राप्त कर सकेंगे। एक आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने देश को 05 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के रूप में स्थापित करने की जिस कार्य योजना को आगे बढ़ाया है, उत्तर प्रदेश की उसमें क्या भूमिका हो सकती है? उत्तर प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने की दिशा में अगर हमें प्रयास करना है तो हमें इन सभी गोल्स को आपस में जोड़ करके क्योंकि एक का प्रभाव दूसरे पर पड़ता है। इन्हें आपस में जोड़ करके अन्तर विभागीय समन्वय के माध्यम से हम इस ठोस कार्य योजना को आगे बढ़ाने में सफल हो सकते हैं और प्रदेश के अन्दर गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और अन्य उन स्थितियों से प्रदेश को बाहर करके एक बेहतर दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। मुझे बहुत प्रसन्नता है कि मा0 सदस्यों ने बहुत रुचि के साथ इन सभी विषयों पर व्यापक चर्चाएं कीं, अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। मैं मा0 अध्यक्ष जी से इस बारे में अनुरोध भी करूँगा कि जिन मा0 सदस्यों ने 36 घण्टे की इस मैराथन चर्चा में भाग लिया है उनके भी और जिन्हें बोलने का अवसर नहीं मिल पाया और उन्होंने समय से अपना भाषण भी इस सदन में देने का प्रयास किया था लेकिन नहीं दे पाए। उन्होंने अपना लिखित भाषण उपलब्ध कराया है। इन सबको लेकर के वास्तव में एक दस्तावेज तैयार होना चाहिए विधान सभा का भी और विधान परिषद् का भी। सामूहिक रूप से हो तो अच्छा होगा। फिर मुझे लगता है कि यह पहला विधान मण्डल होगा जिसने इस प्रकार की एक सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाया है। अब तक तो हम चर्चा ही नहीं करते थे, अब तक हम जानना ही नहीं चाहते थे कि ये सस्टेनेबुल डेवलपमेण्ट गोल्स क्या हैं। हमारी इसमें क्या भूमिका हो सकती है, हमारी जिम्मेदारियां क्या हैं, लेकिन मैं कल देख रहा था कि कुछ मा0 सदस्यों को विषय भी दिए गए थे कि उन्हें इस पर बोलना है तो वह मा0 सदस्य पहले महात्मा गांधी जी के प्रति अपना श्रद्धा भाव व्यक्त करता था, फिर अपने विषय पर बोलता था और फिर अपने विधान सभा क्षेत्र को भी यहां पर रखता था। यह एक अच्छी शुरूआत हुई है। एक जनप्रतिनिधि अपने विधान सभा क्षेत्र के प्रति भी और साथ ही साथ पूरे प्रदेश के अन्दर सस्टेनेबुल डेवलपमेण्ट गोल्स को अचीव करने की दिशा में क्या प्रयास मेरे स्तर पर हो सकता है, उन्होंने उस पर भी अपने बेहतर और अच्छे सुझाव देकर के इस पूरी चर्चा को बहुत सार्थक दिशा में ले जाने का कार्य किया और मैंने देखा कि बहुत गम्भीरता के साथ लोग बात कर रहे थे, रात्रि भर चर्चा चल रही थी। महोदय, अगर मैं आपके सामने उपस्थिति रखूँ तो कल रात्रि को 12 बजे 103 सदस्य इस सदन में मौजूद थे, रात्रि को 01 बजे 88 सदस्य यहां मौजूद थे, रात्रि को 02 बजे 78 सदस्य इस सदन में मौजूद थे, और मुझे लगता है कि दिनभर 100 के आस-पास सदस्य हर समय पूरे सदन में मौजूद रहे हैं। मुझे लगता है कि इतनी अच्छी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति अपने आप में इस पूरी चर्चा की गरिमा को आगे बढ़ाता है।

इस अवसर पर मैं आप सबका एक बार पुनः हृदय से अभिनन्दन करता हूं और मेरा विश्वास है कि संबंधित विभाग जो नोडल विभाग बनाये गये हैं उन विभागों के मंत्रीगण भी

अगर इसमें रुचि लें, रुचि लेकर हर दूसरे महीने इसके बारे में एक बार चर्चा करके इस कार्यक्रम को आगे बढ़ायेंगे और हर तीसरे महीने मैं स्वयं इसकी समीक्षा करूँगा तो यह चीजें बहुत तेजी से आगे बढ़ती हुई दिखाई देंगी और इसका लाभ प्रदेश के अन्दर हर एक व्यक्ति को उसी रूप में प्राप्त होगा। जैसे आपने चर्चा के दौरान सुना होगा कि हमने प्रदेश के अन्दर सभी लोगों को बिना भेद-भाव के मकान दिये हैं। बहुजन समाज पार्टी के एक व्यक्ति द्वारा यह कहा जाना कि उनके छोटे-से नगर निकाय में केवल 509 मुस्लिम समुदाय के परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास मिलना, इस बात को साबित करता है कि बिना भेद-भाव के शासन की योजनाएं समाज के प्रत्येक तबके तक पहुंची हैं। यह इस बात को साबित करती हैं कि बिना भेद-भाव के इन योजनाओं का लाभ सभी को दिया गया, क्योंकि गरीबी, बेकारी, भुखमरी, अशिक्षा या स्वास्थ्य की उत्तम व्यवस्था न होना, यह कहीं भी होगा, उसका दुष्परिणाम समाज को किसी-न-किसी रूप में भुगतना ही होगा, समाज के ऊपर ही उसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। हम उस दुष्प्रभाव से अपने आपको मुक्त कर सकें, हम इस दिशा में एक बेहतर प्रयास प्रारम्भ कर सकें। मुझे बहुत प्रसन्नता है कि यह कार्य यहां पर पिछले 36 घण्टों के अन्दर बेहतर तरीके से आगे बढ़ा है। यहां पर सम्वेत सदन इस समारोह के अवसर पर यहां बैठा है। यहां पर भले विपक्ष ने वॉक-आउट किया हो लेकिन उसकी प्रतिपूर्ति हमारे विधान-परिषद् के मा0 सदस्यों ने कर दी है और वह लोग यहां पर आये हैं मैं उनका भी हृदय से अभिनन्दन करता हूँ और विश्वास करता हूं कि यह एक ठोस कार्य-योजना आने वाले समय के लिए एक दस्तावेज बनें।

हमारे मा0 अध्यक्ष जी भी स्वयं एक बहुत अच्छे लेखक, पत्रकार एवं विद्वान अध्यक्ष हैं उन्होंने स्वयं भी इस पूरी चर्चा का बहुत बेहतर तरीके से सम्पादन किया। सम्पादन के माध्यम से उस पुस्तिका को सभी देश के मा0 सांसदों के पास, सभी विधान सभाओं के पास, सभी विधायकों के पास भिजवाने की कृपा कर सकेंगे, सभी जनपदों के चुने गये जनप्रतिनिधियों तक अगर भिजवाने की कार्यवाही कर सकेंगे तो इससे सभी लोगों को भी उसके बारे में पता लगेगा। यह चर्चा केवल विधान सभा में ही नहीं होनी चाहिए, यह चर्चा जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत में होनी चाहिए। यह चर्चा नगर निकायों में भी होनी चाहिए। इस चर्चा को हर स्तर पर आगे बढ़ाकर हम एक निष्कर्ष पर पहुंचे और फिर हर व्यक्ति अपनी-अपनी जिम्मेदारियों के साथ आगे बढ़ना प्रारम्भ करेगा तो एक बेहतर पहल को आगे बढ़ाने में सफल होंगे। मैं इस अवसर पर एक बार पुनः हृदय से अभिनन्दन करता हूं। आदरणीय अध्यक्ष जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, सभापति विधान परिषद् का भी हृदय से अभिनन्दन करता हूं। इस पूरी कार्यवाही में लगे हुए विधान सभा एवं विधान परिषद् के उन सभी अधिकारियों का, प्रदेश सरकार के अधिकारियों का जो इस पूरी कार्यवाही का हिस्सा बने हैं, अपने पत्रकार मित्रों का भी मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, उन सबको हृदय से धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने

एक सार्थक कार्यक्रम को आगे बढ़ाया और हमारी विधायिका एक सार्थक चर्चा का मंच बनी और वह लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों को पूरी मजबूती के साथ, पूरी प्रतिबद्धता के साथ उन मंचों का उपयोग उसी रूप में कर रही है और करने के लिए प्रतिबद्ध है, यह साबित करके आप सबने दिखाया है। मैं आप सबका हृदय से अभिनन्दन करता हूं, शारदीय नवरात्रि और विजयदशमी की आप सबको मंगलमय शुभकामनाएं देता हूं और विश्वास व्यक्त करता हूं कि चर्चा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। एक बार पुनः आपका मा0 अध्यक्ष जी और दोनों सदनों से जुड़े हुए जितने भी अधिकारीगण हैं, इन सबको भी हृदय से धन्यवाद देता हूं।

पीठ द्वारा विधान परिषद् सदस्यों को उनके सदन में जाने की सूचना

श्री अध्यक्ष-

विधान परिषद् के मा0 सदस्य शायद जाना चाहें तो जा सकते हैं।

श्री योगी आदित्यनाथ-

मैंने विधान परिषद् के मा0 सदस्यों के बारे में पहले ही कह दिया है। मैंने यहां पर पहले भी कहा है कि हम लोगों ने एक नयी योजना, हर विधायक को अपने विधान सभा क्षेत्र में एक पर्यटन केन्द्र को विकसित करने की योजना पर आपसे प्रस्ताव मांगा है। समय पर प्रस्ताव देंगे, हम उस पर आवश्यक धनराशि उपलब्ध करायेंगे और मुझे लगता है कि आप किसी एक पर्यटन केन्द्र को इस अवसर के साथ जोड़िये कि जब प्रदेश की विधान मण्डल ने सस्टनेबुल डेवलपमेण्ट गोल्स पर चर्चा की है तब हम लोग अपनी विधान सभा के लिये भी एक ऐसी चीज लेकर आये हैं जो आने वाली पीढ़ी को आप दे सकेंगे। आप सभी के प्रति मैं इस अवसर पर हृदय से धन्यवाद देता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

अभी माननीय सदस्यगण बैठे रहेंगे। जो विधान परिषद् के माननीय सदस्य हैं वह अब अपने यहां जा सकते हैं बाकी विधान सभा के माननीय सदस्य बैठे रहेंगे। माननीय मंत्रीगण तो कहीं रह सकते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी कुछ प्रारम्भ और बाद वाला दोहरा दें, आप आभार व्यक्त कर दीजिए।

माननीय मुख्य मंत्री द्वारा आभार (क्रमागत)

*** मा0 मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आभारी हूं उत्तर प्रदेश विधान मण्डल के अपने दोनों पीठासीन अधिकारियों का और दोनों सदनों का जिन्होंने पिछले 36 घण्टों से इस ज्वलन्त मुद्दे

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

को चर्चा का विषय बनाया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के प्रति इस संवाद के माध्यम से अपनी श्रद्धांजलि दी।

एक बार पुनः आपका मा0 अध्यक्ष जी और दोनों सदनों से जुड़े हुए जितने भी अधिकारीगण हैं, इन सबको भी हृदय से धन्यवाद देता हूं।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इस पूरे भाषण को पढ़ा हुआ मान लेते हैं। अब यह भाषण विधान सभा में दिया हुआ माना गया। माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, अब आप प्रस्ताव रखें।

***संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

धन्यवाद् अध्यक्ष जी। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित की जाय।

श्री अध्यक्ष-

नहीं, जो प्रस्ताव आपने सदन प्रारम्भ होते समय रखा था उसको पहले आप पारित करायें।

नियम 103 के अन्तर्गत संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये जाने विषयक प्रस्ताव का पारण

***संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

माननीय अध्यक्ष जी, कल दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 को प्रातःकाल 11 बजे यह प्रस्ताव रखा गया था माननीय सदन के समक्ष कि ''यह सदन प्रस्ताव करता है कि राष्ट्रपिता के उच्च आदर्शों का पालन करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये जाएं।''

श्री अध्यक्ष-

अब मैं प्रश्न उपस्थित करता हूं। प्रश्न यह है कि राष्ट्रपिता के उच्च आदर्शों का पालन करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रभावी कदम उठाये जाएं?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित किये जाने का प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी अब आप उस प्रस्ताव को रखें।

[*] **संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित की जाय।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित की जाय?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

राष्ट्रगान

अब हम राष्ट्र-गान के लिए खड़े होंगे।

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे।
भारत-भाग्य विधाता।।
पंजाब सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग।
विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल-जलधि-तरंग।।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे।।
गाहे तव जय गाथा।।
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य विधाता।।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।।

श्री अध्यक्ष-

अब हम अनिश्चितकाल के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 23 बजकर 42 मिनट पर अनिश्चितकाल तक के लिये स्थगित हो गया।)

---

[*] वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

लखनऊ :
(03 अक्टूबर, 2019)

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव,
विधान सभा, उत्तर प्रदेश।